UGC-NET/JRF, TGT, PGT, DSSSB, RPSC, MA,
M.Phil/Ph.D Entrance आदि संस्कृत सम्बद्ध
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

भाग- 2

संस्कृतसाहित्य
भारतीयदर्शन

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये लगभग 7000 प्रश्नों का स्त्रोत सहित हल

सम्पादक
सर्वज्ञभूषण
सचिव
संस्कृतगङ्गा, प्रयाग

सह-सम्पादिका
सुमन सिंह
माता सेवक इण्टर कॉलेज
बैरी-बीसा, भदोही (उ.प्र.)

संशोधक
कविता सिंह
अमिता सिंह
नेगम देवी

* **प्रकाशनाधिकारिणी संस्था**
संस्कृतगङ्गा (पञ्जीकृत)
59, मोरी, दारागञ्ज, इलाहाबाद
(कोतवाली दारागञ्ज के आगे, गङ्गाकिनारे,
संकटमोचन छोटे हनुमान् मन्दिर के पास)
कार्यालय - 7800138404, 9839852033
email-sanskritganga@gmail.com
वेबसाइट– www.sanskritganga.org
www.sanskritganga.in

* **प्रकाशक**
संस्कृतगंगा
59 मोरी, दारागंज, इलाहाबाद

* **वितरक**
राजू पुस्तक केन्द्र
अल्लापुर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)
मो० 9453460552

* पुस्तकें डाक द्वारा भी आर्डर कर सकते हैं–**7800138404**
(गोपेश मिश्र)

* प्रथमसंस्करण – सितम्बर - 2017

* **मूल्य – ` 425/-** (चार सौ पच्चीस रुपये मात्र)

पुस्तक प्राप्ति के स्थान

1. राजू पुस्तक भण्डार, अल्लापुर, इलाहाबाद
सम्पर्क सूत्र : 0532-2503638, 9453460552
2. संस्कृतगङ्गा, दारागञ्ज, इलाहाबाद - 7800138404
3. गौरव बुक एजेन्सी, कैण्ट, वाराणसी
4. विजय मैग्जीन सेन्टर, बलरामपुर
5. जायसवाल बुक सेन्टर, हरदोई – 9415414569
6. शिवशंकर बुक स्टाल, जौनपुर
7. न्यू पूर्वांचल बुक स्टाल, जौनपुर – 9235743254
8. कृष्णा बुक डिपो बस्ती – 8182854095
9. मौर्या बुक डिपो, पाण्डेयपुर, वाराणसी– 9454735892
10. मनीष बुक स्टोर, गोरखपुर – 9415848788
11. द्विवेदी ब्रदर्स, गोरखपुर – 0551-344862
12. विद्यार्थी पुस्तक मन्दिर, गोरखपुर – 9838172713
13. रंजन मिश्रा, गोरखपुर (बस स्टैण्ड)
14. आशीर्वाद बुक डिपो, अमीनाबाद, लखनऊ
15. मालवीय पुस्तक केन्द्र, अमीनाबाद, लखनऊ – 9918681824
16. मॉडर्न मैग्जीन बुक शॉप, कपूरशाला, लखनऊ
17. साहू बुक स्टॉल, अलीगंज, लखनऊ – 9838640164
18. भूमि मार्केटिंग, लखनऊ – 9450520503
19. दुर्गा स्टोर, राजा की मण्डी, आगरा – 9927092063
20. महामाया पुस्तक केन्द्र, बिलासपुर – 09907418171
21. डायमण्ड बुक स्टाल, ज्वालापुर, हरिद्वार
22. कम्पटीशन बुक हाउस, सब्जी मण्डी रोड, बरेली – 9897529906
23. अजय गुप्ता बुक स्टोर, लखीमपुर – 809062054
24. शिवशंकर बुक स्टाल, रीवा – 9616355944
25. कृष्णा बुक एजेन्सी, वाराणसी – 9415820103
26. गर्ग बुक डिपो, जयपुर
27. अग्रवाल बुक सेन्टर, मुखर्जी नगर, नयी दिल्ली
28. चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी (सभी बुक स्टालों पर)
मो. – 9839243286, 9415508311, 0532-2420414
29. विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी – 0542-2413741
30. मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
31. केशवी बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली – 93
32. महावीर बुक स्टाल, खजूरी बाजार, इन्दौर
33. हिन्दी बुक डिपो, मुरादाबाद – 94566888596
34. माँ बुक स्टेशनर्स, शहडोल छत्तीसगढ़ – 9406754644
35. परिमल पब्लिकेशन्स शक्तिनगर, दिल्ली – 011-23845456
36. शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, कटरा, इलाहाबाद

संस्कृतगङ्गा उवाच

प्रिय संस्कृतमित्राणि! नमः संस्कृताय।

- संस्कृतगङ्गा दारागञ्ज प्रयाग द्वारा **''प्रतियोगितागङ्गा''** (भाग-2) आप सभी संस्कृतमित्रों की सेवा में समर्पित है, इस पुस्तक में संस्कृत-साहित्य, काव्यशास्त्र एवं भारतीय दर्शन से सम्बद्ध विगत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये बहुविकल्पीय प्रश्नों का सप्रमाण हल प्रस्तुत है।
- इसके पहले प्रतियोगितागङ्गा (भाग-1) वैदिक-साहित्य एवं संस्कृतव्याकरण से सम्बद्ध विगत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये लगभग 5000 बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली पुस्तक आपकी सेवा में पहले ही समर्पित की जा चुकी है। एक वर्ष में ही 10,000 से अधिक प्रतियाँ बिकने के बाद इस पुस्तक की माँग लगातार बढ़ रही थी, जो आज पूरी हुई।
- मित्रों! इस पुस्तक का लेखनकार्य जुलाई 2014 से प्रारम्भ किया गया था, तब से लेकर आज सितम्बर 2017 तक लगभग तीन वर्ष से अधिक अनवरत परिश्रम के बाद पुस्तक का यह स्वरूप आपके सामने आ सका है, तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि इस पुस्तक को तैयार करने में काफी समय लगा, परन्तु कोई भी जिज्ञासु प्रतियोगी छात्र इसे पढ़कर इसके श्रम का अनुभव कर सकता है– **''जानाति हि पुनः सम्यक् कविरेव कवेः श्रमम्''** (नलचम्पू 1/23) कहने को तो यह भी कहा जा सकता है कि इस पुस्तक में प्रश्नों का ही तो संग्रह है और क्या मौलिक सर्जना है, परन्तु मित्रों यह तो इसके स्वाध्याय से ही पता चलेगा कि इसमें लगातार 3 वर्षों तक लगभग 25 संस्कृतमित्रों के सहयोग से क्या विशेष कार्य किया गया है। इस कार्य को तो कोई जिज्ञासु, स्वाध्यायी तथा गुणी पाठक ही बता सकता है, कि पुस्तक का कार्य कितना गुरुतर, श्रमसाध्य एवं भगीरथप्रयास से ही सम्भव था, क्योंकि– **''जानन्ति हि गुणान् वक्तुं तद्विधा एव तादृशाम्''**
- प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय में हम सभी लोगों की यह आम धारणा रही है कि TGT, PGT, UGC आदि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के पूर्व प्रत्येक छात्र उस परीक्षा की मूल प्रकृति को जानने समझने के लिए उस परीक्षा के विगतवर्षों में पूछे गये प्रश्नों को देखना समझना चाहता है, ताकि उसी के अनुसार वह योजनाबद्ध तरीके से अपनी तैयारी कर सके। इस दृष्टि से यह पुस्तक संस्कृत प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी, तथा संस्कृत से जुड़ी सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रथम एवं अनिवार्य पुस्तक होगी। क्योंकि इसमें **भारत में सम्पन्न संस्कृत-सम्बद्ध किसी भी परीक्षा का प्रश्न यथासम्भव सही सन्दर्भ, स्रोत एवं उत्तर के साथ संकलित है।** इस पुस्तक की यही विशिष्टता रही है कि इसमें केवल विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का ही संग्रह किया गया है न कि स्वनिर्मित प्रश्नों का। प्रश्नों की प्रकृति के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गयी है, और **प्रत्येक प्रश्न के आगे उस परीक्षा का नाम और वर्ष भी अङ्कित** किया गया है।
- मित्रों! इस पुस्तक का यह स्वरूप बनाने में कुछ बड़ी चुनौतियाँ संस्कृतगङ्गा के सामने थीं, जैसे–

  (i) प्रश्नपत्रों की उपलब्धता

  (ii) प्रश्नों का सही उत्तर खोजना

  (iii) उत्तरों का प्रामाणिक ग्रन्थों से सही स्रोत लिखना

  (iv) प्रश्नों की पुनरावृत्ति रोकना

  (v) सभी प्रश्नों का सही सन्दर्भ लिखना

  (vi) किसी भी तरह के मुद्रणदोष से पुस्तक को बचाना

  (vii) प्रश्नों को सही क्रम में व्यवस्थित करते हुए उचित स्थान पर संकलित करना

  इन सभी चुनौतियों को संस्कृतगंगा की सम्पादक टीम ने अथक परिश्रम करके आसान बना दिया।

क्या है? इस पुस्तक में ....

1. विगत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के संस्कृतसम्बद्ध प्रश्नों का संग्रह–

- मित्रों! इस पुस्तक में भारतवर्ष में सम्पन्न किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में यदि कोई भी संस्कृतवाङ्मय से सम्बद्ध बहुविकल्पीय प्रश्न पूछा गया है, तो उसका संकलन किया गया है; वह परीक्षा चाहे IAS, PCS, UGC NET/JRF, TGT, PGT या किसी विश्वविद्यालय BHU, JNU या DU आदि की प्रवेश परीक्षा से ही सम्बद्ध क्यों न हो। इस प्रकार **लगभग 450 से अधिक प्रश्नपत्रों से लगभग 12000 (बारह हजार) से अधिक प्रश्न** प्रतियोगितागङ्गा के दोनों भागों में संगृहीत किये गये हैं।
- इस पुस्तक में संस्कृतसाहित्य से **लगभग 4500 प्रश्न** तथा भारतीय दर्शन से **लगभग 2500** प्रश्नों का संग्रह है। इसप्रकार प्रतियोगितागङ्गा (भाग-2) में संस्कृतसाहित्य, काव्यशास्त्र एवं भारतीय दर्शन से सम्बद्ध लगभग **7000 बहुविकल्पीय** प्रश्नों का संग्रह है।
- विगत वर्षों में सन् 1990 से अब तक की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में यदि एक भी प्रश्न संस्कृतसम्बद्ध था तो उसका संकलन 'प्रतियोगितागङ्गा' में करने का पूरा प्रयास किया गया है; वह परीक्षा संस्कृतविषय से ही पूर्णतया सम्बद्ध हो, ऐसा नहीं है, बहुत सारे प्रश्न IAS, PCS, RPSC, MPPSC के प्रथम प्रश्नपत्र (सामान्यज्ञान) से भी संकलित हैं। विशेषकर वैदिकवाङ्मय में। जैसे– (i) **सबसे पुराना वेद कौन-सा है? (ii) ऋग्वेद की मूल लिपि थी, (iii) गायत्रीमन्त्र किस पुस्तक में मिलता है आदि।**
- इसीप्रकार प्राचीन इतिहास, सामाजिक विज्ञान और हिन्दी साहित्य की TGT, PGT, UGC आदि परीक्षाओं में संस्कृत से जुड़े बहुत प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी प्रश्नों को यथासम्भव संकलित करने का पूरा प्रयास किया गया है। हाँ, जो प्रश्नपत्र उपलब्ध नहीं हो पाये थे उनके प्रश्न इस संस्करण में संकलित नहीं हैं। आगामी संस्करण में उनको भी संगृहीत करने का प्रयास होगा।

2. प्रश्नों का विषयवार विभाजन–

- इस पुस्तक में सर्वप्रथम सभी प्रश्नों को पाँच भागों में विभाजित किया गया है–
  1. वैदिकवाङ्मय, 2. संस्कृतव्याकरण, 3. भाषाविज्ञान, 4. भारतीयदर्शन, 5. संस्कृतसाहित्य
  अब यदि प्रश्न वेद से सम्बद्ध है तो उसे वैदिकवाङ्मय में और यदि व्याकरण, दर्शन, साहित्य और भाषाविज्ञान से हैं तो उन्हें उनके सही स्थान पर संकलित किया गया।
- पुनः संस्कृतसाहित्य को **रामायण, महाभारत, रघुवंश, किरातार्जुनीयम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, काव्यप्रकाश, दशरूपक** आदि **37 अध्यायों** में विभाजित किया गया। अब जो प्रश्न जिस अध्याय से सम्बद्ध था उस प्रश्न को उसी अध्याय में संकलित किया गया, अर्थात् रामायण से सम्बद्ध सभी प्रश्न रामायण में, महाभारत से सम्बद्ध प्रश्न महाभारत नामक अध्याय में संकलित किये गये। इसप्रकार संस्कृतसाहित्य से सम्बद्ध सभी प्रश्न तत्तत् अध्यायों में विभाजित करने से एक विषय के प्रश्न एक ही स्थान पर एकत्रित हो गये। साथ ही इसका भी ध्यान रखा गया है कि कौन-सा प्रश्न पहले होगा, कौन बाद में।
- इसीप्रकार भारतीयदर्शन सम्बद्ध प्रश्नों को **सांख्यकारिका, योगसूत्र, वेदान्तसार, अर्थसंग्रह, तर्कभाषा, तर्कसंग्रह** आदि **14 अध्यायों** में विभाजित करके संकलित किया गया। अतः इस पुस्तक में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के संस्कृतसाहित्य एवं भारतीय दर्शन आदि से सम्बद्ध प्रश्न एकस्थान पर आपको एक साथ मिलेंगे।

3. प्रश्नों का सही सन्दर्भ–

- इस पुस्तक में प्रत्येक प्रश्न के आगे परीक्षा का नाम और परीक्षा वर्ष का सन्दर्भ मोटे-मोटे (Bold) अक्षरों में लिखा गया है; जैसे– **TGT–2010, PGT–2011, UGC J–2000** आदि। इससे पाठकों को यह पता चलेगा कि यह प्रश्न किस परीक्षा में किस वर्ष और कहाँ पूछा गया था।

4. प्रश्नों की पुनरावृत्ति का अभाव–

- विभिन्न प्रश्नपत्रों से प्रश्नों को संकलित करते समय देखा गया कि एक ही प्रश्न कई परीक्षाओं में बार-बार पूछा जा रहा है, तो उसे एक ही बार लिखकर उसका सन्दर्भ उस प्रश्न के आगे लिख दिया गया। कई बार ऐसा भी देखा गया कि वही प्रश्न किसी दूसरी शैली से पूछा गया है, भाव साम्य है, और उत्तर भी समान है तो ऐसे भी प्रश्नों को एक ही जगह संकलित किया गया है। जैसे– किरातार्जुनीय नामक अध्याय के प्रश्न क्र-71 को देखें–

(i) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' यह कथन किससे सम्बन्धित है? **UP PGT–2002, UGC 25 J–1998, 1999**
(ii) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' यह सूक्ति किस ग्रन्थ की है? **D–1996, 2004, 2013, UP TGT–1999, 2001, 2010**
(iii) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' यह सूक्ति किस काव्य की है? **RPSC SET-2010, UP GIC-2009, BHU B.Ed-2013,**
(iv) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' इति श्लोकांशः कुत्र प्राप्यते? **BHU MET-2009, 2013, UP TET-2013, K SET-2014, UGC 73 D–2008**

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) किरातार्जुनीयम् (C) नैषधीयचरितम् (D) मेघदूतम्

इन प्रश्नों के सन्दर्भ से स्पष्ट है कि यह प्रश्न 17 अगल-अलग परीक्षाओं में पूछा गया है, यहाँ प्रश्न की प्रकृति समान थी, उत्तर भी समान था, अतः इसे 17 बार न लिखकर एक ही स्थान पर संकलित किया गया। इससे एक ही प्रश्न की पुनरावृत्ति नहीं हुई।

5. स्रोत सहित प्रामाणिक उत्तर–

इस पुस्तक में संकलित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर स्रोत के साथ दिया गया है; उत्तरों की प्रामाणिकता के लिए विद्वान् लेखकों की पुस्तकों, इण्टरनेट या आप्तपुरुष गुरुजनों की सलाह को वरीयता दी गयी है। पुस्तकों का चयन करते समय यह ध्यान रखा गया है कि जिन पुस्तकों से उत्तरों की जाँच पड़ताल की जा रही है, वे प्रामाणिक हों। साथ ही जिन प्रश्नों के नीचे स्रोत के रूप में किसी पुस्तक या लेखक का नाम नहीं है उसे विद्वज्जनों की सलाह के आधार पर सही उत्तर माना गया है; जैसे व्याकरण के उत्तरों की शुचिता के लिए **प्रो0 ललितकुमार त्रिपाठी** गुरूजी का सतत मार्गदर्शन मिलता रहा है। साथ ही बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर ठीक वैसे ही नहीं मिल पा रहा था, जैसा प्रश्न में पूछा है, पर उसी नियम या सूत्र से वह उत्तर सही माना गया है।

6. मुद्रणदोष और गलत उत्तरों की सम्भावना नगण्य–

मित्रों! इस पुस्तक को पाँच बार प्रूफ किया गया है, सामान्यतया किसी भी पुस्तक की तीन बार प्रूफ रीडिंग की जाती है, किन्तु इस पुस्तक को अलग-अलग व्युत्पन्न प्रतियोगी छात्रों एवं योग्य शिक्षकों द्वारा पाँच बार प्रूफ किया गया है; अतः इस पुस्तक में मुद्रणगत दोष या उत्तरों के गलत होने की सम्भावना न के बराबर है, फिर भी **''पुस्तक 100% शुद्ध, सत्य एवं सरल है''** ऐसा प्रथमसंस्करण में ही कहना वाचालता होगी।

7. स्रोत ग्रन्थसूची–

इस पुस्तक के अन्त में उन सभी प्रामाणिक पुस्तकों की सूची (लेखक, प्रकाशक एवं प्रकाशनवर्ष के साथ) दी जा रही है, जिनका उपयोग उत्तरों का सही स्रोत खोजने में किया गया है।

कृतज्ञता-ज्ञापनम्

अन्त में उन सभी संस्कृतगंगा के भगीरथों को नमन, जिन्होंने प्रतियोगिता रूपी गङ्गा को इस पृथ्वी पर लाने में 2 वर्षों की अखण्ड साधना की। विशेषकर जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी; अपनी सम्पादकीय टीम से जुड़ी **अनीतावर्मा, सुमनसिंह, अमितासिंह** एवं **नेगमदेवी** को। इनके साथ जो छाया की तरह इनका साथ देती रहीं उनमें **कविता सिंह, प्रियंका उमराव, रचनासिंह, शफीनाबेगम, नीलमगुप्ता, पूजागुप्ता, रागिनी शुक्ला, गायत्री पाण्डेय, गायत्री तिवारी, साधना तिवारी, शीला यादव,** को हार्दिक धन्यवाद।

जिन्होंने तीर्थराज प्रयाग के गङ्गातट पर स्थित संस्कृतगङ्गा से प्रादुर्भूत इस प्रतियोगिता रूपी गङ्गा को निर्मल बनाने में अपना सर्वस्व समर्पण कर दिया, जिनमें से सभी को नाम्ना स्मरण करने में तो शायद कागज कम पड़ जाय किन्तु कुछ मित्रों को नाम से स्मरण करना मेरा परम कर्त्तव्य हैं जिनमें **सत्यप्रकाश साहू, अम्बिकेशप्रताप सिंह, नीतीश उपाध्याय, राघवकुमार झा, सुशीलसिंह (चञ्चल), रमाकान्तमौर्य, मनीषशर्मा, रामबिहारी दुबे, अमितसिंह 'कोरॉव', ज्ञानसिंह, राजीवशुक्ल, अरुणपाण्डेय 'बजरंगी', अरुणपाण्डेय 'निर्मोही', श्रीकान्त, दिनेश दुबे, सुभाषचन्द्र पाल, दीपचन्द्रयादव, सुनीलचौरसिया, दीपचन्द्र चौरसिया, महेन्द्र मिश्र, वीरेन्द्र यादव, श्रीकृष्णशुक्ल, विकाससिंह, अमित सिंह (बाराबंकी), मनमोहन मिश्र, उपमन्यु मिश्र, विमलेश कुमार, रंजीत कुमार, करुणाशंकर भार्गव, उमापति वर्मा, केदारनाथ तिवारी, डॉ0 सुनीलसिंह, राजीवसिंह, रवीन्द्रमिश्र, सच्चिदानन्द शुक्ल, दीपकशास्त्री, नितिन शुक्ला, अमितमिश्र, बाबुलराव, दशरथ यादव, पवनकुमार सिंह, योगेश कुमार मिश्र 'राधे-राधे', योगेश मिश्र, 'मुनि जी', राजीव चतुर्वेदी, अजय पाण्डेय, विमलकुमार सिंह, अम्बर केशरवानी, गोपेश मिश्र, राकेश जी** को हार्दिक धन्यवाद।

प्रतियोगितागङ्गा में संकलित प्रश्नपत्रों की सूची

परीक्षा	वर्ष	प्रश्नपत्रों की संख्या
AWES TGT	2008–2013	06
BHU AET	2010–2013	34
BHU B.Ed	2011–2015	05
BHU MET	2008–2016	09
BHU RET	2008–2012	02
BHU Sh.ET	2008–2013	03
CCSUM (H) Ph.D	2016	01
CCSUM Ph.D	2016	01
BPSC	1992–2011	12
Chh. PSC	2003–2012	06
CLP (चकबन्दी लेखपाल परीक्षा)	2015	01
C-TET	2012–15	11
CVVET	2015–2017	02
DL (डायट प्रवक्ता संस्कृत)	2015	01
DL (H) (डायट प्रवक्ता हिन्दी)	2015	01
DSSSB PGT	2014	01
DSSSB TGT	2014	01
DU Ph.D	2016	01
DU M.Phil	2016–17	01
G-GIC	2015	01
GJ SET	2003–2016	10
HE (हायर एजुकेशन)	2015	01
H-TET	2013–2015	04
IAS	1994–2013	24
Jh. PSC	2003–2013	06
JNU MET (M.A. प्रवेश परीक्षा)	2014–2015	02
JNU M.Phil/Ph.D	2014–015	02
K-SET	2013–15	06
KL SET	2014–16	03
KT SET	2013–14	04
MGKV Ph.D	2016	01
MH SET	2011-2016	08
MP वर्ग-I PGT	2012	01
MP-PSC	1990-2012	19
MP-TET	2011	01
REET (राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा)	2016	01
RLP (राजस्व लेखपाल परीक्षा)	2015	01
RPSC	1992–2013	13
RPSC SET	2010–2014	04
RPSC ग्रेड-I PGT	2015	01
RPSC ग्रेड-I, II, III	2010-2014	04
SU Ph.D	2015	01
UGC कोड-25 (संस्कृत)	1994–2017	56
UGC कोड-73 (संस्कृत परम्परागत विषय)	1991-2017	46
UGC कोड-20 (हिन्दी)	2007-2015	26
UGC कोड-06 (इतिहास)	2012-2015	20

परीक्षा	वर्ष	प्रश्नपत्रों की संख्या
UGC कोड-09 (शिक्षाशास्त्र)	2005-2013	09
UK-TET	2011	03
UK SLET	2012–2015	04
UK PCS	2002–2011	05
UP GDC	2008–2014	03
UP GDC (हिन्दी)	2012	01
UP GIC	2009–2015	02
UP PGT (संस्कृत)	2000–2013	09
UP PGT (समाजशास्त्र)	2010–2013	02
UP PGT (हिन्दी)	2000-2013	08
UP PCS	1999–2013	20
UP TET	2013–2016	07
UP TGT (संस्कृत)	1999–2013	10
UP TGT (हिन्दी)	2001-2013	09
UP TGT (सामाजिक विज्ञान)	2001–2013	07
WB SET	2010	01
		कुल योग = 463

सङ्केताक्षर सूची

AWES TGT– Army Welfare Educational Society (आर्मी स्कूल संस्कृत शिक्षक परीक्षा)
BHU AET– Banaras Hindu University Aachary Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आचार्य प्रवेश परीक्षा)
BHU B.Ed – Banaras Hindu University Bachelor of Education (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा)
BHU MET– Banaras Hindu University Master of Art Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा)
BHU RET– Banaras Hindu University Research Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अनुसन्धान प्रवेश परीक्षा)
BHU Sh.ET– Banaras Hindu University Shastri Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शास्त्री प्रवेश परीक्षा)
BPSC– Bihar Public Sarvice Commisson (बिहार लोक सेवा आयोग)
CCSUM Ph.D– Chaudhari Charan Singh University Merath Doctor of Philosophy (चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ शोध प्रवेश परीक्षा)
CCSUM (H) Ph.D– Chaudhari Charan Singh University Merath Hindi Doctor of Philosophy (चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ हिन्दी शोध प्रवेश परीक्षा)
Chh. PSC– Chhattisgarh Public Sarvice Commission (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग)
C-TET– Central Teacher Eligibility Test (केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
CVVET – Combind Vidya Varidhi Entrance Test (संयुक्त विद्या वारिधि प्रवेश परीक्षा)
DU Ph. D – Delhi University Doctor of Philosophy (दिल्ली विश्वविद्यालय शोध प्रवेश परीक्षा)
DU M. Phil – Delhi Master of Philosophy (दिल्ली विश्वविद्यालय शोध प्रवेश परीक्षा)
DL– Diet Lecturer डायट प्रवक्ता (संस्कृत)
DL (H)– Diet Lecturer (Hindi) डायट प्रवक्ता (हिन्दी)
DSSSB PGT– Delhi Subordinate Services Selection Board Post Graduate Teacher (दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड प्रवक्ता परीक्षा)
DSSSB TGT– Delhi Subordinate Services Selection Board Trained Graduate Teacher (दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा)
G-GIC– Goverment Girls Inter College (राजकीय बालिका इण्टर कालेज)
GJ SET – Gujrat State Eligibility Test (गुजरात राज्य पात्रता परीक्षा)
HE – Higher Education (असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग)
H-TET– Hariyana Teacher Eligibility Test (हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा)
IAS– Indian Administrative Service (भारतीय प्रशासनिक सेवा)
Jh.-PSC – Jharakhand Public Service Commission (झारखण्ड लोक सेवा आयोग)
JNU MET– Jawahar Lal Nehru University Master of Art Entrance Test. (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा)

JNU M.Phil-Ph.D– Jawaher Lal Nehru University Master of Philosophy. Doctor of philosophy
K SET – Karnatak State Eligibility Test (कर्नाटक राज्य पात्रता परीक्षा)
KL SET – Keral State Eligibility Test (केरल राज्य पात्रता परीक्षा)
MGKV Ph.D – Mahatma Gandhi Kashi Vidya Peeth Doctor of Philosophy (महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ शोध प्रवेश परीक्षा)
MH SET – Maharastra State Eligibility Test (महाराष्ट्र राज्य पात्रता परीक्षा)
MP वर्ग-I PGT– Madhya Pradesh Prawakta Pareeksha (मध्य प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा)
MP PSC– Madhya Pradesh Public Service Commission (मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग)
MP TET– Madhya Pradesh Teacher Eligibility Test (मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा)
REET– Rajsthan Eligibility Examination for Teacher (राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा)
RLP – Rajasva Lekhapal Pareeksha (राजस्व लेखपाल परीक्षा)
RPSC– Rajasthan Public service Commission (राजस्थान लोक सेवा आयोग)
RPSC ग्रेड-I PGT– Rajasthan Public service Commission Post Graduate Teacher (राजस्थान लोक सेवा आयोग वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा)
RPSC ग्रेड-II TGT– Rajasthan Public Service Commission Trained Graduate Teacher (राजस्थान लोक सेवा आयोग वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा)
RPSC ग्रेड-III– Rajasthan Public Service Commision (राजस्थान लोक सेवा आयोग कनिष्ठ अध्यापक परीक्षा)
RPSC SET – Rajsthan Public Service Commission State Eligibility Test (राजस्थान लोक सेवा आयोग राज्य पात्रता परीक्षा)
SU Ph.D – Sagar University Doctor of Philosophy (सागर विश्वविद्यालय शोध प्रवेश परीक्षा)
T SET – Tamilnadu State Eligibility Test (तमिलनाडु राज्य पात्रता परीक्षा)
UGC 25 J– University Grant Commission Code-25 Sanskrit June (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-25 संस्कृत जून)
UGC 25 D– University Grant Commission Code-25 Sanskrit December (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-25 संस्कृत दिसम्बर)
UGC 25 S– University Grant Commission Code-25 Sanskrit September (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-25 संस्कृत सितम्बर)
UGC 73 J– University Grant Commission Code-73 Sanskrit June (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-73 संस्कृत परम्परागत विषय जून)
UGC 73 D– University Grant Commission Code-73 Sanskrit December (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-73 संस्कृत परम्परागत विषय दिसम्बर)
UGC 73-S– University grant Commission Code-73 Sanskrit September (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-73 संस्कृत सितम्बर)
UGC (H) J– University Grant Commission (Hindi) June (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड 20 हिन्दी जून)
UGC (H) D– University Grant Commission (Hindi) December (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड 20 हिन्दी दिसम्बर)
UGC 06 J– University Grant Commission Code-06 June (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड 06 (इतिहास) जून)
UGC 06 D– University Grant Commission Code-06 December. (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड 06 (इतिहास) दिसम्बर)
UGC 09 J– University Grant Commission code - 09 June (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड 09 (शिक्षाशास्त्र) जून)
UGC 09 D– University Grant Commission Code - 09 December (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित कोड-09 (शिक्षाशास्त्र) दिसम्बर)
UK TET– Uttarakhand Teacher Eligibility Test (उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा)
UK SLET– Uttarakhand State Lecturer Eligibility Test (उत्तराखण्ड राज्यस्तरीय प्रवक्ता अर्हता परीक्षा)
UK PCS– Uttarakhand Provincial Civil Service-es. (उत्तराखण्ड प्रान्तीय लोक सेवा)
UP GDC– Uttar Pradesh Government Degree College (उत्तर प्रदेश राजकीय महा-विद्यालय (स्क्रीनिंग परीक्षा)
UP GDC (H)– Uttar Pradesh Government Degree College (उत्तर प्रदेश राजकीय महाविद्यालय स्क्रीनिंग परीक्षा (हिन्दी)
UP GIC– Uttar Pradesh Government Inter College (उत्तर प्रदेश राजकीय इण्टर कालेज प्रवक्ता)
UP PGT– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा संस्कृत)
UP PGT (S.S.)– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher (Sociology) (समाजशास्त्र (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा)
UP PGT (H)– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher (Hindi) (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा, (हिन्दी)
UP PCS– Uttar Pradesh Provincial Civil Service-es (उत्तर प्रदेश प्रान्तीय लोक सेवा)
UP TET– Uttar Pradesh Teacher Eligibility Test (उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा)
UP TGT– Uttar Pradesh Trained Graduate Teacher (Sanskrit) (उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा (संस्कृत)
UP TGT (H)– Uttar Pradesh Trained Graduate Teacher (Hindi) (उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा (हिन्दी)
UP TGT (S.S.)– Uttar Pradesh Trained Graduate Teacher Social Science (उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा (सामाजिक विज्ञान)

अनुक्रमणिका



भाग-1

संस्कृत-साहित्य



01 रामायण

1. **(i) रामायणं केन रचितम्? UGC-73 D–1992**
   (ii) रामायण के रचयिता हैं? BHU MET–2012
   (iii) रामायणस्य रचयिता कः – BHU B.Ed–2012
   (A) व्यासः (B) वाल्मीकिः
   (C) मनुः (D) तुलसीदासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

2. **(i) वाल्मीकि ने किस ग्रन्थ की रचना की? UGC-73**
   (ii) वाल्मीकि की रचना है? D–1992, BHU AET–2011
   (A) महाभारत (B) गीता
   (C) रामायण (D) उत्तररामचरित

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

3. **(i) रामायण में श्लोक संख्या है– UGC-73 J–2010**
   (ii) रामायणे कति श्लोकाः – T SET–2013
   (A) लक्षश्लोकाः (B) चतुर्विंशतिसहस्रश्लोकाः
   (C) षड्विंशतिसहस्रश्लोकाः (D) चत्वारिंशत्सहस्रश्लोकाः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

4. **(i) संस्कृतसाहित्ये किं काव्यम् आदिकाव्यं कथ्यते–**
   (ii) आदिकाव्य है– JNU MET–2015
   BHU RET–2012, UGC-73 D–2010
   (A) श्रीमद्भागवतम् (B) श्रीमद्रामायणम्
   (C) श्रीमद्भगवद्गीता (D) श्रीमन्महाभारतम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-112

5. **(i) 'चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता' इति कस्य ग्रन्थस्य अपरं नाम विद्यते? HAP– 2016, KL-SET–2015**
   (ii) आर्षकाव्येषु चतुर्विंशतिसाहस्री अस्ति–
   (iii) 'चतुर्विंशतिसाहस्री-संहिता' कहते हैं–
   (iv) चतुर्विंशतिसाहस्री संहिता नाम्ना प्रसिद्धमस्ति?
   BHU MET–2008, UGC-73 J–2012
   S–2013, UGC-25 J–2014, MGKV Ph. D–2016
   (A) जयः (B) रामायणम्
   (C) महाभारतम् (D) अग्निपुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

6. **'वाल्मीकि-रामायणं' कीदृशं ग्रन्थमस्ति?**
   RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
   (A) चम्पूकाव्यम् (B) महाकाव्यम्
   (C) खण्डकाव्यम् (D) गीतिकाव्यम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-112

7. **'रामचरितमानस' में कितने काण्ड हैं?**
   UGC 73 D–1997, J–2015
   (A) सात (B) बारह
   (C) आठ (D) पन्द्रह

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

8. **(i) 'वाल्मीकि-रामायण' में कितने काण्ड हैं?**
   (ii) रामायण की कथा कितने काण्डों में विभक्त है?
   (iii) वाल्मीकिरामायणे कति काण्डाः सन्ति–
   MH SET–2016, K SET–2014
   UGC-73 D–1996, J–1999, BHU MET–2008
   BHU AET–2010, MP वर्ग-I (PGT)–2012
   UK SLET–2012, DSSSB PGT–2014
   (A) पञ्च (B) सप्त
   (C) नव (D) दश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी , पेज-103

9. **आर्षकाव्य है– BHU AET–2009, BHU MET–2013**
   (A) भागवतपुराण (B) रामायण
   (C) रघुवंश (D) उत्तररामचरित

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (तृतीय खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज-02

10. **'रामायण' को कहते हैं– UGC-73 J–1998**
   (A) खण्डकाव्य (B) चम्पूकाव्य
   (C) महानाटक (D) आदिकाव्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-112

1. (B)	**2. (C)**	**3. (B)**	**4. (B)**	**5. (B)**	**6. (B)**	**7. (A)**	**8. (B)**	**9. (B)**	**10. (D)**

11. (i) रामायणे प्रधानरसः कः –MH-SET–2013, 2016
(ii) रामायणे प्रमुखरसः कः –K-SET–2015, H TET–2015
(iii) वाल्मीकिरामायण में किस रस की प्रधानता है?
(iv) रामायणे अङ्गीरसः कः? HE–2015
(v) उपलब्धेसु सर्वेषु रसेषु रामायणस्य अङ्गीरसरूपेण राराजते–AWES TGT–2009, 2010, UK SLET–2015

(A) वीरः (B) रौद्रः
(C) शान्तः (D) करुणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-140

12. 'शोकः श्लोकत्वमागतः' किसके लिए कहा गया है– BHU MET–2011

(A) सीता (B) भवभूति
(C) वाल्मीकि (D) व्यास

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)-बलदेव उपाध्याय, पेज-14

13. अधस्तनेषु सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2016

(a) भवभूतिना महाभारतं लिखितम्
(b) रामायणे रामस्य कथा वर्तते
(c) दशरथः अजस्य पुत्र आसीत्
(d) दशरथस्य माता अरुन्धती आसीत्

(A) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-216

14. रामचरितज्ञानार्थं वाल्मीकये को वरमदात्– HE–2015

(A) नारदः (B) गौतमः
(C) ब्रह्मा (D) गालवः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

15. रामायणं......काण्डात्मकं स्मृतम्– BHU AET–2010, AWES TGT–2013

(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) अष्ट

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

16. किसका शोक श्लोक में परिणत हो गया– BHU MET–2012

(A) कालिदास का (B) शकुन्तला का
(C) सीता का (D) वाल्मीकि का

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

17. रामायणकाव्यस्य रचनाकालः अस्ति– AWES TGT–2010, 2011

(A) त्रेतायुगम् (B) द्वापरयुगम्
(C) सतयुगम् (D) कलियुगम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-130

18. वाल्मीकिकृत 'रामायण' किसकी कथा पर आधारित है– BHU AET–2011

(A) कृष्णकथा (B) बलरामकथा
(C) रामकथा (D) शिवकथा

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

19. महर्षिवाल्मीकिना रामायणं वर्णितम्– AWES TGT–2010, 2011

(A) किष्किन्धाकाण्डं यावत् (B) सुन्दरकाण्डं यावत्
(C) युद्धकाण्डं यावत् (D) उत्तरकाण्डं यावत्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-128

20. रामायणकथां वाल्मीकये कः उपदिदेश? CVVET–2015

(A) भरद्वाजः (B) नारदः
(C) वसिष्ठः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-124

21. रामायणं .... भाषायां लिखितम्– AWES TGT–2010

(A) वैदिक (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) अपभ्रंश

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-122

22. कस्य कृते आदिकाव्यस्य संज्ञा प्रयुज्यते– AWES TGT–2009

(A) महाभारतम् (B) श्रीमद्भागवतम्
(C) रामचरितमानसम् (D) रामायणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-112

11. (D) 12. (C) 13. (A) 14. (C) 15. (C) 16. (D) 17. (A) 18. (C) 19. (C) 20. (B) 21. (C) 22. (D)

23. सुन्दरकाण्डे सर्गाणां संख्या– CVVET–2015
(A) 68 (B) 80
(C) 71 (D) 65
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

24. आदिकाव्ये सर्ग-संख्याऽस्ति– GGIC–2015
(A) पञ्चशतम् (B) चतुःशतम्
(C) षट्शतम् (D) त्रिशतम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

25. 'वाल्मीकि रामायण' में कितने सर्ग हैं? UGC-73 J–2015
(A) 325 (B) 500
(C) 250 (D) 255
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

26. (i) रामायणे कस्मिन् काण्डे 'अहल्याशाप विमोचन'–वृत्तान्तोऽस्ति– UGC-25 D–2012, 2014
(ii) 'अहल्याशाप विमोचनम्' कस्मिन् काण्डे वर्णितम्–
(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) बालकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-125

27. रामायणे श्रीरामस्य ऋष्यमूकपर्वतनिवासो वर्णितः– UP-GDC–2012
(A) किष्किन्धाकाण्डे (B) बालकाण्डे
(C) सुन्दरकाण्डे (D) युद्धकाण्डे
वाल्मीकीय रामायण (किष्किन्धाकाण्डम्-प्रथमसर्ग)-गीताप्रेस, (कोड-75) पेज-639

28. जटायुरावणयुद्धं रामायणस्य कस्मिन् काण्डे– UGC-25 J–2013
(A) अरण्यकाण्डे (B) सुन्दरकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) बालकाण्डे
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)-बलदेव उपाध्याय, पेज-22

29. रामायणे हनुमतः अङ्गुलीयकप्रदानवृत्तान्तः कस्मिन् काण्डे वर्तते– UGC-25 J–2013
(A) सुन्दरकाण्डे (B) युद्धकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) उत्तरकाण्डे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

30. रामायणे हनूमतः समुद्रतरणं कस्मिन् काण्डे वर्णितम्? K SET–2014
(A) किष्किन्धाकाण्डे (B) युद्धकाण्डे
(C) सुन्दरकाण्डे (D) उत्तरकाण्डे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

31. (i) वालिवधरामायणे कस्मिन् काण्डे?
(ii) वालिवधस्य वर्णनमस्ति रामायणस्य– UGC-25 J–2013, RPSC SET–2013-14
(A) सुन्दरकाण्डे (B) किष्किन्धाकाण्डे
(C) अरण्यकाण्डे (D) बालकाण्डे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

32. 'रामायणे' शबरीवृत्तान्तः कस्मिन् काण्डे अस्ति– UGC-25 D–2013, CVVET–2015
(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (अरण्यकाण्ड, सर्ग-74)-गीताप्रेस, पेज-633

33. (i) गङ्गावतरणोपाख्यानं रामायणे कस्मिन् काण्डे स्थितम्–
(ii) रामायणे गङ्गावतरणकथा कुत्र वर्णिता? HE–2015, K-SET–2013
(A) अयोध्याकाण्डे (B) सुन्दरकाण्डे
(C) अरण्यकाण्डे (D) बालकाण्डे
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-125

34. ऋष्यशृङ्गमुनेः चरितं रामायणस्य कस्मिन् काण्डे वर्णितम्– UGC-25 J–2012
(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) सुन्दरकाण्डे (D) बालकाण्डे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड सर्ग-15) -गीताप्रेस, पेज-62

35. 'सुन्दरकाण्डम्' कुत्र निबद्धम्– BHU AET–2012
(A) महाभारते (B) भागवते
(C) पद्मपुराणे (D) वाल्मीकिरामायणे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-122

36. सुन्दरकाण्डे चन्द्रोदयस्य वर्णनमस्ति–BHU AET–2012
(A) शोभनम् (B) अशोभनम्
(C) रुक्षम् (D) अतिकठिनम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-139

23. (A) 24. (A) 25. (B) 26. (C) 27. (A) 28. (A) 29. (A) 30. (C) 31. (B) 32. (B)
33. (D) 34. (D) 35. (D) 36. (A)

37. वाल्मीकिरामायणानुसारं दशरथस्य पुत्रेष्टियज्ञे पुरोहितः आसीत्? UGC 25 J–2016

(A) वसिष्ठः (B) ऋष्यशृङ्गः
(C) भरद्वाजः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड सर्ग-15)-गीताप्रेस, पेज-62

38. वाल्मीकिरामायणानुसारं शम्बूकः केन हतः? UGC 25 J–2016

(A) दशरथेन (B) रामेण
(C) परशुरामेण (D) भरतेन

स्रोत–वाल्मीकीय रामायण (उत्तरकाण्ड सर्ग-76) गीताप्रेस, पेज-775

39. का सीतायै दिव्यवस्त्रभूषणानि प्रददाति–K SET–2013

(A) सुमित्रा (B) अनसूया
(C) कौसल्या (D) अरुन्धती

वाल्मीकिरामायण (अयोध्याकाण्ड सर्ग-119) गीताप्रेस, पेज-471-472

40. इन्द्रजित् केन हतः? K SET–2013

(A) लक्ष्मणेन (B) रामेण
(C) सुग्रीवेण (D) हनुमता

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-127

41. रामः ताडकावधं कस्य आज्ञया चकार– RPSC SET–2010

(A) याज्ञवल्क्यस्य (B) जनकस्य
(C) दशरथस्य (D) विश्वामित्रस्य

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड-सर्ग-26)-गीताप्रेस, पेज-84-86

42. केन ऋषिणा रामलक्ष्मणौ यज्ञरक्षार्थं याचितौ? RPSC SET–2010

(A) शृङ्गेण (B) विश्वामित्रेण
(C) अत्रिणा (D) पुलस्त्येन

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

43. अशुद्धं युग्मं चिनुत– MP-वर्ग-I (PGT)–2012

(A) रामायणम्–प्रतिमानाटकम्
(B) रामायणम्–अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) रामायणम्–उत्तररामचरितम्
(D) रामायणम्–अनर्घराघवम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

44. निम्नलिखित में से कौन काव्य रामायण का उपजीवी नहीं है– UP-GDC–2008

(A) उत्तररामचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) रघुवंशम् (D) महावीरचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

45. रामायणमाश्रित्य यस्य कथास्ति– UGC-25 J–2013

(A) कुन्दमाला (B) रत्नावली
(C) मालविकाग्निमित्रम् (D) पञ्चरात्रम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

46. यस्य कथा रामायणाश्रिता नास्ति– UGC-25 D–2013

(A) महावीरचरितम् (B) अभिषेकनाटकम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

47. वाली कहाँ का राजा था– BHU MET–2011

(A) लङ्का का (B) अयोध्या का
(C) कैकय का (D) किष्किन्धा का

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड 9/1,2)-गीताप्रेस, पेज-663

48. सुग्रीवनामकं पात्रं कस्मिन् ग्रन्थे विद्यते–K SET–2014

(A) महाभारते (B) वाल्मीकिरामायणे
(C) शिवपुराणे (D) देवीभागवतपुराणे

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

49. श्रीरामचन्द्रः एनं व्याकरणशास्त्रज्ञ इति प्रशंसति– UGC-25 D–2012

(A) सुग्रीवम् (B) भरतम्
(C) लक्ष्मणम् (D) हनूमन्तम्

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड-सर्ग-3), श्लोक-25-36

50. स्वर्णमृगरूपेण 'पञ्चवट्याम्' उपस्थितस्य राक्षसस्य नाम– UK SLET–2015

(A) खरः (B) कबन्धः
(C) दूषणः (D) मारीचः

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (युद्धकाण्ड 126/22)-गीताप्रेस, पेज-582

51. 'रुमा' इति कस्याः नाम – BHU AET–2011

(A) सुग्रीवपत्न्याः (B) विभीषणपत्न्याः
(C) अङ्गदमातुः (D) नलनीलयोः मातुः

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड 26/42)-गीताप्रेस, पेज-711

37. (B) 38. (B) 39. (B) 40. (A) 41. (D) 42. (B) 43. (B) 44. (B) 45. (A) 46. (C)
47. (D) 48. (B) 49. (D) 50. (D) 51. (A)

52. वाल्मीकिरामायणानुसारं सुग्रीवस्य पत्न्याः नाम आसीत्? UGC 25 J–2016
(A) तारा (B) अहल्या
(C) रुमा (D) सुलोचना
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड 26/42)-गीताप्रेस,पेज-711

53. सागरलङ्घने के त्रयो जनाः समर्थाः– BHU AET–2011
(A) नीलो नलो द्विविदश्च (B) हनुमान् गरुडो वायुश्च
(C) मैनाकः प्रवर्षणः कैलासश्च (D) प्रवेको विवेको अरुणश्च
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड 39/26)-गीताप्रेस, पेज-123

54. अजस्य पितुः नाम किम्– BHU AET–2012
(A) दिलीपः (B) रघुः
(C) दीर्घबाहुः (D) इक्ष्वाकुः
स्रोत–रघुवंशम् (5/36)-हरगोविन्द मिश्र, पेज-121

55. अश्वमेधयज्ञवर्णनं रामायणस्य कस्मिन् काण्डे? RPSC SET–2013-14
(A) बालकाण्डे (B) उत्तरकाण्डे
(C) सुन्दरकाण्डे (D) अयोध्याकाण्डे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-105

56. मन्दोदर्याः पतिः कः? RPSC SET–2010
(A) रावणः (B) कुम्भकर्णः
(C) विभीषणः (D) पुलस्त्यः
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (युद्धकाण्ड 111/1,2)-गीताप्रेस, पेज-541

57. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013
(a) रामायणीया कथा महाभारते न प्राप्यते
(b) रामायणीया कथा महाभारते प्राप्यते
(c) महाभारतकथा रामायणे न प्राप्यते
(d) महाभारतकथा रामायणे प्राप्यते
(A) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(B) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-131

58. रामलक्ष्मणयोः अध्ययनं कुत्र जातम्? MH SET–2016
(A) पितुः गृहे (B) तक्षशिलाविश्वविद्यालये
(C) दण्डकारण्ये (D) वशिष्ठस्य आश्रमे
स्रोत–

59. ''यावत्स्थास्यन्ति गिरयः सरितश्च महीतले'' इत्येतत् वाक्यं कमनुसरति? MH SET–2016
(A) रामायणम् (B) भगवद्गीता
(C) महाभारतम् (D) ईशावास्योपनिषद्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

60. दशरथस्य कति पुत्रा आसन्– BHU AET–2012
(A) एकः (B) द्वौ
(C) त्रयः (D) चत्वारः
वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड 18/21-22) गीताप्रेस, पेज-69-70

61. सीतास्वयंवरे ऐशं धनुः केन भग्नम्– BHU AET–2012
(A) रावणेन (B) बाणेन
(C) रामेण (D) लक्ष्मणेन
वाल्मीकीयरामायण (बालकाण्ड सर्ग-67) गीताप्रेस, पेज-156-157

62. सीता केन हृता– BHU AET–2012
(A) रावणेन (B) खरेण
(C) कुम्भकर्णेन (D) दूषणेन
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-125

63. वाली केन हतः– BHU AET–2012
(A) सुग्रीवेण (B) हनुमता
(C) रामेण (D) रावणेन
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-126

64. रावणस्य भार्या का– BHU AET–2012
(A) सीता (B) सुलोचना
(C) त्रिजटा (D) मन्दोदरी
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (युद्धकाण्ड 111/1,2)-गीताप्रेस, पेज-541

65. रामेण को लङ्काधिपतिः कृतः– BHU AET–2012
(A) सुग्रीवः (B) विभीषणः
(C) खरः (D) दूषणः
वाल्मीकीयरामायण (युद्धकाण्ड सर्ग-112)-गीताप्रेस, पेज-549-550

52. (C)	53. (B)	54. (B)	55. (B)	56. (A)	57. (D)	58. (D)	59. (A)	60. (D)	61. (C)
62. (A)	63. (C)	64. (D)	65. (B)						

66. एकपत्नीव्रतधरः कः– BHU AET–2012
(A) दशरथः (B) रामः
(C) रघुः (D) दिलीपः
स्रोत– रघुवंशम् (14/86) - हरगोविन्द मिश्र, पेज–368

67. मधुरां नाम पुरीं कश्चक्रे– BHU AET–2012
(A) रामः (B) भरतः
(C) लक्ष्मणः (D) शत्रुघ्नः
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (उत्तरकाण्ड सर्ग 70)-गीताप्रेस, पेज-766

68. कुशः कस्य सुतः– BHU AET–2012
(A) रामस्य (B) भरतस्य
(C) लक्ष्मणस्य (D) शत्रुघ्नस्य
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (उत्तरकाण्ड सर्ग 66) -गीताप्रेस, पेज-759

69. सागरलङ्घनसमये हनूमतो बलपरीक्षा कया कृता– BHU AET–2012
(A) सुरसया (B) सीतया
(C) राजलक्ष्म्या (D) आदित्येन
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड सर्ग 58)-गीताप्रेस, पेज-172,173

70. सूक्ष्मरूपं धृत्वा लङ्काप्रवेशकाले हनुमान् कया अवरुद्धः– BHU AET–2012
(A) सुरसया (B) सिंहिकया
(C) लङ्किन्या (D) त्रिजटया
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड 3/30)-गीताप्रेस, पेज-20, 21

71. 'रामकथा' में जटायु आख्यान कौन-सी अर्थप्रकृति है– UP GIC–2009
(A) बीज अर्थप्रकृति (B) पताका अर्थप्रकृति
(C) प्रकरी अर्थप्रकृति (D) कार्य अर्थप्रकृति
स्रोत–दशरूपक-बैजनाथ पाण्डेय, पेज–22

72. रामायणे 'सुग्रीवादिवृत्तम्' अस्ति– UP GDC–2014
(A) पताका (B) प्रकरी
(C) पताकास्थानकम् (D) आधिकारिकम्
स्रोत–दशरूपक -केशवराव मुसलगाँवकर, भू0पेज-46

73. ''देशे देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः
तं तु देशं न पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः''
उपर्युक्त श्लोक में महत्त्व प्रतिपादित है–UP PGT–2004
(A) कलत्र का (B) बन्धु का
(C) देश का (D) सहोदरभ्राता का
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (युद्धकाण्ड 101/15)-गीताप्रेस, पेज-514

74. वशिष्ठ गुफा कहाँ स्थित है– UK LWR–2011
(A) चमोली (B) उत्तरकाशी
(C) टिहरी (D) पिथौरागढ़
स्रोत–

75. क्रौञ्चद्वन्द्ववियोगोत्थः............. श्लोकत्वमागतः– BHU AET–2010
(A) दुःखम् (B) शोकः
(C) रोषः (D) क्रोधः
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–29

76. कस्य पक्षिणः वधात् शोकः श्लोकत्वम् अजायत? HAP–2016
(A) गृध्रस्य (B) क्रौञ्चस्य
(A) शुकस्य (D) कोकिलस्य
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड 2/15,16), पेज-33

77. रावणासुरात् सीतायाः विमुक्तिः अनया स्वप्नेन दृष्टा– UGC-25 J–2012
(A) मन्दोदर्या (B) तारया
(C) त्रिजटया (D) कैकेय्या
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड सर्ग- 27), पेज-86

78. 'रावणं मन्यमाना मां सीता भीता भविष्यति' कदा– BHU-AET–2011
(A) द्विजातिरिव संस्कृतभाषणे
(B) गन्धर्वजातिरिव प्राकृतभाषणे
(C) रक्षोजातिरिव पैशाचीभाषणे
(D) मनुष्यजातिरिव लोकभाषाभाषणे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड 30/18)-गीताप्रेस, पेज-94

66. (B)	67. (D)	68. (A)	69. (A)	70. (C)	71. (C)	72. (A)	73. (D)	74. (B)	75. (B)
76. (B)	77. (C)	78. (A)							

79. कस्मिन् युगे रामो राज्यं चकार– BHU AET–2012
(A) सत्ययुगे (B) त्रेतायुगे
(C) द्वापरे (D) कलियुगे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-130

80. रावणेन सीता कुत्र स्थापिता आसीत्–BHU AET–2012
(A) गृहवाटिकायाम् (B) अशोकवाटिकायाम्
(C) अन्तःपुरवाटिकायाम् (D) रावणान्तःपुरे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड 58/56)-गीताप्रेस, पेज-175

81. (i) क्रौञ्चवधं विलोक्य 'मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः' इति श्लोकं कः उच्चारितवान्
(ii) 'मा निषाद प्रतिष्ठाम्' उक्ति किससे सम्बद्ध है– BHU MET–2010, RPSC SET–2010
(A) व्यास से (B) कालिदास से
(C) भास से (D) वाल्मीकि से
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-124

82. रामायणे श्लोकसंख्या भवति– UGC 25 D–2015
(A) 31000-40,000 (B) 22000-25000
(C) 11000-15000 (D) 5000-10,000
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

83. (i) रामायणाश्रितं काव्यमेतत् भवति– K-SET–2015
(ii) एषु किं रामायणाश्रितं भवति– UGC 25 Jn.–2017
(A) नैषधीयचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) शिशुपालवधम् (D) रघुवंशम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

84. ''अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यं कुर्यां पापमहं यदि।
इक्ष्वाकूणामहं लोके भवेयं कुलपांसनः॥'' केन इदम् उच्यते? K-SET–2014
(A) रामेण (B) लक्ष्मणेन
(C) भरतेन (D) दशरथेन
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (अयोध्याकाण्ड 82/14, 17)-गीताप्रेस, पेज-391

85. 'शोकः श्लोकत्वमागतः' इति कस्मिन्काण्डे वर्णितम्? GJ-SET–2013
(A) युद्धकाण्डे (B) बालकाण्डे
(C) अरण्यकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड 2/40)-गीताप्रेस, पेज-35

86. रामायणस्य समीक्षितावृत्तिः कया संस्थया प्रकाशिता– GJ-SET–2013
(A) प्राच्यविद्यामन्दिरं, वडोदरा
(B) भाण्डारकर-संशोधन-संस्था, पुणे
(C) निर्णयसागरसंस्था, मुम्बई
(D) गीताप्रेस, गोरखपुर संस्था
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)-बलदेव उपाध्याय, पेज-31

87. सुलभाः पुरुषा राजन् सततं प्रियवादिनः।
अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः॥
श्लोकममुं रावणासुरम्प्रति कः उक्तवान्– UGC-25 J–2012
(A) कुम्भकर्णः (B) सुग्रीवः
(C) वाली (D) मारीचः
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (अरण्यकाण्ड 37/2)-गीताप्रेस, पेज-550

88. 'प्रतिपत्पाठशीलस्य विद्येव तनुतां गता' इयमुक्तिः कुत्रोपलभ्यते– UGC-25 S–2013
(A) श्रीमद्भागवते (B) विष्णुपुराणे
(C) रामायणे (D) भगवद्गीतायाम्
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड 59/31)-गीताप्रेस, पेज-183

89. ''सुलभाः पुरुषा राजन् सततं प्रियवादिनः।
अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः॥''
श्लोकममुं रावणासुरम्प्रति कः उक्तवान्– UGC-25 D–2014
(A) कुम्भकर्णः (B) सुग्रीवः
(C) विभीषणः (D) वाली
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (युद्धकाण्ड 16/21) - गीताप्रेस, पेज-238

90. ''तथा मे माधवी देवी विवरं दातुमर्हति'' उत्तरे वाल्मीकि रामायणकाण्डे केनोक्तम्– DL–2015
(A) सीतया (B) कैकेय्या
(C) कौशल्यया (D) पृथिव्या
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (उत्तरकाण्ड 97/14)-गीताप्रेस, पेज-810

79. (B) 80. (B) 81. (D) 82. (B) 83. (D) 84. (C) 85. (B) 86. (A) 87. (D) 88. (C) 89. (C) 90. (A)

91. नाहं जानामि केयूरे नाहं जानामि कुण्डले।
नूपुरे त्वभिजानामि नित्यं पादाभिवन्दनात्॥
अयं श्लोकः **CVVET–2015**
(A) रघुवंशस्य (B) महाभारतस्य
(C) रामायणस्य (D) उत्तररामचरितस्य

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड 6/22)-गीताप्रेस, पेज-658

92. ''धर्मसारमिदं जगत्'' इस वाक्य वाला ग्रन्थ है– **BHU MET–2015**
(A) गीता (B) वाल्मीकीयरामायणम्
(C) नीतिशतकम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (अरण्यकाण्ड 9/30)-गीताप्रेस, पेज-490

93. सुन्दरकाण्डस्य क्रमसंख्या का वर्तते? **GJ SET–2013**
(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-122

94. वाल्मीकिरामायणे पञ्चमं काण्डमस्ति? **CVVET–2017**
(A) अरण्यकाण्डम् (B) सुन्दरकाण्डम्
(C) किष्किन्धाकाण्डम् (D) युद्धकाण्डम्

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–122

95. हनुमतो लङ्कायात्रा कस्मिन् काण्डे वर्णिता–**CVVET–2017**
(A) अरण्यकाण्डे (B) लङ्काकाण्डे
(C) युद्धकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–126

91. (C) **92.** (B) **93.** (D) **94.** (B) **95.** (D)

02 महाभारत

1. **महाभारत के लेखक कौन हैं? BHU-AET–2011**
   (A) मनु (B) कौत्स
   (C) नारद (D) व्यास

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

2. **(i) 'महाभारत' है– UGC-73 J–1991, D–1992**
   (ii) 'महाभारत' क्या है–
   (A) पुराण (B) इतिहास
   (C) आख्यान (D) काव्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

3. **महाभारत कैसा ग्रन्थ है? H-TET–2015**
   (A) ऐतिहासिक (B) सामाजिक
   (C) धार्मिक (D) नैतिक

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

4. **(i) 'इतिहासपुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहयेत्' एतया उक्त्या सम्बद्धः ग्रन्थः– AWES TGT–2011**
   (ii) 'इतिहासपुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहयेत्' इत्युक्तिः कस्य वर्तते? RPSC SET–2010
   (A) विष्णुपुराणस्य (B) महाभारतस्य
   (C) रामायणस्य (D) ऋग्वेदस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 173

5. **इनमें प्राचीनतम कौन है? BHU MET–2010**
   (A) रामाभिषेकम् (B) महाभारतम्
   (C) उत्तररामचरितम् (D) रघुवंशम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 156

6. **इतिहासग्रन्थ है– UGC-73 D–2009**
   (A) रामायणम् (B) महाभारतम्
   (C) श्रीमद्भागवतम् (D) देवीभागवतम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

7. **(i) 'पञ्चमवेद' कौन-सा ग्रन्थ है– BHU MET–2008,**
   (ii) पञ्चमो वेदः कः? AWES TGT–2008
   (A) आयुर्वेद (B) धनुर्वेद
   (C) महाभारत (D) सर्पवेद

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3) – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 529

8. **(i) 'महाभारत' को जाना जाता है– UP TGT–2009, 2010**
   (ii) महाभारत को कहा जाता है?
   (A) जयसंहिता (B) आदिकाव्य
   (C) सौप्तिकसंहिता (D) अरण्यसंहिता

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

9. **(i) 'जय' इति कस्य महाकाव्यस्य नामान्तरम् –**
   (ii) 'जय' इति कस्य नामान्तरम्–
   (iii) 'जयकाव्यम्' इति नाम्ना किं ज्ञायते?
   UGC-25 D–2014, J–2015, HAP–2016
   (A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य
   (C) रघुवंशस्य (D) किरातार्जुनीयस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-147-148

10. **'महाभारतस्य' कः क्रमः– HE–2015**
    (A) जयः, भारतम्, महाभारतम्
    (B) भारतम्, जयः, महाभारतम्
    (C) महाभारतम्, जयः, भारतम्
    (D) जयः, विजयः, महाभारतम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147-148

11. **(i) महाभारतस्य प्रथमं नाम आसीत्– RPSC SET–2010**
    (ii) महाभारतस्य अपरं नाम किम्?
    MP वर्ग-1 (PGT)–2012, DSSSB TGT–2014, GJ SET–2013
    (A) जयः (B) विजयः
    (C) लघुभारतम् (D) बालभारतम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

1. (D) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (B) 6. (B) 7. (C) 8. (A) 9. (B) 10. (A) 11. (A)

12. महाभारतस्य आलोचनात्मकसंस्करणं कुतः प्रकाशितम्– DU Ph.D–2016

(A) पूनातः (B) बडौदातः
(C) मुम्बईतः (D) मद्रासतः

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

13. महाभारतस्य आलोचनात्मकसंस्करणस्य सम्पादकः अस्ति– DU Ph. D–2016

(A) एस0 आर0 भट्टः (B) जी0 एच0 भट्टः
(C) एस0 के0 सुकथंकरः (D) वी0 एस0 सुक्थणकरः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 440

14. 'चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः' इत्युक्तम्? DU Ph. D–2016

(A) अर्थशास्त्रे (B) रामायणे
(C) याज्ञवल्क्यस्मृतौ (D) महाभारते

महाभारत (खण्ड-3) भीष्मपर्व (28/13)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 672

15. उचित सम्बद्ध विकल्प चुनिये– UGC 73 J–2016

(A) वाल्मीकिः - पञ्चरात्रम् (B) विदुरनीतिः - महाभारतम्
(C) प्रतिसर्गः - कालिदासः (D) मन्वन्तराणि - भारवि

स्रोत–विदुरनीति – जगदीश्वरानन्द सरस्वती, भू. पृष्ठ- 05

16. द्यूतक्रीडावर्णनं कस्मिन् पर्वणि विद्यते–GJ SET–2013

(A) सभापर्वणि (B) कर्णपर्वणि
(C) आदिपर्वणि (D) स्त्रीपर्वणि

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-149

17. (i) विश्वसाहित्य के इतिहास में सबसे बड़ा महाकाव्य है– K SET–2014, UP PGT–2009
(ii) विश्वसाहित्येतिहासे बृहत्तमम् इतिहासकाव्यमस्ति–

(A) रामायणम् (B) महाभारतम्
(C) शिशुपालवधम् (D) श्रीमद्भगवद्गीता

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

18. (i) 'महाभारत' में कितने श्लोक हैं– BHU AET–2011
(ii) महाभारते कति श्लोकाः सन्ति? BHU MET–2009,
(iii) व्यासविरचित 'महाभारत' के श्लोकों की संख्या क्या है? 2013, UGC 73 D–2005, 2007, 2008

(A) अयुतश्लोकाः (B) पञ्चविंशतिसहस्रश्लोकाः
(C) लक्षश्लोकाः (D) द्विलक्षश्लोकाः

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

19. (i) 'शतसाहस्रीसंहिता' नाम किस ग्रन्थ का है?
(ii) एनं 'शतसाहस्रीसंहिता' इति ब्रुवन्ति विपश्चितः–
(iii) 'शतसाहस्री' इति कस्याभिधानमस्ति–
(iv) 'शतसाहस्री' कस्य ग्रन्थस्य संज्ञा–AWES TGT–2010,
(v) 'शतसाहस्रीसंहिता' इति कस्य अपरं नाम?
UGC 25 D–2012, 2014, 2015, J–2016, UGC 73 D–2015,

(A) श्रीमद्रामायणम् (B) महाभारतम्
(C) विष्णुपुराणम् (D) श्रीमद्भागवतम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

20. महाभारतस्य श्लोकानां संख्या आसीत्–AWES TGT–2010

(A) पञ्चदशसहस्रम् (B) विंशतिसहस्रम्
(C) चतुर्विंशतिसहस्रम् (D) शतसहस्रम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

21. (i) ''यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्'' इति कथनेन कस्य परिचयः भवति–UP GIC–2015,
(ii) ''धर्मे चार्थे च कामे च मोक्षे च भरतर्षभ।
यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्॥''
कस्य परिचयः उक्तः? UP GDC–2014,
G GIC–2015, UGC 25 J–2016, RPSC SET–2010

(A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य
(C) मनुस्मृतेः (D) सर्वदर्शनसंग्रहस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

22. महाभारत का युद्ध कितने दिनों तक चला–UPTET–2013

(A) अठारह दिन (18) (B) आठ दिन (8)
(C) बारह दिन(12) (D) सोलह दिन (16)

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 151

23. (i) व्यास प्रणीत महाभारत में कितने पर्व हैं?
(ii) महाभारते पर्वाणि कति– BHU RET–2008,
(iii) महाभारतस्य विभाजने पर्वणां संख्या अस्ति–
(iv) महाभारतस्य कथा कति पर्वसु विभक्ता अस्ति–
(v) महाभारते कति पर्वाणि सन्ति–BHU Sh.ET–2013
BHU B.Ed–2011, 2012, UGC-73 D–2012,
BHU MET–2008, UPGIC–2015, MGKV Ph.D–2016

(A) अष्टादश (B) त्रयोदश
(C) द्वादश (D) चतुर्दश

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

12. (A) 13. (D) 14. (D) 15. (B) 16. (A) 17. (B) 18. (C) 19. (B) 20. (D) 21. (B) 22. (A) 23. (A)

24. (i) महाभारतस्य विषयवस्तु विभाजनं वर्तते–
(ii) महाभारतं विभक्तम् अस्ति?
UP GDC–2012, T SET–2013
(A) काण्डेषु (B) अध्यायेषु
(C) सर्गेषु (D) पर्वसु
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

25. महाभारतस्य द्वितीयं पर्व किम्– UGC-25 J–2014
(A) वनपर्व (B) सभापर्व
(C) भीष्मपर्व (D) विराटपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

26. महाभारतस्याष्टादशसु पर्वसु इदं द्वादशतमं भवति– UGC-25 D–2012
(A) अनुशासनपर्व (B) सौप्तिकपर्व
(C) शान्तिपर्व (D) स्त्रीपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 151

27. महाभारतस्य तृतीयं पर्व किमुच्यते– UGC-25 S–2013
(A) उद्योगपर्व (B) भीष्मपर्व
(C) द्रोणपर्व (D) वनपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

28. महाभारत में 'पर्व' है– UGC 73 J–2016
(A) आरण्यकपर्व (B) आश्रमवासिकपर्व
(C) साकमेधिकपर्व (D) वनवासिकपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 152

29. 'महाभारत' का दूसरा नाम है– UGC 73 J–2016
(A) शतसाहस्त्री (B) दशसाहस्त्री
(C) साहस्त्री (D) द्विशतसाहस्त्री
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

30. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति– UGC 25 Jn.–2017
(A) द्रोणपर्व (B) भीष्मपर्व
(C) युधिष्ठिरपर्व (D) शल्यपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145-146

31. महाभारताश्रितं न भवति– UGC 25 Jn. 2017
(A) वेणीसंहारम् (B) दूतवाक्यम्
(C) मध्यमव्यायोगः (D) अभिषेकनाटकम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 129

32. अष्टसहस्त्रश्लोकात्मकस्य भारतस्य नाम किम्? K-SET–2015
(A) भारतम् (B) महाभारतम्
(C) जयः (D) पञ्चमवेदः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

33. महाभारतस्य बृहत्तमं पर्व ...... अस्ति? GJ SET–2016
(A) शान्तिपर्व (B) द्रोणपर्ण
(C) शल्यपर्व (D) कर्णपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 151

34. महाभारते राधिकापुत्रः कः कथ्यते? K/T SET–2014
(A) शल्यः (B) दुश्शासनः
(C) कर्णः (D) नकुलः
संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास (भाग-3)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 546

35. महाभारतस्य मौलिकरूपम् आसीत्– K/T SET–2013
(A) जयनाम्ना (B) विजयनाम्ना
(C) भारतनाम्ना (D) आर्षकाव्यनाम्ना
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

36. महाभारते उद्योगपर्व CVVET–2015
(A) तृतीयम् (B) पञ्चमम्
(C) चतुर्थम् (D) षष्ठम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

37. महाभारते अन्तिमं पर्व किम् – UK SLET–2012
(A) विराटपर्व (B) स्वर्गारोहणपर्व
(C) उद्योगपर्व (D) शल्यपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

38. 'भगवद्गीता' किस ग्रन्थ का भाग है– UGC-73 J–2010
(A) महाभारतस्य (B) भागवतस्य
(C) रामायणस्य (D) स्कन्दपुराणस्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 158

39. 'शान्तिपर्व' है– UGC-73 D–2006
(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) भागवते (D) मार्कण्डेयपुराणे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

24. (D) 25. (B) 26. (C) 27. (D) 28. (B) 29. (A) 30. (C) 31. (D) 32. (C) 33. (A)
34. (C) 35. (A) 36. (B) 37. (B) 38. (A) 39. (B)

40. (i) शान्तिपर्व में बल के अङ्ग हैं–
(ii) शान्तिपर्वणि बलस्य अङ्गानि सन्ति?
UGC-73 J–2012, D–2014
(A) षट् (B) सप्त
(C) पञ्च (D) नव
स्रोत–

41. महाभारतस्य भीष्मपर्वणि वर्तते–
UGC-73 J–2005, D–2007, 2012
(A) दुर्गासप्तशती (B) श्रीमद्भागवतम्
(C) देवीभागवते (D) श्रीमद्भगवद्गीता
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 158

42. 'शाकुन्तलोपाख्यान' इसमें मिलता है– UGC-73 J–2006
(A) श्रीमद्रामायणे (B) महाभारते
(C) देवीभागवते (D) अग्निपुराणे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

43. (i) भगवद्गीतायाः उपदेशः महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि उपलभ्यते– MP-वर्ग-1 (PGT)–2012
(ii) महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि गीताया उपदेशः?
BHU AET–2010
(A) उद्योगपर्वणि (B) वनपर्वणि
(C) भीष्मपर्वणि (D) शान्तिपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 158

44. 'मौसलपर्वणः' उल्लेखोऽस्ति– UGC-25 D–2011
(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) भगवद्गीतायाम् (D) रघुवंशे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

45. मौसलपर्व– CVVET–2015
(A) अष्टादशम् (B) षोडशम्
(C) सप्तदशम् (D) पञ्चदशम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

46. (i) महाभारत के किस पर्व में 'नलोपाख्यान' वर्णित है?
(ii) 'महाभारते' नलोपाख्यानं कस्मिन् पर्वणि–
UGC-25 D–2013, UGC 73 D–2015
(A) आदिपर्वणि (B) वनपर्वणि
(C) कर्णपर्वणि (D) अनुशासनपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

47. 'विष्णुसहस्रनामस्तोत्रं' कुत्र वर्तते– UGC-25 J–2014
(A) श्रीमद्भागवते (B) रामायणे
(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) महाभारते
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 152

48. नलोपाख्यान है– UGC-73 J–1998
(A) रामायणे (B) कथासरित्सागरे
(C) विष्णुपुराणे (D) महाभारते
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

49. 'आश्रमवासी' इति भागः वर्तते– UK SLET–2015
(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) सामवेदे (D) दशकुमारचरिते
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

50. महाभारतस्य उपाख्यानम् अस्ति– UK SLET–2015
(A) वृषभोपाख्यानम् (B) नलोपाख्यानम्
(C) खलोपाख्यानम् (D) हलोपाख्यानम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

51. (i) महाभारत के किस पर्व में 'शकुन्तलोपाख्यान' वर्णित है? HE–2015, UGC 73 D–2015
(ii) 'शकुन्तलोपाख्यानं' कस्मिन् पर्वण्युपलभ्यते–
(A) आदिपर्वणि (B) वनपर्वणि
(C) विराटपर्वणि (D) कर्णपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

52. (i) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि उल्लिखिता– BHU AET–2010, GJ SET–2013
(ii) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्य पर्वभागो विद्यते?
(iii) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि कृतपदा?
RPSC SET–2013-14,
(A) उद्योगपर्वणि (B) द्रोणपर्वणि
(C) भीष्मपर्वणि (D) कर्णपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 158

40. (A)	41. (D)	42. (B)	43. (C)	44. (B)	45. (B)	46. (B)	47. (D)	48. (D)	49. (B)
50. (B)	51. (A)	52. (C)							

53. ''प्रज्ञा प्रतिष्ठा भूतानां प्रज्ञा लाभः परो मतः।
प्रज्ञा निःश्रेयसी लोके प्रज्ञा स्वर्गो मतः सताम्॥''
इति .... वर्तते – GJ SET–2016
(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) विष्णुपुराणे (D) हरिवंशे
स्रोत–महाभारत (खण्ड-5) शान्तिपर्व (180/2)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 551

54. 'उर्ध्वबाहुः विरौम्येष' इति वाक्यं .... कथयति– GJ SET–2016
(A) व्यासः (B) सञ्जयः
(C) विदुरः (D) अश्वत्थामा
महाभारत (खण्ड-6) स्वर्गारोहणपर्व (5/57,58,62)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 1217

55. महाभारते समीक्षितावृत्तिः .... संस्थया प्रकाशिता– GJ SET–2016
(A) प्राच्यविद्यामन्दिरम्, बडोदरा
(B) विश्वेश्वरानन्दशोधसंस्थानम्, होशियारपुरम्
(C) गीताप्रेस, गोरखपुर
(D) भण्डारकर-प्राच्यविद्याशोधसंस्थानम्, पूना
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 119

56. महाभारतस्य चतुर्थपर्वणः नाम किम्? RPSC ग्रेड-I PGT–2014
(A) सभापर्व (B) भीष्मपर्व
(C) विराटपर्व (D) उद्योगपर्व
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 118

57. विदुरनीति है– UGC-73 D–2012
(A) रामायणे (B) हरिवंशपुराणे
(C) महाभारते (D) पद्मपुराणे
स्रोत–विदुरनीति–गुञ्जेश्वर चौधरी, पृष्ठ- 01

58. श्रीकृष्णः कस्मिन् पर्वणि दूतस्य कार्यम् अकरोत्– AWES TGT–2010
(A) सभापर्वणि (B) भीष्मपर्वणि
(C) उद्योगपर्वणि (D) वनपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ–149,150

59. गान्धारी किसकी माँ है– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK-TET–2011
(A) धृतराष्ट्र की (B) विदुर की
(C) दुर्योधन की (D) कर्ण की
महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (114/25)–गीताप्रेस, पृष्ठ-400, 401

60. सुभद्रा किसकी बहन थी– MP-वर्ग-2 (TGT)–2011 UK-TET–2011, UGC-73 D–1994
(A) अर्जुन की (B) कृष्ण की
(C) अश्वत्थामा की (D) नकुल की
महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (218/14, 17)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 716

61. माद्री माता थी– MP-वर्ग-2 (TGT)–2011 UK-TET–2011
(A) युधिष्ठिर की (B) नकुल की
(C) भीम की (D) द्रोण की
स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (123/21)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 429

62. भीष्मस्य पितृकृतं नाम किम्– AWES TGT–2014
(A) देवव्रतः (B) भद्ररथः
(C) देवदत्तः (D) वज्रदत्तः
स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (100/21)–गीताप्रेस, पृष्ठ-358

63. कृष्ण की जन्मदात्री माता थी– UGC-73 D–1992
(A) देवकी (B) यशोधरा
(C) कौशल्या (D) यशोदा
स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) सभापर्व (2/30)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 767

64. सैवलोऽस्ति– UGC-73 J–2013
(A) विदुरः (B) कर्णः
(C) दुःशासनः (D) शकुनिः
स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) सभापर्व (59/3)–गीताप्रेस, पृष्ठ-1000

65. महाभारतयुद्धे पाण्डवानां सैन्यप्रमाणं किम्? HAP–2016
(A) एकादश-अक्षौहिणी (B) दश-अक्षौहिणी
(C) सप्त-अक्षौहिणी (D) पञ्च-अक्षौहिणी
स्रोत–महाभारत (खण्ड-3) उद्योगपर्व (55/27)– गीताप्रेस, पृष्ठ- 466

53. (B) 54. (A) 55. (D) 56. (C) 57. (C) 58. (C) 59. (C) 60. (B) 61. (B) 62. (A) 63. (A) 64. (D) 65. (C)

66. भीष्मस्य पिता– CVVET–2015

(A) व्यासः (B) बाह्लिकः
(C) शान्तनुः (D) विचित्रवीर्यः

स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व–गीताप्रेस, पृष्ठ- 363

67. को द्रौणिः– BHU AET–2012

(A) अर्जुनः (B) दुर्योधनः
(C) युधिष्ठिरः (D) अश्वत्थामा

स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (129/47)–गीताप्रेस, पृष्ठ-454

68. दासीपुत्रः कः– BHU AET–2012

(A) विदुरः (B) मैत्रेयः
(C) धृतराष्ट्रः (D) पाण्डुः

महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (105/28, 30)–गीताप्रेस, पृष्ठ-382

69. वैरोचनिः कः? BHU AET–2012

(A) इन्द्रः (B) वरुणः
(C) बलिः (D) प्रह्लादः

स्रोत–श्रीमद्भागवत (खण्ड-1, 8.19.14) - गीताप्रेस, पेज–994

70. द्रोणाचार्यस्य वधं केन अकरोत्–AWES TGT–2011

(A) अर्जुनेन (B) धृष्टद्युम्नेन
(C) भीमेन (D) घटोत्कचेन

स्रोत–महाभारत (खण्ड-4) द्रोणपर्व (192/67)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 682

71. बृहन्नला .... आसीत्। AWES TGT–2010

(A) भीमः (B) अर्जुनः
(C) युधिष्ठिरः (D) नकुलः

स्रोत–महाभारत (खण्ड-2) विराटपर्व (11/8, 9)–गीताप्रेस, पृष्ठ- 1033

72. कर्णः कवचकुण्डलौ कस्मै प्रदत्तवान्– RPSC-ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) अर्जुनाय (B) युधिष्ठिराय
(C) इन्द्राय (D) कृष्णाय

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 466

73. जयद्रथ किसके हाथों मारा गया– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK-TET–2011

(A) कृष्ण (B) बलराम
(C) अर्जुन (D) भीम

स्रोत–महाभारत (खण्ड-4) द्रोणपर्व (146/132)–गीताप्रेस, पृष्ठ-496

74. भीष्मस्य निर्वाणं कस्मिन्पर्वणि विद्यते? K-SET–2015

(A) अनुशासनपर्वणि (B) उद्योगपर्वणि
(C) भीष्मपर्वणि (D) शान्तिपर्वणि

स्रोत–महाभारत (खण्ड-6) अनुशासनपर्व– गीताप्रेस, पृष्ठ- 761

75. सावित्रीकथा कुत्र वर्णिता– K-SET–2014

(A) वनपर्वणि (B) आदिपर्वणि
(C) उद्योगपर्वणि (D) भीष्मपर्वणि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

76. शान्तनोः पुत्रस्य नाम किम्? RPSC SET–2010

(A) भीष्मः (B) अर्जुनः
(C) जनमेजयः (D) आरुणिः

स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व –गीताप्रेस, पृष्ठ- 363-365

77. महाभारतस्य खिलपर्व किं विद्यते? GJ SET–2013

(A) विष्णुपुराणम् (B) नारदपुराणम्
(C) भागवतपुराणम् (D) हरिवंशपुराणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 159

78. महाभारतस्य सौप्तिकपर्वणः प्रमुखा घटनास्ति– RPSC SET–2013-14

(A) शल्यस्य सेनापतित्वम् (B) द्रोणवधः
(C) अश्वत्थामा द्रौपदीपुत्राणांवधः (D) जयद्रथवधः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 118

79. महाभारतकथा केन कथिता– MH SET–2013

(A) वाल्मीकिना (B) शुकेन
(C) सौतिना (D) शौनकेन

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 148

80. ''शान्तिपर्व' में दुर्गसंख्या है– UGC-73 D–2013

(A) पञ्च (B) नव
(C) षट् (D) दश

स्रोत–महाभारत (खण्ड-5) शान्तिपर्व (86/5)–गीताप्रेस, पृष्ठ-275

66. (C)	67. (D)	68. (A)	69. (C)	70. (B)	71. (B)	72. (C)	73. (C)	74. (A)	75. (A)
76. (A)	77. (D)	78. (C)	79. (C)	80. (C)					

81. महाभारते यक्षप्रश्नानाम् उपयुक्तानि उत्तराणि कः दत्तवान्– RPSC-ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) कृष्णः (B) विदुरः
(C) कुबेरः (D) युधिष्ठिरः

स्रोत–महाभारत (खण्ड-2) वनपर्व (313/44) पृष्ठ–986

82. हस्तिनापुर राजधानी थी– MP-वर्ग-2 (TGT) 2011, UK TET–2011

(A) कौरवों की (B) पाण्डवों की
(C) सहस्रार्जुन की (D) प्रद्युम्न की

महाभारत (खण्ड-6) आश्रमवासिकपर्व–गीताप्रेस, पृष्ठ-1154, 1158

83. परीक्षितस्य पितामहः क आसीत्? RPSC SET–2010

(A) भीमः (B) शान्तनुः
(C) अर्जुनः (D) भरतः

स्रोत–श्रीमद्भागवत महापुराण (1.12.2.10)–गीताप्रेस, पृष्ठ-136, 137

84. महाभारत युद्ध के समय दिव्य दृष्टि किसको प्राप्त थी– BHU MET–2008, AWES TGT–2008

(A) संजय को (B) धृतराष्ट्र को
(C) युधिष्ठिर को (D) भीम को

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 150

85. महाभारत के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य है– UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) इसमें तीन लाख श्लोक हैं।
(B) इसकी कथावस्तु अठारह पर्वों में विभक्त है।
(C) यह पौराणिक उपन्यास है।
(D) यह विश्व का सबसे बड़ा खण्डकाव्य है।

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

86. निम्नलिखित में से कौन काव्य महाभारत का उपजीवी नहीं है– UP GDC–2008

(A) दशकुमारचरितम् (B) ऊरुभङ्गम्
(C) नलचम्पूः (D) शिशुपालवधम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ-129

87. आख्यानोपाख्यानैः उपबृंहितं काव्यम् अस्ति– UP GDC–2012

(A) रामायणम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) महाभारतम् (D) श्रीमद्भागवतम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-157

88. निम्नलिखित में से यह आख्यान महाभारत में है– UGC 73 J–2016

(A) ऋष्यशृङ्गाख्यानम् (B) शुनःशेपाख्यानम्
(C) रामोपाख्यानम् (D) गङ्गावतरणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 158

89. ''यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्'' इयमुद्घोषणा स्वरचनाविषये केन कृता– UP GDC–2012

(A) वाल्मीकिना (B) श्रीमद्भागवतकृता व्यासेन
(C) महाभारतकृता व्यासेन (D) श्रीहर्षेण

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 145

90. युद्ध में पाण्डवों की सहायता किसने की– UP TET–2013

(A) भीष्म ने (B) द्रोणाचार्य ने
(C) धृतराष्ट्र ने (D) कृष्ण ने

स्रोत–महाभारत (खण्ड-3) उद्योगपर्व-गीताप्रेस पेज–29-31

91. कालान्तर में द्रौपदी सहित पाण्डव कहाँ गये– UP TET–2013

(A) वन में (B) राजभवन में
(C) हिमालय में (D) प्रयाग में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-152

92. पाण्डवों तथा कौरवों के मध्य युद्ध हुआ– UP TET–2013

(A) मालवा में (B) विन्ध्यक्षेत्र में
(C) कुरुक्षेत्र में (D) मथुरा में

महाभारत (खण्ड-3), उद्योगपर्व (159/1) गीताप्रेस, पेज–476

93. युद्ध में कौन पराजित हुआ– UP TET–2013

(A) दुर्योधन (B) अर्जुन
(C) कृष्ण (D) युधिष्ठिर

स्रोत–महाभारत (खण्ड-4), शल्यपर्व, गीताप्रेस, पेज–1243

94. अज्ञातवासे अर्जुनस्य नाम आसीत्– UK SLET–2015

(A) कङ्कः (B) धनञ्जयः
(C) विजयः (D) बृहन्नला

स्रोत–महाभारत (खण्ड-2) – गीताप्रेस, पृष्ठ- 1033

95. महाभारतयुद्धे सर्वाधिकदिवसपर्यन्तं कौरवसेनापतिः कः आसीत्– HE–2015

(A) द्रोणः (B) कर्णः
(C) शल्यः (D) भीष्मः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 150

81. (D)	82. (B)	83. (C)	84. (A)	85. (B)	86. (A)	87. (C)	88. (C)	89. (C)	90. (D)
91. (C)	92. (C)	93. (A)	94. (D)	95. (D)					

96. महाभारतस्य समीक्षात्मकसंस्करणम् (Chitical Edition) अनया संस्थया प्रकाशितम्–JNU M.Phil/Ph.D–2015
(A) निर्णयसागरमुद्रणालयः
(B) भाण्डारकर ओरियन्टलरिसर्च इन्स्टिट्यूट, पुणे
(C) ओरियन्टल इन्स्टिट्यूट, बडौदा
(D) कुप्पुस्वामिशास्त्री रिसर्च इन्स्टिट्यूट, चेन्नई
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 146

97. नैमिषारण्ये महाभारतीयां कथां क उक्तवान्–HE–2015
(A) वैशम्पायनः (B) उग्रश्रवाः
(C) शौनकः (D) व्यासः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 434

98. देवीं......नत्वा ततो जयमुदीरयेत् – BHU-AET–2010
(A) सरस्वतीम् (B) भगवतीम्
(C) हैमवतीम् (D) प्रभावतीम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 147

99. अकबर के दरबार में संस्कृत रचना जिसका फारसी में 'रज्मनामा' के नाम से अनुवाद हुआ था–UGC 06 D–2004
(A) रामायण (B) महाभारत
(C) वेद (D) गीता
स्रोत– Lucent's सामान्य ज्ञान, पेज–55

100. कीचकस्य वधं महाभारतस्य कस्मिन् पर्वण्युपवर्णितम्– UGC-25 J–2012
(A) उद्योगपर्वणि (B) विराटपर्वणि
(C) शल्यपर्वणि (D) द्रोणपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 149

101. 'यक्ष संवाद' कहाँ से लिया गया है–UGC-73 D–1999
(A) पिता से (B) महाभारत से
(C) रामायण से (D) भागवत से
स्रोत–महाभारत (खण्ड-2) वनपर्व – गीताप्रेस, पृष्ठ- 983

102. अर्जुनेन सह युद्धं कर्तुम् अश्वत्थामा कस्य अस्त्रस्य प्रयोगम् अकरोत्– AWES TGT–2010
(A) ब्रह्मास्त्रस्य (B) पाशुपतास्त्रस्य
(C) विषास्त्रस्य (D) सहस्रास्त्रस्य
स्रोत–भागवत प्रथमखण्ड-(1/7/19, 20), पेज–109

103. 'दमयन्तीकथा' महाभारते कस्मिन् पर्वणि वर्तते– K-SET–2013
(A) सभापर्वणि (B) वनपर्वणि
(C) कर्णपर्वणि (D) स्त्रीपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 157

104. पाण्डवाः वनवासाय किं वनं प्रविविशुः? K-SET–2013
(A) दण्डकारण्यम् (B) काम्यकवनम्
(C) नागवनम् (D) नैमिषारण्यम्
स्रोत–महाभारत (खण्ड-2) अरण्यपर्व– गीताप्रेस, पृष्ठ- 37

105. धर्मे चार्थे च कामे च मोक्षे च भरतर्षभ।
यदिहास्ति तदन्यत्र, यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्॥
.... वर्तते? GJ SET–2016
(A) द्रोणपर्वणि (B) विराटपर्वणि
(C) आदिपर्वणि (D) सभापर्वणि
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 117

106. महाभारते भीष्मस्य प्राणत्यागः कुत्र वर्णितः – UGC 73 Jn–2017
(A) भीष्मपर्वणि (B) शान्तिपर्वणि
(C) अनुशासनपर्वणि (D) स्वर्गारोहणपर्वणि
महाभारत (खण्ड-6) अनुशासनपर्व (168/6)–गीताप्रेस, पृष्ठ-761

107. (i) ''अहिंसा परमो धर्मः'' यह उक्ति है–
(ii) ''अहिंसा परमो धर्मः'' यह वाक्य है–
UGC-73 J–2011, UP TET–2013
(A) उपनिषदि (B) कालिकापुराणे
(C) महाभारतस्य शान्तिपर्वणि (D) अनुशासनपर्वणि
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय – शत्रुघ्न त्रिपाठी, पृष्ठ- 123

108. अक्षुद्रान् दानशीलांश्च सत्यशीलाननास्तिकान्।
कार्ष्णं वेदमिमं विद्वान् श्रावयित्वार्थमश्नुते
इत्यस्मिन् श्लोके प्रस्तुतीकृतः 'कार्ष्णः वेदः' कः– UGC-25 D–2012
(A) भगवद्गीता (B) श्रीमद्रामायणम्
(C) जानकीहरणम् (D) महाभारतम्
स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (62/18) गीताप्रेस, पेज–207

109. महर्षिः वेदव्यासः कतिभिः वर्षैः महाभारतं कृतवान्– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015
(A) चतुर्भिः (B) पञ्चभिः
(C) त्रिभिः (D) षड्भिः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा, 'ऋषि', पेज–145

96. (B) 97. (B) 98. (A) 99. (B) 100. (B) 101. (B) 102. (A) 103. (B) 104. (B) 105. (C) 106. (C) 107. (C) 108. (D) 109. (C)

03 रघुवंशम्

1. 'रघुवंश'-महाकाव्यस्य रचनां कः अकरोत्?
BHU B. Ed–2012, UP TGT (H)–2009
(a) भारविः (b) व्यासः
(c) कालिदासः (d) माघः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

2. (i) 'रघुवंशम्' है? UP TGT–2009
(ii) रघुवंशस्य किं काव्यस्वरूपम्? GJ SET–2007
(iii) रघुवंशम् किं विधं काव्यमस्ति? RPSC SET–2013-14
(a) महाकाव्यम् (b) गीतिकाव्यम्
(c) नाटकम् (d) व्याकरणग्रन्थः
स्रोत–रघुवंश -हरगोविन्दमिश्र, भू. पेज-12

3. 'रघुवंशमहाकाव्य' के मङ्गलाचरण में कालिदास ने किसकी वन्दना की? UP TET–2014
(a) सरस्वती की (b) गणेश-पार्वती की
(c) कार्तिकेय की (d) शिव-पार्वती की
स्रोत–रघुवंश (1/1) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-2, 3

4. रघुवंशे 'जगतः पितरौ' इति कौ वर्णितौ? UK SLET–2015
(a) राधाकृष्णौ (b) सीतारामौ
(c) पार्वतीपरमेश्वरौ (d) देवकीवसुदेवौ
स्रोत–रघुवंश (1/1) - हरगोविन्द मिश्र , पेज-2

5. (i) रघुवंशमहाकाव्ये सर्गाः सन्ति– CCSUM Ph. D–2016,
(ii) रघुवंश महाकाव्य में सर्ग हैं? MP वर्ग-I PGT–2012,
(iii) रघुवंशे सर्गाणां संख्या वर्तते–BHU MET–2011,
(iv) रघुवंश में कुल कितने सर्ग हैं? 2012, 2014
(v) रघुवंशे कति सर्गाः सन्ति? T-SET–2013,
(vi) रघुवंशे महाकाव्ये सर्गसंख्याऽभिधीयताम्?
BHU AET–2012, WB SET–2010, MH-SET–2014, 2013, KL-SET–2016, UP PGT (H)–2013, UP TGT–2010, UGC-25 J–2007, BHU B.Ed–2011, CVVET–2015
(a) 18 (b) 19
(c) 20 (d) 21
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151-152

6. (i) रघुवंशमहाकाव्ये कति राजानो वर्णिताः सन्ति?
(ii) रघुवंशमहाकाव्ये कियद् सूर्यवंशीयानां राज्ञां वर्णनमस्ति– DSSSB TGT–2014, MGKV Ph. D–2016
(a) 20 (b) 19
(c) 31 (d) 39
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

7. रघु के वंश का किसमें वर्णन है? BHU MET–2008
(a) मेघदूत में (b) रघुवंश में
(c) कुमारसम्भव में (d) नैषधीयचरित में
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

8. रघुवंश में किस वंश के राजाओं का वर्णन है?
BHU MET–2010
(a) सोमवंश के (b) सूर्यवंश के
(c) गन्धर्ववंश के (d) किन्नरवंश के
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

9. रघुवंशमहाकाव्ये सर्वप्रथमं कस्य राज्ञः वर्णनम् अस्ति–
UGC 25 S–2013
(a) रामस्य (b) रघोः
(c) अजस्य (d) दिलीपस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

10. इक्ष्वाकुवंशे जातः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(a) कृष्णः (b) बाणभट्टः
(c) रामः (d) जयदेवः
स्रोत–रघुवंश (3/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-58

11. 'अथ प्रजानामधिपः प्रभाते' इत्यत्र राजार्थकः शब्दः कः– BHU Sh.ET–2011
(a) प्रजा (b) प्रभातः
(c) अधिपः (d) अथ
स्रोत–रघुवंश (2/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-33

1. (C)	2. (A)	3. (D)	4. (C)	5. (B)	6. (C)	7. (B)	8. (B)	9. (D)	10. (C)
11. (C)									

12. 'रघुवंशे' कस्य वर्णनं नास्ति– BHU Sh.ET–2011

(a) पार्वत्याः (b) दिलीपस्य

(c) रामस्य (d) अजस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

13. 'रघुवंश' में किसकी गो-सेवा वर्णित है– BHU MET–2008, UP TET–2014

(a) दिलीप की (b) रघु की

(c) दशरथ की (d) अज की

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

14. (i) 'रघुवंश' में दशरथ के पिता कौन हैं–

(ii) रघुवंश में दशरथ के पिता का क्या नाम है? BHU MET–2008, 2009, 2013

(a) दिलीप (b) अज

(c) रघु (d) मनु

स्रोत– रघुवंशम् (8/28, 29) – हरगोविन्द मिश्र, पेज-195-196

15. 'नन्दिनी धेनु' का वर्णन किसमें है–BHU MET–2010

(a) कुमारसम्भवम् में (b) रघुवंशम् में

(c) किरातार्जुनीयम् में (d) शिशुपालवधम् में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

16. 'रघुवंश' में इन्दुमती किसकी रानी हैं– BHU MET–2010

(a) रघु की (b) अज की

(c) इक्ष्वाकु की (d) दिलीप की

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

17. राजा दशरथ का सम्बन्ध किस वंश से था– BHU MET–2009, 2013

(a) सूर्यवंश से (b) चन्द्रवंश से

(c) इन्द्रवंश से (d) मनुवंश से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

18. रघुवंशियों का कौन-सा कालक्रमानुसार युग्म सही है– UP TGT–2010

(a) रघु, अज, दशरथ, राम (b) दिलीप, अज, दशरथ, राम

(c) अज, दिलीप, रघु, राम (d) राम, दशरथ, रघु, अज

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी पेज-152

19. 'रघुवंश-महाकाव्य' किसकी स्तुति से प्रारम्भ होता है– UP GIC–2009

(a) गणेश-लक्ष्मी की (b) शिव-पार्वती की

(c) विष्णु-लक्ष्मी की (d) सरस्वती की

स्रोत– रघुवंशम् (1.1) – हरगोविन्द मिश्र, पेज-02

20. रघुवंशी राजाओं में सर्वप्रथम नाम आता है– UGC 25 J–2004

(a) रघु (b) अज

(c) अग्निवर्ण (d) वैवस्वत

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-152

21. (i) रघुवंशस्य व्याख्यानं केन विरचितम्?

(ii) रघुवंशस्य प्रथमव्याख्यानं केन विरचितम्? KL-SET–2014, 2015

(a) मल्लिनाथेन (b) वल्लभदेवेन

(c) नारायणपण्डितेन (d) अरुणगिरिनाथेन

किरातार्जुनीयम्- अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज-28

22. अजविलाप किसमें है– UGC 25 J–1994

(a) स्वप्नवासवदत्तम् में (b) नैषधीयचरितम् में

(c) रघुवंशम् में (d) कुमारसम्भवम् में

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-151

23. कालिदासविरचित मालविकाग्निमित्रम् नाटक में अग्निमित्र की द्वितीय पत्नी है– UGC 25 J–2001

(a) मदनिका (b) मालविका

(c) धारिणी (d) इरावती

स्रोत–कालिदास-ग्रन्थावली -ब्रह्मानन्द शास्त्री, पेज-568

24. 'इन्दुमती' किस महाकाव्य की पात्र है–UGC 25 D–2001

(a) शिशुपालवधम् की (b) रघुवंशम् की

(c) नैषधीयचरितम् की (d) किरातार्जुनीयम् की

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

25. 'रघुवंशमहाकाव्य' का पात्र नहीं है– UGC 25 J–2002

(a) राम (b) दिलीप

(c) भीम (d) लक्ष्मण

स्रोत– रघुवंशम् (10/81) – हरगोविन्द मिश्र, पेज-266

12. (A)	**13. (A)**	**14. (B)**	**15. (B)**	**16. (B)**	**17. (A)**	**18. (A)**	**19. (B)**	**20. (D)**	**21. (A)**
22. (C)	**23. (D)**	**24. (B)**	**25. (C)**						

26. 'अग्निवर्ण' पात्र है– UGC 25 J–2003
(a) मेघदूत का (b) रघुवंश का
(c) वेणीसंहार का (d) मुद्राराक्षस का
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-152

27. वरतन्तुशिष्यस्य कौत्सस्य वृत्तान्तमस्मिन् काव्ये निबद्धं वर्तते– UGC 25 D–2008
(a) कुमारसम्भवे (b) रघुवंशे
(c) माघे (d) किरातार्जुनीये
स्रोत–रघुवंश (5/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-108

28. 'इक्ष्वाकूणां दुरापेऽर्थे त्वदधीना हि सिद्धयः' इति कः कं प्रति आह– UGC 25 D–2013
(a) वसिष्ठः दिलीपं प्रति (b) दिलीपः वशिष्ठं प्रति
(c) वसिष्ठः सुदक्षिणां प्रति (d) सुदक्षिणा दिलीपं प्रति
स्रोत–रघुवंश (1/72) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-25

29. 'सन्ध्या' से किसकी तुलना की गयी है–UP TET–2013
(a) राजा की (b) राजा की पत्नी की
(c) मार्ग की (d) धेनु की
स्रोत–रघुवंश (2/20) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-39

30. इक्ष्वाकुवंशी राजाओं का निरूपण प्राप्त होता है– UP TET–2014
(a) दशकुमारचरितम् में (b) रघुवंशम् में
(c) मेघदूतम् में (d) कादम्बरी में
स्रोत–रघुवंश (3/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-58

31. किसका परिश्रम व्यर्थ है– UP TET–2014
(a) सिंह का (b) गाय का
(c) राजा दिलीप का (d) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–रघुवंश (2/34) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43

32. किसके ऊपर चलाया गया अस्त्र व्यर्थ होगा– UP TET–2014
(a) सिंह पर (b) नन्दिनी पर
(c) राजा दिलीप पर (d) वृक्ष पर
स्रोत–रघुवंश (2/34) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43, 44

33. रघुवंशमहाकाव्ये कस्य वंशस्य राज्ञां वर्णनं विद्यते– HAP – 2016
(a) इक्ष्वाकुवंशस्य (b) पुरुवंशस्य
(c) यदुवंशस्य (d) कुरुवंशस्य
स्रोत–रघुवंश (3/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-58

34. 'योगेनान्ते तनुत्यजाम्' इतीयं पंक्तिः केन आश्रमेण सम्बद्धा– DU M.Phil–2016
(a) ब्रह्मचर्याश्रमेण (b) गृहस्थाश्रमेण
(c) वानप्रस्थाश्रमेण (d) संन्यासाश्रमेण
स्रोत–रघुवंश (1/8) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-04-05

35. कौन लज्जा त्यागकर लौट जाय– UP TET–2014
(a) राजा दिलीप (b) सिंह
(c) गुरु (d) शिष्य
स्रोत–रघुवंश (2/33, 40) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43, 45

36. किसके प्रति शिष्य भक्ति प्रदर्शित करें– UP TET–2014
(a) लज्जा के प्रति (b) शस्त्र के प्रति
(c) यश के प्रति (d) गुरु के प्रति
स्रोत–रघुवंश (2/40) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-45

37. नन्दिनी गाय ने प्रसन्न होकर वरदान दिया था– UP TET–2014
(a) धनप्राप्ति का (b) राज्यप्राप्ति का
(c) राज्य एवं धनप्राप्ति का (d) पुत्र-प्राप्ति का
स्रोत–रघुवंश (2/64) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-53

38. रघुवंशे रघोः पिता कः? UK SLET–2015
(a) अजः (b) दिलीपः
(c) रामः (d) दशरथः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-152

39. रघुवंश के किस सर्ग में सीतापरित्याग का वृत्तान्त है? UGC 73 J–2013
(a) पञ्चमे (b) अष्टमे
(c) चतुर्दशे (d) दशमे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

26. (B) 27. (B) 28. (B) 29. (D) 30. (B) 31. (C) 32. (A) 33. (A) 34. (D) 35. (A) 36. (D) 37. (D) 38. (B) 39. (C)

40. रघुवंशस्य चतुर्दशसर्गस्य नाम किम्? UGC 25 J–2016

(a) सीतापवादः (b) सीतापरित्यागः
(c) श्रीराममनसस्तापः (d) सीतावनवासः

स्रोत–रघुवंश - हरगोविन्द मिश्र, पेज-369

41. रघुवंशस्य कस्मिन् सर्गे दिलीपस्य गोसेवा वर्णिता? UGC 25 J–2011

(a) प्रथमे (b) द्वितीये
(c) तृतीये (d) चतुर्थे

स्रोत–रघुवंश (2/4) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-34

42. रघुः किन्नामकं यज्ञं चकार? UGC 25 J–2011

(a) राजसूयम् (b) विश्वजित्
(c) अश्वमेधः (d) पुत्रेष्टिः

स्रोत–रघुवंश-कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज-13

43. ''श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्''–इत्यत्र कोऽलङ्कारः? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(a) उत्प्रेक्षा (b) उपमा
(c) दृष्टान्तः (d) तुल्ययोगिता

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–160

44. (i) दिलीपस्य भार्यायाः नाम किम्? UP TET 2016, MH-SET–2016

(ii) राजा दिलीप की पत्नी का नाम है?

(a) इन्दुमती (b) सुदक्षिणा
(c) लक्ष्मी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–रघुवंश (2/2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-33

45. दिलीपस्य गोसेवा कस्मिन् महाकाव्ये वर्णिताऽस्ति? BHU AET–2010, BHU Sh.ET–2013

(a) रघुवंशे (b) कुमारसम्भवे
(c) जानकीहरणे (d) सीताचरिते

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

46. 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ'–इति कस्य ग्रन्थस्य प्रथमं पद्यम्? BHU Sh.ET–2013

(a) उत्तररामचरितस्य (b) रघुवंशस्य
(c) किरातार्जुनीयस्य (d) कुमारसम्भवस्य

स्रोत–रघुवंश (1/1) - हरगोविन्द मिश्र,पेज-02

47. 'अदूरवर्तिनीं सिद्धिं राजन्विगणयात्मनः' इस पंक्ति को कौन कहता है? BHU MET–2011, 2012

(a) वशिष्ठ (b) दिलीप
(c) कामधेनु (d) नन्दिनी

स्रोत–रघुवंश (1/86) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-29

48. रघुवंशमहाकाव्ये अजः कस्य पुत्रः? DSSSB TGT–2014

(a) रघोः (b) पुण्डरीकस्य
(c) दिलीपस्य (d) अग्निवर्णस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-152

49. गङ्गा-यमुना के सङ्गम का वर्णन प्राप्त होता है– UP GIC–2009

(a) माघकृत शिशुपालवध में
(b) कालिदास कृत रघुवंश में
(c) भासकृत प्रतिमानाटक में
(d) भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् में

स्रोत–रघुवंश (13/58) -हरगोविन्द मिश्र, पेज-338

50. दिलीपस्य वृत्तं कस्मिन् काव्ये अस्ति? T-SET–2014

(A) रघुवंशे (B) बुद्धचरिते
(C) किरातार्जुनीये (D) मेघदूते

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-151

51. किस काव्य का महाभारत ग्रन्थ उपजीव्य नहीं है– UGC 73 J–2015

(a) शिशुपालवधम् (b) रघुवंशम्
(c) नैषधीयचरितम् (d) किरातार्जुनीयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

52. (i) 'श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्'' इत्यस्ति?

(ii) 'श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्' प्रस्तुत श्लोकांश उद्धृत है– UGC 25 D–2009, UP TET–2013

(a) रामायणे (b) महाभारते
(c) रघुवंशे (d) वेणीसंहारे

स्रोत–रघुवंश (2/2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-33

40. (B)	**41. (B)**	**42. (B)**	**43. (B)**	**44. (B)**	**45. (A)**	**46. (B)**	**47. (A)**	**48. (A)**	**49. (B)**
50. (A)	**51. (B)**	**52. (C)**							

53. ''प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत्। सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥'' यह किस ग्रन्थ में मिलता है– BHU MET–2011, 2012

(a) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (b) मेघदूतम्

(c) रघुवंशम् (d) कुमारसम्भवम्

स्रोत–रघुवंश (1/18) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-8

54. ''श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्'' इस उक्ति के रचयिता कौन हैं– BHU MET–2009, 2013

(a) भारवि (b) भास

(c) भट्टनारायण (d) कालिदास

स्रोत–रघुवंश (2/2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-33

55. ''सञ्चारिणी दीपशिखेव' यह उपमा कालिदास के किस काव्य में है– UP TET–2014

(a) रघुवंशम् में (b) कुमारसम्भवम् में

(c) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (d) मेघदूतम् में

स्रोत– रघुवंश (6/67) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-158

56. (i) 'क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः' – पंक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है?

(ii) ''क्व सूर्यप्रभवो वंशः'' कालिदास की उक्ति किस ग्रन्थ में है– UP TET–2014, 2016

(a) रघुवंश में (b) मेघदूत में

(c) कुमारसम्भव में (d) अभिज्ञानशाकुन्तल में

स्रोत–रघुवंश (1/2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-2

57. 'न पादपोन्मूलनशक्तिरंहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य॥' श्लोकांश उद्धृत है– UP TET–2014

(a) किरातार्जुनीयम् से (b) रघुवंशम् से

(c) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से (d) उत्तररामचरितम् से

स्रोत–रघुवंश (2/34) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43

58. ''प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः'' यह सूक्ति किस काव्य से है– UGC 25 J–1999

(a) किरातार्जुनीयम् से (b) रघुवंशम् से

(c) शिशुपालवधम् से (d) बुद्धचरितम् से

स्रोत–रघुवंश (1/3) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-3

59. (i) ''हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा '' श्लोकार्धः ...... अस्ति? UGC 25 D–1999

(ii) ''हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा'' यह सूक्ति किस काव्य से है– GJ SET–2016

(a) रघुवंशम् से (b) रामायणचम्पू से

(c) किरातार्जुनीयम् से (d) पञ्चतन्त्र से

स्रोत–रघुवंश (1/10) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-5

60. ''अलं महीपाल! तव श्रमेण'' यह कथन किसने किसके लिए कहा– UGC 25 J–2004

(a) सिंह ने दिलीप से (b) दिलीप ने मन्त्री से

(c) दिलीप ने सिंह से (d) दिलीप ने गुरु से

स्रोत–रघुवंश (2/33, 34) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43

61. (i) ''वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये'' इत्युक्तिः–

(ii) 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ'.....इति श्लोकेन किं महाकाव्यं आरभ्यते– UGC 25 D–2004, UGC 73 J–2016

(ii) 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये' श्लोकांश किस काव्य में है? T-SET–2013, MH SET–2014, K-SET–2015

(a) बुद्धचरिते (b) रघुवंशे

(c) नैषधीयचरिते (d) शिशुपालवधे

स्रोत–रघुवंश (1/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-2

62. ''शैशवेऽभ्यस्तविद्यानाम्'' इत्यस्ति–UGC 25 D–2005

(a) किरातार्जुनीये (b) बुद्धचरिते

(c) मेघदूते (d) रघुवंशमहाकाव्ये

स्रोत–रघुवंश (1/8) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-4

63. ''सञ्चारिणी दीपशिखेव रात्रौ'' इति रघुवंशमहाकाव्ये कस्मिन्सन्दर्भे वर्णितं भवति– UGC 25 D–2007

(a) दिलीपस्य गोसेवा (b) रामवनगमनम्

(c) सीताविसर्जनम् (d) इन्दुमती-स्वयंवरः

स्रोत–रघुवंश (6/67) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-158

64. ''सन्ततिः शुद्धवंश्या हि परत्रेह च शर्मणे'' सूक्ति ग्रहण की गई है– UP PGT–2013

(a) शिशुपालवधम् से (b) रघुवंशम् से

(c) किरातार्जुनीयम् से (d) मालविकाग्निमित्रम् से

स्रोत–रघुवंश (1/69) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-24

65. ''शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्ष्यं न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोति'' इयमुक्तिः कालिदासस्य कस्मिन् ग्रन्थे अस्ति– GGIC – 2015

(a) मेघदूते (b) अभिज्ञानशाकुन्तले

(c) रघुवंशे (d) कुमारसम्भवे

स्रोत–रघुवंश (2/40) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-45

53. (C) 54. (D) 55. (A) 56. (A) 57. (B) 58. (B) 59. (A) 60. (A) 61. (B) 62. (D) 63. (D) 64. (B) 65. (C)

**66. ''ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥''
कस्य गुणाः श्लोकेऽस्मिन् उल्लिखिताः? UGC 25-D–2015**

(a) रघोः (b) रामस्य
(c) अजस्य (d) दिलीपस्य

स्रोत–रघुवंश (1/22) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-9

67. पौरेषु सोऽहं बहुलीभवन्तमपां तरङ्गेष्विव तैलबिन्दुम्। सोढुं न तत्पूर्वमवर्णमीशे आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्रः॥ रघुवंशे कस्येयमुक्तिः? UGC 25 Jn–2017

(a) लक्ष्मणस्य (b) रामस्य
(c) भरतस्य (d) शत्रुघ्नस्य

स्रोत–रघुवंश (14/38) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-355

68. रघोः वंशस्य आदिमः मनुः कः? K-SET–2015

(a) सावर्णिमनुः (b) वैवस्वतमनुः
(c) स्वायम्भुवः (d) स्वारोचिषः

स्रोत–रघुवंश (1/11) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-5,6

69. कस्य शापः दिलीपस्य सन्ततिप्रतिबन्धकः आसीत्? K-SET–2015

(a) दुर्वाससः शापः (b) विश्वामित्रस्य शापः
(c) नन्दिन्याः शापः (d) कामधेनोः शापः

स्रोत–रघुवंश (1/75-79) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-26,27

70. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K-SET–2015

(क) दिलीपः 1. इन्दुमती
(ख) कुशः 2. कौसल्या
(ग) अजः 3. सुदक्षिणा
(घ) दशरथः 4. कुमुद्वती

	क	ख	ग	घ
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

स्रोत–रघुवंश - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज-02,40,19,24,25

71. रघुवंशमहाकाव्यस्य उपजीव्यम् अस्ति– T-SET–2013

(a) महाभारतम् (b) पद्मपुराणम्
(c) रामायणम् (d) मनुस्मृतिः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

72. दिलीपः किमर्थं बलिमग्रहीत्? K-SET–2013

(a) आत्मक्षेमाय (b) कोशरक्षणाय
(c) प्रतापवृद्धये (d) प्रजाक्षेमाय

स्रोत–रघुवंश- (1/18) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-10

73. 'उद्बाहुरिव वामनः' इत्युपमा कस्मिन्महाकाव्ये वर्तते– GJ-SET–2013

(a) नैषधीयचरिते (b) किरातार्जुनीये
(c) रघुवंशे (d) कुमारसम्भवे

स्रोत–रघुवंश (1/3)- हरगोविन्द मिश्र, पेज-03

74. 'मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः' – इत्युक्तिः? GJ SET–2011

(a) दण्डिनः (b) भवभूतेः
(c) माघस्य (d) कालिदासस्य

स्रोत–रघुवंश (1/4) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-03

75. राज्ञः दिलीपस्य पत्नी सुदक्षिणा .... राजकन्या आसीत्? GJ SET–2016

(a) उत्कलस्य (b) मगधस्य
(c) पाञ्चालस्य (d) विदर्भस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-213

76. 'इन्दुमती-स्वयंवर-वर्णनम्' रघुवंशस्य कस्मिन् सर्गे विद्यते? RPSC SET–2010

(a) प्रथमे (b) चतुर्थे
(c) अष्टमे (d) षष्ठे

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-215

77. 'क्लेशावहा भर्तुरलक्षणाहम्' इत्थं का वदति– K SET–2014

(a) सीता (b) कैकेयी
(c) कौसल्या (d) सुदक्षिणा

स्रोत–रघुवंश (14/05) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-347

66. (D) 67. (B) 68. (B) 69. (D) 70. (C) 71. (C) 72. (D) 73. (C) 74. (D) 75. (B) 76. (D) 77. (A)

78. 'तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्' इति कालिदासोक्तिः रघुवंशे कुत्रास्ति? **RPSC SET–2013-14**

(a) चतुर्दशसर्गे (b) पञ्चमसर्गे
(c) प्रथमसर्गे (d) त्रयोदशसर्गे

स्रोत–रघुवंश (1/2) - हरगोविन्द मिश्र,पेज-02

79. आराधय सपत्नीकः प्रीता कामदुधा हि सा का– **KL-SET–2016**

(a) कामधेनुः (b) सुदक्षिणा
(c) मेना (d) नन्दिनी

स्रोत–रघुवंश (1/81) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-27

80. 'प्रसादचिह्नानि पुरः फलानि।' इतीयं पंक्तिः कस्मिन् काव्ये वर्तते? **MH SET–2011**

(a) कुमारसम्भवे (b) रघुवंशे
(c) किरातार्जुनीये (d) शिशुपालवधे

स्रोत–रघुवंश (2/22) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-40

81. 'यशोधनानां हि यशो गरीयः' इति पंक्तिः कस्मिन् काव्ये वर्तते– **MH SET–2013**

(a) रघुवंशे (b) शिशुपालवधे
(c) बुद्धचरिते (d) कुमारसम्भवे

स्रोत– रघुवंश (14/35) - हरगोविन्द मिश्र, पेज- 354

82. स्ववीर्यगुप्ता हि मनोः प्रसूतिः – इति पंक्तिः कस्मिन् काव्ये वर्तते– **MH SET–2013**

(a) दशकुमारचरिते (b) रघुवंशे
(c) शिशुपालवधे (d) मनुस्मृत्याम्

स्रोत–रघुवंश (2/4) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-34

83. वागर्थाविव सम्पृक्तौ कौ? **MH SET–2016**

(a) रामकृष्णौ (b) पार्वति-परमेश्वरौ
(c) रामलक्ष्मणौ (d) कृष्णार्जुनौ

स्रोत–रघुवंश (1/1) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-02

84. 'प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत्।' कः? **KL SET–2014**

(a) रघुः (b) दिलीपः
(c) दशरथः (d) रामः

स्रोत–रघुवंश (1/18) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-08

85. 'शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्ष्यं न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोति' – कस्य वचनमिदम्? **KL - SET–2014**

(a) वशिष्ठस्य (b) दिलीपस्य
(c) सिंहस्य (d) रघोः

स्रोत–रघुवंश (2/33, 40) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-43, 45

86. रघुवंशस्य त्रयोदशसर्गे का कथा वर्णिता अस्ति– **KL SET–2015**

(a) रावणवध (b) रामस्य अयोध्याप्रत्यागमनम्
(c) रामस्य राज्याभिषेकः (d) सीतापरित्यागः

स्रोत–रघुवंश - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज-31

87. 'तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्' पङ्क्तौ अस्याम् 'तितीर्षुः' शब्दस्य कोऽर्थः? **T-SET–2014**

(a) तरितुम् इच्छुकः (b) तारयितुम् इच्छुकः
(c) तारितुम् इच्छा (d) तारयितुम् इच्छा

स्रोत–रघुवंश (1/2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-2,3

88. 'योगेनान्ते तनुत्यजाम्' कथनम् इदं केषां सन्दर्भे प्रयुक्तम्? **T-SET–2014**

(a) रघूणाम् (b) इक्ष्वाकूनाम्
(c) गान्धर्वाणाम् (d) पाण्डवानाम्

स्रोत–रघुवंश (1/5, 8) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-05

89. राजा दिलीपः किमर्थं राज्यभारं सचिवेषु निचिक्षिवे– **T-SET–2013**

(a) तीर्थयात्रागमनाय (b) भोगविलासाय
(c) संतानार्थाय विधये (d) युद्धार्थं गमनाय

स्रोत–रघुवंश - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज-1,2

90. रघुवंशस्य .... सर्गे राज्ञः दिलीपस्य गोसेवाचरणव्रतं वर्णितमस्ति– **GJ SET–2003**

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) चतुर्दशे (D) षोडशे

स्रोत–रघुवंश - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज–4, 5

91. ''वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे'' – इत्यत्र कस्तावत् वैदेहिबन्धुः– **UGC 25 J–2015**

(A) रामः (B) लक्ष्मणः
(C) रावणः (D) भरतः

स्रोत– रघुवंशम् (14/33) - हरगोविन्द मिश्र, पेज–354

78. (C)	79. (D)	80. (B)	81. (A)	82. (B)	83. (B)	84. (B)	85. (C)	86. (B)	87. (A)
88. (A)	89. (C)	90. (B)	91. (A)						

04 कुमारसम्भवम्

1. (i) 'कुमारसम्भव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा है?
(ii) 'कुमारसम्भवमहाकाव्य' के रचयिता कौन हैं?
BPSC–2002, BHU MET–2010
(A) बाणभट्ट (B) चन्दवरदाई
(C) हरिषेण (D) कालिदास
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

2. कुमारसम्भवमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?
BHU B.Ed–2012, DSSSB–TGT–2014
(A) पञ्चदश (B) अष्टादश
(C) सप्तदश (D) द्वादश
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

3. कुमारसम्भवमहाकाव्यस्य कस्मिन् सर्गे हिमालयवर्णनमस्ति?
BHU AET–2010
(A) तृतीये (B) प्रथमे
(C) चतुर्थे (D) द्वितीये
स्रोत–कुमारसम्भव (प्रथमसर्ग)- राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-1

4. (i) कस्मिन् काव्ये हिमालयवर्णनं प्रथमतः?
(ii) कस्मिन् काव्ये आदौ हिमालयस्य वर्णनं भवति?
UGC 73 J–2008, BHU Sh.ET–2011, DSSSB PGT–2014
(A) रघुवंशे (B) मालविकाग्निमित्रे
(C) कुमारसम्भवे (D) मेघदूते
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-211

5. 'शिव-पार्वत्योः' चर्चा कस्मिन् ग्रन्थे दृश्यते?
BHU B.Ed–2015
(A) रघुवंशे (B) मेघदूते
(C) ऋतुसंहारे (D) कुमारसम्भवे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

6. (i) कुमारसम्भवमहाकाव्ये कुमारः वर्तते–
(ii) कुमारसम्भवमहाकाव्ये कुमारस्य प्रयोगः कस्य कृते अस्ति?
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, AWES TGT–2009
(A) कार्तिकेयस्य (B) गणेशस्य
(C) भरतस्य (D) इन्द्रपुत्रस्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

7. 'कुमारसम्भव' में किस राक्षस का वध वर्णित है?
BHU MET–2010
(A) नरकासुर (B) त्रिपुरासुर
(C) बकासुर (D) तारकासुर
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

8. कुमारसम्भवे उमातपोवर्णनं कस्मिन् सर्गे कृतम्?
JNU MET–2014
(A) प्रथमे (B) षष्ठे
(C) सप्तमे (D) पञ्चमे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-211

9. ''स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः'' अत्र अलङ्कारोऽस्ति?
MP वर्ग-2 (TGT)–2011
(A) उत्प्रेक्षा (B) उपमा
(C) रूपकम् (D) अतिशयोक्ति
स्रोत–कुमारसम्भव (1/1) - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-1-4

10. (i) ''एको हि दोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः'' उपर्युक्त सूक्ति कहाँ मिलती है?
(ii) 'एको हि दोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः' इति सूक्तिः अस्मिन् काव्ये उपलभ्यते–
BHU MET–2009, 2013, GGIC–2015
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) रघुवंशम् (D) कुमारसम्भवम्
स्रोत–कुमारसम्भव (1/3) - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-7

11. (i) ''शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'' कस्मिन् काव्ये प्रोक्तम् ?
(ii) ''शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'' सूक्ति है–
(iii) 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' कस्मिन् काव्ये सूचितम्?
(iv) 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' इति कुत्र वर्तते?
UP PGT–2004, UGC 25 D–2010 BHU B.Ed–2014, 2015
(A) रघुवंशे (B) कुमारसम्भवे
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) विक्रमोर्वशीये
स्रोत–कुमारसम्भव (5/33) - वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, पेज-114

1. (D) 2. (C) 3. (B) 4. (C) 5. (D) 6. (A) 7. (D) 8. (D) 9. (A) 10. (D) 11. (B)

12. ''अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः'' यह पंक्ति कहाँ प्राप्त होती है? **BHU MET–2011, UGC 73 Jn–2017**
(A) मेघदूतम् (B) रघुवंशम्
(C) कुमारसम्भवम् (D) ऋतुसंहारम्
स्रोत–कुमारसम्भव (1/1) - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-1

13. क्षुद्रेऽपि नूनं शरणं प्रपन्ने ममत्वमुच्चैः शिरसां सतीव – यह पंक्ति कहाँ प्राप्त होती है? **BHU MET–2016**
(A) मेघदूत (B) रघुवंश
(C) कुमारसम्भव (D) ऋतुसंहार
स्रोत–कुमारसम्भव (1/12) - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-25

14. 'क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते' इयं पंक्ति अस्ति– **RPSC ग्रेड -II (TGT)–2010**
(A) कादम्बर्याः (B) कुमारसम्भवस्य
(C) नीतिशतकस्य (D) हितोपदेशस्य
स्रोत–कुमारसम्भव (5/86) - वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, पेज-137

15. ''स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः'' उक्ति है– **UGC 73 J–1999**
(A) रघुवंशम् की (B) शिशुपालवधम् की
(C) कुमारसम्भवम् की (D) किरातार्जुनीयम् की
स्रोत–कुमारसम्भव (1/1) - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-1

16. 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' एषा उक्तिः कस्य काव्यस्य? **AWES TGT–2012**
(A) कुमारसम्भवम्/ब्रह्मचारी (B) नैषध/नल
(C) नैषध/दमयन्ती (D) नैषध/हंस
स्रोत–कुमारसम्भव (5/33) - सुधाकर मालवीय, पेज-132

17. (i) 'न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते' – इस उक्ति के रचयिता कौन हैं? **H TET–2015**
(ii) 'न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते' – यह वचन किस कवि के हैं? **BHU MET–2016**
(A) भास (B) व्यास
(C) कालिदास (D) भवभूति
स्रोत–कुमारसम्भव (5/16) - वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, पेज-107

18. शिव पार्वती विवाह, कार्तिकेय जन्म व कार्तिकेय द्वारा तारकासुर वध – ये समस्त घटनायें किस महाकाव्य की ओर सङ्केत कर रही हैं? **H TET–2015**
(A) किरातार्जुनीयम् (B) रघुवंशम्
(C) कुमारसम्भवम् (D) नैषधीयचरितम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-209

19. 'प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता' – इस उक्ति के रचयिता कौन हैं? **BHU MET–2016**
(A) भारवि (B) भट्टनारायण
(C) भास (D) कालिदास
स्रोत–कुमारसम्भव (5/1) - वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री,पेज-101

20. 'मनोरथानामगतिर्न विद्यते' - कस्येदं वाक्यम्? **KL SET–2016**
(A) मेनायाः (B) पार्वत्याः
(C) ब्रह्मचारिणः (D) सख्याः
स्रोत–कुमारसम्भव (5/64) -सुधाकर मालवीय, पेज-147

21. कुमारसम्भवम् महाकाव्यस्य प्रारम्भः कीदृग्विधेन मङ्गलाचरणेन अस्ति? **MGKV Ph. D–2016**
(A) नमस्कारात्मकेन (B) आशीर्वादात्मकेन
(C) वस्तुनिर्देशात्मकेन (D) न केनापि
स्रोत– कुमारसम्भव - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-01

12. (C)	13. (C)	14. (B)	15. (C)	16. (A)	17. (C)	18. (C)	19. (D)	20. (B)	21. (C)

05 किरातार्जुनीयम्

1. (i) किरातार्जुनीयम् के रचनाकार हैं– UGC 73 J–2009
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' के कर्ता हैं– UP TGT–2011 BHU MET–2008
(A) माघ (B) भामह
(C) श्रीहर्ष (D) भारवि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

2. (i) 'किरातार्जुनीयम्' महाभारत के किस पर्व से लिया गया है? UP TGT–2001, 2003, 2013,
(ii) किरातार्जुनीयमहाकाव्यस्य कथावस्तु कुतः गृहीतम्? UGC 25 J–2016
(A) आदिपर्व से (B) वनपर्व से
(C) विराटपर्व से (D) शान्तिपर्व से
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

3. महाभारत पर आधारित ग्रन्थ है– UGC 25 D–2002
(A) रघुवंशम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) बुद्धचरितम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

4. (i) किरातार्जुनीयमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' ग्रन्थ में कुल कितने सर्ग हैं?
(iii) भारविकाव्ये सर्गाणां संख्या वर्तते?
(iv) किरातार्जुनीयम् में समस्त सर्गों की संख्या है–
(v) किरातार्जुनीयस्य काव्यस्य सर्गाः–
UP TGT–2001, 2005, 2009, 2010, 2013, BHU MET–2008, 2009, 2013, UP TET–2013, 2014, AWES TGT–2010, 2011, GJ SET–2007 RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014
(A) 15 (B) 20
(C) 18 (D) 22
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

5. 'किरातार्जुनीयम्' का प्रथम पद्य किस छन्द में है? UP TGT–2009, UP PGT (H)–2000
(A) वंशस्थ (B) उपजाति
(C) आर्या (D) मालिनी
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1)-रामसेवक दुबे, पेज-45

6. (i) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग में प्रमुखता से प्रयुक्त छन्द कौन-सा है? UP TGT–2009
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग में छन्द है– BHU MET–2011, 2012, 2016 UP TET–2016, UP GIC–2009
(A) वसन्ततिलका (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) वंशस्थ (D) उपजाति
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1)-रामसेवक दुबे, पेज-45

7. (i) 'किरातार्जुनीयम्' में किरात है–
(ii) किरातार्जुनीयम् में 'किरात' शब्द किसका बोधक है?
(iii) किरातार्जुनीये किरातः कः? UP TGT–2004, 2005, 2009 UGC 25 J–2007, 2014
(A) गणेशः (B) शिवः
(C) राहुः (D) युधिष्ठिरः
संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

8. (i) वनेचर किस वन में युधिष्ठिर के पास आया?
(ii) वनेचरः युधिष्ठिरं कस्मिन् स्थाने समाययौ? UP TGT–2009, T SET–2013
(A) विन्ध्याटवी में (B) द्वैतवन में
(C) दण्डकारण्य में (D) पञ्चवटी में
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1)–रामसेवक दुबे, पेज-39

9. (i) 'कुरूणामधिपः' का तात्पर्य है–UP TGT–2009,
(ii) किरातार्जुनीयम् में 'कुरूणामधिपस्य' शब्द प्रयुक्त किया गया है– UP PGT–2010, UK TET–2011
(A) अर्जुन (B) भीम
(C) दुर्योधन (D) दुःशासन
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1)–रामसेवक दुबे, पेज-39

1. (D) 2. (B) 3. (C) 4. (C) 5. (A) 6. (C) 7. (B) 8. (B) 9. (C)

10. (i) किरातार्जुनीये प्रतिसर्गस्यान्तिमं पदमस्ति–
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' के प्रत्येक सर्ग का अन्तिम पद है–
UGC 25 D–2001, J – 2011, 2014, UP TGT–2009

(A) लक्ष्मी (B) विभु
(C) शिव (D) श्री

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' , पेज-244

11. वीररस प्रधान काव्य है– UP TGT–2010

(A) उत्तररामचरितम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) कुमारसम्भवम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-244

12. (i) 'किरातार्जुनीयम्' शब्द निष्पन्न होता है– HE–2015
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' शब्दे कः प्रत्यय?
UP TGT–2013, UP GIC–2009

(A) छ प्रत्यय (B) ङीप् प्रत्यय
(C) ल्युट् प्रत्यय (D) युच् प्रत्यय

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' , पेज-243

13. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग में वनेचर वार्तालाप कर रहा है– UP TET–2014

(A) दुर्योधन से (B) युधिष्ठिर से
(C) अर्जुन से (D) नकुल से

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1)–रामसेवक दुबे ,पेज-39

14. किरातः कस्य महाकाव्यस्य पात्रम् अस्ति?
RPSC SET–2010

(A) रघुवंशस्य (B) किरातार्जुनीयस्य
(C) नैषधस्य (D) बुद्धचरितस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

15. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य किस पर आधारित है?
BHU MET–2009, 2013

(A) श्रीमद्भागवत (B) विष्णुपुराण
(C) महाभारत (D) रामायण

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

16. 'किरातार्जुनीयम्' का नायक कौन है? UP TGT–2013

(A) युधिष्ठिर (B) अर्जुन
(C) शिव (किरातवेशधारी) (D) भीम

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, पेज-24

17. (i) किरातार्जुनीये अङ्गीरसः? UP TGT–2013
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' का प्रधान रस क्या है?
UP TGT (H)–2005, GJ SET–2003

(A) शृङ्गाररस (B) करुणरस
(C) वीररस (D) शान्तरस

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा ' ऋषि', पेज-244

18. द्वैतवन में गुप्तचर किसके पास लौटा? UP TGT–2004

(A) दुर्योधन (B) युधिष्ठिर
(C) गुप्तचर (D) द्रौपदी

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज-39

19. 'श्रियः कुरूणामधिपस्य पालनीम्' किस प्रकार का मङ्गलाचरण है? UP TGT–2011

(A) आशीर्वादात्मक (B) नमस्कारात्मक
(C) वस्तुनिर्देशात्मक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज- 44

20. 'अदेवमातृकाः' का प्रयोग किस ग्रन्थ में है?
UP TGT–1999

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अङ्क में
(B) किरातार्जुनीयम् प्रथमसर्ग में
(C) उत्तररामचरितम् तृतीय अङ्क में
(D) कादम्बरी शुकनासोपदेश में

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/17) - रामसेवक दुबे,पेज-84

21. ''स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ। युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः'' इस श्लोक में 'वर्णिलिङ्गी' शब्द का अर्थ है– UP TGT–2003

(A) ब्रह्मचारी (B) किरात
(C) देवयोनि विशेष (D) विपरीतलिङ्ग वाला

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज-43

22. 'किरातार्जुनीयम्' काव्य में दुर्योधन अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित करने के लिए जो आचरण करता है, वह आचरण/नीति निर्धारित है– UP TGT–2003

(A) बृहस्पति के द्वारा (B) नारद के द्वारा
(C) मनु के द्वारा (D) कामन्दक के द्वारा

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/9) - रामसेवक दुबे,पेज-64

10. (A) 11. (D) 12. (A) 13. (B) 14. (B) 15. (C) 16. (B) 17. (C) 18. (B) 19. (C)
20. (B) 21. (A) 22. (C)

23. (i) दुर्योधनस्य शासनव्यवस्थां ज्ञातुं युधिष्ठिरेण कः प्रेषितः? HAP –2016, UP TGT–2004
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' में दुर्योधन की शासन व्यवस्था जानने के लिये किसे भेजा गया था?
(A) सहदेवः (B) वनेचरः
(C) नकुलः (D) धृष्टद्युम्नः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज-39

24. दुर्योधन कुरु की प्रजा को प्रसन्न करने के लिए जो विशेष व्यवस्था करता है, वह सम्बन्धित है– UP TGT–2003
(A) करों को उदार बनाने में
(B) उपहार बाँटने में
(C) कृष्ण के साथ सम्बन्धों को सुधारने में
(D) सिंचाई व्यवस्था को उन्नत करने में
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/17) - रामसेवक दुबे,पेज-84

25. 'मखेष्वखिन्नोऽनुमतः पुरोधसा, धिनोति हव्येन हिरण्यरेतसम्'–प्रस्तुत श्लोक में 'हिरण्यरेतसम्' का अर्थ है? UP TGT–2003
(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) कुबेर (D) ब्रह्मा
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/22) - रामसेवक दुबे,पेज-96-98

26. 'किरातार्जुनीयम्' में दुर्योधन की तुलना की गई है– UP TGT–2004
(A) उरग से (B) शुक से
(C) द्विप से (D) सिंह से
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/24) - रामसेवक दुबे,पेज-100

27. (i) 'किरातार्जुनीयम्' में गुप्तचर किस वेष में जाता है?
(ii) किरातार्जुनीयम् का गुप्तचर किस वेष में हस्तिनापुर जाता है? UP TGT–2004, 2010
(A) सैनिक (B) संन्यासी
(C) ब्रह्मचारी (D) मन्त्री
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज-39

28. 'प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः'–यहाँ 'मादृशां' से तात्पर्य है? UP TGT–2004
(A) भीम (B) युधिष्ठिर
(C) गुप्तचर (D) द्रौपदी
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/25)-रामसेवक दुबे,पेज-103, 105

29. किरातार्जुनीयस्य कः पाकः प्रथितः? K-SET–2015
(A) द्राक्षापाकः (B) कदलीपाकः
(C) आमलकीपाकः (D) नारिकेलपाकः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे,भू0 पेज-21

30. ब्रह्मचारी विप्र का वेषधारण करने वाला गुप्तचर था– UP TGT–2011
(A) यक्ष (B) वनेचर
(C) ब्राह्मण (D) वैश्य
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे,पेज-39

31. धन जीतकर युधिष्ठिर को कौन देता था? UP TGT–2004
(A) भीम (B) नकुल
(C) सहदेव (D) अर्जुन
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/35)-रामसेवक दुबे,पेज-124-125

32. 'किरातार्जुनीयम्' में किस विषय का चमत्कारित्व है? UP TGT–2004
(A) रचनाशैली (B) अर्थगौरव
(C) उपमा (D) श्लेष
स्रोत–किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे,भू. पेज-31

33. 'वनेचर' शब्द का संस्कृत प्रतिशब्द होगा–UP TGT–2004
(A) ब्रह्मचारी (B) गुप्तचर
(C) वर्णिलिङ्गी (D) दूत
स्रोत–किरातार्जुनीयम् -रामसेवक दुबे, पेज-43

34. (i) किरातार्जुनीयम् में अर्जुन भगवान् शङ्कर से किस अस्त्र की प्राप्ति करते हैं?
(ii) 'किरातार्जुनीयम्' में अर्जुन को कौन-सा प्रसिद्ध अस्त्र प्राप्त हुआ है– UP TGT–2004, UP TET–2016
(A) गाण्डीव (B) पाशुपतास्त्र
(C) अग्निबाण (D) जृम्भकास्त्र
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

35. ''सहसा विदधीत न क्रियाम्'' इस वाक्य का हिन्दी में अनुवाद होगा– UP TGT–2004
(A) हठपूर्वक कार्य मत करो (B) हठपूर्वक कार्य करें
(C) सहसा कार्य करें (D) सहसा कार्य न करें
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-250

23. (B) 24. (D) 25. (A) 26. (A) 27. (C) 28. (C) 29. (D) 30. (B) 31. (D) 32. (B)
33. (B) 34. (B) 35. (D)

36. 'किरातार्जुनीयम्' में 'अदेवमातृकाः' कौन हैं? UP TGT–2005

(A) नदी जलाशय एवं नहरों से सिंचाई करने वाले
(B) बादलों की वर्षा पर निर्भर रहने वाले
(C) देवताओं की कृपा प्राप्ति के लिए यज्ञानुष्ठान करने वाले
(D) राक्षसी शक्तियों के भरोसे कार्य सिद्ध करने वाले

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/17) - रामसेवक दुबे, पेज-84, 85

37. वनेचर की बात सुनने के बाद युधिष्ठिर कहाँ पहुँचे? UP TGT–2005

(A) अपने विश्रामगृह में (B) द्रौपदी के समीप
(C) व्यास के समीप (D) पर्वत पर

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/26) - रामसेवक दुबे, पेज-106

38. किस प्रकार के वचन दुर्लभ होते हैं? UP TGT–2005

(A) प्रिय किन्तु असत्य (B) हितकारी और मनोहर
(C) हानिकारक और कठोर (D) सत्य और प्रिय

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

39. 'कथं त्वमेतौ धृतिसंयमौ यमौ विलोकयन्नुत्सहसे न बाधितुम्' इस श्लोक में 'यमौ' किस युग्म के लिए प्रयुक्त है? UP TGT–2005

(A) राम-लक्ष्मण (B) नकुल-सहदेव
(C) भीम-अर्जुन (D) बलराम-कृष्ण

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/36) - रामसेवक दुबे, पेज-127

40. महापुरुषों के साथ कैसा विरोध भी अच्छा होता है– UP TGT–2005

(A) महापुरुषों को पराजित करने वाला
(B) धन सम्पत्ति दिलाने वाला
(C) उन्नति कराने वाला
(D) मित्रता बढ़ाने वाला

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/8) - रामसेवक दुबे, पेज-61

41. दुर्योधन यज्ञ कार्य में कैसे लगा रहता है? UP TGT–2005

(A) चारों ओर सैनिक नियुक्त करके
(B) शत्रुओं को कैद करके
(C) मित्रों को उपकृत करके
(D) दुःशासन को युवराज पद पर बैठा करके

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/22) - रामसेवक दुबे, पेज-96

42. दुर्योधन कब भयभीत हो जाता है? UP TGT–2005

(A) श्रीकृष्ण की माया शक्ति सोचकर
(B) युधिष्ठिर का नाम सुनकर
(C) पाण्डवों की दैवीय शक्ति से
(D) विदुर के उपदेश सुनकर

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

43. ''महीभुजे'' में कौन-सी विभक्ति है– UP TGT–2009

(A) प्रथमा (B) चतुर्थी
(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/2) - रामसेवक दुबे, पेज-46

44. 'विघाताय' में कौन-सी धातु है– UP TGT–2009

(A) धा (B) तन्
(C) हन् (D) गम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/3) - रामसेवक दुबे, पेज-49

45. 'कृतप्रणामः' में कौन-सा समास है– UP TGT–2010

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/2) - रामसेवक दुबे, पेज-45,46

46. 'वनेचरः' में कौन-सा प्रत्यय है? UP TGT–2010

(A) घञ् (B) ष्यञ्
(C) ट (D) मनिन्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे, पेज-43

47. किस महाकाव्य के प्रत्येक सर्ग के अन्त में 'लक्ष्मी' शब्द का प्रयोग किया गया है? UP TGT–2010

(A) रघुवंशम् (B) शिशुपालवधम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-244

48. (i) 'किरातार्जुनीयम्' प्रथम सर्ग के अन्त्य श्लोक में कौन-सा छन्द है? UP PGT–2010,
(ii) 'विधिसमयनियोगाद्दीप्तिसंहारजिह्मम्' में छन्द है– UK TET–2011

(A) उपजाति (B) वंशस्थ
(C) वसन्ततिलका (D) मालिनी

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/46) - रामसेवक दुबे, पेज-148,153

36. (A) 37. (B) 38. (B) 39. (B) 40. (C) 41. (D) 42. (B) 43. (B) 44. (A) 45. (D) 46. (C) 47. (C) 48. (D)

49. 'कृषीवल' से तात्पर्य है– UP PGT–2010

(A) कृषि से (B) किसान से

(C) सिंचाई के साधन से (D) वृष्टि से

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/17) - रामसेवक दुबे, पेज-84, 86

50. 'नारीसमया' में 'समया' से तात्पर्य है– UP PGT–2010

(A) समान (B) माया वाली

(C) समय (D) मर्यादा

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/28)-रामसेवक दुबे, पेज-110-111

51. 'यमौ' कौन हैं? UP TET–2013

(A) युधिष्ठिर (B) भीम

(C) अश्विनी पुत्र (नकुल एवं सहदेव) (D) अर्जुन

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/36)-रामसेवक दुबे, पेज-127-128

52. भीम किसके पुत्र हैं? UP TET–2013

(A) धर्मराज के (B) वायु के

(C) अग्नि के (D) इन्द्र के

स्रोत–महाभारत आदिपर्व (121 /14)-गीताप्रेस, पेज-422

53 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'–यह किस ग्रन्थ की उक्ति है? UP TGT–2010

(A) शिशुपालवधम् (श्रीकृष्ण) (B) हर्षचरितम् (राज्यश्री)

(C) किरातार्जुनीयम् (वनेचर) (D) किरातार्जुनीयम् (युधिष्ठिर)

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4)- रामसेवक दुबे, पेज-50

54. तवाभिधानाद् व्यथते नताननः, स दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः' – इत्यत्र 'नताननः' कः? UGC 25 J–2013

(A) सुयोधनः (B) धर्मराजः

(C) वनेचरः (D) भीमसेनः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/24) - रामसेवक दुबे, पेज-100

55. 'कथं न मन्युर्ज्वलयत्युदीरितः, शमीतरुं शुष्कमिवाग्निरुच्छिखः।' इत्युक्त्या कः प्रेरितः? UGC 25 J–2014

(A) अर्जुनः (B) युधिष्ठिरः

(C) वनेचरः (D) सुयोधनः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/32) - रामसेवक दुबे, पेज-118

56. अर्जुन किसमें नायक के रूप में वर्णित हैं? BHU MET–2010

(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्

(C) कुमारसम्भवम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-244

57. (i) किरातार्जुनीयम् शीर्षक में प्रयुक्त 'किरात' शब्द किसके लिये प्रयुक्त हुआ है? UP GDC–2008

(ii) भारविरचित 'किरातार्जुनीयम्' में 'किरात' से क्या अभिप्राय है? UP TGT–2011

(A) प्रथमसर्ग का वनेचर जो ब्रह्मचारी के वेश में गुप्तचर है।

(B) महाकाव्य के अगले सर्गों में जिन किरात-किरातिनियों का वर्णन किया गया है।

(C) किरातवेशधारी शिव।

(D) पाण्डुपुत्र जो गुप्तवेश में दर-दर भटकते हैं।

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

58. 'कीदृशं वचः दुर्लभं भवति।' उचित शब्द का चयन कर पंक्ति पूर्ण करें– UP TET–2014

(A) सत्यम् (B) प्रियम्

(C) हितं मनोहारि च (D) मनोहारि

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

59. (i) किरातार्जुनीयम् के प्रथमसर्ग के आधार पर पाण्डव कहाँ निवास कर रहे थे?

(ii) महाकवि भारवि के महाकाव्य में पाण्डवों ने अपना निवासस्थान बनाया– UP TET–2014, UP TGT–2011

(A) शान्तिवन में (B) द्वैतवन में

(C) तुलसीवन में (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे, पेज-39

60. अर्थगौरवसम्पन्नं काव्यं किं नाम भारवेः? BHU AET–2012

(A) जानकीहरणम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) सौन्दरनन्दम् (D) रामचरितम्

स्रोत– किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, भू.पेज-31

49. (B) 50. (D) 51. (C) 52. (B) 53. (C) 54. (A) 55. (B) 56. (A) 57. (C) 58. (C) 59. (B) 60. (B)

61. ''प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः'' इत्यत्र 'खलु' अव्ययस्य अर्थ अस्ति? RPSC ग्रेड-II TGT–2014
(A) अनुनयः (B) जिज्ञासा
(C) विनिग्रहः (D) निश्चयः
स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/25) - राजेन्द्र मिश्र, पेज-90

62. ''भवादृशेषु प्रमदाजनोदितं भवत्यधिक्षेप इवानुशासनम्। तथापि वक्तुं व्यवसाययन्ति मां निरस्तनारीसमया दुराधयः॥'' इस पद्य में 'मां' पद से किसको कहा गया है? BHU MET–2012
(A) द्रौपदी (B) शकुन्तला
(C) सीता (D) लक्ष्मी
स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/28)-रामसेवक दुबे, पेज-110-111

63. 'अबन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां, भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः' इस पंक्ति में 'अबन्ध्यकोपस्य' का क्या अर्थ है? BHU MET–2012
(A) सफल क्रोध वाले (B) मृषा क्रोध वाले
(C) मुक्त कोप वाले (D) व्यर्थ क्रोध वाले
स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/33)-रामसेवक दुबे, पेज-120-121

64. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथमसर्ग में प्रयुक्त छन्द में प्रयुक्त गण हैं? UP TGT–2013
(A) जगण तगण जगण रगण
(B) जगण तगण जगण दो गुरुवर्ण
(C) तगण तगण जगण गुरु गुरु
(D) तगण भगण जगण जगण गुरु गुरु
स्रोत– किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, पेज-45

65. 'स वल्कवासांसि तवाधुना हरन्' – कः? K-SET–2013
(A) अर्जुनः (B) भीमः
(C) नकुलः (D) सहदेवः
स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/35) - रामसेवक दुबे, पेज-124-125

66. 'किरातार्जुनीयम्' प्रथमसर्ग के कथानक में निम्नलिखित में से क्या नहीं है? UP TGT–2013
(A) द्वैतवन में निवास
(B) गुप्तचर द्वारा दुर्योधन का वृत्तान्त
(C) द्रौपदी का क्रोध
(D) द्रौपदी के क्रोध का युधिष्ठिर द्वारा समर्थन
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

67. 'न्यायधारा हि साधवः' का अर्थ है– UP PGT–2010, UK TET–2011
(A) न्याय की धारा अच्छी होती है।
(B) न्याय की धारा साधुओं की धारा है।
(C) सज्जन न्यायमार्ग का ही आश्रय लेते हैं।
(D) सज्जन न्यायमार्ग का परित्याग करते हैं।
स्रोत– किरातार्जुनीयम् (11/30)- सुधाकर मालवीय, पेज-313

68. किरातार्जुनीयम् का कथानक लिया गया है– UP TET–2014
(A) रामायण से (B) महाभारत से
(C) पुराणों से (D) गीता से
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

69. यस्य कथा रामायणाश्रिता नास्ति– UGC 25 J–2015
(A) रघुवंशस्य (B) भट्टिकाव्यस्य
(C) जानकीहरणस्य (D) किरातार्जुनीयस्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

70. ''पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम्''– इस सूक्ति के रचयिता हैं– UP PGT–2000, UP TGT–2009
(A) कालिदास (B) माघ
(C) भारवि (D) भर्तृहरि
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/41) - रामसेवक दुबे, पेज-138

71. (i) ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' यह कथन किससे सम्बन्धित है? UPPGT–2002,2013, UGC25J–1999,
(ii) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' यह सूक्ति किस ग्रन्थ की है? 1998, D–1996, 2013, 2004,
(iii) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' यह सूक्ति किस काव्य की है? UP TGT–1999, 2001, 2010,
(iv) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' इति श्लोकांशः कुत्र प्राप्यते? RPSC SET–2010, UP GIC–2009, BHU B. Ed–2013 BHU MET–2009, 2013, UP TET–2013, K-SET–2014, UGC 73 D–2008
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) मेघदूतम्
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

61. (D) 62. (A) 63. (A) 64. (A) 65. (A) 66. (D) 67. (C) 68. (B) 69. (D) 70. (C) 71. (B)

72. ''अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता'' यह उक्ति किसने कही है? UP PGT–2002

(A) भीम (B) द्रौपदी

(C) दुर्योधन (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

73. 'हितं मनोहारि च दुर्लभम्' का अर्थ है–UP TGT–2011

(A) हितकारी वचन दुर्लभ होता है।

(B) मनोहारि वचन दुर्लभ होता है।

(C) हितकारी और प्रियवचन दुर्लभ होता है।

(D) दुर्लभ वचन ही हितकारी होता है।

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50-51

74. 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' के अनुसार खलजनों के सम्पर्क की अपेक्षा श्रेष्ठ होता है– UP TGT–2011

(A) साधुजनों का साथ (B) साधुजनों का विरोध

(C) दुष्टजनों का साथ (D) मूर्ख लोगों का विरोध

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/8) - रामसेवक दुबे, पेज-61

75. ''अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता'' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2009, 2013

(A) नीतिशतकम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) मेघदूतम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

76. (i) 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' इति सूक्तिः कस्मात् उद्धृता? UP PGT–2002, UGC 25 J–2009,

(ii) ''वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः'' किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? UP GIC–2012,

(iii) 'समुन्नयन् भूतिमनार्यसंगमाद्वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' इत्युक्तिः कुत्र प्राप्यते? RPSC SET–2013-2014, JNU MET–2015 MGKV Ph. D–2016

(A) उत्तररामचरितम् (B) मेघदूतम्

(C) किरातार्जुनीयम् (D) कादम्बरी

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/8) - रामसेवक दुबे, पेज-61

77. 'अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता' कः एवं वदति–K-SET–2014

(A) वनेचरः (B) कैकेयी

(C) भीमः (D) सुदक्षिणा

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

78. ''स्फुटता न पदैरपाकृता, न च न स्वीकृतमर्थगौरवम्'' किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? AWES TGT–2011, UP PGT–2002, 2010 UGC 25 D–1999, UK TET–2011

(A) शिशुपालवधम् से (B) किरातार्जुनीयम् से

(C) जानकीहरणम् से (D) रघुवंशम् से

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-245

79. ''न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'' सूक्ति उद्धृत है– UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) मृच्छकटिकम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) नीतिशतकम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/11) - रामसेवक दुबे, पेज-69

80. 'न तितिक्षासममस्ति साधनम्'' इदं वाक्यमस्ति? UGC 25 D–2006

(A) शिशुपालवधे (B) किरातार्जुनीये

(C) बुद्धचरिते (D) मेघदूते

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/43) - सुधाकर मालवीय, पेज-63

81. ''प्रवृत्तिसारा खलु मादृशां गिरः'' इति वचनं वर्तते? UGC 25 J–2008

(A) वनेचरस्य (B) नारदस्य

(C) युधिष्ठिरस्य (D) द्रौपद्याः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/25) - रामसेवक दुबे, पेज-103

82. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवम्'' इति कस्मिन् काव्ये उक्तम्? UGC 25 J–2012, BHU MET–2011

(A) शिशुपालवधे (B) भट्टिकाव्ये

(C) किरातार्जुनीये (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/30) - रामसेवक दुबे, पेज-114

72. (D) 73. (C) 74. (B) 75. (B) 76. (C) 77. (A) 78. (B) 79. (B) 80. (B) 81. (A) 82. (C)

83. (i) ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' कस्येयमुक्तिः?
(ii) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' उक्ति है–
UGC 25 J–2013, UP TGT–2009, 2004, MH SET–2011

(A) युधिष्ठिरस्य (B) वनेचरस्य
(C) द्रौपद्याः (D) अर्जुनस्य

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

84. हितं मनोहारि च दुर्लभं............ BHU B.Ed–2014

(A) धनम् (B) पुस्तकम्
(C) वचः (D) गृहम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

85. (i) 'सहसा विदधीत न क्रियाम्' यह सूक्ति किस महाकाव्य से उद्धृत है? UGC 73 D–1997
(ii) ''सहसा विदधीत न क्रियाम्'' सूक्ति है–
(iii) ''सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां'' इस सूक्ति से युक्तकाव्य है– UGC 25 J–1994, UP TET–2014, H TET–2014, UP PGT (H)–2010

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) गीता
(C) किरातार्जुनीयम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/30) - सुधाकर मालवीय, पेज-55

86. (i) ''सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्'' इति वचनं कस्य महाकवेरस्ति? MP वर्ग-1 (PGT)–2012,
(ii) 'सहसा विदधीत न क्रियाम्' इति कस्य कवेः विवेककौशलं प्रथयति? K-SET–2015
(iii) 'सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः' – किस कवि का प्रिय श्लोक है? UP TGT–2009, UGC 25 D–2007, MGKV Ph. D–2016

(A) कालिदासस्य (B) माघस्य
(C) भवभूतेः (D) भारवेः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-250

87. राजाओं का स्वभाव होता है– UPTGT–2011

(A) दुर्विज्ञेय (B) विज्ञेय
(C) अप्रत्यक्ष (D) प्रत्यक्ष

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/6) - रामसेवक दुबे, पेज-56

88. 'प्रविश्य कृष्णासदनं महीभुजा' में कृष्णा का तात्पर्य है– UPTGT – 2011

(A) कृष्ण से (B) द्रौपदी से
(C) कुन्ती से (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/26) - रामसेवक दुबे, पेज-106, 107

89. 'भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः' पंक्ति का भावसाम्य निम्नलिखित में से किसके साथ सही बैठता है? UPTGT–2011

(A) जैसी करनी, वैसी भरनी
(B) जैसे के संग तैसा
(C) जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी
(D) इनमें से किसी के साथ नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/30) - रामसेवक दुबे, पेज-114

90. ''अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता'' – कस्य वचनमिदम्? MH SET–2016

(A) माघस्य (B) भारवेः
(C) श्रीहर्षस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

91. ''सहसा विदधीत न क्रियाम्'' – इत्ययमुपदेशः केन प्रदत्तः? MH SET–2016

(A) भीमेन (B) द्रौपद्या
(C) युधिष्ठिरेण (D) वनेचरेण

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/30) - सुधाकर मालवीय, पेज-55

92. ''निराश्रया हन्त! हता मनस्विता'' यह किसकी उक्ति है? UP TGT–1999

(A) काश्यप की (B) भर्तृहरि की
(C) द्रौपदी की (D) युधिष्ठिर की

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/43) - रामसेवक दुबे, पेज-142

93. ''सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं, नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः'' यह किसके द्वारा कहा गया है? UP TGT–1999

(A) द्रौपदी द्वारा (B) वनेचर द्वारा
(C) दुर्योधन द्वारा (D) युधिष्ठिर द्वारा

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/5) - रामसेवक दुबे, पेज-53

83. (B) 84. (C) 85. (C) 86. (D) 87. (A) 88. (B) 89. (B) 90. (B) 91. (C) 92. (C) 93. (B)

94. ''स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यतीः, अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता'' यह किसके विषय में कहा गया है? UP TGT–1999

(A) युधिष्ठिर के (B) वनेचर के
(C) दुर्योधन के (D) दुःशासन के

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

95. ''निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम्'' यह उक्ति किसकी है? UP TGT–2001

(A) वनेचर (B) दुर्योधन
(C) द्रौपदी (D) युधिष्ठिर

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/6) - रामसेवक दुबे, पेज-56

96. ''विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः'' यह सुभाषित किस ग्रन्थ से है? UP TGT–2004

(A) मेघदूत से (B) किरातार्जुनीयम् से
(C) उत्तररामचरितम् से (D) शिवराजविजयम् से

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/37) - रामसेवक दुबे, पेज-129

97. ''तथापि वक्तुं व्यवसाययन्ति मां निरस्तनारीसमया दुराधयः'' यह श्लोकांश किस ग्रन्थ से लिया गया है? UP TGT–2001

(A) मेघदूतम् (B) शिवराजविजयम्
(C) नीतिशतकम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/28) - रामसेवक दुबे, पेज-110

98. ''प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम्'' यह श्लोकांश कहाँ से उद्धृत है? UP TGT–2004

(A) किरातार्जुनीयम् से (B) प्रतिमानाटकम् से
(C) मालविकाग्निमित्रम् से (D) शिशुपालवधम् से

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे, पेज-39

99. (i)''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' यह उक्ति किसकी है?
(ii) ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' इति केन उक्तम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015, BHU MET–2008

(A) भारवि की (B) कालिदास की
(C) व्यास की (D) वाल्मीकि की

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

100. ''अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता'' यह सूक्ति किसके लिए कथित है? UP TGT–2009

(A) दुर्योधन के विषय में (B) युधिष्ठिर के विषय में
(C) भीम के विषय में (D) द्रौपदी के विषय में

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/23) - रामसेवक दुबे, पेज-98

101. ''पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम्'' यह उक्ति किस ग्रन्थ में है? UP TGT–2009, 2013

(A) नीतिशतकम् में (B) किरातार्जुनीयम् में
(C) मुद्राराक्षसम् में (D) शिशुपालवधम् में

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/41) - रामसेवक दुबे, पेज-138

102. ''शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः'' यह कथन किसका है? UP TGT–2009

(A) द्रौपदी का (B) वनेचर का
(C) दुर्योधन का (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/42) - रामसेवक दुबे, पेज-140

103. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं'' सूक्ति किरातार्जुनीयम् के किस सर्ग से उद्धृत है? UP TGT–2010

(A) प्रथम सर्ग (B) द्वितीय सर्ग
(C) तृतीय सर्ग (D) चतुर्थ सर्ग

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/30) - रामसेवक दुबे, पेज-114

104. ''जटाधरः सञ्जुहुधीह पावकम्'' यह कथन किसको कहा गया है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) युधिष्ठिर को (B) अर्जुन को
(C) भीम को (D) दुर्योधन को

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/44) - रामसेवक दुबे, पेज-144

105. ''क्रियासु युक्तैर्नृपचारचक्षुषो, न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः'' इस उक्ति वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) विक्रमाङ्कदेवचरितम् (D) रघुवंशम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

94. (C) 95. (A) 96. (B) 97. (D) 98. (A) 99. (A) 100. (A) 101. (B) 102. (A) 103. (A) 104. (A) 105. (A)

106. ''वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः'' यह उक्ति किस ग्रन्थ में किसने कही है? UP TGT–2013
(A) शिवराजविजयम् में, सेनापति ने
(B) किरातार्जुनीयम् में, वनेचर ने
(C) किरातार्जुनीयम् में, युधिष्ठिर ने
(D) शिवराजविजयम् में, शिवाजी ने
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/8) - रामसेवक दुबे, पेज-61

107. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' इति केन कथितम्? UP GIC–2015, T-SET–2013
(A) कालिदासेन (B) अश्वघोषेण
(C) माघेन (D) भारविणा
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

108. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' एषा उक्तिः कस्य काव्यस्य? AWES TGT–2012
(A) शिशुपालवधम्/श्रीकृष्ण (B) हर्षचरितम्/राज्यश्री
(C) किरातार्जुनीयम्/युधिष्ठिर (D) किरातार्जुनीयम्/वनेचर
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

109. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः'' – इत्याद्युक्तिः किरातार्जुनीये भवति– UGC 25 D–2015
(A) अर्जुनस्य (B) द्रौपद्याः
(C) युधिष्ठिरस्य (D) वनेचरस्य
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/30) - रामसेवक दुबे, पेज-114

110. ''वसन्ति हि प्रेम्णि गुणा न वस्तुनि'' इति कस्योक्तिः? JNU M.Phil/Ph.D–2015
(A) कालिदासस्य (B) भवभूतेः
(C) भारवेः (D) श्रीहर्षस्य
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (8/37) - सुधाकर मालवीय, पेज-216

111. 'अबन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः' इति वाक्यं कस्मिन् महाकाव्येऽस्ति? GJ SET–2013
(A) रघुवंशे (B) शिशुपालवधे
(C) किरातार्जुनीये (D) नैषधीयचरिते
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/33) - रामसेवक दुबे, पेज-120

112. द्वैतवने युधिष्ठिरं समाययौ– GJ-SET–2014
(A) नभश्चरः (B) स्थलचरः
(C) वनेचरः (D) शनैश्चरः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/1) - रामसेवक दुबे, पेज-39

113. 'प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः' – अलङ्कारः कः? KL SET–2015
(A) उपमालङ्कारः (B) उत्प्रेक्षालङ्कारः
(C) काव्यलिङ्गालङ्कारः (D) अर्थान्तरन्यासालङ्कारः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/2)–रामसेवक दुबे, पेज-45, 47

114. 'वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः'– यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2016
(A) नीतिशतक (B) शिशुपालवध
(C) किरातार्जुनीय (D) कुमारसम्भव
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/30)–सुधाकर मालवीय , पेज-55

115. (i) किरातार्जुनीयस्य मल्लिनाथसूरिकृतटीकायाः नाम किम्? KL SET–2016
(ii) मल्लिनाथविरचितं किरातार्जुनीयव्याख्यानं किम्? RPSC ग्रेड-I PGT–2014
(A) सञ्जीवनी (B) घण्टापथः
(C) छाया (D) चन्द्रालोकः
स्रोत–किरातार्जुनीयम्–रामसेवक दुबे, पेज-40

106. (B)	107. (D)	108. (D)	109. (B)	110. (C)	111. (C)	112. (C)	113. (D)	114. (C)	115. (B)

06 शिशुपालवधम्

1. (i) शिशुपालवधस्य रचयिता महाकविः–
(ii) 'शिशुपालवधम्' के रचयिता कौन हैं?
(iii) शिशुपालवधस्य रचयिता कः अस्ति?
UP TGT (H)–2009, UP PGT–2000 UGC 73D–2008, 2009, GJ SET–2008

(A) सुबन्धुः (B) भारविः
(C) भट्टिः (D) माघः

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 259

2. (i) शिशुपालवधमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?
(ii) 'शिशुपालवध' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?
(iii) शिशुपालवध में सर्ग संख्या है?
(iv) शिशुपालवधे सर्गाणां संख्या अस्ति?
(v) शिशुपालवधे काव्ये सर्गसंख्याऽभिधीयताम्–
BHU MET–2009, 2013, 2014, RPSC SET–2010, UP PGT–2003, 2004, BHU AET–2011, UP GDC–2014, UGC 25 D–2002, UK TET–2011

(A) 17 (B) 18
(C) 20 (D) 22

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262

3. किस महाकाव्य का प्रारम्भ और समाप्ति 'श्री' शब्द से होता है? H-TET–2014

(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) रघुवंशम् (D) कुमारसम्भवम्

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे , भू. पृष्ठ- 27

4. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य प्रथमसर्गस्य नाम किम्? UGC 25 J–2015, Jn–2017

(A) कृष्णनारदसम्भाषणम् (B) नारदावतरणम्
(C) नारदगुणकीर्तनम् (D) कृष्णगुणकीर्तनम्

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 164

5. 'शिशुपालवधम्' के प्रथमसर्ग में कुल कितने श्लोक हैं? UP PGT–2010, BHU MET–2011, UK TET–2011

(A) सत्तर (70) (B) साठ (60)
(C) पचहत्तर (75) (D) पचास (50)

स्रोत–शिशुपालवध (1.75)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ-161

6. शिशुपालवध महाकाव्य के किस सर्ग में नारद और श्रीकृष्ण का वर्णन प्राप्त होता है? BHU MET–2012

(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) पञ्चम

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262

7. (i) शिशुपालवधस्य प्रथमसर्गे प्रयुक्तं छन्दः अस्ति–
(ii) 'शिशुपालवधम्' के प्रथम सर्ग का प्रधान छन्द है? UP PGT–2005, 2011 UP GDC–2012

(A) वसन्ततिलका (B) इन्द्रवज्रा
(C) उपजाति (D) वंशस्थ

स्रोत–शिशुपालवध – देवनारायण मिश्र, भू. पृष्ठ- 20

8. (i) शिशुपालवधस्य प्रधानरसः कः?
(ii) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य का अङ्गीरस है?
(iii) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य में प्रमुख रस है?
MH SET–2016, UP PGT–2004, UGC 25 J–2002

(A) शृङ्गार (B) वीर
(C) अद्भुत (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 22

9. शिशुपालवधस्य .... सर्गे श्रीकृष्णनारदसम्भाषणमस्ति? GJ SET–2003

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–शिशुपालवध – तारिणीश झा, पृष्ठ-158

1. (D) 2. (C) 3. (B) 4. (A) 5. (C) 6. (A) 7. (D) 8. (B) 9. (A)

10. (i) 'शिशुपालवधम्' का मूलस्रोत है–UK TET–2011
(ii) 'शिशुपालवधम्' की कथावस्तु महाभारत के किस पर्व से उद्धृत है? UP PGT–2005, 2010

(A) आदिपर्व (B) शान्तिपर्व
(C) सभापर्व (D) इनमें से कोई नहीं

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 263

11. 'श्री' इति शब्देन कस्य काव्यस्य मङ्गलाचरणं प्रारभ्यते– RPSC SET–2010

(A) शिशुपालवधस्य (B) मेघदूतस्य
(C) कुमारसम्भवस्य (D) ऋतुसंहारस्य

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 27

12. (i) अधस्तनेषु महाभारताश्रितम् अस्ति–
(ii) महाभारत पर आधारित महाकाव्य है–
UP PGT–2009, UGC 25 J–1998, UP GDC–2012

(A) कुमारसम्भव (B) रघुवंश
(C) रावणवध (D) शिशुपालवध

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 263

13. शिशुपालवधस्योपजीव्यमस्ति– UP GDC–2014

(A) रामायणम् (B) महाभारतम्
(C) पुराणम् (D) गीता

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 263

14. 'शिशुपालवधम्' की कथावस्तु विभाजित है– UP TGT–2010

(A) अंकों में (B) सर्गों में
(C) अध्यायों में (D) पर्वों में

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 20

15. शिशुपालवधस्य किं वैशिष्ट्यम्– BHU Sh.ET–2011

(A) उपमा (B) त्रयो गुणाः
(C) अर्थगौरवम् (D) पदलालित्यम्

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 28

16. (i) रैवतक पर्वत का वर्णन कहाँ है?
(ii) रैवतकपर्वतस्य वर्णनं कस्मिन् काव्ये वर्तते?
(iii) रैवतक पर्वत का वर्णन किस काव्य में है?
(iv) रैवतक पर्वत का वर्णन कहाँ प्राप्त होता है?
BHU MET–2008, 2009, 2013, UP PGT–2004, 2009, UGC 25 J–1998, GJ SET–2014, MH SET–2016

(A) कुमारसम्भवम् (B) कादम्बरी
(C) शिशुपालवधम् (D) मेघदूतम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262-263

17. शिशुपाल का वध किसने किया? BHU MET–2009, 2013

(A) कृष्ण ने (B) अर्जुन ने
(C) विष्णु ने (D) भीम ने

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262

18. शिशुपाल के किस सर्ग में यमुना नदी का वर्णन है– UP PGT–2003

(A) प्रथम सर्ग (B) चतुर्थ सर्ग
(C) द्वादश सर्ग (D) त्रयोदश सर्ग

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 263

19. शिशुपालवधस्य प्रथमसर्गे द्वारिकायां कस्यागमनं दृश्यते? G-GIC–2015

(A) शिशुपालस्य (B) नारदस्य
(C) युधिष्ठिरस्य (D) इन्द्रस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/1) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ-2-3

20. 'श्रियः पतिः श्रीमति शासितुं जगत्' में 'श्रीमति' शब्द निम्नांकित में से किसका विशेषण है– UP PGT–2005

(A) लक्ष्मी (B) नारद
(C) वसुदेव का घर (D) क्षीर सागर

स्रोत–(i) शिशुपालवध (1/1)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 4
(ii) शिशुपालवध (1/1)-तारिणीश झा, पेज-04

21. 'कुथेन नागेन्द्रमिवेन्द्रवाहनम्' इति उपमासूचकवाक्येन शिशुपालवधे लक्षितः–UP GDC–2012, UP PGT–2011

(A) नारदः (B) श्रीकृष्णः
(C) शिशुपालः (D) हिरण्यकशिपुः

स्रोत–शिशुपालवध (1/8)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 20-21

10. (C) 11. (A) 12. (D) 13. (B) 14. (B) 15. (B) 16. (C) 17. (A) 18. (C) 19. (B) 20. (C) 21. (A)

22. (i) 'पिशङ्गमौञ्जीयुजमर्जुनच्छविम्' इति विशेषणेन माघकाव्ये सूच्यते– UP GDC–2012

(ii) 'पिशङ्गमौञ्जीयुजमर्जुनच्छविम्' – किसे समझ लिया गया? UP PGT–2011

(A) श्रीकृष्णः (B) बलरामः
(C) अर्जुनः (D) नारदः

स्रोत–शिशुपालवध (1/6) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 16

23. उपमा अर्थगौरव और पदलालित्य ये तीन गुण इस काव्य में है– UGC 25 D–1997

(A) बुद्धचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) रघुवंशम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 28

24. किसमें नारद का वर्णन है? UGC 25 D–1998

(A) रघुवंशम् (B) बुद्धचरितम्
(C) शिशुपालवधम् (D) हर्षचरितम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262

25. (i) कस्मिन् सन्ति त्रयो गुणाः? UGC 25 J–2010

(ii) काव्ये कस्मिन् समाख्याताः काव्यविद्भिस्त्रयो गुणाः? BHU AET–2012

(A) मेघे (B) रघुवंशे
(C) नैषधीये (D) शिशुपालवधे

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 28

26. नारदमुनेः स्वागतार्थं को जवेन पीठादुदतिष्ठत्? UGC 25 D–2012

(A) बलदेवः (B) शिशुपालः
(C) हिरण्यकशिपुः (D) अच्युतः (कृष्णः)

स्रोत–शिशुपालवध (1/12)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 29

27. 'सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि॥' .... इति पद्यांशानुसारं भवान्तरेषु पुमांसं किम् अभ्येति? UGC 25 D–2013

(A) जातिः (B) सती
(C) योषित् (D) स्वभावः

स्रोत–शिशुपालवध (1/72)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 157

28. 'रथाङ्गपाणेः पटलेन रोचिषामृषित्विषः संवलिता विरेजिरे'–'इत्यत्र रथाङ्गपाणिः' कः– UGC 25 J–2014

(A) नारदः (B) रावणः
(C) कृष्णः (D) शिशुपालः

स्रोत–शिशुपालवध (1/21)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ-49-50

29. रावणभयात् हेमाद्रिगुहागृहान्तरं कः दिवसानि निनाय– UGC 25 J–2014

(A) कृष्णः (B) कौशिकः
(C) नारदः (D) वसुदेवः

स्रोत–शिशुपालवध (1/53)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 121-122

30. शिशुपालवधानुसारेण कः हिरण्यगर्भाङ्गभूः मुनिः? UK SLET–2015

(A) नारदः (B) कृष्णः
(C) बलरामः (D) गर्गः

स्रोत–शिशुपालवध (1/1) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 5

31. किं नाम महाकाव्यं 'श्रियः पतिः' इति उल्लेखेन प्रारभ्यते? UP GDC–2014

(A) कुमारसम्भवम् (B) शिशुपालवधम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) जानकीहरणम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/1) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 2

32. श्रीकृष्णस्य सम्मुखं गौरवर्णः नारदः कस्याभिरामताम् अचोरयत्? UGC 25 J–2012

(A) सूर्यस्य (B) कृष्णस्य
(C) चन्द्रमसः (D) बलदेवस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/16)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 37

33. माघकाव्ये श्रीकृष्णः अम्बरादवतरन्तं कं ऋषिं ददर्श? K-SET–2015

(A) भृगुम् (B) वशिष्ठम्
(C) नारदम् (D) वामदेवम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/1)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 2-3

34. शिशुपालवध के अनुसार शिशुपाल है– UP PGT–2013

(A) हिरण्यकशिपु का जन्मान्तर (B) कंस का जन्मान्तर
(C) रावण का जन्मान्तर (D) जलन्धर का जन्मान्तर

स्रोत–शिशुपालवध (1/69)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 151

22. (D)	23. (D)	24. (C)	25. (D)	26. (D)	27. (D)	28. (C)	29. (B)	30. (A)	31. (B)
32. (C)	33. (C)	34. (C)							

35. ''हृतेऽपि भारे महतस्त्रपाभरादुवाह दुःखेन भृशानतं शिरः'' कस्य वर्णना इयम्? UGC 25 J–2015

(A) कुबेरस्य (B) यमवाहनमहिषस्य

(C) इन्द्रस्य (D) वरुणस्य

शिशुपालवध (1/57)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 128-129

36. ''स तप्तकार्तस्वरभास्वराम्बरः ....'' इति, शिशुपालवधस्य श्लोकांशे 'कार्तस्वर' पदस्य कोऽर्थः? UGC 25 J–2015

(A) रजतम् (B) ताम्रम्

(C) सुवर्णम् (D) स्फटिकम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/20)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 47

37. (i) ''सदाभिमानैकधना हि मानिनः'' यह सूक्ति है–

(ii) 'सदाभिमानैकधना हि मानिनः।' अयं श्लोकार्धः कस्मिन् काव्ये वर्तते?

UP PGT–2000, BHU MET – 2015, MH SET–2013

(A) रामायण में (B) शिशुपालवध में

(C) नलचम्पू में (D) कुमारसम्भव में

स्रोत–शिशुपालवध (1/67)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 147

38. (i) ''सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि'' पंक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है?

(ii) ''सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि॥'' कुत्र अस्ति अयं पद्यांशः?

UGC 25 D–2014, UP PGT–2005

(A) शिशुपालवधम् (B) शिवराजविजयम्

(C) मनुस्मृति (D) कुमारसम्भवम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/72)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 156

39. (i) ''नवसर्गगते माघे नव शब्दो न विद्यते'' यह सूक्ति किस ग्रन्थ के लिए प्रचलित है? UP PGT–2004,

(ii) 'नवसर्गगते माघे नवशब्दो न विद्यते' – उक्ति किस ग्रन्थ के लिये उद्धृत है? 2009, 2010, UK TET–2011

(A) मेघदूतम् (B) शिशुपालवधम्

(C) कुमारसम्भवम् (D) जानकीहरणम्

स्रोत–शिशुपालवध – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, भू. पृष्ठ- 16

40. 'गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः।' शिशुपालवधे अस्मिन् पद्यांशे 'अनूरुसारथिः' भवति? UGC 25 Jn–2017

(A) अग्निः (B) सूर्यः

(C) चन्द्रः (D) विद्युत्

स्रोत–शिशुपालवध (1/2) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 6

41. ''महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 J–2006

(A) रघुवंशे (B) नैषधीयचरिते

(C) शिशुपालवधे (D) रामायणे

स्रोत–(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 271

(ii) शिशुपालवधम् (2/13)-शिवदत्त अधीच, पेज-33

42. (i) 'श्रेयसि केन तृप्यते' सूक्तं गृहीतमस्ति –

(ii) 'श्रेयसि केन तृप्यते' इति समुक्तिः उद्धृतास्ति–

(iii) 'श्रेयसि केन तृप्यते'' इत्यस्ति– UP GIC–2015,

(iv) 'श्रेयसि केन तृप्यते' सूक्ति ग्रहण की गई है–

UP PGT–2013, UGC 25 J–2007, UP GDC–2014, BHU MET–2016

(A) बुद्धचरिते (B) शिशुपालवधे

(C) किरातार्जुनीये (D) नैषधमहाकाव्ये

स्रोत–शिशुपालवध (1/29)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 68

43. ''शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम्'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 J–2008

(A) माघकाव्ये (B) नैषधे

(C) किरातार्जुनीये (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–शिशुपालवध (1/26)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 61

44. ''शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम्'' यह सूक्ति किस ग्रन्थ में है? BHU MET–2014, UP PGT–2005

(A) किरातार्जुनीयम् (B) मेघदूतम्

(C) शिशुपालवधम् (D) रघुवंशम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/26)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 61

35. (B) 36. (C) 37. (B) 38. (A) 39. (B) 40. (B) 41. (C) 42. (B) 43. (A) 44. (C)

45. (i) ''क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः'' इयमुक्तिः वर्तते? UGC 25 J–2011,
(ii) क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः इयम् उक्तिः अस्ति– BHU MET–2016

(A) किरातार्जुनीये (B) शिशुपालवधे
(C) नैषधीयचरिते (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 271

46. ''हरत्यघं सम्प्रति हेतुरेष्यतः शुभस्य पूर्वाचरितैः कृतं शुभैः। शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम्॥'' इस पद्य का कथन किया है– UP PGT–2013

(A) शिशुपालवध में नारद ने (B) नलचम्पू में नल ने
(C) शिशुपालवध में श्रीकृष्ण ने (D) कादम्बरी में बाणभट्ट ने

स्रोत–शिशुपालवध (1/26)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 61

47. ''क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति, तदेव रूपं रमणीयतायाः'' किसने प्रतिपादित किया? H-TET–2015

(A) माघ ने (B) भारवि ने
(C) कालिदास ने (D) श्रीहर्ष ने

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 271

48. ''तथापि शुश्रूषुरहं गरीयसीर्गिरोऽथवा श्रेयसि केन तृप्यते'' – शिशुपालवधकाव्ये इतीदं कस्य वचनम्? K-SET–2015

(A) श्रीकृष्णस्य वचनम् (B) नारदवचनम्
(C) बलरामवचनम् (D) सात्यकिवचनम्

स्रोत–शिशुपालवध (1/29) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 68

49. ''न चक्रमस्याक्रमताधिकन्धरम्'' कस्य? K-SET–2014

(A) रावणस्य (B) शिशुपालस्य
(C) हिरण्यकशिपोः (D) भस्मासुरस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/54) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 123

50. स बाल आसीद्वपुषा चतुर्भुजो कः? – K-SET–2013

(A) रावणः (B) श्रीरामः
(C) विष्णुः (D) शिशुपालः

स्रोत–शिशुपालवध (1/70) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 152

51. शिशुपालवधे शिशुपालः कीदृशं पात्रम्? GJ SET–2013

(A) नायकः (B) प्रतिनायकः
(C) न कोऽपि (D) सहनायकः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – राकेश कुमार जैन, पृष्ठ- 111

52. शिशुपालवधे राजसूययज्ञः केनायोजितः? RPSC SET–2013-14

(A) शिशुपालेन (B) दुर्योधनेन
(C) युधिष्ठिरेण (D) कृष्णेन

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 262

53. शिशुपालवधमहाकाव्यानुसारम् इन्द्रस्य सन्देशमादाय कृष्णसभायां क आगतः? RPSC SET–2013-14

(A) जरासन्धः (B) दुर्योधनः
(C) नारदर्षिः (D) युधिष्ठिरः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 201

54. 'निधिः श्रुतीनां धनसम्पदामिव।' कस्येदं वर्णनम्? MH SET–2013

(A) नारदमुनेः (B) श्रीहरेः
(C) युधिष्ठिरस्य (D) अर्जुनस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/28)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 66

55. श्रीकृष्णस्य पार्श्वे आकाशमार्गेण कः समागतः? T-SET–2013

(A) नारदः (B) इन्द्रः
(C) वनेचरः (D) यक्षः

स्रोत–शिशुपालवध – तारिणीश झा, भू. पृष्ठ- 22

56. ''शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम्'' शिशुपालवधे कस्य प्रशंसेयम्? UGC 25 D–2015

(A) नारदस्य (B) श्रीकृष्णस्य
(C) वासुदेवस्य (D) बलरामस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/26)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 61-62

57. 'नमुचिद्विषा' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः– UGC 25 S–2013

(A) नारदेन (B) इन्द्रेण
(C) रावणेन (D) माघेन

स्रोत–शिशुपालवध (1/51)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 117

45. (B)	46. (C)	47. (A)	48. (A)	49. (A)	50. (D)	51. (B)	52. (C)	53. (C)	54. (A)
55. (A)	56. (A)	57. (B)							

58. 'जगत्प्रभोरप्रसहिष्णु वैष्णवं न चक्रमस्याक्रमताधि कन्धरम्' श्लोकांश मे 'वैष्णवं' पद प्रयुक्त हुआ है– UPPGT–2011

(A) भगवान कृष्ण (B) विष्णु-उपासक
(C) जगत्पालक विष्णु (D) भस्मी विशेष

स्रोत–शिशुपालवध (1/54)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पेज-123, 124

59. शिशुपालवधे– ''विभिन्नशङ्खः कलुषीभवन्मुहुर्मदेन दन्तीव मनुष्यधर्मणः'' कस्य वर्णना इयम्? – UGC 25 J–2016

(A) इन्द्रस्य (B) कुबेरस्य
(C) वरुणस्य (D) गणेशस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/55)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 125

60. कस्य गृहे वसता श्रीकृष्णेन नारदः दृष्टः? MH SET–2016

(A) युधिष्ठिरस्य (B) वसुदेवस्य
(C) शिशुपालस्य (D) बलरामस्य

स्रोत–शिशुपालवध (1/1) – जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ- 3

61. नारद-वीणायाः नाम किम्? MH SET–2016

(A) बृहती
(B) महती
(C) कच्छपी
(D) रुद्रवीणा

स्रोत–शिशुपालवध (1/10)–जनार्दन गङ्गाधर रटाटे, पृष्ठ-23-24

58. (B) 59. (B) 60. (B) 61. (B)

07 नैषधीयचरितम्

1. 'नैषधीयचरितम्' किस श्रेणी की रचना है? UP TGT–2004
(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) गद्यकाव्य (D) नाटक
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-285

2. 'नैषधीयचरितम्' कथा का आधार है– UGC 25 J–1999
(A) महाभारत (B) ऋग्वेद
(C) बृहत्कथा (D) रामायण
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-287

3. (i) 'नैषधीयचरितम्' में नायक कौन है?
(ii) नैषधीयचरितस्य नायकः – BHU MET–2010, GJ SET–2007
(A) दुष्यन्तः (B) नलः
(C) शिवः (D) अर्जुनः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-287

4. (i) नैषधीयचरिते महाकाव्ये .... सर्गाः सन्ति–
(ii) 'नैषधीयचरितम्' में कितने सर्ग स्वीकृत किये गये हैं? UGC 25 J–2013, S–2013,
(iii) नैषधीयचरिते कति सर्गाः? UP PGT–2003,
(iv) श्रीहर्ष द्वारा रचित महाकाव्य 'नैषधचरित' में कितने सर्ग हैं? H-TET–2015, MH-SET–2011, GJ SET–2016
(A) 18 (B) 20
(C) 22 (D) 27
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-287

5. (i) 'नैषधीयचरितम्' में मुख्य रस कौन-सा है?
(ii) नैषधीयचरिते प्रयुक्तोऽङ्गीरसः अस्ति– UP GDC–2012, UP TGT–2004, KL SET–2015
(A) वीररसः (B) शृङ्गाररसः
(C) करुणरसः (D) शान्तरसः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-290

6. (i) किस महाकाव्य को विद्वानों के लिए 'औषधि' कहा जाता है? UP PGT–2004, 2009
(ii) विद्वानों के लिए औषधि है–
(A) शिशुपालवधम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) रघुवंशम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-294,295

7. 'निषध' - देशेन सम्बन्धितस्य पात्रस्य नामास्ति– UP GDC–2012
(A) दमयन्ती (B) नलः
(C) पथिकः (D) हंसः
स्रोत–नैषधीयचरितम्-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-68

8. (i) 'विद्वदौषधम्' किं काव्यं निगदितम्?
(ii) विद्वद्भ्य औषधिरूपं महाकाव्यमस्ति? RPSC SET–2010, MGKV Ph. D–2016
(A) रघुवंशम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) बुद्धचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-294

9. (i) 'मदेकपुत्रा जननी जरातुरा' इति कथनमस्ति–
(ii) मदेकपुत्रा जननी जरातुरा ...... कस्य इयमुक्तिः? UP GDC–2012, UGC 25 J–2015
(A) हंसस्य (B) नलस्य
(C) पथिकस्य (D) भीमस्य
स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/135) -देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-114

10. किस काव्य में एक पात्र के पाँच रूप हैं? UGC 25 D–1997
(A) बुद्धचरितम् में (B) नैषधीयचरितम् में
(C) मुद्राराक्षसम् में (D) वेणीसंहारम् में
स्रोत–नैषधीयचरितम् (सर्ग-13)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-127

11. (i) हंस का विलाप वर्णन है–
(ii) हंसविलापः कस्मिन् महाकाव्ये विद्यते? UK SLET–2015, UGC 25 D–2003
(A) रघुवंशम् (B) बुद्धचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) हरविजयम्
स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/135)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-114

1. (A)	**2. (A)**	**3. (B)**	**4. (C)**	**5. (B)**	**6. (B)**	**7. (B)**	**8. (B)**	**9. (A)**	**10. (B)**
11. (C)									

12. ''चतुर्दशत्वं कृतवान् कुतस्स्वयं, न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम्'' कः सः? UGC 25 D–2012

(A) दुष्यन्तः (B) अर्जुनः
(C) नलः (D) कृष्णः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/4)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज- 06

13. ''अधारि पद्मेषु तदङ्घ्रिणा क्व तच्छय-च्छायलवोऽपि पल्लवे।'' अस्मिन् पद्यांशे कस्य सौन्दर्यं वर्णितम्? UGC 25 D–2013

(A) दमयन्त्याः (B) नलस्य
(C) रामस्य (D) सीतायाः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/20)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-24

14. 'कथाप्रसङ्गेषु मिथः सखीमुखात्तृणेऽपि तन्व्या नलनामनि श्रुते।' अत्र 'नल' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः – UGC 25 D–2013

(A) नलः (B) कामः
(C) तृणम् (D) स्तुतिपाठकः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/35)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-36

15. नैषधीयचरिते काः नलस्य दन्तैः उपमिताः? UK SLET–2015

(A) क्रियाः (B) विद्याः
(C) बुद्धयः (D) कीर्तयः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/5)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-07

16. (i) ''निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथां तथाद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि।'' इति कस्य कथा अत्र उल्लिखिता?
(ii) नैषधे 'निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथाम्' इति उल्लेखेन वर्णितोऽस्ति–
UGC 25 D–2014, UP GDC–2014

(A) दुष्यन्तस्य (B) नलस्य
(C) रघोः (D) रामचन्द्रस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/1)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-01

17. (i) नलदमयन्त्योः कथा कस्मिन् महाकाव्ये निबद्धा?
(ii) नल और दमयन्ती की कथा कहाँ चित्रित है?
BHU MET–2011, K SET–2015

(A) नैषधीयचरितम् (B) भामिनीविलास
(C) रत्नावली (D) जानकीहरण

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 224

18. 'श्रीहर्ष' द्वारा रचित 'नैषधीयचरित' में किस रीति की प्रधानता है? UP TGT (H)–2005

(A) पाञ्चाली रीति (B) वैदर्भी रीति
(C) गौडी रीति (D) प्रसाद रीति

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-226

19. 'शृङ्गारामृतशीतगुः' विशेषण किस काव्य के लिए प्रसिद्ध है? UP GIC–2009

(A) शृङ्गारशतकम् (B) अमरुशतकम्
(C) मेघदूतम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-291

20. मल्लिनाथेन कस्य ग्रन्थस्य टीका कृता? AWES TGT–2008

(A) ऋग्वेदस्य (B) बुद्धचरितस्य
(C) नैषधीयचरितस्य (D) मन्दारचरितस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-288

21. नैषधीयचरिते कस्यालङ्कारस्य वैशिष्ट्यम्? BHU AET–2010

(A) यमकस्य (B) श्लेषस्य
(C) उपमायाः (D) अनुप्रासस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-289

22. ''त्यजन्त्यसूञ्शर्म च मानिनो वरं त्यजन्ति न त्वेकमयाचितव्रतम्'' इयमुक्तिः– UGC 25 D–2012 MH SET–2013

(A) शिशुपालवधात् (B) नैषधीयचरितात्
(C) किरातार्जुनीयात् (D) रघुवंशात्

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/50)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-48

23. 'फलेन मूलेन च वारिभूरुहां,
मुनेरिवेत्थं मम यस्य वृत्तयः।'
कं प्रति कस्येयमुक्तिः? UGC 25 J–2014

(A) हंसं प्रति नलस्य (B) नलं प्रति हंसस्य
(C) दमयन्तीं प्रति नलस्य (D) नलं प्रति दमयन्त्याः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/133)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-113

12. (C) 13. (B) 14. (C) 15. (B) 16. (B) 17. (A) 18. (B) 19. (D) 20. (C) 21. (B) 22. (B) 23. (B)

24. नलस्य स्मितेन कस्य श्रियः जिताः? K-SET–2013

(A) सरोरुहस्य (B) विधोः

(C) कामदेवस्य (D) सूर्यस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/24)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-27

25. 'क्वचिद् बुधैरप्यपथेन गम्यते' सूक्ति का स्रोत है? UP PGT–2013

(A) कुमारसम्भवम् (B) मृच्छकटिकम्

(C) नैषधीयचरितम् (D) महावीरचरितम्

स्रोत– नैषधीयचरितम् (9/36)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-226

26. 'फलेन मूलेन च वारिभूरुहां मुनेरिवेत्थं मम यस्य वृत्तयः' नैषधीयचरिते इयमुक्तिर्भवति– UGC 25 Jn–2017

(A) नलस्य (B) दमयन्त्याः

(C) हंसपत्न्याः (D) हंसस्य

स्रोत– नैषधीयचरितम् (1/133)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-113

27. नैषधीयचरितस्य नायिका का? RPSC ग्रेड-1 (PGT)–2014, GJ SET–2003

(A) पद्मावती (B) मदनिका

(C) दमयन्ती (D) तारावती

स्रोत– नैषधीयचरितम् -देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-44

28. हंसः कस्य दूतः? MH-SET–2016

(A) रामस्य (B) नलस्य

(C) लक्ष्मणस्य (D) कालिदासस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् -देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-28

29. नलदमयन्ती कथाचित्रणं कस्मिन् महाकाव्ये प्राप्यते? UGC 73 Jn–2017

(A) नैषधीयचरिते (B) किरातार्जुनीये

(C) भामिनीविलासे (D) रघुवंशे

स्रोत– नैषधीयचरितम्-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-43

30. 'निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथास्तथाद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि' इत्यत्र अर्थालङ्कार अस्ति– DU M. Phil–2016

(A) अर्थश्लेषः (B) व्यतिरेकः

(C) उत्प्रेक्षा (D) अप्रस्तुतप्रशंसा

स्रोत– नैषधीयचरितम् (1/1)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-02

31. 'स पुनरन्य एव देवो न्यक्कृतसर्वोर्वीपतिचरितः' – इतीदं वाक्यं सम्बद्धम्– DU M. Phil–2016

(A) चिन्तामणिना (B) कन्दर्पकेतुना

(C) वसुदेवेन (D) विष्णुना

स्रोत–

32. 'अधीतिबोधाचरणप्रचारणैः' इति वाक्यं कस्मिन्महाकाव्ये वर्तते? GJ SET–2013

(A) सौन्दरानन्दे (B) बुद्धचरिते

(C) नैषधीयचरिते (D) शिशुपालवधे

स्रोत– नैषधीयचरितम् (1/4)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-06

33. नैषधीयचरितमहाकाव्यस्य नायिका .... अस्ति? GJ SET–2016

(A) मुग्धा (B) परकीया

(C) प्रोषितभर्तृका (D) स्वकीया

स्रोत– नैषधीयचरितम् -देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-44

34. 'धिगस्तु तृष्णातरलं भवन्मनः समीक्ष्य पक्षान् मम हेमजन्मनः' इति वाक्यं कः कं वदति? GJ SET–2016

(A) स्वर्णमृगो रामं वदति (B) हंसो नलं वदति

(C) नकुलो युधिष्ठिरं वदति (D) द्रौपदी युधिष्ठिरं वदति

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/130)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-111

35. 'नृपः पतङ्गं समधत्त पाणिना' – पंक्तिरियं कस्मात् काव्यात् उद्धृताऽस्ति? K SET–2014

(A) रघुवंशात् (B) नैषधमहाकाव्यात्

(C) शिशुपालवधात् (D) किरातार्जुनीयात्

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/124)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-107

24. (B) 25. (C) 26. (D) 27. (C) 28. (B) 29. (A) 30. (B) 31. (A) 32. (C) 33. (D) 34. (B) 35. (B)

36. 'भवेदमीभिः कमलोदयः कियान्' इत्यत्र 'अमीभिः' इत्यनेन सर्वनाम्ना परामृश्यन्ते– D.U M. Phil–2016

(A) जलकणाः

(B) हंसपक्षाः

(C) तुषारशीकराः

(D) उक्तेषु न केऽपि

स्रोत– नैषधीयचरितम् (1/130)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-111

37. 'गतिस्तयोरेष जनः' इत्यत्र हंसः कयोः गतिः? DU M.Phil–2016

(A) नलदमयन्त्योः (B) मातृवरटयोः

(C) नलदमयन्तीराख्ययोः (D) स्वर्भूलोकयोः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/135)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-114

38. 'मितं च सारं च वचो हि वाग्मिता' – कस्य कवेः काव्यमिदम्? K SET–2014

(A) कालिदासस्य (B) भारवेः

(C) श्रीहर्षस्य (D) माघस्य

स्रोत– नैषधीयचरितम् (9/8)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-203

39. 'अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी।' इति कस्य वर्णनम्? MH SET–2013

(A) नारदमुनेः (B) नलस्य

(C) भीमस्य (D) शिशुपालस्य

स्रोत– नैषधीयचरितम् (1/5)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-07

40. 'नलोपाख्यानाधारितं काव्यं किम्? MH SET–2016

(A) रघुवंशम् (B) नैषधीयचरितम्

(C) शिशुपालवधम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत– नैषधीयचरितम्-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, भू. पेज-28

36. (B) 37. (B) 38. (C) 39. (B) 40. (B)

08 महाकाव्य के विविध प्रश्न

1. (i) महाकाव्यं कीदृशम्? DSSSB TGT–2014
(ii) महाकाव्यस्य लक्षणम्? UGC 73 J–2010,
(iii) महाकाव्य विभक्त होता है? UGC 25 J–2004,
(ii) महाकाव्य होता है? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) सर्गबन्धम् (B) वृत्तबन्धम्
(C) पद्यबन्धम् (D) रीतिबन्धम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

2. महाकाव्य की कथावस्तु होती है– UP PGT–2009
(A) कविकल्पित (B) मिश्रित
(C) इतिहास प्रसिद्ध (D) इनमें से कोई नहीं
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

3. अगले सर्ग की कथावस्तु कहाँ सूचित की जाती है– UP PGT–2009
(A) सर्गारम्भ में (B) सर्ग के मध्य में
(C) सर्गान्त में (D) कहीं भी
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-133

4. (i) अयं रसः महाकाव्यस्य अङ्गिरसत्वेन न अभिमतः?
(ii) महाकाव्य में अङ्गीरस नहीं होता है?
UP PGT–2003, UK SLET–2015
(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) शान्तः (D) रौद्रः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

5. किरातार्जुनीयम् रचना साहित्य की किस विधा के अन्तर्गत आती है? UP TGT–2011
(A) गीतिकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) महाकाव्य (D) स्तोत्रकाव्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

6. (i) महाकाव्ये कति सर्गाणि भवितव्यानि?
(ii) महाकाव्य में कम से कम कितने सर्ग होने चाहिए?
(iii) महाकाव्य में सर्गों की न्यूनतम संख्या है?
UP PGT–2003, 2009, UP GDC–2008,
AWES TGT–2010, 2012, UGC 25 D–2005
(A) 28 (B) 35
(C) 8 (D) 12
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-196

7. 'बृहत्त्रयी' का एक ग्रन्थ 'किरातार्जुनीयम्' शेष दो ग्रन्थों के नाम हैं– UP TGT–2005
(A) शिशुपालवधम्, कादम्बरी
(B) शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्
(C) नैषधीयचरितम्, वेमभूपालचरितम्
(D) नैषधीयचरितम्, तिलकमञ्जरी
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

8. महाकाव्ये नायकः कीदृशः स्यात्– HAP–2016
(A) धीरोदात्तः (B) धीरललितः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरशान्तः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

9. (i) बृहत्त्रयी में नहीं गिना जाता– UP PGT–2009, 2010
(ii) 'बृहत्त्रयी' के अन्तर्गत कौन-सा महाकाव्य नहीं है?
(iii) बृहत्त्रय्यां न गण्यते– UGC 25 J–2002, 2016,
(iv) बृहत्त्रय्याम् अस्य ग्रन्थस्य गणना न भवति–
(v) बृहत्त्रयी के अन्तर्गत नही है– D–2013,
(vi) 'बृहत्त्रयी' में कौन-सा महाकाव्य नहीं आता है?
UP PGT (H)–2004, UP TGT (H)–2005, UP TET–2016
(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) रघुवंशम् (D) नैषधीयचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

1. (A) 2. (C) 3. (C) 4. (D) 5. (C) 6. (C) 7. (B) 8. (A) 9. (C)

10. बृहत्त्रयीमध्ये महाकाव्यानां कालाश्रितः क्रमोऽस्ति? UP GIC–2015

(A) शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम्, नैषधीयचरितम्

(B) नैषधीयचरितम्, शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम्

(C) किरातार्जुनीयम्, नैषधीयचरितम्, शिशुपालवधम्

(D) किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

11. संस्कृतसाहित्ये बृहत्तमं महाकाव्यमस्ति– G-GIC–2015

(A) शिशुपालवधम् (B) नैषधीयचरितम्

(C) हरविजयम् (D) जानकीहरणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-248

12. अधोलिखितेषु बृहत्त्रय्यां परिगण्यते– G-GIC–2015

(A) रामायणम् (B) रघुवंशम्

(C) शिशुपालवधम् (D) महाभारतम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-202

13. कर्णः कस्मै कवचकुण्डलानि यच्छति–MH-SET–2013

(A) ब्रह्मणे (B) सूर्याय

(C) चन्द्राय (D) इन्द्राय

स्रोत–(i) कर्णभारम् - रामजी मिश्र, भू0पेज-25

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

14. अधस्तनेषु विरूपं विचिनुत– MH SET–2013

(A) रघुवंशम् (B) जानकीहरणम्

(C) प्रतिमानाटकम् (D) सेतुबन्ध

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-466-467

15. अधस्तनेषु विरूपं विचिनुत– MH SET–2013

(A) कर्णः (B) माढव्यः

(C) रामः (D) चाणक्यः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-99

16. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(a) रघुवंशस्योपरि सञ्जीवनी टीका वर्तते।

(b) किरातार्जुनीयस्योपरि घण्टापथटीका वर्तते।

(c) शिशुपालवधमहाकाव्ये 'विंशतिः सर्गाः' सन्ति।

(d) स्वप्नवासवदत्ते विद्यमानस्य विदूषकस्य नाम 'वसन्तकः' इति।

(A) सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(C) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

(D) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

स्रोत–(i) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-202

(ii) किरातार्जुनीयम्- राजेन्द्र मिश्र, भू0 पेज–28

(iii) स्वप्नवासवदत्तम् -जयपाल विद्यालङ्कार, भू0 पेज-xxiii

17. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) मारविजयः 1. नैषधीयचरितम्

(ख) दमयन्ती 2. रघुवंशम्

(ग) अलकानगरी 3. मेघदूतम्

(घ) दिलीपसिंहसंवादः 4. बुद्धचरितम्

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	3	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	3	4	1	2

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-230,287,332,213

18. निम्नलिखित में से कौन 'लघुत्रयी' में सम्मिलित नहीं है? UP GDC–2008

(A) गीतगोविन्द (B) मेघदूत

(C) कुमारसम्भव (D) रघुवंश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

19. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना लघुत्रयी में नहीं आती है? UP PGT (H)–2005

(A) रघुवंश (B) कुमारसम्भव

(C) मेघदूत (D) ऋतुसंहार

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

10. (D) 11. (C) 12. (C) 13. (D) 14. (C) 15. (B) 16. (A) 17. (A) 18. (A) 19. (D)

20. लघुत्रयी के अन्तर्गत कौन-कौन से ग्रन्थ आते हैं?
UP PGT–2009, UP TGT–2010
(A) किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्
(B) मृच्छकटिकम्, मेघदूतम्, शिशुपालवधम्
(C) रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्
(D) रघुवंशम्, मेघदूतम्, कुमारसम्भवम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

21. ''चतुर्विंशतिसाहस्रीं चक्रे..........'' इसकी पूर्ति इससे होती है– UGC 73 J–2005
(A) सुश्रुतसंहिताम् (B) रावणसंहिताम्
(C) भारतसंहिताम् (D) नारदसंहिताम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-147

22. अधोलिखितेषु लघुत्रय्यां नास्ति– G-GIC–2015
(A) रघुवंशम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) कुमारसम्भवम् (D) मेघदूतम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

23. संस्कृत साहित्य में सुप्रसिद्ध महाकाव्य हैं–
UGC 73 D–2010
(A) षट् (B) पञ्च
(C) दश (D) एकादश
स्रोत–वस्तुनिष्ठ-संस्कृतसाहित्यम् -सर्वज्ञभूषण, पेज-307

24. भट्टिकाव्ये वर्णिता कथा अस्ति–
MP वर्ग-1 (PGT)–2012
(A) कंसवधकथा (B) रामकथा
(C) कृष्णकथा (D) दमयन्तीकथा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-252

25. शुद्धं वर्गं चिनुत– MP वर्ग-1 (PGT)–2012
(A) रघुवंशम् - मेघदूतम् - शिशुपालवधम्
(B) किरातार्जुनीयम् - नैषधम् - रघुवंशम्
(C) शिशुपालवधम् - मेघदूतम् - नैषधम्
(D) किरातार्जुनीयम् - शिशुपालवधम् - नैषधम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

26. अधोनिर्दिष्टेषु किं व्याकरणप्रधानकाव्यम्–
BHU Sh.ET–2011
(A) मेघदूतम् (B) चारुदत्तम्
(C) वेणीसंहारम् (D) भट्टिकाव्यम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-238

27. कौन-सा युग्म सही नहीं है– BHU MET–2010
(A) कालिदास-रघुवंशम् (B) भारवि-किरातार्जुनीयम्
(C) श्रीहर्ष-जानकीहरणम् (D) भवभूति-उत्तररामचरितम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-225

28. मूलतः ''बुद्धचरितम्'' की सर्ग संख्या का उल्लेख मिलता है– UP PGT–2003
(A) 28 (B) 32
(C) 35 (D) 37
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-229

29. 'बुद्धचरित' महाकाव्य में महात्माबुद्ध को बुद्धत्व की प्राप्ति का वर्णन किस सर्ग में हुआ है?
UP PGT–2003
(A) 9वें सर्ग में (B) 12वें सर्ग में
(C) 14वें सर्ग में (D) 16वें सर्ग में
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-169

30. एतेषु महाकाव्यं किम्? GJ SET–2013
(A) नैषधीयचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) हर्षचरितम् (D) उत्तररामचरितम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-225

31. (i) बुद्धचरितमहाकाव्ये प्रमुखो रसः कः? HAP–2016
(ii) बुद्धचरितस्य अङ्गीरसः कः? RPSC SET–2010
(A) शृङ्गारः (B) करुणः
(C) शान्तः (D) रौद्रः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-235

32. (i) निम्नलिखित में से कौन महाकाव्य नहीं है?
(ii) महाकाव्य नहीं है–
UP PGT–2004, UGC 25 D–2001
(A) किरातार्जुनीयम् (B) मेघदूतम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) रघुवंशम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-526

20. (D) 21. (C) 22. (B) 23. (B) 24. (B) 25. (D) 26. (D) 27. (C) 28. (A) 29. (C) 30. (A) 31. (C) 32. (B)

33. निम्नलिखित तालिका-1 में पात्रों के प्रकार दिए गये हैं और तालिका-2 में इनके प्रसिद्ध उदाहरण दिये गये हैं। इनके आधार पर दिए गये विकल्पों में से सही सुमेलित को चुनें– UP PGT–2005

तालिका-1	तालिका-2
(क) विदूषक	(i) शिशुपाल
(ख) नगररक्षक	(ii) मैत्रेय, माधव्य
(ग) पूर्व जन्म में रावण	(iii) सोमरात
(घ) पुरोहित	(iv) चन्दनक

	क	ख	ग	घ
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

स्रोत–(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी - भू0 पेज-99
(ii) मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र - भू0 पेज-47
(iii) शिशुपालवधम् - तारिणीश झा -भू0 पेज-22,23

34. लघुत्रय्यां कस्य काव्यस्य गणना भवति? RPSC SET–2010

(A) किरातार्जुनीयस्य (B) मेघदूतस्य
(C) नैषधस्य (D) शिशुपालवधस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

35. युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) किरातार्जुनीयम्	1. राजवाहनः
(ख) नैषधीयचरितम्	2. खण्डकाव्यम्
(ग) मेघदूतम्	3. दमयन्ती
(घ) दशकुमारचरितम्	4. द्रौपदी

	क	ख	ग	घ
(A)	4	2	1	3
(B)	4	3	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	3	4	1	2

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243,287,332,383

36. ग्रन्थान् कालानुक्रमेण लिखत– MH SET–2013

(क) किरातार्जुनीयम् (ख) नैषधीयचरितम्
(ग) शिशुपालवधम् (घ) रघुवंशम्

(A)	क	ग	ख	घ
(B)	ग	ख	क	घ
(C)	ख	ग	घ	क
(D)	घ	क	ग	ख

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151,180,199,224

37. प्राचीनतम महाकाव्य कौन-सा है? UP PGT–2011

(A) कुमारसम्भवम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) बुद्धचरितम् (D) जानकीहरणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-231

38. बुद्धचरितम् एकं .... अस्ति– GJ SET–2008, 2011

(A) रूपकम् (B) खण्डकाव्यम्
(C) महाकाव्यम् (D) चम्पूकाव्यम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-229

39. बुद्धचरितस्य प्रथमसर्गस्य नाम ...... इति।

(A) अभिनिष्क्रमणम् (B) संवेगोत्पत्तिः
(C) अन्तःपुरविहारः (D) भगवत्प्रसूतिः

स्रोत–बुद्धचरितम् - रामचन्द्रदास शास्त्री, पेज-01

40. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2014

(क) दिलीपः	1. रघुवंशम्
(ख) यक्षः	2. किरातार्जुनीयम्
(ग) द्रौपदी	3. मेघदूतम्
(घ) उपहारवर्मा	4. दशकुमारचरितम्

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	2	4	1	3
(C)	4	2	1	3
(D)	1	3	2	4

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151,528,184,475

33. (C) 34. (B) 35. (B) 36. (D) 37. (C) 38. (C) 39. (D) 40. (D)

41. अधस्तनयुग्मानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011

(क) 'महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः' इति भारविणा उक्तम्।

(ख) अग्निवर्णस्य वर्णनं मालविकाग्निमित्रे विद्यते।

(ग) रतिविलापः कुमारसम्भवे विद्यते।

(घ) हर्षचरितम् इत्येतत् काव्यं श्रीहर्षेण रचितम्

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-271,478,211,395

42. सूची-I एवं सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए– UP PGT–2009

सूची-I	सूची-II
(क) किरातार्जुनीयम्	(i) श्रीकृष्ण
(ख) शिशुपालवधम्	(ii) अर्जुन
(ग) वेणीसंहारम्	(iii) दुष्यन्त
(घ) अभिज्ञानशाकुन्तलम्	(iv) भीम

	क	ख	ग	घ
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243,262,518,483

43. अधोलिखित में से कौन-सा काव्य अर्वाचीन है? UP GIC–2009

(A) हर्षचरितम् (B) महावीरचरितम्

(C) सीताचरितम् (D) विक्रमाङ्कदेवचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

44. (i) अधोलिखित में से कौन-सा ऐतिहासिक महाकाव्य है?

(ii) अधोलिखितेषु ऐतिहासिकमहाकाव्यमस्ति– UP GIC–2009, 2015

(A) नैषधीयचरितम् (B) जानकीहरणम्

(C) विक्रमाङ्कदेवचरितम् (D) बुद्धचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-595

45. अधोलिखित में से कौन-सा महाकाव्य पचास सर्गों में निबद्ध है– UP GIC–2009

(A) जानकीहरण (B) भट्टिकाव्य

(C) सौन्दरनन्द (D) हरविजय

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-278

46. रामायण के उपजीवी काव्यों में कौन सा नहीं है? UGC 73 J–2016

(A) भट्टिकाव्यम् (B) नैषधीयचरितम्

(C) सेतुबन्धः (D) जानकीहरणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-287

47. शुद्धोधन किस ग्रन्थ का पात्र है? UGC 25 D–2002

(A) दशकुमारचरितम् (B) बुद्धचरितम्

(C) हर्षचरितम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-229

48. 'जानकीहरणम्' इति महाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति– UGC 25 D–2011

(A) 18 (B) 20

(C) 22 (D) 21

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-257

49. कस्य काव्यस्य अष्टमसर्गपर्यन्तम् एव मल्लिनाथेन व्याख्यानं रचितम्– UGC 25 D–2012

(A) रघुवंशस्य (B) किरातार्जुनीयस्य

(C) कुमारसम्भवस्य (D) नैषधस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-150

50. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत– UGC 25 D–2012

(क) द्वाविंशति-सर्गात्मकम्	**(1) शिशुपालवधम्**
(ख) विंशतिसर्गात्मकम्	**(2) रघुवंशमहाकाव्यम्**
(ग) एकोनविंशति-सर्गात्मकम्	**(3) किरातार्जुनीयम्**
(घ) अष्टादश-सर्गात्मकम्	**(4) नैषधमहाकाव्यम्**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	3	1	4
(C)	1	4	3	2
(D)	4	1	2	3

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-262,212,243,287

41. (D) 42. (C) 43. (C) 44. (C) 45. (D) 46. (B) 47. (B) 48. (B) 49. (C) 50. (D)

51. 'हैयङ्गवीनम्' इति शब्दस्य अर्थः– UGC 25 S–2013

(A) क्षीरम् (B) घृतम्

(C) जलम् (D) अग्निः

स्रोत–रघुवंशम् (1/45) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-21

52. गौतमबुद्धस्य चिकित्सकः क आसीत्? HE–2015

(A) जीवकः (B) मणिभद्रकः

(C) नागसेनः (D) संघभद्रः

स्रोत–प्राचीन भारत - सौरभ चौबे, पेज-138

53. काव्यस्य कति भेदाः ? BHU Sh.ET–2008

(A) द्वौ (B) पञ्च

(C) अष्टौ (D) नव

स्रोत–शिशुपालवध - तारिणीश झा, भू0 पेज-8

54. सातवाहनप्रणीता 'गाथासप्तशती' कस्यां भाषायामस्ति? DSSSB PGT–2014

(A) संस्कृते (B) प्राकृते

(C) अपभ्रंशे (D) भूतभाषायाम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-343

55. पञ्चोपास्य देवताओं में कौन-कौन से देवता शामिल हैं? UP TGT–2004

(A) शिव, गणेश, सूर्य, विष्णु, दुर्गा

(B) अरविन्दम्, अशोक, चूतम्, नवमल्लिका, नीलोत्पल।

(C) अहिल्या, द्रौपदी, सीता, तारा, मन्दोदरी।

(D) दुग्धम्, दधि, घृतम्, मूत्रम्, गोमयम्।

स्रोत–नित्यकर्म-पूजाप्रकाश (गीताप्रेस)-लालबिहारी मिश्र, पेज-140

56. बुद्धचरित का वर्ण्यविषय है– BHU AET–2011

(A) बुद्ध का जीवनचरित

(B) बुद्ध का निर्वाण

(C) बुद्ध का दर्शन

(D) बौद्ध निकायों का सैद्धान्तिक विभेद

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-169

57. श्रव्यकाव्य में गणना जिसकी होती है, वह है– BHU MET–2015

(A) पद्यकाव्य (B) दर्शन

(C) नाटक (D) धर्मशास्त्र

स्रोत–मेघदूत -आर0 बी0 शास्त्री, भू. पेज-3

58. आख्यायिकायाः कथावस्तु अस्ति–AWES TGT–2012

(A) ऐतिहासिक (B) कविकल्पित

(C) मिश्रित (D) चमत्कारपूर्ण

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-390

59. शिवलीलार्णवकाव्ये सर्गाः– CVVET–2015

(A) 20 (B) 22

(C) 21 (D) 23

संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास-राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज-506

60. वाल्मीकिरामायणमाश्रित्य कथा नास्ति यत्र– UGC 25 J–2016

(A) रघुवंशम् (B) कुन्दमाला

(C) मालतीमाधवम् (D) जानकीहरणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-116

61. लघुत्रय्यां परिगण्यते– KL SET–2015

(A) रघुवंशम् (B) शिशुपालवधम्

(C) किरातार्जुनीयम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

62. समुचितं सम्बद्धं विकल्पं चिनुत– UGC 73 J–2016

(A) गौडीयसंस्करणम् – रामायणम्

(B) पश्चिमोत्तरीयसंस्करणम् – महाभारतम्

(C) अनर्घराघवम् – गरुडपुराणम्

(D) इतिहासपुराणाभ्यां ..... समुपबृंहेत्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

63. उचित सम्बद्ध विकल्प चुनिये– UGC 73 J–2016

(A) आर्षकाव्यम् – रामायणम्

(B) विराटपर्व – महाभारतस्य दशमपर्व

(C) सुन्दरकाण्डम् – रामायणस्य द्वितीयं काण्डम्

(D) उत्तररामचरितचम्पूः – भोजराजः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-3)-बलदेव उपाध्याय, पेज-46

51. (B) 52. (A) 53. (A) 54. (B) 55. (A) 56. (A) 57. (A) 58. (A) 59. (B) 60. (C)
61. (A) 62. (A) 63. (A)

64. समुचित तालिका का चयन कीजिये– UGC 73 J–2016

(क) श्रीमद्भगवद्गीता (1) रामायणम्
(ख) गौडीयसंस्करणम् (2) विष्णु
(ग) पञ्चलक्षणम् (3) पुराणम्
(घ) महापुराणम् (4) महाभारतम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	1	2	4
(B)	4	1	3	2
(C)	4	2	1	3
(D)	2	4	1	3

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-94,96,103, 118

65. बृहत्त्रयी के अन्तर्गत नहीं है– UK TET–2011

(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) कुमारसम्भवम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

66. इनमें से कौन-सा महाकाव्य नहीं है– UGC 25 J–1994

(A) रघुवंशम् (B) शिशुपालवधम्
(C) हर्षचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-395

67. अधोलिखितेषु रामायणाश्रितं काव्यं नास्ति? CVVET–2016

(A) रघुवंशम् (B) भट्टिकाव्यम्
(C) सेतुबन्धम् (D) बुद्धचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–116

64. (B) 65. (C) 66. (C) 67. (D)

09 अभिज्ञानशाकुन्तलम्

1. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के रचयिता हैं–
(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' किसने लिखा–
MPPSC–2000, BHU B.Ed–2011, UP TGT–2011
(A) बाणभट्ट (B) वेदव्यास
(C) कालिदास (D) भवभूति
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-11,12

2. (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् साहित्य की किस विधा के अन्तर्गत है?
(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' है– UP TGT–2004, 2011
(A) महाकाव्य (B) व्याकरणग्रन्थ
(C) नाटक (D) गद्यकाव्य
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-49

3. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तले' कति अङ्काः सन्ति?
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तल में कितने अङ्क हैं?
BHU MET–2008, 2012, 2013, BHU Sh.ET–2009, 2012, UP TGT–2011, BHU AET–2012, JNU MET–2015
(A) 8 (B) 6
(C) 5 (D) 7
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-334, संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-483

4. 'शाकुन्तलकथायाः' वास्तव्यमुपजीव्यमस्ति–
UP GDC–2013
(A) ऋग्वेदः (B) धर्मशास्त्रम्
(C) सामवेदः (D) महाभारतम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-6

5. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' का अङ्गी रस है–
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य अङ्गीरसः अस्ति–
UP PGT–2011, UGC 25 J–2007, MGKV Ph.D–2016
(A) वीर (B) शृङ्गार
(C) करुण (D) शान्त
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-60

6. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में किस रीति का प्रयोग है?
UP TGT–2009
(A) वैदर्भीरीति (B) गौडीरीति
(C) पाञ्चालीरीति (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-76

7. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' का दुष्यन्त नायक है?
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् का नायक दुष्यन्त है?
UP PGT–2000, UP TGT–2010
(A) धीरप्रशान्त (B) धीरोद्धत्त
(C) धीरललित (D) धीरोदात्त
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् -कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

8. (i) महाभारतस्य कस्मात् पर्वणः कथां स्वीकृत्य कालिदासेन 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' विरचितम्–
(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' की कथा महाभारत के किस पर्व में प्राप्त होती है? UP PGT–2003,
(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य कथायाः मूलस्रोतः महाभारते कुत्रास्ति? UP TGT–2010
RPSC SET–2013-14, JNU MET–2015
(A) वनपर्व (B) सभापर्व
(C) आदिपर्व (D) शान्तिपर्व
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-41

9. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' का सर्वप्रथम अंग्रेजी अनुवाद किसने किया? UP PGT–2005
(A) शेक्सपीयर (B) गेटे
(C) विलियमजोन्स (D) मैक्समूलर
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–17

10. 'शाकुन्तलम्' की कथा और कहाँ प्राप्त है?
UP PGT–2010
(A) महाभारत में (B) पद्मपुराण में
(C) वायुपुराण में (D) महाभारत/पद्मपुराण दोनों में
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-06

1. (C)	2. (C)	3. (D)	4. (D)	5. (B)	6. (A)	7. (D)	8. (C)	9. (C)	10. (D)

11. महाभारत पर आश्रित नाटक है– UGC 25 D–1998, UP TGT–2004

(A) रत्नावली (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) मालतीमाधवम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-06

12. एक आभरण खो जाने से किस कथा में स्थिति बदल गई है– UGC 25 J–1999

(A) रत्नावली (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) बुद्धचरितम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-334

13. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में 'अभिज्ञान' शब्द से किसका बोध होता है– UP TGT–2001, 2004

(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में अभिज्ञान का सम्बन्ध किस वस्तु से है?

(A) नथुनी (B) पायल
(C) अँगूठी (D) लॉकेट

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-3

14. 'अभिज्ञान' शब्द का अर्थ है– UP TGT–2011

(A) ज्ञान होना (B) स्मरण होना
(C) पहचान (D) अभियान होना

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-3

15. (i) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य मूलस्रोतः–

(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य मूलकथायाः स्रोतोऽस्ति?

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का उत्स (मूल) है?

UP TGT–2004, BHU AET–2010, AWES TGT 2009

(A) ऋग्वेदः (B) छान्दोग्योपनिषद्
(C) ब्रह्मपुराणम् (D) महाभारतम्

(i) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-335
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-41

16. शाकुन्तलमङ्गलाचरणे कीदृशः शिवः वर्णितः? HAP–2016

(A) दशमूर्तिः (B) नवमूर्तिः
(C) अष्टमूर्तिः (D) पञ्चमूर्तिः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-01

17. अभिज्ञानशाकुन्तलम् का कथानक– UP TGT–2011

(A) ऐतिहासिक है
(B) उत्पाद्य है
(C) ऐतिहासिक होने पर भी कुछ परिवर्तित है
(D) इनमें से कुछ भी नहीं है

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-41

18. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य जर्मनभाषायां प्रथमः अनुवादकः आसीत्? DU Ph. D–2016

(A) गेटे (B) विलियमजोन्सः
(C) मैक्समूलरः (D) जॉर्जफोस्टरः

स्रोत–मेघदूतम् - विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-15

19. (i) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य नान्दीपाठे वर्णिताऽऽद्या सृष्टिरस्ति– UP GDC–2014

(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य प्रारम्भे नान्दीपद्ये स्रष्टुः आद्या सृष्टिः का? G GIC–2015

(A) पृथ्वी (B) जलम्
(C) अग्निः (D) वायुः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-1

20. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में शकुन्तला को शाप किसने दिया? UP PGT–2000, 2013

(A) वशिष्ठ (B) नारद
(C) दुर्वासा (D) विश्वामित्र

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-39

21. (i) अभिज्ञानशाकुन्तले विदूषकस्य नाम किम्?

(ii) शकुन्तलानाटके विदूषकस्य नाम–

(iii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक का विदूषक है–

(iv) अभिज्ञानशाकुन्तले विदूषकस्य नाम स्मरत साम्प्रतम्?

UP PGT–2002, 2010, UP TGT–2001, 2004, UK TET–2011, BHU AET–2010, 2012, UGC 25 D–1998, 2007, UGC 25 J–2011, 2016 HE –2015, K SET–2014, JNU MET–2015, GJ SET–2016

(A) मैत्रेय (B) माढव्य
(C) माणवक (D) गौतम

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

11. (B) 12. (D) 13. (C) 14. (C) 15. (D) 16. (C) 17. (C) 18. (D) 19. (B) 20. (C) 21. (B)

22. दुष्यन्त की मनः स्थिति जानने के लिए मेनका ने अपनी किस सखी को भेजा था– **UP PGT–2003, UP TGT–2004**
(A) सानुमती (B) उर्वशी
(C) रम्भा (D) तिलोत्तमा
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-40

23. (i) अभिज्ञानशाकुन्तले मातलिः कः आसीत्?
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में मातलि कौन है? **UP PGT–2003, 2011 BHU MET–2012**
(A) दुष्यन्त का पुरोहित (B) दुष्यन्त का सेनापति
(C) इन्द्र का सारथि (D) कण्व का शिष्य
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

24. एक प्रसिद्ध नाटक में मधुकरिका कौन है– **UP PGT–2005**
(A) मेनका की सखी
(B) दुष्यन्त की परिचारिका
(C) मारीच के आश्रम की तपस्विनी
(D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

25. (i) दुर्वासा ऋषि के क्रोधित हो जाने पर किसने उन्हें प्रसन्न किया? **UP PGT–2010, UP TGT–2010,**
(ii) किसने शकुन्तला को शाप के प्रभाव से मुक्त करने के लिये दुर्वासा से प्रार्थना की– **UK TET–2011**
(A) शकुन्तला (B) अनसूया
(C) प्रियंवदा (D) अनसूया/प्रियंवदा दोनों
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-187

26. अभिज्ञानशाकुन्तल में वेत्रवती है– **UP PGT–2010, UK TET–2011**
(A) नदी (B) उद्यानपालिका
(C) प्रतीहारी (D) अप्सरा
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

27. शर्मिष्ठा के पिता थे– **UP PGT–2010**
(A) ययाति (B) शुक्राचार्य
(C) दानवराजवृषपर्वा (D) पुरु
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-211

28. सानुमती पात्र किस काव्य में है– **UGC 25 J–1995**
(A) किरातार्जुनीयम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) शिशुपालवधम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

29. (i) शारद्वतपात्रस्य वर्णनं कस्मिन् नाटके अस्ति?
(ii) शारद्वत पात्र का वर्णन किस नाटक में है? **BHU MET–2008, 2009, 2013**
(A) उत्तररामचरिते (B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) मृच्छकटिके (D) मुद्राराक्षसे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् -कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

30. (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलस्य नायकः कः –
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके नायकः कः वर्तते– **BHU MET–2008, BHU B.Ed–2015**
(A) यौगन्धरायणः (B) दुष्यन्तः
(C) वसन्तकः (D) उदयनः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् -कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

31. अनसूया किस नाटक में एक पात्र है–**BHU MET–2010**
(A) मालविकाग्निमित्रम् (B) विक्रमोर्वशीयम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

32. (i) सर्वदमनः कस्य नाटकस्य पात्रमस्ति–
(ii) सर्वदमन किस नाटक का पात्र है? **BHU MET–2011, 2012**
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य (B) उत्तररामचरितस्य
(C) प्रतिमानाटकस्य (D) अभिषेकनाटकस्य
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

33. राजा दुष्यन्तः कुत्र प्रसिद्धः– **BHU Sh.ET–2011**
(A) शिशुपालवधे (B) मेघदूते
(C) कुमारसम्भवे (D) अभिज्ञानशाकुन्तले
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

34. दुष्यन्तः कस्य ग्रन्थस्य नायकः– **BHU Sh.ET–2013**
(A) कादम्बर्याः (B) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य
(C) कुमारसम्भवस्य (D) महाकाव्यस्य
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

22. (A) 23. (C) 24. (B) 25. (C) 26. (C) 27. (C) 28. (D) 29. (B) 30. (B) 31. (C) 32. (A) 33. (D) 34. (B)

35. अभिज्ञानशाकुन्तल में ययाति के किस पुत्र का नाम उल्लिखित है? UP TGT–1999

(A) यदु (B) तुर्वशु

(C) पुरु (D) द्रुध्यु

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-210-211

36. शकुन्तला की सखी कौन है– UP TGT–2001

(A) गौतमी (B) मालविका

(C) उर्वशी (D) अनसूया/प्रियंवदा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

37. (i) शकुन्तला के साथ राजदरबार तक कौन गयी थी?

(ii) इयं शकुन्तलया सह दुष्यन्तगृहं गच्छति–

(iii) शकुन्तला के साथ दुष्यन्त के राजदरबार तक कौन गई थी? UP TGT–2001, 2004, 2009,

(iv) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार शकुन्तला के साथ पतिगृह हस्तिनापुर गई थी–

UP TET–2014, UK SLET–2015

(A) गौतमी (B) मेनका

(C) अनसूया (D) प्रियंवदा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी,पेज-260

38. किसके आग्रह पर शकुन्तला के प्रति दुर्वासा के शाप में लघुता आयी? UP TGT–2001

(A) अनसूया (B) प्रियंवदा

(C) कण्व (D) गौतमी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-187

39. दुर्वासा ऋषि के आश्रम में पदार्पण के समय शकुन्तला किसके ध्यान में मग्न थी? UPTGT–2011

(A) कण्व ऋषि के (B) दुष्यन्त के

(C) सद्यः प्रसूता हरिणी के (D) नवपल्लवयुक्त लता के

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184

40. अनसूया और प्रियंवदा हैं– UP TGT–2003

(A) शकुन्तला की सखियाँ (B) दुष्यन्त की रानियाँ

(C) कण्व आश्रम की अध्यक्षा (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

41. दुर्वासा ऋषि ने शकुन्तला को क्या शाप दिया? UPTGT–2011

(A) कि तू याद करी विद्या भूल जायेगी

(B) कि तू अस्वस्थ हो जायेगी

(C) कि तेरा पुत्र तुझे भूल जाएगा

(D) कि तू जिसके ध्यान में बैठी है वो तुझे भूल जाएगा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/1) -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184

42. दुर्वासा ऋषि ने शापमोचन किस तरह बताया– UPTGT–2011

(A) छः महीने बाद दुष्यन्त को स्वतः शकुन्तला का स्मरण हो जाएगा

(B) वसन्त ऋतु में आम्रमंजरी देखकर दुष्यन्त को शकुन्तला की याद आ जाएगी

(C) किसी अभिज्ञान (पहचान) देखने से दुष्यन्त को शकुन्तला का स्मरण हो जाएगा

(D) पुनर्जन्म में दुष्यन्त को शकुन्तला का स्मरण हो जाएगा।

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् -कपिलदेव द्विवेदी,पेज-188

43. अभिज्ञानशाकुन्तले दुर्वाससः शापः कस्य उदाहरणं भवति– UGC 25 J–2016

(A) प्रवेशकस्य (B) चूलिकायाः

(C) विष्कम्भकस्य (D) अङ्कावतारस्य

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184,190

44. चतुर्थ अङ्क की विषयवस्तु मानवीय जीवन की किस घटना पर आधारित है? UPTGT–2011

(A) बच्चे के जन्म के अवसर की

(B) बच्चे के गुरुकुल जाने के अवसर की

(C) बेटी की शादी होने पर विदाई के अवसर की

(D) मृत्यूपरान्त श्मशान जाने के अवसर की

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-487

35. (C) 36. (D) 37. (A) 38. (B) 39. (B) 40. (A) 41. (D) 42. (C) 43. (C) 44. (C)

45. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में वर्णित गौतमी है? UP TGT–2003

(A) दुष्यन्त की परिचारिका
(B) कण्व आश्रम की अध्यक्षा
(C) मारीच आश्रम की तपस्विनी
(D) एक अप्सरा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

46. गौतमी कौन थी? UP TGT–2009

(A) शकुन्तला की सखी (B) वृद्धा तापसी
(C) आश्रम की परिचारिका (D) कण्व की पत्नी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

47. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में गौतमी है– UP TGT–2004

(A) शकुन्तला की सखी (B) अप्सरा
(C) तपोवन की अध्यक्षा (D) दुष्यन्त की प्रतीहारी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

48. शार्ङ्गरव पात्र का वर्णन किस नाटक में है? BHU MET–2016

(A) उत्तररामचरित (B) मृच्छकटिक
(C) अभिज्ञानशाकुन्तल (D) मुद्राराक्षस

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

49. (i)'तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्' यहाँ तपोधन शब्द प्रयुक्त हुआ है– UP TGT–2003, DL–2015
(ii) 'तपोधनं वेत्सि न माम् उपस्थितम्' इति कस्य परिचयोऽस्ति?

(A) कण्व के लिए (B) दुष्यन्त के लिए
(C) दुर्वासा के लिए (D) जंगल के लिए

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184

50. 'अस्यामहं त्वयि च सम्प्रति वीतचिन्तः' कः? KL SET–2016

(A) दुष्यन्तः (B) शार्ङ्गरवः
(C) कण्वः (D) मारीचः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/13)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-245

51. शकुन्तला को विदाई का सन्देश दिया–UP TGT–2004

(A) कण्व ने (B) दुर्वासा ने
(C) तपोवन के वृक्षों ने (D) मृगों ने

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229

52. ''मम विरहजां न त्वं वत्से! शुचं गणयिष्यसि'' यहाँ 'मम' से तात्पर्य है? UP TGT–2004

(A) कण्व (B) शकुन्तला
(C) सर्वदमन (भरत) (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/19)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-233

53. (i) शकुन्तला की माता कौन थी? UP TGT–2004
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तले शकुन्तलायाः मातुः नाम किम्?
(iii) शकुन्तलायाः जन्मदात्री माता–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014, CCSUM Ph.D–2016

(A) मेनका (B) शर्मिष्ठा
(C) मदिरा (D) मैना

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

54. (i) शकुन्तला-दुष्यन्त के पुत्र का नाम है?
(ii) दुष्यन्तस्य पुत्रः कः? UP TGT–2004, RPSC SET–2010
(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके दुष्यन्तशकुन्तलयोः पुत्रस्य नाम किं वर्तते? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) सर्वदमन (भरत) (B) चन्द्रापीड
(C) वैशम्पायन (D) पुरु

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

55. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में सखियों ने शापवृत्तान्त सर्वप्रथम किसे सुनाया? UP TGT–2004

(A) कण्व को (B) मेनका को
(C) शकुन्तला को (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-189

56. दुष्यन्त के साथ शकुन्तला के विवाह की सूचना महर्षि कण्व को किसने दी? UP TGT–2005

(A) गौतमी ने
(B) अनसूया और प्रियंवदा ने
(C) अशरीरिणी छन्दोमयी वाणी ने
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

45. (B) 46. (B) 47. (C) 48. (C) 49. (C) 50. (C) 51. (A) 52. (A) 53. (A) 54. (A) 55. (D) 56. (C)

57. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में वर्णित शार्ङ्गरव है– UP TGT–2005

(A) कण्व का शिष्य (B) मारीच का शिष्य
(C) दुष्यन्त का पुरोहित (D) राजा ययाति का पुत्र

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-93-94

58. अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके मारीचस्य शिष्यः कः अस्ति– JNU MET–2015

(A) गालवः (B) शार्ङ्गरवः
(C) मालवः (D) शारद्वतः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

59. (i) कण्व ऋषि को इस नाम से भी पुकारते थे?
(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में कण्व ऋषि को किस अन्य नाम से वर्णित किया गया है? UP TGT–2009, 2011

(A) दुर्वासा (B) वशिष्ठ
(C) गौतमी (D) काश्यप

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-89

60. राजा दुष्यन्त की प्रथम पटरानी थी– UP TGT–2010

(A) सानुमती (B) वसुमती
(C) शकुन्तला (D) मेनका

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-368

61. 'प्रियंवदा' किस नाटक में है– UGC 73 D–1996

(A) रामदूत (B) अभिषेक
(C) मृच्छकटिक (D) शाकुन्तलम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-100

62. पुरु किसका पुत्र था? UP GDC–2008

(A) देवयानी (B) मेनका
(C) शकुन्तला (D) शर्मिष्ठा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-211

63. मघवतः सकाशात् केन सह मनुष्यलोकमवतरति दुष्यन्तः? BHU AET–2012

(A) जानुकेन (B) माधव्येन
(C) गौतमेन (D) मातलिना

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-388

64. अभिज्ञानशाकुन्तले ऋषि-पात्राणां संख्या वर्तते– BHU AET–2010

(A) 02 (B) 04
(C) 06 (D) 03

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-53

65. मातलि किस नाटक का पात्र है? BHU MET–2016

(A) प्रतिमानाटक (B) मृच्छकटिक
(C) अभिज्ञानशाकुन्तल (D) मध्यमव्यायोग

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

66. महर्षि कण्व किनके साथ शकुन्तला को पतिगृह भेजते हैं? UP TGT–2013

(A) शार्ङ्गरव (B) शारद्वत
(C) गौतमी (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-39

67. (i) कालिदास ने 'सुलभकोपो महर्षिः' किसे कहा है?
(ii) सुलभकोपो महर्षिः अस्ति– UP TGT–2004, UP PGT (H)–2010

(A) दुर्वासा को (B) विश्वामित्र को
(C) परशुराम को (D) वशिष्ठ को

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-185

68. (i) शाकुन्तले दुष्यन्तपुत्रस्य प्रथमं नाम किम् आसीत्–
(ii) दुष्यन्तपुत्रस्य प्रथमं नाम किम् आसीत्? UGC 25 J–2015, Jn–2017

(A) भरतः (B) दौष्यन्तिः
(C) सर्वदमनः (D) गौतमः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-448

69. 'गण्डकस्योपरि पिण्डकः संवृत्तः' है– UP PGT–2003, 2004

(A) सूक्ति (B) काव्यलक्षण
(C) मुहावरा (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-91,93

70. 'सर्वथा चक्रवर्तिनं पुत्रमाप्नुहि' से क्या निर्दिष्ट है? UP PGT–2005

(A) अभिज्ञानशाकुन्तल के कथानक का प्रयोजन
(B) कालिदास को पुत्रप्राप्ति
(C) कुमारकार्तिकेय का जन्म
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-28

57. (A)	58. (A)	59. (D)	60. (B)	61. (D)	62. (D)	63. (D)	64. (D)	65. (C)	66. (D)
67. (A)	68. (C)	69. (C)	70. (A)						

71. **सत्य कथन का चयन करें–** **UP PGT–2009, UP TGT–2009**
(A) दुष्यन्त-शकुन्तला का विवाह 'गान्धर्व' था।
(B) दुष्यन्त-शकुन्तला का विवाह 'दैव' था।
(C) दुष्यन्त-शकुन्तला का विवाह 'प्रजापत्य' था।
(D) दुष्यन्त-शकुन्तला का विवाह 'पैशाची' था।
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-39

72. **``.......... षड्भागमक्षय्यं ददत्यारण्यका हि नः।'' उपर्युक्त रिक्तस्थान की पूर्ति के लिए कौन-सा विकल्प उपयुक्त है?** **UP PGT–2005**
(A) यशः (B) तपः
(C) मनः (D) धनम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/13)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-120

73. **शकुन्तला से 'भर्तुर्बहुमता भव' यह वाक्य किसने कहा है?** **UP TGT–1999**
(A) काश्यप ने (B) एक तापसी ने
(C) गौतमी ने (D) प्रियंवदा ने
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-202

74. **'वामाः कुलस्याधयः' में 'वामा' का अभिप्राय है–** **UP TGT–2005, 2009, UP PGT (H)–2009**
(A) सुन्दर युवतियाँ
(B) अच्छे स्वभाव वाली स्त्रियाँ
(C) मनोनुकूल व्यवहार करने वाली स्त्रियाँ
(D) कहे गये ढंग के विपरीत या प्रतिकूल आचरण करने वाली स्त्रियाँ
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

75. **'वामाः कुलस्याधयः' मे 'वामा' का क्या अर्थ है?** **BHU MET–2016**
(A) कटाक्ष (B) सुन्दरी
(C) वामभाग में स्थिता (D) विपरीता
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

76. **'दिष्ट्या धूमाकुलितदृष्टेरपि यजमानस्य पावक एवाहुतिः पतिता'– इस दृष्टान्त द्वारा किसने अपनी कृतार्थता स्वीकार की है?** **UP PGT–2011**
(A) कण्व (B) गौतमी
(C) मातलि (D) शकुन्तला
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-197

77. **''दिष्ट्या धूमाकुलितदृष्टेरपि यजमानस्य पावक एवाहुतिः पतिता।'' इस वाक्य में 'पावक' शब्द से किसको सङ्केतित किया गया है?** **UP TGT–2005**
(A) शकुन्तला को (B) दुष्यन्त को
(C) कण्व को (D) यज्ञशाला को
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-197

78. **'आमन्त्रयस्व सहचरम्' का अभिप्राय है–** **UP TGT–2005**
(A) सहचर से मिल लो (B) सहचर से बात कर लो
(C) सहचर को छोड़ दो (D) सहचर से विदा ले लो
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-173

79. **विदाई के साथ कण्व ने किस श्लोक से शकुन्तला को उपदेश दिया?** **UP TGT–2005**
(A) शुश्रूषस्व गुरून् ....
(B) अस्मान् साधु विचिन्त्य ....
(C) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलम् ....
(D) एषापि प्रियेण विना गमयति ....
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

80. **'यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनाम्' यहाँ 'पतिरोषधीनाम्' शब्द प्रयुक्त हुआ है?** **UP TGT–2005**
(A) चन्द्रमा के लिए (B) सूर्य के लिए
(C) कण्व के लिए (D) विश्वामित्र के लिए
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

81. **''भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने'' में 'परिजन' का अर्थ है?** **UP TGT–2009**
(A) सौत (B) अत्यधिक
(C) उदार (D) सेवकजन
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

71. (A) 72. (B) 73. (B) 74. (D) 75. (D) 76. (A) 77. (B) 78. (D) 79. (A) 80. (A) 81. (D)

82. ''आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये .... विज्ञानम्।'' BHU AET–2012

(A) प्रबन्ध (B) प्रमाण
(C) प्रयोग (D) प्रसाद

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-8

83. अथवा भवितव्यानां .... भवन्ति सर्वत्र। BHU AET–2012

(A) पात्राणि (B) सूत्राणि
(C) द्वाराणि (D) तन्त्राणि

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/16)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-38

84. गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः। चीनांशुकमिव केतोः ..... नीयमानस्य– BHU AET–2012

(A) प्रतिकूलं (B) प्रतिभवनं
(C) सुरनगरीं (D) प्रतिवातं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/34)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-89

85. ''सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु .... मन्तःकरण-प्रवृत्तयः।'' BHU AET–2012

(A) प्रधान (B) प्रमाण
(C) सन्धान (D) सिद्धान्त

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54

86. ''अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात् सङ्गतं रहः। .... हृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम्॥'' BHU AET–2012

(A) अदृष्ट (B) अनिष्ट
(C) अमित्र (D) अज्ञात

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/24)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-291

87. येन येन वियुज्यन्ते प्रजाः स्निग्धेन बन्धुना। स स ...... तासां दुष्यन्त इति घुष्यताम्॥ BHU AET–2012

(A) शापदृते (B) कोपादृते
(C) पापादृते (D) दोषादृते

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/23)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-370

88. ''तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां लोको .... इवात्मदशान्तरेषु।'' BHU AET–2011

(A) नियुज्यत (B) नियम्यत
(C) विभज्यत (D) विबोध्यत

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

89. ''तत्र श्लोकचतुष्टयम्'' इत्युक्तौ 'तत्र' इति पदेन आशयोऽस्ति। UP GIC–2015

(A) उत्तररामचरितस्य तृतीयोऽङ्कः
(B) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थोऽङ्कः
(C) मृच्छकटिकस्य प्रथमोऽङ्कः
(D) उक्तेषु किमपि न

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

90. (i) धीवरेण शकुन्तलाया अंगुलीयकप्राप्तिः कस्मिन्नङ्के वर्णिता– UP PGT–2000

(ii) 'धीवर प्रसङ्ग' अभिज्ञानशाकुन्तलम् के किस अङ्क में है? RPSC SET–2013-14

(A) तृतीय (B) पञ्चम
(C) षष्ठ (D) सप्तम

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-40

91. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में विदूषक का चित्रण हुआ है? UP PGT–2002

(A) प्रथम अङ्क में (B) द्वितीय अङ्क में
(C) तृतीय अङ्क में (D) पञ्चम अङ्क में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-38

92. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के किस अङ्क के प्रारम्भ में सर्वप्रथम शुद्ध विष्कम्भक का प्रयोग किया गया है? UP PGT–2002

(A) प्रथम अङ्क (B) द्वितीय अङ्क
(C) तृतीय अङ्क (D) चतुर्थ अङ्क

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-134

93. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में प्रवेशक का प्रयोग हुआ है– UP PGT–2002

(A) तृतीय अङ्क में (B) द्वितीय अङ्क में
(C) पञ्चम अङ्क में (D) षष्ठ अङ्क में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-317

94. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के किस अङ्क में 'विष्कम्भक' समाप्त होता है? UP PGT–2004, 2009, 2010, UK TET–2011

(A) द्वितीय (B) तृतीय
(C) चतुर्थ (D) पञ्चम

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

82. (C) 83. (C) 84. (D) 85. (B) 86. (D) 87. (C) 88. (B) 89. (B) 90. (C) 91. (B) 92. (C) 93. (D) 94. (C)

95. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम् में शापवृत्तान्त किस अङ्क में है? **UP TGT–2004**
(A) प्रथम (B) तृतीय
(C) चतुर्थ (D) षष्ठ
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184

96. अभिज्ञानशाकुन्तलम् की रचना करते समय कवि कालिदास की किस मौलिकता के कारण दुष्यन्त का चरित्र उदात्त बन पाया– **UP TGT–2011**
(A) शकुन्तला जैसी प्रकृति-पुत्री को प्रेम करने के कारण
(B) भारतवर्ष के वीर सम्राट् की छवि प्रस्तुत करने के कारण
(C) दुर्वासा ऋषि के शाप की कल्पना के कारण
(D) पहचान के रूप में अंगूठी देने के कारण
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-336

97. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क में विष्कम्भक है? **UP TGT–2009**
(A) अङ्क के अन्त में (B) अङ्क के प्रारम्भ में
(C) अङ्क के मध्य में (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

98. कालिदास कृत 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के किस अङ्क को सर्वाधिक महत्त्व दिया जाता है? **UP TET–2014**
(A) द्वितीय (B) चतुर्थ
(C) पञ्चम (D) सप्तम
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

99. कस्मिन् अङ्के शकुन्तला मनोगतं गीतवस्तु नलिनीपत्रे नखैर्निक्षिप्तवर्णं करोति? **BHU AET–2012**
(A) प्रथमे (B) तृतीये
(C) द्वितीये (D) पञ्चमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-158

100. (i) आकाशयानेन सानुमती नामाप्सराः कस्मिन् अङ्के प्रविशति? **UGC 25 Jn–2017**
(ii) सानुमत्याः उपाख्यानम् अभिज्ञानशाकुन्तले कस्मिन् अङ्के अस्ति? **BHU AET–2012**
(iii) शाकुन्तले सानुमतीप्रवेशः कस्मिन्नङ्के वर्तते? **KL SET–2014**
(A) चतुर्थे (B) षष्ठे
(C) पञ्चमे (D) सप्तमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–318

101. शकुन्तलायाः हस्तात् परिभ्रष्टम् अङ्गुलीयकं पुनः कस्मिन्नङ्के राज्ञा आसादितम्? **BHU AET–2012**
(A) चतुर्थे (B) षष्ठे
(C) पञ्चमे (D) सप्तमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-40

102. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य कस्मिन्नङ्के कण्वः शकुन्तलामुपदिशति? **BHU AET–2010**
(A) द्वितीये (B) तृतीये
(C) चतुर्थे (D) पञ्चमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229

103. अभिज्ञानशाकुन्तले वायोः विभिन्नस्तरेषु परिभ्रमणं कस्मिन्नङ्के वर्तते– **UGC 25 J–2016**
(A) चतुर्थे (B) पञ्चमे
(C) षष्ठे (D) सप्तमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/6)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

104. अभिज्ञानशाकुन्तले षष्ठाङ्कगतः धीवरवृत्तान्तः कस्य उदाहरणं भवति? **UGC 25 D–2015**
(A) प्रवेशकस्य (B) विष्कम्भकस्य
(C) अङ्कावतारस्य (D) प्रस्तावनायाः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-317

105. (i) किस स्थान पर शकुन्तला की अँगूठी गिरी?
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में 'अभिज्ञान' कहाँ पर गिरा था? **UK SLET–2015, UGC 25 J–2013**
(iii) शकुन्तलायाः अङ्गुलीयकं कुत्र प्रभ्रष्टम्– **UP PGT–2003, UP TGT–2004, UP TET–2014**
(A) मार्ग में (B) शचीतीर्थ में
(C) प्रभासतीर्थ में (D) कण्वाश्रम में
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-283,284

106. 'मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति'-अत्र काव्यादर्शकाराभिप्रेतः गुणः कः? **KL SET–2016**
(A) सौकुमार्यम् (B) श्लेषः
(C) माधुर्यम् (D) प्रसादः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-47

95. (C) 96. (C) 97. (B) 98. (B) 99. (B) 100. (B) 101. (B) 102. (C) 103. (D) 104. (A) 105. (B) 106. (C)

107. शकुन्तला की शापमुक्ति का कारण है? UP TGT–2003
(A) मोतियों की माला (B) कङ्गन
(C) बाजूबन्द (D) अँगूठी
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज-40

108. राजा दुष्यन्त शकुन्तला को पहचान सकते हैं जब वे देखेंगे– UP TGT–2004
(A) कुण्डल (B) हार
(C) अँगूठी (D) केयूर
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज-39

109. अनसूया एवं प्रियंवदा ने अपने किस ज्ञान के आधार पर शकुन्तला को आभूषण पहनाया? UP TGT–2005
(A) उन्होंने आभूषण पहनाने का प्रशिक्षण लिया था।
(B) गौतमी ने उन्हें आभूषण पहनाना बताया था।
(C) शकुन्तला ने स्वतः अपने ज्ञान से आभूषण पहना।
(D) चित्रकारी में आभूषण प्रयोग से प्राप्त ज्ञान के आधार पर पहनाया।
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-207-208

110. 'शकुन्तला के गर्भ में दुष्यन्त का तेज (वीर्य) पल रहा है'– यह बात कण्व को किसने बताई? UP TGT–2005
(A) अनसूया एवं प्रियंवदा ने (B) गौतमी ने
(C) छन्दोमयी वाणी ने (D) कण्व के शिष्यों ने
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

111. शकुन्तला ने विदाई के समय जिस लता का आलिङ्गन किया था उसका क्या नाम था? UP TGT–2005
(A) वनज्योत्स्ना (B) नवमालिका (चमेली)
(C) लताभगिनी (D) केसरलता
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-219

112. दुष्यन्त के वंश का नाम था– UP TGT–2009
(A) रघुवंश (B) पुरु
(C) काश्यप (D) कुशिक
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

113. शकुन्तला के अनिष्ट निवारण के लिए महर्षि कण्व कहाँ गये थे? UP TGT–2012
(A) हिमालय (B) सोमतीर्थ
(C) कुरुक्षेत्र (D) प्रयाग
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-31

114. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क में कुल कितने श्लोक हैं? UP TGT–2010, 2013
(A) 48 (B) 42
(C) 46 (D) 22
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

115. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्कस्य कति श्लोकाः प्रसिद्धाः? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) पञ्च (B) त्रयः
(C) सप्त (D) चत्वारः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

116. अधोऽङ्कितेषु पद्येषु शाकुन्तलस्य प्रसिद्धश्लोकश्चतुष्ट्यां न गण्यते– UP GDC–2012
(A) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति........
(B) शुश्रूषस्व गुरून् कुरु............
(C) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति.........
(D) अनाघ्रातं पुष्पं..............
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज-68

117. ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः, पश्चार्द्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्। दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा, पश्योदग्रप्लुतत्त्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति।।'' इत्यस्मिन् श्लोके कोऽलङ्कारः? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014
(A) निदर्शना (B) स्वभावोक्तिः
(C) व्यतिरेकः (D) दीपकम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/7)- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-19

118. 'अभिज्ञानशाकुन्तल' के चतुर्थ अङ्क में ''लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु'' पद्यांश में अलङ्कार है– UP GIC–2009
(A) उत्प्रेक्षा (B) अतिशयोक्ति
(C) उपमा (D) अर्थान्तरन्यास
अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190-192

107. (D) 108. (C) 109. (D) 110. (C) 111. (A) 112. (B) 113. (B) 114. (D) 115. (D) 116. (D) 117. (B) 118. (A)

119. अधोलिखित पद्यों में 'शाकुन्तल' के प्रसिद्ध चार पद्यों की गणना नहीं की जाती– UP PGT–2011

(A) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति ....

(B) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति ...

(C) शुश्रूषस्व गुरून् कुरु .....

(D) उद्गलितदर्भकवला मृग्यः ....

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-68

120. शाकुन्तलश्लोकचतुष्टये एष श्लोकः न परिगण्यते? K SET–2015

(A) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति .....

(B) शुश्रूषस्व गुरून् ......

(C) अस्मान् साधु विचिन्त्य ....

(D) अस्यास्सर्गविधौ प्रजापतिरभूत्..........

स्रोत–विक्रमोर्वशीयम् (1/10) - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-20

121. पक्षिभिः पालिता नायिका का? GJ SET–2013

(A) शकुन्तला (B) उर्वशी

(C) मालविका (D) रत्नावली

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-88

122. शकुन्तलायाः पालकपिता– GJ SET–2007

(A) भारद्वाजः (B) जमदग्निः

(C) कण्वः (D) अग्निः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-99

123. शक्रावतारतीर्थस्य निवासी कः? MH SET–2016

(A) धीवरः (B) माधव्यः

(C) शार्ङ्गरवः (D) उदयनः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-306,307

124. 'बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः' में अलङ्कार है– BHU MET–2016

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यास

(C) उत्प्रेक्षा (D) रूपक

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-9

125. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्के वर्णितम्? RPSC ग्रेड-II (TGT) 2010

(A) गौतम्याः जीवनम्

(B) दुष्यन्तस्य पराक्रमम्

(C) शकुन्तलायाः भरतेन सह संवादः

(D) शकुन्तलायाः विदावेलायां पितुः सन्देशम्

स्रोत–(i) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

126. दुष्यन्तगतां रतिं प्रति शकुन्तला केन शब्देन प्रतिपाद्यते? DSSSB TGT–2014

(A) उद्दीपनविभावः (B) समभावः

(C) आलम्बनविभावः (D) भार्याभावः

स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज-215

127. 'परभृत' किस पक्षी को कहते हैं? UP TGT–2010

(A) कौआ (B) कोयल

(C) कबूतर (D) मयूर

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-215

128. 'शकुन्तला' नाटक का खड़ी बोली गद्य में अनुवाद किया– UP TGT (H)–2013

(A) राजाशिवप्रसाद सितारे हिन्द ने

(B) राजालक्ष्मण सिंह ने

(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने

(D) गिरिधरदास ने

स्रोत–हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, पेज-298

129. राजा लक्ष्मण सिंह ने 'अभिज्ञानशाकुन्तल' का अनुवाद कब किया? UGC (H) J–2012

(A) 1863 ई0 (B) 1880 ई0

(C) 1876 ई0 (D) 1881 ई0

स्रोत–

130. हंसपदिका का गीत है– UGC 73 D–1997

(A) मृच्छकटिकम् में (B) अभिषेकम् में

(C) शाकुन्तलम् में (D) मुद्राराक्षसम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-241

119. (D) 120. (D) 121. (A) 122. (C) 123. (A) 124. (B) 125. (D) 126. (C) 127. (B) 128. (B) 129. (A) 130. (C)

131. गृहिणी किम् उच्यते? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) वनम् (B) गृहम्

(C) धनम् (D) उद्यानम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-231

132. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है–UP TGT–2009

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में सात अङ्क हैं।

(B) शाकुन्तलम् की कथा महाभारत के आदिपर्व में वर्णित है।

(C) कालिदास वैदर्भी रीति के कवि हैं।

(D) मालविकाग्निमित्रम् नाटक में सात अङ्क हैं।

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-326

133. दुष्यन्त के साथ शकुन्तला का विवाह सम्पन्न होने पर उसकी सखियाँ हो जाती हैं– UP TGT–2003

(A) प्रसन्न (B) चिन्तित

(C) क्रोधित (D) ईर्ष्याग्रस्त

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-180

134. (i) ''अविश्रमोऽयं लोकतन्त्राधिकारः'' इस उक्ति से युक्त नाटक है। UP PGT–2000, BHU MET–2016

(ii) 'अविश्रमोऽयं लोकतन्त्राधिकारः' यह उक्ति कहाँ है?

(A) मुद्राराक्षसम् में (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में

(C) मृच्छकटिकम् में (D) इनमें से किसी में नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-249

135. ''अहो रागपरिवाहिणी गीतिः'' राजा दुष्यन्त का यह कथन किसकी प्रशंसा में है– UP PGT–2005

(A) शकुन्तला के गाने पर (B) प्रियंवदा के गाने पर

(C) हंसपदिका के गाने पर (D) गौतमी के गाने पर

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-243

136. (i) 'स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वमममानुषीषु'– इस उक्ति से युक्त नाटक है– UP PGT–2004, 2009,

(ii) ''स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वमममानुषीषु'' यह सूक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? H-TET–2015

(iii) 'स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वमममानुषीषु सन्दृश्यते' इति उक्तिः कुत्र– UGC 25 D–2014

(A) उरुभङ्गम् (B) मालविकाग्निमित्रम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) विक्रमाङ्कचरितम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-287

137. ''श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत्समागतम्'' किस नाटक का श्लोक है? UP PGT–2009

(A) मुद्राराक्षसम् (B) उत्तररामचरितम्

(C) विक्रमोर्वशीयम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/29)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–441

138. ''श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्'' इदं वाक्यमस्ति? UGC 25 D–2006

(A) स्वप्नवासवदत्ते (B) मुद्राराक्षसे

(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3/11)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-155

139. ''यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया''– कस्य वचनमिदम्? BHU AET–2012, UGC 25 J–2012

(A) दुष्यन्तस्य (B) कण्वस्य

(C) शारद्वतस्य (D) गौतम्याः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/6)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-208

140. ''भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र'' किस ग्रन्थ की उक्ति है? BHU MET–2008

(A) महाभारतम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) हितोपदेश

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/16)-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-38

141. ''राजरक्षितव्यानि तपोवनानि नाम'' यह वाक्य किस नाटक में है? BHU MET–2008

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) रत्नावली

(C) वेणीसंहारम् (D) प्रतिमानाटकम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-61

142. ''पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलम्'' किस काव्य की उक्ति है? BHU MET–2010

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) शिशुपालवधम्

(C) किरातार्जुनीयम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–213

143. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य नान्दीपाठः कस्मिन् छन्दसि भवति– MGKV Ph. D–2016

(A) शिखरिणी (B) स्रग्धरा

(C) मन्दाक्रान्ता (D) शार्दूलविक्रीडित

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-05

131. (B) 132. (D) 133. (A) 134. (B) 135. (C) 136. (C) 137. (D) 138. (C) 139. (B) 140. (C) 141. (A) 142. (A) 143. (B)

144. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' में कन्या की उपमा किस उपमान के साथ दी गयी है? UP TGT–2011

(A) कमलिनी के साथ (B) चाँदनी के साथ

(C) धरोहर के साथ (D) ब्याज के साथ

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

145. ''अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्'' यह उक्ति कहाँ की है? BHU AET–2009, BHU MET–2013

(A) प्रतिमानाटकम् (B) रघुवंशम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-267

146. (i) ''अतिस्नेहः पापशङ्की'' इति सूक्तिः कस्मिन् नाटके विद्यते–

(ii) ''अतिस्नेहः पापशङ्की'' यह सूक्ति किस ग्रन्थ की है– UP TGT–2009, RPSC SET–2010

(A) नीतिशतकम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(C) उत्तररामचरितम् (D) शिवराजविजयम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-235

147. ''न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम'' सूक्ति है– UP TGT–2010

(A) किरातार्जुनीयम् की (B) शिवराजविजयम् की

(C) शुकनासोपदेश की (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम् की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

148. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्'' इति कस्य पंक्तिः? RPSC ग्रेड-I (TGT)–2010, BHU AET–2010

(A) विक्रमोर्वशीयस्य (B) नैषधीयचरितस्य

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य (D) महाभारतस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-46

149. (i) ''न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्'' इत्युक्तिः वर्तते– UP GDC–2012

(ii) 'न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्' उक्ति है– G GIC–2013, UP PGT–2011

(A) उत्तररामचरिते (B) मृच्छकटिके

(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) नैषधीयचरिते

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/26)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-73

150. ''लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु'' श्लोकांशोऽयं तिष्ठति– UP GDC–2012

(A) मृच्छकटिके (B) मेघदूते

(C) रघुवंशे (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

151. ''भावस्थिराणि जननान्तसौहृदानि'' यह उक्ति है– UGC 73 J–1998

(A) मालविकाग्निमित्रे (B)मेघदूते

(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) विक्रमोर्वशीये

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–245

152. ''तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु'' यह श्लोकांश 'शाकुन्तलम्' के किस अङ्क से है? UP TET–2014

(A) प्रथम अङ्क (B) द्वितीय अङ्क

(C) तृतीय अङ्क (D) चतुर्थ अङ्क

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

153. (i) ''को नामोष्णोदकेन नवमालिकां सिञ्चति'' यह कथन किसका है? UP TGT–1999, UP PGT–2009,

(ii) 'को नामोष्णोदकेन नवमालिकां सिञ्चति' कथन है– 2011, UP TET–2014, BHU MET–2011

(A) शकुन्तला (B) प्रियंवदा

(C) अनसूया (D) गौतमी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

154. ''कुसुममिव.........यौवनमङ्गेषु सन्नद्धम्''– BHU AET–2011

(A) लोभनीयं (B) दर्शनीयं

(C) वर्णनीयं (D) रूपरम्यं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/21)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-50

155. अथवा .... द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र। BHU AET–2011

(A) देवदत्तानां (B) भवितव्यानां

(C) प्रार्थितव्यानां (D) धर्मकृत्यानां

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/16)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-38

144. (C) 145. (C) 146. (B) 147. (D) 148. (C) 149. (C) 150. (D) 151. (C) 152. (D) 153. (B) 154. (A) 155. (B)

156. ''अये, लब्धं नेत्रनिर्वाणम्'' इति कः कथयति अभिज्ञानशाकुन्तले? BHU AET–2010

(A) दुष्यन्तः (B) शकुन्तला
(C) मातलिः (D) विदूषकः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-140

157. ''सरस्वती श्रुतमहतां महीयताम्'' इति कस्य नाटकस्य भरतवाक्येऽस्ति? BHU AET–2010

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) विक्रमोर्वशीयम् (D) मालविकाग्निमित्रम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/35)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453

158. ''इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि'' इति सूक्तिः अस्ति– UP GDC–2013

(A) कालिदासस्य (B) भवभूतेः
(C) बाणभट्टस्य (D) श्रीहर्षस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/3)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-192

159. ''गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति'' इति श्लोकः लभ्यते– UP GDC–2013

(A) मालविकाग्निमित्रे (B) उत्तररामचरिते
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मेघदूते

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/16)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-225

160. (i) ''आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।।'' यह श्लोक किस काव्य का है? UP PGT–2000, 2003

(ii) 'आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्' किस ग्रन्थ में यह उक्ति है? BHU MET–2010

(A) उत्तररामचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-8

161. ''वामाः कुलस्याधयः'' यह उक्ति किस ग्रन्थ में वर्णित है? UP TGT–2013

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) नीतिशतकम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

162. ''कामी स्वतां पश्यति'' यह सूक्ति है–UP PGT–2000

(A) दुष्यन्त की (B) कण्व की
(C) शकुन्तला की (D) दुर्वासा की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-95

163. शकुन्तलायाः एकस्याः सख्याः नाम आसीत्– K/T SET–2013

(A) प्रियवंदा (B) उर्वशी
(C) महाश्वेता (D) उर्मिला

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज-100

164. अभिज्ञानशाकुन्तले कयोः रसयोरपूर्वसम्मेलन विद्यते? KL SET–2015

(A) शृङ्गार-वीरयोः (B) शृङ्गार-हास्ययोः
(C) शृङ्गार-करुणयोः (D) शृङ्गार-शान्तयोः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-487

165. ''ज्वलति चलितेन्धनोऽग्निर्विप्रकृतः पन्नगः फणां कुरुते। प्रायः स्वं महिमानं क्षोभात् प्रतिपद्यते हि जनः।।'' यह श्लोक निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है– UP PGT–2000

(A) मृच्छकटिकम्/शूद्रक (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्/मातलि
(C) उत्तररामचरितम्/लव (D) किरातार्जुनीयम्/द्रौपदी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/31)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-385

166. ''अचेतनं नाम गुणं न लक्षयेत्'' यह पंक्ति किसने किससे कही? UP PGT–2005

(A) दुष्यन्त ने धीवर से (B) विदूषक ने दुष्यन्त से
(C) धीवर ने मन में (D) दुष्यन्त ने अँगूठी से

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/13)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-350

167. ''अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात् संगतं रहः'' अभिज्ञानशाकुन्तलम् में यह उक्ति किसकी है? UP PGT–2009, AWES TGT–2012

(A) कण्व की (B) मारीच की
(C) दुष्यन्त की (D) शार्ङ्गरव की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/24)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-291

156. (A) 157. (B) 158. (A) 159. (C) 160. (C) 161. (B) 162. (A) 163. (A) 164. (C) 165. (B) 166. (D) 167. (D)

168. 'सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं'' किस नाटक से उद्धृत है? UP PGT–2009, UGC 73 J–2008

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मालविकाग्निमित्रम् (D) विक्रमोर्वशीयम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-46

169. ''अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमलूनं'' वचन किसके सम्बन्ध में है? UP PGT–2009

(A) प्रियंवदा के (B) शकुन्तला के
(C) गौतमी के (D) अनसूया के

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-115

170. ''प्रवर्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः........ पुनर्भवं परिगत शक्तिरात्मभूः'' यह भरतवाक्य किस ग्रन्थ का है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) मृच्छकटिकम् (B) मालविकाग्निमित्रम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/35)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453

171. ''न तादृशा आकृतिविशेषा गुणविरोधिनो भवन्ति'' प्रियंवदा द्वारा उक्त वाक्य किसके लिए है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) दुष्यन्त (B) शकुन्तला
(C) महर्षि कण्व (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-180

172. ''दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।
अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव॥''
यह सूचना कण्व को किससे प्राप्त हुई? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) गौतमी (B) अनसूया
(C) प्रियंवदा (D) छन्दोमयी वाणी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/4)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

173. 'शकुन्तला के गर्भ में दुष्यन्त का तेज पल रहा है'–यह कण्व को किसके द्वारा पता चला? UP PGT–2011

(A) गौतमी द्वारा
(B) अनसूया एवं प्रियंवदा द्वारा
(C) कण्व के तपोवन वृक्षों द्वारा
(D) अशरीरिणी छन्दोमयी वाणी द्वारा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

174. ''सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्'' यह किससे कहा गया? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) वनदेवियों से (B) लता-पादपों से
(C) सखियों से (D) पशु-पक्षियों से

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

175. (i) ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्'' यह इसमें है– UGC 25 J–1998, 2000, D–2003
(ii) 'किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्' यह सूक्ति मिलती है?

(A) उत्तररामचरितम् (B) मालतीमाधवम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) विक्रमोर्वशीयम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-46

176. ''यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः'' यह सूक्ति किस नाटक से है? UGC 25 J–1999, 2009

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

177. ''शुश्रूषस्व गुरून्'' श्लोक है– UGC 25 J–2003

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) रघुवंशम् में
(C) उत्तररामचरितम् में (D) मुद्राराक्षसम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

178. (i) ''अर्थो हि कन्या परकीय एव'' सूक्ति सम्बद्ध है–
(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव पंक्तिरियं कस्मिन् काव्ये वर्तते? UGC 25 J–2004, UP TET–2014,
(iii) 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' यह उक्ति कहाँ की है?
(iv) 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' अयं श्लोकांशः कस्य नाटकस्य? CCSUM Ph. D–2016, BHU MET–2011, 2012, 2016, MH SET–2013

(A) वेणीसंहारम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) रत्नावली

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

179. ''तत्राऽपि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्'' इत्युक्तिः सङ्गच्छते– UGC 25 D–2004, BHU B.Ed–2012

(A) मृच्छकटिके (B) वेणीसंहारे
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) उत्तररामचरिते

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

168. (B) 169. (B) 170. (C) 171. (A) 172. (D) 173. (D) 174. (B) 175. (C) 176. (B) 177. (A) 178. (C) 179. (C)

180. 'पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं.........' इत्यस्ति– UGC 25 D–2005, D–2011

(A) स्वप्नवासवदत्तायाम् (B) उत्तररामचरिते
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

181. ''आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्'' इति वाक्यं वर्तते– UGC 25 J–2008

(A) भासस्य (B) भारवेः
(C) भवभूतेः (D) कालिदासस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-8

182. (i) ''अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्'' इति वाक्यं अस्ति–
(ii) 'अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्' इति कस्य कथनमस्ति– UGC 25 D–2008, MGKV Ph. D–2016

(A) भरतस्य (B) दुष्यन्तस्य
(C) युधिष्ठिरस्य (D) रघोः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-267

183. 'वत्से! सुशिष्यपरिदत्ता विद्येवाशोचनीयासि संवृत्ता'' कस्येयमुक्तिः– UGC 25 J–2013

(A) दुष्यन्तस्य (B) कण्वस्य
(C) गौतम्याः (D) शकुन्तलायाः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-197

184. 'आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि'–अभिज्ञानशाकुन्तले कस्य वचनमिदम्? UGC 25 D–2013, UP GDC–2012, UP PGT–2011

(A) वैखानसस्य (B) दुष्यन्तस्य
(C) कण्वस्य (D) अनसूयायाः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/11)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-26

185. 'गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः'' कस्य उक्तिरियम्– UGC 25 J–2014

(A) कण्वस्य (B) दुष्यन्तस्य
(C) गौतम्याः (D) शार्ङ्गरवस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/34)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-89

186. अभिज्ञानशाकुन्तल में ''मृगानुसारिणं साक्षात्पश्यामीव पिनाकिनम्'' किसने कहा है? BHU MET–2011, 2012

(A) विदूषक (B) कण्व
(C) सूत (D) तापस

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/6)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-15

187. किसने कहा है ''अस्ति कालनेमिप्रसूतिर्दुर्जयो नाम दानवगणः''– BHU MET–2011

(A) दुष्यन्त (B) विदूषक
(C) शार्ङ्गरव (D) मातलि

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-384

188. ''तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु'' यह किस पात्र का कथन है– UP TGT–1999

(A) काश्यप (B) कण्वशिष्य
(C) अनसूया (D) प्रियंवदा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

189. 'उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः।।' उपर्युक्त पद्य किस पात्र द्वारा कहा गया है? UP TGT–1999

(A) काश्यप द्वारा (B) अनसूया द्वारा
(C) प्रियंवदा द्वारा (D) गौतमी द्वारा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/12)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-217

190. ''कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव'' यह श्लोकांश है– UP TGT–2001

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) शुकनासोपदेश में
(C) शिवराजविजयम् में (D) मेघदूतम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-184

191. ''पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः'' यह उक्ति किसकी है? UP TGT–2001

(A) प्रियंवदा की (B) अनसूया की
(C) गौतमी की (D) कण्व की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/6)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-208

180. (C) 181. (D) 182. (B) 183. (B) 184. (A) 185. (B) 186. (C) 187. (D) 188. (B) 189. (C) 190. (A) 191. (D)

192. सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं.......... रिक्तस्थान की पूर्ति करें– UP TGT–2001

(A) सर्वैरनुज्ञायताम् (B) नादत्ते
(C) अनुमतगमना (D) स्नेहेन

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

193. ''अर्थो हि कन्या परकीय एव'' किसके लिए कहा गया है– UP TGT–2001

(A) शकुन्तला के लिए (B) प्रियंवदा के लिए
(C) अनसूया के लिए (D) गौतमी के लिए

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

194. ''तन्माऽतिमात्रं मम कृत उत्कण्ठस्व'' यह कथन किसका है– UP TGT–2001

(A) काश्यप का (B) शकुन्तला का
(C) प्रियंवदा का (D) अनसूया का

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-238

195. ''गच्छ पादयोः प्रणम्य निवर्तयैनम्'' यह कथन है– UP TGT–2003

(A) अनसूया का प्रियंवदा के प्रति
(B) प्रियंवदा का अनसूया के प्रति
(C) शकुन्तला का अनसूया के प्रति
(D) अनसूया का शकुन्तला के प्रति

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-185

196. ''अभिज्ञानाभरणदर्शनेन शापो निवर्तिष्यत'' इति यह उक्ति है– UP TGT–2004

(A) कण्व की (B) अनसूया की
(C) दुर्वासा की (D) गौतमी की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-188

197. ''सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्'' उक्ति है– UP TGT–2004

(A) कण्व की (B) शकुन्तला की
(C) अनसूया की (D) प्रियंवदा की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

198. ''पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलम्'' यह उक्ति है– UP TGT–2004

(A) कण्व की (B) अनसूया की
(C) प्रियंवदा की (D) शकुन्तला की

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

199. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्''– वाक्य किसके बारे में कहा गया है– UP TGT–2004

(A) दुर्वासा (B) शकुन्तला
(C) कण्व (D) मेनका

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-46

200. 'मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति' इत्यत्र 'लक्ष्म' शब्दस्य कोऽर्थः? UGC 73 J–2016

(A) चिह्नम् (B) पुष्पम्
(C) लयः (D) शोभा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-47

201. 'अथवाऽनार्यः परदारव्यवहारः' यह कथन है– UP PGT–2011

(A) तापसी (B) गौतमी
(C) मातलि (D) दुष्यन्त

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-421

202. ''शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः'' यह उक्ति किसकी है? UP TGT–2005, UP PGT–2011

(A) कण्व की (B) प्रियंवदा की
(C) आकाशभाषित की (D) कण्वशिष्य की

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/11)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-215,216

203. 'अयं जनः कस्य हस्ते समर्पितः' यह कथन है? UP TGT–2005, UP PGT–2011

(A) शकुन्तला का (B) अनसूया और प्रियंवदा का
(C) कण्व का (D) कण्व शिष्य का

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-221

204. ''रक्षितव्या खलु प्रकृतिपेलवा प्रियसखी''–यह कथन है– UP TGT–2005

(A) अनसूया का शकुन्तला के प्रति
(B) प्रियंवदा का शकुन्तला के प्रति
(C) अनसूया का प्रियंवदा के प्रति
(D) कण्व का शकुन्तला के प्रति

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-189

192. (A) 193. (A) 194. (B) 195. (A) 196. (C) 197. (A) 198. (A) 199. (B) 200. (A) 201. (D) 202. (C) 203. (B) 204. (A)

205. (i) ''अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः'' यह वक्तव्य किसका है?
(ii) 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' शाकुन्तले कस्येयम् उक्तिः? UP TGT–2009, 2010, G GIC–2015

(A) गौतमी का (B) दुष्यन्त का
(C) काश्यप का (D) मेनका का

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

206. ''कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति'' यह कथन है– UP TGT–2009

(A) प्रियंवदा का (B) अनसूया का
(C) कण्व का (D) गौतमी का

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-185

207. ''ओदकान्तं स्निग्धोजनोऽनुगन्तव्य इति श्रूयते'' यह कथन किसका है? UP TGT–2010, UP PGT–2011

(A) कण्व का (B) अनसूया का
(C) प्रियंवदा का (D) कण्व शिष्य शार्ङ्गरव का

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-225

208. अभिज्ञानशाकुन्तले परित्यागानन्तरं शकुन्तला कुत्र न्यवसत्? RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) कण्वाश्रमे (B) अत्र्याश्रमे
(C) वसिष्ठाश्रमे (D) मारीचाश्रमे

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज-40-41

209. ''श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत्समागतम्'' इति को निरूपयति– BHU AET–2012

(A) अदितिः (B) मातलिः
(C) मारीचः (D) कण्वः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/29)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-441

210. ''मनोरथा नाम तटप्रपाताः'' इयम् उक्तिः उपलभ्यते– UGC 25 D–2014

(A) रत्नावल्याम् (B) वेणीसंहारे
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-344

211. निम्नलिखित पंक्तौ छन्दसः नाम निर्दिशतु
''असंशयं क्षत्र परिग्रहक्षमा,
यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः॥'' UGC 25 D–2014

(A) वंशस्थम् (B) द्रुतविलम्बितम्
(C) शालिनी (D) वसन्ततिलका

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54-55

212. 'प्रवर्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः'' इति भरतवाक्यांशः कस्यास्ति– UP GDC–2013

(A) भवभूतेः (B) कविकर्णपूरस्य
(C) महिमभट्टस्य (D) कालिदासस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/35)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453

213. ''अस्ति कालनेमिप्रसूतिर्दुर्जयो नाम दानवगणः'' इस पंक्ति को कौन कहता है? BHU MET–2012, 2016

(A) दुष्यन्त (B) मातलि
(C) विदूषक (D) कण्व

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-384

214. सागरमुज्झित्वा कुत्र वा महानद्यवतरति– UP PGT–2011

(A) रामायणम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) रघुवंशम् (D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-151

215. 'रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्' सूक्ति है– WB SET–2010

(A) मेघदूत (B) कादम्बरी
(C) रत्नावली (D) अभिज्ञानशाकुन्तल

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-245

216. ''स्वप्नो नु माया नु मतिभ्रमो नु''– निम्नाङ्कितेषु कतस्मिन् समुपलभ्यते– WB SET–2010

(A) स्वप्नवासवदत्ते (B) हर्षचरिते
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मेघदूते

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-344

217. 'परमार्थेन न गृह्यतां वचः'-कं प्रत्युक्तिरियम्– KL SET–2016

(A) राजानम् (B) सेनापतिम्
(C) जयन्तम् (D) विदूषकम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

205. (C) 206. (B) 207. (D) 208. (D) 209. (C) 210. (C) 211. (A) 212. (D) 213. (B) 214. (B) 215. (D) 216. (C) 217. (A)

218. अरण्ये मया रुदितमासीत् - शाकुन्तले कस्य वचनमिदम्? KL SET–2014

(A) राज्ञः (B) विदूषकस्य

(C) कण्वस्य (D) शारद्वतस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-100

219. 'पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या'– उक्तिरियं कस्य पात्रस्य अस्ति– T-SET–2014

(A) काश्यपस्य (B) शार्ङ्गरवस्य

(C) प्रियंवदायाः (D) दुष्यन्तस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-213

220. 'स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वममानुषीषु सन्दृश्यते किमुत याः प्रतिबोधवत्यः' अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्तिः कस्य? UGC 25 Jn–2017

(A) शार्ङ्गरवस्य (B) शारद्वतस्य

(C) दुष्यन्तस्य (D) सोमरातस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-287

221. ''अहिणवमहुलोलुवो तुमं तह परिचुम्बि अ''– इत्यादिसङ्गीतं भवति– UGC 25 D–2015

(A) हंसपदिकायाः (B) अनसूयायाः

(C) शकुन्तलायाः (D) प्रियंवदायाः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-242

222. ''सतीमपि ज्ञातिकुलैकसंश्रयां जनोऽन्यथा भर्तृमतीं विशङ्कते''– कस्येयमुक्तिः? UGC 25 D–2015

(A) दुष्यन्तस्य (B) शारद्वतस्य

(C) शार्ङ्गरवस्य (D) कण्वस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/17)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-273

223. देवयानी .... पत्नी आसीत्? GJ SET–2016

(A) शुक्राचार्यस्य

(B) विचित्रवीर्यस्य

(C) धृष्टद्युम्नस्य

(D) ययातेः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-211

224. 'शुश्रूषस्व गुरून् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने' – पंक्ति में निहित छन्द का नाम है– H TET–2015

(A) स्रग्धरा

(B) शार्दूलविक्रीडितम्

(C) पुष्पिताग्रा

(D) वियोगिनी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-229

225. ''तीव्राघातप्रतिहततरुः स्कन्धलग्नैकदन्तः'' केन छन्दसा विनिर्मितोऽयं श्लोकपादः? UGC 25 D–2015

(A) हरिणी

(B) शिखरिणी

(C) मन्दाक्रान्ता

(D) मालिनी

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/33)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-85,86

226. ''भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि'' इति केनोक्तम्? K SET–2014

(A) कण्वेन (B) दुष्यन्तेन

(C) शारद्वतेन (D) कञ्चुकिना

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-245

218. (B) 219. (A) 220. (C) 221. (A) 222. (C) 223. (D) 224. (B) 225. (C) 226. (B)

10 उत्तररामचरितम्

1. (i) 'उत्तररामचरितम्' के रचयिता हैं?
(ii) 'उत्तररामचरितम्' किसकी रचना है?
UP TGT–2004, 2011, UP PGT (H)–2002, BHU MET–2008, BHU B. Ed–2012, UP TET–2016
(A) भारवि (B) भवभूति
(C) भर्तृहरि (D) भरतमुनि
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-36

2. (i) उत्तररामचरितम् में अङ्क की गिनती है–
(ii) 'उत्तररामचरितम्' में कुल कितने अङ्क हैं?
(iii) उत्तररामचरितम् में अङ्कों की संख्या है–
(iv) उत्तररामचरिते कति अङ्काः सन्ति?
UP TGT–2001, 2011, 2013, MH SET–2013, BHU B.Ed–2014, DL–2014
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 10
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-51

3. (i) करुणरसप्रधानं किं नाटकं प्रसिद्धम्?
(ii) 'करुणरस' प्रधान नाटक है–
(iii) किस नाटक का अङ्गीरस करुण रस है?
UP TGT–2001, UP PGT–2010, UGC 25 D–2004, J–2001, UGC 73 S–2013, UP GDC–2013, RPSC SET–2010, UK TET–2011
(A) मुद्राराक्षसम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) मालतीमाधवम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

4. 'उत्तररामचरितम्' में पात्रों की संख्या है–
UP TGT–2003
(A) 8 (आठ) (B) 30 (तीस)
(C) 5 (पाँच) (D) 12 (बारह)
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-140

5. (i) गर्भाङ्क इस नाटक में है– UP TGT–2009,
(ii) किस नाट्यकृति में गर्भाङ्क मिलता है?
UGC 25 J–1998
(A) मालतीमाधवम् (B) महावीरचरितम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-59

6. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क में कुल कितने श्लोक हैं? UP TGT–2009
(A) 46 (B) 42
(C) 48 (D) 38
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-261

7. विदूषक रहित रचना है? UP TGT–2009
(A) उत्तररामचरितम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) शिशुपालवधम् (D) नैषधीयचरितम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-62

8. भवभूति का सम्बन्ध किस कृति से नहीं है?
UP TGT–2010
(A) उत्तररामचरितम् (B) महावीरचरितम्
(C) बुद्धचरितम् (D) मालतीमाधवम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-36

9. भवभूति का सम्बन्ध है? UP TET–2013
(A) मालविकाग्निमित्रम् से (B) रघुवंशम् से
(C) अष्टाध्यायी से (D) उत्तररामचरितम् से
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-36

10. भवभूति का उत्कर्ष किस नाटक में है?
UGC 73 D–2010
(A) उत्तररामचरितम् में (B) महावीरचरितम् में
(C) मालतीमाधवम् में (D) नागानन्द में
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

1. (B)	**2. (C)**	**3. (B)**	**4. (B)**	**5. (C)**	**6. (C)**	**7. (A)**	**8. (C)**	**9. (D)**	**10. (A)**

11. (i) छायाङ्क अस्मिन् नाटके निबद्धमस्ति–
(ii) छाया अङ्क का सम्बन्ध किस नाटक से है–
(iii) छायाऽङ्कस्य योजना वर्तते? UP GDC–2012, UGC 25 J–2008, UP TGT–2010, 2013

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते
(C) मुद्राराक्षसे (D) प्रतिमानाटके

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-58

12. उत्तररामचरितम् नाटक रामायण के– UP TGT–2011

(A) पूर्वार्द्ध पर आधारित है।
(B) उत्तरार्द्ध पर आधारित है।
(C) सम्पूर्ण रामायण पर आधारित है।
(D) रामायण के एक अंश पर आधारित है।

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पेज-402,403

13. (i) उत्तररामचरिते अङ्गीरसः कः?
(ii) उत्तररामचरितस्य प्रधानो रसः–
(iii) उत्तररामचरितम् नाटक का मुख्य रस है– UGC 25 D-–1998, 2005, 2010, UPTGT (H)–2003, AWES TGT–2008, UP TGT–2003, 2004, 2005, 2011, UP PGT–2009

(A) वीरः (B) शृङ्गारः
(C) करुणः (D) हास्यः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-90

14. (i) 'भवभूति' का सर्वश्रेष्ठ नाटक है–
(ii) भवभूति की मुख्यनाट्यकृति है– UPTET–2014, AWES TGT–2010

(A) उत्तररामचरितम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) विक्रमोर्वशीयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

15. महाकवि भवभूति किस रस के प्रयोग में सिद्धहस्त हैं? UP TET–2014

(A) शृंगार रस (B) वीर रस
(C) करुण रस (D) शान्त रस

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-82

16. (i) 'उत्तररामचरितम्' में किस पात्र की भूमिका नगण्य है? UP TGT–2013,
(ii) उत्तररामचरितम् में निम्नलिखित में से कौन-सा पात्र नही है? UK TET–2011, UP PGT–2010

(A) सूत्रधार की (B) नायक की
(C) नायिका की (D) विदूषक की

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-126

17. उत्तररामचरिते 'पदवाक्यप्रमाणज्ञो भवभूतिर्नाम जतुकर्णीपुत्रः' इति केनोक्तम्? DU Ph.D–2016

(A) रामभद्रेण (B) सूत्रधारेण
(C) वाल्मीकिना (D) अष्टावक्रेण

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-03

18. उत्तररामचरितम् के तृतीय अङ्क में कवि की मौलिक कल्पना है? UP TGT–2011

(A) छाया-सीता व राम का दण्डकारण्य में पुनरागमन
(B) लक्ष्मण व सीता का मिलन
(C) वाल्मीकि आश्रम को छोड़कर सीता का दण्डकारण्य में प्रवेश
(D) इनमें से कोई नहीं

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-404

19. छाया-सीता के साथ दण्डकारण्य में आए राम का दर्शन करने वाला दूसरा पात्र है– UP TGT–2011

(A) भागीरथी (B) तमसा
(C) मुरला (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-58

20. अस्मिन्नाटके अन्तर्नाटकं विद्यते? K SET–2014

(A) मुद्राराक्षसे (B) प्रसन्नराघवे
(C) महावीरचरिते (D) उत्तररामचरिते

स्रोत–उत्तररामचरितम् – रामअवध पाण्डेय, भू. पेज-23

21. गर्भाङ्कस्य योजना केन नाटककारेण कृता? GJ SET–2013

(A) भासेन (B) कालिदासेन
(C) भवभूतिना (D) विशाखदत्तेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

11. (B) 12. (B) 13. (C) 14. (A) 15. (C) 16. (D) 17. (B) 18. (A) 19. (B) 20. (D) 21. (C)

22. उत्तररामचरितं .... प्रयुक्तं भवतीति सूत्रधारो विज्ञापयति– **GJ SET–2016**
(A) महाकालमन्दिरचत्वरे (B) कालप्रियानाथस्य यात्रायाम्
(C) नीलकण्ठोत्सवे (D) विश्वनाथमन्दिराभोगे
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-03

23. **(i) उत्तररामचरितस्य प्रथमाङ्कः उच्यते?**
(ii) भवभूतेः उत्तररामचरिते किं नाम प्रथमोऽङ्कः? **UGC 25 S–2013**
(A) कुमारप्रत्यभिज्ञानम् (B) पञ्चवटीप्रवेशः
(C) चित्रदर्शनम् (D) छाया
स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-96

24. **'चित्रदर्शनम्' इत्याख्यः अङ्कः कस्मिन् नाटके वर्तते?** **UP GDC–2014, WB SET–2010**
(A) मृच्छकटिके (B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) मालविकाग्निमित्रे (D) उत्तररामचरिते
स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-1) - कपिलदेव द्विवेदी पेज-96

25. **'उत्तररामचरितम्' में लवकुश के जन्म की किस वर्षगाँठ का वर्णन है?** **UP TGT–2013**
(A) आठवीं (B) दसवीं
(C) बारहवीं (D) चौदहवीं
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-162

26. **'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क का प्रारम्भ किससे होता है?** **UP TGT–2013**
(A) नान्दी (B) आकाशभाषित
(C) सूत्रधार (D) विष्कम्भक
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-165

27. **'उत्तररामचरितम्' नाटक का मङ्गलाचरण किस छन्द में है?** **UP TGT–2013**
(A) गायत्री (B) अनुष्टुप्
(C) उपजाति (D) वंशस्थ
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-01

28. **'उत्तररामचरितम्' के मङ्गलाचरण में किसकी वन्दना की गयी है?** **UP TGT–2013**
(A) शिव (B) विष्णु
(C) शक्ति (D) कवि तथा वाणी
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-01

29. **'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क में राम किससे अपनी व्यथा का वर्णन करते हैं?** **UP TGT–2001**
(A) वासन्ती से (B) तमसा से
(C) मुरला से (D) सीता से
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-49

30. **दुबारा दण्डकारण्य मे आये हुये राम के साथ किस पात्र को भवभूति ने तृतीय अङ्क में वर्णित किया है?** **UP TGT–2011**
(A) तमसा को (B) वासन्ती को
(C) मुरला को (D) भागीरथी को
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48-49

31. **'उत्तररामचरितम्' में वर्णित तमसा और मुरला हैं?** **UP TET–2011, UP TGT–2001, 2003, 2009**
(A) दो नदियाँ (B) वनदेवियाँ
(C) सीता की परिचारिका (D) लवकुश की परिचारिका
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-155

32. **उत्तररामचरितम् की कथावस्तु प्रारम्भ होती है?** **UP TGT–2003**
(A) शम्बूक वध के लिए राम के दण्डकारण्य जाने से
(B) राम द्वारा सीता के निर्वासन से
(C) राम-सीता के पुनर्मिलन से
(D) लव-कुश का चन्द्रकेतु युद्ध से
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-47

33. **(i) भवभूतिना उत्तररामचरितस्य कस्मिन्नङ्के छायादृश्यं प्रदर्शितम्?**
(ii) 'छायाङ्क' उत्तररामचरितम् का कौन-सा अङ्क है?
(iii) उत्तररामचरितस्य छायाङ्कः कथ्यते–
(iv) उत्तररामचरितस्य कः अङ्कः छाया इति अभिधीयते?
UP TGT–2003, 2001, 2009, 2010, 2013, RPSC SET–2013-14, UGC 25 D–2012, MGKV Ph.D–2016
(A) चतुर्थः (B) द्वितीयः
(C) पञ्चमः (D) तृतीयः
स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-262

22. (B) 23. (C) 24. (D) 25. (C) 26. (D) 27. (B) 28. (D) 29. (A) 30. (B) 31. (A) 32. (B) 33. (D)

34. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क में दो पात्रों के परस्पर संवाद में नाटकीय तत्त्वों का परिचय मिलता है–ये दो पात्र हैं– UP TGT–2003

(A) राम और वासन्ती (B) राम और मुरला

(C) तमसा और मुरला (D) सीता और तमसा

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48

35. कालप्रियानाथस्य यात्रायामभिनीतम्– GJ SET–2003

(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) उत्तररामचरितम्

(C) मृच्छकटिकम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-3

36. उत्तररामचरिते कः रसः– MH SET–2011

(A) करुणविप्रलम्भशृङ्गारः (B) हास्यः

(C) वीरः (D) शान्तः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

37. सीता राम को कितने वर्षों के अन्तराल पर देखती हैं? UP TGT–2004

(A) 12 वर्ष (B) 20 वर्ष

(C) 14 वर्ष (D) 10 वर्ष

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-58

38. 'उत्तररामचरित' के तृतीय अङ्क में घटनास्थल है? UP TGT–2004, 2013

(A) वाल्मीकि का आश्रम (B) अयोध्या

(C) सरयू नदी का तट (D) पञ्चवटी

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48

39. 'उत्तररामचरितम्' में सीता की सखी है? UP TGT–2004, UP GDC–2008

(A) लोपामुद्रा (B) वासन्ती

(C) मुरला (D) तमसा

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-132

40. ऋषि अगस्त्य की पत्नी है? UP TGT–2004, 2009

(A) वासन्ती (B) लोपामुद्रा

(C) गोदावरी (D) तमसा

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-155

41. रामचन्द्र 'छायासीता' को क्यों नहीं देख पाते? UP TGT–2004

(A) ऋषि के अभिशाप की वजह से।

(B) कण्व के आशीर्वाद की वजह से।

(C) सीता को दिये गये भागीरथी के आशीर्वाद की वजह से।

(D) सीता के स्वयं अदृश्या होने की वजह से।

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-181

42. 'छायाङ्क' का मुख्य कथानक है– UP TGT–2004

(A) राम-सीता मिलन (B) राम-सीता पुनर्मिलन

(C) विरहवेदना की अनुभूति (D) पतिभक्ति

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-78

43. दण्डकारण्य मे राम कितने वर्ष बाद दुबारा आए थे? UP TGT–2011

(A) आठ वर्ष बाद (B) दस वर्ष बाद

(C) बारह वर्ष बाद (D) चौदह वर्ष बाद

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-58

44. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीयाङ्क में किस नदी का उल्लेख है? UP TGT–2004

(A) कावेरी (B) कृष्णा

(C) गोदावरी (D) यमुना

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48

45. रामचन्द्र जी दुबारा दण्डकारण्य किसलिए गये थे? UP TGT–2005

(A) राक्षसों के वध के लिए

(B) ऋषियों के दर्शन के लिए

(C) दण्डकारण्य देखने के लिए

(D) तपस्या करते हुए शम्बूक को दण्ड देने के लिए

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-128

46. (i) तृतीय अङ्क मे सीतावियोग जन्य शोक के कारण मूर्च्छित राम को पुनः चेतना कैसे प्राप्त होती है?

(ii) मूर्च्छित राम को चेतना कैसे मिली? UP TGT–2005, 2011

(A) शीतल वायु के स्पर्श से (B) शीतल जल के स्पर्श से

(C) सीता के कर स्पर्श से (D) वाल्मीकि के आशीर्वाद से

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48, 177

34. (C)	**35. (B)**	**36. (A)**	**37. (A)**	**38. (D)**	**39. (B)**	**40. (B)**	**41. (C)**	**42. (B)**	**43. (C)**
44. (C)	**45. (D)**	**46. (C)**							

47. कौन-सा रस विवर्त प्राप्त कर लेता है? UP TGT–2005
(A) श्रृङ्गार (B) शान्त
(C) करुण (D) हास्य
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

48. 'उत्तररामचरितम्' नाटक में वर्णित वासन्ती है? UP TGT–2005
(A) राक्षसी (B) नदी
(C) लव-कुश की परिचारिका (D) सीता की सखी
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-132

49. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क को छायाङ्क कहते हैं? क्योंकि– UP TGT–2005
(A) इसमें राम को सीता का चित्र दिखाया जाता है।
(B) इस अङ्क में सीता की छाया सभी दर्शकों एवं पात्रों को दिखाई पड़ती है।
(C) इस अङ्क में राम को सीता की छाया दिखाई देती है।
(D) मञ्च पर उपस्थित सीता राम को नहीं दिखाई देती।
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-78

50. 'उत्तररामचरितम्' में किससे कुश एवं लव के जन्म का रहस्योद्घाटन होता है? UP TGT–2009
(A) विष्कम्भक द्वारा (B) प्रवेशक द्वारा
(C) चूलिका द्वारा (D) आकाशभाषित द्वारा
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-48

51. निम्नलिखित में से किसका सम्बन्ध 'उत्तररामचरितम्' से नहीं है? UP TGT–2010
(A) विदूषक का अभाव (B) करुणरस की प्रधानता
(C) गर्भाङ्क की योजना (D) अष्टपदा नान्दी
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-05

52. 'प्रत्युप्तस्येव दयिते तृष्णादीर्घस्य चक्षुषः। मर्मच्छेदोपमैर्यत्नैः सन्निकर्षो निरुध्यते॥' इस श्लोक के 'प्रत्युप्तस्येव' इस पद में अलङ्कार है? UP TGT–2010
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) दृष्टान्त
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/46)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-258,259

53. ''आश्च्योतनं नु हरिचन्दनपल्लवानाम्'' में 'नु' किस अलङ्कार का वाचक है? UP TGT–2010
(A) उत्प्रेक्षा (B) भ्रान्तिमान्
(C) अतिशयोक्ति (D) सन्देह
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/11)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-178,179

54. अगस्त्याश्रम में राम के रहने के लिए पर्णकुटी का निर्माण किसने किया था? UP PGT–2000
(A) अगस्त्य (B) शिव
(C) राम (D) लक्ष्मण
स्रोत–कादम्बरी कथामुखम् -तारिणीश झा, पेज-170

55. (i) 'उत्तररामचरितम्' में राम किस कोटि के नायक हैं?
(ii) महाकवि भवभूति के राम किस प्रकृति के नायक हैं?
UP PGT–2009, UP TGT–2013
(A) धीरललित (B) धीरोदात्त
(C) धीरप्रशान्त (D) धीरोद्धत
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/32) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-65

56. सीता परित्याग के बाद पुनः राम और सीता का मिलन वर्णित है– UP TET–2014
(A) प्रतिमानाटकम् में (B) उत्तररामचरितम् में
(C) महावीरचरितम् में (D) रघुवंशम् में
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-59, 60

57. 'उत्तररामचरितम्' में किस काल के समाज एवं संस्कृति का वर्णन है? UP TET–2014
(A) महाभारतकालीन (B) रामायणकालीन
(C) पुराणकालीन (D) इनमें से किसी का नहीं
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-62

58. 'आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा' इत्यस्ति? UGC–25 J–2007
(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते
(C) मृच्छकटिके (D) महावीरचरिते
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/12) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-25

47. (C) 48. (D) 49. (D) 50. (A) 51. (D) 52. (B) 53. (D) 54. (D) 55. (B) 56. (B) 57. (B) 58. (B)

59. ''भवभूतिमहाकवेरिमां निरर्गलतरङ्गिणी'' इति वदन्ति– **UGC 25 D–2012**
(A) स्रग्धरा (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शिखरिणी (D) वसन्ततिलका
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-530

60. ''वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि'' इत्यत्र किं छन्दः? **UGC 25 D–2013**
(A) अनुष्टुप् (B) शिखरिणी
(C) वसन्ततिलका (D) पुष्पिताग्रा
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

61. 'वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि' इति केनोक्तम्? **K SET–2013**
(A) वाल्मीकिना (B) भवभूतिना
(C) भासेन (D) कालिदासेन
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

62. छाया-सीता इसमें आती है? **UGC 25 D–1998**
(A) मृच्छकटिकम् (B) मुद्राराक्षसम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) रत्नावली
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-58

63. 'उत्तररामचरित' नाटक की विशेषता है? **UGC 25 D–2001**
(A) गर्भाङ्क की योजना (B) छाया सीता का प्रयोग
(C) विदूषक रहित रचना (D) सभी
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-58,59,62

64. छायाङ्क .... में है? **UGC 25 D–2002**
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) वेणीसंहारम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-262

65. अन्तःकरणतत्त्वस्य दम्पत्योः स्नेहसंश्रयात्। आनन्दग्रन्थिरेकोऽयमपत्यमिति पठ्यते॥ इस श्लोक में किसका महत्त्व प्रतिपादित है? **UK TET–2011, UP PGT–2010**
(A) प्रेम का महत्त्व (B) पति का महत्त्व
(C) पत्नी का महत्त्व (D) पुत्र का महत्त्व
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/17) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-196

66. तमसा और मुरला दोनों नदियाँ किस काव्य की पात्र हैं? **BHU MET–2010**
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) महावीरचरितम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) वेणीसंहारम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-140

67. उत्तररामचरिते भवभूतिना कस्मिन् अङ्के भरतस्य उल्लेखः कृतः? **DU M.Phil–2016**
(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) चतुर्थे
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-320

68. उत्तररामचरिते कस्य पात्रस्य नाट्यमञ्चे दर्शनं न भवति? **DU M.Phil–2016**
(A) वसिष्ठस्य (B) शत्रुघ्नस्य
(C) लवणस्य (D) उक्तानां त्रयाणामपि
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-140

69. उत्तररामचरिते शम्बूकमुनिः कतमं लोकं प्राप्नोति– **DU M.Phil–2016**
(A) यमलोकम् (B) वैराजम्
(C) मर्त्यलोकम् (D) उक्तेषु कमपि न
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/12) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-127

70. उत्तररामचरितस्य उपजीव्यो ग्रन्थः कः अस्ति? **K SET–2014**
(A) वाल्मीकिरामायणम् (B) अध्यात्मरामायणम्
(C) रामचरितमानसम् (D) भुशुण्डिरामायणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-402,403

71. उत्तररामचरिते कतमः अङ्कः 'गर्भाङ्कः' इति नाम्ना प्रसिद्धः– **UK SET–2015**
(A) प्रथमोऽङ्कः (B) तृतीयोऽङ्कः
(C) सप्तमोऽङ्कः (D) पञ्चमोऽङ्कः
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-59

72. 'दिष्ट्याऽपरिहीनधर्मः खलु स राजा' संवादेन भवभूतिः परिचाययति– **UP GDC–2013**
(A) जननायकम् (B) कुलगुरुम्
(C) श्रीरामम् (D) कलियुगम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-172

59. (C) 60. (A) 61. (B) 62. (C) 63. (D) 64. (B) 65. (D) 66. (C) 67. (D) 68. (D) 69. (B) 70. (A) 71. (C) 72. (C)

73. भागीरथी 'उत्तररामचरितम्' में किसकी पूजा करने के बहाने सीता को लाती है? UP TGT–2013

(A) शिव (B) विष्णु
(C) ब्रह्मा (D) सूर्य

स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-162

74. 'उत्तररामचरितम्' में अदृश्यरूप में सीता किसके साथ पञ्चवटी में आती हैं? UP TGT–2013

(A) गोदावरी (B) गंगा
(C) तमसा (D) वासन्ती

स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-161-162

75. करुण के रस-राजत्व की प्रतिष्ठापना किस ग्रन्थ द्वारा की गई? UP TGT (H)–2004, 2005

(A) रघुवंशम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) प्रतिमानाटकम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

76. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अङ्क का सम्बन्ध किससे है? UP PGT (H)–2009

(A) वाल्मीकि के आश्रम से (B) अयोध्या से
(C) सरयू के तट से (D) पञ्चवटी से

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-48

77. शान्ता थी– UGC 73 J–1991

(A) दशरथ की पुत्री (B) राम की पुत्री
(C) ऋषिकन्या (D) विदुषी

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

78. 'सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति' का अर्थ है– UP PGT–2010

(A) सज्जनों का सत्य के साथ मिलन बड़े पुण्य से होता है।
(B) सज्जनों का सज्जनों के साथ मिलन बड़े पुण्य से होता है।
(C) सत्य का सज्जनों से मिलना पुण्यकारी है।
(D)सज्जनों का दुर्जनों से मिलन पुण्यकारी नहीं है।

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-97, 98

79. ''प्रियाशोको जीवं कुसुममिव घर्मो ग्लपयति'' यह उक्ति किससे सम्बन्धित है? UP PGT–2002

(A) मृच्छकटिकम् (B) मुद्राराक्षसम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) मालविकाग्निमित्रम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/30) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-220

80. ''गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः'' सूक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है?

UP PGT–2002, 2005, 2013, CCSUM Ph.D–2016

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् (4/11) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-291

81. (i)''वितरति गुरुः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जडे'' इत्युक्तिः कस्मिन् नाटके आयाति? MGKV-Ph. D–2016

(ii) 'वितरति गुरुः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जडे' उक्तिः केन ग्रन्थेन सम्बद्धा अस्ति? UGC 25 J–2012, D–2012

(A) महावीरचरिते (B) मालतीमाधवे
(C) मालविकाग्निमित्रे (D) उत्तररामचरिते

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-105

82. (i)''एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्'' इयमुक्तिः कुत्रोपलभ्यते– UGC 25 J–2014, 1995,

(ii)'एको रसः करुण एव' कुत्र वर्तते इदं वाक्यम्?

(iii) 'एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्' से सम्बद्ध रचना है? UP TGT–2009, GJ SET–2007, G GIC–2015, K SET–2014, AWES TGT–2012

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मुद्राराक्षसम्
(C) वेणीसंहारम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

83. ''तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः'' यह उक्ति किसे लक्ष्य करके कही गयी है– BHU MET–2014

(A) सीता (B) द्रौपदी
(C) राम (D) दमयन्ती

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/13) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 27

84. ''दिष्ट्या अपरिहीनधर्मः खलु स राजा'' उक्तिरियम् उत्तररामचरिते वर्तते– UP GDC–2012

(A) आत्रेय्याः (B) तमसायाः
(C) वासन्त्याः (D) सीतायाः

स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-172

73. (D) 74. (B) 75. (B) 76. (D) 77. (A) 78. (B) 79. (C) 80. (D) 81. (D) 82. (D) 83. (A) 84. (D)

85. 'एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्' उक्तिरियम् उत्तररामचरितेऽस्ति? UP GDC–2012, UGC 25 J–2016
(A) मुरलायाः (B) सीतायाः
(C) तमसायाः (D) वासन्त्याः
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

86. (i) उत्तररामचरितम् में निम्नलिखित उक्ति किसकी है– ''त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयं, त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमङ्गे। इत्यादिभिः प्रियशतैरनुरुध्य मुग्धां तामेव शान्तमथवा किमतः परेण।।'' UP GDC–2008
(ii) ''त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयम्'' उत्तररामचरित में यह किसकी उक्ति है? UP TGT–2001, 2005
(A) राम की (B) भरत की
(C) कौशल्या की (D) वासन्ती की
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/26) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-212

87. (i) ''ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति'' मतं कस्य अस्ति? UP GDC–2013
(ii) 'ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति''– यह सूक्ति किस कवि की है? UGC 25 J–1999
(A) श्रीहर्षस्य (B) भवभूतेः
(C) विशाखदत्तस्य (D) चाणक्यस्य
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

88. ''अनिर्भिन्नो गभीरत्वादन्तर्गूढघनव्यथः'', यह किस कवि ने और किस सन्दर्भ में कहा है? UP TGT–1999
(A) कालिदास ने मेघ के वर्णन में।
(B) भारवि ने द्रौपदी के व्यथा वर्णन में।
(C) भवभूति ने राम के करुण रस वर्णन में
(D) भर्तृहरि ने मूर्ख (जड़) के वर्णन में।
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-156

89. ''स्नपयति हृदयेशं स्नेहनिष्यन्दिनी ते, धवलमधुरमुग्धा दुग्धकुल्येव दृष्टिः'' उपर्युक्त पद्यांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP TGT–1999
(A) उत्तररामचरितम् से (B) मेघदूतम् से
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से (D) नीतिशतकम् से
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/23) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-206

90. 'तोयस्येवाप्रतिहतरयः सैकतं सेतुमोघः'' श्लोकांश है? UP TGT–2001
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से (B) नीतिशतकम् से
(C) मेघदूतम् से (D) उत्तररामचरितम् से
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/36) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 228

91. ''करुणस्य मूर्तिरथवा शरीरिणी विरहव्यथेव वनमेति जानकी'' यह कथन किसका है? UP TGT–2001
(A) मुरला का (B) सीता का
(C) राम का (D) तमसा का
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-164

92. 'ईदृशानां विपाकोऽपि जायते परमाद्भुतः'' यह कथन है– UP TGT–2003
(A) मुरला का (B) तमसा का
(C) गोदावरी का (D) लोपामुद्रा का
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-160

93. ''अविदितगतयामा रात्रिरेव व्यरंसीत्'' उत्तररामचरित में यह किसकी उक्ति है? UP TGT–2004
(A) तमसा की (B) सीता की
(C) राम की (D) लव की
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/27) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-51

94. (i) लौकिकानां हि साधुनामर्थं वागनुवर्तते .... ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति– इस सूक्ति से युक्त रचना है? UP PGT–2000,
(ii) ''ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति'' यह वाक्यांश कहाँ से उद्धृत है? UP TGT–2004, UGC 25 J–1994, 2005
(A) रघुवंश से (B) तिलोत्तमा से
(C) उत्तररामचरित से (D) रामायण से
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

95. 'शुचिः बिम्बग्राहे मणिः न मृदादयः' उत्तररामचरितस्य वाक्यमिदं किं सूचयति? MH SET–2016
(A) रामलक्ष्मणयोः वैमत्यम् (B) आत्रेयीवासन्तीकथोपकथनम्
(C) रामसीताविलापम् (D) प्राज्ञजडक्षत्रप्रभेदम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-105

85. (C) 86. (D) 87. (B) 88. (C) 89. (A) 90. (D) 91. (D) 92. (A) 93. (C) 94. (C) 95. (D)

96. 'भवभूतिर्विशिष्यते'' यह उक्ति किस नाटक के बारे में है? UP TGT–2004
(A) उत्तररामचरितम् (B) महावीरचरितम्
(C) मालतीमाधवम् (D) मालविकाग्निमित्रम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-529

97. 'करुणस्य मूर्तिरथवा' यह उक्ति किसके बारे में है? UP TGT–2004
(A) शम्बूक (B) तमसा
(C) सीता (D) भागीरथी
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-164

98. ''किसलयमिव मुग्धं बन्धनाद् विप्रलूनं हृदयकमलशोषी दारुणो दीर्घशोकः'' प्रस्तुत श्लोक किससे उद्धृत है– UP TGT–2009
(A) मेघदूतम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) रघुवंशम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/5) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-165

99. ''शोकक्षोभे च हृदयं प्रलापैरेव धार्यते'' उक्ति है– UP TGT–2009
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) मृच्छकटिकम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/29) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-218

100. ''अयि कठोर! यशः किल ते प्रियम्'' कथन किसका है– UP TGT–2010
(A) सीता का (B) वासन्ती का
(C) तमसा का (D) मुरला का
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/27) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-214

101. ''सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति'' यह किस नाट्यग्रन्थ से सम्बद्ध है– UP PGT–2004
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) विक्रमोर्वशीयम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-97

102. (i) ''अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्'' इसका सम्बन्ध है– UP PGT–2010, UGC 25 J–2000
(ii) ''अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्'' यह सूक्ति मिलती है?
(A) रत्नावली से (B) स्वप्नवासवदत्ता से
(C) मृच्छकटिकम् से (D) उत्तररामचरितम् से
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/28) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-52

103. ''करुणस्य मूर्तिरथवा शरीरिणी'' इदं वर्णनं कस्मिन् काव्येऽस्ति? UGC 25 J–2013
(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) रत्नावली
स्रोत– उत्तररामचरितम् (3/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-164

104. ''रहस्यं साधूनामनुपधि विशुद्धं विजयते'' जिस कवि की उक्ति है, वह हैं– UGC 25 D–1996
(A) कालिदास (B) अश्वघोष
(C) भवभूति (D) दिङ्नाग
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-99

105. (i) ''एको रसः करुण एव'' यह कथन है–
(ii) ''एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्'' इति केनोक्तम्–
(iii) ''एको रसः करुण एव'' इति केनोक्तम्?
(iv) ''एको रसः करुण एव निमित्तभेदात् भिन्नः पृथक् पृथगिव श्रयते विवर्तान्'' इसके वक्ता ग्रन्थकार हैं– BHU AET–2010, UGC 25 J–2000, D–2007
(A) कालिदास (B) माघ
(C) भवभूति (D) श्रीहर्ष
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

106. ''वितरति गुरुः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जडे'' उत्तररामचरिते कस्य संवादोऽस्ति? UP GDC–2013
(A) रामस्य (B) अष्टावक्रस्य
(C) आत्रेय्याः (D) वनदेवतायाः
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-105

96. (A)	97. (C)	98. (D)	99. (C)	100. (B)	101. (B)	102. (D)	103. (A)	104. (C)	105. (C)
106. (C)									

107. ''वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि'' पद्यांशोऽयं कस्मिन् नाटके आयाति? UGC 25 D–2013

(A) मालतीमाधवे (B) महावीरचरिते
(C) उत्तररामचरिते (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 117

108. (i) 'पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः' उत्तररामचरिते उक्तिरियं भवति?
(ii) ''पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः'' इति वाक्यम् उत्तररामचरितस्य केन पात्रेण प्रयुक्तम्? DL–2014, UGC 25 D–2015, J–2016

(A) सीतायाः (B) मुरलायाः
(C) तमसायाः (D) वासन्त्याः

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-156

109. ''एको रसः करुण एव'' यह उक्ति उत्तररामचरितम् के किस अङ्क से सम्बन्धित है– UP TGT–2013

(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

110. (i) ''पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः'' इति केनोक्तम्? JNU MET–2015
(ii) 'पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः'' किस कवि से सम्बद्ध है? UP TET–2016

(A) कालिदास (B) भास
(C) भवभूति (D) अश्वघोष

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-156

111. (i) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते–
(ii) ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति'' के वक्ता हैं– BHU MET–2014, UGC 25 D–2015

(A) श्रीलक्ष्मण (B) सीता
(C) राम (D) अष्टावक्र

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

112. 'पूरोत्पीडे तटाकस्य परीवाहः प्रतिक्रिया' में 'पूरोत्पीडे' शब्द का अर्थ है– UP TGT–2001, 2005

(A) वाणी (B) सरोवर
(C) जलवृद्धि (D) बादल

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/29) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-219

113. ''अन्तःकरणतत्त्वस्य दम्पत्योः स्नेहसंश्रयात् आनन्दग्रन्थिरेकोऽयमपत्यमिति पठ्यते''–यहाँ 'अपत्यम्' शब्द का अर्थ है? UP TGT–2003

(A) विश्वास (B) सन्तान
(C) सीधा (D) गर्भिणी

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/17) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-196

114. 'पूरोत्पीडे तटाकस्य परीवाहः प्रतिक्रिया' से क्या तात्पर्य है– UP TGT–2011

(A) तालाब के अधिक भर जाने पर जल को बाहर बहाना ही एकमात्र संरक्षण उपाय होता है।
(B) तालाब को भरने के लिये जल को बाहर से डालना ही उपाय होता है।
(C) तालाब के अधिक भर जाने पर बाहर का पानी रोक देना ही उपाय होता है।
(D) तीनों ही अर्थ सही नहीं है।

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/29) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-219

115. 'लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति'–इति कस्मिन्नाटके वर्ण्यते– GJ SET–2013

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते
(C) कर्णभारे (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

116. प्रियप्रायावृत्तिर्विनयमधुरो वाचि नियमः ...... उक्तिः? GJ SET–2016

(A) तापस्याः (B) वनदेवतायाः
(C) सीतायाः (D) रामस्य

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-99

117. 'विपाक' शब्द का अर्थ है? UP TGT–2003

(A) कृत्रिम नदी (B) दुरवस्था
(C) स्वभाव (D) घास

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-161

107. (C) 108. (B) 109. (C) 110. (C) 111. (C) 112. (C) 113. (B) 114. (A) 115. (B) 116. (A) 117. (B)

118. 'अमरसिन्धु' है? UP TGT–2004

(A) सरस्वती (B) समुद्र

(C) गङ्गा (D) यमुना

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/48) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-262

119. 'पौलस्त्यस्य जटायुषा विघटितः' श्लोक में 'पौलस्त्यस्य' से तात्पर्य है? UP TGT–2003

(A) सुग्रीव से (B) रावण से

(C) लक्ष्मण से (D) हनुमान् से

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/43) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-248

120. 'पुटपाक' का अभिप्राय है? UP TGT–2005

(A) एक प्रकार का व्यञ्जन

(B) एक प्रकार का आभूषण

(C) एक प्रकार की औषधि

(D) औषधि पकाने का एक विशिष्ट ढंग

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-156,157

121. 'प्रसवः खलु प्रकर्षपर्यन्तः स्नेहस्य' यहाँ 'प्रसवः' शब्द का अर्थ है? UP TGT–2005

(A) सन्तान (B) गर्भावस्था

(C) प्रसव-वेदना (D) सन्तानोत्पत्ति

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-196

122. 'त्वं जीवितम्' का अर्थ है? UP TGT–2009

(A) तुम जीवित हो (B) तुम जीवन हो

(C) तुम जियो (D) तुम्हारे जीते जी

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/26) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-212

123. 'नीरन्ध्रबालकदली' में 'नीरन्ध्र' पद का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) नीर धारण करने वाला (B) नीरस

(C) सघन (D) निःशब्द

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/21) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-202

124. 'वधूद्वितीय' का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) दो स्त्रियाँ (B) दूसरे की स्त्री

(C) दूसरी स्त्री (D) प्रिया के साथ

स्रोत–उत्तररामचरितम् (अंक-3)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-187-188

125. 'कल्याणि! सञ्जीवय जगत्पतिम्' इस पद्यांश में 'जगत्पतिम्' की व्यञ्जना है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) राम के लिए (B) शिव के लिए

(C) राजा के लिए (D) सीता के लिए

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-177

126. 'रात्रिरेव व्यरंसीत्'। कस्मिन् नाटके इदं दृश्यते– KL SET–2014

(A) अनर्घराघवे (b) वेणीसंहारे

(C) उत्तररामचरिते (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/27) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-51

127. 'सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति' – इदं कथनम् उत्तररामचरिते नाटकेऽस्ति– T SET–2013

(A) लक्ष्मणस्य (B) रामस्य

(C) सीतायाः (D) वनदेवतायाः

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/1) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-97

128. उत्तररामचरितम् में तमसा और मुरला हैं– UP PGT–2010

(A) वनदेवता

(B) सीता की सखियाँ

(C) नदी विशेषाधिष्ठात्री देवियाँ

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-155

118. (C) 119. (B) 120. (D) 121. (A) 122. (B) 123. (C) 124. (D) 125. (A) 126. (C) 127. (D) 128. (C)

11 स्वप्नवासवदत्तम्

1. (i) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के लेखक हैं–
(ii) स्वप्नवासवदत्तस्य रचयिता कः अस्ति?
BPSC–1999, UGC 25 J–2007, BHU Sh.ET–2013
(A) कालिदासः (B) भासः
(C) भवभूतिः (D) राजशेखरः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

2. (i) स्वप्नवासवदत्ते कति अङ्काः सन्ति?
(ii) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक में कुल कितने अङ्क हैं?
UP PGT–2003, DSSSB PGT–2014, UGC 25 J–2010, DSSSB TGT–2014
(A) पाँच (B) छः
(C) सात (D) आठ
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

3. स्वप्नवासवदत्ता नाटक का नायक उदयन किस कोटि का है– UGC 25 J–1999
(A) धीरोदात्त (B) धीरोद्धत
(C) धीरललित (D) धीरप्रशान्त
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - तारिणीश झा, भू0पेज-32

4. उदयनः कस्य नाटकस्य नायकः? AWES TGT–2008
(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) कुन्दमाला
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् -तारिणीश झा, भू0 पेज-32

5. संस्कृते अतिप्राचीनरूपकस्य नाम किम्?
DSSSB TGT–2014
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) शारिपुत्रप्रकरणम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) उत्तररामचरितम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–285

6. 'स्वप्नवासवदत्तम्' इति नाटकस्य आकरग्रन्थः–
DSSSB TGT–2014
(A) महाभारतम् (B) रामायणम्
(C) बृहत्कथा (D) बालचरितम्
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - सुधाकर मालवीय, भू. पेज-17

7. (i) लावाणकदाहकथा कस्मिन् रूपके घटिता आसीत्?
(ii) लावाणकग्राम की घटना कहाँ वर्णित है?
H-TET–2015, RPSC SET–2010
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) मालविकाग्निमित्रम् में
(C) मृच्छकटिकम् में (D) स्वप्नवासवदत्तम् में
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - जयपाल विद्यालंकार, पेज-192

8. (i) यौगन्धरायणः अत्र कथापात्रत्वेन आविष्कृतः–
(ii) यौगन्धरायण किसका प्रमुख पात्र है?
UGC 25 D–1996, K-SET–2014
(A) उत्तररामचरितम् (B) रत्नावली
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) कादम्बरी
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू. पेज-16

9. (i) रुमण्वान् पात्र का वर्णन है– UGC 25 J–2002
(ii) 'रुमण्वान्' कस्मिन् नाटके पात्रविशेषः?
UK SLET–2015
(A) स्वप्नवासवदत्तम् में (B) मृच्छकटिकम् में
(C) वेणीसंहारम् में (D) उत्तररामचरितम् में
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् -शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू. पेज-16

10. स्वप्नवासवदत्ते वर्णितपात्रेषु उदयनस्य सेनापतिः कः आसीत्? UGC 25 J–2016
(A) आरुणिः (B) रुमण्वान्
(C) यौगन्धरायणः (D) प्रद्योतः
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् -तारिणीश झा, भू0 पेज-72

11. उदयनस्य चरितं कस्मिन् ग्रन्थे अस्ति– T-SET–2014
(A) शिशुपालवधे (B) मुद्राराक्षसे
(C) स्वप्नवासवदत्ते (D) वेणीसंहारे
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् -तारिणीश झा, भू0पेज-32

1. (B)	2. (B)	3. (C)	4. (B)	5. (C)	6. (C)	7. (D)	8. (C)	9. (A)	10. (B)
11. (C)									

12. वसन्तक (विदूषक)–युक्तरचना अस्ति–
AWES TGT–2011
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मालतीमाधवम्
(C) विक्रमोर्वशीयम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू0पेज-16

13. स्वप्नवासवदत्त-नाटके विदूषकस्य नाम किम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014
(A) वसन्तकः (B) कामन्दकः
(C) मकरन्दः (D) माधव्यः
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् -शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू0पेज-16

14. 'घोषवती वीणा' का सम्बन्ध किस नाटक से है?
UP PGT–2003
(A) चारुदत्तम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) महावीरचरितम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - रूपनारायण त्रिपाठी, भू0पेज-13

15. (i) उदयनस्य वीणायाः नाम किम्?
(ii) स्वप्नवासवदत्त-नाटके उदयनस्य वीणायाः नाम किमासीत्? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014, 2015
(A) प्रेमवती (B) रागवती
(C) घोषवती (D) आलापवती
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - रूपनारायण त्रिपाठी, भू0 पेज-13

16. (i) स्वप्नवासवदत्तस्य स्वप्नवृत्तान्तो वर्तते–
(ii) स्वप्नवासवदत्तम् का 'स्वप्न अङ्क' कौन-सा है?
(iii) स्वप्नवासवदत्त-नाटकस्य स्वप्नः अङ्कः कः?
MGKV Ph. D–2016, UP TGT–2004, WB SET–2010
(A) द्वितीयः (B) तृतीयः
(C) चतुर्थः (D) पञ्चमः
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - सुधाकर मालवीय, भू0पेज-20

17. वासवदत्ता कस्य राज्यस्य राजकन्या आसीत्?
HAP–2016
(A) अवन्तिकायाः (B) मगधस्य
(C) कौशाम्ब्याः (D) गान्धारदेशस्य
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - सुधाकर मालवीय, भू0पेज-21

18. (i) 'चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः' यह सूक्ति है–
(ii) 'चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः' किसमें पाया जाता है?
(iii) ''चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः'' – सूक्तिरियं कस्मिन् काव्ये वर्तते–
UGC 25 D–1999, UGC 73 D–1999, CVVET–2017
(A) मेघदूतम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) हितोपदेशम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् (1/4) - शेषराज शर्मा 'रेग्मी', पेज-11

19. ''स्वप्ने नाटके भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाऽप्यदग्धा'' कस्य वचनमिदम्? UGC 25 J–2011
(A) ब्रह्मचारिणः (B) यौगन्धरायणस्य
(C) विदूषकस्य (D) उदयनस्य
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् (1/13)-शेषराज शर्मा 'रेग्मी', पेज-41

20. 'दुःखं न्यासस्य रक्षणम्' एषा उक्तिः कस्य नाटकस्य?
AWES TGT–2011, K SET–2013
(A) चारुदत्तस्य (B) स्वप्नवासवदत्तस्य
(C) मृच्छकटिकस्य (D) विक्रमोर्वशीयस्य
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् (1/10)-रूपनारायण त्रिपाठी, पेज-37

12. (D) 13. (A) 14. (D) 15. (C) 16. (D) 17. (A) 18. (D) 19. (A) 20. (B)

12 मृच्छकटिकम्

1. (i) मृच्छकटिकस्य रचयितुर्नाम–BHU Sh.ET–2013,
(ii) मृच्छकटिकस्य को रचयिता? DSSSB PGT–2014,
(iii) मृच्छकटिकं केन विरचितम्–UGC 25 J–2005, GJ SET–2011
(A) शूद्रकः (B) भवभूतिः
(C) जयदेवः (D) सुबन्धुः
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0 पेज-vii

2. शूद्रकस्य का रचना अस्ति– T-SET–2014
(A) उत्तररामचरितम् (B) मेघदूतम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) वेणीसंहारम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0 पेज-vii

3. शूद्रकेन मानभूतं प्रकरणनाट्यं निर्मितमासीत्– DL–2015
(A) वेणीसंहारम् (B) विद्धशालभञ्जिका
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) मृच्छकटिकम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-7

4. (i) मृच्छकटिकम् इत्यस्य पदस्य हिन्दीभाषायाम् अर्थोऽस्ति–
(ii) 'मृच्छकटिकम्' का शाब्दिक अर्थ है– UP PGT–2013, T SET–2013
(A) मिट्टी की गाड़ी (B) मिट्टी का घोड़ा
(C) मृत मन्त्री (D) कठिन प्रयास
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-6

5. (i) मृच्छकटिकं कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति?
(ii) 'मृच्छकटिकम्' कीदृशं रूपकं मन्यते?
(iii) 'मृच्छकटिकम्' किस प्रकार का रूपक ग्रन्थ है?
(iv) मृच्छकटिकम् अस्ति– UP PGT–2004, 2005,
(v) मृच्छकटिकस्य रूपकविधा अस्ति–
(vi) मृच्छकटिकम् .... वर्तते–
(vii) 'मृच्छकटिकम्' भवति– UGC 25 J–2006
(viii) मृच्छकटिकम् किंविधं रूपकम्?
(ix) रूपक-भेद की दृष्टि से 'मृच्छकटिकम्' क्या है?
RPSC SET–2013-14, JNU MET–2015, BHU MET–2011, UP GDC–2008, UGC 25 J–1998, D–2012, J–2015, 2016, Jn–2017 BHU AET–2010, K SET–2013, 2015, CCSUM Ph.D–2016, GGIC–2015
(A) नाटक (B) भाण
(C) व्यायोग (D) प्रकरण
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxvii

6. (i) प्रकरणस्य उदाहरणं भवति– UP GIC–2010,
(ii) प्रकरणमस्ति........... UGC 25 J–2005, 2013, UGC 25 D–2009
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) रत्नावली (D) वेणीसंहारम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxvii

7. अधोलिखितेषु प्रकरणनाटकं रूपकोऽस्ति– UP GIC–2015
(A) मृच्छकटिकम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxx

8. मृच्छकटिकस्य नान्दीपाठे कस्याः देवतायाः समाधेः माध्यमेन रक्षाकामना कृताऽस्ति? GGIC–2015
(A) ब्रह्मणः (B) विष्णोः
(C) सरस्वत्याः (D) शङ्करस्य
स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/1) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-1

9. 'मृच्छकटिकम्' की कथा किसमें समायोजित है? UP PGT–2000
(A) उद्योत (B) सर्ग
(C) अङ्क (D) उच्छ्वास
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-310

10. (i) 'मृच्छकटिके' कति अङ्काः सन्ति?
(ii) का मृच्छकटिके अङ्कानां संख्यागणय साम्प्रतम्?
(iii) अङ्कैः प्रकरणं मृच्छकटिकं कतिभिः कृतम्?
BHU AET–2011, 2012, UGC 25 D–2007
(A) पञ्चदश (B) सप्त
(C) दश (D) पञ्च
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-307

11. 'मृच्छकटिकम्' का नायक कौन है? UP PGT–2000
(A) शकार (B) दुर्योधन
(C) संवाहक (D) चारुदत्त
स्रोत–मृच्छकटिकम्- जगदीशचन्द्र मिश्र, भू. पेज-47

1. (A)	2. (C)	3. (D)	4. (A)	5. (D)	6. (B)	7. (A)	8. (D)	9. (C)	10. (C)
11. (D)									

12. 'मृच्छकटिकम्' की नायिका है– UP PGT–2005

(A) कुलजा (B) वेश्या

(C) तापसी (D) कुलजा/वेश्या दोनों

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0 पेज-xxxvi

13. (i) चारुदत्तः अस्मिन् रूपके नायकः–UP PGT–2013,

(ii) 'चारुदत्त' नायक है– K SET–2014

(A) शिशुपालवधम् में (B) रघुवंशम् में

(C) मृच्छकटिकम् में (D) कादम्बरी में

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-47

14. 'चारुदत्त' किस श्रेणी का नायक है?

UP PGT–2005, UP GDC–2008

(A) धीरोदात्त (B) धीरोद्धत

(C) धीरप्रशान्त (D) धीरललित

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxxi

15. प्रकरण का नायक होता है– UGC 25 D–1996

(A) धीरोदात्त (B) धीरललित

(C) धीरोद्धत (D) धीरप्रशान्त

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxxi

16. शकारी प्राकृत का प्रयोग किस नाटक में है–

UGC 25 D–1997

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्

(C) मृच्छकटिकम् (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-13

17. चारुदत्तस्य परिचारिका का? KL SET–2015

(A) सुदक्षिणा (B) रदनिका

(C) अरुन्धती (D) वसन्तसेना

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-48

18. चारुदत्तस्य सेवकस्य नाम– DU M.phil–2016

(A) मैत्रेयः (B) संवाहकः

(C) आर्यकः (D) जूर्णवृद्धः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-47

19. शर्विलकस्य प्रेमिकायाः नाम– DU M.Phil–2016

(A) रदनिका (B) वसन्तसेना

(C) मदनिका (D) धूता

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-48

20. मृच्छकटिकप्रकरणस्य षष्ठाङ्कस्य नाम– GJ SET–2016

(A) आर्यकापहरणम् (B) प्रवहणविपर्ययः

(C) सन्धिच्छेदः (D) अलङ्कारन्यासः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-438

21. (i) 'मृच्छकटिके' प्रथमोऽङ्कः नामतो ज्ञायते–

(ii) 'मृच्छकटिक' प्रकरण के प्रथम अङ्क का नाम है?

(iii) मृच्छकटिके प्रथमाङ्कस्य नाम–

UP GIC–2009, UP GDC–2012, 2013,

KL SET–2014, UP PGT–2011

(A) द्यूतकरसंवाहकः (B) अलङ्कारन्यासः

(C) मदनिकाशर्विलकः (D) व्यवहारः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-117

22. 'मृच्छकटिके' कियन्तः प्राकृतभेदाः प्रयुक्ताः?

BHU AET–2010

(A) 4 (B) 7

(C) 6 (D) 5

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-323

23. मृच्छकटिके .... नाम 'मदनिका-शर्विलकः' अस्ति?

GJ SET–2016

(A) चतुर्थाङ्कस्य (B) तृतीयाङ्कस्य

(C) द्वितीयाङ्कस्य (D) नवमाङ्कस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-313

24. मृच्छकटिकस्य संस्थानकः? GJ SET–2003

(A) स्थावरकः (B) विटः

(C) चेटः (D) शकारः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xl

25. धीरप्रशान्तः नायकः कस्य रूपकस्य वर्तते?

RPSC SET–2010

(A) मालविकाग्निमित्रस्य (B) रत्नावल्याः

(C) मध्यमव्यायोगस्य (D) मृच्छकटिकस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-xxxi

12. (D) 13. (C) 14. (C) 15. (D) 16. (C) 17. (B) 18. (B) 19. (C) 20. (B) 21. (B)
22. (B) 23. (A) 24. (D) 25. (D)

26. रोहसेनः इति पात्रं कस्मिन् नाटके वर्तते? MH SET–2011
(A) मृच्छकटिके (B) स्वप्नवासवदत्ते
(C) शाकुन्तले (D) रत्नावल्याम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-47

27. (i) मृच्छकटिकप्रकरणस्य नायिका–
(ii) 'मृच्छकटिकम्' की नायिका कौन है?
(iii) मृच्छकटिकस्य नायिका .... अस्ति?
MP वर्ग-1 (PGT)–2012, BHU MET–2009, 2013
RPSC SET–2010, GJ SET–2007, 2008
(A) वासवदत्ता (B) वसन्तसेना
(C) मदनिका (D) धूता
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-48

28. मृच्छकटिकस्य तृतीयाङ्कस्य नाम किम्? UGC 25 J–2016
(A) अलङ्कारन्यासः (B) सन्धिच्छेदः
(C) प्रवहण-विपर्ययः (D) व्यवहारः
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-235

29. वसन्तसेनाचारुदत्तयोः चित्रणं कस्मिन् नाटके स्तः?
BHU B.Ed–2014
(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) रत्नावली
(C) मृच्छकटिकम् (D) मालविकाग्निमित्रम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-307

30. मैत्रेय विदूषक किस नाटक से सम्बद्ध है?
UP PGT–2003
(A) मृच्छकटिकम् (B) मालविकाग्निमित्रम्
(C) चारुदत्तम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-47

31. (i) 'मृच्छकटिकम्' का विदूषक है–
(ii) मृच्छकटिकम् मे विदूषक का नाम क्या है?
(iii) मृच्छकटिकनाटके विदूषकस्य नाम किं वर्तते?
UP PGT–2002, 2009, 2010, 2011 UGC 25 J–1998, 2002, UK TET–2011, KL SET–2014
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015
(A) माधव्य (B) मैत्रेय
(C) माणवक (D) गौतम
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-47

32. मृच्छकटिके नायकस्य भार्यास्ति– BHU AET–2010
(A) वसन्तसेना (B) मदनिका
(C) धूता (D) रदनिका
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-48

33. 'धूता' किस कृति से सम्बन्धित है– UP PGT–2005
(A) किरातार्जुनीयम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) नागानन्दम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-34

34. कौन-सी नारी पात्र मृच्छकटिकम् में नहीं है?
UP PGT–2005
(A) वसन्तसेना की सखी
(B) वसन्तसेना की माता
(C) वसन्तसेना की परिचारिका
(D) वसन्तसेना की सपत्नी
स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-1

35. (i) शकार पात्र का वर्णन किस नाटक में है?
(ii) शकार का विवेचन किस कृति में है?
(iii) शकार किस रचना में है? BHU MET– 2016
UP PGT–2004, UGC 25 J–1994, 2003
(A) किरातार्जुनीयम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) वेणीसंहारम् (D) नागानन्दम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, भू0पेज-36

36. मृच्छकटिके अधोलिखितेषु पात्रेषु कः नाट्यमञ्चे न दृश्यते– DU Ph. D–2016
(A) विटः (B) जूर्णवृद्धः
(C) आर्यकः (D) दर्दुरकः
स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-1

37. 'मृच्छकटिके' शर्विलकोऽस्ति– UP GDC–2013
(A) नायकः (B) पताकानायकः
(C) खलनायकः (D) लोकनायकः
स्रोत–मृच्छकटिकम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, भू. पेज-61

26. (A) 27. (B) 28. (B) 29. (C) 30. (A) 31. (B) 32. (C) 33. (C) 34. (A) 35. (B) 36. (B) 37. (B)

38. शर्विलक पात्र विशेष है– UGC 73 J–1998

(A) शाकुन्तले (B) मृच्छकटिके

(C) प्रतिमानाटके (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू. पेज-47

39. कौन चारुदत्त के घर में सेंध लगाकर वसन्तसेना के गहने चुरा लेता है? UP PGT–2009

(A) शर्विलक (B) संवाहक

(C) दर्दुरक (D) मदनिका

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू. पेज-30

40. मृच्छकटिके चौरकर्मनिपुणः शर्विलकोऽस्ति? BHU AET–2010

(A) ब्राह्मणः (B) क्षत्रियः

(C) वैश्यः (D) शूद्रः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू. पेज-29-30

41. (i) चारुदत्त के पुत्र का क्या नाम है? UP PGT–2005

(ii) मृच्छकटिक में चारुदत्त के पुत्र का नाम है?

(iii) आर्यचारुदत्तस्य पुत्रस्य नाम अस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010, UP GDC–2008

(A) शूरसेन (B) आर्यक

(C) रोहसेन (D) रेभिल

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-1

42. 'रदनिका' इति स्त्रीपात्रं तिष्ठति? UP GDC–2012

(A) उत्तररामचरिते (B) मृच्छकटिके

(C) रत्नावल्याम् (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-1

43. 'मृच्छकटिकम्' के निम्नाङ्कित पात्रों में कौन संस्कृत नहीं बोलता है? UP PGT–2004, 2010, UK TET–2011

(A) चारुदत्त (B) वसन्तसेना

(C) आर्यक (D) शर्विलक

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–324

44. 'मृच्छकटिके' वसन्तसेनां मृत्युमुखात् कः रक्षति? UP GIC–2015

(A) चन्दनकः (B) कुम्भीलकः

(C) शर्विलकः (D) संवाहकः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-41

45. 'सन्धिच्छेदकर्मणः' वर्णनं प्राप्यते– UP GDC–2012

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते

(C) शिशुपालवधे (D) मृच्छकटिके

स्रोत–(i) मृच्छकटिकम् (3/23) -रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-219

(ii) मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–179

46. 'मृच्छकटिकम्' के सम्बन्ध में अधोलिखित कथन सत्य है– UP PGT–2013

(A) 'मृच्छकटिकम्' केवल प्राकृतभाषा में लिखा गया है।

(B) 'मृच्छकटिकम्' एक नाटक है।

(C) 'मृच्छकटिकम्' में केवल पद्यों का प्रयोग है।

(D) 'मृच्छकटिकम्' एक प्रकरण है।

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-14

47. अधस्तनेषु उपजीव्यमहाकाव्याश्रितं नास्ति– UP GDC–2012

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्

(C) उत्तररामचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–310

48. निम्नलिखित किस नाटक में सर्वाधिक शोषित, दलित एवं उपेक्षित वर्ग का सहानुभूतिपूर्ण चित्रण हुआ है? UP PGT–2009

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) उत्तररामचरितम्

(C) मृच्छकटिकम् (D) मालविकाग्निमित्रम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-18

49. शूद्रक द्वारा लिखी हुई प्राचीन भारतीय पुस्तक मृच्छकटिकम् का विषय था– IAS–2003

(A) एक धनी व्यापारी और एक गणिका की पुत्री की प्रेम-गाथा।

(B) चन्द्रगुप्त द्वितीय की पश्चिमी भारत के शक क्षत्रपों पर विजय

(C) समुद्रगुप्त के सैन्य अभियान तथा शौर्यपूर्ण कार्य।

(D) गुप्त राजवंश के एक राजा तथा कामरूप की राजकुमारी की प्रेमगाथा।

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, भू. पेज-33, 34

38. (B) 39. (A) 40. (A) 41. (C) 42. (B) 43. (B) 44. (D) 45. (D) 46. (D) 47. (B) 48. (C) 49. (A)

50. शकटविपर्यास किसमें होता है? UGC 25 J–1999

(A) वेणीसंहारम् (B) मुद्राराक्षसम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0पेज-39,40

51. 'मृच्छकटिके' राजश्यालकस्य भाषा अस्ति– UP GDC–2012

(A) मागधी (B) शौरसेनी
(C) शकारी (D) महाराष्ट्री

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–324

52. किस नाटक मे रथ परिवर्तन से कथानक आगे चलता है– UGC 25 D–1997

(A) मुद्राराक्षसम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) वेणीसंहारम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज-39,40

53. अभिसारिकाओं (वेश्याओं) का बाहुल्य से वर्णन है? UGC 25 D–1997

(A) कादम्बरी (B) मृच्छकटिकम्
(C) दशकुमारचरितम् (D) रत्नावली

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-493

54. "मृच्छकटिकं शूद्रकस्य रचना नास्ति" इति मन्यते? DU Ph. D–2016

(A) पिशेलमहोदयेन (B) सिल्वाँलेवीमहोदयेन
(C) कीथमहोदयेन (D) उक्तैः सर्वैरेव

स्रोत–मृच्छकटिकम् -रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-ix-xi

55. 'अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्यमनन्तकं दुःखम्' इति वाक्यं कः कं प्रति कथयति– DU Ph. D–2016

(A) विदूषकः चारुदत्तं प्रति (B) विटः विदूषकं प्रति
(C) चारुदत्तः विदूषकं प्रति (D) शकारः विटं प्रति

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/11) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-14

56. 'समरव्यसनी प्रमादशून्यः' इति एतद्वर्णनं कस्य कवेः? MH SET–2013

(A) भवभूतेः (B) भट्टनारायणस्य
(C) शूद्रकस्य (D) श्रीहर्षस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/5) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-4

57. 'हृदये गृह्यते नारी' सूक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है– UP PGT–2005

(A) मृच्छकटिकम् (B) रत्नावली
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) हर्षचरितम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/50) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-42

58. "लिम्पतीव तमोङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता" यह पंक्ति जिस ग्रन्थ से है वह है– UGC 25 J–1995

(A) वेणीसंहारम् (B) मेघदूतम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) रत्नावली

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/34) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-30

59. (i) "वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः" इदं वाक्यमस्ति? UGC 25 J–2006

(ii) "वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः" पंक्ति ग्रहण की गई है– UP PGT–2013

(A) उत्तररामचरिते (B) मुद्राराक्षसे
(C) स्वप्नवासवदत्ते (D) मृच्छकटिके

स्रोत–मृच्छकटिकम् (4/14) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-122

**60. "स्त्रियो हि नाम खल्वेता निसर्गादेव पण्डिताः।
पुरुषाणान्तु पाण्डित्यं शास्त्रैरेवोपदिश्यते॥"
प्रस्तुत श्लोक किस पुस्तक से उद्धृत है? UP PGT–2009**

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) वेणीसंहारम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् (4/19) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-124

61. 'मृच्छकटिकम्' में है– UP PGT–2004

(A) अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता
(B) अहो अविश्वसनीयाः पुरुषाः
(C) अहो दुरासदो राजमहिमा
(D) अहो निर्धनता सर्वापदामास्पदम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/14) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-16

50. (C) 51. (C) 52. (B) 53. (B) 54. (D) 55. (C) 56. (C) 57. (A) 58. (C) 59. (D) 60. (B) 61. (D)

62. 'छिद्रेष्वनर्था बहुलीभवन्ति' यह सूक्ति कहाँ लिखित है– **H TET–2014**
(A) रत्नावली में (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में
(C) मृच्छकटिक में (D) कर्पूरमञ्जरी में
स्रोत–मृच्छकटिकम् (9/26) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-286

63. 'द्वयमिदमतीव लोके प्रियं नराणां सुहृच्च वनिता च' यह श्लोकांश किस ग्रन्थ का है– **UP PGT–2011**
(A) मेघदूतम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) रघुवंशम्
स्रोत–मृच्छकटिकम् (4/25) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-130

64. ''एष क्रीडति कूपयन्त्रघटिकान्यायप्रसक्तो विधिः'' यह सूक्ति किस रचना से है– **UP PGT–2011**
(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) रत्नावली
स्रोत–मृच्छकटिकम् (10/60) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-346

65. 'अयं हि पातकी विप्रो न वध्यो मनुरब्रवीत्'–यह कथन किसका है– **UP PGT–2011**
(A) वृद्धा (B) शकार
(C) अधिकरणिक (D) श्रेष्ठी कायस्थ
स्रोत–मृच्छकटिकम् (9/39) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-633

66. 'केनोडुपेन परलोकनदीं तरिष्ये' यह कथन किसका है? **UP PGT–2011**
(A) चारुदत्त (B) शकार
(C) चेट (D) विट
स्रोत–मृच्छकटिकम् (8/23) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-505

67. ''सुजनः खलु भृत्यानुकम्पकः स्वामी निर्धनकोऽपि शोभते। पिशुनः पुनर्द्रव्यगर्वितो दुष्करः खलु परिणामदारुणः''। कुत्र वर्तते– **UP PGT–2000**
(A) मृच्छकटिकम्/शूद्रक (B) किरातार्जुनीयम्/भारवि
(C) नीतिशतकम्/भर्तृहरि (D) मेघदूतम्/कालिदास
स्रोत–मृच्छकटिकम् (3/1) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-86

68. 'अपेयेषु तडागेषु बहुतरमुदकं भवति'–वचनमिदं कस्मिन्नाटके दृश्यते? **GJ SET–2013**
(A) मुद्राराक्षसे (B) मृच्छकटिके
(C) वेणीसंहारे (D) उत्तररामचरिते
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-159

69. 'समन्तत उपस्थित एष राष्ट्रियबन्धः'–'राष्ट्रियबन्धः' का अभिप्राय है– **UP PGT–2011**
(A) राष्ट्र का बन्धन (B) राजा का बन्धन
(C) चारुदत्त का बन्धन (D) रोहसेन का बन्धन
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-725

70. 'मतिस्तु गौः पङ्कगतेव सीदति' – कथन किसका है? **UP PGT–2011**
(A) विदूषक (B) चारुदत्त
(C) शकार (D) अधिकरणिक
स्रोत–मृच्छकटिकम् (9/25) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-609

71. ''उपासिके! त्वं किल चारुदत्तेन मारितासीति'' – उपासिका का सम्बन्ध है– **UP PGT–2011**
(A) कौलधर्म से (B) बौद्धधर्म से
(C) वैष्णवधर्म से (D) कापालिक मत से
स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-698-700

72. संसार में दरिद्र के समान नहीं है– **UP PGT–2011**
(A) म्यान विहीन तलवार (B) शुष्क वृक्ष
(C) दन्तहीन सर्प (D) पंखविहीन पक्षी
स्रोत–मृच्छकटिकम् (5.41)- रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-374

73. 'मांसवृक्षैरियं मूर्खैर्भाराक्रान्ता वसुन्धरा' – किसका कथन है– **UP PGT–2011**
(A) चेट (B) शकार
(C) विट (D) विदूषक
स्रोत–मृच्छकटिकम् (8/6) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-470

74. अदृश्यरूपा चपला जरेव या मनुष्यसत्वं परिभूय वर्धते का? **KL SET–2016**
(A) वसन्तसेना (B) लक्ष्मीः
(C) निद्रा (D) धृतिः
स्रोत–मृच्छकटिकम् (3/8) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-92

62. (C) 63. (C) 64. (C) 65. (C) 66. (D) 67. (A) 68. (B) 69. (B) 70. (D) 71. (B) 72. (A) 73. (C) 74. (C)

75. 'न भीतो मरणादस्मि' कस्येदं वचनम्? MH SET–2011

(A) श्रीरामस्य (B) अमात्यराक्षसस्य
(C) दुष्यन्तस्य (D) चारुदत्तस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् (10/27) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-675

76. मृच्छकटिके कस्य नामपरिवर्तनं जातम्? MH SET–2016

(A) मैत्रेयस्य (B) आर्यकस्य
(C) चारुदत्तस्य (D) संवाहकस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज- xlvi

77. 'लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः'-कस्य वचनमिदम्– KL SET–2014, 2015

(A) विदूषकस्य (B) राज्ञः
(C) शकारस्य (D) विटस्य

स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/34) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-68

78. 'रमणाभिमुखाः स्त्रियः' किं न गणयन्ति– KL SET–2016

(A) शीतोष्णम् (B) दुःखम्
(C) सुखम् (D) दारिद्र्यम्

स्रोत–मृच्छकटिकम् (5/16) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-342

75. (D) 76. (D) 77. (D) 78. (A)

13 मुद्राराक्षस

1. मुद्राराक्षस का लेखक निम्न में कौन है– UP PCS–1992, BPSC–2004

(A) अश्वघोष (B) विशाखदत्त

(C) कुमारदास (D) भास

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- (xii)

2. मुद्राराक्षस नाटक का नायक कौन है? UP PGT(H)–2013

(A) सिद्धार्थक (B) समीद्धार्थक

(C) चाणक्य (D) चन्द्रगुप्त

स्रोत–मुद्राराक्षस -पुष्पा गुप्ता, भू0पेज-(xxxi)

3. (i) मुद्राराक्षस में अङ्कों की संख्या है? BHU MET–2015

(ii) मुद्राराक्षसनाटके कति अङ्काः सन्ति? T-SET–2013

(A) 7 (B) 10

(C) 6 (D) 5

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-504

4. (i) कस्मिन् रूपके नायिका नास्ति– DL–2015

(ii) नायिकाविहीनं नाटकं वर्तते– RPSC SET–2013-14

(A) कुन्दमाला (B) नागानन्दम्

(C) प्रसन्नराघवम् (D) मुद्राराक्षसम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-360

5. मुद्राराक्षस का प्रधान रस है? UGC 25 J–1998

(A) शृङ्गार (B) करुण

(C) शान्त (D) वीर

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- (xxiv)

6. (i) राक्षस पात्र जिस रूपक में है, वह है–

(ii) राक्षसपात्रम् उपलभ्यते?

UGC 25 J–1995, 2003, GJ SET–2007

(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) रत्नावली

(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) मुद्राराक्षसम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- (xxxii)

7. मुद्राराक्षस है– UGC 25 D–2001

(A) प्रकरण (B) व्यायोग

(C) भाण (D) नाटक

स्रोत–मुद्राराक्षस -पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- (xii)

8. मुद्राराक्षसनाटके नन्दस्य मन्त्री–AWES TGT–2012

(A) राक्षसः (B) चाणक्यः

(C) मलयकेतुः (D) चन्द्रगुप्तः

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- xlv

9. मुद्राराक्षसस्य प्रथमाङ्कस्य का संज्ञा– MH SET–2013

(A) राक्षसविचारः (B) कृतककलहः

(C) मुद्रालाभः (D) राक्षसनिर्वेदः

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, पेज-68

10. किस नाटक में स्त्रियों का प्रयोग नहीं है– UGC 25 D–1999, J–2012

(A) वेणीसंहार (B) मुद्राराक्षस

(C) कादम्बरी (D) शिशुपालवध

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-360

11. मुद्राराक्षसनाटके मुद्रा केन सम्बद्धा भवति? UGC 25 J–2012

(A) मलयकेतुना (B) चन्द्रगुप्तेन

(C) चाणक्येन (D) राक्षसेन

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- (xix)

12. नन्दवंश पर आधारित नाटक कौन-सा है? BHU MET–2008, 2009, 2013

(A) मुद्राराक्षसम् (B) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्

(C) वेणीसंहारम् (D) दूतघटोत्कचम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज-9

13. सर्वार्थसिद्धिः केन वंशेन सम्बद्धः? MH SET–2013

(A) सूर्यवंशेन (B) चन्द्रवंशेन

(C) गुप्तवंशेन (D) नन्दवंशेन

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, पेज- (xivii)

1. (B) 2. (C) 3. (A) 4. (D) 5. (D) 6. (D) 7. (D) 8. (A) 9. (C) 10. (B) 11. (D) 12. (A) 13. (D)

14. राजनीति और कूटनीतिक विषयों पर आधारित संस्कृत नाटक कौन है? BHU MET–2013

(A) मुद्राराक्षसम् (B) नागानन्द
(C) प्रियदर्शिका (D) महावीरचरितम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-9

15. चन्दनदास सेठ जिस नाटक में आता है, वह नाटक है– BHU MET–2014

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) कर्णभारम्
(C) वेणीसंहारम् (D) मुद्राराक्षसम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-8

16. (i) अस्मिन्नाटके विदूषकः नास्ति–
(ii) संस्कृतसाहित्ये विदूषकरहितनाटकं वर्तते – RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, K SET–2014

(A) मालतीमाधवम् (B) मालविकाग्निमित्रम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज-xx

17. विशाखदत्त के प्राचीन भारतीय नाटक मुद्राराक्षस की विषयवस्तु है– IAS–2002

(A) प्राचीन हिन्दू अनुश्रुति के देवताओं और राक्षसों के बीच संघर्ष के बारे में
(B) एक आर्य राजकुमार और एक कबीले की महिला की प्रेम कथा के बारे में
(C) दो आर्य कबीलों के बीच सत्ता के संघर्ष की कथा के बारे में।
(D) चन्द्रगुप्त मौर्य के समय में राजदरबार की दुरभिसन्धियों के बारे में

स्रोत–मुद्राराक्षस -परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0 पेज-9-11

18. मुद्राराक्षसे कौमुदीमहोत्सवः केन निषिद्धः? UGC 25 Jn–2016 K SET–2014

(A) राक्षसेन (B) चन्द्रगुप्तेन
(C) चाणक्येन (D) मलयकेतुना

स्रोत–मुद्राराक्षस -परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0 पेज-10

19. कस्य गृहे स्वकुटुम्बं संन्यस्य राक्षसः नगराद् बहिः जगाम? UK SLET–2015

(A) जीवसिद्धेः (B) चन्दनदासस्य
(C) शकटदासस्य (D) नन्दस्य

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-08

20. 'सः दोषः सचिवस्यैव यदसत् कुरुते नृपः'–इससे सम्बन्धित ग्रन्थ है– BHU MET–2015

(A) मुद्राराक्षसम् (B) वेणीसंहारम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–मुद्राराक्षस (3/32) - परमेश्वरदीन पाण्डेय , पेज-198

21. कृतककोपवृत्तान्तः कस्मिन् दृश्यकाव्ये वर्त्तते? UGC 25 J–2015

(A) मुद्राराक्षसे (B) मृच्छकटिके
(C) उत्तररामचरिते (D) वेणीसंहारे

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, पेज-192

22. कृतककोपवृत्तान्तः मुद्राराक्षसे कस्मिन्नङ्केऽस्ति? UGC 25 Jn–2017

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, पेज-192

23. मुद्राराक्षसनाटके चाणक्यः कं श्रेष्ठिनं निगृहीतुम् इच्छति– UK SLET–2012

(A) कृष्णदासम् (B) रामदासम्
(C) चन्दनदासम् (D) कुमारदासम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू. पेज-xLiii

24. अधोलिखितेषु नाटकेषु कस्मिन्नाटके स्त्रीपात्रो न? AWES–2009

(A) मुद्राराक्षसम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) कुन्दमाला (D) अनर्घराघवम्

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- xx

25. ''न हि खलु सर्वः सर्वं जानाति'' इति कुत्र वर्तते– UGC 25 J–2013, BHU B. Ed–2012

(A) वेणीसंहारे (B) मध्यमव्यायोगे
(C) रत्नावल्याम् (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-29

26. ''नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम'' – मुद्राराक्षसे कस्येयमुक्तिः? UGC 25 D–2012

(A) चन्द्रगुप्तस्य (B) चाणक्यस्य
(C) राक्षसस्य (D) चन्दनदासस्य

स्रोत–मुद्राराक्षस (1/26) - पुष्पा गुप्ता, पेज-65

14. (A)	**15. (D)**	**16. (C)**	**17. (D)**	**18. (C)**	**19. (B)**	**20. (A)**	**21. (A)**	**22. (C)**	**23. (C)**
24. (A)	**25. (D)**	**26. (B)**							

27. कः नन्दसाम्राज्यस्य महामात्यः, यः अन्ते चन्द्रगुप्तस्य महामात्यपदं स्वीकरोति– CCSUM Ph. D–2016

(A) वररुचिः (B) चाणक्यः
(C) राक्षसः (D) सिद्धार्थकः

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, भू0पेज- xx

28. 'प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः प्रारभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्याः।' मुद्राराक्षसे कस्येयमुक्तिः– UGC 25 J–2016

(A) विराधगुप्तस्य (B) चाणक्यस्य
(C) राक्षसस्य (D) चन्द्रगुप्तस्य

स्रोत–मुद्राराक्षस (2/17) - पुष्पा गुप्ता, पेज-110

**29. ''सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जनः।
क इदं दुष्करं कुर्यादिदानीं शिविना विना॥''
मुद्राराक्षसे इयमुक्तिर्भवति– UGC 25 J–2016**

(A) राक्षसस्य (B) चन्दनदासस्य
(C) चाणक्यस्य (D) भागुरायणस्य

स्रोत–मुद्राराक्षस (1/24) - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-68

30. कः चाणक्यस्य शिष्यः आसीत्? MH SET–2016

(A) राक्षसः (B) पर्वतकः
(C) चन्द्रगुप्तः (D) चन्दनदासः

स्रोत–मुद्राराक्षस -परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-12

31. मुद्राराक्षसे नान्दीश्लोके कस्य स्तुतिः विद्यते– MH SET–2013

(A) विष्णोः (B) शिवस्य
(C) ब्रह्मदेवस्य (D) लक्ष्म्याः

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-1,2

32. मुद्राराक्षसे नाटके किं पात्रं सर्वप्रधानमस्ति–T-SET–2014

(A) चाणक्यः (B) चन्द्रगुप्तः
(C) राक्षसः (D) मलयकेतुः

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-06

33. ''अत्यादरो शङ्कनीयः'' – इदं कथनं मुद्राराक्षसनाटकेऽस्ति– T-SET–2013

(A) तृतीयेऽङ्के (B) प्रथमेऽङ्के
(C) षष्ठेऽङ्के (D) द्वितीयेऽङ्के

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-365

34. 'न विदूषको नापि नायिका' कस्मिन् रूपके– BHU AET–2010

(A) वेणीसंहारे (B) बालभारते
(C) मालतीमाधवे (D) मुद्राराक्षसे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-360

27. (C) 28. (A) 29. (C) 30. (C) 31. (B) 32. (A) 33. (B) 34. (D)

14 वेणीसंहार और रत्नावली

1. **(i) वेणीसंहारस्य रचयिता कः? UGC 25 D–2005, 2011**
   (ii) वेणीसंहारनाटकस्य रचयिता कः?
   (iii) वेणीसंहारस्य कर्ता– GJ SET–2007, HAP–2016
   (A) भासः (B) कालिदासः
   (C) शूद्रकः (D) भट्टनारायणः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-381

2. **वेणीसंहारे द्रौपद्याः वेणीबन्धनं केन कृतम्? RPSC SET–2010**
   (A) भीमेन (B) युधिष्ठिरेण
   (C) दुर्योधनेन (D) दुःशासनेन

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-518-519

3. **'उत्तंसयिष्यति कचांस्तव देवि भीमः' इति वाक्यं कस्मिन् ग्रन्थे वर्तते– MH SET–2013**
   (A) मुद्राराक्षसे (B) किरातार्जुनीये
   (C) वेणीसंहारे (D) स्वप्नवासवदत्ते

स्रोत–वेणीसंहारम् (1/21) - गंगासागर राय, पेज-41

4. **वेणीसंहारस्य नाट्यविषयः सम्बद्धः –BHU B. Ed–2014**
   (A) रामायणेन (B) महाभारतेन
   (C) पुराणेन (D) उत्तररामचरितेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-129

5. **वेणीसंहार में कितने अङ्क हैं? BHU MET–2009, 2013**
   (A) 3 (B) 6
   (C) 7 (D) 8

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-382

6. **नाटकस्य उदाहरणं भवति– UGC 25 J–2009**
   (A) मृच्छकटिकम् (B) मालतीमाधवम्
   (C) वेणीसंहारम् (D) त्रिपुरविजयः

स्रोत–वेणीसंहारम् - गंगासागर राय, भू0पेज-12,13

7. **द्रौपदी कस्मिन्नाटके नायिका– BHU B. Ed–2012, BHU AET–2010**
   (A) उत्तररामचरितम् (B) मुद्राराक्षसम्
   (C) वेणीसंहारम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

स्रोत–वेणीसंहारम् - गंगासागर राय, भू0पेज-12

8. **द्रौपदीभीमयोः वर्णनं कस्मिन् नाटके वर्णितम्? BHU AET–2010**
   (A) उत्तररामचरितम् (B) मुद्राराक्षसम्
   (C) वेणीसंहारम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

स्रोत–वेणीसंहारम् - गंगासागर राय, भू0पेज-3

9. **छह अङ्कों वाले नाटक का नाम है– BHU MET–2014**
   (A) उत्तररामचरितम् (B) वेणीसंहारम्
   (C) मृच्छकटिकम् (D) मुद्राराक्षसम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-382

10. **भीमः प्रतिज्ञातवान्– UGC 25 D–2011**
    (A) दुर्योधनेन वैरत्वम्।
    (B) दुर्योधनेन कृतं द्रौपद्यां प्रति तिरस्कारम् अपकर्तुम्।
    (C) दुःशासनेन कृतं तिरस्कारं प्रतिकर्तुम्।
    (D) भानुमत्या द्रौपद्याः तिरस्कारः।

स्रोत–वेणीसंहार - गंगासागर राय, भू0पेज-3

11. **वेणीसंहारे दुर्योधनस्य कञ्चुकी कः? UGC 25 D–2014**
    (A) विनयन्धरः (B) जयन्धरः
    (C) रुधिरप्रियः (D) सुन्दरकः

स्रोत–वेणीसंहारम् - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0पेज-15

12. **(i) वीररसप्रधानं नाटकं किम्? UGC 25 J–2001**
    (ii) वीररस प्रधान है? K SET–2013
    (A) वेणीसंहारम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
    (C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) उत्तररामचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-388

1. (D) 2. (A) 3. (C) 4. (B) 5. (B) 6. (C) 7. (C) 8. (C) 9. (B) 10. (B) 11. (A) 12. (A)

13. वेणीसंहारे संहारपदस्य आशयः–CCSUM Ph. D–2016

(A) विनाशः (B) त्यागः
(C) परिष्कारः (D) हननम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-519

14. वेणीसंहारेऽङ्गीरसः? GJ SET–2004

(A) करुणः (B) शृङ्गारः
(C) वीरः (D) अद्भुतः

स्रोत–वेणीसंहारम् - गंगासागर राय, भू0पेज-13

15. वेणीसंहारस्य वेणी कया सम्बद्धा– CCSUM Ph. D–2016

(A) सुभद्रा (B) गान्धारी
(C) उत्तरा (D) द्रौपदी

स्रोत–वेणीसंहारम् - गंगासागर राय, भू0पेज-12

16. (i) रत्नावलीनाटकस्य कर्ता कः?
(ii) रत्नावल्याः रचयिता कः?
(iii) रत्नावलीति कस्येयं विश्रुता नाटिका कवेः?
UGC 25 D–2007, BHU AET–2012, RO–2015

(A) हर्षवर्धनः (B) श्रीहर्षः
(C) भासः (D) बाणः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

17. (i) रत्नावली क्या है– BHU MET–2008, 2009, 2013
(ii) रत्नावली कीदृशं दृश्यकाव्यं भवति? K-SET–2014
(iii) रत्नावल्याः रूपकप्रकारः UGC 25 D–2006,
(iv) रत्नावली भवति– J 2010, WB SET–2010
(v) रत्नावली किम् अस्ति– GJ SET–2007, 2009

(A) नाटक है (B) महाकाव्य है
(C) नाटिका है (D) खण्डकाव्य है

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-373

18. (i) रत्नावलीनाटिकायाः नायको वर्तते–
(ii) रत्नावल्यां वत्सराजः कीदृशो नायकः?
UP GDC–2012, DSSSB PGT–2014

(A) धीरप्रशान्तः (B) धीरोद्धतः
(C) धीरललितः (D) धीरोदात्तः

स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-14

19. नाटिकाऽस्ति– UGC 25 D–2005

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) रत्नावली (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-373

20. (i) सागरिका किसमें नायिका है? UP GDC –2013
(ii) 'सागरिका' नायिका अस्ति– BHU MET–2016

(A) मृच्छकटिके (B) कादम्बर्याम्
(C) रत्नावल्याम् (D) शिवराजविजये

स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-17

21. रत्नावली कस्य देशस्य राजकन्या वर्तते–
CCSUM Ph. D–2016

(A) मगधः (B) अवन्ती
(C) विदर्भः (D) सिंहलः

स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-17

22. रत्नावल्यां प्रधानरसः कः? UGC 25 D–2014

(A) वीररसः (B) रौद्ररसः
(C) शान्तरसः (D) शृङ्गाररसः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-375

23. रत्नावली कस्य उपरूपकप्रभेदस्य उदाहरणं भवति–
UGC 25 D–2012

(A) त्रोटकस्य (B) नाटिकायाः
(C) भाणिकायाः (D) सट्टकस्य

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू0पेज-17

24. रत्नावलीति नाटिकायाः स्वरूपं वर्तते–UP GDC–2012

(A) नाटकप्रकरणयोः मिश्रितं स्वरूपम्
(B) भाणडिमयोः मिश्रितं स्वरूपम्
(C) प्रकरणसमवकारयोः मिश्रितं स्वरूपम्
(D) सट्टकहल्लीसकयोः मिश्रितं स्वरूपम्

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-228-229

25. सागरिका किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है–
BHU MET–2008

(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायण (B) मृच्छकटिकम्
(C) रत्नावली (D) मुद्राराक्षस

स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-17

13. (C)	14. (C)	15. (D)	16. (A)	17. (C)	18. (C)	19. (C)	20. (C)	21. (D)	22. (D)
23. (B)	24. (A)	25. (C)							

26. (i) वसन्तक किसमें है? UP TGT–2004, UGC 25 J–1994
(ii) वसन्तक किस नाटक से सम्बन्धित है?
(A) रत्नावली (B) मृच्छकटिकम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-25

27. रत्नावल्यां उदयनस्य कञ्चुकी कः? UGC 25 J–2015
(A) बाभ्रव्यः (B) यौगन्धरायणः
(C) वसन्तकः (D) विक्रमबाहुः
स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, भू0पेज-25

28. रत्नावलीनाटिकायाः प्रथमाङ्कस्य नाम किम्? UGC 25 J–2013
(A) संकेतः (B) कदलीगृहः
(C) मदनमहोत्सवः (D) ऐन्द्रजालिकः
स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-45

29. रत्नावल्यां द्वितीयाङ्कस्य नाम– UGC 25 D–2014
(A) मदनमहोत्सवः (B) कदलीगृहम्
(C) सङ्केतः (D) इन्द्रजालिकम्
स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-99

30. मदनमहोत्सवस्य वर्णनं कस्मिन् ग्रन्थे प्रथमाङ्के उपलभ्यते? UGC 25 S–2013
(A) उत्तररामचरिते (B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) रत्नावल्याम् (D) मृच्छकटिके
स्रोत–रत्नावली - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-45

31. 'यातोऽस्मि पद्मनयने समयो ममैषः' रत्नावल्याः संवाद–श्लोकेन कः सम्बोध्यते? UP GDC –2013
(A) महाराज्ञी (B) विदूषकः
(C) उदयनः (D) सागरिका
स्रोत–रत्नावली (3/6) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-112

32. ''आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखीभूतः'' उक्तिरियं रत्नावल्यां वर्तते– UP GDC–2012
(A) यौगन्धरायणस्य (B) उदयनस्य
(C) सूत्रधारस्य (D) रत्नावल्याः
स्रोत–रत्नावली (1/6) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-10

33. लीलावधूतपद्मा कथयन्ती पक्षपातमधिकं नः।
मानसमुपैति केयं चित्रगता राजहंसीव॥
इयमुक्तिः कामुद्दिश्य कथिता– UGC 25 J–2014
(A) शकुन्तलाम् (B) महाश्वेताम्
(C) द्रौपदीम् (D) सागरिकाम्
स्रोत–रत्नावली (2/9) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-74

34. रत्नावल्यां कस्याः नगर्याः दृश्यं वर्तते? GJ SET–2013
(A) कौशाम्ब्याः (B) उज्जयिन्याः
(C) श्रीलङ्कायाः (D) श्रावस्त्याः
स्रोत–रत्नावली (1/10) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-18

35. रत्नावल्याः मङ्गलाचरणस्य प्रथमे श्लोके कस्य स्तुतिः प्राप्यते? UGC 25 D–2015
(A) विष्णोः (B) ब्रह्मणः
(C) शिवस्य (D) गणेशस्य
स्रोत–रत्नावली (1/1) - तारिणीश झा, पेज-02

36. 'सिद्धेर्भ्रान्तिर्नास्ति सत्यं तथापि स्वेच्छाचारी भीत एवास्मि भर्तुः।' इत्युक्तिः रत्नावल्यां केन सम्बद्धा? UGC 25 J–2016
(A) उदयनेन (B) वसन्तकेन
(C) बाभ्रव्येण (D) यौगन्धरायणेन
स्रोत– रत्नावली (1/7) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-12

37. रत्नावल्या अपरं नाम– GJ SET–2004
(A) वासवदत्ता (B) सागरिका
(C) कर्पूरमञ्जरी (D) शकुन्तला
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-373

38. रत्नावली कस्य राज्ञो दुहिताऽऽसीत्– RPSC SET–2013-14
(A) दृढवर्मणः (B) कलिङ्गराजस्य
(C) सिंहलेश्वरस्य (D) मत्स्यराजस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-374

39. रत्नावल्याः नायकः कः– MH SET–2016
(A) चारुदत्तः (B) दुष्यन्तः
(C) दुर्योधनः (D) उदयनः
स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू0पेज-43

40. वासवदत्तया कुसुमायुधस्य पूजा कुत्र सम्पादिता– UGC 25 J–2013
(A) बकुलपादपतले (B) रक्ताशोकपादपतले
(C) सहकारवृक्षतले (D) दाडिमवृक्षतले
स्रोत–रत्नावली (प्रथम अङ्क) - तारिणीश झा, पेज-52

26. (A) 27. (A) 28. (C) 29. (B) 30. (C) 31. (D) 32. (C) 33. (D) 34. (A) 35. (C)
36. (D) 37. (B) 38. (C) 39. (D) 40. (B)

15 नाटक के विविध प्रश्न

1. ''तवास्मि गीतरागेण हारिणा प्रसभं हृतः।
एष राजेव दुष्यन्तः सारङ्गेणातिरंहसा॥''
उपर्युक्त श्लोक किसका उदाहरण है? UP PGT–2000
(A) नान्दी (B) पताकास्थानक
(C) बिन्दु (D) प्रस्तावना
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/5)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-13

2. ''शिरसि धृतसुरापगे स्मरारावरुणमुखेन्दुरुचिर्गिरीन्द्रपुत्री।
अथ चरणयुगानते स्वकान्ते स्मितसरसा भवतोस्तु भूतिहेतुः॥''
– उपर्युक्त श्लोक है? UP PGT–2000
(A) ईश-स्तुति (B) मङ्गलाचरण
(C) पूर्वरङ्ग (D) द्वादशपदानान्दी
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/25) शालिग्राम शास्त्री, पेज-173

3. (i) 'विक्रमोर्वशीयम्' नाम रूपकमस्ति? UP PGT–2000,
(ii) 'विक्रमोर्वशीय' है? BHU AET–2010
(A) चम्पूकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) नाटक (D) त्रोटक
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-329

4. (i) 'प्रियदर्शिकायाः' नायकः कः–
(ii) प्रियदर्शिका नाटिका के नायक हैं?
UP PGT–2002, AWES TGT–2012
(A) वस्तुमित्र (B) उदयन
(C) मित्रावस्तु (D) दृढवर्मा
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-369

5. नागानन्द के नायक का क्या नाम है? UP PGT–2002
(A) जीमूतवाहन (B) दुष्यन्त
(C) उदयन (D) शंखचूड
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-371

6. नागानन्द नाटक की नायिका का क्या नाम है?
UP PGT–2002
(A) इरावती (B) मलयवती
(C) लक्ष्मी (D) मदनिका
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-371

7. (i) 'विक्रमोर्वशीयम्' नायकः – UP PGT–2003,
(ii) 'विक्रमोर्वशीयम्' का नायक है? AWES TGT–2012
(A) विक्रमादित्य (B) अग्निमित्र
(C) माधव (D) पुरुरवा (विक्रम)
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-329

8. साहित्य की सभी विधाओं में से सर्वाधिक रम्यतापूर्ण विधा है– UP TGT–2011
(A) महाकाव्य (B) गीतिकाव्य
(C) कथा (D) नाटक
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-341

9. इनमें से कौन रूपक नहीं है? UP PGT–2005
(A) मृच्छकटिकम् (B) विक्रमोर्वशीयम्
(C) महावीरचरितम् (D) दशकुमारचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-381

10. शकारी, अवन्तिजा, चाण्डाली एवं ढक्की ये प्रकार हैं– UP PGT–2005
(A) वेश्याओं के (B) विशिष्ट नायिकाओं के
(C) प्राकृत के (D) काव्य की रीतियों के
स्रोत–मृच्छकटिकम्-जगदीशचन्द्र मिश्र, भू० पेज-12

11. निम्नलिखित में से कौन 'कञ्चुकी' की विशेषता नहीं है? UP PGT–2005
(A) अन्तःपुर में जाने वाला वृद्ध
(B) गुणवान् ब्राह्मण
(C) सब कार्यों को करने में कुशल
(D) राजा का विश्वस्त मित्र
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-461

12. 'यवनिका' शब्द का अर्थ है? UP PGT–2005
(A) यवन देश की कन्या (B) यवन सैनिक
(C) पर्दे के पीछे (D) पर्दा
स्रोत–दशरूपक- रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-101

1. (D) 2. (B) 3. (D) 4. (B) 5. (A) 6. (B) 7. (D) 8. (D) 9. (D) 10. (C)
11. (D) 12. (D)

13. (i) पुत्तलिका-नृत्य से संस्कृत नाटक की उत्पत्ति मानने वाला विद्वान् है? UP PGT–2000, 2003
(ii) किसने यह विचार, व्यक्त किया है कि 'पुत्तलिका नृत्य' से नाटकों की उत्पत्ति हुई है?
(A) डॉ० कीथ (B) डॉ० कोनो
(C) डॉ० पिशेल (D) डॉ० हर्टल
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-266

14. मालतीमाधव किस रूपक के प्रकार का भाग है? UGC 25 J–1995
(A) प्रकरण (B) नाटक
(C) ईहामृग (D) प्रहसन
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-397

15. दस अङ्कों का रूपक है– UGC 25 D–2001
(C) मुद्राराक्षस (B) मृच्छकटिकम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-307

16. सुमेलित कीजिए– UGC 25 J–2003
(अ) रत्नावली 1. 10 अङ्क
(ब) वेणीसंहारम् 2. 4 अङ्क
(स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 3. 6 अङ्क
(द) मृच्छकटिकम् 4. 7 अङ्क

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-अ 515, ब-518, स-483, द-493

17. (i) प्रहसनस्य उदाहरणम्? UGC 25 J–1994,
(ii) यह प्रहसन है– D–2007
(A) प्रियदर्शिका (B) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
(C) मत्तविलासः (D) मृच्छकटिकम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-548

18. 'प्रबोधचन्द्रोदयः'– UGC 25 J–2008
(A) चम्पूकाव्यम् (B) पद्यकाव्यम्
(C) गद्यकाव्यम् (D) रूपकम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-543

19. मालतीमाधवनाटकस्य इतिवृत्तं वर्तते? UGC 25 J–2008
(A) प्रसिद्धम् (B) कविकल्पितम्
(C) उत्पाद्यम् (D) चारित्रकम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज-543

20. मुद्राराक्षसनाटकस्य कथावस्तु भवति–UGC 25 D–2008
(A) प्रसिद्धम् (B) चारित्रकम्
(C) उत्पाद्यम् (D) कविकल्पितम्
स्रोत–मुद्राराक्षसम्- परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू० पेज-6

21. 'डिम' इति रूपके अङ्काः भवन्ति? UGC 25 D–2009
(A) 5 (B) 6
(C) 10 (D) 4
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/242) -शालिग्रामशास्त्री, पेज-216

22. ऊरुभङ्गे नायकः कः? UGC 25 D–2010
(A) दुर्योधनः (B) भीमः
(C) धृतराष्ट्रः (D) श्रीकृष्णः
स्रोत–संस्कृतकवि-दर्शन- भोला शंकर व्यास, पेज--193

23. उन्मत्तराघवं कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति? UGC 25 D–2012
(A) अङ्कस्य (B) डिमस्य
(C) वीथ्याः (वीथेः) (D) समवकारस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-445

24. सोपहासनिगूढार्था-नालिकैव– UGC 25 S–2013
(A) नाटिका (B) प्रकरणिका
(C) प्रहेलिका (D) भाणिका
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/261)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-219

25. अधस्तनेषु एकाङ्किरूपकमस्ति? UGC 25 D–2013
(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) चारुदत्तम्
(C) कर्णभारम् (D) अविमारकम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

13. (C) 14. (A) 15. (B) 16. (A) 17. (C) 18. (D) 19. (B) 20. (A) 21. (D) 22. (B) 23. (A) 24. (C) 25. (C)

26. 'प्रतिमानाटकम्' में कितने अङ्क हैं?
BHU MET–2011, BHU B. Ed–2011, UP TGT–2004
(A) 4 (B) 7
(C) 5 (D) 9
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

27. नाटके आमुखः कस्य भेदः? BHU B. Ed–2013
(A) भारतीवृत्तेः (B) अर्थोपक्षेपकस्य
(C) सन्धेः (D) पताकास्थानकस्य
स्रोत–दशरूपक (3/5)-रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-204

28. 'कर्पूरमञ्जरी' किस भाषा में लिखित है?
BHU MET–2013
(A) संस्कृत (B) पालि
(C) प्राकृत (D) ईरानी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज--539

29. बालरामायण में कितने अङ्क हैं? BHU MET–2009, 2013
(A) 7 (B) 8
(C) 9 (D) 10
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-539

30. नाटक नहीं है? UGC 73 J–2013
(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) वासवदत्तम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-391

31. संस्कृतसाहित्ये प्रतीकात्मकस्य नाटकस्य नाम अस्ति?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011
(A) विद्धशालभञ्जिका (B) प्रबोधचन्द्रोदय
(C) प्रसन्नराघवम् (D) आश्चर्यचूडामणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-543

32. महाभारतकथामाश्रित्य भासेन किं नाटकं लिखितम्?
K SET–2014
(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) प्रतिमानाटकम् (D) कर्णभारम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

33. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–
MH SET–2011
(क) मृच्छकटिकम् 1. नाटकम्
(ख) दशकुमारचरितम् 2. प्रकरणम्
(ग) उत्तररामचरितम् 3. नाटिका
(घ) रत्नावली 4. गद्यकाव्यम्

	क	ख	ग	घ
(A)	1	4	2	3
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-क. 495, ख. 381, ग. 528, घ. 515

34. अधोनिर्दिष्टानां ग्रन्थानां कालानुक्रमेण समीचीनं पर्यायं विचिनुत– MH SET–2011
1. स्वप्नवासवदत्तम् 2. मुद्राराक्षसम्
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् 4. उत्तररामचरितम्

(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	1	3	4	2
(D)	3	1	2	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275, 326, 355, 395

35. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–
MH SET–2013
(क) राजवाहनः 1. कादम्बरी
(ख) महाश्वेता 2. मृच्छकटिकम्
(ग) यौगन्धरायणः 3. दशकुमारचरितम्
(घ) शकारः 4. स्वप्नवासवदत्तम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	3	1	4	2
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	3	4

स्रोत– संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज– क-475, ख-494, ग-275, घ-309

26. (B) 27. (A) 28. (C) 29. (D) 30. (B) 31. (B) 32. (D) 33. (D) 34. (C) 35. (B)

36. भासकृत अधोलिखित नाटकों में से कौन-सा रामायणमूलक है? UP GIC–2009

(A) अभिषेकनाटकम् (B) ऊरुभङ्गम्
(C) बालचरितम् (D) पञ्चरात्रम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

37. यत्र उत्पाद्यं लोकसंश्रयञ्च वृत्तं भवति तदस्ति रूपकम्? UP GDC–2012

(A) नाटकम् (B) प्रकरणम्
(C) डिमः (D) व्यायोगः

स्रोत–दशरूपक- (3/39)- रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-226

38. महावीरचरित का मूल है– UGC 73 D–1997

(A) रामायणम् (B) शाकुन्तलम्
(C) महाभारतम् (D) गीता

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-526

39. अभिषेकनाटक' के कथावस्तु का मूल है? UGC 73 J–1999

(A) भागवतम् (B) महाभारतम्
(C) रामायणम् (D) पद्मपुराणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

40. अद्यत्वे संस्कृतभाषा कस्य कृते समुपयुक्ता भाषा मन्यते? UP C-TET–2013

(A) गणितस्य (B) खगोलविज्ञानस्य
(C) विमानशास्त्रस्य (D) सङ्गणकस्य

स्रोत–

41. निम्नलिखित में से त्रोटक है? UP GDC–2008

(A) मालतीमाधवम् (B) कर्पूरमञ्जरी
(C) विक्रमोर्वशीयम् (D) रत्नावली

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-329

42. निम्नलिखितेषु कतमो ग्रन्थो नाटकग्रन्थो नास्ति– T SET–2014

(A) हर्षचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) वेणीसंहारम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

43. निम्नलिखित में से किस रचना के अन्त में कवि ने भगवान् शिव से मुक्ति की प्रार्थना की है? UP GDC–2008

(A) उत्तररामचरितम् (B) मेघदूतम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) प्रतिमानाटकम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–453

44. 'महानाटकम्' इति कथ्यते? BHU AET–2010

(A) हनुमन्नाटकम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) मुद्राराक्षसम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-540

45. कीदृशो नायकः जीमूतवाहनः? BHU AET–2010

(A) धीरोदात्तः (B) धीरप्रशान्तः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरललितः

स्रोत–दशरूपक-रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-116

46. द्वे नायिके कस्मिन् रूपके भवतः? BHU AET–2010

(A) त्रोटके (B) नाटिकायाम्
(C) ईहामृगे (D) वीथ्याम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–515

47. केन महाकविना स्वरूपकेषु प्रायेणोक्तम् 'निर्दोषदर्शना हि कन्यकाः'? BHU AET–2010

(A) भासेन (B) हर्षेण
(C) भवभूतिना (D) कालिदासेन

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/5)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12,13

48. महाकविभासकृते कस्मिन्नाटके भरतवाक्यं नोपलभ्यते? BHU AET–2010

(A) स्वप्नवासवदत्ते (B) चारुदत्ते
(C) दूतवाक्ये (D) अविमारके

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–276

49. भासकृतानि महाभारताश्रितानि नाटकानि सन्ति? BHU AET–2010

(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 9

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

36. (A) 37. (B) 38. (A) 39. (C) 40. (D) 41. (C) 42. (A) 43. (C) 44. (A) 45. (A) 46. (B) 47. (C) 48. (B) 49. (C)

50. केनाचार्येण प्रोक्तं 'सर्वशुक्ला सरस्वती' – BHU AET–2010

(A) भामहेन (B) विश्वनाथेन

(C) दण्डिना (D) भोजराजेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-472

51. गुप्तकाल में लिखित संस्कृतनाटकों में स्त्री और शूद्र बोलते हैं? IAS–1995

(A) संस्कृत (B) प्राकृत

(C) पालि (D) शौरसेनी

स्रोत–

52. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत– K SET–2014

(क) कादम्बरी 1. प्रकरणम्

(ख) हर्षचरितम् 2. कथा

(ग) मृच्छकटिकम् 3. नाटिका

(घ) रत्नावली 4. आख्यायिका

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	2	4	1	3
(C)	1	4	2	3
(D)	3	2	4	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-307,373,491,493

53. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K SET–2015

(क) मुद्राराक्षसम् 1. नाटिका

(ख) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 2. चारित्रिकरूपकम्

(ग) उत्तररामचरितम् 3. महाभारताधारितं रूपकम्

(घ) रत्नावली 4. करुणरसरूपकम्

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	2	1
(C)	2	3	4	1
(D)	4	3	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-358, ख-335, ग-403, घ-373

54. कर्णभाररूपकं कत्यङ्कात्मकम्? RPSC SET–2013-14

(A) एकाङ्कात्मकम् (B) चतुरङ्कात्मकम्

(C) दशाङ्कात्मकम् (D) पञ्चाङ्कात्मकम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

55. कालिदास द्वारा रचित 'मालविकाग्निमित्रम्' नाटक का नायक था? UP PCS–1998

(A) पुष्यमित्र शुंग (B) गौतमीपुत्र शातकर्णि

(C) अग्निमित्र (D) चन्द्रगुप्त द्वितीय

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-326

56. कर्पूरमञ्जरी इति कृतिः कस्य उपरूपकप्रभेदस्य उदाहरणम्? DSSSB PGT–2014

(A) नाटिका (B) त्रोटकम्

(C) सट्टकम् (D) नाट्यरासकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-539

57. प्रस्तावनायाः नामान्तरं किम्? DSSSB PGT–2014

(A) सुमुखम् (B) प्रमुखम्

(C) आमुखम् (D) दुर्मुखम्

स्रोत–दशरूपक- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-206

58. सट्टक है– UP PGT (H)–2005

(A) एक प्रकार का छन्द (B) एक प्रकार का नाटक

(C) एक प्रकार की युद्ध शैली (D) एक प्रकार का गीत

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-441

59. उत्तमाधमशिक्षकयोः लक्षणं कस्मिन् काव्ये उक्तम्? DSSSB TGT–2014

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) मालविकाग्निमित्रे

(C) मुद्राराक्षसे (D) प्रतिज्ञायौगन्धरायणे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-328

60. भगवान् राम के जीवन से सम्बन्धित नाटक है? UP PGT (H)–2013

(A) मालतीमाधव (B) महावीरचरित

(C) स्वप्नवासवदत्ता (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-401

50. (C) 51. (B) 52. (B) 53. (C) 54. (A) 55. (C) 56. (C) 57. (C) 58. (B) 59. (B) 60. (B)

61. नाटके विदूषकः – AWES TGT–2012
(A) सूत्रधारस्य कर्म करोति (B) मञ्चसज्जां करोति
(C) सञ्चालनकर्म करोति (D) हास्यविनोदं करोति
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/42)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–68

62. मालविकाग्निमित्रस्य विदूषकः– AWES TGT–2012
(A) गौतमः (B) मैत्रेयः
(C) वसन्तकः (D) माढव्यः
स्रोत–संस्कृतगङ्गा-साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-304

63. कर्णभारनाटकस्य नायकः अस्ति–UK SLET–2012
(A) कर्णः (B) दुष्यन्तः
(C) चारुदत्तः (D) रामः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

64. ''विक्रमोर्वशीयम्' का विदूषक है– UP PGT–2002
(A) माणवक (B) मैत्रेय
(C) वसन्तक (D) माधव्य
स्रोत–संस्कृतगङ्गा-साहित्यम् -सर्वज्ञभूषण, पेज -304

65. निम्नलिखित में से किसका मत है कि संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति 'स्वांगवाद' से हुई है? UP PGT–2003
(A) प्रो० हिलब्रान्ड (B) स्टेन कोनो
(C) उपर्युक्त दोनों (D) डॉ० पिशेल
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव, द्विवेदी, पेज-266

66. प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है– IAS–2016
(A) स्वप्नवासवदत्ता (B) मालविकाग्निमित्रम्
(C) मेघदूतम् (D) रत्नावली
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-328

67. अधोलिखित रूपकों में कौन-सा रूपक प्राचीनतम है– UP PGT–2011
(A) मृच्छकटिकम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) शारिपुत्रप्रकरणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-303, 305
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–491

68. नाटके अङ्कानाम् अधिकतमा संख्या का? HAP–2016
(A) अष्टौ (B) पञ्च
(C) दश (D) षट्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-437

69. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– GJ SET–2008
(क) स्वप्नवासवदत्ते 1. धीवरवृत्तान्तः
(ख) अभिज्ञानशाकुन्तले 2. लवकुशवृत्तान्तः
(ग) मृच्छकटिके 3. लावाणकग्रामप्रसङ्गः
(घ) उत्तररामचरिते 4. शर्विलकप्रसङ्गः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	4	3
(B)	3	1	4	2
(C)	3	4	1	2
(D)	4	2	1	3

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-530, 474, 494
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–46

70. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011
(क) रघुवंशमिति नाटकं वर्तते।
(ख) चारुदत्तः स्वप्नवासवदत्तस्य नायकः
(ग) चन्द्रापीडः कादम्बर्याः नायकः
(घ) सर्वदमनः शकुन्तलायाः पुत्रः
(A) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्
(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–क-208, ग-398
(ii) स्वप्नवासवदत्तम्-तारिणीश झा, भू. पेज–32
(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–448

71. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011
(क) उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते
(ख) वेणीसंहारस्य कविः विशाखदत्तः वर्तते
(ग) पदलालित्यमित्येतद् वैशिष्ट्यं भारवेरस्ति
(घ) कालिदासेन द्वे महाकाव्ये विरचिते
(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(D) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज (क) 425, (ख) 381, (ग) 193, (घ) 149, 151

61. (D) 62. (A) 63. (A) 64. (A) 65. (C) 66. (B) 67. (A) 68. (C) 69. (B) 70. (A) 71. (D)

72. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2016

(क) शार्ङ्गरवः 1. उत्तररामचरितम्
(ख) शकारः 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(ग) दुर्मुखः 3. वेणीसंहारम्
(घ) भीमः 4. मृच्छकटिकम्

	क	ख	ग	घ
(A)	1	4	3	2
(B)	2	1	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-338,309,404,388

73. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2016

(क) कादम्बरी 1. नाटकम्
(ख) रघुवंशम् 2. गद्यकाव्यम्
(ग) मुद्राराक्षसम् 3. गीतिकाव्यम्
(घ) मेघदूतम् 4. महाकाव्यम्

	क	ख	ग	घ
(A)	2	4	1	3
(B)	2	3	4	1
(C)	2	3	1	4
(D)	2	4	3	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–398, 208, 504, 332

74. मध्यमव्यायोगे 'मध्यम' पदेन कस्य सङ्केतः अस्ति– MGKV Ph. D–2016

(A) अर्जुनस्य (B) नकुलस्य
(C) भीमस्य (D) भीष्मस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–466

72. (D) 73. (A) 74. (C)

16 कादम्बरी

1. (i) 'कादम्बरी' के लेखक कौन हैं?
(ii) शुकनासोपदेश 'कादम्बरी' का अंश है। उसके रचयिता– UP TGT–2004, 2011
(A) बाणभट्ट (B) गुणाढ्य
(C) सुबन्धु (D) क्षेमेन्द्र
स्रोत–(i) कादम्बरी-समीर शर्मा, भू0पेज-7
(ii) शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज–37

2. (i) कादम्बरी साहित्य की किस विधा के अन्तर्गत आती है? UP TGT–1999, 2004, 2005, 2011 2013,
(ii) 'कादम्बरी' किस विधा की रचना है। UP TET–2014,
(iii) कादम्बरी एकं ...... काव्यमस्ति? UP PGT–2000,
(iv) कादम्बरी कीदृशः साहित्यप्रकारो वर्तते– 2009,
(v) कादम्बरी किस प्रकार का ग्रन्थ है?
(vi) कादम्बरी है– UGC 25 D–2009, GJ SET–2008, 2011, 2013
(A) आख्यायिका (B) इतिहास
(C) कथा (D) चम्पू
स्रोत–कादम्बरी-समीर शर्मा, भू0 पेज-07

3. (i) शुकनास ने किसे उपदेश दिया–UP TGT–1999, 2004
(ii) कादम्बरी में मन्त्री शुकनास ने किसे उपदेश दिया?
(A) तारापीड को (B) वैशम्पायन को
(C) चन्द्रापीड को (D) पुण्डरीक को
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-42

4. कादम्बरी की कथा है– UP TGT–2001
(A) कल्पनाप्रसूत (B) रामायण पर आधारित
(C) महाभारत पर आधारित (D) पूर्णतः काल्पनिक
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- राजेन्द्र मिश्र, भू0पेज-28

5. कादम्बरी में कितने जन्मों की कथा है? UP TGT–2001, 2010
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-29

6. 'चन्द्रापीड' किस ग्रन्थ का नायक है? UP TGT–2003
(A) शिवराजविजयम् (B) कादम्बरी
(C) मेघदूतम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, भू0 पेज-8

7. 'कादम्बरी' में किसके तीन जन्मों का वर्णन है? UP TGT–2003, 2009
(A) चन्द्रापीड (B) कपिञ्जल
(C) पुण्डरीक (D) लक्ष्मी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-398

8. (i) बाणभट्ट ने किस रीति में अपने काव्य की रचना की? UP TGT–2004, UP PGT–2004,
(ii) बाण ने कादम्बरी में किस रीति का प्रयोग किया?
(iii) बाणभट्टस्य गद्ये रीतिरस्ति। 2009, 2013
(iv) मुख्यतः कादम्बरी की शैली है–
(A) वैदर्भी (B) गौडी
(C) पाञ्चाली (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–कादम्बरी-समीर शर्मा, भू0 पेज-8

9. (i) शुकनासोपदेश किस ग्रन्थ का अंश है?
(ii) शुकनासोपदेशः कस्मिन् ग्रन्थे निबद्धः अस्ति? UP TGT–2004, 2010, UGC 25 D–1996, MGKV Ph. D–2016, BHU MET–2008, 2011
(A) रघुवंशम् (B) कादम्बरी
(C) महाभारतम् (D) रामायणम्
स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37

10. कादम्बरी में पार्श्व नायिका कौन है? UP TGT–2004
(A) पत्रलेखा (B) विलासवती
(C) महाश्वेता (D) कादम्बरी
स्रोत–कादम्बरी- तारिणीश झा, भू. पेज-57

1. (A)	2. (C)	3. (C)	4. (A)	5. (B)	6. (B)	7. (A)	8. (C)	9. (B)	10. (C)

11. कादम्बरी और हर्षचरितम् में बाण ने किस देवता की स्तुति की है? UP TGT–2010

(A) शिव (B) विष्णु
(C) इनमें से दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–(i) कादम्बरी-तारिणीश झा, पेज-3,4,5
(ii) हर्षचरितम् - मोहनदेव पन्त, पेज-1

12. (i) कादम्बरीकथायां नायकस्य नाम किम्?
(ii) कादम्बरी का प्रमुख नायक है– UP PGT–2010,
(iii) कादम्बरीगद्यकाव्यस्य नायकोऽस्ति– UP GIC–2012
UP GDC–2012, UP TET–2014, UK TET–2011
K SET–2013

(A) शूद्रक (B) तारापीड
(C) चन्द्रापीड (D) वैशम्पायन

स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, भू0 पेज-8

13. कादम्बरी एक सुन्दर उदाहरण है? UP TGT–2011

(A) गद्यकाव्य का (B) पद्यकाव्य का
(C) मिश्रितकाव्य का (D) उपर्युक्त में से किसी का नहीं

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-493

14. बाणभट्ट की शैली की प्रमुख विशेषता है– UP TGT–2011

(A) कान्तासम्मित उपदेश की सरसशैली
(B) अलङ्कार प्रधान शैली
(C) दोनों का सम्मिश्रण
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू0 पेज, 14

15. तारापीडस्य मन्त्री कः? K SET–2015

(A) चन्द्रापीडः (B) शुकनासः
(C) पुण्डरीकः (D) शूद्रकः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-399

16. चन्द्रापीडः .... अवतारः। GJ SET–2016

(A) पुण्डरीकस्य (B) ब्रह्मणः
(C) शिवस्य (D) चन्द्रमसः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-493

17. कादम्बर्यां शुकनासस्य पुत्रः कः – RPSC SET–2013-14

(A) चन्द्रापीडः (B) वैशम्पायनः
(C) पुण्डरीकः (D) हारीतः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-399

18. कादम्बरी में नायिका कौन है? BHU MET–2010

(A) महाश्वेता (B) कादम्बरी
(C) शबरकन्या (D) ताम्बूलकरङ्कवाहिनी

स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, भू0 पेज-8

19. (i) कादम्बर्याः मूलं स्रोतं किम्? BHU AET–2010
(ii) कादम्बरी के कथानक का मूलस्रोत है–
(iii) कादम्बरी कथानक का आधार है–
UP TGT–2010, 2011, 2013

(A) गुणाढ्य की बृहत्कथा (B) अमरकथा
(C) अवन्तिसुन्दरीकथा (D) शूद्रककथा

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-495

20. कादम्बर्याः उत्तरार्धं कः विरचितवान्? DSSSB TGT–2014

(A) राघवभट्टः (B) भूषणभट्टः
(C) मल्लिनाथः (D) शङ्करभट्टः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-495

21. कादम्बरी के प्रारम्भ में बाणभट्ट ने कितने श्लोकों की रचना की है? UP TGT–2013

(A) 10 (B) 15
(C) 20 (D) 25

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, भू0 पेज-51

22. कादम्बरी के प्रथम मङ्गलाचरण में किसकी वन्दना की गई है? UP TGT–2013

(A) ब्रह्मा (B) विष्णु
(C) महेश (D) त्रिगुणमयपरब्रह्म

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-1) - समीर शर्मा, पेज-1

23. कादम्बरी का प्रधानरस है– UP TGT–2013

(A) वीर (B) करुण
(C) शृङ्गार (D) शान्त

स्रोत–कादम्बरी -समीर शर्मा, भू0 पेज-12

11. (C) 12. (C) 13. (A) 14. (C) 15. (B) 16. (D) 17. (B) 18. (B) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (C)

24. 'खल्वनर्थपरम्परा' में 'खलु' शब्द से क्या आशय है? H TET–2015

(A) थोड़ा ही (B) निश्चित ही

(C) अचानक ही (D) अनर्थ ही

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-45

25. वैशम्पायन की प्रेमिका थी– UP TGT–2003

(A) कादम्बरी (B) महाश्वेता

(C) चाण्डालकन्या (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-30

26. चन्द्रापीड की प्रेमिका थी– UP TGT–2005

(A) महाश्वेता (B) कादम्बरी

(C) शकुन्तला (D) चाण्डालकन्या

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-29,30

27. (i) शुकनास किस राजा का प्रधान अमात्य था?
(ii) कादम्बर्यां शुकनासः कस्य राज्ञः मन्त्री आसीत्? UK SLET–2015,UP TGT–2005

(A) राम का (B) दुष्यन्त का

(C) दशरथ का (D) तारापीड का

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37

28. शुकनासोपदेश में शुकनास, कादम्बरी कथा में कौन है? UP TGT–2011

(A) राजा (B) मन्त्री

(C) युवराज (D) चाण्डाल

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-399

29. (i) चन्द्रापीड के पिता का नाम था– UP TGT–2009
(ii) चन्द्रापीडः कस्य पुत्रः आसीत्? RPSC SET–2010

(A) श्वेतकेतोः (B) तारापीडस्य

(C) शुकनासस्य (D) हंसस्य

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37

30. विलासवती किसकी पत्नी थी? UP TGT–2009

(A) शुकनास की (B) तारापीड की

(C) चन्द्रापीड की (D) पुण्डरीक की

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू० पेज-13

31. चन्द्रापीड का विवाह किससे होता है? UP TGT–2009

(A) महाश्वेता (B) मनोरमा

(C) कादम्बरी (D) लक्ष्मी

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू० पेज-1

32. पत्रलेखा किसकी पुत्री थी? UP TGT–2010

(A) गन्धर्वराज की (B) शुकनास की

(C) तारापीड की (D) कुलूतेश्वर की

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-494

33. शूद्रक अवतार था– UP PGT–2002

(A) पुण्डरीक (B) पृथु

(C) वैशम्पायन (D) चन्द्रापीड

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-30

34. (i) हारीत पुत्र था–
(ii) हारीत किसका पुत्र था? UP PGT–2004, 2010, UK TET–2011

(A) महर्षि अगस्त्य का (B) महर्षि जाबालि का

(C) महर्षि श्वेतकेतु का (D) महर्षि विश्वामित्र का

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-41

35. शुकनासोपदेश में शुकनास के अतिरिक्त दूसरा पात्र है– UP TGT–2011

(A) वैशम्पायन (B) चन्द्रापीड

(C) तारापीड (D) शूद्रक

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-42

36. किसके गुण दोषों का वर्णन शुकनास ने किया है? UP TGT–2011

(A) राजा के (B) युवराज के

(C) लक्ष्मी के (D) प्रजा के

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37-38

37. राजतन्त्र शासन परम्परा में उपदेश दिये जाते हैं– UP TGT–2011

(A) विवाह-संस्कार के अवसर पर

(B) राज्याभिषेक के अवसर पर

(C) विद्योपार्जन के अवसर पर

(D) वानप्रस्थ के अवसर पर

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू० पेज-13

24. (B) 25. (B) 26. (B) 27. (D) 28. (B) 29. (B) 30. (B) 31. (C) 32. (D) 33. (D) 34. (B) 35. (B) 36. (C) 37. (B)

38. लक्ष्मी ने निष्ठुरता का गुण किससे प्राप्त किया? UP TGT–2004

(A) कौस्तुभमणि से (B) उच्चैःश्रवा से
(C) कालकूट से (D) मदिरा से

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-59

39. लक्ष्मी 'पातालगुहेव..........' है– UP TGT–2004

(A) विटपकानध्यारोहति (B) तमोबहुला
(C) चिरद्युतिकारिणी (D) प्रकटितविविधसंक्रान्तिः

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-68

40. लक्ष्मी से कुप्रभावित राजा 'दर्शनप्रदानमपि............. गणयन्ति– UP TGT–2004

(A) अनुग्रहं (B) वरप्रदानं
(C) पावनं (D) उपकारं

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-104

41. 'निर्मलापि कालुष्यमुपयाति' में किसकी ओर संकेत है? H TET–2015

(A) बुद्धि (B) मन
(C) आत्मा (D) शरीर

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-47

42. कौन-सा राजा सिद्धादेश होता है? UP TGT–2004

(A) भीरुप्रकृतिः (B) उन्मत्तः
(C) आरुढप्रतापः (D) तरलहृदयः

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-118

43. 'लक्ष्मी 'साधुभाव' की क्या है? UP TGT–2004

(A) प्रस्तावना (B) कदलिका
(C) राहुजिह्वा (D) वध्यशाला

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-76

44. दोषों की शृंखला में कौन सम्मिलित नहीं है? H TET–2015

(A) गर्भ से ही धनशाली होना (B) नवीन युवावस्था होना
(C) अत्यधिक शिक्षित होना (D) अतुलनीय सुन्दर होना

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-45

45. 'राज्यविषविकारतन्द्राप्रदा' है– UP TGT–2004

(A) राजलक्ष्मी (B) सरस्वती
(C) युवावस्था (D) सुन्दरता

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-56

46. ''उत्कुपितलोचना इव तेजस्विनो नेक्षन्ते'' ऐसा आचरण करते हैं– UP TGT–2004

(A) सज्जन (B) युवकजन
(C) मूर्खजन (D) लक्ष्मी से प्रभावित राजा

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-91

47. (i) चन्द्रापीड को राज्याभिषेक पर उपदेश देता है–
(ii) यौवराज्यात्पूर्वं चन्द्रापीडं क उपदिशति– UP TGT–2004, BHU AET–2010

(A) तारापीडः (B) शुकनासः
(C) वैशम्पायनः (D) पत्रलेखा

स्रोत– शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू0 पेज-13

48. 'कादम्बरी' शब्द का अर्थ है– UP TGT–2004, UGC 25 D–2014

(A) सुरा (B) विष
(C) अमृत (D) जल

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा , भू0 पेज-12

49. 'कादम्बरी' में चन्द्रापीड किस राज्य का युवराज है? UP TGT–2004

(A) कौशाम्बी (B) धारानगरी
(C) सतारा (D) उज्जयिनी

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37

50. (i) कादम्बरी का शुक पक्षी पूर्व जन्म में कौन था?
(ii) शुक के पूर्व जन्म का नाम था– UP TGT–2004, 2009, 2010

(A) शूद्रक (B) वैशम्पायन
(C) पत्रलेखा (D) कपिञ्जल

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-30

51. शूद्रक की राजसभा में शुकपक्षी को कौन लाया था? UP TGT–2004

(A) प्रतीहारी (B) पत्रलेखा
(C) पुण्डरीक (D) मातङ्गिनी (चाण्डालकन्या)

स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, पेज-42

38. (A) 39. (B) 40. (A) 41. (A) 42. (C) 43. (D) 44. (C) 45. (A) 46. (D) 47. (B) 48. (A) 49. (D) 50. (B) 51. (D)

52. **शुकनासोपदेश की विषयवस्तु में निम्न में से कौन सम्मिलित नहीं है? UP TGT–2005**
(A) युवावस्थाजन्य विकार
(B) लक्ष्मीमद
(C) उत्तराधिकार के प्रति लापरवाही
(D) ऐश्वर्य सम्बन्धी दोष
स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, पेज-1

53. **कादम्बरी कथा के विषय में निम्न में से कौन-सी बात गलत है– UP TGT–2005**
(A) शुक ने शूद्रक को सुनाया
(B) जाबालि ने शुक को सुनाया
(C) महाश्वेता ने चन्द्रापीड को सुनाया
(D) शुकनास ने चन्द्रापीड को सुनाया
स्रोत–कादम्बरी- तारिणीश झा, भू0 पेज-32-35

54. **'शुकनासोपदेश' में किसे अविनयों (दुराचारों) का घर नहीं कहा गया है? UP TGT–2005**
(A) गर्भेश्वरत्वम् (B) अभिनवयौवनत्वम्
(C) अप्रतिमरूपत्वम् (D) ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्
स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-45

55. **शुकनासोपदेशानुसारेण अहङ्कारस्य एकं प्रबलं कारणं वर्तते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014**
(A) बुद्धिमत्ता (B) ज्ञानराहित्यम्
(C) गर्भेश्वरत्वम् (D) सौजन्यम्
स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-45

56. **लक्ष्मीमद कैसा होता है? UP TGT–2005**
(A) मदिरापान के समान
(B) विषपान के समान
(C) शीघ्रविनाशी
(D) अन्तिम अवस्था में भी नष्ट न होने वाला
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-42,43

57. **किस प्रकार के राजा का आदेश सिद्ध योगी के समान सफल होता है? UP TGT–2005**
(A) प्रचुर धन वाले का (B) अतिशय बलवान् का
(C) आरूढ प्रताप वाले का (D) सरल व्यवहार वाले का
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-118

58. **बिना जल वाला स्नान कौन-सा है? UP TGT–2005**
(A) धूपस्नान (B) मन्त्रस्नान
(C) मानसिक स्नान (D) गुरूपदेशरूपीस्नान
स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, पेज-13

59. **गुरूपदेशस्य महत्त्वमस्मिन्नुपवर्णितं विस्तरेण– UGC 25 S–2013**
(A) हर्षचरिते (B) दशकुमारचरिते
(C) नैषधीयचरिते (D) कादम्बर्याम्
स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, पेज-13

60. **राजप्रकृति कैसी होती है? UP TGT–2009**
(A) विह्वला (B) उज्ज्वला
(C) निर्मला (D) सुलभा
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-56

61. **'चिकीर्षुः' किस धातु से बना है? UP TGT–2009**
(A) चि (B) कृष्
(C) सु (D) कृ
स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-43

62. **(i) राजा शूद्रक की राजधानी– UP TGT–2010, 2013**
(ii) राजा शूद्रक की राजधानी थी–
(A) विदिशा (B) उज्जयिनी
(C) अवन्तिका (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, पेज-31

63. **निम्नलिखित अवतरण में किसके विशेषण हैं?**
'अतिशुद्ध-स्वभावमपि कृष्णचरितम् अकरमपि हस्तस्थित-सकल-भुवनतलं राजानम् अद्राक्षीत्। UP PGT–2000
(A) शूद्रक (B) वैशम्पायन
(C) पुण्डरीक (D) चन्द्रापीड
स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, पेज-54

52. (C) 53. (D) 54. (D) 55. (C) 56. (D) 57. (C) 58. (D) 59. (D) 60. (A) 61. (D) 62. (A) 63. (A)

64. (i) शाल्मली वृक्ष का वर्णन किस ग्रन्थ में है?
(ii) शाल्मलीवृक्ष का वर्णन किसमें है?
(iii) शाल्मलीवृक्ष का वर्णन इसमें पाया जाता है?
(iv) 'शाल्मलीवृक्षवर्णनं' कस्मिन् काव्ये दृश्यते?
UP PGT–2004, UGC 25 J–1994, 1998, 2001, D–2013

(A) रघुवंशम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) कादम्बरी (D) शिवराजविजयम्

स्रोत–कादम्बरी- तारिणीश झा, भू0 पेज-32

65. (i) 'त्रिभुवनप्रसवभूमिरिव विस्तीर्णा' विशेषता किसके लिए प्रयुक्त है? UP PGT–2004, 2009, 2010
(ii) 'त्रिभुवनप्रसवभूमिरिव विस्तीर्णा' विशेषण किसके लिये प्रयुक्त है?

(A) विदिशा (B) उज्जयिनी
(C) विन्ध्याटवी (D) हेमकूट

स्रोत–कादम्बरी- तारिणीश झा, पेज-44

66. 'विन्ध्यवनभूमिरिव वेत्रलतावती' निम्नाङ्कित में से किसका विशेषण है? UP PGT–2005

(A) प्रतिहारी (B) चाण्डालकन्या
(C) महाश्वेता (D) कुलदेवी

स्रोत–कादम्बरी-समीर शर्मा, पेज-41

67. कादम्बरी में वर्णित इन्द्रायुध था? UP PGT–2005

(A) मन्त्री (B) राजा
(C) घोड़ा (D) वज्र

स्रोत–शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, भू0 पेज-13

68. इन्द्रायुध किसका अवतार था? UP PGT–2009

(A) चन्द्रमा का (B) कपिञ्जल का
(C) पुण्डरीक का (D) वैशम्पायन का

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-493

69. लक्ष्मी की उत्पत्ति हुई है– UP TET–2013

(A) गङ्गानदी से (B) धन सम्पत्ति से
(C) शिव से (D) जलधि (समुद्र) से

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-60

70. पुण्डरीकः कस्मात् कारणात् मृतः – K-SET–2013

(A) विरहतापेन (B) रोगेन
(C) आत्महत्यया (D) तृष्णया

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त) - राजदेव मिश्र, भू. पेज-27

71. पत्रलेखा इसकी पात्र है– UGC 25 D–1997

(A) मृच्छकटिक की (B) रत्नावली की
(C) हर्षचरित की (D) कादम्बरी की

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू0 पेज-15

72. अधूरी कादम्बरी का पूरण इनसे हुआ– UGC 25 J–1999

(A) दण्डी (B) सुबन्धु
(C) हर्षवर्धन (D) पुलिन्दभट्ट

स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, भू0पेज-9

73. कादम्बरीकथायां पुण्डरीकस्य सखा कः? K SET–2014

(A) वैशम्पायनः (B) चन्द्रापीडः
(C) कपिञ्जलः (D) शुकनासः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-494

74. इस कथा का आधार पुनर्जन्म सिद्धान्त पर विश्वास है– UGC 25 D–1999

(A) दशकुमारचरितम् (B) शुकसप्तति
(C) कादम्बरी (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–कादम्बरी- तारिणीश झा, भू0पेज-67

75. शूद्रक का वर्णन है– UGC 25 D–2003

(A) कादम्बरी (B) हर्षचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) दशकुमारचरितम्

स्रोत–कादम्बरी- (कथामुखम्)- तारिणीश झा, पेज-32

76. लक्ष्मी चाञ्चल्यमस्मिन्नुपवर्णितमस्ति– UGC 25 D–2012, 2014

(A) शाकुन्तले (B) कादम्बर्याम्
(C) हर्षचरिते (D) रघुवंशे

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, पेज-30

64. (C) 65. (A) 66. (A) 67. (C) 68. (B) 69. (D) 70. (A) 71. (D) 72. (D) 73. (C) 74. (C) 75. (A) 76. (B)

77. वैशम्पायनवृत्तान्तः कुत्रोपवर्णितः– UGC 25 J–2014

(A) दशकुमारचरिते (B) मृच्छकटिके
(C) कादम्बर्याम् (D) हर्षचरिते

स्रोत–कादम्बरी- समीर शर्मा, पेज-70

78. ''न वैदग्ध्यं गणयति'' इत्यस्मिन् वाक्ये वैदग्ध्यशब्दस्य कोऽर्थः– BHU B.Ed–2013

(A) निपुणता (B) पाण्डित्य
(C) चतुराई (D) मूर्खता

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-64

79. चन्द्रापीडस्य सेविका अस्ति– DU M Phil–2016

(A) मदनलेखा (B) चन्द्रलेखा
(C) पत्रलेखा (D) चित्रलेखा

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, भू0 पेज-33

80. (i) 'चन्द्रापीड' पात्र कहाँ वर्णित है?
(ii) 'चन्द्रापीड' पात्र कहाँ उपलब्ध है? BHU MET–2009, 2013

(A) बुद्धचरित में (B) हर्षचरित में
(C) दशकुमारचरित में (D) कादम्बरी में

स्रोत–शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, भू0 पेज-01

81. (i) 'कादम्बरी' शब्द प्रसिद्ध है– UP GDC–2012
(ii) 'कादम्बरी' इति शब्दस्य प्रसिद्धोऽर्थोऽस्ति–
(iii) 'कादम्बरी' शब्द का अर्थ है– UP PGT–2011
UP TGT–2011

(A) अप्सरा (B) मदिरा
(C) भीरुस्त्री (D) कदम्बधारिणी

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू0 पेज-12

82. वेत्रवती नदी किस नगरी में स्थित है? UP GIC–2009

(A) अलका में (B) विदिशा में
(C) उज्जयिनी में (D) अवन्ती में

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- तारिणीश झा, पेज-45

83. (i) 'अच्छोदसरोवर' का वर्णन कहाँ प्राप्त होता है?
(ii) 'अच्छोदसरोवर' का वर्णन है–UGC 73 J–1999
BHU MET–2016

(A) मृच्छकटिकम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) हर्षचरितम् (D) कादम्बरी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-494

84. राजा शूद्रक की तुलना किससे नहीं की गई है? UP TET–2013

(A) चक्रधर से (B) वरुण से
(C) हर (शिव) से (D) कमलयोनि (ब्रह्मा) से

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, पेज-26,27

85. 'मन्मथः' पद का अर्थ है– UP TET–2013

(A) मन (B) कामदेव
(C) शिव (D) विष्णु

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-समीर शर्मा, पेज-17

86. अप्रतिहतशक्ति से युक्त है– UP TET–2013

(A) मन्मथ (B) हर (शिव)
(C) गुह (कार्तिकेय) (D) कमलयोनि

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- समीर शर्मा, पेज-16-17

87. 'गुह इवाप्रतिहतशक्तिः'–यहाँ 'गुह' का अभिप्राय है– UP PGT–2011

(A) गुहावासी (B) कामदेव
(C) कार्तिकेय (D) गूद

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- समीर शर्मा, पेज-17

88. राजहंस को किसने विमान बनाया? UP TET–2013

(A) कमलयोनि (ब्रह्मा) ने (B) लक्ष्मी ने
(C) समुद्र ने (D) विष्णु ने

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-16-17

89. किसने राजा की ओर मुख करके आर्या छन्द को पढ़ा? UP TET–2014

(A) विहङ्गराज ने (B) प्रतीहारी ने
(C) चाण्डालकन्या ने (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- समीर शर्मा, पेज-71

77. (C) 78. (B) 79. (C) 80. (D) 81. (B) 82. (B) 83. (D) 84. (B) 85. (B) 86. (C)
87. (C) 88. (A) 89. (A)

90. कौन उस आर्या छन्द को सुनकर आश्चर्यचकित हो गया? UP TET–2014
(A) राजा (B) शुक
(C) देवता (D) राक्षस
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-71

91. समस्त मन्त्रिमण्डल में प्रधानमन्त्री है– UP TET–2014
(A) कुमारपालित (B) कुमार
(C) शुक (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-72

92. किसके वर्णो के उच्चारण में स्पष्टता थी? UP TET–2014
(A) शुक के (B) राजा के
(C) प्रजा के (D) मन्त्री के
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-101

93. चन्द्रापीड का राज्याभिषेक करने की इच्छा किसे हुई? UP TET–2014
(A) शुकनास को (B) तारापीड को
(C) कादम्बरी को (D) वैशम्पायन को
स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-37

94. ''आसीदशेषनरपति शिरः''–यह कथन किसके लिए कहा गया है? UP TET–2014
(A) वैशम्पायन (B) शूद्रक
(C) चन्द्रापीड (D) शुकनास
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्- समीर शर्मा, पेज-15

95. (i) कादम्बरी कथा के अनुसार विदिशा जिस राजा की राजधानी थी, उसका नाम है– UP TET–2014
(ii) कादम्बर्यानुसारं विदिशा कस्य राजधानी आसीत्? T SET–2014
(A) तारापीड (B) चन्द्रापीड
(C) शुकनास (D) शूद्रक
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-31, 20

96. 'त्रयीमयाय त्रिगुणात्मने नमः' इस वाक्य में परमात्मा की कितनी अवस्थाओं का वर्णन किया गया है? UP TET–2014, T SET–2013
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-1)-समीर शर्मा, पेज-01

97. 'हर इव जितमन्मथः' अंश के आधार पर जितेन्द्रिय राजा शूद्रक है– UP TET–2014
(A) शिव के समान (B) इन्द्र के समान
(C) ब्रह्मा के समान (D) विष्णु के समान
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-16

98. कादम्बरी में वर्णित विदिशा नगरी किस नदी के किनारे स्थित है? UP TET–2014
(A) सरयू (B) वेत्रवती
(C) गङ्गा (D) महानदी
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-31

99. कादम्बर्याः तिर्यक्पात्रं वैशम्पायनः कस्मिन्नाश्रमे लब्धवानाश्रयम्? UP GDC–2014
(A) रामगिर्याश्रमे (B) जाबाल्याश्रमे
(C) अगस्त्याश्रमे (D) चित्रकूटाश्रमे
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-315, भू.-33

100. कादम्बर्याः 'शूद्रक' ऐतिहासिकः पात्रमस्ति न वा? निश्चीयताम्– UP GDC – 2014
(A) ऐतिहासिकः (B) कल्पितः
(C) उक्तमुभयमपि न (D) अनिर्णयः
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-'अभिराज' राजेन्द्र मिश्र, भू. पेज-28

101. कादम्बर्याः वास्तविकी कथा केनोक्ताऽऽसीत्? UP GDC – 2014
(A) वैशम्पायनेन (B) हारीतेन
(C) जाबालिना (D) तारापीडेन
स्रोत–कादम्बरी- रमाशंकर त्रिपाठी, भू0 पेज-10

102. कादम्बर्यां महाश्वेता कं देवमुपवीणयति स्म? BHU AET–2010
(A) गणेशम् (B) शिवम्
(C) विष्णुम् (D) इन्द्रम्
स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज-01

103. चाण्डालकन्या प्रथमे जन्मनि का आसीत्? BHU AET–2010
(A) लक्ष्मी (B) दुर्गा
(C) पार्वती (D) सरस्वती
स्रोत–(i) शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, भू0 पेज-18
(ii) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–493

90. (A) 91. (A) 92. (A) 93. (B) 94. (B) 95. (D) 96. (B) 97. (A) 98. (B) 99. (B) 100. (B) 101. (C) 102. (B) 103. (A)

104. चाण्डालकन्ययाऽऽनीतः शुकः क आसीत्? **BHU AET–2010**

(A) कपिञ्जलः (B) इन्द्रायुधः

(C) पुण्डरीकः (D) चन्द्रमाः

स्रोत–शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, भू0 पेज-18

105. महाश्वेतावृत्तान्ते किं नाम सरो वर्णितम्? **BHU AET–2010**

(A) पम्पासरः (B) अच्छोदसरः

(C) मानसरः (D) ब्रह्मसरः

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-29

106. कादम्बरीकथायां पुण्डरीकस्यानुरागः कं प्रति आसीत्? **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) कादम्बरीम् (B) महाश्वेताम्

(C) शकुन्तलाम् (D) तापसीम्

स्रोत–शुकनासोपदेश- तारिणीश झा, भू0 पेज-01

107. (i) महाश्वेताचरितम् अवतारितम्–

(ii) 'महाश्वेता' का वर्णन कहाँ प्राप्त होता है? **BHU MET–2012, WB SET–2010**

(A) कादम्बरी (B) रामायण

(C) महाभारत (D) दशकुमारचरित

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-29

108. शुकनास के उपदेश के पश्चात् प्रसन्न हृदय वाला राजा कहाँ गया? **UP TGT–2013**

(A) राजदरबार में (B) उद्यान में

(C) अपने भवन में (D) वन में

स्रोत–शुकनासोपदेश- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-119

109. 'धिया निबद्धेयमतिद्वयी कथा' के अन्तर्गत 'अतिद्वयी' कथा से दो किन कथाओं का उल्लेख है? **UP PGT–2013**

(A) कादम्बरी तथा हर्षचरितम्

(B) बृहत्कथा तथा वासवदत्ता

(C) पद्मिनी तथा रयीशः

(D) तिलकमञ्जरी तथा अवन्तिसुन्दरी

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक 20)-समीर शर्मा, पेज-14,15

110. (i) 'विन्ध्याटवी वर्णन' किस ग्रन्थ का अंश है?

(ii) 'विन्ध्याटवी' का वर्णन प्राप्त होता है? **UP PGT–2013, BHU MET–2016**

(A) नलचम्पू में (B) कादम्बरीकथामुखम् में

(C) मृच्छकटिकम् में (D) हर्षचरितम् में

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, भू0 पेज-12

111. कौस्तुभमणि को कौन धारण करता है? UP TGT–2013

(A) ब्रह्मा (B) विष्णु

(C) शिव (D) इन्द्र

स्रोत–कादम्बरी-कथामुखम् (श्लोक -7)-समीर शर्मा, पेज-06

112. महाश्वेता किसका पर्यायवाची है? UP TGT (H)–2003

(A) लक्ष्मी (B) सरस्वती

(C) पार्वती (D) सीता

स्रोत–संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश-उमाप्रसाद पाण्डेय, पेज-705

113. ''स्तनयुगमश्रुस्नातम्'' .... इत्यादि कादम्बरीकथा-मुखश्लोकस्य वक्ताऽस्ति– **UP GIC–2015**

(A) जाबालिः (B) शूद्रकः

(C) शुकनासः (D) वैशम्पायनशुकः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-71

114. 'कादम्बरीरसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' इत्यत्र 'कादम्बरी' पदे कोऽलङ्कारः? **BHU AET–2010**

(A) अनुप्रासः (B) यमकम्

(C) श्लेषः (D) रसवत्

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, भू0 पेज-13

115. कादम्बर्यां विन्ध्याटवीवर्णने अचेतनपदार्थानां चेतनदेवताभिः उपमाकरणस्य मूले चमत्कारोऽस्ति? **UP GDC–2012**

(A) वक्रोक्तेः (B) यमकस्य

(C) श्लेषस्य (D) अनुप्रासस्य

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-150,151

104. (C) 105. (B) 106. (B) 107. (A) 108. (C) 109. (B) 110. (B) 111. (B) 112. (B) 113. (D) 114. (C) 115. (C)

116. ''अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः''– यह सूक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है? UP PGT (H)–2000

(A) नीतिशतकम् (B) कादम्बरी शुकनासोपदेश
(C) उत्तररामचरितम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

स्रोत–शुकनासोपदेश - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-47

117. ''अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'' सूक्ति किस ग्रन्थ की है? UP PGT–2009

(A) कादम्बरी (शुकनासोपदेश) (B) नलचम्पू
(C) मृच्छकटिकम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–शुकनासोपदेश - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-42

118. ''गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 D–2006

(A) दशकुमारचरिते (B) हर्षचरिते
(C) मुद्राराक्षसे (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–शुकनासोपदेश - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-62

119. ''सुभाषितं हारि विशत्यधो-गलान्न दुर्जनस्या-र्करिपोरिवामृतम्'' इति केन कविनोक्तम्? UGC 25 J–2012

(A) वेदव्यासेन (B) बाणमहाकविना
(C) कालिदासेन (D) भासेन

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-7) - समीर शर्मा, पेज-05

120. ''रजोजुषे जन्मनि सत्त्ववृत्तये'' श्लोक जिसमें उपलब्ध है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) कादम्बरी (B) हर्षचरितम्
(C) मालविकाग्निमित्रम् (D) वासवदत्ता

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-1) -समीर शर्मा, पेज-01

121. (i) ''अकारणाविष्कृतवैरदारुणादसज्जनात् कस्य भयं न जायते'' पद्यस्यास्य प्रणेता कविरस्ति–

(ii) ''अकारणाविष्कृतवैरदारुणादसज्जनात् कस्य भयं न जायते'' – श्लोकांश के रचयिता हैं? UP GDC–2012, UP PGT–2011

(A) भवभूतिः (B) श्रीहर्षः
(C) कालिदासः (D) बाणभट्टः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-5)-समीर शर्मा, पेज-04

122. (i) ''स्फुरत्कलालाप-विलास-कोमला'' वाक्यांशोऽयं वैशिष्ट्यं प्रकटयति– UP GDC–2012

(ii) 'स्फुरत्कलालापविलासकोमला'–यह वाक्यांश किसके वैशिष्ट्य को प्रकट करता है– UP PGT–2011

(A) कादम्बर्याः (B) वासवदत्तायाः
(C) रत्नावल्याः (D) कथाकाव्यस्य

स्रोत–कादम्बरी-कथामुखम् (श्लोक-8)-जयशङ्कर लाल त्रिपाठी, पेज-09

123. 'सर्वथा निष्फला प्रज्ञा' इति वाक्यं .... विद्यते– GJ SET–2016

(A) मुद्राराक्षसे (B) हर्षचरिते
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज–72

124. 'कालो हि गुणाश्च दुर्निवारतामारोपयन्ति मदनस्य सर्वदा'– वाक्यमेतद् .... वदति? GJ SET–2016

(A) विलासवती (B) महाश्वेता
(C) कपिञ्जल (D) तरलिका

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-प्रद्युम्न पाण्डेय, पेज-44

125. महाश्वेतायाः प्रेम्णि कः स्वप्राणान् त्यक्तवान्? RPSC SET–2013-14

(A) चन्द्रापीडः (B) हारीतः
(C) इन्द्रायुधः (D) पुण्डरीकः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-494

126. 'अंशुमयीमिव तनुच्छायानुलिप्तभूतलाम्।' – इयं पंक्तिः कां वर्णयति– MH SET–2013

(A) शकुन्तलाम् (B) महाश्वेताम्
(C) कादम्बरीम् (D) सीताम्

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज-15,16

127. महाश्वेतायाः प्रियकरः कः– MH SET–2013

(A) चन्द्रापीडः (B) तारापीडः
(C) चन्द्रकेतुः (D) पुण्डरीकः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-494

116. (B) 117. (A) 118. (D) 119. (B) 120. (A) 121. (D) 122. (D) 123. (D) 124. (B) 125. (D) 126. (B) 127. (D)

128. (i) ''असज्जनात् कस्य भयं न जायते'' यह वचन किस ग्रन्थ का है– UGC 25 J–2015

(ii) ''असज्जनात्कस्य भयं न जायते'' इति सूक्तेराकरोऽस्ति–UP TGT–2013, UP GDC–2014

(iii) ''अकारणाविष्कृतवैरदारुणादसज्जनात् कस्य भयं न जायते'' इत्यादि श्लोकः कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति?

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) कादम्बरी (D) नीतिशतकम्

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-5)-समीर शर्मा, पेज-4

129. 'अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहराकृतयोऽपि लोकविनाश हेतवः, श्मशानाग्नय इवातिरौद्रभूतयः, तैमिरिका इवादूरदर्शिनः, उपसृष्टा इव क्षुद्राधिष्ठितभवनाः, श्रूयमाणा अपि प्रेतपटहा इवोद्वेजयन्ति।' प्रस्तुत गद्यांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP TGT–1999

(A) शिवराजविजयम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) कादम्बरी (शुकनासोपदेश) (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-94

130. 'ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्' यह कथन किस ग्रन्थ का है? UP TGT–2001

(A) शुकनासोपदेश का (B) मेघदूतम् का
(C) नीतिशतकम् का (D) किरातार्जुनीयम् का

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-44

131. ''पुरुषोत्तमरताऽपि खलजनप्रिया'' यह उक्ति किसके लिए है? UP TGT–2005

(A) चाण्डालकन्या के लिए (B) कादम्बरी के लिए
(C) महाश्वेता के लिए (D) लक्ष्मी के लिए

स्रोत–शुकनासोपदेश-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-72

132. ''रुचिरस्वरवर्णप्रदा रसभाववती जगन्मनो हरति'' किस कवि की रचना के लिए कहा गया है? UP TGT–2009

(A) कालिदास (B) भवभूति
(C) बाणभट्ट (D) भारवि

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-समीर शर्मा, भू0पेज-16

133. ''लब्धापि दुःखेन परिपाल्यते'' किसका कथन है? UP PGT–2005

(A) शुकनास का (B) चन्द्रापीड का
(C) तारापीड का (D) विलासवती का

स्रोत–शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, पेज-19

134. ''मनस्तु साधुध्वनिभिः पदे पदे हरन्ति सन्तो मणिनूपुरा इव'' पंक्तियाँ किस ग्रन्थ से उद्धृत हैं? UP PGT–2005

(A) नीतिशतक (B) मेघदूत
(C) कादम्बरी (D) शिशुपालवध

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-6)-समीर शर्मा, पेज-05

135. 'स्तनयुगमश्रुस्नातं समीपतरवर्ति हृदयशोकाग्नेः। चरति विमुक्ताहारं व्रतमिव भवतो रिपुस्त्रीणाम्॥' इति श्लोकः निबद्धः वर्तते– UGC 25 J–2008

(A) रघुवंशे (B) हर्षचरिते
(C) दशकुमारचरिते (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-समीर शर्मा, पेज-71

136. ''सर्वथा न कञ्चन स्पृशन्ति शरीरधर्माणमुपतापाः'' कस्माद् ग्रन्थादेतत् वाक्यमुद्धृतम्? UGC 25 J–2012

(A) दशकुमारचरितम् (B) हर्षचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) कादम्बरी

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज-31

137. ''अचिरेण च तस्याः स्वयं पतितैः फलैरपूर्य्यत भिक्षाभाजनम्'' कस्य सम्बन्धे उक्तिः? UGC 25 J–2011

(A) कादम्बर्याः सम्बन्धे (B) महाश्वेतायाः सम्बन्धे
(C) पत्रलेखायाः सम्बन्धे (D) मदलेखायाः सम्बन्धे

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-प्रद्युम्न पाण्डेय, पेज-26,33

138. ''किमिव हि दुष्करमकरुणानाम्'' सूक्ति ग्रहण की गई है– UP PGT–2013

(A) नलचम्पू से (B) शिशुपालवध से
(C) अभिज्ञानशाकुन्तल से (D) कादम्बरी से

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, पेज-271

128. (C) 129. (C) 130. (A) 131. (D) 132. (C) 133. (A) 134. (C) 135. (D) 136. (D) 137. (B) 138. (D)

139. 'नास्ति जीवितादन्यदभिमततरमिह जगति सर्वजन्तूनाम्' सूक्ति किस ग्रन्थ की है? UP PGT–2011

(A) मृच्छकटिकम् (B) नलचम्पूः
(C) कादम्बरी (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - समीर शर्मा, पेज-138

140. ''अन्तरिते च तस्मिन् शबरसेनापतौ .... पिबन्निवास्माकमायूंषि।'' इत्यत्र रिक्तस्थानम् अधोलिखितेन उपयुक्तेन विकल्पेन पूरयत– DU Ph. D–2016

(A) जीर्णशबरः (B) शापः
(C) सिंहः (D) श्येनः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, पेज-270

141. 'स्वस्यैवाविनयस्य फलमनेनानुभूयते' इतीदं कस्य वचनम्? DU M.Phil–2016

(A) गर्गमुनेः (B) हारितमुनेः
(C) जाबालिमुनेः (D) अगस्त्यमुनेः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, पेज-385, भू. 54

142. पुण्डरीकः महाश्वेतावियोगेन तप्तः शरीरं त्यक्त्वा अपरस्मिन् जन्मनि कः बभूव? K SET–2015

(A) व्यासः (B) वैशम्पायनः
(C) शुकः (D) जाबालिः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, भू0पेज-54

143. शुकनासोपदेशानुसारेण लक्ष्मीः सरस्वतीपरिगृहीतं जनं कस्मात् नालिङ्गति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) ईर्ष्याकारणात् (B) अपवित्रमिव मन्यमाना
(C) अनिमित्तमिव मन्यमाना (D) पातकिनमिव मन्यमाना

स्रोत–शुकनासोपदेश-तारिणीश झा, पेज-25,26

139. (C) 140. (A) 141. (C) 142. (B) 143. (A)

17 हर्षचरितम्

1. (i) 'हर्षचरितम्' ग्रन्थस्य रचनाकारः अस्ति–
(ii) हर्षचरित का रचयिता कौन हैं?
(iii) हर्षचरित किसकी रचना है?
(iv) हर्षचरितस्य रचयिता अस्ति– MGKV Ph. D–2016
BHU MET–2008, 2009, 2010, 2013
(A) कालिदासः (B) बाणभट्टः
(C) विष्णुगुप्तः (D) परिमलगुप्तः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-395

2. (i) बाणभट्टस्य कृतं हर्षचरितम्– UGC 73 J–2010,
(ii) बाणभट्ट कृत हर्षचरित है– UGC 25 D–1996, J–2007,
(iii) हर्षचरित है– AWES TGT–2009,
(iv) हर्षचरितम् किसका उदाहरण है– UP GIC–2009,
(v) हर्षचरितम् एका अस्ति–GJ SET–2004, 2014, 2016,
(vi) हर्षचरितम् .... काव्यमस्ति? HAP–2016
(A) कथा (B) चम्पूकाव्य
(C) आख्यायिका (D) चारित्रिककाव्य

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-14

3. आख्यायिका है– UGC 25 J–2002,
RPSC ग्रेड-II TGT–2010
(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) कादम्बरी (D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-14

4. सत्यं किमस्ति– UGC 25 J–2011
(A) हर्षचरितं कथा वर्तते
(B) हर्षचरितम् आख्यायिका वर्तते
(C) हर्षचरितं चम्पूः वर्तते
(D) हर्षचरितं महाकाव्यं वर्तते

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-14

5. 'हर्षचरितं' कीदृशं काव्यम्? BHU Sh.ET–2011
(A) पद्यम् (B) चम्पूः
(C) गद्यम् (D) नाटकम्

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-05

6. सम्राट्हर्षवर्धनस्य पितुः नाम किम्–UGC 25 S–2013
(A) प्रभाकरवर्धनः (B) राज्यवर्धनः
(C) अवन्तिवर्मा (D) ग्रहवर्मा

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-15

7. (i) बाणभट्ट की आत्मकथा जिस रचना में है, वह है–
(ii) बाणभट्टस्य जीवनवृत्तान्तः ग्रन्थे प्राप्यते–
UGC 25 J–1995, D–2003, GJ SET–2007
(A) दशकुमारचरितम् (B) हर्षचरितम्
(C) बुद्धचरितम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

8. (i) 'हर्षचरितम्' में उच्छ्वास हैं– BHU AET–2010,
(ii) हर्षचरिते उच्छ्वासानां संख्या कियती? UP PGT–2000
(A) 5 (B) 7
(C) 8 (D) 6

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

9. राज्यश्रीः पात्र .... है? UGC 25 D–2002
(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) कादम्बरी (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, भू0पेज-16

10. महासत्त्वता हि प्रथममवलम्बनं लोकस्य इति........ अकथयत्? GJ SET–2016
(A) राजहंसः राजवाहनम् (B) प्रभाकरवर्धनः हर्षवर्धनम्
(C) यशोमती हर्षवर्धनम् (D) मातङ्गः राजवाहनम्

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - जगन्नाथ पाठक, पेज-293

11. हर्षचरिते रसायनः कः ? UGC 25 J–2014
(A) व्याधिः (B) औषधिः
(C) वैद्यकुमारकः (D) राजसूनुः

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज-67

12. कुरङ्गकेन हर्षचरिते किं कर्म कृतम्? UGC 25 J–2015
(A) चिकित्साकर्म (B) पूजाकर्म
(C) वार्ताप्रदानम् (D) भाग्यगणनम्

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास)-शिवनाथ पाण्डेय, भू0पेज-30

1. (B) 2. (C) 3. (A) 4. (B) 5. (C) 6. (A) 7. (B) 8. (C) 9. (A) 10. (B) 11. (C) 12. (C)

13. रुग्णः प्रभाकरवर्धनः उपचारहेतोः कुत्र गतः – UGC 25 J–2013

(A) उद्याने (B) वने

(C) धवलगृहे (D) स्नानगृहे

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज-44

14. एकदा प्रत्युषसि हर्षः स्वप्ने अग्निना दह्यमानं कमपश्यत्– UGC 25 D–2013

(A) गजम् (B) अश्वम्

(C) केसरिणम् (D) सर्पम्

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज-06

15. ''निर्गतासु न वा कस्य कालिदासस्य सूक्तिषु। प्रीतिर्मधुरसान्द्रासु मञ्जरीष्विव जायते॥'' कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यतेऽयं श्लोकः? UGC 25 J–2015

(A) हर्षचरिते (B) अभिज्ञानशाकुन्तले

(C) रघुवंशे (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–हर्षचरितम् (1/16) - जगन्नाथ पाठक, पेज-08

16. 'अतिदुर्धरो बान्धवस्नेहः सर्वप्रमाथी' – हर्षचरिते इयमुक्तिर्भवति– UGC 25 J–2016

(A) प्रभाकरवर्धनस्य (B) हर्षवर्धनस्य

(C) भण्डिनः (D) यशोमत्याः

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय,पेज-60

17. हर्षचरिते पञ्चमे उच्छ्वासे 'विश्वस्तानां यशसा स्थातुमिच्छामि लोके न वपुषा' – इत्युक्तिर्भवति– UGC 25 Jn.–2017

(A) हर्षवर्धनस्य (B) प्रभाकरवर्धनस्य

(C) यशोमत्याः (D) कुरङ्गकस्य

स्रोत–हर्षचरितम् - शिवनाथ पाण्डेय,पेज-108

18. हर्षचरितस्य तृतीये उच्छ्वासे उल्लिखितः आचार्यः अस्ति– GJ SET–2016

(A) नागार्जुनः (B) रामानुजः

(C) भैरवाचार्यः (D) शौनकाचार्यः

स्रोत–हर्षचरितम् - जगन्नाथ पाठक, पेज भू. 37, 175

19. वज्रायुधस्य वर्णनमस्ति– UGC 25 J–2006

(A) कादम्बर्याम् (B) वासवदत्तायाम्

(C) हर्षचरिते (D) दशकुमारचरिते

स्रोत–

20. श्रीहर्षस्य सहोदरी राजश्रीः कं अपरिणयत्– K-SET–2015

(A) इन्द्रवर्मा (B) ग्रहवर्मा

(C) यशोवर्मा (D) हर्षवर्मा

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–492

13. (C) **14.** (C) **15.** (A) **16.** (B) **17.** (C) **18.** (C) **19.** (C) **20.** (B)

18 दशकुमारचरितम्

1. दण्डिना रचितं गद्यकाव्यं किम्? K SET–2013
(A) वासवदत्ता (B) दशकुमारचरितम्
(C) हर्षचरितम् (D) कादम्बरी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-381

2. 'बृहत्कथा' आधारित ग्रन्थ है– UGC 25 D–2001
(A) नैषधीयचरितम् (B) रघुवंशम्
(C) वेणीसंहारम् (D) दशकुमारचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज-435

3. (i) दशकुमारचरितं प्रणीतम्– GJ SET–2003,
(ii) दशकुमारचरितं कस्य कवेः रचना अस्ति? T SET–2014
(A) बाणभट्टेन (B) सुबन्धुना
(C) धनपालेन (D) दण्डिना
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी पेज-466

4. दशकुमारचरिते अयं प्रतिनायकः भवति– UGC 25 J–2012, D–2014
(A) राजहंसः (B) मानसारः
(C) राजवाहनः (D) पुष्पोद्भवः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-473

5. (i) दशकुमारचरिते कति उच्छ्वासाः सन्ति?
(ii) 'दशकुमारचरितम्' में उच्छ्वासों की संख्या है– BHU AET–2010, UP TET–2014, K SET–2014
(A) आठ (B) पाँच
(C) सात (D) दश
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-475

6. दशकुमारचरिते कियती संख्याऽस्ति राजकुमाराणाम्– BHU AET–2010
(A) 07 (B) 08
(C) 09 (D) 10
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-474-475

7. कुत्र पदलालित्यं प्रसिद्धम्? BHU Sh.ET–2008
(A) काव्ये (B) दशकुमारचरिते
(C) भासनाटकचक्रे (D) पुराणे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–477

8. किस प्राचीन गद्यकाव्य में लोक जीवन का सर्वाधिक चित्रण है? UP GIC–2009
(A) दशकुमारचरितम् (B) वासवदत्ता
(C) कादम्बरी (D) हर्षचरितम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-481

9. दशकुमारचरितस्य नायकः कः? UGC 25 J–2016
(A) राजहंसः (B) उपहारवर्मा
(C) राजवाहनः (D) अपहारवर्मा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-383

10. दशकुमारचरितम् में उल्लिखित किसी एक कुमार का नाम– UGC 25 J–2001
(A) राजवाहन (B) हंस
(C) नल (D) बुद्ध
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-383

11. विश्रुतस्य वृत्तान्तं कुत्रवर्णितम् – UGC 25 J–2012
(A) कादम्बरी (B) दशकुमारचरितम्
(C) हर्षचरितम् (D) चम्पूरामायणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-475

12. (i) पुण्यवर्मा कस्य देशस्य नृप आसीत् दशकुमारचरिते–
(ii) पुण्यवर्मा कस्य देशस्य नृप आसीत्? UGC 25 J–2013, D–2015
(A) वत्सदेशस्य (B) उज्जयिन्याः
(C) वाराणस्याः (D) विदर्भदेशस्य
स्रोत–दशकुमारचरितम् - विश्वनाथ झा, पेज-238, 239

1. (B)	2. (D)	3. (D)	4. (B)	5. (A)	6. (D)	7. (B)	8. (A)	9. (C)	10. (A)
11. (B)	12. (D)								

13. (i) दशकुमारचरितानुसारं राजभूपस्य राजधानी आसीत्?
(ii) 'राजहंसभूपः' कस्यां नगर्यां बभूव?
T-SET–2013, MH SET–2013
(A) कुसुमपुरनगर्याम् (B) उज्जयिनीनगर्याम्
(C) पुष्पपुरीनगर्याम् (D) विदिशानगर्याम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-473

14. 'राजवाहन' नामक राजकुमार का वर्णन है–UP TET–2014
(A) दशकुमारचरितम् में (B) मृच्छकटिकम् में
(C) रत्नावली में (D) वेणीसंहारम् में
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी,पेज-475

15. दशकुमारचरिते पूर्वपीठिकायां निबद्धानामुच्छ्वासानां संख्या वर्तते– BHU AET–2010
(A) 06 (B) 08
(C) 05 (D) 07
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि' पेज-384

16. दशकुमारचरितस्य कस्मिन् चरिते सुरतमञ्जर्याः उपाख्यानमस्ति? UGC 25 J–2015
(A) अपहारवर्मचरिते (B) उपहारवर्मचरिते
(C) राजवाहनचरिते (D) पुष्पोद्भवचरिते
स्रोत–दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वास)-विश्वनाथ झा, पेज-10

17. (i) दशकुमारचरिते मगधनरेशस्य पुत्रः कः?
(ii) मगधनरेशराजहंसस्य पुत्रः – AWES TGT–2012, GJ SET–2013
(A) मित्रगुप्तः (B) राजवाहनः
(C) कामपालः (D) सत्यवर्मा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-383

18. 'दशकुमारचरितम्' की कथावस्तु का विचार कहाँ से लिया गया है– UP PGT–2000
(A) ऋग्वेद (B) छान्दोग्योपनिषद्
(C) बृहत्कथा (D) महाभारत
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–435

19. दशकुमारचरिते अथ सोऽप्याचचक्षे – ''देव, मयापि परिभ्रमता कोऽपि कुमारः .... दृष्टः'' – इत्यादिषु कस्य परिभ्रमणमुल्लिखितम्? UGC 25 J–2016
(A) राजवाहनस्य (B) विश्रुतस्य
(C) अपहारवर्मणः (D) उपहारवर्मणः
स्रोत– दशकुमारचरितम्-विश्वनाथ झा, पेज–237

20. ओष्ठ्यवर्णानामभावोऽस्ति दशकुमारचरितस्य उच्छ्वासे– GJ SET–2004
(A) सप्तमे (B) अष्टमे
(C) षष्ठे (D) चतुर्थे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी ,पेज-478

21. दशकुमारचरितम् में दण्डी ने कौन-सी रीति का प्रयोग किया है? WB SET–2010
(A) गौडी रीति (B) वैदर्भी रीति
(C) पाञ्चाली रीति (D) अवन्ती रीति
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–475

22. विश्रुतः कया सह विवाहमकरोत्– MH SET–2013
(A) कन्दुकवत्या (B) मणिकर्णिकया
(C) सौदामिन्या (D) मञ्जुवादिन्या
स्रोत–दशकुमारचरितम्- विश्वनाथ झा, पेज-280

23. प्रचण्डवर्माणं कः हतवान्– MH SET–2013
(A) सुश्रुतः (B) विश्रुतः
(C) अपहारवर्मा (D) उपहारवर्मा
स्रोत–दशकुमारचरितम्- विश्वनाथ झा, पेज-276

24. दशकुमारचरितम् इति कः वाङ्मयप्रकारः? MH SET–2014
(A) नाटकम् (B) प्रकरणम्
(C) कादम्बरी (D) आख्यायिका
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-381

25. किस रचना में कुट्टनियों का वर्णन किया गया है? UP PGT (H)–2003
(A) कादम्बरी (B) मृच्छकटिकम्
(C) दशकुमारचरितम् (D) रत्नावली
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-385-388

26. दुर्भिक्ष का वर्णन किस काव्य में है? UGC 25 D–1998
(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) कादम्बरी (D) वासवदत्ता
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-384

13. (C) 14. (A) 15. (C) 16. (C) 17. (B) 18. (C) 19. (B) 20. (A) 21. (B) 22. (D) 23. (B) 24. (D) 25. (C) 26. (B)

19 शिवराजविजयम्

1. **(i) 'शिवराजविजयम्' के रचनाकार हैं–**
(ii) 'शिवराजविजयम्' के लेखक हैं–
(iii) शिवराजविजयम् के रचयिता हैं?
UP TGT–2001, 2005, 2011
(A) अम्बिकादत्तव्यास (B) दण्डी
(C) कालिदास (D) सुबन्धु

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू0 पेज-13

2. **'शिवराजविजयः' इति उपन्यासात्मकं गद्यकाव्यं विरचितम्– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**
(A) बाणभट्टेन (B) अम्बिकादत्तेन
(C) दण्डिना (D) विष्णुदत्तेन

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू0 पेज-13

3. **संस्कृत साहित्य में प्रथम ऐतिहासिक उपन्यास का सौभाग्य किसे प्राप्त हुआ? UP TGT–2001**
(A) कादम्बरी (B) शिवराजविजयम्
(C) हर्षचरितम् (D) वासवदत्ता

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू0 पेज-13

4. **'शिवराजविजयः' ग्रन्थः एकः– AWES TGT–2013**
(A) महाकाव्यः (B) यात्रावृत्तान्तः
(C) उपन्यासः (D) आख्यायिका

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू0 पेज-13

5. **'शिवराजविजयम्' का मङ्गलाचरण है–**
UP TGT–2005
(A) अम्बिकादत्तव्यास द्वारा लिखा गया है।
(B) महाभारत से उद्धृत किया गया है।
(C) श्रीमद्भगवद्गीता से उद्धृत किया गया है।
(D) श्रीमद्भागवतपुराण से उद्धृत किया गया है।

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-01

6. **(i) शिवराजविजय विभक्त है– UP TGT–2003, 2004,**
(ii) शिवराजविजयम् का विभाजन हुआ है?
(iii) शिवराजविजयस्य वस्तुविभाजनं वर्तते?
UP GDC–2012
(A) सर्गों में (B) खण्डों में
(C) उन्मेषों में (D) निःश्वास/विरामों में

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, भू. पेज-16

7. **(i) 'शिवराजविजय' की सम्पूर्ण कथा कितने निःश्वासों में समाहित है? UP TGT–2001, 2004, 2005, 2010**
(ii) शिवराजविजय में कितने निःश्वास हैं?
(iii) शिवराजविजय में निःश्वास संख्या कितनी है?
(A) पाँच (B) आठ
(C) दस (D) बारह

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू. पेज-36

8. **'शिवराजविजय' के प्रत्येक विराम में कितने निःश्वास हैं– BHU MET–2011, 2012, UP TGT–2013**
(A) त्रयः (3) (B) पञ्च (5)
(C) चत्वारः (4) (D) षट् (6)

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू0 पेज-36

9. **'शिवराजविजयम्' रचना के नायक हैं? UP TGT–2011**
(A) महाराष्ट्रकेसरी शिवाजी (B) शिवजी
(C) अवरङ्गजीव (औरंगजेब) (D) अफजलखान

स्रोत–शिवराजविजयम् (प्रथमविराम)-देवनारायण मिश्र, भू. पेज-42

10. **(i) 'शिवराजविजय' काव्य का प्रारम्भ होता है–**
(ii) 'शिवराजविजय' काव्यस्य समारम्भो भवति–
(iii) 'शिवराजविजयम्' के कथानक के प्रारम्भ का काल है? UP TGT–2003, 2004, 2009,
(iv) 'शिवराजविजय', गद्यकाव्य का आरम्भ होता है? UP GIC–2009, UP GDC–2012 G GIC–2015
(A) सूर्योदय वर्णन से
(B) कोंकण यात्रा से
(C) रघुवीरसिंह की तोरणयात्रा से
(D) हनुमान मंदिर के वर्णन से

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-03

1. (A)	2. (B)	3. (B)	4. (C)	5. (D)	6. (D)	7. (D)	8. (C)	9. (A)	10. (A)

11. 'शिवराजविजयम्' का प्रधानरस कौन है? UP TGT–2001
(A) करुणरस (B) वीररस
(C) हास्यरस (D) शृङ्गाररस
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-22

12. शिवराजविजय में किस रीति का आश्रय लिया गया है? UP TGT–2001, 2003
(A) गौडी (B) वैदर्भी
(C) लाटी (D) पाञ्चाली
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-18

13. गोपीनाथ है? UP TGT–2003
(A) शिवाजी का मित्र (B) अफजल खाँ का दूत
(C) हनुमान्मन्दिर का पुजारी (D) रघुवीर सिंह का गुरु
स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-209

14. (i) शिवराजविजयम् किस विधा (श्रेणी) में लिखा गया ग्रन्थ है? UP TGT–2003, 2004, 2005, 2011,
(ii) शिवराजविजस्य काव्यविधाऽस्ति–
(iii) शिवराजविजय साहित्य के किस विधा के अन्तर्गत आता है? UP PGT–2010, UP GDC–2014
(iv) शिवराजविजय क्या है?
(A) नाटक (B) ऐतिहासिक उपन्यास
(C) महाकाव्य (D) कथा
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-16

15. पं० अम्बिकादत्त व्यास की अन्य संस्कृत रचनाओं में शामिल है– UP TGT–2011
(A) बिहारी-बिहार (B) सामवत (नाटक)
(C) शिव-विवाह (D) भारत-भारती
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-15

16. सोमनाथतीर्थ को धूलि में किसने मिला दिया? UP TGT–2004
(A) शहाबुद्दीन (B) कुतुबुद्दीन
(C) अकबर (D) महमूद गजनवी
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-47–48

17. सोमनाथ तीर्थ के देवता हैं? UP TGT–2004
(A) ब्रह्मा (B) विष्णु
(C) राम (D) महादेव
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-51

18. महमूदगजनवी ने सिन्धु नदी पार करके किसे अपनी राजधानी बनाया? UP TGT–2004
(A) गजिनी को (B) तक्षशिला को
(C) काबुल को (D) तेहरान को
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-53

19. शिवराजविजय में कान्यकुब्ज के राजा थे? UP TGT–2004
(A) शहाबुद्दीन (B) पृथ्वीराज
(C) कुतुबुद्दीन (D) जयचन्द्र
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-57

20. 'शिवराजविजयम्' में शिवाजी के अतिरिक्त और किसका चरित्र-चित्रण है? UP TGT–2004
(A) भैरो सिंह (B) गौर सिंह
(C) गुजराल सिंह (D) मोहन सिंह
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-42

21. 'शिवराजविजय' में कहाँ की घटना का वर्णन है? UP TGT–2004
(A) महाराष्ट्र (B) राजस्थान
(C) दिल्ली (D) बिहार
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, भू० पेज-44

22. 'शिवराजविजय' में किस तरह की चेतना का प्रकाश है? UP TGT–2004
(A) राष्ट्रीय (B) प्रादेशिक
(C) दैशिक (D) कालिक
स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, भू० पेज-13

23. 'शिवराजविजयम्' प्रथमनिःश्वास में पहले ही पुष्पचयन करने वाला कौन है? UP TGT–2005
(A) श्यामवटु (B) गौरवटु
(C) गुरु जी (D) बालिका
स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-12-13

11. (B) 12. (D) 13. (B) 14. (B) 15. (B) 16. (D) 17. (D) 18. (A) 19. (D) 20. (B)
21. (A) 22. (A) 23. (A)

24. योगिराज ने पहली बार कब समाधि लगायी थी? UP TGT–2005, 2009

(A) युधिष्ठिर के समय
(B) विक्रमादित्य के समय
(C) दुराचारपूर्ण (यवनकाल) समय में
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-37

25. शिवराजविजय में एक विप्रकन्या का अपहरण किया था– UP TGT–2011

(A) द्रविणों ने (B) एक यवन बालक ने
(C) जंगली जाति के लोगों ने (D) आर्यों ने

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-34

26. विप्र-बालिका के अपहर्ता यवन युवक का वध किसने किया? UP TGT–2005

(A) श्यामसिंह ने (B) गौरसिंह ने
(C) ब्रह्मचारी गुरु ने (D) शिवाजी ने

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-83

27. विप्र कन्या की उपमा दी गई है? UP TGT–2011

(A) लक्ष्मी देवी से (B) पार्वती देवी से
(C) सरस्वती देवी से (D) दुर्गा देवी से

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-14

28. (i) सोमनाथ मन्दिर पर किसने आक्रमण किया?
(ii) भारत के 'सोमनाथ मन्दिर पर आक्रमण करने वाला शासक था? UP TGT–2005, 2010

(A) बाबर ने (B) औरङ्गजेब ने
(C) महमूद गजनवी ने (D) मुहम्मदगोरी ने

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-47, 48

29. रोती हुई बालिका को शान्त करने के लिए किसको आदेश दिया गया था? UP TGT–2005

(A) गौरवटु को (B) श्यामवटु को
(C) सेवक को (D) किसी को भी नहीं

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-20

30. गौरवटु का परिचय है – UP TGT–2005

(A) वह शिवाजी का सेनानी है।
(B) वह आश्रम में निवास करने वाला विद्यार्थी है।
(C) वह श्यामवटु का बड़ा भाई है।
(D) वह संन्यस्त ब्रह्मचारी है।

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-93

31. 'अपजिहीर्षुः' में कौन-सी धातु है? UP TGT–2009

(A) आप् (B) जि
(C) हृ (D) हष्

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-82

32. महमूद गजनवी था– UP TGT–2011

(A) बुखारा का (B) पेरुशलम का
(C) ताशकन्द का (D) गजिनी का

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-56

33. महमूद ने भारत पर आक्रमण किया– UP TGT–2011

(A) भारत की धन-सम्पत्ति लूटने के लिये
(B) इस्लाम के प्रचार के लिए
(C) अपने साम्राज्य के विस्तार के लिये
(D) उपर्युक्त तीनों के लिये

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-56-59

34. पवित्र भारत के पराधीन होने का कारण था– UP TGT–2011

(A) पृथ्वीराज चौहान और जयचन्द की आपसी फूट
(B) पृथ्वीराज चौहान का कमजोर होना
(C) जयचन्द द्वारा पृथ्वीराज चौहान को नीचा दिखाने की भावना
(D) यवनों का आक्रामक रुख अपना लेना

स्रोत–(i) शिवराजविजयम् - देवनारायणमिश्र, पेज–58
(ii) शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज–68, 69, 70, 71

35. 'चन्द्रहास' का अर्थ है? UP TGT–2009

(A) उदीयमान चन्द्र (B) तलवार
(C) चन्द्र का उपहास (D) चाँदनी के समान ह्रास वाला

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-83

36. योगिराज पुनः कब समाधिस्थ हुए? UP TGT–2009

(A) युधिष्ठिर के समय (B) विक्रमादित्य के समय
(C) भोजराज के समय (D) पृथ्वीराज के समय

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-37

24. (A) 25. (B) 26. (B) 27. (C) 28. (C) 29. (B) 30. (B) 31. (C) 32. (D) 33. (A) 34. (A) 35. (B) 36. (B)

37. 'सतीर्थ्यः' का अर्थ है? UP TGT–2009

(A) सहपाठी (B) सूर्य

(C) थाल्हा (D) दोना

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-11

38. 'वैक्रमः' में कौन-सा प्रत्यय है? UP TGT–2010

(A) अण् (B) यत्

(C) ईयसुन् (D) मतुप्

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-46

39. 'उदतूतुलत्' में कौन-सा लकार है? UP TGT–2010

(A) लङ् (B) लिङ्

(C) लुङ् (D) लृङ्

स्रोत–(i) शिवराजविजयम् - रूपनारायण त्रिपाठी, पेज-52

(ii) बृहद्धातुकुसुमाकर-हरेकान्त मिश्र, पेज–623

40. भारतवर्ष में सर्वप्रथम यवन शासन का बीजारोपण किसने किया? UP TGT–2010, 2013

(A) महमूद गजनवी ने (B) शहाबुद्दीन ने (मो० गोरी)

(C) कुतुबुद्दीन ने (D) अलाउद्दीन ने

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-56-59

41. ब्रह्मचारी बालकों ने पहाड़ से उतरकर आने वाले योगी से प्रार्थना की– UP TGT–2011

(A) विद्याध्ययन कराने की (B) अपने आश्रम में आने की

(C) उपदेश देने की (D) राजनीति सिखाने की

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-20

42. 'शिवराजविजयम्' के सम्बन्ध में क्या सही नहीं है? UP TGT–2010

(A) इसके लेखक अम्बिकादत्तव्यास हैं।

(B) इसके नायक शिवाजी हैं।

(C) शिवराजविजयम् में 13 निःश्वास हैं।

(D) शिवराजविजयम् प्रथम ऐतिहासिक उपन्यास है।

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, भू० पेज-16

43. वयसा षोडशवर्षदेशीयः कम्बुकण्ठः आयतललाटः सुबाहुर्विशाललोचनः, ये विशेषण किसके लिये प्रयुक्त हुये हैं? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) रघुवीर सिंह (B) शिवाजी

(C) गौर सिंह (D) श्याम सिंह

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-07

44. 'नेदीयसि' का अर्थ है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) अत्यन्त समीप में (B) न देने के अर्थ में

(C) नदी के तल में (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-65

45. 'यायजूकः' शब्द का अर्थ है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) यात्राशील (B) भ्रमणशील

(C) दुराचारी (D) यज्ञशील

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-52

46. शिवराजविजये युगव्यापिनिद्रातः जागर्ति– UP GDC–2012

(A) महाराजः (B) महागुरुः

(C) महामात्यः (D) योगिराजः

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-20, 45, 46

47. ''रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पंकजश्रीः। इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे हा हन्त, हन्त!! नलिनीं गज उज्जहार।।'' श्लोकेऽस्मिन् 'कोशगतद्विरेफ' पदेन कवेः अभिप्रायोऽस्ति– UP GDC–2012

(A) भ्रमरः (B) अफजलखानः

(C) औरंगजेबः (D) गौरसिंहः

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज-104-105

48. शहाबुद्दीन नामक यवन ने निम्नलिखित में क्या नहीं किया? UP TGT–2013

(A) गजनीदेश पर आक्रमण

(B) महमूद के वंशजों की हत्या

(C) दिल्लीश्वर पृथ्वीराज की हत्या (महमूद गजनवी की हत्या)

(D) दिल्ली पर आक्रमण

स्रोत–शिवराजविजयम् - रमाशंकर मिश्र, पेज-66, 68, 71

नोट– आयोग का यह प्रश्न विवादित है।

49. 'ध्यानावस्थितैर्भवादृशैर्न ज्ञायते कालवेगः' यह उक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? UP TGT–2013

(A)उत्तररामचरितम् (B) कादम्बरी

(C) शिवराजविजयम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-35

37. (A)	38. (A)	39. (C)	40. (B)	41. (B)	42. (C)	43. (C)	44. (A)	45. (D)	46. (D)
47. (B)	48. (C)	49. (C)							

50. अफजल खाँ को मारने के पश्चात् वीर शिवाजी ने रणभूमि की सफाई का कार्य निम्नलिखित में से किसे सौंपा? UP TGT–2013

(A) गौरसिंह (B) सेनापति
(C) माल्यश्रीक (D) सचिव

स्रोत–शिवराजविजयम् (द्वितीय निःश्वास)-रमाशङ्कर मिश्र, पेज-242

51. ''सत्यं न लक्षितो मया समयवेगः'' कथन है– UP PGT–2010

(A) ब्रह्मचारीगुरु का (B) योगिराज का
(C) गौरसिंह का (D) श्यामसिंह का

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-37

52. कदलीदलकुञ्जायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्र-पानीयं परस्सहस्र पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पतत्रि-कुल-कूजितं पूजित पयः पूरितं सर आसीत्'' उपर्युक्त गद्यांश किस रचना से उद्धृत है? UP TGT–1999

(A) कादम्बरी से (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से
(C) शिवराजविजयम् से (D) उत्तररामचरितम् से

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-08

53. 'कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्' उक्ति है– UP TGT–2013

(A) पृथ्वीराज की (B) युधिष्ठिर की
(C) शिवाजी की (D) विक्रमादित्य की

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-62

54. ''रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातम्'' पद्यांश का सम्बन्ध किस रचनाकार से है? UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) भर्तृहरि (B) अम्बिकादत्तव्यास
(C) भवभूति (D) भारवि

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-88

55. 'क्वचिन्मन्दिराणि भिद्यन्ते, क्वचित्तुलसीवनानि छिद्यन्ते' क्वचिद्दारा अपह्रियन्ते, क्वचिद्धनानि लुण्ठ्यन्ते'' गद्यांश कुतो गृहीतः – UP GDC–2014

(A) कादम्बरीतः (B) हर्षचरितात्
(C) शिवराजविजयात् (D) वासवदत्तायाः

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-30-31

56. 'शिवराजविजयम्' में प्रयुक्त 'ताम्रचूडभक्षणपातकेन' का अर्थ है– UP TGT–2011

(A) तॉम्बे का चूड़ा चबाना रूपी पाप से
(B) मुर्गा खाने के पाप से
(C) लाल चूड़ी तोड़ना रूपी पाप से
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–शिवराजविजयम् - देवनारायण मिश्र, पेज-87

50. (C) 51. (B) 52. (C) 53. (C) 54. (B) 55. (C) 56. (B)

20 गद्यकाव्य के विविध प्रश्न

1. **'अपरीक्षितकारकम्' कस्य पुस्तकस्य भागः–**
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) मृच्छकटिकस्य (B) गीतगोविन्दस्य
(C) पञ्चतन्त्रस्य (D) विक्रमोर्वशीयस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-578

2. **सर्वप्रथम 'पञ्चतन्त्र' का सम्पादन किस विदेशी विद्वान् ने किया? UP GIC–2009**
(A) नार्मन ब्राउन (B) हर्टेल
(C) मैक्डॉनल (D) मैक्समूलर
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-576

3. **पञ्चतन्त्रस्य रचनायाः उद्देश्यम् आसीत्–**
AWES TGT–2010
(A) सामान्यजनान् नीतिज्ञान् कर्तुम्
(B) बालकान् नीतिज्ञं कर्तुम्
(C) राज्ञः अमरकीर्तेः पुत्रान् शिक्षितुम्
(D) विष्णुशर्मणः स्वविद्वतां निवेदितुम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-578

4. **पञ्चतन्त्र का 'पञ्चमतन्त्र' कौन-सा है?**
H TET–2014
(A) अपरीक्षितकारक (B) मित्रसम्प्राप्ति
(C) काकोलूकीय (D) इनमें से कोई नहीं
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-578

5. **'हितोपदेशः' कति भागेषु विभक्तः–**
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011
(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) नव
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-582

6. **हितोपदेशे कति कथाः सन्ति–**
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011
(A) 43 (B) 25
(C) 30 (D) 10
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-582

7. **'हितोपदेशे' पञ्चतन्त्रात् कति कथाः समुद्धृताः–**
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011
(A) 43 (B) 20
(C) 25 (D) 28
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-433

8. **हितोपदेश का सम्बन्ध किस विधि से है?**
UP TET–2016
(A) सूत्रविधि (B) कहानी कथन विधि
(C) भाषण विधि (D) उपर्युक्त सभी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-433

9. **पशुपक्षिविषयकाः कथाः यस्मिन् सन्ति सः वर्तते–**
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011
(A) हितोपदेशः (B) गीता
(C) बालरामायणम् (D) चित्रमीमांसा
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-582

10. **पशुपक्षिविषयकाभिः कथाभिः के मुदिताः भवन्ति–**
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011
(A) गर्दभाः (B) वानराः
(C) बालाः (D) मत्स्याः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–578-579

11. **बृहत्कथा की भाषा है– UGC 25 J–2001**
(A) संस्कृत (B) प्राकृत
(C) राक्षसी (D) पैशाची
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-584

1. (C) 2. (B) 3. (C) 4. (A) 5. (A) 6. (A) 7. (C) 8. (B) 9. (A) 10. (C) 11. (D)

12. 'समासबहुलता' विशेषता कस्याः विधायाः–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) संस्कृतगद्यस्य (B) संस्कृतनाटकस्य

(C) संस्कृतव्याकरणस्य (D) संस्कृतपद्यस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज-378

13. जातककथाः मूलतः विरचिताः–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) संस्कृतभाषायाम् (B) प्राकृतभाषायाम्

(C) हिन्दीभाषायाम् (D) पालिभाषायाम्

स्रोत–जातकमाला-जगदीशचन्द्र मिश्र, भू. पेज–02

14. संस्कृतसाहित्यमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) पञ्चविधम् (B) त्रिविधम्

(C) द्विविधम् (D) सप्तविधम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453

15. (i) वासवदत्ताकथायाः नायकोऽस्ति–

(ii) निम्नलिखित में से 'वासवदत्ता' (गद्यकाव्य) का नायक है–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP GDC–2008

(A) कन्दर्पकेतुः (B) मकरन्दः

(C) विद्याधरः (D) किरातः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-485

16. ''प्रत्यक्षरश्लेषमयप्रबन्धविन्यासवैदग्ध्यनिधिर्निबन्धम्'' इति कथनमस्ति– MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) बाणभट्टस्य (B) सुबन्धोः

(C) दण्डिनः (D) वादीभसिंहस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-392

17. निम्नलिखित में से किसके मतानुसार संस्कृत गद्यकाव्य के अन्तर्गत 'प्रबन्धकल्पनाकथा' और 'आख्यायिकोपलब्धार्था' का विभाजन हुआ है– UP PGT–2000

(A) पतञ्जलि (B) भर्तृहरि

(C) दण्डी (D) वामन

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-375, 376

18. निम्नलिखित में से कौन गद्यकारों का समूह है?

UP GDC–2008

(A) कालिदास - भवभूति - भास

(B) सुबन्धु - दण्डी - भास

(C) कुमारदास - कालिदास - जयदेव

(D) सुबन्धु - दण्डी - बाण

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-483

19. शास्त्रीयं गद्यं प्राप्यते– BHU AET–2010

(A) पञ्चतन्त्रे (B) हितोपदेशे

(C) रूपकेषु (D) महाभाष्ये

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-374

20. कवीनां निकषं भवति– BHU AET–2010

(A) गद्यम् (B) श्यामलादण्डकम्

(C) शास्त्रम् (D) छन्दोयोजनम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-372

21. आख्यायिकायाः कथावस्तु अस्ति– AWES TGT–2010

(A) चमत्कारपूर्णः (B) कविकल्पितः

(C) मिश्रितः (D) ऐतिहासिकः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

22. संस्कृतवाङ्मय में सर्वप्रथम गद्य का प्रयोग किस ग्रन्थ में हुआ है? UP TGT–2013

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद

(C) कादम्बरी (D) हर्षचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-372

23. गद्यकाव्य के कितने भेद होते हैं? UP TGT–2013

(A) 2 (B) 6

(C) 4 (D) 5

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-461

24. 'प्रत्यक्षरश्लेषघना' कथा कही जाती है–

UP PGT–2013

(A) अवन्तिसुन्दरी कथा (B) कादम्बरी कथा

(C) वासवदत्ता कथा (D) शिवराजविजयम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-392

12. (A) 13. (D) 14. (C) 15. (A) 16. (B) 17. (C) 18. (D) 19. (D) 20. (A) 21. (D) 22. (B) 23. (A) 24. (C)

25. हर्षवर्धन और समुद्रगुप्त दोनों ने– MP PSC–1994
(A) अश्वमेध यज्ञ किया
(B) विदेशी राजाओं के दूतों का स्वागत किया
(C) दक्षिण को जीता
(D) संस्कृत साहित्य में योगदान किया।

स्रोत–यूनिक-2015, पेज–57,71

26. गद्यकाव्यत्रय्याम् आयान्ति – UP GIC–2015
(A) दशकुमारचरितम्, वासवदत्ता, कादम्बरी
(B) कादम्बरी, शूद्रककथा, हर्षचरितम्
(C) हर्षचरितम्, दशकुमारचरितम्, शूद्रककथा
(D) शिवराजविजयम्, कादम्बरी, हर्षचरितम्

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, भू0पेज-11

27. गद्यकाव्यं नास्ति– UGC 25 J–2016
(A) कादम्बरी (B) दशकुमारचरितम्
(C) बुद्धचरितम् (D) हर्षचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-229

28. वासवदत्ता कस्य राज्यस्य राजकन्या आसीत्? HAP–2016
(A) अवन्तिकायाः (B) मगधस्य
(C) कौशाम्ब्याः (D) गान्धारदेशस्य

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम्-सुधाकर मालवीय, भू0 पेज- 21

25. (D) 26. (A) 27. (C) 28. (A)

21 नलचम्पूः

1. (i) नलचम्पू के रचयिता हैं–BHU MET–2013, 2015
(ii) नलचम्पू के कर्ता कौन हैं?
(iii) नलचम्पूकारः कोऽस्ति? UP GIC–2015
(A) हर्षः (B) दण्डी
(C) त्रिविक्रमभट्टः (D) बाणभट्टः
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, भू0 पेज -07

2. (i) गद्य और पद्य से युक्त काव्य को कहते हैं–
(ii) गद्य-पद्य मिश्रित काव्य को कहते हैं–UP TGT–2005
UGC 73 J–2013, UGC 25 D–2006, BHU MET–2010
(A) दण्डकम् (B) नाटकम्
(C) चम्पूः (D) आख्यायिका
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, भू0 पेज -05

3. गद्यपद्यमयं काव्यम्– DSSSB TGT–2014
(A) चम्पूरित्यभिधीयते (B) मिश्रमित्यभिधीयते
(C) चित्रमित्यभिधीयते (D) युग्ममित्यभिधीयते
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-601

4. संस्कृतस्य प्रथमः चम्पूग्रन्थः कः? DSSSB TGT–2014
(A) विश्वगुणादर्शचम्पूः (B) नलचम्पूः
(C) चम्पूरामायणम् (D) चम्पूभारतम्
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, भू0 पेज-07

5. ''नलचम्पू'' विभक्त किया गया है– UP PGT–2013
(A) अध्यायों में (B) अंकों में
(C) उच्छ्वासों में (D) सर्गों में
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–604

6. 'नलचम्पू' कथा की नायिका है– UP PGT–2004, 2010
(A) प्रियङ्गुमञ्जरी (B) रूपवती
(C) किन्नरी (D) दमयन्ती
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, भू0 पेज-48

7. सभङ्गश्लेष का सर्वाधिक प्रयोग किस ग्रन्थ में हुआ है? UP PGT–2004
(A) कादम्बरी (B) वासवदत्ता
(C) नलचम्पू (D) दशकुमारचरितम्
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-16

8. नलचम्पू के मङ्गलाचरण में किस देवता की स्तुति है? UP PGT–2005
(A) शिव-पार्वती की (B) गणेश की
(C) सरस्वती की (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं
स्रोत–नलचम्पू (1/1)- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-01

9. नलचम्पू कितने उच्छ्वासों में वर्णित है–
UP PGT–2009, 2011
(A) सात (B) आठ
(C) पाँच (D) छः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-604

10. नलचम्पू की कथावस्तु का आधार है–
UP PGT–2004, 2010, UK TET–2011
(A) शान्तिपर्व (B) भीष्मपर्व
(C) वनपर्व (D) सभापर्व
स्रोत–नलचम्पू- तारिणीश झा, भू0पेज-21

11. त्रिविक्रमभट्ट की रचना है– UP PGT–2011
(A) रामायणचम्पू (B) मदालसाचम्पू
(C) यशस्तिलकचम्पू (D) इनमें से कोई नहीं
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–603

12. राजा नल के महामन्त्री का नाम–
UP PGT–2010, UK TET–2011
(A) सालङ्कायन (B) श्रुतिशील
(C) वीरसेन (D) बाहुक
स्रोत–नलचम्पू- धुरन्धर पाण्डेय, भू0पेज -14

1. (C)	**2. (C)**	**3. (A)**	**4. (B)**	**5. (C)**	**6. (D)**	**7. (C)**	**8. (A)**	**9. (A)**	**10. (C)**
11. (B)	**12. (B)**								

13. 'करोति कस्य नाह्लादं कथा कान्तेव भारती' सूक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP PGT–2005

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) नलचम्पू
(C) कादम्बरी (D) हर्षचरितम्

स्रोत–नलचम्पू (1/13)- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-13

14. (i) ''किं कवेस्तेन काव्येन किं काण्डेन धनुष्मतः परस्य हृदये लग्नं न घूर्णयति यच्छिरः'' यह पद्य वाक्य उद्धृत है। UP PGT–2005, 2011

(ii) 'परस्य हृदये लग्नं न घूर्णयति यच्छिरः' पंक्ति ग्रहण की गयी है? UP PGT–2013

(A) उत्तररामचरितम् से (B) नलचम्पू से
(C) नीतिशतकम् से (D) वेणीसंहारम् से

स्रोत–नलचम्पू (1/5)- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-05

15. 'सर्वं सहाः सूरयः' कस्मात् ग्रन्थात् उक्तम्– UK SLET–2012

(A) नलचम्पूः (B) मृच्छकटिकम्
(C) रामायणम् (D) मुद्राराक्षसम्

स्रोत–नलचम्पू (1/15)- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-15

16. 'दृश्यते न च यत्र स्त्री नवापीनपयोधरा' – श्लोकांश किस ग्रन्थ से है? UP PGT–2011

(A) मृच्छकटिकम् (B) नलचम्पूः
(C) शिशुपालवधम् (D) शृङ्गारशतकम्

स्रोत–नलचम्पू (1/26)- धुरन्धर पाण्डेय, पेज-34

17. नलचम्पू के 'आर्यावर्तवर्णनम्' में मुख्य रूप से किन अलङ्कारों का प्रयोग हुआ है– UP GDC–2008

(A) श्लेष - उपमा - परिसंख्या
(B) अपह्नुति - श्लेष - विभावना
(C) श्लेष - रूपक - व्यतिरेक
(D) श्लेष - काव्यलिङ्ग - दीपक

स्रोत–नलचम्पू - तारिणीश झा, पेज-36, 38, 45

18. 'अनूचानः' कः? HE–2015

(A) वैयाकरणः (B) दैवज्ञः
(C) साङ्गवेदाध्येता (D) होता

स्रोत–नलचम्पू - तारिणीश झा, पेज-22

13. (B) 14. (B) 15. (A) 16. (B) 17. (A) 18. (C)

22 ऋतुसंहारम् / मेघदूतम्

1. ऋतुओं का वर्णन किसमें पाया जाता है? BHU MET–2010

(A) मेघदूत में (B) ऋतुसंहार में
(C) रघुवंश में (D) मुद्राराक्षस में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-330

2. ऋतुसंहार है– UP PGT–2003

(A) महाकाव्य (B) गद्यकाव्य
(C) गीतिकाव्य (D) नाटक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-330

3. (i) ऋतुसंहारे कियद् ऋतूनां वर्णनमस्ति–
(ii) ऋतूनां वद का संख्या ऋतुसंहारवर्णने– UGC 25 D–2011, BHU AET–2011

(A) 5 (पञ्च) (B) 6 (षट्)
(C) 3 (तिस्रः) (D) 4 (चतस्रः)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-330

4. महाकवि कालिदास द्वारा रचित 'ऋतुसंहार' कहलाता है– UP TET–2014

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) गीतिकाव्य (D) नाटक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-330

5. राजन्ते ऋतुसंहारे सर्गाः कति वदाधुना– BHU AET–2012

(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्टौ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-330

6. अध उक्तेष्वेको लघुत्रय्यां नास्ति– DL–2015

(A) ऋतुसंहारम् (B) कुमारसम्भवम्
(C) रघुवंशम् (D) मेघदूतम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

7. मेघदूतम् के रचयिता हैं– UP TGT–2011

(A) भारवि (B) कालिदास
(C) भवभूति (D) श्रीहर्ष

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332

8. (i) कालिदास द्वारा विरचित खण्डकाव्य है–
(ii) कालिदासेन गीतिमयं खण्डकाव्यं विरचितम् – DL–2015, UGC 73 D–2012

(A) हनुमद्दूतम् (B) पवनदूतम्
(C) मेघदूतम् (D) हंसदूतम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332

9. मेघदूतम् के कथानक का मूलस्रोत है– UP TGT–2011

(A) ऐतिहासिक (B) कविकल्पित
(C) जनश्रुति पर आधारित (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332

10. 'कालिदासस्य गीतिकाव्ये विरहव्यथा' वर्णिता– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) दक्षस्य (B) यक्षस्य
(C) कुबेरस्य (D) कालिदासस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332

11. (i) महाकवि कालिदास की अनुपम कृति 'मेघदूतम्' है–
(ii) मेघदूत किस विधा की रचना है?
(iii) मेघदूतम् रचना साहित्य की किस विधा के अन्तर्गत है? UPTGT–2005, 2011 UPTET–2014

(A) गद्यकाव्य (B) महाकाव्य
(C) गीतिकाव्य (D) सट्टक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332

12. मेघदूतम् किस श्रेणी का काव्य है? UP TGT–2004

(A) चम्पूकाव्य (B) स्मार्तकाव्य
(C) गद्यकाव्य (D) दूतकाव्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-540

1. (B)	2. (C)	3. (B)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (B)	8. (C)	9. (B)	10. (B)
11. (C)	12. (D)								

13. (i) मेघदूत है– UP TGT–2000, 2001, 2010,
(ii) मेघदूत किस विधा का ग्रन्थ है–UGC 73 D–1992,
(iii) मेघदूतम् वर्तते एकम्– BHU MET–2010
(iv) कालिदासप्रणीतं मेघदूतम् एकं ...... अस्ति?
(v) मेघदूत का काव्य प्रकार है– JNU MET–2014, GJ SET–2003

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) नाटक (D) चम्पू

स्रोत–मेघदूतम्- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-19

14. खण्डकाव्य है– UP PGT–2009, UGC 25 D–1998, 1997, J–1995, 2003, 2011

(A) दशकुमारचरितम् (B) नलचम्पूः
(C) मेघदूतम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–मेघदूतम्- विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-32

15. (i) मेघदूतकाव्ये प्रयुक्तस्य छन्दसः नाम वर्तते?
(ii) मेघदूतखण्डकाव्ये प्रयुक्तं छन्दः –
(iii) मेघदूते प्रयुक्तं छन्दः अस्ति?
(iv) मेघदूत में किस छन्द का प्रयोग है?
(v) मेघदूतकाव्यं कस्मिन् छन्दसि उपनिबद्धम्– UP TGT–1999, 2009, 2013, UP GDC–2012, K SET–2014, 2015 , UP PGT–2009, UGC 25 J–2003, UP GIC–2015, AWES TGT–2010, GJ SET–2008, 2004, 2007 RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014, 2015, MGKV Ph. D–2016

(A) स्रग्धरा (B) मन्दाक्रान्ता
(C) हरिणी (D) शिखरिणी

स्रोत–मेघदूतम्- विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-20

16. मेघदूतम् में किसको संस्कृत साहित्य में एक नवीन काव्यप्रकार की उद्भावना का श्रेय प्राप्त है जो इस नाम से विख्यात है– UPTGT–2011

(A) सन्देशकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) गीतिकाव्य (D) स्रोतकाव्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-340

17. (i) मेघदूतोपरि मल्लिनाथेन विरचिता टीका ..... अस्ति?
(ii) ऋषिपुत्रपरमेश्वरकृतस्य मेघदूतव्याख्यानस्य नामधेयं किम्? GJ SET–2016, KL SET–2016

(A) सञ्जीवनी (B) नारायणी
(C) भामती (D) दीपशिखा

स्रोत–मेघदूतम्- शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू0 पेज-23

18. मेघदूते कुबेरेण निर्वासितो यक्षः कुत्र वसतिं चक्रे? RPSC SET–2013-14

(A) रामगिर्याश्रमेषु (B) अलकापुर्याम्
(C) उज्जयिन्याम् (D) विशालायाम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ श्लोक-1) -दयाशंकर शास्त्री, पेज- 45

19. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011

(क) मेघदूतम् इति एतत् खण्डकाव्यं विद्यते।
(ख) मृच्छकटिकम् इत्येतद् नाटकं वर्तते।
(ग) 'मुद्राराक्षसम्' नाम प्रकरणम्।
(घ) 'मालतीमाधवम्' भवभूतिकवेः प्रकरणम्।

	क	ख	ग	घ
(A)	सत्यम्	सत्यम्	असत्यम्	असत्यम्
(B)	असत्यम्	सत्यम्	असत्यम्	सत्यम्
(C)	सत्यम्	सत्यम्	सत्यम्	असत्यम्
(D)	सत्यम्	असत्यम्	असत्यम्	सत्यम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-332,495,501,525

20. मेघदूतम् का प्रधान रस है? UPTGT–2011

(A) शृङ्गाररस (B) करुणरस
(C) शान्तरस (D) वीररस

स्रोत–मेघदूतम् - विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-43

21. केवलं मन्दाक्रान्ताच्छन्दसि निबद्धम्–UGC 25 D–2004

(A) किरातार्जुनीयम् (B) मेघदूतम्
(C) बुद्धचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–मेघदूतम् - विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-20

22. मेघदूतम् में प्रयुक्त छन्द के प्रत्येक चरण में कितने अक्षर होते हैं– UP TGT–2013

(A) 14 (D) 15
(C) 16 (D) 17

स्रोत–मेघदूतम्- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-4

13. (B)	**14. (C)**	**15. (B)**	**16. (A)**	**17. (A)**	**18. (A)**	**19. (D)**	**20. (A)**	**21. (B)**	**22. (D)**

23. मेघदूतम् का अङ्गीरस है– UGC 25 J–2000

(A) करुण (B) करुण विप्रलम्भ

(C) सम्भोग शृङ्गार (D) वियोग शृङ्गार

स्रोत–मेघदूतम् - दयाशङ्कर शास्त्री, पेज–38

24. मेघदूतम् की कथावस्तु विभक्त है– UP TGT–2009

(A) खण्डों में (B) निःश्वासों में

(C) अध्यायों में (D) सर्गों में

स्रोत–मेघदूतम्- विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-13

25. मेघदूतम् कितने भागों में विभक्त है– UGC 25 J–2004, BHU MET–2010

(A) चार (B) तीन

(C) दो (D) पाँच

स्रोत–मेघदूतम्- विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-13

26. मेघदूतम् का प्रमुख पात्र है– UP TET–2014

(A) यक्ष (B) कुबेर

(C) मेघ (D) यक्षिणी

स्रोत–मेघदूतम् - आर0बी0शास्त्री, भू0 पेज-26

27. यक्ष का स्वामी कौन था? UP TGT–2009

(A) कुबेर (B) यम

(C) इन्द्र (D) वरुण

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

28. (i) यक्ष को कितनी अवधि के लिये अपनी पत्नी से दूर रहना था? UP TGT–2004, 2011

(ii) मेघदूत में शाप कितने वर्ष का था–

(A) एक वर्ष (B) दो वर्ष

(C) चार मास (D) आठ मास

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

29. मेघदूतम् का नायक है? UP TGT–2011

(A) देवता (B) मनुष्य

(C) यक्ष (D) किन्नर

स्रोत–मेघदूतम् -आर.बी. शास्त्री, भू. पेज-26

30. मेघदूतम् में यक्ष शापित है– UP TGT–2003, 2004

(A) शिव के द्वारा (B) कुबेर के द्वारा

(C) हिमालय के द्वारा (D) मेघ के द्वारा

स्रोत–मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

31. (i) विरही यक्ष कहाँ निवास कर रहा था?

(ii) मेघदूतस्य अभिशप्तः यक्षः कुत्र निवसति?

(iii) मेघदूतम् में अभिशप्त यक्ष कहाँ रहता है?

(iv) मेघदूतम् में अभिशप्त यक्ष कहाँ निवास कर रहा था?

(v) मेघदूते यक्षः कुत्र वसतिं चक्रे?

UP TGT–2001, 2004, 2009, 2011
UGC 25 J–2014, G GIC–2015

(A) नर्मदा के तट पर (B) अलकापुरी में

(C) आम्रकूट पर्वत पर (D) रामगिरि पर्वत में

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

32. यक्ष की विरहकथा किस ग्रन्थ में वर्णित है? BHU MET–2008

(A) रघुवंश में (B) कुमारसम्भव में

(C) शिशुपालवध में (D) मेघदूत में

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

33. यक्ष ने मेघ को किस मास के प्रथम दिन को देखा था– UP TGT–2009

(A) चैत्र (B) श्रावण

(C) माघ (D) आषाढ

स्रोत–मेघदूतम् (श्लोक -2)-विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-4

34. पुराणों में 'मेघदूतम्' के विरही यक्ष का नाम मिलता है– UP TGT–2010

(A) राजवाहन (B) बुद्ध

(C) हेममाली (D) कुबेर

स्रोत–मेघदूतम् - विजेन्द्र कुमार शर्मा, भू0 पेज-42

35. (i) विरहिणी यक्षिणी कहाँ निवास कर रही थी?

(ii) यक्ष की पत्नी कहाँ रहती थी–

(iii) मेघदूतकाव्यानुसारं यक्षस्य पत्नी कुत्र वसति स्म? UGC 25 S–2013, UP TGT–2009, 2011

(A) अमरावती (B) विदिशा

(C) उज्जयिनी (D) अलकापुरी

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-7)-दयाशंकर शास्त्री,पेज-63

23. (D) 24. (A) 25. (C) 26. (A) 27. (A) 28. (A) 29. (C) 30. (B) 31. (D) 32. (D) 33. (D) 34. (C) 35. (D)

36. मेघदूते कस्याः नगर्याः वर्णनमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**

(A) द्वारिकायाः (B) पुष्पपुर्याः

(C) काश्याः (D) उज्जयिन्याः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-28)–विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-46

37. कस्य काव्ये मेघः दूतभावेन कल्पितः– **BHU Sh. ET–2011**

(A) माघस्य (B) भारवेः

(C) कालिदासस्य (D) श्रीहर्षस्य

स्रोत–मेघदूतम् - थानेशचन्द्र उप्रेती, भू. पेज–39

38. कस्य काव्यस्यारम्भः 'कश्चित्' पदेन भवति? **BHU Sh.ET–2011**

(A) शिशुपालवधस्य (B) मेघदूतस्य

(C) लघुकाव्यस्य (D) दृश्यकाव्यस्य

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

39. 'तस्मिन्नद्रौ कतिचिदबलाविप्रयुक्तःस कामी' मेघदूत की इस पंक्ति के आगे की पंक्ति कौन-सी है? **UP TGT–1999**

(A) वप्रक्रीडापरिणतगजप्रेक्षणीयं ददर्श

(B) जीमूतेन स्वकुशलमयीं हारयिष्यन् प्रवृत्तिम्

(C) नीत्वा मासान्कनकवलयभ्रंशरिक्तप्रकोष्ठः

(D) अन्तर्वाष्पश्चिरमनुचरो राजराजस्य दध्यौ

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-2) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-51

40. मेघदूतम् के अनुसार कैलाशपर्वत तक मेघ के सहयात्री कौन होंगे? **UP TGT–2001**

(A) राजहंस (B) बलाका

(C) चातक (D) नलगिरि

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-11)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-71

41. 'कण्ठाश्लेषप्रणयिनि जने किं पुनर्दूरसंस्थे' इसमें 'जन' शब्द किसका बोधक है– UP TGT–2001, 2004, 2010

(A) मेघ का (B) यक्षिणी का

(C) राजहंस का (D) चातक का

स्रोत–मेघदूतम् (श्लोक-3)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज–6, 7

42. (i) मेघदूत में मेघ को कितने पदार्थों का सम्मिश्रण कहा गया है? **UP TGT–2001,**
(ii) कालिदास के अनुसार कितने तत्त्वों की समष्टि से मेघ बनता है? **UP TGT–2013**

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दो

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

43. कालिदास के अनुसार चेतन और अचेतन में कृपण कौन ह? **UP TGT–2001**

(A) कामार्त (B) शोकार्त

(C) क्षुधार्त (D) रोगार्त

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

44. (i) 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा' इसमें 'अधिगुण' शब्द से किसका बोध होता है–
(ii) 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा' इत्यत्र 'अधिगुणे' इति पदेन बोध्य अस्ति?
UP TGT–2001, 2005, UP GDC–2012

(A) यक्ष का (B) मेघ का

(C) गङ्गा का (D) कुबेर का

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-6) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-60

45. मेघ की यात्रा के समय वामपार्श्व में किसकी ध्वनि होती है? **UP TGT–2001**

(A) राजहंस की (B) बलाका की

(C) चातक की (D) सारिका की

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-10)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-70

46. मेघदूतम् में किस राजा का उल्लेख मिलता है– **UP TGT–2003**

(A) उदयन का (B) शूद्रक का

(C) दुष्यन्त का (D) राम का

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-31)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-111

47. ''तस्मिन्नद्रौ कतिचिदबलाविप्रयुक्तः स कामी''– यहाँ 'अद्रौ' का तात्पर्य है– **UP TGT–2003**

(A) पर्वत से (B) घर से

(C) सूक्ष्म वस्त्र से (D) मार्ग से

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-02)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-51-52

36. (D) 37. (C) 38. (B) 39. (C) 40. (A) 41. (B) 42. (B) 43. (A) 44. (B) 45. (C) 46. (A) 47. (A)

48. 'धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः' प्रस्तुत श्लोकांश में 'सन्निपात' का अर्थ है– UP TGT–2003
(A) जूही की कली से (B) गर्जन से
(C) चमेली से (D) मेघ समूह से
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

49. मेघदूत में वर्णित 'पुष्करावर्तक' है– UP TGT–2003
(A) यज्ञ का दूत (B) मेघों का निवास स्थान
(C) मेघों का कुल (D) अलकापुरी का मेघ
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-06)- दयाशंकर शास्त्री ,पेज-60-61

50. 'सम्पत्स्यन्ते कतिपयदिनस्थायिहंसाः दशार्णाः', यहाँ 'दशार्णाः' है एक– UP TGT–2003
(A) पर्वत (B) देश
(C) नदी (D) राजा
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-24)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-97-98

51. मेघदूतम् में 'धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः' है– UP TGT–2004, UP PGT–2010
(A) यक्ष (B) मेघ
(C) कुबेर (D) इन्द्र
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

52. (i) 'प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' एतादृशः कस्य स्वभावः– (ii) 'प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' होते हैं– UP TGT–2004, CCSUM Ph. D–2016
(A) मूढजनाः (B) विद्वज्जनाः
(C) राजानः (D) कामार्ताः
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05)- दयाशंकर शास्त्री ,पेज-58

53. राजहंस कहाँ जाने को उत्सुक हैं– UP TGT–2004
(A) कैलासपर्वत (B) वैकुण्ठ
(C) मानसरोवर (D) स्वर्गलोक
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-11) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-71-72

54. यक्ष के विरह का कितना समय बीत चुका है? UP TGT–2004
(A) एक वर्ष (B) आठ माह
(C) चार मास (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-2)- दयाशंकर शास्त्री ,पेज-51

55. ''इत्याख्याते पवनतनयं मैथिलीवोन्मुखी सा'' यहाँ 'सा' से तात्पर्य है– UP TGT–2004
(A) सीता (B) विद्युत्
(C) यक्षिणी (D) हनुमान्
स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-40) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-137

56. यक्ष को शाप दिया था– UP TGT–2004
(A) इन्द्र (B) नारद
(C) कुबेर (D) दुर्वासा
स्रोत–मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, भू.पेज-32

57. 'मेघदूतम्' में चेतन और अचेतन में कौन भेद नहीं कर पाते हैं? UP TGT–2004
(A) विलासी (B) भोगी
(C) कामार्त (D) संन्यासी
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

58. ''यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु'' इस श्लोकांश में 'जनकतनया' कौन है– UP TGT–2004
(A) यक्षिणी (B) सीता
(C) गङ्गा (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

59. कालिदास के अनुसार निम्नलिखित में से किससे मेघ का सम्पर्क नहीं है– UP TGT–2004
(A) धुएँ से (B) ज्योति से
(C) सलिल से (D) वृक्ष से
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

60. स्त्रियों का पहला प्रणयवचन क्या होता है– UP TGT–2005
(A) प्रेम की बातें करना
(B) नैन से नैन मिलाना
(C) स्त्रियों का हाव-भाव या विभ्रमप्रदर्शन करना
(D) सामने आ-आ कर हट जाना
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-29) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-107

61. 'शापान्तो मे भुजगशयनादुत्थिते शार्ङ्गपाणौ'– यहाँ 'शार्ङ्गपाणौ' का अर्थ है– UP TGT–2005
(A) भगवान् सूर्य (B) भगवान् शङ्कर
(C) भगवान् विष्णु (D) भगवान् राम
स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-50) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-170-171

48. (D) 49. (C) 50. (B) 51. (B) 52. (D) 53. (C) 54. (B) 55. (C) 56. (C) 57. (C) 58. (B) 59. (D) 60. (C) 61. (C)

62. 'जीमूतेन स्वकुशलमयीं हारयिष्यन् प्रवृत्तिम्' प्रस्तुत पंक्ति में 'जीमूतेन' का अभिप्राय है– UP TGT–2005

(A) पवन से (B) बादल से

(C) शकुन्तला से (D) यशोमति से

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-04) -दयाशंकर शास्त्री, पेज-56

63. मेघदूत के प्रथम श्लोक में 'वर्षभोग्येण' शब्द आया है। यहाँ पर 'न' को 'ण' किस सूत्र से हुआ है? UP TGT–2005

(A) रषाभ्यां नो णः समानपदे (B) पूर्वपदात्संज्ञायामगः

(C) अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि (D) कुमति च

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-1)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-04

64. स्त्रियों का आशाबन्ध कैसा होता है? UP TGT–2005

(A) नवनीतसदृश (B) पाषाणसदृश

(C) कुसुमसदृश (D) वज्रसदृश

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-09)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-68

65. सबसे अधिक लघु (हल्का) कौन होता है? UP TGT–2005

(A) तूल (B) मन

(C) रिक्त (D) तिनका

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-20)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-89

66. विदिशा नगरी में कौन-सी नदी थी? UP TGT–2009

(A) चर्मण्वती (B) गम्भीरा

(C) वेत्रवती (D) शिप्रा

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-25)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-100

67. 'कृतान्तः' का अर्थ है–UP TGT–2009, UP GDC–2012

(A) मित्र के द्वारा लाया गया (B) प्रियतम का समाचार

(C) दैव (भाग्य) (D) कम बोलने वाली

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-45)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-156

68. मेघदूतम् में मेघ को किस नदी से जल ग्रहण करने की सलाह दी गयी है? UP TGT–2009

(A) यमुना (B) गोदावरी

(C) कावेरी (D) नर्मदा (रेवा)

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-20)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-89

69. 'मेघदूतम्' में यक्ष के शापान्त की अवधि मानी गयी है– UP TGT–2009

(A) तीन माह (B) चार माह

(C) दो माह (D) एक सप्ताह

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-02)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-4-5

70. 'मेघदूतम्' काव्य में नायक विरही यक्ष को किस कारण से अपनी नायिका से दूर जाना पड़ा? UP TGT–2011

(A) पत्नी अपने पिता के घर चली गयी थी

(B) पति-पत्नी में कुछ वैमनस्य हो गया था

(C) अपने कर्त्तव्य पालन में भूल करने के कारण शापवश

(D) अपने कर्तव्य पालन में परदेश जाने के कारण

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-1)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

71. (i) विन्ध्याचल की तलहटी में बहने वाली नदी है–

(ii) पूर्वमेघ में विन्ध्याचल की तलहटी में बिखरी हुई किस नदी का वर्णन है? UP TGT–2010, UP GIC–2009

(A) गङ्गा (B) नर्मदा (रेवा)

(C) कावेरी (D) व्यास

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-19)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-33

72. (i) यक्ष के प्रवास की अवधि क्या थी?

(ii) यक्ष का प्रवास कितने दिनों का था? UP TGT–2010, UP TGT–2013

(A) पाँच वर्ष (B) तीन वर्ष

(C) एक वर्ष (D) तीन मास

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-1)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-1

73. (i) मेघदूतानुसारं यक्षस्य शापान्तकालोऽस्ति?

(ii) मेघदूतम् में यक्ष के शाप के अवसान का दिन था–

(iii) मेघदूते यक्षस्य शापान्तः कदा भवति– UP TGT–2010, UP PGT–2010, DU Ph. D–2016 MGKV Ph. D–2016

(A) वैशाख पूर्णिमा (B) भाद्रपदकृष्ण अष्टमी

(C) भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी (D) देवप्रबोधिनी एकादशी

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-50)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-171

62. (B) 63. (D) 64. (C) 65. (C) 66. (C) 67. (C) 68. (D) 69. (B) 70. (C) 71. (B) 72. (C) 73. (D)

74. 'कुन्द' का पुष्प होता है– UP TGT–2010

(A) लाल (B) सफेद

(C) पीला (D) बहुरङ्गी

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-02)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-02

75. 'शूली' का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) भाले वाला (B) शिव

(C) काँटेदार (D) कष्टप्रद

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-37)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-61

76. 'कान्तोदन्त' का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) चमकते दाँत (B) प्रियतम का वृत्तान्त

(C) प्रिया के दाँत (D) प्रिय का अन्त

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-40)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-63

77. उज्जयिनी में स्थित शिवलिङ्ग का क्या नाम है? UP TGT–2010

(A) वैद्यनाथ (B) महाकाल

(C) मार्कण्डेय (D) विश्वनाथ

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-37)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-61

78. किस काव्य में अलकापुरी का वर्णन प्राप्त होता है– UP TGT–2010

(A) पवनदूत (B) मेघदूतम्

(C) रघुवंशम् (D) किरातार्जुनीयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-528

79. मेघदूतम् की यक्षिणी शापदिवसों की गणना किससे करती है? UP TGT–2010

(A) पुष्पों से (B) लेखनी से

(C) मणियों से (D) अन्नकणों से

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-27)–विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-42

80. 'शफर' से अभिप्राय है– UP PGT–2010

(A) बादल

(B) विशाल नदी

(C) जल में चमकने वाली एक छोटी मछली

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-43)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-70

81. (i) मेघदूतम् में यक्ष 'वक्रः पन्था यदपि भवतः' कहकर मेघ से किस नगरी में जाने का अनुरोध करता है? UP GDC–2012

(ii) मेघदूते 'वक्रः पन्था यदपि भवतः' इत्यादिभिर्वचोभिः मेघं प्रार्थयति यक्षः गन्तुम्– UP GIC–2009

(A) अलका (B) उज्जयिनी

(C) विदिशा (D) दशार्ण

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-28)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-46

82. आसु कस्याः नद्या उल्लेखो मेघदूते नास्ति? UGC 25 Jn–2017

(A) रेवायाः (B) शिप्रायाः

(C) तुङ्गभद्रायाः (D) गन्धवत्याः

स्रोत–मेघदूतम् - शेषराजशर्मा रेग्मी, भू0 पेज-35

83. 'मेघ' एक अचेतन, ज्ञान शून्य, धुआँ-प्रकाश और वायु का सम्मिश्रण है। सन्देश तो किसी चेतन प्राणी के द्वारा ही भेजा जा सकता है जिसकी इन्द्रियाँ कुशल हो। यक्ष यह सब समझता हुआ भी मेघ से निवेदन करता है। निम्नलिखित सूक्तियों में से किस सूक्ति में इसका कारण बताया गया है– UP GDC–2008

(A) प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार

(B) कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु

(C) याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।

(D) सन्देशं मे हर धनपतिक्रोधविश्लेषितस्य

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-9

84. कालिदास का जन्मस्थान अधिकांश विद्वान् उनके ग्रन्थों में वर्णित सामग्री के आधार पर उज्जयिनी मानते हैं। पूर्वमेघ में भी कुछ श्लोकों से इसी अभिप्राय की ओर संकेत मिलता है। निम्नलिखित में से किस श्लोक को उनमें प्रमुख रूप से सम्मिलित किया जाता है– UP GDC–2008

(A) रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।

(B) तेषां दिक्षु प्रथितविदिशालक्षणां राजधानीम्

(C) वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशाम्

(D) राशीभूतः प्रतिदिनमिव त्र्यम्बकस्याट्टहासः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-28)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-46

74. (B) 75. (B) 76. (B) 77. (B) 78. (B) 79. (A) 80. (C) 81. (B) 82. (C) 83. (B) 84. (C)

85. मेघदूत मे किस नगरी का उल्लेख मिलता है?– UP TGT–2005

(A) अयोध्या (B) अलका
(C) काञ्ची (D) मथुरा

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–528

86. 'हरशिरश्चन्द्रिकाधौतहर्म्या' रूपेण वर्णिता नगरी अस्ति– UP GDC–2012

(A) विदिशा (B) उज्जयिनी
(C) अलका (D) दशपुरम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-07)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-13

87. मेघदूते 'राजराजस्य दध्यौ' इतिपद्ये 'राजराजस्य' इति पदेनाभिहितोऽस्ति– UP GDC–2012

(A) यक्षः (B) कुबेरः
(C) महाकालः (D) इन्द्रः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-3)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-6

88. अलकापुर्याः वर्णनं कुत्र प्राप्यते– UGC 25 J–2005

(A) कादम्बर्याम् (B) रघुवंशे
(C) मेघदूते (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-1)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-1

89. कालिदास ने किस ग्रन्थ में अमरकण्टक के सौन्दर्य का चित्रण किया है? MP PSC–2010

(A) कुमारसम्भवम् (B) शाकुन्तलम्
(C) मेघदूतम् (D) ऋतुसंहारम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-17)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-31

90. विदिशा .... नदी के तट पर स्थित है– MP PSC–2010

(A) बेतवा (B) शिप्रा
(C) नर्मदा (D) चम्बल

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-25)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-43

91. मेघदूते 'यक्षेश्वराणां वसतिः' का वर्णिता? UK SLET–2015

(A) अलका (B) उज्जयिनी
(C) विदिशा (D) काशी

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-7)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-13

92. अलकापुरी केषां वसतिः? HAP–2016

(A) नराणाम् (B) राक्षसानाम्
(C) नागानाम् (D) यक्षेश्वराणाम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-7)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-13

93. मेघदूते 'जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु' इत्युल्लेखतः परिचितो भवति– UP GDC–2014

(A) विन्ध्याचलः (B) श्रीशैलः
(C) चित्रकूटम् (D) रामगिर्याश्रमः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-1)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-1

94. 'वक्रः पन्था यदपि' इति सङ्केतेन का नगरी ज्ञाता भवति? UP GDC–2014

(A) अलकापुरी (B) उज्जयिनी
(C) विदिशा (D) अयोध्या

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-28)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-46

95. मेघदूते इयं नगरी नास्ति वर्णिता– BHU AET–2010

(A) उज्जयिनी (B) वाराणसी
(C) विदिशा (D) अलका

मेघदूतम् (पूर्वमेघ-28,26,7)-विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-46,42,13

96. कविसमयानुसारेण वर्षाकाले के मानसं यान्ति? DSSSB PGT–2014

(A) काकाः (B) हंसाः
(C) मयूराः (D) चकोराः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-11)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-20

97. (i) 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा'। किसने यह लिखा है? BHU MET–2009, 2013

(ii) ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा''– उक्ति है?

(A) कालिदास (B) माघ
(C) भारवि (D) भवभूति

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-6)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-11

98. मेघदूतम् में 'दिङ्नाग' कौन हैं? UP TGT–2004

(A) मीमांसक (B) नैयायिक
(C) बौद्ध (D) वेदान्ती

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-14)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-26

85. (B) 86. (C) 87. (B) 88. (C) 89. (C) 90. (A) 91. (A) 92. (D) 93. (D) 94. (B) 95. (B) 96. (B) 97. (A) 98. (C)

99. प्रसिद्ध टीकाकार, मल्लिनाथ के अनुसार मेघदूतम् में कितने पद्य हैं? UP TGT–2013

(A) 115 (B) 120
(C) 121 (D) 125

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवदी,पेज-527

100. मेघदूतम् के प्रारम्भ में निम्न में से किस प्रकार का मङ्गलाचरण किया गया है? UP TGT–2013

(A) आशीर्वादात्मक (B) नमस्कारात्मक
(C) वस्तुनिर्देशात्मक (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-1)- विजेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-4

101. अलकापुरी में यक्ष का घर कुबेर के महल से किस दिशा में मेघदूतम् में बताया गया है? UP TGT–2013

(A) पूर्व (B) उत्तर
(C) पश्चिम (D) दक्षिण

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-15)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-39

102. 'मेघदूतम्' में मेघ के मार्ग में निम्नलिखित में से क्या नहीं है? UP TGT–2013

(A) नर्मदा नदी (B) विदिशा
(C) उज्जयिनी (D) अयोध्या

मेघदूतम् (पूर्वमेघ-19,25,28)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-87,100,105

103. मेघदूतम् अस्मिन् गीतिकाव्ये का जह्नुकन्या? AWES TGT–2011

(A) नर्मदा (B) निर्विन्ध्या
(C) रेवा (D) गङ्गा

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-54)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-159

104. ''न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय, प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः।'' उपर्युक्त में कौन सा छन्द है? H TET–2014

(A) शिखरिणी (B) स्रग्धरा
(C) मालिनी (D) मन्दाक्रान्ता

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-17)- दयाशंकर शास्त्री, पेज-83

105. 'कान्ताविरहगुरुणा' इत्यत्र कति पदानि सन्ति? BHU Sh.ET–2011

(A) त्रीणि (B) द्वे
(C) एकम् (D) चत्वारि

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

106. ''कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु''–यह पंक्ति किस ग्रन्थ से है? UP PGT (H)–2000

(A) नीतिशतकम् (B) शृङ्गारशतकम्
(C) मेघदूतम् (D) रघुवंशम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

107. ''रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय'' का सम्बन्ध किस ग्रन्थ से है? UP PGT–2010, UP TGT–2005, 2009

(A) किरातार्जुनीयम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मेघदूतम् (D) रघुवंशम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-20)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-89

108. निम्नांकित में कौन-सी सूक्ति मेघदूतम् से सम्बद्ध नहीं है– UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु।
(B) अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।
(C) याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाऽधमे लब्धकामा।
(D) स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु

स्रोत–मेघदूतम् -दयाशंकर शास्त्री, भू० पेज-42,43

109. (i) 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा' यह पंक्ति कहाँ से उद्धृत है। JNU MET–2015

(ii) ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा'' यह सूक्ति जिस रचना में है वह है– UP TGT–2004 UGC 25 J–1995, 2005, D–1999, BHU MET–2014, UP GDC–2014, DU Ph. D–2016

(A) वेणीसंहारम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) मेघदूतम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-06)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-60

110. ''प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार'' कुत्रेयमुक्तिः। UGC 25 D–2013

(A) मेघदूते (B) कुमारसम्भवे
(C) ऋतुसंहारे (D) रघुवंशे

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-04)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-56

99. (C) 100. (C) 101. (B) 102. (D) 103. (D) 104. (D) 105. (C) 106. (C) 107. (C) 108. (B) 109. (D) 110. (A)

111. मेघदूतम् काव्य का खड़ी बोली मे अनुवाद किया है? UP PGT–2004

(A) सदल मिश्र ने (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने
(C) लल्लू यादव ने (D) राजा लक्ष्मण सिंह ने

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–540

नोट–मेघदूतम् काव्य का खड़ी बोली में अनुवाद लक्ष्मीधर बाजपेयी ने किया था। राजा लक्ष्मण सिंह ने ब्रजभाषा में अनुवाद किया था। लक्ष्मीधर विकल्प में न होने के कारण राजा लक्ष्मण सिंह को ही माना जा सकता है।

112. ''स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु'' सूक्ति किस ग्रन्थ में है? UP TGT–1999

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) नीतिशतकम् में
(C) किरातार्जुनीयम् में (D) मेघदूतम् में

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-29)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-107

113. ''न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय, प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः'' उपर्युक्त सूक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP TGT–1999

(A) मेघदूतम् से (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से
(C) उत्तररामचरितम् से (D) नीतिशतकम् से

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-17)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-83

114. ''के वा न स्युः परिभवपदं निष्फलारम्भयत्नाः'' यह सूक्ति इस रचना से उद्धृत है– UP GDC–2008

(A) किरातार्जुनीयम् (B) नीतिशतकम्
(C) मेघदूतम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-58)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-166

115. ''जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानाम्' यह उक्ति है– UGC 73 D–2009

(A) नैषधे (B) रघुवंशे
(C) मेघदूते (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-06)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-60

116. ''वेणीभूतप्रतनुसलिलातामतीतस्य सिन्धुः'' इयं पंक्तिः अस्ति– RPSC ग्रेड (TGT)–2010

(A) कादम्बर्याः (B) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य
(C) मेघदूतस्य (D) वेणीसंहारस्य

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-30)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-110

117. ''प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः'' यह श्लोकांश उद्धृत है– UP TGT–2003

(A) मेघदूतम् से (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से
(C) किरातार्जुनीयम् से (D) शिवराजविजयम् से

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-17)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-83

118. ''कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण'' इस श्लोक का सन्देश है– UP PGT–2000

(A) संसार परिवर्तनशील है।
(B) दुःख में स्थिर रहना चाहिए।
(C) सुख-दुःख परिवर्तनशील है।
(D) नीच का साथ नहीं करना चाहिए।

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-49)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-168

119. (i) कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा, नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण॥ उपर्युक्त श्लोकांश किस ग्रन्थ में मिलता है?

(ii) ''नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण'' यह वचन किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? UP TGT–2013 MH SET–2013, BHU MET–2016

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) मेघदूतम्

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-49)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-168

120. ''सद्यः पाति प्रणयिहृदयं विप्रयोगे रुणद्धि''– इस सूक्ति वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2015

(A) रघुवंशम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) मेघदूतम् (D) ऋतुसंहारम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-09)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-68

121. ''श्यामास्वङ्गं चकितहरिणी प्रेक्षणे दृष्टिपातं..........'' इति पद्यांशः कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यते? UGC 25 J–2015

(A) रघुवंशे (B) नैषधीयचरिते
(C) मेघदूते (D) बुद्धचरिते

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-44)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-152

122. 'ज्ञातास्वादो विवृतजघनां को विहातुं समर्थः' कुतः उद्धृतम्– UK SLET–2012

(A) मेघदूतम् (B) कादम्बरी
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-45)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-139

111. (D) 112. (D) 113. (A) 114. (C) 115. (C) 116. (C) 117. (A) 118. (C) 119. (D) 120. (C) 121. (C) 122. (A)

123. 'मेघे माघे गतं वयः' कस्येयमुक्तिः? G GIC–2015

(A) मल्लिनाथस्य (B) राजशेखरस्य

(C) हेमचन्द्रस्य (D) गोवर्धनाचार्यस्य

स्रोत–मेघदूतम् -शेषराजशर्मा रेग्मी, भू0 पेज-33

124. विप्रलम्भशृङ्गारः अङ्गीरसः भवति अस्मिन् काव्ये– UGC 25 D–2015

(A) रघुवंशे (B) मेघदूते

(C) शिशुपालवधे (D) नैषधीयचरिते

स्रोत–मेघदूतम् -दयाशङ्कर शास्त्री, भू0पेज-38

125. 'तन्वी श्यामा शिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठी' पंक्ति का सम्बन्ध किस काव्य से है? H TET–2015

(A) ऋतुसंहारम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्

(C) रघुवंशम् (D) मेघदूतम्

स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-22)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-62

126. 'कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाऽचेतनेषु' इति उक्तिः विद्यते? K SET–2013

(A) मेघसन्देशे (B) ऋतुसंहारे

(C) रघुवंशे (D) पवनसन्देशे

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-05)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-58

127. ''कश्चित्कान्ताविरहगुरुणा'' – इत्यंशः कस्य ग्रन्थस्य प्रथमे श्लोके विद्यते? RPSC SET–2010

(A) मेघदूतस्य (B) रघुवंशस्य

(C) शिशुपालवधस्य (D) नैषधीयचरितस्य

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-01)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-45

128. 'त्वत्सम्पर्कात् पुलकितमिव प्रौढपुष्पैः कदम्बैः।' इत्यस्मिन् पद्यांशे कः अर्थालङ्कारः अस्ति? DU M. Phil–2016

(A) उत्प्रेक्षा (B) उपमा

(C) उपमा उत्प्रेक्षा च (D) उपमेयोपमा

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-26)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-101

129. 'या वः काले वहति सलिलोद्गारमुच्चैर्विमाना मुक्ताजालग्रथितमलकं कामिनीवाभ्रवृन्दम्।' इत्यस्य कः शब्दः श्लेषयुक्तः अस्ति? DU M. Phil–2016

(A) उच्चैर्विमाना (B) मुक्ताजालग्रथितम्

(C) अलकम् (D) अभ्रवृन्दम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-67)-दयाशंकर शास्त्री, पेज-186

123. (A) 124. (B) 125. (D) 126. (A) 127. (A) 128. (A) 129. (A)

23 नीतिशतकम्

1. (i) 'नीतिशतकम्' कस्य कृतिः? BHU MET–2008,
(ii) नीतिशतकम् के कर्ता कौन हैं? BHU B.Ed–2013
(iii) 'नीतिशतकम्' के रचयिता हैं? UP TGT–2011

(A) जयदेव (B) अमरुक
(C) क्षेमेन्द्र (D) भर्तृहरि

(i) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी,पेज-541
(ii) नीतिशतकम् -तारिणीश झा, भू0 पेज-08

2. भर्तृहरि ने नीतिशतक लिखा है– UP TGT–2011

(A) गद्य में (B) गद्य पद्य दोनों में
(C) छन्दों में (D) श्लोक में

स्रोत–नीतिशतकम्- तारिणीश झा, भू0 पेज-08

3. शतकत्रय के रचयिता हैं? UP TGT–2004

(A) भर्तृहरि (B) भट्टि
(C) मयूरभट्ट (D) भोज

(i) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541
(ii) नीतिशतकम् - तारिणीश झा , भू0 पेज-08

4. भारतीय जनश्रुति महाराज भर्तृहरि को– UP TGT–2011

(A) विक्रमसंवत् के संस्थापक महाराज विक्रमादित्य का बड़ा भाई मानती है।
(B) कालिदास के समकक्ष मानती है।
(C) गुजरात और महाराष्ट्र के समीप स्थित राज्य का राजा मानती है।
(D) विदिशा के राजा का कनिष्ठ पुत्र मानती है।

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू0 पेज-09

5. शतकत्रय ग्रन्थ के रचनाकार ने और किस प्रसिद्ध ग्रन्थ की रचना की है? UP TGT–2004

(A) अष्टाध्यायी (B) महाभाष्यम्
(C) वाक्यपदीयम् (D) सिद्धान्तकौमुदी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

6. नीतिशतक में कितने पद्य हैं। BHU MET– 2012

(A) एक सौ (100) (B) एक सौ एक (101
(C) एक सौ तेरह (113) (D) एक सौ ग्यारह (111)

स्रोत–नीतिशतकम् - तारिणीश झा,भू0 पेज-8

7. 'नीतिशतकम्' में कितने श्लोक हैं? UP TGT–2011

(A) पचास (B) पच्चीस
(C) सौ (D) दो सौ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–344

8. (i) नीतिशतकम् साहित्य की किस विधा के अन्तर्गत है–
(ii) नीतिशतकम् किस प्रकार के काव्य के अन्तर्गत आता है– UK TET–2011, UP TGT–2011

(A) गद्यकाव्य (B) प्रबन्धकाव्य
(C) मुक्तककाव्य (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू0 पेज-09

9. नीतिशतक में कितने प्रकार के प्राणी बताये गये हैं– UP TGT–2001

(A) तीन (B) चार
(C) छः (D) आठ

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)- तारिणीश झा, पेज-105

10. नीतिशतककार के अनुसार सभा में किस उपाय के द्वारा मूर्ख अपनी मूर्खता को छिपा सकता है? UP TGT–2003

(A) कम बोलकर (B) मौन रहकर
(C) विचारपूर्वक बोलकर (D) हँसकर

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-07)- तारिणीश झा, पेज-11

11. नीतिशतककार के मतानुसार क्रोधी राजा के प्रिय होते हैं– UP TGT–2003

(A) उसके अपने परिजन (B) उसके घनिष्ठ मित्र
(C) उसके निजी सेवक (D) कोई व्यक्ति भी नहीं।

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-47)- तारिणीश झा, पेज-77

1. (D) 2. (C) 3. (A) 4. (A) 5. (C) 6. (D) 7. (C) 8. (C) 9. (B) 10. (B) 11. (D)

12. दुष्टों की मित्रता की तुलना की गयी है? UP TGT–2003

(A) छाया से (B) कोयल से
(C) सर्प से (D) विष से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-50)- तारिणीश झा, पेज-82

13. सभी प्रकार की विपत्तियों से रक्षा होती है– UP TGT–2003

(A) पूर्वकृत पुण्यों के कारण (B) वीरता के कारण
(C) देवताओं की सहायता से (D) प्रत्युत्पन्नमति से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-101)- तारिणीश झा, पेज-162

14. मैनाक किसका पुत्र है? UP TGT–2004

(A) इन्द्र का (B) हिमालय का
(C) समुद्र का (D) दैत्य का

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-29)- तारिणीश झा, पेज-49

15. प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन .... कैः? UP TGT–2004

(A) जनैः (B) बालैः
(C) नीचैः (D) पुरुषैः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-73)- तारिणीश झा, पेज-119

16. विभाति कायः करुणाकुलानां .... रिक्तस्थान की पूर्ति करें? UP TGT–2004

(A) कुण्डलेन (B)कङ्कणेन
(C) परोपकारेण न चन्दनेन (D) परोपकारिणाम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-63)- तारिणीश झा, पेज-102

17. 'ये परहितं स्वार्थाय निघ्नन्ति' नीतिशतकम् के अनुसार वे लोग हैं? UP TGT–2004

(A) सत्पुरुषाः (B) सामान्याः
(C) मानुषराक्षसाः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)- तारिणीश झा, पेज-105

18. नीतिशतकम् का विषय– UPTGT–2011

(A) किसी एक सम्प्रदाय से सम्बन्धित है
(B) विज्ञान पर आधारित है
(C) आध्यात्मिक संचेतना पर आधारित है।
(D) मनुष्य मात्र की नीति कुशलता का उपदेश देने वाला है

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-16-17

19. नीतिशतकम् की भाषा– UPTGT–2011

(A) क्लिष्ट है (B) अलङ्कारप्रधान है
(C) अति सरल, सुबोध है (D) अति गम्भीर है

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-23

20. थोड़े से ज्ञान से स्वयं को ज्ञानी मानने वाले मनुष्य को कौन नही समझा सकते हैं? UP TGT–2011

(A) ब्रह्मा (B) विष्णु
(C) महेश (D) गणेश

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

21. अपनी अज्ञता छिपाने के लिये मूढ़ जनों का एकमात्र उपाय है? UPTGT–2011

(A) मौनावलम्बन (B) प्रगल्भालम्बन
(C) हारालम्बन (D) क्रोधालम्बन

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-07)- तारिणीश झा, पेज-11

22. स्वाभिमान और सम्मान के पात्र होते हैं– UPTGT–2011

(A) राजा (B) धनवान्
(C) विद्वज्जन (D) राज्याधिकारी

नीतिशतकम् (श्लोक-12, 13, 14)- तारिणीश झा, पेज-20, 22, 24

23. सत्संगति के प्रभाव से– UPTGT–2011

(A) मनुष्य की बुद्धि तीव्र होती है
(B) सत्य और सदाचरण में उसकी प्रवृत्ति होती है
(C) मान मर्यादा और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है
(D) पाप आदि से मुक्त होकर उपर्युक्त सभी सद्गुण विकसित होते हैं?

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-19)- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-58

24. 'नास्त्युद्यमसमो ....' रिक्तस्थान की पूर्ति करें? UP TGT–2004

(A) लज्जा (B) भूषणम्
(C) रिपुः (D) बन्धुः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-02)- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-182

25. पर्वत के पंख काटे थे? UP TGT–2004

(A) इन्द्र (B) विष्णु
(C) शिव (D) ब्रह्मा

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-29)- तारिणीश झा, पेज-49

12. (A)	13. (A)	14. (B)	15. (C)	16. (C)	17. (C)	18. (D)	19. (C)	20. (A)	21. (A)
22. (C)	23. (D)	24. (D)	25. (A)						

26. सुप्रसिद्ध कविजन निर्धन होकर रहते हैं, तो इसमें दोषी है? UP TGT–2004

(A) प्रजा (B) राजा

(C) मन्त्री (D) सेनापति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-12)- तारिणीश झा, पेज-20

27. शूरवीर महीतल पर अपना प्रभाव प्रकट कर सकता है? UP TGT–2004

(A) धन से (B) ज्ञान से

(C) पराक्रम से (D) अहंकार से

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-184

28. नीतिशतकम् में 'पूर्वतपसा खलु सञ्चितानि' हैं? UP TGT–2004

(A) कर्माणि (B) भाग्यानि

(C) फलानि (D) गुणानि

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-98)- तारिणीश झा, पेज-158

29. (i) विद्याविहीन हैं? UP TGT–2004, BHU B.Ed–2011
(ii) भर्तृहरि ने विद्याविहीन मानव को क्या कहा?

(A) भूभारभूता (B) पशु

(C) दुर्जन (D) हृदयहीन

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-17) - तारिणीश झा, पेज-29

30. राजनीति की तुलना की गयी है– UP TGT–2005

(A) नारी से (B) वेश्या से

(C) छाया से (D) रानी से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-39)- तारिणीश झा, पेज-64

31. महाराज भर्तृहरि की प्रमुख रचनाएँ हैं– UP TGT–2011

(A) नीतिशतकम् (B) शृङ्गारशतकम्

(C) वैराग्यशतकम् (D) उपर्युक्त तीनों ही

स्रोत–नीतिशतकम् - तारिणीश झा, भू० पेज-08

32. धन की कौन सी गति नहीं होती है– UP TGT–2011

(A) दान (B) भोग

(C) नाश (D) सन्तोष प्राप्ति

स्रोत–नीतिशतकम् - (श्लोक -35) तारिणीश झा, पेज-58

33. नीतिशतकम् अपनी गेयता के कारण–UP TGT–2011

(A) गीतिकाव्य है (B) रीतिकाव्य है

(C) वक्रोक्तियुक्त काव्य है (D) इनमें से कोई नहीं।

स्रोत–नीतिशतकम्–राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू० पेज-8, 9

34. नीतिशतककार के मतानुसार सम्पत्ति काल में महापुरुषों की मनोवृत्ति होती है? UP TGT–2005

(A) विशाल पर्वत के शिलाओं की समूह की भाँति कठोर

(B) कमल के समान कोमल

(C) पीपल पात की तरह चञ्चल

(D) पवन के समान गतिशील

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-55)- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-111

35. सबका आभूषण क्या है? UP TGT–2005

(A) स्वर्ण (B) धन

(C) शील (D) सत्य

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-186

36. सबसे बड़ा साधन है? UP TGT–2005

(A) दान (B) पूजन

(C) तीर्थयात्रा (D) परहितसाधन

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक 64) - तारिणीश झा, पेज-104

37. संसार में सबसे अधिक मनोहर तथा कष्टकारक कौन होता है? UP TGT–2005

(A) धन (B) ज्ञान

(C) रमणी (D) यश

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक 8) परिशिष्ट-तारिणीश झा, पेज-170

38. निम्न विकल्पों में से किसे भर्तृहरि ने मूर्ख एवं दुराग्रही व्यक्ति को प्रसन्न करने की अपेक्षा अधिक सरल नहीं कहा है? UP TGT–2005

(A) मगर की दाढ़ से बलात् मणि निकाल लेना

(B) क्रुद्ध सर्प को फूल की तरह सिर पर धारण करना

(C) कभी मृगतृष्णा से जल प्राप्त करना

(D) नाव से नदी पार करना

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-04)- तारिणीश झा, पेज-06

26. (B) 27. (C) 28. (B) 29. (B) 30. (B) 31. (D) 32. (D) 33. (A) 34. (B) 35. (C) 36. (D) 37. (C) 38. (D)

39. 'यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः''। इस सूक्ति के माध्यम से किसे शिक्षा दी जा रही है?

UP TGT–2005

(A) राजा को (B) बादल को
(C) चातक को (D) याचक को

स्रोत–नीतिशतकम् परिशिष्ट श्लोक-16-तारिणीश झा, पेज-180

40. ''आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः। नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥'' इस श्लोक में किसका महत्त्व प्रतिपादित है?

UP TGT–2009

(A) ज्ञान का (B) धर्म का
(C) कर्म का (D) मित्र का

स्रोत–नीतिशतकम् परिशिष्ट, श्लोक-1-तारिणीश झा, पेज-163

41. साहित्य, संगीत एवं कला से अपरिचित व्यक्ति होता है? **UP TGT–2009**

(A) परममूर्ख (B) परमबुद्धिमान्
(C) परमपशु (D) परमदुष्ट

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-3) - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-44

42. (i) भर्तृहरि के अनुसार सर्वोत्कृष्ट आभूषण है?
(ii) भर्तृहरिमते मनुष्यस्य परं भूषणं किम्–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015, UP TGT–2010

(A) विनय (B) क्षमा
(C) शील (D) वाक्संयम

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-3)-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-186

43. आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्। दिनस्य पूर्वार्द्धपरार्द्धभिन्ना छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्। इस श्लोक में छन्द है? UP TGT–2010

(A) इन्द्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) उपजाति (D) वसन्ततिलका

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-49)-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-104

44. निम्न में कौन-सी कृति भर्तृहरि की नहीं है?

UK TET–2011

(A) वैराग्यशतकम् (B) नीतिशतकम्
(C) पञ्चतन्त्रम् (D) वाक्यपदीयम्

स्रोत–नीतिशतकम् -राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-09,10

45. मित्राणि तथा रिपवः जायन्ते–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, MP TET–2011

(A) कुलेन (B) ज्ञानेन
(C) जन्मना (D) व्यवहारेण

स्रोत–

46. भर्तृहरेः गुहा अस्ति। RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) प्रयागसमीपे (B) पुष्करसमीपे
(C) कश्मीरसमीपे (D) द्वारिकासमीपे

स्रोत–

47. मनुष्य का कौन सा भूषण स्थायी है?

UP PGT–2010, UK (TET)–2011

(A) स्नान (B) उज्ज्वलहार
(C) परिष्कृत वाणी (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-16)- तारिणीश झा, पेज-27

48. कवि ने वृक्ष, मेघ तथा सत्पुरुष को कहा है?

UP (TET)–2013

(A) परोपकारी (B) अहंकारी
(C) कृष्ण (D) अतिथि

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

49. वृक्ष कब झुक जाते हैं? UP TET–2013

(A) पत्तों से युक्त होने पर (B) फल आने पर
(C) फूल आने पर (D) सूख जाने पर

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

50. नये जल से युक्त होने पर कौन अधिक लटक जाता है? **UP TET–2013**

(A) पर्वत (B) नदी
(C) समुद्र (D) मेघ (घन)

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

51. समृद्धि के समय कौन अभिमान रहित होता है?

UP TET–2013

(A) राजा (B) सत्पुरुष
(C) व्यापारी (D) कृपण

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62) तारिणीश झा पेज-101

39. (C) 40. (C) 41. (C) 42. (C) 43. (C) 44. (C) 45. (D) 46. (B) 47. (C) 48. (A) 49. (B) 50. (D) 51. (B)

52. विद्या किं ददाति?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) पात्रताम् (B) विनयम्
(C) धनम् (D) धर्मम्

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-6)- नारायण राम आचार्य, पेज-2

53. पात्रत्वाद् किं आप्नोति?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) धनम् (B) विनयम्
(C) धर्मम् (D) पात्रताम्

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-6)- नारायण राम आचार्य, पेज-02

54. येन बालः न पाठितः सः पिता कीदृशः?

UK TET–2011

(A) शत्रुवत् (B) वैरीवत्
(C) हंसवत् (D) बकवत्

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-38)- नारायण राम आचार्य, पेज-08

55. अपठितः बालः सभामध्ये कथमिव शोभते?

UK TET–2011

(A) शत्रुवत् (B) वैरीवत्
(C) हंसवत् (D) हंसमध्ये बकवत्

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-38)- नारायण राम आचार्य, पेज-08

56. यः नित्यं नीतिशास्त्रं शृणोति अधीते सः कस्माद् पराभवं न आप्नोति? MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) शुकात् (B) शक्रात्
(C) शावकात् (D) व्याघ्रात्

स्रोत–

57. के न भुक्ताः वयमेव भुक्ताः?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) वयमेव (B) त्वमेव
(C) जना एव (D) भोगाः

स्रोत–भर्तृहरिशतकम् -स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती, पेज-133

58. किं न तप्तम्, वयमेव तप्ताः –

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) भोगाः (B) तपः
(C) तृष्णा (D) ते

स्रोत–भर्तृहरिशतकम् -स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती, पेज-133

59. का न जीर्णा, वयमेव जीर्णाः–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) पक्षिणाः (B) भोगाः
(C) तृष्णा (D) ते

स्रोत–भर्तृहरिशतकम् -स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती, पेज-133

60. कः न यातः? वयमेव याताः–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) तृष्णा (B) कालः
(C) भोगः (D) तपः

स्रोत–भर्तृहरिशतकम् -स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती, पेज-133

61. धनात् किं प्राप्यते? MP वर्ग-2 (TGT)–2011

UK TET–2011

(A) विद्या (B) विनयः
(C) धनम् (D) धर्मः

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-06)- नारायण राम आचार्य, पेज-02

62. या बालं न पाठयति सा माता कीदृशी?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) शत्रु (B) वैरिणी
(C) कालिनी (D) यामिनी

स्रोत–(i) हितोपदेश (श्लोक-38)-नारायण राम आचार्य, पेज-8
(ii) चाणक्यनीति (2.11)

63. कः सुखम् आराध्यः?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) अज्ञः (B) विशेषज्ञः
(C) मूर्खः (D) महामूर्खः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

64. सुखतरं कः आराध्यते?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) विशेषज्ञः (B) अज्ञः
(C) मोहनः (D) सः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

52. (B)	53. (A)	54. (B)	55. (D)	56. (B)	57. (D)	58. (B)	59. (C)	60. (B)	61. (D)
62. (A)	63. (A)	64. (A)							

65. ज्ञानलवदुर्विदग्धं जनं कः न रञ्जयति? **MPवर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011**

(A) मूर्खः अपि (B) अज्ञः अपि

(C) विशेषज्ञः अपि (D) ब्रह्मा अपि

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

66. क्षीणेषु वित्तेषु कां जानीयात्? **MPTET–2011**

(A) मित्रम् (B) भार्याम्

(C) शुचिम् (D) बान्धवान्

स्रोत–चाणक्यनीति (1.11)-प्रणव शुक्ल, पेज–14

67. ये धर्मं न वदन्ति, ते भवन्ति– **MPTET–2011**

(A) सभाः न (B) धर्माः न

(C) वृद्धाः न (D) शूराः न

स्रोत–

68. चन्दनात् अपि अधिकः शीतलः कः वर्तते? **MPTET–2011**

(A) चन्द्रः (B) सूर्यः

(C) तारकः (D) साधकः

स्रोत–

69. कः नरः कुलीनः, पण्डितः, श्रुतवान्, गुणज्ञः च भवति? **MPTET–2011**

(A) यस्य विद्या अस्ति (B) यस्य वक्तृत्वम् अस्ति

(C) यस्य वित्तम् अस्ति (D) यस्य दर्शनीयत्वम् अस्ति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-33)- तारिणीश झा, पेज-54

70. धीमतां कालः येन गच्छति? **MPTET–2011**

(A) व्यसनेन (B) काव्यशास्त्रविनोदेन

(C) निद्रया (D) कलहेन

हितोपदेश (मित्रलाभ, श्लोक-1)-नारायण राम आचार्य, पेज-12

71. मूर्खाणां समयः कथं गच्छति? **MPTET–2011**

(A) निद्रया (B) कलहेन

(C) निद्रया कलहेन च (D) काव्यशास्त्रविनोदेन

स्रोत–हितापदेश (मित्रलाभ, श्लोक-1)-नारायण राम आचार्य, पेज-12

72. लोभात् किं न भवति? **MPTET–2011**

(A) क्रोधः (B) कामः

(C) मोहः (D) पुण्यम्

हितोपदेश मित्रलाभ (श्लोक-27)-नारायण राम आचार्य, पेज-21

73. के सत्पुरुषाः भवन्ति? **C-TET–2012**

(A) ये पुत्रान् पालयन्ति

(B) ये स्वार्थं विहाय परोपकारं कुर्वन्ति

(C) ये स्वार्थं साधयन्ति

(D) येषां धनं नास्ति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)-तारिणीश झा, पेज-105

74. मानुषराक्षसाः किं कुर्वन्ति? **C-TET–2012**

(A) मांसं भक्षयन्ति (B) स्वार्थाय परहितं नाशयन्ति

(C) विद्याभ्यासं न वाञ्छन्ति (D) बन्धुहत्यां कुर्वन्ति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)- तारिणीश झा, पेज-105

75. स्वार्थाविरोधेन परहितं कुर्वाणाः के? **C-TET–2012**

(A) सामान्याः (B) सत्पुरुषाः

(C) देशाभिमानिनः (D) राक्षसाः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)- तारिणीश झा, पेज-105

76. ये निघ्नन्ति निरर्थकं परहितं ते के न जानीमहे– **C-TET–2012**

(A) अनुष्टुप्छन्दसि (B) मात्राच्छन्दसि

(C) शार्दूलविक्रीडितच्छन्दसि (D) वंशस्थच्छन्दसि

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-65)-तारिणीश झा, पेज-105-107

77. कः पुत्रः? **C-TET–2012**

(A) यः धनं आनयेत्

(B) यः सुचरितैः पितरं प्रीणयेत्

(C) यः सदा क्रीडति

(D) यः अरण्येषु अटति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-60)- तारिणीश झा, पेज-98

78. सा पत्नी या– **C-TET–2012**

(A) भर्तुः धनमिच्छति (B) सुतं प्रसूते

(C) भर्तुः हितमिच्छति (D) प्रियं वदति

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-60)- तारिणीश झा, पेज-98

65. (D) 66. (B) 67. (C) 68. (A) 69. (C) 70. (B) 71. (C) 72. (D) 73. (B) 74. (B)
75. (A) 76. (C) 77. (B) 78. (C)

79. किं नाम मित्रम्? C-TET–2012

(A) यत् एकस्मात् गुरोः विद्याम् अधीते

(B) यः समीपगृहे वसति

(C) यत् सहाय्यं करोति

(D) सुखदुःखयोः समक्रियम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-60)- तारिणीश झा, पेज-98

80. 'एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते' इदं पद्यं कस्मिन् वृत्ते निबद्धम्? C-TET–2012

(A) आर्या (B) अनुष्टुप्

(C) वसन्ततिलका (D) इन्द्रवज्रा

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-60)- तारिणीश झा, पेज-98

81. ते मनुष्याः भूमौ भारः एव सन्ति।– C-TET–2012

(A) ये विद्याहीनाः (B) ये ज्ञानिनः

(C) ये परिश्रमशीलाः (D) ये दानशीलाः

स्रोत–नीतिशतकम् (परिशिष्ट श्लोक-11)-तारिणीश झा, पेज-174

82. भर्तृहरिरचित-वाक्यपदीयम् सम्बद्धम् अस्ति– C-TET–2012

(A) अष्टाध्यायी-सूत्रव्याख्यया (B) महाभाष्यस्य व्याख्यया

(C) व्याकरणदर्शनेन (D) काव्यशास्त्रसिद्धान्तेन

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-11

83. फलोद्गमैः के नम्राः भवन्ति? C-TET–2011

(A) तरवः (B) गुरवः

(C) कुरवः (D) शत्रवः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

84. नवाम्बुभिः के दूरविलम्बिनः सन्ति? C-TET–2011

(A) फलोद्गमाः (B) सत्पुरुषाः

(C) मेघाः (D) परोपकारिणः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

85. समृद्धिभिः के उद्धताः न भवन्ति? C-TET–2011

(A) घनाः (B) शत्रवः

(C) सत्पुरुषाः (D) तरवः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101

86. स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्– इदं पद्यं कस्मिन् वृत्ते निबद्धम्? C-TET–2012

(A) वंशस्थवृत्ते (B) शार्दूलविक्रीडिते

(C) मात्रावृत्ते (D) इन्द्रवज्रावृत्ते

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-62)- तारिणीश झा, पेज-101-102

87. पुरुषस्य भूषणं किम्? C-TET–2011

(A) अलङ्करणम् (B) विलेपनम्

(C) कर्णाभूषणम् (D) वाक्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-16)- तारिणीश झा, पेज-27

88. मनुष्यं किं सज्जीकरोति? C-TET–2011

(A) वाणी (B) स्नानम्

(C) विलेपनम् (D) अलङ्कृताः मूर्धजाः

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-16)- तारिणीश झा, पेज-27

89. विद्या से हीन मनुष्य के जीवन से क्या लाभ? RPSC ग्रेड-(PGT)–2011

(A) विद्याहीनस्य नरस्य किं लाभं जीवितस्य

(B) विद्याहीनस्य नरस्य कः लाभः जीवितेन

(C) विद्याहीनस्य नरस्य जीविष्यै किं लाभम्

(D) विद्याहीनस्य नरस्य जीवितात् किं लाभम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-17)- तारिणीश झा, पेज-29

90. भर्तृहरि के नीतिशतकम् में 'तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः' का तात्पर्य है– UP GDC–2008

(A) मूर्खता ज्वर है।

(B) मदमस्त हाथी मूर्ख होता है।

(C) मूर्खता मद है।

(D) बुद्धिमानों के सम्पर्क में आने पर ज्ञानी होने का नशा उतर जाता है।

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-08)- तारिणीश झा, पेज-13

91. निम्न में से कौन सी कृति भर्तृहरि की नहीं है? UK TET–2011

(A) वैराग्यशतकम् (B) भट्टिकाव्यम्

(C) नीतिशतकम् (D) वाक्यपदीयम्

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू. पेज–9, 10

79. (D)	80. (C)	81. (A)	82. (C)	83. (A)	84. (C)	85. (C)	86. (A)	87. (D)	88. (A)
89. (B)	90. (D)	91. (B)							

92. यत्र पादत्रये कथां प्रति पद्यस्य अन्तिमपादे नीतिः उच्यते तादृशं काव्यं किम्? DSSSB TGT–2014

(A) चण्डीशतकम् (B) मयूरशतकम्

(C) उपदेशशतकम् (D) नीतिशतकम्

स्रोत–

93. 'अनुत्तम' का क्या अर्थ है? BHU MET–2009

(A) जो अच्छा न हो

(B) जिससे उत्कृष्ट कोई और न हो

(C) उत्तमता का अभाव

(D) व्यर्थ

स्रोत–संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश-उमाप्रसाद पाण्डेय, पेज–45

94. नीतिशतकम् में राजनीति को कितने स्वरूपों को धारण करने वाली कहा गया है? UP TGT–2013

(A) 8 (B) 9

(C) 10 (D) 11

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-39)-तारिणीश झा, पेज–64

95. नीतिशतकम् के अनुसार धन की कितने दशायें होती हैं? UP TGT–2013

(A) 2 (B) 4

(C) 3 (D) 5

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-35)- तारिणीश झा, पेज-58

96. ''सेवाधर्मः परमगहनो योगिनामप्यगम्यः'' श्लोकांश में 'परमगहनो' का क्या अर्थ है? UP TGT–2001

(A) अत्यन्त कठिन (B) असंगत बोलने वाले

(C) धोखा न देने वाले (D) लज्जावाली

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-48)- तारिणीश झा, पेज-79

97. ''ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति''-श्लोकांश में 'रञ्जयति' का तात्पर्य है। UP TGT–2003

(A) मूर्ख (B) ज्ञाता

(C) बलपूर्वक (D) प्रसन्नकरना

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

98. ''मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा'' श्लोकांश में 'मूर्ध्नि' शब्द का अर्थ है? UP TGT–2003

(A) आगे (B) पीछे

(C) ऊपर (D) नीचे

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-26)- तारिणीश झा, पेज-44

99. 'कन्था' शब्द का अर्थ है– UP TGT–2003

(A) जीर्णवस्त्र (B) सरलता

(C) तुच्छता (D) समुद्र

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-74)- तारिणीश झा, पेज-121

100. ''न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्'' इस वाक्य में 'गणयति' का तात्पर्य है। UP TGT–2005

(A) गणना करने से (B) संख्या गिनने से

(C) विचारने से (D) शत्रुता करने से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-9)- तारिणीश झा, पेज-14

101. ''शूरे निर्घृणता मुनौ विमतिता दैन्यं प्रियालापिनि''- इस श्लोकांश में 'निर्घृणता' का क्या अर्थ है। UP TGT–2005

(A) घृणा (B) निर्दयता

(C) सज्जनता (D) दुर्जनता

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-44)-तारिणीश झा, पेज-71

102. 'नागेन्द्र' का अर्थ है– UP TGT–2009

(A) नागों का राजा (B) श्रेष्ठ हाथी

(C) नागलोक का स्वामी (D) पर्वतराज

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-11)-तारिणीश झा, पेज-19-20

103. 'शूली' का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) भालेवाला (B) शिव

(C) काँटेदार (D) कष्टप्रद

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-52)-तारिणीश झा, पेज-84-85

104. 'लुब्धक' का अर्थ है– UP TGT–2010

(A) लोभी (B) लुभावना

(C) उपलब्ध (D) बहेलिया

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-51)-तारिणीश झा, पेज-83

92. (D) 93. (B) 94. (C) 95. (C) 96. (A) 97. (D) 98. (C) 99. (A) 100. (C) 101. (B) 102. (B) 103. (B) 104. (D)

105. (i) ''सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ते'' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है– UP TGT–2010,
(ii) ''सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति'' सूक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है? BHU MET–2009, 2011, 2012, 2013

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) अमरुकशतकम्
(C) नीतिशतकम् (D) चौरपञ्चाशिका

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-33)-तारिणीश झा, पेज-55

106. ''सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति'' किसकी उक्ति है– UP GIC–2009

(A) कालिदास (B) भर्तृहरि
(C) वाल्मीकि (D) माघ

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-33)-तारिणीश झा, पेज-55

107. ''यां चिन्तयामि सततं मयि सा विरक्ता'' पंक्ति किस पुस्तक से उद्धृत है– UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मेघदूतम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) नीतिशतकम्

स्रोत–नीतिशतकम् (परिशिष्ट, श्लोक-21)-तारिणीश झा, पेज-185

108. ''दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययालङ्कृतोऽपि सन्'' यह वचन किसने कहा है? UP TGT–1999

(A) भवभूति ने (B) कालिदास ने
(C) भर्तृहरि ने (D) भारवि ने

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-43)-तारिणीश झा, पेज-70

109. 'न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि' यह सूक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2016

(A) हितोपदेश (B) पञ्चतन्त्र
(C) शुकनासोपदेश (D) नीतिशतक

स्रोत–नीतिशतकम् (परिशिष्ट श्लोक-12)-तारिणीश झा, पेज-175

110. ''विधिरहो बलवानिति मे मतिः'' यह सुभाषित किस ग्रन्थ में है– UP TGT–1999, 2009

(A) नीतिशतकम् में
(B) उत्तररामचरितम् में
(C) कादम्बरी (शुकनासोपदेश) में
(D) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-86)-तारिणीश झा, पेज-138

111. ''मन्यामहे मलयमेव यदाश्रयेण कङ्कोलनिम्बकुटजा अपि चन्दनाः स्युः'' यह श्लोकांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP TGT–1999

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से (B) नीतिशतकम् से
(C) उत्तररामचरितम् से (D) शुकनासोपदेश से

स्रोत–नीतिशतकम् (परिशिष्ट, श्लोक-17)-तारिणीश झा, पेज-181

112. ''विद्याविहीनः पशुः'' यह उक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है– UP TGT–2001

(A) नीतिशतकम् से (B) मेघदूतम् से
(C) उत्तररामचरितम् से (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-17)-तारिणीश झा, पेज-29

113. ''प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति'' श्लोकांश उद्धृत है– UP TGT–2001

(A) मेघदूतम् से (B) कादम्बरी से
(C) नीतिशतकम् से (D) किरातार्जुनीयम् से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-73)-तारिणीश झा, पेज-119

114. ''भोगा न भुक्ता वयमेव भुक्ताः'' यह श्लोकांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है? UP TGT–2004

(A) अमरुशतक से (B) नीतिशतक से
(C) मुद्राराक्षस से (D) वैराग्यशतक से

स्रोत–वैराग्यशतकम् – स्वामी विदेहात्मानन्द, पेज–5

115. ''सेवाधर्मो परमगहनो योगिनामप्यगम्यः'' कथन है– UP TGT–2009

(A) भवभूति का (B) भर्तृहरि का
(C) कालिदास का (D) भारवि का

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-48)- तारिणीश झा, पेज-78

116. नीतिशतकम् मे कितनी पद्धतियाँ हैं? BHU MET–2011

(A) 09 (B) 10
(C) 18 (D) 12

स्रोत–नीतिशतकम् - तारिणीश झा, भू. पेज–09

105. (C) 106. (B) 107. (D) 108. (C) 109. (D) 110. (A) 111. (B) 112. (A) 113. (C) 114. (D) 115. (B) 116. (B)

117. ''अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः'' कस्य ग्रन्थस्य वर्तते–MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) नीतिशतकस्य (B) पञ्चतन्त्रस्य
(C) हितोपदेशस्य (D) कथासरित्सागरस्य

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-03)- तारिणीश झा, पेज-04

118. ''विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा'' यह पंक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है– UP TGT–2013

(A) उत्तररामचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) नीतिशतकम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-53)- तारिणीश झा, पेज-86

119. ''मा ब्रूहि दीनं वचः'' यह उक्ति किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है– UP TGT–2013

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) नीतिशतकम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-3)- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-92

120. ''प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः'' के कर्ता कौन हैं– UP PGT (H)–2013

(A) भास (B) भर्तृहरि
(C) भवभूति (D) भारवि

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-72)-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-138

121. 'न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः' – यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2016

(A) अभिज्ञानशाकुन्तल (B) किरातार्जुनीय
(C) नीतिशतक (D) चौरपञ्चाशिका

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-75)-तारिणीश झा, पेज-122

122. 'साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।' उक्ति कहाँ से उद्धृत है? H-TET–2015

(A) विदुरनीति से (B) वैराग्यशतक से
(C) नीतिशतक से (D) महाभारत से

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-3)-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-44

123. ''सर्वे गुणाः .... आश्रयन्ति।'' रिक्तस्थानं पूरयित्वा सूक्तिं निर्मापयत– REET–2016

(A) निधानम् (B) काञ्चनम्
(C) सौन्दर्यम् (D) ज्ञानम्

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-33)- तारिणीश झा, पेज-55

124. 'न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति' वाक्यमिदं लोट्लकारे परिवर्तयत– REET–2016

(A) न्याय्यात् पथः प्रविचलिष्यति
(B) न्याय्यात् पथः प्रविचलेत्
(C) न्याय्यात् पथः प्रविचलन्तु
(D) न्याय्यात् पथः अविचलत्

स्रोत–रूपचन्द्रिका- ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज-139

125. नीतिशतके भर्तृहरेः भार्यायाः नाम किम्?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) मनोवती (B) रागिनी
(C) अवन्तिका (D) पिङ्गला

स्रोत–नीतिशतकम्- राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू0 पेज-09

117. (A) 118. (D) 119. (D) 120. (B) 121. (C) 122. (C) 123. (B) 124. (C) 125. (D)

24 मुक्तककाव्य/गीतिकाव्य/खण्डकाव्य के विविध प्रश्न

1. किस प्रकार के काव्य को 'एकदेशानुकारि' कहा गया है? UP GIC–2009
(A) खण्डकाव्य (B) महाकाव्य
(C) गद्यकाव्य (D) चम्पूकाव्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-521

2. 'खण्डकाव्य' कहा जाता है जो– UP PGT–2013
(A) काव्य के एक देश का अनुसरण करता है।
(B) खण्डों में विभक्त होता है।
(C) खण्डिता नायिका के चरित पर आधारित हो।
(D) महाकाव्य के कुछ सर्गों का निबद्धीकरण हो।
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-521

3. निम्नलिखित में से कौन गीतिकाव्य का ग्रन्थ नहीं है? UP TGT–2010
(A) कुमारसम्भवम् (B) ऋतुसंहारम्
(C) मेघदूतम् (D) B और C दोनों
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

4. अधोलिखित में से कौन-सा काव्य गीतिकाव्य नहीं है? UP GIC–2008
(A) अमरुकशतक (B) गीतगोविन्दम्
(C) मत्तविलासः (D) भामिनीविलासः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-443

5. शतकत्रय में सम्मिलित नहीं है– UGC 25 J–2004
(A) नीतिशतक (B) अमरुकशतक
(C) वैराग्यशतक (D) शृङ्गारशतक
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

6. विदुर किसको नीति का बोध कराते हैं? UGC 73 J–2012
(A) श्रीकृष्णम् (B) धृतराष्ट्रम्
(C) दुर्योधनम् (D) युधिष्ठिरम्
स्रोत–विदुरनीति- गुञ्जेश्वर चौधरी, भू0 पेज-3

7. गीतगोविन्दकाव्यस्य कः विषयः? BHU Sh.ET–2008
(A) नीतिः (B) भक्तिः
(C) अर्थनीतिः (D) समाजनीतिः
स्रोत–गीतगोविन्द- रामचन्द्र वर्मा शास्त्री, भू0 पेज-11

8. पञ्चतन्त्रे कस्य राज्ञो मूर्खपुत्रान् विष्णुशर्मा प्राज्ञान् करोति? DSSSB PGT–2014, DSSSB TGT–2014
(A) पाषाणबुद्धेः (B) जडबुद्धेः
(C) अमरशक्तेः (D) दुर्बलशक्तेः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-578

9. अमरुकशतकं वर्तते– AWES TGT–2008
(A) महाकाव्य (B) मुक्तककाव्य
(C) आख्यायिका (D) लोककथा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-348

10. विक्रमोर्वशीयम् है? BHU MET–2016
(A) त्रोटक (B) नाटिका
(C) प्रकरण (D) भाण
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-329

11. गद्यपद्यात्मक-श्रव्यकाव्यस्य नाम– K SET–2013
(A) नाटकम् (B) लघुकाव्यम्
(C) चित्रकाव्यम् (D) चम्पूकाव्यम्
स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-227

12. वैराग्यशतक किस प्रकार की रचना है? UP TGT – 2004
(A) ऐतिहासिक (B) महाकाव्य
(C) खण्डकाव्य (D) व्याकरणग्रन्थ
स्रोत–नीतिशतकम् - राकेश शास्त्री, भू. पेज–11, 16

1. (A)	2. (A)	3. (A)	4. (C)	5. (B)	6. (B)	7. (B)	8. (C)	9. (B)	10. (A)
11. (D)	12. (C)								

25 कवि परिचय

1. (i) आदिकवि के नाम से किसको जाना जाता है?
(ii) आदिकवि के रूप में किसको जाना जाता है?
(iii) संस्कृतसाहित्ये आदिकविरूपेण कः प्रसिद्धः?
(iv) आदिकविः वर्तते– BHU MET– 2011,
(v) संस्कृतभाषा में 'आदिकवि' की उपाधि से विभूषित कवि हैं– BHU AET– 2011, H TET–2015 BHU B.Ed– 2011, UP TET– 2014, UGC 73 D– 2004, J–2016, RPSC SET–2010

(A) व्यास (B) तुलसीदास
(C) वाल्मीकि (D) कालिदास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-122

2. वाल्मीके अपरमभिधानमस्ति– AWES TGT– 2012

(A) कविकुलगुरुः (B) पदवाक्यप्रमाणज्ञः
(C) सुरगुरुः (D) आदिकविः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-134

3. वाल्मीकि किस वंश के माने गये हैं? BHU AET–2011

(A) कुरुवंश (B) यदुवंश
(C) रघुवंश (D) भृगुवंश

स्रोत–कविर्जयति वाल्मीकिः - आनन्द कुमार श्रीवास्तव, पेज-114

4. महर्षि वाल्मीकि आश्रम स्थापित है– UP PCS– 2007

(A) श्रावस्ती में (B) बिठूर में
(C) काल्पी में (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–कविर्जयति वाल्मीकिः - आनन्द कुमार श्रीवास्तव, पेज-119

5. संस्कृते आर्षकविरूपेण प्रतिष्ठितः अस्ति– DL– 2014

(A) सुबन्धुः (B) भासः
(C) कालिदासः (D) वाल्मीकिः

संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-134

6. तमसा नदी के तट पर किसका आश्रम था? BHU MET– 2008, 2009, 2013

(A) वाल्मीकि का (B) दुर्वासा का
(C) कण्व का (D) विश्वामित्र का

संस्कृत साहित्य का इतिहास- राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-61

7. (i) 'शोकः श्लोकत्वमागतः' उक्ति किससे सम्बद्ध है–
(ii) को नामासौ कविर्यस्य शोकः श्लोकत्वमागतः? BHU AET– 2011

(A) वाल्मीकिः (B) व्यासः
(C) भासः (D) कालिदासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-140

8. (i) किंवदन्ती के अनुसार वाल्मीकि कवि बनने के पूर्व क्या थे?
(ii) किंवदन्ती के अनुसार प्रारम्भिक जीवन में वाल्मीकि क्या थे? BHU AET– 2010, 2011

(A) डकैत (B) संन्यासी
(C) ब्रह्मचारी (D) कोई नहीं

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-61

9. महर्षि व्यास का दूसरा नाम क्या था? BHU AET– 2011

(A) कात्यायन (B)कृष्णद्वैपायन
(C) पराशर (D) भृगु

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-145

10. व्यासस्य पितामहः क आसीत्? UGC 25 S– 2013

(A) शक्तिः (B) पराशरः
(C) द्वैपायनः (D) विश्वामित्रः

स्रोत– पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज-63

11. (i) महाभारतानुसारं वेदव्यासस्य मातुः नाम आसीत्?
(ii) महर्षि व्यास की माता का क्या नाम था– BHU AET– 2010, 2011, UGC 25 J–2016

(A) सत्यवती (B) कुन्ती
(C) शकुन्तला (D) गान्धारी

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-145

1. (C) 2. (D) 3. (D) 4. (B) 5. (D) 6. (A) 7. (A) 8. (A) 9. (B) 10. (A) 11. (A)

12. महर्षिवेदव्यासस्य पुत्रस्य नाम आसीत्– **AWES TGT–2010**

(A) रामदेवः (B) नामदेवः
(C) शुकदेवः (D) सोमदेवः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-71

13. कृष्णद्वैपायन के शिष्यों में कौन नहीं हैं? **BHU AET–2010**

(A) पैल (B) वैशम्पायन
(C) आरुणि (D) जैमिनि

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड–3)-बलदेव पेज-437

14. बादरायणः कः? **BHU AET–2012**

(A) शुकः (B) नारदः
(C) सूतः (D) व्यासः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा , पेज-72

15. कः सत्यवतीसुतः? **BHU AET–2012**

(A) पराशरः (B) शुकः
(C) व्यासः (D) शान्तनुः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-145

16. निम्नलिखित में कौन कालक्रम में प्रथम हैं? **UP GDC–2008**

(A) भास (B) भवभूति
(C) कालिदास (D) शूद्रक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-465

17. निम्नलिखित में से कौन कवि कालिदास से पूर्ववर्ती हैं– **UP PGT (H)–2005**

(A) भारवि (B) भास
(C) दण्डी (D) भवभूति

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-465

18. (i) महाकविभासप्रणीतानि .... रूपकाणि सन्ति?
(ii) भासस्य नाटकानां संख्या मन्यते–
(iii) भास द्वारा लिखित उपलब्ध नाटकों की संख्या है–
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, GJ SET–2014
MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP GIC–2009

(A) त्रीणि (3) (B) त्रयोदश (13)
(C) त्रिंशत् (30) (D) दश (10)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-465

19. का रचना भासस्य नास्ति– **JNU MET–2015**

(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) चारुदत्तम्
(C) ऊरुभङ्गम् (D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

20. भासस्य महाभारताधारित-नाटकानां संख्या वर्तते– **RPSC ग्रेड-II TGT–2014**

(A) सप्त (7) (B) नव (9)
(C) अष्ट (8) (D) त्रयोदश (13)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-466

21. कस्य रूपकेषु प्रस्तावना स्थापना इत्युच्यते– **UGC 25 J–2010, 2012**

(A) शूद्रकस्य (B) श्रीहर्षस्य
(C) भासस्य (D) भट्टनारायणस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-229

22. नाटकचक्रं कस्य प्रसिद्धम्? **BHU Sh. ET–2011**

(A) कालिदासस्य (B) माघस्य
(C) भवभूतेः (D) भासस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-224

23. भासस्य रामायणाधृतं नाटकमस्ति– **RPSC SET–2013-14**

(A) प्रतिमानाटकम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (D) कर्णभारः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

24. 'सर्वशोभनीयं सुरूपं नाम' इस उक्ति के रचयिता कौन हैं? **BHU MET–2016**

(A) कालिदास (B) भास
(C) भवभूति (D) शूद्रक

भासनाटकचक्रम् (भाग-2, प्रतिमानाटकम्) रामचन्द्र मिश्र , पेज-20

25. संस्कृतसाहित्ये कविताकामिन्याः हासः कः कथ्यते– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) भासः (B) कालिदासः
(C) वत्सराजः (D) जगन्नाथः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-225

12. (C)	13. (C)	14. (D)	15. (C)	16. (A)	17. (B)	18. (B)	19. (D)	20. (A)	21. (C)
22. (D)	23. (A)	24. (B)	25. (A)						

26. कविकुलगुरुः कः? UGC 25 D– 2010
(A) माघः (B) कालिदासः
(C) अश्वघोषः (D) भारविः
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-218

27. (i) कालिदास किस राजा के आश्रित कवि थे?
(ii) कालिदास किसके शासनकाल में थे?
UP TGT– 2009, MP PSC– 1990
(A) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य II (B) धवलचन्द्र
(C) अवन्तिवर्मा (D) यशोवर्मा
स्रोत– मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, भू0 पेज-9

28. (i) कालिदासः केनोपाधिना विभूषितः –
(ii) महाकवेः कालिदासस्योपाधिरस्ति–
BHU AET– 2010, JNU MET– 2014
(A) स्वर्णशिखा (B) अग्निशिखा
(C) दीपशिखा (D) रत्नशिखा
स्रोत– संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय, पेज-78

29. (i) 'दीपशिखा' बिरुदाङ्कितः कविः –
(ii) 'दीपशिखा' शब्द किससे सम्बद्ध है?
(iii) दीपशिखा नाम्ना प्रसिद्धकविरस्ति–
BHU MET–2016, K SET–2013, MGKV Ph. D–2016
(A) श्रीहर्ष (B) भारवि
(C) बाणभट्ट (D) कालिदास
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-159

30. (i) कः कवि स्वोपमायाः कृते प्रसिद्धः –
(ii) उपमालङ्कारे कः कविः प्रसिद्धः –
AWES TGT– 2008, 2012, K SET–2015
(A) कालिदासः (B) श्रीहर्षः
(C) माघः (D) बाणभट्टः
स्रोत– मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, भू0 पेज-24

31. (i) महाकवि कालिदास किस अलङ्कार के लिए प्रसिद्ध हैं?
(ii) कालिदासः कस्यालङ्कारप्रयोगे सर्वश्रेष्ठ आसीत्?
(iii) कालिदास किसी एक विशिष्ट अलङ्कार के प्रयोग में अतुलनीय हैं, वह अलङ्कार है?
UP TGT (H) 2005, 2009, MP (वर्ग- 2) TGT– 2011, UK TET– 2011, UP TGT–2011
(A) उपमा (B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक
संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-223

32. वैदर्भीरीतिसन्दर्भे.....विशिष्यते– BHU AET– 2010
(A) भवभूतिः (B) बाणभट्टः
(C) कालिदासः (D) अभिनन्दः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-346

33. कालिदास के संस्कृत नाटकों में स्त्री एवं शूद्र चरित्र किस भाषा में बोलते हैं? NVS TGT–2016
(A) संस्कृत (B) पाली
(C) प्राकृत (D) ब्राह्मी
स्रोत– महाकवि कालिदास - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–157

34. 'दीपशिखा' इति उपाधिः कस्मै कवये प्रदत्तः?
RPSC SET–2010
(A) भारवये (B) कालिदासाय
(C) माघाय (D) अश्वघोषाय
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-159

35. 'क इह .... न रमते'– BHU AET– 2010
(A) रघुकारे (B) कालिदासे
(C) मेघदूते (D) शाकुन्तले
संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-98

36. 'अमृतेनेव संसिक्ताः चन्दनेनैव चर्चिताः' – इत्युक्तिः कं लक्षयति– UGC 25 D–2015
(A) भासम् (B) बाणभट्टम्
(C) शूद्रकम् (D) कालिदासम्
स्रोत– मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, भू. पेज–43

37. (i) महाकविकालिदासस्य कति नाटकानि सन्ति–
(ii) वर्तमान में कालिदास के कितने नाटक उपलब्ध हैं–
(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् सहित कालिदास ने कितने नाटक लिखे हैं? BHU MET– 2013,
(iv) कालिदासकृतनाटकानि सन्ति? BHU B.Ed– 2013, MP वर्ग-1 (PGT)– 2012, UP PGT–2011
(A) चत्वारि (4) (B) पञ्च (5)
(C) षट् (6) (D) त्रीणि (3)
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-478

38. कथा साहित्यकार नहीं हैं? UGC 25 D– 2003
(A) विष्णुशर्मा (B) नारायणपण्डित
(C) सोमदेव (D) कालिदास
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी , भू. पेज-49

26. (B) 27. (A) 28. (C) 29. (D) 30. (A) 31. (A) 32. (C) 33. (C) 34. (B) 35. (A) 36. (D) 37. (D) 38. (D)

39. कालिदास किस रीति के कवि हैं? UP PGT–2011

(A) वैदर्भी (B) गौडी

(C) पाञ्चाली (D) लाटी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-220

40. कवि कालिदास के सम्बन्ध में कौन-सा कथन असत्य है– UP PGT–2010

(A) कालिदास ने अपने किसी भी ग्रन्थ में अपने जीवन से सम्बद्ध किसी भी बात का उल्लेख नहीं किया है।

(B) वे कश्मीर के निवासी थे।

(C) कालिदास का उज्जयिनी के प्रति विशेष आग्रह था।

(D) वे शिव की उपासना करते थे।

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन/मनमोहन शर्मा, पेज-93-94

41. सन्देशकाव्यप्रस्थानं केन समारब्धम्–UGC 25 J–2010

(A) अश्वघोषेण (B) कालिदासेन

(C) कुन्तकेन (D) वामनेन

संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-340

42. लघुत्रयीति संज्ञया प्रथितस्य काव्यत्रयस्य प्रणेता कविः वर्तते– UP GDC–2012

(A) क्षेमेन्द्रः (B) जयदेवः

(C) बिल्हणः (D) कालिदासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

43. (i) 'सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः' इति कस्य उक्तिः? UGC 25 D–2008,

(ii) 'सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः' इति वाक्यं वर्तते– UP GIC–2015

(A) भर्तृहरेः (B) कालिदासस्य

(C) भासस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54

44. 'सरस्वती श्रुतमहतां महीयताम्' इति केनोक्तम्? UGC 25 D–2012

(A) वाल्मीकिना (B) कालिदासेन

(C) भवभूतिना (D) श्रीहर्षेण

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/35)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453

45. (i) ''आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्''– इति वाक्यं वर्तते– UGC 25 J–2008,

(ii) 'आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्' इतीयं कस्योक्तिः? BHU AET–2010

(A) भासस्य (B) भारवेः

(C) कालिदासस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/02) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-8

46. ''अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम्''– इति वाक्यस्य कर्ता वर्तते– UGC 25 J–2009

(A) भारविः (B) कालिदासः

(C) माघः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/24)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-291

47. 'न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्'– यह सूक्ति जिसकी है, वह है– BHU MET–2015

(A) कालिदास (B) वाल्मीकि

(C) दण्डी (D) माघ

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/26) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-73

48. ''अर्थो हि कन्या परकीय एव'' इति वाक्यस्य कर्ता वर्तते– UGC 25 D–2009

(A) कालिदासः (B) माघः

(C) श्रीहर्षः (D) भारविः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

49. केनोक्तम्– 'न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते?' AWES TGT–2009

(A) शूद्रकेण (B) भवभूतिना

(C) अश्वघोषेन (D) कालिदासेन

संस्कृत साहित्य का इतिहास - राकेश कुमार जैन, पेज-99

50. 'नाद्यन्ते ततः प्रविशति सूत्रधारः' इति कस्य कवेः नाटकानां प्रारम्भे विद्यते– BHU AET–2010 K SET–2014

(A) कालिदासस्य (B) हर्षस्य

(C) भासस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-05, 15

39. (A) 40. (B) 41. (B) 42. (D) 43. (B) 44. (B) 45. (C) 46. (B) 47. (A) 48. (A) 49. (D) 50. (A)

51. 'पुराणमित्येव न साधु सर्वम्' – इस उक्ति का रचयिता कौन है? BHU MET–2016

(A) व्यास (B) वाल्मीकि
(C) भास (D) कालिदास

स्रोत– मालविकाग्निमित्रम् (1/2) - रमाशंकर पाण्डेय, पेज–04

52. कालिदास की रचना 'रघुवंशम्' है– UP TGT (H)–2001

(A) एक खण्डकाव्य (B) एक गीतिकाव्य
(C) एक मुक्तककाव्य (D) एक महाकाव्य

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन ,पेज-95

53. कालिदासकृत-काव्यानां सञ्जीवनी-टीकाकृतास्ति– BHU AET–2010

(A) मल्लिनाथः (B) दक्षिणावर्तनाथः
(C) अरुणगिरिनाथः (D) प्रमथनाथः

स्रोत– मेघदूतम् -शेषराज शर्मा 'रेग्मी',भू० पेज-23

54. निम्न अभिलेखों में से किसमें कालिदास का नाम मिलता है? MP PSC– 2005

(A) मथुरा स्तम्भलेख गुप्तसंवत् 61 (B) उदयगिरि गुहालेख
(C) साँची का लेख (D) ऐहोल का लेख

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू० पेज-13

55. (i) कालिदासः कस्यालङ्कारस्य प्रयोगे निपुणः?
(ii) कालिदासः कस्यालङ्कारप्रयोगे सर्वश्रेष्ठ आसीत्? CVVET–2015, MP वर्ग-1 (TGT)–2011

(A) अर्थान्तरन्यासस्य (B) निदर्शनालङ्कारस्य
(C) उपमालङ्कारस्य (D) रूपकालङ्कारस्य

संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-223

56. कवेः अश्वघोषस्य मातुः नाम आसीत्? RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2014

(A) कनकाक्षी (B) मीनाक्षी
(C) हरिणाक्षी (D) सुवर्णाक्षी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-226

57. 'सौन्दरनन्द' किसकी रचना है? MP PCS– 1991

(A) अश्वघोष (B) बाणभट्ट
(C) भवभूति (D) भास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-227

58. अश्वघोषः कस्य धर्मस्य प्रचारार्थं काव्यानि अलिखत्– UGC 25 J– 2013

(A) जैनधर्मस्य (B) बौद्धधर्मस्य
(C) सिखधर्मस्य (D) ख्रिष्टधर्मस्य

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा- बलदेव उपाध्याय, पेज-121

59. अश्वघोष के ग्रन्थ किस भाषा में लिखे गये हैं? Chh. PSC– 2005

(A) पालि (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) हिन्दी

संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज-170-171

60. (i) अश्वघोष किसका समकालीन था?
(ii) प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान् अश्वघोष किसके समकालीन थे? UK PCS– 2009, MPPSC– 1995

(A) अशोक (B) कनिष्क
(C) नागार्जुन (D) हर्ष

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा- बलदेव उपाध्याय, पेज-123

61. भारवि थे– UP TGT– 2010

(A) दाक्षिणात्य (B) औदीच्य
(C) पश्चिमीभारत के (D) पूर्वीभारत के

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू० पेज -13

62. भारवि के आश्रयदाता थे– UP TGT– 2010

(A) पुलकेशिन का भाई (B) हर्ष
(C) यशोवर्मा (D) पुलकेशिन

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू० पेज -14

63. भारविः कस्योपासकः आसीत्? UGC 25 D– 2000

(A) ब्रह्मणः (B) विष्णोः
(C) शिवस्य (D) पार्वत्याः

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू० पेज -13

64. वश्यभट्टेन तुलना केन– UK SLET– 2012

(A) कालिदासेन (B) माघेन
(C) बाणभट्टेन (D) भारविना

स्रोत–

51. (D)	52. (D)	53. (A)	54. (D)	55. (C)	56. (D)	57. (A)	58. (B)	59. (C)	60. (B)
61. (A)	62. (A)	63. (C)	64. (D)						

65. (i) महाकविः भारविः प्रसिद्धः? UGC 25 D–2011,
(ii) भारविः केन कारणेन प्रसिद्धः? DSSSB PGT–2014,
(iii) भारवि क्यों प्रसिद्ध हैं? UGC 73 J–2008,
(iv) भारवेः काव्यस्य किं वैशिष्ट्यं प्रसिद्धम्?
(v) भारविः कथं प्रसिद्धः? DSSSB TGT–2014, GJ SET–2011, RPSC SET–2013-14

(A) अर्थगौरवात् (B) शब्दप्रयोगात्
(C) उपमाप्रयोगात् (D) शब्दालङ्कारप्रयोगात्

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू0 पेज -25

66. अर्थगौरव के लिए कौन कवि प्रसिद्ध हैं?
(ii) कस्य कवेरर्थगौरवं स्तुतम्? UP TGT–2009,
(iii) अर्थगौरवे कस्य कवेः श्रेष्ठता –
(iv) संस्कृतसाहित्य में अर्थगौरव के लिये प्रसिद्ध हैं? UP PGT–2002, 2009, UP PGT (H)–2005, UP TET–2013, BHU MET–2008, BHU AET–2010, BHU Sh.ET–2013

(A) माघ (B) दण्डी
(C) भारवि (D) कालिदास

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू0 पेज -25

67. महाकवि भारवि किस शैली के प्रवर्तक माने जाते हैं? UP TGT–2005

(A) सरल (B) कठोर
(C) अर्थगौरव (D) इनमें से नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू0 पेज -25

68. (i) ''नारिकेलफलसम्मितं वचः'' किस कवि के बारे में कहा गया है? UP TGT–2004, 2009, 2010,
(ii) किस कवि की वाणी 'नारिकेल फल' के समान है?
(iii) कस्य काव्यं 'नारिकेलफलसम्मितम्' –
(iv) कस्य वचनं 'नारिकेलफल-सम्मितं' कल्पितम्? UP PGT (H)–2013, UGC 25 D–2014, G GIC–2015

(A) भारवेः (B) कालिदासस्य
(C) माघस्य (D) बाणस्य

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू0 पेज -21

69. भारवि की शैली मे कौन-सा तत्त्व प्रधान है– UP TGT–2011

(A) ओजप्राधान्यता (B) वैदर्भीरीति की प्रधानता
(C) गौडीरीति की प्रधानता (D) अर्थगौरवता

स्रोत–किरातार्जुनीयम्- रामसेवक दुबे, भू0 पेज -25

70. भारवि शब्द का अर्थ है– UP TGT–2011

(A) जिसको रवि अर्थात् सूर्य की चमक आये
(B) भार को ढोने वाला
(C) सूर्य की कान्ति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज-139

71. भारविः कस्य सभापण्डित आसीत्? KL SET–2015

(A) चालुक्यवंशी-विष्णुवर्धनमहोदयस्य
(B) विक्रमादित्यस्य
(C) जयचन्द्रस्य
(D) हर्षदेवस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-180

72. अर्थगौरव का अर्थ है– UP TGT–2011

(A) गौरव गरिमा से युक्त बातें कहना
(B) शब्द से ज्यादा अर्थ पर जोर देना
(C) थोड़े से शब्दों में ज्यादा अर्थ कह देना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज -24

73. भारवि कवि के वचन को कहा गया है– UP GIC–2009

(A) पुटपाक के समान (B) द्राक्षापाक के समान
(C) नारिकेलपाक के समान (D) रसालपाक के समान

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दूबे, भू0 पेज -21

74. भारवि के काव्यमार्ग को कहा जाता है– UPGDC–2008

(A) विचित्रमार्ग (B) सुकुमारमार्ग
(C) प्राचीनमार्ग (D) अन्योक्तिमार्ग

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय, पेज-173

65. (A)	66. (C)	67. (C)	68. (A)	69. (D)	70. (C)	71. (A)	72. (C)	73. (C)	74. (A)

75. महाकाव्य लेखन की अलङ्कार बहुल पद्धति 'विचित्रमार्ग' के प्रवर्तक हैं– **UP PGT– 2000**

(A) माघ (B) कालिदास
(C) भारवि (D) श्रीहर्ष

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय,पेज-173

76. संस्कृतमहाकाव्यकारेषु 'आतपत्र'-बिरुदेन कः भूषितः? **RPSC ग्रेड-I (PGT)– 2011**

(A) कालिदासः (B) भारविः
(C) अश्वघोषः (D) भर्तृमेण्ठः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, भू0 पेज -13

77. (i) पदलालित्ये विख्यातः कः? **UP TGT (H)– 2009,**
(ii) पदलालित्ये प्रथितः कविः कः? **UP PGT– 2009,**
(iii) कस्य कवेः वैशिष्ट्यं पदलालित्यम् –
(iv) पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध हैं– **UP TET– 2014,**
(v) पदलालित्यविषये प्रसिद्धः कविरस्ति?
(vi) पदलालित्ये प्रसिद्धस्य गद्यकारस्य नामास्ति–
RPSC ग्रेड- II (TGT)– 2014, MGKV Ph. D–2016
AWES TGT– 2009, UGC 25 J 2002, D– 2009
K SET–2015

(A) कालिदास (B) दण्डी
(C) भारवि (D) माघ

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय, पेज-295

78. ''संस्कृतं नाम दैवीवाक्''– इस सूक्ति के लेखक हैं– **BHU MET– 2014**

(A) कालिदास (B) दण्डी
(C) वाल्मीकि (D) माघ

स्रोत– काव्यादर्श (1/33) - श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज–31

79. दण्डिनो मतेन सरस्वती कीदृशी? **DSSSB TGT– 2014**

(A) सर्वश्यामा (B) सर्वरक्ता
(C) सर्वधूमा (D) सर्वशुक्ला

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-472

80. भर्तृहरिरचितं वाक्यपदीयं सम्बद्धमस्ति– **C TET– 2012**

(A) अष्टाध्यायी-सूत्रव्याख्यया (B) महाभाष्यस्य व्याख्यया
(C) व्याकरणदर्शनेन (D) काव्यशास्त्रसिद्धान्तेन

स्रोत– नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भू0पेज-11

81. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' इति नीतेः कविरस्ति– **UP GIC– 2015**

(A) बिल्हणः (B) राजशेखरः
(C) भर्तृहरिः (D) भल्लटः

स्रोत–नीतिशतकम् - राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज-43

82. भर्तृहरेः गुहा अस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2010**

(A) प्रयागसमीपे (B) पुष्करसमीपे
(C) कश्मीरसमीपे (D) द्वारिकासमीपे

स्रोत–

83. भर्तृहरिणा एतेषु किं न रचितम्? **JNU MET–2015**

(A) नीतिशतकम् (B) वाक्यपदीयम्
(C) शिवशतकम् (D) शृङ्गारशतकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

84. संस्कृत के किस कवि के लिए 'घण्टा' विशेषण प्रयुक्त हुआ है– **UP PGT (H)– 2009**

(A) बाणभट्ट (B) माघ
(C) भारवि (D) श्रीहर्ष

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-269

85. 'नवसर्गगते....नवशब्दो न विद्यते' उक्ति है– **UP PGT– 2005, 2009**

(A) कालिदास के विषय में (B) श्रीहर्ष के विषय में
(C) माघ के विषय में (D) भारवि के विषय में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-268

86. तावद् भा भारवेर्भाति यावन्....... नोदयः– **BHU AET– 2010**

(A) मेघस्य (B) माघस्य
(C) चन्द्रस्य (D) हर्षस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-221

75. (C) 76. (B) 77. (B) 78. (B) 79. (D) 80. (C) 81. (C) 82. (B) 83. (C) 84. (B) 85. (C) 86. (B)

87. (i) काव्यरचना की दृष्टि से महाकवि माघ किन तीन गुणों से विभूषित किये जाते हैं?
(ii) माघ के गुण हैं? UGC 25 D–2002, UP PGT (H)–2004

(A) पदलालित्य, ओज, माधुर्य
(B) ओज, माधुर्य, उपमा
(C) उपमा, अर्थगौरव, पदलालित्य
(D) अर्थगौरव, उपमा, प्रसाद

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-269

88. उपमा, पदलालित्य और अर्थगौरव की दृष्टि से एक साथ तीनों से युक्त कौन-सा संस्कृत कवि प्रसिद्ध है? UP PGT (H)–2010

(A) कालिदास (B) भारवि
(C) दण्डी (D) माघ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-269

89. (i) काव्येषु माघः इत्युक्त्या किं काव्यं प्रसिद्धम्?
(ii) माघकाव्यं किम्? BHU B.Ed–2015

(A) कुमारसम्भवम् (B) शिशुपालवधम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-262

90. ''कुमुदवनमपश्रि श्रीमदम्भोजखण्डम्''– इत्यादि पद्यं केन सम्बद्धम्? UGC 25 D–2015

(A) माघेन (B) कालिदासेन
(C) श्रीहर्षेण (D) भासेन

स्रोत–शिशुपालवधम् - जनार्दन गंगाधर रटाटे, पेज-3

91. (i) गद्यकार बाणभट्ट का स्थितिकाल क्या है?
(ii) बाणभट्ट का समय स्वीकार किया जाता है–
(iii) बाणभट्ट का काल माना जाता है–
UP PGT 2000, UP TGT–1999, 2010

(A) षष्ठ शताब्दी ई. (B) सप्तम शताब्दी ई.
(C) अष्टम शताब्दी ई. (D) नवम शताब्दी ई.

स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-9

92. बाणभट्टस्य पूर्वजः आसीत्– BHU AET–2010

(A) गौतमः (B) पराशरः
(C) उपमन्युः (D) वत्सः

स्रोत–कादम्बरी (श्लोक -10) - तारिणीश झा, पेज-12

93. महाकवि बाणभट्ट के गुरु का नाम था– UP PGT–2013

(A) भत्सु (भर्वु) (B) मौखरि
(C) सदानन्द (D) वात्स्यायन

स्रोत–कादम्बरी (श्लोक -4) - तारिणीश झा, पेज-06

94. बाण के पितामह हैं– UGC 25 J–2004

(A) पाशुपत (B) श्रीधर
(C) अर्थपति (D) विश्वेश्वर

स्रोत–कादम्बरी (श्लोक-13) - तारिणीश झा, पेज-16

95. बाणभट्टस्य जन्मग्रामः कस्य नदस्योत्तरे तीरेऽवस्थितः– BHU AET–2010

(A) शोणनदस्य (B) गण्डकीनदस्य
(C) ब्रह्मपुत्रनदस्य (D) गङ्गायाः

स्रोत–शुकनासोपदेश - तारिणीश झा, भू0पेज-02

96. कवि 'बाण' निवासी थे– BPSC–1996

(A) पाटलिपुत्र के (B) थानेश्वर के
(C) भोजपुर के (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

स्रोत–शुकनासोपदेश - तारिणीश झा, भू0पेज-02

97. (i) बाणभट्टस्य आश्रयदाता कः आसीत्–
(ii) बाणभट्ट किस सम्राट् के सभापण्डित थे?
UP TGT–2013, BHU AET–2010

(A) चन्द्रगुप्त (B) समुद्रगुप्त
(C) हर्षवर्धन (D) शाहजहाँ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

98. (i) साहित्यजगत् का किसको 'उच्छिष्ट' कहा जाता है?
(ii) सर्वं जगत् कस्य कवेः उच्छिष्टं निगदितम्?
UP PGT–2009, RPSC SET–2010

(A) बाणभट्ट (B) श्रीहर्ष
(C) दण्डी (D) सुबन्धु

स्रोत–(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-404
(ii) कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-7

87. (C)	**88. (D)**	**89. (B)**	**90. (A)**	**91. (B)**	**92. (D)**	**93. (A)**	**94. (C)**	**95. (A)**	**96. (A)**
97. (C)	**98. (A)**								

99. (i) गद्यकाव्य की बाणभट्ट की कृतियों की संख्या?
(ii) बाणभट्ट की गद्य कृतियाँ कितनी है?
UP TGT–2013
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4
स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-15

100. (i) बाणभट्ट ने किस रीति में अपने काव्य की रचना की?
(ii) बाण के कादम्बरी में किस रीति का प्रयोग किया है
(iii) कविबाणभट्टस्य शैली कथ्यते– UP TGT 2004,
(iv) बाण ने कादम्बरी में किस रीति का प्रयोग किया है?
(v) बाणभट्ट के गद्य की रीति क्या है? 2009, 2013,
(vi) बाणभट्टस्य गद्ये रीतिरस्ति– AWES TGT–2013,
G GIC–2015
(A) वैदर्भी (B) गौडी
(C) पाञ्चाली (D) उपर्युक्त में से नहीं
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-496

101. हर्षचरितानुसारं बाणभट्टस्य गोत्रं किम्? GJ SET–2013
(A) वात्स्यायनम् (B) गार्ग्यम्
(C) पाराशरम् (D) काश्यपम्
(i) संस्कत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-489
(ii) कादम्बरीकथामुखम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-10

102. बाणस्तु..... BHU AET–2010
(A) चतुराननः (B) तर्काननः
(C) पञ्चाननः (D) षडाननः
स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-16

103. 'बाणस्तु पञ्चाननः' सूक्ति किसने कही?
UP TGT–2010, 2013
(A) चन्द्रदेव ने (B) मल्लिनाथ ने
(C) जयदेव ने (D) कृष्णकवि ने
स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-16

104. 'पञ्चबाणस्तु बाणः' यह कथन किसका है?
UP TGT–2010
(A) जयदेव का (B) चन्द्रदेव का
(C) गङ्गादेवी का (D) त्रिविक्रमभट्ट का
स्रोत–संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण,पेज-12

105. ''बाणः कवीनामिह चक्रवर्ती'' इत्युक्तम्–
UGC 25 J–2014
(A) कालिदासेन (B) सोड्ढलेन
(C) माघेन (D) श्रीहर्षेण
स्रोत–संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृतसाहित्यम् - सर्वज्ञभूषण,पेज-12

106. ''एनं कवीनामिह चक्रवर्ती''– इति वदन्ति विपश्चितः–
UGC 25 D–2012
(A) कालिदासः (B) वाल्मीकिः
(C) श्रीहर्षः (D) बाणः
स्रोत–संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज–12

107. 'कवीनामगलद्दर्पः नूनं वासवदत्तया' इतीयं कस्योक्तिः?
DU Ph.D–2016
(A) गोवर्धनाचार्यस्य (B) सुबन्धोः
(C) बाणभट्टस्य (D) जल्हणस्य
स्रोत–हर्षचरितम् - मोहनदेव पन्त, पेज-6

108. 'रुचिरस्वरवर्णप्रदा रसभाववती जगन्मनो हरति'– किस कवि की रचना के लिए कहा गया है? UP TGT–2009
(A) कालिदास (B) भवभूति
(C) बाणभट्ट (D) भारवि
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज-207

109. कालिदासस्योपमेव बाणभट्टस्य कोऽलङ्कारो विशिष्येतु?
BHU AET–2010
(A) उत्प्रेक्षा (B) रूपकम्
(C) अर्थान्तरन्यासः (D) सन्देहः
स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-02

110. हर्ष के विषय में उल्लेख किससे प्राप्त होता है–
MP PSC–1990
(A) कल्हण से (B) बाण से
(C) कालिदास से (D) भास से
स्रोत–कादम्बरी - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0पेज-16

111. बाणभट्टस्य विषये 'वाणी बाणो बभूवेति' कथनस्य लेखकः आसीत्? G GIC–2015
(A) चन्द्रदेवः (B) बिल्हणः
(C) गोवर्धनाचार्यः (D) धर्मदासः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-498

99. (B) 100. (C) 101. (A) 102. (C) 103. (A) 104. (A) 105. (B) 106. (D) 107. (C) 108. (C) 109. (A) 110. (B) 111. (C)

112. हर्ष के साम्राज्य की राजधानी थी– UP PCS– 1993

(A) कन्नौज (B) पाटलिपुत्र
(C) प्रयाग (D) थानेश्वर

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

113. सम्राट् हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से कहाँ स्थानान्तरित की थी? UP PCS– 1992

(A) प्रयाग (B) दिल्ली
(C) कन्नौज (D) राजगृह

स्रोत–लूसेंट सामान्यज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज–25

114. सम्राट् हर्षवर्धन ने दो महान् धार्मिक सम्मेलन का आयोजन किया था? UP PCS– 2003

(A) कन्नौज तथा प्रयाग में (B) प्रयाग तथा थानेश्वर में
(C) थानेश्वर तथा वल्लभी में (D) वल्लभी तथा प्रयाग में

स्रोत– गूगल सर्च

115. हर्ष किस वंश के थे? MP PSC– 2003

(A) पुष्यभूति राजवंश (B) पाल राजवंश
(C) प्रतिहार राजवंश (D) चन्देल राजवंश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

116. श्रीहर्षस्य भ्राता कः? MH SET–2013

(A) राज्यवर्धनः (B) आनन्दवर्धनः
(C) कीर्तिवर्धनः (D) गुणवर्धनः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-513

117. भवभूति का मूल नाम था–
UP TGT– 2005, UP TGT (H)– 2010

(A) श्रीपति (B) उम्बेक
(C) श्रीकण्ठ (D) नीलकण्ठ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज–248

118. भवभूति का स्थितिकाल क्या है? UP TGT– 1999

(A) पञ्चम शताब्दी (B) षष्ठ शताब्दी
(C) सप्तम शताब्दी (D) अष्टम शताब्दी

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-45

119. संस्कृतसाहित्ये 'श्रीकण्ठः' इत्युपाधिना विभूषितोऽयं कविः – JNU MET–2015

(A) कालिदासः (B) क्षेमेन्द्रः
(C) भवभूतिः (D) विशाखदत्तः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-13

120. (i) भवभूति किसके आश्रित कवि थे?
(ii) भवभूति के आश्रयदाता नरेश का नाम था?
UP TGT– 2001, 2005

(A) यशोवर्मा (B) हर्षवर्धन
(C) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (D) विष्णुवर्धन

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-43,44

121. महाकवि भवभूति की कितनी रचनायें हैं?
UP TGT– 2013

(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

122. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना भवभूति की नहीं है– UP TGT–2011

(A) प्रतिमानाटकम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) मालतीमाधवम् (D) महावीरचरितम्

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय, पेज-318

123. भवभूति का उत्कर्ष किस नाटक में है?
UGC 73 D– 2010

(A) उत्तररामचरिते (B) महावीरचरिते
(C) मालतीमाधवे (D) नागानन्दे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

124. जतुकर्णीपुत्रः भवति– UGC 25 Jn–2017

(A) भवभूतिः (B) कालिदासः
(C) माघः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-12

125. भवभूति ने प्रकृति वर्णन में आश्रय लिया है–
UP TET– 2014

(A) गौडी रीति का (B) वैदर्भी रीति का
(C) पाञ्चाली रीति का (D) गौडी/वैदर्भी दोनों का

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-111, 112

112. (D) 113. (C) 114. (A) 115. (A) 116. (A) 117. (C) 118. (C) 119. (C) 120. (A) 121. (A) 122. (A) 123. (A) 124. (A) 125. (D)

126. (i) ''एको रसः करुण एव'' इति कस्य मतम्?

(ii) संस्कृत के किस कवि ने 'एको रसः करुण एव' कहकर करुण रस को 'रसराज' घोषित किया?

(iii) संस्कृतवाङ्मये 'करुणरसस्य' वर्णने कः विशिष्यते?

UP TGT (H)– 2001, UGC 25 D– 2013, BHU Sh.ET– 2008, UP PGT (H)– 2005, UGC 73 Jn–2017

(A) कालिदासः (B) अश्वघोषः

(C) बाणभट्टः (D) भवभूतिः

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

127. (i) .... भवभूतिर्विशिष्यते–

(ii) 'भवभूतिर्विशिष्यते' यह उक्ति किस नाटक के बारे में है? UP TGT– 2004, GJ SET–2004

(A) महावीरचरितम् (B) उत्तररामचरितम्

(C) मालतीमाधवम् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज-253

128. भवभूतिमहाकवेरिमां ''निरर्गलतरङ्गिणी' इति वदन्ति?

UGC 25 D–2012

(A) स्रग्धरा (B) शिखरिणी

(C) मन्दाक्रान्ता (D) वसन्ततिलका

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-124

129. उत्तररामचरिते कविः कोऽयं विशिष्यते–

BHU AET– 2012

(A) अश्वघोषः (B) जयदेवः

(C) कालिदासः (D) भवभूतिः

स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा - बलदेव उपाध्याय, पेज-333

130. ......भवभूतिरेव तनुते– BHU AET– 2010

(A) तारुण्यम् (B) दारुण्यम्

(C) आरुण्यम् (D) कारुण्यम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज-253

131. उत्तररामचरितस्य रचनाकारः कः? BHU B.Ed– 2015

(A) कालिदासः (B) शूद्रकः

(C) भवभूतिः (D) भासः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-36

132. श्रीकण्ठपदलाञ्छनः पदवाक्यप्रमाणतत्त्वज्ञः–

UGC 25 D–2015

(A) भासेन (B) भवभूतिना

(C) श्रीहर्षेण (D) अश्वघोषेण

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0पेज-13

133. इनके पिता का नाम 'नीलकण्ठ' माता 'जतुकर्णी' व गुरु 'ज्ञाननिधि' – हम किस कवि की बात कर रहे– H TET–2015

(A) विशाखदत्त (B) भर्तृहरि

(C) राजशेखर (D) भवभूति

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज-248

134. उदयपुरस्य राजाजगतसिंहवर्णनं जगन्नाथः कस्मिन् ग्रन्थे अकरोत्? UGC 25 D– 2011

(A) प्राणाभरणे (B) जगदाभरणे

(C) यमुनावर्णने (D) गङ्गालहर्याम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–555

135. (i) कस्य काव्यं 'विद्वदौषधम्' कथ्यते?

(ii) ''नैषधं विद्वदौषधम्' प्रसिद्धमस्ति –

(iii) विद्वानों के लिए 'औषधि' माना गया है?

(iv) 'उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारविः' यहाँ 'नैषधे' पद किस महाकवि की ओर सङ्केत करता है? UP PGT– 2009, UP PGT (H)– 2003, AWES TGT– 2010, 2012, UGC 25 J– 2015

(A) भारवि (B) माघ

(C) श्रीहर्ष (D) कालिदास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-294

136. (i) ''ताम्बूलद्वयमासनं च लभते यः कान्यकुब्जेश्वरात्'' अस्मिन् कथने 'यः' इति पदेन कस्य महाकवेः निर्देशः? MP वर्ग 1 (PGT)– 2012,

(ii) कः कविः स्वाश्रयदातुः राज्ञः ताम्बूलद्वयं लभते स्म? DU Ph.D–2016

(A) माघस्य (B) श्रीहर्षस्य

(C) दण्डिनः (D) भारवेः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-284

126. (D) 127. (B) 128. (B) 129. (D) 130. (D) 131. (C) 132. (B) 133. (D) 134. (B) 135. (C) 136. (B)

137. उत्प्रेक्षालङ्कार में समर्थ कवि हैं? UGC 25 D– 2001

(A) कालिदास (B) माघ
(C) श्रीहर्ष (D) भारवि

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-230

138. (i) नैषधीयचरितप्रणेतुः पिता कः?
(ii) नैषधकारस्य पितुर्नाम–
DU Ph.D–2016, K SET–2015

(A) श्रीनिवासः (B) श्रीधरः
(C) श्रीहीरः (D) मम्मटः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/145) - सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज-287

139. ''श्रीहीरः सुषुवे जितेन्द्रियचयं मामल्लदेवी च यम्''– इति वार्ता केन सम्बद्धा– UGC 25 D–2015

(A) माघेन (B) भारविणा
(C) श्रीहर्षेण (D) भासेन

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1.145)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज–122

140. अम्बिकादत्तव्यास की जन्मभूमि है–UP PGT– 2005

(A) जयपुर (B) प्रयाग
(C) पटना (D) काशी

स्रोत–शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, भू0पेज-10

141. 'शिवराजविजयम्' के रचयिता कहाँ के प्राध्यापक थे? UP TGT– 2004

(A) कानपुर (B) पटना
(C) जयपुर (D) दिल्ली

स्रोत–शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, भू0पेज-11

142. 'संस्कृत सञ्जीवनी समाज' की स्थापना किसने की? UP TGT– 2001

(A) गोविन्ददास ने (B) कुसुमदेव ने
(C) माधवभट्ट ने (D) अम्बिकादत्तव्यास ने

स्रोत–शिवराजविजय - देवनारायण मिश्र, भू0पेज-13

143. शिवराजविजयम् के रचयिता को किस सम्मान से विभूषित किया गया था? UP TGT– 2004

(A) घटिकाशतक (B) दीपशिखा
(C) वाग्देवतावतार (D) श्रीकण्ठपदलाञ्छन

स्रोत–शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, भू0पेज-11

144. 'घटिकाशतक' की उपाधि से विभूषित किये गये हैं– UP TGT– 2010

(A) बाणभट्ट (B) भर्तृहरि
(C) अम्बिकादत्तव्यास (D) कालिदास

स्रोत–शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, भू0 पेज-11

145. अम्बिकादत्तव्यास को निम्नलिखित में से किस उपाधि से विभूषित नहीं किया गया है? UP PGT– 2013

(A) घटिकाशतक (B) शतावधान
(C) साहित्याचार्य (D) मीमांसक

स्रोत–शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, भू0 पेज-11

146. 'रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातम्' पद्यांश का सम्बन्ध किस रचनाकार से है? UK TET– 2011

(A) भर्तृहरि (B) अम्बिकादत्तव्यास
(C) भवभूति (D) भारवि

स्रोत–शिवराजविजय - देवनारायण मिश्र, पेज-88

147. (i) चाणक्य का अन्य नाम था–
(ii) चाणक्य बचपन में किस नाम से जाने जाते थे?
UP PCS– 2006, IAS– 1993

(A) अजय (B) चाणक्य
(C) विष्णुगुप्त (D) देवगुप्त

स्रोत–कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्-वाचस्पति गैरोला, भू0 पेज–67

148. कालानुसारी क्रमः– UGC 25 D– J 2004, J– 2011

(A) कालिदासः, भासः, बाणभट्टः, भवभूतिः
(B) भासः, कालिदासः, बाणभट्टः, भवभूतिः
(C) भवभूतिः, कालिदासः, भासः, बाणभट्टः
(D) बाणभट्टः, कालिदासः, भवभूतिः, भासः

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज-291,292

149. निम्न में पूर्व से पर की ओर सही कालक्रम है? UP TGT– 2010

(A) माघ, भारवि, कालिदास (B) माघ, कालिदास, भारवि
(C) कालिदास, भारवि, माघ (D) कालिदास, माघ, भारवि

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-291

137. (C) 138. (C) 139. (C) 140. (A) 141. (B) 142. (D) 143. (A) 144. (C) 145. (D) 146. (B) 147. (C) 148. (B) 149. (C)

150. निम्न को कालक्रमानुसार बताइए? UGC 25 J– 2001

(A) कालिदास, माघ, भारवि, वाल्मीकि
(B) वाल्मीकि, कालिदास, भारवि, माघ
(C) माघ, भारवि, कालिदास, वाल्मीकि
(D) भारवि, कालिदास, माघ, वाल्मीकि

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज-291-292

151. निम्नलिखित जोड़ों में से कौन-सा जोड़ा सुमेलित नहीं है? UP PCS– 1997

(A) रविकीर्ति पुलकेशिन द्वितीय
(B) भवभूति कन्नौज के यशोवर्मन्
(C) हरिषेण हर्ष
(D) दण्डी नरसिंह वर्मन्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-159,234

152. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) घण्टा **1. नैषधम्**
(ख) दीपशिखा **2. कालिदासः**
(ग) विद्वदौषधम् **3. भासः**
(घ) हासः **4. माघः**

	क	ख	ग	घ
(A)	4	2	1	3
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	2	1	4	3

संस्कृत साहित्य का इतिहास-राकेश कुमार जैन, पेज–96, 111, 118, 225

153. गौतमबुद्धस्य मातुः नाम किम्? MH SET–2016

(A) महामाया (B) आम्रपाली
(C) यशोधरा (D) पिङ्गला

स्रोत– भारतीय दर्शन - श्रीकान्त पाण्डेय, पेज–113

154. कनिष्क के समकालीन निम्नलिखित नामों का अध्ययन करें और निम्नाङ्कित उत्तर कोड के अनुसार अपना उत्तर इंगित करें– UP PCS– 1994

I. अश्वघोष **II. वसुमित्र**
III. कालिदास **IV. कम्बन्**

(A) I और IV (B) II और III
(C) I और II (D) वे सभी

स्रोत– लूसेंट सामान्य ज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज–23

155. निम्न में से कौन-सा संस्कृत कवि मध्यप्रदेश का नहीं है? MP PSC– 2010

(A) कल्हण (B) भवभूति
(C) मण्डन मिश्र (D) कालिदास

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–265

156. भक्तिकाल के किस कवि ने संस्कृत को छोड़कर भी संस्कृत की शास्त्रीय परम्परा का निर्वहण किया? UP TGT (H)– 2004

(A) जायसी (B) सूरदास
(C) तुलसीदास (D) कालिदास

स्रोत– गूगल सर्च - विकिपीडिया

157. काल के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है? UGC (H) J– 2013

(A) भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त
(B) दण्डी, आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त, भामह
(C) आनन्दवर्धन, दण्डी, भामह, अभिनवगुप्त
(D) अभिनवगुप्त, भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज-292, 278

158. निम्नलिखित में से विजयनगर के किस शासक ने तेलुगू और संस्कृत साहित्य को समृद्ध किया था? MP PSC– 2008

(A) देवराय प्रथम (B) देवराय द्वितीय
(C) कृष्ण देवराय (D) रामराय

स्रोत– गूगल सर्च - भारतकोश

159. निम्नलिखित में अवरोहक्रम से समुचित कालक्रम को चुनिये– UGC 73 D–2015

(A) विशाखदत्तः, जयदेवः, मुरारिः, माघः
(B) विशाखदत्तः, माघः, मुरारिः, जयदेवः
(C) माघः, जयदेवः, विशाखदत्तः, मुरारिः
(D) विशाखदत्तः, मुरारिः, माघः, जयदेवः

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृतसाहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-291-293

150. (B) 151. (C) 152. (A) 153. (A) 154. (C) 155. (A) 156. (C) 157. (C) 158. (C) 159. (B)

160. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिये–

UGC 06 J–2011

1. श्रीहर्ष **2. माघ**

3. भारवि **4. भट्टि**

(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	2	1	3

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-292

161. भासस्य रामकथाश्रितानां नाटकानां संख्या अस्ति–

MGKV Ph. D–2016

(A) त्रीणि (B) द्वे

(C) पञ्च (D) चत्वारि

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–275

162. 'माघे मेघे गतं वयः' कस्मिन् कवेः उक्तिरस्ति–

MGKV Ph. D–2016

(A) वल्लभदेवस्य (B) भास्कराचार्यस्य

(C) मल्लिनाथसूरिणः (D) राजशेखरस्य

स्रोत–संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृतसाहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज-10

163. सुबन्धुः अग्रणी कविरस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) श्लेषरचनायाम्

(B) अनुप्रासरचनायाम्

(C) विरोधाभासरचनायाम्

(D) उत्प्रेक्षारचनायाम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–392

160. (C) 161. (B) 162. (C) 163. (A)

26 सुभाषित/सूक्तियाँ

1. (i) 'मेघे माघे गतं वयः' यह सूक्ति किस विद्वान् के द्वारा कही गयी है? UP PGT-2003, 2004,
(ii) ''मेघे माघे गतं वयः'' यह सूक्ति किस विद्वान् की है? UGC 25 D-1999
(A) मल्लिनाथ सूरि (B) राजशेखर
(C) वल्लभदेव (D) माघ
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्व) -दयाशङ्कर शास्त्री, पेज-44

2. 'सर्वः कान्तमात्मीयं पश्यति' यह सूक्ति वाक्य किसके द्वारा कथित है? UP PGT-2004
(A) चारुदत्त (B) चाणक्य
(C) दुष्यन्त (D) उदयन
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अङ्क-2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-111

3. ''सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः'' यह कथन किसका है? UP PGT-2004, UGC 25 D-2008
(A) माघ (B) श्रीहर्ष
(C) भारवि (D) कालिदास
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54

4. निम्नांकित सूक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए? UP PGT-2010, UK TET-2011
(क) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः (1) कालिदास
(ख) दिष्ट्या वर्धसे (2) भर्तृहरि
(ग) कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति (3) भवभूति
(घ) न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः (4) भारवि

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	1	3	2	4
(C)	4	3	1	2
(D)	3	2	4	1

स्रोत–क. किरातार्जुनीयम् (1/8) रामसेवक दुबे, पेज-61
ख. उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190
ग. अभिज्ञानशाकुन्तलम् , कपिलदेव द्विवेदी, पेज-185
घ. नीतिशतकम् - तारिणीश झा, पेज-122

5. ''रहस्यं साधूनामनुपधि विशुद्धं विजयते'' जिस कवि की उक्ति है वह है– UGC 25 D-1996
(A) कालिदास (B) अश्वघोष
(C) भवभूति (D) दिङ्नाग
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/2) -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-99

6. .... दाहकोऽभून्न पावकः? GJ SET-2008
(A) प्रतिमानाम-नाट्यस्य (B) कर्णभारस्य नाट्यस्य
(C) स्वप्नवासवदत्तस्य (D) पञ्चतन्त्रस्य
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - जयपाल विद्यालंकार, भू0 पेज- (XIII)

7. ''धन्यो माघकविर्वयं तु कृतिनः तत्सूक्तिसंसेवनात्'' इस बात को कहने वाले थे– UGC 25 J-1999
(A) माघकवि (B) वल्लभदेव
(C) मल्लिनाथसूरि (D) दक्षिणावर्तनाथ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-265

8. ''ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति'' यह सूक्ति किस कवि की है– UGC 25 J-1999
(A) कालिदास (B) भवभूति
(C) भारवि (D) भास
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10)- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

9. ''प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजाव्यतिक्रमः'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 J-2006
(A) रघुवंशे (B) महाभारते
(C) शिशुपालवधे (D) किरातार्जुनीये
स्रोत–रघुवंशम् (1/79) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-35

10. ''सतां हि प्रियंवदता कुलविद्या'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 J-2006
(A) हर्षचरिते (B) कादम्बर्याम्
(C) दशकुमारचरिते (D) बुद्धचरिते
स्रोत–हर्षचरितम्-मोहनदेव पन्त, पेज-45

1. (A)	2. (C)	3. (D)	4. (C)	5. (C)	6. (C)	7. (C)	8. (B)	9. (A)	10. (A)

11. ''मृगयाऽघाय न भूभृतां घ्नताम्'' इदं वाक्यमस्ति– UGC 25 D–2006
(A) नैषधीयचरिते (B) बुद्धचरिते
(C) किरातार्जुनीये (D) रघुवंशे
स्रोत–नैषधीयचरितम् (2/10) - देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज-8

12. ''प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजाव्यतिक्रमः'' कस्येयमुक्तिः? UGC 25 J–2012
(A) कामधेनोः (B) नन्दिन्याः
(C) दिलीपस्य (D) वसिष्ठस्य
स्रोत–रघुवंशम् (1/79) -कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-35

13. (i) ''हतोऽपि लभते स्वर्गं जित्वा तु लभते यशः'' इति कुत्र वर्तते? UGC 25 J–1999, 2012
(ii) ''हतोऽपि लभते स्वर्गं जित्वा तु लभते यशः।
उभे बहुमते लोके नास्ति निष्फलता रणे॥''
इति केन कस्मिन् नाटके उक्तम्? MH SET–2016
(A) ऊरुभङ्गे दुर्योधनेन (B) दूतकाव्ये कृष्णेन
(C) कर्णभारे कर्णेन (D) मध्यमव्यायोगे भीमेन
स्रोत– कर्णभारम् - रामजी मिश्र (1/12), पेज-13

14. 'इयं सा जातिस्त्यक्ता' – कस्येदं वचनम्– MH SET–2013
(A) अश्वत्थाम्नः (B) श्रीरामस्य
(C) चारुदत्तस्य (D) कर्णस्य
स्रोत– वेणीसंहार - गंगासागर राय, पेज–159

15. 'सहर्षचरिताशश्वद् धृतकादम्बरी कथा। MH SET–2016 बाणस्य वाण्यनार्येव स्वच्छन्दा चरति क्षितौ॥' इति केनोक्तम्?
(A) राजशेखरेण (B) बाणेन
(C) त्रिलोचनेन (D) श्रीकण्ठेन
स्रोत–संस्कृत सुकवि समीक्षा- बलदेव उपाध्याय,पेज-534

16. जीवन्तु ते कुरुकुलस्य निवापमेघा वैरं च विग्रहकथाश्च वयं च नष्टाः। ऊरुभङ्गे कस्य वचनमिदम्? KL SET–2014
(A) भीमस्य (B) बलदेवस्य
(C) कृष्णस्य (D) दुर्योधनस्य
भासनाटकचक्रम् (भाग-2 ऊरुभङ्गम् 1/31)-बलदेव उपाध्याय, पेज–29

17. 'बौद्धबुद्धिमिव निरालम्बनां वैदेहीमिव प्राप्तज्योतिः।' कस्याः इदं वर्णनम्? MH SET–2013
(A) कादम्बर्याः (B) महाश्वेतायाः
(C) शकुन्तलायाः (D) सीतायाः
स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज-14

18. (i) 'कालविफलान्यस्त्राणि ते सन्तु' – कस्यायं शापः?
(ii) ''मां च शशाप कालविफलान्यस्त्राणि ते सन्त्विति' अत्र कः शशाप?
UGC 25 D–2012, K SET–2013
(A) कर्णः (B) शल्यः
(C) जमदग्निः (D) शक्रः
स्रोत–कर्णभारम् (1/10) - रामजी मिश्र, पेज-11

19. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत– UGC 25 D–2012
A. पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम् 1. रघुवंशः
B. श्रेयसि केन तृप्यते 2. कादम्बरी
C. सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः 3. शिशुपालवधम्
D. न हि क्षुद्रनिघति पातामिहता चलति वसुधा 4. किरातार्जुनीयम्

	A	B	C	D
(A)	3	1	2	4
(B)	4	3	1	2
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत–क- किरातार्जुनीयम् (1/41) - रामसेवक दुबे, पेज-138
ख- शिशुपालवधम् (1/29) - तारिणीश झा, पेज-63
ग- रघुवंशम् (1/18) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-10
घ- कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-राजदेव मिश्र, पेज-31

20. अधोङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2013
(अ) प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः 1. किरातार्जुनीयम्
(ब) अनङ्गोऽयमनङ्गत्वम द्यनिन्दिष्यति ध्रुवम् 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम्
(स) अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता 3. शिशुपालवधम्
(द) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् 4. रत्नावली

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	4	2	1	3
(C)	3	4	1	2
(D)	1	3	2	4

स्रोत–अ. शिशुपालवधम् (1/2) - तारिणीश झा, पेज-6
स. किरातार्जुनीयम् (1/23)- रामसेवक दुबे, पेज-98
द. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) - कपिलदेव द्विवेद, पेज-46

11. (A) 12. (D) 13. (C) 14. (A) 15. (A) 16. (D) 17. (B) 18. (C) 19. (B) 20. (C)

21. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां चिनुत? **UGC 25 S– 2013**

(अ) प्रावृषेण्यं पयोवाहं विद्युदैरावताविव। — 1. दशकुमारचरितम्
(ब) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः — 2. उत्तररामचरितम्
(स) तस्य वसुमती नामसुमती लीलावती कुलशेखर रमणी-रमणी बभूव। — 3. रघुवंशम्
(द) जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः। — 4. किरातार्जुनीयम्

	अ	ब	स	द
(A)	3	4	1	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	2	3	1	4

स्रोत–अ- रघुवंशम् (1/36) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-17
ब- किरातार्जुनीयम् (1/8) - रामसेवक दुबे, पेज-61
द- उत्तररामचरितम् (1/51) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-93

22. 'हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति' – इति वचनं कस्मिन्नाटके वर्तते? **GJ SET–2013**
(A) कर्णभारे (B) ऊरुभङ्गे
(C) दूतवाक्ये (D) मध्यमव्यायोगे

स्रोत–कर्णभारम् (1/22) - रामजी मिश्र,पेज-23

23. 'ज्ञातासारोऽपि खल्वेकः सन्दिग्धे कार्यवस्तूनि'' इत्युक्तिः कुत्रास्ति? **UGC 25 J– 2014**
(A) नैषधीयचरिते (B) माघकाव्ये
(C) रघुवंशे (D) भट्टिकाव्ये

स्रोत–शिशुपालवधम् (2/12) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज-63

24. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 J– 2014**

(अ) विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः — 1. उत्तररामचरितम्
(ब) पतत्यधो धामविसारि सर्वतः। — 2. हर्षचरितम्
(स) तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः। — 3. किरातार्जुनीयम्
(द) लोके हि लोहेभ्यः कठिनतरा खलु स्नेहमया बन्धनपाशाः — 4. शिशुपालवधम्

	अ	ब	स	द
(A)	4	2	3	1
(B)	1	3	4	2
(C)	2	1	3	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–अ- किरातार्जुनीयम् (1/37) - रामसेवक दुबे,पेज-129
ब- शिशुपालवधम् (1/2) - तारिणीश झा, पेज-6
स- उत्तररामचरितम् (1/13) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-27

25. 'यदेक एव प्रतिगृह्य सेवते' एकः कः? **KL SET–2016**
(A) मोक्षः (B) त्यागः
(C) अर्थः (D) धर्मः

स्रोत–

26. ....चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्? **BHU B.Ed– 2012, 2015**
(A) उत्तम (B) उदार
(C) हठ (D) गर्व

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक -70) – रामेश्वर भट्ट, पेज-36

27. ''पातयति महापुरुषान् सममेव बहूननादरेणैव।'' एषा पंक्तिः कस्मिन् काव्ये वर्तते? **MH SET–2013**
(A) दशकुमारचरिते (B) हर्षचरिते
(C) रघुवंशे (D) शिशुपालवधे

स्रोत–हर्षचरितम् (5/2)-शिवनाथ पाण्डेय, पेज-02

21. (A) 22. (A) 23. (B) 24. (D) 25. (B) 26. (B) 27. (B)

28. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– **MH SET–2011**

(क) दैवायत्तं कुले जन्म **1. कुमारसम्भवम्**
(ख) अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा **2. वेणीसंहारम्**
(ग) सहसा विदधीत न क्रियाम् **3. मेघदूतम्**
(घ) कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाः **4. किरातार्जुनीयम्**

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	2	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	2	4	3	1

स्रोत–क-वेणीसंहारम् (3/37) ख-कुमारसम्भवम् (1/1) ग-किरातार्जुनीयम् (2/30) घ-मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5)

29. 'ईप्सितं तदवज्ञानाद् विद्धि सार्गलमात्मनः' – अत्र अलङ्कारः कः? **KL SET–2015**

(A) उत्प्रेक्षा (B) मालोपमा
(C) अर्थान्तरन्यासः (D) दीपकम्

स्रोत–रघुवंशमहाकाव्य (1/79)-बलवान सिंह यादव, पेज–94-95

30. ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः' – अत्र अलङ्कार– **KL SET–2015**

(A) व्याजस्तुतिः (B) पर्यायोक्तिः
(C) काव्यलिङ्गम् (D) स्वाभावोक्तिः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/7)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-18,19

31. स्वदेशे पूज्यते राजा..... सर्वत्र पूज्यते। **BHU B.Ed–2015**

(A) मूर्खः (B) विद्वान्
(C) मित्रम् (D) वृद्धः

स्रोत–पञ्चतन्त्रम् (मित्र सम्प्रति श्लोक-59)-गुरू प्रसाद शास्त्री, पेज–444

32. ''अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्'' इति कस्मिन् ग्रन्थे वर्णितम्? **BHU B.Ed–2011**

(A) हितोपदेशे (B) रघुवंशे
(C) मेघदूते (D) शिशुपालवधे

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-70) - विश्वनाथ शर्मणा, पेज-74

33. ''यस्मादन्तः स्थितः सर्वः स्वयमर्थोऽवभासते। सलिलस्येव सूक्तस्य स प्रसाद इति स्मृतः'' उपर्युक्त श्लोक किस ग्रन्थ का है? **BHU MET–2011**

(A) साहित्यदर्पण (B) नाट्यशास्त्र
(C) चन्द्रालोक (D) दशरूपक

स्रोत–चन्द्रालोक-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-65

34. ''सर्वज्ञानमयो हि सः'' यह उक्ति कहाँ से प्राप्त है? **BHU MET–2013**

(A) मनुस्मृति (B) रामायण
(C) महाभारत (D) वेद

स्रोत–मनुस्मृति (2/7) -गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-63

35. ''परोपदेशे पाण्डित्यं सर्वेषां सुकरं नृणाम्'' इत्ययं श्लोकांशः......ग्रन्थे वर्तते? **BHU B.Ed–2014**

(A) वैराग्यशतके (B) चाणक्यसूत्रे
(C) हितोपदेशे (D) नीतिशतके

स्रोत–हितोपदेश (श्लोक-102)-विश्वनाथ शर्मणा, पेज-95

36. जननी जन्मभूमिश्च............अपि गरीयसी। **BHU B.Ed–2014**

(A) गृहात् (B) स्वर्गात्
(C) लोकात् (D) देशात्

स्रोत–

37. ''संग्रामाध्वरदीक्षितो नरपतिः'' यह वाक्य जिसमें है वह ग्रन्थ है– **BHU MET–2014**

(A) उत्तररामचरितम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) प्रतिमानाटकम् (D) वेणीसंहारम्

स्रोत– वेणीसंहार (1/25) -गंगासागर राय, पेज-47

38. ''सत्यादप्यनृतं श्रेयो धिक् स्वर्गं नरकोऽस्तु मे'' के वक्ता हैं– **BHU MET–2014**

(A) कर्ण (B) दुर्योधन
(C) भीम (D) अश्वत्थामा

स्रोत–वेणीसंहार (3/48) - गंगासागर राय, पेज-169

39. ईदृग्विनोदः कुतः – कः अत्र परामृष्टः विनोदः? **KL SET–2013**

(A) द्यूतम् (B) मृगया
(C) चित्रलेखनम् (D) व्यायामः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/5)- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-104

28. (B) 29. (C) 30. (D) 31. (B) 32. (A) 33. (C) 34. (A) 35. (C) 36. (B) 37. (D) 38. (D) 39. (B)

40. ''छलबहुलमरीणां संगरम्'' इस उक्ति वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) वासवदत्तम् (B) वेणीसंहारम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) रत्नावली

स्रोत–वेणीसंहार (5/21) -गंगासागर राय, पेज-245

41. ''वेद एवं द्विजातीनां निःश्रेयस्करः परः'' किस ग्रन्थ में है? BHU MET–2014

(A) पराशरस्मृतिः (B) याज्ञवल्क्यस्मृतिः
(C) मनुस्मृतिः (D) विदुरनीतिः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/40)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-16

42. प्रवृत्तं च निवृत्तश्च द्विविधं कर्मवैदिकम्'' किसकी उक्ति है? BHU MET–2014

(A) मनु (B) याज्ञवल्क्य
(C) गौतम (D) पराशर

स्रोत–मनुस्मृति (12/88) -शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-877

43. बहुगुणरमणीयो कामिनीचित्तहारी'' जिसमें पाया जाता है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) हितोपदेशम् (B) ऋतुसंहारम्
(C) नीतिशतकम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–ऋतुसंहार (2/29) - सीताराम चतुर्वेदी, पेज-354

44. ''तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः। तुष्यन्ति शमिनां नित्यं देवताः किं विचारितैः॥'' वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) वेणीसंहारम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) प्रतिमानाटकम्

स्रोत– मृच्छकटिकम् (1/16) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-40

45. सर्वे केन तुष्यन्ति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) सत्येन (B) असत्येन
(C) प्रियवाक्यप्रदानेन (D) सन्तोषेण

स्रोत–

46. ''धर्मो रक्षति रक्षितः'' इयं पक्तिः अस्ति– RPSC ग्रेड-II TGT–2010

(A) मनुस्मृतेः (B) महाभारतस्य
(C) नीतिशतकस्य (D) हितोपदेशस्य

स्रोत–मनुस्मृति (8/15)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन , पेज-517

47. कर्णभारे कर्णस्य प्रणामं श्रुत्वा... आशीर्वचनमुच्चारितम्? GJ SET–2016

(A) दीर्घायुर्भव (B) विजयी भव
(C) तिष्ठतु ते यशः (D) ससागरां धरित्रीं लभस्व

स्रोत–कर्णभारम् - रामजी मिश्र, पेज-18

48. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K SET–2013

(क) सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति — 1. माघः
(ख) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् — 2. भारविः
(ग) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपम् — 3. कालिदासः
(घ) अनीत्वा पङ्कतां धूलिं उदकं नावतिष्ठते — 4. भवभूतिः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–क. उत्तररामचरितम् (2/1) ख. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) ग. किरातार्जुनीयम् (1/5)

49. अधस्तनानि वाक्यानि कविभिः यथोचितं योजयत– K SET–2014

(क) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः — 1. भवभूतिः
(ख) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् — 2. माघः
(ग) सर्वः स्वार्थं समीहते — 3. भारविः
(घ) लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति — 4. कालिदासः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	4	2	3
(B)	3	4	2	1
(C)	4	1	2	3
(D)	3	4	1	2

स्रोत–क- किरातार्जुनीयम् (1/4) ख- कुमारसम्भवम् (5/33) घ- उत्तररामचरितम् (2/7)

40. (B)	41. (B)	42. (A)	43. (B)	44. (B)	45. (C)	46. (A)	47. (C)	48. (C)	49. (B)

50. 'दिष्ट्या मित्रकार्येण मे विनाशो जनितः न पुनः पुरुषदोषेण' इत्येतद्वाक्यं कस्मिन् नाटके वर्तते? **MH SET–2013**
(A) मुद्राराक्षसे (B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) स्वप्नवासवदत्ते (D) उत्तररामचरिते
स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-70

51. ''न जायते म्रियते वा कदाचित्'' इति कस्य कृते? **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**
(A) आदित्यस्य (B) आत्मनः
(C) अर्जुनस्य (D) अम्बरस्य
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/20)-गीताप्रेस, पेज-31

52. ''शरीरेऽरिः प्रहरति, हृदये स्वजनस्तथा'' सूक्ति का स्रोत है– **UP GIC – 2009**
(A) प्रतिमानाटकम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) नीतिशतकम् (D) नलचम्पू
स्रोत–प्रतिमानाटक (1/2) - धरानन्द शास्त्री, पेज-33

53. (i) ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'' उक्ति है–
(ii) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः इत्युक्तिः कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते? **UGC 73 J– 1999, RPSC SET–2010**
(A) मनुस्मृति (B) रामायण
(C) महाभारत (D) गीता
स्रोत–मनुस्मृति (3/56)- शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज-215

54. ''नाट्याख्यं पञ्चमं वेदम्'' यह कथन है– **UP TET– 2013**
(A) भरतमुनि का (B) अश्वघोष का
(C) श्रीहर्ष का (D) शूद्रक का
स्रोत–नाट्यशास्त्र(1.15)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-05

55. 'सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति' का अर्थ है। **UK TET– 2011**
(A) सज्जनों का सत्य के साथ मिलन बड़े पुण्य से होता है।
(B) सज्जनों का सज्जनों से मिलन बड़े पुण्य से होता है।
(C) सत्य का सज्जनों से मिलना पुण्यकारी है।
(D) सज्जनों का दुर्जनों से मिलना पुण्यकारी नहीं है।
स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-97, 98

56. रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान् पर्युत्सुको भवति यत्.......... जन्तुः। **BHU AET– 2011**
(A) कुशलोऽपि (B) सफलोऽपि
(C) सुखितोऽपि (D) कुपितोऽपि
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-245

57. ''पुराणमित्येव न साधु सर्वम्'' इति कालिदासोक्तिः कुत्र प्राप्यते? **BHU AET– 2010**
(A) विक्रमोर्वशीये (B) मालविकाग्निमित्रे
(C) रघुवंशे (D) कुमारसम्भवे
स्रोत–मालविकाग्निमित्रम् (1/2)-रमाशंकर पाण्डेय, पेज-4

58. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 D– 2014**

(अ) चलापाङ्गां दृष्टिं स्पृशसि बहुशो वेपथुमतीम्।	1. किरातार्जुनीयम्
(ब) गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया।	2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(स) क्षणमिह मम कण्ठे बाहुपाशं विधेहि।	3. शिशुपालवधम्
(द) पुरातनं त्वां पुरुषं पुराविदः।	4. रत्नावली

	अ	ब	स	द
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–अ- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/24)
ब- किरातार्जुनीयम् (1/12) द- शिशुपालवधम् (1/33)

59. ''क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते'' इयम् उक्तिः कुत्र वर्तते– **RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2010**
(A) रघुवंशे (B) किरातार्जुनीये
(C) कुमारसम्भवे (D) नैषधीयचरिते
स्रोत–कुमारसम्भवम् (5/86)-सुधाकर मालवीय, पेज–159

50. (A) 51. (B) 52. (A) 53. (A) 54. (A) 55. (B) 56. (C) 57. (B) 58. (B) 59. (C)

60. 'अहो उदाररमणीया पृथिवी' यह वाक्य इस नाटक का है– UGC 25 J– 1994

(A) मुद्राराक्षस (B) अभिज्ञानशाकुन्तल
(C) वेणीसंहार (D) मालविकाग्निमित्र

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अङ्क-7)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-400

61. निम्नलिखित सूक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए– UP PGT– 2013

(अ) सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि। (i) कालिदास
(ब) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः। (ii) माघ
(स) अतिकृपणाः खल्वमी प्राणाः। (iii) भारवि
(द) स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु। (iv) बाणभट्ट

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

स्रोत–अ- शिशुपालवधम् (1/72) ब- किरातार्जुनीयम् (1/4)
स- कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-291
द- मेघदूतम् (पूर्व-29)

62. 'विनैव युद्धादार्येण जितं दुर्जयं रिपुकुलमिति' – वचनं....... GJ SET–2016

(A) चन्द्रगुप्तस्य (B) चाणक्यस्य
(C) ब्रह्मराक्षसस्य (D) विक्रमादित्यस्य

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-377

63. ''हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति'' – इति कथनं कर्णभारम् इति 'नाटकेऽस्ति'? T SET–2013

(A) कर्णस्य (B) शक्रस्य
(C) शल्यस्य (D) देवदूतस्य

स्रोत–कर्णभारम् (1/22) - रामजी मिश्र, पेज-23

64. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां मेलनतालिकां चिनुत– UGC 25 J–2016

(क) सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति (i) शिशुपालवधम्
(ख) अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात् करोति सुप्तिर्जन दर्शनातिथिम् (ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(ग) हंसो हि क्षीरमादत्ते तन्मिश्रा वर्जयत्यपः (iii) उत्तररामचरितम्
(घ) तपने वर्षाः शरदा हिमागमो वसन्तलक्ष्म्या शिशिरः समेत्य च (iv) नैषधीयचरितम्

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	2	3	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	3	4	2	1

स्रोत–क- उत्तररामचरितम् (2/1) ख- नैषधीयचरितम् (1/39)
ग- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/28) घ- शिशुपालवधम् (1/66)

65. 'उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2016

(A) पञ्चतन्त्र (B) नीतिशतक
(C) रघुवंश (D) गीता

पञ्चतन्त्रम् (मित्रसम्प्रति) श्लोक (138)-गुरू प्रसाद शास्त्री, पेज-512

66. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 Jn–2017

(क) लोके हि लोहेभ्यः कठिनतराः खलु स्नेहमयाः बन्धनपाशाः (i) रत्नावली
(ख) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः (ii) हर्षचरितम्
(ग) श्रीहर्षो निपुणः कविः परिषदप्येषा गुणग्राहिणी (iii) मुद्राराक्षसम्
(घ) गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः (iv) किरातार्जुनीयम्

	क	ख	ग	घ
(A)	iii	ii	i	iv
(B)	ii	iv	i	iii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iv	i	iii	ii

स्रोत–क- हर्षचरितम्-शिवनाथ पाण्डेय, पेज-6
ख- किरातार्जुनीयम् (1/8)-रामसेवक दुबे, पेज-61
ग- रत्नावली (1/5)-श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-7
घ- मुद्राराक्षसम् (1/16)-परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-26

60. (B) 61. (C) 62. (A) 63. (A) 64. (D) 65. (A) 66. (B)

67. 'न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति' मिलता है–UGC 73 D–1997
(A) रामायणम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) महाभारतम् (D) मनुस्मृति
स्रोत–मनुस्मृति (9/3)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-635

68. (i) ''दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्''? इस सूक्ति वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2015
(ii) 'दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्' इति उक्तिः कस्मिन् नाटके वर्तते? K SET–2015
(A) मेघदूतम् (B) रघुवंशम्
(C) वेणीसंहारम् (D) कुमारसम्भवम्
स्रोत–वेणीसंहार (3/37) - गंगासागर राय, पेज-155

69. ''धर्मसारमिदं जगत्'' इस वाक्य वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2015
(A) गीता (B) वाल्मीकिरामायण
(C) नीतिशतकम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–वाल्मीकि रामायण (अरण्यकाण्ड 9/30)-गीताप्रेस, पेज–490

70. ''सर्वं परित्यज्य विद्वान् धर्मं समाचरेत्'' से सम्बन्धित ग्रन्थ है– BHU MET–2015
(A) गीता (B) महाभारत
(C) स्कन्दपुराण (D) कल्किपुराण
स्रोत–

71. ''विप्रे शस्त्रग्रहणगुरुणा साहसिक्याद् बिभेमि'' इससे सम्बन्धित ग्रन्थ है– BHU MET–2015
(A) उत्तररामचरितम् (B) प्रतिमानाटकम्
(C) हनुमन्नाटकम् (D) वेणीसंहारम्
स्रोत– हनुमन्नाटकम् (1/42)-मन्नालाल 'अभिमन्यु', पेज–17

72. 'व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा' यह सूक्ति पठित है– BHU MET–2015
(A) हितोपदेशः (B) नीतिशतकम्
(C) विदुरनीतिः (D) नीतिमञ्जरी
स्रोत–हितोपदेश मित्रलाभ (श्लोक 71)-रामेश्वर भट्ट, पेज-37

73. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2015
(अ) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः। — (i) मृच्छकटिकम्
(ब) आसीत् स दोलाचल चित्रवृत्तिः — (ii) कर्णभारम्
(स) हृदये गृह्यते नारी यदीदं नास्ति गम्यताम्। — (iii) रघुवंशम्
(द) हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति — (iv) मुद्राराक्षसम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

स्रोत–अ- मुद्राराक्षस (1/3) परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-4
स- मृच्छकटिकम् (1/50) रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-95
द- कर्णभारम् (1/22) रामजी मिश्र,पेज-23

74. केनोक्तम् 'क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते'– AWES TGT–2008
(A) भवभूतिना (B) भासेन
(C) कालिदासेन (D) सुबन्धुना
स्रोत–कुमारसम्भवम् (5/86) सुधाकर मालवीय, पेज-159

75. ''स्वस्था भवन्तु कुरुराजसुताः सभृत्याः'' इति पद्यभागः कस्मिन् नाटके अस्ति? UK SLET–2015
(A) मुद्राराक्षसे (B) मृच्छकटिके
(C) वेणीसंहारे (D) उत्तररामचरिते
स्रोत–वेणीसंहार (1/7) - गंगासागर राय,पेज-16

76. ''स्नेहक्षयात् केवलमेति शान्तिम्'' – यह सूक्ति इस काव्य से है? UGC 25 D–1997
(A) मेघदूतम् से (B) बुद्धचरितम्
(C) शिशुपालवधम् से (D) किरातार्जुनीयम् से
स्रोत–

77. 'यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः' इति कस्योक्तिः? K SET–2015
(A) भासस्य (B) कालिदासस्य
(C) भवभूतेः (D) श्रीहर्षस्य
स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/5) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-12

67. (D) 68. (C) 69. (B) 70. (C) 71. (C) 72. (A) 73. (D) 74. (C) 75. (C) 76. (B) 77. (C)

78. ''मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णाः'' – पंक्ति किस छन्द की ओर इंगित कर रही है? H TET–2015

(A) उपजाति (B) शिखरिणी
(C) मालिनी (D) आर्या

स्रोत–नीतिशतकम् - गोपाल शर्मा, पेज-127

79. ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' किस प्रकार का वाक्य है? UP TET–2016

(A) संकेतवाचक (B) विस्मयबोधक
(C) प्रश्नवाचक (D) इच्छावाचक

स्रोत–

80. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत– UGC 25 J–2016

(क) अनङ्गोऽयमनङ्गत्वमद्य निन्दिष्यति ध्रुवम् — (i) उत्तररामचरितम्
(ख) उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलम् — (ii) कादम्बरी
(ग) प्रभवति शुचिर्बिम्बग्राहे मणिर्न मृदादयः — (iii) रत्नावली
(घ) न हि क्षुद्रनिर्घातपाताभिहता चलति वसुधा — (iv) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

स्रोत–क - रत्नावली (1/22) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-38
ख- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/30)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-442
ग-उत्तररामचरितम् (2.4)
घ-कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-प्रद्युम्न पाण्डेय, पेज–29

81. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां मेलनतालिकां चिनुत– UGC 25 J–2016

(A) गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः — (i) उत्तररामचरितम्
(B) न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः — (ii) नैषधीयचरितम्
(C) निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथाम् — (iii) शिशुपालवधम्
(D) अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगतम् — (iv) किरातार्जुनीयम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत– A- शिशुपालवधम् (1/2) - तारिणीश झा,पेज-6
B- किरातार्जुनीयम् (1/2) - रामसेवक दुबे, पेज-45
C- नैषधीयचरितम् (1/1) - देवर्षि सनाढ्य शास्त्री,पेज-1
D- उत्तररामचरितम् (1/39)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-75

82. 'मग्नस्य दुःखे जगतो हिताय' इति कस्य वर्णनम् – UGC 25 J–2014

(A) पाटलिपुत्रस्य (B) शुद्धोदनपुत्रस्य
(C) उद्यानस्य (D) देवदत्तस्य

स्रोत– बुद्धचरितम् (1/20)-रामचन्द्रदास शास्त्री, पेज–04

83. ''नाट्यं भिन्नरुचेर्जनस्य बहुधाप्येकं समाराधनम्'' वाक्यमिदं कुत्रास्ति? DSSSB PGT–2014

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) मालविकाग्निमित्रे
(C) विक्रमोर्वशीये (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत– मालविकाग्निमित्रम् (1/4)-रमाशंकर पाण्डेय, पेज-12

78. (C) 79. (D) 80. (B) 81. (C) 82. (B) 83. (B)

27 साहित्यिक ग्रन्थ-ग्रन्थकार

1. (i) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के लेखक हैं?
(ii) स्वप्नवासवदत्तस्य को रचयिता?
(iii) स्वप्नवासवत्तायाः लेखकः कः अस्ति?
BPSC–1999, UGC 25 J–2007, BHU Sh.ET–2013, UGC 73 D–2007

(A) कालिदास (B) भास
(C) भवभूति (D) राजशेखर

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

2. यह भास की रचना नहीं है– UP PGT–2000

(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) रत्नावली (D) दरिद्रचारुदत्तम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275, 365

3. का कृतिः भासविरचिता नास्ति– UGC 25 J–2010

(A) प्रतिमानाटकम् (B) ऊरुभङ्गम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) वासवदत्ता

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275, 482

4. भास की रचना है– UGC 25 D–2002

(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

5. महाकवि भास का नाटक नहीं है?
UP TET–2014, UP PGT (H)–2009

(A) दूतवाक्यम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) प्रतिमानाटकम् (D) मृच्छकटिकम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275, 300

6. (i) कस्य रचना 'दूतवाक्यम्' वर्तते– UP TET–2013,
(ii) 'दूतवाक्यम्' कृति है– BHU MET–2010,
(iii) 'दूतवाक्यम्' के रचयिता कौन हैं?
MP-वर्ग-1 (PGT)–2012, AWES TGT–2008

(A) भास (B) भवभूति
(C) भारवि (D) कालिदास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

7. 'प्रतिज्ञायौगन्धरायण' किसकी रचना है? UK TET–2011

(A) कालिदास (B) भास
(C) भारवि (D) भवभूति

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

8. भास रचित 'प्रतिमा' काव्य की कौन-सी विधा है?
UK TET–2011

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) चम्पूकाव्य (D) नाटक

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

9. 'प्रतिमानाटकम्' के रचयिता कौन हैं?
BHU MET–2008

(A) भास (B) भट्टनारायण
(C) कालिदास (D) विशाखदत्त

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

10. 'बालचरितम्' के लेखक कौन हैं? BHU MET–2016

(A) भास (B) बिल्हण
(C) अश्वघोष (D) भवभूति

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

11. भास द्वारा रचित नहीं है? BHU MET–2016

(A) अविमारकम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) मध्यमव्यायोगः (D) कर्णभारम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275/395

12. मध्यमव्यायोगः किसकी रचना है? BHU MET–2010

(A) भास (B) व्यास
(C) कालिदास (D) शूद्रक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

13. (i) अभिषेकनाटक किसकी कृति है?
(ii) 'अभिषेकनाटकं' कस्य कृतिः? BHU B.Ed–2013,
(iii) अभिषेकनाटकं केन रचितम्? JNU MET–2014, BHU MET–2016

(A) भासस्य (B) विशाखदत्तस्य
(C) भट्टनारायणस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

1. (B) 2. (C) 3. (D) 4. (D) 5. (D) 6. (A) 7. (B) 8. (D) 9. (A) 10. (A) 11. (B) 12. (A) 13. (A)

14. 'अविमारकम्' केन रचितम्– JNU MET–2014

(A) मुरारिणा (B) राजशेखरेण

(C) भासेन (D) भवभूतिना

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

15. (i) महाभारतमाश्रित्य विरचितं रूपकम्

(ii) भासस्य नाटकेषु किं नाटकं महाभारतस्य कथाश्रितम्– AWES TGT–2011, K SET–2014

(A) मध्यमव्यायोगः (B) अभिषेकः

(C) प्रतिज्ञायौगन्धरायणः (D) दरिद्रचारुदत्तः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-129, 275

16. (i) भासनाटकचक्रस्य पाण्डुलिपीनां सम्पादनम् अनेन इदम्प्रथमतया कृतम्– JNU M Phil/Ph. D–2015,

(ii) भासनाटकानामनुसंधानकर्ता .... उच्यते? GJ SET–2016

(A) वी० राघवन् (B) पी० वी० काणे

(C) टी० गणपतिशास्त्री (D) एम० आर० काले

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

17. दरिद्रचारुदत्त, बालचरित, दूतघटोत्कच – ये सभी रूपक इनके द्वारा लिखित हैं? H TET–2015

(A) भास (B) भवभूति

(C) शूद्रक (D) भट्टनारायण

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275

18. अधोलिखितेषु किं भासस्य रूपकम्– K SET–2014

(A) मुद्राराक्षसम् (B) अभिषेकनाटकम्

(C) मत्तविलासप्रहसनम् (D) रत्नावली

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276

19. (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के लेखक कौन हैं?

(ii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' किसने लिखा?

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य रचयिता कः? MP PSC–2000, BHU B.Ed–2011, UP TGT (S.S.) 2010

(A) बाणभट्ट (B) वेदव्यास

(C) कालिदास (D) भवभूति

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-326

20. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– WB SET–2010

(क) भवभूति (i) कुमारसम्भवम्

(ख) भट्टनारायण (ii) स्वप्नवासवदत्तम्

(ग) भास (iii) उत्तररामचरितम्

(घ) कालिदास (iv) वेणीसंहारम्

	क	ख	ग	घ
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

संस्कृत साहित्य का समी. इति.-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395, 381, 275, 138

21. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ कालिदास ने नहीं लिखा– MP PSC–2003

(A) मालविकाग्निमित्रम् (B) कुमारसम्भवम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) जानकीहरणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

22. लघुत्रय्याः कर्ता कः– BHU AET–2010

(A) कुमारदासः (B) दुर्गादासः

(C) कालिदासः (D) श्रीधरदासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

23. कालिदास विरचित नाटक नहीं है? UP TET–2014

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मालविकाग्निमित्रम्

(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) विक्रमोर्वशीयम्

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138,275

24. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति कालिदास की नहीं है– UP TET–2014

(A) रघुवंशम् (B) मेघदूतम्

(C) ऋतुसंहारम् (D) वेणीसंहारम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138, 518

25. निम्न में से कौन-सी रचना कालिदास की नहीं है? BHU MET–2014

(A) मेघदूतम् (B) रघुवंशम्

(C) प्रतिमानाटकम् (D) कुमारसम्भवम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138, 275

14. (C) 15. (A) 16. (C) 17. (A) 18. (B) 19. (C) 20. (C) 21. (D) 22. (C) 23. (C) 24. (D) 25. (C)

26. सही विकल्प चुनिये– UGC 73 D–2014

(A) रामायणम्– वेदव्यासः (B) महाभारतम्–वाल्मीकिः

(C) मेघदूतम्–कालिदासः (D) कादम्बरी–दण्डी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

27. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ कालिदास प्रणीत है? UP PGT (H)–2009

(A) उत्तररामचरितम् (B) मालविकाग्निमित्रम्

(C) मृच्छकटिकम् (D) मुद्राराक्षसम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

28. कालिदास की साहित्यिक कृति कौन-सी नहीं है? Chh. PSC–2004, MP PSC–1991, 1996

(A) मृच्छकटिकम् (B) मेघदूतम्

(C) ऋतुसंहारम् (D) विक्रमोर्वशीयम्

संस्कृत साहित्य का समी० इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-300,138

29. (i) मृच्छकटिकस्य लेखकः कः मन्यते?

(ii) मृच्छकटिकस्य को रचयिता?

(iii) मृच्छकटिकम् केन विरचितम्?

BHU Sh.ET–2013, DSSSB PGT–2014, UGC 25 J–2005, RPSC SET–2010

(A) शूद्रकः (B) भवभूतिः

(C) जयदेवः (D) सुबन्धुः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-300

30. (i) 'मुद्राराक्षसम्' रूपक के ग्रन्थकर्ता हैं'

(ii) मुद्राराक्षसस्य रचयिता कः? BHU AET–2011,

(iii) को मुद्राराक्षसं नाम नाटकं कृतवान् कविः?

(iv) 'मुद्राराक्षस' – किसकी रचना है?

(v) 'मुद्राराक्षस' के रचनाकार हैं? UP PGT (H)–2005, BHU MET–2010, 2015, BHU Sh.ET–2011, UGC 25 J–2007

(A) भासः (B) विशाखदत्तः

(C) हर्षः (D) भवभूतिः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-354

31. (i) संस्कृत के सुप्रसिद्ध नाटककार विशाखदत्त की प्रसिद्ध कृति का नाम है– UGC 25 D–1996

(ii) विशाखदत्त की रचना है? UP TET–2016

(A) मृच्छकटिकम् (B) वेणीसंहारम्

(C) नागानन्दम् (D) मुद्राराक्षसम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-354

32. राजनीति और कूटनीति विषयों पर आधारित संस्कृत नाटक कौन है? BHU MET–2009

(A) मुद्राराक्षस (B) प्रियदर्शिका

(C) नागानन्द (D) महावीरचरित

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-361

33. पञ्चाङ्कं नाटकं 'नागानन्द' कस्य कवेः कृतिः? BHU AET–2011

(A) भासस्य (B) मयूरस्य

(C) हर्षवर्धनस्य (D) कृष्णामिश्रस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-365

34. 'नागानन्द' 'रत्नावली' एवं 'प्रियदर्शिका' के लेखक हैं– RPSC ग्रेड-I–1999

(A) बाणभट्ट (B) विशाखदत्त

(C) वात्स्यायन (D) हर्षवर्धन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

35. 'हर्षवर्धनस्य' रचना नास्ति– DL–2015

(A) प्रियदर्शिका (B) रत्नावली

(C) नागानन्दम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

36. निम्न में से कौन-सी रचना हर्ष द्वारा रचित नहीं है? MP PSC–2009

(A) रत्नावली (B) नागानन्द

(C) हर्षचरित (D) प्रियदर्शिका

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

37. 'प्रियदर्शिका' के कर्ता कौन हैं? BHU MET–2009, 2013

(A) हर्ष (B) कालिदास

(C) भवभूति (D) विशाखदत्त

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

26. (C) 27. (B) 28. (A) 29. (A) 30. (B) 31. (D) 32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (D) 36. (C) 37. (A)

38. 'प्रियदर्शिका' व 'रत्नावली' के रचनाकार कौन हैं?
H TET–2015

(A) विशाखदत्त (B) मुरारि
(C) हर्षवर्धन (D) हेमचन्द्र

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

39. (i) रत्नावली कस्य रचना अस्ति–UGC 25 D–2007,
(ii) रत्नावल्याः रचयिता कः? BHU AET–2012,
RO–2015, G GIC–2015

(A) श्रीहर्षः (B) हर्षदेवः
(C) भासः (D) बाणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-366

40. हर्ष के सम्बन्ध में निम्न कथन किसका है ''वह कभी थकता नही था। सारा दिन काम करता था, दिन उनके लिए छोटा पड़ता था।'' MP PSC–1992

(A) ह्वेनसांग (B) बाणभट्ट
(C) कल्हण (D) अश्वघोष

स्रोत–

41. (i) भट्टनारायणः कस्य कर्ता? JNU MET–2014
(ii) भट्टनारायणस्य रचना अस्ति
(iii) भट्टनारायण किस रूपक के रचयिता हैं–
UGC 25 J–1995, UP GIC–2015

(A) वेणीसंहारस्य (B) नैषधचरितस्य
(C) अनर्घराघवस्य (D) मुद्राराक्षसस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-381

42. वेणीसंहारस्य रचयिता कः? UGC 25 D–2005, 2011
WB SET–2010

(A) भासः (B) कालिदासः
(C) शूद्रकः (D) भट्टनारायणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-381

43. काव्यादर्शः कस्य कृतिः अस्ति – MGKV Ph. D–2017

(A) दण्डिनः (B) भामहस्य
(C) वामनस्य (D) विश्वनाथस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

44. (i) 'उत्तररामचरितम्' के लेखक हैं–
(ii) उत्तररामचरितस्य रचयिता कः?
(iii) उत्तररामचरितम् किसकी रचना है?
UP TGT–2004, BHU MET–2008,
BHU B.Ed–2012, UP PGT (H)–2002

(A) भारवि (B) भवभूति
(C) भर्तृहरि (D) भरतमुनि

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

45. भवभूतिरचितस्य प्रकरणनाट्यस्य नाम किम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) दरिद्रचारुदत्तम् (B) मालतीमाधवम्
(C) मधुमालतीयम् (D) नागानन्दम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-397

46. 'मालतीमाधव' के लेखक हैं–
RPSC–1999, BHU MET–2010, UP PGT (H)–2009

(A) भास (B) भवभूति
(C) शूद्रक (D) हर्ष

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

47. 'महावीरचरित' किसकी रचना है? UP PGT–2002

(A) कालिदास (B) शूद्रक
(C) भवभूति (D) अश्वघोष

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

48. भवभूति का सम्बन्ध है? UP TET–2013

(A) मालविकाग्निमित्रम् से (B) रघुवंशम् से
(C) अष्टाध्यायी से (D) उत्तररामचरितम् से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

49. यह नाटक भवभूति की रचना नहीं है?
BHU MET–2010

(A) वेणीसंहारम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) महावीरचरितम् (D) मालतीमाधवम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-381

38. (C) 39. (B) 40. (A) 41. (A) 42. (D) 43. (A) 44. (B) 45. (B) 46. (B) 47. (C) 48. (D) 49. (A)

50. (i) भवभूतेः कवेः सर्वश्रेष्ठं नाटकम्?
(ii) भवभूति द्वारा लिखित रचना कौन है?
BHU MET–2009, 2013, UP TGT (H)–2010, AWES TGT–2011

(A) प्रतिमानाटक (B) उत्तररामचरित
(C) मुद्राराक्षस (D) मृच्छकटिक

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

51. भवभूति का सम्बन्ध किस कृति से नहीं है? UP TGT–2010

(A) उत्तररामचरितम् (B) महावीरचरितम्
(C) बुद्धचरितम् (D) मालतीमाधवम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168, 395

52. अधोलिखितासु कृतिषु अश्वघोषस्य कृतिरस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) गीतगोविन्दम् (B) शारिपुत्रप्रकरणम्
(C) रघुवंशम् (D) कुमारसम्भवम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

53. 'शारिपुत्रप्रकरण' के रचयिता हैं– BHU AET–2011

(A) बुद्धघोष (B) अश्वघोष
(C) मञ्जुघोष (D) धर्मत्रात

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

54. (i) बुद्धचरित के लेखक कौन हैं?
(ii) बुद्धचरितस्य लेखकस्य नाम–
(iii) बुद्धचरितस्य कर्ता? UP TGT (S. S.)–2010,
(iv) बुद्धचरित महाकाव्य के रचयिता हैं?
UGC 25 J–1998, 1999, 2003

(A) हरिषेण (B) अश्वघोष
(C) वसुमित्र (D) कालिदास

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

55. केन कविना बौद्धधर्मस्य प्रचारार्थं काव्यानि लिखितानि– UGC 25 J–2016

(A) कालिदासेन (B) माघेन
(C) अश्वघोषेण (D) भवभूतिना

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

56. (i) अनर्घराघव किसकी कृति है– BHU AET–2011,
(ii) 'अनर्घराघव' इस ग्रन्थ के रचयिता हैं–
(iii) 'अनर्घराघवं' कोऽसौ रचयामास नाटकम्?
H TET–2014, BHU MET–2009, 2013

(A) मुरारिः (B) शूद्रकः
(C) राजशेखरः (D) जयदेवः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-430

57. राजशेखर की निम्नलिखित रचनाओं में से कौन रचना अधूरी है– UP PGT (H)–2005

(A) बालभारत (B) काव्यमीमांसा
(C) कर्पूरमञ्जरी (D) विद्धशालभञ्जिका

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, भू० पेज - 41, 42

58. कविदिङ्नागेन लिखितम्– AWES TGT–2008

(A) सीतारामचरितम् (B) रावणचरितम्
(C) कुन्दमाला (D) कंसवधम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-436

59. 'प्रबोधचन्द्रोदय' किसका नाटक है? UP PGT–2002

(A) राजशेखर (B) कृष्णमिश्र
(C) दिङ्नाग (D) मुरारि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-438

60. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत – UGC 25 D–2004

(अ) वेणीसंहारम् **(i) भवभूतिः**
(ब) स्वप्नवासवदत्तम् **(ii) कालिदासः**
(स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् **(iii) भट्टनारायणः**
(द) उत्तररामचरितम् **(iv) भासः**

	अ	ब	स	द
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-381, ब-275, स-326, द-395

50. (B) 51. (C) 52. (B) 53. (B) 54. (B) 55. (C) 56. (A) 57. (A) 58. (C) 59. (B) 60. (D)

61. समीचीनां तालिकां चिनुत – UGC 25 D–2008

(अ) मुरारिः (i) मुद्राराक्षसम्
(ब) शूद्रकः (ii) प्रतिमानाटकम्
(स) भासः (iii) मृच्छकटिकम्
(द) विशाखदत्तः (iv) अनर्घराघवम्

	अ	ब	स	द
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-430, ब-300, स-275, द-354

62. कालिदासेन रचिता कृतिः न वर्तते–UGC 25 D–2003

(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) मेघदूतम्
(C) रघुवंशम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-275, 138

63. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 S–2013

(अ) श्रीहर्षः 1. उत्तररामचरितम्
(ब) बाणभट्टः 2. बुद्धचरितम्
(स) भवभूतिः 3. नैषधीयचरितम्
(द) अश्वघोषः 4. हर्षचरितम्

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	1	2	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-223, ब-490, स-395, द-168

64. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2013

(अ) हर्षः (1) मुद्राराक्षसम्
(ब) भवभूतिः (2) स्वप्नवासवदत्तम्
(स) विशाखदत्तः (3) उत्तररामचरितम्
(द) भासः (4) रत्नावली

	अ	ब	स	द
(A)	3	2	4	1
(B)	4	3	1	2
(C)	2	1	3	4
(D)	1	4	2	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-365, ब-395, स-354, द-275

65. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत– UGC 25 J–2016

(क) श्रीहर्षः (i) हर्षचरितम्
(ख) दण्डी (ii) मुद्राराक्षसम्
(ग) बाणभट्टः (iii) नैषधीयचरितम्
(घ) विशाखदत्तः (iv) दशकुमारचरितम्

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-223, ख-466, ग-490, घ-354

66. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2014

(अ) मुद्राराक्षसम् (i) भासः
(ब) वेणीसंहारम् (ii) विशाखदत्तः
(स) रत्नावली (iii) हर्षः
(द) स्वप्नवासवदत्तम् (iv) भट्टनारायणः

	अ	ब	स	द
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-354, ब-381, स-365, द-275

67. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2014

(अ) रत्नावली 1. अश्वघोषः
(ब) वेणीसंहारम् 2. हर्षः
(स) बालचरितम् 3. भट्टनारायणः
(द) बुद्धचरितम् 4. भासः

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	4	1
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-365, ब-381, स-275, द-168

61. (B) 62. (A) 63. (B) 64. (B) 65. (B) 66. (B) 67. (C)

68. कालिदासः – WB SET–2010

(A) रघुवंशम्, मेघदूतम्, शिशुपालवधम्

(B) बुद्धचरितम्, दशकुमारचरितम्, रत्नावली

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, कादम्बरी

(D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रघुवंशम्, मेघदूतम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

69. सुमेलित कीजिए– UGC 25 J–2002

(अ) मृच्छकटिकम् 1. भवभूति

(ब) उत्तररामचरितम् 2.भट्टनारायण

(स) वेणीसंहारम् 3. कालिदास

(द) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 4. शूद्रक

	अ	ब	स	द
(A)	4	1	2	3
(B)	3	2	1	4
(C)	1	2	3	4
(D)	3	1	4	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-300, ब-395, स-381, द-326

70. अशुद्धं युग्मं चिनुत– MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) मालविकाग्निमित्रम् – कालिदासः

(B) उत्तररामचरितम् – भवभूतिः

(C) चारुदत्तम् – शूद्रकः

(D) स्वप्नवासवदत्तम् – भासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- (A)-138, (B)-395, (C)-275, (D)-275

71. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2015

(क) हर्षः (i) मुद्राराक्षसम्

(ख) भवभूतिः (ii) कर्णभारम्

(ग) विशाखदत्तः (iii) उत्तररामचरितम्

(घ) भासः (iv) रत्नावली

	क	ख	ग	घ
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-365, ब-395, स-354, द-275

72. आचार्यविश्वनाथकृता नाटिकाऽस्ति– BHU AET–2010

(A) शशिकला (B) चन्द्रकला

(C) रत्नावली (D) प्रियदर्शिका

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-587

73. (i) 'रामायणम्' केन रचितम्? UGC 73 D–1992,
(ii) 'रामायण' के रचयिता हैं? BHU MET–2012,
(iii) रामायण लिखी? BHU B.Ed–2012, 2015
(iv) रामायणस्य रचयिता कः
UP TGT (S.S.) 2005, 2009, 2010

(A) व्यासः (B) वाल्मीकिः

(C) मनुः (D) तुलसीदासः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

74. (i) वाल्मीकि ने किस ग्रन्थ की रचना की? UGC 73
(ii) वाल्मीकि की रचना है? D–1992, BHU AET–2011

(A) महाभारत (B) गीता

(C) रामायण (D) उत्तररामचरित

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-103

75. महाभारत के लेखक कौन हैं? BHU AET–2011

(A) मनु (B) कौत्स

(C) नारद (D) व्यास

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

76. कविपद्मगुप्तपरिमलरचितं महाकाव्यमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2011

(A) विक्रमाङ्कदेवचरितम् (B) सुप्रभदेवचरितम्

(C) नवसाहसाङ्कचरितम् (D) चालुक्यवंशमहाकाव्यम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-255

77. मानववंशमहाकाव्यस्य कविः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) पं० सूर्यनारायणशास्त्री (B) डॉ० प्रभाकरशास्त्री

(C) पण्डितराजजगन्नाथः (D) मण्डनमिश्रः

संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास-राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज–437

68. (D) 69. (A) 70. (C) 71. (B) 72. (B) 73. (B) 74. (C) 75. (D) 76. (C) 77. (A)

78. कालानुसारेण तालिकां चिनुत– UGC 25 Jn–2017

(1) भारविः (2) भासः

(3) कालिदासः (4) साहित्यदर्पणकारः विश्वनाथः

(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	2	4
(D)	2	3	1	4

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–465, 202, 242, 587

79. 'सेतुबन्धम्' इति प्राकृतकाव्यं केन कृतम्– DSSSB PGT–2014

(A) विजयसेनेन (B) प्रवरसेनेन

(C) महासेनेन (D) विष्णुसेनेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-254

80. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) कर्णभारम् 1. कालिदासः

(ख) मृच्छकटिकम् 2. भवभूतिः

(ग) मालतीमाधवम् 3. शूद्रकः

(घ) शाकुन्तलम् 4. भासः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-275, ख-300, ग-395, घ-138

81. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 Jn–2017

(क) भासः (1) मालतीमाधवम्

(ख) कालिदासः (2) मृच्छकटिकम्

(ग) भवभूतिः (3) मालविकाग्निमित्रम्

(घ) शूद्रकः (4) पञ्चरात्रम्

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-275, ख-138, ग-395, घ-301

82. निर्दिष्टेषु शुद्धं युग्मं चिनुत– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) कुमारसम्भवम् – रघुवंशम्

(B) रघुवंशम् – अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(C) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम्

(D) मेघदूतम् – विक्रमोर्वशीयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

83. (i) 'कुमारसम्भव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा है–

(ii) 'कुमारसम्भव' महाकाव्य के रचयिता कौन हैं?

BPSC–2002, BHU MET–2010

(A) बाणभट्ट (B) चन्दवरदाई

(C) हरिषेण (D) कालिदास

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

84. 'रघुवंशम्' महाकाव्यस्य रचनां कः अकरोत्?

BHU B.Ed–2012, UP TGT (H)–2009

(A) भारविः (B) व्यासः

(C) कालिदासः (D) माघः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

85. निम्नलिखित में से कौन-सा महाकाव्य कालिदास का है– BHU MET–2008

(A) बुद्धचरितम् (B) शिशुपालवधम्

(C) किरातार्जुनीयम् (D) कुमारसम्भवम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

86. (i) अश्वघोषेण विरचितमस्ति– BHU AET–2010,

(ii) अश्वघोषकृतं काव्यमस्ति–UGC 25 D–2005, 2008,

(iii) एतेषु अश्वघोषः कस्य काव्यस्य कर्ता?

(iv) अश्वघोष ने क्या लिखा– MP PSC–1998, GJ SET–2013

(A) हर्षचरितम् (B) बुद्धचरितम्

(C) विक्रमाङ्कदेवचरितम् (D) कुमारपालचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

78. (D) 79. (B) 80. (A) 81. (A) 82. (A) 83. (D) 84. (C) 85. (D) 86. (B)

87. (i) सौन्दरनन्दमहाकाव्यस्य कर्त्ता कविरस्ति –
(ii) सौन्दरनन्द महाकाव्य इनकी रचना या कृति है?
(iii) सौन्दरनन्दस्य प्रणेता? UGC 73 D–1999, 2016
(iv) सौन्दरनन्दमहाकाव्यस्य रचयिता वर्तते–
(v) सौन्दरनन्द किसकी कृति है? UGC 25 D–2009, BHU AET–2011, BHU Sh.ET–2013, MP वर्ग-1 (PGT)–2012, CVVET–2015

(A) शङ्कराचार्यः (B) कालिदासः
(C) अश्वघोषः (D) हर्षदेवः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-168

88. अश्वघोषरचितं सौन्दरनन्दं महाकाव्यं कतिषु सर्गेषु निबद्धः? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) पञ्चदशसु (B) अष्टादशसु
(C) द्वादशसु (D) एकोनविंशतिषु

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–232, 233

89. (i) 'किरातार्जुनीयम्' के कर्त्ता हैं– UGC 73 J–2009,
(ii) किरातार्जुनीयस्य कर्ता कः अस्ति?
(iii) किरातार्जुनीयस्य महाकाव्यस्य रचयिताऽस्ति– BHU MET–2008, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) माघः (B) भामहः
(C) श्रीहर्षः (D) भारविः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

90. निम्नलिखित कृतियों में से कौन-सी भारवि द्वारा रचित है? UP PGT (H)–2005

(A) शिशुपालवधम् (B) कुमारसम्भवम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) नैषधीयचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

91. कः ग्रन्थः भारवेः कर्षते– AWES TGT–2010

(A) नलदमयन्तीचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) मेघदूतम् (D) वासन्तिकस्वप्नः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

92. (i) 'रावणवधकाव्यम्' के रचयिता हैं–
(ii) रावणवध नामक महाकाव्य की रचना किसने की है? BHU MET–2010, H TET–2015

(A) वाल्मीकि (B) भट्टि
(C) व्यास (D) दण्डी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-238

93. 'जानकीहरणं' नाम महाकाव्यं रचितम्? UGC 73 J–2012

(A) कालिदासेन (B) भासेन
(C) कुमारदासेन (D) चण्डीदासेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-244

94. (i) 'शिशुपालवधम्' के रचयिता कौन हैं?
(ii) शिशुपालवधस्य रचयिता कोऽस्ति?
(iii) शिशुपालवधस्य रचयिता कः अस्ति? UP TGT (H)–2009, UP PGT–2000, UGC 73 D–2008, 2009, T SET–2014

(A) सुबन्धुः (B) भारविः
(C) भट्टिः (D) माघः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198, 199

95. महाकविना माघेन रचना कृता– GJ SET–2007

(A) किरातार्जुनीयम् (B) नैषधीयचरितम्
(C) शिशुपालवधम् (D) बुद्धचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-199

96. माघकविः माघः कस्य पुत्रः आसीत्? KL SET–2016

(A) श्रीवर्मलातस्य (B) दत्तकस्य
(C) अभिनन्दस्य (D) भूमभट्टस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198,199

97. 'हरविजय' महाकाव्य के प्रणेता कौन हैं? BHU MET–2012

(A) श्रीहर्ष (B) हरिश्चन्द्र
(C) रत्नाकर (D) कविराज

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-248

87. (C) 88. (B) 89. (D) 90. (C) 91. (B) 92. (B) 93. (C) 94. (D) 95. (C) 96. (B) 97. (C)

98. श्रीहर्ष का ग्रन्थ है? UP TGT (H)–2009

(A) हितहरिवंश (B) नैषधकाव्य

(C) राजतरङ्गिणी (D) मेघदूत

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-223

99. (i) नैषधीयचरित के रचयिता कौन हैं?

(ii) नैषधं कस्य काव्यम्? BHU Sh.ET–2011, BHU MET–2009, 2013

(A) बाणस्य (B) कालिदासस्य

(C) भासस्य (D) श्रीहर्षस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-223

100. 'खण्डनखण्डखाद्य' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं? H TET–2015

(A) सर्वज्ञात्ममुनि (B) निम्बार्काचार्य

(C) वाचस्पति मिश्र (D) श्रीहर्ष

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-223

101. कल्हण की 'राजतरङ्गिणी' को किसने आगे बढ़ाया? UP PCS–2000

(A) बिल्हण एवं मेरुतुंग (B) बिल्हण एवं मम्मट

(C) जोनराज एवं मेरुतुंग (D) जोनराज एवं श्रीवर

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-599

102. (i) कवि कल्हणस्य रचना – BPSC–2011,

(ii) कल्हण की रचना है? UGC 25 J–2004,

(iii) कल्हण की पुस्तक का क्या नाम है? MP PSC–2003, AWES TGT–2008

(A) अर्थशास्त्र (B) इण्डिका

(C) पुराण (D) राजतरङ्गिणी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-599

103. कल्हण द्वारा रचित 'राजतरङ्गिणी' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है– MP PSC–2012

(A) चन्द्रगुप्त के शासन से (B) गीतों के संकलन से

(C) कश्मीर के इतिहास से (D) कृष्णदेव राय के शासन से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-597, 598

104. (i) राजतरङ्गिण्याः कर्त्ता कः? DSSSB PGT–2014,

(ii) 'राजतरङ्गिणी' किस कवि की रचना है?

(iii) राजतरङ्गिण्याः रचयिता कः–UP PGT (H)–2004

(A) बिल्हणः (B) मायणः

(C) कल्हणः (D) उल्वणः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-597

105. 'कल्हण' की 'राजतरङ्गिणी' की रचना किस शताब्दी में हुई थी? MP PSC–2005

(A) 10वीं शताब्दी ई0 (B) 11वीं शताब्दी ई0

(C) 12वीं शताब्दी ई0 (D) 13वीं शताब्दी ई0

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-597

106. निम्नलिखित में कौन-सा ग्रन्थ बृहत्त्रयी में शामिल नहीं है? UP TET–2014

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) शिशुपालवधम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

107. त्रयमेतत् बृहत्त्रय्यां गण्यते– UGC 25 J–2014

(A) किरातार्जुनीयम्, नैषधीयचरितम्, शिशुपालवधम्

(B) किरातार्जुनीयम्, रघुवंशम्, नैषधीयचरितम्

(C) नैषधीयचरितम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्

(D) शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, रघुवंशम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

108. बृहत्त्रयी का एक ग्रन्थ 'किरातार्जुनीयम्' है शेष दो ग्रन्थों के नाम हैं– UP TGT–2005

(A) शिशुपालवधम्, कादम्बरी

(B) शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्

(C) नैषधीयचरितम्, वेमभूपालचरितम्

(D) नैषधीयचरितम्, तिलकमञ्जरी

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

109. महाकाव्यों की बृहत्त्रयी में कौन सम्मिलित नहीं है? H TET–2015

(A) शिशुपालवधम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) नैषधीयचरितम् (D) मेघदूतम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

98. (B) 99. (D) 100. (D) 101. (D) 102. (D) 103. (C) 104. (C) 105. (C) 106. (A) 107. (A) 108. (B) 109. (D)

110. बृहत्त्रय्यां ये ग्रन्थास्तेषु ग्रन्थेषु एकोऽस्ति– BHU AET–2010

(A) हरविजयम् (B) कंसवधम्

(C) गौडवधम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-182

111. ''उषाहरणम्'' महाकाव्य के रचयिता हैं। UGC 73 S–2013

(A) कुमारदासः (B) त्रिविक्रमपण्डितः

(C) जगन्नाथः (D) नीलकण्ठदीक्षितः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-255

112. (i) दण्डिना रचितं काव्यमस्ति –
(ii) आचार्यदण्डिना कृतं गद्यकाव्यं किन्नाम?
BHU AET–2010, UGC 25 D–2013

(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्

(C) उत्तररामचरितम् (D) वेमभूपालचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466

113. (i) 'अवन्तिसुन्दरीकथा' किसकी रचना है?
(ii) 'अवन्तिसुन्दरी' के लेखक हैं?
UP PGT–2005, UP TET–2014

(A) दण्डी (B) बाणभट्ट

(C) भट्टनारायण (D) अम्बिकादत्तव्यास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466

114. आचार्य दण्डी की कृति है– UP PGT–2009

(A) काव्यादर्श (B) दशकुमारचरितम्

(C) अवन्तिसुन्दरी (D) इनमें से सभी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466

115. (i) 'दशकुमारचरितम्' केन प्रणीतम्? UGC 25 D–
(ii) 'दशकुमारचरितम्' के लेखक हैं? 2003,
MP PGT–2012 , RPSC SET–2010

(A) भवभूति (B) कालिदास

(C) दण्डी (D) माघ

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466

116. अयमस्ति दण्डीविरचितः कथाग्रन्थः– UK SLET–2015

(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्

(C) कादम्बरी (D) शिवराजविजयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466

117. 'कलापरिच्छेद' के लेखक कौन हैं? UP TGT (H)–2003

(A) कालिदास (B) भवभूति

(C) दण्डी (D) भारवि

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-467

118. (i) 'वासवदत्ता' के रचयिता हैं? UP PGT–2013,
(ii) 'वासवदत्तायाः' रचनाकारोऽस्ति? BHU AET–2010,
(iii) वासवदत्ता के लेखक कौन हैं? BHU MET–
(iv) वासवदत्तायाः रचयिता वर्तते– 2009, 2012, 2013,
(v) संस्कृतसाहित्ये वासवदत्ताकथा केन रचिता?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, AWES TGT–2010

(A) पतञ्जलिः (B) भासः

(C) हर्षः (D) सुबन्धुः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-482

119. (i) 'सुबन्धु' प्रणेता हैं–
(ii) कवेः सुबन्धोः रचना वर्तते?
BHU MET–2010, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) कादम्बरी (B) पञ्चतन्त्र

(C) वासवदत्ता (D) हितोपदेश

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-482

120. सुबन्धोः 'वासवदत्तायाः' नायकः कः?
RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) मित्रगुप्तः (B) कन्दर्पकेतुः

(C) अष्टावक्रः (D) उदयनः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-485

121. (i) 'हर्षचरित' किसकी रचना है? BPSC–2004,
(ii) 'हर्षचरितस्य' रचयिता अस्ति? UGC 25 D–2009,
(iii) 'हर्षचरित' नामक पुस्तक किसने लिखी?
(iv) हर्षचरित के रचयिता कौन हैं? BHU MET–
2008, 2009, 2010, 2013, MP PSC–2003

(A) कालिदास (B) बाणभट्ट

(C) विष्णुगुप्त (D) परिमलगुप्त

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

110. (D) 111. (B) 112. (B) 113. (A) 114. (D) 115. (C) 116. (B) 117. (C) 118. (D) 119. (C) 120. (B) 121. (B)

122. निबद्धा बाणभट्टेन का नामातिद्वयी कथा– BHU AET–2012
(A) बृहत्कथा (B) कादम्बरी
(C) वासवदत्ता (D) अवन्तिसुन्दरीकथा
स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् (श्लोक-20),- तारिणीश झा, पेज-23

123. शुकनासोपदेश कादम्बरी का अंश है, उसके रचयिता हैं– UP TGT–2004
(A) बाणभट्ट (B) गुणाढ्य
(C) सुबन्धु (D) क्षेमेन्द्र
संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490-496

124. बाणभट्टविरचितमस्ति– UGC 25 J–2005
(A) बुद्धचरितम् (B) हर्षचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) दशकुमारचरितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

125. (i) 'कादम्बरी' के लेखक कौन हैं? BHU MET–2008,
(ii) 'कादम्बरी' किसकी रचना/कृति है– 2009, 2013,
(iii) कादम्बर्याः प्रणेता कः? RPSC SET–2010,
(iv) कादम्बरी के रचयिता हैं? UP PGT (H)–2005, UP TGT–2004, BHU B.Ed–2011
(A) श्रीहर्ष (B) बाण
(C) भास (D) भवभूति
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

126. महाकवि बाणभट्ट की रचना नहीं है? UP TET–2014, 2016
(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) चण्डीशतकम् (D) कादम्बरीकथा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

127. बाणभट्टस्य ऐतिहासिककाव्यं किम् अस्ति? K SET–2014, 2016
(A) हर्षचरितम् (B) शिशुपालवधम्
(C) दशकुमारचरितम् (D) कादम्बरी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

128. बाणभट्टस्य कृतिः हर्षचरितमस्ति– UP GIC–2015
(A) कथा (B) आख्यायिका
(C) उपन्यास (D) चम्पू
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

129. 'पार्वतीपरिणय' किसकी रचना है? UP TGT–2001
(A) कालिदास (B) बाणभट्ट
(C) माघ (D) कुमारदास
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

130. कौन-सी रचना बाणभट्ट की नहीं है– UP TGT–2010
(A) हर्षचरितम् (B) कादम्बरी
(C) तिलकमञ्जरी (D) मुकुटताडितम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490-91

131. 'चण्डीशतक' किसकी रचना है? UP PGT–2011
(A) त्रिविक्रमभट्ट (B) बाणभट्ट
(C) नारायणभट्ट (D) दण्डी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

132. (i) केन लिखितं शिवराजविजयः–AWES TGT–2008,
(ii) शिवराजविजयम् के लेखक कौन हैं?
(iii) शिवराजविजयम् के रचयिता हैं?
(iv) शिवराजविजय नामक पुस्तक के लेखक हैं?
BHU MET–2009, 2013, MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP TGT–2001, 2005, UP TET–2016
(A) अम्बिकादत्तव्यासः (B) सुबन्धुः
(C) कैयटः (D) नागेशभट्टः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-508,509

133. (i) 'तिलकमञ्जरी' के लेखक हैं–
(ii) तिलकमञ्जरी किसकी रचना है?
UP TGT–2003, 2009, UP PGT–2003
(A) हर्ष (B) रत्नाकर
(C) धनपाल (D) दण्डी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-517

122. (B) 123. (A) 124. (B) 125. (B) 126. (B) 127. (A) 128. (B) 129. (B) 130. (C) 131. (B) 132. (A) 133. (C)

134. धनपालकृतं गद्यकाव्यं किम्? KL SET–2016

(A) जयन्तिका (B) गद्यचिन्तामणि
(C) तिलकमञ्जरी (D) ऋषभपञ्चाशिका

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-517

135. सुमेलित कीजिए– UK TET–2011

(अ) सुबन्धु 1. वासवदत्ता
(ब) बाण 2. शिवराजविजय
(स) दण्डी 3. हर्षचरित
(द) अम्बिकादत्त 4. काव्यादर्श

	अ	ब	स	द
(A)	1	3	4	2
(B)	3	4	2	1
(C)	1	4	2	3
(D)	4	3	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-482, ब-491, स-466, द-509

136. (i) मेघदूतस्य रचयिता कः? BHU B.Ed–2013, 2014
(ii) मेघदूतम् इति कस्य कृतिः?

(A) भारविः (B) कालिदासः
(C) भासः (D) जयदेवः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

137. निम्न में से कौन-सी कृति भर्तृहरि की नही है? UP PGT–2010

(A) वैराग्यशतकम् (B) भट्टिकाव्यम्
(C) नीतिशतकम् (D) वाक्यपदीयम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-344, 355

138. (i) 'शृङ्गारशतकस्य' को रचयिता
(ii) 'शृङ्गारशतक' किसकी कृति है?
(iii) शृङ्गारनीतिवैराग्यशतकानि चकार कः?
BHU AET–2010, 2011, BHU Sh.ET–2013

(A) भरतः (B) जगद्धरः
(C) रविकीर्तिः (D) भर्तृहरिः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

139. (i) 'शतकत्रय' के रचयिता हैं–
(ii) 'शतकत्रय' के प्रणेता कौन हैं?
(iii) 'शतकत्रय' के लेखक कौन हैं?
UP TGT–2004, BHU MET–2011, 2012

(A) भर्तृहरि (B) भट्टि
(C) मयूरभट्ट (D) भोज

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

140. निम्न में से कौन-सी कृति भर्तृहरि की नहीं है? UK TET–2011

(A) वैराग्यशतकम् (B) पञ्चतन्त्रम्
(C) नीतिशतकम् (D) वाक्यपदीयम्

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-575,541

141. (i) 'नीतिशतकम्' कस्य कृतिः? BHU MET–2008,
(ii) 'नीतिशतकम्' के कर्ता कौन हैं? BHU B.Ed–2013

(A) जयदेव (B) अमरुक
(C) क्षेमेन्द्र (D) भर्तृहरि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

142. 'वैराग्यशतकस्य' रचयितास्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010

(A) वररुचिः (B) वेदव्यासः
(C) भर्तृहरिः (D) विशाखदत्तः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-541

143. 'अमरुकशतकम्' रचयिता– AWES TGT–2012

(A) भर्तृहरि (B) अमरुक कवि
(C) दामोदरगुप्ता (D) क्षेमेन्द्र

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-545

144. (i) 'गीतगोविन्द' के रचयिता हैं?
(ii) 'गीतगोविन्दम्' इति काव्यस्य कर्ता कः?
(iii) कोऽसौ यो 'गीतगोविन्दं' रचयामास सत्कविः –
(iv) 'गीतगोविन्द' के लेखक हैं?
CVVET–2017, UP PCS–2010, MP PCS–1997, AWES TGT–2013, BHU AET–2012

(A) धोयी (B) गोवर्द्धनाचार्य
(C) जयदेव (D) लक्ष्मणसेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-440

134. (C) 135. (A) 136. (B) 137. (B) 138. (D) 139. (A) 140. (B) 141. (D) 142. (C) 143. (B) 144. (C)

145. (i) 'जयदेवस्य' प्रसिद्धा रचना अस्ति–MP वर्ग-1 PGT–2012,
(ii) 'जयदेव; का प्रसिद्ध ग्रन्थ कौन है? G GIC–2015,
(iii) 'कविवरजयदेव' रचितं सरसं संस्कृत-काव्यमस्ति
BHU MET–2009, 2013

(A) गीतराघव (B) अभिनवगीतगोविन्द
(C) गीतगोविन्द (D) संगीतलहरी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-440

146. जयदेव थे– BHU MET–2010

(A) श्रृङ्गारशतककर्ता (B) गीतमञ्जरीकर्ता
(C) गीतगोविन्दकर्ता (D) गीतविनोदकर्ता

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-440

147. 'चौरपञ्चाशिका' इति–गीतिकाव्यस्य कर्ता कविरस्ति?
MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) बिल्हणः (B) कल्हणः
(C) जयदेवः (D) घटकर्परः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-559

148. कौन-सा युग्म उपयुक्त नहीं है? BHU MET–2016

(A) मम्मट - काव्यप्रकाश (B) विश्वनाथ - साहित्यदर्पण
(C) मयूर - चौरपञ्चाशिका (D) जयदेव - चन्द्रालोक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-559

149. सूर्यशतकस्य लेखकः– AWES TGT–2010, 2011

(A) बाणभट्टः (B) कुलशेखरः
(C) रामानुजाचार्यः (D) मयूरभट्टः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-561

150. काव्यस्य रचनेन कस्य कवेः कुष्ठरोगस्य निवृत्तिः सम्पन्ना? DSSSB TGT–2014

(A) धावकस्य (B) मयूरस्य
(C) श्रीहर्षस्य (D) माघस्य

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम्-तारिणीश झा, भू0 पेज-23

151. 'चण्डीशतकस्य' लेखकः– AWES TGT–2010

(A) मयूरभट्टः (B) बाणभट्टः
(C) देवभट्टः (D) शीलभट्टः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-490

152. बाणभट्टरचितं हर्षचरितमस्ति– G GIC–2015

(A) आख्यायिका (B) कथा
(C) उपन्यासिका (D) चम्पूः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-491

153. 'अध्यर्धशतक' के रचयिता हैं? BHU AET–2011

(A) आर्यशूर (B) मातृचेट
(C) नागार्जुन (D) कालिदास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

154. 'भज गोविन्दम्' गीतस्य रचयिता? BHU AET–2011
AWES TGT–2010

(A) आचार्यशङ्करः (B) लक्ष्मीदत्तः
(C) दिवाकरः (D) रामभद्रदीक्षितः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-365

155. शङ्कराचार्यरचिता का नाम लहरी स्मृता–
BHU AET–2011

(A) गङ्गालहरी (B) सौन्दर्यलहरी
(C) सुधालहरी (D) करुणालहरी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-561

156. (i) भामिनीविलासकाव्यस्य कर्ता अस्ति?
(ii) 'भामिनीविलास' गीतिकाव्यस्य रचयिता अस्ति?
(iii) 'भामिनीविलासः' इति मुक्तककाव्यस्य रचयिता–वर्तते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011,
MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP GIC–2015, G GIC–2015

(A) जयदेवः (B) पण्डितराजजगन्नाथः
(C) गोवर्धनाचार्यः (D) अमरुकः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-555

157. (i) 'नलचम्पू' के रचयिता हैं– CVVET–2017
(ii) नलचम्पूकाव्यस्य रचयिता– UP PGT–2004, 2009, 2010, 2013,
BHU MET–2009, MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) बाणभट्ट (B) विश्वेश्वरपाण्डेय
(C) आचार्यमेधाव्रत (D) त्रिविक्रमभट्ट

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-602

145. (C) 146. (C) 147. (A) 148. (C) 149. (D) 150. (B) 151. (B) 152. (A) 153. (B) 154. (A) 155. (B) 156. (B) 157. (D)

158. त्रिविक्रमभट्टविरचितं काव्यं किम्? KL SET–2016

(A) नलचम्पूः (B) कीरदूतम्

(C) पारिजातहरणम् (D) कुवलयमाला

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-602

159. 'विश्वगुणादर्शचम्पूः' इति काव्यं केन विरचितम्? DSSSB TGT–2014

(A) वेङ्कटाध्वरिणा (B) भोजराजेन

(C) सोमदेवेन (D) त्रिविक्रमेण

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-615

160. 'यशस्तिलक चम्पू' रचना किसकी है? UGC 73 J–2016

(A) हरिचन्द्रस्य (B) त्रिविक्रमभट्टस्य

(C) सोमदेवसूरेः (D) अनन्तभट्टस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-610

161. शुद्धं युग्मं चिनुत– MP-वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) जीवन्धरचम्पूः – हरिश्चन्द्रः

(B) रामायणचम्पूः – सोड्ढलः

(C) यशस्तिलकचम्पूः – भोजराजः

(D) भारतचम्पूः – सोमदेवसूरिः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-610

162. कथा साहित्य है– BHU MET–2011

(A) पञ्चतन्त्र (B) मेघदूत

(C) रघुवंश (D) कुमारसम्भव

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-575

163. (i) 'पञ्चतन्त्र' किसने लिखा था? RPSC ग्रेड-I (TGT)–2010,
(ii) 'पञ्चतन्त्र'-लेखकः कः MP वर्ग-1 (PGT)– 2012,
(iii) 'पञ्चतन्त्रस्य' रचनाकारोऽस्ति UP GIC–2015,
(iv) 'पञ्चतन्त्रस्य' रचयिता कः? AWES TGT–2012
UP TGT (S.S.)–2009, H TET–2015,
MGKV Ph. D–2016

(A) नारायणपण्डितः (B) विष्णुशर्मा

(C) भर्तृहरिः (D) चाणक्यः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-575

164. (i) 'कथासरित्सागर'-रचनाकारः अस्ति–
(ii) कथासरित्सागरस्य लेखकोऽस्ति–RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, MP वर्ग-I (PGT)–2012, BHU MET–2016

(A) सोमदेवः (B) क्षेमेन्द्रः

(C) शिवदासः (D) जम्भलदत्तः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-586

165. (i) 'हितोपदेशस्य' लेखकः वर्तते– KL SET–2014
(ii) हितोपदेशस्य रचनाकारोऽस्ति– G GIC–2013
(iii) हितोपदेशस्य कर्त्ता भवति– UK TET–2011,
MP वर्ग-2 (TGT)–2011,

(A) विष्णुशर्मा (B) नारायणपण्डितः

(C) बाणभट्टः (D) सुबन्धुः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-582

166. (i) 'बृहत्कथामञ्जरी' के लेखक कौन हैं?
(ii) 'बृहत्कथामञ्जरी' ग्रन्थ किसने लिखी है?
BHU MET–2011, 2012

(A) गुणाढ्य (B) क्षेमेन्द्र

(C) नारायणपण्डित (D) दण्डी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-585

167. शुद्धं युग्मं चिनुत– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) हितोपदेशः – विष्णुशर्मा (B) पञ्चतन्त्रम् – नारायणपण्डित

(C) बृहत्कथामञ्जरी–सोमदेव (D) बृहत्कथा – गुणाढ्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-583

168. 'बृहत्कथा' के लेखक हैं? UP TGT–2009

(A) नारायणपण्डित (B) विष्णुशर्मा

(C) गुणाढ्य (D) क्षेमेन्द्र

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-583

169. (i) 'पुराणानां' लेखकः....... अस्ति–UGC 73 J– 1991,
(ii) अष्टादशपुराणानां कर्ता कः? D–1992, 1994,
(iii) पुराणों के लेखक कौन माने जाते हैं?
(iv) भागवतपुराण के कर्ता हैं? BHU AET–2010,
(v) भागवत के रचयिता हैं? BHU B.Ed–2013,
AWES TGT–2010

(A) व्यास (B) अत्रि

(C) पराशर (D) नारद

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-173

158. (A) 159. (A) 160. (C) 161. (A) 162. (A) 163. (B) 164. (A) 165. (B) 166. (B) 167. (D) 168. (C) 169. (A)

170. अग्निपुराण किसकी रचना है? UGC 73 D–1992

(A) व्यास की (B) अग्निदेव की
(C) अत्रि की (D) मनु की

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-वाचस्पति गैरोला, पेज–250,263

171. श्रीमद्भागवत पुराण के प्रवक्ता कौन थे? H TET–2014

(A) शुकदेव (B) परीक्षित
(C) वैशम्पायन (D) जनमेजय

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-182,183

172. अधोलिखितः कः ग्रन्थः नीतिग्रन्थः न– AWES TGT–2010

(A) हितोपदेशः (B) पञ्चतन्त्रः
(C) चाणक्यनीतिः (D) श्रीमद्भागवतम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-182

173. भगवता व्यासेन– AWES TGT–2013

(A) वेदाः लिखिताः (B) महाभारतं वर्गीकृतमुक्ता च
(C) महाभारतं लिपिवदकृतम् (D) पुराणानि लिखितानि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-वाचस्पति गैरोला, पेज–250

174. गोवर्धनाचार्येणाऽधस्तनेषु को ग्रन्थो विरचितः– BHU AET–2010

(A) दुर्गासप्तशती (B) गाथासप्तशती
(C) आर्यासप्तशती (D) नर्मसप्तशती

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-559

175. निम्न में से कौन-सा युग्म सही नहीं है– UP TGT–2009

(A) मृच्छकटिक – शूद्रक (B) वेणीसंहार – भट्टनारायण
(C) मुद्राराक्षस – विशाखदत्त (D) राजतरङ्गिणी – क्षेमेन्द्र

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-597

176. 'पृथ्वीराजविजय' किसकी रचना है? UP PGT–2002

(A) वस्तुपाल (B) चण्डकवि
(C) माधवाचार्य (D) सोमनाथ

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-255

177. (i) 'गाथासप्तशती' किसकी रचना है? UP PGT–2003
(ii) गाथासप्तशती रचना का कर्ता कौन है? UGC 73 J–2016

(A) घटकर्पर (B) अश्वघोष
(C) हाल (D) सिद्धसेनदिवाकर

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-561

178. 'शिवशतक' के लेखक हैं– UP PGT–2003

(A) सोमेश्वर (B) आनन्दवर्धन
(C) गोकुलनाथ (D) वल्लल

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-566

179. 'राघवविलास' किसकी रचना है? UP PGT–2003, 2004

(A) राजशेखर (B) कुन्तक
(C) भरत (D) विश्वनाथ

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, भू. पेज – 19

180. 'विषमबाणलीला' किसकी रचना है? UP PGT–2005

(A) दण्डी (B) भामह
(C) आनन्दवर्धन (D) रुद्रट

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, भू. पेज – 19

181. अधोलिखित में से समुचित मेल चुनिये– UGC 73 D–2015

(क) शूद्रकः (i) बुद्धचरितम्
(ख) दण्डी (ii) मृच्छकटिकम्
(ग) अश्वघोषः (iii) अनर्घराघवम्
(घ) मुरारिः (iv) दशकुमारचरितम्

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-300, ब-466, स-167, द-429

170. (A) 171. (A) 172. (D) 173. (D) 174. (C) 175. (D) 176. (B) 177. (C) 178. (C) 179. (D) 180. (C) 181. (C)

182. सुमेलित कीजिये– **UP PGT–2010**

(अ) सुबन्धुः **1. वासवदत्ता**
(ब) बाणः **2. शिवराजविजयः**
(स) दण्डी **3. हर्षचरितम्**
(द) अम्बिकादत्तः **4. काव्यादर्शः**

	अ	ब	स	द
(A)	1	3	4	2
(B)	3	4	2	1
(C)	1	4	2	3
(D)	2	3	1	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-482,ब-490, स-466,द-509

183. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 J–2008**

(अ) ऋतुसंहारम् **1. चारित्रिककाव्यम्**
(ब) भजगोविन्दम् **2. महाकाव्यम्**
(स) राजतरङ्गिणी **3. खण्डकाव्यम्**
(द) नैषधीयचरितम् **4. स्तोत्रकाव्यम्**

	अ	ब	स	द
(A)	4	1	3	2
(B)	1	3	2	4
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	4	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- अ-330, ब-365, स-315, द-285

184. 'मधुराविजय' नाम काव्यान्तर्भवति– **UGC 25 D–2008**

(A) लघुकाव्येषु (B) गद्यकाव्येषु
(C) चारित्रिककाव्येषु (D) स्तोत्रकाव्येषु

स्रोत–संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज-433

185. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुतः– **UGC 25 J–2010**

(अ) नागानन्दम् **1. विष्णुशर्मा**
(ब) गीतगोविन्दम् **2. बाणभट्टः**
(स) पञ्चतन्त्रम् **3. जयदेवः**
(द) हर्षचरितम् **4. हर्षः**

	अ	ब	स	द
(A)	3	2	4	1
(B)	4	3	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	1	3	2	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-365, ब-548, स-575, द-490

186. अधस्तनयुग्मस्य समीचीनां तालिकां चिनुत– **GJ SET–2011**

(क) वाल्मीकिः **1. बुद्धचरितम्**
(ख) कालिदासः **2. रामायणम्**
(ग) अश्वघोषः **3. रघुवंशम्**
(घ) श्रीहर्षः **4. नैषधीयचरितम्**

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	4	2	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-103, ख-138, ग-168, घ-223

187. श्रीकृष्णविजयमहाकाव्यस्य कर्ता कः? KL SET–2001

(A) सुकुमारकविः (B) शङ्करकविः
(C) लीलाशुकः (D) नारायणभट्टः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-256

188. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– **MH SET–2013**

(क) हर्षः **1. महावीरचरितम्**
(ख) अश्वघोषः **2. वेणीसंहारम्**
(ग) भवभूतिः **3. रत्नावली**
(घ) भट्टनारायणः **4. बुद्धचरितम्**

	क	ख	ग	घ
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-365, ख-168, ग-395, घ-381

182. (A) 183. (C) 184. (C) 185. (B) 186. (A) 187. (B) 188. (D)

189. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2012

(अ) मृच्छकटिकम् 1. अश्वघोषः
(ब) वेणीसंहारम् 2. शूद्रकः
(स) बालचरितम् 3. भट्टनारायणः
(द) बुद्धचरितम् 4. भासः

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	4	1
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-300, ब-381, स-275, द-167

190. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2013

(अ) किरातार्जुनीयम् 1. भासः
(ब) दशकुमारचरितम् 2. दण्डी
(स) स्वप्नवासवदत्तम् 3. भारविः
(द) बुद्धचरितम् 4. अश्वघोषः

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	2	1	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	1	4	3	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-182, ब-466, स-275, द-167

191. सुमेलित कीजिये– UGC 25 D–2002

(अ) अश्वघोष 1. रत्नावली
(ब) विशाखदत्त 2. सौन्दरनन्द
(स) हर्ष 3. मुद्राराक्षस
(द) कुमारदास 4. जानकीहरण

	अ	ब	स	द
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	2	3	4	1
(D)	4	2	3	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-168, ब-354, स-365, द-244

192. सुमेलित कीजिये– UGC 25 D–2001

(अ) वाक्यपदीयम् 1. हर्षः
(ब) मुद्राराक्षसम् 2. भर्तृहरिः
(स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 3. विशाखदत्तः
(द) रत्नावली 4. कालिदासः

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	3	1	4	2
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	3	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- अ-564, ब-501, स-485 द-514

193. द्वितीय राजतरङ्गिण्याः रचयिता– CVVET–2017

(A) श्रीवरः (B) जोनराजः
(C) कल्हणः (D) मम्मटः

संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास-राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज-138

194. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति कालिदास कृत नहीं है– UP PGT (H)–2005

(A) कुमारसम्भव (B) अभिज्ञानशाकुन्तल
(C) उत्तररामचरित (D) रघुवंश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-395

195. जीमूतवाहन की रचना है? UGC 73 D–1997

(A) आयभाग (B) कर्मभाग
(C) दायभाग (D) सृष्टिभाग

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-608

196. 'सत्तर्कदीपावलि' नामक ग्रन्थ का रचयिता है? UGC 73 J–2007

(A) व्यासतीर्थः (B) राघवेन्द्रतीर्थः
(C) पद्मनाभतीर्थः (D) जयतीर्थः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–379

197. (i) कर्पूरमञ्जरी किस भाषा में लिखा ग्रन्थ है?
(ii) कर्पूरमञ्जरी की भाषा है– BHU MET–2009

(A) संस्कृत (B) प्राकृत
(C) पालि (D) अपभ्रंश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-433

189. (C) 190. (C) 191. (B) 192. (A) 193. (B) 194. (C) 195. (C) 196. (C) 197. (B)

198. (i) किसे पण्डितराजजगन्नाथ ने नहीं लिखा है–
(ii) पण्डितराजजगन्नाथ विरचित कौन नहीं है?
(iii) पण्डितराज जगन्नाथ किसके लेखक नहीं हैं?
BHU MET–2009, 2011, 2013

(A) आसफविलास (B) रसगङ्गाधर
(C) गङ्गालहरी (D) चित्रमीमांसा

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-555

199. 'सरस्वतीकण्ठाभरणम्' के रचयिता हैं? H TET–2015

(A) भोजराज (B) अभिनवगुप्त
(C) महिमभट्ट (D) रुय्यक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-582

200. (i) बिल्हण किसके प्रणेता हैं?
(ii) कविः बिल्हणः किं रचितवान्?
(iii) बिल्हण की कृति कौन-सी है?
BHU MET–2011, 2012, 2013

(A) जानकीहरण (B) विक्रमांकदेवचरित
(C) खण्डनखण्डखाद्य (D) शृङ्गारतिलक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-595

201. (i) 'जाम्बवती विजय' के रचयिता कौन हैं?
(ii) 'जाम्बवती विजय' - काव्यकर्ता कः?
BHU MET–2011, 2012, JNU MET–2014

(A) दण्डी (B) श्रीहर्ष
(C) अश्वघोष (D) पाणिनि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-254

202. 'रसप्रदीप' के लेखक हैं? BHU MET–2014

(A) दण्डी (B) प्रभाकर
(C) कृष्णशर्मा (D) पाणिनि

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज–264

203. 'आम्रपाली' की लेखिका हैं? BHU MET–2014

(A) डॉ0 सुषमा कुलश्रेष्ठ (B) डॉ0 पुष्पा दीक्षित
(C) डॉ0 दीप्ति त्रिपाठी (D) डॉ0 मिथिलेशकुमारी मिश्रा

संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र-अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–387

204. 'नारायणीयम्' के रचनाकार हैं? BHU MET–2014

(A) कणाद (B) नारद
(C) नारायण भट्टतिरि (D) माधव

स्रोत– संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-565

205. भावनापुरुषोत्तम के रचयिता हैं? BHU MET–2014

(A) रूपगोस्वामी (B) भवस्वामी
(C) श्रीनिवासदीक्षित (D) श्रीकृष्णारर्थ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-446

206. भट्टमथुरानाथशास्त्रिणा रचितस्य भक्तिकाव्यस्य नाम अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) गीतगोविन्दम् (B) गङ्गावतरणम्
(C) गोविन्दवैभवम् (D) वेणुशतकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-259

207. 'जयपुरवैभवम्' काव्यं केन विरचितम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) भट्टमथुरानाथशास्त्रिणा (B) आचार्यशिवसागरत्रिपाठिना
(C) पण्डितपद्मशास्त्रिणा (D) देवर्षिकलानाथशास्त्रिणा

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-259

208. निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ में कापालिकों, पाशुपतों और बौद्धों के भ्रष्ट आचरण का वर्णन है?
UGC 06 J–2014

(A) महावीरचरित (B) मत्तविलास
(C) मृच्छकटिक (D) उत्तररामचरित

संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास-राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज-318

209. पद्मशास्त्रीविरचिता रचना अस्ति–
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) वेणुवादकः (B) राजपुत्रः
(C) राजतरङ्गिणी (D) वेणुधारकः राजतन्त्रः

स्रोत–

210. श्रीपद्मशास्त्रिणः रचनास्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) कल्पतरुः (B) स्वर्णकाकः
(C) लौहतुला (D) प्रत्यभिज्ञानम्

स्रोत–

198. (D) 199. (A) 200. (B) 201. (D) 202. (B) 203. (D) 204. (C) 205. (C) 206. (C) 207. (A) 208. (B) 209. (D) 210. (B)

211. अर्वाचीनकविः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011
(A) श्रीहर्षः (B) देवर्षिनारदः
(C) देवर्षिकलानाथशास्त्री (D) जयदेवः
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), पेज–466

212. वीरभूमिकाव्यस्य रचयितास्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011
(A) भट्टनायकः (B) पं० शोभालालशास्त्री
(C) पं० पद्मशास्त्री (D) भारविः
स्रोत–

213. 'उपदेशशतकम्' कः विरचितवान्– DSSSB PGT–2014
(A) कालिदासः (B) गुमानिकविः
(C) बाणः (D) मयूरः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-566

214. 'उज्ज्वलनीलमणि' किस आचार्य की रचना है? UGC (H) D–2008
(A) मधुसूदनसरस्वती (B) रूपगोस्वामी
(C) रामानन्द (D) रामानुजाचार्य
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-588,589

215. रूपगोस्वामी की रचना है? UGC 73 J–2016
(A) नाट्यदर्पणः (B) शृङ्गारप्रकाशः
(C) रसार्णवसुधाकरः (D) उज्ज्वलनीलमणिः
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-588,589

216. निम्नलिखित में से कौन-सी एक रचना कालिदास की नहीं है? UP PGT (H)–2004
(A) मेघदूतम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) रघुवंशम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

217. मिलान कीजिये– UP TGT (H)–2004

कृति	लेखक
(क) दशकुमारचरितम्	1. श्रीहर्ष
(ख) नैषधीयचरितम्	2. भवभूति
(ग) उत्तररामचरितम्	3. दण्डी

	क	ख	ग
(A)	1	2	3
(B)	3	2	1
(C)	3	1	2
(D)	2	1	3

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-466, 221, 395

218. मिलान कीजिये– UP TGT (H)–2005

(अ) कालिदास	1. दशकुमारचरितम्
(ब) माघ	2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(स) भवभूति	3. शिशुपालवधम्
(द) दण्डी	4. उत्तररामचरितम्

	अ	ब	स	द
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	2	3	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-138, ब-199, स-395, द-466

219. सूची I से सूची II से मिलान कीजिये– UP TGT (H)–2010, UP PGT (H)–2009

(अ) कालिदास	1. ऋतुसंहारम्
(ब) भवभूति	2. दशकुमारचरितम्
(स) दण्डी	3. नैषधीयचरितम्
(द) बाणभट्ट	4. उत्तररामचरितम्
(य) श्रीहर्ष	5. कादम्बरी

	अ	ब	स	द	य
(A)	1	4	2	5	3
(B)	2	3	4	5	1
(C)	3	4	3	2	5
(D)	4	1	5	3	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-138, ब-395, स-466, द-490, य-223

220. 'जातकमाला' किसकी रचना है? BHU AET–2011
(A) अश्वघोष (B) कुमारलात
(C) आर्यशूर (D) जिनभद्र
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

221. जातिप्रथा की तीव्र आलोचना करने वाला ग्रन्थ 'वज्रसूची' के रचयिता हैं– MP PSC–1997
(A) याज्ञवल्क्य (B) अश्वघोष
(C) गार्गी (D) नागार्जुन
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-229

211. (C) 212. (B) 213. (B) 214. (B) 215. (D) 216. (B) 217. (C) 218. (B) 219. (A) 220. (C) 221. (B)

222. समुद्रगुप्त के 'प्रयागस्तम्भ अभिलेख' का रचयिता कौन है? MP PSC–1997, MP PSC–1999, 2005

(A) हरिषेण (B) रविकीर्ति
(C) कालिदास (D) वात्स्यायन

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-254

223. कौटिल्य लेखक हैं? MP PSC – 2003

(A) राजतरंगिणी के (B) अर्थशास्त्र के
(C) कादम्बरी के (D) अष्टाध्यायी के

स्रोत–संस्कत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-611

224. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना कालिदास की नहीं है? MP PSC–1999

(A) ऋतुसंहारम् (B) रघुवंशम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) कादम्बरी

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-138

225. 'योगवाशिष्ठ' का फारसी अनुवाद किसने किया था? MP PSC–2008

(A) अलबरूनी (B) फैजी
(C) नामदेव (D) दाराशिकोह

स्रोत–गूगल सर्च

226. 'पत्रदूतम्' के रचयिता हैं? BHU MET–2015

(A) रुद्रदेव त्रिपाठी (B) पट्टाभिराम शास्त्री
(C) गौरीनाथ शास्त्री (D) बटुकनाथ शास्त्री

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), पेज–194,360

227. निम्नलिखित में से युग्म सुमेलित नहीं है– MP PSC–2008

(A) बुद्धचरित – अश्वघोष
(B) बृहत्संहिता – आर्यभट्ट
(C) मृच्छकटिक – शूद्रक
(D) शिलाप्पादिकारम् – इलांगो अडिगल

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-605

228. विश्वेश्वर पण्डित की रचना है– BHU MET–2015

(A) रसतरङ्गिणी (B) चित्रमीमांसा
(C) काव्यरत्नम् (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथपाण्डेय, पेज–180

229. 'सत्याग्रहगीता' कस्य कृतिः– AWES TGT–2009

(A) महात्मागाँधी (B) मथुराप्रसाददीक्षितः
(C) लोकमान्यतिलकः (D) पण्डिताक्षमारावः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–414

230. केन लिखितम् 'कुम्भशतकम्'? AWES TGT–2009

(A) रामजी उपाध्याय (B) बलदेव उपाध्याय
(C) शिवजी उपाध्याय (D) रमाकान्त उपाध्याय

स्रोत–

231. निम्नलिखित युग्मों में कौन एक सुमेलित नहीं है– UP PCS–2012

(A) कर्पूरमञ्जरी–हर्ष (B) मालविकाग्निमित्र–कालिदास
(C) मुद्राराक्षस–विशाखदत्त (D) सौन्दरनन्द–अश्वघोष

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-433

232. निम्नलिखित में से सही सुमेलित कीजिये–IAS–1998

1. मृच्छकटिकम् – शूद्रक
2. बुद्धचरितम् – वसुबन्धु
3. मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त
4. हर्षचरितम् – बाणभट्ट

(A) 1, 2 और 4 (B) 1, 3 और 4
(C) 1 और 4 (D) 2 और 3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-300, 167, 354, 490

233. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये– IAS–1997

(अ) वराहमिहिर	**1. प्रबन्धचिन्तामणि**
(ब) विशाखदत्त	**2. मृच्छकटिकम्**
(स) शूद्रक	**3. बृहत्संहिता**
(द) बिल्हण	**4. देवीचन्द्रगुप्तम्**
	5. विक्रमाङ्कदेवचरितम्

	अ	ब	स	द
(A)	3	4	5	2
(B)	3	4	2	5
(C)	5	3	4	1
(D)	1	3	5	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-अ-605, ब-502 स-490, द-310

222. (A) 223. (B) 224. (D) 225. (D) 226. (A) 227. (B) 228. (C) 229. (D) 230. (*) 231. (A) 232. (B) 233. (B)

234. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत– UGC 25 J–2015

(अ) उत्तररामचरितम् 1. भासः
(ब) बुद्धचरितम् 2. भवभूतिः
(स) वेणीसंहारम् 3. भट्टनायकः
(द) स्वप्नवासवदत्तम् 4. अश्वघोषः

	अ	ब	स	द
(A)	2	4	3	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	2	3	4	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-395, ब-168, स-381, द-275

235. मिलान कीजिये– UP PGT (H)–2004

(अ) कालिदास 1. मालतीमाधवम्
(ब) भवभूति 2. दशकुमारचरितम्
(स) दण्डी 3. नैषधीयचरितम्
(द) श्रीहर्ष 4. मालविकाग्निमित्रम्

	अ	ब	स	द
(A)	2	1	4	3
(B)	3	2	4	1
(C)	4	1	2	3
(D)	1	3	2	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-138, ब-395, स-466, द-223

236. सुमेलित कीजिये– UP PGT (H)–2005

(अ) कालिदास 1. स्वप्नवासवदत्ता
(ब) भास 2. मेघदूत
(स) मम्मट 3. साहित्यदर्पण
(द) विश्वनाथ 4. काव्यप्रकाश

	अ	ब	स	द
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज- अ-138, ब-275

237. 'स्वर्गारोहण' किसकी रचना है? UP PGT–2002, 2004

(A) पतञ्जलि (B) वररुचि
(C) पाणिनि (D) बाणभट्ट

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-254

238. अनार्कली इति नाटकं रचितवान् – CVVET–2017

(A) कालूरिहनुमन्तरावः (B) वेंकटराघवः
(C) श्रीभाष्यं विजयसारथिः (D) नीलकण्ठदीक्षितः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-555

239. सूची-I सूची-II सुमेलित कीजिए– BPSC–1995

(A) नागानन्द 1. बाणभट्ट
(B) हर्षचरित 2. हर्षवर्धन
(C) तुगलकनामा 3. अमीरखुसरो
(D) ता-उल-मो 4. राजाराममोहनराय
5. अब्देमलिक इसासी
6. दीनबन्धु मिश्र

	A	B	C	D	E
(A)	1	2	3	4	6
(B)	1	5	3	4	6
(C)	2	1	3	5	6
(D)	2	1	3	4	6

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 365, 490

240. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) कविताकामिन्याः भासो हासो वर्तते।
(ख) चारुदत्तम् इत्यस्य काव्यस्य कर्ता शूद्रकोऽस्ति।
(ग) 'न हि शक्या हि स्त्रियो रोद्धुं प्रस्थिता दयितं प्रति' इत्येतद्वाक्यं शकुन्तलायाः वर्तते।
(घ) 'बुद्धचरितम्' इति काव्यम् अश्वघोषेण विरचितम्।

(A) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्
(B) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-276, 167

234. (A) 235. (C) 236. (A) 237. (B) 238. (B) 239. (D) 240. (C)

241. कल्पतरुपरिमलस्य प्रणेता कः? KL SET–2016

(A) अमलानन्दः (B) अप्पय्यदीक्षितः
(C) प्रकाशात्मयतिः (D) वाचस्पतिमिश्रः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा, 'ऋषि', पेज–589

242. कुलशेखरस्य काव्यं किम्– KL-SET–2015

(A) रुद्राक्षमाला (B) मुकुन्दमाला
(C) द्राक्षामाला (D) मुक्तकमाला

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-562

243. पाञ्चाली-स्वयंवरचम्पूकाव्यस्य कर्ता कः? KL-SET–2015

(A) नारायणभट्टः (B) रामचन्द्रः
(C) भोजः (D) चक्रकविः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-420

244. केरलाभरणाचम्पूः कस्य रचना? KL-SET–2015

(A) राघवाचार्यस्य (B) वेंकटाचार्यस्य
(C) रामचन्द्रदीक्षितस्य (D) श्रीकृष्णस्य

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-5), पेज-141

245. वासुदेवस्य काव्यं भवति– KL-SET–2015

(A) युधिष्ठिरविजयम् (B) हरविजयम्
(C) चन्द्रविजयम् (D) रघुविजयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–255

246. 'वाल्मीकिहृदयम्' टीका के रचयिता कौन हैं? UGC 73 D–2015

(A) अहोबल-आत्रेयः (B) माधवयोगी
(C) वैद्यनाथदीक्षितः (D) लोकनाथः चक्रवर्ती

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-143

247. 'लक्षाभरण' नामक टीका के रचयिता कौन हैं? UGC 73 D–2015

(A) नारायणः, वादिराजः (B) नीलकण्ठः
(C) अर्जुनमिश्रः (D) विमलबोधः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-157

248. पद्मगुप्तपरिमलस्य कृतिः– CVVET–2015

(A) गउडवहो (B) विक्रमाङ्कदेवचरितम्
(C) नवसाहसाङ्कचरितम् (D) पातालविजयम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज-258

249. भागवतसाररूपस्य नारायणीयस्य प्रणेता– CVVET–2015

(A) सोमेश्वरः (B) भट्टनारायणः
(C) हेमचन्द्रः (D) नारायणभट्टः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-565

250. रामायणमञ्जर्याः रचयिता– CVVET–2015

(A) क्षेमेन्द्रः (B) परीक्षितशर्मा
(C) अभिराजराजेन्द्रमिश्रः (D) कल्हणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

251. नलाभ्युदयकाव्यस्य कर्ता– CVVET–2015

(A) राजचूडामणिदीक्षितः (B) अमरचन्द्रसूरिः
(C) कृष्णदासकविराजः (D) वामनभट्टबाणः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 255

252. कण्ठाभरणकाव्य-कर्ता– CVVET–2015

(A) पाणिनिः (B) वररुचिः
(C) पतञ्जलिः (D) भवभूतिः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–195

253. कप्पणाभ्युदयकाव्य-प्रणेता– CVVET–2015

(A) रत्नाकरः (B) गुणाढ्यः
(C) शिवस्वामी (D) क्षेमेन्द्रः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-260

254. समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2015

(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् **(i) उत्तररामचरितम्**
(ख) तीर्थोदकञ्च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः **(ii) श्रीहर्षो निपुणः कविः**
(ग) रत्नावली **(iii) हर्षचरितम्**
(घ) परिवर्तमानः एकः कालः शैलनिवानन्तः **(iv) श्रद्धावित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत् समागतम्**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत–(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी (7/29), पेज-441 (B) उत्तररामचरितम्- कपिलदेव द्विवेदी (1/13), पेज-27 (C) रत्नावली, श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-7, (D) हर्षचरितम् (5/2)

241. (B) 242. (B) 243. (A) 244. (C) 245. (A) 246. (A) 247. (A) 248. (C) 249. (D) 250. (A) 251. (D) 252. (B) 253. (C) 254. (A)

255. निम्नलिखित को क्रमानुसार लिखिए और निम्न कूट में से सही उत्तर चुनिये– UGC 06 J–2010

(1) मालविकाग्निमित्रम् (2) हर्षचरितम्

(3) अष्टाध्यायी (4) राजतरंगिणी

(A)	2	3	4	1
(B)	3	2	1	4
(C)	4	2	1	3
(D)	3	1	2	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-A-201, B-394, C-558, D-320

256. सुमेलित कीजिये– UGC 06 D–2009

(क) त्रिरत्न (1) बौद्ध धर्म

(ख) जातक (2) जैन धर्म

(ग) मुद्राराक्षस (3) सोमदेव

(घ) कथासरित्सागर (4) विशाखदत्त

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	4	1
(B)	2	1	3	4
(C)	4	2	1	3
(D)	2	1	4	3

स्रोत–क- भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-159, ग- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी, पेज-354, घ-586, ख-590

257. सुमेलित कीजिये– UGC 06 J–2009

(क) इण्डिका (1) बाणभट्ट

(ख) हर्षचरित (2) चन्दरबरदाई

(ग) पृथ्वीराजरासो (3) मेगस्थनीज

(घ) राजतरंगिणी (4) कल्हण

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	3	1	2	4
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, ख-491 घ- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-313

258. निम्नलिखित को अनुवर्ती क्रम में रखें और दिये गये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करें– UGC 06 J–2008

(1) रामायण (2) सामवेद

(3) अष्टाध्यायी (4) महाभारत

(A)	1	4	3	2
(B)	2	3	1	4
(C)	3	1	2	4
(D)	4	2	1	3

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–52, 93, 122, 148

259. सुमेलित कीजिये– UGC 06 D–2007

लेखक ग्रन्थ

(क) भारवि (1) बुद्धचरितम्

(ख) अश्वघोष (2) किरातार्जुनीयम्

(ग) वराहमिहिर (3) राजतरंगिणी

(घ) कल्हण (4) बृहत्संहिता

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	1	2

संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-क-180, ख-167 ग- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-605 घ-313

260. सुमेलित कीजिये– UGC 06 J–2005

(क) हर्ष 1. हर्षचरित

(ख) विज्ञानेश्वर 2. समरांगण सूत्रधार

(ग) भोज 3. प्रियदर्शिका

(घ) बाण 4. मिताक्षरा

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	4	3
(B)	3	2	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समी. इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-365, घ-489, ख- संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-608

255. (D) 256. (D) 257. (B) 258. (B) 259. (B) 260. (C)

261. सुमेलित कीजिये– **UGC 06 D–2004**

(क) दण्डी — 1. गउडवहो
(ख) वाक्पति — 2. बुद्धचरित
(ग) अश्वघोष — 3. कर्पूरमञ्जरी
(घ) राजशेखर — 4. दशकुमारचरित

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	2	3	4	1
(C)	1	3	4	2
(D)	3	2	4	1

स्रोत– संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास कपिलदेव द्विवेदी, पेज- क-466, ख-254, ग-167, घ-433

262. सुमेलित कीजिये– **UGC 06 D–2011**

(क) गीतगोविन्द — 1. बिल्हण
(ख) परिशिष्टपर्वम् — 2. सोमदेव
(ग) कथासरित्सागर — 3. हेमचन्द्र
(घ) विक्रमांकदेवचरित — 4. जयदेव

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	4	2	1
(D)	2	3	4	1

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-क-548, ग-संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-586, घ-310

263. 'मत्तविलासः' कृति किस श्रेणी में आती है? **UGC 73 J–2016**

(A) गीतिकाव्ये (B) शोककाव्ये
(C) शृङ्गारकाव्ये (D) प्रहसने

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-548

264. 'कृष्णाविलासकाव्यस्य' कर्ता कः? KL SET–2015

(A) सुकुमारकविः (B) नारायणकविः
(C) वासुदेवकविः (D) श्रीकृष्णकविः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-4)-बलदेव उपाध्याय, पेज-559

261. (A) 262. (B) 263. (D) 264. (A)

28 काव्यशास्त्रीय/विविध ग्रन्थ

1. आचार्य भरतकृतो ग्रन्थोऽस्ति BHU AET– 2010
(A) काव्यशास्त्रम् (B) नाट्यशास्त्रम्
(C) अर्थशास्त्रम् (D) राजशास्त्रम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-577

2. (i) रससम्प्रदायस्य प्रवर्तकः कः –
(ii) रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य हैं–
BHU AET– 2010, UP PGT– 2004
(A) भामहः (B) क्षेमेन्द्रः
(C) विश्वनाथः (D) भरतः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-591

3. आचार्य जयदेवकृतो ग्रन्थोऽस्ति BHU AET– 2010
(A) ध्वन्यालोकः (B) चन्द्रालोकः
(C) काव्यालोकः (D) सहृदयालोकः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-586

4. (i) 'वक्रोक्तिजीवितम्' इति ग्रन्थः केन लिखितः?
(ii) वक्रोक्तिजीवितस्य कर्ता कः?
BHU AET– 2010, UGC 73D– 1994
(A) कुन्तकेन (B) रुद्रटेन
(C) महिमभट्टेन (D) वामनेन
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-595

5. ध्वन्यालोकाभिधानं कः ससर्ज ग्रन्थमुत्तमम्?
BHU AET– 2012
(A) भामहः (B) वामनः
(C) दण्डी (D) आनन्दवर्धनः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-580

6. काव्यलक्षणमुद्दिश्य विश्वनाथेन धीमता
को नाम रचितो ग्रन्थः समुदाहर साम्प्रतम्॥
BHU AET– 2012
(A) दशरूपकम् (B) साहित्यदर्पणः
(C) काव्यप्रकाशः (D) काव्यमीमांसा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-587

7. (i) 'रसगङ्गाधर' के रचयिता कौन हैं?
(ii) रसगङ्गाधरग्रन्थकर्तुर्नामाभिधीयताम् –
(iii) रसगङ्गाधर किसका ग्रन्थ है?
BHU AET– 2012, UGC (H) D– 2011, J-2012
(A) आनन्दवर्धनः (B) पण्डितराजजगन्नाथः
(C) कविराजविश्वनाथः (D) राजानकरुय्यकः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-589, 590

8. (i) 'ध्वन्यालोक' किसकी कृति है?
(ii) 'ध्वन्यालोक' किसकी रचना है?
UP PGT– 2002, BHU MET– 2009, 2013
(A) रुद्रट (B) राजशेखर
(C) अभिनवगुप्त (D) आनन्दवर्धन
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-580

9. (i) साहित्यदर्पण के रचयिता कौन हैं? UP PGT– 2003,
(ii) साहित्यदर्पण किसकी रचना है– 2013,
(iii) साहित्यदर्पण के प्रणेता हैं– UGC 25 D–2004,
UGC 25 D–2003, BHU B.Ed–2013
(A) पं. जगन्नाथ (B) राजशेखर
(C) मम्मट (D) आचार्य विश्वनाथ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-587

10. (i) नाट्यशास्त्र किसकी रचना है? BHU MET–2012,
(ii) नाट्यशास्त्रस्य रचयिता कोऽस्ति? UP PGT–2003,
(iii) नाट्यशास्त्र के रचयिता हैं? BHU AET–2012,
(iv) नाट्यशास्त्र के लेखक हैं– T SET–2014
(v) मुनिः किमभिधानोऽसौ नाट्यशास्त्रं चकार यः–
(vi) नाट्यशास्त्र के प्रणेता कौन हैं?
(vii) नाट्यशास्त्र की रचना किसने की?
(A) मम्मट (B) माधवाचार्य
(C) भरत (D) रुय्यक
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-577

1. (B)	**2. (D)**	**3. (B)**	**4. (A)**	**5. (D)**	**6. (B)**	**7. (B)**	**8. (D)**	**9. (D)**	**10. (C)**

11. (i) नाट्यशास्त्र के प्रवर्तक हैं– UP PGT– 2004,
(ii) नाट्यशास्त्र के प्रणेता हैं? UP TGT– 2005, BHU MET– 2008, 2009, 2011, 2013, UGC 25 J–2004, UGC 73 J - 1992, UPTET– 2014, UP PGT (H) 2009
(A) धनञ्जय (B) रामचन्द्र गुणचन्द्र
(C) भरतमुनि (D) विश्वनाथ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-577

12. 'काव्यालङ्कारसारसंग्रहस्य:' कर्ता कः? JNU MET–2015
(A) भामहः (B) रुद्रटः
(C) उद्भटः (D) मुकुलभट्टः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू० पेज-43

13. (i) 'व्यक्तिविवेक' के रचनाकार हैं– UP PGT– 2005,
(ii) 'व्यक्तिविवेको' विरचितः – UGC - 73 J–2014
(A) भोजराज (B) धनञ्जय
(C) क्षेमेन्द्र (D) महिमभट्ट
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-582

14. (i) काव्यादर्श के रचयिता हैं– UGC - 25 J- 2005
(ii) काव्यादर्शकारः कः? UGC - 73 J - 2015,
(iii) काव्यादर्श के रचनाकार हैं? UPTET– 2014
(iv) काव्यादर्श के रचनाकार निम्नलिखित में से कौन हैं? UP PGT (H)– 2005, BHU MET - 2010, RPSC ग्रेड-I (TGT)– 2010
(A) रुद्रटः (B) वामनः
(C) दण्डी (D) राजशेखरः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

15. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिकारः कः? UGC - 25 D – 2005
(A) भामहः (B) वामनः
(C) दण्डी (D) रुद्रटः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-579

16. नाट्यशास्त्रस्य ''अभिनवभारती'' इति व्याख्यायाः कर्ता कः? UGC 25 J– 2012
(A) आनन्दवर्धनः (B) भरतः
(C) अभिनवगुप्तः (D) धनञ्जयः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-582

17. जगन्नाथ की कृति है? UGC– 73 D– 1992
(A) काव्यादर्श (B) रसगङ्गाधर
(C) छन्दशास्त्र (D) साहित्यदर्पण
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-589, 590

18. पण्डितराज जगन्नाथ किसके लेखक नहीं हैं? BHU MET–2016
(A) आसफविलास (B) गङ्गालहरी
(C) रसगङ्गाधर (D) सौन्दर्यलहरी
संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास-राजवंश सहाय 'हीरा', पेज-229, 230

19. सरस्वतीकण्ठाभरणस्य कर्ता अस्ति– KL SET–2014
(A) कालिदासः (B) भासः
(C) भोजः (D) सुबन्धुः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-582

20. (i) विश्वनाथ की कृति है–
(ii) विश्वनाथ लेखक हैं- UGC - 73 D– 1994, 1996
(A) काव्यादर्श (B) साहित्यदर्पण
(C) काव्यप्रकाश (D) चन्द्रालोक
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-587

21. भामह की रचना है– UGC 73 D– 1997
(A) काव्यप्रकाशः (B) ध्वन्यालोकः
(C) काव्यालङ्कारः (D) काव्यालङ्कारकारिका
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

22. (i) दण्डी-रचित ग्रन्थ है–
(ii) दण्डी द्वारा लिखित ग्रन्थ कौन है?
(iii) महाकवि दण्डी ने किस ग्रन्थ को लिखा है? UGC 73 J– 1999, BHU MET– 2011, 2012
(A) काव्यप्रकाश (B) काव्यालङ्कार
(C) काव्यादर्श (D) काव्यकौमुदी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

23. महिमभट्ट रचित ग्रन्थ है– UGC 73 J– 1998
(A) काव्यालङ्कारः (B) काव्यप्रकाशः
(C) व्यक्तिविवेकः (D) साहित्यदर्पणः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-582

11. (C)	12. (C)	13. (D)	14. (C)	15. (B)	16. (C)	17. (B)	18. (D)	19. (C)	20. (B)
21. (C)	22. (C)	23. (C)							

24. (i) रससूत्र के प्रतिपादक हैं– UGC 73 D–2006,
(ii) रससूत्रस्य कर्ता – 2011
(A) अभिनवगुप्तः (B) भट्टनायकः
(C) लोल्लटः (D) भरतमुनिः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-591

25. साहित्यदर्पण किस प्रकार की रचना है? BHU MET–2009
(A) धर्मग्रन्थ (B) लक्षणग्रन्थ
(C) नाटकग्रन्थ (D) आख्यायिका
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-587

26. कौन सा योग सही नहीं है– BHU MET–2009
(A) मम्मट – काव्यप्रकाश (B) विश्वनाथ – साहित्यदर्पण
(C) भरतमुनि – रसगङ्गाधर (D) जयदेव – चन्द्रालोक
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-590

27. रसगङ्गाधर किस प्रकार का ग्रन्थ है? BHU MET–2011
(A) महाकाव्य (B) लक्षणग्रन्थ
(C) नाटक (D) गीतिकाव्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-590

28. कुवलयानन्द के रचयिता हैं– BHU MET–2014
(A) अप्पयदीक्षित (B) वाचस्पतिमिश्र
(C) कृष्णसुधी (D) विष्णुशर्मा
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-589

29. 'चित्रमीमांसा' कस्य शास्त्रसम्बद्धः ग्रन्थः? JNU MET–2015
(A) धर्मशास्त्रम् (B) मीमांसाशास्त्रम्
(C) अलङ्कारशास्त्रम् (D) चित्रलेखशास्त्रम्
स्रोत– संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, पेज-269

30. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–GJ SET–2008
(क) भरतस्य 1. औचित्यसम्प्रदायः
(ख) वामनस्य 2. ध्वनिसम्प्रदायः
(ग) आनन्दवर्धनस्य 3. रीतिसम्प्रदायः
(घ) क्षेमेन्द्रस्य 4. रससम्प्रदायः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	2	1
(D)	1	3	4	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज- क-591, ख-592, ग-594, घ-596

31. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– WB SET–2010
(क) शब्दशक्तिः 1. उत्साहः
(ख) तर्कभाषा 2. अभिधा
(ग) वीरः 3. प्रकरणम्
(घ) रूपकम् 4. केशवमिश्रः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	4	1	3
(D)	3	2	4	1

स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्रामशास्त्री, पेज क-26 घ-170
ख- तर्कभाषा- गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-2
ग- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

32. 'प्रतापरुद्रयशोभूषण' के रचनाकार हैं– BHU MET–2014
(A) गुणाढ्य (B) क्षेमेन्द्र
(C) विद्यानाथ (D) विद्याधर
संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-154

33. 'औचित्यविचारचर्चा'' के रचयिता हैं– BHU - MET–2014
(A) मम्मट (B) जगन्नाथ
(C) दण्डी (D) क्षेमेन्द्र
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-596

34. (i) काव्यालङ्कारस्य लेखकः – MPPSC – 2003
(ii) काव्यालङ्कार किसकी रचना है?
(iii) काव्यालङ्कार के रचयिता–
AWES - TGT–2010, JNU - MET–2014, UP PGT–2004, UGC (H) J–2011
(A) महिमभट्ट (B) उद्भटः
(C) जैयटः (D) भामहः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

35. राजशेखरस्य कृतिः का? DSSSB - TGT, DSSSB PGT–2014
(A) सौन्दर्यमीमांसा (B) काव्यमीमांसा
(C) चित्रमीमांसा (D) साहित्यमीमांसा
संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-81

24. (D) 25. (B) 26. (C) 27. (B) 28. (A) 29. (C) 30. (C) 31. (C) 32. (C) 33. (D) 34. (D) 35. (B)

36. निम्नलिखित में से हेमचन्द्र की रचना कौन सी है? UGC 73 J–2016

(A) काव्यमीमांसा (B) काव्यानुशासनम्
(C) कविकण्ठाभरणम् (D) काव्यनिर्णयः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-144

37. अलङ्कारशेखरः केन कृतः– JNU - MET– 2014

(A) रुय्यकेन (B) विद्यानाथेन
(C) विद्याधरेण (D) केशवमिश्रेण

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-167

38. सुमेलयतु– JNU MET– 2014

ग्रन्थः	रचनाकारः
1. अभिनवभारती	(क) भरतमुनिः
2. काव्यप्रकाशः	(ख) रुय्यकः
3. नाट्यशास्त्रम्	(ग) अभिनवगुप्तपादाचार्यः
4. अलङ्कारसर्वस्वम्	(घ) मम्मटाचार्यः

(A)	1. ग	2. घ	3. ख	4. क
(B)	1. क	2. ख	3. ग	4. घ
(C)	1. घ	2. ग	3. ख	4. क
(D)	1. ग	2. घ	3. क	4. ख

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज- (1)-98 (2)-120 (3)-2 (4)-136

39. 'काव्यमीमांसा' के लेखक हैं– DL (H)– 2015, UP PGT (H) – 2004

(A) रुद्रट (B) भामह
(C) राजशेखर (D) दण्डी

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-81

40. दण्डी के काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ का नाम है? UP TGT (H)– 2010

(A) प्रतिदर्श (B) काव्यशास्त्र
(C) काव्यादर्श (D) भाषादर्श

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

41. 'रसमञ्जरी' केन विरचिताऽस्ति? BHU AET– 2010

(A) शिङ्गभूपालेन (B) भानुदत्तेन
(C) कर्णपूरेण (D) विश्वेश्वरपण्डितेन

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-159

42. "अलंकारसुधानिधिकर्ता" अस्ति? UGC 73 (D)– 2014

(A) भट्टभास्करः (B) जगन्नाथः
(C) मम्मटः (D) सायणः

स्रोत–

43. निम्नलिखित आलोचना ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) J–2013

(क) शृङ्गारप्रकाश	(i) महिमभट्ट
(ख) व्यक्तिविवेक	(ii) अप्पयदीक्षित
(ग) चित्रमीमांसा	(iii) भोज
(घ) रसमञ्जरी	(iv) रुद्रभट्ट
	(v) भानुदत्त

कूट :	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज- (A)-106, (B)-103, (C)-169, (D)-159

44. कालक्रमानुसार ग्रन्थों का सही अनुक्रम है– UGC (H) J– 2011

(A) काव्यशास्त्र, दशरूपक, काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र
(B) नाट्यशास्त्र, काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, दशरूपक, काव्यप्रकाश
(C) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र, काव्यप्रकाश, दशरूपक
(D) दशरूपक, काव्यप्रकाश, काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहासस - अमरनाथ पाण्डेय,पेज- 2, 26, 99, 120

45. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) D– 2010

(अ) ध्वन्यालोक	(i) मम्मट
(ब) काव्यालङ्कार	(ii) आनन्दवर्धन
(स) काव्यप्रकाश	(iii) भामह
(द) काव्यानुशासन	(iv) हेमचन्द्र

	अ	ब	स	द
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज- अ-41, ब-8 स-120 द-144

36. (B) 37. (D) 38. (D) 39. (C) 40. (C) 41. (B) 42. (A) 43. (A) 44. (B) 45. (A)

46. निम्नलिखित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों को सुमेलित कीजिए– UGC (H) J–2009

(अ) रसगङ्गाधर (i) मम्मट
(ब) साहित्यदर्पण (ii) आनन्दवर्धन
(स) काव्यप्रकाश (iii) विश्वनाथ
(द) वक्रोक्तिजीवितम् (iv) कुन्तक
(v) पण्डितराज जगन्नाथ

	अ	ब	स	द
(A)	v	iii	i	iv
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	v	i	ii	iii
(D)	iii	ii	i	v

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-अ-174, ब-157,स-120, द-88

47. भामहः कस्य सम्प्रदायस्य आचार्यः? JNU MET–2015
(A) औचित्यसम्प्रदायस्य (B) रससम्प्रदायस्य
(C) अलङ्कारसम्प्रदायस्य (D) ध्वनिसम्प्रदायस्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-592

48. रीति सम्प्रदाय से सम्बन्धित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ है– UP PGT (H)–2005
(A) काव्यालङ्कारसूत्र (B) काव्यालङ्कार
(C) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति (D) काव्यादर्श
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-592

49. (i) अलङ्कारसम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं?
(ii) अलंकारसम्प्रदायस्य प्रवर्तकः –AWES TGT–2011
(iii) अलङ्कारसम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य हैं? UGC (H) J–2013, UP PGT–2002, 2003 UP TGT–2002, H TET–2015
(A) आचार्यभामहः (B) आचार्यदण्डी
(C) आचार्यवामनः (D) आचार्यः आनन्दवर्धनः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-592

50. जयदेवः कस्य ग्रन्थस्य प्रणेता? BHU Sh.ET–2013
(A) दशरूपकम् (B) चन्द्रालोकः
(C) काव्यानुशासनम् (D) औचित्यविचारचर्चा
संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-148

51. काव्यालङ्कारे श्लोकसंख्या अस्ति– BHU Sh.ET–2003
(A) 500 (B) 400
(C) 425 (D) 300
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

52. इन ग्रन्थों का काल के आधार पर सही अनुक्रम कौन सा है– UGC (H) D - 2013
(A) काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यप्रकाश, साहित्यदर्पण
(B) ध्वन्यालोक, काव्यप्रकाश, साहित्यदर्पण, काव्यादर्श
(C) काव्यप्रकाश, साहित्यदर्पण, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक
(D) साहित्यदर्पण, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यप्रकाश
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578, 580,584, 587

53. रुद्रट द्वारा लिखित अलङ्कार ग्रन्थ का नाम है– UGC 73 J-2015
(A) काव्यालङ्कार (B) अलङ्कारसूत्रम्
(C) अलङ्कारसर्वस्वम् (D) रसालङ्कारः
संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-36

54. (i) गणित की पुस्तक ''लीलावती'' के लेखक हैं–
(ii) लीलावती के रचनाकार कौन हैं?
(iii) 'लीलावती' ग्रन्थस्य कर्ता कः अस्ति–
(iv) 'लीलावती' की रचना किसने की?
(v) 'लीलावती'-कारः अस्ति– UK PCS–2009,
(vi) लीलावती केन रचिता? UGC 73D–1994, 1996, 2004, 2009, J–1999, 2008, 2013
(A) रामानुज (B) कौटिल्य
(C) अमर्त्यसेन (D) भास्कराचार्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

55. 'ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।' इतीमाम् उक्तिम् आलक्ष्य प्रस्तुतेषु अधोलिखितेषु वाक्येषु एकम् असमीचीनमस्ति? DU M. Phil–2016
(A) इयं विश्वनाथेन प्रतिपादिता
(B) इयं विश्वनाथेन उद्धृता
(C) इयं गुणविषये कस्यचिदाचार्यस्य मतं प्रतिपादयति
(D) इयं साहित्यदर्पणे कस्यचिद् अन्यस्य आचार्यस्य काव्यस्वरूपं निरसितुं प्रयुक्ता
स्रोत–(i) काव्यप्रकाश (8/86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380
(ii) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-15

46. (A)	**47. (C)**	**48. (A)**	**49. (A)**	**50. (B)**	**51. (B)**	**52. (A)**	**53. (A)**	**54. (D)**	**55. (A)**

56. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K SET–2015

(क) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम् 1. भोजराजः
(ख) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् 2. मम्मटः
(ग) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणौ 3. विश्वनाथः
(घ) निर्दोषं गुणवत्काव्यम् 4. कुन्तकः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	1	4
(C)	1	3	2	4
(D)	1	2	3	4

स्रोत– काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–18-25

57. (i) अलङ्कारसर्वस्वकारः– KL SET–2015
(ii) अलङ्कारसर्वस्वम् कस्य कृतिरस्ति– CVVET–2015

(A) भामहः (B) रुय्यकः
(C) रुद्रटः (D) प्रतीहारेन्दुराजः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-136

58. (i) 'बृहत्संहिता' के रचनाकार हैं? BHU MET– 2010,
(ii) बृहत्संहिता के रचयिता कौन हैं? UGC 73D,
(iii) बृहत्संहितायाः कर्ता कः अस्ति? 1996, 1999,
(iv) बृहत्संहितायाः लेखकोऽस्ति। J-2009, D-2012
J-1991, D-1992, BHU AET–2011

(A) आर्यभट्ट (B) वराहमिहिर
(C) भरद्वाज (D) भास्कराचार्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-605

59. (i) ग्रहलाघव के रचयिता हैं–UGC 73 D–1997, 1992
(ii) ग्रहलाघव कृतिरस्ति– BHU AET–2011, 2012
(iii) ग्रहलाघवो लेखकोरस्ति–

(A) गणेशदैवज्ञ (B) रामदैवज्ञ
(C) गणेशकवि (D) पृथुयश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

60. (i) 'मिताक्षरा टीका' है–
(ii) मिताक्षरा नाम की टीका कहाँ मिलती है?
(iii) मिताक्षरा टीका किस स्मृति की है?
UGC 73 D– 1996, J–1998, 1999

(A) गौतमस्मृति की (B) हारीतस्मृति की
(C) याज्ञवल्क्यस्मृति की (D) मनुस्मृति की

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-608

61. वाचस्पत्यम् नामकस्य शब्दकोषस्य प्रणेताऽस्ति– DU M. Phil–2016

(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) तारानाथतर्कवाचस्पतिः
(C) रामनाथतर्कवाचस्पतिः (D) राधाकान्तदेवबहादुरः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-603

62. रचना रचनाकार
(क) चित्रकाव्यकौतुकम् (i) रामकरण शर्मा
(ख) सन्ध्या (ii) श्रीरामचद्रुडुः
(ग) श्रीमत्प्रतापराणायनम् (iii)रामरूपपाठकः
(घ) को वै रसः (iv) आँगेटिपरीक्षितशर्मा
उपर्युक्तानां साहित्याकादमीपुरस्कृतानां रचनानां तद्रचनाकाराणां च समुचितानि युग्मानि कस्मिन् विकल्पे सन्ति– DU M. phil–2016

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	3	1	4	2
(C)	4	2	3	1
(D)	1	3	2	4

स्रोत–(i) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), पेज–115-127
(ii) संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र-अभिराजेन्द्र मिश्र, पेज–359

63. ध्वनिसम्प्रदायस्य प्रवर्तकः – KL SET–2015

(A) राजशेखरः (B) आनन्दवर्धनः
(C) वामनः (D) कुन्तकः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-580

64. 'जातकालङ्कार' के रचयिता हैं– UGC 73 D– 1994

(A) रामदैवज्ञ (B) गणेशकवि
(C) वराहमिहिर (D) गणेशदैवज्ञ

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी- पेज-2

56. (A) 57. (B) 58. (B) 59. (A) 60. (C) 61. (B) 62. (B) 63. (B) 64. (B)

65. (i) 'निर्णयसिन्धु' के कर्ता हैं– UGC 73 D 1996,
(ii) 'निर्णयसिन्धु' के रचयिता हैं– J-1998
(A) कमलाकर (B) कुमारिल
(C) प्रभाकर (D) शङ्कर
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-609

66. मनुस्मृति के टीकाकार हैं– UGC 73 D–1996
(A) उव्वट (B) कैयट
(C) महिमभट्ट (D) कुल्लूकभट्ट
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-607

67. (i) सारावलीकारः विद्यते– UGC 73 J–1998,
(ii) सारावली की रचना इन्होंने की–BHU-AET–2011
(A) वराहमिहिरः (B) भट्टोत्पलः
(C) कल्याणवर्मा (D) ढुण्ढिराजः
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-1

68. 'सिद्धान्तशिरोमणिकार' हैं– UGC 73 D–1999
(A) गणेश (B) कमलाकर
(C) भास्कर (D) रामदैवज्ञ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

69. मन्दारमञ्जरी' ग्रन्थ के रचयिता हैं–UGC 73 D–2007
(A) सायणाचार्यः (B) वेदान्तदेशिकः
(C) राघवेन्द्रतीर्थः (D) व्यासतीर्थः
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज–391

70. 'बृहती' इत्याख्य ग्रन्थस्य कर्ता– UGC 73 D–2011
(A) प्रभाकरः (B) कुमारिलः
(C) मण्डनमिश्रः (D) शालिकनाथः
स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, भू0 पेज-9

71. (i) वेदाङ्गज्योतिषग्रन्थस्य रचनां कः कृतवान्?
(ii) वेदाङ्गज्योतिषस्य प्रणेता वर्तते?
(iii) 'वेदाङ्गज्योतिषम्' लिखितम्?
BHU AET–2010, 2012, 2011
(A) पाणिनिः (B) भास्कराचार्यः
(C) सीताराम झा (D) लगधः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-95

72. 'पञ्चसिद्धान्तिका' ग्रन्थ के प्रणेता हैं–
BHU MET–2012
(A) वराहमिहिर (B) वाचस्पतिमिश्र
(C) कालिदास (D) श्रीहर्ष
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी- पेज-1

73. (i) 'मिताक्षरा' के लेखक हैं– BHU MET–2013, 2014,
(i) मिताक्षरायाः कर्ता कः? UGC–73, J–2006,
MP PSC–2000
(A) भवभूति (B) भरत
(C) विज्ञानेश्वर (D) मम्मट
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-608

74. 'चतुर्वर्गचिन्तामणि' के लेखक का नाम है?
BHU MET–2014
(A) धर्मेश्वर (B) रघुनाथभट्ट
(C) हेमाद्रि (D) शूलपाणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-609

75. 'धर्मकोश' के लेखक हैं– BHU MET–2014
(A) त्रिलोचन मिश्र (B) अनन्तदेव
(C) श्रीदत्त (D) रघुनन्दन
स्रोत–

76. ''भारतीय भाषाचिन्तन'' के रचयिता हैं–
BHU MET–2014
(A) डॉ. भोलानाथ तिवारी (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) पं. रामप्रसाद त्रिपाठी (D) रामविलास शर्मा
स्रोत–

77. `An Introduction to Comparative Philasophy' के लेखक है? BHU MET–2014
(A) पी.डी. गुणे (B) जेम्पर्सन
(C) ब्लूमफील्ड (D) भोलानाथ तिवारी
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–500

78. मीमांसासूत्रकारोऽस्ति– UGC 73 J–2005
(A) व्यासः (B) गौतमः
(C) जैमिनिः (D) कपिलः
स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, भू0 पेज–5

65. (A)	**66. (D)**	**67. (C)**	**68. (C)**	**69. (B)**	**70. (A)**	**71. (D)**	**72. (A)**	**73. (C)**	**74. (C)**
75. (A)	**76. (B)**	**77. (A)**	**78. (C)**						

79. समीचीनां तालिकां चिनुत– WB SET–2010

काव्यलक्षणम्	काव्यलक्षणकर्ता
(क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	1. वामनः
(ख) रीतिरात्मा काव्यस्य	2. विश्वनाथः
(ग) काव्यस्यात्मा ध्वनिः	3. कुन्तकः
(घ) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्	4. आनन्दवर्धनः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	2	1

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–क-27 ख-25 ग-26

80. 'दत्तकमीमांसा' के प्रणेता हैं–
UGC 73 J-2005, D–2012

(A) कुबेरः (B) नन्दपण्डितः
(C) शूलपाणिः (D) प्रतापरुद्रदेवः

स्रोत–

81. (i) 'मन्वर्थमुक्तावली' के रचयिता हैं–
(ii) मन्वर्थमुक्तावल्याः प्रणेताऽस्ति–
UGC 73 J–1998, 2008

(A) मेधातिथिः (B) कुल्लूकः
(C) विज्ञानेश्वरः (D) मनुः

स्रोत–मनुस्मृति-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-1

82. (i) ''सिद्धान्तशिरोमणि'' के रचयिता हैं–
(ii) सिद्धान्तशिरोमणेः कर्तास्ति– UGC–73 J–2013

(A) आर्यभट्टः (B) भास्कराचार्यः
(C) वराहमिहिरः (D) सामन्तचन्द्रशेखरः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

83. 'सूर्यसिद्धान्त' के प्रवर्तक हैं– UGC 73 D–2012

(A) भास्कराचार्यः (B) वराहमिहिराचार्यः
(C) लगधाचार्यः (D) आर्यभट्टः

स्रोत–सूर्यसिद्धान्त (1.9) - रामचन्द्र पाण्डेय, भू० पेज–09

84. विष्णु का सदागमैक विज्ञेयत्व प्रतिपादक ग्रन्थ है–
UGC–73 J–2012

(A) प्रमाणलक्षणम् (B) उपाधिखण्डनम्
(C) कथालक्षणम् (D) विष्णुतत्त्वनिर्णयः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास- (खण्ड-10), पेज-362

85. ''पञ्चसिद्धान्तिका'' किसने लिखी है–
BHU MET–2011

(A) वराहमिहिर (B) कालिदास
(C) वाचस्पति मिश्र (D) विष्णुशर्मा

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-605

86. (i) दायभागग्रन्थः केन लिखितः? UGC–73, J–2005,
(ii) दायभाग ग्रन्थ का लेखक कौन है– 2007, 2014
(iii) दायभागस्य प्रणेता–

(A) विज्ञानेश्वर (B) रघुनन्दन
(C) जीमूतवाहन (D) नीलकण्ठ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-608

87. भास्कराचार्यस्य कृतिरस्ति– BHU AET–2010

(A) ग्रहलाघवम् (B) तत्त्वविवेकः
(C) बृहत्संहिता (D) सिद्धान्तशिरोमणिः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

88. काव्यदर्पणः इति ग्रन्थस्य कर्ता कः? KL SET–2016

(A) विश्वेश्वरपण्डितः (B) राजचूडामणिदीक्षितः
(C) गोविन्दठक्कुरः (D) केशवमिश्रः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज–265

89. (i) वराहमिहिरेण लिखिता– BHU AET–2011, 2012
(ii) वराहमिहिरविरचिता कृतिः का? CVVET–2017

(A) सारावली (B) गोलमीमांसा
(C) बृहत्संहिता (D) बृहदास्तुमाला

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-605

90. चन्द्रालोक किस प्रकार की रचना है?
BHU MET–2016

(A) लक्षणग्रन्थ (B) नाटकग्रन्थ
(C) आख्यायिका (D) धर्मग्रन्थ

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-149

79. (A) 80. (B) 81. (B) 82. (B) 83. (A) 84. (D) 85. (A) 86. (C) 87. (D) 88. (B) 89. (C) 90. (A)

91. मुहूर्त्तचिन्तामणिकारो विद्यते– BHU AET– 2011
(A) श्रीधराचार्यः (B) अनन्तदैवज्ञः
(C) रामदैवज्ञः (D) रामाचार्यः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

92. गणेशदैवज्ञस्य कृतिर्विद्यते– BHU AET– 2011
(A) ग्रहचिन्तामणिः (B) ग्रहलाघवम्
(C) गोलचिन्तामणिः (D) ग्रहणलाघवम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

93. बृहज्जातकस्य प्रसिद्धः टीकाकारो विद्यते– BHU AET– 2011
(A) लल्लः (B) भट्टलोल्लट
(C) कमलाकरः (D) भट्टोत्पलः
स्रोत–बृहज्जातकम् - पं० केदारदत्त जोशी, भू0 पेज–(xxxviii)

94. मनुस्मृति की टीका मन्वर्थमुक्तावली के टीकाकार कौन हैं? BHU AET– 2011
(A) असहाय (B) कुल्लूकभट्ट
(C) गोविन्दराज (D) रामचन्द्र
स्रोत–मनुस्मृति - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-1

95. आगमशास्त्र का ग्रन्थ कौन सा है?BHU AET– 2011
(A) सांख्यकारिका (B) सुवर्णसप्तति
(C) ताम्रसप्तति (D) परात्रिंशिका
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-11), पेज-619

96. (i) 'तन्त्रालोकसार' के रचयिता हैं? UGC 73 D– 1992,
(ii) तन्त्रालोकसार के कर्ता हैं? 1994, J– 2006,
(iii) तन्त्रालोकसारस्य कर्ता कः? 2007, 2009
(A) अभिनवगुप्त (B) भोजराज
(C) माधव (D) क्षेमेन्द्र
संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-581, 582

97. 'लीलावती' किस विषय से सम्बन्धित ग्रन्थ है– MP PCS– 1990
(A) गणित (B) विमानशास्त्र
(C) भूगर्भशास्त्र (D) खगोलशास्त्र
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-606

98. 'कुल्लूकभट्ट' कृत मनुस्मृति टीका का नाम है? UGC 73 J– 1999
(A) मन्वर्थकल्पलता (B) मन्वर्थप्रकाश
(C) तत्त्ववैशारदी (D) मन्वर्थमुक्तावली
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-1

99. 'यज्ञतत्त्वप्रकाश' के रचयिता हैं? BHU MET– 2015
(A) पट्टाभिरामशास्त्री (B) चिन्नस्वामी
(C) मण्डनमिश्र (D) बलदेव उपाध्याय
स्रोत–

100. The 'फिलॉसफी ऑफ वर्ड एण्ड मीनिंग'' के रचयिता हैं– BHU MET– 2015
(A) प्रो. गौरीनाथ शास्त्री (B) प्रो. अशोक शास्त्री
(C) प्रो. पट्टाभिराम शास्त्री (D) प्रो. कैलाशपति शास्त्री
स्रोत– गूगल सर्च

101. श्रीविद्या वाले ग्रन्थों में जिसकी गणना होती है, वह है– BHU MET– 2015
(A) कर्मकाण्डप्रदीप (B) ग्रहशान्ति प्रयोग
(C) मन्त्रमहोदधि (D) श्यामासपर्यापद्धति
स्रोत–

102. विश्वकर्मप्रकाश से सम्बन्धित शास्त्र है– BHU MET– 2015
(A) वास्तुशास्त्र (B) दर्शन
(C) स्मृति (D) काव्य
स्रोत–

103. (i) 'भज गोविन्दस्य' गीतस्य रचयिता–
(ii) 'भज गोविन्दम्' रचयिता कः? AWES TGT– 2010, 2011
(A) दिवाकरः (B) रामानन्दः
(C) आचार्यशङ्करः (D) रामानुजः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-365

104. 'अमरकोशस्य' लेखकः अस्ति– AWES TGT– 2012
(A) अमरदेवः (B) अमरसिंहः
(C) अमरनाथः (D) अमरस्वामी
स्रोत–अमरकोश- श्रीमन्नालाल 'अभिमन्यु', भू0 पेज-2

91. (C) 92. (B) 93. (D) 94. (B) 95. (D) 96. (A) 97. (A) 98. (D) 99. (A) 100. (A)
101. (D) 102. (A) 103. (C) 104. (B)

105. वराहमिहिरस्य ज्योतिषग्रन्थस्य नाम– AWES TGT– 2011

(A) सारावली (B) बृहज्जातकः
(C) खण्डनखण्डखाद्यः (D) लघुमानसः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-605

106. अस्मिन् ग्रन्थे स्वस्थवृत्तं वर्णितम्–AWES TGT– 2010

(A) सुश्रुतकाव्ये (B) अष्टांगहृदयकाव्ये
(C) चरकसंहितायाम् (D) चिकित्सासारसंग्रहे

भारतीय शास्त्र और शास्त्रकार-गिरिजाशंकर शास्त्री, पेज-110-111

107. आर्यभट्ट ने 23 वर्ष की अवस्था में किस ग्रन्थ की रचना की? H TET– 2014

(A) लीलावती (B) आरभटीय
(C) वेधशाला (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-605

108. कुल्लूकभट्टेन कस्य ग्रन्थस्य टीका लिखिता? AWES TGT– 2009

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) यजुर्वेदः
(C) मनुस्मृतिः (D) कातन्त्रव्याकरण्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-607

109. 'वृत्तबोधकम्' शास्त्रं कथ्यते– AWES TGT– 2009

(A) अलङ्कारशास्त्रम् (B) छन्दशास्त्रम्
(C) प्रकीर्णकम् (D) खण्डकाव्यम्

स्रोत–वृत्तरत्नाकर-पवनकुमार पाण्डेय, भू० पेज–03

110. 'आचारनिर्णय' के निर्माता हैं? BHU MET– 2014

(A) नागेशभट्ट (B) वेंकटेश
(C) वीरराघव (D) गोपाल

स्रोत–

111. शिवसूत्र ग्रन्थ में है? UGC 73 J–2016

(A) दिक्संख्ये संज्ञायाम् (B) शक्तिचक्रसंधाने विश्वसंहारः
(C) तन्तुसमन्वयात् (D) तत्प्रतिषेधार्थमेकतत्त्वाभ्यासः

स्रोत–

112. 'सिद्धान्तलेशसंग्रह' के रचयिता हैं? UGC 73 D– 2008

(A) मधुसूदन सरस्वती (B) प्रकाशात्मयतिः
(C) अप्पयदीक्षितः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-589

113. 'चरकसंहिता' क्या है? MP PSC– 1993

(A) इतिहासग्रन्थ (B) चिकित्साग्रन्थ
(C) धार्मिकग्रन्थ (D) कथासंग्रह

स्रोत–भारतीय शास्त्र और शास्त्रकार-गिरिजाशंकर शास्त्री, पेज-109

114. प्रश्नानां सम्यक् मेलनं कर्त्तव्यम्– JNU MET–2015

सिद्धान्ताः	आचार्याः
(क) उत्पत्तिवादः	(i) अभिनवगुप्तः
(ख) अनुमितिवादः	(ii) भट्टलोल्लटः
(ग) अभिव्यक्तिवादः	(iii) श्रीशंकुकः
(घ) भुक्तिवादः	(iv) भट्टनायकः

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101, 102, 107, 105

115. शौद्धोदनिनामकस्य आचार्यस्य सूत्राणां व्याख्यारूपः अलङ्कारग्रन्थः कः? KL SET–2016

(A) बौद्धालङ्कारः (B) अलङ्कारशेखरः
(C) सुबोधालङ्कारः (D) अलङ्कारसर्वस्वम्

स्रोत–

116. 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्' इत्येतल्लक्षणं कस्मात् परास्तम्? MGKV Ph. D–2016

(A) वक्रोक्तेः दोषरूपत्वात्
(B) वक्रोक्तेः काव्यगुणरूपत्वात्
(C) वक्रोक्तेः अलङ्काररूपत्वात्
(D) वक्रोक्तेः काव्यात्मरूपत्वात्

स्रोत–साहित्यदर्पण (1.2) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–16

117. 'बृहज्जातक' के रचयिता हैं? UGC 73 D–1992

(A) वराहमिहिर (B) गणेश
(C) रामदैवज्ञ (D) मुनीश्वर

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–605

105. (B) 106. (C) 107. (B) 108. (C) 109. (B) 110. (D) 111. (B) 112. (C) 113. (B) 114. (B) 115. (*) 116. (C) 117. (A)

29 नाट्यशास्त्र

1. 'षट्त्रिंशदध्यायी षट्साहस्त्रीसंहिता' कहा जाता है? **UGC 73 J–2013**
   (A) रामायणम् (B) नाट्यशास्त्रम्
   (C) महाभारतम् (D) अर्थशास्त्रम्

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-13

2. 'नाट्यशास्त्र' को कहा जाता है– **UP PGT–2009**
   (A) चतुर्थ वेद (B) पञ्चम वेद
   (C) वेदत्रयी (D) सप्तम वेद

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-13

3. भरतस्य नाट्यशास्त्रं परिचाययति– **UP GDC–2014**
   (A) नाट्यम् (B) नटस्य जीवनचरितम्
   (C) नटेश्वरम् (D) कविशिक्षाम्

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-11

4. नाट्यवेदः केन निर्मितः? **UK SLET–2015**
   (A) इन्द्रेण (B) ब्रह्मणा
   (C) विष्णुना (D) शिवेन

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-45

5. नाट्यशास्त्र में 'नान्दी' से अभिप्रेत है? **UP PGT–2004, 2010**
   (A) नान्दी देवता (B) बैल
   (C) मङ्गलाचरण (D) पात्र

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-5

6. (i) जग्राह पाठ्यमृग्वेदात् सामभ्यो गीतमेव च। यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि॥ यह उक्ति है?
   (ii) 'जग्राह पाठ्यमृग्वेदात्' यह कथन है? **UP PGT–2004, UGC 73 D–2014**
   (A) भरतमुनि का (B) धनञ्जय का
   (C) मम्मट का (D) किसी का नहीं

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

7. नाट्यवेदोत्पत्तये पाठ्यं कुतो जग्राह– **RPSC SET–2013-14**
   (A) ऋग्वेदात् (B) सामवेदात्
   (C) अथर्ववेदात् (D) यजुर्वेदात्

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

8. कः प्रेक्षागृहाणां प्रमाणं लक्षणञ्च निर्दिशति? **UGC 25 D–2012**
   (A) आदित्यः (B) विश्वकर्मा
   (C) रुद्रः (D) यमः

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (2/7) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-126

9. नाट्ये सौन्दर्यवैशिष्ट्यागवाहिका वृत्तिः का? **MH SET–2013**
   (A) भारती (B) सात्त्वती
   (C) आरभटी (D) कैशिकी

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-97-98

10. प्रथमनाट्यप्रयोगः कदा जातः– **MH SET–2016**
    (A) इन्द्रध्वज-उत्सवप्रसङ्गे (B) विवाहप्रसङ्गे
    (C) ब्रह्मोत्सवप्रसङ्गे (D) दीपोत्सवप्रसङ्गे

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-56

11. कैशिकीवृत्तिः केन निर्मिता– **MH SET–2016**
    (A) चन्द्रेण (B) ब्रह्मणा
    (C) परशुरामेण (D) इन्द्रेण

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/42)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-96-97

12. कस्याः वृत्त्याः व्यापारार्थम् अप्सरसां सृष्टिः अभवत्? **MH SET–2013**
    (A) भारतीवृत्त्याः (B) सात्त्वतीवृत्त्याः
    (C) आरभटीवृत्त्याः (D) कैशिकीवृत्त्याः

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/46) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-99

1. (B) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (C) 6. (A) 7. (A) 8. (B) 9. (D) 10. (A) 11. (B) 12. (D)

13. रससूत्रे अनिर्दिष्टं प्रधानं पदं किम्? KL SET–2014
(A) उत्पत्तिः इति पदम् (B) स्थायिनः इति पदम्
(C) व्यक्तिः इति पदम् (D) भुक्तिः इति पदम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् भाग-(1)-बाबूलाल शुक्ल, पेज-229

14. नाट्यशास्त्रानुसारं कति नाट्यवृत्तयः– T SET–2013
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 2
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/24)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-176-177

15. 'लोकवृत्तानुकरणं नाट्यमेतन्मया कृतम्' श्लोकपादोऽयं कस्मिन्? UGC 25 J–2013
(A) धर्मशास्त्रे (B) नाट्यशास्त्रे
(C) अर्थशास्त्रे (D) शिल्पशास्त्रे
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/112)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-112

16. नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यमण्डपस्य रक्षणे कः नियुक्तः? UGC 25 S–2013
(A) चन्द्रः (B) अग्निः
(C) सूर्यः (D) वरुणः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/84) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-107

17. नाट्यशास्त्रे प्रेक्षागृहस्य वर्णनं कस्मिन् अध्यायेऽस्ति? UGC 25 S–2013
(A) तृतीयेऽध्याये (B) द्वितीयेऽध्याये
(C) पञ्चमेऽध्याये (D) चतुर्थेऽध्याये
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-126

18. संग्रहकारिका निरुक्तानां वर्णनं नाट्यशास्त्रस्य कस्मिन्नध्याये वर्तते? UGC 25 D–2013
(A) द्वितीये (B) चतुर्थे
(C) तृतीये (D) षष्ठे
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/3)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-149

19. मण्डपसन्निवेशेषु नाट्यशास्त्रे न गण्यते? UGC 25 J–2014
(A) चतुरस्रः (B) वर्तुलः
(C) त्र्यस्रः (D) विकृष्टः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-127

20. यत्किञ्चिल्लोके शुचि मेध्यमुज्ज्वलं दर्शनीयं नाट्यशास्त्रे तत् केनोपमीयते? UGC 25 J–2014
(A) हास्येन (B) शान्तेन
(C) शृङ्गारेण (D) वीरेण
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् भाग-(i)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री , पेज-298

21. 'जग्राह पाठ्यमृग्वेदात्' वाला ग्रन्थ है? BHU MET–2014
(A) साहित्यदर्पण (B) नाट्यशास्त्र
(C) नाट्यदर्पण (D) दशरूपक
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

22. (i) भरत ने नाट्य में...रस माने हैं– UGC 73 J–2012,
(ii) नाट्य में रस होते हैं? D–2013, Jn–2017
(iii) नाट्यशास्त्रे कियतां रसानां वर्णनं प्राप्यते? UP TGT–2013
(A) षट् (B) अष्टौ
(C) नव (D) दश
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/15)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-157

23. नाट्यशास्त्र का षष्ठ अध्याय है? UGC 73 D–2013
(A) नाट्योत्पत्तिरध्यायः (B) प्रेक्षागृहोऽध्यायः
(C) रसाध्यायः (D) अभिनयाध्यायः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/83) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-221

24. संस्कृतनाटकानां प्रारम्भिकरूपं दृश्यते– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) कादम्बर्याम् (B) ऋग्वेदे
(C) पञ्चतन्त्रे (D) हितोपदेशे
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू0 पेज-44

25. (i) 'रससूत्रम्' प्राप्यते? UGC 73 D–1997,
(ii) रससूत्र का मूल है? JNU MET–2014
(A) काव्यशास्त्र (B) काव्यप्रकाश
(C) रसगङ्गाधर (D) नाट्यशास्त्र
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/15) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-159

26. रससूत्र के एक व्याख्याता हैं? UGC 73 J–1999
(A) रुद्रट (B) भट्टनायक
(C) भरत (D) शङ्कर
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (भाग-1)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, भू0 पेज-30

13. (A)	**14. (A)**	**15. (B)**	**16. (A)**	**17. (B)**	**18. (D)**	**19. (B)**	**20. (C)**	**21. (B)**	**22. (B)**
23. (C)	**24. (B)**	**25. (D)**	**26. (B)**						

27. शृङ्गारहास्यकरुणरौद्रवीरभयानकाः बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ......... रसाः स्मृताः। BHU AET–2012
(A) नाट्ये (B) काव्ये
(C) लोके (D) सूत्रे
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/16)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-218

28. नाटके अयं मुख्यो रसः स्यात्– UK SLET–2015
(A) रौद्रः (B) शान्तः
(C) हास्यः (D) वीरः
स्रोत–दशरूपकम् (3.33) -रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-224

29. (i) भरतः नाट्यशास्त्रस्य निर्माणे रसं कस्माद् जग्राह?
(ii) नाट्ये रसाः कस्माद् वेदात् गृहीताः?
UK SLET–2015, K SET–2015
(A) ऋग्वेदात् (B) यजुर्वेदात्
(C) सामवेदात् (D) अथर्ववेदात्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

30. नाट्यवस्तु कतिविधम्? UK SLET–2015
(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत–दशरूपकम्-रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-13

31. नाट्यशास्त्रस्य 'अभिनवभारती' व्याख्यायाः कर्ता कः? UGC 25 D–2014
(A) आनन्दवर्धनः (B) अभिनवगुप्तः
(C) धनञ्जयः (D) भरतः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् भाग-1-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, भू0पेज-32, 33

32. ब्रह्मणा परिकल्पते नाट्ये निम्नाङ्कितेषु किं नास्ति? UP GDC–2014
(A) सर्वेषां हितोपदेशजननम्। (B) त्रैलोक्यस्य भावानुकीर्तनम्।
(C) काले विश्रान्तिजननम्। (D) जनानां संत्रासकारकम्।
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/107-114)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-110-113

33. (i) नाट्यवेदनिर्माणे भरतेन अभिनयो गृहीतः?
(ii) ब्रह्मा कस्मात् वेदात् अभिनयं स्वीकृतवान्?
(iii) नाट्ये अभिनयाः कस्मात् वेदात् गृहीताः?
(iv) नाट्यवेदान्तर्भूतमभिनयतत्त्वं कुतो गृहीतम्?
UP GDC–2012, 2013, UK SLET–2015, UGC 25 D–2012
(A) अथर्ववेदात् (B) यजुर्वेदात्
(C) सामवेदात् (D) ऋग्वेदात्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

34. भरतनाट्यशास्त्रे किं नाट्योद्देश्यं नास्ति? DL–2015
(A) हितोपदेशजननम् (B) विनोदजननम्
(C) सेवा-समायोजनम् (D) विश्रान्तिप्रदानम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/113-114)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-112-115

35. नाट्यशिक्षणे मानकप्रदर्शनाय वाचिकाभिनयेन कः शिक्षयति? DL–2015
(A) छात्रः (B) छात्रा
(C) वेतनभोगी नाट्यकर्मी (D) नाट्यशिक्षकः
स्रोत–

36. नाट्यशास्त्रे प्रतिपादितानाम् अलङ्काराणां संख्या कति? JNU MET–2015
(A) 5 (B) 4
(C) 6 (D) 3
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (17/43) भाग-2-बाबूलाल शुक्ल,पेज-286

37. ''अन्तःपुरचरो वृद्धो विप्रो गुणगणान्वितः। सर्वकार्यार्थकुशलः कञ्चुकीत्यभिधीयते॥'' यह श्लोक कहाँ लिखा है? BHU MET–2012
(A) दशरूपक में (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में
(C) नाट्यशास्त्र में (D) साहित्यदर्पण में
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-461

38. आचार्य भरतमुनि के अनुसार नाटक में गीत का उद्भव हुआ है? UP PGT–2013
(A) ऋग्वेद से (B) संगीत से
(C) गान्धर्ववेद से (D) सामवेद से
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17) ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

39. नाटक को 'पञ्चमवेद' की मान्यता प्रदान की? UP PGT (H)–2004
(A) भरतमुनि ने (B) विश्वनाथ ने
(C) दशरथ ओझा ने (D) पाणिनि ने
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/12)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-89

40. आचार्य भरत ने किस रस को नाट्य प्रयोग में स्वीकार नहीं किया है? UP PGT (H)–2009
(A) शान्त (B) करुण
(C) भयानक (D) अद्भुत
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/15)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-157

27. (A) 28. (D) 29. (D) 30. (A) 31. (B) 32. (D) 33. (B) 34. (C) 35. (D) 36. (B) 37. (C) 38. (D) 39. (A) 40. (A)

41. आशीर्वचनसंयुक्ता देवादीनां स्तुतिः का इत्युच्यते? **DSSSB TGT–2014**
(A) प्रस्तावना (B) भरतवाक्यम्
(C) पूर्वरङ्गः (D) नान्दी
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् भाग-1 (5/24)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-159

42. अधोलिखितेषु अभिनयप्रकारः कोऽस्ति? **BHU AET–2010**
(A) आचार्यः (B) व्यवहार्यः
(C) आहार्यः (D) प्रसार्यः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् भाग-2 (8/9)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-5

43. रङ्गमञ्चस्य देवपूजनं केन तुल्यं भवति? **UGC 25 D–2013**
(A) यज्ञेन तुल्यम् (B) तपसा तुल्यम्
(C) दानेन तुल्यम् (D) धर्मेण तुल्यम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/124)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-116

44. भरतमुनि ने गुणों की संख्या बतायी है? **UP PGT (H)–2013**
(A) 10 (B) 8
(C) 9 (D) 7
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (17/95)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-300

45. वाणी और अङ्गों के अभिनय द्वारा जिनसे प्रकट हो, वे है– **UP PGT (H)–2013**
(A) संचारीभाव (B) विभाव
(C) अनुभाव (D) भाव
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (7/5)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज–375

46. ''विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है'' यह किसका कथन है? **UP PGT (H)–2013**
(A) भामह (B) भरत
(C) मम्मट (D) जगन्नाथ
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-182

47. 'आरभटीवृत्तिः' कस्मिन् रसे भवति? **UP GIC–2015**
(A) वीरे (B) शृङ्गारे
(C) रौद्रे बीभत्से च (D) अद्भुते
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–229

48. रिक्तस्थानं पूरयत– ''नाट्याख्यं .... वेदं सेतिहासं करोम्यहम्।'' **UGC 25 J–2015**
(A) उत्तमम् (B) अपूर्वम्
(C) द्वितीयम् (D) पञ्चमम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/15)- बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज-05

49. लोके यानि कारणानि तानि काव्ये नाटके च केन नाम्ना व्यपदिश्यन्ते? **UGC 25 D–2010**
(A) भावाः (B) अनुभावाः
(C) सञ्चारिणः (D) विभावाः
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री,पेज-64

50. तथा नराणां नृपतिः शिष्याणां च यथा गुरुः। एवं हि सर्वभावानां ....। पूरयत। **UGC 25 S–2013**
(A) विभावः (B) सञ्चारीभावः
(C) अनुभावः (D) स्थायिभावः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (भाग-1) (7/8)-बाबूलाल शुक्ल, पेज-379

51. भरत द्वारा स्थापित स्थायीभावों की संख्या है– **UGC 73 J–2015**
(A) दश (B) अष्टौ
(C) द्वादश (D) एकादश
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/18) बाबूलाल शुक्ल, पेज-221

52. रस का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन किसने किया? **BHU B.Ed–2015**
(A) भट्टलोल्लट (B) भरतमुनि
(C) राजशेखर (D) शङ्कुक
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, भू0 पेज-66

53. 'न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला' इति कस्मात् ग्रन्थात् उद्धृतोऽस्ति? **GGIC–2015**
(A) साहित्यदर्पणात् (B) काव्यप्रकाशात्
(C) नाट्यशास्त्रात् (D) दशरूपकात्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/116)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-113

54. ''न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला''– इत्यादि श्लोकः भवति– **UGC 25 D–2015**
(A) काव्यप्रशंसा (B) गुणप्रशंसा
(C) नाट्यप्रशंसा (D) अलङ्कारप्रशंसा
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/116)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-113

41. (D)	42. (C)	43. (A)	44. (A)	45. (C)	46. (B)	47. (C)	48. (D)	49. (D)	50. (D)
51. (B)	52. (B)	53. (C)	54. (C)						

55. ''दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम्।
...... लोके नाट्यमेतद् भविष्यति॥''
नाट्यशास्त्रतः रिक्तस्थानं पूरयत– UGC 25 Jn–2017
(A) मोक्षप्रदायकम् (B) ज्ञानप्रदायकम्
(C) आह्लादजननम् (D) विश्रामजननम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/114)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-113

56. ब्रह्मा नाट्यवेदाय यजुर्वेदात् किं उपात्तवान्? K SET–2014
(A) पाठ्यम् (B) गीतम्
(C) अभिनयान् (D) रसान्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (1/17)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-92

57. हास्यरसस्य कति भेदाः भरतेन उक्ताः? K SET–2013
(A) सप्त (B) षट्
(C) दश (D) अष्ट
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/51)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-204

58. नाट्यशास्त्रकारस्य मते गानं कतिविधम्– KL SET–2016
(A) सप्तविधम् (B) त्रिविधम्
(C) द्विविधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/30)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-181

59. अलक्षितद्विजं धीरमुत्तमानां स्मितं भवेत्– UGC 25 J–2016
(A) हसितम् (B) उपहसितम्
(C) विहसितम् (D) स्मितम्
स्रोत– नाट्यशास्त्र (6/55) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–205

60. नान्दी प्रयुक्त होता है– UP PGT–2009
(A) काव्य में (B) चम्पूकाव्य में
(C) गद्यकाव्य में (D) नाटक में
स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–14

61. 'भरतनाट्यशास्त्रम्' कतिषु अध्यायेषु विभक्तमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015
(A) अष्टात्रिंशत् (B) नवत्रिंशत्
(C) चत्वारिंशत् (D) षड्त्रिंशत्
स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–13

62. नाट्यशास्त्रस्य टीकाकारः अस्ति? T SET–2014
(A) आनन्दवर्धनः (B) अभिनवगुप्तः
(C) विश्वनाथः (D) दण्डी
स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–25

55. (D) 56. (C) 57. (B) 58. (D) 59. (D) 60. (D) 61. (D) 62. (B)

30 दशरूपक

1. **दशरूपकस्य रचयिता कोऽस्ति? T-SET–2014**
(A) धनञ्जयः (B) आनन्दवर्धनः
(C) मम्मटः (D) भोजः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-1

2. **रूपकों के भेदक तत्त्व हैं– UP PGT–2000**
(A) अङ्क, संवाद, रस (B) रस, नेता, वस्तु
(C) वस्तु, नेता, रङ्गमञ्च (D) रस, कथोपकथन, अङ्क
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-12

3. **(i) दशरूपक में प्रकाश हैं–**
(ii) दशरूपके कति प्रकाशाः सन्ति?
UGC 73J–2016, MGKV Ph D–2016
(A) चत्वारः (B) अष्टौ
(C) पञ्च (D) त्रयः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, भू0 पेज-21

4. **आरम्भ, यत्न, प्राप्त्याशा, नियताप्ति और फलागम ...... है– UP PGT–2000**
(A) अर्थोपक्षेपक हैं (B) अर्थप्रकृतियाँ हैं
(C) सन्धियाँ हैं (D) कार्यावस्थाएँ हैं
स्रोत–दशरूपक (1/19) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

5. **किस रस में 'आरभटीवृत्ति' होती है? UP PGT–2000**
(A) रौद्र (B) शृङ्गार
(C) वीर (D) अद्भुत
स्रोत–दशरूपक (2/62) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-195

6. **'उन्माद' है– UGC 25 D–2002**
(A) विभाव (B) अनुभाव
(C) संचारीभाव (D) व्यभिचारीभाव
स्रोत–दशरूपक (4/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-253

7. **'वस्तु च द्विधा' इति केन ग्रन्थेन सम्बद्धोऽस्ति– UGC 25 D–2011**
(A) काव्यप्रकाशेन (B) दशरूपकेन
(C) साहित्यदर्पणेन (D) रसगङ्गाधरेण
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-13

8. **''फलार्थिभिः प्रारब्धस्य कार्यावस्थाः'' कति सन्ति– UGC 25 J–2013**
(A) षट् (B) सप्त
(C) पञ्च (D) दश
स्रोत–दशरूपक (1/19) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

9. **'स्वीया'- नायिकायाः कति भेदाः? UGC 25 J–2014**
(A) एकादश (B) त्रयोदश
(C) चतुर्दश (D) अष्टादश
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-149

10. **नाट्य में जहाँ प्रस्तुत भावी कथावस्तु की अन्योक्तिमय सूचना दी जाती है, वह होता है– UP GIC–2009**
(A) पताकास्थानक (B) पताका
(C) आधिकारिक (D) प्रकरण
स्रोत–दशरूपक (1/14) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-15

11. **(i) भूत एवं भावी घटनाओं की सूचना देने वाले नाट्यप्रयोग हैं– UP GIC–2009**
(ii) रूपक में भूत अथवा भावी घटनाओं की सूचना जहाँ मध्यम पात्रों द्वारा दी जाती है, वह होता है–
(A) आकाशभाषित (B) विष्कम्भक
(C) प्रवेशक (D) अङ्कास्य
स्रोत–दशरूपक (1/59) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

12. **'फलागम' की परिगणना होती है– UP GIC–2009, UP GDC–2012**
(A) अर्थप्रकृतियों में (B) कार्यावस्थाओं में
(C) नाट्यसन्धियों में (D)अर्थोपक्षेपकों में
स्रोत–दशरूपक (1/19) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

13. **रूपकभेदों में एकल अभिनय किसमें होता है? UP GIC–2009**
(A) प्रकरण में (B) डिम में
(C) भाण में (D) व्यायोग में
स्रोत–दशरूपक - केशवराम मुसलगाँवकर, पेज-293

1. (A) 2. (B) 3. (A) 4. (D) 5. (A) 6. (D) 7. (B) 8. (C) 9. (B) 10. (A) 11. (B) 12. (B) 13. (C)

14. (i) आचार्य धनञ्जय ने दशरूपक में 'नागानन्द' के नायक जीमूतवाहन को माना है?
(ii) दशरूपकानुसारेण नागानन्दस्य नायकः जीमूतवाहनः अस्ति– UP GIC–2009, 2015
(A) धीरप्रशान्तः (B) धीरोदात्तः
(C) धीरललितः (D) धीरोद्धतः
स्रोत–दशरूपक (2/4) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-116

15. (i) शृङ्गाररस में कौन-सी वृत्ति का प्रयोग होता है?
(ii) शृङ्गाररसाश्रया वृत्तिरस्ति– UP GIC–2009, UP GDC–2014
(A) कैशिकी (B) सात्वती
(C) आरभटी (D) भारती
स्रोत–दशरूपक (2/62) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-195

16. रूपकम् .... उच्यते? GJ- SET-2016
(A) अभिनयात् (B) रूपारोपात्
(C) वचनात् (D) संल्लापकात्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-7

17. अद्भुतघटनायाः समावेशो वर्तते यस्मिन् तत् कथ्यते– UP GDC–2012
(A) विलोभनम् (B) परिभावः
(C) उद्भेदः (D) विधानम्
स्रोत–दशरूपक - लोकमणि दाहाल, पेज-63

18. कैशिकीवृत्तिः मुख्यरूपेण प्रयुज्यते–UP GDC–2012
(A) शृङ्गारे हास्ये च (B) बीभत्से भयानके च
(C) रौद्रे अद्भुते च (D) वीरे अद्भुते च
स्रोत–दशरूपक (2/62) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-195

19. (i) संस्कृत नाट्यशास्त्र में उपरूपकों के कितने भेद हैं?
(ii) उपरूपकों की संख्या होती है–
(iii) उपरूपकाणि सन्ति? UGC 73 J–2007, UP PGT–2003, UGC 25 J–2004
(A) दश (10) (B) पञ्चदश (15)
(C) षोडश (16) (D) अष्टादश (18)
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

20. 'सट्टकम्, त्रोटकम्, व गोष्ठी' किसके भेद हैं? H-TET-2015
(A) रूपक के (B) उपरूपक के
(C) महाकाव्य के (D) महाभारत के पात्रों के
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-441

21. (i) कितने स्थायीभाव हैं– UGC 73 D–2008
(ii) स्थायीभावाः कति सन्ति– JNU MET–2014
(A) अष्टौ (B) नव
(C) पञ्च (D) चत्वारः
स्रोत–दशरूपक (4/35) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-293

22. (i) व्यभिचारीभाव कितने हैं–
(ii) आचार्यों ने व्यभिचारीभावों की संख्या स्वीकृत की है– DSSSB TGT–2014, BHU AET–2010
(iii) व्यभिचारिभावाः भवन्ति– UGC 73 D–2009, UP PGT–2013
(A) पञ्चाशत् (B) त्रयस्त्रिंशत्
(C) नव (D) अष्टाविंशतिः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-252,253

23. रौद्ररस का स्थायीभाव है– UGC 73 D–2011
(A) जुगुप्सा (B) शोकः
(C) क्रोधः (D) शमः
स्रोत–दशरूपक (4/74) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-360

24. देवादिविषया रतिः का? BHU AET–2010
(A) भावः (B) रसः
(C) गुणः (D) अलङ्कारः
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/260) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-124

25. (i) मुखसन्धेः बीजारम्भसमन्वयात् कति अङ्गानि भवन्ति– BHU AET–2012, MH-SET-2013
(ii) दशरूपकवचनानुसारं मुखसन्धेः कति अङ्गानि? UGC 25 J–2002, 2012
(A) दश (B) एकादश
(C) द्वादश (D) त्रयोदश
स्रोत–दशरूपक (1/25) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

14. (B)	15. (A)	16. (B)	17. (B)	18. (A)	19. (D)	20. (B)	21. (A)	22. (B)	23. (C)
24. (A)	25. (C)								

26. मुखसन्धौ अर्थप्रकृतिर्भवति– G-GIC-2015
(A) बिन्दुः (B) पताका
(C) प्रकरी (D) बीजम्
स्रोत–दशरूपक (1/24) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

27. वृत्तवर्तिष्यमाणकथांशानां अङ्कद्वयस्यान्तर्निविष्टः नीचपात्रप्रयोजितः अर्थोपक्षेपकः किमभिधानः प्रकीर्तितः– BHU AET–2012
(A) प्रवेशकः (B) विष्कम्भकः
(C) चूलिका (D) अङ्कावतारः
स्रोत–दशरूपक (1/60) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-100

28. नाट्यधर्मापेक्षया नियतश्राव्यं कतिधा भवति? BHU AET–2012
(A) द्विधा (B) त्रिधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा
स्रोत–दशरूपक (1/65) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-105

29. वीररसे का वृत्तिरालम्ब्यते– DU. Ph.D-2016
(A) कैशिकी (B) सात्वती
(C) आरभटी (D) भारती
स्रोत–दशरूपक (2/62) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-198

30. 'कैशिकीवृत्तिः' कुत्र अनुकूला? BHU Sh.ET–2013
(A) शृङ्गारे (B) रौद्रे
(C) शान्तरसे (D) हास्ये
स्रोत–दशरूपक (2/62) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-198

31. दशरूपकानुसारम् अवस्था नास्ति– T SET-2013
(A) नियताप्तिः (B) प्राप्त्याशा
(C) यत्नः (D) पताका
स्रोत–दशरूपक (1/19) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

32. 'वैदर्भी' इति का अस्ति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) भाषा-शैली (B) महाकाव्य
(C) नाटकम् (D) अलङ्कार
स्रोत–काव्यमीमांसा - गंगासागर राय, पेज-21

33. किमस्ति ताललयाश्रम्? UK SLET–2015
(A) नृत्तम् (B) नृत्यम्
(C) रूपकम् (D) रूपम्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-11

34. अयं नास्ति सञ्चारीभावः– UK SLET–2015
(A) व्रीडा (B) विषादः
(C) जडता (D) भयम्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-253

35. (i) रूपकेषु प्रयुज्यन्ते 'अर्थप्रकृतयः' कति?
(ii) रूपकेषु समाख्याता अर्थप्रकृतयः कति?
(iii) नाटक में अर्थप्रकृतियाँ कितनी होती हैं?
(iv) कति अर्थप्रकृतयः? UGC 25 D–1998,
(v) नाटक में अर्थप्रकृति हैं? J–2010, 2014,
(vi) अर्थप्रकृतयः कति प्रोक्ताः? BHU AET–2009, 2011, 2012, DL (H)–2015, RPSC SET-2013-14 BHU MET–2013
(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) दश
स्रोत–दशरूपक (1/18) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-22

36. (i) दशरूपकमतानुसारं ''दृष्टनष्टस्य बीजस्य अन्वेषणं भवति''– UGC 25 D–2014, Jn -2017
(ii) दृष्टनष्टस्य बीजस्य अन्वेषणं भवति–
(A) प्रतिमुखसन्धिः (B) मुखसन्धिः
(C) निर्वहणसन्धिः (D) गर्भसन्धिः
स्रोत–दशरूपक (1/36) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-55

37. दशरूपककारस्य रससिद्धान्तोऽस्ति–UP GDC–2013
(A) अभिनवगुप्तसम्मतः (B) आनन्दवर्धनानुगतः
(C) रुद्रटानुगतः (D) भट्टनायकानुमतः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, भू० पेज-15

38. व्यञ्जनावृत्ति का विरोधी आचार्य है? UGC 73J -2016
(A) धनञ्जयः (B) विश्वनाथः
(C) जगन्नाथः (D) भानुदत्तः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-298

39. 'अवस्थाऽनुकृतिः' इत्यनेन बोधितं भवति– UP GDC–2013
(A) शास्त्रम् (B) काव्यम्
(C) नाट्यम् (D) साहित्यम्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-6

26. (D) 27. (A) 28. (A) 29. (B) 30. (A) 31. (D) 32. (A) 33. (A) 34. (D) 35. (B) 36. (D) 37. (D) 38. (A) 39. (C)

40. नाट्ये 'उपसंहृतिः' किं भवति– UP GDC–2013
(A) कार्यावस्था (B) अर्थोपक्षेपकः
(C) अर्थप्रकृतिः (D) सन्धिः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

41. एकमेव पात्रं सर्वं नाट्यवस्तु प्रस्तौति–UP GDC–2013
(A) डिमे (B) प्रकरणे
(C) व्यायोगे (D) भाणे
स्रोत–दशरूपक (3/49) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-231-232

42. (i) दशरूपके गणितानि सन्ध्यङ्गानि सन्ति–
(ii) सन्ध्यङ्गानां संख्या अस्ति – UP GDC–2013,
(iii) सन्ध्यङ्गानि कति– G-GIC-2015,
DSSSB PGT–2014
(A) षष्टिः (B) चतुष्षष्टिः
(C) अष्टषष्टिः (D) चतुःपञ्चाशत्
स्रोत–दशरूपक (1/54) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-97

43. 'रूपकं तत्समारोपात्' इति कस्य कृते उक्तम्–
UP GDC–2014
(A) अलङ्कारः (B) नाट्यस्याऽपरं नामकरणम्
(C) काव्यम् (D) काव्याभिनयः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-7

44. (i) 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' इति नाटकलक्षणं कृतम्–
(ii) 'अवस्थानुकृतिः नाट्यम्' कस्य चिन्तनमस्ति?
MGKV Ph. D–2016, UP GDC–2012
(A) धनञ्जयेन (B) धनिकेन
(C) भरतेन (D) विश्वनाथेन
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-6

45. (i) दशरूपके नाट्यलक्षणं किम्?
(ii) नाट्यलक्षणे धनञ्जय उक्तवान्–
RPSC SET-2013-14, G-GIC-2015
(A) नाट्यं भिन्नरुचेः .... एकं समाराधनम्
(B) नटस्य कर्म नाटकम्
(C) अनुकरणं नाट्यम्
(D) अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-6

46. नाट्ये यत्र प्रस्तुतस्य भाविनः कथावस्तुनः अन्योक्तिमयी सूचना दीयते तद् भवति– UP GDC–2012
(A) पताकास्थानकम् (B) पताका
(C) आधिकारिकम् (D) प्रासङ्गिकम्
स्रोत–दशरूपक (1/14) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-15

47. नृत्तनृत्ययोः स्वरूपं भवति– UP GDC–2012
(A) नृत्तं भावाश्रयं, नृत्यं ताललयाश्रयम्
(B) नृत्तं तालयाश्रयं, नृत्यं भावाश्रयम्
(C) नृत्तं भावाश्रयं, नृत्यं रसाश्रयम्
(D) नृत्तं रसाश्रयं, नृत्यं तालयाश्रयम्
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-9-11

48. रामः कीदृशो नायकः? DSSSB PGT–2014
(A) धीरोदात्तः (B) योग्यः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरललितः
स्रोत–दशरूपक -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-117

49. ''महासत्त्वोऽतिगम्भीरः क्षमावानविकत्थनः। स्थिरो निगूढाहङ्कारो धीरोदात्तो दृढव्रतः॥ यह श्लोक....... किस ग्रन्थ का है– BHU MET–2012
(A) चन्द्रालोक (B) दशरूपक
(C) साहित्यदर्पण (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–दशरूपक (2/4) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-116

50. (i) नाटक में सन्धियों की संख्या होती है–
(ii) नाटके कति सन्धयः भवन्ति?
UP PGT–2013, BHU Sh.ET–2008,
GJ SET-2014, K-SET-2013, 2015,
UP GDC–2008, UGC 25 J–1995, 2006, D–2010
(A) दो (B) चार
(C) दश (D) पाँच
स्रोत–दशरूपक (1/22) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-26

51. अवान्तर प्रयोजन की समाप्ति से कथावस्तु के मुख्य प्रयोजन में विच्छेद प्राप्त हो जाने पर जो उसके अविच्छेद का कारण है, उसे कहते हैं– UP PGT–2013
(A) बिन्दु (B) बीज
(C) आरम्भ (D) फलागम
स्रोत–दशरूपक (1/17) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-21

40. (D) 41. (D) 42. (B) 43. (B) 44. (A) 45. (D) 46. (A) 47. (B) 48. (A) 49. (B) 50. (D) 51. (A)

52. नायक कितने प्रकार के होते हैं– UP TGT–2013
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6
स्रोत–दशरूपक (2/3) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-113

53. श्रव्यकाव्य के कितने भेद हैं? UP TGT–2013
(A) 1 (B) 3
(C) 5 (D) 6
स्रोत–शिशुपालवध - तारिणीश झा, भू. पेज-9

54. (i) संस्कृत नाट्यशास्त्र में रूपक के कितने भेद हैं?
(ii) रूपक के कितने भेद होते हैं– UP TGT–2013,
(iii) रूपकभेदाः भवन्ति? UP PGT–2003
(iv) रूपकाणि कति? UGC 25 J–1994,
(v) रूपक कितने प्रकार के होते हैं? 1995, 2000, 2001
(vi) रूपकाणां भेदाः? GJ SET-2003, D–2004, 2007
DSSSB TGT–2014, DSSSB PGT–2014
(A) 6 (B) 10
(C) 8 (D) 12
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

55. रामायण कथानक के प्रसंग में सुग्रीवादि का वृत्तान्त कहा जाता है– UP PGT–2013
(A) प्रकरी (B) उपचारवृत्तान्त
(C) पताका (D) सन्धि
स्रोत–दशरूपक (1/13) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-14-15

56. जिस नायिका का नायक दूर देश में किसी प्रयोजन से रहता हो, तो उस नायिका को कहते हैं– UP PGT–2013
(A) स्वाधीनपतिका (B) अभिसारिका
(C) कलहान्तरिता (D) प्रोषितप्रिया
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-159

57. जो प्रासङ्गिक कथा दूर तक चलती है, कहा जाता है– UP PGT–2011
(A) प्रकरी (B) पताका
(C) प्रस्तावना (D) जनान्तिकम्
स्रोत–दशरूपक (1/13) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-14-15

58. नाटक में किसी पात्र के द्वारा मुँह फेरकर दूसरे व्यक्ति से रहस्यात्मक बात कही जाती है, उसे कहते हैं– UP PGT–2013
(A) जनान्तिक (B) आकाशभाषित
(C) अपवारित (D) अंकास्य
स्रोत–दशरूपक (1/66) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-106

59. नाटक में 'स्वगतम्' का अर्थ है– UP PGT–2013
(A) अश्राव्य (B) सर्वश्राव्य
(C) स्वागतयोग्य (D) स्वयं गया हुआ
स्रोत–दशरूपक (1/64) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-105

60. 'जनान्तिक' में एक मुद्रा का प्रकाशन होता है, उसे कहते हैं– UP PGT–2013
(A) चिन्मुद्रा (B) अंगुष्ठानामिके
(C) मत्तवारणी (D) त्रिपताकाकर
स्रोत–दशरूपक (1/65) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-106

61. 'त्रिपताकाकरेण' समाचर्यते मञ्चोपरि– G-GIC–2015
(A) अपवारितम् (B) आकाशभाषितम्
(C) जनान्तिकम् (D) स्वगतम्
स्रोत–दशरूपक (1.65) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-106

62. नाटक के मङ्गलाचरण को कहा जाता है– UP PGT–2013
(A) मंगलाशासन (B) नन्दिताकरण
(C) नान्दी (D) वेदस्तवन
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/23-25)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-172-173

63. दृश्यकाव्य की विधा है– UP TGT–2010
(A) नाटक (B) निबन्ध
(C) उपन्यास (D) गीतिकाव्य
स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

64. हास्य प्रधानरस इतिवृत्त वाला है? UGC 25 D–2002
(A) प्रकरण (B) अङ्क
(C) प्रहसन (D) भाण
स्रोत–दशरूपक (3/54) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-234

52. (B)	53. (B)	54. (B)	55. (C)	56. (D)	57. (B)	58. (C)	59. (A)	60. (D)	61. (C)
62. (C)	63. (A)	64. (C)							

65. यह उपरूपक का एक भेद है– UGC 25 D–1996
(A) नाटिका (B) प्रहसन
(C) भाण (D) डिम
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

66. (i) प्रकरण का नायक होता है?
(ii) प्रकरण का नायक होना चाहिये–
(iii) प्रकरणे कीदृशः नायकः भवति–
UGC 25 D–1996, J–2004, MGKV Ph. D–2016
(A) धीरोदात्तः (B) धीरललितः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरप्रशान्तः
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/224-225)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-214

67. 'व्यापि प्रासङ्गिकवृत्त' कहलाता है–UGC 25 D–1997
(A) प्रकरी (B) बिन्दु
(C) पताका (D) सन्धि
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-182

68. रसभावनैरन्तर्य इसमें होता है? UGC 25 D–1997
(A) रूपक (B) खण्डकाव्य
(C) महाकाव्य (D) चम्पू
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-171

69. यह सामान्य गुणों से युक्त नायक है–
UGC 25 D–1997
(A) धीरोदात्त (B) धीरप्रशान्त
(C) धीरललित (D) दक्षिण
स्रोत–दशरूपक (2/4) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-115

70. भाण है? UGC 25 D–1997, J–2004
(A) रत्नावली (B) मुद्राराक्षस
(C) धूर्तसमागम (D) चन्द्रकला
स्रोत–दशरूपक (3/49) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-231

71. यह धीरललित नायक है– UGC 25 J–1998, 2002
(A) उदयन (B) दुष्यन्त
(C) भीम (D) राम
स्रोत–दशरूपक (2/3) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-114

72. (i) भाणे नायकः कः? BHU AET–2010,
(ii) भाण का एकमात्र पात्र होता है?
UGC 25 J–1999, 2010,
(A) विट (B) चेट
(C) नायक (D) विदूषक
स्रोत–दशरूपक (3/49) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-231

73. यह धीरोदात्त नायक है? UGC 25 D–1998
(A) उदयन (B) भीम
(C) दुष्यन्त (D) चारुदत्त
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू0 पेज-86

74. इसमें प्राकृत का प्रयोग होता है? UGC 25 D–1999
(A) शुद्ध विष्कम्भक (B) पताकास्थानक
(C) प्रस्तावना (D) प्रवेशक
स्रोत–दशरूपक (1.60) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-100-101

75. (i) इस नाटक को सट्टक के नाम से जाना जाता है?
(ii) अधोलिखितेषु कोऽस्ति 'सट्टकः'?
UGC 25 D–1999, BHU AET–2010
(A) रत्नावली (B) मालविकाग्निमित्र
(C) कर्पूरमञ्जरी (D) विक्रमोर्वशीय
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/276) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-221

76. (i) प्रकरण में अङ्कों की संख्या होगी–
(ii) प्रकरणे कति अङ्काः भवन्ति–
UGC 25 D–1999, 2005, J–2007
(A) 7 (B) 5
(C) 10 (D) 4
स्रोत–मृच्छकटिकम् -जगदीशचन्द्र मिश्र,भू0पेज-15

77. नाटक का नायक होता है—
UGC 25 J–2000, D–2006
(A) धीरप्रशान्त (B) धीरललित
(C) धीरोदात्त (D) धीरोद्धत
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/9) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-171

78. एक अङ्क का रूपक है– UGC 25 J–2000
(A) नाटक (B) भाण
(C) प्रकरण (D) नाटिका
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-232

65. (A) 66. (D) 67. (C) 68. (A) 69. (B) 70. (C) 71. (A) 72. (A) 73. (C) 74. (D)
75. (C) 76. (C) 77. (C) 78. (B)

79. (i) वीथी क्या है? UGC 25 D–2001,UP PGT
(ii) 'वीथी'– (H)–2000, AWES TGT–2012
(A) वृत्ति (B) अभिनय
(C) सन्धि (D) रूपक
स्रोत–दशरूपक (1/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

80. वीथ्यामङ्कसंख्या स्यात्– D.U. Ph. D-2016
(A) 1 (B) 5
(C) 3 (D) 6
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-239

81. (i) रूपक नहीं है? UGC 25 J–2002,
(ii) दशरूपकेषु नास्ति– UP GIC–2015
(A) भाण (B) अङ्क
(C) डिम (D) सट्टक
स्रोत–दशरूपक (1/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

82. दशरूपकेषु नास्ति– JNU MET-2015
(A) प्रकरणम् (B) प्रहसनम्
(C) अङ्कः (D) नाटिका
स्रोत–दशरूपक -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

83. (i) चूलिका है– UGC 25 D–2002, J–2008
(ii) 'चूलिका' तावत्–
(A) सन्धिभेद (B) अर्थोपक्षेपक
(C) कथावस्तु भेद (D) रूपक भेद
स्रोत–दशरूपक (1/58) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

84. नाट्यसन्धियों के अङ्ग हैं– UGC 25 J–2004
(A) 15 (B) 12
(C) 13 (D) 64
स्रोत–दशरूपक (1/54) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-97

85. अधोलिखितेषु किं रूपकं नास्ति? UGC 25 J–2005
(A) भाणः (B) आख्यायिका
(C) नाटक (D) वीथी
स्रोत–दशरूपक (1/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

86. 'उपसंहृति' नाम– UGC 25 J–2008
(A) अवस्थाविशेषः (B) रूपकविशेषः
(C) अर्थोपक्षेपकविशेषः (D) सन्धिविशेषः
स्रोत–दशरूपक (1/24) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

87. प्राप्त्याशा नाम– UGC 25 D–2008
(A) सन्धिविशेष (B) अवस्थाविशेष
(C) रूपकविशेष (D) अनुभावविशेष
स्रोत–दशरूपक (1/19) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

88. पताका प्रकरी भेदात् द्विधा भवति– UGC 25 D–2008
(A) प्राकरणिकम् (B) प्रधानम्
(C) प्रासङ्गिकम् (D) चारित्रकम्
स्रोत–दशरूपक (1/13) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-14

89. अर्थोपक्षेपकाः उपयुज्यन्ते– UGC 25 D–2008
(A) रूपकेषु (B) प्रकरणग्रन्थेषु
(C) काव्येषु (D) धर्मशास्त्रेषु
स्रोत–दशरूपक (1/58) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

90. सात्त्विकभावानां संख्या भवति– UGC 25 J–2012
(A) त्रयस्त्रिंशत् (B) नव
(C) अष्टौ (D) अष्टादश
स्रोत–दशरूपक (4/5-6) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-251

91. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2011
(अ) नाटकम् 1. निन्दनीयपुरुषः
(ब) प्रकरणम् 2. विटः
(स) भाणः 3. धीरप्रशान्तः
(द) प्रहसनम् 4. धीरोदात्तः

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–दशरूपक-रमाशंकर त्रिपाठी, अ-(3/23) पेज-220 ब- (3/40) पेज-226 स-(3/49) पेज-231 द-(3/54) पेज-234

92. आसु का नाट्यवृत्तिर्न भवति– UGC 25 J–2016
(A) कैशिकी (B) आरभटी
(C) अभिधा (D) भारती
स्रोत–दशरूपक (2/47) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-182

79. (D)	80. (A)	81. (D)	82. (D)	83. (B)	84. (D)	85. (B)	86. (D)	87. (B)	88. (C)
89. (A)	90. (C)	91. (A)	92. (C)						

93. संस्कृतनाटकेषु विदूषकस्य को वर्गः?
IAS–1994, UGC 25 J–2013
(A) ब्राह्मणवर्गः (B) क्षत्रियवर्गः
(C) वैश्यवर्गः (D) शूद्रवर्गः
स्रोत–मृच्छकटिकम्-रमाशंकर त्रिपाठी, भू0 पेज- xlii (42)

94. 'अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद्विसर्पति'–इति कस्य लक्षणम्? UGC 25 J–2013
(A) मुखस्य (B) बीजस्य
(C) निर्वहणस्य (D) पताकायाः
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/65)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-182

95. समवकारे पात्राणि के भवन्ति– UGC 25 D–2013
(A) मानवाः (B) दैत्याः
(C) देवाः दानवाः च (D) अप्सरसः
स्रोत–दशरूपक (3/63) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-237

96. (i) वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः। संक्षिप्तार्थस्तु... आदावङ्कस्य दर्शितः॥
(ii) वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः' इति नाटके कथ्यते– UGC 25 D–2013, J–2014, UP GIC–2015
(A) प्रवेशकः (B) विष्कम्भकः
(C) सूत्रधारः (D) अङ्कावतारः
स्रोत–दशरूपक (1/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

97. 'वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां .... संक्षेपार्थस्तु विष्कम्भो मध्यपात्रप्रयोजितः॥' – रिक्तस्थानं पूरयतु?
BHU AET–2011
(A) प्रयोजकः (B) निदर्शकः
(C) नियामकः (D) प्रदर्शकः
स्रोत–दशरूपक (1/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

98. 'वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः संक्षेपार्थस्तु विष्कम्भः .... पात्रप्रयोजितः॥ BHU AET–2012
(A) मुख्य (B) नीच
(C) मध्य (D) दिव्य
स्रोत–दशरूपक (1/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

99. अवान्तरार्थविच्छेदे .... किमच्छेदकारणम्
UGC 25 J–2014
(A) बीजम् (B) बिन्दुः
(C) पताका (D) प्रकरी
स्रोत–दशरूपक (1/17) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-21

100. दशरूपकानुसारं प्रहसनं भवति? UGC 25 J–2016
(A) द्विविधम् (B) चतुर्विधम्
(C) त्रिविधम् (D)पञ्चविधम्
स्रोत–दशरूपक (3/54) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–234

101. नाटक सन्धियों में प्रथम है? UGC 25 J–1994
(A) निर्वहण (B) गर्भ
(C) प्रतिमुख (D) मुख
स्रोत–दशरूपक (1/24) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

102. नाटिका को कहा गया है? UGC 25 J–2003
(A) रूपक (B) उपरूपक
(C) काव्य (D) चम्पू
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

103. नाटकं नाम किम्– MH SET–2013
(A) पञ्चसन्धिचतुर्वृत्तिचतुःषष्ट्यङ्गसंयुतम्
(B) कितवद्यूतकारादिविटचेटकसंकुलम्
(C)कैशिकीवृत्तिरहितम्
(D) अङ्गीरौद्ररसस्तस्य सर्वेऽङ्गानि रसाः पुनः
साहित्यदर्पण (6, 7, 115, 122)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-170-198-199

104. डोम्बी श्रीगदितं च .... विभागे अन्तर्भवति
KL SET–2014
(A) भाणमिति (B) प्रहसनमिति
(C) उपरूपकमिति (D) व्यायोगमिति
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-9

105. डिमः कत्यङ्कात्मको भवति– RPSC SET–2013-14
(A) पञ्चाङ्कात्मकः (B) सप्ताङ्कात्मकः
(C) चतुरङ्कात्मकः (D) अष्टाङ्कात्मकः
स्रोत–दशरूपक (3/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-235

93. (A) 94. (B) 95. (C) 96. (B) 97. (B) 98. (C) 99. (B) 100. (C) 101. (D) 102. (B) 103. (A) 104. (A) 105. (C)

106. (i) पञ्चसन्धिसमन्वितं रूपकं किम्?
(ii) पाँच सन्धियाँ किसमें होती हैं? BHU MET–2010
RPSC SET–2013-14
(A) नाटिका (B) खण्डकाव्य
(C) नाटक (D) आख्यायिका
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

107. पञ्चसन्धयः कुत्र प्रसिद्धाः? BHU Sh.ET–2011
(A) काव्ये (B) महाकाव्ये
(C) गीतिकाव्ये (D) दृश्यकाव्ये
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/7) शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

108. नाट्यं किम्? BHU Sh.ET–2013
(A) रसोत्पादकम् (B) श्रवणीयम्
(C) दृश्यम् (D) अवस्थानुकृतिः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-6

109. अधोलिखितेषु कश्चिदेकोऽर्थोपक्षेपको नास्ति?
BHU AET–2010
(A) प्रवेशकः (B) नान्दी
(C) विष्कम्भकः (D) चूलिका
स्रोत–दशरूपक (1/58) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

110. अधोलिखितेषु कोऽस्ति नाट्यसन्धिः BHU AET–2010
(A) विमर्शः (B) पताका
(C) प्राप्त्याशा (D) बिन्दुः
स्रोत–दशरूपक (1/23) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

111. नाटके निर्वहणसन्धौ को रसः कार्यः? UK SLET–2015
(A) भयानकः (B) अद्भुतः
(C) शृङ्गारः (D) शान्तः
स्रोत–दशरूपक (3/33-34) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-224

112. दशरूपकानुसारं– UGC 25 J–2016
'बीजवन्तो मुखाद्यर्था विप्रकीर्णा यथायथम्।
ऐकार्थ्यमुपनीयन्ते' – इत्यादिलक्षणं भवति–
(A) मुखसन्धेः (B) गर्भसन्धेः
(C) निर्वहणसन्धेः (D) प्रतिमुखसन्धेः
स्रोत–दशरूपक (1/48) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-85

113. प्रहसने प्रधानरसः कः? K SET–2014
(A) शृङ्गारः (B) अद्भुतः
(C) हास्यः (D) वीरः
स्रोत–दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-246

114. नाटकस्य कथावस्तु कीदृशं भवति– K SET–2014
(A) प्रख्यातम् (B) मिश्रम्
(C) उत्पाद्यम् (D) लोकायत्तम्
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

115. प्रकरणे वृत्तं .... भवति– K SET–2013
(A) प्रख्यातम् (B) मिश्रम्
(C) उत्पाद्यम् (D) प्रासङ्गिकम्
स्रोत–दशरूपक (3/39) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-226

116. रूपकं ..... काव्यं भवति– GJ SET–2004
(A) श्रव्य (B) दृश्य
(C) चम्पू (D) महाकाव्य
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-7

117. दशरूपकेषु .... न गण्यते– GJ SET–2016
(A) नाटकम् (B) प्रकरणम्
(C) भाणिका (D) डिमः
स्रोत–दशरूपक -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

118. सौगन्धिकाहरणम्' कस्य रूपकस्योदाहरणम्?
GJ SET–2013
(A) नाटकस्य (B) ईहामृगस्य
(C) समवकारस्य (D) व्यायोगस्य
स्रोत–साहित्यदर्पण -शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

119. 'डिम' नाम्नि रूपके अङ्गीरसः कः? GJ SET–2013
(A) वीरः (B) हास्यः
(C) रौद्रः (D) शान्तः
स्रोत–दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-248

120. एतेषु .... सात्त्विकभावो न भवति– GJ SET–2016
(A) स्तम्भः (B) प्रलयः
(C) वैवर्ण्यम् (D) औत्सुक्यम्
स्रोत–दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-266

106. (C) 107. (D) 108. (D) 109. (B) 110. (A) 111. (B) 112. (C) 113. (C) 114. (A) 115. (C) 116. (B) 117. (C) 118. (D) 119. (C) 120. (D)

121. कार्यावस्थाः कति? UK SLET–2015

(A) अष्टौ (B) सप्त

(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–दशरूपक (1/19) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

122. 'वीथी' इति कस्य प्रभेदः? UK SLET–2015

(A) महाकाव्यस्य (B) गद्यकाव्यस्य

(C) रूपकस्य (D) उपरूपकस्य

स्रोत–दशरूपक (1/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

123. भाणः कस्य महाविषयस्य भागः DL–2015

(A) महाकाव्यस्य (B) ऐतिह्यस्य

(C) नाट्यस्य (D) मुक्तकवाङ्मयस्य

स्रोत–दशरूपक (1/8) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-8

124. अर्थोपक्षेपकाः कति? DSSSB TGT–2014 K SET–2014

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) षट् (D) सप्त

स्रोत–दशरूपक (1/58) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

125. रूपक के भेदक तत्त्व जिनके आधार पर उनमें अन्तर किया जाता है, वे कितने हैं? UP TGT–2013

(A) 3 (B) 4

(C) 5 (D) 6

स्रोत–दशरूपक-रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-12

126. शृङ्गार रस की दृष्टि से कृष्ण किस प्रकार के नायक हैं? UP PGT (H)–2013

(A) अनुकूल (B) दक्षिण

(C) शठ (D) धृष्ट

स्रोत–

127. निम्नलिखित में कौन सा अर्थोपक्षेपक नहीं है? UP PGT (H)–2013

(A) प्रवेशक (B) चूलिका

(C) नियताप्ति (D) विष्कम्भक

स्रोत–दशरूपक (1/58) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-99

128. इनमें से कौन नाट्य-वृत्तियों के अन्तर्गत नहीं है? UP PGT (H)–2013

(A) पाञ्चाली (B) कैशिकी

(C) आरभटी (D) भारती

स्रोत–दशरूपक (2/61) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-195

129. निम्नलिखित में धीरोद्धत नायक कौन है? UP PGT (H)–2013

(A) युधिष्ठिर (B) दुष्यन्त

(C) माधव (D) भीमसेन

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/33) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-65

130. अस्मिन् कः पञ्चसन्धिभेदः नास्ति? UP GIC–2015

(A) मुखः (B) सम्मुखः

(C) प्रतिमुखः (D) गर्भः

स्रोत–दशरूपक (1/23) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-26

131. नृत्तं ....॥ शून्यं स्थानं पूरयत। UGC 25 J–2015

(A) भावाश्रयम् (B) केवलं लयाश्रयम्

(C) केवलं तालाश्रयम् (D) താललयाश्रयम्

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-11

132. प्राप्त्याशा भवति– UGC 25 J–2015

(A) फललाभाय औत्सुक्यमात्रम्

(B) उपायापायशङ्काभ्यां प्राप्तिसम्भवः

(C) अप्राप्तौ अतित्वरान्वितः व्यापारः

(D) अपायाभावतः प्राप्तिः

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-24

133. दशरूपकमते नाटकस्य अङ्कसंख्या भवति– UGC 25 J–2015

(A) 5-7 (B) 5-8

(C) 5-10 (D) 7-10

स्रोत–दशरूपक (3/38) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-226

134. दशरूपके वस्तुकर्म कतिविधम्– UK SLET–2012

(A) द्विविधम् (B) चतुर्विधम्

(C) त्रिविधम् (D) सप्तविधम्

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-13

135. गणिका नायिका भवति– UGC 25 D–2006

(A) नाटके (B) प्रकरणे

(C) भाणे (D) समवकारे

स्रोत–दशरूपक (3/41) -रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-227

136. 'नान्दी' प्रयुक्तो भवति– UP GIC–2015

(A) महाकाव्ये (B) खण्डकाव्ये

(C) गद्यकाव्ये (D) रूपके

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/23-24) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-172

121. (D) 122. (C) 123. (C) 124. (B) 125. (A) 126. (B) 127. (C) 128. (A) 129. (D) 130. (B)
131. (D) 132. (B) 133. (C) 134. (A) 135. (B) 136. (D)

137. निम्नाङ्कितेषु उचितः क्रमः कः? G GIC–2015
(A) बीजं, बिन्दुः, कार्यं, पताका, प्रकरी
(B) प्रकरी, पताका, कार्यं, बीजं, बिन्दुः
(C) बीजं, बिन्दुः, पताका, प्रकरी, कार्यम्
(D) कार्यं, बीजं, प्रकरी, पताका, बिन्दुः
स्रोत–दशरूपक (1/18) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-22

138. आकाशभाषिते पात्रसंख्या भवति? G GIC–2015
(A) एकम् (B) द्वे
(C) त्रीणि (D) चत्वारि
स्रोत–दशरूपक (1/67) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-107

139. दशरूपकानुसारं फलस्याप्राप्तावुपाययोजनादिरूपचेष्टाविशेषः भवति? UGC 25 D–2015
(A) आरम्भः (B) प्रयत्नः
(C) प्राप्त्याशा (D) नियताप्तिः
स्रोत–दशरूपक (1/20) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-23

140. ''दोषा गुणा गुणा दोषा यत्र स्युर्मृदवं हि तत्''– दशरूपके कस्मिन् प्रसङ्गे इयमुक्तिः? UGC 25 D–2015
(A) वीथ्यङ्गप्रसङ्गे (B) नृत्यलक्षणप्रसङ्गे
(C) सन्धिभेदप्रसङ्गे (D) प्रहसनलक्षणप्रसङ्गे
स्रोत–दशरूपक (3/21) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-218

141. अवमर्शसन्धिषु न परिगण्यते? GJ SET–2016
(A) अपवादः (B) विद्रवः
(C) व्यवसायः (D) अनुव्यवसायः
स्रोत–दशरूपक (1/44) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-70

142. प्रस्तुतसम्बन्धि भिन्नार्थं सहसोदितम् .... GJ SET–2016
(A) छलनम् (B) वाक्केलिः
(C) गण्डः (D) नालिका
स्रोत–दशरूपक (3/18) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-214

143. समवकारे कत्यङ्काः भवन्ति? RPSC SET–2013-14
(A) एकः (B) दश
(C) चत्वारः (D) त्रयः
दशरूपक (3/65) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-250-251

144. महाकाव्ये नायकः किं विधो भवति? RPSC SET–2013-14
(A) धीरप्रशान्तः (B) धीरोदात्तः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरललितः
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/316) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

145. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013
(क) प्रकरणम् **1. सौगन्धिकाहरणम्**
(ख) व्यायोगः **2. त्रिपुरदाहः**
(ग) डिमः **3. कुसुमशेखरविजयः**
(घ) ईहामृगः **4. मालतीमाधवम्**

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	1	2
(D)	2	4	3	1

स्रोत–संस्कृतगंगासाहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-304

146. व्यायोगे किं विद्यते– MH SET–2013
(A) धूर्तचरितम् (B) नायिका कुलजा क्वापि
(C) नेतारः प्राकृतानराः (D) स्वल्पस्त्रीजनसंयुतत्वम्
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/231) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

147. अधस्तनेषु धीरललितः नायकः कः? MH SET–2016
(A) उदयनः (B) चारुदत्तः
(C) दुष्यन्तः (D) अग्निमित्रः
स्रोत–दशरूपक (2.3) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-114

148. डिमस्तु भवति– MGKV Ph. D–2016
(A) गर्भसन्धिरहितः (B) विमर्शसन्धिरहितः
(C) मुखसन्धिरहितः (D) प्रतिमुखसन्धिरहितः
स्रोत–दशरूपक - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज–236

149. प्रहसनं ....। GJ SET–2016
(A) द्विविधिम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत–दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–246

150. (i) एक पात्र प्रयोजित रचना है? UGC 25 J–2001, (ii) एक पात्र प्रयोजित रूपक है? 2002
(A) अङ्क (B) ईहामृग
(C) भाण (D) डिम
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/228) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

151. 'प्रशंसात उन्मुखीकरणं दशरूपके' कस्य लक्षणं भवति– UGC 25 J–2016
(A) भारत्याः (B) वीथ्याः
(C) प्ररोचनायाः (D) प्रहसनस्य
स्रोत–दशरूपक (3/6) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–205

137. (C) 138. (A) 139. (B) 140. (A) 141. (D) 142. (C) 143. (D) 144. (B) 145. (B) 146. (D) 147. (A) 148. (B) 149. (B) 150. (C) 151. (C)

31 साहित्यदर्पण

1. (i) साहित्यदर्पणस्य प्रणेता-
(ii) साहित्यदर्पणग्रन्थकर्तुः नामाभिधीयताम्–
BHU Sh.ET–2011, GJ-SET-2011
(A) विश्वनाथः (B) जगन्नाथः
(B) धनपालः (D) धनञ्जयः
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-19

2. साहित्यदर्पणस्य आरम्भे विश्वनाथः कां देवतां नमस्करोति? BHU AET–2010
(A) गणेशम् (B) महेशम्
(C) सुरेशम् (D) वाग्देवताम्
स्रोत- साहित्यदर्पण (1/1)- भवानी शंकर शर्मा, पेज-97

3. 'परिच्छेद' विभाजन किस ग्रन्थ से सम्बद्ध है? BHU MET–2016
(A) साहित्यदर्पण (B) भावप्रकाशन
(C) काव्यप्रकाश (D) चन्द्रालोक
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-22

4. (i) साहित्यदर्पण में परिच्छेदों की संख्या है–
(ii) साहित्यदर्पणे कियन्तः परिच्छेदाः सन्ति?
UP PGT–2000, 2010, BHU AET–2010 UK TET–2011
(A) दस (B) आठ
(C) सात (D) नौ
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-22

5. (i) साहित्यदर्पणे .... सन्ति? UGC 25 J–2001,
(ii) साहित्यदर्पण में है–UP PGT-2011, GJ-SET-2011
(ii) साहित्यदर्पण विभक्त है?
(A) परिच्छेद (B) उच्छ्वास
(C) सर्ग (D) अङ्क
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-22

6. साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद का नाम है– UP PGT–2002, 2004
(A) काव्य-दोष-निरूपण (B) काव्य-स्वरूप-निरूपण
(C) काव्य-प्रयोजन-निरूपण (D) काव्य-लक्षण-निरूपण
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-170

7. अधोलिखितेषु कतमत् विशेषणं विश्वनाथकृते न प्रयुज्यते– D. U.- Ph.D-2016
(A) साहित्यार्णवकर्णधारः (B) ध्वनिप्रस्थापनपरमाचार्यः
(C) सान्धिविग्रहिकः (D) चतुर्दशभाषावारविलासिनीभुजङ्गः
संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज–157

8. आचार्य विश्वनाथानुसार काव्य का प्रयोजन है– UP PGT–2003
(A) पुरुषार्थ-चतुष्टय (B) मोक्ष
(C) अर्थ (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-45,46

9. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इत्यत्र रसमध्ये ग्रहणं कृतम्– UGC 25 D–2015
(A) केवलं रसस्य (B) केवलं भावस्य
(C) केवलं रसाभासस्य (D) रस-भाव-तदाभासादीनाम्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, भू० पेज-43

10. (i) विश्वनाथमते काव्यशरीरे रसस्य का स्थितिर्वर्तते–
(ii) साहित्यदर्पण में 'काव्य में रस की स्थिति' को कहा गया है? UGC 25 D–2014, UK TET–2011
(A) अलङ्कारवत् (B) आत्मवत्
(C) गुणवत् (D) रीतिवत्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-134

11. (i) विश्वनाथ का काव्यलक्षण है– UGC 25 J–1994, 2001,
(ii) विश्वनाथेन कृतं काव्यलक्षणं किम्?
(iii) विश्वनाथ के अनुसार काव्यलक्षण है–
(iv) विश्वनाथोक्तं काव्यलक्षणम् .....। RPSC-SET-2010, GJ-SET-2013, 2008, MH-SET-2013
(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्
(B) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(D) शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्नापदावली
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

1. (A) 2. (D) 3. (A) 4. (A) 5. (A) 6. (B) 7. (D) 8. (A) 9. (D) 10. (B) 11. (C)

12. कीदृशं वाक्यं काव्यम्? HAP-2016
(A) रीत्यात्मकम् (B) दोषात्मकम्
(C) रसात्मकम् (D) गुणात्मकम्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

13. (i) विश्वनाथ ने किसके काव्यलक्षण का खण्डन किया–
(ii) विश्वनाथः कस्य काव्यलक्षणस्य खण्डनं कृतवान्?
(iii) विश्वनाथेन कस्य काव्यलक्षणस्य खण्डनं प्रधानत्वेन कृतम्? UGC 25 J–1998, 2000 2011, S-2013, K-SET–2013
(A) भामह (B) मम्मट
(C) दण्डी (D) जगन्नाथ
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-37

14. (i) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इति काव्यलक्षणं कस्मिन् साहित्यशास्त्रे प्राप्यते? JNU MET-2015, CCSUM-
(ii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' वर्णित है– Ph.D-2016
(iii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं'' इत्युक्तिः कुत्रोपलभ्यते– UGC 25 D–2003, BHU Sh.ET–2008
(A) काव्यप्रकाशे (B) साहित्यदर्पणे
(C) ध्वन्यालोके (D) काव्यालङ्कारे
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

15. विश्वनाथमते काव्यत्वसिद्धिर्भवति– UGC 25 J–2006
(A) शब्दार्थाभ्याम् (B) गुणालङ्काराभ्याम्
(C) रीतिवृत्तिभ्याम् (D) रसात्
स्रोत-साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-19

16. विश्वनाथस्य मते काव्यम्– UGC 25 D–2006
(A) शब्दः (B) शब्दार्थौ
(C) वाक्यं (D) पदावलिः
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-43

17. (i) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' इत्युक्तम्–
(ii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' इति काव्यलक्षणमुक्तम्–
(iii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' के प्रतिपादक आचार्य हैं–
(iv) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' कस्येदं काव्यलक्षणम्?
(v) वाक्यं रसात्मकं कथन है– BHU Sh.ET–2011,
(vi) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इति काव्यलक्षणेन सम्बद्धः आचार्यः अस्ति? G-GIC-2015 UGC 25 D–2007, BHU B.Ed–2014, T-SET-2013, 14 K-SET-2014, UP TET–2013, UP PGT–2000, UP GIC–2012, MH-SET-2013
(A) कुन्तकः (B) विश्वनाथः
(C) दण्डी (D) भरतः
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

18. 'श्वेतो धावति' कस्य उदाहरणमस्ति? MGKV Ph. D–2016
(A) प्रयोजने उपादानलक्षणायाः
(B) रुढावुपादानलक्षणायाः
(C) प्रयोजने लक्षणलक्षणायाः
(D) रूढौ लक्षणलक्षणायाः
स्रोत- साहित्यदर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज-164

19. 'दोषास्तस्यापकर्षकाः' इत्यत्र 'तस्य' इत्यनेन सह साहित्यदर्पणमते कस्य बोधः? UGC 25 J–2016
(A) रसस्य (B) अलङ्कारस्य
(C) गुणस्य (D) सङ्केतस्य
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-165,166

20. आचार्य विश्वनाथ की काव्यपारिभाषिक शब्दावली है– UP PGT–2002, JNU MET–2014
(A) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
(B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(C) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्
(D) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

21. योग्यताकांक्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः भवति— UGC–25 J 2016
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) वाक्यम् (D) महावाक्यम्
स्रोत- साहित्यदर्पण (2/1) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-171

22. आचार्य विश्वनाथ ने काव्य का लक्षण साहित्यदर्पण के किस परिच्छेद में दिया है– UP PGT–2003
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) चतुर्थ
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

23. अनेकार्थस्य शब्दस्य सन्निधाने एव व्यञ्जना सम्भवति– D.U.-M.Phil-2016
(A) आर्थी (B) अभिधाश्रया शाब्दी
(C) लक्षणाश्रया शाब्दी (D) उक्ताः सर्वविधा एव
स्रोत- साहित्यदर्पण (2/14) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-266

12. (C) 13. (B) 14. (B) 15. (D) 16. (C) 17. (B) 18. (B) 19. (A) 20. (B) 21. (C) 22. (A) 23. (B)

24. एषु विश्वनाथस्य किं मतम्– BHU Sh.ET–2013
(A) रसो वै सः (B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(C) ध्वनिरात्मा काव्यस्य (D) शब्दार्थौ काव्यम्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

25. अद्भुतरसस्य स्थायिभावः – K-SET-2013
(A) भयम् (B) विस्मयः
(C) जुगुप्सा (D) क्रोधः
स्रोत- साहित्यदर्पण (3/242) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-120

26. आचार्यविश्वनाथः कतीनाम् आचार्याणां काव्यलक्षणं खण्डितवान्– HE–2015
(A) त्रयाणाम् (B) चतुर्णाम्
(C) पञ्चानाम् (D) षण्णाम्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-43

27. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत– K-SET-2013

(क) विभावः	1. आस्वादवेद्यः
(ख) अनुभावः	2. सहकारी
(ग) व्यभिचारिभावः	3. कार्यम्
(घ) रसः	4. कारणम्

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	4	3
(C)	4	3	2	1
(D)	4	2	1	3

स्रोत- काव्यप्रकाश (सूत्र-43)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–95

28. 'वाक्यं रसात्मकं ......।' इत्यस्मिन् रिक्तस्थाने योज्यम्– UP GIC–2012
(A) काव्यम् (B) तत्त्वम्
(C) सत्यम् (D) दिव्यम्
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

29. काव्यलक्षणखण्डनविचारे कस्य मतं 'स्ववचनविरोधाद् अपास्तम्' इति विश्वनाथेन कथितम्? UGC 25 J–2015, Jn-2017
(A) आनन्दवर्धनस्य (B) वामनस्य
(C) मम्मटस्य (D) व्यक्तिविवेककारस्य
स्रोत- साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-18

30. साहित्यदर्पण के अनुसार 'कर्मणि कुशलः' उदाहरण है– UGC 25 D–2003
(A) अभिधा का (B) लक्षणा का
(C) व्यञ्जना का (D) तात्पर्या का
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-213

31. (i) अग्रिमा शब्दशक्तिः – UGC 25 D–2004
(ii) अग्रिमा शब्दशक्तिः का अस्ति–
(A) तात्पर्या (B) व्यञ्जना
(C) लक्षणा (D) अभिधा
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-56

32. (i) साक्षात्संकेतितार्थस्य बोधिका का?
(ii) सङ्केतितमर्थं बोधयन्ती शक्तिः– UGC 25 D–2007, K-SET-2014
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या
स्रोत- (i) साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-56
(ii) काव्यप्रकाश (सूत्र-9)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–42

33. (i) साहित्यदर्पणे लक्षणायाः कति भेदाः प्रदर्शिताः –
(ii) साहित्यदर्पणे साकल्येन लक्षणायाः कति भेदाः?
(iii) साहित्यदर्पणे लक्षणायाः .... भेदाः सन्ति–
(iv) साहित्यदर्पणानुसारं लक्षणायाः प्रभेदाः–
(v) विश्वनाथेन 'लक्षणायाः' कति भेदाः प्रदर्शिताः– UGC 25 J–2006, BHU AET–2010, JNU MET–2014, 2015, UGC 25 D–2013, 2014, 2015, GJ SET-2008, RPSC SET-2010
(A) षोडश (16) (B) चतुर्विंशतिः (24)
(C) अशीतिः (80) (D) द्वादश (12)
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-59

34. 'लक्षणा' स्वीकृति का आधार है–UGC 25 J–1998
(A) योग्यता (B) आसक्तिः
(C) सङ्केतः (D) मुख्यार्थबाधः
स्रोत- साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-57

35. जिस लक्षणा में मुख्यार्थ का भी ग्रहण होता है, वह कौन सी लक्षणा कहलाती है– UP PGT–2011
(A) प्रयोजनमूला (B) रूढिमूला
(C) उपादानलक्षणा (D) लक्षण-लक्षणा
स्रोत–साहित्यदर्पण (2/6) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-216

24. (B) 25. (B) 26. (C) 27. (C) 28. (A) 29. (A) 30. (B) 31. (D) 32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (C)

36. लक्षणा के 80 भेद किसने किये हैं–UP PGT–2000
(A) वामन (B) विश्वनाथ
(C) जगन्नाथ (D) आनन्दवर्धन
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-59

37. 'गङ्गायां घोषः' किस लक्षणा भेद का उदाहरण है– UP PGT–2003
(A) रुढ़ि लक्षणलक्षणा (B) रूढ़ि उपादानलक्षणा
(C) प्रयोजन लक्षणलक्षणा (D) प्रयोजन उपादानलक्षणा
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-58

38. 'कलिङ्गः साहसिकः' किस लक्षणा भेद का उदाहरण है? UP PGT–2003
(A) रुढ़िवती सारोपा लक्षणलक्षणा
(B) रुढ़िवती साध्यवसाना लक्षणलक्षणा
(C) रुढ़िवती साध्यवसाना सोपादानलक्षणा
(D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-234

39. 'रुढेः प्रयोजनाद्वाऽसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता' यह लक्षण है– UP PGT–2009
(A) विश्वनाथ का (B) आनन्दवर्धन का
(C) मम्मट का (D) पण्डितराजजगन्नाथ का
स्रोत–साहित्यदर्पण (2.5) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-202

40. अधोलिखितासु शब्दशक्तिरूपेण का न परिगण्यते? MGKV Ph. D–2016
(A) ध्वनिः (B) लक्षणा
(C) अभिधा (D) व्यञ्जना
स्रोत– साहित्यदर्पण (2/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

41. (i) ''मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययाऽन्योऽर्थः प्रतीयते ....।'' सा शक्तिः का? UGC 25 J–2013, K- SET-2014
(ii) ''मुख्यार्थबाधे तद्योगे कः व्यापारः भवति–
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या
स्रोत–साहित्यदर्पण (2.5) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-202

42. 'उपकृतं बहु तत्र किमुच्यते' उदाहरणमस्ति– UP GIC–2015
(A) लक्षणलक्षणायाः (B) उपादानलक्षणायाः
(C) सारोपालक्षणायाः (D) साध्यवसानालक्षणायाः
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-222

43. विश्वनाथानुसारं शाब्दीव्यञ्जना कतिधा– UGC 25 J–2013
(A) चतुर्धा (B) द्विधा
(C) त्रिधा (D) पञ्चधा
स्रोत–साहित्यदर्पण (2.12) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-63

44. साहित्यदर्पणस्य कस्मिन्परिच्छेदे व्यञ्जनायाः स्थापना कृता? JNU MET–2014
(A) द्वितीये (B) पञ्चमे
(C) चतुर्थे (D) तृतीये
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-23

45. शब्दस्यार्थादिकस्य वृत्तिः का अस्ति? UGC 25 D–2004
(A) अभिधा (B) व्यञ्जना
(C) लक्षणा (D) तात्पर्या
स्रोत– साहित्यदर्पण (2.12) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-261

46. शब्दार्थयोः शक्तिः का HAP–2016
(A) लक्षणा (B) व्यञ्जना
(C) अभिधा (D) तात्पर्याख्या
स्रोत– साहित्यदर्पण (2.12)-भवानी शंकर शर्मा, पेज-261,262

47. 'आयुर्घृतम्' इति उदाहरणमस्ति? JNU MET–2015
(A) रूढौ उपादानलक्षणायाः सारोपायाः
(B) प्रयोजने उपादानलक्षणायाः सारोपायाः
(C) प्रयोजने लक्षणलक्षणायाः सारोपायाः
(D) रूढौ लक्षणलक्षणायाः सारोपायाः
स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-231

48. (i) 'विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः' यह किस वृत्ति का लक्षण है– UGC 73 D–2014,
(ii) विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः। सा वृत्तिः ..... कथ्यते। UGC 25 J–2001,
(iii) विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः, सा...। GJ- SET-2003, 2004, UK TET–2011, UP PGT–2009, 2010
(A) तात्पर्या (B) अभिधा
(C) लक्षणा (D) व्यञ्जना
स्रोत– साहित्यदर्पण (2.12) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-261

36. (B)	37. (C)	38. (B)	39. (A)	40. (A)	41. (B)	42. (A)	43. (B)	44. (B)	45. (B)
46. (B)	47. (C)	48. (D)							

49. रूढौ साध्यवसानायाः उपादानलक्षणायाः उदाहरणमस्ति– JNU MET -2015

(A) श्वेतो धावति (B) कलिङ्गः साहसिकः

(C) कुन्ताः प्रविशन्ति (D) गङ्गायां घोषः

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-234

50. अधोलिखितेषु विश्वनाथानुसारं कतमद् रूढिमूलगौण-साध्यवसानायाः लक्षणाया उदाहरणं स्यात्? D.U. Ph.D-2016

(A) अश्वः श्वेतो धावति (B) राजा कण्टकं शोधयति

(C) एते कुन्ताः प्रविशन्ति (D) एतानि तैलानि हेमन्ते सुखानि

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-237

51. (i) रसभेदाः सन्ति–UGC 25 J–2001, GJ-SET-2004

(ii) साहित्यदर्पण के अनुसार रस कितने हैं–

(A) 2 (B) 5

(C) 7 (D) 9

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-16

52. साहित्यदर्पणानुसारं शान्तरसस्य स्थायीभावोऽस्ति– UGC 25 D–2006

(A) शमः (B) निर्वेदः

(C) विवेकः (D) माया

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/245)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–121

53. (i) विश्वनाथमतानुसारं काव्ये रसस्य स्थानं किम्?

(ii) विश्वनाथमतानुसारेण काव्ये रसो भवति–

(iii) साहित्यदर्पण में काव्य में रस की स्थिति को कहा गया है–UGC 25 D–2007, K-SET- 2013

(iv) साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य में रस की स्थिति है? UP PGT–2004, 2010

(A) आत्मा (B) अवयवसंस्थानम्

(C) आभूषणम् (D) शरीरम्

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-70.

54. काव्ये रीतेः किं स्वरूपम्? MGKV Ph. D–2016

(A) अलङ्कारस्वरूपम् (B) गुणस्वरूपम्

(C) सङ्घटनास्वरूपम् (D) आत्मस्वरूपम्

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-270

55. रसनावृत्ति का उल्लेख किया है– UP PGT–2013

(A) आचार्य विश्वनाथ ने (B) आचार्य मम्मट ने

(C) आचार्य आनन्दवर्धन ने (D) आचार्य भामह ने

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-51

56. विश्वनाथमतानुसारं वीररसः कतिविधः– UGC 25 J-2016

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) पञ्चविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-118

57. (i) विश्वनाथमते हास्यं कतिविधं भवति?

(ii) हास्यरसः कतिविधः भवति–

MGKV Ph. D–2016, UGC 25 J–2015, Jn–2017

(A) चतुर्विधम् (B) त्रिविधम्

(C) द्विविधम् (D) षड्विधम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/217) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-115

58. 'यत्र तु रतिः प्रकृष्टा नाभीष्टमुपैति...... ' इति कः? UGC-25J -2016

(A) विप्रलम्भः (B) संभोगः

(C) करुणः (D) वीरः

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/186) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-106

59. शान्तरसस्य वर्णः कः? UGC 25 J-2016

(A) नीलवर्णः (B) पीतवर्णः

(C) कुन्देन्दुसुन्दरच्छायः (D) रक्तवर्णः

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/245) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-121

60. 'श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते।' श्लेष के इस लक्षण के प्रतिपादक हैं– UP PGT–2000

(A) विश्वनाथ (B) मम्मट

(C) रुद्रट (D) भामह

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.11)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-282

61. 'शृङ्गारवीरशान्तानामेकोऽङ्गी रस इष्यते'-कस्य लक्षणमिदम्? K-SET-2013

(A) दृश्यकाव्यस्य (B) चम्पूकाव्यस्य

(C) महाकाव्यस्य (D) गद्यकाव्यस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (6.317) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

49. (A) 50. (B) 51. (D) 52. (A) 53. (A) 54. (C) 55. (A) 56. (D) 57. (D) 58. (A) 59. (C) 60. (A) 61. (C)

62. (i) विश्वनाथानुसारं शब्दस्य कति शक्तयः?
(ii) विश्वनाथमते शब्दशक्तयः?
K-SET-2013, T-SET-2013
(A) द्वे (B) चतस्रः
(C) तिस्रः (D) पञ्च
स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-55

63. उच्चार्यत्वाद्यदेकत्र स्थाने तालुरदादिके।
सादृश्यं व्यञ्जनस्यैव .... उच्यते।।
रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिये– UP PGT-2011
(A) छेकानुप्रासः (B) वृत्यानुप्रासः
(C) श्रुत्यानुप्रासः (D) अन्त्यानुप्रासः
स्रोत–साहित्यदर्पण (10.5) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-276

64. विश्वनाथ ने काव्य में 'वक्रोक्ति' को किस रूप में माना है– UP PGT–2010
(A) रीति (B) गुण
(C) अलङ्कार (D) आत्मा
स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-137

65. साहित्यदर्पणे श्लेषः कतिविधः निरूपितः– BHU AET–2010
(A) अष्टविधः (B) सप्तविधः
(C) षड्विधः (D) चतुर्विधः
स्रोत– साहित्यदर्पण (10/11) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-282

66. सत्यर्थे पृथगर्थायाः .... विनिगद्यते? UP PGT-2011
(A) अनुप्रासः (B) यमकम्
(C) उपमा (D) व्यतिरेकः
स्रोत– साहित्यदर्पण (10/08)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-280

67. वक्रोक्तिः कतिविधा? HAP - 2016
(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा
स्रोत– काव्यप्रकाश (सू0-102) आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

68. साहित्यदर्पणस्य कस्मिन् परिच्छेदे नाट्यतत्त्वानि वर्णितानि– BHU B.Ed–2011, BHU AET–2010
(A) प्रथमे (B) तृतीये
(C) चतुर्थे (D) षष्ठे
स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-23

69. उपमा-अलङ्कारे भवति – RPSC ग्रेड I PGT - 2014
(A) उपमानोपमेययोः स्पष्टं सुन्दरं साम्यम्
(B) गूढं वैकृतिकं साम्यम्
(C) किञ्चित् विचित्रं स्यात् साम्यम्
(D) अस्पष्टं प्राकृतिकं साम्यम्
स्रोत– साहित्यदर्पण (10/15)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-292

70. साहित्यदर्पणे उपरूपकाणां कति भेदाः आख्याताः– BHU AET–2010
(A) 10 (B) 18
(C) 12 (D) 15
स्रोत– साहित्यदर्पण (6.6) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

71. 'त्रिवर्गं साध्यम्'..........
उचित विधा द्वारा रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए। UP PGT-2011
(A) महाकाव्यम् (B) खण्डकाव्यम्
(C) नाट्यम् (D) चम्पूकाव्यम्
स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-11

72. 'अश्राव्यं खलु यद्वस्तु तदिह स्वगतं मतम्' यह पंक्ति कहाँ प्राप्त होती है– BHU MET–2012
(A) दशरूपक में (B) नाट्यशास्त्र में
(C) चन्द्रालोक में (D) साहित्यदर्पण में
स्रोत– साहित्यदर्पण (6/137) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-201

73. संस्कृत नाटक में 'नान्दी' का उद्देश्य है– UP PGT–2000
(A) अर्थप्राप्ति (B) यशप्राप्ति
(C) आनन्दप्राप्ति (D) विघ्नोपशान्ति
स्रोत– साहित्यदर्पण (6/23)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-172

74. रूपकों में स्त्रियों की भाषा होती है– UP PGT–2000
(A) संस्कृत (B) संस्कृत और प्राकृत
(C) प्राकृत (D) शौरसेनी
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-272

75. नाटकों में 'विष्कम्भक' का प्रयोग होता है– UP PGT–2002
(A) प्रारम्भ में (B) अन्त में
(C) मध्य में (D) कहीं पर भी
स्रोत–(i) दशरूपक - बैजनाथ पाण्डेय, पेज-119
(ii) साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-180

62. (C)	63. (C)	64. (C)	65. (A)	66. (B)	67. (A)	68. (D)	69. (A)	70. (B)	71. (C)
72. (D)	73. (D)	74. (C)	75. (A)						

76. नाटकों में 'प्रवेशक' की भाषा होती है– UP PGT–2002

(A) संस्कृत (B) संस्कृत/प्राकृत
(C) प्राकृत (D) कोई नहीं

स्रोत–दशरूपक-बैजनाथ पाण्डेय, पेज-119

77. सभी रूपकों का सामान्य लक्षण किस रूपक के समान है? UP PGT–2003

(A) भाण (B) प्रहसन
(C) प्रकरण (D) नाटक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-437

78. नाटक में विदूषक होता है– UP PGT–20004

(A) नाटक का नायक (B) नाटक का प्रतिनायक
(C) हास्यरस का पात्र (D) करुणरस का पात्र

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/42) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-68

79. नाटक में जो बात सुनने योग्य नहीं होती, उसे कहते हैं– UP PGT–2004, 2010

(A) प्रकाश (B) आत्मगत/स्वगत
(C) अपवारित (D) जनान्तिक

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/137)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-201

80. नाटकों में भरतवाक्य का प्रयोग होता है– UP PGT–2004, H TET-2015

(A) प्रारम्भ में (B) अन्त में
(C) मध्य में (D) कहीं भी

स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-453,454

81. 'कैशिकीवृत्ति' किस रस में होती है– UP PGT–2005

(A) शृङ्गाररस में (B) वीररस में
(C) रौद्ररस में (D) अद्भुतरस में

स्रोत– दशरूपक (2/62)-रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-195

82. नाटक में प्रवेशक का प्रयोग होता है– UP PGT–2005

(A) प्रारम्भ में (B) अन्त में
(C) दो अङ्कों के मध्य में (D) चार अङ्कों के मध्य में

स्रोत–(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-463
(ii) साहित्यदर्पण (6.57) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–180

83. (i) 'नान्दी' प्रयुक्त होता है–
(ii) नान्दी इत्यस्य व्यवहारः कस्मिन् ग्रन्थे भवति– MGKV Ph. D–2016, UP PGT–2009

(A) काव्य में (B) चम्पूकाव्य में
(C) गद्यकाव्य में (D) नाटक में

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/22.23)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-172

84. (i) नाटके न्यूनतः कति अङ्काः भवन्ति–
(ii) नाटक में कम से कम व अधिक से अधिक कितने अङ्क होने चाहिए? UP PGT–2009, UGC 25 J–2005, D–2010

(A) 5–10 (B) 5–7
(C) 5–7 (D) 7–10

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/8)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-171

85. दस अङ्कों की रचना है– UGC 25 D–2003

(A) भाण (B) प्रकरण
(C) डिम (D) व्यायोग

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-307

86. प्रहसन की कथावस्तु होती है– UGC 25 J–2004

(A) इतिहास प्रसिद्ध (B) कविकल्पित
(C) मिश्रित (D) लौकिक

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.264) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-220

87. चत्वारः सन्धयो भवन्ति– UGC 25 D–2005

(A) नाटके (B) नाटिकायाम्
(C) प्रकरणे (D) भाणे

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/272)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-221

88. वीथ्यां प्रयुक्ता वृत्तिः– UGC 25 J–2007 D–2012

(A) भारती (B) सात्वती
(C) कैशिकी (D) आरभटी

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/254)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-217

89. (i) व्यायोगे नायकः– UGC 25 J–2007, D–2012
(ii) व्यायोगे नायकः कीदृशः?

(A) धीरोदात्तः (B) धीरशान्तः
(C) धीरललितः (D) धीरोद्धतः

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/233)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

76. (C)	77. (D)	78. (C)	79. (B)	80. (B)	81. (A)	82. (C)	83. (D)	84. (A)	85. (B)
86. (B)	87. (B)	88. (C)	89. (D)						

90. (i) नाटके इतिवृत्तं किम्? UGC 25 J–2010, 2012,
(ii) नाटके इतिवृत्तं किं भवति? GJ SET -2014
(A) कल्पितम् (B) प्रसिद्धम्
(C) अप्रसिद्धम् (D) मिश्रम्
स्रोत– साहित्यदर्पण (6/7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

91. सूत्रधार होता है? UP PGT–2004, 2005
(A) नायक के रूप में अभिनय करने के लिए
(B) नाटक आरम्भ करने के लिए
(C) अभिनय का निर्देशन एवं नियन्त्रण करने के लिए
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
स्रोत– छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-48

92. विभावेनानुभावेन व्यक्तः सञ्चारिणा तथा रसतामेति रत्यादिः स्थायिभावः सचेतसाम् अत्र 'व्यक्तः' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः? MGKV Ph. D–2016
(A) दध्यादिन्यायेन परिणतः (B) दीपेन घट इव प्रतीतः
(C) स्थायी (D) लक्षितः
स्रोत–साहित्यदर्पण (3.1) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–47

93. अभिनेतागण जहाँ पर नाटक के उपयुक्त वेशभूषा धारण करते हैं, उसे कहते हैं–UP PGT–2004, 2010
(A) पूर्वरङ्ग (B) नेपथ्य
(C) जनान्तिक (D) स्वगत
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-460

94. रामकथायां जटायु–आख्यानम् अर्थप्रकृतिः अस्ति– UP PGT–2000
(A) बीज-अर्थप्रकृतिः (B) पताका-अर्थप्रकृतिः
(C) प्रकरी-अर्थप्रकृतिः (D) कार्य-अर्थप्रकृतिः
स्रोत– दशरूपक- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-14

95. ''यन्नाट्यवस्तुनः पूर्वं रङ्गविघ्नोपशान्तये।
कुशीलवाः प्रकुर्वन्ति .... स उच्यते॥''
उपर्युक्त लक्षण में रिक्तस्थान का पूरक शब्द है– UP PGT–2000
(A) सूत्रधारः (B) पूर्वरङ्गः
(C) संस्थापकः (D) रङ्गमञ्चः
स्रोत– साहित्यदर्पण (6/22)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-172

96. 'तथा रामायणादीनां भविता दुःखहेतुता' पंक्ति ग्रहण की गयी है– UP PGT–2013
(A) काव्यप्रकाश से (B) साहित्यदर्पण से
(C) नाट्यशास्त्र से (D) वेदान्तसार से
स्रोत– साहित्यदर्पण (3.6) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-52

97. ''श्रवणाद्दर्शनाद्वापि मिथः संरूढरागयोः।
दशाविशेषो योऽप्राप्तौ...... स उच्यते॥''
रिक्तस्थानं साहित्यदर्पणतः पूरयत UGC 25 D–2013
(A) पूर्वरागः (B) मानः
(C) प्रवासः (D) करुण-विप्रलम्भः
स्रोत– साहित्यदर्पण (3/188)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-106

98. स्थायीभावोऽस्ति– CCSUM - Ph.D.-2016
(A) तिरोधातुं क्षमाः (B) तिरोधातुमक्षमाः
(C) अनित्यः (D) न कोऽपि
स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-160

99. आचार्यविश्वनाथेन वाक्यनिष्पत्तौ कति तत्त्वानि निर्दिष्टानि? HE–2015
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) द्वे (D) पञ्च
स्रोत– साहित्यदर्पण (2/1) - भवानी शंकर शर्मा, पेज-171

100. साहित्यदर्पणानुसारं फलावाप्तौ अतित्वरान्वितः व्यापारः भवति? UGC 25 D–2015
(A) आरम्भः (B) नियताप्तिः
(C) प्राप्त्याशा (D) प्रयत्नः
स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-183

101. विश्वनाथमते सङ्केतः गृह्यते.......... UGC 25 J–2015
(A) जातौ, गुणे, द्रव्ये, क्रियायाञ्च (B) केवलं जातिगुणयोः
(C) केवलं द्रव्ये (D) केवलं क्रियायाम्
स्रोत– साहित्यदर्पण (2/4)- भवानी शंकर शर्मा, पेज-194

102. विश्वनाथेन गोबलीवर्दन्यायेन कयोः भेदः स्वीकृतः? D.U.- Ph.D-2016
(A) अनुभावसात्त्विकभावयोः (B) रसभावयोः
(C) स्थायिव्यभिचारिभावयोः (D) आलम्बनोद्दीपनविभावयोः
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/134) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–94

90. (B) 91. (C) 92. (A) 93. (B) 94. (C) 95. (B) 96. (B) 97. (A) 98. (B) 99. (A) 100. (D) 101. (A) 102. (A)

103. दृश्यकाव्यं रूपकमिति कथ्यते यतोहि तत्र – D.U. M. Phil -2016

(A) रामादिस्वरूपस्य आरोपः भवति
(B) अवस्थानुकृतिर्भवति
(C) रूपकालङ्कारस्य प्रचुरः प्रयोगः भवति
(D) उक्तं सर्वमेव भवति

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

104. 'श्वेतो धावति' इत्यत्र तदा एव लक्षणा स्यात् यदा– D.U. M. Phil -2016

(A) गुणे अभिधा स्वीक्रियते
(B) गुणिनि अभिधा स्वीक्रियेत
(C) गुणे गुणिनि च अभिधा स्वीक्रियेत
(D) जातौ अभिधा स्वीक्रियेत

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/6) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–31

105. साहित्यदर्पणमते नीलवर्णः महाकालदैवतः रसः कः भवति– UGC 25 Jn–2017

(A) रौद्रः (B) वीरः
(C) भयानकः (D) वीभत्सः

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-120

106. (i) वीररसस्य स्थायीभावः कः?
(ii) वीररसस्य स्थायीभावोऽस्ति? K-SET-2014, 2015, T-SET-2013

(A) हासः (B) शोकः
(C) क्रोधः (D) उत्साहः

स्रोत– काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

107. 'नायिका कुलजा क्वापि वेश्या क्वापि द्वयं क्वचित्' इति कस्य रूपकस्य नायिकालक्षणम् – CCSUM - Ph.D. - 2016

(A) नाटकम् (B) व्यायोगः
(C) ईहामृगः (D) प्रकरणम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/226)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-214-215

108. भाणे भवन्ति अङ्काः – CCSUM- Ph.D-2016

(A) एकः (B) त्रयः
(C) द्वौ (D) चत्वारः

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/228)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

109. व्यायोगो भवति– CCSUM- Ph.D-2016

(A) ख्यातेतिवृत्त्यात्मकः (B) कल्पितेतिवृत्त्यात्मकः
(C) उभयथा (D) न कोऽपि

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/231) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

110. अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद्विसर्पति।
फलावसानं यच्चैव .... तत् किम् अभिधीयते? UGC 25 Jn–2017

(A) बीजम् (B) बिन्दुः
(C) पताका (D) प्रकरी

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/65) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-182

111. वाक्यं .... काव्यम्? GJ - SET-2014

(A) भावात्मकं (B) रसात्मकं
(C) क्रियात्मकं (D) शब्दात्मकम्

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-157

112. विश्वनाथोक्तदिशा अशीतिभेदाः भवन्ति– GJ- SET-2004

(A) अभिधायाः (B) लक्षणायाः
(C) व्यञ्जनायाः (D) तात्पर्यायाः

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-59

113. (i) सर्गबन्धो.................. GJ SET-2004, 2008
(ii) सर्गबन्धो उच्यते–

(A) दृश्यकाव्यम् (B) गद्यकाव्यम्
(C) महाकाव्यम् (D) गीतिकाव्यम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/315) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

114. (i) साहित्यदर्पणकारेण प्रयुक्तस्य रसात्मकमिति पदस्य विग्रहः ....भवति? GJ- SET-2016
(ii) साहित्यदर्पणे रसात्मकम् इति पदस्य विग्रहः – KL- SET-2015

(A) रसे आत्मा यस्य (B) रसः आत्मा यस्य
(C) रस एव आत्मा यस्य (D) रसः आत्मनि यस्य

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-19

103. (A) 104. (A) 105. (D) 106. (D) 107. (D) 108. (A) 109. (A) 110. (A) 111. (B) 112. (B) 113. (C) 114. (C)

115. नाटके अङ्गीरसः कः? GJ- SET-2013

(A) शृङ्गार एव (B) वीरः एव

(C) शृङ्गारो वीर एव वा (D) हास्यः एव

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/10) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-171

116. महाकाव्ये न्यूनातिन्यूनाः कति सर्गाः? GJ- SET-2013

(A) 28 (B) 35

(C) 12 (D) 8

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.320)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

117. (i) महाकाव्यस्य लक्षणम् – GJ- SET-2003,
(ii) महाकाव्यस्य लक्षणं किम्? MH SET-2013

(A) धर्मबद्धता (B) कर्मबद्धता

(C) स्वर्गबद्धता (D) सर्गबद्धता

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.315) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

118. (i) .... ख्यातवृत्तं स्यात्– रिक्ते पदं योजितं स्यात् –
(ii) नाटकं ख्यातवृत्तं स्यात् पञ्चसन्धिसमन्वितं किम्?
MGKV Ph. D–2016, UPGDC-2014, GJ SET-2008

(A) नाटकम् (B) त्रोटकम्

(C) प्रकरणम् (D) नाट्यम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

119. साहित्यदर्पणे कस्याचार्यस्य काव्यलक्षणं प्रत्याख्यातम् RPSC SET-2013, 14

(A) पण्डितराजजगन्नाथस्य (B) दण्डिनः

(C) भामहस्य (D) मम्मटस्य

स्रोत– काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18

120. शून्यं स्थानं यथोचितेन पदेन पूर्यताम्–
कीटानुविद्धरत्नादिसाधारण्येन...... WB. SET-2010

(A) काव्यता (B) शून्यता

(C) रम्यता (D) न्यूनता

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज-126

121. कस्य रूपकस्य नायिका द्विधा कुलस्त्री गणिका च? MH- SET-2013

(A) नाटकस्य (B) प्रहसनस्य

(C) प्रकरणस्य (D) भाणस्य

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/226) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-215

122. विश्वनाथेन कः रसः इति प्रोक्तः – MH-SET-2013

(A) आस्वाद्यते इति (B) चर्व्यते इति

(C) अभिव्यज्यते इति (D) रस्यते इति

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा, पेज–157

123. निःशेषच्युतचन्दनम् .... इति विश्वनाथानुसारं कस्या वृत्तेः उदाहरणम् MH-SET-2013

(A) अभिधायाः (B) व्यञ्जनायाः

(C) विपरीतलक्षणायाः (D) भारत्याः

स्रोत– साहित्यदर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–195

124. विश्वनाथानुसारं काव्यशरीरे काव्यगुणाः .... वर्तन्ते? GJ SET–2016

(A) कटककुण्डलादिवत् (B) आत्मवत्

(C) अवयवसंस्थानवत् (D) शौर्यादिवत्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–16

125. ''प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता'' अस्यां पंक्तौ कस्मिन् पदे श्लेषालङ्कारः अस्ति – RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) प्रतिकूलता (B) विफलत्वम्

(C) बहुसाधनता (D) विधौ

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/11) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-282

126. विश्वनाथानुसारं रूपकं कतिविधम्– T-SET-2013

(A) दशविधम् (B) अष्टविधम्

(C) षड्विधम् (D) एकादशविधम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6.3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

127. विश्वनाथानुसारं महाकाव्ये सर्गाः स्युः T-SET-2013

(A) दशाधिकाः (B) नवाधिकाः

(C) एकादशाधिकाः (D) अष्टाधिकाः

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.320) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-225

128. वाक्यं स्याद् योग्यता .... आसक्तियुक्तः पदोच्चयः। T-SET-2014

(A) सन्निधिः (B) सार्थकता

(C) गुणवत्ता (D) आकांक्षा

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-24

129. 'अर्पणं स्वस्य वाक्यार्थे परस्यान्वयसिद्धये' परिभाषेयं कस्याः लक्षणायाः सन्दर्भे समीचीना अस्ति–T-SET-2014

(A) उपादानलक्षणा (B) लक्षणलक्षणा

(C) सारोपालक्षणा (D) सादृश्यालक्षणा

स्रोत– साहित्यदर्पण (2.7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-32

115. (C) 116. (D) 117. (D) 118. (A) 119. (D) 120. (A) 121. (C) 122. (D) 123. (B) 124. (D) 125. (D) 126. (A) 127. (D) 128. (D) 129. (B)

130. 'अग्निना सिञ्चति' इति वाक्यं प्रमाणं न कस्मात्? MH-SET-2013

(A) अनुभवविरोधात् (B) योग्यताविरहात्
(C) आकांक्षाविरहात् (D) सान्निध्यभावात्

स्रोत– साहित्यदर्पण (2.7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-24

131. विश्वनाथस्य इमाम् उक्तिम् उचितशब्देन पूरयत .... महावाक्यम्– T-SET-2014

(A) दीर्घवाक्यम् (B) वाक्यानां समूहः
(C) वाक्योच्चयः (D) प्रकरणम्

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-25

132. साहित्यदर्पणानुसारेण एषु कस्य रूपकमध्ये गणनं न भवति– UGC 25 Jn- 2017

(A) समवकारस्य (B) नाटिकायाः
(C) प्रकरणस्य (D) प्रहसनस्य

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

133. (i) विश्वनाथमतमनुसृत्य जातिगुणद्रव्यक्रियासु कः?
(ii) जातिगुणद्रव्यक्रियासु कः गृह्यते? K-SET-2015, MH-SET-2011

(A) लक्ष्यार्थः (B) व्यङ्ग्यार्थः
(C) सङ्केतः (D) तात्पर्यार्थः

स्रोत– साहित्यदर्पण (2.4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-27

134. हास्यरसप्रधानं रूपकं किम्? K- SET-2015

(A) प्रहसनम् (B) डिमः
(C) प्रकरणम् (D) वीथी

स्रोत– साहित्यदर्पण (6.265) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-220

135. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K- SET-2015

(A) शृङ्गारः 1. निर्वेदः
(B) करुणः 2. विस्मयः
(C) अद्भुतः 3. शोकः
(D) शान्तः 4. रतिः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	2	4	1	3
(C)	1	4	3	2
(D)	1	2	3	4

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/175) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-104-105

136. अधोलिखितेषु किम् अभिनये नान्तर्भवति–K-SET-2013

(A) आङ्गिकम् (B) निर्वेदः
(C) वाचिकम् (D) आहार्यम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/2) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-170

137. अध्यवसानस्वरूपम्– K-SET-2013

(A) केवलम् आरोपः (B) सादृश्यात्मकम्
(C) निगरणाध्यवसानम् (D) अपह्नवात्मकम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (2/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-33

138. रिक्तस्थानं पूरयत– ''अविरुद्धा विरुद्धा वा यं तिरोधातुमक्षमाः। आस्वादाङ्कुरकन्दोऽसौ भावः .... इति सम्मतः॥'' UGC 25 J–2014

(A) सात्त्विकः (B) सञ्चारी
(C) स्थायी (D) अनुभावः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/174)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-104-105

139. स्वरस्य वैषम्येऽपि यत् शब्दसाम्यं तत्? BHU AET–2010, MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) यमकम् (B) श्लेषः
(C) अनुप्रासः (D) भाषासमः

स्रोत– साहित्यदर्पण (10/3)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-275

140. ''अनुप्रासः शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत्''– इत्यत्र शब्दसाम्यपदस्य तात्पर्यमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) पदसाम्यम् (B) वर्णसाम्यम्
(C) स्वरसाम्यम् (D) व्यञ्जनसाम्यम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (10/3)- शालिग्राम शास्त्री, पेज-275

141. साहित्यदर्पणे काव्यप्रयोजनं मतम्? MGKV Ph. D–2016

(A) यशः (B) त्रिवर्गः
(C) चतुर्वर्गः (D) सद्यः परनिर्वृत्तिः

स्रोत– साहित्यदर्पण (1.2) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–7-8

130. (B) 131. (C) 132. (B) 133. (C) 134. (A) 135. (A) 136. (B) 137. (C) 138. (C) 139. (C) 140. (B) 141. (C)

32 ध्वन्यालोक

1. (i) ध्वनिसिद्धान्त के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं–
(ii) ध्वनिसिद्धान्तस्य प्रवर्तकः कः?
(iii) ध्वनिसम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं? UGC 73 D–1996
RPSC SET- 2010, BHU MET-2016
(A) विश्वनाथ (B) दण्डी
(C) वामन (D) आनन्दवर्धन
संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र-राजेन्द्र मिश्र, पेज-94

2. (i) ''काव्यस्यात्मा ध्वनिः'' यह कथन है–
(ii) 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' ब्रूते—
(iii) 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' इति कस्य मतमस्ति?
(iv) 'ध्वनिरात्मा काव्यस्य' इस परिभाषा से सम्बद्ध आचार्य हैं– UP PGT–2003, 2004,
CCSUM Ph.D-2016, UGC 25 J–2000, UGC 73 J–2006, BHU Sh.ET–2011, DSSSB TGT–2014
(A) अभिनवगुप्त (B) आनन्दवर्धन
(C) मम्मट (D) जगन्नाथ
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

3. ध्वन्यालोकः विभक्तः अस्ति–MGKV Ph. D–2016
(A) उल्लासेषु (B) परिच्छेदेषु
(C) उद्योतेषु (D) अध्यायेषु
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–580

4. (i) आनन्दवर्धनाचार्यमतानुसारं काव्यस्यात्मा भवति–
(ii) काव्यस्यात्मा कः – UGC 25 J–2000, 2009
(iii) आनन्दवर्धन के अनुसार काव्य की आत्मा है–
(iii) आनन्दवर्धनमते काव्यस्यात्मा भवति–
BHU MET–2010, MH SET–2013, UGC 73 J–1991, 2008, 2010
(A) ध्वनिः (B) रसः
(C) रीतिः (D) अलङ्कारः
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

5. 'लोचनं' कस्य ग्रन्थस्य आख्यानम् अस्ति?
DSSSB PGT–2014, UGC 25 D–2010, MH- SET-2013
(A) नाट्यशास्त्रस्य (B) काव्यादर्शस्य
(C) ध्वन्यालोकस्य (D) काव्यालङ्कारस्य
स्रोत–ध्वन्यालोक - चण्डिका प्रसाद शुक्ल, भू0 पेज-14

6. आनन्दवर्धन किस सम्प्रदाय के आद्यप्रवर्तक हैं?
BHU MET–2008
(A) अलङ्कार (B) रस
(C) औचित्य (D) ध्वनि
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-48

7. आनन्दवर्धन के द्वारा रचित ग्रन्थ क्या है?
BHU MET–2010
(A) ध्वन्यालोक (B) अग्निपुराण
(C) विष्णुपुराण (D) नाट्यशास्त्र
स्रोत–ध्वन्यालोक - चण्डिका प्रसाद शुक्ल, भू0पेज-13

8. ''प्रतीयमानं पुनरन्यदेव वस्त्वस्ति वाणीषु महाकवीनाम्'' सिद्धान्तस्यास्य प्रतिष्ठापकः आचार्यः अस्ति–
UP GDC–2012
(A) मम्मटाचार्यः (B) क्षेमेन्द्रः
(C) अभिनवगुप्तः (D) आनन्दवर्धनः
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

9. ध्वनिप्रस्थापनपरमाचार्य हैं– UGC 73 S–2013
(A) आनन्दवर्धनः (B) मम्मटः
(C) पण्डितराजजगन्नाथः (D) कविराजविश्वनाथः
(i) संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज–121
(ii) काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज–18

10. ''ध्वनिसम्प्रदायस्य' कः समर्थकः?
BHU Sh. ET–2013, MGKV Ph.D–2016
(A) आनन्दवर्धनः (B) विश्वनाथः
(C) जयदेवः (D) वामनः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-18

1. (D)	2. (B)	3. (C)	4. (A)	5. (C)	6. (D)	7. (A)	8. (D)	9. (B)	10. (A)

11. 'ध्वन्यालोकः' इत्यस्मिन् ग्रन्थे कति उद्योताः सन्ति– UGC 25 D–2014

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) सप्त

स्रोत–ध्वन्यालोक - चण्डिका प्रसाद शुक्ल, भू0पेज-13

12. काव्यस्यात्मा स एवार्थः .... इत्यादिकारिकायाः रचयिताऽस्ति– UP GDC–2014

(A) मम्मटः (B) कैय्यटः
(C) भरतमुनिः (D) आनन्दवर्धनः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-29

13. ध्वन्यालोके ध्वनिविरोधिनां कति पक्षाः भवन्ति? UP GDC–2014

(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) अनेके (D) त्रयः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2,3

14. ध्वनि को काव्य की आत्मा मानने वाले आचार्य हैं– UP PGT–2013

(A) आनन्दवर्धन (B) क्षेमेन्द्र
(C) भामह (D) वामन

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

15. 'ध्वन्यालोक' किस शताब्दी का ग्रन्थ है? UGC -(H) D –2015

(A) सातवीं शताब्दी (B) आठवीं शताब्दी
(C) नौवीं शताब्दी (D) ग्यारहवीं शताब्दी

संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र-राजेन्द्र मिश्र, पेज-94

16. काव्यास्यात्मा स एवार्थः .... इति कारिकया ध्वनेः .... स्थाप्यते॥ KL-SET-2014

(A) सद्भावम् (B) साधुभावम्
(C) लक्षणम् (D) उदाहरणम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

17. आनन्दवर्धन का सम्बन्ध इनमें से किससे है? BHU MET–2015

(A) अलङ्कार सम्प्रदाय (B) रीति सम्प्रदाय
(C) वक्रोक्ति सम्प्रदाय (D) ध्वनि सम्प्रदाय

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-18

18. ध्वनिप्रभेदेषु उत्कृष्टः कः? UGC 25 J–2012

(A) अलङ्कारध्वनिः (B) भावध्वनिः
(C) रसध्वनिः (D) वस्तुध्वनिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-15

19. ध्वन्यालोके प्रतीयमानस्य तृतीयः प्रभेदः कः उक्तः? UGC 25 S–2013

(A) अलङ्कारादिः (B) गुणादिः
(C) रसादिः (D) इत्यादिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18

20. अधोलिखित में कौन-सा सिद्धान्त ध्वनिसिद्धान्त का मूल आधार है? UP GIC–2009

(A) शब्दब्रह्मत्व (B) शब्दनित्यत्व
(C) स्फोटवाद (D) अभिधावृत्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28-29

21. ध्वन्यालोक में 'काव्यस्यात्मा एवार्थः' से अभिप्राय है– UP GIC–2009

(A) करुण रस (B) प्रतीयमान अर्थ
(C) वाच्यार्थ (D) लक्ष्यार्थ

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-29

22. ध्वनिकाव्यं भवति– UP GDC–2012

(A) यत्र वाच्येन तिरस्कृतं व्यङ्ग्यप्रधानम्
(B) यत्र वाच्यातिशयि व्यङ्ग्यं प्रधानम्
(C) यत्र वाच्यव्यङ्ग्ययोः समं प्राधान्यम्
(D) यत्र व्यङ्ग्योपस्कृतं वाच्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

23. 'भ्रम धार्मिक विस्रब्धः' इति पद्ये व्यङ्ग्यमस्ति– UP GDC–2012

(A) वाच्ये प्रतिषेधरूपे व्यङ्ग्यं विधिरूपम्
(B) वाच्ये विधिरूपे व्यङ्ग्यं प्रतिषेधरूपम्
(C) वाच्ये प्रतिषेधरूपे अनुभयरूपम्
(D) वाच्यात् विभिन्नविषयत्वेन व्यवस्थापितम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

11. (A) 12. (D) 13. (D) 14. (A) 15. (C) 16. (A) 17. (D) 18. (C) 19. (C) 20. (C) 21. (B) 22. (B) 23. (B)

24. ध्वन्यालोकमते ध्वनेः निराकरणं कृतम्? RPSC ग्रेड I PGT -2014

(A) अभाववादिभिः (B) अनिर्वचनीयतावादिभिः
(C) भाक्तवादिभिः (D) उपर्युक्तैः सर्वैः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–2-3

25. ''भाक्तमाहुस्तमन्ये'' इति कथनमस्ति– UGC 73 D–2004

(A) ध्वनिवादिनाम् (B) स्फोटवादिनाम्
(C) अलङ्कारवादिनाम् (D) रीतिवादिनाम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

26. ध्वन्यभाववादिनां विकल्पाः सन्ति–UGC 73 J–2012

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) त्रयः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-5,6

27. (i) जिस काव्य में प्रतीयमान अर्थ की प्रधानता होती है, वह होता है? UGC 73 D–2012, J–2013

(ii) प्रतीयमानस्य प्राधान्यं भवति तत्काव्यम्–

(A) मध्यमम् (B) अधमम्
(C) अव्यङ्ग्यम् (D) ध्वनिकाव्यम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

28. व्यङ्ग्यार्थ का 'नामान्तर' है– UGC 73 J–2011

(A) वाच्यार्थः (B) तात्पर्यार्थः
(C) प्रतीयमानार्थः (D) लक्ष्यार्थः

स्रोत–ध्वन्यालोक - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल, भू0 पेज–28

29. यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ। व्यङ्क्तः काव्यविशेषः स......... सूरिभिः कथितः– UGC 73 D–2013

(A) ध्वनिरिति (B) भक्तिरिति
(C) व्यक्तिरिति (D) शक्तिरिति

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

30. आनन्दवर्धन ने ध्वन्यालोक में एक विशिष्ट अर्थ की प्रशंसा की है। वह महाकवियों की वाणियों में सुशोभित होता है। जैसे अङ्गनाओं में लावण्य। वह अर्थ ही काव्य की आत्मा है, उसे कहते हैं– UP GDC–2008

(A) वक्रोक्ति (B) अलङ्कार
(C) प्रतीयमान (D) वाच्यार्थ

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

31. 'केचित् पुनर्लक्षणकरणशालीनबुद्धयो ध्वनेस्तत्त्वं गिरामगोचरं सहृदयसम्बन्धमेव समाख्यातवन्तः' आनन्दवर्धन का 'केचित्' शब्द से संकेत किसके प्रति है? UP GDC–2008

(A) विपर्ययवादी (B) अशक्यवक्तव्यवादी
(C) सन्देहवादी (D) ध्वनिवादी

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-9

32. 'यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ व्यङ्क्तः काव्यविशेषो' भवति– UGC 25 D–2014

(A)गुणीभूतव्यङ्ग्यम् (B) ध्वनिः
(C) अलङ्कारध्वनिः (D) चित्रकाव्यम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

33. ''यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ'' कारिकेयं केनाचार्येण लिखिता? G-GIC-2015

(A) मम्मटेन (B) आचार्यविश्वनाथेन
(C) आचार्यवामनेन (D) आनन्दवर्धनाचार्येण

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

34. ''व्यङ्क्तः काव्यविशेषः सः ध्वनिः'' अस्मिन् वाक्ये 'व्यङ्क्तः' इत्यत्र का विभक्तिः? HE–2015

(A) प्रथमैकवचनम् (B) द्वितीयैकवचनम्
(C) प्रथमपुरुषद्विवचनम् (D) प्रथमपुरुषैकवचनम्।

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

35. अविवक्षितवाच्य तथा विवक्षितान्यपरवाच्य भेद है– UP PGT–2013

(A) अभिधा के (B) लक्षणा के
(C) ध्वनि के (D) तात्पर्या के

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-55

24. (D) 25. (A) 26. (D) 27. (D) 28. (C) 29. (A) 30. (C) 31. (B) 32. (B) 33. (D) 34. (B) 35. (C)

36. 'शिखरिणि क्व नु नाम कियच्चिरं, किमभिधानमसावकरोत्तपः।' इत्यादि-श्लोकः ध्वन्यालोके उदाहरणरूपेण उल्लिखितः– UGC -25 J-2016

(A) अविवक्षितवाच्यप्रसङ्गे (B) अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारप्रसङ्गे

(C) विवक्षितान्यपरवाच्य-प्रसङ्गे (D) दीपकालङ्कार-प्रसङ्गे

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-56

37. ध्वन्यालोके ध्वनिस्वरूपं निरूपितम्– UP GIC–2015

(A) प्रथमोद्योते द्वितीयकारिकायाम्

(B) प्रथमोद्योते चतुर्दशकारिकायाम्

(C) प्रथमोद्योते पञ्चमकारिकायाम्

(D) प्रथमोद्योते त्रयोदशकारिकायाम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

38. यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ। व्यङ्क्तः काव्यविशेषः स ध्वनिरिति ....। कारिकायाः रिक्तांशे योज्यमस्ति – UP GIC–2015

(A) शास्त्रज्ञैः कथितम् (B) ध्वनौ संसूचितम्

(C) आचार्येणोक्तम् (D) सूरिभिः कथितः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

39. (i) ''सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः'' इत्यादि श्लोकः कस्य उदाहरणरूपेण ध्वन्यालोके उल्लिखितः–

(ii) ''सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम्'' इत्यत्र कः ध्वनिः? UGC 25 J–2015, K-SET-2015

(A) अपेक्षालङ्कारस्य (B) विशेषोक्त्यलङ्कारस्य

(C) अविवक्षितवाच्यस्य (D) विवक्षितान्यपरवाच्यस्य

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-56

40. 'ध्वन्यालोक' किस तत्त्व से सम्बन्धित है? UP TGT (H)–2004

(A) अलंकार (B) रस

(C) नाट्य (D) ध्वनि

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

41. सन्ति सिद्धरसप्रख्याः ये च– UGC 73 J–2013

(A) रामायणादयः (B) रघुवंशादयः

(C) प्रकरणादयः (D) प्रहसनादयः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-194

42. आनन्दवर्धनमते मधुरतमः रसः कः? UGC 25 J–2012

(A) करुणरसः (B) विप्रलम्भशृङ्गारः

(C) सम्भोगशृङ्गारः (D) हास्यः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-29

43. ''अन्यदेवसहृदयलोचनामृतं तत्त्वान्तरं तद्वदेव सोऽर्थः– ध्वन्यालोककारमते ''सोऽर्थः'' इत्यस्य कः आशयः? UGC 25 J–2014

(A) अभिधेयार्थः (B) प्रतीयमानार्थः

(C) लक्ष्यार्थः (D) सेवार्थः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

44. ध्वन्यालोकतः रिक्तस्थानं पूरयत–UGC 25 D–2015
''यत्नतः .... तौ शब्दार्थौ महाकवेः।

(A) अवगन्तव्यौ (B) प्रत्यभिज्ञेयौ

(C) परिहर्त्तव्यौ (D) संस्मरणीयौ

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/8) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

45. आनन्दवर्धन ने वाच्य नामक काव्यार्थ का विस्तृत वर्णन न देने का कारण क्या बताया? UP GDC–2008

(A) पर्याप्त सामग्री का अभाव

(B) विषय की दुरुहता

(C) पूर्व आचार्यों द्वारा पर्याप्त विवेचित होना।

(D) शब्दातीत होना

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-12

46. 'योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यस्यात्मेति व्यवस्थितः' किसे कहा गया है? BHU MET–2014

(A) मम्मट ने (B) आनन्दवर्धन ने

(C) आचार्य विश्वनाथ ने (D) पण्डितराजजगन्नाथ ने

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-11

47. (i) 'सूरिभिः कथितः इति विद्वदुपज्ञेयमुक्तिः' अत्र विषये के तावत् आनन्दवर्धनमते प्रथमे विद्वांसः?

(ii) 'सूरिभिः कथितः' इति प्रयोगेण ध्वनिवादिनः केषामुल्लेखं कृतवन्तः UP GDC–2014, K-SET-2015,

(iii) 'सूरिभिः कथितः' इत्यत्र सूरयः के? UGC 25 Jn- 2017

(A) काव्यशास्त्रिणः (B) वैयाकरणाः

(C) वेदान्तिनः (D) नैयायिकाः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

36. (C) 37. (D) 38. (D) 39. (C) 40. (D) 41. (A) 42. (A) 43. (B) 44. (B) 45. (C) 46. (B) 47. (B)

48. ''तस्याभावं जगदुरपरे भाक्तमाहुस्तमन्ये''–इत्युक्तिः कुत्र उपलभ्यते? UGC 25J -2016

(A) काव्यप्रकाशे (B) ध्वन्यालोके
(C) रसगङ्गाधरे (D) काव्यादर्शे

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

49. 'स हि कदाचिद् वाच्ये विधिरूपे प्रतिषेधरूपः' अत्र स इत्यनेन कोऽभिप्रेतः? UGC 73Jn - 2017

(A) वाच्यार्थः (B) लक्ष्यार्थः
(C) व्यङ्ग्यार्थः (D) तात्पर्यार्थः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

50. आनन्दवर्धनः ध्वनिस्वरूपं केषां प्रीतये न्यरूपयत्? K-SET-2015

(A) पण्डितानां प्रीतये (B) वैदिकानां प्रीतये
(C) शिष्यानां प्रीतये (D) सहृदयानां प्रीतये

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

51. अङ्गनासु लावण्यमिव महाकवीनां वाणीषु किमस्ति– K-SET-2015

(A) प्रतीयमानार्थः (B) वाच्यार्थः
(C) लक्ष्यार्थः (D) तात्पर्यार्थः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

52. ''श्वश्रूरत्र शेते'' इत्यत्र ध्वनिः कः? K-SET-2015

(A) वाच्ये विधिरूपे ध्वनिः प्रतिषेधरूपः
(B) वाच्ये निषेधरूपे ध्वनिः विधिरूपः
(C) वाच्ये विधिरूपे अनुभयरूपः ध्वनिः
(D) वाच्ये निषेधरूपे अनुभयरूपः ध्वनिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-15

53. ''यत्नतः प्रत्यभिज्ञेयौ तौ शब्दार्थौ महाकवेः'' कस्येयमुक्तिः? K-SET-2014

(A) वाल्मीकेः (B) भामहस्य
(C) जगन्नाथस्य (D) आनन्दवर्धनस्य

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/8) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

54. 'तस्याभावं जगदुरपरे' कस्य? K-SET-2014

(A) अलङ्कारस्य (B) गुणस्य
(C) रसस्य (D) ध्वनेः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

55. अविवक्षितवाच्यध्वनिः कतिविधः? RPSC-SET-2010

(A) चतुर्विधः (B) त्रिविधः
(C) पञ्चविधः (D) द्विविधः

स्रोत–ध्वन्यालोक (2/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-69

56. 'निश्वासान्ध इवादर्शः चन्द्रमा न प्रकाशते' अत्र ध्वनिविशेषः कः ? K-SET-2013

(A) अविवक्षितवाच्यः (B) विवक्षितान्यपरवाच्यः
(C) रसध्वनिः (D) अलङ्कारध्वनिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-69-73

57. 'विभाति लावण्यमिवाङ्गनासु' इति कस्योक्तिर्वर्तते– GJ- SET-2013

(A) विश्वनाथस्य (B) भरतस्य
(C) मम्मटस्य (D) आनन्दवर्धनस्य

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

58. प्रतीयमानार्थः कीदृशो निगदितः? RPSC SET-2013- 2014

(A) अङ्गनासु लावण्यमिव (B) तमसि ज्योतिरिव
(C) प्रभाते सूर्य इव (D) राकायां चन्द्र इव

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

59. प्रतीयमानवस्तु कथम् इव विभाति– MH- SET–2013

(A) लावण्यम् (B) सौन्दर्यम्
(C) सादृश्यम् (D) सामीप्यम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

60. व्यङ्ग्यार्थ इत्यर्थे ध्वनिशब्दस्य विग्रहः एव भवति– KL-SET-2014

(A) ध्वननं ध्वनिः (B) ध्वनतीति ध्वनिः
(C) ध्वन्यते अनेनेति ध्वनिः (D) ध्वन्यते अस्मादिति ध्वनिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

61. निम्नलिखितो में से ध्वनिवादी आचार्य कौन हैं? MGKV Ph. D–2016

(A) आनन्दवर्धनः (B) रुद्रटः
(C) धनञ्जयः (D) महिमभट्टः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/14)-चण्डिकाप्रसाद शुक्ल, भू0 पेज–13

48. (B)	49. (C)	50. (D)	51. (A)	52. (B)	53. (D)	54. (D)	55. (D)	56. (A)	57. (D)
58. (A)	59. (A)	60. (C)	61. (A)						

33 काव्यप्रकाश

1. **'काव्यप्रकाश' के रचयिता हैं—**
UP TET–2013, UP PGT (H)–2002
(A) आचार्यकुन्तक (B) आनन्दवर्धनाचार्य
(C) आचार्यमम्मट (D) श्रीहर्ष
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-1

2. **मम्मटस्य ग्रन्थः अस्ति—**
AWES TGT–2010, UP PGT (H)–2003
(A) काव्यधारा (B) काव्यप्रकाशः
(C) साहित्यप्रकाशः (D) काव्यरसः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-1

3. **काव्यप्रकाशे काव्यस्य प्रयोजन-कारण-स्वरूपविशेष निर्णयो नाम कतम उल्लासः? BHU AET–2012**
(A) प्रथमः (B) द्वितीयः
(C) चतुर्थः (D) सप्तमः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

4. **काव्यप्रकाशे शब्दार्थचित्रनिरूपणं नाम कतम उल्लासः?**
BHU AET–2011
(A) द्वितीयः (B) तृतीयः
(C) चतुर्थः (D) षष्ठः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-265

5. **काव्यप्रकाशे दोषदर्शनो नाम कतम उल्लासः?**
BHU AET–2012
(A) षष्ठः (B) सप्तमः
(C) चतुर्थः (D) नवमः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-377

6. **काव्यप्रकाशे गुणालङ्कारभेदनिर्णयो नाम कतम उल्लासः? BHU AET–2012**
(A) दशमः (B) नवमः
(C) सप्तमः (D) अष्टमः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-398

7. **काव्यप्रकाश के प्रथम उल्लास का नाम है–**
UP PGT–2005
(A) ध्वनिस्वरूप निरूपण (B) अर्थव्यञ्जकता निरूपण
(C) काव्यस्वरूप निरूपण (D) शब्दार्थस्वरूप निरूपण
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

8. **काव्यप्रकाश के नवम उल्लास का नाम है-**
UP PGT–2005
(A) शब्दालङ्कारनिर्णयात्मकः
(B) काव्यस्य प्रयोजनकारणस्वरूपनिर्णयात्मकः
(C) शब्दार्थस्वरूपनिर्णयात्मकः
(D) गुणीभूतव्यङ्ग्यनिरूपणात्मकः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-439

9. **(i) काव्यप्रकाशे .... उल्लासाः सन्ति-**
(ii) काव्यप्रकाश में कितने उल्लास हैं?
(iii) काव्यप्रकाशे कति उल्लासाः सन्ति?
BHU AET–2011, UGC 25 D–2010
BHU MET–2014, UGC 73 J–2016
(A) सप्त (B) दश
(C) एकादश (D) पञ्च
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-584

10. **मम्मट की रचना किस प्रकार की है? BHU MET-2008**
(A) लक्षणग्रन्थ (B) धर्मग्रन्थ
(C) नाटकग्रन्थ (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18-19

11. **कस्य ग्रन्थस्य टीकाः गृहे गृहे विद्यन्ते तथाप्येष तथैव दुर्गमः? BHU AET–2010**
(A) काव्यालङ्कारसूत्रस्य (B) काव्यप्रकाशस्य
(C) काव्यादर्शस्य (D) काव्यमीमांसायाः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-71-72

1. (C) 2. (B) 3. (A) 4. (D) 5. (B) 6. (D) 7. (C) 8. (A) 9. (B) 10. (A) 11. (B)

12. काव्यप्रकाशे शब्दालङ्कारनिर्णयो नाम कतम उल्लासः? BHU AET–2012

(A) नवमः (B) अष्टमः
(C) सप्तमः (D) दशमः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-439

13. काव्यप्रकाशस्य चतुर्थे उल्लासे मुख्यरूपेण वर्णनमस्ति? RPSC ग्रेड I (PGT)-2014

(A) शब्दार्थस्वरूपस्य (B) ध्वनितत्त्वस्य
(C) गुणालङ्कारयोः (D) काव्यदोषाणाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-195

14. उपलब्धासु काव्यप्रकाशस्य प्राचीनतमा टीका मन्यते– UP GDC–2014

(A) प्रतीपच्छाया (B) सङ्केतटीका
(C) बालचित्तानुरञ्जनी (D) दर्पणटीका

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-72

15. गोविन्द ठक्कुर हैं– UP PGT–2013

(A) एकावली के रचनाकार (B) महाकवि
(C) काव्यप्रकाश के टीकाकार (D) श्रीकण्ठविजय के रचयिता

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, भू0पेज-52

16. काव्यप्रकाशस्य मङ्गलश्लोके कस्याः प्रशंसा कृता? UGC 25 D–2014

(A) सरस्वत्याः (B) पार्वत्याः
(C) कविभारत्याः (D) दुर्गायाः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-05

17. (i) 'ग्रन्थारम्भे भारती कवेर्जयति' इति समुचितेष्टदेवतां कः परामृशति? BHU AET–2012
(ii) 'भारती कवेर्जयति' कस्यायमुद्घोषः? K SET–2014

(A) भामहः (B) वाग्भटः
(C) मम्मटः (D) रुय्यकः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-05

18. 'नियतिकृतनियमरहितां नवरसरुचिरं' किमस्ति? BHU Sh.ET–2008

(A) नाटकम् (B) प्रहसनम्
(C) भाणः (D) काव्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-05

19. नवरसरुचिरां........... मादधती भारतीकवेर्जयति– BHU AET–2011

(A) प्रस्तुति (B) सत्कृति
(C) निर्मिति (D) स्वीकृति

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-05

20. शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्।
.......................................इति हेतुस्तदुद्भवे।।
काव्यप्रकाशतः रिक्तस्थानं पूरयत। UGC 25 D–2015

(A) काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास (B) लोकतत्त्वानुशीलनम्
(C) रसभावयोश्चिन्तनम् (D) भावाभासस्य चिन्तनम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

21. 'नियतिकृतनियमरहितां'– UP PGT–2011

(A) कविभारती (B) कविप्रतिभा
(C) कविदृष्टिः (D) कविप्रसिद्धिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-05

22. (i) काव्यप्रकाशे काव्यप्रयोजनानि सन्ति-
(ii) मम्मट के अनुसार काव्य प्रयोजनों की संख्या है-
(iii) मम्मटोक्तानि काव्यप्रयोजनानि सन्ति?
(iv) मम्मटस्य मते काव्यप्रयोजनानि सन्ति–
(v) मम्मटेन कति काव्यप्रयोजनानि प्रतिपादितानि?
(vi) मम्मटाचार्येण कति काव्यप्रयोजनानि प्रतिपादितानि–
UP PGT–2000, 2002, 2009, 2012, UGC 73 D–2004, 2012, 2013, 2014 J–2007, UP GDC–2013, DL–2015 G-GIC-2015

(A) 6 (B) 5
(C) 4 (D) 7

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

23. 'संकेतित अर्थ' कितने प्रकार का होता है? UP PGT–2005

(A) 6 प्रकार (B) 7 प्रकार
(C) 3 प्रकार (D) 4 प्रकार

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.10)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43

12. (A)	**13. (B)**	**14. (B)**	**15. (C)**	**16. (C)**	**17. (C)**	**18. (D)**	**19. (C)**	**20. (A)**	**21. (A)**
22. (A)	**23. (D)**								

24. (i) मम्मटाचार्येण काव्यभेदाः निरूपिताः –
(ii) मम्मट के अनुसार काव्य के प्रमुख भेद होते हैं–
(iii) काव्य के प्रमुख भेद हैं- UGC- 25 J–2002
(iv) मम्मट के अनुसार काव्य कितने प्रकार का होता है?
UGC 73 D–2013, UP GIC–2009

(A) 3 (B) 2
(C) 4 (D) 5

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

25. (i) गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य मध्यमकाव्यस्य कति भेदाः स्मृताः?
(ii) गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य प्रभेदाः कति?
UGC 25 D–2006, BHU AET–2012

(A) 8 (B) 15
(C) 24 (D) 36

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.66) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-196

26. लक्षणायाः हेतवः सन्ति? UGC 25 D–2011

(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 9

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.12) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

27. अर्थबोधस्य कति प्रमुखसाधनानि? UGC 25 D–2012

(A) सप्त (B) एकादश
(C) अष्ट (D) त्रयोदश

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

28. (i) मम्मट के अनुसार लक्षणा है? UP GDC–2008,
(ii) मम्मट के अनुसार लक्षणा की संख्या कितनी है?
(iii) मम्मटानुसारं लक्षणायाः भेदाः कति?
BHU MET–2010, JNU MET–2015

(A) 6 (B) 4
(C) 2 (D) 5

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.17) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-66

29. (i) मम्मट के अनुसार रस कितने प्रकार का होता है?
(ii) मम्मटमते रसाः कति UGC 73 D–2005, J–2008

(A) 5 (B) 6
(C) 8 (D) 9

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज - 96, 138

30. शब्दशक्त्युद्भवो भावो ध्वनिः कतिधा निरूपितः काव्यप्रकाशे? BHU AET–2012

(A) त्रिधा (B) चतुर्धा
(C) नवधा (D) द्विधा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-93

31. अविवक्षितवाच्यो ध्वनिः कतिधा उदाहृतः?
BHU AET–2012

(A) त्रिधा (B) द्विधा
(C) अष्टधा (D) चतुर्धा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.39) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-91

32. काव्यप्रकाशे शब्दः कतिधा निरूपितः –
BHU Sh.ET–2013

(A) द्वौ (B) पञ्च
(C) संख्यातीता (D) त्रयः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-34

33. पदगतदोषाः कति? JNU MET–2014

(A) दश (B) पञ्च
(C) पञ्चदश (D) षोडश

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.72) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

34. मम्मटस्य मतेन काव्ये कति गुणाः–
DSSSB PGT–2014

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

35. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।।
–यह उक्ति है– UGC 73 J–2015

(A) भामह की (B) मम्मट की
(C) कुन्तक की (D) लोल्लट की

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

36. मम्मट के अनुसार प्रमुख काव्यप्रयोजन क्या है?
BHU MET–2010

(A) यशः प्राप्ति (B) धनागम
(C) आनन्दप्राप्ति (D) मङ्गल

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

24. (A) 25. (A) 26. (A) 27. (C) 28. (A) 29. (D) 30. (D) 31. (B) 32. (D) 33. (D)
34. (A) 35. (B) 36. (C)

37. मम्मट के अनुसार काव्य प्रयोजन नहीं है-UP PGT–2000
(A) प्रतिभा (B) यश
(C) अर्थप्राप्ति (D) अनिष्टनिवारण
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

38. 'शिवेतरक्षतये' इत्यत्र शिवेतरपदे कस्य ग्रहणम्? HAP-2016
(A) शिवायाः (B) गणेशस्य
(C) मङ्गलस्य (D) अमङ्गलस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

39. इनमें से कौन काव्य प्रयोजन नहीं है- UP PGT–2005
(A) शक्ति (B) निपुणता
(C) अभ्यास (D) उपर्युक्त सभी
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

40. काव्यप्रयोजनेषु मम्मटेन अधोलिखितेषु किं पदं न गृहीतम्- UGC 73 Jn–2017
(A) मुक्तये (B) यशसे
(C) अर्थकृते (D) शिवेतरक्षतये
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

41. (i) मम्मट के अनुसार काव्य का प्रधान प्रयोजन है?
(ii) प्रयोजनबहुत्वेऽपि किं नाम काव्यस्य सकल प्रयोजनमौलिभूतं प्रयोजनम्? UP PGT–2005,
(iii) मम्मटस्य शास्त्रे सकलप्रयोजनमौलिभूतं काव्यप्रयोजनम् उक्तम्– UP GIC–2009, 2012
(iv) 'सकलप्रयोजनमौलिभूतम्' किसे कहा गया है?
(v) काव्यप्रकाशे स्वीकृतेषु षट्प्रयोजनेषु मौलिभूतं प्रयोजनं किम्? RPSC- SET-2010, BHU AET–2012
(A) यश को (B) धनोपार्जन को
(C) व्यवहारज्ञान को (D) सद्यःपरनिर्वृति को
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

42. 'कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे' यह उक्ति है- UGC 73 D–2006
(A) शङ्कुकस्य (B) अभिनवगुप्तस्य
(C) मम्मटस्य (D) वामनस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

43. श्रीहर्षादे.............दीनामिव धनम्। BHU AET–2011
(A) र्याचका (B) र्वारणा
(C) र्गायका (D) र्धावका
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

44. काव्यस्य किं न प्रयोजनम्? BHU Sh.ET–2011
(A) धनम् (B) यश
(C) व्यवहार (D) अशिवम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

45. ''काव्यं यशसे'' अत्र 'यशसे' पदे विभक्तिरस्ति– MP वर्ग-I (PGT)–2012
(A) सप्तमी (B) द्वितीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी
स्रोत–काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-06

46. इतिहास का स्वरूप है? UGC 73 D–2014
(A) उपदेशप्रधानम् (B) वृत्तप्रधानम्
(C) निमित्तप्रधानम् (D) मिथ्याप्रणोदितम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10-11

47. 'काव्यं यशसे' इति मम्मटोक्तस्योदाहरणं विद्यते– DL–2015
(A) धावकादीनामिव (B) मयूरभट्टादीनामिव
(C) बाणभट्टादीनामिव (D) कालिदासादीनामिव
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

48. (i) काव्यात् कीदृशः उपदेशो भविष्यति?
(ii) आचार्य मम्मटानुसारेण काव्यस्योपदेशो भवति? G-GIC–2015, DSSSB PGT–2014
(A) प्रभुसम्मितः (B) सुहृत्सम्मितः
(C) कान्तासम्मितः (D) गुरुसम्मितः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

49. पुराणं कीदृशम्? DSSSB TGT–2014
(A) प्रभुसम्मितम् (B) कान्तासम्मितम्
(C) सुहृत्सम्मितम् (D) बन्धुसम्मितम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10,11,12

37. (A) 38. (D) 39. (D) 40. (A) 41. (D) 42. (C) 43. (D) 44. (D) 45. (C) 46. (A)
47. (D) 48. (C) 49. (C)

50. 'काव्यं यशसे' के उल्लेख वाला ग्रन्थ है? BHU MET–2015

(A) साहित्यदर्पण (B) काव्यप्रकाश
(C) काव्यादर्श (D) ध्वन्यालोक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

51. निम्नांकित काव्यप्रयोजनों में कौन आचार्य मम्मट द्वारा मान्य नहीं है? UP PGT–2004, 2010

(A) यश (B) धनार्जन
(C) प्रीति (D) व्यवहारज्ञान

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-10

52. (i) 'काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुद्भवे' इयमुक्तिः कस्माद् ग्रन्थादुद्धृता?
(ii) 'इति हेतुस्तदुद्भवे' इस कथन का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ से है? UP PGT–2004, UGC 25 S–2013

(A) साहित्यदर्पण (B) दशरूपक
(C) काव्यप्रकाश (D) औचित्यविचारचर्चा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

53. (i) 'इति हेतुस्तदुद्भवे' इति कस्य मतम्?
(ii) 'शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात् काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुः' कस्य मतम्? G-GIC–2015, K SET–2015

(A) जगन्नाथस्य (B) हेमचन्द्रस्य
(C) वाग्भटस्य (D) मम्मटस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

54. मम्मटानुसारं काव्यहेतुर्नास्ति- T- SET–2013

(A) शक्तिः (B) निपुणता
(C) भक्तिः (D) काव्यज्ञशिक्षयाभ्यासः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

55. का कवित्वबीजरूपः संस्कारविशेषः HAP–2016

(A) शक्तिः (B) निपुणता
(C) बुद्धिः (D) अभ्यासः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

56. 'इति हेतुस्तदुद्भवे' में तत् पद का अर्थ है? BHU MET–2014

(A) लक्षणग्रन्थ (B) अलंकार
(C) काव्य (D) रस

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16, 17

57. शक्तिः .... लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्– BHU AET–2011

(A) निर्भीकता (B) निष्क्रियता
(C) निपुणता (D) निरीहता

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

58. (i) शक्तिर्निपुणतेत्यादिना काव्यहेतुत्वेन कति परिगणिताः काव्यप्रकाशे? BHU AET–2012,
(ii) कति काव्यहेतवः? MH–SET–2013

(A) एकः (B) द्वौ
(C) त्रयः (D) चत्वारः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

59. 'त्रयः समुदिता हेतुः' कौन मानता है? UGC 73 J–1991

(A) जगन्नाथ (B) कुन्तक
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्धन

स्रोत–काव्यप्रकाश (का0-3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-17

60. (i) काव्यप्रकाशकारोक्ता 'शक्तिः' कमाशयं प्रकटयति? DL–2015, UK SLET–2015
(ii) काव्यप्रकाशस्य काव्यहेतुकारिकायां प्रयुक्तस्य 'शक्तिः' पदस्य कः आशयः?

(A) कविबुद्धिम् (B) कविधारणाम्
(C) कविभारतीम् (D) कविप्रतिभाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (का0-3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-17

61. काव्यहेतुविषये मम्मटरीत्या किं साधु वर्तते? DL–2015

(A) इति हेतुः (B) त्रयो हेतवः
(C) काव्यहेतवः (D) मम्मटोक्तकाव्यहेतुः

स्रोत–काव्यप्रकाश (का03) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-17

50. (B) 51. (C) 52. (C) 53. (D) 54. (C) 55. (A) 56. (C) 57. (C) 58. (C) 59. (C) 60. (D) 61. (A)

62. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य का लक्षण है- UP PGT–2004, 2009, 2013

(A) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(B) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्

(C) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि

(D) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

63. ''तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि''– यह लक्षण है- UP PGT–2000

(A) अलङ्कार का (B) गुण का

(C) काव्य का (D) दोष का

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

64. (i) 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि' से सम्बन्धित आचार्य हैं– UP PGT–2002,

(ii) 'अनलङ्कृती पुनःक्वापि' काव्यलक्षणं कस्यास्ति?

(iii) 'अनलङ्कृती पुनः क्वापि' इति केनोक्तम्? UGC 73 J–2012, CCSUM-Ph.D–2016

(A) विश्वनाथ (B) मम्मट

(C) भामह (D) रुय्यक

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

65. ''स्वभावोक्तिरसौ चारु यथावद् वस्तुवर्णनम्।'' स्वभावोक्ति अलङ्कारस्य अस्मिन् लक्षणे 'चारु' शब्दस्य तात्पर्यमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) गुणदोषानुरूपं यथावद् वर्णनम्

(B) चमत्कारशून्यं वर्णनम्

(C) सहृदयहृदयावर्जकं वर्णनम्

(D) ग्राम्यं छन्दोबन्धरहितं वर्णनम्

स्रोत–अलङ्कारभूषण - कुन्दनकुमार, पेज–66

66. मम्मटकृतकाव्यलक्षणे 'अनलङ्कृती' इति पदं कस्मिन् वचने प्रयुक्तम्? HAP–2016

(A) एकवचने (B) द्विवचने

(C) बहुवचने (D) किमपि वचनं नास्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश - सीताराम दोतोलिया, पेज-47

67. 'शब्दार्थ काव्य है' यह उक्ति किससे सम्बद्ध है? BHU MET–2010

(A) मम्मट (B) जगन्नाथ

(C) जयदेव (D) विश्वनाथ

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

68. काव्यप्रकाश में उल्लिखित 'अनलङ्कृती' किसका विशेषण है? UP GIC–2009

(A) शब्द का (B) अर्थ का

(C) शब्दार्थ का (D) पद्य का

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18

69. 'सगुणावनलङ्कृती' का अभिप्राय है–UGC 73 J–2013

(A) 'सर्वत्र सालङ्कारौ' क्वचित्तु स्फुटालङ्कारविरहेऽपि न काव्यत्वहानिः।

(B) 'सर्वत्र सालङ्कारौ' क्वचित्तु अस्फुटालङ्कारविरहेऽपि न काव्यत्वहानिः।

(C) 'सर्वत्र सालङ्कारौ' क्वचित्तु स्फुटालङ्कारविरहेऽपि काव्यत्वहानिः।

(D) सर्वत्रालङ्कारहितौ शब्दार्थौ काव्यम्।

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

70. (i) मम्मटकृत काव्यलक्षण में 'तद्' शब्द का आशय है–

(ii) 'तददोषौ शब्दाथौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि' अत्र 'तद्' पदस्य किं तात्पर्यम्? UP GDC–2008, G-GIC–2015

(A) प्रयोजनम् (B) हेतुः

(C) अर्थः (D) काव्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18

71. ..... शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि? BHU AET–2011

(A) यददोषौ (B) पददोषौ

(C) तददोषौ (D) गतदोषौ

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

72. कस्य काव्यलक्षणं खण्डितं विश्वनाथेन? UGC 25 J–2008

(A) मम्मटस्य (B) राजशेखरस्य

(C) भामहस्य (D) दण्डिनः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19-20

62. (C) 63. (C) 64. (B) 65. (C) 66. (B) 67. (A) 68. (C) 69. (A) 70. (D) 71. (C) 72. (A)

73. 'अनलङ्कृती पुनः क्वापि' से मम्मट का क्या अभिप्राय है? UP GDC–2008

(A) काव्य अलङ्कारविहीन होता है।
(B) काव्य में कहीं अलङ्कार मिल सकता है।
(C) काव्य प्रायः सालंकार होता है, परन्तु कहीं अलङ्कार विहीन होने पर भी उसका काव्यत्व अक्षुण्ण रहता है।
(D) काव्य अलङ्कार विहीन हो ही नहीं सकता।

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

74. काव्यस्वरूपमिदम्? UGC 25 S–2013

(A) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनःक्वापि।
(A) इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद्ध्वनिर्बुधैः कथितः।
(C) अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम्।
(D) तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्।

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

75. काव्यस्य शरीरं किम्? DSSSB PGT–2014, MH SET–2011

(A) शब्दार्थौ (B) रसः
(C) कथावस्तु (D) व्यङ्ग्यार्थः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19-25

76. काव्यं नाम किम्? DSSSB TGT–2014

(A) कवेः कौशलम् (B) कविनावान्तम्
(C) कविनानुभूतम् (D) कवेः कर्म

स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, भू.पेज-13

77. निम्नलिखित में सही है- UGC 73 J–2011

(A) वार्तालापः काव्यम् (B) कवेः कर्म काव्यम्
(C) शब्दरूपं काव्यम् (D) ध्वनिरूपं काव्यम्

स्रोत– रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, भू.पेज-13

78. अत्र स्फुटो न कश्चिदलङ्कारः। .... च प्राधान्यान्नालङ्कारता– BHU AET–2011

(A) शब्दस्य (B) अर्थस्य
(C) रसस्य (D) भावस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

79. 'यः कौमारहरः स एव हि वरः' इत्यादौ रसस्य प्राधान्यात् स्फुटः कः अलङ्कारः परिलक्षितः? BHU AET–2012

(A) स्वभावोक्तिः (B) न कश्चित्
(C) विशेषोक्तिः (D) असङ्गतिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

80. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि' इत्यत्र किं नाम विशेष्यपदम्? BHU AET–2012, RPSC-SET-2016

(A) अदोषौ (B) शब्दार्थौ
(C) सगुणौ (D) अनलङ्कृती

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–18-19

81. 'तददोषौ शब्दार्थौ' में विशेष्य पद क्या है? UP PGT–2005

(A) तद् (B) अदोषौ
(C) शब्दार्थौ (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-18-19

82. 'शब्दपरिवृत्ति असहिष्णुत्व' प्राप्त होता है– UP PGT–2005

(A) अर्थालङ्कार में (B) शाब्दीव्यञ्जना में
(C) शब्दालङ्कार में (D) उपर्युक्त B एवं C दोनों में

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-400

83. यः कौमारहरः स एव हि.......... BHU AET–2010

(A) नरः (B) चरः
(C) वरः (D) शरः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-19

84. 'उपकृतं बहु तत्र किमुच्यते' इत्यादौ पद्ये मम्मटेन को ध्वनिभेदः स्वीकृतः? UP GDC–2014

(A) विवक्षितान्यपरवाच्यध्वनिभेदः।
(B) अलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनिः।
(C) लक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनिः।
(D) अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यध्वनिः।

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-92

73. (C)	74. (A)	75. (A)	76. (D)	77. (B)	78. (C)	79. (B)	80. (B)	81. (C)	82. (C)
83. (C)	84. (D)								

85. 'स्फोटाश्रित'–काव्यसिद्धान्तोऽस्ति– UP GDC–2014
(A) रीतिः (B) रसः
(C) अलङ्कारः (D) ध्वनिः
स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, भू0पेज-03

86. अर्थान्तरसङ्क्रमितवाच्यध्वनिः कस्य ध्वनेः प्रभेदः? DSSSB PGT–2014
(A) लक्षणामूलध्वनेः (B) अभिधामूलस्य
(C) शब्दशक्त्युद्भवस्य (D) अर्थशक्त्युद्भवस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-91

87. सशङ्खचक्रो हरिः इत्यस्मिन् उदाहरणे 'हरिशब्दस्य' वाच्यार्थः अस्ति – MGKV Ph. D–2016
(A) इन्द्रः (B) विष्णुः
(C) वानरः (D) सिंहः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-78

88. (i) मम्मटानुसारेण उत्तमकाव्यमस्ति-
(ii) मम्मट के अनुसार उत्तमकाव्य होता है?
(iii) आचार्य मम्मट ने उत्तमकाव्य माना है?
UP GDC–2008, 2013, UP PGT–2004, BHU MET–2008, 2009, 2013, UP GIC–2009, 2012
(A) गुणीभूतव्यङ्ग्य को (B) शब्दचित्र को
(C) अर्थचित्र को (D) ध्वनि को
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

89. मम्मट के मत में ध्वनिकाव्य है– UGC 73 J–2011
(A) मध्यमम् (B) अधमम्
(C) उत्तमम् (D) उत्तमोत्तमम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

90. 'वाच्यादतिशयिनि व्यङ्ग्ये' काव्य होता है? UGC 73 J–2013
(A) उत्तमोत्तमम् (B) मध्यमम्
(C) उत्तमम् (D) अधमम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.2)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

91. सारोपालक्षणा कस्यालङ्कारस्य बीजम् अस्ति– JNU MET–2015
(A) रूपकस्य (B) अतिशयोक्तेः
(C) उत्प्रेक्षायाः (D) विभावनायाः
स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्रामशास्त्री, पेज-33

92. (i) 'ध्वनिर्बुधैः कथितः' इस काव्यप्रकाश की पंक्ति में 'बुधैः' का अर्थ है? BHU AET–2012,
(ii) इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः। अत्र 'बुधैः' पदेन कः संकेतितः? UGC 73 S–2013, UP PGT–2013
(A) मीमांसकैः (B) नैयायिकैः
(C) वैयाकरणैः (D) छान्दसैः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

93. ''वापीं स्नातुमितो गतासि न पुनस्तस्याधमस्यान्तिकम्'' इत्यत्र कः काव्यभेदः? DL–2015
(A) गुणीभूतव्यङ्ग्यम् (B) व्यङ्ग्यप्राधान्ययुक्तम्
(C) लाक्षणिकम् (D) चित्रात्मकं चित्रं वा
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-30

94. ''निःशेषच्युतचन्दनं ....'' इत्यादि श्लोके 'अत्र तदन्तिकमेव स्नातुं गतासि' इति व्यङ्ग्यं मम्मटेन कथं निर्धारितम्? UGC 25 J–2015
(A) प्राधान्येन 'अधम'-पदेन (B) प्राधान्येन 'मिथ्यावादिनि'-पदेन
(C) 'निःशेष'-शब्देन (D) 'निर्मृष्टरागोऽधरः' इति पदेन
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-30

95. 'वापीं स्नातुमितो गतासि...........' इति पद्यं कीदृशस्य काव्यस्योदाहरणम्? GJ- SET–2013
(A) उत्तमस्य (B) अधमस्य
(C) मध्यमस्य (D) न कस्यापि
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-30

96. 'अतिशयिनि व्यङ्ग्ये' परिभाषया परिचयः भवति– UP GDC –2014
(A) रीतिकवितायाः (B) ध्वनिकाव्यस्य
(C) गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य (D) अलङ्कृतकाव्यस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.2)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-28

97. अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्ये किं काव्यम्? UGC 25 D–2012
(A) उत्तमोत्तमम् (B) मध्यमम्
(C) उत्तमम् (D) अधमम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-03) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

85. (D) 86. (A) 87. (B) 88. (D) 89. (C) 90. (C) 91. (A) 92. (C) 93. (B) 94. (A) 95. (A) 96. (B) 97. (B)

98. (i) मम्मटमते मध्यमकाव्यं भवति?
(ii) मम्मट के मत में 'मध्यमकाव्य' है—
UP GIC–2013, UP PGT-2011
(A) शब्दचित्रम् (B) गुणीभूतव्यङ्ग्यम्
(C) ध्वनिः (D) वाच्यचित्रम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

99. ग्रामतरुणं तरुण्या नववञ्जुलमञ्जरीसनाथकरम्। पश्यन्त्या भवति मुहुर्नितरां......... मुखच्छाया॥
BHU AET–2011
(A) मन्थरा (B) मलिना
(C) मथुरा (D) नर्मदा
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

100. ''ग्रामतरुणं तरुण्या नववञ्जुलमञ्जरीसनाथकरम्। पश्यन्त्या भवति मुहुर्नितरां मलिना मुखच्छाया॥'' काव्यप्रकाशे प्रथमोल्लासे श्लोकोऽयं कस्य काव्यभेदस्य उदाहरणरूपेण उल्लिखितः? UGC 25 Jn-2017
(A) ध्वनिकाव्यस्य (B) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य
(C) शब्दचित्रकाव्यस्य (D) वाच्यचित्रकाव्यस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

101. मम्मटोक्तरीत्या एतत् काव्यभेदं न भवति—
K- SET -2015
(A) उत्तमम् (B) मध्यमम्
(C) अधमम् (D) उत्तमोत्तमम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

102. मम्मटमतेन काव्यभेदः कतिविधः– MH-SET-2013
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) चतुर्विधः (D) त्रिविधः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

103. काव्यभेदेषु गुणीभूतव्यङ्ग्यनाम्ना कः भेदः निगदितः?
RPSC SET -2010
(A) अधमकाव्यभेदः (B) उत्तमोत्तमकाव्यभेदः
(C) मध्यमकाव्यभेदः (D) उत्तमकाव्यभेदः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

104. वाच्यादनतिशयिनि व्यङ्ग्ये गुणीभूतव्यङ्ग्यं नाम काव्यं किं रूपं भवति? BHU AET–2012
(A) उत्तमम् (B) मध्यमम्
(C) अधमम् (D) साधारणम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

105. ग्रामतरुणं तरुण्या .... उदाहरण है? UP GIC–2009
(A) अवरकाव्य का (B) मध्यम काव्य का
(C) उत्तमकाव्य का (D) लक्षणा का
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

106. मम्मट के अनुसार कौन मध्यमकाव्य है?
UP GDC–2008
(A) जिसमें व्यङ्ग्यार्थ की प्रधानता होती है।
(B) जिसमें वाच्यार्थ की प्रधानता होती है।
(C) चित्रकाव्य
(D) जिसमें व्यङ्ग्यार्थ गुणीभूत होता है।
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

107. 'अतादृशि...........व्यङ्ग्ये तु मध्यमम्' यह होता है?
UGC 73 D–2012
(A) द्विगुणितव्यङ्ग्यम् (B) गुणीभूतव्यङ्ग्यम्
(C) अगुणीभूतव्यङ्ग्यम् (D) न गुणीभूतव्यङ्ग्यम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

108. अदृष्टे दर्शनोत्कण्ठा दृष्टे विच्छेदभीरुता नादृष्टेन न दृष्टेन भवता लभ्यते सुखम्॥ इत्यत्र किं नाम गुणीभूतव्यङ्ग्यम्?
BHU AET–2012
(A) अगूढम् (B) अस्फुटम्
(C) सन्दिग्धम् (D) असुन्दरम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-209

109. मम्मट के अनुसार अधमकाव्य है— BHU MET–2010
(A) ध्वनिकाव्य (B) गुणीभूतव्यङ्ग्य
(C) चित्रकाव्य (D) भावध्वनि
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

98. (B) 99. (B) 100. (B) 101. (D) 102. (D) 103. (C) 104. (B) 105. (B) 106. (D) 107. (B) 108. (B) 109. (C)

110. (i) निम्नाङ्कित उदाहरण किसका है? 'स्वच्छन्दोच्छल-दच्छकच्छकुहर'– BHU MET–2009, 2013
(ii) काव्यप्रकाश में उद्धृत 'स्वच्छन्दोच्छलदच्छ-कच्छकुहरच्छाते-तराम्बुच्छटा', श्लोक किस काव्य भेद का उदाहरण है? UP GDC–2008
(A) अवरकाव्य (B) उत्तमकाव्य
(C) लक्षणा (D) श्लेष
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-32

111. (i) 'विनिर्गतं मानदमात्ममन्दिरात्' उदाहरणमस्ति–
(ii) 'विनिर्गतं मानदमात्ममन्दिरात्' आदि उदाहरण है?
(iii) 'विनिर्गतं मानमात्ममन्दिरात् इत्यादि पद्यम्' उदाहरणमस्ति GGIC–2015
UP GIC–2009, 2015, UP GDC–2014
(A) व्यङ्ग्यकाव्य का (B) शब्दचित्र का
(C) अर्थचित्र का (D) गुणीभूतव्यङ्ग्य का
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-32

112. 'शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं तु' कहा गया है? UGC 73 J–2013
(A) उत्तमोत्तमम् (B) उत्तमम्
(C) मध्यमम् (D) अवरम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31

113. स्फुटप्रतीयमानार्थरहितं काव्यं किम्? HAP-2016
(A) ध्वनिः (B) गुणीभूतव्यङ्ग्यम्
(C) चित्रम् (D) अभिधामूलध्वनिः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-32

114. (i) अव्यङ्ग्यं .... स्मृतम्। BHU AET–2011, 2012
(ii) शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं .... स्मृतम्।
(A) त्वक्षरं (B) त्वपरं
(C) त्वधरं (D) त्ववरं
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-31-32

115. तात्पर्यशक्तिः .... प्रसङ्गे स्वीकृता। GJ SET–2016
(A) अभिहितान्वयवादे (B) अन्विताभिधानवादे
(C) अर्थापत्तौ (D) व्यञ्जकता - विनिर्देश्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35

116. उपमा अलङ्कारे कीदृशं साम्यम् उपस्थाप्यते– RPSC ग्रेड-I PGT–2015
(A) अस्पष्टम् (B) स्पष्टम्
(C) वैचित्र्यजनकम् (D) प्रस्फुटं सुन्दरं च
स्रोत–काव्यप्रकाश - सीताराम दोतोलिया, पेज–438

117. स्याद्वाचको लाक्षणिकः शब्दोऽत्र व्यञ्जकस्त्रिधा अस्मिन् कारिकांशे 'त्रिधा' शब्देन कस्य त्रित्वं प्रतिपादितम् अस्ति? HE–2015
(A) उपाधीनाम् (B) उपाधेयानाम्
(C) काव्यानाम् (D) अर्थानाम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-34

118. कस्य नियामकत्वे 'स्थाणुं भज भवच्छिदे' इति वाक्यं उदाहृतम्– HE –2015
(A) प्रकरणस्य (B) अर्थस्य
(C) देशस्य (D) कालस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-78

119. (i) शब्दशक्तिः कतिविधा भवति–
(ii) शब्दशक्तयः कति–
(iii) शब्दों की शक्तियों की संख्या है?
(iv) शब्दस्य कति शक्तयः सन्ति?
UGC 25 J–2000, UGC 73 D–2005, BHU AET–2012, MH SET-2014, GJ SET-2014
(A) 1 (B) 3
(C) 2 (D) 4
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-34

120. वाक्य के लिए आवश्यक है- UGC 25 D–2001
(A) आकांक्षा (B) योग्यता
(C) सन्निधि (D) तीनों
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-36

121. 'अग्निना सिञ्चति' इत्यत्र कस्या अभावे इदं वाक्यं न भवति? BHU AET–2010
(A) अर्थस्य (B) आसक्तेः
(C) योग्यतायाः (D) आकांक्षायाः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-36

122. स्याद्वाचको लाक्षणिकः......... व्यञ्जकस्त्रिधा। BHU AET–2011
(A) पदोऽत्र (B) शब्दोऽत्र
(C) पाकोऽत्र (D) स्वार्थोऽत्र
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-34

110. (A) 111. (C) 112. (D) 113. (C) 114. (D) 115. (A) 116. (C) 117. (A) 118. (B) 119. (B) 120. (D) 121. (C) 122. (B)

123. सर्वेषां प्रायशोऽर्थानां............. मपीष्यते।

BHU AET–2011

(A) पाचकत्व (B) लक्ष्यकत्व

(C) बोधकत्व (D) व्यञ्जकत्व

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-40

124. संकेतितश्चतुर्भेदो .... र्जातिरेव वा–

BHU AET–2011

(A) जात्यादि (B) व्यक्त्यादि

(C) गत्यादि (D) वृत्यादि

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43

125. सङ्केतितः चतुर्भेदः केषां मतम्? K-SET-2014

(A) बौद्धानाम् (B) चार्वाकाणाम्

(C) मीमांसकानाम् (D) वैय्याकरणानाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43-50

126. ....विषयो ह्यन्यः फलमन्यदुदाहृतम्। BHU AET–2011

(A) ध्यानस्य (B) भानस्य

(C) वेद्यस्य (D) ज्ञानस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-76

127. (i) संकेतित अर्थ को देने वाला शब्द कहलाता है?

(ii) साक्षात्संकेतितं योऽर्थमभिधत्ते स..........

UP PGT–2013, BHU AET–2012, GJ SET-2003, 2016

(A) साधकः (B) बोधकः

(C) वाचकः (D) सार्थकः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

128. अभिधेयाविनाभूत ...... र्लक्षणोच्यते लक्षमाणगुणैर्योगाद् वृत्तेरिष्टा तु गौणता। BHU AET–2012

(A) प्रवृत्तिः (B) प्रतीतिः

(C) प्रस्तुतिः (D) विश्रान्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-65

129. व्यङ्ग्यार्थम् इच्छन् जनः तदुपायतया कस्मिन् अर्थे आदरवान् भवेत्? UK SLET–2015

(A) लक्ष्यार्थे (B) वाच्यार्थे

(C) व्यङ्ग्यार्थे (D) तात्पर्यार्थे

स्रोत–ध्वन्यालोक (1.9) – आचार्य विश्वेश्वर, पेज–34, 35

130. (i) संकेतित अर्थ को बताने वाली बोधक शक्ति है?

(ii) साक्षात्संकेतितार्थबोधिका शब्दशक्तिः का?

(iii) साक्षात्सङ्केतितमर्थं बोधयति–

(iv) संकेतितार्थस्य बोधिका शक्तिः?

UP PGT–2000, 2002, 2009, UGC 25 J–1994, G-GIC-2015, HAP-2016, CCSUM -Ph.D-2016

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–(i) काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

(ii) साहित्यदर्पण (2.4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

(iii) काव्यप्रकाश (सूत्र-9)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–42

131. 'स मुख्योऽर्थस्तत्र मुख्यो व्यापारोऽस्याभिधोच्यते' यह वचन है? UP PGT–2000

(A) काव्यप्रकाश (B) साहित्यदर्पण

(C) ध्वन्यालोक (D) नाट्यशास्त्र

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

132. अभिधा द्वारा जिस अर्थ का बोध होता है, वह है?

UGC 25 J–1995

(A) लक्ष्यार्थ (B) व्यंग्यार्थ

(C) तात्पर्यार्थ (D) अभिधेयार्थ

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

133. संकेतग्रह का सम्बन्ध है— UGC 25 D–1996

(A) अभिधा से (B) लक्षणा से

(C) व्यञ्जना से (D) तात्पर्या से

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

134. शक्तिग्रहं कस्मान्न भवति? JNU. M. Phil/Ph.D-2015

(A) व्याकरणात् (B) उपमानात्

(C) व्यवहारतः (D) अनुमानात्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

135. (i) मुख्यार्थ की वृत्ति है–

(ii) मुख्यार्थ का बोध कराने वाली वृत्ति है?

UGC 25 D–2001, UGC 73 J–2015

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) शाब्दीव्यञ्जना

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

123. (D) 124. (A) 125. (D) 126. (D) 127. (C) 128. (B) 129. (B) 130. (A) 131. (A) 132. (D) 133. (A) 134. (D) 135. (A)

136. (i) पद का मुख्य अर्थ होता है?
(ii) कस्तावत् पदस्य मुख्यार्थः?
UGC 25 J–2010, UGC 73 D-2015
(A) लक्ष्यार्थः (B) व्यङ्ग्यार्थः
(C) वाच्यार्थः (D) तात्पर्यार्थः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

137. सङ्केतितार्थस्य बोधनादग्रिमा .... कही जाती है—
UGC 73 J–2013
(A) लक्षणा (B) अभिधा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या
स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-26

138. स मुख्योऽर्थस्तत्र .... व्यापारोऽस्याभिधोच्यते।
BHU AET–2011
(A) लक्ष्यो (B) मुख्यो
(C) वाच्यो (D) भाष्यो
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

139. स मुख्योऽर्थस्तत्र मुख्यो.........ऽस्याभिधोच्यते।
BHU AET–2012
(A) व्यापारो (B) व्याहारो
(C) व्याघातो (D) व्याख्यार्थो
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

140. नाभिधा .... भावात् हेत्वभावान्न लक्षणा।
BHU AET–2012
(A) समया (B) नियमा
(C) सुविधा (D) व्यञ्जना
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70-71

141. संकेतग्रहस्य साधनं न वर्तते— CCSUM Ph.D-2016
(A) व्याकरणम् (B) उपमानम्
(C) आप्तवाक्यम् (D) मुख्यार्थबाधः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

142. (i) वाच्यार्थप्रतिपादिका शक्तिर्भवति–
(ii) शब्द की वह शक्ति जिससे वाच्यार्थ प्रकट होता है, वह कहलाती है?
UP TGT (H)–2009, UGC 25 D–2005
(A) लक्षणा (B) व्यञ्जना
(C) शब्दशक्ति (D) अभिधा
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-50

143. 'सङ्केतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा'– यह वाक्य किस ग्रन्थ में हैं– **UGC 25 J–2015**
(A) काव्यप्रकाश में (B) नाट्यशास्त्र में
(C) काव्यालङ्कार में (D) काव्यमीमांसा में
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43

144. 'सङ्केतितश्चतुर्भेदः' इति केषां मतम्?
JNU. M.Phil/Ph.D-2014
(A) मीमांसकानाम् (B) नैयायिकानाम्
(C) काव्यशास्त्रिणाम् (D) बौद्धानाम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43

145. जहाँ कोई शब्द अन्य अर्थ के लिए अपने अर्थ का त्याग कर देता है, वहाँ लक्षणा होती है-
UP PGT–2004, 2010, UK TET–2011
(A) उपादान (B) लक्षणलक्षणा
(C) शुद्धा (D) गौणी
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

146. (i) लक्षणाशक्तेः किम् आवश्यकं तत्त्वम्?
(ii) लक्षणा स्वीकृति का आधार है? T SET–2014,
(iii) लक्षणावृत्तेः आधारः अस्ति? MG KV Ph.D–2016, UP PGT–2004, UGC 25 J–1999
(A) योग्यता (B) संकेतग्रह
(C) आसक्ति (D) मुख्यार्थबाध
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

147. 'गङ्गायां घोषः' में कौन लक्षणा है? UP PGT–2004
(A) प्रयोजनमूला (B) रूढि-लक्षणलक्षणा
(C) प्रयोजनमूला-लक्षण-लक्षणा (D) रूढिमूला
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

148. (i) काव्यप्रकाशानुसारं वाचकः कः? T– SET–2014
(ii) वाचकः कीदृशमर्थम् अभिधत्ते?
RPSC–SET–2010
(A) साक्षात्सङ्केतितम् अर्थम् (B) लक्ष्यार्थम्
(C) व्यङ्ग्यार्थम् (D) तात्पर्यार्थम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-9) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

136. (C) 137. (B) 138. (B) 139. (A) 140. (A) 141. (D) 142. (D) 143. (A) 144. (C) 145. (B) 146. (D) 147. (C) 148. (A)

149. (i) का आरोपिता शब्दशक्तिः? UP PGT–2005,
(ii) 'आरोपित क्रिया' या आरोपित शब्दव्यापार है?
(iii) का अर्पिता शक्तिः– UGC 73 S–2013, J–2014, UK SLET–2012, 2015

(A) व्यञ्जना (B) अभिधा
(C) लक्षणा (D) लक्षणा एवं व्यञ्जना

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

150. 'गौरयम्' उदाहरण है? UP PGT–2005

(A) शुद्धालक्षणा का (B) सारोपा लक्षणा का
(C) शाब्दी व्यञ्जना का (D) साध्यवसाना गौणी लक्षणा का

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.12) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-62

151. 'गङ्गायां घोषः'–इसमें व्यङ्ग्यार्थ है-UGC 25 D–1998

(A) गंगाप्रवाह (B) गङ्गातट
(C) मीन (D) शैत्यपावनत्वादि

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70-72

152. 'ईश्वरानुद्भाविता' का किससे सम्बन्ध है? UGC 25 D–1997

(A) अभिधा से (B) ध्वनि से
(C) तात्पर्या से (D) लक्षणा से

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/5)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-29

153. सान्तरार्थनिष्ठो व्यापारो भवति– UGC 25 J–2005

(A) व्यञ्जनाव्यापारः (B) लक्षणाव्यापारः
(C) अभिधाव्यापारः (D) तात्पर्याभिधो व्यापारः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-52

154. 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्रास्ति– BHU AET–2010

(A) लक्षण-लक्षणा (B) रूढिलक्षणा
(C) विपरीतलक्षणा (D) सारोपालक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-57

155. मुख्यार्थबाधे सति भवति? UGC 25 J–2007

(A) अभिधाव्यापारः (B) लक्षणाव्यापारः
(C) व्यञ्जनाव्यापारः (D) तात्पर्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

156. 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र वर्तते? UGC 25 D–2009

(A) उपादानलक्षणा (B) प्रयोजनवती लक्षणा
(C) गौणीलक्षणा (D) सारोपालक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

157. इयमेव रूपकालङ्कारस्य बीजम्- K-SET–2014

(A) सारोपा (B) साध्यवसानिका
(C) निरूढा (D) प्रयोजनवती

स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-33

158. 'गौर्वाहीकः' इत्युदाहरणम्– UGC 25 D–2008

(A) जहल्लक्षणायाः (B) अजहल्लक्षणायाः
(C) सारोपालक्षणायाः (D) साध्यवसानालक्षणायाः

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज-62

159. (i) किं नाम अभिधापुच्छभूता भवति?
(ii) अभिधापुच्छभूता का? UGC 25 D–2006,
(iii) अभिधापुच्छमिति व्यवह्रियते– 2011, J-2015

(A) स्थापना (B) लक्षणा
(C) तात्पर्या (D) भावना

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-251

160. शब्दशक्तिः का? BHU Sh.ET–2013

(A) लक्षणा (B) उत्प्रेक्षा
(C) सम्भावना (D) विभक्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-34

161. काव्यप्रकाशकारेण काव्यहेतवः निर्दिष्टाः? RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) शक्तिः (B) निपुणता
(C) अभ्यासः (D) एते समुदिताः हेतवः न तु व्यस्ताः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-17

162. मम्मट द्वारा उपादान लक्षणा के उदाहरण 'गौरनुबन्ध्यः' में किस आचार्य के मत का खण्डन किया गया है? UP GIC–2009

(A) कुमारिलभट्ट (B) मुकुलभट्ट
(C) प्रभाकर (D) भट्टलोल्लट

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-54-55

149. (C) 150. (D) 151. (D) 152. (D) 153. (B) 154. (A) 155. (B) 156. (B) 157. (A) 158. (C) 159. (B) 160. (A) 161. (D) 162. (B)

163. 'उपकृतं बहु तत्र किमुच्यते' आदि उदाहरण है?
UP GIC–2009
(A) लक्षणलक्षणा का (B) उपादान लक्षणा का
(C) सारोपालक्षणा का (D) साध्यवसाना लक्षणा का
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-59

164. आयुरेवेदं (घृतम्) इत्यत्र लक्षणा अस्ति?
UP GDC–2012
(A) शुद्धा सारोपा (B) गौणी सारोपा
(C) शुद्धा साध्यवसाना (D) गौणी साध्यवसाना
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-65

165. (i) मुख्यार्थबाधे का वृत्तिः–
(ii) मुख्यार्थबाधे तद्योगे शक्तिर्भवति?
(iii) मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत्सा .... रोपिता क्रिया।
BHU AET–2012, UGC 73 D–2004, BHU Sh. ET–2008
(A) व्यञ्जना (B) अभिधा
(C) लक्षणा (D) तात्पर्या
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

166. अधोनिर्दिष्टेषु युग्मपर्यायं समीचीनं विचिनुत–
MH-SET–2013
(क) उपादानलक्षणा 1. कुन्ताः प्रविशन्ति
(ख) लक्षणलक्षणा 2. आयुर्घृतम्
(ग) सारोपालक्षणा 3. श्वेतो धावति
(घ) प्रयोजनवती लक्षणा 4. कलिङ्गः साहसिकः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	2	1
(B)	4	3	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	4	3

स्रोत–साहित्यदर्पण-भवानीशंकर शर्मा, पेज-217, 220, 231, 227

167. काव्यप्रकाशानुसारं लक्षणायाः भेदो नास्ति—
T-SET–2013
(A) साध्यवसाना लक्षणा (B) सारोपा लक्षणा
(C) सोपादाना लक्षणा (D) उपादान लक्षणा
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-61

168. उपादानलक्षणा का उदाहरण है? UGC 73 J–2009
(A) गामानय (B) कुन्ताः प्रविशन्ति
(C) गौर्वाहीकः (D) गङ्गायां घोषः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

169. 'काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्' इत्यत्र को विशेषः?
BHU AET–2010
(A) तात्पर्यानुपपत्तिः (B) अन्वयानुपपत्तिः
(C) सङ्केतग्रहाभावः (D) वाक्यार्थाऽवबोधः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-52

170. मुख्यार्थबाधे .... रूढितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत्सा लक्षणारोपिता क्रिया।।
BHU AET–2011
(A) यद्योगे (B) व्यायोगे
(C) तद्योगे (D) संयोगे
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-12) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

171. उपादानं .... चेत्युक्ता शुद्धैव सा द्विधा।
BHU AET–2011
(A) लक्षणं (B) तत्क्षणं
(C) रक्षणं (D) शिक्षणं
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

172. 'देवदत्तो दिवा न भुङ्क्ते' इत्यत्र रात्रिभोजनं न लक्ष्यते।
BHU AET–2011
(A) दीनो (B) हीनो
(C) खिन्नो (D) पीनो
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-57

173. (i) लक्षणा कतिधा-BHU AET–2012, MH SET-2011,
(ii) प्रोक्ता कतिविधा काव्यप्रकाशे लक्षणा वद।
(iii) मम्मटानुसारं लक्षणायाः भेदाः कति? JNU. MET-2015
(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा (D) षड्विधा
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-17) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-66

174. 'गौर्वाहीकः' इत्यत्र 'गौरयम्' इत्यत्र च साधारणगुणाश्रयत्वेन .... एव लक्ष्यते इत्यपरे-
BHU AET–2012
(A) पदार्थ (B) पद्यार्थ
(C) परार्थ (D) वाच्यार्थ
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-62, 63

163. (A) 164. (C) 165. (C) 166. (A) 167. (C) 168. (B) 169. (A) 170. (C) 171. (A) 172. (D) 173. (D) 174. (C)

175. मुख्यार्थबाधे तद्युक्ते कोऽर्थः प्रतीयते?

BHU Sh. ET–2011

(A) व्यङ्ग्यार्थः (B) लक्ष्यार्थः

(C) शक्यार्थः (D) तात्पर्यार्थः

स्रोत–साहित्यदर्पण (2.5) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–28

176. यस्यां लक्षणायां मुख्यार्थस्यापि ग्रहणं भवति सा लक्षणा भवति– UGC 25 D–2013

(A) उपादानलक्षणा (B) लक्षण-लक्षणा

(C) जहत्स्वार्था (D) रूढिमूलालक्षणलक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

177. 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र लक्षणायाः प्रयोजनं किम्?

JNU MET–2014

(A) घोषे वासादेः प्रत्ययः

(B) गङ्गातीरे शीतत्वपावनत्वादेः प्रत्ययः

(C) गङ्गायां स्नानादिकस्य प्रत्ययः

(D) धीवराणां मत्स्यादिप्राप्तेः प्रत्ययः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70-71

178. 'गङ्गायां घोषः' इत्यस्मिन् शैत्यपावनत्वयोः प्रतीतौ शब्दशक्तिर्वर्तते– G.GIC–2015

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-23) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70

179. अधोलिखित में से लक्षणा के लिये कौन-सा हेतु अपेक्षित नहीं है? UP PGT–2013

(A) मुख्यार्थबाध (B) समवाय सम्बन्ध

(C) रूढि (D) प्रयोजन

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-12)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

180. गौणी लक्षणा का ज्ञान होता है- UP PGT–2013

(A) समवाय से (B) सादृश्य से

(C) संयोग से (D) अर्थापत्ति से

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-59

181. 'कुन्ताः प्रविशन्ति'–यह जिसका उदाहरण है, वह है?

BHU MET–2015

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) वक्रोक्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-53

182. (i) 'गङ्गायां घोषः' इत्यस्य लक्ष्यार्थोऽस्ति-

(ii) 'गङ्गायां घोषः' का लक्ष्यार्थ है-

(iii) 'गङ्गायां घोषः' अस्य लक्ष्यार्थः–

UP PGT–2002, UP GIC–2015, CCSUM -Ph.D-2016

(A) गङ्गातटे घोषः (B) घोषः प्रान्तवाहिन्यां गङ्गायाम्

(C) घोषे शीतत्वं-पाषाणत्वम् (D) गङ्गाजलप्रवाहे घोषः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-61

183. (i) किसने कहा 'लक्षणा तेन षड्विधा'?

(ii) ''लक्षणा तेन षड्विधा'' कस्येयमुक्तिः?

(iii) 'लक्षणा तेन षड्विधा' इति केन आचार्येण उक्तम्?

UGC 73 J–2015, K- SET–2014, RPSC SET–2010

(A) कुन्तकेन (B) मम्मटेन

(C) भरतेन (D) रुद्रटेन

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-17) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-66

184. मम्मटमते लक्षणा साक्षात्सम्बधेन किं निष्ठा भवति?

JNU. M. Phil/Ph.D-2014

(A) शब्दनिष्ठा (B) मुख्यार्थनिष्ठा

(C) लक्ष्यार्थनिष्ठा (D) व्यङ्ग्यार्थनिष्ठा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.12) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-51

185. 'प्रयोजनेन सहितं लक्षणीयं न युज्यते'– इत्युक्तिः केन सम्बद्धा? UGC 25 J–2016

(A) व्यञ्जनायाः पृथग्वृत्तित्वस्वीकारेण

(B) अभिधायाः प्राथम्येन

(C) लक्षणायाः गौणत्वस्वीकारेण

(D) तात्पर्यार्थस्वीकारेण

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.28) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-75

175. (B) 176. (A) 177. (B) 178. (C) 179. (B) 180. (B) 181. (B) 182. (A) 183. (B) 184. (B) 185. (A)

186. अधस्तनयुग्मानां तालिकां विचिनुत– K-SET-2015

(क) संयोगः 1. कर्णार्जुनौ
(ख) विप्रयोगः 2. सशंखचक्रो हरिः
(ग) साहचर्यम् 3. भीमार्जुनौ
(घ) विरोधिता 4. अशंखचक्रो हरिः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	4	1	3
(B)	3	1	2	4
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.32) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-78

187. 'राम-लक्ष्मणौ' व्यञ्जना है- UP PGT–2002

(A) संयोग (B) विरोधिता
(C) साहचर्य (D) अर्थ

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.32) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-78

188. 'सशङ्खचक्रो हरिः' में व्यञ्जना है- UP PGT–2002

(A) संयोग (B) विप्रयोग
(C) विरोधिता (D) साहचर्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-82

189. व्यञ्जना कतिधा— MH-SET–2011

(A) द्विधा (B) त्रिधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-82

190. प्रयोजन सदैव गम्य है– UP PGT–2005

(A) इंगित से (B) व्यञ्जना से
(C) व्याजोक्ति से (D) उपर्युक्त सभी से

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-18) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-67

191. लक्षणा में प्रयोजन की प्रतीति कराने वाली वृत्ति है– UGC 25 D–2001

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-23) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70

192. प्रतीयमानार्थस्य प्रतिपादिका शक्तिर्भवति– UGC 25 D–2009

(A) व्यञ्जना (B) लक्षणा
(C) अभिधा (D) तात्पर्या

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–13

193. मम्मटमते व्यङ्ग्यमूलाव्यञ्जनायाः उदाहरणं वर्तते? UGC 25 D–2013

(A) निःशेषच्युतचन्दनम् (B) पश्य निश्चलनिष्पन्दा
(C) ग्रामतरुणं तरुण्या (D) मातर्गृहोपकरणं नास्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-41

194. मम्मट के अनुसार व्यङ्ग्य रूप प्रयोजन में अपरिहार्य है- UP GIC–2009

(A) व्यञ्जना (B) अभिधा
(C) तात्पर्या (D) रूढि

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-69

195. ''अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता''–होती है- UGC 73 D–2012

(A) शाब्दीव्यञ्जनायाम् (B) आर्थीव्यञ्जनायाम्
(C) गूढव्यञ्जनायाम् (D) अगूढव्यञ्जनायाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-38) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-89

196. आर्थीव्यञ्जना में अर्थ की व्यञ्जकता और सहकारिता है– UGC 73 D–2013

(A) वर्णस्य (B) उपसर्गस्य
(C) प्रत्ययस्य (D) शब्दस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.38) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-89

**197. यस्य प्रतीतिमाधातुं लक्षणा समुपास्यते।
फले.......... गम्येऽत्र व्यञ्जनान्नापरा क्रिया॥ BHU AET–2011**

(A) शब्दैक (B) मुख्यार्थ
(C) संकेत (D) सन्दर्भ

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.23) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70

**198. (i) 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र शैत्यपावनत्वादिर्बोधो जायते-
(ii) 'गङ्गायां घोषः' में शैत्य तथा पावनत्व की प्रतीति होती है- UP PGT–2013, WB SET-2010**

(A) अभिधा वृत्ति से (B) लक्षणा वृत्ति से
(C) आधारत्व की विवक्षा से (D) व्यञ्जना से

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-70

186. (A) 187. (C) 188. (A) 189. (A) 190. (B) 191. (C) 192. (A) 193. (B) 194. (A) 195. (B) 196. (D) 197. (A) 198. (D)

199. संयोगादि के द्वारा अनेकार्थक शब्दों के वाचकत्व के नियन्त्रित होने पर वाच्यार्थ से भिन्न अर्थ की प्रतीति कराने वाले व्यापार को कहा जाता है– UP PGT–2013

(A) तात्पर्या (B) अभिधा

(C) व्यञ्जना (D) लक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-32) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-77

200. 'ज्ञानस्य विषयो ह्यन्यः' इत्यत्र अन्यशब्दस्य कः अर्थः- JNU. M. Phil/Ph.D-2014

(A) विषयादन्यः (B) फलादन्यः

(C) शब्दादन्यः (D) ज्ञानादन्यः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.29) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-76

201. (i) अधस्तनपक्षेषु कतमस्मिन् आलङ्कारिकमतानुसारतः शब्दसङ्केतो गृह्यते। UGC 25 J–2008,

(ii) संकेतः कुत्र गृह्यते? WB SET-2010

(A) जातौ (B) जातिविशिष्टव्यक्तौ

(C) व्यक्तौ (D) जातिव्यक्त्याकृतिषु

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-10)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-43

202. (i) संकेतग्रह में शब्द का अर्थ 'अपोह' मान्य है–

(ii) 'अपोह' को शब्दार्थ मानने वाले मतवादी हैं– UP-GIC–2009, UP PGT–2011

(A) नैयायिकों के द्वारा (B) वेदान्तियों द्वारा

(C) बौद्धों द्वारा (D) मीमांसकों द्वारा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-49

203. (i) केवल जाति में शब्द का संकेतग्रह मानने वाले मतवादी हैं? UP GIC–2009, UP GDC–2014

(ii) 'जातिरेव' सङ्केतग्रहस्याऽऽधार इति मन्यन्ते?

(A) वैयाकरण (B) मीमांसक

(C) वेदान्ती (D) बौद्ध

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-49

204. 'अन्विताभिधानवाद' मत है? UP PGT–2005

(A) आनन्दवर्धन का (B) कुमारिलभट्ट का

(C) प्रभाकरगुरु का (D) मम्मट का

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

205. संकेतग्रहस्य प्रधानं साधनम्........। GT SET–2016

(A) लोकव्यवहारः (B) आप्तवाक्यम्

(C) उपमानम् (D) कोशः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-42

206. मीमांसकानां मते शब्दानां शक्तिः WB SET-2010

(A) जातौ (B) व्यक्तौ

(C) जातिविशिष्टव्यक्तौ (D) उपाधौ

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-47

207. तद्गतं च .... काव्यकारणतावच्छेकतया सिद्धो जातिविशेषः उपाधिरूपं वा खण्डम्। पूरयत। KL SET–2014

(A) काव्यत्वम् (B) शब्दत्वम्

(C) कारणत्वम् (D) प्रतिभात्वम्

स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, पेज–27

208. काव्यप्रकाशानुसारं गुणीभूतव्यङ्ग्यं नास्ति–T SET–2013

(A) अगूढः (B) अस्फुटः

(C) अपरस्याङ्गः (D) सुन्दरः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-66) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-196

209. अभिहितान्वयवाद का इससे सम्बन्ध है- UGC 25 D–1999

(A) तात्पर्यार्थ (B) व्यङ्ग्यार्थ

(C) प्रभाकरमत (D) संकेतितार्थ

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35-36

210. (i) तात्पर्यावृत्तिः स्वीक्रियते– UGC 25 D–2008,

(ii) तात्पर्यार्थमङ्गीकुर्वन्ति– UP PGT–2011

(iii) तात्पर्यावृत्ति स्वीकृत की गयी है– UP GDC–2012, UGC 73 J–2016

(A) अन्विताभिधानवादिनः (B) अभिहितान्वयवादिनः

(C) नैरुक्तकाः (B) शब्दब्रह्मवादिनः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35-36

199. (C) 200. (B) 201. (B) 202. (C) 203. (B) 204. (C) 205. (A) 206. (A) 207. (D) 208. (D) 209. (A) 210. (B)

211. (i) ''तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' कथनं सम्बद्ध्यते –
(ii) काव्यप्रकाश में 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' में इनके मत का सङ्केत है-
(iii) 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' इत्यंशे 'केषुचित्' पदेन मम्मटः केषां मतं प्रदर्शयति–
UP GDC–2013, UP GIC–2009, 2012

(A) नैयायिक (B) वैयाकरण
(C) मीमांसक (D) वैष्णव

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-7)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35-36

212. (i) 'वाच्य एव वाक्यार्थ' इति ये वदन्ति ते–
(ii) 'वाच्य ही वाक्यार्थ है' यह मानने वाले हैं?
(iii) 'वाच्य एव वाक्यार्थः' इति केषां मतमस्ति?
(iv) 'वाच्य एव वाक्यार्थः' इति के वदन्ति–
UGC 73 J–2012, RPSC-SET-2010, K-SET–2013, MH SET-2013

(A) अभिहितान्वयवादिनः (B) अन्विताभिधानवादिनः
(C) भक्तिवादिनः (D) व्यक्तिवादिनः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

213. .... र्थोऽपि केषुचित्। BHU AET–2011

(A) तात्पर्या (B) संक्षेपा
(C) विक्षेपा (D) सन्देशा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-7) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35

214. विशिष्टा एव पदार्थाः वाक्यार्थः। न तु पदार्थानां........ BHU AET–2011

(A) वैशिष्ट्यम् (B) वैजात्यम्
(C) वैधर्म्यम् (D) संयोजनम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

215. वाच्य एव........... इत्यन्विताभिधानवादिनः। BHU AET–2012

(A) तात्पर्यार्थ (B) वाक्यार्थ
(C) तत्त्वार्थ (D) गूढार्थ

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

216. अभिहितान्वयवादिनां मतेन अपदार्थोऽपि वाक्यार्थः किम् उच्यते? BHU AET–2012

(A) तात्पर्यार्थः (B) वाक्यार्थः
(C) तत्त्वार्थः (D) गूढार्थः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-36

217. शाब्दबोधे अन्विताभिधानवादः कैरङ्गीक्रियते? K -SET–2015

(A) वैय्याकरणैः (B) प्राभाकरैः
(C) भाट्टैः (D) नैय्यायिकैः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-37

218. मम्मट ने 'आकांक्षायोग्यता-सन्निधिवशाद् वक्ष्यमाणस्वरूपाणां पदार्थानां समन्वये तात्पर्यार्थो विशेषवपुरपदार्थोऽपि वाक्यार्थः' कहकर किस वाद का संकेत किया है? UP GDC–2008

(A) तद्वानवाद (B) अपोहवाद
(C) अभिहितान्वयवाद (B) अन्विताभिधानवाद

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-36

219. अभिहितान्वयवाद मत है– UP PGT–2004, 2009

(A) प्रभाकर गुरु का (B) आनन्दवर्धन का
(C) मम्मट का (D) मीमांसक (कुमारिलभट्ट) का

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35

220. मम्मट के अनुसार रसदोष है- UGC 73 D–2013

(A) एकादश (B) द्वादश
(C) त्रयोदश (D) चतुर्दश

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-81)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-357

221. दोषाः कतिधा मताः? BHU AET–2010

(A) द्विधा (B) त्रिधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा

स्रोत–साहित्यदर्पण (7.1) - शालिग्रामशास्त्री, पेज-228

222. न .... स्वपदेनोक्तावपि सञ्चारिणः क्वचित्। BHU AET–2011

(A) गुणः (B) दोषः
(C) बोधः (D) लाभः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.82)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-365

211. (C) 212. (B) 213. (A) 214. (A) 215. (B) 216. (A) 217. (B) 218. (C) 219. (D) 220. (C) 221. (D) 222. (B)

223. .... हतिर्दोषो रसश्च मुख्यः तदाश्रयाद्वाच्यः– **BHU AET–2012**
(A) लक्ष्यार्थ (B) वाच्यार्थ
(C) वाक्यार्थ (D) मुख्यार्थ
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

224. एषु कोऽर्थदोषः? **BHU Sh.ET–2013**
(A) अधिकाक्षरता (B) ग्राम्यत्वम्
(C) श्रुतिकटुता (D) समासबहुलता
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-330

225. 'रसापकर्षका दोषाः' उक्ति किस आचार्य की है? **UP PGT (H)–2005**
(A) वामन (B) विश्वनाथ
(C) मम्मट (D) भरत
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

226. (i) रसापकर्षकः कः– **UGC 73 D–2014,**
(ii) रसापकर्षकाः भवन्ति– **BHU Sh. ET–2011,**
(iii) काव्यस्य अपकर्षकाः के:? **K -SET–2015**
(A) गुणाः (B) दोषाः
(C) अलङ्काराः (D) भावाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

227. साक्षात्सम्बन्धेन दोषस्य कुत्र स्थितिः? **HE–2015**
(A) रसे (B) शब्दे
(C) अर्थे (D) वाक्ये
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

228. मम्मटस्य मतेन दोषाणां लक्षणं किम्? **DSSSB PGT–2014, DSSSB TGT–2014**
(A) वाक्यापकर्षको धर्मः (B) शब्दापकर्षको धर्मः
(C) रसापकर्षको धर्मः (D) अर्थापकर्षको धर्मः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

229. दोषाः कस्यापकर्षकाः भवन्ति– **BHU AET–2010**
(A) अर्थस्य (B) गुणस्य
(C) रीतेः (D) रसस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.71) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

230. ''ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः। उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो........।।'' उचित शब्द से वाक्यपूर्ति करें। **UGC 73 J–2015**
(A) अलङ्काराः (B) गुणाः
(C) दोषाः (D) वृत्तिः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

231. काव्यस्य उत्कर्षहेतवः के? **K -SET–2015**
(A) दोषाः (B) वृत्तयः
(C) गुणाः (D) पाकाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

232. रसस्याङ्गिनो धर्माः के? **JNU MET–2015**
(A) अलङ्काराः B) गुणाः
(C) शब्दाः (D) अर्थाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

233. मम्मटमते कति पदगताः दोषाः भवन्ति? **JNU. M. Phil/Ph.D-2014, JNU. MET-2015**
(A) दश (B) द्वादश
(C) षोडश (D) पञ्चदश
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.72) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-266

234. मम्मटमते गुणाः सन्ति– **UP GIC–2015**
(A) मुख्यधर्माः (B) रसस्याङ्गिनो धर्माः
(C) सञ्चारिणो धर्माः (D) अस्थिराः धर्माः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

235. ''ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः। उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो गुणाः।।'' इति कस्योक्तिः? **UP GIC–2015**
(A) आनन्दवर्धनस्य (B) वामनस्य
(C) मम्मटस्य (D) कुन्तकस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

236. (i) मम्मट की सम्मति में गुण है?
(ii) मम्मटस्य मतेन काव्यगुणाः सन्ति– **UP GDC–2013, UP GIC–2009**
(A) रसस्य गौणीभूताः धर्माः
(B) काव्यस्य जीवनाधायकतत्त्वानि
(C) रसस्य उत्कर्षाधायकतत्त्वानि
(D) दोषरहितकाव्यरूपात्मकाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

223. (D) 224. (B) 225. (C) 226. (B) 227. (A) 228. (C) 229. (D) 230. (B) 231. (C) 232. (B) 233. (C) 234. (B) 235. (C) 236. (C)

237. (i) 'त्रयस्ते न पुनर्दश' इत्यादि काव्यगुणनिर्धारणं कृतवान्- UP GDC–2014, BHU AET–2010
(ii) 'त्रयस्ते न पुनर्दश इति' केन उक्तम्?
(A) दण्डी (B) वामनः
(C) विश्वनाथः (D) मम्मटः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

238. समासभूयस्त्वं कस्मिन् गुणे अभिमतम्? UK SLET–2015
(A) माधुर्ये (B) प्रसादे
(C) ओजसि (D) श्लेषे
स्रोत–काव्यादर्श (1/80)-श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज-61

239. माधुर्य गुण किस रस का धर्म है? UP GDC–2008
(A) शृङ्गार (B) वीर
(C) अद्भुत (D) रौद्र
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.89) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

240. जो काव्यात्मा रस के धर्म हैं, वे कहलाते हैं– BHU AET–2012
(A) शब्दाः (B) गुणाः
(C) अलङ्काराः (D) अर्थाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

241. आह्लादकत्वं ..... शृङ्गारे द्रुतिकारणम्– BHU AET–2012
(A) सौन्दर्यं (B) माधुर्यं
(C) विज्ञानं (D) शब्दानां
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.89) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

242. को नामासौ गुणः प्रोक्तः सर्वत्र विहितस्थितिः? BHU AET–2012
(A) श्लेषः (B) प्रसादः
(C) समाधिः (D) समता
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.93) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-390

243. यत्र श्रुतिमात्रेण शब्दाः अर्थबोधकाः भवन्ति तत्र मम्मटेन को नाम गुणः स्वीकृतः? BHU AET–2012
(A) अर्थव्यक्तिः (B) कान्तिः
(C) प्रसादः (D) उदारत्वम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.100) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-394

244. ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः .... हेतवः ते स्युः। BHU AET–2012
(A) उद्धार (B) उत्साह
(C) उत्थान (D) उत्कर्ष
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

245. अङ्गद्वारेण रसबोधकोऽयम्– JNU M. Phil/Ph.D-2015
(A) व्यभिचारिभावः (B) गुणः
(C) अलङ्कारः (D) व्यञ्जना
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.87) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-381

246. अङ्गीकृताः कति गुणाः मम्मटेन यथायथम्– BHU AET–2012
(A) षड्गुणाः (B) दशगुणाः
(C) त्रयोगुणाः (D) पञ्चगुणाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

247. माधुर्यौजः .... ख्यास्त्रयस्ते न पुनर्दश– BHU AET–2011
(A) प्रसादा (B) प्रमादा
(C) प्रकर्षा (D) प्रसन्ना
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

248. अङ्गीरस के धर्म और उसके उत्कर्षाधायक तत्त्व हैं– UGC 73 J–2012
(A) अलङ्काराः (B) गुणाः
(C) वर्णाः (D) दोषाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

249. (i) 'माधुर्यौजः प्रसादाख्याः त्रयस्ते न पुनर्दश' यह मत है-
(ii) ''माधुर्यौजः प्रसादाख्याः त्रयस्ते न पुनर्दश'' – इति कस्य मतमस्ति– UGC 73 J–2012, D–2014
(A) मम्मटस्य (B) भरतस्य
(C) भामहस्य (D) भोजराजस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

250. काव्यप्रकाशानुसारं शृङ्गारे द्रुतिकारणम् आह्लादकत्वं कस्य? UGC 25J -2016
(A) माधुर्यस्य (B) ओजसः
(C) प्रसादस्य (D) समतायाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

237. (D) 238. (C) 239. (A) 240. (B) 241. (B) 242. (B) 243. (C) 244. (D) 245. (C) 246. (C) 247. (A) 248. (B) 249. (A) 250. (A)

251. विशेषाधानहेतुः सिद्धो वस्तुधर्मः कः? MH-SET-2011
(A) रसः (B) गुणः
(C) वर्णः (D) व्यक्तिः
स्रोत–(i) काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-44
(ii) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-27

252. शब्दगत एवं अर्थगत बीस गुणों के प्रतिपादक आचार्य हैं- UP GIC–2009
(A) भामह (B) रुय्यक
(C) रुद्रट (D) वामन
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

253. माधुर्यौजः प्रसादाख्यास्त्रयस्ते न पुनर्दश के ते? UGC 25 D–2013
(A) काव्यदोषाः (B) काव्यगुणाः
(C) काव्यभेदाः (D) काव्यलक्षणम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

254. अङ्गिनो रसस्य अचलस्थितयो धर्माः के? UGC 25 J–2014
(A) गुणाः (B) अलङ्काराः
(C) रीतयः (D) रसाः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

255. 'गुणवृत्त्या पुनस्तेषां वृत्तिः शब्दार्थयोर्मता' किसका कथन है? UP PGT–2004
(A) विश्वनाथ का (B) जगन्नाथ का
(C) मम्मट का (D) वामन का
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.94) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-390

256. (i) मम्मट के मत में गुणों की संख्या है?
(ii) आचार्य मम्मट ने काव्यगुण माने हैं-
(iii) मम्मटमते कति काव्यगुणाः- UP TGT (H)–2005, UGC 73 J–2015, D-2015, K- SET-2013
(A) 10 (B) 3
(C) 15 (D) 8
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

257. 'गौ शुक्लश्चलोडित्थः' किसका विचार है? UP PGT–2005
(A) मम्मट का (B) महाभाष्यकार का
(C) आनन्दवर्धन का (D) किसी का नहीं
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-45

258. तात्पर्यस्य अर्थो भवति– BHU AET–2012
(A) प्रतीतिजननयोग्यत्वम् (B) लक्ष्यार्थः
(C) मुख्योऽर्थः (D) व्यङ्ग्यार्थः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-35

259. अर्थक्रियाकारितया प्रवृत्तिनिवृत्तियोग्या .... भवति– BHU AET–2012
(A) व्यक्तिरेव (B) भक्तिरेव
(C) शक्तिरेव (D) युक्तिरेव
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-44

260. ज्ञानस्य .... ह्यन्यः फलमन्यदुदाहृतम्? BHU AET–2012
(A) साधको (B) बोधको
(C) विषयो (D) कारक
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.29) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-76

261. गुणानां काव्यस्वरूपविषये का भूमिका अस्ति— T-SET-2014
(A) गुणाः काव्यस्य आवश्यकानि तत्त्वानि सन्ति
(B) गुणाः काव्यस्य स्वरूपनिर्धारकाः सन्ति
(C) गुणाः काव्यस्य उत्कर्षहेतवः सन्ति
(D) गुणाः काव्यम् अलङ्कुर्वन्ति
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.86) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

262. के अलङ्काराः? BHU Sh.ET–2011
(A) रसशोभाकराः (B) शब्दार्थशोभाकराः
(C) शब्दशोभाकराः (D) अर्थशोभाकराः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र.87) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-381

263. अलङ्कारशब्दस्य व्युत्पत्तिमूलके वास्तविकोऽर्थो भवति– DL–2015
(A) उपमादयो भेदाः (B) भामहशास्त्रम्
(C) रसापकर्षकं तत्त्वम् (D) अलङ्करोतीति
स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–470

251. (B) 252. (D) 253. (B) 254. (A) 255. (C) 256. (B) 257. (B) 258. (B) 259. (A) 260. (C) 261. (C) 262. (B) 263. (D)

264. अलङ्कारशास्त्रसम्बन्धीविषयः कस्मिन् पुराणे प्रतिपादितो वर्तते? DSSSB TGT–2014
(A) महापुराणे (B) विष्णुपुराणे
(C) वायुपुराणे (D) अग्निपुराणे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-578

265. अलङ्कारों को काव्य की शोभाकारक धर्म किसने माना? UGC (H) J–2007
(A) भामह (B) दण्डी
(C) मम्मट (D) क्षेमेन्द्र
स्रोत–(i) काव्यादर्श (2.1) - श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज–74
(ii) काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज471

266. भरतेनोक्ताः अलङ्काराः सन्ति – UGC 25 J–2009
(A) चत्वारः (B) विंशतिः
(C) पञ्च (D) सप्त
स्रोत– नाट्यशास्त्र (6/40)-बाबूलाल शुक्ल, पेज-293-294

267. अलङ्कारशास्त्रे कति प्रस्थानानि सन्ति– DSSSB PGT–2014, DSSSB TGT–2014
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू० पेज–16-18

268. शब्दार्थ के शोभातिशायी धर्म अलङ्कार के समर्थक आचार्य हैं? UP PCS–2013
(A) विश्वनाथ (B) भामह
(C) दण्डी (D) बाणभट्ट
स्रोत– काव्यादर्श (2/1) - श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज–74

269. 'काव्यशोभाकरान्धर्मानलङ्कारान् प्रचक्षते' किसकी उक्ति है? UGC (H) D–2010, UP PGT (H)–2010, 2013
(A) दण्डी की (B) भामह की
(C) रुद्रट की (D) भरतमुनि की
स्रोत– काव्यादर्श (2/1) - श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज–74

270. उपकुर्वन्ति तं सन्तं ये .... जातुचित्। हारादिवदलङ्कारास्तेऽनुप्रासोपमादयः॥ रिक्तस्थानं पूरयतु। BHU AET–2012
(A) ङ्गहारेण (B) ऽङ्गद्वारेण
(C) ङ्गदानेन (D) ङ्गाङ्गित्वेन
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.87) – आचार्य विश्वेश्वर, पेज–381

271. भासते प्रतिभासार! रसाभाताहताविभा। भावितात्मा शुभा वादे देवाभा बत ते सभा॥ नामक पद्य में चित्रबन्ध है– UP PGT–2013
(A) खड्गबन्ध (B) सर्वतोभद्रा
(C) मुरजबन्ध (D) पद्मबन्ध
स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-436

272. शब्द की द्वयर्थी योजना से कौन-सा अलङ्कार होता है? UGC (H) J-2010
(A) अनुप्रास (B) वक्रोक्ति
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.102) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

273. ''गुरुजनपरतन्त्रतया दूरतरं देशमुद्यतो गन्तुम् अलिकुलकोकिलललिते नैष्यति सखि! सुरभिसमयेऽसौ॥'' ....अत्र को नामालङ्कारः? UGC 25 D–2013
(A) उपमा (B) रूपकः
(C) श्लेषवक्रोक्तिः (D) काकुवक्रोक्तिः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-403

274. ''यदुक्तमन्यथावाक्यमन्यथाऽन्येन योज्यते श्लेषेण काक्वा वा ज्ञेया सा .... स्तथा द्विधा॥'' BHU AET–2012
(A) श्लेषोक्ति (B) विज्ञप्ति
(C) वक्रोक्ति (D) द्विरुक्ति
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.102) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

275. वक्रोक्तिऽलङ्कारः कतिविधः? UK SLET–2012
(A) पञ्चविधः (B) चतुर्विधः
(C) द्विविधः (D) त्रिविधः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.102) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

276. मम्मट के मत में निम्नलिखितों में से कौन सा शब्दालङ्कार है? UGC 73 J -2016
(A) वक्रोक्ति (B) उपमा
(C) रूपकम् (D) उत्प्रेक्षा
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

264. (D) 265. (B) 266. (A) 267. (C) 268. (C) 269. (A) 270. (B) 271. (D) 272. (B) 273. (D) 274. (C) 275. (C) 276. (A)

277. वक्रोक्ति है– BHU MET–2009, 2013

(A) गुण (B) रीति
(C) दोष (D) अलङ्कार

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-401

278. 'भङ्गीभणिति' कहलाती है– UGC 73 J–2014

(A) स्वभावोक्तिः (B) समासोक्तिः
(C) वक्रोक्तिः (D) सहोक्तिः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1.10)-परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-51

279. 'सर्वदो माधवः पायात् स यो गङ्गामदीधरत्' अत्र कः अलङ्कार– CVVET–2017

(A) वक्रोक्तिः (B) श्लेषः
(C) अनुप्रासः (D) यमकम्

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-62

280 . अनुप्रासालङ्कारोऽस्ति- UGC 73 D–2005

(A) शब्दालङ्कारः (B) अर्थालङ्कारः
(C) उभयालङ्कारः (D) वाक्यालङ्कारः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–404

281. काव्यप्रकाशे कतिधा लाटानुप्रास इष्यते? BHU AET–2011, 2012

(A) द्विधा (B) त्रिधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–407-409

282. स्वर की विषमता होने पर भी जो शब्द साम्य होता है, वह अलङ्कार है– UP PGT–2009, UP TET–2014

(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) रूपक (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.103) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

283. स्वरवैसादृश्येऽपि .... सदृशत्वं वर्णसाम्यम्। रसाद्यनुगताः प्रकृष्टो न्यासोऽनुप्रासः॥ BHU AET–2012

(A) व्यञ्जन (B) लक्षण
(C) वर्णन (D) वक्रोक्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.103) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

284. रसाद्यनुगतः .... न्यासोऽनुप्रासः– BHU AET–2011

(A) प्रकृष्टो (B) समन्वितो
(C) प्रथितो (D) प्रसिद्धो

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.103) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

285. असकृद्व्यञ्जनावृत्तौ कोऽलङ्कारः? BHU Sh. ET–2013

(A) सहोक्तिः (B) श्लेषः
(C) अनुप्रासः (D) रूपकम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.103) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

286. निम्न में से कौन सा अनुप्रास का भेद नहीं है? UP GIC–2009

(A) वृत्त्यानुप्रास (B) छेकानुप्रास
(C) मध्यानुप्रास (D) अन्त्यानुप्रास

स्रोत–(i) छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-59
(ii) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–280

287. छेकानुप्रासः इत्यत्र 'छेकपदस्य' अर्थः कः? DSSSB PGT–2014

(A) पण्डितः (विदग्धः) (B) मधुरः
(C) कठोरः (D) भेकस्यानुजः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

288. स्वरव्यञ्जन समूह की पुनरावृत्ति से कौन-सा शब्दालङ्कार होता है? BHU MET–2010

(A) श्लेष (B) अनुप्रास
(C) यमक (D) वक्रोक्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.103) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-404

289. 'लताकुञ्जं गुञ्जन् मदवदलिपुञ्जं चपलयन्' में अलङ्कार है– UP PGT–2004, UP TET-2016

(A) यमक (B) श्लेष
(C) अनुप्रास (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-59

290. 'यस्य न सविधे दयिता दवदहनस्तुहिनदीधितिस्तस्य।' 'यस्य च सविधे दयिता दवदहनस्तुहिनदीधितिस्तस्य॥' इस पद्य में अलङ्कार है–UP PGT–2013, MH SET-2013

(A) यमक (B) श्लेष
(C) वक्रोक्ति (D) लाटानुप्रास (शब्दानुप्रासः)

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-407

277. (D) 278. (C) 279. (B) 280. (A) 281. (D) 282. (A) 283. (A) 284. (A) 285. (C) 286. (C) 287. (A) 288. (B) 289. (C) 290. (D)

291. अनुप्रासालङ्कारलक्षणे कस्य वैषम्यम् अपि सम्भवति?
RPSC ग्रेड II TGT–2014

(A) वर्णस्य (B) शब्दस्य
(C) वाक्यस्य (D) स्वरस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-275

292. (i) ''अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः'' किस अलङ्कार से सम्बन्धित है? UP PGT–2000,
(ii) 'अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां तेनैव क्रमेण पुनः श्रुतिः' को नामालङ्कारः? BHU MET–2011,
(iii) 'अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः'...?
(iv) 'अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः' यह किस अलङ्कार का लक्षण है? BHU AET–2012, RPSC SET-2013-14, UGC 73 Jn -2017

(A) यमक (B) अनुप्रास
(C) रूपक (D) उपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.-116) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-409

293. 'नगज नगजा दयिता दयिता विगतं विगतं ललितं' इत्यत्रः कः अलङ्कारः? RPSC ग्रेड -I (PGT)–2011

(A) यमकम् (B) अनुप्रासः
(C) रूपकम् (D) उपमा

स्रोत–

294. (i) 'नवपलाशपलाशवनं पुरः' अत्र अलङ्कारोऽस्ति–
(ii) 'नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपङ्कजम्' अलङ्कार है–UP PGT–2002, RPSC ग्रेड -I PGT-2014 MP वर्ग - I PGT–2012

(A) यमकम् (B) श्लेषः
(C) वक्रोक्तिः (D) अन्योक्तिः

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-280

295. 'सुरभिं-सुरभिं सुमनोभरैः' में कौन-सा अलङ्कार है?
UP PGT–2005

(A) श्लेष (B) यमक
(C) उपमा (D) भ्रान्तिमान्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री,पेज-280

296. ''सत्यर्थे पृथगर्थायाः स्वरव्यञ्जनसंहतेः क्रमेण तेनैवावृत्तिर्यमकं विनिगद्यते।'' कथन है–
UP PGT (H)–2005

(A) मम्मट (B) विश्वनाथ
(C) राजशेखर (D) कोई नहीं

स्रोत–साहित्यदर्पण (10-8) - शालिग्राम शास्त्री,पेज-280

297. यमकम् इत्यलङ्कारः कदा भवति? DSSSB TGT–2014

(A) वर्णसमूहस्य आवृत्तौ
(B) व्यञ्जनसमूहस्य आवृत्तौ
(C) स्वरव्यञ्जनसमूहस्यावृत्तौ
(D) आभरणस्य स्त्रीपुरुषयोः सम्बन्धित्वे सति

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री,पेज-280

298. 'शारदा शारदाम्भोजवदना' इत्यत्र कोऽलङ्कारः?
DSSSB TGT–2014

(A) अनुप्रासः (B) यमकम्
(C) श्लेषः (D) वक्रोक्तिः

स्रोत–

299. वाग्भूषणं भूषणम्। AWES TGT–2012

(A) यमकम् (B) अनुप्रासः
(C) उत्प्रेक्षा (D) उपमा

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-16)-तारिणीश झा, पेज-27

300. (i) यत्र एकस्मिन् वाक्ये अनेकार्थता भवेत् तत्र .... अलङ्कारो भवति। BHU AET–2012, UGC 73 D–2013,
(ii) 'एकार्थप्रतिपादकानामेव शब्दानां यत्रानेकार्थः' सोऽयं को नामालङ्कारः? K- SET-2015

(A) दृष्टान्तः (B) समुच्चयः
(C) परिकरः (D) श्लेषः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू. 146) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–473

301. निम्नलिखित अलङ्कारों में कौन उभयालङ्कार है?
UP GDC–2008

(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) श्लेष (D) रूपक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-440

291. (D) 292. (A) 293. (A) 294. (A) 295. (B) 296. (B) 297. (C) 298. (B) 299. (A) 300. (D) 301. (C)

302. ''सर्वस्वं हर सर्वस्य'' अत्र अलङ्कारोऽस्ति– MP वर्ग -I PGT–2012

(A) यमकम् (B) श्लेषः
(C) अतिशयोक्तिः (D) लाटानुप्रासः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-420

303. ''प्रतिकूलतानुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता'' ये अलङ्कार हैं– UP PGT–2005

(A) श्लेष (B) अनुप्रास
(C) उपमा (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/11) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-282

304. 'योऽसकृत्परगोत्राणां पक्षच्छेदक्षणक्षमः।
शतकोटिदतां बिभ्रद् विबुधेन्द्रः स राजते' में अलङ्कार है– UP PGT–2002

(A) उपमा (B) यमक
(C) श्लेष (D) रूपक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-421

305. (i) ''पृथुकार्त्तस्वरपात्रं भूषितनिःशेषपरिजनं देव!
विलसत्करेणुगहनं सम्प्रति सममावयोः सदनम्''–
यह किस अलङ्कार का उदाहरण है–
(ii) पृथुकार्त्तस्वरपात्रं भूषितनिःशेषपरिजनं देव।
विलसत्करेणुगहनं सम्प्रति सममावयोः सदनम्॥
इत्ययं श्लोकः कस्य अलङ्कारस्य अस्ति– UP GIC–2012, UP PGT–2009

(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-417

306. श्लेष अलङ्कार होता है- UP PGT (H)–2002

(A) उभयालङ्कार (B) अर्थालङ्कार
(C) शब्दालङ्कार (D) सबसे अलग

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-440

307. सभङ्गश्लेष अलङ्कार के भेद बतलाये गये हैं? UP PGT–2013

(A) 4 (B) 7
(C) 8 (D) 10

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-415

308. (i) मम्मटमते श्लेषः कतिविधः? K-SET-2013,
(ii) श्लेषः कतिविधः? KL-SET-2015

(A) द्वादशविधः (B) त्रिविधः
(C) अष्टविधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-415

309. अभङ्गश्लेष को अर्थालङ्कारों में परिगणित करने वाले आचार्य हैं– UP GIC–2009

(A) रुद्रट (B) रुय्यक
(C) शङ्कुक (D) कुन्तक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-422

310. 'मम्मटानुसारेण अबिन्दुसुन्दरी नित्यं गलल्लावण्यबिन्दुका' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? UP GDC–2012

(A) श्लेषः
(B) विरोधप्रतिभोत्पत्तिहेतुः श्लेषः
(C) श्लेषप्रतिभोत्पत्तिहेतुर्विरोधः
(D) विरोधः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-429

311. 'भुजङ्गकुण्डली .... शिवः' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? DSSSB PGT–2014

(A) पुनरुक्तवदाभासः (B) सर्पालङ्कारः
(C) श्लेषः (D) कुण्डलालङ्कारः

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.2) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-274

312. पूर्णोपमायां कति तत्त्वानि आवश्यकानि? G-GIC–2015

(A) चत्वारि (B) त्रीणि
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

313. उपमानन्वययोरलङ्कारयोः व्यवच्छेदकं तत्त्वं किम्? JNU-M.Phil/Ph.D-2014

(A) उपमावाचकोपमानयोर्भेदः
(B) साधारणधर्मोपमेययोर्भेदः
(C) इवादिशब्दोपमेययोर्भेदः
(D) उपमानोपमेययोर्भेदः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

302. (B) 303. (A) 304. (C) 305. (C) 306. (A) 307. (C) 308. (C) 309. (B) 310. (C) 311. (A) 312. (A) 313. (D)

314. किस सम्बन्ध से उपमा अलङ्कार होता है? UGC 73 J-2016

(A) कार्यकारणसम्बन्धेन (B) तादात्म्यसम्बन्धेन
(C) आधाराधेयभावसम्बन्धेन (D) साधर्म्यसम्बन्धेन

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-124) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

315. 'भेदे सति साधर्म्यम्' होता है, इसमें–UP GIC–2009

(A) रूपक (B) उपमा
(C) उत्प्रेक्षा (D) दीपक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

316. (i) 'साधर्म्यमुपमा भेदे' उपमा अलङ्कार का यह लक्षण किसने दिया? BHU MET–2008,
(ii) 'साधर्म्यमुपमा भेदे' यह किसकी उक्ति है? UP PGT–2013, UGC 73 J–2015

(A) जगन्नाथ (B) विश्वनाथ
(C) भामह (D) मम्मट

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.124) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

317. (i) ''दिवाकराद्रक्षति यो गुहासु लीनं दिवाभीतमिवान्धकारम्'' – अत्र अलङ्कारोऽस्ति– UK TET–2011
(ii) ''दिवाकराद्रक्षति यो गुहासु लीनं दिवाभीतमिवान्धकारम्। क्षुद्रेऽपि नूनं शरणं प्रपन्ने ममत्वमुच्चैः शिरसा सतीव॥'' इस पद्य में अलङ्कार है? H TET–2014

(A) निदर्शना (B) उत्प्रेक्षा
(C) अर्थान्तरन्यास (D) विभावना

स्रोत–कुमारसम्भवम् (1.12)-सुधाकर मालवीय, पेज-9

318. उपमालङ्कार का प्रयोग कहाँ है? UGC 73 D–2008

(A) इन्दुरिन्दुरिव (B) मुखं चन्द्र इव
(C) धनं धर्मस्य कारणम् (D) एतेषु न कुत्रापि

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्रमिश्र, पेज–64

319. 'कमलमिव मनोज्ञं मुखम्' में कौन-सा अलङ्कार है– UP PGT–2002

(A) उपमा (B) यमक
(C) रूपक (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्रमिश्र, पेज–66

320. क्यच्-क्यङ् प्रत्यययोगे कोऽलङ्कारो भवति– BHU AET–2010

(A) दीपकालङ्कारः (B) रूपकालङ्कारः
(C) उत्प्रेक्षालङ्कारः (D) उपमालङ्कारः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-129) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-452

321. उपमानोपमेययोरेव न तु कार्यकारणादिकयोः साधर्म्यं भवतीति तयोरेव समानेन धर्मेण सम्बन्धः कोऽलङ्कारः? BHU AET–2012

(A) उपमेयोपमा (B) रूपकम्
(C) उपमा (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-124) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

322. 'क्षणः कल्पति सीतायाः पद्माक्ष विरहे तव' अत्र कीदृशी लुप्तोपमा? KL- SET-2016

(A) धर्मवाचकलुप्ता (B) धर्मोपमानलुप्ता
(C) धर्मोपमानवाचकलुप्ता (D) वाचकलुप्ता

स्रोत–

323. 'प्रियाऽनुरागस्य मनः समुन्नते न भुजार्चितानां' - कः अलङ्कारः — KL- SET-2015

(A) मालोपमालङ्कारः (B) लुप्तोपमालङ्कारः
(C) उत्प्रेक्षालङ्कारः (D) काव्यलिङ्गालङ्कारः

स्रोत–रघुवंशम् (3.10)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–79

324. 'विपर्यास उपमेयोपमा तयोः' इत्यत्र तयोरितिपदेन कयोर्निर्देशः? BHU AET–2012

(A) गुणगुणिनोः (B) कार्यकरणयोः
(C) उपमानोपमेययोः (D) आधाराधेययोः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू-124)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-443

325. उपमान-उपमेययोः सादृश्यलक्ष्मीः कुत्र उल्लसति? BHU Sh.ET–2013

(A) उत्प्रेक्षायाम् (B) तुल्ययोगितायाम्
(C) उपमायाम् (D) रूपके

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू-135)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

326. काव्यप्रकाशे उपमानोपमेययोः विपर्यासे कोऽलङ्कारः? UGC 25 D-2015

(A) अनन्वयः (B) विभावना
(C) विशेषोक्तिः (D) उपमेयोपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.135) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

314. (D) 315. (B) 316. (D) 317. (C) 318. (B) 319. (A) 320. (D) 321. (C) 322. (*) 323. (A) 324. (C) 325. (C) 326. (D)

327. 'अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघम्' अस्यां पंक्त्याम् अलङ्कारोऽस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) स्वभावोक्तिः (B) उपमा
(C) यमकः (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-115

328. 'मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः'–इत्यत्र कः अलङ्कारः? UGC 25 D–2012

(A) निदर्शना (B) उपमा
(C) उत्प्रेक्षा (D) दृष्टान्त

स्रोत– रघुवंशम् (1/4) - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–4

329. अधोलिखित में अलङ्कार का नाम बतायें?
अधरः किसलयरागः कोमलविटपानुकारिणौ बाहू।
कुसुममिव लोभनीयं यौवनमङ्गेषु सन्नद्धम्॥
BHU MET–2011, 2012

(A) उपमा (B) रूपक
(C) अतिशयोक्ति (D) सन्देह

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/21)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-50

330. ''यथा नदीनां बहवोऽम्बुवेगाः'' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? BHU Sh.ET–2011

(A) उत्प्रेक्षा (B) यमकः
(C) उपमा (D) श्लेषः

स्रोत–

331. 'स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? BHU Sh.ET–2011, UK TET–2011

(A) यमकम् (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपकम् (D) व्याजस्तुति

स्रोत–कुमारसम्भवम् (1.1) - सुधाकर मालवीय, पेज-01

332. 'गाम्भीर्यगरिमा तस्य सत्यं गङ्गाभुजङ्गवत्' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? HE–2015

(A) लुप्तोपमा (B) तद्धितगा आर्थी पूर्णोपमा
(C) तद्धितगा श्रौती पूर्णोपमा (D) उपमेयोपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-447

333. मम्मटमते त्रिलुप्तोपमा कतिविधा? JNU M. Phil/Ph.D-2015

(A) त्रिविधा (B) द्विविधा
(C) षड्विधा (D) एकविधा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-456

334. प्रभामहत्या शिखयेव दीपः त्रिमार्गयेव त्रिदिवस्य मार्गः।
संस्कारवत्येव गिरा मनीषी तया स पूतश्च विभूषितश्च॥
H TET–2014

(A) मालोपमा (B) उपमा
(C) रूपक (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–कुमारसम्भवम् (1/28) - सुधाकर मालवीय, पेज-17

335. तुल्यादिशब्दैः कीदृशी उपमा अभिधीयते- KL- SET-2016

(A) शाब्दी (B) पूर्णा
(C) आर्थी (D) लुप्ता

स्रोत– काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–445

336. 'तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्र पदादिवोरगः' इत्यत्र कः अलङ्कारः? UGC 25 S–2013

(A) श्लेषानुप्राणित उपमा (B) दृष्टान्तः
(C) रूपकः (D) श्लेषः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/24) - रामसेवक दुबे, पेज-103

337. (i)'रामरावणयोर्युद्धं रामरावणयोरिव' में अलङ्कार है–
(ii) 'रामरावणयोर्युद्धं रामरावणयोरिव' अत्र अलङ्कारः भवति– BHU MET–2009
(iii) 'गगनं गगनाकारं सागरः सागरोपमः।
रामरावणयोर्युद्धं रामरावणयोरिव॥'
उपर्युक्त में अलङ्कार का नाम बताइये?
UP GDC–2008, BHU MET–2013, G - GIC-2015

(A) अनन्वयः (B) उपमेयोपमा
(C) उपमा (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत– चन्द्रालोक (5.12) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–82

327. (B) 328. (B) 329. (A) 330. (C) 331. (B) 332. (C) 333. (D) 334. (A) 335. (C) 336. (A) 337. (A)

338. उपमेयोपमेयत्वे एकस्यैवैकवाक्यगे। विभावयत को नामालङ्कार परिकीर्तितः– BHU AET–2012

(A) उपमा (B) उपमेयोपमा

(C) सहोक्तिः (D) अनन्वयः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.134) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

339. उपमेयस्य समेन सम्भावनम् उत्कटकोटिकसंशयः वा कस्मिन् अलङ्कारे भवति– RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) विशेषोक्तौ (B) विभावनायाम्

(C) निदर्शनायाम् (D) उत्प्रेक्षायाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

340. तत्सदृश अन्य वस्तु का निषेध निम्न अलङ्कार करता है- UP PGT–2000

(A) उत्प्रेक्षा (B) सन्देह

(C) विरोधाभास (D) परिसंख्या

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.184) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-526

341. (i) 'लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः' को नाम मम्मटेनास्मिन् अलङ्कार उदाहृतः?

(ii) 'लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः' में अलङ्कार है– DL–2015, CVVET–2017,

(iii) 'लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः' अत्रायम् अलङ्कारः? RPSC ग्रेड-II TGT–2014,

(iv) 'लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः'' – इत्यत्र कोऽलङ्कारः दृश्यते? MH-SET-2013,

(v) ''लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः। असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता॥'' अस्मिन् श्लोके कः अलङ्कारः? UP PGT–2004, 2005, 2010, BHU AET-2010, 2011, 2012, G-GIC-2015

(A) उत्प्रेक्षा (B) सन्देह

(C) रूपक (D) अपह्नुति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-461

342. जहाँ उपमेय में उपमान की सम्भावना होती है, अलङ्कार है– UP PGT–2009, 2010

(A) उपमा (B) रूपक

(C) उत्प्रेक्षा (D) निदर्शना

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

343. एषु अर्थालङ्कारः कः? BHU Sh.ET–2013

(A) वृत्त्यानुप्रासः (B) यमकम्

(C) छेकानुप्रासः (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-441

344. 'सकलकलं पुरमेतज्जातं सम्प्रति सुधांशुबिम्बमिव' में मम्मट के अनुसार प्रधान अलङ्कार है–UP GIC–2009

(A) उपमा (B) श्लेष

(C) अनुप्रास (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-427

345. उत्कृष्ट कवि कल्पना की स्थिति में अलङ्कार होता है– UP GIC–2009

(A) उपमा (B) रूपक

(C) उत्प्रेक्षा (D) श्लेष

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर,पेज-460

346. (i) प्रकृतस्याप्रकृतेन सम्भावने- K-SET-2014

(ii) प्रकृतस्य समेन यत्सम्भावनं क्रियते तत्र अलङ्कारो भवति– UGC 73 J–2003

(A) रूपकम् (B) उत्प्रेक्षा

(C) उपमा (D) ससन्देहः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

347. (i) मन्ये शङ्के ध्रुवमित्यादीनां प्रयोगः कस्मिन् अलङ्कारे भवति– KL SET–2016

(ii) मन्ये शङ्के ध्रुवं प्राय इत्यादिशब्दैः कः अलङ्कारः व्यञ्जते? RPSC ग्रेड-I PGT -2014

(iii) कस्मिन्नलङ्कारे प्रायः 'मन्ये शङ्के ध्रुवं' इत्यादयः शब्दाः प्रयुज्यन्ते?

(A) उत्प्रेक्षालङ्कारे (B) अर्थान्तरन्यासालङ्कारे

(C) दृष्टान्तालङ्कारे (D) विभावनालङ्कारे

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-461

348. किसी प्रकृत अर्थात् प्रस्तुत वस्तु की अप्रस्तुत वस्तु रूप में सम्भावना प्रकट करने पर अलङ्कार होता है– UP PGT–2002

(A) अनुप्रास (B) श्लेष

(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

338. (D) 339. (D) 340. (D) 341. (A) 342. (C) 343. (D) 344. (A) 345. (C) 346. (B) 347. (A) 348. (C)

349. 'सैषा स्थली यत्र विचिन्वता त्वां भ्रष्टं मया नूपुर मेकमूर्व्याम्' में अलङ्कार है– UP PGT–2002

(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) श्लेष

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-70

350. 'वियति विसारिणीशष्पपंक्तिमिव आरचयन्तः' इत्यत्र कः अलङ्कारः– UGC 25 D–2014

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यासः
(C) उत्प्रेक्षा (D) विरोधाभासः

स्रोत–कदाम्बरी-कथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-200

351. वासवदत्तारीत्या 'निस्सरन्तीव प्राणाः' इत्यत्र कोऽलङ्कारः DU- Ph.D-2016

(A) रूपकम् (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमा (D) दीपकम्

स्रोत–वासवदत्ता - जमुना पाठक, पेज–79

352. कालिदासकृतप्रभातवर्णनश्लोकांश 'लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु' इत्यादौ प्रयुक्तोऽलङ्कारोऽस्ति– UP GDC–2014

(A) उपमा (B) अतिशयोक्ति
(C) उत्प्रेक्षा (D) अप्रस्तुतप्रशंसा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4.2)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

353. 'अयमागृहीतकमनीयकङ्कणस्तव मूर्तिमानिव महोत्सवः करः।' इत्यत्र अर्थालङ्कारोऽस्ति- DU- Ph.D–2016

(A) उत्प्रेक्षा (B) उपमा
(C) ससन्देहः (D) भ्रान्तिमान्

स्रोत– उत्तररामचरितम् (1/18) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–36

354. उत्प्रेक्षालङ्कार इत्यत्र 'उत्प्रेक्षाशब्दस्य' कोऽर्थः? DSSSB TGT–2014

(A) ऊर्ध्वं प्रेक्षणम्
(B) इदं किं वा तदिति संशयः
(C) सम्भावना
(D) साधारणधर्मः कः इति ऊहनम्

स्रोत– (i) अलङ्कारभूषण - कुन्दन कुमार, पेज–93
(ii) काव्यप्रकाश (सू0-136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–460

355. यदि उपमेय की उपमान के साथ सम्भावना व्यक्त की जाय तो अलङ्कार होता है- UP PGT–2013, UP PGT (H)–2002, UK TET–2011

(A) उत्प्रेक्षा (B) रूपक
(C) उपमेयोपमा (D) सन्देह

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.136) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-460

356. रूपकालङ्कारस्य प्रमुखा विशेषता का? RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) प्रकृताप्रकृतयोः भेदः (B) प्रस्तुताप्रस्तुतयोः वैधर्म्यम्
(C) प्रस्तुताप्रस्तुतयोरभेदः (D) उपमानोपमेययोः निगरणम्

स्रोत– काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–463

357. 'प्रतीपभूपालमृगीदृशां दृशः' इत्यत्र अधोरेखितेंऽशे अलङ्कारोऽस्ति? D.U.- Ph.D-2016

(A) रूपकम् (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमा (D) अतिशयोक्तिः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/11) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज-33

358. (i) ''अयं मार्तण्डः किं? स खलु तुरगैः सप्तभिरितः कृशानुः किं? सर्वाः प्रसरति दिशो नैष नियतम्'' में अलङ्कार है–
(ii) अयं मार्तण्डः किं स खलु तुरगैः सप्तभिरितः कः अलङ्कारः? UP PGT–2004, KL- SET-2015

(A) उत्प्रेक्षा (B) सन्देह
(C) उपमा (D) रूपक

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.137) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-462

359. ''किं तारुण्यतरोरियं रसभरोदभिन्ना नवा वल्लरी''– उपर्युक्त में कौन अलङ्कार है? BHU MET–2013

(A) भ्रान्तिमान् (B) दीपक
(C) सन्देह (D) विभावना

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-310

360. ''पङ्कजं वा सुधांशुर्वेत्यस्माकं न निर्णयः'' उपर्युक्त में कौन अलङ्कार है? BHU MET–2009

(A) भ्रान्तिमान् (B) सन्देह
(C) दीपक (D) विभावना

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–72

349. (C) 350. (C) 351. (B) 352. (C) 353. (A) 354. (C) 355. (A) 356. (C) 357. (B) 358. (B) 359. (C) 360. (B)

361. ''अयं प्रमत्तमधुपस्त्वन्मुखं वेत्ति पङ्कजम्'' इत्यत्र अलङ्कार अस्ति- RPSC ग्रेड -I (PGT)–2011
(A) भ्रान्तिमान् (B) अपह्नुतिः
(C) सन्देहः (D) समासोक्तिः
स्रोत–

362. कस्यालङ्कारस्य लक्षणे प्रामुख्येन ''स्थाणुर्वा पुरुषो वा'' इति भावो विद्यते– RPSC ग्रेड -II TGT–2014
(A) भ्रान्तिमान् (B) अपह्नुतिः
(C) श्लेषः (D) सन्देहः
स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–310

363. ....अभेदो य उपमानोपमेययोः। BHU AET–2011
(A) तदूपिकम् (B) तत्सामान्यम्
(C) तत्सन्धानम् (D) तद्रूपकम्
स्रोत– काव्यप्रकाश (सू0-138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–463

364. तद्रूपकम् .... य उपमानोपमेययोः। BHU AET–2012
(A) अनिन्द्यो (B) अभेदो
(C) अलभ्यो (D) अनुक्तो
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

365. 'तद्रूपकमभेदो य उपमानोपमेययोः' परिभाषा किस अलङ्कार की है? UP TET–2014
(A) रूपक अलङ्कार (B) यमक अलङ्कार
(C) अनुप्रास अलङ्कार (D) उत्प्रेक्षा अलङ्कार
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

366. (i) जहाँ उपमेय एवं उपमान में अभेद प्रदर्शित किया जाता है। वहाँ होता है–
(ii) उपमानोपमेययोरभेदो यत्र भवति तत्र कोऽलङ्कारः- UP TET–2013, 2014, JNU M.Phil/Ph.D- 2014
(A) उपमा अलंकार (B) अनुप्रास अलंकार
(C) रूपक अलंकार (D) यमक अलंकार
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

367. रूपकालङ्कारे प्रमुखता अस्ति–RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011
(A) उपमानोपमेययोः सुन्दरसाम्यस्य
(B) उपमानोपमेययोः प्रस्फुटसाम्यस्य
(C) उपमानोपमेययोः अभेदस्य
(D) उपमानोपमेययोः गम्यसाम्यस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

368. उपमेये उपमानस्यारोपो भवति– RPSC ग्रेड-II TGT–2010
(A) उपमायाम् (B) उत्प्रेक्षायाम्
(C) दृष्टान्ते (D) रूपके
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463-464

369. ''राजते मृगलोचना'' अत्र अलङ्कारोऽस्ति– MP वर्ग -I PGT–2012
(A) रूपकम् (B) उत्प्रेक्षा
(C) विभावना (D) उपमा
स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–300

370. यत्र निरपह्नवे विषये विषयी आरोप्यते तत्र अलंकारो भवति– MP वर्ग -I PGT–2012
(A) उत्प्रेक्षा (B) अतिशयोक्ति
(C) विभावना (D) रूपकम्
स्रोत– साहित्यदर्पण (10.28) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–303

371. 'मुखं चन्द्रः' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? DSSSB TGT–2014
(A) रूपकम् (B) उपमा
(C) अतिशयोक्तिः (D) परिणामः
स्रोत– अलङ्कारभूषण - कुन्दन कुमार, पेज–39

372. ''ज्योत्स्नाभस्मच्छुरणधवला'' इत्यत्र कः अलङ्कारः भवति– K SET–2015
(A) रूपकालङ्कारः (B) उपमालङ्कारः
(C) अर्थान्तरन्यासालङ्कारः (D) अपह्नुत्यलङ्कारः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.139) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-464

373. उपमेय का उपमान पर आरोप होने से कौन सा अलङ्कार होता है– BHU MET–2010
(A) यमक (B) रूपक
(C) उपमा (D) श्लेष
स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-67

374. समस्तवस्तुविषयक तथा एकदेशविवर्ति ये भेद हैं– UP PGT–2013
(A) उपमालङ्कार के (B) उत्प्रेक्षालङ्कार के
(C) सांगरूपक के (D) निरङ्गरूपक के
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.141) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-466

361. (C) 362. (D) 363. (D) 364. (B) 365. (A) 366. (C) 367. (C) 368. (D) 369. (D) 370. (D)
371. (B) 372. (A) 373. (B) 374. (C)

375. काल्पनिक अभेदारोप होने पर अलङ्कार होता है– UP PGT–2004

(A) अनुप्रास (B) उत्प्रेक्षा

(C) रूपक (D) उपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

376. न छिपाये गये उपमेय पर उपमान का अभेदारोप होने पर अलङ्कार होता है– UP PGT–2009

(A) उत्प्रेक्षा (B) परिसंख्या

(C) रूपक (D) उपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.138)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-463

377. निम्नलिखित में से कौन अर्थालङ्कार है? UP TGT (H)–2013

(A) श्लेष (B) यमक

(C) वक्रोक्ति (D) रूपक

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-441

378. 'तडिद्गौरी' इत्यत्रालङ्कारः – CVVET–2015

(A) उपमा (B) रूपकम्

(C) अनन्वयः (D) लुप्तोपमा

स्रोत–कुवलयानन्द (श्लोक-8)-भोलाशङ्कर व्यास, पेज–5

379. 'त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयम्'-इत्यस्मिन् कः अलङ्कारः? RPSC ग्रेड-I PGT -2014

(A) अनुप्रासः (B) उपमा

(C) विभावना (D) रूपकम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/26)-शिवबालक द्विवेदी, पेज-339

380. (i) प्रकृतं यन्निषिध्यान्यत् साध्यते सा............।

(ii) 'प्रकृतं प्रतिषिध्यान्यत्स्थापनं' चेत् तदा कोऽलङ्कारः?

(iii) प्रकृतं प्रतिषिध्य तदुपरि अप्रकृतस्य आरोपेण कः अलङ्कारः ग्राह्यः? UGC 25 - J-2013, BHU AET–2012, CVVET–2017

(A) असङ्गतिः (B) अपह्नुतिः

(C) विभावना (D) निदर्शना

स्रोत– काव्यप्रकाश (सू0-145)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–470

381. (i) उपमेयम् असत्यं कृत्वा उपमानस्य सत्यरूपेण स्थापनेऽलङ्कारः भवति–

(ii) उपमेय को असत्य सिद्ध कर उपमान को सत्यरूप से स्थापित करने में अलङ्कार होता है– UP GIC–2009, 2012, UP GDC–2012

(A) रूपक (B) व्यतिरेक

(C) निदर्शना (D) अपह्नुति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.145) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-470

382. अपह्नुतौ प्रतिषेधः भवति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) अप्रकृतस्य (B) अप्रस्तुतस्य

(C) प्रकृतस्य (D) उपमानस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.145) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-470

383. प्रस्तुत में अप्रस्तुत का परिस्फुरण होने से अलङ्कार होता है– UP GIC–2009

(A) समासोक्ति (B) अतिशयोक्ति

(C) विशेषोक्ति (D) विनोक्ति

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-336

384. (i) 'काव्यप्रकाशे परोक्तिर्भेदकैः श्लिष्टैः' इति कस्यालङ्कारस्य लक्षणम्–

(ii) ''परोक्तिर्भेदकैः श्लिष्टैः'' इति लक्षणमस्ति– UP GDC–2012, G-GIC-2015, UGC 25 J–2016

(A) निदर्शनायाः (B) समासोक्तेः

(C) दीपकस्य (D) दृष्टान्तस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.147) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-474

385. (i) अभवन्वस्तुसम्बन्ध उपमापरिकल्पकः

(ii) ''अभवन्वस्तुसम्बन्ध उपमापरिकल्पकः'' इति कस्य अलङ्कारस्य लक्षणमस्ति? UGC 25 J–2014,

(iii) उपमापरिकल्पकः अभवन् वस्तुसम्बन्धः कस्मिन् अलङ्कारे भवति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014,

(iv) 'अभवन्वस्तुसम्बन्ध उपमापरिकल्पकः' कस्यालङ्कारस्य लक्षणमिदम्– HAP-2016, BHU AET–2011, CVVET –2017, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) निदर्शना (B) समाधि

(C) विरोध (D) आक्षेप

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.148)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-474

375. (C) 376. (C) 377. (D) 378. (D) 379. (D) 380. (B) 381. (D) 382. (C) 383. (A) 384. (B) 385. (A)

386. (i) 'क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः। तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥' मम्मटेनात्र वदत कोऽलङ्कार उदाहृतः?

(ii) 'क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः। तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥' श्लोकेऽस्मिन् ....अलङ्कारः।

(iii) 'तितीर्षुर्दुस्तरं मोहदुडुपेनास्मि सागरम्' इत्यत्र-अलङ्कारः- BHU AET–2012, GJ- SET-2016 KL SET–2015, RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) निदर्शना (B) असङ्गति
(C) दीपक (D) परिवृत्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.148)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-475

387. निदर्शना अलङ्कारः अस्ति यदि–RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) द्वयोः समानवस्तुनोः साम्यं परिकल्प्यते।
(B) द्वयोः वाक्यार्थयोः साम्यं परिकल्प्यते
(C) द्वयोः भिन्नवस्तुनोः साम्यं निर्धार्यते।
(D) अभवन् वस्तुसम्बन्धे उपमानोपमेयभावस्य कल्पना क्रियते।

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.148) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-474

388. कामं नृपाः सन्ति सहस्रशोऽन्ये राजन्वतीमाहुरनेन भूमिं नक्षत्र ताराग्रहसङ्कुलापि ज्योतिष्मती चन्द्रमसैव रात्रिः॥ उपर्युक्त पदे अलङ्कारः अस्ति–RPSC ग्रेड-I-I PGT–2011

(A) प्रतिवस्तूपमा (B) अर्थान्तरन्यासः
(C) दृष्टान्तः (D) निदर्शना

स्रोत–कुवलयानन्द - भोलाशङ्कर व्यास, पेज–68

389. देवीभावं गमिता परिवारपदं कथं भजत्वेषा। न खलु परिभोगयोग्यं दैवतरूपाङ्कितं रत्नम्॥ अत्र श्लोकेऽलङ्कृतिरस्ति– UP GDC–2014

(A) दृष्टान्त (B) प्रतिवस्तूपमा
(C) निदर्शना (D) दीपकम्

स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-485

390. 'निदर्शना अभवन् वस्तुसम्बन्धः उपमापरिकल्पकः।' यह किसकी उक्ति है? UGC 73 J–2015

(A) रुय्यक (B) मम्मट
(C) राजशेखर (D) रुद्रट

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.148) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-474

391. चातकस्त्रिचतुरान् पयः कणान्, याचते जलधरं पिपासयः। सोऽपि पूरयति भूयसाऽम्भसा, चित्रमत्र महतामुदारता॥ उपर्युक्त पद में अलङ्कार है–RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) प्रहर्षणः (B) समासोक्तिः
(C) अर्थान्तरन्यासः (D) दृष्टान्तः

स्रोत–रसगङ्गाधर (द्वितीय आनन)-मदनमोहन झा, पेज–714

392. (i) मम्मटानुसारम् अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारः कतिविधः–

(ii) अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारः कतिविधः – UGC 25 D–2012, KL- SET-2015, JNU. M. Phil/Ph.D-2015

(A) द्विविधः (B) पञ्चविधः
(C) चतुर्विधः (D) दशविधः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.151) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-476

393. अतिशयोक्ति-नामके अलङ्कारे भवति–UP GIC–2015

(A) उपमानेन उपमेयस्य निगरणम्
(B) उपमानोपमेययोः साधर्म्यम्
(C) उपमेयतः उपमानस्य श्रेष्ठत्वम्
(D) उपमानस्य सम्भावनमुपमेये

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.152) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-483

394. असम्बन्धे सम्बन्धस्य कल्पने कोऽलङ्कारः? DSSSB PGT–2014

(A) सम्बन्धातिशयोक्तिः (B) असम्बन्धातिशयोक्तिः
(C) असम्भवातिशयोक्तिः (D) सम्भवातिशयोक्तिः

स्रोत–चन्द्रालोक (5.44) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–110-111

395. (i) अध्यवसाये सिद्धेऽलङ्कारो भवति–

(ii) अध्यवसाय के निश्चित रूप से प्रतीत होने पर कौन सा अलङ्कार होता है?

(iii) अध्वसाय की सिद्धि होने पर अलङ्कार होता है? DL–2015, UP PGT–2002, 2004, 2009 UP GIC–2009, H TET–2014

(A) स्वभावोक्ति (B) रूपक
(C) अतिशयोक्ति (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.46) -शालिग्राम शास्त्री, पेज–323

386. (A) 387. (D) 388. (C) 389. (B) 390. (B) 391. (A) 392. (B) 393. (A) 394. (B) 395. (C)

396. किस अलङ्कार में उपमान पक्ष उपमेय पक्ष का निगरण कर लेता है– UP GIC–2009

(A) उपमा (B) रूपक
(C) समासोक्ति (D) अतिशयोक्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.152) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-483

397. सिद्धत्वेऽध्यवसायस्य .... निगद्यते। समुचित पद से रिक्तस्थान की पूर्ति करें। UGC 73 J–2015

(A) अतिशयोक्तिः (B) उत्प्रेक्षा
(C) अपह्नुतिः (D) अप्रस्तुतप्रशंसा

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.46) -शालिग्राम शास्त्री, पेज–323

398. (i) सामान्यस्य द्विरेकस्य यत्र वाक्यद्वये स्थितिः। कोऽसौ भवत्यलङ्कारः? BHU AET–2012

(ii) ''सामान्यस्य द्विरेकस्य यत्र वाक्यद्वये स्थितिः।'' काव्यप्रकाशकारमते कोऽयम् अलङ्कारः? UGC 25 J–2015

(A) विशेषोक्तिः (B) संसृष्टिः
(C) प्रतिवस्तूपमा (D) विशेषः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.153) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-484

399. (i) उपमानोपमेययोः बिम्बप्रतिबिम्बत्वं चेत् कस्तत्रालङ्कारः?

(ii) उपमेयोपमानयोः बिम्बप्रतिबिम्बभावः कस्मिन् अलङ्कारे प्रस्तूयते– UGC 25 J–2012
RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) निदर्शनालङ्कारः (B) दीपकालङ्कारः
(C) व्यतिरेकालङ्कारः (D) दृष्टान्तालङ्कारः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.154) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-486

400. ..... पुनरेतेषां सर्वेषां प्रतिबिम्बनम्– BHU AET–2012

(A) पर्यायः (B) दृष्टान्तः
(C) विरोधः (D) आक्षेपः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.154) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-486

401. ''त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो मनोभवज्वलितम्। आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्याः॥'' में अलङ्कार है? H-TET–2015

(A) अर्थान्तरन्यास (B) निदर्शना
(C) दृष्टान्त (D) उपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–486

402. ''संसार-विषवृक्षस्य द्वे एव रसवत्फले। काव्यामृत-रसास्वादः सङ्गमः सज्जनैः सह॥'' में अलङ्कार है? H-TET–2015

(A) दृष्टान्त (B) उपमा
(C) यमक (D) रूपक

स्रोत–(i) हंसा परीक्षा गाइड - संजय कुमार जैन, पेज– 157
(ii) हितोपदेश (मित्र लाभ) श्लोक-135-विश्वनाथ शर्मणा, पेज–115

403. सकृद्वृत्तिस्तु धर्मस्य प्रकृताप्रकृतात्मनाम्। सैव क्रियासु बह्वीषु कारकस्येति दीपकम्॥'' को उद्भावित करने वाला ग्रन्थ है? BHU MET–2014

(A) रसगङ्गाधर (B) साहित्यदर्पण
(C) काव्यादर्श (D) काव्यप्रकाश

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.155) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-487

404. अप्रस्तुतप्रस्तुतयोरेक धर्माभिसम्बन्धः इति कस्मिन् अलङ्कारे भवति? RPSC ग्रेड-II PGT–2014

(A) अर्थान्तरन्यासः (B) रूपकम्
(C) दीपकम् (D) यमकम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/49) शालिग्राम शास्त्री, पेज-328

405. ''सकृद्वृत्तिस्तु धर्मस्य प्रकृताप्रकृतात्मनाम्''–यह लक्षण है– UGC 73 J–2012

(A) दीपकालङ्कारस्य (B) रूपकालङ्कारस्य
(C) काव्यलिङ्गालङ्कारस्य (D) सङ्करालङ्कारस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.155) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-487

406. व्यतिरेकालङ्कारस्य लक्षणम् अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) प्रस्तुतोऽप्रस्तुतयोः साम्यम्
(B) उपमानाद् उपमेयस्य व्यतिरेकः
(C) उपमानस्य उपमेयाद् व्यतिरेकः
(D) प्रस्तुताप्रस्तुतयोः वैषम्यम्

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.158) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-491

407. उपमान की अपेक्षा उपमेय की अधिकता या न्यूनता का वर्णन होने पर अलङ्कार होता है-UP PGT–2002

(A) भ्रान्तिमान् (B) दृष्टान्त
(C) व्यतिरेक (D) अपह्नुति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.158)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-491

396. (D) 397. (A) 398. (C) 399. (D) 400. (B) 401. (C) 402. (D) 403. (D) 404. (C) 405. (A) 406. (B) 407. (C)

408. उपमानादुपमेयस्य वर्णनं यत्राधिकं भवति तत्र कोऽलङ्कारो विधीयते? RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) दीपकम् (B) दृष्टान्तः

(C) अर्थान्तरन्यासः (D) व्यतिरेकः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.158) आचार्य विश्वेश्वर, पेज-491

409. ''दिशि मन्दायते तेजो दक्षिणस्यां रवेरपि। तस्यामेव रघोः पाड्याः प्रतापं न विषेहिरे॥''

इत्यत्र अलङ्कार अस्ति– RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) रूपकम् (B) समासोक्तिः

(C) व्यतिरेकः (D) अतिशयोक्तिः

स्रोत–साहित्यदर्पण- सत्यव्रत सिंह, पेज-292

410. उपमानोपेक्षयोपमेय-प्रकर्षे सत्यलङ्कारो भवति– DL–2015

(A) अपह्नुतिः (B) व्यतिरेकः

(C) दृष्टान्तः (D) समासोक्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.158) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-491

411. (i) क्रियायाः प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्तिः ....?

(ii) क्रियायाः प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्ति अलङ्कारो भवति? UGC 25 D–2014, Jn.-2017, BHU AET–2012, UGC 73 D–2014

(A) विपर्ययः (B) विशेषता

(C) विरूपता (D) विभावना

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.161) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

412. यत्र हेतुर्विना कार्योत्पत्तिरुच्यते सञ्जायते तत्र अलङ्कारो भवति– MP वर्ग -I PGT–2012, G-GIC-2015

(A) विशेषोक्तिः (B) निदर्शना

(C) विभावना (D) समासोक्तिः

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/66) - शालिग्राम शास्त्री- पेज-350

413. 'कारण के बिना कार्य के होने का वर्णन' होने पर कौन-सा अलङ्कार होता है? DL (H)–2015, UP TGT (H)–2010

(A) असङ्गत (B) विभावना

(C) विशेषोक्ति (D) व्यतिरेक

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.161) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

414. को नाम अलङ्कारो गम्यौपम्यमूलको नास्ति– UP GDC–2014

(A) निदर्शना (B) प्रतिवस्तूपमा

(C) तुल्ययोगिता (D) विभावना

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-441, 442

415. विभावनाऽलङ्कारः भवति, यत्र– UP GDC–2014

(A) कारणं बिना कार्यसद्भावः (B) सत्यपि कारणे कार्यासद्भावः

(C) विषयापह्नवे विषयिबोधः (D) विषयेऽपगते विषयिबोधः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.161) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

416. (i) अधोलिखितेषु युग्मेषु परस्परं विरुद्धम् अलङ्कारयुगलमस्ति– UP GDC–2008, 2012,

(ii) निम्नलिखित में से किस अलङ्कार युग्म के अलङ्कार सर्वथा विपरीत लक्षण वाले हैं–UP GIC–2009

(iii) अधोलिखित युग्मों में से कौन सा युग्म है, जो विरोधी होकर भी एक दूसरे का अनुपूरक है?

(A) उपमा - उत्प्रेक्षा (B) रूपकम् - दीपकम्

(C) काव्यलिङ्गम् - परिसंख्या (D) विभावना - विशेषोक्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.161-162)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-499

417. विभावनाविशेषोक्तिरलङ्कारयोः आधारः कः? RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) सादृश्यभावः (B) असादृश्यभावः

(C) उपमानोपमेयभावः (D) कार्यकारणभावः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.161-162)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498,499

418. 'अखण्डेषु कारणेषु फलावचः' कस्य अलङ्कारस्य लक्षणम्? UGC 25-J–2016

(A) विशेषोक्तेः (B) विभावनायाः

(C) समासोक्तेः (D) वक्रोक्तेः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.162) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

419. (i) किस अलङ्कार में कारण होने पर भी कार्य नहीं होता, इसमें– UP GIC–2009

(ii) कारण के होने पर कार्य न होने के वर्णन में कौन अलङ्कार होता है? UP GDC–2008

(A) विशेषोक्ति (B) समासोक्ति

(C) विभावना (D) व्यतिरेक

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.162) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

408. (D) 409. (C) 410. (B) 411. (D) 412. (C) 413. (B) 414. (D) 415. (A) 416. (D) 417. (D) 418. (A) 419. (A)

420. 'धनिनोऽपि निरुन्मादा युवानोऽपि न चञ्चलाः' अत्र कोऽलङ्कारा:? G-GIC-2015

(A) विभावना (B) उपमा
(C) विशेषोक्ति (D) रूपकम्

स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-351

421. कारणे उक्ते सति कार्याभावः कस्मिन् अलङ्कारे भवति– HAP-2016

(A) विभावनायाम् (B) विशेषोक्तौ
(C) दृष्टान्ते (D) समासोक्तौ

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.162) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

422. यत्र हेतौ सति अपि फलस्य अभावो कथ्यते तत्र अलङ्कारः भवति– G-GIC-2015

(A) समासोक्तिः (B) अतिशयोक्तिः
(C) विभावना (D) विशेषोक्तिः

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.67) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–351

423. (i) अर्थान्तरन्यासस्य कति भेदाः?
(ii) अर्थान्तरन्यासालङ्कारः कतिविधः?
RPSC ग्रेड-I PGT–2011, KL SET–2016

(A) द्वौ (B) चत्वारः
(C) अष्ट (D) सप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-500

424. समर्थनीयस्य अर्थस्य समर्थने कोऽलङ्कारः? DSSSB PGT–2014

(A) परिकरः (B) अनुमानम्
(C) काव्यलिङ्गम् (D) अर्थान्तरन्यासः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.164) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-500

425. 'आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ्गनानां। सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि' कोऽत्रालङ्कारः– UGC 25 J–2013

(A) उपमा (B) दृष्टान्तः
(C) निदर्शना (D) अर्थान्तरन्यासः

स्रोत–मेघदूतम् (1/10) - तारिणीश झा, पेज-19

426. ''सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।'' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? UGC 25 J–2014

(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) सन्देहः (D) अर्थान्तरन्यासः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22) -कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54-57

427. ''बृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति। सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा'' इत्यत्र अलङ्कारो वर्तते- RPSC ग्रेड-II PGT–2014

(A) अर्थान्तरन्यासः (B) रूपकम्
(C) श्लेषः (D) व्यतिरेकः

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–81

428. ''शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य। भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र॥'' अत्र कोऽलङ्कारः? UGC 25 D–2014

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यास
(C) रूपकम् (D) विभावना

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/16)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-38-39

429. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्''– में अलङ्कार बतलाइये– BHU MET–2009, 2013

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यास
(C) उत्प्रेक्षा (D) अनुप्रास

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-46-47

430. बालक आदि की अपनी स्वाभाविक क्रिया या रूप का वर्णन कहा जाता है– UP PGT–2013

(A) अतिशयोक्ति (B) परिसंख्या
(C) स्वभावोक्ति (D) समासोक्ति

स्रोत– काव्यप्रकाश (सू.167) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-505

431. डिम्भादेः स्वक्रियारूपवर्णनम्– UP PGT–2011

(A) स्वभावोक्तिः (B) अन्योक्तिः
(C) अतिशयोक्तिः (D) मालोपमा

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.167) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-505

420. (C) 421. (B) 422. (D) 423. (B) 424. (D) 425. (D) 426. (D) 427. (A) 428. (B) 429. (B) 430. (C) 431. (A)

432. ''यत्र च गुरुव्यतिक्रमं नक्षत्रराशयः, मात्राकलहं लेखशालिकाः, मित्रोदय-द्वेषमुलूकाः अपत्यत्यागं कोकिलाः, बन्धुजीवविघातं ग्रीष्मदिवसाः कुर्वन्ति, न जनाः।'' इन पंक्तियों में प्रसिद्ध अलङ्कार– UP PGT–2013

(A) उपमा (B) परिसंख्या
(C) यमक (D) वक्रोक्ति

स्रोत– नलचम्पू - तारिणीश झा, पेज– 44

433. 'भक्तिर्भवे न विभवे व्यसनं शास्त्रे न युवतिकामास्त्रे। चिन्ता यशसि न वपुषि प्रायः परिदृश्यते महताम्।।' प्रस्तुत पद्य में अलङ्कार है– UP PGT–2013

(A) विरोधाभास (B) परिसंख्या
(C) कारणमाला (D) भ्रान्तिमान्

स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-528

434. ''शशिकृपाणकवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि, सार्य्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्'' इत्यत्र अर्थालङ्कारोऽस्ति- DU-Ph.D-2016

(A) परिसंख्या (B) कारणमाला
(C) एकावली (D) सारः

स्रोत–कादम्बरीकथामुखम् - तारिणीश झा, पेज-41

435. किञ्चित् पृष्टमपृष्टं वा कथितं यत् प्रकल्प्यते। तादृगन्यव्यपोहाय .... तु सा स्मृता।'' रिक्तस्थानं पूरयत। UGC 25 J–2015

(A) उपमा (B) व्याजस्तुतिः
(C) अपह्नुतिः (D) परिसंख्या

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.184) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-526

436. 'कार्यकारणयोर्भिन्नदेशतायाम्' अलङ्कार होता है– UGC 73 D–2012

(A) कारणमाला (B) विभावना
(C) विशेषोक्ति (D) असङ्गति

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/69) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-353

437. भ्रान्तिमान् अलङ्कार में प्राणतत्त्व है? UP PGT–2004, 2010

(A) सन्देह (B) भ्रान्ति का अनिश्चय
(C) भ्रान्ति का निश्चय (D) संशय

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.36) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–311

438. अङ्गाङ्गिसम्बन्धेऽलङ्कृत्योः भवति अलङ्कारः– UP GDC–2014

(A) संसृष्टिः (B) काव्यसृष्टिः
(C) सङ्करः (D) सालङ्कारता

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.207) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-554

439. अलङ्काराणाम् एकाश्रयानुप्रवेशे कोऽलङ्कारः भवति? UK SLET–2015

(A) सङ्करः (B) संसृष्टिः
(C) श्लेषः (D) निदर्शना

स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-554

440. अविश्रान्तिजुषामात्मन्यङ्गाङ्गित्वं तु कः अलङ्कारः भवति- K-SET-2015

(A) सन्देहालङ्कारः (B) सङ्करालङ्कारः
(C) श्लेषालङ्कारः (D) अतिशयोक्तिरलङ्कारः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू.207) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-554

441. अन्योन्यालङ्कारस्य लक्षणं किम्- KL-SET–2015

(A) यथोत्तरं चेत्पूर्वस्य (B) क्रियया तु परस्परम्
(C) भिन्नदेशतया अत्यन्तं (D) समं योग्यतया

स्रोत–काव्यप्रकाश (10.120) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-429

442. संकरः कतिविधिः- HAP-2016

(A) षड्विधः (B) पञ्चविधः
(C) चतुर्विधः (D) त्रिविधः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-554

443. 'सौन्दर्यमलङ्कारः' इति वाक्यं कुत्र विद्यते? DSSSB PGT–2014, DSSSB TGT–2014

(A) काव्यालङ्कारसूत्रे (B) व्यक्तिविवेके
(C) अलङ्कारसर्वस्ये (D) प्रतापरुद्रीये

स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-54

444. रसस्य च प्राधान्यान्नालङ्कारता में किस अलङ्कार का निषेध किया गया है? UP PGT–2005

(A) रसवद् का (B) शब्दालङ्कार का
(C) शृङ्गार का (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–

432. (B) 433. (B) 434. (A) 435. (D) 436. (D) 437. (C) 438. (C) 439. (A) 440. (B) 441. (B) 442. (D) 443. (A) 444. (A)

445. 'सौन्दर्यमलङ्कारः' इति प्रतिपादितम्–UGC 25 J–2009
(A) रुय्यकेन (B) रुद्रटेन
(C) भामहेन (D) वामनेन
स्रोत–काव्यालङ्कारसूत्र (1.1.2) - हरगोविन्द मिश्र, पेज–6

446. नवीनार्थसमर्थनं कस्मिन् अलङ्कारे भवति? BHU Sh.ET–2013
(A) उत्प्रेक्षायाम् (B) काव्यलिङ्गे
(C) रूपके (D) उपमायाम्
स्रोत– चन्द्रालोक (5/38) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–105

447. उपमानाद्यदन्यस्य .... स एव सः॥ BHU AET–2012
(A) समाख्यानं (B) दोषारोपः
(C) व्यतिरेकः (D) परामर्शः
स्रोत– काव्यप्रकाश (सू0-158)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–491

448. अधोलिखितेषु कोऽलङ्कार उभयालङ्कारः इति कथितः– BHU AET–2010
(A) पर्यायालङ्कारः (B) पुनरुक्तवदाभासः
(C) परिकरालङ्कारः (D) परिसंख्यालङ्कारः
स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-438-440

449. रसस्य गुणीभूतव्यङ्ग्यत्वे सति कोऽलङ्कारो जायते– BHU AET–2010
(A) प्रेयः (B) उर्जस्विन्
(C) रसवत् (D) समाहितः
स्रोत–काव्यप्रकाश -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-204

450. 'हनुमानब्धिमतरत् दुष्करं किं महात्मनाम्'–इति वाक्यं कस्यालङ्कारस्य उदाहरणम्– UGC 25 D–2009
(A) उपमालङ्कारस्य (B) दृष्टान्तालङ्कारस्य
(C) दीपकालङ्कारस्य (D) अर्थान्तरन्यासालङ्कारस्य
स्रोत–चन्द्रालोक (5/68) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–133

451. 'यशः पयोराशिरभूत करकल्पतरोस्तव' इत्यत्र अलङ्कारः- CVVET–2015
(A) विभावना (B) मीलितम्
(C) विशेषोक्तिः (D) निदर्शना
स्रोत– कुवलयानन्द (श्लोक-82)-भोलाशङ्कर व्यास, पेज–147

452. 'हिमाद्रिं त्वद्यशोमग्नं सुरारशीतेन जानते' इत्यत्र अलङ्कारः– CVVET–2015
(A) उपमालङ्कारः (B) दृष्टान्तालङ्कारः
(C) उन्मीलित अलङ्कार (D) अर्थान्तरन्यासालङ्कारः
स्रोत– कुवलयानन्द (श्लोक-148)-भोलाशङ्कर व्यास, पेज–243

453. ''महावराहो गोत्रोद्धरणप्रवृत्तोऽपि गोत्रोद्दलनमकरोत्'' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? DU- Ph.D-2016
(A) विषमः (B) अतिशयोक्तिः
(C) विरोधः (D) प्रतीपम्
स्रोत–वासवदत्ता - जमुना पाठक, पेज–21

**454. ''द्रवः संघातकठिनः स्थूलः सूक्ष्मो लघुर्गुरुः।
व्यक्तो व्यक्तेतरश्चासि प्राकाम्यं ते विभूतिषु॥''
अत्र अलङ्कारः कः? KL- SET-2016**
(A) विरोधः (B) स्वभावः
(C) अतिशयः (D) रसवान्
स्रोत– कुमारसम्भव (2/11) - वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–35

455. शेषोऽयं न भुजो वीरधत्ते यद्धरणीमिमाम्। अत्र अलङ्कारः कः? KL- SET-2016
(A) अतिशयोक्तिः (B) तुल्ययोगिता
(C) उत्प्रेक्षा (D) अपह्नुतिः
स्रोत–

456. परिकरालङ्कारस्य लक्षणम्? KL- SET-2016
(A) तुल्यबलविरोधः (B) विशेषणसाभिप्रायत्वम्
(C) परस्परं क्रियाजननम् (D) हेतोर्वाक्यपदार्थता
स्रोत–साहित्यदर्पण (10/57) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-342

457. महीतलस्पर्शनिमात्रभिन्नमृद्धं हि राज्यं पदमैन्द्रमाहुः कोऽलङ्कारः? KL- SET-2016
(A) अतिशयोक्तिः (B) अपह्नुतिः
(C) रूपकम् (D) अर्थान्तरन्यासः
स्रोत– रघुवंश (2/50) - राधावल्लभ त्रिपाठी, पेज– 54-55

**458. चकोर्य एव चतुराश्चन्द्रिकाचामकर्मणि।
विनावन्तीर्न निपुणाः सुदृशो रतनर्मणि॥
अत्र अलङ्कार कः? KL SET–2016**
(A) व्यतिरेकः (B) निदर्शना
(C) प्रतिवस्तूपमा (D) दृष्टान्तः
स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–329

**445. (D) 446. (B) 447. (C) 448. (B) 449. (C) 450. (D) 451. (A) 452. (C) 453. (C) 454. (A)
455. (A) 456. (B) 457. (D) 458. (C)**

459. विशेषणानां साभिप्रायत्वे कः अलङ्कारः– CVVET–2017

(A) मीलितम् (B) उन्मीलितम्
(C) परिकराङ्करः (D) परिकरः

स्रोत–साहित्यदर्पण (10.57) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-342

460. 'प्रस्तुतानामप्रस्तुतानां वा पदार्थानाम् एकधर्माभिसम्बन्धः' कस्मिन् अलङ्कारे भवति– RPSC ग्रेड-I PGT–2015

(A) तुल्ययोगितायाम् (B) प्रतिवस्तूपमायाम्
(C) निदर्शनायाम् (D) अर्थान्तरन्यासे

स्रोत– रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज– 80-83

461. ''स वाक्य एकस्मिन् यत्रानेकार्थता भवेत्'' इत्यत्र 'स' इत्यस्य कोऽर्थः – UGC 25 D–2010

(A) निदर्शना
(B) समासोक्तिः
(C) श्लेषः
(D) रूपकम्

स्रोत– काव्यप्रकाश (सूत्र-146)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–473

459. (D) 460. (B) 461. (C)

34 रसप्रश्न

1. रसः कुतो गृहीतः– BHU AET–2010
(A) ऋग्वेदतः (B) यजुर्वेदतः
(C) सामवेदतः (D) अथर्ववेदतः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-84

2. शृङ्गारहास्यकरुणरौद्रवीरभयानकाः बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ .... रसाः स्मृताः॥ BHU AET–2011
(A) वेदे (B) लोके
(C) काव्ये (D) नाट्ये
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/15)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-157

3. रसप्रस्थानस्य प्रवर्तकः कः? UGC 25 J–2010
(A) भामहः (B) भरतः
(C) विश्वनाथः (D) वामनः
स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-16

4. व्यभिचार्यञ्जितः को भवति? UGC 25 J–2011
(A) भावध्वनिः (B) रसः
(C) अलङ्कारः (D) रसाभासः
स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-110

5. ''वेद्यान्तरसंस्पर्शशून्यः'' इदं विशेषणमस्ति MP वर्ग (PGT)–2012
(A) गुणस्य (B) रसस्य
(C) अलङ्कारस्य (D) शब्दस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-111

6. रस सर्वदा होता है– UGC 73 J–2007, D–2011
(A) शब्दरूपः (B) वाच्यरूपः
(C) अर्थरूपः (D) व्यङ्ग्यरूपः
स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-217

7. विभावानुभावव्यभिचारि........... रसनिष्पत्तिः? BHU AET–2011
(A) सहयोगात् (B) संयोगात्
(C) सम्बन्धात् (D) सन्धानात्
स्रोत–(i) काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-100
(ii) नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–182

8. 'कारणान्यथ कार्याणि सहकारीणि यानि च' कस्य विषये आयाति? UGC 25 J–2013
(A) रसस्वरूपविषये (B) वस्तुस्वरूपविषये
(C) ध्वनिविषये (D) अलङ्कारविषये
स्रोत–काव्यप्रकाश (4.27)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-95

9. रसः इति कः पदार्थः? UGC 25 D–2013
(A) आस्वाद्यमानः (B) श्रवणपेयः
(C) भोज्यमानः (D) दृश्यमानः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-189

10. भरतमुनि के रससूत्र में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है? UGC (H) J–2010
(A) स्थायीभाव (B) विभाव
(C) अनुभाव (D) व्यभिचारीभाव
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-182

11. (i) 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगात् रसनिष्पत्तिः' इति केन उक्तम्? UP PGT (H)–2004,
(ii) ''विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः'' इति सूत्रस्य रचयितुर्नाम– UGC 73 J–2014,
(iii) 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' सूत्र किस आचार्य का है? DSSSB TGT–2014,
(iv) 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' किससे सम्बन्धित है? DL–2015, UP PGT–2003
(A) भरतेन (B) वामनेन
(C) भामहेन (D) जगन्नाथेन
स्रोत–(i) नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-182
(ii) काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-100

12. विशेष रूप से जो भावों को प्रकट करते हैं, उन्हें कहते हैं? UP PGT (H)–2013
(A) अनुभाव (B) संचारीभाव
(C) विभाव (D) स्थायीभाव
स्रोत–नाट्यशास्त्र (6.21)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-164

1. (D)	2. (D)	3. (B)	4. (B)	5. (B)	6. (D)	7. (B)	8. (A)	9. (A)	10. (A)
11. (A)	12. (B)								

13. रसस्य सन्दर्भे निम्नलिखितेषु कः शब्दः समीचीनः? T SET–2014

(A) ज्ञाप्यः (B) नित्यः
(C) कार्यः (D) आनन्दमयः

स्रोत– नाट्यशास्त्र (भाग-1)-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज–365

14. (i) कतमो भावः रसतां प्राप्नोति– T SET–2014
(ii) कः भावः रसतामेति– RPSC SET–2010

(A) व्यभिचारिभावः (B) स्थायिभावः
(C) मनोभावः (D) अनुभावः

स्रोत– साहित्यदर्पण (3.1) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–46

15. रति स्थायीभाव वाला रस है? UGC 25 J–1994

(A) करुण (B) शृङ्गार
(C) अद्भुत (D) वीर

स्रोत–नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-198

16. अष्टविधा नायिकाओं का सम्बन्ध किस 'रस' से होता है? UGC 25 D–1999

(A) वीररस (B) अद्भुतरस
(C) हास्यरस (D) शृङ्गाररस

स्रोत– दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज– 157

17. (i) शृङ्गाररसस्य स्थायीभावः कः भवति?
(ii) शृङ्गार रस का स्थायीभाव है? UGC 25 J–2004, UP PGT–2009, 2010, UP TGT (H)–2004, UK TET–2011

(A) शोक (B) हास
(C) रति (D) उत्साह

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - ब्रजमोहन चतुर्वेदी,पेज-161

18. (i) विप्रलम्भशृङ्गार में वियोग की कितनी दशायें मानी गयी हैं? BHU AET–2010, UP TGT (H)–2002
(ii) विप्रलम्भशृङ्गारे कामदशाः भवन्ति?

(A) 08 (B) 09
(C) 10 (D) 11

स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-107

19. (i) शृङ्गारे विप्रलम्भाख्यो भेदः कतिविधः स्मृतः?
(ii) मम्मट ने विप्रलम्भशृङ्गार के भेद स्वीकार किये हैं? UP PGT–2013, BHU AET–2011

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-123

20. शृङ्गाररसः कतिविधः? UGC 25 J–2005

(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः
(C) त्रिविधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-121

21. माधुर्यगुणस्य कस्मिन् रसे प्रकर्षः वर्तते? UGC 25 D–2010

(A) शृङ्गारे (B) करुणे
(C) हास्ये (D) वीरे

स्रोत–काव्यप्रकाश (8/89) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

22. भ्रूविक्षेपकटाक्षादयः कस्य रसस्य अनुभावाः? MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) करुणस्य (B) शान्तस्य
(C) शृङ्गारस्य (D) बीभत्सस्य

स्रोत–नाट्यशास्त्र- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-200

23. सहृदयस्य उत्साहादिसमुद्बोधः जायते? MGKV Ph. D–2016

(A) स्वारूप्याभिमानतः (B) पररूपत्वाभिमानतः
(C) स्वपरोभयरूपत्वाभिमानतः (D) साधारण्याभिमानतः

स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–160

24. शृङ्गाररसो भवति? UGC 25J–2015

(A) प्रमथदैवतः (B) विष्णुदैवतः
(C) गन्धर्वदैवतः (D) नारायणदैवतः

स्रोत–नाट्यशास्त्र- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-197

25. कति भावाः समाख्याताः नामतो व्यभिचारिणः? BHU AET–2011

(A) एकत्रिंशत् (B) त्रयस्त्रिंशत्
(C) चतुस्त्रिंशत् (D) पञ्चत्रिंशत्

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/21) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-164

13. (D)	**14. (B)**	**15. (B)**	**16. (D)**	**17. (C)**	**18. (C)**	**19. (C)**	**20. (A)**	**21. (A)**	**22. (C)**
23. (B)	**24. (B)**	**25. (B)**							

26. स्थायीभावाः कति सन्ति– UGC 25 J–2010

(A) अष्ट (B) पञ्च
(C) दश (D) सप्त

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/7)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-160

27. कति काव्यरसाः ज्ञेयाः– BHU Sh. ET–2011

(A) अष्टौ (B) नव
(C) दश (D) पञ्च

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–5

28. (i) संचारीभावों की संख्या मानी गयी है–
(ii) रसो के संचारीभावों की संख्या मानी जाती है–
UP PGT (H)–2010, UP TGT (H)–2001

(A) 32 (B) 30
(C) 34 (D) 33

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/21)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-164

29. रसादिध्वनि के अन्तर्गत आते हैं– UP PGT–2005

(A) रस (B) भाव
(C) रसाभासभावाभासादि (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-94

30. (i) वीररसस्य स्थायीभावः– UP TGT (H)–2013,
(ii) वीररस का स्थायीभाव है? DSSSB (PGT)–2014,
(iii) वीररसस्य स्थायीभावः कः अस्ति– UGC 25
(iv) वीररसस्य स्थायीभावोऽस्ति– J–1998, 1999,
D–2002, 2004, 2005,
MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP PGT (H)–2002

(A) उत्साहः (B) जुगुप्सा
(C) शोकः (D) भयम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

31. वीररसः कतिविधो भवति? BHU AET–2010

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/79) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-214

32. वीररसस्य को गुणः? MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) माधुर्यम् (B) प्रसादः
(A) वीरत्वम् (D) ओजः

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज-460

33. उत्साहः कस्य रसस्य स्थायिभावः? UGC 25 D–2014

(A) रौद्रस्य (B) करुणस्य
(C) वीरस्य (D) बीभत्सस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

34. महावीरचरित में अङ्गी रस है? BHU MET–2010

(A) करुण (B) शृङ्गार
(C) वीर (D) शान्त

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-401

35. (i) बीभत्सरसस्य स्थायीभावः – UGC 25 J–2000,
(ii) बीभत्स रस का स्थायीभाव है? D–1996, 1998,
(iii) बीभत्सरसस्य स्थायीभावोऽस्ति– 2001, 2007, 2010,
UP PGT–2009, 2010, UP PGT (H)–2004,
UP TGT (H)–2013, AWES TGT–2010, 2013, GJ
SET–2016, CCSUM Ph.D–2016

(A) रति (B) हास
(C) शोक (D) जुगुप्सा

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

36. (i) जुगुप्सा स्थायीभाव होता है? DL (H)–2015
(ii) किस रस का स्थायीभाव 'जुगुप्सा' है?
UP TGT (H)–2001

(A) वीररस का (B) रौद्ररस का
(C) अद्‌भुतरस का (D) बीभत्सरस का

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

37. (i) रौद्ररसस्य स्थायीभावः कः? UP GDC–2008,
(ii) रौद्ररस का स्थायीभाव है? UGC 25 D–2012,
(iii) रौद्ररसे स्थायीभावः कः? BHU Sh.ET–2013

(A) उत्साहः (B) भयम्
(C) जुगुप्सा (D) क्रोधः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

38. अधोलिखित में क्या सत्य है? UGC 73 D–2015

(A) रौद्ररसस्य स्थायिभावः - क्रोधः
(B) 'गङ्गायां घोषः' इत्युदाहरणमस्ति - रूढिमतीलक्षणायाः
(C) 'वीथी' इति रूपकस्य रसोऽस्ति - हास्यरसः
(D) दशरूपकमित्यस्य कर्ता - दण्डी

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

26. (A) 27. (B) 28. (D) 29. (D) 30. (A) 31. (C) 32. (D) 33. (C) 34. (C) 35. (D)
36. (D) 37. (D) 38. (A)

39. 'स्मितम्' **UGC 25 J–2008**
(A) शृङ्गाररसभेदः (B) हास्यरसभेदः
(C) वीररसभेदः (D) शान्तरसभेदः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-204

40. हास्यरसप्रभेदाः सन्ति? **UGC 25 D–2008**
(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-204

41. आत्मस्थः परस्थश्चेति द्विविधो रसः– UGC 25 D–2006
(A) हास्यः (B) बीभत्सः
(C) अद्भुतः (D) भयानकः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-203

42. (i) अद्भुतरस का स्थायीभाव क्या है?
(ii) अद्भुतरस का स्थायीभाव है? UGC 25 J–2002,
(iii) अद्भुतरसस्य स्थायिभावोऽस्ति 2005, 2008,
S–2013, UP PGT (H)–2010, 2013,
(A) विस्मयः (B) शोकः
(C) शमः (D) उत्साहः
स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

43. अद्भुतरसस्य को देवः? **HE–2015**
(A) यमः (B) ब्रह्मा
(C) विष्णुः (D) रुद्रः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम् - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-197

44. 'अद्भुत एव रसः' इति कः आह? MH SET–2011
(A) जगन्नाथपण्डितः (B) नारायणः
(C) अभिनवगुप्तः (D) रूपगोस्वामी
स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-8), पेज-593

45. भयानकरसस्य वर्णः कः? **BHU AET–2010**
(A) बभ्रुः (B) पिङ्गलः
(C) रक्तः (D) कृष्णः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-197

46. (i) करुणरस का स्थायीभाव है?
(ii) करुणरसस्य स्थायीभावोऽस्ति?
(iii) करुणरसस्य स्थायीभावः .... स्मृतः।
UGC 25 J–1995, 2001, 2007,
2009, D–2008, 2010, BHU AET–2010
(A) शोकः (B) रतिः
(C) हासः (D) उत्साहः
स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

47. अधोलिखितानि योजयत– **K SET–2014**
(क) शृङ्गारः 1. क्रोधः
(ख) करुणः 2. जुगुप्सा
(ग) रौद्रः 3. रतिः
(घ) बीभत्सः 4. शोकः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	2	3
(C)	3	1	4	2
(D)	3	4	1	2

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

48. अधोलिखितानि योजयत– **K SET–2013**
(क) शृङ्गारः 1. यमः
(ख) हास्यम् 2. विष्णुः
(ग) करुणः 3. रुद्रः
(घ) रौद्रः 4. प्रमथदेवः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	4	2	3	1
(D)	2	1	3	4

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6.44) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-197

49. (i) करुणरसस्य वर्णः कः ? **UGC 25 D–2007,**
(ii) करुणरसस्य वर्णः अस्ति– **J–2012**
(A) श्वेतः (B) श्यामः
(C) नीलः (D) कपोतः
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-197

50. शोको हि .... रसस्थायिभावः। UGC 25 J–2011
(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) करुणः (D) भयानकः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

51. करुणरसस्य वैशिष्ट्यं कुत्र उपलभ्यते?
MP वर्ग-1 (PGT)–2012
(A) वेणीसंहारे (B) उत्तररामचरिते
(C) मुद्राराक्षसे (D) रत्नावल्याम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-410

39. (B) 40. (D) 41. (A) 42. (A) 43. (B) 44. (A) 45. (D) 46. (A) 47. (D) 48. (B) 49. (D) 50. (C) 51. (B)

52. कुत्र करुणरसः मुख्यः? **BHU Sh.ET–2011**
(A) भवभूतिकृतौ (B) कालिदासकृतौ
(C) बाणकृतौ (D) शूद्रककृतौ
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-410

53. **(i) शान्तरसस्य स्थायीभावः वर्तते?**
(ii) शान्तरस का स्थायीभाव है– UP PGT (H)–2010,
(iii) 'शान्तरसस्य' स्थायीभावः कः अस्ति–
UGC 25D–2003, 2009, 2012, J–2010
(A) शोकः (B) शमः (निर्वेदः)
(C) उत्साहः (D) भयम्
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-160

54. **निर्वेद स्थायीभाव है? UP TGT (H)–2005**
(A) रौद्ररस का (B) शान्तरस का
(C) करुणरस का (D) भयानकरस का
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

55. **निर्वेदः स्थायिभावः कस्य मते नाट्ये नास्ति?**
UP GDC–2014
(A) आनन्दवर्धनस्य (B) मम्मटस्य
(C) अभिनवगुप्तस्य (D) धनञ्जयस्य
स्रोत– दशरूपक -श्रीनिवास शास्त्री, पेज-13

56. **नाटक में कौन-सा रस सर्वमान्य नहीं है?**
UP PGT–2004
(A) शान्त (B) शृङ्गार
(C) वीर (D) हास्य
स्रोत–नाट्यशास्त्रम्- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-157

57. **नवमो रसः को मतः? BHU AET–2010**
(A) भक्तिः (B) शान्तः
(C) वात्सल्यम् (D) अद्भुतः
स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

58. **(i) शान्तरस के संस्थापक आचार्य हैं?**
(ii) काव्ये शान्तरसस्य संस्थापकोऽस्ति–
UGC 73 J–2013, S–2013, D–2014
(A) भरतः (B) भामहः
(C) आनन्दवर्धनः (D) मम्मटः
स्रोत–काव्यप्रकाश-(सू0–47) आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

59. **.......... स्थायीभावोऽस्ति शान्तोऽपि नवमो रसः।**
BHU AET–2011
(A) निर्त्याज (B) निर्दीप्ति
(C) निर्भीति (D) निर्वेद
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-47)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

60. **मम्मटेन समाख्यातः को नाम नवमो रसः?**
BHU AET–2012
(A) शान्तः (B) प्रदीप्तः
(C) मधुरः (D) वात्सल्यः
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-47) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

61. **''निर्वेदः स्थायिभावोऽस्ति शान्तोऽपि नवमो रसः'' इति उक्तिर्वर्तते? UGC 25 J–2014**
(A) भरतस्य (B) भामहस्य
(C) आनन्दवर्धनस्य (D) मम्मटस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-47) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

62. **आचार्य मम्मट ने शान्तरस का स्थायीभाव स्वीकार किया है? UP PGT–2013**
(A) शम को (B) निर्वेद को
(C) शान्त को (D) दैन्य को
स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-47) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

63. **अभिनवगुप्त के अनुसार 'रसप्रतीति' है? UP GIC–2009**
(A) निर्विकल्पक रूप (B) सविकल्पक रूप
(C) उभयाभावस्वरूप (D) ज्ञाप्य
स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-112

64. **अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–**
WB SET–2010
(क) शृङ्गार 1. विस्मय
(ख) बीभत्स 2. हास
(ग) अद्भुत 3. जुगुप्सा
(घ) हास्य 4. रति

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	1	2	3	4
(C)	4	2	1	3
(D)	2	4	3	1

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

52. (A) 53. (B) 54. (B) 55. (D) 56. (A) 57. (B) 58. (D) 59. (D) 60. (A) 61. (D) 62. (B) 63. (C) 64. (A)

65. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011

(क) शृङ्गारः **1. रतिः**
(ख) वीरः **2. शोकः**
(ग) रौद्रः **3. क्रोधः**
(घ) करुणः **4. उत्साहः**

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	2	1
(B)	1	4	3	2
(C)	4	1	2	3
(D)	4	3	1	2

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

66. रसनिष्पत्ति के प्रसङ्ग में भुक्तिवादी आचार्य हैं? UP GIC–2009
(A) भट्टनायक (B) भट्टलोल्लट
(C) श्रीशङ्कुक (D) अभिनवगुप्त

स्रोत–नाट्यशास्त्र-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-187

67. विश्वनाथः अस्ति? UGC 25 J–2009
(A) रसवादी (B) अलङ्कारवादी
(C) ध्वनिवादी (D) वक्रोक्तिवादी

स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-19

68. आनन्दवर्धनमते मधुरतमरसः कः? UGC 25 J–2012
(A) करुणरसः (B) हास्यरसः
(C) विप्रलम्भशृङ्गारः (D) सम्भोगशृङ्गारः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-29

69. भट्टनायकस्य भुक्तिवादः कस्य मतस्यानुकूलम्? UGC 25 D–2012
(A) मीमांसामतस्य (B) सांख्यमतस्य
(C) न्यायमतस्य (D) वेदान्तमतस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107

70. (i) अनुमितिवाद के समर्थक हैं? UGC (H) D–2013
(ii) अनुमितिवाद की अवधारणा किसकी है?
(iii) अनुमिति के प्रतिष्ठाता कौन हैं? UP PGT–2003
(iv) रसनिष्पत्तिविषये अनुमितिवादं कः प्रस्तौति? UGC (H) J–2011, UGC (H) J–2007
(A) भट्टलोल्लटः (B) अभिनवगुप्तः
(C) भट्टनायकः (D) श्रीशङ्कुकः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-102

71. 'रसो मुख्यतया अनुकार्ये रामादावेव भवति' इति कस्य मतम्? UGC 25 J–2013
(A) भट्टलोल्लटस्य (B) शङ्कुकस्य
(C) भट्टनायकस्य (D) अभिनवगुप्तस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

72. भरत के रससूत्र के व्याख्याकारों में 'भुक्तिवादी' आचार्य हैं? UP GDC–2008
(A) भट्टलोल्लट (B) शङ्कुक
(C) अभिनवगुप्त (D) भट्टनायक

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-105

73. रस का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन किसने किया? BHU B.Ed–2012
(A) भट्टलोल्लट (B) मम्मट
(C) राजशेखर (D) भरतमुनि

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-100

74. रूपकों में किस आचार्य ने आठ ही रस को स्वीकार किया है? UP PGT–2000
(A) भरतमुनि (B) धनञ्जय
(C) मम्मट (D) पण्डितराजजगन्नाथ

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/15) -ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-157

75. (i) अभिव्यक्तिवाद के समर्थक हैं?
(ii) रसानुभाव के विषय में अभिव्यक्तिवाद के प्रवर्तक हैं? UP PGT–2003, 2009
(A) आनन्दवर्धन (B) अभिनवगुप्त
(C) मम्मट (D) विश्वनाथ

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107

65. (B) 66. (A) 67. (A) 68. (A) 69. (B) 70. (D) 71. (A) 72. (D) 73. (D) 74. (A) 75. (B)

76. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए? UGC (H) J–2012

(क) भट्टलोल्लट	(i) अनुमितिवाद
(ख) शङ्कुक	(ii) अभिव्यक्तिवाद
(ग) भट्टनायक	(iii) भुक्तिवाद
(घ) अभिनवगुप्त	(iv) अभिव्यञ्जनावाद
	(v) उत्पत्तिवाद

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(B)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(v)

काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-A-101, B-102, C-105, D-107

77. (i) रसनिष्पत्तिविषये साधारणीकरणं प्रथमतया केन प्रतिपादितम् UGC (H) J–2010, UGC 73 J–2014,
(ii) भारतीय रससिद्धान्त में 'साधरणीकरण' का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?
(iii) साधारणीकरण सिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य हैं?
(iv) 'साधारणीकरण' सङ्कल्पना के उद्गाता कौन हैं? DL (H)–2015, UP GIC–2015
(v) रसनिष्पत्तिसन्दर्भे 'साधारणीकरण' शब्दं सर्वप्रथमं प्रयुक्तवान् – UP-G GIC–2015

(A) कुन्तक (B) वामन
(C) भट्टनायक (D) अभिनवगुप्त

स्रोत– नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–187

78. भुक्तिवाद की अवधारणा किसकी है? UGC (H) D–2008

(A) मम्मट (B) भट्टनायक
(C) भट्टलोल्लट (D) आनन्दवर्धन

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-105

79. भक्तिरस को रस के रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य हैं? UGC (H) J–2007

(A) रामानुज (B) जीवगोस्वामी
(C) वल्लभाचार्य (D) रूपगोस्वामी

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-90

80. रस के सम्बन्ध में 'भुक्तिवाद' के प्रतिपादक आचार्य हैं? UP PGT (H)–2009

(A) भट्टलोल्लट (B) श्रीशङ्कुक
(C) भट्टनायक (D) अभिनवगुप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-105

81. रसनिष्पत्तिसूत्रस्य व्याख्यातृषु भट्टनायकमतं किम्? RPSC SET–2013-14

(A) अभिव्यक्तिवादः (B) अनुमितिवादः
(C) भुक्तिवादः (D) उत्पत्तिवादः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-105

82. (i) आचार्य शङ्कुक द्वारा रसनिष्पत्ति की व्याख्या का स्वरूप है? UP PGT (H)–2002, 2009
(ii) भरत के रससूत्र के व्याख्याता आचार्य शङ्कुक का सिद्धान्त कहलाता है–

(A) अभिव्यक्तिवाद (B) अनुमितिवाद
(C) उत्पत्तिवाद (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-102

83. 'भट्टलोल्लट' द्वारा प्रतिपादित मत कौन-सा है? UP PGT (H)–2010

(A) उत्पत्तिवाद (B) अभिव्यक्तिवाद
(C) भोगवाद (D) अनुमितिवाद

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

84. रस निरूपण के प्रथम वक्ता थे? UP PGT (H)–2010

(A) भरतमुनि (B) दण्डी
(C) भामह (D) भट्टलोल्लट

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-100

85. 'रससूत्र' के व्याख्याता कौन हैं? UGC (H) D–2012

(A) भरतमुनि, महिमभट्ट, मम्मट, विश्वनाथ
(B) लोल्लट, शङ्कुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(C) विश्वनाथ, पं0 जगन्नाथ, महिमभट्ट, अप्पयदीक्षित
(D) केशवमिश्र, विद्यासागर, राजशेखर, जयदेव

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-16, 100

76. (B)	**77. (C)**	**78. (B)**	**79. (D)**	**80. (C)**	**81. (C)**	**82. (B)**	**83. (A)**	**84. (A)**	**85. (B)**

86. अभिनवगुप्त का रसवाद कहलाता है–UGC 73 J–2006

(A) उत्पत्तिवादः (B) अनुमितिवादः
(C) अभिव्यक्तिवादः (D) भुक्तिवादः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107

87. कस्य मते रसः भुज्यते? UP GDC–2014

(A) अभिनवगुप्तमतेन (B) मम्मटमतेन
(C) नैय्यायिकमतेन (D) भट्टनायकमतेन

स्रोत–काव्यप्रकाश-पारसनाथ द्विवेदी, पेज-137

88. भट्टलोल्लटः साक्षात्सम्बन्धेन रसस्य स्थितिः कस्मिन् मनुते? HE–2015

(A) काव्ये (B) नटे
(C) अनुकार्ये (D) सामाजिके

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

89. रसः लोल्लटमतेन कुत्र वर्तते? DSSSB PGT–2014

(A) सहृदये (B) अनुकर्तरि
(C) अनुकार्ये (D) काव्ये

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

90. अभिनवगुप्तेन रसविषये को वादः अङ्गीकृतः? DSSSB TGT–2014

(A) भुक्तिवादः (B) अनुमितिवादः
(C) व्यक्तिवादः (D) उत्पत्तिवादः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107

91. (i) चित्रतुरगन्यायं कः उपन्यस्यति?

(ii) रससिद्धान्त के प्रसङ्ग में चित्रतुरगादिन्याय का समुल्लेख किया है? UP PGT–2013 K-SET–2013

(A) शङ्कुक ने (B) भट्टनायक ने
(C) भट्टलोल्लट ने (D) नान्यदेव ने

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-102

92. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायं विचिनुत– MH SET–2013

(क) शोक इति करुणस्य स्थायिभावः
(ख) जुगुप्सा इति वीररसस्य व्यभिचारिभावः
(ग) क्रोधो भिन्नरुचेर्जनस्य बहुधाप्येकं समाराधनम्।
(घ) साधुकाव्यनिवेषणं न करोति कीर्तिम्।

(A) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम् सत्यम्
(B) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(C) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(D) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

स्रोत–साहित्यदर्पण मालवि. (1.4)-शालिग्राम शास्त्री, पेज– 10, 116

93. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायं विचिनुत– MH SET–2013

(क) रसविच्छेदहेतुत्वात् शृङ्गारो नैव वर्ण्यते
(ख) तत्र सङ्केतितार्थस्य बोधनाद् अग्रिमा अभिधा
(ग) सैषा न क्वापि वक्रोक्तिः
(घ) काव्यस्यानुपादेयत्वं महाभारते वर्णितम्

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्,
(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4), (3/193)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–26,108

94. संस्कृतकाव्यशास्त्र में कितने रस स्वीकार किये गये हैं? UGC 73 D–2013

(A) 6 (B) 10
(C) 9 (D) 7

स्रोत–काव्यप्रकाश (सू0-47) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-138

95. रस को 'पानकरसन्याय' से चर्व्यमाण स्वीकृत किया है? UP PGT–2013

(A) भट्टलोल्लट ने (B) भट्टनायक ने
(C) आचार्य शङ्कुक ने (D) श्रीमदभिनवगुप्तपाद ने

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-108

86. (C)	87. (D)	88. (C)	89. (C)	90. (C)	91. (A)	92. (B)	93. (B)	94. (C)	95. (D)

96. आचार्य भरतमुनि के बाद 'रसनिष्पत्ति' को लेकर मुख्य रूप से जिन विद्वानों ने रस के विषय में अपने विचार दिये हैं उनके नामों का कौन-सा क्रम सही है? UP PGT (H)–2005

(A) भट्टलोल्लट, भट्टशङ्कुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(B) अभिनवगुप्त, भट्टनायक, भट्टशङ्कुक, भट्टलोल्लट
(C) भट्टनायक, भट्टशङ्कुक, भट्टलोल्लट, अभिनवगुप्त
(D) भट्टशङ्कुक, भट्टलोल्लट, भट्टनायक, अभिनवगुप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-100

97. रस को नाट्य तक सीमित रखने का विरोध सर्वप्रथम किसने किया? UP PGT (H)–2000

(A) भामह (B) रुद्रट
(C) आनन्दवर्धन (D) अभिनवगुप्त

स्रोत–

98. 'सुखदुःखात्मको रसः' कहने वाले आचार्य हैं? UP PGT (H)–2004

(A) भरतमुनि (B) रामचन्द्र गुणचन्द्र
(C) आचार्य विश्वनाथ (D) आनन्दवर्धन

स्रोत–नाट्यदर्पण (3/7) - थानेशचन्द्र उप्रेती, पेज–106

99. (i) उत्पत्तिवाद के प्रतिपादक हैं –
(ii) उत्पत्तिवाद किससे सम्बन्धित है? UP PGT–2000, 2003

(A) भट्टलोल्लट (B) भट्टशङ्कुक
(C) भट्टनायक (D) अभिनवगुप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

100. रसविचारे भट्टनायकस्य विशिष्टं योगदानमस्ति? UP GIC–2015

(A) अभिधाविचारः (B) सात्त्विकविचारः
(C) ध्वनिविरोधविचारः (D) साधारणीकरणविचारः

स्रोत–(i) काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107
(ii) नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–187

101. भावकत्वव्यापारेण भाव्यमानः स्थायी सत्वोद्रेक प्रकाशानन्दमयसंविद्विश्रान्तिसतत्वेन भोगेन भुज्यते इति............। BHU AET–2012

(A) भरतः (B) भट्टलोल्लटः
(C) भट्टनायकः (D) श्रीशङ्कुकः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-107

102. रसोऽनुमेयः इति केन कथितम्? RPSC SET–2010

(A) भट्टनायकेन (B) अभिनवगुप्तेन
(C) शङ्कुकेन (D) भट्टनारायणेन

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-102

103. कालिदासकृतानां सर्वेषां रूपकाणाम् अङ्गीरसोऽस्ति? BHU AET–2010

(A) करुणः (B) वीरः
(C) शृङ्गारः (D) अद्भुतः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-486

104. (i) वीररसप्रधानं नाटकमस्ति? BHU AET–2010
(ii) वीररसप्रधानं नाटकमिदम्? UGC 25 D–2012

(A) नागानन्दः (B) वेणीसंहारः
(C) प्रबोधचन्द्रोदयः (D) कुन्दमाला

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-388

105. महाभारतस्याङ्गीरसोऽस्ति? BHU AET–2010

(A) वीरः (B) अद्भुतः
(C) करुणः (D) शान्तः

स्रोत–ध्वन्यालोक- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-346

106. नैषधीयचरिते प्रयुक्तोङ्गीरसः अस्ति? UP GDC–2012

(A) अद्भुतः (B) करुणः
(C) शृङ्गारः (D) वीरः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-228

107 . 'उत्तररामचरितम्' का प्रमुखरस है? UP TET–2014

(A) शृङ्गार (B) करुण
(C) वीर (D) विप्रलम्भ

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-410

96. (A) 97. (D) 98. (B) 99. (A) 100. (D) 101. (C) 102. (C) 103. (C) 104. (B) 105. (D) 106. (C) 107. (B)

108. नाटके अङ्गीरसो भवति? UGC 25 J–2006

(A) शान्तः (B) करुणः
(C) हास्यः (D) वीरः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-437

109. (i) वाल्मीकिरामायणे प्रधानरसः अस्ति?
(ii) रामायणे को रसः प्रधानः?
UGC 25 D–2009, DSSSB PGT–2014

(A) शान्तः (B) वीरः
(C) करुणः (D) रौद्रः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-112

110. सुमेलयतु – UGC 25 D–2011

(क) किरातार्जुनीयम् 1. शृङ्गाररसः
(ख) नैषधीयचरितम् 2. वीररसः
(ग) उत्तररामचरितम् 3. वियोगशृङ्गारः
(घ) मेघदूतम् 4. करुणरसः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- A-188, B-228, C-403, D-532

111. शब्दसम्भवात् रसः – MGKV Ph. D–2016

(A) न परोक्षः (B) न अपरोक्षः
(C) नानुमेयः (D) न संवेद्यः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/25)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-60

112. अस्मिन् काव्ये वीररसः अङ्गीरसः भवति?
UGC 25 J–2013

(A) नैषधीयचरिते (B) शिशुपालवधे
(C) मेघदूते (D) रघुवंशे

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-205

113. शृङ्गाररसप्रधाननाटकम् इदम्? UGC 25 S–2013

(A) उत्तररामचरितम् (B) वेणीसंहारः
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) प्रतिमानाटकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-339

114. महाकाव्य में अङ्गीरस होता है? UP GDC–2008

(A) शृङ्गार (B) हास्य
(C) बीभत्स (D) भयानक

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

115. मुद्राराक्षसेऽङ्गीरसः UGC 25 J–2005

(A) शृङ्गाररसः (B) करुणरसः
(C) हास्यरसः (D) वीररसः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-360

116. साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य में रस की स्थिति है?
UP PGT–2009

(A) शरीर जैसी (B) आत्मा जैसी
(C) अवयव संस्थान जैसी (D) अलङ्करण जैसी

स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-16

117. नलचम्पू में किस रस की प्रधानता है?
UP PGT–2009

(A) शृङ्गार (B) वीर
(C) रौद्र (D) शान्त

स्रोत–नलचम्पू-तारिणीश झा, पेज भू0-26

118. वेणीसंहार नाटक का अङ्गीरस है? UP PGT (H)–2000

(A) वीररस (B) शृङ्गार
(C) रौद्र (D) शान्त

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-388

119. महाभारते को रसः प्रधानः? DSSSB TGT–2014

(A) हास्यः (B) शान्तः
(C) वीरः (D) अद्भुतः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-160

120. किस नाटक का अङ्गीरस करुण रस है? UK TET–2011

(A) महावीरचरितम् (B) उत्तररामचरितम्
(C) वेणीसंहारम् (D) इनमें से कोई नहीं

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-403

121. अशुद्धं युग्मं चिनुत – MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) बीभत्सः – जुगुप्सा (B) शृङ्गारः – रतिः
(C) अद्भुतः – विस्मयः (D) करुणः – भयम्

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

108. (D) 109. (C) 110. (A) 111. (B) 112. (B) 113. (C) 114. (A) 115. (D) 116. (B) 117. (A) 118. (A) 119. (B) 120. (B) 121. (D)

122. 'काव्य रस कार्य नहीं है' इसको प्रमाणित करने हेतु कौन-सा कथन सत्य है– UP PGT–2013

(A) रस विभावानुभावव्यभिचारी भावों से निष्पन्न होता है।
(B) लौकिक कारणों के समान ही रस के कारण कहे गये हैं।
(C) विभावादि के नाश होने पर रस की स्थिति नहीं रहती।
(D) सहृदय के हृदय में रस पहले से ही विद्यमान है।

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-110

123. 'काव्ये रसयिता सर्वो' इति कस्य परिचायकः? UP GDC–2014

(A) ग्रन्थकर्तुः (B) काव्यानुकर्तुः
(C) काव्यशास्त्रज्ञस्य (D) सहृदयस्य

स्रोत–

124. नाट्यशास्त्रानुसारं कति स्थायिभावाः? UGC 25 D–2013

(A) नव (B) अष्टौ
(C) दश (D) सप्त

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/7)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-160

125. रस की अवस्था को प्राप्त भाव अर्थात् स्थायीभाव कितने हैं? UP PGT–2009

(A) सात (7) (B) आठ (8)
(C) नौ (9) (D) दस (10)

स्रोत–नाट्यशास्त्रम् (6/7)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-160

126. व्यक्तः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी .... रसः स्मृतः। BHU AET–2011

(A) योगो (B) भूतो
(C) भाव्यो (D) भावो

स्रोत–काव्यप्रकाश- पारसनाथ द्विवेदी, पेज-128

127. अङ्गीरसो न भवति महाकाव्ये– CCSUM Ph. D–2016

(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) शान्तः (D) करुणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-132

128. क्रोधः स्थायीभावो वर्तते– CCSUM Ph. D–2016

(A) वीरस्य (B) भयानकस्य
(C) रौद्रस्य (D) करुणस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

129. भावेषु प्रधानभावः .... GJ SET–2016

(A) व्यभिचारिभावः (B) अनुभावः
(C) स्थायिभावः (D) विभावः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

130. श्रीशङ्कुकमते कीदृशः स्थायी रसो भवति – GJ SET–2014

(A) भावितः (B) अनुमितः
(C) उपचितः (D) अभिव्यक्तः

स्रोत–काव्यप्रकाश - सीताराम दोतोलिया, पेज–126

122. (C) 123. (D) 124. (B) 125. (B) 126. (D) 127. (D) 128. (C) 129. (C) 130. (B)

35 छन्दशास्त्र

1. (i) 'छन्दोनुशासन' के प्रणेता हैं–UGC 25 J– 2002,
(ii) 'छन्दशास्त्र' (छन्दसूत्र) के रचयिता हैं– D–2003,
(iii) छन्दसूत्र के रचनाकार हैं– 2014, BHU MET– 2010
(iv) छन्दः इति वेदाङ्गस्य प्रतिनिधिग्रन्थः 'छन्दःसूत्रम्' केन रचितः? BHU AET– 2010, 2012
(A) पिङ्गलः (B) यास्कः
(C) पाणिनिः (D) लगधः
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास- बलदेव उपाध्याय,पेज-296

2. 'पिङ्गलछन्दसूत्र' केन रचितमस्ति? BHU AET– 2011
(A) गङ्गादासेन (B) कालिदासेन
(C) पिङ्गलेन (D) षड्गुरुशिष्येण
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय,पेज-296

3. 'पिङ्गल' प्रणीत ग्रन्थ का नाम है–BHU MET– 2008
(A) छन्दसूत्र (B) कल्पसूत्र
(C) निरुक्त (D) अष्टाध्यायी
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय,पेज-296

4. वृत्तरत्नाकरस्य कर्ता कः? DSSSB TGT– 2014, DSSSB PGT– 2014
(A) भूदारभट्टः (B) मन्दारभट्टः
(C) उदारभट्टः (D) केदारभट्टः
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय,पेज-307

5. छन्दः पादौ तु– RPSC ग्रेड II (TGT)– 2010
(A) इतिहासस्य (B) वेदस्य
(C) शास्त्रस्य (D) पुराणस्य
स्रोत–छन्दोऽलंकारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-5

6. लौकिकछन्दः भवति– RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2010
(A) त्रिविधम् (B) चतुर्विधम्
(C) द्विविधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–296

7. छन्दोमयी रचना को कहते हैं– UGC 25 J– 2004
(A) पद्य (B) गद्य
(C) चम्पू (D) नाटक
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज– 6, 7

8. छन्दसि पादस्य अन्तिमो वर्णः कीदृशः स्वीक्रियते? BHU Sh.ET– 2013
(A) प्लुत एव (B) लघुरेव
(C) लघुर्वा दीर्घो वा (D) दीर्घ एव
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

9. मात्रागणे कति कलाः सन्ति? DSSSB PGT– 2014
(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-8

10. वर्णिकछन्देषु गणना भवति– AWES TGT– 2010, 2012
(A) मात्राणाम् (B) ध्वनीनाम्
(C) वर्णानाम् (D) स्वराणाम्
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11,12

11. कस्मिन् गणे मध्यो गुरुर्भवति? BHU Sh.ET– 2013
(A) जगणः (B) भगणः
(C) सगणः (D) मगणः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-10

12. भगणः कः? BHU Sh.ET– 2013
(A) अन्त्यगुरुः (B) आदिगुरुः
(C) मध्यगुरुः (D) आदिलघुः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-10

13. छन्दोविचारे कति गणाः सन्ति? BHU Sh. ET– 2011
(A) पञ्च (B) षट्
(C) चत्वारः (D) अष्टौ
स्रोत–संस्कृत व्याकरण-प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–528

1. (A) 2. (C) 3. (A) 4. (D) 5. (B) 6. (C) 7. (A) 8. (C) 9. (A) 10. (C)
11. (A) 12. (B) 13. (D)

14. अवसाने कस्य गुरुः? BHU– Sh.ET– 2011

(A) तगणः (B) मगणः

(C) सगणः (D) नगणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-10

15. अधोलिखितेषु नगणः कः? BHU– Sh.ET– 2011

(A) ।।। (B) ऽऽऽ

(C) ।।ऽ (D) ऽ।।

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

16. 'अश्नाति' इति शब्दः को गणो भवति?

DSSSB PGT– 2014

(A) यगणः (B) तगणः

(C) जगणः (D) मात्रागणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

17. 'चामुण्डी' इति शब्दः को गणो भवति?

DSSSB TGT– 2014

(A) भूतगणः (B) मगणः

(C) नगणः (D) स्त्रीगणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

18. (i) 'सर्वलघु' इति को गणः? UGC 25 J– 2015

(ii) कस्मिन् गणे सर्वे वर्णाः लाघवः? AWES TGT– 2010

(A) जगणः (B) भगणः

(C) नगणः (D) सगणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

19. 'सम्बन्धः' इति शब्दे कः गणः? AWES TGT– 2010

(A) सगणः (B) भगणः

(C) यगणः (D) मगणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-11

20. आर्याछन्दसि द्वितीयचरणे मात्राः भवन्ति–

RPSC ग्रेड I (PGT) 2010, 2011

(A) द्वादश (B) त्रयोदश

(C) पञ्चदश (D) अष्टादश

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-16,17

21. आर्या कस्मिन् छन्दसि अन्तर्भवति– KL SET–2015

(A) अर्धसमवृत्ते (B) मात्रा

(C) समवृत्ते (D) अत्यष्टिः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-16

22. आर्याप्रथमदलोक्तं लक्षणमुभयोर्दलयोर्भवति चेत् सा–

CVVET–2015

(A) गीतिः (B) उद्गीतिः

(C) उपगीतिः (D) चपला

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-18

23. अनुष्टुप्–छन्दसि सर्वत्र लघुः कतमो वर्णः भवति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) षष्ठः (B) सप्तमः

(C) पञ्चमः (D) अष्टमः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

24. ''शरदिन्दुसुन्दररुचिश्चेतसि सा मे गिरां देवी।
अपहृत्य तमःसन्ततमर्थानखिलान् प्रकाशयतु॥''
उपर्युक्त पद्य के छन्द का नाम लिखिए–

RPSC ग्रेड-I (PGT) 2010, 2011

(A) आर्या (B) मालिनी

(C) उपेन्द्रवज्रा (D) वंशस्थ

स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानी शंकर शर्मा,पेज-100

25. अनुष्टुप्-छन्दसि पञ्चमाक्षरः भवति–

RPSC ग्रेड I (PGT) – 2010

(A) गुरुः (B) लघुः

(C) सानुस्वारः (D) प्लुतः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

26. 'जगतः पितरौ वन्दे' इत्यत्र किं छन्दः?

BHU Sh. ET– 2013

(A) उपेन्द्रवज्रा (B) मन्दाक्रान्ता

(C) अनुष्टुप् (D) आर्या

स्रोत–रघुवंशम् (1/1) - बलवान सिंह यादव, पेज-4

14. (C) 15. (A) 16. (B) 17. (B) 18. (C) 19. (D) 20. (D) 21. (B) 22. (A) 23. (C) 24. (A) 25. (B) 26. (C)

27. 'वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि' इत्यत्र किं छन्दः? UGC 25 D– 2012

(A) अनुष्टुप् (B) वसन्ततिलका
(C) शिखरिणी (D) पुष्पिताग्रा

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

28. 'सर्वत्र लघु पञ्चमम्' इति लक्षणांशः कस्य छन्दसः वर्तते?– RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2014

(A) शार्दूलविक्रीडितम् (B) अनुष्टुप्
(C) इन्द्रवज्रा (D) आर्या

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

29. अनुष्टुप्–छन्दसि एकस्मिन् पादे अक्षराणि भवन्ति– MP वर्ग– 1 (PGT)– 2012

(A) दश (B) अष्टौ
(C) नव (D) द्वादश

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

30. अनुष्टुप् है– UP PGT (H)– 2009

(A) एक छन्द (B) एक अलङ्कार
(C) एक रस (D) एक गुण

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

31. यस्य छन्दसः चतुर्षु अष्टवर्णाः भवन्ति तद् अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)– 2011

(A) मालिनी (B) इन्द्रवज्रा
(C) अनुष्टुप् (D) आर्या

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

32. (i) अनुष्टुप् छन्द में कितने अक्षर होते हैं?
(ii) अनुष्टुप् छन्द में कितने वर्ण होते हैं?
BHU MET– 2013, UP TGT – 2013

(A) 24 (B) 32
(C) 28 (D) 36

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

33. 'पञ्चमं लघु सर्वत्र सप्तमं द्विचतुर्थयोः।
गुरुं षष्ठं च जानीयात् शेषेष्वनियमो मतः।।''
उपर्युक्त श्लोक लक्षण है– BHU MET 2009, 2013

(A) अनुष्टुप् का (B) इन्द्रवज्रा का
(C) त्रिष्टुप् का (D) स्रग्धरा का

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

34. ''भानुः सकृद्युक्ततुरङ्ग एव'' अस्मिन् चरणे छन्दः विद्यते– RPSC ग्रेड-I (PGT) 2010, 2011

(A) उपेन्द्रवज्रा (B) शालिनी
(C) इन्द्रवज्रा (D) रथोद्धता

स्रोत–(i) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/4)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–249

35. 'तौ जगौ गः'' लक्षणमस्ति– MP वर्ग-1 (PGT) 2012

(A) शार्दूलविक्रीडितछन्दसः (B) वंशस्थछन्दसः
(C) इन्द्रवज्राछन्दसः (D) मालिनीछन्दसः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

36. ''यत्रैव गङ्गायमुनात्रिवेणीगोदावरीसिन्धुसरस्वती च। सर्वाणि तीर्थानि वसन्ति तत्र यत्राच्युतोदारकथा प्रसङ्गः।।'' उपर्युक्त श्लोक के छन्द का नाम लिखिए– BHU MET– 2009

(A) इन्द्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) मालिनी (D) वंशस्थ

स्रोत– छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–19

37. इन्द्रवज्रा छन्द में वर्णों की संख्या होती है – BHU MET– 2015

(A) 32 (B) 40
(C) 44 (D) 48

स्रोत–अलंकार एवं छन्द - समीर आचार्य, पेज-48

38. इन्द्रवज्रा–छन्दसः लक्षणे अन्ते गुरुः प्रयुज्यते– इन्द्रवज्रां छन्दसि अन्ते कति गुरुवर्णाः भवन्ति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014,2015

(A) द्विवारम् (B) त्रिवारम्
(C) एकवारम् (D) चतुर्वारम्

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19

39. ''अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः जातो ममायं विशदः प्रकामं, प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।'' इस श्लोक में छन्द है– UP PGT–2011

(A) उपजाति (B) शिखरिणी
(C) इन्द्रवज्रा (D) उपेन्द्रवज्रा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-240

27. (A) 28. (B) 29. (B) 30. (A) 31. (C) 32. (B) 33. (A) 34. (C) 35. (C) 36. (A) 37. (C) 38. (A) 39. (C)

40. (i) ''त्वमेव माता च पिता त्वमेव'' उपर्युक्त पंक्ति का छन्द क्या है? BHU MET–2009, 2011, 2013

(ii) ''त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव, त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव देव॥''

उपर्युक्त श्लोक में कौन छन्द है?

(A) इन्द्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) आर्या (D) वंशस्थ

स्रोत–छन्दः प्रवेशिका - ज्ञानेन्द्रसापकोटा, पेज-34

41. (i) मिश्रितं छन्दो भवति– RPSC ग्रेड II (TGT)– 2014

(ii) इन्द्रवज्रा– उपेन्द्रवज्रयोः मेलनेन किं छन्दः भवति– MGKV Ph. D–2016

(A) उपजाति (B) आर्या
(C) इन्द्रवज्रा (D) उपेन्द्रवज्रा

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-20

42. नजजलगैर्गदिता– CVVET–2015

(A) स्वागता (B) सुमुखी
(C) श्रीः (D) शालिनी

स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज–106

43. ''जतौ तु वंशस्थमुदीरितं जरौ।'' यह लक्षण है– UGC 25 J– 2004

(A) इन्द्रवज्रा का (B) उपेन्द्रवज्रा का
(C) वंशस्थ का (D) मालिनी का

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-22

44. ''उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलम्'' उपर्युक्तचरणे छन्दसः नाम अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)– 2011

(A) रथोद्धता (B) वंशस्थम्
(C) उपेन्द्रवज्रा (D) द्रुतविलम्बितम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/30)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–442

45. ।ऽ।, ऽऽ।, ।ऽ।, ऽ।ऽ

निर्दिष्टानि लक्षणचिह्नानि वीक्ष्य छन्दसः नाम चिनुत– MP वर्ग-I (PGT) 2012

(A) मालिनी (B) शिखरिणी
(C) मन्दाक्रान्ता (D) वंशस्थ

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-22

46. सगणचतुष्टयकपादवत् वृत्तम्– CVVET–2015

(A) द्रुतविलम्बितम् (B) दोधकम्
(C) तोटकम् (D) स्वागतम्

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-23

47. ''विनयवारितवृत्तिरतस्तया न विवृतो मदनो न च संवृतः। उपर्युक्तोदाहरणे छन्दसः नामास्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT) 2010, 2011

(A) वसन्ततिलका (B) द्रुतविलम्बितम्
(C) वंशस्थम् (D) रथोद्धता

स्रोत–(i) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-22-23
(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/11) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–117

48. ''प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्'' इत्यस्मिन् श्लोकांशे किं छन्दः? RPSC ग्रेड II (TGT)– 2014

(A) उपजाति (B) भुजङ्गप्रयातम्
(C) द्रुतविलम्बितम् (D) मन्दाक्रान्ता

स्रोत–नीतिशतकम् - तारिणीश झा, पेज-86-87

49. अरसिकेषु कवित्वनिवेदनं, शिरसि मा लिख मा लिख मा लिख'' अत्र किं छन्दः? MP वर्ग-1 (PGT) – 2012

(A) द्रुतविलम्बितम् (B) शार्दूलविक्रीडितम्
(C) उपजाति (D) वंशस्थ

स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज–117

50. 'उपकृतं बहु तत्र किमुच्यते' इति उदाहरणे छन्दः वर्तते? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) शालिनी (B) स्रग्धरा
(C) रथोद्धता (D) द्रुतविलम्बितम्

स्रोत–(i) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-22
(ii) काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-92

51. द्रुतविलम्बितस्य लक्षणं– KL SET–2015

(A) नभौ भरौ (B) तौ जरौ
(C) शात्पर्रैर्न लगौ (D) तभजा जगौ

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-22

52. भुजङ्गप्रयातछन्दसि चतुर्वारं कतयोः गणः भवति प्रत्येकस्मिन् चरणे– RPSC ग्रेड-I (PGT)– 2010, 2011

(A) सगणः (B) रगणः
(C) भगणः (D) यगणः

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-23

**40. (B) 41. (A) 42. (B) 43. (C) 44. (B) 45. (D) 46. (C) 47. (B) 48. (C) 49. (A)
50. (D) 51. (A) 52. (D)**

53. ''चतुर्भिर्यकारैः'' इत्यनेन किं छन्दो वर्तते? **RPSC ग्रेड II (TGT) 2014**
(A) मालिनी (B) स्रग्धरा
(C) शिखरिणी (D) भुजङ्गप्रयातम्
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-23

54. प्रहर्षिणी छन्द के प्रत्येक पाद में वर्णों की संख्या होती है? **BHU MET–2015**
(A) 9 (B) 10
(C) 12 (D) 13
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-24

55. छन्दस्सु चतुर्दशवर्णात्मकं छन्दः अस्ति– **RPSC ग्रेड I (PGT) 2010, 2011**
(A) वसन्ततिलका (B) मालिनी
(C) शिखरिणी (D) रथोद्धता
स्रोत–अलंकार एवं छन्द - समीर आचार्य, पेज-54

56. 'वसन्ततिलकं' इत्यस्य छन्दसः एकस्मिन् पादे अक्षर संख्या रिक्तस्थानं प्रपूरयत– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**
(A) 14 (B) 12
(C) 15 (D) 20
स्रोत–अलंकार एवं छन्द - समीर आचार्य, पेज-54

57. वसन्ततिलकायाः लक्षणं किम्? **DSSSB TGT–2014**
(A) रसभा नयौगः (B) भभजां रगौ गः
(C) मयरास्ततगौ गः (D) तभजा जगौ गः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-24,25

58. कस्मिन् छन्दसि प्रथमे षड्वर्णाः ह्रस्वाः भवन्ति **BHU Sh.ET–2013**
(A) स्रग्धरा (B) वसन्ततिलका
(C) उपेन्द्रवज्रा (D) मालिनी
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-25

59. ''नयमययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः'' इदं लक्षणमस्ति– **UGC 25 D–2011**
(A) मालिनीछन्दसः (B) शालिनीछन्दसः
(C) वंशस्थछन्दसः (D) वसन्ततिलकाछन्दसः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-25

60. 'किरातार्जुनीयम्' प्रथमसर्ग के अन्त्य अधोलिखित श्लोक में कौन छन्द है? ''विधिसमयनियोगाद्दीप्ति संहारजिह्मम्।'' **UP PGT–2010**
(A) उपजाति (B) वंशस्थ
(C) वसन्ततिलका (D) मालिनी
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/46) रामसेवक दुबे, पेज-148,153

61. मालिनी-वृत्तस्य लक्षणं किम्? **DSSSB PGT–2014**
(A) ररजनमयुतेयं मालिनी षड्कुकाब्भिः।
(B) ययरनमयुतेयं मालिनी सिन्धुरुद्रैः।
(C) ननभततयुतेयं मालिनी लोकसर्पैः।
(D) ननमययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः।
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-25

62. यमनसभलागः इति– **CVVET–2015**
(A) मालिन्याम् (B) भुजङ्गप्रयाते
(C) शिखरिण्याम् (D) प्रहर्षिण्याम्
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-26

63. ''भवभूति महाकवेरिमां निरर्गलतरङ्गिणी'' इति वदन्ति– **UGC 25 D–2012**
(A) स्रग्धरा (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शिखरिणी (D) वसन्ततिलका
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-523

64. ''रसैः रुद्रैश्छिन्ना यमनसभलागः शिखरिणी'' इत्यत्र रुद्रैः इति पदेन कस्याः संख्यायाः संकेतं भवति? **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014**
(A) 12 (द्वादश) (B) 11 (एकादश)
(B) 16 (षोडश) (D) 13 (त्रयोदश)
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-26

65. ''न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः।'' **UGC–25 J–2015**
(A) मन्दाक्रान्ता (B) हरिणी
(C) शिखरिणी (D) स्रग्धरा
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-115

53. (D)	**54. (D)**	**55. (A)**	**56. (A)**	**57. (D)**	**58. (D)**	**59. (A)**	**60. (D)**	**61. (D)**	**62. (C)**
63. (C)	**64. (B)**	**65. (C)**							

66. शिखरिणी वृत्ते कति अक्षराणि भवन्ति– KL SET–2015
(A) द्वादश (B) सप्तदश
(C) ऊनविंशतिः (D) विंशतिः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-26

67. 'कलाभ्यां चूडालङ्कृतशशिकलाभ्यां निजतपः' अयं पादः – CVVET–2015
(A) प्रहर्षिण्याः (B) पञ्चचामरस्य
(C) स्रग्धरायाः (D) शिखरिण्याः
स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज–141

68. वियोगिनी .... भवति– KL SET–2014
(A) समवृत्तम् (B) अर्धसमवृत्तम्
(C) गाथा (D) मात्रावृत्तम्
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-30,32

69. .... रगणं भवति– KL SET–2014
(A) आदिलघुः (B) अन्त्यलघुः
(C) मध्यलघुः (D) सर्वलघुः
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-10

70. अतिजगतिच्छन्दसि चतुर्षु पादेषु आहत्य .... वर्णाः भवन्ति– KL SET–2014
(A) 48 (B) 52
(C) 56 (D) 60
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-49

71. ''नसमरसलागः षड्वेदैर्हयैर्हरिणीमता'' अस्मिन् लक्षणे 'हयैः' पदस्य तात्पर्यमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT), 2011
(A) अश्वैः (B) गजैः
(C) चतुर्भिः (D) सप्तभिः
स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज–143

72. मन्दाक्रान्ता–छन्दसि प्रत्येकस्मिन् चरणे कति वर्णाः निर्दिष्टाः? RPSC ग्रेड–I (PGT) 2010-2011
(A) पञ्चदश (B) त्रयोदश
(C) सप्तदश (D) अष्टादश
स्रोत–(i) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-28
(ii) अलंकार एवं छन्द - समीर आचार्य, पेज-57

73. एषु सप्तदशवर्णात्मकं किं छन्दः? BHU Sh.ET–2013
(A) इन्द्रवज्रा (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शालिनी (D) वंशस्थ
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-28

74. ''अव्यापन्नः कुशलमबले पृच्छति त्वां वियुक्ताम्'' अत्र छन्दः किम्? UGC 25 D–2010
(A) विद्युन्माला (B) मन्दाक्रान्ता
(C) अनुष्टुप् (D) शिखरिणी
स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-41)-दयाशंकर शास्त्री, पेज–140

75. 'कश्चित्कान्ता विरहगुरुणा स्वाधिकारात् प्रमत्तः' अत्र कः छन्दः अस्ति? UGC 25 D–2011
(A) मन्दाक्रान्ता (B) शिखरिणी
(C) स्रग्धरा (D) उपजातिः
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ 1) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-3

76. 'धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः' इत्यादिपद्यस्य वृत्तं किमस्ति? BHU Sh.ET–2011
(A) मन्दाक्रान्ता (B) द्रुतविलम्बितम्
(C) उपजातिः (D) वसन्ततिलका
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ-5) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज-11

77. मेघदूते किं छन्दः प्रयुक्तम्? BHU AET–2010
(A) मालिनी (B) मन्दाक्रान्ता
(C) मेघविस्फूर्जिता (D) मध्यक्षामा
स्रोत–मेघदूतम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, भू0पेज-41

78. 'शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरम्' उक्त पङ्क्ति में छन्द है– HTET–2014
(A) शार्दूलविक्रीडितम् (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शिखरिणी (D) वंशस्थ
स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-10) - तारिणीश झा, पेज–18

79. द्वादशे सप्तमे च स्थाने कस्मिन् छन्दसि यतिः जायते? नाम निर्देशं कुरुत– RPSC ग्रेड-I (PGT), 2011
(A) शार्दूलविक्रीडितम् (B) शिखरिणी
(C) मन्दाक्रान्ता (D) शालिनी
स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29

66. (B)	67. (D)	68. (B)	69. (C)	70. (B)	71. (D)	72. (C)	73. (B)	74. (B)	75. (A)
76. (A)	77. (B)	78. (C)	79. (A)						

80. 'विद्यानां नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्' इति पद्यांशे किन्नाम छन्दः? RPSC ग्रेड-II (TGT) 2014

(A) वसन्ततिलका (B) शिखरिणी
(C) शार्दूलविक्रीडितम् (D) मन्दाक्रान्ता

स्रोत–नीतिशतकम् (श्लोक-17) - तारिणीश झा, पेज-29,31

81. शार्दूलविक्रीडितस्य लक्षणं किम्? DSSSB TGT–2014

(A) अर्थकैस्तनयास्तभाः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्।
(B) सूर्याश्वैर्मसजस्तताः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्।
(C) लोकाकैः स्यमजस्यताः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्।
(D) वस्मरौर्भयस्तस्तभाः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्।

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29

82. 'यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं सम्पृष्टमुत्कण्ठया' में छन्द है– H TET–2014

(A) शिखरिणी (B) स्रग्धरा
(C) शार्दूलविक्रीडितम् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–(i) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29
(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/6) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-208

83. (i) प्रतिपादं एकविंशतिः वर्णात्मकं किं छन्दः?
(ii) छन्दसि एकविंशति अक्षराणि भवन्ति–
RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2014, KL SET-2015

(A) उपजाति (B) वंशस्थ
(C) मालिनी (D) स्रग्धरा

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29

84. प्रकृति (स्रग्धरा) छन्द के अक्षरों की संख्या होती है– UP PGT– 2002

(A) 36 (B) 44
(C) 72 (D) 84

स्रोत–वृत्तरत्नाकर (3/103) - धरानन्द शास्त्री, पेज-149

85. चरण में वर्णों की संख्या (कम से अधिक) के आधार पर इन वर्णिक छन्दों का सही अनुक्रम कौन-सा है? UGC (H) J– 2013

(A) वसन्ततिलका-मन्दाक्रान्ता-शार्दूलविक्रीडित-इन्द्रवजा
(B) मन्दाक्रान्ता-शार्दूलविक्रीडित-इन्द्रवज्रा-वसन्ततिलका
(C) शार्दूलविक्रीडित - इन्द्रवज्रा-वसन्ततिलका-मन्दाक्रान्ता
(D) इन्द्रवज्रा - वसन्ततिलका - मन्दाक्रान्ता - शार्दूलविक्रीडित

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-19,24,28,29

86. स्रग्धरा प्रतिपादं कति वर्णयुता भवति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) एकविंशतिवर्णयुता (B) एकोनविंशतिवर्णयुता
(C) षोडशवर्णयुता (D) पञ्चदशवर्णयुता

स्रोत– (i) छन्दोऽलङ्कारमञ्जूषा - लक्ष्मीकान्त दीक्षित, पेज-15
(ii) छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29

87. अधोलिखितेषु अर्धसमवृत्तं किम्? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) शिखरिणी (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शालिनी (D) वियोगिनी

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारमञ्जूषा - लक्ष्मीकान्त दीक्षित, पेज-16

88. रथोद्धता छन्दसः चतुर्षु चरणेषु कति वर्णाः भवन्ति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) 68 (B) 48
(C) 44 (D) 60

स्रोत– वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज-110

89. तोटकवृत्तस्य लक्षणं किम्– KL SET–2016

(A) भ भ भ गुरूद्वयम् (B) स स स स
(C) र र र र (D) त त त त

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-23

90. शालिनी नाम वृत्तं कस्मिन् छन्दसि अन्तर्भवति– KL SET–2016

(A) जगती (B) पंक्तिः
(C) गायत्री (D) त्रिष्टुप्

स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्दशास्त्री, पेज-107

91. 'एकदा दधिविमाथकारिणीं मातरं समुपसेदिवान् भवान्'–वृत्तं किम्– KL SET–2016

(A) वंशस्थम् (B) तोटकम्
(C) रथोद्धता (D) बोधकम्

स्रोत– छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–21

92. चतुर्थात् ततः सप्तमाच्च वर्णात् यतिः कुत्र। KL SET–2016

(A) मालिन्याम् (B) शालिन्याम्
(C) पृथ्व्याम् (D) वसन्ततिलके

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–21

80. (C) 81. (B) 82. (C) 83. (D) 84. (D) 85. (D) 86. (A) 87. (D) 88. (C) 89. (B) 90. (D) 91. (C) 92. (B)

93. हरिणीवृत्ते कति वर्णाः सन्ति? KL SET–2016

(A) अष्टादश (B) सप्तदश

(C) षोडश (D) चतुर्दश

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-27

94. जसौ जसलया वसुग्रहयतिश्च... गुरुः–KL SET–2015

(A) शिखरिणी (B) पृथ्वी

(C) हरिणी (D) स्रग्धरा

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-27

95. छन्दःशास्त्रे जगणस्य कतमो वर्णः गुरुः CVVET–2017

(A) प्रथमः (B) मध्यमः

(C) अन्तिमः (D) न कोऽपि

स्रोत- छन्दोऽलङ्कारसौरभम् – राजेन्द्र मिश्र, पेज–10

96. 'नेदं नभोमण्डलमम्बुराशिः'– इत्यादिपद्ये किं वृत्तम्– CVVET–2017

(A) इन्द्रवंशा (B) इन्द्रवज्रा

(C) उपेन्द्रवज्रा (D) वंशस्थम्

स्रोत- छन्दोऽलङ्कारसौरभम् – राजेन्द्र मिश्र पेज–19

97. शिखरिणीछन्दसि प्रतिपादं कतिषु वर्णेषु यतिः भवति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) 12, 5 (B) 6, 11

(C) 10, 7 (D) 11, 6

स्रोत- छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज–26

98. प्रतिचरणं त-भ-ज-ज-गणैः गुरुद्वयेन च युतं वृत्तम्? CVVET–2017

(A) शार्दूलविक्रीडितम् (B)वसन्ततिलका

(C) द्रुतविलम्बित (D) वंशस्थम्

स्रोत- छन्दोऽलङ्कारसौरभम् – राजेन्द्र मिश्र, पेज–24

99. द्वितीयपादमात्रे यस्मिन् अष्टादशमात्राः भवन्ति तस्य छन्दसः नाम वर्तते ? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) मन्दाक्रान्ता (B) शार्दूलविक्रीडितम्

(C) आर्या (D) शिखरिणी

स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–466

100. ''ननमयययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः'' उपर्युक्त लक्षणे 'भोगि'' शब्देन का संख्या सूच्यते? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) सप्त (B) षड्

(C) अष्ट (D) पञ्च

स्रोत- वृत्तरत्नाकर - धरानन्द शास्त्री, पेज-137

101. मन्दाक्रान्ता छन्दसि यतयः भवन्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) 4, 6, 7 वर्णोपरि (B) 6, 11 वर्णोपरि

(C) 8, 4, 5 वर्णोपरि (D) 1, 2, 7 वर्णोपरि

स्रोत- वृत्तरत्नाकर - धरानन्द शास्त्री, पेज-144

102. स्रग्धरा छन्दसि एकस्मिन् पादे कति वर्णाः भवन्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) 19 (B) 21

(C) 17 (D) 15

स्रोत- वृत्तरत्नाकर - धरानन्द शास्त्री पेज-149,150

103. निर्धारितेषु छन्दस्सु अर्धसमवृत्तस्य उदाहरणमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) रथोद्धता (B) शालिनी

(C) मालिनी (D) वियोगिनी

स्रोत–छन्दोऽलङ्कार मञ्जूषा - लक्ष्मीकान्त दीक्षित, पेज–16

104. एकोनविंशतिः वर्णाः कस्मिन् छन्दसि भवति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) शिखरिणी (B) वसन्ततिलका

(C) उपजातिः (D) शार्दूलविक्रीडितम्

स्रोत–छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - राजेन्द्र मिश्र, पेज-29

93. (B) 94. (B) 95. (B) 96. (B) 97. (B) 98. (B) 99. (C) 100. (C) 101. (A) 102. (B) 103. (D) 104. (D)

36 काव्यशास्त्र के विविध प्रश्न

1. किं काव्यम् (काव्य क्या है) UGC 73 J–2008
   (A) शब्दप्रयोगः (B) कवेः कर्म
   (C) वार्तालापः (D) अर्थबोधः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/2)-परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-5

2. 'शब्दार्थयोः सहभावः' .... कहलाता है–UGC 73 S–2013
   (A) व्याकरणम् (B) साहित्यम्
   (C) दर्शनम् (D) ज्योतिषम्

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/17) राधेश्याम मिश्र-पेज-57

3. रससम्प्रदायस्य प्रवर्तकः कः? BHU AET–2010
   (A) भामहः (B) क्षेमेन्द्रः
   (C) विश्वनाथः (D) भरतः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-591

4. (i) औचित्यसम्प्रदायस्य प्रवर्तकाचार्योऽस्ति–
   (ii) औचित्यसम्प्रदायस्य संस्थापकः कः अस्ति–
   (iii) साहित्य में औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं? UGC 73 J–2005, D–2006, 2007
   BHU MET–2016, KL SET–2015, MGKV Ph. D–2016
   (A) अभिनवगुप्तः (B) आनन्दवर्धनः
   (C) क्षेमेन्द्रः (D) विश्वनाथः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-596

5. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं? UGC 73 J–1991
   (A) वामन (B) कुन्तक
   (C) बाणभट्ट (D) क्षेमेन्द्र

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-595

6. (i) रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं –
   (ii) रीति सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य हैं?
   (iii) रीतिसम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य कौन हैं?
   UP PGT (H)–2010, BHU MET–2009, 2010, 2013
   CCSUM (H) Ph. D–2016
   (A) वामन (B) रुद्रट
   (C) कुन्तक (D) दण्डी

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-592-593

7. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के विरोधी आचार्य हैं–
   UGC (H) J–2013
   (A) भामह (B) आचार्य विश्वनाथ
   (C) रुद्रट (D) मम्मट

स्रोत– साहित्यदर्पण-भवानी शंकर शर्मा, पेज-138

8. काव्य सम्प्रदायों का सही विकास क्रम क्या होगा।
   UP PGT (H)–2000
   (A) रस - ध्वनि - अलंकार - रीति - वक्रोक्ति - औचित्य
   (B) रस - अलंकार - रीति - वक्रोक्ति - ध्वनि - औचित्य
   (C) अलंकार - रस - रीति - वक्रोक्ति - ध्वनि - औचित्य।
   (D) रस - रीति - ध्वनि - अलंकार - वक्रोक्ति - औचित्य।

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-16-18

9. आचार्य कुन्तक काव्यशास्त्र में किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने जाते हैं– UGC (H) J–2014
   (A) औचित्य (B) वक्रोक्ति
   (C) ध्वनि (D) रीति

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-595

10. साहित्यशास्त्र में कितने सम्प्रदाय हैं– BHU MET–2010
    (A) 3 (B) 2
    (C) 5 (D) 9

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर-भू0 पेज-16

11. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' प्राप्यते? JNU MET–2015
    (A) नाट्यशास्त्रे (B) काव्यालङ्कारसूत्रे
    (C) साहित्यदर्पणे (D) काव्यमीमांसायाम्

स्रोत–काव्यप्रकाश- श्रीनिवास शास्त्री, भू0पेज-15

12. (i) ''रीतिरात्मा तु काव्यस्य'' इति वचनं कस्य?
    (ii) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' इति वचनम् अस्ति–
    (iii) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' यह मत प्रतिपादित है–
    (iv) ''रीतिरात्मा काव्यस्य'' इति मतमस्ति?
    CVVET–2015 DSSB PGT–2014,
    BHU MET–2008, UGC 25 J–2010,
    UGC 73 D–2010, J–1991, 1996, 2015, 2013
    (A) वामनस्य (B) विश्वनाथस्य
    (C) मम्मटस्य (D) दण्डिनः

स्रोत– काव्यालङ्कारसूत्र (1.2.6)-हरगोविन्द मिश्र, पेज–14

1. (B)	2. (B)	3. (D)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (B)	8. (B)	9. (B)	10. (C)
11. (B)	12. (A)								

13. अलंकारस्य लक्षणं श्लोकस्य पूर्वार्धे तस्य उदाहरणम् उत्तरार्धे कस्मिन् ग्रन्थे प्रदत्ते – BHU AET–2010

(A) अलंकारसर्वस्वे (B) अलंकारकौस्तुभे
(C) चन्द्रालोके (D) कुवलयानन्दे

स्रोत–चन्द्रालोक (5/1)- कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-73

14. (i) ''वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्'' इति केन उक्तम् –
(ii) 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्' इयं परिभाषा वर्तते?
(iii) 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्' इति कस्य मतम् अस्ति?
UGC 73 D–2004, 2012, CCSUM Ph. D–2016

(A) कुन्तकेन (B) मम्मटेन
(C) भामहेन (D) दण्डिना

स्रोत–काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, भू0 पेज-19

15. ''चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि'' कस्येयमुक्तिः? UGC 25 J–2013

(A) मम्मटस्य (B) विश्वनाथस्य
(C) वामनस्य (D) दण्डिनः

स्रोत–साहित्यदर्पण (1.2) - भवानीशंकर शर्मा, पेज-103

16. ''वाग्वैदग्ध्यप्रधानेऽपि रस एवात्र जीवितम्' इत्युक्तिः दर्पणकारेण कुतः उद्धृता? UGC 25 S–2013

(A) काव्यप्रकाशात् (B) रामायणात्
(C) अग्निपुराणात् (D) नाट्यशास्त्रात्

स्रोत–साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-18

17. 'मुखं विकसितस्मितं वशितवक्रिमप्रेक्षितं' कस्य उदाहरणम् इदम्? UGC 25 S–2013

(A) अगूढव्यङ्ग्यस्य (B) गूढव्यङ्ग्यस्य
(C) व्यञ्जनायाः (D) अभिधायाः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-68

18. 'अपारे काव्यसंसारे कविरेकः प्रजापतिः' इति उद्धृतम्? UGC 25 S–2013

(A) ध्वन्यालोके (B) काव्यप्रकाशे
(C) नाट्यशास्त्रे (D) दशकुमारचरिते

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-312

19. ''वैदग्ध्यभङ्गीभणितिः'' किसका सूत्र है– UGC (H) D–2013

(A) कुन्तक (B) भोज
(C) राजशेखर (D) पण्डितराजजगन्नाथ

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/10)-राधेश्याम मिश्र, पेज-47

20. इन उक्तियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए। UGC (H) D–2013

(अ) शब्दार्थशरीरं तावत्काव्यम् (i) भामह
(ब) काव्यं ग्राह्यम् अलङ्कारात् (ii) मम्मट
(स) मुख्यार्थहतिर्दोषः (iii) विश्वनाथ
(द) करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधु काव्यनिबन्धनम् (iv) वामन
(v) दण्डी

कूट :

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(D)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

स्रोत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, पेज- अ-25, ब-25, स-(7/71), द-14 पेज-266

21. निम्नलिखित उक्तियों को उनके ग्रन्थकारों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) D–2010

(अ) सौन्दर्यमलंकारः (1) विश्वनाथः
(ब) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् (2) वामनः
(स) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये (3) पण्डितराजजगन्नाथः
(द) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम् (4) कालिदासः

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	2	4	3	1

स्रोत–अ- काव्यालंकारसूत्र (1.1.2)
ब- साहित्यदर्पण (1.3)
स- रघुवंशम् (1/1) कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-2
द- रसगंगाधर (1/1) मदन मोहन झा, पेज-10

13. (C) 14. (A) 15. (B) 16. (C) 17. (B) 18. (A) 19. (A) 20. (B) 21. (C)

22. (i) ''न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनितामुखम्'' इस उक्ति के लेखक हैं– UP PGT (H)–2010
(ii) ''न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनितामुखम्'' यह अभिमत है– UP TGT (H)–2005

(A) भामह (B) दण्डी
(C) उद्भट (D) रुद्रट

स्रोत–काव्यालङ्कार (1/13) - देवेन्द्रनाथ शर्मा, पेज–7

23. ''प्रज्ञा नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा मता'' इति केनोक्तम्? UGC 25 D–2010

(A) भट्टतौतेन (B) अभिनवगुप्तेन
(C) भट्टनायकेन (D) महिमभट्टेन

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज–88

24. ''विना रुचिं प्रतनुते नालऽङ्कृतिर्नो गुणाः''– यहाँ समुचित विकल्प से रिक्तस्थान की पूर्ति करें। UGC 73 D–2014

(A) संयोगेन (B) औचित्येन
(C) सौभाग्येन (D) शृङ्गारेण

स्रोत–औचित्यविचारचर्चा -व्रजमोहन झा, पेज-6

25. मम्मटेनोक्तं नाऽस्ति DL–2015

(A) भारती कवेर्जयति (B) लक्ष्यं न मुख्यम्
(C) स्थायीभावो रसः स्मृतः (D) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

स्रोत– साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, पेज-19

26. ''यदि यथा वदति क्षितिपस्तथात्वं पतिकुले तव दास्यमपि क्षमम्'' इति कस्य काव्यांशः? DL–2015

(A) राजानक–रुय्यकस्य (B) पण्डितराज – जगन्नाथस्य
(C) महाकवेः कालिदासस्य (D) उत्तररामचरितकारस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/27)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

27. (i) औचित्य को काव्य की आत्मा किसने माना है
(ii) ''औचित्यं काव्यजीवितम्'' इति कः आह? DSSSB PGT–2014

(A) रुय्यकः (B) अप्पयदीक्षितः
(C) क्षेमेन्द्रः (D) मनुष्यः

स्रोत–औचित्यविचारचर्चा- व्रजमोहन झा, पेज-4

28. ''यस्मादन्तः स्थितः सर्व स्वयमर्थोऽवभासते सलिलस्येव सूक्तस्य स प्रसाद इति स्मृतः''। यह श्लोक .... ग्रन्थ का है। BHU MET–2012

(A) चन्द्रालोक (B) साहित्यदर्पण
(C) नाट्यशास्त्र (D) ध्वन्यालोक

स्रोत–चन्द्रालोक (4/3)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-65

29. 'प्रतिषेधः प्रसिद्धानां कारणानामनादरः' – यह सूक्ति है– BHU MET–2015

(A) दशरूपक (B) अर्थसंग्रह
(C) मेघदूत (D) चन्द्रालोक

स्रोत–चन्द्रालोक (3/5)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-57

30. निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके विचारकों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) J–2014

(अ) मनोविश्लेषणवाद (i) अभिनवगुप्त
(ब) अस्तित्ववाद (ii) महिमभट्ट
(स) उत्पत्तिवाद (iii) ज्यापालसात्री
(द) अभिव्यक्तिवाद (iv) युग
(v) भट्टलोल्लट

कूट :	अ	ब	स	द
(A)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)
(C)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, स-101, द-107

31. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) D–2012

(अ) भट्टलोल्लट (i) स्फोटवाद
(ब) शंकुक (ii) अभिव्यक्तिवाद
(स) अभिनवगुप्त (iii) अनुमितिवाद
(द) भट्टनायक (iv) उत्पत्तिवाद
(v) भुक्तिवाद

कूट :	अ	ब	स	द
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)
(B)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(v)

काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, अ-101,ब-102,105

22. (A) 23. (A) 24. (B) 25. (D) 26. (C) 27. (C) 28. (A) 29. (D) 30. (C) 31. (A)

32. महिमभट्ट द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त है– UP PGT (H)–2000

(A) अनुमानवाद (B) तात्पर्यवाद
(C) लक्षणवाद (D) अभिव्यञ्जनावाद

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-582

33. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही नहीं है। UP PGT (H)–2005

(A) भट्टलोल्लट – उत्पत्तिवाद (B) शंकुक – अनुमितिवाद
(C) आचार्य मम्मट–भुक्तिवाद (D) अभिनवगुप्त–अभिव्यक्तिवाद

काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज- अ-101, ब-102, स-105,द-107

34. (i) भुक्तिवाद के संस्थापक कौन हैं। UP PGT–2011,
(ii) काव्यशास्त्र में 'भुक्तिवाद' किसका सिद्धान्त है? UGC 73 J–2016

(A) अभिनवगुप्त (B) भट्टलोल्लट
(C) शंकुक (D) भट्टनायक

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-105

35. कालानुक्रमेण ग्रन्थकारान् नियोजयत– MH SET–2014

1. मम्मटः 2. पण्डितराजः जगन्नाथः
3. भामहः 4. विश्वनाथः

(A)	1	3	2	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	1	2	3	4

काव्यप्रकाश-श्रीनिवास शास्त्री, पेज भू० अ-11, ब-24, स-31, द-32

36. निम्नलिखित तथ्यों का सही सुमेलन कीजिए– UP PGT–2013

(अ) अनुमितिवाद (i) विश्वनाथ
(ब) व्यक्तिविवेक (ii) शंकुक
(स) वात्सल्य रस (iii) महिमभट्ट
(द) कवि सृष्टि की श्रेष्ठता (iv) मम्मट

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

स्रोत–अ-काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज अ-102, ब- भू0-60, द- पेज-5, स-साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-123

37. काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों में गणना होती है, जिसकी वह है– BHU MET–2015

(A) उपमा (B) वंशस्थ
(C) निदर्शना (D) अलंकारसिद्धान्त

स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-8), पेज–375, 390

38. 'इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली' यह काव्यलक्षण कहाँ है? UGC 73 D–2008

(A) काव्यादर्शे (B) काव्यप्रकाशे
(C) ध्वन्यालोके (D) साहित्यदर्पणे

स्रोत–काव्यादर्श (1/10)-रामचन्द्र मिश्र, पेज–9

39. (i) ''इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली काव्यम्'' – यह काव्यलक्षण है?
(ii) ''शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली'' – परिभाषा है? UGC 73 D–2012, UGC 25 D–2005
UP PGT–2009, 2010, UK TET–2011

(A) भामहस्य (B) दण्डिनः
(C) मम्मटस्य (D) विश्वनाथस्य

स्रोत–काव्यादर्श (1/10)-रामचन्द्र मिश्र, पेज–09

40. ''शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि।''
यह काव्य लक्षण है– UGC 73 J–2014

(A) आनन्दवर्धनस्य (B) भामहस्य
(C) मम्मटस्य (D) कुन्तकस्य

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/7) – राधेश्याम मिश्र, पेज-17

41. कुन्तक के मतानुसार काव्य की आत्मा है– UGC 73 J–1998, 1999

(A) अलंकार (B) वक्रोक्ति
(C) औचित्य (D) रसः

स्रोत–काव्यप्रकाश-पारसनाथ द्विवेदी, भू0 पेज-82

42. कुन्तकमते शब्दस्य लक्षणं किम्? K SET–2014

(A) विवक्षितार्थैकवाचकोऽन्येषु सत्स्वपि
(B) सहृदयाह्लादसुन्दरः
(C) अनुप्रासादयः
(D) पदसमुदायः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/9) - राधेश्याम मिश्र, पेज-34

32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (C) 36. (D) 37. (D) 38. (A) 39. (B) 40. (D) 41. (B) 42. (A)

43. (i) आचार्य वामन की काव्य परिभाषा है।
(ii) आचार्यवामनस्य काव्यपरिभाषा वर्तते–
UP PGT–2004, CCSUM Ph. D–2016

(A) काव्यस्यात्मा ध्वनिः (B) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्
(C) रीतिरात्मा काव्यस्य (D) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्

स्रोत–काव्यालङ्कारसूत्र (1.2.6)-हरगोविन्दमिश्र, पेज–14

44. काव्यलक्षण और उनके प्रतिष्ठापकों का सुमेलन कीजिए। UGC (H) J–2011

(अ) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् **(i) पण्डितराजजगन्नाथ**
(ब) शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली **(ii) विश्वनाथ**
(स) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम् **(iii) कुन्तक**
(द) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् **(iv) दण्डी**
(v) भामह

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(v)	(iii)	(i)
(C)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

स्रोत–अ- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-24 ब-25, द-27
स- रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज-10

45. निम्नलिखित काव्यलक्षणों को उनके प्रतिस्थापकों के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) D–2008

(अ) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् **(i) रुद्रट**
(ब) ननु शब्दार्थौ काव्यम् **(ii) कुन्तक**
(स) शब्दार्थौ सहितौ वक्र-कविव्यापारशालिनि **(iii) भामह**
(द) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् **(iv) भरतमुनि**
(v) विश्वनाथ

कूट :	अ	ब	स	द
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(iii)	(v)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 24–27

46. एषु क्रिया वैचित्र्यवक्रत्वप्रकारस्य उदाहरणं किम्? K-SET–2013

(A) सोऽयं दम्भधृतव्रतः प्रियतमे कर्तुं किमप्युद्यतः
(B) श्वासोत्कम्पतरङ्गिणि स्तनतटे इति
(C) स दहतु दुरितं शाम्भवो वः शराग्निः
(D) पाण्डिम्नि मग्नं वपुः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् - राधेश्याम मिश्र, पेज-78

47. कुन्तकमते काव्यमार्गाः कतिविधाः? K SET–2013

(A) त्रयः (B) द्वे
(C) चत्वारि (D) पञ्च

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/24) -राधेश्याम मिश्र, पेज-96

48. 'साहित्यमनयोः शोभाशालितां प्रति काप्यसौ' – एतद् विद्यते? K SET–2013

(A) ध्वन्यालोके (B) वक्रोक्तिजीविते
(C) काव्यादर्शे (D) काव्यालङ्कारे

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/17)- राधेश्याम मिश्र, पेज-57

49. 'काव्यस्यायमलङ्कारः कोऽप्यपूर्वो विधीयते' इति कस्योक्तिरस्ति? GJ SET–2013

(A) मम्मटस्य (B) जगन्नाथस्य
(C) कुन्तकस्य (D) राजशेखरस्य

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/2)- राधेश्याम मिश्र, पेज-7

50. 'धर्मादिसाधनोपायः सुकुमारक्रमोदितः' इति वाक्यम् .... उक्तम्? GJ SET–2016

(A) भरतेन (B) विश्वनाथेन
(C) जगन्नाथेन (D) कुन्तकेन

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/3)- राधेश्याम मिश्र,पेज-10

51. वक्रोक्तिजीविते वर्णितः प्रथमः गुणः कः? MH SET–2013

(A) माधुर्यम् (B) ओजः
(C) प्रसादः (D) समाधिः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/30)- राधेश्याम मिश्र, पेज-113

43. (C) 44. (C) 45. (D) 46. (C) 47. (A) 48. (B) 49. (C) 50. (D) 51. (A)

52. निम्नलिखित काव्यलक्षणों को उनके आचार्यों के सही नामों के साथ सुमेलित कीजिए। UGC (H) J–2008

(अ) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	**(i) विश्वनाथ**
(ब) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणा वनलङ्कृती पुनः क्वापि	**(ii) मम्मट**
(स) वाक्यं रसात्मकं काव्यं	**(iii) जगन्नाथ**
(द) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्	**(iv) भामह**
	(v) आनन्दवर्धन

कूट :

	अ	ब	स	द
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–अ- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- अ-24 ब-19, स-27 द- रसगंगाधर- मदन मोहन झा, पेज-10

53. ''वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्'' कहकर वक्रोक्ति को ही काव्य की आत्मा स्वीकार करने वाले आचार्य हैं। UP PGT (H)–2003

(A) विश्वनाथ (B) मम्मट
(C) कुन्तक (D) दण्डी

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-91

54. (i) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' काव्य परिभाषा के प्रस्तोता हैं– UP PGT (H)–2005, UP PGT (H)–2009
(ii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' किसका कथन है–

(A) विश्वनाथ (B) राजशेखर
(C) श्रीहर्ष (D) भास

स्रोत– साहित्यदर्पण-राजेन्द्र मिश्र, पेज-133

55. काव्यं शरीरं किम् – DSSSB TGT–2014

(A) शब्दार्थौ (B) रसः
(C) कथावस्तु (D) व्यङ्ग्यार्थः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर,पेज-25

56. (i) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' यह काव्यलक्षण है–
(ii) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'' किसका मन्त्र है–
(iii) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'' परिभाषा किसके द्वारा दी गई है– UGC 73 D–1999, 2009,
(iv) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'' किसने कहा है– UP TGT (H)–2010, UP PGT (H)–2013

(A) रुद्रट का (B) भामह का
(C) विश्वनाथ का (D) आनन्दवर्धन का

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-24

57. रसगङ्गाधरस्य कर्ता कः? UGC 73 Jn–2016

(A) कल्हणः (B) विश्वनाथः
(C) आनन्दवर्धनः (D) पण्डितराजजगन्नाथः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-174

58. (i) 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' परिभाषा किसने दी है– UP PGT (H)– 2013
(ii) 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यं' कस्य काव्य लक्षणम्? BHU Sh.ET–2008, 2013
(iii) 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'–इति केन अभिधीयते? DSSSB TGT–2014,
(iv) 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' के प्रवर्तक हैं– UGC (H) J–2009, UGC 25 J–2009, UGC 73 D–2005, J–2005, DSSSB PGT–2014, UP PGT (H)–2013, K SET–2014

(A) दण्डी (B) पण्डितराजजगन्नाथ
(C) मम्मट (D) विश्वनाथ

स्रोत–रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज-10

59. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' काव्य का यह लक्षण किस ग्रन्थ में दिया गया है? UGC 73 J–2015

(A) काव्यालङ्कारे (B) रसगङ्गाधरे
(C) नाट्यशास्त्रे (D) सरस्वतीकण्ठाभरणे

स्रोत–रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज–10

60. पण्डितराजजगन्नाथमतानुसारं रमणीयार्थप्रतिपादकस्य कस्य काव्यत्वं भवति? UGC 25 J–2016

(A) रसस्य (B) अर्थस्य
(C) अलङ्कारस्य (D) शब्दस्य

स्रोत–रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज-10

52. (B) 53. (C) 54. (A) 55. (A) 56. (B) 57. (D) 58. (B) 59. (B) 60. (D)

61. 'औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्'-यह काव्यलक्षण है– UGC 73 J–2015

(A) भोजराज (B) क्षेमेन्द्र
(C) हेमचन्द्र (D) कुन्तक

स्रोत–औचित्यविचारचर्चा (1/5)- व्रजमोहन झा, पेज-4

62. अधोलिखित में क्या सत्य है? UGC 73 D–2015

(A) करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धम् – भामहः
(B) काव्यं सद् दृष्टादृष्टार्थं प्रीतिकीर्तिहेतुत्वात् – मम्मटः
(C) निर्दोषं गुणवत्काव्यमलंकारैरलंकृतम् – विश्वनाथः
(D) काव्यं यशसेऽर्थकृते .... – कुन्तकः

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज-14

63. 'कविकण्ठाभरणम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य रचयिता कः? JNU M. Phil/Ph.D–2015

(A) कल्हणः (B) बिल्हणः
(C) क्षेमेन्द्रः (D) भोजः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास - अमरनाथ पाण्डेय,पेज-115

64. कुन्तक के मार्ग निरूपण का आधार है। UGC 73 D–2013

(A) देशविशेषः (B) कविस्वभावः
(C) वर्ण्यविषयः (D) शब्दचमत्कारः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् - राधेश्याम मिश्र, पेज-99

65. निम्नलिखित आचार्यों को उनके कालखण्ड के साथ सुमेलित कीजिए– UGC (H) D–2012

(अ) भामह **(i) दसवीं सदी**
(ब) क्षेमेन्द्र **(ii) सत्रहवीं सदी**
(स) विश्वनाथ **(iii) ग्यारहवीं सदी**
(द) पण्डितराजजगन्नाथ **(iv) चौदहवीं सदी**
(v) छठी सदी

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(B)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(D)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज– अ-8, ब-115, स-157, द-174

66. ''धर्मादिसाधनोपायः सुकुमारक्रमोदितः काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारकः॥'' काव्यफलविषये श्लोकोऽयमस्ति– UGC 25 J–2016

(A) रसगङ्गाधरे (B) काव्यप्रकाशे
(C) वक्रोक्तिजीविते (D) काव्यादर्शे

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/3) - राधेश्याम मिश्र, पेज-10

67. आसु कस्याः वक्रतामध्ये गणनं नास्ति– UGC 25 Jn–2017

(A) वर्णविन्यासवक्रतायाः (B) समासवक्रतायाः
(C) पदपूर्वार्द्धवक्रतायाः (D) प्रकरणवक्रतायाः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् -राधेश्याम मिश्र ,भू0 पेज-24

68. एषु उपचारवक्रतायाः उदाहरणं किम्? K SET–2014

(A) सोऽयं दम्भधृतव्रतः प्रियतमे कर्तुं किमप्युद्यतः
(B) मध्येऽङ्कुरं पल्लवाः
(C) मैथिली तस्य दाराः
(D) हस्तापचेयं यशः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् - राधेश्याम मिश्र , पेज-68

69. ''रामोऽस्मि सर्वं सहे'' इत्यत्र कः वक्रताप्रकारः? K SET–2014

(A) पदपूर्वार्ध (B) प्रत्यय
(C) वर्णविन्यास (D) वाक्य

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् -राधेश्याम मिश्र , पेज-64

70. भारतीय काव्य-शास्त्र के प्रमुख काव्यशास्त्रियों का सही क्रम क्या है? UGC (H) J–2012

(A) आनन्दवर्धन - भरतमुनि - जगन्नाथ - विश्वनाथ
(B) भरतमुनि - आनन्दवर्धन - विश्वनाथ - जगन्नाथ
(C) जगन्नाथ - विश्वनाथ - आनन्दवर्धन - भरतमुनि
(D) विश्वनाथ - आनन्दवर्धन - भरतमुनि - जगन्नाथ

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज- अ-3, ब-42, स-157, द-174

71. 'रसगंगाधर' में पंडितराजजगन्नाथ ने किस बादशाह की प्रशंसा की है? UGC (H) J–2014

(A) शाहजहाँ (B) औरंगजेब
(C) अकबर (D) बाबर

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-174

61. (B) 62. (A) 63. (C) 64. (B) 65. (B) 66. (C) 67. (B) 68. (D) 69. (A) 70. (B) 71. (A)

72. निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है? UGC (H) J–2012

(A) भरतमुनि - भामह - विश्वनाथ - अभिनवगुप्त
(B) भरतमुनि - विश्वनाथ - भामह - अभिनवगुप्त
(C) भरतमुनि - भामह - अभिनवगुप्त - विश्वनाथ
(D) भरतमुनि - अभिनवगुप्त - विश्वनाथ - भामह

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज- अ-03, ब-8, स-96, द-157

73. निम्नलिखित आचार्यों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिये– UGC (H) D–2010

(A) पंडितराज जगन्नाथ - कुन्तक - भामह - रूपगोस्वामी
(B) भामह - कुन्तक - रूपगोस्वामी - पंडितराज जगन्नाथ
(C) कुन्तक - भामह - पंडितराजजगन्नाथ - रूपगोस्वामी
(D) रूपगोस्वामी - कुन्तक - भामह - पंडितराज जगन्नाथ

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज- 8, 88, 161, 174

74. विश्वनाथ के अतिरिक्त किस आचार्य ने साहित्य शब्दों को अपने ग्रन्थ नाम में प्रयुक्त किया है। UP PGT (H)–2000

(A) भामह (B) राजशेखर
(C) रुय्यक (D) आनन्दवर्धन

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-5

75. कालक्रमानुसारं तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2016

(i) अप्ययदीक्षितः (ii) भरतः
(iii) विश्वनाथकविराजः (iv) वामनः

(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज- अ-3 ब-26 स-157, द-169

76. निम्नलिखित वर्गों में कालक्रमानुसार आचार्यों का कौन सा क्रम सही है– UGC (H) D–2008

(A) मम्मट, दण्डी, भामह, आनन्दवर्धन
(B) दण्डी - आनन्दवर्धन - मम्मट - भामह
(C) भामह - दण्डी - आनन्दवर्धन - मम्मट
(D) आनन्दवर्धन - भामह - मम्मट - दण्डी

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलो0 इति0-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-8,19,42,120

77. कालक्रमानुसारेण तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2015

(A) अप्पयदीक्षितः (B) भरतः
(C) आनन्दवर्धनः (D) दण्डी

(A) a - b - c - d (B) b - c - a - d
(A) c - a - b - d (D) b - d - c - a

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलो0 इति0-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-3,19,42,169

78. काव्य के अर्थवैज्ञानिक विवेचन का शुभारम्भ किसने किया– UP PGT (H)–2000

(A) वामन (B) महिमभट्ट
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्धन

स्रोत–काव्यालङ्कार सूत्र (3.2.2)-हरगोविन्द शास्त्री, पेज–108

79. निम्न में से कौन किसके लिए प्रसिद्ध नहीं है? UP PGT (H)–2013

(A) उपमा के लिए कालिदास (B) करुण के लिए भवभूति
(C) अलङ्कार के लिए भामह (D) वक्रोक्ति के लिए क्षेमेन्द्र

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-88

80. निम्न अलङ्कारशास्त्रियों में से कौन कश्मीर निवासी नहीं थे? BHU AET–2010

(A) विश्वनाथ (B) अभिनवगुप्त
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्धन

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-157

81. कुन्तकस्य मतेन त्रयो मार्गाः के? DSSSB PGT–2014

(A) निम्न, उन्नतः समश्च (B) मधुरो, विचित्रः प्रसादश्च
(C) मधुरः अभिजातः प्रसन्नश्च (D) सुकुमारो विचित्रः मध्यमश्च

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/24) - राधेश्याम मिश्र, पेज-96

82. सम्यक् मेलनं करोतु– JUN MET–2014

सिद्धान्तः	आचार्यः
(क) रसः	(1) वामनः
(ख) वक्रोक्तिः	(2) आनन्दवर्धनः
(ग) ध्वनिः	(3) कुन्तकः
(घ) रीतिः	(4) भरतमुनिः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	1	4	2

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलो0 इति0-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-2,88,41,26

72. (C) 73. (B) 74. (B) 75. (A) 76. (C) 77. (D) 78. (A) 79. (D) 80. (A) 81. (D) 82. (C)

83. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है– UGC 25 D–2015

(A) ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, काव्यादर्श, साहित्यदर्पण
(B) काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, साहित्यदर्पण
(C) काव्यादर्श, काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, साहित्यदर्पण
(D) ध्वन्यालोक, काव्यादर्श, साहित्यदर्पण, काव्यमीमांसा

स्रोत–संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ, पाण्डेय, पेज- 19, 41, 81, 157

84. (i) वक्रोक्तिजीवितानुसारं कविव्यापारवक्रत्वप्रकाराः कति सम्भवन्ति? UGC 25 D–2012, J–2016
(ii) वक्रोक्तिजीविते कतिविधा वक्रोक्तिः स्वीकृता?
(iii) कुन्तकानुसारं कविव्यापारवक्रत्वप्रकाराः कति? RPSC SET–2013-2014

(A) अष्टौ (B) षट्
(C) सप्त (D) पञ्च

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/18)- राधेश्याम मिश्र, पेज-62

85. आनन्दवर्धनः कस्य सभापण्डित आसीत् UGC 25 D–2010

(A) अशोकस्य (B) शाहजहानस्य
(C) अवन्तिवर्मणः (D) औसफअलेः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-42

86. पण्डितराजः कः? BHU Sh.ET–2011

(A) जयदेवः (B) विश्वनाथः
(C) जगन्नाथः (D) कालिदासः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-173

87. काव्यशास्त्रियों में आचार्य मम्मट हैं? UP GIC–2009

(A) ध्वनिवादी (B) रीतिवादी
(C) अलङ्कारवादी (D) समन्वयवादी

भारतीयकाव्यशास्त्र (संस्कृत) का इतिहास-राजवंश सहाय 'हीरा', पेज–166

88. आचार्यविश्वनाथस्य पितुर्नामास्ति? BHU AET–2010

(A) चन्द्रशेखरः (B) शशिशेखरः
(C) विधुशेखरः (D) इन्दुशेखरः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-157

89. कः आचार्यो 'वाग्वेदतावतार' इति ख्यातः? BHU AET–2010

(A) आनन्दवर्धनः (B) अभिनवगुप्तः
(C) भरतमुनिः (D) मम्मटः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, भू० पेज-73

90. शब्दरीतिनिर्णयविषये कस्य ग्रन्थकारस्य नाम राजशेखरेण काव्यमीमांसायां प्रथमेऽध्याये उल्लिखितम्– UGC 25 J–2016

(A) प्रचेतसः (B) चित्राङ्गस्य
(C) पराशरस्य (D) सुवर्णनाभस्य

काव्यमीमांसा (प्रथम अध्याय)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-3

91. राजशेखरेण काव्यमीमांसायां दोषाधिकरणविषये कस्य ग्रन्थकारस्य नाम उल्लिखितम्– UGC 25 Jn–2017

(A) सुवर्णनाभस्य (B) शेषस्य
(C) धिषणस्य (D) भरतस्य

काव्यमीमांसा (प्रथम अध्याय)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-4

92. 'उपकारकत्वादलङ्कारः सप्तममङ्गम् इति यायावरीयः।' उक्तिरियं कुत्रास्ति– UGC 25 J–2016

(A) नाट्यशास्त्रे (B) काव्यप्रकाशे
(C) काव्यमीमांसायाम् (D) वक्रोक्तिजीविते

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-4

93. शब्दार्थयोर्यथावत्सहभावेन विद्या भवति– K SET–2014

(A) शब्दविद्या (B) अर्थविद्या
(C) साहित्यविद्या (D) अविद्या

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा- गंगासागर राय, पेज-11

94. राजशेखरमते उपकारकत्वादलङ्कारः– K SET–2014

(A) पञ्चममङ्गम् (B) अष्टममङ्गम्
(C) नवममङ्गम् (D) सप्तममङ्गम्

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा- गंगासागर राय, पेज-4

83. (B) 84. (B) 85. (C) 86. (C) 87. (D) 88. (A) 89. (D) 90. (D) 91. (C) 92. (C) 93. (C) 94. (D)

95. राजशेखरमतानुसारम् अधोलिखितानि योजयत– K SET–2014

(क) अर्थश्लेषः 1. कामदेवः
(ख) आनुप्रासिकं 2. उतथ्यः
(ग) वैनोदिकं 3. सुवर्णनाभः
(घ) रीतिनिर्णयं 4. प्रचेतायनः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	3	1	2	4
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	1	3

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-81

96. आनन्दवर्धनाचार्यस्य स्थितिकालोऽस्ति? BHU AET–2010

(A) नवमशताब्दी (B) अष्टमशताब्दी
(C) दशमशताब्दी (D) सप्तमशताब्दी

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-42

97. संस्कृतसाहित्यशास्त्रे 'यायावरीयः' कः कथ्यते? BHU AET–2010

(A) क्षेमेन्द्रः (B) राजशेखरः
(C) पण्डितराजजगन्नाथः (D) अभिनवगुप्तः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-80

98. कालानुसारेण कस्तावत् अर्वाचीनः? UGC 25 D–2014

(A) भरतः (B) जगन्नाथः
(C) विश्वनाथः (D) भामहः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-174

99. काव्यगुणों के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं? UGC (H) D–2013

(A) रुद्रट (B) दण्डी
(C) वामन (D) अप्पयदीक्षित

स्रोत–काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-45

100. समास की अधिकता ओज कहलाती है (ओजस्समास-भूयस्त्वम्) – यह किसका कथन है? UP PGT (H)–2000

(A) भरत (B) वामन
(C) रुय्यक (D) दण्डी

स्रोत–काव्यादर्श (1/80)-रामचन्द्र मिश्र, पेज–61

101. 'काव्यशोभायाः कर्त्तारो धर्माः गुणाः' काव्य गुण का यह सूत्र लिखा है? UP PGT (H)–2004

(A) आचार्य भरत ने (B) आचार्य दण्डी ने
(C) आचार्य वामन ने (D) आचार्य मम्मट ने

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ,पाण्डेय, पेज-31

102. (i) भरतमुनि के अनुसार काव्य में कुल कितने गुण होते हैं? UP PGT (H)–2004, 2005

(ii) आचार्य भरतमुनि ने काव्यगुणों की संख्या बतायी है? UGC (H) J–2012

(A) 3 (B) 5
(C) 10 (D) 8

संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र-राजेन्द्र मिश्र, पेज-59

103. 'भावप्रकाशन' ग्रन्थ के रचयिता हैं? UGC 73 J–2016

(A) शिङ्गभूपालः (B) शारदातनयः
(C) रामचन्द्रः (D) गुणचन्द्रः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास-अमरनाथ पाण्डेय, पेज-152

104. राजशेखरमते काव्यकविः कतिविधः? K SET–2013

(A) सप्त (B) द्वादश
(C) दश (D) अष्ट

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-37

105. 'कवयः द्विधा अरोचकिनः सतृणाभ्यवहारिणश्च' इति कस्य मतम्? K SET–2013

(A) कुन्तकस्य (B) यायावरीयस्य
(C) दण्डिनः (D) मङ्गलस्य

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-30

106. राजशेखरमते द्वित्रैः गुणैः कनीयान्, पञ्चमैः मध्यमः सर्वगुणयोगी कविः कः? K SET–2013

(A) अधमकविः (B) महाकविः
(C) कुकविः (D) शास्त्रकविः

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-42

107. काव्यमीमांसायाः रचयिता कोऽस्ति– T SET–2014

(A) भरतमुनिः (B) भोजः
(C) मम्मटः (D) राजशेखरः

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, भू0 पेज-1

95. (D) 96. (A) 97. (B) 98. (B) 99. (C) 100. (D) 101. (C) 102. (C) 103. (B) 104. (D) 105. (B) 106. (B) 107. (D)

108. काव्यमीमांसायां काव्यपुरुषस्य वर्णनं कस्मिन्नध्याये वर्तते? T SET–2013

(A) तृतीये (B) द्वितीये

(C) चतुर्थे (D) प्रथमे

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-12

109. काव्यमीमांसानुसारेण काव्यपाको नास्ति–T SET–2013

(A) नारिकेलपाकः (B) घृतपाकः

(C) क्रमुकपाकः (D) बदरपाकः

स्रोत–हिन्दी काव्यमीमांसा-गंगासागर राय, पेज-45

110. 'श्रव्यत्वं पुनः ओजः प्रसादयोरपि' अनेन कस्य मतं खण्डितम्? HE – 2015

(A) भामहस्य (B) दण्डिनः

(C) रुद्रटस्य (D) वामनस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-389

111. काव्यगुणानां लक्षणत्रयम् अस्ति UP GDC–2012

(A) शब्दसौष्ठवम् - अर्थसौन्दर्यम्, व्यङ्ग्यचमत्कारश्च

(B) शब्दधर्मत्वं - वाच्यधर्मत्वं - व्यवहारित्यञ्च

(C) काव्यधर्मत्वम् - अर्थधर्मत्वं - शब्दधर्मत्वञ्च

(D) रसधर्मत्वं - रसोत्कत्वम् - चलस्थितित्वञ्च

स्रोत–काव्यप्रकाश (8/66)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

112. सही युग्म चिह्नित कीजिए? UP TGT (H)–2009

(A) वैदर्भी – माधुर्य (B) गौडी – माधुर्य

(C) पाञ्चाली – ओज (D) गौडी – प्रसाद

स्रोत–काव्यालङ्कारसूत्र (1.2.11-13)-हरगोविन्द शास्त्री, पेज–17-21

113. काव्ये येऽङ्गिनमर्थमवलम्बन्ते ते के? UGC 25 D–2010

(A) संघटनाः (B) गुणाः

(C) अलङ्काराः (D) भावाः

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-380

114. 'सा च काव्यघटनानुकूलशब्दार्थोपस्थितिः' इत्यत्र 'सा' का? UGC 25 D–2010

(A) निपुणता (B) अभ्यास

(C) भावना (D) प्रतिभा

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-27

115. आचार्य वामन ने 'काव्यहेतु' के स्थान पर किस शब्द का व्यवहार किया है– DL (H)–2015

(A) तात्पर्य (B) लक्षणा

(C) अभिधा (D) काव्यांग

स्रोत–काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-17

116. प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास में सर्वमान्य हेतु है– UP PGT–2005

(A) प्रतिभा (B) अभ्यास

(C) व्युत्पत्ति (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–(i) काव्यप्रकाश (1/3)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

(ii) काव्यमीमांसा - गंगासागर राय, पेज–34

117. काव्यहेतवः सन्ति JNU MET–2014

(A) प्रतिभा - व्युत्पत्ति - मोक्षः

(B) धर्म - मोक्षः - कामः

(C) धर्म - अर्थ - काम - व्युत्पत्तिः

(D) प्रतिभा - व्युत्पत्ति - अभ्यास

स्रोत–(i) काव्यप्रकाश (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

(ii) काव्यमीमांसा - गंगासागर राय, पेज–25

118. काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारकः' यह काव्यप्रयोजन है– UGC 73 D–2012 J–2014

(A) भामहस्य (B) मम्मटस्य

(C) कुन्तकस्य (D) वामनस्य

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/3)- राधेश्याम मिश्र, पेज-10

119. (i) पण्डितराजजगन्नाथेन मते काव्यस्य कति भेदाः स्वीकृताः– UGC 73 J–2014

(ii) पण्डितराजजगन्नाथ के अनुसार काव्य के भेद होते हैं? UGC 25 J–2016

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-37

120. पण्डितराजजगन्नाथानुसारं सामान्यवस्तुध्वनिः गुणीभूतव्यंग्यप्रकाराश्च कस्मिन् काव्यप्रभेदेऽन्तर्भवन्ति? UGC 25 J–2012

(A) उत्तमोत्तमकाव्ये (B) उत्तमकाव्ये

(C) मध्यमकाव्ये (D) अधमकाव्ये

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-66

108. (A) 109. (B) 110. (A) 111. (D) 112. (A) 113. (B) 114. (D) 115. (D) 116. (A) 117. (D) 118. (C) 119. (B) 120. (B)

121. 'उत्तमोत्तमोत्तममध्यमाधमभेदेन चत्वारः' भेदाः प्रकीर्तिताः– UGC 73 D–2014

(A) भामहेन (B) कविराजविश्वनाथेन
(C) मम्मटेन (D) पण्डितराजजगन्नाथेन

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-37

122. 'शयिता सविधेऽप्यनीश्वरा सफलीकर्त्तुमहो मनोरथान्।' पण्डितराजजगन्नाथेन कस्य काव्यस्य उदाहरणरूपेण उद्धृतोऽयं श्लोकः? UGC 25 J–2016, K SET–2013

(A) अधमस्य (B) उत्तमोत्तमस्य
(C) उत्तमस्य (D) मध्यमस्य

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-38

123. (i) पण्डितराजजगन्नाथमते यत्र व्यङ्ग्यमप्रधानमेव सचमत्कारकारणं भवति तत्काव्यमस्ति?
(ii) 'यत्र व्यङ्ग्यमप्रधानमेव सच्चमत्कारणं' जगन्नाथमते तत् भवति–
JNU M. Phil / Ph.D – 2014, UGC 25 Jn.–2017

(A) उत्तमोत्तमम् (B) मध्यमम्
(C) अधमम् (D) उत्तमम्

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-66

124. चार काव्यभेदों का निरूपण किया है? UGC 73 D–2014

(A) भामहेन (B) मम्मटेन
(C) जगन्नाथेन (D) विश्वनाथेन

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-37

125. (i) क्षेमेन्द्र ने औचित्यविचारचर्चा में औचित्य के भेदों का निरूपण किया है– UGC 73 D–2012,
(ii) क्षेमेन्द्र औचित्य के भेद मानते हैं? J–2013, 2014
(iii) क्षेमेन्द्रेण औचित्यस्य .... भेदाः प्रकीर्तिताः–

(A) सप्तविंशतिः (B) चतुर्विंशतिः
(C) त्रयोविंशतिः (D) त्रयोदश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-596

126. रससिद्धान्तस्य ''स्थिरं काव्यस्य जीवितम्'' अस्ति– BHU AET–2012

(A) वैचित्यम् (B) औचित्यम्
(C) सौभाग्यम् (D) लावण्यम्

स्रोत–औचित्यविचारचर्चा (1/5) - व्रजमोहन झा, पेज-4

127. ''मित्रात्रिपुत्रनेत्राय, त्रयीशात्रवशत्रवे। UGC 25 Jn–2017
गोत्रारिगोत्रजत्राय, गोत्रात्रे ते नमो नमः॥''
रसगङ्गाधरे प्रथमे आनने श्लोकोऽयम् उदाहरणं भवति–

(A) उत्तमकाव्यस्य (B) अधमकाव्यस्य
(C) उत्तमोत्तमकाव्यस्य (D) मध्यमकाव्यस्य

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-79

128. 'काव्यं मयाऽत्र निहितं न परस्य किञ्चित्' इति केनोक्तम्? K SET–2014

(A) राजशेखरेण (B) वामनेन
(C) जगन्नाथेन (D) आनन्दवर्धनेन

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-7

129. 'शब्दः काव्यम्' – इत्यत्र अयं लौकिकं व्यवहारः प्रमाणम्? K SET–2013

(A) काव्यं लिखितम् (B) काव्यं न दृष्टम्
(C) काव्यं विस्मृतम् (D) काव्यं उच्चैः पठ्यते

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-15

130. 'विमतवाक्यं त्वश्रद्धेयमेव' इति एतद् वाक्यं रसगङ्गाधरे कस्मिन् प्रकरणे वर्तते? MH SET–2013

(A) काव्यकारणप्रकरणे (B) काव्यलक्षणप्रकरणे
(C) काव्यभेदनिरूपणप्रकरणे (D) रसनिरूपणप्रकरणे

स्रोत– रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज–16

131. अनौचित्येन आच्छादिता का न भवति? HE–2015

(A) एकाश्रया रतिः (B) अनेकाश्रया रतिः
(C) शोकावस्थायां रतिः (D) स्वकान्तविषया रतिः

स्रोत–

132. अर्थबोध कराने के सन्दर्भ में निम्नलिखित में कौन सा कथन सत्य है? UP PGT H–2005

(A) अभिधा शब्द-शक्ति लक्षणा पर आश्रित होती है।
(B) लक्षणाशब्द-शक्ति व्यञ्जना पर आधारित होती है।
(C) अभिधा शब्द-शक्ति लक्षणा व व्यञ्जना दोनों पर आश्रित होती है।
(D) लक्षणा एवं व्यञ्जना दोनों शब्दशक्तियाँ अभिधा पर आश्रित होती है।

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/12,13)–शालिग्राम शास्त्री, पेज-39

121. (D) 122. (B) 123. (D) 124. (C) 125. (A) 126. (B) 127. (B) 128. (C) 129. (D) 130. (B) 131. (D) 132. (D)

133. रसदीनां बोधे का वृत्तिः अङ्गीकार्या? UK SLET–2015

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्याख्या

स्रोत–साहित्यदर्पण – शालिग्राम शास्त्री, पेज-161

134. वक्रोक्तिकारस्य मते किं तत्वं काव्ये वैचित्र्यं आनयति– T-SET–2014

(A) ध्वनिः (B) अलङ्कारः

(C) रीतिः (D) गुणाः

स्रोत– वक्रोक्तिजीवितम् (1/6) - राधेश्याम मिश्र, पेज–16

135. व्यङ्ग्यत्वविशिष्टार्थ बोध का जनक .... होता है। UGC 73 D–2012

(A) स्फोटः (B) पश्यन्ती

(C) सम्बन्धः (D) पदम्

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–28

136. स्फोट को व्यक्त करती है? UGC 73 J–2013

(A) वस्तुध्वनिः (B) अलङ्कारध्वनिः

(C) प्राकृतध्वनिः (D) वैकृतध्वनिः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–149

137. कस्य काव्यशोभा कर्तृत्वम्? BHU Sh.ET–2013

(A) प्रतिभा (B) व्यवहारज्ञानम्

(C) गुणाः (D) व्याकरणशुद्धः

संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- अमरनाथ पाण्डेय, पेज-31

138. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' इत्यत्र रमणीयेषु कटाक्षनिक्षेपादिषु काव्यलक्षणस्य अतिव्याप्तिवारणाय ....पदम्? KL SET–2014

(A) अर्थ इति (B) शब्द इति

(C) प्रतिपादक इति (D) काव्यमिति

स्रोत–रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज-10

139. पण्डितराजजगन्नाथमते गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यं .... विभागे अन्तर्भवति KL SET–2014

(A) उत्तमविभागे (B) मध्यमविभागे

(C) उत्तमोत्तमविभागे (D) अधमविभागे

स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज-66

140. .... वाक्यं भवति? UGC 25 D–2012

(A) ध्वनिसमूहः (B) साकांक्षपदसमूहः

(C) शब्दसमूहः (D) वर्णसमूहः

स्रोत–तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री पेज-122

141. शब्दस्याभिव्यक्तेः ऊर्ध्वं वृत्तिभेदे तु वैकृताः ध्वनयः समुपोहन्ते, तैः कः न भिद्यते? UGC 25 D–2012

(A) जीवात्मा (B) स्फोटात्मा

(C) परमात्मा (D) काव्यात्मा

वाक्यपदीयम् -(ब्रह्मकाण्ड, का-77)-सूर्यनारायण शुक्ल, पेज-87

142. वाच्यवाचकचारुत्वहेतूनां विविधात्मनां रसादिपरता यत्र सः विषयः कस्य? UGC 25 D–2012

(A) रीतेः (B) रसवदलङ्कारस्य

(C) गुणीभूतव्यंग्यस्य (D) ध्वनेः

स्रोत–ध्वन्यालोक-आचार्य विश्वेश्वर (1/13) पेज-37

143. वामनमतानुसारेण काव्यास्यात्मा अस्ति? GGIC–2015

(A) वृत्तिः (B) अलङ्कारः

(C) रसः (D) गुणाः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज–44

144. ''शरीरं जीवितेनेव स्फुरितेनेव जीवितम् विना निर्जीवितां येन वाक्यं याति विपश्चिताम्॥'' UGC 73 Jn–2017 अत्र काव्यस्य जीवितत्वेन कस्य प्रतिपादनं कृतम्–

(A) ध्वनेः (B) रसस्य

(C) रीतेः (D) वक्रोक्तेः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् (1/39)-राधेश्याम मिश्र, पेज–61

133. (C) 134. (B) 135. (A) 136. (B) 137. (C) 138. (B) 139. (A) 140. (B) 141. (B) 142. (D) 143. (A) 144. (D)

145. वह्निना सिञ्चतीति न वाक्यम् **BHU AET–2012**
(A) आकांक्षारहितत्वात् (B) योग्यताविरहात्
(C) तात्पर्याभावात् (D) आसक्तिरहितत्वात्
स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज-24

146. निम्नलिखित में से कौन संस्कृत समीक्षा पद्धति से सम्बन्धित नहीं है? **UP PGT (H)–2004**
(A) रस (B) अलङ्कार
(C) ध्वनि (D) शैली विज्ञान
स्रोत–

147. गतोऽस्तमर्कः भातीन्दुः, वासाय यान्ति पक्षिणः इत्यादिकं किम्? **DSSSB PGT–2014**
(A) अकाव्यम् (B) काव्यम्
(C) चित्रकाव्यम् (D) नव्यकाव्यम्
स्रोत–रसगंगाधर - मदन मोहन झा, पेज–22

148. 'गद्यं पद्यं च मिश्रं च तत् त्रिधैव व्यवस्थितम्'– यह कथन है– **UGC 73 J–2015**
(A) दण्डी का (B) वामन का
(C) रुद्रट का (D) भरत का
स्रोत–काव्यादर्श (1/11) - श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज-14

149. काकुदमित्यत्र काकुशब्देनाभिप्रेतं किम्? **UGC 25 S–2013**
(A) लक्ष्यार्थः (B) व्यङ्ग्यम्
(C) जिह्वा (D) ध्वनिः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-135

150. 'एको न द्वावितिव्यवहारस्येव श्लोकवाक्यं न काव्यम्। इति व्यवहारस्यापत्तेः' – कस्य मतस्य खण्डनावसरे वाक्यमिदं रसगङ्गाधरे वर्तते? **MH SET–2013**
(A) विश्वनाथस्य (B) मम्मटस्य
(C) अप्पयदीक्षितस्य (D) आनन्दवर्धनस्य
स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, पेज–19

151. निःशेषच्युतचन्दनं .... इति श्लोकव्याख्याने कस्य मतस्य खण्डनं पण्डितराजेन क्रियते? **KL SET–2014**
(A) मम्मटस्य (B) विश्वनाथस्य
(C) महिमभट्टस्य (D) अप्पयदीक्षितस्य
स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, पेज–51

152. रसगङ्गाधरे काव्यलक्षणमस्ति– **T SET–2013**
(A) तददोषौ शब्दार्थौ काव्यम्
(B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(C) गुणालङ्काररसान्वितः काव्यम्
(D) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
स्रोत–रसगंगाधर (1/1) - मदनमोहन झा, पेज-10

153. पण्डितराजस्य मते अधमकाव्ये कस्य प्राधान्यम्– **KL SET–2016**
(A) अर्थचमत्कृतेः (B) शब्दचमत्कृतेः
(C) चित्रचमत्कृतेः (D) शब्दार्थचमत्कृतेः
स्रोत–रसगंगाधर- मदनमोहन झा, पेज-78

154. 'विभावादयस्त्रयः समुदिता रसाः' इति रसगङ्गाधरे कतमं मतम्– **KL SET–2016**
(A) नवमम् (B) सप्तमम्
(C) अष्टमम् (D) दशमम्
स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, पेज–126

155. रसविषये चिरन्तनानां पक्षः कस्य– **KL SET–2016**
(A) अभिनवगुप्तस्य (B) भट्टनायकस्य
(C) शङ्कुकस्य (D) लोल्लटस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–100

156. दण्डिना कतिगुणाः स्वीकृताः? **JNU M Phil/Ph. D–2014**
(A) एकादश (B) त्रयोदश
(C) दश (D) चतुर्दश
स्रोत–काव्यादर्श (1/42) -श्रीरामचन्द्र मिश्र, पेज-37

157. विश्वनाथ कविराज किसके लेखक नहीं हैं? **BHU MET–2016**
(A) साहित्यदर्पण (B) काव्यप्रकाशदर्पण
(C) चन्द्रकला (D) चन्द्रालोक
स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानी शंकर, भू0 पेज-III

158. संस्कृतसाहित्य के अनुसार निम्नलिखित में से क्या सत्य कथन है? **UGC 73 D–2015**
(A) शृङ्गारः-रसः (B) करुणः-दुःखम्
(C) वीरः-सैनिकः (D) हास्यः-स्वभावः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-97

159. सम्यक् मेलनं कर्तव्यम्– **JNU MET–2015**

ग्रन्थकाराः	ग्रन्थाः
(क) कुमारिलभट्टः	A. तन्त्रालोकः
(ख) अभिनवगुप्तः	B. तर्कसंग्रहः
(ग) अन्नम्भट्टः	C. माध्यमिककारिका
(घ) नागार्जुनः	D. श्लोकवार्त्तिकम्

	क	ख	ग	घ
(A)	D	A	B	C
(B)	A	B	C	D
(C)	B	A	C	D
(D)	A	C	B	D

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-805, 803, 802, 809

145. (B) 146. (D) 147. (C) 148. (A) 149. (C) 150. (B) 151. (A) 152. (D) 153. (B) 154. (B) 155. (D) 156. (C) 157. (D) 158. (A) 159. (A)

37 संस्कृत वाङ्मय के विविध प्रश्न

1. आरम्भिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है? UP PCS– 1999

(A) सिन्धु (B) सरस्वती
(C) शुतुद्रि (D) गङ्गा

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड), पेज-519

2. निम्नलिखित में से कौन सबसे प्राचीन वाद्ययन्त्र है? UP PCS– 1999

(A) सितार (B) तबला
(C) सरोद (D) वीणा

स्रोत–भारतीय संगीत का इतिहास - शरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे, पेज-379

3. उपनिषद्काल के राजा अश्वपति शासक थे– UP PCS– 1999

(A) काशी के (B) कैकेय के
(C) पाञ्चाल के (D) विदेह के

स्रोत–

4. शून्यता के सिद्धान्त का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक का नाम है– UP PCS– 1998

(A) नागार्जुन (B) नागसेन
(C) आनन्द (D) अश्वघोष

स्रोत–भारतीय दर्शन की रूपरेखा-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–126

5. 'उपनिषद्' का फारसी में अनुवाद किस मुगल सम्राट् के शासनकाल में हुआ? UP PCS– 1992

(A) शाहजहाँ (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) औरङ्गजेब

स्रोत–लूसेंट सामान्य ज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज-57

6. उत्तराखण्ड में द्वितीय राज्यभाषा का दर्जा किस भाषा को प्राप्त है? UK LWR– 2011

(A) उर्दू (B) संस्कृत
(C) अंग्रेजी (D) पंजाबी

स्रोत–

7. प्राचीन भारत का वह ग्रन्थ जिसका 15 भारतीय एवं चालीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ–RPCS– 1992

(A) हितोपदेश (B) पञ्चतन्त्रम्
(C) कथासरित्सागर (D) शाकुन्तलम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-580

8. भागवत धर्म के प्रवर्तक थे– RPCS– 1993

(A) जनक (B) कृष्ण
(C) याज्ञवल्क्य (D) सूरदास

स्रोत–श्रीमद्भागवद् महापुराण (खण्ड-2) (11.29.8), पेज-892

9. एकलव्य किस गुरु का स्वघोषित शिष्य था? MP PSC– 1996

(A) भीष्म (B) परशुराम
(C) बलराम (D) द्रोणाचार्य

स्रोत–महाभारत आदिपर्व (131/45), पेज-465

10. भागीरथी नदी निकलती है? Chh. PSC– 2010

(A) गंगोत्री से (B) गोमुख से
(C) मानसरोवर से (D) तपोवन से

स्रोत–लूसेंट सामान्य ज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज-177

11. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए? Chh. PSC– 2012

(क) नन्दी **1. दिव्य सफेद हाथी**
(ख) कल्पवृक्ष **2. पवित्र गाय**
(ग) ऐरावत **3. शिव का साँड़**
(घ) कामधेनु **4. स्वर्ग का वृक्ष**

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	1	2	4	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	1	4	2

स्रोत–

1. (A) 2. (D) 3. (B) 4. (A) 5. (A) 6. (B) 7. (B) 8. (B) 9. (D) 10. (B) 11. (A)

12. 'वन्दे मातरम्' गीत के रचनाकार थे? BPSC– 1992
(A) बंकिमचन्द्र चटर्जी (B) सरोजनी नायडू
(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर (D) जयशंकर प्रसाद
स्रोत–लूसेंट सामान्यज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज–296

13. 'सिर्र-ए-अकबर' इति रचना कस्य अस्ति? BHU AET– 2010
(A) अकबरस्य (B) दाराशिकोहस्य
(C) मुरादस्य (D) औरंगजेबस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज-246

14. स्वतन्त्रे भारते प्रथमा राष्ट्रिया शिक्षानीतिः कदा प्रभाविनी जाता? DL– 2015
(A) 1966 वर्षे (B) 1968 वर्षे
(C) 1979 वर्षे (D) 1955 वर्षे
स्रोत– गूगल सर्च

15. निम्नोल्लिखितेषु किं प्रक्षेपणयन्त्रं नास्ति? DL– 2015
(A) ग्रामोफोन (B) फिल्म-स्ट्रिप-प्रोजेक्टर
(C) स्टीरियोस्कोप (D) ओवरहेडप्रोजेक्टर
स्रोत–संस्कृत-शिक्षणम् - उमाशंकर झा, पेज-132

16. संस्कृत में पुष्पपुरी का अर्थ है– BHU MET– 2014
(A) पावापुरी (B) पाटलिपुत्र
(C) प्रयाग (D) नैमिषारण्य
स्रोत–(i) संस्कृत-हिन्दी-कोश-वामन शिवराम आप्टे, पेज–601
(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–411

17. कौन आधुनिक युग के कवि नहीं है? BHU MET– 2010
(A) रेवाप्रसाद द्विवेदी (B) राधावल्लभ त्रिपाठी
(C) भट्टनारायण (D) राजेन्द्र मिश्र
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-382

18. आधुनिक युग के कवि कौन हैं? BHU MET– 2008
(A) शूद्रक (B) माघ
(C) भास (D) रामावतार शर्मा
संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास-राधाबल्लभ त्रिपाठी, पेज–440

19. महिषासुरमर्दिनी कथ्यते। AWES TGT– 2010, 2013
(A) चण्डिका (B) दुर्गा
(C) कराली (D) लक्ष्मी
स्रोत–दुर्गासप्तशती (तृतीयोऽध्यायः)-गीताप्रेस, पेज–88

20. भारतीय संविधानस्य अष्टम्याम् अंकिताः कति भाषाः सन्ति? JNU MET– 2014
(A) 21 (B) 22
(C) 14 (D) 23
स्रोत–लूसेंट सामान्यज्ञान-सुनील कुमार सिंह, पेज–252

21. संस्कृत-हिन्दी-मशीनानुवादे कस्य कोशस्य आवश्यकता भविष्यति? JNU-MET– 2014
(A) संस्कृत-हिन्दी (B) हिन्दी-संस्कृत
(C) संस्कृत-संस्कृत (D) न कोऽपि
स्रोत–

22. प्राचीनभारतीयशास्त्रेषु क्रियाकल्पनाम्ना प्रथितं शास्त्रम्? JNU MET– 2014
(A) ज्योतिषशास्त्रम् (B) कर्मकाण्डम्
(C) काव्यशास्त्रम् (D) गणितशास्त्रम्
स्रोत–संस्कृत-हिन्दी-कोश-वामन शिवराम आप्टे, पेज–143

23. 'आततायिनः' इत्यस्य कोऽर्थः DSSSB PGT– 2014
(A) बान्धवाः (B) प्रियाः
(C) हन्तुमुद्यता (D) आयुधहस्ताः
स्रोत–

24. अमरकोशस्य नामान्तरं किम्? DSSSB PGT– 2014
(A) नामार्थानुशासनम् (B) अर्थलिङ्गानुशासनम्
(C) नामलिङ्गानुशासनम् (D) शब्दलिङ्गानुशासनम्
स्रोत–अमरकोश - मन्नालाल अभिमन्यु ,भू0 पेज-5

25. एषा ललितकला न अस्ति– AWES TGT– 2010, 2011
(A) काष्ठकला (B) साहित्यम्
(C) चित्रम् (D) संगीतम्
स्रोत–

26. सम्यग्ज्ञानवान् शरीरं........इव धारयति? UGC 25 J– 2008
(A) मूढवत् (B) चक्रभ्रमिवत्
(C) जडवत् (D) पिशाचवत्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.67)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-334

12. (A)	13. (B)	14. (B)	15. (A)	16. (B)	17. (C)	18. (D)	19. (B)	20. (B)	21. (*)
22. (*)	23. (C)	24. (C)	25. (A)	26. (B)					

27. ''अलवर्ट वेबर'' वैदिक (विद्वान्) था– BHU MET–2015
(A) अमेरिका का (B) जर्मनी का
(C) फ्रांस का (D) भारत का
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–400

28. कालः कस्य आयुः प्रमाणं गणयति? C–TET – 2014
(A) पूर्णिमायाः (B) विकासस्य
(C) जगतः (D) उत्पत्तेः
स्रोत–

29. सूर्यस्य गतिः कतिविधा? C–TET – 2014
(A) चतुर्धा (B) बहुधा
(C) त्रिधा (D) द्विधा
स्रोत–

30. प्रत्येकम् अयनस्य अवधिः कियान्? C–TET – 2014
(A) चतुर्मासाः (B) षण्मासाः
(C) पञ्चमासाः (D) सप्तमासाः
स्रोत–भारतीयशास्त्र और शास्त्रकार - मृदुला त्रिपाठी, पेज–131

31. भारतीयमासां नामानि कैः सम्बद्धानि? C–TET – 2014
(A) नक्षत्रनामाभिः (B) देवैः
(C) ब्रह्मणा (D) देशैः
स्रोत–भारतीयशास्त्र और शास्त्रकार - मृदुला त्रिपाठी, पेज–132

32. 'पुष्पधन्वा' किसे कहा जाता है? UP TGT–2013
(A) विष्णु (B) ब्रह्मा
(C) इन्द्र (D) कामदेव
स्रोत–संस्कृत हिन्दी शब्दकोश-वामन शिवराम आप्टे, पेज-627

33. गङ्गा का एक नाम है? UP TGT H–2010
(A) हंससुता (B) सुरसर
(C) विष्णुपदी (D) धेनुमती
स्रोत–

34. ह्वेनसाङ्गः कुत्र अधीतवान्? HE–2015
(A) वलभीविश्वविद्यालये (B) तक्षशिलाविश्वविद्यालये
(C) विक्रमशिलाविद्यालये (D) नालन्दाविश्वद्यालये
स्रोत–लूसेन्ट सामान्यज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज-3

35. चरकसुश्रुतयोः योगदानं कस्मिन् शास्त्रे अस्ति? C-TET–2013
(A) चिकित्साशास्त्रे (B) सङ्गीतशास्त्रे
(C) काव्यशास्त्रे (D) विमानशास्त्रे
स्रोत–भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार-गिरिजाशंकर शास्त्री, पेज-103-114

36. आर्यभट्टस्य योगदानं कस्मिन् शास्त्रे अस्ति– C–TET–2013
(A) समाजशास्त्रे (B) वास्तुशास्त्रे
(C) गणितशास्त्रे (D) चिकित्साशास्त्रे
स्रोत–भारतीय शास्त्र और शास्त्रकार-गिरिजा शंकर शास्त्री,पेज-151

37. अद्यत्वे संस्कृतभाषा कस्य कृते समुपयुक्ता भाषा मन्यते? C TET–2013
(A) गणितस्य (B) खगोलविज्ञानस्य
(C) विमानशास्त्रस्य (D) सङ्गणकस्य
स्रोत–

38. किसके ग्रन्थ में 'चन्द्रगुप्त मौर्य' का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है? BPSC–2003
(A) भास (B) शूद्रक
(C) विशाखदत्त (D) अश्वघोष
स्रोत–मुद्राराक्षसम् - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0 पेज-10

39. रसायनः कः आसीत्? HE–2015
(A) वटुः (B) हर्षस्य सुहृद्
(C) वैद्यकुमारकः (D) कञ्चुकी
स्रोत–हर्षचरितम् - शिवनाथ पाण्डेय, पेज-67

40. निम्नाङ्कित में से किसकी तुलना मैकियावेली के 'प्रिंस' से की जा सकती है? UP PCS–1994
(A) कालिदास का 'मालविकाग्निमित्रम्'
(B) कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र'
(C) वात्स्यायन का 'कामसूत्र'
(D) तिरुवल्लुवर का 'तिरुक्कुरल'
स्रोत–

41. कस्मिन् मासे अक्षयतृतीया? BHU AET–2010
(A) माघे (B) चैत्रे
(C) फाल्गुने (D) वैशाखे
स्रोत–धर्मसिन्धु - रविदत्त शास्त्री, पेज–67-68

27. (B)	28. (*)	29. (D)	30. (B)	31. (A)	32. (D)	33. (C)	34. (D)	35. (A)	36. (C)
37. (D)	38. (C)	39. (C)	40. (B)	41. (D)					

42. नागपञ्चमी कस्मिन् मासे भवति? BHU AET-2010
(A) आषाढे (B) श्रावणे
(C) भाद्रपदे (D) माघे
स्रोत-धर्मसिन्धु - रविदत्त शास्त्री, पेज-86

43. वृद्धिश्राद्धं कीदृशं भवति- UGC 73 Jn-2017
(A) नित्यम् (B) पार्वणम्
(C) नैमित्तिकम् (D) साम्वत्सरिकम्
स्रोत-निर्णयसिन्धु-व्रजरत्न भट्टाचार्य, पेज-825

44. अवकीर्णी - इत्यस्य कोऽर्थः? UGC 73 Jn-2017
(A) ब्रह्मचारी (B) नैष्ठिकब्रह्मचारी
(C) व्रतभ्रष्टब्रह्मचारी (D) उपकुर्वाणब्रह्मचारी
स्रोत-संस्कृत हिन्दीकोश- वामन शिवराम आप्टे - पेज-105

45. रामनवमी कस्मिन् मासे भवति? BHU AET-2010
(A) चैत्रमासे (B) वैशाखमासे
(C) कार्त्तिकमासे (D) फाल्गुनमासे

46. परशुरामजयन्ती कदा पाल्यते? BHU AET-2010
(A) चैत्रशुक्लनवम्याम् (B) वैशाखशुक्लतृतीयायाम्
(C) भाद्रशुक्लचतुर्दश्याम् (D) कार्त्तिकपूर्णिमायाम्
स्रोत-धर्मसिन्धु - रविदत्त शास्त्री, पेज-67-69

47. माघशुक्लपञ्चम्यां का पूज्यते? BHU AET-2010
(A) लक्ष्मीः (B) सरस्वती
(C) दुर्गा (D) महाकाली
स्रोत-वाल्मीकिरामायण-गीताप्रेस (खण्ड-1) कोड-75, पेज-69

48. वासुदेवः कस्य पुत्रः? BHU AET-2012
(A) व्यासस्य (B) शूरस्य
(C) देवकस्य (D) वसुदेवस्य
स्रोत-श्रीमद्भागवद्महापुराण (खण्ड-2) (10/8/14) पेज-169

49. देवर्षिः कः? BHU AET-2012
(A) व्यासः (B) नारदः
(C) शुकः (D) सूतः
स्रोत-श्रीमद्भागवद् महापुराण (खण्ड-1) (1.3.8) पेज-89

50. नारदाय वीणा केन दत्ता?
(A) देवेन श्रीकृष्णेन (B) भगवता शिवेन
(C) देव्या सरस्वत्या (D) भगवत्या गायत्र्या
स्रोत-श्रीमद्भागवद् महापुराण (खण्ड-1) (1.6.33) पेज-106

51. वामनः कं भूमिम् अयाचत? BHU AET-2012
(A) इन्द्रम् (B) बलिम्
(C) कुबेरम् (D) रघुम्
स्रोत-श्रीमद्भागवद्महापुराण (खण्ड-1) (8.19.16) पेज-994

52. वामनः कति पदानि भूमिम् अयाचत्? BHU AET-2012
(A) त्रीणि पदानि (B) पञ्च पदानि
(C) षट् पदानि (D) अष्टौ पदानि
स्रोत-श्रीमद्भागवद्महापुराण (खण्ड-1) (8.19.16) पेज-994

53. कौमोदिकी कस्य गदा? BHU AET-2012
(A) भीमस्य (B) बलदेवस्य
(C) विष्णोः (D) दुर्योधनस्य
स्रोत-अमरकोश - श्रीमन्नालाल 'अभिमन्यु', पेज-5

54. होलिका कदा पाल्यते? BHU AET-2011
(A) मार्गशीर्षपूर्णिमायाम् (B) माघपूर्णिमायाम्
(C) फाल्गुनपूर्णिमायाम् (D) चैत्रपूर्णिमायाम्
स्रोत-धर्मसिन्धु - रविदत्त शास्त्री, पेज-195

55. नवरात्रारम्भः कदा भवति? BHU AET-2011
(A) आषाढशुक्लप्रतिपदि (B) भाद्रशुक्लप्रतिपदि
(C) आश्विनशुक्लप्रतिपदि (D) कार्त्तिकशुक्लप्रतिपदि
स्रोत-धर्मसिन्धु - रविदत्त शास्त्री, पेज-129

56. प्राचीन काल में कौन-सा नगर शिक्षा केन्द्र के रूप में विख्यात था? BHU AET-2012
(A) नागपुर (B) इलाहाबाद
(C) तक्षशिला (D) इन्द्रप्रस्थ
स्रोत-

42. (B) 43. (A) 44. (C) 45. (A) 46. (B) 47. (B) 48. (D) 49. (B) 50. (A) 51. (B)
52. (A) 53. (C) 54. (C) 55. (C) 56. (C)

57. सुमेलित कीजिये? UP PCS– 2003

(अ) चन्द्रगुप्त	**1. प्रियदर्शी**		
(ब) बिन्दुसार	**2. सेन्ड्रोकोट्टस**		
(स) अशोक	**3. अमित्रघाट**		
(द) चाणक्य	**4. विष्णुगुप्त**		

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	1	3	2	4
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	2	1

स्रोत–(i) लूसेंट सामान्यज्ञान-सुनीलकुमार सिंह, पेज–17, 18
(ii) प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख-परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज–9

58. सूची I तथा सूची II को सुमेलित कीजिए– UP PCS– 2000

(अ) प्रद्योत	**1. मगध**
(ब) उदयन	**2. वत्स**
(स) प्रसेनजित	**3. अवन्ति**
(द) अजातशत्रु	**4. कोसल**

	अ	ब	स	द
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	2	4	1
(D)	4	1	3	2

स्रोत– (i) मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, पेज, अ,ब-112,113
(i) लूसेंट सामान्यज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज– द-16, स-16

59. 'पौगण्डः' इत्यस्य कोऽर्थः? UGC 73 Jn–2017

(A) धनस्वामी (B) षोडशवर्षीयः
(C) न्यूनषोडशवर्षीयः (D) अष्टादशवर्षीयः

स्रोत–

60. चतुर्विंशतिहोरात्मकं संस्कृतरेडियोप्रसारणं करोति– DU M.Phil–2016

(A) केरलस्था चिन्मयमिशनफाउण्डेशनसंस्था
(B) हरिद्वारस्थं पतञ्जलियोगपीठम्
(C) पुड्डुचेरीस्था अरविन्दाश्रमसंस्था
(D) दिल्लीस्थं राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

स्रोत–संस्कृत हिन्दी शब्दकोश- उमाप्रसाद पाण्डेय, पेज-579

61. षोडशं विश्वसंस्कृतसम्मेलनं समायोजितम्– DU M.Phil–2016

(A) दिल्लीनगरे (B) बैंकाकनगरे
(C) पेरिसनगरे (D) कोहिमानगरे

स्रोत– गूगल सर्च

62. 'मल्लनागघटितकान्तारसामोद इव विन्यासः' इत्यस्मिन् वाक्यांशे संकेतोऽस्ति– DU M.Phil–2016

(A) कामसूत्रस्य (B) रससूत्रस्य
(C) रसायनसूत्रस्य (D) ब्रह्मसूत्रस्य

स्रोत–

63. 2015 वर्षे 'पद्मविभूषणम्' इति पुरस्कारेण कः संस्कृतकविः सम्मानितः? JNU M. Phil/Ph. D–2015

(A) रमाकान्तशुक्लः (B) रामकरणशर्मा
(C) रामभद्राचार्यः (D) सत्यव्रतशास्त्री

स्रोत–

64. विश्वकर्मा माने जाते हैं– BHU MET– 2015

(A) कथाकार (B) गद्यकार
(C) पद्यकाव्यकार (D) शिल्पशास्त्र के उपदेशक

स्रोत–नाट्यशास्त्र (द्वितीयोऽध्याय)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–126-138

65. महान् गीता का प्रथम उपदेश जिस भगवान् ने दिया था, वह थे– BHU MET– 2015

(A) याज्ञवल्क्य (B) मनु
(C) विवस्वान् (D) नारद

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (4/1)-कृष्णकृपा श्रीमूर्ति, पेज–144

66. 'मत्स्यावतारस्य' उत्पत्ति अभवत्– AWES TGT– 2011, 2010

(A) वराहावतारस्य पश्चात् (B) जलप्रलयस्य पश्चात्
(C) रामावतारस्य पश्चात् (D) बुद्धावतारस्य पश्चात्

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज–173

67. इन्द्रस्य पत्नी का– AWES TGT– 2012

(A) इन्द्रा (B) इन्दिरा
(C) इन्द्राणी (D) इन्द्रयली

स्रोत–ऋक्-सूक्त-संग्रह - हरिदत्त शास्त्री, भू0पेज–11

57. (C) 58. (C) 59. (C) 60. (C) 61. (B) 62. (A) 63. (C) 64. (D) 65. (C) 66. (A) 67. (C)

68. भारते लेखनकलायाः आरम्भः– UK SLET– 2012
(A) 400 ईसा पूर्वम् (B) 200 ईसा पूर्वम्
(C) 500 ईसा पूर्वम् (D) 600 ईसा पूर्वम्
स्रोत–

69. लिच्छवि कुलदौहित्रत्वेन वर्णितः– UK SLET– 2012
(A) समुद्रगुप्तः (B) चाणक्यः
(C) स्कन्दगुप्तः (D) चन्द्रगुप्तः
स्रोत–प्राचीन भारत का इतिहास-सौरभ चौबे, पेज–265

70. अमरकोशे कति काण्डाः सन्ति?
JNU M.Phil/Ph. D–2015
(A) 7 (B) 2
(C) 3 (D) 4
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–601

71. अस्माकं राष्ट्रस्य ध्येयवाक्यम्.....अस्ति–
AWES TGT– 2010
(A) वन्दे मातरम् (B) सत्यमेव जयते
(C) सर्वे भवन्तु सुखिनः (D) अद्य धर्मम् अस्तु
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-601

72. भिन्नं पदं चिनुत– AWES TGT– 2010
(A) ज्ञातवान् (B) चिन्तितवान्
(C) धनवान् (D) कारितवान्
स्रोत–

73. (A) संस्कृतम् (B) देवनागरी
(C) हिन्दी (D) मराठा
AWES TGT– 2010
स्रोत–

74. (A) केशवः (B) माधवः
(C) मधुकरः (D) गार्गी
AWES TGT– 2010
स्रोत–

75. रङ्गनाथः कस्य देवस्य वाचकः– AWES TGT– 2010
(A) ब्रह्मणः (B) गणेशस्य
(C) विष्णोः (D) शिवस्य
स्रोत–नित्यकर्म पूजा प्रकाश-लालबिहारी मिश्र, पेज–20

76. धर्मादि पुरुषार्थ से क्या तात्पर्य है? H–TET– 2014
(A) धर्म, अधर्म, ज्ञान, मोक्ष (B) धृति, क्षमा, दम, अस्तेय
(C) धर्म, अहिंसा, सत्य, मोक्ष (D) धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-वाचस्पति गैरोला, पेज–337

77. भारतीय महीनों के नाम किनसे सम्बद्ध है?
H–TET– 2014
(A) राशियों से (B) नक्षत्रों से
(C) तिथियों से (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति-वीरेन्द्र कुमार सिंह, पेज-53

78. ग्रन्थादौ कृतस्य मङ्गलस्य फलं किम्–
BHU AET– 2011
(A) दुःखनिवृत्तिः (B) ग्रन्थसमाप्तिः
(C) पुण्योत्पत्तिः (D) अपूर्वोत्पत्तिः
स्रोत–नैषधमहाकाव्यम् - देवनारायण मिश्र, पेज–32

79. निम्नलिखित में से कौन गुप्तकाल में अपना आयुर्विज्ञान विषयक रचना के लिए जाना जाता है– IAS– 1996
(A) सौमिल्ल (B) शूद्रक
(C) शौनक (D) सुश्रुत
स्रोत–प्राचीन भारत का इतिहास-सौरभ चौबे, पेज–295

80. प्राचीनकाले वेदाध्ययनं.......भवति स्म?
BHU B.Ed– 2015
(A) गृहेषु (B) मन्दिरेषु
(C) गुरुकुलेषु (D) ग्रामेषु
स्रोत–

81. मिलान कीजिये– I.A.S.– 1996
(क) विशाखदत्त 1. चिकित्सा
(ख) वराहमिहिर 2. नाटक
(ग) चरक 3. खगोलविज्ञान
(घ) ब्रह्मगुप्त 4. गणित

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज– A-501, B-605, C-598, D-606

82. दस अवतारों में गणना नहीं होती है?
UGC– 73 J– 2015
(A) कच्छप (B) गणेश
(C) राम (D) मत्स्य
स्रोत–पुराण विमर्श-बलदेव उपाध्याय, पेज–173

68. (A) 69. (C) 70. (C) 71. (B) 72. (C) 73. (B) 74. (D) 75. (C) 76. (D) 77. (A)
78. (B) 79. (D) 80. (C) 81. (C) 82. (B)

83. ख्रीष्टधर्मग्रन्थस्य 'न्यूटेस्टामेण्ट' (बाइबल) इत्यस्य संस्कृतभाषायां 'यीशुचरितम्' इति नाम्नाऽनुवादोऽकारि– DU M.Phil–2016

(A) वनेश्वरपाठकेन (B) परमानन्दपण्डितेन
(C) बसन्तगाडगिलेन (D) श्रीधरभास्करवर्णेकरेण

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), पेज-13

84. 'साहित्य-अकादम्या 2014 तमस्य ख्रीष्टाब्दस्य कृते पुरस्कृतायाः कनकलोचनम्' इति रचनायाः प्रणेताऽस्ति– DU M.Phil–2016

(A) प्रभुनाथ द्विवेदी (B) हर्षदेवमाधवः
(C) हरिरामाचार्यः (D) एस0 सुब्बारावः

स्रोत– गूगल सर्च

85. 'वन्दे मातरम्' इति राष्ट्रगीतम् उद्धृतमस्ति? DU M.Phil–2016

(A) अथर्ववेदात् (B) विष्णुपुराणात्
(C) गीताञ्जलेः (D) आनन्दमठात्

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), भू0 पेज-14,34

86. 2016 तमे ख्रीष्टाब्दे पद्मभूषणसम्मानेन सम्मानितः संस्कृत विद्वान् अस्ति– DU M.Phil–2016

(A) श्रीकृष्णस्वामी (B) रामानुजताताचार्यः
(C) शिवकुमारचट्टोपाध्यायः (D) वसन्तशास्त्री

स्रोत–गूगल सर्च

87. दूरदर्शनवार्त्ताप्रभागतः प्रसारितस्य 'वार्तावली' इत्यस्य संस्कृतकार्यक्रमस्य शुभारम्भोऽभूत– DU M.Phil–2016

(A) पञ्चदशाधिकद्विसहस्रतमे वर्षे जूनमासतः
(B) पञ्चदशाधिकद्विसहस्रतमे वर्षे जुलाईमासतः
(C) पञ्चदशाधिकद्विसहस्रतमे वर्षे जूनमासतः
(D) पञ्चदशाधिकद्विसहस्रतमे वर्षे दिसम्बरमासतः

स्रोत–गूगल सर्च

88. संस्कृतपाण्डुलिपीनां संग्रहार्थं शोधार्थं च प्रसिद्धं श्रीरणवीरशोधसंस्थानं स्थितमस्ति? DU M.Phil–2016

(A) पुणेनगरे (B) जम्मूनगरे
(C) बडौदानगरे (D) मुम्बईनगरे

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-3) भू0 पेज–25

89. गोदावरी कस्मात् प्रदेशात् निर्गता? CVVET–2015

(A) कालिन्दगिरेः (B) नीलगिरेः
(C) नासिकात्र्यम्बकात् (D) हेमकूटात्

लूसेन्ट सामान्यज्ञान-सुनील कुमार सिंह, पेज–176

90. 'नैमिषारण्यं' कस्मिन् राज्ये वर्तते? CVVET–2015

(A) उत्तराखण्डे (B) हरियाणाराज्ये
(C) महाराष्ट्रे (D) उत्तरप्रदेशे

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–148

91. भारतसर्वकारस्य दैनन्दिनीम् अनुसरति– CVVET–2015

(A) आङ्ग्लकालगणनाम् (B) विक्रमकालगणनाम्
(C) दिल्लीकालगणनाम् (D) शककालगणनाम्

स्रोत–लूसेन्ट सामान्यज्ञान - सुनील कुमार सिंह, पेज–257

92. शिवोपदिष्ट सूत्रों का अपर नाम है? UGC 73 D–2015

(A) शिवोपनिषत्संग्रहः (B) शिवव्याप्तिः
(C) साम्भवसमावेशः (D) शिवपुराणम्

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13), पेज–110-114

93. शिवदृष्टि नामक ग्रन्थ में श्लोको की संख्या है? UGC 73 D–2015

(A) 650 (B) 700
(C) 500 (D) 450

स्रोत–शिवदृष्टि - राधेश्याम चतुर्वेदी, पेज–1-298

94. इनमें से किस आयुर्वेदाचार्य ने तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी? UP PCS–2015

(A) धन्वन्तरि (B) वाग्भट
(C) चरक (D) जीवक

स्रोत–भारतीयशास्त्र और शास्त्रकार - मृदुला त्रिपाठी, पेज–95

95. पुलकेशिन के ऐहोल अभिलेख के लेखक रविकीर्ति ने स्वयं को निम्नांकित लेखकों के बराबर माना जाता है? UGC 06 D–2014

(1) बाणभट्ट (2) कालिदास
(3) भास (4) भारवि
(A) 1 और 3 (B) 2 और 4
(C) 2 और 3 (D) केवल 4

स्रोत–प्राचीन भारत का इतिहास - सौरभ चौबे, पेज–30

83. (A) 84. (A) 85. (D) 86. (B) 87. (A) 88. (B) 89. (C) 90. (D) 91. (D) 92. (D) 93. (B) 94. (C) 95. (B)

96. संस्कृत पत्रकारिता हेतु 'नारदपुरस्कार' कौन प्रदान करता है? BHU MET–2016

(A) दिल्ली संस्कृत अकादमी (B) उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान
(C) राजस्थान संस्कृत अकादमी (D) कालिदास अकादमी

स्रोत–गूगल सर्च

97. संस्कृत हेतु 'खानखाना' पुरस्कार कौन प्रदान करता है? BHU MET–2016

(A) कालिदास अकादमी (B) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान
(C) दिल्ली संस्कृत अकादमी (D) जम्मू कश्मीर संस्कृत संस्थान

स्रोत–गूगल सर्च

98. 'स्वरमङ्गला' संस्कृत पत्रिका है? BHU MET–2016

(A) राजस्थान संस्कृत अकादमी की
(B) दिल्ली संस्कृत अकादमी की
(C) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की
(D) हरियाणा संस्कृत अकादमी की

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), भू0 पेज-20

96. (B) 97. (C) 98. (A)



भाग-2

भारतीयदर्शन



01 सांख्यकारिका

1. **(i) सांख्यदर्शन के प्रणेता मुनि हैं– UP PGT–2005**
   (ii) सांख्यदर्शन के प्रवर्तक हैं– BHU-B.Ed–2014
   (iii) सांख्यदर्शन के जनक? BHU MET–2008, 2010, 2013,
   (iv) 'सांख्यशास्त्रस्य' प्रवर्तकः कः अस्ति–DSSSB PGT–2014
   (v) सांख्यदर्शनस्य आद्यप्रवर्तक कः? BHU AET–2011, UP PGT–2005, UGC–73 J–2015, K-SET–2014, UGC 06 D–2006, UGC D–2007, J–2009, RPSC SET–2010, GJ-SET–2003
   (A) भारद्वाजमुनिः (B) कपिलमुनिः
   (C) बादरायणमुनिः (D) भौमिकमुनिः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 24

2. **(i) सांख्यकारिकायाः कर्तुः नाम अस्ति–**
   (ii) 'सांख्यकारिका' के लेखक/रचयिता/कारिकाकार/ रचनाकार कौन हैं– GJ SET–2007, 2004
   (iii) सांख्यसार ग्रन्थ के कर्ता हैं– UP PGT-2000, 2009
   (iv) सांख्यकारिकायाः कर्ता विद्यते? BHU MET-2010, UGC 73 J–2016, BHU AET–2010, 2011, G GIC–2015
   (A) कपिल (B) वाचस्पतिमिश्र
   (C) गौडपाद (D) ईश्वरकृष्ण

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 31

3. **सांख्यदर्शन, योगदर्शन से किस विषय में भिन्न होता है– UGC-73 J–2010**
   (A) तत्त्वविषय में (B) प्रमाणविषय में
   (C) पुरुषविषय में (D) ईश्वरविषय में

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 14

4. **गौडपादभाष्य जिस पर है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2010, 2014**
   (A) तर्कसंग्रह (B) वेदान्तदर्शन
   (C) सांख्यकारिका (D) मीमांसादर्शन

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 33

5. **सांख्यकारिकासु छन्दः– BHU AET–2011**
   (A) अनुष्टुप् (B) आर्या
   (C) उपजातिः (D) वसन्ततिलका

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

6. **(i) 'सांख्य' के प्रथम आचार्य कौन हैं–**
   (ii) सांख्यशास्त्रस्य प्रथमः प्रवक्ता कः अस्ति– BHU AET–2010, 2011
   (A) कपिलः (B) व्यासः
   (C) आसुरिः (D) पञ्चशिखः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 25

7. **(i) 'षष्टितन्त्रं' किम्– UGC-25 J–2013, BHUMET–2016**
   (ii) 'षष्टितन्त्र' शब्द किससे सम्बद्ध है?
   (A) न्यायम् (B) वैशेषिकम्
   (C) सांख्यम् (D) वेदान्तम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 25

8. **(i) 'सांख्य-प्रवचनभाष्य' के कर्ता/प्रणेता कौन हैं–**
   (ii) सांख्यप्रवचनभाष्य के रचयिता हैं– UGC-73 D–1994, 1998, 1999, BHU MET–2015
   (A) विज्ञानभिक्षु (B) शङ्कराचार्य
   (C) पञ्चशिख (D) उत्पलाचार्य

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

9. **महर्षिकपिलः कस्य दर्शनस्य प्रतिपादकः अस्ति– AWES TGT–2010**
   (A) न्यायस्य (B) सांख्यस्य
   (C) योगस्य (D) वेदान्तस्य

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 19

10. **सांख्यसूत्राणां रचयिता कः? BHU- Sh.ET.–2011**
    (A) कपिलः (B) पञ्चशिखः
    (C) आसुरिः (D) पतञ्जलिः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 25

1. (B)	2. (D)	3. (D)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (C)	8. (A)	9. (B)	10. (A)

11. सांख्यदर्शन कहा जाता है– UP PGT–2013

(A) अद्वैतवादी (B) त्रैतवादी

(C) द्वैताद्वैतवादी (D) द्वैतवादी

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 139/140

12. निम्नलिखित में से कौन भारतीय दर्शन की आरम्भिक विचारधारा है– UP PCS–1994, 1991

(A) सांख्य (B) वैशेषिक

(C) कर्ममीमांसा (D) योग

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू० पृष्ठ- 16

13. सांख्यकारिका की रचना का उद्देश्य है– BHU AET–2010

(A) दुःख-प्राप्ति के उपाय का वर्णन

(B) दुःखनिवृत्ति के उपाय का वर्णन

(C) इहलौकिक सुख के उपाय का वर्णन

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-1) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 01

14. निम्नलिखित में से कौन सांख्य का आचार्य नहीं है– BHU AET–2010

(A) कपिल (B) आसुरि

(C) ईश्वरकृष्ण (D) व्यास

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 30

15. (i) ईश्वरकृष्ण किस दर्शन से सम्बन्धित हैं

(ii) ईश्वरकृष्ण का सम्बन्ध किस दर्शन से है– BHU AET–2010, 2011

(A) न्याय (B) सांख्य

(C) वैशेषिक (D) योग

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 29

16. ईश्वरकृष्ण का समय क्या माना गया है– BHU AET–2010

(A) 300 ई० (B) 500 ई०

(C) 600 ई० (D) 400 ई०

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 140

नोट– ईश्वरकृष्ण के समय के विषय में विद्वानों में मतभेद है।

17. (i) 'सांख्यकारिका' के चीनी अनुवाद का क्या नाम है–

(ii) सांख्यकारिकायाः अपरं नाम अस्ति– BHU AET–2010, GJ SET–2013

(A) सुवर्णसप्ततिः (B) रजतसप्ततिः

(C) ताम्रसप्ततिः (D) लौहसप्ततिः

स्रोत–(I) सांख्यकारिका–राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

(II) सांख्यकारिका–सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xviii

18. (i) ईश्वरकृष्ण किस ग्रन्थ के लेखक हैं?

(ii) ईश्वरकृष्ण ने किस ग्रन्थ की रचना की है?

(iii) ईश्वरकृष्ण की रचना कौन-सी है–

(iv) ईश्वरकृष्णप्रणीतो ग्रन्थः .... वर्तते–

(v) ईश्वरकृष्णस्य का कृतिः वर्तते? BHU AET–2011, BHU MET–2008, UGC 73 J–2008, GJ SET–2011

(A) सांख्यतत्त्वकौमुदी (B) सांख्यकारिका

(C) न्यायमञ्जरी (D) सर्वदर्शनसंग्रह

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 31

19. सांख्य का आचार्य कौन नहीं हैं– BHU AET–2011

(A) कपिल (B) आसुरि

(C) पञ्चशिख (D) शङ्कर

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 30

20. प्रकृति-पुरुष की व्याख्या वाला दर्शन है– BHU MET–2015

(A) वेदान्त (B) सांख्य

(C) न्याय (D) मीमांसा

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 15

21. प्राचीन सांख्यदर्शन में किसका महत्त्वपूर्ण योगदान है– MP-PCS–1997

(A) कपिल का (B) गौतम का

(C) नागार्जुन का (D) चार्वाक का

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 30

22. निम्नाङ्कित में से कौन सांख्यकारिका से सम्बद्ध नहीं है? BHU MET–2016

(A) गौडपादभाष्य (B) सांख्यतत्त्वकौमुदी

(C) विषमस्थलटिप्पणी (D) भामती टीका

स्रोत–सांख्यकारिका–सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ-xviii/xix

11. (D) 12. (A) 13. (B) 14. (D) 15. (B) 16. (D) 17. (A) 18. (B) 19. (D) 20. (B) 21. (A) 22. (D)

23. (i) 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' के प्रणेता कौन हैं–
(ii) 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' के लेखक/रचयिता हैं?
(iii) 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' केन विरचिता? BHU MET–2011, 2012, BHU AET–2010, UGC 73 D–1996, 1997

(A) वाचस्पतिमिश्र (B) केशवमिश्र
(C) आद्याप्रसादमिश्र (D) कपिलमुनि

स्रोत–सांख्यकारिका – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xviii

24. 'सांख्यप्रवचनभाष्य' है– UGC-73 D–1996

(A) ईश्वरकृष्ण का (B) उत्पलदेव का
(C) वाचस्पतिमिश्र का (D) विज्ञानभिक्षु का

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

25. कपिलमुनि द्वारा प्रतिपादित दार्शनिक प्रणाली है– UP PCS–1998

(A) पूर्वमीमांसा (B) सांख्यदर्शन
(C) न्यायदर्शन (D) उत्तरमीमांसा

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 19

26. सांख्यसूत्रों के रचयिता कौन हैं– BHU MET–2009

(A) बादरायण (B) कपिल
(C) गौतम (D) कणाद

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 25

27. सांख्यकारिका के टीकाकार हैं– BHU AET–2010

(A) वाचस्पतिमिश्र (B) कपिल
(C) पाणिनि (D) मेधातिथि

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 35

28. वाचस्पतिमिश्र किस ग्रन्थ के टीकाकार हैं– BHU AET–2011

(A) सांख्यकारिका (B) मीमांसान्यायप्रकाश
(C) याज्ञवल्क्यस्मृति (D) मनुस्मृति

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 35

29. सांख्यकारिका ग्रन्थ का नामान्तर है–UGC–73 J–2015

(A) सांख्यसूत्रम् (B) सांख्यदर्शनम्
(C) सांख्यसप्तति: (D) प्रकृतिपुरुषसूत्रम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

30. सांख्यकारिका में कितनी कारिकायें हैं? UGC-73 J–2015

(A) 76 (B) 78
(C) 70 (D) 75

स्रोत–सांख्यकारिका – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xvii

31. (i) सांख्याभिमत में कितने तत्त्व 'प्रकृति और विकृति' हैं–
(ii) सांख्यमते प्रकृतिविकृतयः कति भवन्ति–
(iii) सांख्यदर्शन में प्रकृतिविकृति तत्त्व कितने हैं।
(iv) प्रकृतिविकृतयो भवन्ति– UP PGT–2000,
(v) प्रकृतिविकृत्यात्मकतत्त्वानि कति – BHU MET–2011, 2012 UGC-73 D–2005, UGC-25 D–2004, BHU AET–2011, K SET–2014

(A) तीन (3) (B) पाँच (5)
(C) सात (7) (D) ग्यारह (11)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

32. (i) 'सांख्यकारिका' में कुल कितने तत्त्वों का विवेचन हुआ है– UP PGT–2002, UGC-25 D–2014,
(ii) सांख्यदर्शने कति तत्त्वानि सन्ति–
(iii) सांख्यकारिकायां कति तत्त्वानि निरूपितानि–
(iv) सांख्य के अनुसार तत्त्वों की संख्या कितनी है–
(v) सांख्यैः स्वीकृतानि तत्त्वानि कति सन्ति– J–2000, 2004, 2012, 2014, UGC-73 D–2006, 2013 CVVET–2017, RPSC ग्रेड -I PGT–2014, BHU MET–2008, 2014, JNU MET–2015, K SET–2013, G GIC–2015

(A) पाँच (5) (B) दश (10)
(C) बीस (20) (D) पच्चीस (25)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

33. सांख्यदर्शने सूक्ष्मशरीरमस्ति– JNU-M Phil/Ph. D–2014

(A) षोडशतत्त्वानां समुदायः
(B) सप्तदशतत्त्वानां समुदायः
(C) अष्टादशतत्त्वानां समुदायः
(D) एकोनविंशतितत्त्वानां समुदायः

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-40)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-116, 117

23. (A) 24. (D) 25. (B) 26. (B) 27. (A) 28. (A) 29. (C) 30. (C) 31. (C) 32. (D) 33. (C)

34. (i) सांख्यदर्शन के मत से सूक्ष्मशरीर का निर्माण हुआ है–
(ii) सांख्यदर्शन के अनुसार सूक्ष्मशरीर में कितने अवयव हैं?
(iii) सूक्ष्मशरीर में कितने तत्त्वों का समुदाय है?
(iv) सांख्यदर्शने सूक्ष्मशरीरं कति तत्त्वात्मकम्?
(v) सांख्य मे सूक्ष्मशरीर की रचना में कितने अवयव हैं?
UP PGT–2004, 2011, UGC-25 J–2012, UGC 73 D–2015

(A) 17 तत्त्वों से (B) 20 तत्त्वों से
(C) 18 तत्त्वों से (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का-40)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 116

35. भावैरधिवासितं लिङ्गम् अस्यां कारिकायां प्रतिपादितम्– CCSUM-Ph.D–2016

(A) स्थूलशरीरस्य (B) सूक्ष्मशरीरस्य
(C) भावशरीरस्य (D) अण्डजशरीरस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-40)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 116

36. सांख्यदर्शन में मोक्ष कितने प्रकार का होता है– UGC 73 D–2005

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-68)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 173

37. सांख्यमत में मानुषक सर्ग हैं– UGC 73 J–2009

(A) नानाविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) एकविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-53)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 152

38. (i) करण कितने प्रकार के होते हैं UGC-73 J–2013,
(ii) सांख्यानुसार करण हैं– BHU AET–2010
(iii) सांख्यकारिकानुसारं करणं कतिविधम्? UGC 25 Jn–2017

(A) 13 (B) 14
(C) 16 (D) 20

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-32)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 98

39. (i) सांख्यदर्शने सिद्धिः कतिधा प्रदर्शिता–
(ii) सिद्धियों के कितने भेद हैं–
BHU AET–2010, 2011, UGC-73 J–1991

(A) अष्टधा (B) नवधा
(C) दशधा (D) एकादशधा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-47)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 134

40. अविद्यायाः कति भेदाः प्रदर्शिताः– BHU AET–2010, UGC-25 D–2001

(A) अष्ट (B) नव
(C) दश (D) एकादश

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

41. तमसः कति भेदाः प्रतिपादिताः– BHU AET–2010, 2011

(A) अष्ट (B) नव
(C) दश (D) एकादश

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

42. (i) तुष्टयः कतिविधाः– BHU AET–2010, 2011,
(ii) तुष्टिभेदाः सन्ति– UGC 25 D–2002,
(iii) तुष्टि के प्रकार हैं– J–2006

(A) नवविधाः (B) द्विविधाः
(C) त्रिविधाः (D) चतुर्विधाः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-47) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 134

43. (i) सांख्यकारिका मे तामिस्र के कितने भेद हैं?
(ii) तामिस्रः कतिधा– BHU AET–2010, 2011,
(iii) तामिस्रभेदाः सन्ति– BHU MET–2016

(A) सप्तदशधा (B) अष्टादशधा
(C) एकोनविंशतिधा (D) विंशतिधा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-48) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 135

44. (i) इन्द्रियों की संख्या कितनी है–
(ii) इन्द्रियवधाः कति– BHU AET–2010, 2011

(A) दश (B) एकादश
(C) द्वादश (D) त्रयोदश

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 78

45. आध्यात्मिक्यः तुष्टयः कति– BHU AET–2010

(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-50) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 143

46. बाह्याः तुष्टयः कति– BHU AET–2010

(A) द्वौ (B) त्रयः
(C) चत्वारः (D) पञ्च

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-50) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 143/144

34. (C) 35. (B) 36. (A) 37. (D) 38. (A) 39. (A) 40. (A) 41. (A) 42. (A) 43. (B) 44. (B) 45. (B) 46. (D)

47. पञ्चविंशति तत्त्वों की संख्या किस दर्शन में है– BHU MET–2010

(A) न्यायदर्शन (B) वेदान्तदर्शन
(C) सांख्यदर्शन (D) चार्वाकदर्शन

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

48. 'एवं तत्त्वाभ्यासान्नास्मि न मे नाहमित्यपरिशेषम्'– इत्यस्मिन् वाक्ये तत्त्वेति शब्दस्य अभिप्रायः– D.U-M. Phil–2016

(A) वेदार्थः (B) प्रधानम्
(C) पञ्चविंशतितत्त्वानि (D) मनस्तत्त्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-64) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 167

49. निम्नांकित तालिका-1 में सांख्यकारिका के अनुसार कुछ सम्प्रत्यय एवं तालिका-2 में उनके भेद अंकित हैं। उनकी सहायता से सही सुमेलित विकल्प चुनें– UP PGT–2005

तालिका-1	तालिका-2
(क) प्रकृतिः	(i) अनेकः
(ख) प्रकृति-विकृतिः	(ii) षोडश
(ग) विकृतिः	(iii) एकः
(घ) न प्रकृतिः न विकृतिः	(iv) सप्त

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

50. (i) सांख्यकारिका के अनुसार दुःख कितने हैं –
(ii) सांख्यमते दुःखम्– BHU AET–2011

(A) त्रिविधम् (B) द्विविधम्
(C) पञ्चविधम् (D) षड्विधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-1) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 1

51. 'व्यक्त'–शब्देन कियन्ति तत्त्वानि सांख्येऽभिप्रेतानि– BHU AET–2011

(A) एकविंशतिः (B) द्वाविंशतिः
(C) त्रयोविंशतिः (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

52. अव्यक्तशब्देन कतिविधं तत्त्वं सांख्येऽभिप्रेतम्– BHU AET–2011

(A) एकविधा (B) द्विविधा
(C) त्रिविधा (D) चतुर्विधा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

53. (i) केवलं विकारात्मकानि तत्त्वानि– BHU MET–2016
(ii) सांख्यदर्शन के अनुसार विकृति तत्त्व कितने हैं?
(iii) सांख्यमते विकृतयः कति सन्ति– BHU AET–2011, UGC-25 D–2004

(A) षोडश (B) सप्तदश
(C) अष्टादश (D) एकोनविंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

54. प्रकृतिविकृत्यनात्मकं तत्त्वम्– BHU AET–2011

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

55. बुद्धेः सात्त्विकं रूपं कतिविधम्– BHU AET–2011

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

56. ऐश्वर्यं कतिविधम्– BHU AET–2011

(A) सप्तविधम् (B) अष्टविधम्
(C) नवविधम् (D) दशविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 76

57. बुद्धेः तामसं रूपं कतिविधम्– BHU AET–2011

(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्
(C) षड्विधम् (D) सप्तविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

47. (C) 48. (C) 49. (C) 50. (A) 51. (C) 52. (A) 53. (A) 54. (A) 55. (C) 56. (B) 57. (A)

58. बुद्धीन्द्रियाणि– BHU AET–2011

(A) त्रीणि (03) (B) षट् (06)

(C) पञ्च (05) (D) अष्टौ (08)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-26) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 82

59. कर्मेन्द्रियाणि– BHU AET–2011

(A) पञ्च (05) (B) षट् (06)

(C) सप्त (07) (D) अष्टौ (08)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-26) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 82

60. विपर्ययभेदाः– BHU AET–2011

(A) पञ्च (05) (B) षट् (06)

(C) सप्त (07) (D) अष्टौ (08)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-47) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 134

61. अशक्तिभेदाः– BHU AET–2011

(A) पञ्चविंशतिः (25) (B) षड्विंशतिः (26)

(C) सप्तविंशतिः (27) (D) अष्टाविंशतिः (28)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-47) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 135

62. मोहभेदाः– BHU AET–2011

(A) पञ्च (05) (B) षट् (06)

(C) सप्त (07) (D) अष्टौ (08)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-48) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

63. (i) महामोह कितने प्रकार के हैं–

(ii) महामोहभेदाः– BHU AET–2010, 2011

(A) दश (10) (B) एकादश (11)

(C) द्वादश (12) (D) त्रयोदश (13)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-48) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 137

64. (i) सांख्यकारिका के अनुसार बाह्यकरण कितने हैं?

(ii) सांख्यकारिकानुसारं बाह्यकरणानि कियन्ति?

BHU MET–2016, UGC 73 Jn–2017

(A) 3 (B) 6

(C) 11 (D) 10

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-33) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 101

65. (i) अन्धतामिस्रभेदाः–BHU AET–2011, MH SET–2011

(ii) सांख्यदर्शनरीत्या अन्धतामिस्रः कतिविधः?

(A) अष्टादश (18) (B) ऊनविंशतिः (19)

(C) विंशतिः (20) (D) एकविंशतिः (21)

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-48) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 135

66. (i) सांख्यमत में 'अन्तःकरण' हैं– UP GDC–2008

(ii) 'अन्तःकरणं' कतिविधं भवति–UGC 25 D–2004,

(iii) सांख्यदर्शने अन्तःकरणं कतिविधम्– J–2013

BHU MET–2012, 2011 BHU AET–2012, GJ SET–2014

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्

(C) त्रिविधम् (D) त्रयोदशविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-33) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 101

67. (i) सांख्यशास्त्र में तन्मात्रायें हैं– UGC-73 D–1991

(ii) तन्मात्राएँ कितनी हैं– BHU MET–2012

(A) पाँच (B) सात

(C) दश (D) चार

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-77-78

68. सांख्यदर्शनानुसारं प्रकृतिविकृतिस्वरूपाणि सप्त कानि सन्ति? UGC 73 Jn–2017

(A) प्रकृतिपुरुषपञ्चभूतानि (B) महत्पुरुषपञ्चतन्मात्राणि

(C) महदहङ्कारपञ्चभूतानि (D) महदहङ्कारपञ्चतन्मात्राणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-3) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

69. विशुद्धं केवलं ज्ञानं कस्माद् उत्पद्यते? K-SET–2014

(A) दृष्टात् (B) व्यक्तात्

(C) अनुमानात् (D) तत्त्वाभ्यासात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-64) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 167

70. सांख्यकारिका के अनुसार वायु के कितने भेद हैं?

BHU MET–2016

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 5

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-29) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 89

58. (C) 59. (A) 60. (A) 61. (D) 62. (D) 63. (A) 64. (D) 65. (A) 66. (C) 67. (A) 68. (D) 69. (D) 70. (D)

71. निम्नांकित में से नौ भेद किसके हैं–BHU AET–2010

(A) अविद्या (B) तुष्टि

(C) सिद्धि (D) अशक्ति

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-47) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 134

72. (i) 'बुद्धिसर्गः' कतिविधो भवति – BHU AET–2011,

(ii) 'प्रत्ययसर्गः' कतिविधः–UGC-25 J–2007, 2012,

(iii) प्रत्ययसर्गो अस्ति– D–2014, CCSUM Ph. D–2016

(iv) प्रत्ययसर्गस्य भेदाः भवन्ति? HAP–2016

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः

(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 132

73. समष्टिरूपेण 'प्रत्ययसर्गः' कतिविधः – UGC-25 D–2013

(A) पञ्चाशद्विधः (B) नवविधः

(C) शतविधः (D) सप्तविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 131

74. सांख्यानुसारं नर्तकी वर्तते? UGC 25 J–2013

(A) प्रकृतिः (B) माया

(C) सर्गः (D) मनः

स्रोत–सांख्यकारिका –(का.-59)-राकेश शास्त्री, पृष्ठ-160

75. भौतिकः सर्गः कतिविधो भवति–UGC-25 D–2013

(A) चतुर्दशविधः (B) पञ्चविधः

(C) अष्टविधः (D) एकविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-53) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 153

76. 'कैवल्यं' सांख्यमते कतिविधम्– UGC-25 D–2010, HAP–2016

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्

(C) एकविधम् (D) बहुविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-68) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 173

77. सर्वसम्भवाभावात् कस्य सिद्धेः हेतुः अस्ति– UGC 73 Jn–2017

(A) प्रकृतेः (B) सत्कार्यवादस्य

(C) गुणानाम् (D) पुरुषस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-9) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

78. दुःखत्रय किस दर्शन से सम्बन्धित है–

(A) जैनदर्शन से (B) बौद्धदर्शन से

(C) सांख्यदर्शन से (D) वैशेषिकदर्शन से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-1) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 1

79. आध्यात्मिकं दुःखम्– BHU AET–2011

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्

(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-1) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 1

80. आधिभौतिकं दुःखं सांख्यमतेन उदाह्रियते– UGC-25 D–2013

(A) ज्वरातिसारादुत्पन्नं दुःखम्

(B) स्वजनवियोगाप्रियजनसंयोगजन्यं दुःखम्

(C) सर्पादिसमुद्भवं दुःखम्

(D) भूतप्रेतादिवशाज्जायमानं दुःखम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 02

81. शारीरिक दुःख होता है– UGC-25 J–2003

(A) आध्यात्मिक (B) आधिभौतिक

(C) आधिदैविक (D) आत्मिक

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 01

82. 'सांख्यशास्त्रे भूकम्पझञ्झावातादेश्च यद्दुःखं जायते' तत् किमित्युच्यते– DSSSB-PGT–2014

(A) आध्यात्मिकम् (B) आधिभौतिकम्

(C) आधिदैविकम् (D) आकस्मिकम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू0 पृष्ठ- 38, 02

83. दुःखत्रयाभिघाते सांख्यसिद्धान्तः कस्मात् श्रेयान् हेतुः– UGC 25 J–2016

(A) आर्षसिद्धान्तात्

(B) नित्यत्वात्

(C) व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्

(D) ब्रह्मज्ञानपरकात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-02)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05, 06

71. (B) 72. (B) 73. (A) 74. (A) 75. (A) 76. (A) 77. (B) 78. (C) 79. (B) 80. (C) 81. (A) 82. (C) 83. (C)

84. (i) सांख्यकारिकामतेन प्रमाणानां संख्या अस्ति
(ii) सांख्य के अनुसार कितने प्रमाण मान्य हैं?
(iii) सांख्यमत में प्रमाणों की संख्या कितनी है?
(iv) सांख्यस्वीकृतानि प्रमाणानि–
(v) सांख्य के अनुसार प्रमाणों की संख्या है–
(vi) सांख्यकारिका के अनुसार प्रमाण हैं?
(vii) सांख्यदर्शनानुसारं प्रमाणानां संख्या अस्ति–
(viii) सांख्यदर्शने प्रमाणानि सन्ति?
(ix) सांख्यमते प्रमाणमिष्टम्–
MH SET–2016, UP PGT–2002, 2004, DSSSB PGT–2014, BHU MET–2009, 2013, 2014, BHU AET-2010, 2011, UGC-73 D–1992, J-1999, 2010, 2013, D–1999, 2009, UP-GIC-2015, UGC-25 D–1999, 2001, 2015, J–1994, 1995, 2001, J–2008 2002, 2012, 2014, GJ SET–2004, 2007

(A) 4 (B) 5
(C) 3 (D) 2

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

85. (i) सांख्य के अनुसार प्रमाण हैं– UP PGT–2010,
(ii) सांख्यदर्शने कानि प्रमाणानि स्वीकृतानि?
(iii) सांख्याभिमतं प्रमाणत्रयं वर्तते– UK TET–2011, UGC 25 J–2013, UGC 73 Jn–2017

(A) प्रत्यक्ष, अनुमान, अर्थापत्ति
(B) प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान
(C) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द
(D) प्रत्यक्ष, उपमान, शब्द

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-12

86. ''त्रिविधमनुमानमिष्टम्'–यह किसका मत है– UGC-73, J–2008

(A) मीमांसकानाम् (B) सांख्यानाम्
(C) नैयायिकानाम् (D) भाट्टानाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

87. (i) 'त्रिविधं प्रमाणमिष्टम्' - कथन प्राप्त होता है–
(ii) 'त्रिविधं प्रमाणमिष्टं' इति कथनं प्राप्यते– UP PGT–2011, UP GDC–2012

(A) अर्थसंग्रहे (B) प्रमाणवार्तिके
(C) सांख्यकारिकायाम् (D) तर्कभाषायाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

88. (i) सांख्य के अनुसार अनुमान कितने माने गये हैं–
(ii) सांख्यों का अनुमान है– UGC-25 S–2013,
(iii) सांख्यमते अनुमानस्य विभागाः सन्ति– UGC-73 J–2011, BHU AET–2010, BHU MET–2011, 2012, MGKV Ph. D–2016

(A) चतुर्विधम् (B) त्रिविधम्
(C) पञ्चविधम् (D) षड्विधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

89. सांख्यमत में प्रमाण हैं– दृष्ट, अनुमान और...... UGC-73 D–2011

(A) उपमान (B) आप्तवचन
(C) अर्थापत्ति (D) अनुपलब्धि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

90. (i) त्रिविध प्रमाण किसे अभीष्ट है– UGC-25 J–2009,
(ii) त्रिविधं प्रमाणं विद्यते– UGC-73 D–2012,
(iii) त्रिविधं प्रमाणम् इष्टम्– J–2013

(A) न्याय को (B) मीमांसा को
(C) सांख्य को (D) बौद्ध को

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

91. 'दृष्टवदानुश्रविकः' किससे सम्बद्ध है– BHU MET–2008, 2013

(A) न्याय से (B) वेदान्त से
(C) सांख्य से (D) योग से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-02) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05

92. ''प्रमेयसिद्धिः प्रमाणाद्धि'' को बताने वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) तर्कसंग्रह (B) वेदान्तसार
(C) सांख्यकारिका (D) अर्थसंग्रह

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

84. (C) 85. (C) 86. (B) 87. (C) 88. (B) 89. (B) 90. (C) 91. (C) 92. (C)

93. प्रमाणात् कस्य सिद्धिः भवति– BHU AET–2010
(A) प्रमाणस्य (B) प्रमेयस्य
(C) उभयोः (D) नोभयोः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

94. (i) 'तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकं' किम् अभिप्रेतम्–
(i) 'तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकम्' लक्षणमिदं कस्य विद्यते?
BHU AET–2010, 2011, UGC 25 Jn–2017
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) उपमानम् (D) शब्दः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

95. कस्मात् प्रमेयसिद्धिः भवति– BHU AET–2011
(A) दृष्टात् (B) अनुमानात्
(C) आप्तवचनात् (D) प्रमाणात्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

96. (i) सांख्यदर्शन में 'प्रतिविषयाध्यवसायः' किसका लक्षण है? BHU AET–2011, UGC 73 D–2015
(ii) प्रतिविषयाध्यवसायः– RPSC SET–2013-14
(ii) प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टम् इत्यत्र 'दृष्टं' पदेन किमुक्तम्?
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) आगमः (D) ऐहित्यम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

97. त्रिविधमाख्यातम्– BHU AET–2011
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) शब्दः (D) अर्थापत्तिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

98. ''प्रधानं परार्थं संहत्यकारित्वात् गृहादिवत्'' इत्यनेन सिद्धिर्भवति? DU Ph.D–2016
(A) सामान्यतोदृष्टानुमानेन पुरुषतत्त्वस्य
(B) सामान्यतोदृष्टानुमानेन प्रकृतितत्त्वस्य
(C) सामान्यतोदृष्टानुमानेन महत्तत्त्वस्य
(D) शेषवदनुमानेन व्यक्ततत्त्वानाम्
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेशशास्त्री, पृष्ठ- 27,28

99. 'आप्तश्रुतिः' है– BHU AET–2011
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) शब्दः (D) अर्थापत्तिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

100. अप्रत्यक्ष विषयों की प्रतीति किस अनुमान से होती है– BHU AET–2010
(A) सामान्यतोदृष्ट से (B) पूर्ववत् से
(C) शेषवत् से (D) किसी से भी नहीं
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-70

101. ईश्वरकृष्णमते आप्तागमात् किं सिद्धं भवति– MH SET–2011
(A) अतीन्द्रियाणां प्रतीतिः (B) असिद्धम्
(C) परोक्षम् (D) परोक्षमसिद्धं च
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-06) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 21

102. 'प्रतिविषयाध्यवसायः' इत्यस्य सम्बन्धः केन– UGC-25 J–2015
(A) अनुमानेन (B) आप्तवचनेन
(C) प्रत्यक्षेण (D) उपमानेन
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

103. ''प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टम्'' इत्यँस्मिल्लक्षणे 'प्रतिविषयः' इत्यस्यार्थः अस्ति– DU Ph.D–2016
(A) मनः
(B) बुद्धिः
(C) विषयसन्निकृष्टातीन्द्रियाणि
(D) बुद्ध्युपरक्तः पुरुषः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-05) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 16

104. प्रमाणं त्रिविधमिति– BHU AET–2012
(A) सांख्याः (B) मीमांसकाः
(C) चार्वाकाः (D) वेदान्तिनः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

93. (B) 94. (B) 95. (D) 96. (A) 97. (B) 98. (B) 99. (C) 100. (A) 101. (C) 102. (C) 103. (C) 104. (A)

105. (i) सांख्यदर्शन का प्रमुख सिद्धान्त है–
(ii) सांख्यदर्शनस्य सिद्धान्तः अस्ति– UP PGT–2002,
(iii) सांख्यदर्शने अभ्युपगतः सिद्धान्तः कः?
(iv) सांख्यदर्शने कार्यकारणसिद्धान्तः कः?
(v) सांख्यस्य मतमिदम्? UGC-73 J–2013,
(vi) सांख्यशास्त्र का सिद्धान्त है– UGC-25 D–1996, J–2005 UP GIC–2015

(A) आरम्भवाद (B) संघातवाद
(C) सत्कार्यवाद (D) विवर्तवाद

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

106. (i) 'सत्कार्यवाद' के सिद्धान्त वाला दर्शन है–
(ii) 'सत्कार्यवाद' का प्रतिपादन करता है–
(iii) सत्कार्यवादस्य प्रवर्तकं दर्शनं किम्?
(iv) सत्कार्यवादः पुरस्कृतः– GJ SET–2008 RPSC SET–2013-14 BHU MET–2008, 2010, 2011, 2015, UGC–73 D–2010, J–2012

(A) वैशेषिक (B) मीमांसक
(C) सांख्य (D) अद्वैत

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

107. (i) सांख्यानां उत्पत्तिविषययुक्तः वादः कः?
(ii) 'सांख्यदर्शन' का प्रमुखवाद है–
BHU Sh.ET–2013, K SET–2015

(A) कारणकार्यवादः (B) सत्कार्यवादः
(C) सृष्टिवादः (D) मायावादः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

108. 'सांख्य' स्वीकार करता है– UP PGT–2004, 2009

(A) असतः सत् जायते
(B) सतः सत् जायते
(C) सतः असत् जायते
(D) एकस्य सतो विवर्तः कार्यजातं न वस्तु सत्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 32

109. (i) सतः सज्जायते इति के वदन्ति– HAP–2016
(ii) 'सतः सत् जायते' इति कस्य मतम्–
UGC-25 J–2007, 2012

(A) नैयायिकाः (B) वैशेषिकाः
(C) सांख्याः (D) जैनाः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 32

110. असदकरणात् कारिकायाः व्याख्यानं कृतम्–
CCSUM Ph. D–2016

(A) सत्कार्यवादस्य (B) पुरुषस्य
(C) अव्यक्तस्य (D) व्यक्तस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

111. ''नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः'' गीता का यह सिद्धान्त किस दर्शन से सम्बद्ध रखता है–
UP PGT–2005

(A) बौद्धदर्शन से (B) जैनदर्शन से
(C) सांख्यदर्शन से (D) वेदान्तदर्शन से

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 32

112. (i) कस्मात् कारणात् सत्कार्यं भवति– UGC-25 J–
(ii) 'सत्कार्यवाद' का एक कारण है– 1998, 2001,
(iii) सत्कार्यवादसाधको हेतुर्भवति– MH SET–2011

(A) प्रकृतिस्वरूपज्ञान (B) सामीप्य
(C) समानाभिहार (D) सर्वसम्भवाभाव

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

113. सत्कार्यवादस्य कारणं नास्ति– CCSUM Ph.D–2016

(A) असदकरणात् (B) शक्तस्य शक्यकरणात्
(C) कारणभावाच्च (D) हेतुमत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

114. (i) 'सत्कार्यवाद' की सिद्धि का हेतु है–
(ii) सत्कार्यवादसाधको हेतुर्भवति–
UGC 25 D–1997, UGC 73 J–2007

(A) संघातपरार्थत्वात् (B) कारणभावात्
(C) अयुगपत्प्रवृत्तेः (D) भोक्तृभावात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

105. (C) 106. (C) 107. (B) 108. (B) 109. (C) 110. (A) 111. (C) 112. (D) 113. (D) 114. (B)

115. सांख्य की प्रकृति है? UP PGT–2004

(A) व्यक्त (B) त्रिगुणात्मिका
(C) चेतन (D) अप्रधान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

116. (i) कारणात्मना कार्यमस्तीति स्वीकुर्वन्ति
(ii) ''कारणात्मा से कार्य है''–यह स्वीकार करते हैं–
(iii) 'कारण में कार्य विद्यमान ही है' – यह किसका मत है–UGC 73 J–2014, D–2014, UGC-25 J–1995

(A) जैनाः (B) बौद्धाः
(C) सांख्याः (D) नैयायिकाः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 31

117. (i) सत्कार्यवादसाधकाः कति हेतवः–BHU AET–2011,
(ii) ईश्वरकृष्णेन सत्कार्यवादस्य सिद्ध्ये कति हेतवः प्रतिपादिताः? MH SET–2016, GJ SET–2014
(iii) सत्कार्यवादसिद्ध्यर्थं कति हेतवः उक्ताः–
(iv) सत्कार्यवाद के हेतु हैं–UGC-25 J–2002, 2010
(v) सत्कार्यवादसमर्थने उल्लिखितानि कारणानि सन्ति? MGKV Ph. D–2016

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षड्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-29,30

118. सत्कार्यवाद के साधक हेतुओं में एक है– UP GDC–2008, UGC-25 D–1998, 1999, J–2000

(A) उपलब्धि (B) त्रैगुण्यविपर्यय
(C) उपादानग्रहण (D) अनुमान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

119. सांख्यदर्शन का मूल सिद्धान्त UP GIC – 2009

(A) प्रकृतिपुरुषैक्य (B) प्रकृतिबहुत्व
(C) प्रकृतिपुरुषविवेक (D) पुरुषैकत्व

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-02) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05

120. 'कारणभावाच्च' इत्यनेन पुष्यते– UGC-25 D–2005

(A) पुरुषबहुत्वम् (B) प्रकृतिसिद्धिः
(C) सृष्टिप्रक्रिया (D) सत्कार्यवादः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

121. (i) सांख्यदर्शनस्य सिद्धान्तः अस्ति?
(ii) सांख्यदर्शने कार्यकारणसिद्धान्तः कः? GGIC–2015
(iii) सांख्यानां कार्यकारणवादः कीदृशः? GJ SET–2013

(A) आरम्भवादः (B) सत्कार्यवादः
(C) संघातवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 31

122. सत्कार्यवादे उत्पत्तेः पूर्वं कार्यं कीदृशम्– UGC-25 J–2006, 2009

(A) व्यक्तरूपेण सत् (B) अव्यक्तरूपेण सत्
(C) उभयरूपेण असत् (D) सदसद्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 30

123. उपादानग्रहणात् इत्येतेन कः पुष्यते–UGC-25 D–2009

(A) सत्कार्यवादः (B) पुरुषसिद्धिः
(C) प्रकृतिसिद्धिः (D) सृष्टिप्रक्रिया

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

124. सांख्ये सत्कार्यवादस्वरूपमेवम् अस्ति– UGC-25 J–2013

(A) सतो विज्ञानादसज्जायते इति।
(B) सतो विवर्तभूतं कार्यजातं मिथ्यात्मकं जायते इति।
(C) पूर्वमसत् कार्यं सदेव कारणात् सदात्मकं जायते इति।
(D) पूर्वं सदेव कार्यं कारणात्मना पश्चाज्जायते इति।

स्रोत–भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 257

125. (i) 'उत्पत्तेः प्राक् कार्यमुपादानकारणे वर्तते' इति सिद्धान्तः कस्मिन् दर्शने स्वीक्रियते–
(ii) 'कार्यं सत्' इति सिद्धान्तः कस्मिन् दर्शने स्वीकृतः–
(iii) 'उत्पत्तेः प्राक् कार्यं सत्'–इस मत का समर्थक है– UGC-25 J–1999, RPSC SET–2010, WB SET–2010

(A) मीमांसा (B) न्याय
(C) वैशेषिक (D) सांख्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29,30

126. सत्कार्यवादं स्वीकरोति– UK SLET–2015

(A) कपिलः (B) कणादः
(C) गौतमः (D) मध्वः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29,30

115. (B) 116. (C) 117. (C) 118. (C) 119. (C) 120. (D) 121. (B) 122. (B) 123. (A) 124. (D) 125. (D) 126. (A)

127. 'सत्कार्यवाद' .... दर्शन का सिद्धान्त है– BHU MET–2012

(A) सांख्य (B) न्याय
(C) वैशेषिक (D) वेदान्त

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 58

128. सत्कार्यवादस्य सिद्धिः कस्मात् हेतोः न भवति? UGC 25 JL–2016

(A) असदकरणात् (B) सर्वस्मात् सर्वसम्भवात्
(C) शक्तस्य शक्यकरणात् (D) कारणभावात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

129. ईश्वरकृष्ण ने किस वाद की स्थापना की– BHU AET–2010

(A) सत्कार्यवाद की (B) प्रकृतिवाद की
(C) छायावाद की (D) असत्कार्यवाद की

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 58

130. (i) 'सर्वसम्भवाभावात्' से सिद्ध होता है?
(ii) 'सर्वसम्भवाभावात्' किसकी सिद्धि का हेतु है– UGC 73 J–2016, BHU MET–2016

(A) असत्कार्यम् (B) सत्कार्यम्
(C) शून्यम् (D) सदसत्कार्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

131. (i) परिणामवादः सिद्धान्तः वर्तते UGC-73
(ii) परिणामवाद किसका सिद्धान्त है– D–2012, J–2007

(A) नैयायिकानाम् (B) वेदान्तिनाम्
(C) सांख्यानाम् (D) मीमांसकानाम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 258

132. सांख्यमते कार्यकारणसिद्धान्तः कः– UGC 25 D–2010

(A) आरम्भवादः (B) परिणामवादः
(C) संघातवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 258

133. सांख्यमते सत्कार्यवादस्य सिद्धिः न भवति– DU M. Phil–2016

(A) सद्करणात् (B) उपादानग्रहणात्
(C) सर्वसम्भवाभावात् (D) कारणभावात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 29

134. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET –2013

A. संघातपरार्थत्वात् प्रकृतिः सिध्यति
B. प्रतिप्रतिगुणाश्रयविशेषात् कैवल्यं सिध्यति
C. कारणगुणात्मकत्वात् बुद्धिः प्रभवति
D. जन्ममरणकरणानां प्रतिनियतत्वात् पुरुषबहुत्वं सिध्यति

(A) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(D) असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

सांख्यकारिका (का.-17,16,14,18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56,51,48,59

135. सांख्यैः अङ्गीक्रियते एषः वादः– K-SET–2014

(A) विवर्तवादः (B) परिणामवादः
(C) आरम्भवादः (D) असत्कारणवादः

स्रोत–भारतीयदर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 258

136. ईश्वरकृष्ण किस वाद को मानते हैं– BHU AET–2011

(A) परिणामवाद (B) ईश्वरवाद
(C) स्फोटवाद (D) तीनों में से कोई नहीं

स्रोत–भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 258

137. (i) सांख्यदर्शन में 'अव्यक्त' क्या है? UP PGT–2000,
(ii) सांख्यमतानुसार 'अव्यक्त' है– UGC-73 J–2015

(A) पुरुष (B) ईश्वर
(C) प्रकृति (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

138. सांख्य की 'प्रकृति' नहीं है– UP PGT–2009, BHU AET–2011

(A) अव्यक्त (B) त्रिगुणात्मिका
(C) प्रधान (D) अप्रधान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 41

139. सांख्यदर्शन में जगत्कारण होता है– UGC-73 J–2006

(A) ब्रह्म (B) माया
(C) प्रधानम् (D) ईश्वरः

स्रोत–सांख्यकारिका (का-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

127. (A) 128. (B) 129. (A) 130. (B) 131. (C) 132. (B) 133. (A) 134. (D) 135. (B) 136. (A) 137. (C) 138. (D) 139. (C)

140. (i) सांख्यमत में 'मूल प्रकृति' है– GJ SET–2013
(ii) मूलप्रकृतिः कीदृशी वर्तते? U GC-73 J–2009,
(iii) सांख्यमते मूलप्रकृतिः वर्तते? UGC-25 J–2014, CVVET–2017, BHU AET–2010, CCSUM Ph. D–2016

(A) विकृतिः (B) अविकृतिः
(C) प्रकृतिविकृतिः (D) न प्रकृतिः न विकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

141. सांख्यमत में प्रधान कारण है– UGC-73, D–2010

(A) विवर्त (B) परिणाम
(C) साक्षित्वात् (D) स्रष्टत्वात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-16) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 51

142. सांख्यमत में प्रधान है– UGC-73 D–2011

(A) सचेतनम् (B) निरूपम्
(C) अचेतनम् (D) विकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 40

143. मूलप्रकृति जगत् की होती है– UGC-73 S–2013

(A) कारण (B) कर्त्री
(C) अकर्त्री (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

144. सांख्यकारिकानुसारेण 'अव्यक्तं' भवति– UP GDC–2012, UP PGT–2011

(A) असामान्यम् (B) अनाश्रितम्
(C) अप्रसवधर्मी (D) अविषयम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 32, 37

145. अव्यक्तं कस्मात् हेतोः कारणं भवति? UGC 25 J–2016

(A) नित्यत्त्वात् (B) परिमाणवत्त्वात्
(C) चैतन्यात् (D) निष्क्रियत्त्वात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-15) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 51

146. (i) सांख्यकारिका में जडतत्त्व कौन है–
(ii) कः जडपदार्थः BHU MET–2014, BHU Sh. ET–2011

(A) पुरुष (B) प्रकृति
(C) दोनों (D) कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 40

147. (i) क्षीरप्रवृत्तिवत् प्रवृत्तिः कस्य भवति–
(ii) क्षीरस्य प्रवृत्तिर्यथा तथा प्रवर्तते– UGC 73 J–2012, BHU–AET–2010

(A) पुरुषस्य (B) मनसः
(C) प्रधानस्य (D) अहङ्कारस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-57) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 158

148. प्रकृतिः स्वात्मानं कस्य प्रकाशयति– BHU AET–2010

(A) प्रधानस्य (B) पुरुषस्य
(C) उभयोः (D) नोभयोरपि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-59) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 160

149. प्रकृतिः पुरुषार्थं प्रति केन हेतुना आत्मानं विमोचयति– BHU AET–2010

(A) बन्धेन (B) महता
(C) ज्ञानेन (D) अज्ञानेन

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-63) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 166

150. त्रिगुणात्मिका प्रकृतिः UGC-73, D–2013

(A) हेतुमती (B) अहेतुमती
(C) निर्लिप्ता (D) विकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 33

151. केवलं प्रकृतिः– BHU AET–2011

(A) एकविधा (B) द्विविधा
(C) त्रिविधा (D) चतुर्विधा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 35

152. त्रैगुण्यात् अविवेक्यादेः सिद्धिः– BHU AET–2011

(A) पुरुषस्य (B) प्रकृतेः
(C) धर्माणाम् (D) अधर्माणाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-14) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 48

140. (B) 141. (B) 142. (C) 143. (A) 144. (B) 145. (B) 146. (B) 147. (C) 148. (B) 149. (C) 150. (B) 151. (A) 152. (B)

153. अविभागाद्वैश्वरूपस्य कारणत्वं साध्यते– BHU AET–2011

(A) अव्यक्तस्य (B) अहङ्कारस्य
(C) पुरुषस्य (D) महादादेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-15) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 51

154. सांख्यदर्शन में प्रधान की अनुपलब्धि का कारण है– UP GDC–2008

(A) अभाव (B) सूक्ष्मता
(C) अत्यधिक सामीप्य (D) अज्ञान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-08) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 27

155. सांख्यमत में प्रकृति है– UP GDC–2008

(A) व्यक्त (B) अव्यक्त
(C) अव्यापी (D) अनेक

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 32

156. प्रकृतिर्वस्तुतो बध्नाति– UGC-25 D–2005

(A) स्वात्मानम् (B) पुरुषम्
(C) अहङ्कारम् (D) आनन्दम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-63) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 166

157. 'समन्वयात्' किं सिद्ध्यति– UGC-25 D–2007

(A) प्रकृतिः (B) पुरुषः
(C) गुणाः (D) कैवल्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-15) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 51

158. सांख्यानुसारं प्रकृतिः .... इव। UGC 25 D–2008

(A) माता (B) गृहिणी
(C) सुता (D) नर्तकी

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-59) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 160

159. (i) गुणानां साम्यावस्था नाम –
(ii) सांख्यमते सत्त्व-रजस्-तमसां साम्यावस्था किं कथ्यते–UGC 25 J–2010, D–2015, MH SET–2013

(A) मूलप्रकृतिः (B) बुद्धिः
(C) अहङ्कारः (D) कैवल्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 9

160. बुद्धेः प्रकृतिः– UGC-25 J–2012

(A) अहङ्कारः (B) पुरुषः
(C) मूलप्रकृतिः (D) तन्मात्राणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 71

161. सांख्यदर्शने प्रकृतेः स्वरूपमस्ति? JNU M. Phil/Ph. D–2014

(A) सक्रियत्वम् (B) अविवेकित्वम्
(C) चैतन्यत्वम् (D) परतन्त्रत्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 39

162. अव्यक्तं कीदृशं तत्त्वं निरूपितम्– UGC 25 D–2013

(A) चेतनम् (B) उदासीनम्
(C) जडम् (D) अभावरूपम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 40

163. (i) प्रकृति का अस्तित्व जानने का प्रमाण है–
(ii) प्रकृति का अस्तित्वबोधक प्रमाण है– UGC 25 J–1994, 2001

(A) प्रत्यक्ष (B) अनुमान
(C) उपमान (D) अर्थापत्ति

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-08)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 28

164. (i) 'प्रधान' का एक लक्षण है– UGC-25 J–1999
(ii) सांख्यमत में अव्यक्त का एक धर्म होता है–
(iii) प्रधानोऽस्ति– UGC 73 D–2014, K-SET–2013

(A) प्रसवधर्मित्व (B) चैतन्यत्व
(C) उदासीनत्व (D) अपरिणामित्व

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

165. (i) प्रकृतिः किमर्थं नोपलभ्यते? K-SET–2014, 2015
(ii) प्रधानस्य प्रत्यक्षं न भवति?

(A) अतिदूरात् (B) सौक्ष्म्यात्
(C) अतिसामीप्यात् (D) व्यवधानात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-08) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 27

166. प्रधान है– UGC 25 J–2001

(A) प्रकृति (B) महत्
(C) पञ्चतन्मात्रा (D) मन

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) - राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

153. (A) 154. (B) 155. (B) 156. (A) 157. (A) 158. (D) 159. (A) 160. (C) 161. (B) 162. (C) 163. (B) 164. (A) 165. (B) 166. (A)

167. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है– UP PGT–2013

(A) प्रकृति बद्ध और मुक्त होती है।
(B) प्रकृति से सुकुमार और कोई वस्तु नहीं है।
(C) प्रकृति ईश्वर है तथा पुरुष जीव है
(D) ज्ञान से अपवर्ग की प्राप्ति होती है।

सांख्यकारिका (का.-44,61,63)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127,163,127

168. का प्रकृतिः UK-SLET–2015

(A) गुणानाम् असमवायः (B) गुणानां भेदाः
(C) गुणानां समवायः (D) अकथनीयम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 11

169. व्यक्तं कीदृशं न भवति–UGC 25 JL–2016, Jn–2017

(A) परतन्त्रम् (B) अनाश्रितम्
(C) सावयवम् (D) सक्रियम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 35

170. प्रकृतिः कतिभिः रूपैरात्मानं बध्नाति– UGC-25 D–2014

(A) सप्तभिः (B) अष्टभिः
(C) पञ्चभिः (D) चतुर्भिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-63) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 166

171. प्रकृतित्वमात्रम् अस्ति– UGC 73 D–2014

(A) पुरुषे (B) महत्त्वे
(C) तन्मात्रेषु (D) अव्यक्ते

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 10

172. सत्त्वादि तीन गुणों की साम्यावस्था क्या है– BHU AET–2011

(A) प्रकृति (B) विकृति
(C) अज्ञान (D) भ्रान्ति

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 11

173. (i) नित्यमनुमानगम्यं त्रिगुणात्मकं च–
(ii) त्रिगुणात्मकमचेतनं .... भवति–
UGC-73 J–2012 D–2012

(A) ईश्वरः (B) मनः
(C) प्रधानम् (D) ज्ञानम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-38,34

174. संसरण, बन्धन और मोक्ष होता है–UGC-73 J–2014

(A) बुद्धिः (B) प्रकृतिः
(C) पुरुषः (D) धर्मः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-62) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 165

175. सांख्यकारिका में प्रकृति के कितने रूप कहे गये हैं– BHU MET–2016

(A) 3 (B) 4
(C) 7 (D) 9

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-63) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 166

176. (i) सांख्यकारिका में चेतन तत्त्व माना गया है–
(ii) सांख्य के निम्नलिखित तत्त्वों में से चेतनतत्त्व कौन-सा है– UP PGT–2000, BHU MET–2015

(A) बुद्धि (B) अहङ्कार
(C) मन (D) पुरुष

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 40

177. (i) ''कैवल्यार्थं प्रवृत्तेश्च'' किसके लिए प्रयुक्त है–
(ii) कैवल्य को प्राप्त करने वाला/वाली है?
(iii) कैवल्यं दृष्टत्वमकर्तृभावश्च कः–
BHU AET–2011, UP PGT–2002, 2004, 2010

(A) पुरुष (B) प्रकृति
(C) ईश्वर (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

178. पुरुषस्य लक्षणं नास्ति– CCSUM Ph. D–2016

(A) अत्रिगुणम् (B) विवेकी
(C) चेतनम् (D) सामान्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

179. 'पुरुष' का लक्षण है– UP PGT–2009

(A) अचेतन (B) विवेकी
(C) प्रसवधर्मी (D) विकारी

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-19)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-187

167. (C) 168. (C) 169. (B) 170. (A) 171. (D) 172. (A) 173. (C) 174. (B) 175. (C) 176. (D) 177. (A) 178. (D) 179. (B)

180. (i) ''न प्रकृतिः न विकृतिः'' यह कारिकांश किसके लिए प्रयुक्त है– UP PGT–2009, GJ SET–2008
(ii) न प्रकृतिर्न विकृतिः ....MGKV Ph. D–2016
(iii) न प्रकृतिः न विकृतिः इत्यनेन कः अभिप्रेतः अस्ति?
(iv) सांख्यदर्शने न प्रकृतिः न विकृतिः इत्यनेन कस्य परिचयः भवति? UP GDC–2014

(A) अहङ्कार (B) ज्ञानेन्द्रियाँ
(C) कर्मेन्द्रियाँ (D) पुरुष

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

181. 'तथा च पुमान्' इस कारिकांश से ईश्वरकृष्ण को क्या अभिप्रेत है? UGC 73 D–2015

(A) तथा व्यक्ताद् विसदृशम् अव्यक्तं तथैव प्रधानसधर्मा पुरुषः
(B) यथा व्यक्तात् सदृशम् अव्यक्तं तथैव प्रधानसधर्मा पुरुषः
(C) यथा व्यक्तात् सदृशम् अव्यक्तं तथापि व्यक्तसमानधर्मा पुरुषः
(D) व्यक्ताऽव्यक्तविपरीतस्तथा व्यक्ताव्यक्तसधर्माऽपि पुरुषः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

182. कस्माद् हेतोः पुरुषस्य सिद्धिर्भवति–UGC 25 JL–2016

(A) सक्रियत्वात् (B) गुणत्वात्
(C) भोक्तृभावात् (D) प्रवृत्तिभावात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

183. (i) भोक्तृभाव किसकी सिद्धि का हेतु है?
(ii) 'भोक्तृभाव' किसकी सत्ता का परिचायक है–
(iii) भोक्तृभावात्कैवल्यार्थं प्रवृत्तेश्चास्ति–
(iv) भोक्तृभावात् अस्ति–
UP PGT–2009, UGC-73 D–2013, BHU AET–2011, BHU MET–2016

(A) प्रकृति (B) पुरुष
(C) अविवेकी (D) प्रधान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

184. सांख्यमते पुरुषस्य .... अस्ति? K-SET–2015

(A) कर्तृत्वम् (B) भोक्तृत्वम्
(C) अचेतनत्वम् (D) परिणामित्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

185. (i) सांख्यमत में 'पुरुष' है– UP GDC–2008,
(ii) सांख्यमते पुरुषोऽस्ति– UGC-73 D–2006, J–2012

(A) अचेतन (B) कर्त्ता
(C) उदासीन (D) भोक्ता

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-56-58

186. (i) सांख्यमत में 'पुरुष' है– UP PGT–2011
(ii) सांख्यमतरीत्या पुरुषः कीदृशः? MH-SET–2013
(iii) सांख्यनये 'पुरुषः' भवति– UP GDC–2012,
(iv) सांख्यमतेन पुरुषो अस्ति– BHU AET–2010,
(v) सांख्य के अनुसार पुरुष का स्वरूप है– K-SET–2015, UGC-25 D–2002, UGC-73 J–1991, D–2009 GJ SET–2014

(A) अविकृति (B) विकृति
(C) न प्रकृति न विकृति (D) प्रकृति विकृति

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

187. 'न प्रकृतिः न विकृतिः पुरुषः' इति कस्य दर्शनस्य विषयः – CVVET–2017

(A) योगदर्शनस्य (B) मीमांसादर्शनस्य
(C) न्यायदर्शनस्य (D) सांख्यदर्शनस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

188. (i) सांख्यमत में 'पुरुष' है– BHU AET–2010,
(ii) सांख्यमते पुरुषः किम् अस्ति–UGC-73 J–2010,
(iii) सांख्यमते पुरुषो वर्तते–UGC-25 J–1999, S–2013
(iv) सांख्यकारिकासु पुरुषस्य स्वरूपं किम् उक्तम्–

(A) अचेतन (B) चेतन
(C) प्रकृति (D) विकृति

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-11)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

189. (i) जरामरण दुःख को प्राप्त करता है– UGC–73 J–2013
(ii) जरामरणकृतं दुःखं प्राप्नोति– BHU AET–2011

(A) पुरुष (B) बुद्धि
(C) ईश्वर (D) मन

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

180. (D) 181. (D) 182. (C) 183. (B) 184. (B) 185. (D) 186. (C) 187. (D) 188. (B) 189. (A)

190. (i) 'संघातपरार्थत्वात्' इति हेतुना कस्य सिद्धिः–
(ii) संघातपरार्थत्वादित्यनेन कस्य सिद्धिर्भवति–
BHU AET–2014, HAP–2016

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य
(C) महतः (D) अहङ्कारस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

191. सांख्यदर्शने पुरुषः अस्ति GGIC–2014

(A) प्रकृतिः अविकृतिश्च (B) अप्रकृतिः विकृतिश्च
(C) प्रकृतिः विकृतिश्च (D) न प्रकृतिः न विकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8

192. तद्विपरीतस्तथा च कः– BHU AET–2010

(A) व्यक्तः (B) अव्यक्तः
(C) प्रकृतिः (D) पुमान्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

193. सांख्यदर्शनानुसारं पुरुषस्वरूपेण सम्बद्धाः उक्तिः अस्ति? UGC 25 D–2015

(A) रूपैः सप्तभिरेव तु बध्नात्यात्मानमात्मना।
(B) पुरुषस्य दर्शनार्थं, कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।
(C) तद्विपरीतस्तथा च पुमान्
(D) संसरति बद्ध्यते मुच्यते च।

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

194. 'अधिष्ठानात्' किसकी सिद्धि का हेतु है–
BHU AET–2011, 2012

(A) पुरुषबहुत्व (B) प्रकृति
(C) पुरुष (D) सत्कार्यवाद

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

195. (i) 'ज्ञ'-शब्देन सांख्ये कः परामृश्यते–
(ii) 'व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्' इत्यत्र ज्ञ शब्देन कः बोधव्यः?
BHU AET–2014, UGC-25 D–2012

(A) प्रकृतिः (B) पुरुषः
(C) ईश्वरः (D) देहः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.02) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 06

196. पुरुषास्तित्त्वसाधकाः कति हेतवः–
BHU AET–2011, UGC-25 J–2010

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-56,57,58

197. पुरुषः– BHU AET–2011

(A) ईश्वरः (B) परमात्मा
(C) ब्रह्म (D) जीवः

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 305

198. त्रिगुणातीतोऽयम्– UGC-25 J–2005

(A) महान् (B) अहङ्कारः
(C) पुरुषः (D) विकारः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17-18) - राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56,59

199. (i) अकर्तृत्वमस्य धर्मः– UGC-25 D–2005, S–2013
(ii) अकर्तृत्वं कस्य धर्मोऽस्ति– GJ SET–2014
(iii) सांख्यमते अकर्तृत्वस्य कस्य स्वरूपमस्ति–

(A) प्रधानस्य (B) अहङ्कारस्य
(C) पुरुषस्य (D) ज्ञानेन्द्रियाणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-19) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 63

200. 'पुरुषस्य' स्वरूपं किम्– UGC-25 J–1998, D–2006

(A) अपरिणामि (B) परिणामि
(C) त्रिगुणात्मकम् (D) सक्रियम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 146

201. (i) कर्तृत्वं कुत्र विद्यते– UGC-25 J–2007, D–2009
(ii) कर्त्तृत्वं कस्य धर्मः अस्ति–

(A) पुरुषे (B) मनसि
(C) प्रकृतौ (D) अहङ्कारे

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 146

202. चैतन्यम् अस्ति– UGC-25 D–2009

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य
(C) गुणत्रयस्य (D) महाभूतानाम्

स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा,, पृष्ठ- 146

190. (B) 191. (D) 192. (D) 193. (C) 194. (C) 195. (B) 196. (C) 197. (D) 198. (C) 199. (C) 200. (A) 201. (C) 202. (B)

203. सांख्यमतानुसार यथार्थ स्वभाव में पुरुष है– UGC-25 J–1994, 2001

(A) सदैव सक्रियः (B) सृष्टिकाले सक्रियः
(C) सदैव निष्क्रियः (D) प्रलये एव निष्क्रियः

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा,, पृष्ठ- 146

204. सांख्यमतानुसार पुरुष और प्रकृति का सम्बन्ध है– UGC-25 J–1995

(A) नित्यः (B) असत्यः
(C) सत्यासत्यः (D) ज्ञानजन्यः

स्रोत–सांख्यकारिका - राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 40

205. प्रधानपुरुषयोः को धर्मः समानः? UGC 25 JL–2016

(A) त्रिगुणत्वम् (B) अहेतुत्वम्
(C) सामान्यत्वम् (D) अचेतनम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10-11)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 37-38

206. पुरुष विपरीत है– UGC-25 D–2001

(A) अहङ्कार से (B) पञ्चमहाभूत से
(C) प्रकृति से (D) पञ्चतन्मात्रा से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 38

207. सांख्यमत में 'पुरुष' होता है– UGC-73 D–2014

(A) सक्रियः (B) सङ्घातरूपः
(C) निष्क्रियः (D) अचेतनः

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-146

208. (i) 'त्रिगुणादिविपर्ययात्' 'कैवल्यार्थं प्रवृत्तेश्च' इत्येतद् युक्तिद्वयं प्रमाणयति– UK-SLET–2015
(ii) त्रिगुणादिविपर्ययात् सिद्ध्यति–BHU AET–2010

(A) पुरुषबहुत्वम् (B) पुरुषस्य सत्ताम्
(C) प्रकृतेः सत्ताम् (D) परार्थानुमितिम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

209. सांख्ये माध्यस्थ्यं कस्य स्वरूपम्– UGC-25 D–2010

(A) पुरुषस्य (B) प्रधानस्य
(C) बुद्धेः (D) अहङ्कारस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-19) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 62,63

210. (i) सांख्यमते पङ्गुवद् वर्तते–UGC-25 J–2013, 2015
(ii) सांख्यमते पङ्वन्धन्याये पङ्गुवद् वर्तते–

(A) प्रधानम् (B) पुरुषः
(C) गुणत्रयम् (D) अन्तःकरणम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

211. सांख्यमत में पुरुषबहुत्व सिद्धि करने का हेतु होता है– UGC-73 D–2007

(A) संघातपरार्थत्वम् (B) उपादानग्रहणम्
(C) परिणामः (D) अयुगपत्प्रवृत्तिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

212. सांख्यकारिका में 'अयुगपत्प्रवृत्तेः' से क्या बताया गया है? BHU MET–2016

(A) कैवल्य (B) पुरुषबहुत्व
(C) त्रैगुण्य (D) प्रकृति

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

213. ठीक उत्तर दीजिए– UGC-73 J–2007
R-सांख्ये पुरुषबहुत्वं प्रतिपादितम्
S-सांख्यदर्शने प्रधानस्य बहुत्वं मतम्

(A) R अशुद्धः S शुद्धः (B) R शुद्धः S अशुद्धः
(C) उभावशुद्धौ (D) उभौ शुद्धौ

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

214. ''त्रैगुण्यविपर्ययाच्च'' कस्य बहुत्वं सिद्धम्– K-SET–2013

(A) इन्द्रियस्य (B) मनसः
(C) प्रकृतेः (D) पुरुषस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

215. सांख्यकारिका में 'त्रैगुण्यविपर्ययात्' से क्या बताया गया है– BHU MET–2011, 2012

(A) कैवल्य (B) पुरुषबहुत्व
(C) त्रैगुण्य (D) प्रकृति

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

203. (C) 204. (A) 205. (B) 206. (C) 207. (C) 208. (B) 209. (A) 210. (B) 211. (D) 212. (B) 213. (B) 214. (D) 215. (B)

216. पुरुषबहुत्वसाधकाः हेतवः– BHU AET–2011

(A) त्रयः (B) षट्

(C) नव (D) द्वादश

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

217. सांख्यानुसारं पुरुषबहुत्वप्रस्थापने कारणं भवति– UGC-25 J–2013

(A) शरीराकारभेदात्

(B) प्रतिपुरुषज्ञानभेदात्

(C) इन्द्रियसंख्याभेदात्

(D) जननमरणकरणानां प्रतिनियमात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

218. सांख्य के अनुसार पुरुष है– UGC-25 J–2000

(A) एकः (B) पञ्च

(C) द्वौ (D) बहवः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

219. अधस्तनेषु सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत पुरुषोऽस्ति– MH-SET–2016

a. सर्वसम्भवाभावात् b. त्रैगुण्यविपर्ययात्

c. भोक्तृभावात् d. शक्तस्य शक्यकरणात्

(A) असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(B) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

(D) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

220. सांख्यनये पुरुषस्य एकत्वं विद्यते– UK SLET–2015

(A) असत्यम् (B) किञ्चित्सत्यम्

(C) सत्यम् (D) अकथनीयम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59, 60

221. पुरुषों के अनेकत्व या बहुत्व में क्या कारण नहीं है– BHU AET–2010

(A) इन्द्रियों का (B) तीनों गुण

(C) प्रयत्न (D) वायु का

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

222. त्रैगुण्यविपर्ययात् किं सिद्धम्– UGC-25 J–2015

(A) प्रधानम् (B) पुरुषैकत्वम्

(C) पुरुषबहुत्वम् (D) अज्ञानम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

223. (i) पुरुषबहुत्व-व्याख्यायै दर्शनमस्ति– UP GIC–2015

(ii) पुरुषबहुत्वस्य सिद्धिः ..... कृता–GJ SET–2008

(A) पुरुषार्थदर्शनम् (B) धर्मदर्शनम्

(C) सांख्यदर्शनम् (D) सर्वदार्शनिकम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

224. सांख्यदर्शन के अनुसार सृष्टि का अनुक्रम निम्नानुसार है? UGC 09 D–2012

(A) पुरुष, प्रकृति, अहंकार, महत्

(B) पुरुष, प्रकृति, महत्, अहंकार

(C) प्रकृति, पुरुष, महत्, अहंकार

(D) प्रकृति, पुरुष, अहंकार, महत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,72

225. पुरुषानुमाने हेतुर्भवति– UGC-73 D–2012

(A) अचेतनत्वम् (B) सङ्घातपरार्थत्वम्

(C) कारणभावः (D) त्रिगुणत्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

226. सांख्यदर्शने पृथिव्याः प्रादुर्भावः अस्ति– UGC-25 J–2009

(A) रसतन्मात्रात् (B) गन्धतन्मात्रात्

(C) शब्दतन्मात्रात् (D) स्पर्शतन्मात्रात्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

227. सांख्यमतानुसारेण पृथिवी कस्याः विकृतिः भवति– K-SET–2013

(A) रूपस्य (B) रसस्य

(C) गन्धस्य (D) स्पर्शस्य

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

228. तमोगुणांशाद्यहङ्कारात् उत्पद्यते– UGC-25 J–2005

(A) ज्ञानेन्द्रियपञ्चकम् (B) कर्मेन्द्रियपञ्चकम्

(C) तन्मात्रापञ्चकम् (D) मनः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 25) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

216. (A) 217. (D) 218. (D) 219. (B) 220. (A) 221. (D) 222. (C) 223. (C) 224. (B) 225. (B) 226. (B) 227. (C) 228. (C)

229. (i) प्रकृतेः साक्षाज्जायते UP PGT–2000
(ii) प्रकृति से साक्षात् उत्पन्न है– UGC-25 D–1999
(iii) मूलप्रकृतेः कस्योत्पत्तिर्भवति– BHU AET–2011 HAP–2016

(A) अहङ्कार (B) पञ्चतन्मात्रा
(C) पञ्चमहाभूत (D) महत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

230. सांख्यदर्शन के अनुसार सृष्टि का निर्माण कितने तत्त्वों से हुआ है– UP PGT–2005

(A) 25 तत्त्वों से (B) 23 तत्त्वों से
(C) 24 तत्त्वों से (D) 5 तत्त्वों से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-71,72

231. (i) 'तन्मात्रा' उत्पन्न हुए हैं–UGC-25 J–2008, 2016
(ii) 'तन्मात्रा' प्रादुर्भूत हुए हैं– UGC 73 D–2008
(iii) सांख्यकारिकानुसारं तन्मात्राः कस्मात् उत्पद्यन्ते?
(iv) पञ्चतन्मात्राः कस्मात् समुत्पन्नाः?
(v) 'पञ्चतन्मात्राणि' कुतः प्रादुर्भवन्ति– UGC-25 D–1997, 2006, MH SET–2016

(A) महत्तत्त्वात् (B) अहङ्कारात्
(C) बुद्धितः (D) महाभूतात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

232. सांख्यमत में 'महत्' उत्पन्न होता है– UGC-73 D–2009

(A) पुरुष से (B) प्रकृति से
(C) अहङ्कार से (D) तन्मात्रा से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

233. तन्मात्राएँ विकार होती हैं– UGC-73 J–2012 UP GDC–2008

(A) पुरुष की (B) अव्यक्त की
(C) महाभूतों की (D) अहङ्कार की

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,71

234. महत्तत्त्वतः जायमानः पदार्थः कथ्यते – MGKV Ph. D–2016

(A) आकाशः (B) प्रकृतिः
(C) अहङ्कारः (D) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,71

235. महत्तत्त्व होता है– UGC-73 J–2013

(A) अव्यक्तपरिणाम (B) मनःपरिणाम
(C) आकाशतत्त्वपरिणाम (D) रूपतत्त्वपरिणाम

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-8,9

236. पञ्चतन्मात्रा परिणाम हैं–

(A) मूलप्रकृति (B) अहङ्कार
(C) पुरुष (D) इन्द्रिय

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70-71

237. सांख्य के अनुसार इन्द्रियों की उत्पत्ति होती है– UP-GIC–2009

(A) भौतिकतत्त्वों से (B) बुद्धितत्त्व से
(C) अहङ्कार से (D) पुरुषैकत्व से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70,71

238. सांख्यदर्शन के अनुसार द्विविध सृष्टि किससे उत्पन्न होती है? UGC 73 D–2015

(A) अहंकार (B) महत्
(C) प्रकृति (D) पञ्चतन्मात्रा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-77,78

239. अधस्तनेषु तत्त्वेषु प्रकृतिविकृतिस्वरूपात्मकं वर्तते– UP GDC–2012

(A) अव्यक्तम् (B) अहङ्कारः
(C) पुरुषः (D) मनः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

240. अहङ्कारात् कति उत्पद्यन्ते– BHU AET–2010, UGC-25 J–2003

(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) एकोनविंशतिः (D) विंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-77,78

229. (D) 230. (A) 231. (B) 232. (B) 233. (D) 234. (C) 235. (A) 236. (B) 237. (C) 238. (A) 239. (B) 240. (B)

241. (i) षोडशको गणः प्रवर्तते? BHU AET–2011,
(ii) षोडशको गणः कस्माज्जायते– UGC-25 J–2002
K SET–2013

(A) पुरुषात् (B) प्रकृतेः
(C) महतः (D) अहङ्कारात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

242. अहङ्कारात् कतिविधः सर्गः प्रवर्तते– K-SET–2014

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) दशविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 77

243. सांख्यमते पञ्चतन्मात्राणि कानि? K-SET–2015

(A) पृथिव्यादयः पञ्च (B) रूपादयः पञ्च
(C) चक्षुरादयः पञ्च (D) वागादयः पञ्च

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 72

244. सांख्यदर्शनरीत्या ऊर्ध्वगमनं केन भवति–
MH SET–2013

(A) ज्ञानेन (B) धर्मेण
(C) वैराग्येण (D) कर्मोपासनया

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127

245. (i) 'पङ्ग्वन्धवत्' सम्बद्धौ कौ?
(ii) कयोः संयोगः 'पङ्ग्वन्धवत्' सांख्यनये वर्णितः
(iii) सांख्ये 'पङ्ग्वन्धवत्संयोगः' कयोर्मध्ये उक्तः–
UP GDC–2014, BHU AET–2010, K-SET–2014

(A) प्रकृति-पुरुषयोः (B) प्रकृति-मनसोः
(C) बुद्धिप्रकृत्योः (D) प्रकृत्यहङ्कारयोः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

246. (i) 'पञ्चमहाभूत' किससे सम्बद्ध है–
(ii) 'पञ्चभूतानि' कस्मात् जायन्ते– BHU AET–2010

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषात्
(C) पञ्चतन्मात्रेभ्यः (D) बुद्धेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

247. (i) महत्तत्त्वेन कस्य उत्पत्तिः? BHU AET–2014
(ii) महतः किमुत्पद्यते– K-SET–2013, MH-SET–2011
(iii) महतः विकारः कः? RPSC SET–2010

(A) प्रकृतिः (B) पुरुषः
(C) अहङ्कारः (D) त्रयमपि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,71

248. पञ्चभूतानि साक्षात्कुतः जायन्ते– BHU AET–2011

(A) प्रकृतिः (B) महत्तत्त्वात्
(C) अहङ्कारात् (D) पञ्चतन्मात्रेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,71

249. सांख्यमते एकादशेन्द्रियाणि जायन्ते–
UGC-25 D–2004, 2012

(A) अहङ्कारात् (B) महतः
(C) प्रकृतेः (D) पञ्चतन्मात्रेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70,71

250. (i) प्रकृतिपुरुषयोः सम्बन्धः कीदृशो भवति–
(ii) पुरुष-प्रकृत्योः संसर्गः........... वर्णितः–
(iii) सांख्यमतानुसारं प्रकृतिपुरुषयोः सम्बन्धः कीदृशः–
UGC-25 J–2008, 2014, K-SET–2015

(A) जडाजडवत् (B) मूक-बधिर-वत्
(C) अन्धमालावत् (D) पङ्ग्वन्धवत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68,69

251. सृष्टिक्रमे सांख्यैः कः न्यायः स्वीक्रियते GJ SET–2013

(A) स्थूणानिखनन्यायः (B) अन्धपङ्गुन्यायः
(C) अन्धगोलाङ्गुलन्यायः (D) कन्दबगोलकन्यायः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68,69

252. (i) सांख्य के अनुसार आकाश का कारण है।
(ii) सांख्यमतानुसार आकाश किससे उत्पन्न होता है–
UGC-25 J–1998, D–1999

(A) ईश्वरात् (B) अव्यक्तात्
(C) अहङ्कारात् (D) शब्दतन्मात्रात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

241. (D) 242. (A) 243. (B) 244. (B) 245. (A) 246. (C) 247. (C) 248. (D) 249. (A) 250. (D) 251. (B) 252. (D)

253. एतेषु इदं न महाभूतम्– K-SET–2014
(A) आकाशम् (B) पृथिवी
(C) जलम् (D) स्पर्शः
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

254. (i) सांख्यमतानुसार प्रकृति का द्वितीय विकार है?
(ii) प्रकृति का द्वितीय परिणाम है– UGC-25 J–1999, UGC-73 J–1999
(A) पुरुष (B) तन्मात्र
(C) महत् (D) अहङ्कार
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-22)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70-71

255. सांख्यानुसार कर्मेन्द्रिय का मूल है– UGC-25 D–2001
(A) पुरुष (B) महत्
(C) अहङ्कार (D) पञ्चभूत
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-24)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-77-78

256. महत् तत्त्व का उत्पत्तिस्थान है– UGC-25 D–2003
(A) अहङ्कार (B) प्रधान
(C) इन्द्रियाँ (D) तन्मात्रा
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-22)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70-71

257. 'स्पर्श-तन्मात्र' का कार्य है– UGC-73 J–1991
(A) आकाश (B) वायु
(C) रूप (D) पृथ्वी
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 72

258. सांख्यमतानुसार इन्द्रियाँ उत्पन्न होती हैं– UGC 73 J–1998
(A)अहङ्कारात् (B) पुरुषात्
(C) भूतेभ्यः (D) प्रधानात्
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-24)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-77-78

259. (i) प्रकृतेः प्रथमं किम् उत्पन्नं भवति? UGC-73 D–1997
(ii) सांख्यमतानुसार प्रकृति का प्रथम विकार है– K SET–2013
(A) अहङ्कार (B) अणु
(C) पञ्चतन्मात्र (D) महत्
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 8,9

260. (i) सांख्यदर्शन में महदादि प्रकृति के विकार कहे गये हैं– UP-PGT–2013, GJ SET–2013
(ii) सांख्यनये विकाराणां संख्या–
(A) द्वादश (B) पञ्चविंशतिः
(C) षोडश (D) एकविंशतिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

261. प्रकृतिरपि विकृतिरपि अस्ति– UK-SLET–2015
(A) मूलप्रकृतिः (B) चक्षुरिन्द्रियम्
(C) अहङ्कारः (D) कैवल्यम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

262. सावयवं परतन्त्रं हेतुमत् अस्ति– UK SLET–2015
(A) पुरुषः
(B) प्रधानम्
(C) महदादि-पृथिव्यन्तं त्रयोविंशतितत्त्वम्
(D) एषु न किमपि
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-10)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-32, 33

263. सांख्यानुसारं सृष्टिकारणं किम्– UGC-25 D–2014
(A) पुरुषः (B) प्रकृतिः
(C) ब्रह्मा (D) प्रकृति-पुरुषसंयोगः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

264. प्रकृति का विकार क्या है– BHU MET–2012
(A) महत् (B) अव्यक्त
(C) पुरुष (D) प्रधान
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-22)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-70,71

265. प्रकृति एवं पुरुष के संयोग से क्या होता है– BHU AET–2010
(A) प्रलय (B) मोह
(C) ज्ञान (D) सृष्टि
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

266. महदादितत्त्व क्या हैं– BHU AET–2011
(A) प्रकृति (B) विकृति
(C) दोनों (D) दोनों में से कोई नहीं
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08,09

253. (D) 254. (D) 255. (C) 256. (B) 257. (B) 258. (A) 259. (D) 260. (C) 261. (C) 262. (C) 263. (D) 264. (A) 265. (D) 266. (C)

267. सांख्यमतानुसारं 'महत्' अस्ति? DU Ph. D–2016 UGC 25 Jn–2017

(A) प्रकृतिः (B) विकृतिः
(C) प्रकृतिविकृतिः (D) न प्रकृतिः न विकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

268. सृष्टि के सञ्चालन में कौन सक्षम है– BHU AET–2011

(A) प्रधान (B) पुरुष
(C) दोनों (D) दोनों में कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

269. शब्दतन्मात्र से किसकी उत्पत्ति होती है– BHU AET–2011

(A) आकाश की (B) वायु की
(C) अग्नि की (D) जल की

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 72

270. ईश्वरकृष्ण के अनुसार संसार का मूल कारण क्या है– BHU AET–2011

(A) विकृति (B) प्रकृति
(C) पुरुष (D) ईश्वर

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-03) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 08

271. सांख्यकारिकायां सर्गस्य कारणम्– UGC-25 J–2015

(A) पुरुषः (B) ईश्वरः
(C) प्रधानम् (D) पुरुष-प्रकृति-संयोगः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

272. 'ततोऽहङ्कारः' इति अहङ्कारस्य उत्पत्तिः कुतः भवति– UGC-25 J–2015, D–2015

(A) प्रकृतेः (B) महतः
(C) षोडशगणात् (D) पञ्चभूतेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 70

273. सांख्यमते वायोः प्रादुर्भावः कस्मात्– UGC-25 J–2006

(A) शब्दतन्मात्रात् (B) स्पर्शतन्मात्रात्
(C) गन्धतन्मात्रात् (D) रसतन्मात्रात्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 72

274. (i) मन किस प्रकार की इन्द्रिय है– UP PGT–2009, 2010
(ii) सांख्यमते मनः कीदृशं इन्द्रियं भवति– UGC-25 J–2004, BHU AET–2011, UK-TET–2011, K-SET–2014

(A) कर्मेन्द्रिय
(B) ज्ञानेन्द्रिय
(C) उभयात्मक
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-27) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84

275. सांख्यकारिकायां मनसः साधारणवृत्तिः अस्ति? JNU M. Phil/Ph. D–2015

(A) संकल्पः (B) प्राणः
(C) अभिमानः (D) अध्यवसायः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-27) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84

276. 'वाक्' कीदृशी भवति BHU AET–2010

(A) कर्मेन्द्रिय (B) ज्ञानेन्द्रिय
(C) उभयम् (D) नोभयम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-26) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

277. ज्ञानेन्द्रियेषु अन्तर्गतं किम् BHU AET–2010

(A) वाक् (B) पाणिः
(C) पादः (D) चक्षुः

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-26) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

278. उभयात्मकम् अत्र किम्– BHU AET–2010

(A) तमः (B) रजः
(C) मनः (D) गुणः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-27) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84

279. सांख्य के अनुसार श्रोत्र किस इन्द्रिय के अन्तर्गत आता है– BHU AET–2010

(A) ज्ञानेन्द्रिय (B) कर्मेन्द्रिय
(C) दोनों (D) दोनों से अलग

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-26) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

267. (C) 268. (C) 269. (A) 270. (B) 271. (D) 272. (B) 273. (B) 274. (C) 275. (A) 276. (A) 277. (D) 278. (C) 279. (A)

280. (i) ईश्वरकृष्णेन बुद्धेः किं लक्षणं दत्तम्–
(ii) सांख्यकारिकामते बुद्धेः स्वरूपं किम्?
(iii) सांख्यमते बुद्धिः कीदृशी– BHU AET–2010
(iv) सांख्यमतानुसारेण बुद्धेः लक्षणमस्ति– RPSC ग्रेड-I PGT–2015, RPSC SET–2010, 2013- 2014

(A) सङ्कल्पात्मिका (B) अभावात्मिका
(C) अभिमानात्मिका (D) अध्यवसायात्मिका

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

281. बुद्धेः सात्त्विकगुणः भवति– DU M. Phil–2016

(A) अधर्मः (B) अज्ञानम्
(C) वैराग्यम् (D) अनैश्वर्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

282. अध्यवसायशब्देन किमुच्यते– BHU AET–2011

(A) बुद्धिः (B) धर्मः
(C) ज्ञानम् (D) ऐश्वर्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

283. महतः वृत्तिः– UGC-25 J–2006

(A) अभिमानः (B) सङ्कल्पः
(C) अध्यवसायः (D) आलोचनम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73,74

284. अध्यवसायो लक्षणमस्ति– CCSUM Ph. D–2016

(A) मनसः (B) महतः
(C) अहङ्कारस्य (D) इन्द्रियाणाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

285. ज्ञानं कस्य धर्मः– UGC-25 D–2007, 2012

(A) पुरुषस्य (B) प्रकृतेः
(C) अहङ्कारस्य (D) बुद्धेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

286. बुद्धि के सात्त्विक रूपों में से एक है–BHU AET–2010

(A) अधर्म (B) अज्ञान
(C) अवैराग्य (D) ज्ञान

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

287. सांख्यदर्शनानुसारम् अध्यवसायात्मकं तत्त्वं किम्– UGC-25 J–2015

(A) बुद्धिः (B) चक्षुः
(C) त्वक् (D) कर्णः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

288. (i) ''अभिमानोऽहङ्कारः'' जिसका लक्षण है, वह है–
(ii) अभिमान का गुण है– BHU MET–2014, UGC-25 J–2003

(A) बुद्धि (B) प्रकृति
(C) अहङ्कार (D) मन

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 77, 78

289. (i) प्रकाशात्मक कौन है–
(ii) सांख्यदर्शनानुसार प्रकाश से सम्बद्ध है– UGC-73 J–2011, BHU MET–2011, 2012

(A) रजोगुण (B) प्रधान
(C) सत्त्वगुण (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

290. रिक्तस्थानों की पूर्ति के लिए निम्नाङ्कित चार विकल्पों में से कौन-सा विकल्प उपयुक्त है– UP PGT–2005

(क) .... लघु प्रकाशकम्
(ख) गुरु वरणकम् ....
(ग) .... अर्थतो वृत्तिः
(घ) उपष्टम्भकं चलञ्च ....

(A) प्रदीपवत्, सत्त्वम्, तमः, रजः
(B) सत्त्वम्, तमः, प्रदीपवत्, रजः
(C) तमः, रजः, सत्त्वम्, प्रदीपवत्
(D) रजः, तमः, सत्वम्, प्रदीपवत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

291. (i) गुणों की संख्या कितनी है UGC-73 J–2006,
(ii) सांख्यमत के अनुसार गुण होते हैं– D–1994,

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) दश

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 43

280. (D) 281. (C) 282. (A) 283. (C) 284. (B) 285. (D) 286. (D) 287. (A) 288. (C) 289. (C) 290. (B) 291. (A)

292. (i) सांख्यकारिका के अनुसार रजोगुण होता है–
(ii) रजोगुण है–UGC-73 D–2012, UP PGT–2011
(iii) ईश्वरकृष्णमतेन रजः कीदृशं भवति– MH SET–2011
(A) प्रकाशकः (B) वरणकः
(C) लघुः (D) उपष्टम्भकः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

293. तमोगुणस्य प्रयोजनम् अस्ति– UP GDC–2012
(A) प्रवृत्तिः (B) प्रकाशः
(C) नियमनम् (D) विषादः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 44

294. सांख्यकारिका में नियमात्मक कौन है? BHU MET–2016
(A) आकाश (B) सत्त्वगुण
(C) रजोगुण (D) तमोगुण
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-44

295. महतः प्रकृतेश्च समानधर्मः कः– BHU AET–2010
(A) त्रिगुणत्वम् (B) त्रिगुणराहित्यम्
(C) नित्यत्वम् (D) चैतन्यम्
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 41

296. (i) सत्त्वगुणो भवति– BHU AET–2010
(ii) सत्त्वगुणस्य लक्षणं किम्– UP PGT–2005 K-SET–2013, UGC-73 D–1992, 1996
(A) चलम् (B) आवरणकम्
(C) उपष्टम्भकम् (D) लघुप्रकाशकम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

297. ऐश्वर्यम् कस्य लक्षणं भवति? UGC 25 J–2016
(A) रजोगुणस्य (B) सत्त्वगुणस्य
(C) तमोगुणस्य (D) पुरुषस्य
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73,76

298. रजोगुणस्य लक्षणं किम्– BHU AET–2010
(A) प्रकाशकम् (B) चलम्
(C) लघु (D) आवरणकम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

299. गुरु वरणकं किम्– BHU AET–2010, 2011
(A) तमः (B) रजः
(C) सत्त्वम् (D) न किमपि
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

300. तमो गुणो भवति– BHU AET–2012
(A) प्रकाशात्मकः (B) मोहात्मकः
(C) प्रवर्त्तकः (D) चञ्चलः
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-12)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-43-44

301. प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः– BHU AET–2011
(A) गुणाः (B) दोषाः
(C) पुरुषाः (D) देहाः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 42

302. (i) लघु प्रकाशकञ्च– BHU AET–2011
(ii) सांख्यमतेन 'लघुप्रकाशकमिष्टं' किम्?
(iii) लघुप्रकाशकञ्चेति द्वे वैशिष्ट्ये स्तः– UGC-25 S–2013, MH-SET–2013, G GIC–2015
(A) सत्त्वम् (B) रजः
(C) तमः (D) मनः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

303. उपष्टम्भकं चलञ्च– BHU AET–2011, UGC-25 D–2002
(A) सत्त्वम् (B) रजः
(C) तमः (D) मनः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

304. प्रदीपवच्चार्थतो वृत्तिः– BHU AET–2011
(A) गुणानाम् (B) भूतानाम्
(C) तन्मात्राणाम् (D) पुरुषाणाम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

305. सांख्यैः गुणाः .... इति वर्णिताः–UGC-25 J–2008
(A) सुख-दुःख-मोहात्मकाः (B) इष्टानिष्टोभयात्मकाः
(C) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः (D) सुख-दुःख-रागात्मकाः
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 42

292. (D) 293. (C) 294. (D) 295. (A) 296. (D) 297. (B) 298. (B) 299. (A) 300. (B) 301. (A) 302. (A) 303. (B) 304. (A) 305. (C)

306. 'सत्त्वगुण' देता है– UGC-25 D–2011

(A) दुःखम् (B) प्रीतिः
(C) विषादम् (D) मोहम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 43

307. सांख्यमते गुरुवरणकञ्च उच्यते– UGC-25 S–2013

(A) सत्त्वम् (B) तमः
(C) रजः (D) रूपम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

308. (i) सांख्यदर्शन में 'रजोगुण' होता है–
(ii) रजोगुणः किं प्रकारकः भवति– UP PGT–2013
RPSC SET–2013-2014

(A) स्थिर
(B) उपष्टम्भक तथा चञ्चल
(C) अनुपष्टम्भक तथा अचल
(D) लघु तथा प्रकाश

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-45,46

309. ''तमः प्रदीपवच्चार्थतो वृत्तिः'' कथनं कस्य विषये–
JNU MET–2014, UGC-25 J–2015

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य
(C) गुणत्रयस्य (D) नैकस्यापि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

310. 'रजोगुण' का प्रयोजन है– BHU AET–2010

(A) प्रकाशन (B) प्रवर्तन
(C) नियन्त्रण (D) तीनों में से कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-12)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-44, 46

311. क्रियाशील गुण कौन-सा है– BHU AET–2010

(A) तमोगुण (B) सत्त्वगुण
(C) रजोगुण (D) ये सभी

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-13)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 46

312. तमोगुण का स्वभाव क्या है– BHU AET–2011

(A) अप्रीत्यात्मक (B) प्रीत्यात्मक
(C) विषादात्मक (D) तीनों

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 42, 43

313. अधस्तनवर्गयोः समीचीनं युग्मपर्यायं विचिनुत–
MH SET–2013

(क) सत्त्वम् **1. सङ्कल्पविकल्पात्मकम्**
(ख) रजः **2. अज्ञानम्**
(ग) तमः **3. प्रकाशकम्**
(घ) मनः **4 उपष्टम्भकम्**

कूट :	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	2	1

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13,27)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-45,84

314. पञ्चविपर्ययभेदाः भवन्ति। कस्मात्? MH SET–2011

(A) करणवैकल्यात् (B) बुद्धेर्विपर्ययात्
(C) भेदानां परिमाणात् (D) कारणकार्यविभागात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46,47)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 131-135

315. ईश्वरकृष्ण के अनुसार तमोगुण का क्या स्वरूप है–
BHU AET–2011

(A) अवरोधक (B) प्रकाशक
(C) गतिशील (D) कोई नहीं

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 46

316. सांख्यदर्शन का प्रीत्यात्मक गुण है– BHU MET–2015

(A) रजः (B) तमः
(C) सत्त्वम् (D) रसः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 42, 43

317. तमोगुणः भवति– UP GIC–2015

(A) भारयुक्तः (B) प्रेरकः
(C) प्रकाशकः (D) क्रियाशीलः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 46

318. सांख्यदर्शन में 'अप्रीत्यात्मक' गुण कौन सा है?
UGC 73 D–2015

(A) रजोगुणः (B) सत्त्वगुणः
(C) रजोमिश्रतमोगुणः (D) तमोगुणः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 43

306. (B) 307. (B) 308. (B) 309. (C) 310. (B) 311. (C) 312. (C) 313. (D) 314. (B) 315. (A) 316. (C) 317. (A) 318. (A)

319. (i) सांख्यमते सत्त्वगुणस्य स्वभावो विद्यते
(ii) सत्त्वगुण का स्वभाव क्या है–
(iii) सांख्यमतानुसारं सत्त्वगुणः– UGC-25 J–2013 –2015, BHU AET–2010

(A) सुखात्मकः (B) दुःखात्मकः
(C) अभावात्मकः (D) मोहात्मकः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 43

320. 'सत्त्वगुणस्य' लक्षणं किम् – BHU AET–2010

(A) लघुप्रकाशकम् (B) आवरणकम्
(C) चलम् (D) उपष्टम्भकम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

321. विषादोऽस्य स्वरूपम्– UGC-25 J–2005

(A) सत्त्वगुणस्य (B) तमोगुणस्य
(C) रजोगुणस्य (D) पुरुषस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-12) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 44

322. रजोगुणः भवति– BHU AET–2012

(A) प्रवृत्तिजनकः (B) मोहात्मकः
(C) ज्ञानात्मकः (D) सुखात्मकः

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 46

323. (i) भिन्नधर्माणां गुणानां वृत्तिः कीदृशी भवति–
(ii) सांख्यमते गुणानां प्रवृत्तिः कीदृशी– UGC 25 J–2016, RPSC SET–2010

(A) जलवत् (B) वायुवत्
(C) अग्निवत् (D) प्रदीपवत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45

324. सांख्य के अनुसार 'बुद्धि' के प्रमुख परिणाम हैं– UP PGT–2004, 2009

(A) विपर्यय, अशक्ति, सिद्धि और तमस्
(B) विपर्यय, अशक्ति, तुष्टि और सिद्धि
(C) विपर्यय, अशक्ति, मोह और सिद्धि
(D) विपर्यय, अशक्ति, मोह और तमस्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 131

325. सांख्य के अनुसार पुरुषार्थ हैं– UK TET–2011

(A) धर्म और काम (B) भोग और अपवर्ग
(C) धर्म और मोक्ष (D) अर्थ और मोक्ष

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-42) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 122

326. सांख्यकारिका के अनुसार 'कैवल्य' प्राप्ति किससे होती है– BHU MET–2014

(A) ब्रह्मज्ञान से (B) ईश्वरज्ञान से
(C) प्रकृति-पुरुष-विवेक से (D) प्रकृति-ज्ञान से

स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी-प्रभा (का.-44)–आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ-267

327. सांख्यमतानुसार मोक्ष का साधन है– UGC-25 J–1994

(A) ब्रह्मज्ञान (B) प्रकृति-पुरुष-विवेक
(C) अष्टाङ्गयोग (D) ईश्वर-ज्ञान

स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी-प्रभा (का.-44)–आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ-267

328. वस्तुतः मोक्षः कस्य भवति– BHU AET–2010

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य
(C) मनसः (D) बुद्धेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-62)– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 165

329. सांख्यकारिका के अनुसार कैवल्य का उपाय है– UP GDC–2008, UGC-25 D–2006

(A) भक्ति (B) कर्म
(C) विवेकख्याति (D) उपासना

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-263

330. (i) सांख्यमतानुसार कैवल्य का स्वरूप है–
(ii) कैवल्यं किमस्ति– UGC-25 J–2007
(iii) सांख्यमतेन कैवल्यं कीदृशं भवति– D–2012, 2013, MH SET–2013

(A) नित्यसुखाभिव्यक्तिः
(B) आत्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः
(C) ऐकान्तिकदुःखनिवृत्तिः
(D) ऐकान्तिकात्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-68) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 173

319. (A) 320. (A) 321. (B) 322. (A) 323. (D) 324. (B) 325. (B) 326. (C) 327. (B) 328. (A) 329. (C) 330. (D)

331. ऐकान्तिकम् आत्यन्तिकं कैवल्यम् आप्नोति– K-SET–2013

(A) महान् (B) प्रधानम्

(C) पुरुषः (D) अहङ्कारः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-68) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 173

332. सांख्यमतानुसार अपवर्ग होता है– UGC-25 J–1995

(A) ज्ञानजन्यः (B) वैराग्यजन्यः

(C) अभ्यासजन्यः (D) विवेकजन्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-263

333. 'प्रत्ययसर्ग' में यह अन्तर्भूत है– UGC-25 J–1998

(A) तन्मात्र (B) पुरुष

(C) अहंकार (D) विपर्यय

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 148

334. 'प्रत्ययसर्ग' में यह अन्तर्भूत है– UGC-25 D–1998

(A) तन्मात्र (B) अशक्ति

(C) पुरुष (D) अहङ्कार

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 148

335. पुरुषस्य मोक्षार्थं प्रवर्तते– DU M. Phil–2016

(A) व्यक्तम् (B) अव्यक्तम्

(C) महान् (D) मनः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

336. (i) सांख्य में अपवर्ग की प्राप्ति होती है–

(ii) ईश्वरकृष्णानुसारम् अपवर्गो भवति–

UGC-25 J–2003, BHU MET–2015, GJ SET–2003

(A) कर्म से (B) ज्ञान से

(C) मोक्ष से (D) गुण से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44) - राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127

337. 'ज्ञान' से होता है– UGC-73 D–1992

(A) दुःख (B) अपवर्ग

(C) बुद्धि (D) धन

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-44) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127

338. सांख्यदर्शने निःश्रेयसः साधनं किम्– HE–2015

(A) ब्रह्मज्ञानम् (B) भक्तिः

(C) तत्त्वज्ञानम् (D) चित्तशुद्धिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-64) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 167,168

339. सांख्यस्य मूलसिद्धान्तोऽस्ति– UP GIC–2015

(A) प्रकृतिपुरुषैक्यम् (B) प्रकृतिपुरुषविवेकः

(C) प्रकृतिबहुलम् (D) पुरुषैकत्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 49

340. ''ज्ञानेनापवर्गः'' किस मत में है– UGC-73 J–2010

(A) सांख्यमते (B) न्यायमते

(C) जैमिनिमते (D) चार्वाकमते

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127

341. आत्यन्तिकदुःखनिवृत्तिर्भवति– UGC-73 J–2012

(A) धर्मात् (B) तत्त्वज्ञानात्

(C) गुरुवन्दनात् (D) औषधपानात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-68)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-337

342. 'त्रिकालमाभ्यन्तरं करणम्– UGC-25 J–2009

(A) सदानन्दमते (B) केशवमिश्रमते

(C) ईश्वरकृष्णमते (D) जैमिनिमते

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-33) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 101

343. 'पुरुषबहुत्वं' को कौन-सा दर्शन स्वीकार करता है– BHU MET–2014

(A) सांख्य (B) न्याय

(C) मीमांसा (D) वैशेषिक

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

344. सांख्यकारिका में 'आनुश्रविकः' का क्या अर्थ है– BHU MET–2014

(A) पुराण (B) गुणत्रय

(C) स्मृति (D) वेद

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-2) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 5

331. (C) 332. (D) 333. (D) 334. (B) 335. (B) 336. (B) 337. (B) 338. (C) 339. (B) 340. (A) 341. (B) 342. (C) 343. (A) 344. (D)

345. किस दर्शन में यह प्रतिपादित किया गया है कि आत्माएँ अनेक हैं– UP PGT–2002
(A) न्यायदर्शन में (B) मीमांसादर्शन में
(C) सांख्यदर्शन में (D) वेदान्तदर्शन में
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

346. ईश्वरसिद्धिः निरूपिता नास्ति– UGC 73 D–2013
(A) सांख्ये (B) वेदान्ते
(C) न्याये (D) मीमांसायाम्
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

347. 'प्रकृतिसरूप' और 'विरूप' क्या है– BHU MET–2011
(A) महत् (B) प्रकृति
(C) पुरुष (D) प्रधान
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-8) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 27

348. कौन ईश्वर को स्वीकार नहीं करता है– BHU MET–2011
(A) न्याय (B) वैशेषिक
(C) वेदान्त (D) सांख्य
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री,भू. पृष्ठ- 32

349. कार्यं भवति– UGC-25 D–2005
(A) केवलं प्रकृतिसरूपम्
(B) केवलं प्रकृतिविरूपम्
(C) प्रकृतिसरूपमपि प्रकृतिविरूपमपि
(D) न प्रकृतिसरूपं न प्रकृतिविरूपम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-8) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 27

350. सांख्यकारिका के अनुसार सुहृत्प्राप्ति है? BHU MET–2016
(A) सिद्धि (B) गुण
(C) तुष्टि (D) शक्ति
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-51)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 145, 146

351. पञ्चमहाभूतानि विशेषः कथ्यन्ते– DU M. Phil–2016
(A) शान्तत्वात् (B) घोरत्वात्
(C) मूढत्वात् (D) उक्त सर्वेगुणोपेतत्वात्
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-38)–राकेशशास्त्री, पृष्ठ- 111

352. सांख्याभिमतख्यातिः का– UGC-25 J–2013
(A) अनिर्वचनीयख्यातिः (B) अन्यथाख्यातिः
(C) विवेकख्यातिः (D) असत्ख्यातिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का-44)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–263

353. कारणगुणात्मकत्वात् कस्य अव्यक्तमपि सिध्यति– MH SET–2016
(A) कारणस्य (B) कार्यस्य
(C) पुरुषस्य (D) प्रधानस्य
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-14) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 48

354. सांख्यकारिकायां स्वीक्रियते– UK SLET–2015
(A) सेश्वरवादः (B) निरीश्वरवादः
(C) उभयविधः (D) अनुभयविधः
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

355. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु योग्यं विचिनुत– MH SET–2016
(क) प्रत्ययसर्गः 1. अष्टादश
(ख) तामिस्रः 2. दशविधः
(ग) विपर्ययः 3. चतुर्विधः
(घ) महामोहः 4. पञ्चविधः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	1	4	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	4	3	1
(D)	4	3	1	2

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46,47,48)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 138

356. 'आनुश्रविक' शब्द का अर्थ है– BHU AET–2010
(A) श्रुतिप्रतिपादित
(B) स्मृतिप्रतिपादित
(C) पुराणोक्त
(D) तीनों में से कोई नहीं
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-2) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05

345. (C) 346. (A) 347. (A) 348. (D) 349. (C) 350. (A) 351. (D) 352. (C) 353. (B) 354. (B) 355. (A) 356. (A)

357. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2011

A. सिकताभ्यः तैलोत्पत्तिः भवति
B. प्रधानव्यतिरेकी पुरुषः अस्ति
C. यदा सत्त्वमुत्कटं भवति तदा गुरूण्यङ्गानि भवन्ति
D. पुरुषस्य साक्षित्वं नास्ति

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्
(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(D) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

सांख्यकारिका (का.-9,11,13,19)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 31,38,46,62

358. सांख्यदर्शन के प्रसङ्ग में 'महत्' का अर्थ है– BHU MET–2015

(A) प्रकृति (B) पुरुष
(C) गुणत्रय (D) बुद्धि

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 09

359. 'दृष्टवदानुश्रविकः' किस दर्शन से सम्बन्धित है– BHU MET–2008, 2012

(A) सांख्यदर्शन से (B) न्यायदर्शन से
(C) वेदान्तदर्शन से (D) योगदर्शन से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-2) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05

360. संख्याजन्य परिमाण होता है– UGC 73 J–2005

(A) घटपरिमाणम् (B) त्रसरेणुपरिमाणम्
(C) तूलकपरिमाणम् (D) पटपरिमाणम्

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–206-209

361. 'परिणामवाद' किसका सिद्धान्त है– UGC-73 J–2005, 2011, D–2012

(A) वेदान्त (B) सांख्य
(C) नैयायिक (D) मीमांसक

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 141

362. पादविभागो नास्ति– UGC-73 D–2013

(A) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे (B) सांख्यकारिकायाम्
(C) न्यायसूत्रग्रन्थे (D) मीमांसासूत्रग्रन्थे

स्रोत–सांख्यकारिका - राकेशशास्त्री, भू0 पृष्ठ- 19,29

363. जगत् के कर्त्ता ईश्वर नहीं है– यह मानते हैं– UGC-73 S–2013

(A) नैयायिकाः (B) सांख्याः
(C) अद्वैतवेदान्तिनः (D) योगिनः

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 32

364. 'आनुश्रविक' कहते हैं– UP PGT–2005

(A) लौकिक उपाय से (B) वैदिक उपाय से
(C) भौतिक उपाय से (D) नैतिक उपाय से

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-2) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 05

365. सांख्यदर्शन के अनुसार उचित मेल कीजिये? UGC 73 D–2015

(क) बुद्धिरहंकारो मनः (i) दशविधः
(ख) बुद्धीन्द्रियाणि (ii) रजः
(ग) महामोहः (iii) अन्तःकरणम्
(घ) उपष्टम्भकं चलम् (iv) ज्ञानेन्द्रियाणि

	क	ख	ग	घ
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

सांख्यकारिका (का.-33,34,48,13)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 101,103,135,45

366. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K-SET–2015

(क) धर्मः 1. बन्धः
(ख) अधर्मः 2. अपवर्गः
(ग) ज्ञानम् 3. अधोगमनम्
(घ) विपर्ययः 4. ऊर्ध्वगमनम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	2	1
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-44) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 127,129

357. (C) 358. (D) 359. (A) 360. (B) 361. (B) 362. (B) 363. (B) 364. (B) 365. (C) 366. (C)

367. अधस्तनेषु सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) प्रमाणत्रयं साख्यैः स्वीकृतम्

(ख) प्रमाणचतुष्टयं सांख्यसम्मतम्

(ग) कार्यं सत्

(घ) बुद्धीन्द्रियाणि षट्

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(D) सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

सांख्यकारिका (का.-4,9,34) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12,29,103

368. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH-SET–2013

(क) उभयात्मकम् (1) अव्यक्तम्

(ख) प्रकृतिः (2) मनः

(ग) तुष्टयः (3) नानाश्रया

(घ) पुरुषस्य मोक्षार्थं प्रवर्तते (4) नव

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	1	2	3
(D)	3	4	1	2

सांख्यकारिका (का.-27,62,47)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84,165,139,159

369. सांख्यमते सिद्धिर्नास्ति– CCSUM Ph. D–2016

(A) ऊहः (B) दुःखविघाता

(C) दानम् (D) अणिमा

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-51) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 146

370. सांख्यमते एकादशकः गणः तन्मात्रपञ्चकश्च इति द्विविधः सर्गः कस्मात् प्रवर्तते– RPSC SET–2013-14

(A) अहङ्कारात् (B) प्रकृतेः

(C) महतः (D) भूतेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-24) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 77

371. सांख्यकारिकानुसारं क एष विपर्ययाशक्ति तुष्टिसिद्ध्याख्यः सर्गः? RPSC SET–2013-14

(A) पुरुषसर्गः (B) प्रकृतिसर्गः

(C) प्रत्ययसर्गः (D) कैवल्यसर्गः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 131

372. प्रकृतेरनुपलब्धिः .... भवति GJ SET–2016

(A) सौक्ष्म्यात् (B) अतिसामीप्यात्

(C) अतिदूरात् (D) अभावात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-8) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 27

373. सांख्यदर्शने कैवल्यं भवति– GJ SET–2003

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य

(C) मनसः (D) गुणस्य

स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी-प्रभा (का0-68)-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–305

374. प्रत्ययसर्गस्य निरूपणं वर्तते– GJ SET–2008

(A) सांख्यकारिकायाम् (B) वेदान्तसारे

(C) तर्कभाषायाम् (D) तर्कसंग्रहे

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-46) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 131

375. .... अष्टसिद्धिषु न परिगण्यते– GJ SET–2016

(A) अणिमा (B) ईशित्वम्

(C) तनिमा (D) लघिमा

स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 76

376. संकल्प is the characteristic of– WB SET–2010

(A) बुद्धिः (B) अहङ्कारः

(C) मनः (D) पञ्चतन्मात्रम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-27) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84

377. Arrange in Correct order– WB SET–2010

(क) गुरुवरणकम् 1. सत्त्वम्

(ख) उपष्टम्भकं चलञ्च 2. रजः

(ग) लघुप्रकाशकम् 3. तमः

	क	ख	ग
(A)	1	2	3
(B)	3	2	1
(C)	2	3	1
(D)	1	3	2

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-13) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 45,46

367. (A) 368. (A) 369. (D) 370. (A) 371. (C) 372. (A) 373. (B) 374. (A) 375. (C) 376. (C) 377. (B)

378. सांख्यकारिकानुसारं किं तत्त्वं प्रधानपुरुषयोः अन्तरं विशिनष्टि? UGC 25 Jn–2017

(A) मनः (B) बुद्धिः
(C) अहङ्कारः (D) ज्ञः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-37)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ-109,110

379. (i) ''जननमरणकरणानां ....'' इत्यनेन सिद्धम्–
(ii) 'जननमरणकरणानां प्रतिनियमात्' इति हेतोः किं सिध्यति? RPSC SET–2013, UGC 25 D–2009

(A) पुरुषबहुत्वम् (B) गुणबहुत्वम्
(C) इन्द्रियबहुत्वम् (D) कारणबहुत्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

380. कपिलमुनेः शिष्यः आसीत्– KL SET–2015

(A) विज्ञानभिक्षुः (B) आसुरिः
(C) ईश्वरकृष्णः (D) पञ्चशिखः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-70) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 175

381. आत्मानं प्रकाश्य नर्तकी इव का निवर्तते? KL SET–2015

(A) बुद्धिः (B) प्रकृतिः
(C) तन्मात्राणि (D) इन्द्रियाणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-59) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 160

382. आलोचनमात्रं वृत्तिरस्ति– KL SET–2015

(A) कर्मेन्द्रियाणाम् (B) महाभूतानाम्
(C) ज्ञानेन्द्रियाणाम् (D) पुरुषाणाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-28) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 87

383. बुद्धेः कति भेदाः सन्ति– KL SET–2015

(A) 05 (B) 07
(C) 08 (D) 12

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-23) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 74

384. सांख्यनये .... प्रमाणमिष्टम्– GJ SET–2011

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) त्रिविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 12

385. पुरुषस्य दर्शनार्थं ..... तथा प्रधानस्य? GJ SET–2011

(A) मोक्षार्थम् (B) अपवर्गार्थम्
(C) कैवल्यार्थम् (D) मुक्त्यर्थम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-21) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 68

386. 'पुरुषबहुत्वं सिद्धम्' इति कस्य मतम्? GJ SET–2013

(A) सदानन्दस्य (B) नृसिंहसरस्वतेः
(C) ईश्वरकृष्णस्य (D) केशवमिश्रस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-18) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 59

387. अधोलिखितेषु अव्यक्तस्य कारणत्वे को हेतुः नास्ति? UGC 73 Jn–2017

(A) भेदानां परिमाणम् (B) समन्वयः
(C) शक्तितः प्रवृत्तिः (D) त्रैगुण्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.-15) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 51

388. अविनाभावनियमोऽदर्शनात्– MH SET–2016

(क) कार्यकारणभावात् (ख) असदकरणात्
(ग) उपादानग्रहणात् (घ) सर्वसम्भवाभावात्

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(C) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(D) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-9)

389. सांख्यकारिकानुसारेण किं कारणं प्रकृतेः अनुपलब्ध्या सम्बन्धं नास्ति– RPSC SET–2010

(A) सौक्ष्यम् (B) अतिसामीप्यम्
(C) अतिदूरम् (D) अधिष्ठानम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.17) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 56

390. भूतादिशब्देन किमुच्यते– HE–2015

(A) तमः प्रधानोऽहङ्कारः (B) शुद्धोऽहङ्कारः
(C) सत्वप्रधानोऽहङ्कारः (D) रजः प्रधानोऽहङ्कारः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.25) – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 78

378. (B) 379. (A) 380. (B) 381. (B) 382. (C) 383. (C) 384. (D) 385. (C) 386. (C) 387. (D) 388. (D) 389. (D) 390. (A)

02 योगसूत्र

1. (i) योगदर्शनस्य प्रवर्तकोऽस्ति– BHU MET–2012
   (ii) योगदर्शन के प्रवर्तक कौन हैं? UGC 73 J–2006 D–2006
   (A) पाणिनि (B) पतञ्जलि
   (C) कपिल (D) कणाद

स्रोत–भारतीयदर्शन की रूपरेखा-हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा, पृष्ठ-270

2. पतञ्जलि का नाम किससे सम्बद्ध है? BHU MET–2010
   (A) वार्तिक (B) अष्टाध्यायी
   (C) योगदर्शन (D) निरुक्त

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 21

3. (i) योगसूत्रकार हैं - UGC 73 D– 2004, J– 2005,
   (ii) योगसूत्रस्य कर्त्ता अस्ति– BHU MET–2011
   (A) कपिल (B) गौतम
   (C) पतञ्जलि (D) जैमिनि

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ-3

4. 'व्यासभाष्य' किस दर्शन में पाया जाता है ? BHU MET–2010
   (A) न्याय (B) सांख्य
   (C) जैन (D) योग

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 21

5. योगभाष्यटीकाकारेषु प्राचीनतमोऽस्ति–MH-SET–2013
   (A) शङ्करः (B) विज्ञानभिक्षुः
   (C) वाचस्पतिः (D) हरिहरानन्दारण्यः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 03

6. 'योगसूत्र' पर भाष्य लिखा है - UP PGT–2005
   (A) वाल्मीकि ने (B) पाणिनि ने
   (C) शङ्कराचार्य ने (D) व्यास ने

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 21

7. योगदर्शन के भाष्यकार हैं? UGC 73 JL–2016
   (A) शङ्कर (B) वेदव्यास
   (C) रामानुज (D) पतञ्जलि

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 21

8. व्यास किसके भाष्यकार हैं - UGC 25 D–1996
   (A) सांख्यसूत्र (B) ब्रह्मसूत्र
   (C) न्यायसूत्र (D) योगसूत्र

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 21

9. समाधिपाद अस्ति - UGC 73 J–2013
   (A) योगसूत्रग्रन्थे (B) न्यायसूत्रग्रन्थे
   (C) भक्तिसूत्रग्रन्थे (D) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 01

10. पातञ्जलयोगसूत्रे आद्यं सूत्रं किम्? DSSSB PGT–2014
    (A) अथ योगशासनम् (B) योगानुशासनम्
    (C) अथ योगानुशासनम् (D) अथ योगः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-01

11. अथ योगानुशासनमित्यत्र 'अथ' शब्दस्य कति अर्थाः भवन्ति? HAP–2016
    (A) पञ्च (B) षट्
    (C) चत्वारः (D) त्रयः

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य – सत्यानन्द सरस्वती, पृष्ठ- 21

12. योगसूत्रव्याख्याभाष्यं वर्तते - UP GDC–2013
    (A) व्यासभाष्यम् (B) महाभाष्यम्
    (C) शाङ्करभाष्यम् (D) नारदसंहिता

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पेज- 21

13. सेश्वरं दर्शनमस्ति - UGC 73 D–2013, J–2014
    (A) योगः (B) सांख्यः
    (C) चार्वाकः (D) बौद्धः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 39

1. (B) 2. (C) 3. (C) 4. (D) 5. (C) 6. (D) 7. (B) 8. (D) 9. (A) 10. (C) 11. (A) 12. (A) 13. (A)

14. 'सेश्वरसांख्य' कौन हैं ? UGC 73 D–2008

(A) मीमांसकाः (B) नैयायिकाः
(C) पातञ्जलिमतानुयायिनः (D) कापिलेयमतानुयायिनः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 39

15. दो दर्शनों में ईश्वर के अतिरिक्त सर्वसमान है - UGC 73 J–2012

(A) जैनबौद्धयोः (B) सांख्ययोगयोः
(C) न्यायवैशेषिकयोः (D) सांख्यचार्वाकयोः

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 162

16. (i) पतञ्जलि के मत में योग का लक्षण है-
(ii) योगसूत्र में योग का लक्षण है–UGC 73 J–1998,
(iii) योगमतानुसारं योगस्य लक्षणम् अस्ति– 1999,
(iv) योगस्य लक्षणं किम्? 2007, BHU AET–2010

(A) कर्मसु कौशलम् (B) युतसिद्धयोः सम्बन्धः
(C) चित्तवृत्तिनिरोधः (D) सन्निकर्षविशेषः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.2)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव पृष्ठ- 09

17. योगशब्द का अर्थ है - UGC 73 D–2009

(A) अभ्यासः (B) विनयानुशीलम्
(C) आनन्दानुगमः (D) चित्तवृत्तिनिरोधः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.2)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 09

18. पातञ्जलयोगसूत्रे 'चित्तवृत्तिनिरोधः' इत्यनेन कस्य परिचयः उक्तः ? UP GDC–2013

(A) धर्मस्य (B) योगस्य
(C) मोक्षस्य (D) कर्मणः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.2)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 09

19. द्रष्टुः स्वरूपेऽवस्थानं कदा भवति? BHU AET–2010

(A) विकल्पविरोधे (B) चित्तवृत्तिनिरोधे
(C) चित्तवृत्तिविरोधे (D) विकल्पसत्त्वे

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 18

20. 'अथ योगानुशासनम्' अत्राथशब्देन किमुच्यते ? BHU AET–2011

(A) मङ्गलम् (B) आनन्तर्यम्
(C) अधिकारः (D) प्रश्नः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 01

21. (i) योगदर्शन में कितनी वृत्तियाँ हैं? DSSSB PGT–2014,
(ii) योगशास्त्रे कति वृत्तयः अङ्गीकृताः सन्ति?
(iii) चित्तवृत्तयः कति विद्यन्ते? BHU MET–2009
(iv) योगदर्शने चित्तवृत्तीनां संख्या निर्दिष्टा -
(v) चित्तवृत्तयः कति प्रतिपादिताः– GJ SET–2013,
(vi) योगसूत्रानुसारेण कति वृत्तयो भवन्ति–
BHU MET–2009, 2011, 2013, BHU AET–2010, 2011, UP GDC–2012, MH SET–2016

(A) दश (B) षट्
(C) पञ्च (D) अनन्ताः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.5)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 24

22. व्यासभाष्ये स्मृतिः कतिविधा प्रोक्ता? BHU AET–2010

(A) एकविधा (B) द्विविधा
(C) त्रिविधा (D) चतुर्विधा

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.11)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 45,46

23. योगसूत्रे चित्तविक्षेपाः कति प्रतिपादिताः? BHU AET–2010, 2011

(A) अष्ट (B) नव
(C) दश (D) एकादश

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.30)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-99,100

24. (i) योगसूत्रे क्लेशाः कति प्रतिपादिताः? HAP-2016,
(ii) क्लेशाः कति भवन्ति? BHU AET–2010, 2011,
(iii) क्लेशाः सन्ति– UGC 73 J–2010
(iv) योगमते क्लेशः कतिविधः भवति–

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) द्वौ (D) त्रयः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 161

25. (i) योगसूत्रे क्रियायोग इत्यनेन कति प्रतिपादितानि?
(ii) क्रियायोगाः कति? BHU AET–2010, 2011

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 156

14. (C) 15. (B) 16. (C) 17. (D) 18. (B) 19. (B) 20. (C) 21. (C) 22. (B) 23. (B) 24. (B) 25. (A)

26. योगदर्शन में प्रतिपादित सिद्धियाँ हैं-UGC 73 J–2008
(A) त्रयः (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (4.6)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 503

27. विपर्यय के प्रकार हैं - UGC 25 D–2002
(A) 5 (B) 20
(C) 15 (D) 8
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.8)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36,37

28. योगमतानुसार तत्त्व होते हैं - UGC 73 J–1998
(A) षड्विंशतिः (26) (B) पञ्चदश (15)
(C) पञ्चविंशतिः (25) (D) अष्टाविंशतिः (28)
स्रोत–(i) पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू0 पृष्ठ- 40
(ii) भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–162

29. व्यासभाष्यानुसारं चित्तभूमयः कति सन्ति? UGC 25 J–2016
(A) पञ्च (B) चतस्रः
(C) षट् (D) सप्त
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-1,06

30. अणिमादीनि ऐश्वर्याणि कति? DSSSB PGT–2014
(A) अष्टौ (B) नव
(C) दश (D) एकादश
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-293

31. योगदर्शने कति पादाः सन्ति ? BHU AET–2010
(A) एकः (B) द्वौ
(C) त्रयः (D) चत्वारः
स्रोत– भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 158

32. समाधिपादे कति सूत्राणि सन्ति ? BHU AET–2010
(A) 51 (B) 52
(C) 53 (D) 54
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.51)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 153

33. साधनपादे कति सूत्राणि सन्ति ? BHU AET–2010
(A) 52 (B) 53
(C) 54 (D) 55
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.55)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 316

34. (i) योगदर्शने प्रमाणानि कति प्रतिपादितानि?
(ii) योगदर्शने कति प्रमाणानि सन्ति–
(iii) योगसम्मत प्रमाणों की संख्या कितनी है?
BHU AET–2010, 2011, CVVET–2017
UGC 73 D–1994, 1997 J–2012
(A) एकम् (B) द्वे
(C) त्रीणि (D) चत्वारि
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.7)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 28

35. ऐश्वर्य यौगिक-अयौगिक इन तीन प्रकारों का क्या होता है? UGC 73 J–2016
(A) प्रत्यक्षम् (B) आगमः
(C) द्रव्यम् (D) उपमानम्
स्रोत–

36. (i) समाधि के भेद हैं -
(ii) योगमते समाधिः कतिविधः भवति–
(iii) योगसूत्रानुसारेण समाधिः?
(iv) योगमते समाधिः भवति– CVVET–2017
UGC 73 D–2004, 2011, 2012, J–2010
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 32

37. सम्प्रज्ञात समाधि होती है - UGC 73 J–2005
(A) सात (B) पाँच
(C) तीन (D) चार
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- 32

38. पातञ्जलयोगसूत्राभिमते कः न सम्प्रज्ञातसमाधिः? JNU M. Phil/Ph. D–2015
(A) सवितर्कः (B) सानन्दः
(C) भवप्रत्ययः (D) सविचारः
पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.17)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

26. (C) 27. (A) 28. (A) 29. (A) 30. (A) 31. (D) 32. (A) 33. (D) 34. (C) 35. (B) 36. (B) 37. (D) 38. (C)

39. (i) यम हैं - UGC 73 D–2004, 2011,
(ii) यमाः कति सन्ति– BHU AET–2011
(iii) योगदर्शनानुसारेण कति यमाः?
(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.30)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 266

40. (i) योगदर्शन में नियम हैं - UGC 73 D–2004,
(ii) योगाङ्गेषु कति नियमाः कथिताः? J–2011,
(iii) योगदर्शनानुसारेण नियमाः सन्ति–
BHU AET–2011, MH-SET–2016
(A) पाँच (B) छः
(C) सात (D) आठ

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.32)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 273

41. (i) योग के अङ्ग हैं- UGC 73 D–2009, 2010,
(ii) योगाङ्गानि भवन्ति– S–2013,
(iii) योगस्य अङ्गानि कति सन्ति–BHU AET–2011
(iv) योगाङ्गेषु कति नियमाः कथिताः?
(A) दश (B) नव
(C) अष्टौ (D) सप्त

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.29)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 265

42. योगदर्शने 'विकल्पवृत्तिः' अस्ति- UP GDC–2012
(A) प्रत्यक्षानुमानप्रमाणता
(B) स्मृतिः
(C) शब्दज्ञानानुपातिवस्तुशून्यता
(D) वैराग्यभावात्मिका

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.9)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 38

43. (i) 'पञ्चतय्यः क्लिष्टाक्लिष्टाः' इति सूत्रे काः प्रतिपादिताः? BHU AET–2010, UGC 73
(ii) 'क्लिष्टाक्लिष्ट पञ्चतय्य' होती हैं- J–2014
(A) स्मृतयः (B) प्रकृतयः
(C) वृत्तयः (D) विकृतयः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.5)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 24

44. शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यः कः भवति ?
BHU AET–2010
(A) विकल्पः (B) प्रमाणम्
(C) निद्रा (D) विपर्ययः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.9)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 38

45. योगानुसारं मिथ्याज्ञानम् अतद्रूपप्रतिष्ठम्–
K SET–2013
(A) विकल्पः (B) स्मृतिः
(C) निद्रा (D) विपर्ययः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.8)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

46. निम्नलिखित में से कौन 'योग' के अङ्ग नहीं हैं ?
UP PGT–2005
(A) यम-नियम (B) चित्त-परिकर्म
(C) आसन-प्राणायाम (D) प्रत्याहार-धारणा

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.29)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 265

47. योगानुसारं कः पूर्वेषामपि गुरुः? K-SET–2013
(A) पतञ्जलिः (B) भाष्यकारो व्यासः
(C) ईश्वरः (D) मनुः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.26)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 92

48. योगसूत्रव्यासभाष्ये विधारणम् इत्यनेन किमुक्तम् -
BHU AET–2010
(A) प्राणायामः (B) प्राणत्यागः
(C) देहत्यागः (D) बुद्धित्यागः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.34)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 112

49. योगसूत्र के अनुसार ब्रह्मचर्य प्रतिष्ठा में होता है ?
UGC 73 J–2011
(A) वीर्यनाशः (B) वीर्यलाभः
(C) निद्राजयः (D) वैराग्यलाभः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.38)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 286

50. यमादि .... अङ्गानि भवन्ति - UGC 73 D–2012
(A) अपवर्गस्य (B) तत्त्वज्ञानस्य
(C) चित्तवृत्तिनिरोधस्य (D) ध्यानस्य

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.29)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-265,9

39. (B) 40. (A) 41. (C) 42. (C) 43. (C) 44. (A) 45. (D) 46. (B) 47. (C) 48. (A)
49. (B) 50. (C)

51. 'देशबन्धश्चित्तस्य धारणा' यह सूत्र है-UGC 73 D–2013
(A) चतुर्थपादे (B) प्रथमपादे
(C) तृतीयपादे (D) द्वितीयपादे

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 320

52. अहिंसाप्रतिष्ठायां तत्सन्निधौ - BHU AET–2011
(A) लोभत्यागः (B) कामत्यागः
(C) क्रोधत्यागः (D) वैरत्यागः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.35)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 284

53. सत्यप्रतिष्ठायां सिद्धिः - BHU AET–2011
(A) आसनस्य (B) वाचः
(C) प्राणायामस्य (D) कल्पनायाः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.36)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 285

54. अस्तेयप्रतिष्ठायाम् उपस्थानम् - BHU AET–2011
(A) सर्वरत्नानाम् (B) सर्वसिद्धीनाम्
(C) सर्वबुद्धीनाम् (D) सर्वसुखानाम्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.37)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 286

55. कस्य प्रतिष्ठायां वीर्यलाभः - BHU AET–2011
(A) सत्यस्य (B) अस्तेयस्य
(C) ब्रह्मचर्यस्य (D) अपरिग्रहस्य

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.38)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 286

56. अनुत्तमसुखलाभः - BHU AET–2011
(A) ब्रह्मचर्यात् (B) सन्तोषात्
(C) शौचात् (D) तपसः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.42)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 291

57. ततः क्षीयते प्रकाशावरणम् - BHU AET–2011
(A) अनन्तसमापत्तेः (B) प्राणायामात्
(C) देवतासम्प्रयोगात् (D) प्रत्याहारात्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.52)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 312

58. व्यासभाष्यकारः कति आसनानां वर्णनं कृतवान्– HAP–2016
(A) त्रयोदशानाम् (B) एकादशानाम्
(C) पञ्चदशानाम् (D) चतुर्दशानाम्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.46)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 297

59. चित्तस्य देशबन्धः - BHU AET–2011
(A) धारणा (B) समाधिः
(C) ध्यानम् (D) प्रत्याहारः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 320

60. योगमत में आसन का लक्षण है - UGC 73 D–1997
(A) स्थितप्रज्ञम् (B) मनः शान्तिः
(C) स्थितकरणम् (D) स्थिरसुखम्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.46)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 296

61. प्राणायामः कीदृशो भवति - DSSSB PGT–2014
(A) पद्मासनस्थितस्य ओङ्कारध्यानम्
(B) अत्यन्तं प्राणत्यागः
(C) श्वासप्रश्वासयोः विधानम्
(D) श्वासप्रश्वासयोः गतिविच्छेदः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.49)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 301

62. अष्टाङ्गयोग के अनुसार नियमों में गणना नहीं है। UGC 73 J–2015
(A) शौचम् (B) सत्यम्
(C) स्वाध्यायः (D) सन्तोषः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.32)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 273

63. योगदर्शन के अनुसार अन्तरङ्गयोगाङ्ग है– UGC 73 J–2015
(A) धारणा (B) प्राणायामः
(C) प्रत्याहारः (D) यमाः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.7)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 328,329

64. (i) योगदर्शन में ईश्वर है - UGC 73 J–2006,
(ii) योगसूत्रे ईश्वरः कथं वर्णितः? BHU AET–2010
(A) जगत्कर्ता (B) पुरुषविशेष
(C) प्रकृतिपरिणाम (D) ब्रह्मस्वरूप

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.24)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

65. तस्य वाचकः कः ? BHU AET–2010
(A) प्रणवः (B) समाधिः
(C) सम्प्रज्ञातः (D) असम्प्रज्ञातः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.27)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 93

51. (C)	**52. (D)**	**53. (B)**	**54. (A)**	**55. (C)**	**56. (B)**	**57. (B)**	**58. (B)**	**59. (A)**	**60. (D)**
61. (D)	**62. (B)**	**63. (A)**	**64. (B)**	**65. (A)**					

66. (i) प्रणववाचक है - UGC 73 J–2009, 2013
(ii) योगमत में प्रणव है - D–1994
(iii) प्रणव किसका वाचक है–
(A) योगस्य वाचकः (B) ईश्वरस्य वाचकः
(C) जपवाचकः (D) वैराग्यस्य वाचकः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.27)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 93

67. ईश्वर कौन मानता है ? UGC 73 D–1999
(A) सांख्य (B) बौद्ध
(C) योग (D) चार्वाक
भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 276

68. योगदर्शन में यह छब्बीसवाँ तत्त्व कौन-सा है ? H TET–2014
(A) आत्मा (B) ईश्वर
(C) योग (D) अहङ्कार
स्रोत–(I) पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.24)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-80
(II) भारतीयदर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-158

69. योगदर्शनानुसारं कः योगाङ्गैः सह सम्बद्धः न अस्ति– UGC 25 D–2015
(A) विकल्पः (B) प्रत्याहारः
(C) नियमः (D) प्राणायामः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.29)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 265

70. (i) योगमत में प्रमाण हैं - UGC 73 J–2009 D–2010
(ii) योगमते कति प्रमाणानि–
(A) प्रत्यक्षागमोपमानानि (B) प्रत्यक्षोपमानार्थापत्तयः
(C) प्रत्यक्षानुमानागमाः (D) प्रत्यक्षानुमानानुपलब्धयः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.7)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 28

71. योगमत में प्रमाण हैं - UGC 73 D–2014
(A) अर्थापत्तिः (B) अनुपलब्धिः
(C) सम्भवः (D) आगमः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.7)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 28

72. समाधिसिद्धिः - BHU AET–2011
(A) स्वाध्यायात् (B) ईश्वरप्रणिधानात्
(C) आसनात् (D) तपसः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.45)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 294

73. योगमत में कैवल्य का एक उपाय है-UGC 73 J–1999
(A) ध्यानमुद्रा (B) प्रकृतिसंयोग
(C) अविद्या (D) ईश्वरप्रणिधान
स्रोत–(i) पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.23)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-78,79
(ii) भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–163

74. पुरुषस्य स्वस्वरुपेऽवस्थानं कदा भवति– HAP–2016
(A) एकाग्रावस्थायाम् (B) मूढावस्थायाम्
(C) क्षिप्तावस्थायाम् (D) कैवल्ये
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 18

75. योगमत में 'अभिनिवेश' का अर्थ होता है - UGC 73 D–2007
(A) समाधिः (B) मरणभयम्
(C) आग्रहः (D) वैराग्यम्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.9)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 177-178

76. दृग्दर्शनशक्त्योरेकात्मतेव - BHU AET–2011
(A) अविद्या (B) अस्मिता
(C) रागः (D) द्वेषः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् 2.6)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 174

77. सुखानुशयी - BHU AET–2011
(A) अभिनिवेशः (B) द्वेषः
(C) रागः (D) अस्मिता
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.7)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 176

78. दुःखानुशयी - BHU AET–2011
(A) रागः (B) द्वेषः
(C) अस्मिता (D) अभिनिवेशः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.8)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 177

79. इसमें चित्तभूमियों की आलोचना है- UGC 73 J–2007
(A) न्यायदर्शन (B) वैशेषिकदर्शन
(C) मीमांसादर्शन (D) योगदर्शन
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.27)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 256

66. (B) 67. (C) 68. (B) 69. (A) 70. (C) 71. (D) 72. (B) 73. (D) 74. (D) 75. (B)
76. (B) 77. (C) 78. (B) 79. (D)

80. **व्यासभाष्ये वितर्क इत्यनेन कः अर्थः प्रतिपादितः?** **BHU AET–2010**
(A) सूक्ष्मविचारः
(B) एकात्मिका संवित्
(C) चित्तस्यालम्बने स्थूलआभोगः
(D) ह्लादः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 63

81. **अन्तरायाः के ?** **BHU AET–2010**
(A) चित्तविक्षेपाः (B) शरीरविक्षेपाः
(C) उभयम् (D) नोभयम्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.30)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 99

82. **व्यासभाष्ये 'स्वाध्याय' इत्यनेन कोऽर्थः प्रतिपादितः?** **BHU AET–2010**
(A) गुरुमुखतोऽध्ययनम् (B) निरन्तराध्ययनम्
(C) सर्वशास्त्राध्ययनम् (D) मोक्षशास्त्राध्ययनम्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.32)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 274

83. **हेयं दुःखं कीदृशम् ?** **BHU AET–2010**
(A) आगतम् (B) वर्तमानम्
(C) अनागतम् (D) पुनः पुनः प्राप्तम्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.16)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 211

84. **तदा .... स्वरूपेऽवस्थानं कस्य ?** **BHU AET–2010**
(A) प्रकृतेः (B) द्रष्टुः
(C) दृश्यस्य (D) दृशः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 18

85. **तदा द्रष्टुः कुत्रावस्थानम् ?** **BHU AET–2010**
(A) स्वरूपे (B) अहङ्कारे
(C) बुद्धौ (D) प्रकृतौ
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 18

86. **अभ्यासवैराग्याभ्यां सूत्रकारेण किमुक्तम् ?** **BHU AET–2010**
(A) तन्निरोधः (B) तद्विरोधः
(C) तदुत्पत्तिः (D) तद्स्थितिः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.12)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 50

87. **स्थितप्रज्ञ किसे कहते हैं ?** **UP PGT–2005**
(A) जो सभी मनोकामनाओं को छोड़ देता है।
(B) जो अपने आप में सन्तुष्ट रहता है।
(C) जो दुःखों से घबराता नहीं है।
(D) उपर्युक्त सभी गुण हों।
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/55-56)–गीताप्रेस

88. **अस्मिता है -** **UGC 73 J–2009**
(A) दर्शनस्यैकात्मता (B) दृच्छक्तेरेकात्मता
(C) दृष्टिदोषः (D) दृग्दर्शनशक्त्योरेकात्मता
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.6)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 174

89. **योगमत में अभ्यास है -** **UGC 73 D–2009**
(A) कायिकाभ्यासः (B) वाचिकाभ्यासः
(C) स्थितौ यत्नः (D) अनुभूतिविशेषः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.13)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 53

90. **योगदर्शने पुरुषस्य चैतन्यं कस्य उदाहरणमस्ति?** **JNU M. Phil/Ph. D–2014**
(A) विकल्पवृत्तेः (B) विपर्ययवृत्तेः
(C) प्रमाणवृत्तेः (D) स्मृतिवृत्तेः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.9)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 38

91. **संयमसिद्ध प्रतिपादित करता है-** **UGC 73 J–2014**
(A) परिणामत्रयसंयमात् अतीतानागतज्ञानम्
(B) प्रत्ययस्य परचित्तज्ञानम्
(C) त्रयमेकत्र संयमः
(D) त्रयमन्तरङ्गपूर्वेभ्यः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.16)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 370

92. **अविद्यायाः नाशो भवति -** **UGC 73 J–2013**
(A) इन्द्रियसाक्षात्कारात् (B) ब्रह्मसाक्षात्कारात्
(C) चित्तवृत्तिनिरोधात् (D) प्राणवियोगात्
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 579

93. **अभ्यास वैराग्यों से होता है -** **UGC 73 S–2013**
(A) प्राणनिरोध (B) वृत्तिनिरोध
(C) इन्द्रियनिरोध (D) अज्ञाननिरोध
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.12)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 50,51

80. (C) 81. (A) 82. (D) 83. (C) 84. (B) 85. (A) 86. (A) 87. (D) 88. (D) 89. (C)
90. (A) 91. (A) 92. (B) 93. (B)

94. तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव-BHU AET–2011
(A) समाधिः (B) संयमः
(C) ध्यानम् (D) प्रत्याहारः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.3)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 323

95. धारणा-ध्यान-समाधयः एकत्र - BHU AET–2011
(A) संयमः (B) प्रज्ञालोकः
(C) विनियोगः (D) निरोधपरिणामः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.4)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 325

96. कस्मिन् चित्ते असम्प्रज्ञातो योगः सम्भवति ? DSSSB PGT–2014
(A) मूढे (B) विक्षिप्ते
(C) निरुद्धे (D) एकाग्रे
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.2)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

97. सम्प्रज्ञातसमाधेः किं लक्षणमस्ति– MH SET–2013
(A) चित्तस्यावृत्तिकस्य प्रशान्तवाहिता स्थितिः
(B) वितर्कविचारानन्दास्मितारूपानुगमात्
(C) कौष्ठ्यस्य वायोर्नासिकपुराभ्यां प्रयत्नविशेषाद्वमनम्
(D) सर्ववृत्तिप्रत्ययस्तमये संस्कारशेषो निरोधो चित्तस्य
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.17)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

98. (i) योगदर्शन के अनुसार निर्बीज समाधि का दूसरा नाम क्या है? UGC 73 D–2015
(ii) योगसूत्रभाष्ये निर्बीजः समाधिः क उक्तः? UGC 25 Jn–2017
(A) सम्प्रज्ञातसमाधिः (B) असम्प्रज्ञातसमाधिः
(C) विदेहसमाधिः (D) भावसमाधिः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

99. सम्प्रज्ञातसमाधिः अस्ति– JNU M. Phil/Ph. D–2014
(A) निरुद्धचित्तावस्था (B) एकाग्रचित्तावस्था
(C) विक्षिप्तचित्तावस्था (D) क्षिप्तचित्तावस्था
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

100. निम्नलिखित में उचित मेल कीजिये– UGC 73 D–2015
(क) अस्तेयम् (i) नियम
(ख) शौचम् (ii) संयम
(ग) धारणा, ध्यान, समाधि (iii) प्रमाणम्
(घ) आगम (iv) यम

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-28, 266, 273, 325

101. निम्नलिखित में योगदर्शन के अनुसार किसकी महाव्रत संज्ञा नहीं है? UGC 73 D–2015
(A) अहिंसा (B) स्वाध्याय
(C) ब्रह्मचर्य (D) अपरिग्रह
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.30-31)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-266,271

102. योगदर्शन के अनुसार 'दृग्दर्शनशक्त्योरेकात्मता' इस सूत्र के द्वारा क्या कहा गया है? UGC 73 D–2015
(A) अविद्या (B) अभिनिवेश
(C) अस्मिता (D) द्वेष
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.6)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 174

103. व्यासभाष्यानुसारेण का उक्तिः सत्या? UGC 25 J–2016
(A) चित्तं हि प्रख्याप्रवृत्तिस्थितिशीलत्वात् त्रिगुणम्
(B) चित्तवृत्तीनां निरोधः असाध्यः
(C) सर्ववृत्तिनिरोधे सम्प्रज्ञातः समाधिः
(D) चित्तवृत्तिबोधे पुरुषस्य अनादिः सम्बन्धः न हेतुः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.2)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 09

104. सूर्यसंयमात् किं भवति– HAP–2016
(A) भुवनज्ञानम् (B) नक्षत्रज्ञानम्
(C) विप्रकृष्टज्ञानम् (D) परशरीरावेशः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.26)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 404

94. (A) 95. (A) 96. (C) 97. (B) 98. (B) 99. (A) 100. (B) 101. (B) 102. (C) 103. (A) 104. (A)

105. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) चित्तभूमयः		(1) पञ्च		
(ख) योगाङ्गानि		(2) नव		
(ग) योगमताभिमतप्रमाणानि		(3) अष्ट		
(घ) योगान्तरायाः		(4) त्रीणि		
	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	4	2
(C)	4	1	2	3
(D)	3	4	1	2

पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ-06, 265, 28, 98, 100

106. योगसूत्रे निरूपिताः पञ्चतय्यवृत्तयः काः सन्ति– RPSC SET–2013-14

(A) रूप-विज्ञान-वेदना-संज्ञा-संस्काराः
(B) प्रमाण-विपर्यय-विकल्प-निद्रा-स्मृतयः
(C) प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दार्थापत्तयः
(D) श्रद्धा-वीर्य-स्मृति-समाधि-प्रज्ञाः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.6) – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव पृष्ठ- 28

107. क्लेशकर्मविपाकाशयैरपरामृष्टः पुरुषविशेषः कः? GJ SET–2013

(A) देवः (B) ईश्वरः
(C) कालः (D) इन्द्रः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.24)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

108. अभिनिवेशः .... अस्ति? GJ SET–2016

(A) वृत्तिः (B) चित्तभूमिः
(C) सिद्धिः (D) क्लेशः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.3)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-161

109. क्रियायोगस्य .... अङ्गानि सन्ति? GJ SET–2016

(A) त्रीणि (B) पञ्च
(C) षट् (D) अष्ट

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.1)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-156

110. 'तस्मिन् परमगुरौ सर्वकर्मार्पणम्' इति व्यासभाष्येण किं लक्षितम्? UGC 25 Jn–2017

(A) सन्तोषः (B) तपः
(C) स्वाध्यायः (D) ईश्वरप्रणिधानम्

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.32)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 273

111. योगस्य नवान्तरायेषु किं न गण्यते? UGC 73 Jn–2017

(A) व्याधिः (B) संशयः
(C) अदर्शनम् (D) प्रमादः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.30)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 99

112. पातञ्जलदर्शने क्रियायोगे किं नान्तर्भवति? UGC 73 Jn–2017

(A) तपः (B) स्वाध्यायः
(C) ईश्वरप्रणिधानम् (D) कर्म

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (2.1)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 156

113. अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहाः सन्ति– K SET–2014

(A) यमाः (B) नियमाः
(C) प्राणायामः (D) धारणा

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् –सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 266

114. योगदर्शने 'तत्त्ववैशारदी' टीकाग्रन्थस्य रचयिता कः? UGC 73 Jn–2017

(A) पतञ्जलिः (B) व्यासः
(C) भोजदेवः (D) वाचस्पतिमिश्रः

स्रोत– भारतीयदर्शन की रूपरेखा-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ-270

115. सर्वभावाधिष्ठातृत्वं कस्यां सिद्धौ भवति– UGC 73 Jn–2017

(A) मधुमतीसिद्धौ (B) विशोकासिद्धौ
(C) मधुप्रतीकासिद्धौ (D) संस्कारशेषासिद्धौ

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (3.49)–सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पृष्ठ- 467

116. समापत्ति होती है– UGC 73 D–2006

(A) छः (B) चार
(C) तीन (D) पाँच

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.46)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-143

105. (B) 106. (B) 107. (B) 108. (D) 109. (A) 110. (D) 111. (C) 112. (D) 113. (A) 114. (D) 115. (B) 116. (B)

03 तर्कसंग्रह

1. (i) वैशेषिकदर्शनस्य प्रवर्त्तकः कः? BHU AET–2010,
(ii) वैशेषिकसूत्राणां कर्ता कः? UP GIC–2015
(iii) वैशेषिकदर्शनस्य प्रवर्तक आचार्यः अस्ति - KL SET–2016

(A) कपिलः (B) कणादः
(C) गौतमः (D) जैमिनिः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 04

2. कणाद-ऋषिणा किं दर्शनं प्रणीतम् - BHU Sh. ET–2013

(A) न्याय-दर्शनम् (B) वैशेषिकदर्शनम्
(C) सांख्य-दर्शनम् (D) मीमांसा-दर्शनम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (ii)

3. वैशेषिकदर्शने कति अध्यायाः सन्ति? BHU AET–2011

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) अष्ट (D) दश

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, भू. पृष्ठ- 12

4. 'तर्कसंग्रहः एकः...................... GJ-SET-2016

(A) विवरणग्रन्थः (B) मिश्रप्रकरणग्रन्थः
(C) वादग्रन्थः (D) क्रोडपत्रम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (iii)

5. (i) तर्कसंग्रह के रचनाकार हैं - RPSC SET–2010,
(ii) तर्कसंग्रहस्य लेखकोऽस्ति? 2013-14,
(iii) तकसंग्रहस्य कर्त्ता– BHU AET–2011,
(iv) तर्कसंग्रहस्य प्रणेता कः? BHU MET–2008, 2009 2011, 2013, MP वर्ग -I PGT–2012, G-GIC–2015 UGC 25 D–2003, S–2013, UGC 73 J–2009

(A) केशवमिश्र (B) अन्नम्भट्ट
(C) ईश्वरकृष्ण (D) पतञ्जलि

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, भू. पृष्ठ- 16

6. (i) तर्कसंग्रह के दीपिकाकार हैं ?
(ii) तर्कसंग्रहस्य दीपिकाटीकायाः प्रणेता कः अस्ति?
(iii) तर्कसंग्रहस्य 'दीपिकाव्याख्या' केन विरचिता? BHU AET–2011, UGC 73 D–2014, KL SET–2015, MH-SET–2013

(A) गौतमः (B) विश्वनाथपञ्चाननः
(C) अन्नम्भट्टः (D) कणादः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (v)

7. (i) वैशेषिक दर्शन में पदार्थों की संख्या कितनी है?
(ii) पदार्थानां का संख्या?
(iii) वैशेषिकदर्शने कति पदार्थाः स्वीकृताः?
(iv) न्यायवैशेषिकमतानुसारं पदार्थाः -
(v) तर्कसंग्रहानुसारं पदार्थाः कति – BHU MET–2010
(vi) तर्कसंग्रहानुसारं पदार्थाः कतिविधाः? BHU AET–2010, BHU Sh.ET–2011, 2013, GJ-SET–2004, K-SET–2013 UGC 25 J–2014, 2015, 2016

(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्टौ

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 20

8. (i) तर्कसंग्रह के अनुसार द्रव्य हैं-DSSSB TGT–2014,
(ii) वैशेषिकमतेन द्रव्याणि कति? UGC 25 J–2012,
(iii) तर्कसंग्रहानुसारं द्रव्याणि - S–2013, D–2014, MH SET–2013, GJ SET–2004

(A) षट् (B) चत्वारि
(C) सप्त (D) नव

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 23

9. द्रव्यगुणकर्मसामान्यविशेषसमवायाभावाः.....पदार्थाः- GJ- SET- 2011

(A) नव (B) दश
(C) सप्त (D) पञ्च

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 20

1. (B) 2. (B) 3. (D) 4. (B) 5. (B) 6. (C) 7. (C) 8. (D) 9. (C)

10. अतीतादिव्यवहारहेतुः................ GJ-SET-2011

(A) कालः (B) आत्मा

(C) बुद्धिः (D) जीवः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 45

11. अन्नम्भट्टमतेन आप्तस्य लक्षणं किम्? MH-SET-2011

(A) यथार्थद्रष्टा (B) यथार्थवक्ता

(C) अयथार्थनिन्दकः (D) अथार्थज्ञानी

स्रोत–तर्कसंग्रह - केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 62

12. नित्यत्वे सति अनेकसमवेतं–पूरयत। KL SET–2015, 2014

(A) द्रव्यम् (B) कर्म

(C) सामान्यम् (D) कारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 28

13. त्वचो योगो–ज्ञानकारणम्। KL SET-2014

(A) आत्मना (B) बुद्ध्या

(C) मनसा (D) स्मृत्या

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, पेज–299

14. (i) तर्कसंग्रहानुसार गुण कितने हैं?
(ii) न्याय-वैशेषिकों के द्वारा स्वीकार किये गये गुण हैं-
(iii) गुणाः कति? UPPGT–2003, BHU AET–2011,
(iv) तर्कसंग्रहे गुणाः सन्ति– UGC 25 J–2005, 2012,
(v) न्यायवैशेषिकैः अङ्गीकृताः कति गुणाः
2014, D–2008, UGC 73 D–2008, J–2015
K-SET–2014

(A) त्रयोदश (B) दश

(C) विंशतिः (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 82

15. तर्कसंग्रह के अनुसार कर्म-पदार्थ कितने प्रकार का होता है? BHU MET–2008, 2011, 2012, BHU Sh. ET–2011, BHU AET–2010

(A) 4 (B) 5

(C) 3 (D) 2

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 26

16. 'सामान्य' के प्रकार हैं? BHU MET–2011, 2012

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 28

17. नित्यद्रव्यवृत्तिः विशेषास्तु .... एव। UGC 25 D–2014

(A) अनन्ताः (B) पञ्च

(C) षट् (D) चत्वारः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 30

18. तर्कसंग्रह में कौन गुण नहीं है? BHU MET- 2016

(A) सामान्य (B) संयोग

(C) संस्कार (D) रस

स्रोत–तर्कसंग्रह - केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 03

19. सप्तसु वैशेषिकपदार्थेषु कः एक एव? BHU AET–2012

(A) द्रव्यम् (B) समवायः

(C) गुणः (D) कर्म

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 32

20. (i) अन्नम्भट्टमतानुसारेण अभावः?
(ii) तर्कसंग्रहानुसारम् अभावः कतिविधः? HE–2015,
(iii) अभावपदार्थः कतिविधः BHU AET–2011, 2012,
BHU Sh. ET–2008, 2011, GJ SET–2003,
UGC 25 J–2012, S–2013, UGC 73 J–2014

(A) एकविधः (B) द्विविधः

(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 34

21. भूतद्रव्याणि कति? BHU AET–2011

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

22. 'विभु'-द्रव्याणि कति? BHU AET–2011

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 02

10. (A) 11. (B) 12. (C) 13. (C) 14. (D) 15. (B) 16. (A) 17. (A) 18. (A) 19. (B) 20. (D) 21. (C) 22. (B)

23. (i) आत्मा न्यायदर्शनानुसारं..........भवति?
(ii) आत्मा भवति- GJ-SET- 2004, 2016
(A) द्रव्यम् (B) गुणः
(C) विशेषः (D) सामान्यम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 23

24. 'मनः' कतिविधम्? BHU AET–2011
(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) अनन्तम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

25. (i) तर्कसंग्रह में तेजोविषय के कितने भेद हैं?
(ii) तर्कसंग्रहानुसारं तैजसविषयः कतिविधः?
UGC 25 J–2014, BHU MET–2016
(A) त्रिविधः (B) द्विविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 40

26. 'विशेष'-पदार्थस्य कति भेदाः? AWES TGT–2012
(A) सप्त (B) नव
(C) अनन्ताः (D) कोऽपि न
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 32

27. (i) तर्कसंग्रहानुसारं रूपं कतिविधम्
(ii) रूपं कतिविधम्? BHU AET–2011, 2012
UGC 25 Jn–2017
(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्
(C) षड्विधम् (D) सप्तविधम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

28. (i) रसगुणः कतिविधः -
(ii) कतिविधः रसः तर्कसंग्रहानुसारम्?
BHU ShET–2013, UGC 25 J–2012
(A) चत्वारः (B) नव
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

29. गन्धः कतिविधः ?
BHU AET–2010, UGC 25 S–2013
(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

30. स्पर्शः कतिविधः? BHU AET–2012
(A) चतुर्विधः (B) त्रिविधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

31. परिमाणः कतिविधः?
BHU AET–2012, UGC 25 J–2013
(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

32. शब्दः कतिविधः? BHU AET–2011
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

33. (i) तर्कसंग्रहानुसारं पृथिव्यां रूपम् - UGC 25
(ii) पृथिव्यां कतिविधं रूपमस्ति? D–2014, J-2015
(A) द्विविधम् (B) सप्तविधम्
(C) षड्विधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

34. पृथिव्यां सन्ति गुणाः - UGC 73 J–2013
(A) सप्त (B) अष्टौ
(C) चतुर्दश (D) पञ्चदश
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

35. (i) 'तर्कसंग्रह' स्वीकार करता है?
(ii) तर्कसंग्रहानुसारं प्रमाणानि सन्ति -
UGC 25 D–1996, 2014, BHU MET–2014
(A) तीन प्रमाण (B) चार प्रमाण
(C) पाँच प्रमाण (D) छः प्रमाण
स्रोत–तर्कसंग्रह – दयानन्द भार्गव, पृष्ठ- 85

**23. (A) 24. (D) 25. (C) 26. (C) 27. (D) 28. (D) 29. (A) 30. (B) 31. (C) 32. (B)
33. (B) 34. (A) 35. (B)**

36. तर्कसंग्रह में अनुमान के प्रकार हैं–BHU MET–2014

(A) 3 (B) 4
(C) 2 (D) 5

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 86

37. तर्कसंग्रह के अनुसार वाक्य कितने प्रकार का है? BHU MET–2011, 2012, 2016

(A) एकविध (B) द्विविध
(C) त्रिविध (D) चतुर्विध

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 110

38. तर्कसंग्रह के अनुसार 'कारण' कितने प्रकार का होता है? UP PGT–2003, BHU MET–2008, 2011, 2012

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) छः

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 43

39. 'लिङ्गं' कतिविधम्? KL SET–2015, BHU AET–2011, UGC 25 S–2013

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 91

40. हेत्वाभासों में साध्याभाव में 'व्याप्त हेतु' कहलाता है? UGC 73, D-2015

(A) सव्यभिचार (B) विरुद्ध
(C) सत्प्रतिपक्ष (D) बाधित

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 216

41. 'हेत्वाभास' कितने हैं ? BHU MET–2012

(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्ट

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 95

42. 'साध्याभावसाधकं हेत्वन्तरं यस्य विद्यते सः' हेत्वाभासोऽन्नम्भट्टेन केन नाम्ना प्रोक्तः? UGC 25 J-2016

(A) 'सत्प्रतिपक्ष' नाम्ना (B) 'असिद्ध' नाम्ना
(C) 'सव्यभिचार' नाम्ना (D) 'विरुद्ध' नाम्ना

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 218

43. तर्कसंग्रहानुसारं 'संस्कारमात्रजनकं ज्ञानम्' अस्ति? UGC 25 D-2015

(A) अनुभवः (B) यथार्थः
(C) स्मृतिः (D) प्रमाणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 122

44. न्यायवैशेषिकदर्शनानुसारं सप्त.........भवन्ति GJ-SET- 2008

(A) कर्माणि (B) गुणाः
(C) द्रव्याणि (D) पदार्थाः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 20

45. पक्षत्वं नाम किम्? MH-SET- 2013

(A) सिषाधयिषाविशिष्टसिद्ध्यभावः
(B) सिषाधयिषासहितसिद्ध्यभावः
(C) सिषाधयिषाविरहविशिष्टसिद्ध्यभावः
(D) सिषाधयिषाभावः

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – महानन्द झा, पृष्ठ- 65

46. अधस्तनेषु वाक्येषु असमीचीनं विचिनुत– MH-SET- 2013

(A) आप्तस्तु यथाभूतस्यार्थस्योपदेष्टा
(B) विपक्षस्तु सन्दिग्धसाध्यधर्मः
(C) साध्यविपर्ययव्याप्तेस्तु विरुद्धः
(D) यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते तत्समवायिकारणम्

स्रोत–(i) तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 108, 115
(ii) तर्कसंग्रह-अनितासेन गुप्ता, पेज–71, 107

47. तर्कसंग्रहानुसारेण अयथार्थानुभवः कतिविधः? JNU MET-2015, KL SET–2016

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) षड्विधः (D) द्वादशविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 62

48. (i) 'यथार्थानुभव' कितने प्रकार का है?
(ii) तर्कसंग्रहमतानुसारं यथार्थानुभवः कतिविधः? UGC 73 J–2015, JNU MET–2015

(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) सप्तविधः (D) नवधा

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र,-40

36. (C)	37. (B)	38. (B)	39. (C)	40. (B)	41. (A)	42. (A)	43. (C)	44. (D)	45. (C)
46. (B)	47. (B)	48. (A)							

49. गुणाश्रयः कः - BHU AET–2011, 2012
(A) गुणः (B) गुणत्वम्
(C) द्रव्यम् (D) द्रव्यत्वम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 24,84

50. तर्कसंग्रहानुसारं प्रागप्रध्वंस अत्योन्येति चतुर्विधः? RPSC SET–2013, 2014
(A) अभावः (B) प्रभावः
(C) विभावः (D) स्वभावः
स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–288

51. नैमित्तिकद्रव्यत्वं कुत्र? BHU Sh. ET–2013
(A) आकाशे (B) मनसि
(C) पृथिव्याम् (D) वायौ
स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 36

52. न्यायवैशेषिक के अनुसार द्रव्य नहीं है? UGC 25 D–1999
(A) तेजः (B) जलम्
(C) तमः (D) मनः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 06

53. पृथिव्यां वर्तमानः स्पर्शः कः? BHU AET–2011
(A) उष्णम् (B) शीतलम्
(C) उभयमपि (D) अनुष्णाशीतलम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम संन्ध्या राठौर, पृष्ठ-74

54. समवाय क्या है? UP PGT–2009
(A) वाक्यार्थ (B) पद
(C) वाक्य (D) पदार्थ
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 27

55. द्रव्यगुणकर्मसामान्यविशेषसमवायाभावाः इति - UGC 25 D–2014
(A) गुणाः (B) अपवादाः
(C) पदार्थाः (D) स्पर्शाः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 27

56. (i) तर्कसंग्रह के अनुसार 'गन्धवती' लक्षण वाला है-
(ii) गन्धवत्त्वं कुत्र वर्तते? BHU MET–2015
(iii) गन्धोगुणः वर्तते? UGC 25 J–2013, 2014, 2016,
(iv) गन्धवत्वं कस्य लक्षणम्? BHU AET–2011, 2012
(A) पृथिव्याम् (B) जले
(C) तेजसि (D) वायौ
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 35

57. तर्कसंग्रह में 'पृथिवी' कैसी है? BHU MET–2011, 2012
(A) मृद्वती (B) गन्धवती
(C) क्षमावती (D) स्पर्शवती
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 35

58. गन्धः कुत्र महाभूतां विद्यते? BHU Sh.ET–2008
(A) जले (B) वायौ
(C) क्षितौ (D) व्योम्नि
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 38

59. आत्मगुण कितने हैं? UGC 73 D–2010
(A) अष्टौ (B) पञ्च
(C) दश (D) एकादश
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 116

60. तर्कसंग्रह के अनुसार 'पर्वतो धूमवान् वह्नित्वात्' किसका उदाहरण है? BHU MET-2016
(A) आश्रयासिद्ध (B) व्याप्यत्वासिद्ध
(C) स्वरूपासिद्ध (D) अन्यथासिद्ध
स्रोत–तर्कसंग्रह - केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 59

61. पृथिवी में कितने प्रकार के रस हैं? BHU MET-2016
(A) 9 (B) 8
(C) 6 (D) 3
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 50

62. अनुष्णाशीत स्पर्श कहाँ है? BHU MET-2016
(A) आकाश (B) वायु
(C) जल (D) तेज
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 52

49. (C)	50. (A)	51. (C)	52. (C)	53. (D)	54. (D)	55. (C)	56. (A)	57. (B)	58. (C)
59. (A)	60. (B)	61. (C)	62. (B)						

63. आकरजं सुवर्णादि तर्कसंग्रहे कस्मिन् परिगणितम्– UGC 25 J-2016
(A) पृथिव्याम् (B) तेजसि
(C) गुणेषु (D) व्योम्नि
स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 24

64. अधोनिर्दिष्टेषु विषयक्रमः कुत्र पालिताः? K-SET-2013
(A) रूपम् - गन्धः - संख्या - गुरुत्वम्
(B) गन्धः - स्पर्शः - संख्या - परिमाणः
(C) सुखम् - दुःखम् - द्वेषः - इच्छा
(D) गुणः - कर्म - विशेषः - सामान्यम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 19

65. कः रसवान् पदार्थः? BHU Sh. ET–2008
(A) आपः (B) मरुत्
(C) तेजः (D) आकाशम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 37

66. (i) तर्कसंग्रहानुसारं शीतस्पर्शवत्त्वं कस्य लक्षणम्?
(ii) शीतस्पर्शवत्त्वं कस्य लक्षणम्? UGC 25 J–2014
(A) पृथिव्याः (B) जलस्य
(C) वायोः (D) परदुःखस्य
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 37

67. अभास्वरशुक्लं कुत्र वर्तते? BHU AET–2011
(A) पृथिव्याम् (B) जले
(C) तेजसि (D) वायौ
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 38

68. ..... स्यात् योग्यताकांक्षासक्तियुक्तः पदोच्चयः – GJ SET–2011
(A) काव्यम् (B) वाक्यम्
(C) नाट्यम् (D) पद्यम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 247

69. भास्वरशुक्लं कुत्र वर्तते? BHU AET–2011
(A) पृथिव्याम् (B) जले
(C) तेजसि (D) वायौ
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

70. उष्णास्पर्शवत्त्वं लक्षणम् - UGC 25 S–2013
(A) पृथिव्याः (B) अपाम्
(C) तेजसः (D) आत्मनः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 38

71. न्यायदर्शन के अनुसार जल में 'रूप' माना जाता है? UGC 73 D-2015
(A) शुक्ल (B) अभास्वरशुक्ल
(C) नील (D) कपिश
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 80

72. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET-2016
(क) द्रव्याणि 1. षड्विधः
(ख) अभावः 2. पञ्च
(ग) सन्निकर्षः 3. चतुर्विधः
(घ) कर्माणि 4. नव

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	1	2	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	3	4	2	1

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 18,19,23,46

73. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET-2011
(क) आप्तवाक्यम् 1. पदम्
(ख) शक्तम् 2. शक्तिः
(ग) ईश्वरेच्छा 3. उपमानम्
(घ) उपमितिकरणम् 4. शब्दः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	4	2	3	1
(C)	4	1	2	3
(D)	3	1	2	4

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 241,244

63. (B) 64. (B) 65. (A) 66. (B) 67. (B) 68. (B) 69. (C) 70. (C) 71. (B) 72. (A) 73. (C)

74. न्यायवैशेषिक मतानुसार सुवर्ण है- UGC 25 D–1997
(A) रूप (B) द्रव्यत्व
(C) तेजस् (D) रूपाभाव
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 40

75. (i) रूपरहितं स्पर्शवत् द्रव्यं किमस्ति? KL-SET–2014
(ii) रूपरहितं स्पर्शः किमस्ति? UGC 25 D–2011, RPSC SET–2013-14
(A) तेजस् (B) वायुः
(C) पृथ्वी (D) आकाशः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 41

76. तन्मात्रेषु किं व्योमसम्बन्धीयम्– BHU Sh-ET–2008
(A) रूपम् (B) रसः
(C) गुणः (D) शब्दः
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 65

77. आकाश है - UGC 25 D–1998
(A) गुण (B) द्रव्य
(C) सामान्य (D) विशेष
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 23

78. विशेषगुणः कुत्र द्रव्ये नास्ति? UGC 25 D–2007
(A) आकाशे (B) वायौ
(C) मनसि (D) आत्मनि
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 108

79. काल-द्रव्ये कति गुणाः? BHU AET–2010
(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) सप्त
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 194,215

80. तर्कसंग्रहानुसारम् आत्मा - UGC 25 S–2013
(A) अणुः (B) विभुः
(C) दीर्घः (D) मध्यमपरिमाणः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 47

81. (i) तर्कसंग्रह के अनुसार ज्ञान का अधिकरण है?
(ii) ज्ञानाधिकरणम् इति कस्य लक्षणमस्ति?
MP वर्ग-I PGT–2012, MGKV Ph. D–2016
(A) आत्मा (B) प्रकृति
(C) बुद्धि (D) मन
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 47

82. तर्कसंग्रह के अनुसार आत्ममात्र का विशेष गुण है? UGC 73 D-2015
(A) शब्द (B) विभाग
(C) संयोग (D) बुद्धि
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 63

83. मनः कुत्रान्तर्भवति? BHU AET–2011
(A) द्रव्यम् (B) गुणः
(C) क्रिया (D) जातिः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 06

84. मनः किं स्वरूपम्?
BHU AET–2011, UGC 25 S–2013
(A) सुखम् (B) दुःखम्
(C) आत्मा (D) परमाणुः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

85. मनः कीदृशं द्रव्यम्? BHU AET–2011
(A) विभु (B) भूतम्
(C) परमाणुरूपम् (D) न किमपि
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

86. न्यायसिद्धान्तदृशा व्याप्तिः का? UGC 25 Jn–2017
(A) साध्यवदन्यास्मिन्नसम्बन्धः
(B) सिषाधयिषाविरहसहकृतसिद्ध्यभावः
(C) व्याप्स्य पक्षवृत्तित्वधीः
(D) साध्यक्तवेन पक्षस्य वचनम्
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-महानन्द झा, पेज–19

87. मनस् है - UGC 25 J–1998
(A) सामान्य (B) गुण
(C) द्रव्य (D) विशेष
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 06

74. (C)	75. (B)	76. (D)	77. (B)	78. (C)	79. (B)	80. (B)	81. (A)	82. (D)	83. (A)
84. (D)	85. (C)	86. (A)	87. (C)						

88. न्याय-वैशषिक के अनुसार मनस् का परिमाण है - UGC 25 J–2000

(A) विभु (B) अणु
(C) महत् (D) दीर्घ

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (का0-85)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-151

89. सुख की उपलब्धि होती है- UGC 73 S–2013

(A) चक्षुषा (B) मनसा
(C) घ्राणेन (D) प्राणेन

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

90. तर्कसंग्रहानुसारं किमस्ति नवमं द्रव्यम् - UGC 25 D–2012

(A) जीवः (B) जगत्
(C) दिक् (D) मनः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 06

91. आत्मनिष्ठ गुण होता है- UGC 73 J–2005

(A) रूप (B) संख्या
(C) धर्म (D) शब्द

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 266

92. एषु विशेषगुणः कः? BHU AET–2012

(A) संख्या (B) परिमाणम्
(C) विभागः (D) रसः

स्रोत– तर्कभाषा-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–381

93. सप्तविधं रूपं कुत्र विद्यते? BHU AET–2010

(A) जले (B) तेजसि
(C) पृथिव्याम् (D) अन्यत्र

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

94. (i) स्पर्शस्य ज्ञानं भवति
(ii) स्पर्शज्ञानजनकं किम्?
BHU Sh. ET–2008, BHU AET–2012

(A) सर्वे गुणाः (B) त्वक्
(C) जातिः (D) व्यक्तिः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 52

95. द्वीन्द्रियग्राह्यो अस्ति - UGC 73 D–2014

(A) संख्या (B) रूपम्
(C) संस्कारः (D) रसः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (गुणनिरुपण का.-93)-गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, पेज–164

96. रसना -ग्राह्यगुण है - BHU MET–2015

(A) रस (B) रूप
(C) गन्ध (D) स्पर्श

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 50

97. तर्कसंग्रह के अनुसार स्नेह की वृत्ति जिसमें है, वह है- BHU AET–2011, BHU MET–2014

(A) जल (B) तेज
(C) वायु (D) पृथिवी

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

98. स्नेहः कस्य विशेषगुणः? BHU AET–2012

(A) पृथिव्याः (B) जलस्य
(C) तेजसः (D) वायोः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 07

99. पारिमाण्डल्यं नाम भवति– KL SET–2014

(A) आकाशमण्डलम् (B) अणुपरिमाणम्
(C) सूर्यामण्डलम् (D) कर्ममण्डलम्

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-66

100. तर्कसंग्रहकारमते आत्मा कुत्रान्तर्भवति– KL SET-2014

(A) पदार्थेषु (B) गुणेषु
(C) द्रव्येषु (D) सामान्ये

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 80

101. घ्राणजादिप्रभेदेन षड्विधं भवति– KL SET-2014

(A) व्याप्तिः (B) हेतुः
(C) प्रत्यक्षम् (D) पक्षधर्मः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 290

102. द्व्यणुकस्य परिमाणं किं भवति ? JNU MET–2014

(A) अणु (B) महत्
(C) ह्रस्वम् (D) दीर्घम्

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-206

88. (B) 89. (B) 90. (D) 91. (C) 92. (D) 93. (C) 94. (B) 95. (A) 96. (A) 97. (A)
98. (B) 99. (B) 100. (C) 101. (C) 102. (C)

103. (i) आकाशे वर्तमानः गुणः कः? BHU AET–2010,
(ii) आकाशस्य विशेषगुणः कः? 2012
(A) शब्दः (B) रूपम्
(C) स्पर्शः (D) गन्धः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 43

104. जलमात्रसमवेतो गुणः कः? BHU AET–2010
(A) गुरुत्वम् (B) स्नेहः
(C) परिमाणम् (D) संयोगः
स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 171

105. 'सर्वव्यवहारहेतुर्बुद्धिः ज्ञानम्' को उल्लिखित करने वाला ग्रन्थ है - BHU MET–2014
(A) सांख्यकारिका (B) वेदान्तसार
(C) तर्कसंग्रह (D) जैनदर्शनसार
स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 175

106. 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणः' यह किसका लक्षण है? UGC 73 D-2015
(A) संख्यायाः (B) संयोगस्य
(C) गुरुत्वस्य (D) बुद्धेः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 63

107. विशेषगुण होने के कारण 'दिक् काल और मन' का गुण नहीं है - UGC 73 S–2013
(A) संयोगः (B) संख्या
(C) बुद्धिः (D) विभागः
न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-108

108. संस्कारः कस्मिन् पदार्थे अन्तर्भवति? UGC 25 J–2010
(A) द्रव्ये (B) गुणे
(C) कर्मणि (D) अभावे
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 29

109. तर्कसंग्रहानुसारेण गुणो नास्ति– UP GDC–2012
(A) स्नेहः (B) दिक्
(C) द्वेषः (D) बुद्धिः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 6,7

110. (i) तर्कसंग्रह में कौन गुण नहीं है?
(ii) तर्कसंग्रह में इनमें से कौन गुण के अन्तर्गत नहीं आता है?
(A) संयोगः (B) संस्कारः
(C) सम्बन्धः (D) रसः
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 6,7,8

111. तर्कसंग्रहे तर्कलक्षणं किमुक्तम्? UGC 25 J-2016
(A) मिथ्याज्ञानम्
(B) व्याप्यारोपेण व्यापकारोपः
(C) सन्निकृष्टसंयोगहेतुः
(D) एकस्मिन् धर्मिणि विरुद्ध-नानाधर्मवैशिष्ट्यावगाहि-ज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 113

112. सिषाधयिषया शून्या सिद्धिर्यत्र न तिष्ठति, स किमुच्यते? UGC 25 J-2016
(A) व्याप्तिः (B) पक्षः
(C) परामर्शः (D) सपक्षः
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-महानन्द झा, पेज-65

113. तर्कसंग्रहानुसारम् आत्ममात्रविशेष-गुणेषु कस्य परिगणनं नास्ति? UGC 25 J-2016
(A) बुद्धेः (B) इच्छायाः
(C) स्थिति-स्थापकसंस्कारस्य (D) धर्मस्य
स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 267,303

114. न्यायवैशेषिक मतानुसार 'तमः' है- UGC 25 J–1999
(A) अभाव (B) द्रव्य
(C) गुण (D) सामान्य
स्रोत–तर्कसंग्रह – केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 04

115. (i) तर्कसंग्रह के अनुसार कर्म का लक्षण है–
(ii) 'कर्म' का लक्षण है – UGC 25 J–2002, 2003
(A) वेदोऽखिलो धर्म (B) चलनात्मकं कर्म
(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (D) अकथितं कर्म
स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 118

103. (A) 104. (B) 105. (C) 106. (D) 107. (C) 108. (B) 109. (B) 110. (C) 111. (B) 112. (B) 113. (C) 114. (A) 115. (B)

116. अप्रमाणं वाक्यं किम्? MH SET- 2011

(A) दोषदुष्टम् (B) योग्यतारहितम्

(C) आकांक्षादिरहितम् (D) सन्निधिरहितम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 249

117. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET- 2011

(क) पर्वतो वह्निमान् इति हेतुः

(ख) ज्ञानं सविकल्पकमेव वर्तते

(ग) अनुमानं द्विविधम्

(घ) अयथार्थानुभवस्त्रिविधः

(A) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(C) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

(D) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 188,157,182,255

118. रसत्वेऽतिव्याप्तिवारणाय किं पदं प्रयुक्तम्– MH SET- 2013

(A) कर्म इति (B) द्रव्यम् इति

(C) समवाय इति (D) गुण इति

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 381

119. कर्मपदार्थेन कः बुध्यते? BHU ShET–2011

(A) अभावः (B) द्रव्यम्

(C) क्रिया (D) गुणः

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 264

120. (i) उत्क्षेपणापक्षेपणादिः कस्य भेदः गण्यते

(ii) उत्क्षेपणं कस्य प्रकारः? UP GDC–2014,

(iii) उत्क्षेपणं किम्? GJ-SET–2013

BHU AET–2012, UGC 25 J–2014,

(A) गुणः (B) कर्म

(C) सामान्यम् (D) द्रव्यम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 86

121. 'प्रसारणं' किं रूपम्? BHU AET–2011

(A) द्रव्यम् (B) गुणः

(C) कर्म (D) सामान्यम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 86

122. 'कर्म' का भेद है - UGC 25 D–2003

(A) पर (B) पृथ्वी

(C) शब्द (D) प्रसारण

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 118

123. (i) 'परापरभेदौ' कस्य? BHU AET–2010, 2012

(ii) परम्-अपरम् इति कस्य भेदः – GJ-SET–2007

(iii) पराऽपरभेदौ कस्य पदार्थस्य?

(A) द्रव्यस्य (B) गुणस्य

(C) कर्मणः (D) सामान्यस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 30

124. तर्कसंग्रह में पाँच प्रकार का होता है? UGC 73 J-2016

(A) कर्म (B) सामान्यम्

(C) अभाव (D) द्रव्यम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 26

125. 'कार्यनियतपूर्ववृत्तित्वम्' इति लक्षणं भवति– GJ SET-2004

(A) कार्यस्य (B) कारणस्य

(C) करणस्य (D) समवायस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 69

126. सविकल्पकप्रत्यक्षं कीदृशं भवति– MH SET- 2013

(A) विकल्पसहितम् (B)सप्रकारकम्

(C)निष्प्रकारकम् (D)विशेषणविहीनम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 194

127. मिथ्याज्ञानस्य उदाहरणं किम् ? MH SET- 2011

(A) स्थाणुर्वा पुरुषो वा

(B) शुक्ताविदं रजतम्

(C) यदि वह्निर्नास्ति तर्हि धूमोऽपि न स्यात्

(D)वह्निः अनुष्णः

स्रोत–तर्कसंग्रह – केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 67

116. (C) 117. (A) 118. (D) 119. (C) 120. (B) 121. (C) 122. (D) 123. (D) 124. (A) 125. (B) 126. (B) 127. (B)

128. सामान्य रहता है- UGC 73 D–2010

(A) सामान्यसमवायाभावेषु (B) द्रव्यगुणकर्मसु
(C) द्रव्यगुणसमवायेषु (D) गुणकर्मविशेषेषु

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 30

129. तर्कसंग्रहानुसारं 'न्यूनदेशवृत्ति' इति लक्षणम् - UGC 25 J–2015

(A) अभावस्य (B) परसामान्यस्य
(C) अपरसामान्यस्य (D) विशेषस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 72

130. (i) विशेष पदार्थ होता है-UGC 25 D–1998, 1999
(ii) तर्कसंग्रहानुसारं विशेषाः - J–2000, 2014,
(iii) विशेष पदार्थ इसमें ही रहता है– UGC 73 J–2007, BHU AET–2012, UP PGT–2009

(A) नित्यद्रव्यवृत्तयः (B) अनित्यद्रव्यवृत्तयः
(C) द्रव्यवृत्तयः (D) गुणवृत्तयः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 120

131. (i) विशेषः .... द्रव्यवृत्तिः UGC 25 J–2012

(A) अनित्यः (B) नित्यः
(C) कारणात्मकः (D) स्मृतिरूपः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 120

132. सत्ता सामान्य रहते हैं - UGC 73 D–2007

(A) विशेष (B) समवाय
(C) द्रव्यगुणकर्म (D) अभाव

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 29

133. अभावः केषु परिगणितः? BHU ShET–2013

(A) पदार्थेषु (B) कर्मसु
(C) गुणेषु (D) द्रव्येषु

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 27

134. वैशेषिकमते सप्तमः पदार्थः कः? BHU AET–2012

(A) गुणः (B) कर्म
(C) अभावः (D) विशेषः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 27

135. अभावः कस्मिन् दर्शने 'पदार्थ' इत्युक्तः? UP GDC–2014

(A) सांख्ये (B) योगे
(C) वेदान्ते (D) वैशेषिके

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 27

136. (i) 'अनादिः सान्तः' कौन है? RPSC SET–2013-14
(ii) अनादिः सान्तश्च अभावः कः? BHU MET–2016
BHU AET–2008, 2010, UGC 25 D–2008

(A) अन्योन्याभावः (B) अत्यन्ताभावः
(C) प्रध्वंसाभावः (D) प्रागभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम, संन्ध्या राठौर, पृष्ठ- 232

137. (i) सादिरनन्तः कः? WB SET–2010
(ii) 'सादिरनन्तः' कौन है ? BHU AET–2011, BHU MET–2011, 2012

(A) प्रागभावः (B) अत्यन्ताभावः
(C) अन्योन्याभावः (D) प्रध्वंसाभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम, संन्ध्या राठौर, पृष्ठ- 232

138. (i) प्रागभावस्य लक्षणं भवति - UGC 25 D–2013
(ii) प्रागभावस्य अर्थो भवति–GJ-SET–2004, 2007

(A) अनादिः सान्तः
(B) सादिरनन्तः
(C) त्रैकालिकसंसर्गाभावः
(D) तादात्म्यसम्बन्धावच्छिन्नप्रतियोगिताभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम, संन्ध्या राठौर, पृष्ठ- 232

139. 'इह घटो भविष्यति' इति व्यवहारहेतुः– K SET-2013

(A) प्रागभावः (B) अत्यन्ताभावः
(C) प्रध्वंसाभावः (D) अन्योन्याभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 289

128. (B) 129. (C) 130. (A) 131. (B) 132. (C) 133. (A) 134. (C) 135. (D) 136. (D) 137. (D) 138. (A) 139. (A)

140. समीचीनां तालिकां चिनुत - UGC 25 J–2015

(क) घटः पटः न (i) प्रागभावः

(ख) इह घटो भविष्यति (ii) अन्योन्याभावः

(ग) भूतले घटः न (iii) प्रध्वंसः

(घ) घटो ध्वस्तः (iv) अत्यन्ताभावः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 251,252,253

141. ईश्वरसाधकं प्रमाणं किम्? BHU AET–2011

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्

(C) उभयम् (D) नोभयम्

स्रोत–न्यायदर्शनम् -(वात्स्यायनभाष्य) ढुण्ढिराज शास्त्री पेज-478

142. (i) तर्कसंग्रहानुसारम् अनुमानं नाम– UGC 25 J–2015,

(ii) अनुमानं नाम– MH SET–2016

(A) लिङ्गज्ञानम् (B) व्याप्तिः

(C) उदाहरणम् (D) लिङ्गपरामर्शः

स्रोत–तर्कसंग्रह-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–53

143. आप्तोच्चारितं किं प्रमाणम्? BHU Sh.ET–2008

(A) तात्पर्यम् (B) शब्दः

(C) अनुमानम् (D) उपमानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम संन्ध्या राठौर, पृष्ठ- 163

144. 'आप्तवाक्यं शब्दः' इति लक्षणम्– UGC 25 J–2015

(A) पदस्य (B) वाक्यस्य

(C) शब्दप्रमाणस्य (D) महावाक्यस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह – कांशीराम संन्ध्या राठौर, पृष्ठ-163

145. शाब्दज्ञानं नाम - UGC 25 D–2014

(A) अक्षरज्ञानम् (B) शब्दज्ञानम्

(C) शक्तिज्ञानम् (D) वाक्यार्थज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 111

146. वैशेषिकमते किं प्रमाणं न? BHU AET–2010

(A) प्रत्यक्षम् (B)अनुमानम्

(C) उपमानम् (D) न कोऽपि

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (ii)

147. शब्दप्रमाणस्य फलं किम्भवति– UGC 25 J-2016

(A) पदज्ञानम् (B) वाक्यार्थज्ञानम्

(C) शक्तिज्ञानम् (D) पदजन्यपदार्थस्मरणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 111

148. तर्कसंग्रहानुसारम् अनुभवः K-SET–2014

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) एकविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 124

149. 'व्याप्यस्य पक्षधर्मत्वधीः' इति किम्?
UGC 25 D-2015, J-2016

(A) परामर्शः (B) अनुमितिः

(C) पक्षता (D) प्रतिज्ञा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानखण्ड)–महानन्द झा, पृष्ठ-10

150. 'अन्नम्भट्टमतेन यत्समवेतं-कार्यमुत्पद्यते' तत् किम्?
MH SET–2013

(A) असमवायिकारणम् (B) समवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) असाधारणकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 141

151. ''व्याप्तिविशिष्टपक्षधर्मताज्ञानमिति'' किसका लक्षण है? BHU AET–2008

(A) परामर्श का (B) पक्ष का

(C) सपक्ष का (D) विपक्ष का

स्रोत–तर्कसंग्रह- गोविन्दाचार्य, पेज-175

152. वैशेषिकमते समवाये किं प्रमाणम्? BHU AET–2010

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्

(C) उपमानम् (D) शब्दः

स्रोत– भारतीय दर्शन – हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 218

140. (D) 141. (B) 142. (D) 143. (B) 144. (C) 145. (D) 146. (C) 147. (B) 148. (A) 149. (A) 150. (B) 151. (A) 152. (B)

153. तर्कसंग्रह यथार्थानुभव को क्या कहते हैं? BHU MET–2014

(A) अप्रमा (B) प्रमा
(C) उपमिति (D) संशय

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 124

154. प्रमाणं द्विविधमिति कस्य मतम्? UGC 25 D–2007

(A) वैशेषिकस्य (B) नैयायिकस्य
(C) मीमांसकस्य (D) सांख्यस्य

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (ii)

155. रिक्तस्थानों की पूर्ति के लिए निम्नलिखित चार विकल्पों में से कौन-सा विकल्प उपयुक्त है ?
लिङ्गपरामर्शः ....। UP PGT–2005
व्याप्तिबलेनार्थगमकम् ....।
स्वभाविकः सम्बन्धः ....।
साध्यव्यापकत्वे सति साधनाव्यापकत्वम् ....।

(A) अनुमानम्, व्याप्तिः, लिङ्गम्, उपाधिः।
(B) अनुमानम्, उपमानम्, प्रतिज्ञा, व्याप्तिः।
(C) अनुमानम्, लिङ्गम्, व्याप्तिः, उपाधिः।
(D) व्याप्तिः, प्रमाणम्, उपाधिः, अनुमानम् ।

स्रोत– तर्कभाषा – बद्रीनाथ शुक्ल, पृष्ठ- 97,99

156. 'गौरश्वः पुरुषो हस्तीति' कस्माद् हेतोर्न प्रमाणम्? UGC 25 J–2013

(A) पदत्वात् (B)सन्निधेरभावात्
(C) दृष्टान्तरहितत्वात् (D) परस्पराकांक्षाविरहात्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 245

157. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत -

(अ) आप्तवाक्यम् — **1. आप्तः**
(ब) अर्थाबाधः — **2. सन्निधिः**
(स) पदानामविलम्बेनोच्चारणम् — **3. शब्दः**
(द) यथार्थवक्ता — **4. योग्यता**

UGC 25 D–2013

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 07

158. 'आप्तवाक्यम्' अस्ति - AWES TGT–2012

(A) शब्दः (B) रूपम्
(C) अनुमितिः (D) उपमितिः

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 07

159. शब्दोऽस्ति– CCSUM Ph.D-2016

(A) पदानां समूहः (B) वर्णानां समूहः
(C) साकांक्षपदानां समूहः (D) आप्तवाक्यम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 07

160. प्रागभावस्य प्रतियोगि किम्? BHU AET–2011, UGC 25 D–2008, GJ-SET–2003

(A) प्रागभावः (B) प्रध्वंसः
(C) कार्यम् (D) कारणम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 03

161. जिसका 'अभाव' हो उसे कहते हैं–UGC 73 J–1991

(A) प्रतियोगि (B) अनुयोगि
(C) अनुपलब्धि (D) उभयात्मक

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 288

162. तर्कसंग्रह के अनुसार 'कारण' का क्या लक्षण है? BHU MET–2010, UGC 25 S–2013, GJ-SET–2007

(A) कार्यनियतोत्तरवृत्ति (B) कार्यनियतमध्यवृत्ति
(C) कार्यान्तरवृत्ति (D) कार्यनियतपूर्ववृत्ति

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 03

163. तन्तवः पटस्य - MP वर्ग-I PGT–2012, UGC 25 D–2008, K-SET–2013

(A) निमित्तकारणम् (B) असमवायिकारणम्
(C) समवायिकारणम् (D) सहकारिकारणम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 141

164. घटं प्रति समवायिकारणं किम्? BHU AET–2011

(A) कुलालः (B) दण्डः
(C) दण्डसंयोगः (D) कपालम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 143

153. (B) 154. (A) 155. (C) 156. (D) 157. (C) 158. (A) 159. (D) 160. (C) 161. (A) 162. (D) 163. (C) 164. (D)

165. पटस्य किम् असमवायिकारणम्? BHU Sh.ET–2013

(A) वस्त्रनिर्माणयन्त्रम् (B) तन्तवः
(C) तुरीवेमादिकम् (D) तन्तुसंयोगः

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 145

166. पट का निमित्तकारण होता है– UP PGT-2011

(A) तन्तु (B) तुरी
(C) तन्तुसंयोग (D) तन्तुरूप

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 149

167. (i) न्यायमतानुसार समवायिकारण होता है?
(ii) समवायिकारणत्वं .... एवेति विज्ञेयम्।
KL SET–2014, UGC 25 D–1997

(A) द्रव्य (B) सामान्य
(C) विशेष (D) प्रागभाव

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 142

168. (i) तन्तुसंयोग पट का कारण है? UGC 73 D-2015
(ii) तन्तुसंयोगः पटस्य कीदृशं कारणम्?
UGC 25 Jn–2017

(A) समवायिकारण (B) असमवायिकारण
(C) निमित्तकारण (D) समवाय्यसमवायिकारण

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 145

169. असाधारणं कारणं कस्य लक्षणम्?
BHU Sh.ET–2013, K-SET–2014

(A) करणम् (B) कारणसमुदायः
(C) उपादानम् (D) निमित्तकारणम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 133

170. (i) न्यायवैशेषिकमतानुसार करण का लक्षण है –
(ii) वैशेषिकमतानुसार करण का लक्षण है –
UGC 25 J–1995

(A) फलोत्पादकम् (B) फलसाधनम्
(C) साधकतमम् (D) व्यापारवदसाधारणं कारणम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 135

171. तैजसमिन्द्रियं किम् ? BHU AET–2011

(A) घ्राणम् (B) चक्षुः
(C) श्रोत्रम् (D) रसनम्

स्रोत– तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 38

172. जीवात्मसुखयोः कः सम्बन्धः? BHU AET–2010

(A) संयोगः (B) समवायः
(C) संयुक्तसमवायः (D) तादात्म्यम्

स्रोत– तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 78

173. युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत -

(अ) संयुक्तसमवायः **1. रूपत्वग्राहकः**
(ब) समवायः **2. रूपग्राहकः**
(स) समवेतसमवायः **3. शब्दग्राहकः**
(द) संयुक्तसमवेतसमवायः **4. शब्दत्वग्राहकः**

कूटः **UGC 25 S–2013**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 162–165

174. रूपत्वस्य प्रत्यक्षं प्रति सन्निकर्षः भवति –
UGC 73 D–2014

(A) संयोगः (B) संयुक्तसमवेतसमवायः
(C) समवेतसमवायः (D) समवायः

स्रोत– तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 79

175. (i) अभावः केन सन्निकर्षेण ज्ञायते? KL SET–2015
(ii) अभावस्य प्रत्यक्षं भवति-UGC 25 J–2015, 2016
(iii) अभावप्रत्यक्षेऽन्नम्भट्टानुसारं कः सन्निकर्षोङ्गीकृतः?
RPSC SET–2010, K-SET–2015

(A) संयोगसम्बन्धेन
(B) समवायसम्बन्धेन
(C) संयुक्त -समवाय-सन्निकर्षेण
(D) विशेषण-विशेष्यभावसन्निकर्षेण

स्रोत– तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 80

165. (D) 166. (B) 167. (A) 168. (B) 169. (A) 170. (D) 171. (B) 172. (C) 173. (B) 174. (B) 175. (D)

176. संयोगसम्बन्धः अस्ति– JNU MET -2015

(A) द्रव्यम् (B) गुणः

(C) नित्यसम्बन्धः (D) कर्म

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 104

177. 'जीवात्मा प्रतिशरीरं भिन्नोविभुर्नित्यश्च' यह वाक्य है? UGC 73 J-2016

(A) विवेकचूडामणौ (B) तर्कसंग्रहदीपिकायाम्

(C) तर्कसंग्रहे (D) अर्थसंग्रहे

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 47

178. निम्नांकित तालिका -1 में सन्निकर्ष एवं तालिका-2 में उदाहरण दिये गये विकल्पों में से सही सुमेलित विकल्प चुनें – UP PGT–2005

तालिका -1	तालिका -2
(क) संयुक्तसमवायः	(i) चक्षुषा संयुक्ते भूतले घटाभावः
(ख) संयुक्तसमवेत-समवायः	(ii) चक्षुषा घटरूपसमवेतं रूपत्वादिकम्
(ग) समवेतसमवायः	(iii) श्रोत्रेन्द्रियेण शब्दसमवेतं शब्दत्वादिकम्
(घ) विशेषणविशेष्यभावः	(iv) चक्षुरादिना घटगत-रूपादिकम्

	क	ख	ग	घ
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 162-165

179. वैशेषिकमते पाकः कुत्र? BHU AET–2012

(A) परमाणौ (B) द्व्यणुके

(C) त्र्यणुके (D) चतुरणुके

स्रोत– तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 150

180. कार्यत्वलक्षणं किमात्मकमस्ति– UGC 25 J-2016

(A) अनन्यथासिद्धनियतपश्चाद्भावित्वम्

(B) समवायिकारणम्

(C) अन्यथासिद्धपूर्वभावित्वम्

(D) अन्यथासिद्धपश्चाद्भावित्वम्

स्रोत– तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 20

181. (i) पीलुपाकवादिनः के सन्ति? BHU AET–2012

(ii) पाकप्रक्रिया विशेषतः कुत्र वर्णिता? GJ SET–2014

(A) न्यायदर्शने (B) वैशेषिकदर्शने

(C) योगदर्शने (D) वेदान्तदर्शने

स्रोत– तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 152

182. वेगः भावनास्थितिस्थापकश्चेति कः गुणः भवति? K-SET- 2015

(A) गन्धः (B) संस्कारः

(C) परिमाणः (D) बुद्धिः

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 267

183. तर्कसंग्रहादीपिकानुसारम् 'परमाणुष्वेव-पाको, न द्व्यणुकादावपी' केषाम्मते? UGC 25 J-2016

(A) नैयायिकानाम् (B)वैशेषिकानाम्

(C) सांख्यानाम् (D)वेदान्तिनाम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 92

184. वैशेषिकपदार्थानां न्यायमते कुत्रान्तर्भावः? BHU AET–2012

(A) प्रमाणे (B) प्रयोजने

(C) सिद्धान्ते (D) अर्थे

स्रोत– तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 192,193

185. तर्कसंग्रहे संस्कारः कतिविधः प्रोक्तः– UGC 25 J-2016, BHU MET-2016

(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः

(C) षड्विधः (D) त्रिविधः

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 267

176. (A) 177. (C) 178. (A) 179. (A) 180. (A) 181. (B) 182. (B) 183. (B) 184. (D) 185. (D)

186. पञ्चावयव में क्या सम्मिलित नहीं है? BHU MET-2016

(A) उपनय (B) उपमान
(C) उदाहरण (D) निगमन

स्रोत– तर्कसंग्रह – केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 46

187. न्यायवैशेषिक स्वीकार करता है- UPPGT–2010, UK TET–2011

(A) स्वतः प्रामाण्य, परतः अप्रामाण्य
(B) परतः प्रामाण्य, स्वतः अप्रामाण्य
(C) स्वतः प्रामाण्य, स्वतः अप्रामाण्य
(D) परतः प्रामाण्य, परतः अप्रामाण्य

स्रोत– तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 156

188. विशेष और नित्यद्रव्य में सम्बन्ध होता है- UGC 73 D–2010

(A) स्वरूप (B) तादात्म्यम्
(C) विशेषणता (D) समवाय

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 45

189. तर्कसंग्रहे साहचर्यनियमशब्देन किमुच्यते? UGC 25 D–2012

(A) उपाधिः (B) सन्निकर्षः
(C) अपवर्गः (D) व्याप्तिः

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 85

190. 'शुक्ताविदं रजतमिति ज्ञानम्' अस्ति - UGC 25 J–2014

(A) प्रमा (B) उपमितिः
(C) यथार्थानुभवः (D) अप्रमा

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 65

191. न्यायवैशेषिक मतानुसार 'अप्रमा' का लक्षण है - UGC 25 J–1995

(A) प्रत्यक्षभिन्नं ज्ञानम्
(B) प्रत्यक्षानुमानभिन्नं ज्ञानम्
(C) तदभाववति तत्प्रकारकं ज्ञानम्
(D) असाक्षिज्ञानम्

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 65

192. 'शुक्तौ इदं रजतम्' इत्यनुभवः– K SET- 2014

(A) संशयः (B) प्रमा
(C) तर्कः (D) विपर्ययः

स्रोत– तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 63

193. कार्यरूपा पृथिवी.............अस्ति– GJ SET-2016

(A) अनित्या (B) नित्या
(C) अतिनित्या (D) परिनित्या

स्रोत– तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 102

194. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–

(क) उष्णस्पर्शवत् 1. वायुः
(ख) गुणाः 2. आपः
(ग) शीतस्पर्शवत्यः 3. चतुर्विंशतिः
(घ) रूपरहितस्पर्शवान् 4. तेजः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	2	1	4	3

स्रोत– तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 115,83,112,119

195. न्याय-वैशेषिक मतानुसार 'पद' का लक्षण है- UGC 25 J–1995

(A) शक्तम् (B) सुबन्तम्
(C) तिङन्तम् (D) सुप्तिङन्तम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 60

196. 'अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वं' अस्ति- UGC 73 D–2014

(A) केवलान्वयित्वम् (B) व्यतिरेकत्वम्
(C) वाच्यत्वम् (D) व्याप्तिः

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 195

197. 'अव्याप्यवृत्तित्वम्' नहीं है- UGC 73 D–2014

(A) शब्दे (B) ज्ञाने
(C) द्रव्यत्वे (D) संयोगे

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–95,98

186. (B) 187. (D) 188. (D) 189. (D) 190. (D) 191. (C) 192. (D) 193. (A) 194. (A) 195. (A) 196. (A) 197. (C)

198. अस्मात् पदादयमर्थो बोद्धव्यः इतीश्वरेच्छा - GJ-SET–2011, UK SLET–2015

(A) व्यञ्जना (B) शक्तिः
(C) लक्षणा (D) प्रतिभासः

स्रोत– तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 244

199. 'सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियं' किम्? UGC 25 D-2015

(A) रसना (B) घ्राणम्
(C) मनः (D) चक्षुः

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 49

200. तर्कसंग्रहानुसारं शब्दसाक्षात्कारे कः सन्निकर्षः? UGC 25 D–2015

(A) समवायः (B) संयोगः
(C) समवेतसमवायः (D) विशेषण-विशेष्य-भावः

स्रोत– तर्कसंग्रह- अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 79

201. तर्कसंग्रहदीपिकादिशा एषु गोर्लक्षणेषु कस्मिन् अतिव्याप्तिदोषः संघटते? UGC 25 Jn–2017

(A) शृङ्गित्वम् (B) एकशफत्वम्
(C) कपिलत्वम् (D) सास्नादिमत्त्वम्

स्रोत– तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 12

202. अधोलिखितयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2014

(अ) अर्थाबाधो — 1. अप्रमाणम्
(ब) गौरश्वः पुरुष इति — 2. योग्यता
(स) प्रहरे-प्रहरे उच्चरितपदानि — 3. योग्यताभाववत्
(द) अग्निना सिञ्चति — 4. सन्निधि अभाववन्ति

	अ	ब	स	द
(A)	2	1	4	3
(B)	3	2	4	1
(C)	1	3	2	4
(D)	2	3	4	1

स्रोत– तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 108

198. (B) **199.** (C) **200.** (A) **201.** (A) **202.** (A)

04 तर्कभाषा

1. न्यायसूत्राणां प्रणेतुः गौतमस्य अपरं नाम किम् - DSSSB TGT–2014

(A) कणादः (B) वररुचिः

(C) अक्षपादः (D) गदाधरः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 18

2. (i) तर्कभाषायाः रचयिता अस्ति–GJ-SET–2003-2011

(ii) तर्कभाषा के लेखक कौन हैं? K-SET–2013

(iii) 'तर्कभाषा' के ग्रन्थकार का नाम है -

(iv) तर्कभाषायाः रचयितुर्नाम ..... वर्तते?

(v) तर्कभाषायाः प्रणेता विद्यते? UP PGT–2009, 2010, 2013, UP GGIC–2015, BHU MET–2015, UGC 25 D–1996, BHU AET–2011

(A) अक्षपादगौतम (B) वात्स्यायन

(C) वाचस्पति (D) केशव मिश्र

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

3. लक्षितस्य लक्षणमुपपद्यते न वेति विचारः उच्यते- UGC 25 D–2013

(A) परीक्षा (B) लक्षणम्

(C) उद्देश्यः (D) विमर्शः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 07

4. कस्य कृते तर्कभाषा विरचिता– MH SET-2016

(A) पण्डितस्य (B) विपश्चितः

(C) मेधाविनः (D) बालस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 1

5. (i) न्यायदर्शनस्य कर्ता कः? UP PGT–2002

(ii) 'न्यायदर्शन' के प्रणेता हैं - KL SET–2015

(A) कपिल (B) गौतम

(C) शङ्कर (D) पतञ्जलि

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 18

6. 'षोडशपदार्थी' किसको कहा जाता है? BHU MET- 2016

(A) न्याय को (B) वैशेषिक को

(C) मीमांसा को (D) सांख्य को

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

7. 'संस्कारमात्रजन्यं ज्ञानं स्मृतिः' किस दर्शन से सम्बन्धित है- UP PGT–2013

(A) न्यायदर्शन (B) सांख्यदर्शन

(C) मीमांसादर्शन (D) जैनदर्शन

स्रोत–तर्कसंग्रह - राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 175

8. संस्कारमात्रजन्यं ज्ञानं किमुच्यते - BHU AET–2010

(A) प्रत्यक्षम् (B) स्मृतिः

(C) उपमितिः (D) अनुमितिः

स्रोत–तर्कसंग्रहः - राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 175

9. ज्ञातविषयं ज्ञानं................ GJ SET-2016

(A) प्रत्यक्षम् (B) स्मृतिः

(C) अनुवृत्तिः (D) विधिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

10. कस्मिन् ग्रन्थे प्राधान्येन षोडशपदार्थाः प्रतिपाद्यन्ते? WB SET-2010

(A) सांख्यकारिकायाम् (B) तर्कभाषायाम्

(C) वेदान्तसारे (D) तर्कसंग्रहे

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

11. स्मृतिव्यतिरिक्तं ज्ञानं किम् - BHU AET–2011

(A) स्मृतिः (B) अनुभवः

(C) ज्ञानम् (D) अज्ञानम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

12. नव्यन्यायप्रवर्तकः कः - BHU AET–2011

(A) गङ्गेशः (B) रघुनाथः

(C) गदाधरः (D) जगदीशः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 24

1. (C)	2. (D)	3. (A)	4. (D)	5. (B)	6. (A)	7. (A)	8. (B)	9. (B)	10. (B)
11. (B)	12. (A)								

13. वात्स्यायन ने जिस पर भाष्य लिखा, वह ग्रन्थ है- BHU MET–2014

(A) न्यायसूत्र (B) ब्रह्मसूत्र
(C) धर्मसूत्र (D) गृह्यसूत्र

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 20

14. प्रमाणैरर्थपरीक्षणं भवति - AWES TGT–2009

(A) मीमांसा (B) न्यायः
(C) वृत्तिः (D) कारिका

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 02

15. तर्कभाषा कस्य शास्त्रस्य प्रकरणग्रन्थः - BHU AET–2010

(A) वैशेषिकस्य (B) सांख्यस्य
(C) न्यायस्य (D) अन्यस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 03

16. (i) न्यायदर्शने पदार्थसंख्या कियती प्रोक्ता –
(ii) न्यायशास्त्र में पदार्थ माने गये हैं–
(ii) न्यायदर्शने पदार्थाः सन्ति– UP GDC–2014, MH SET–2013, GJ-SET–2007, 2014, HAP–2016 UGC 25 J–2003, D–2003, J–2008

(A) षोडश (B) सप्तदश
(C) विंशतिः (D) एकविंशतिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

17. विपर्ययस्य अर्थो भवति? BHU AET–2012

(A) यथार्थज्ञानम् (B) मिथ्याज्ञानम्
(C) विपरीतज्ञानम् (D) तत्वज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–112

18. (i) न्यायदर्शनानुसारं प्रमाणानि - UGC 25 D–2004,
(ii) नव्यन्याये कति प्रमाणानि स्वीक्रियन्ते– 2009
(iii) न्यायदर्शनानुसारं प्रमाणानि कति भवन्ति?
(iv) न्यायशास्त्रे उक्तानां प्रमाणानां संख्या कियती?
J–2006, 2009, 2010, UGC 73 J–2006, 2012, D–2011, 2012, BHU AET–2010, 2011, MH SET–2016, GJ-SET–2008

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50

19. (i) तर्कभाषानुसारं प्रमाणानि कतिविधानि?
(ii) तर्कभाषायां कति प्रमाणानि?
GGIC–2015, K SET–2014, UGC 25 D–2012

(A) त्रिविधानि (B) चतुर्विधानि
(C) द्विविधानि (D) पञ्चविधानि

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50

20. (i) परार्थानुमाने कति अवयवाः सन्ति?
(ii) अनुमाने अवयवानां कति संख्या भवति–
(ii) परार्थानुमाने अवयवाः - UGC 25 D–2004, J–2013, BHU AET–2011, UGC 73, J–2010, CVVET–2017, K-SET–2013, MH SET–2016

(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) सप्त (D) नव

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

21. (i) असिद्धो हेत्वाभासः कतिविधः -UGC 25 J–2006
(ii) असिद्धः कतिविधः? BHU AET–2011

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 111

13. (A) 14. (B) 15. (C) 16. (A) 17. (B) 18. (B) 19. (B) 20. (B) 21. (B)

22. (i) कारणं कतिविधम् – UGC 25 D–2001, 2006
(ii) कति कारणानि–BHU AET–2011, MH SET–2011
(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

23. (i) न्यायानुसारं प्रमेयाः सन्ति - UGC 25 J–2009,
(ii) तर्कभाषा में प्रमेयों की संख्या है– UP GIC–2009, UPGDC–2012, BHU AET–2012, UP PGT–2011
(A) दश (B) एकादश
(C) द्वादश (D) त्रयोदश

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 175

24. (i) हेत्वाभासाः भवन्ति? UGC 25 D–2009, J–2012,
(ii) हेत्वाभासः कतिविधः- UP PGT–2002,
(iii) गौतमेन प्रवञ्चिताः हेत्वाभासाः कति विद्यन्ते?
(iv) कति सन्ति हेत्वाभासाः –
(v) हेत्वाभासानां संख्या भवति –
UGC 73 D–2010, J–2012, BHU AET–2011, BHU MET–2011, MH-SET–2016
(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) द्विविधः (D) त्रिविधः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 109

25. यथार्थानुभवः कतिविधः - UGC 25 D–2012
(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) सप्तविधः (D) नवविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 130

26. (i) अनुमापकस्य हेतवः कति सन्ति -
(ii) 'अनुमापक' के हेतु न्यायदर्शनानुसार कितने हैं? UGC 25 D–2012, J–2015
(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) अष्ट (D) एकादश

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 93

27. (i) न्यायमतानुसार पदार्थ हैं - UGC 25 D–2003,
(ii) तर्कभाषानुसार पदार्थों की संख्या–
(iii) न्यायदर्शने गौतमेन कति पदार्थाः निरूपिताः?
(iv) न्यायनये कति पदार्थाः भवन्ति-BHU AET–2011 HAP–2016, UGC 73 J–2006, UP PGT–2000, 2003
(A) 25 (B) 16
(C) 9 (D) 7

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

28. (i) न्यायशास्त्रेऽनुमानं .... वर्तते - UGC 25 J–2002,
(ii) अनुमान होता है- D–2001, BHU AET–2010,
(ii) तर्कभाषानुसार 'अनुमान' होता है– 2011, GJ-SET–2011
(A) दो प्रकार का (B) चार प्रकार का
(C) तीन प्रकार का (D) पाँच प्रकार का

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 91

29. नव्यन्यायमतानुसार 'समवाय' है - UGC 73 D–1994
(A) तीन (B) एक
(C) दो (D) चार

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 27

30. (i) गुणाः कति – UGC 73 J–2006, 2011
(ii) न्यायदर्शने गुणाः सन्ति-D–2009, K-SET–2014
(iii) नव्यन्यायमते गुणाः सन्ति–
(A) त्रयः (B) अष्टौ
(C) षोडश (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 219

31. तर्कभाषा के अनुसार गुण नहीं है– UP PGT-2011
(A) स्नेह (B) दिक्
(C) द्वेष (D) बुद्धि

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 219

22. (C) 23. (C) 24. (B) 25. (A) 26. (A) 27. (B) 28. (A) 29. (B) 30. (D) 31. (B)

32. (i) न्यायदर्शने द्रव्याणि सन्ति -
(ii) नव्यन्यायमतानुसारं कति द्रव्याणि सन्ति–
UGC 73 D–2006, 2012 J–2009
(A) पञ्च (B) सप्त
(C) नव (D) एकादश
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 194

33. (i) गौतमेन प्रतिपादिताः पदार्थाः - UGC 73 J–2008,
(A) नव (B) द्वादश
(C) षोडश (D) चतुर्विंशतिः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

34. तर्कभाषा के अनुसार कारण के प्रकार होते हैं -
UP GDC–2008, UP PGT–2000, RPSC SET–2013-14
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

35. असाधारणधर्मः कस्य लक्षणम्? UGC 25 Jn–2017
(A) लक्षणस्य (B) उद्देशस्य
(C) परीक्षायाः (D) आत्मनः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 07

36. तर्कभाषा के अनुसार कर्मों की संख्या है -
UP PGT–2003
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 243, 244

37. तर्कभाषा के अनुसार प्रमा के कितने भेद हैं -
UP PGT–2004
(A) एक (B) दो
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–(i) तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50
(ii) तर्कसंग्रह - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज– 40

38. रसः कतिविधः - BHU AET–2010
(A) पञ्चविधः (B) षड्विधः
(C) चतुर्विधः (D) सप्तविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह-अनितासेन गुप्ता, पेज–50

39. द्रवत्वम् कतिविधम् - BHU AET–2011
(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्
स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 36

40. निम्नाङ्कित तालिका-1 में तर्कभाषा के अनुसार कुछ सम्प्रत्यय तथा तालिका -2 में उनके भेद अङ्कित हैं। उनकी सहायता से सही सुमेलित विकल्प चुनें -

तालिका -1	**तालिका -2**
(क) प्रमेय	**(i) 3**
(ख) अवयव	**(ii) 16**
(ग) पदार्थ	**(iii) 5**
(घ) कारण	**(iv) 12**

UP PGT–2005

	क	ख	ग	घ
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 175,92,04,24

41. (i) अलौकिकसन्निकर्षः कतिविधः -
(ii) न्यायदृष्ट्याऽलौकिकप्रत्यक्षे कतिविधः सन्निकर्षः स्वीक्रियते? UGC 73 Jn–2017, BHU AET–2011, 2012
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

42. अधस्तनवर्गयोः समीचीनं युग्मपर्यायं विचिनुत–
MH SET-2013

(क) द्रव्याणि	1. चतुर्विंशतिः
(ख) गुणाः	2. नव
(ग) कर्माणि	3. त्रीणि
(घ) कारणानि	4. पञ्च

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 18,19,43

32. (C) 33. (C) 34. (B) 35. (A) 36. (C) 37. (C) 38. (B) 39. (B) 40. (A) 41. (C) 42. (C)

43. ज्ञानलक्षणः सामान्यलक्षणः योगजश्चेति कस्य भेदाः? JNU M Phil/Ph.D- 2014

(A) अलौकिकसन्निकर्षस्य (B) अनुमितेः
(C) उपमितेः (D) अर्थापत्तेः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

44. सव्यभिचारः कतिविधः - BHU AET–2011

(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

45. तर्कभाषा ग्रन्थः केन दर्शनेन सम्बन्ध अस्ति - MGKV Ph. D–2016

(A) सांख्यदर्शनम् (B) न्यायदर्शनम्
(C) योगदर्शनम् (D) वेदान्तदर्शनम्

स्रोत– तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–07

46. (i) अयथार्थानुभव होता है? BHU AET–2011, UGC 73
(ii) अयथार्थानुभवः कतिविधः - D–2015, J–2016

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 14

47. अन्यथासिद्धस्य कति भेदाः - BHU AET–2012

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) सप्त

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 21

48. कतिविधा व्याप्तिः - BHU AET–2012

(A) एकविधा (B) द्विविधा
(C) त्रिविधा (D) चतुर्विधा

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-93

49. कतिविधं शब्दप्रमाणम् - BHU AET–2012

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) एकविधम् (D) अनेकविधम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 186

50. न्यायशास्त्रे कतिविधं दुःखम् - BHU AET–2012

(A) एकोनविंशतिविधम् (B) विंशतिविधम्
(C) एकविंशतिविधम् (D) दशविधम्

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 563

51. (i) साक्षात्कारिप्रमाहेतुः सन्निकर्षः? BHU MET–2014,
(ii) सन्निकर्ष कितने हैं - CCSUM Ph.D–2016
(iii) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कतिविधः -BHU AET–2012
(iv) सन्निकर्षः कतिविधः - T-SET–2014, GJ SET-
(v) न्यायमते सन्निकर्षजं ज्ञानं कतिविधम्? 2013,
UGC 25 D–2006, 2012, 2013, J–2002, JNU MET–2015

(A) पाँच (B) छः
(C) सात (D) सोलह

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

52. 'अयुतसिद्ध'-युग्मानि कति - JNU MET–2014

(A) चत्वारि (B) षट्
(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

53. (i) लौकिकसन्निकर्षः कतिविधः - BHU AET–2010,
(ii) नैयायिकानां मते लौकिकसन्निकर्षः? 2011, 2012, UGC 25 D–2007, HAP–2016

(A) पञ्चविधः (B) एकविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

54. न्यायमतानुसार अभाव कितने प्रकार का है? UGC 73 J–2015

(A) एक एव (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 288

55. न्याय के अनुसार समवाय है - UGC 25 D–2002

(A) पदार्थ (B) द्रव्य
(C) गुण (D) कर्म

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पृष्ठ-01

56. गौतमसूत्रोक्तषोडशपदार्थेषु कस्य पदार्थस्य ग्रहणं नास्ति– UGC 25 J-2016

(A) 'संशय'-पदार्थस्य (B) 'विशेष'-पदार्थस्य
(C) 'अवयव'-पदार्थस्य (D) 'निर्णय'-पदार्थस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 03,04

43. (A) 44. (B) 45. (B) 46. (A) 47. (B) 48. (B) 49. (A) 50. (C) 51. (B) 52. (C) 53. (C) 54. (D) 55. (A) 56. (B)

57. न्यायसूत्रोक्तषोडशपदार्थेषु द्वितीयः पदार्थः कः - BHU AET–2010

(A) प्रमाणम् (B) प्रमेयम्

(C) प्रयोजनम् (D) सिद्धान्तः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 03

58. तर्कभाषानुसारं प्रमायाः करणं किम्भवति– UGC 25 J-2016

(A) प्रमाता (B) प्रमेयम्

(C) तर्कः (D) इन्द्रियसंयोगादिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 51

59. न्यायमत मे किस पदार्थ की कारणता साधर्म्य के रूप में नहीं कही गई है? UGC 73 D-2015

(A) सामान्य (B) समवाय

(C) परिमाण्डल्य (D) विशेष

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 307

60. न्यायमत में 'परसत्ता' कहाँ मानी जाती है? UGC 73 D-2015

(A) विशेषवृत्ति (B) समवायवृत्ति

(C) द्रव्य-गुण-कर्मवृत्ति (D) सामान्यवृत्ति

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 494

61. साध्याभाववदवृत्तित्वमिति कस्य लक्षणमस्ति– HAP-2016

(A) परामर्शस्य (B) व्याप्तेः

(C) पक्षतायाः (D) अनुमानस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 178

62. साध्याभावव्याप्यवान् कः? MH SET- 2013

(A) सत्प्रतिपक्षः (B) विरोधः

(C) असाधारणः (D) आश्रयासिद्धः

स्रोत–तर्कसंग्रह – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 231

63. (i) प्रमाकरणं - UGC 25 D–2014,
(ii) प्रमायाः करणं किम् - BHU AET–2010, 2011
KL SET–2015

(A) प्रमाता (B) प्रमेयः

(C) प्रमाणम् (D) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 12

64. 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' इति कस्य लक्षणम् - UGC 25 J–2013

(A) प्रमायाः (B) प्रत्यक्षस्य

(C) प्रमाणस्य (D) लक्षणस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 11-12

65. 'प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दाः' प्रमाणानीति मन्यन्ते - UGC 73 D–2013

(A) वैशेषिकाः (B) नैयायिकाः

(C) लौकिकाः (D) सांख्याः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50

66. तर्कभाषा के अनुसार निम्न में से कौन प्रमा नहीं है - UP GDC–2008

(A) उपमिति (B) स्मृति

(C) अनुमिति (D) शाब्दबोध

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

67. (i) न्यायदर्शनानुसारं किं प्रमाणरूपेण न स्वीक्रियते?
(ii) न्यायदर्शन के अनुसार प्रमाण नहीं है -
(iii) न्यायदर्शनं किं प्रमाणं नहि स्वीकरोति?
UP GIC–2015, UP GDC–2008, UGC 25 D–2015

(A) उपमान (B) अर्थापत्ति

(C) प्रत्यक्ष (D) शब्द

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50

68. न्यायदर्शन में निम्नलिखित में से कौन से प्रमाण स्वीकृत हैं? UP PGT–2000

(A) प्रत्यक्ष, अनुमान

(B) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द

(C) प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द

(D) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द, अर्थापत्ति

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50

57. (B) 58. (D) 59. (C) 60. (C) 61. (B) 62. (B) 63. (C) 64. (C) 65. (B) 66. (B) 67. (B) 68. (C)

69. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यत्वपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– **MH SET- 2013**
(क) प्रमाकरणं प्रमाणम् (ख) उपमितिकरणम्
(ग) त्रिवृत्करणम् उपमानम् (घ) अनुमितिकरणम् अनुमानम्
(A) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(D) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 181,206

70. तर्कभाषानुसारेण करणं किम्? **RPSC SET- 2013, 14**
(A) साध्यतमम् (B) साधकतमम्
(C) अन्यथासिद्धम् (D) अयुतसिद्धम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 17

71. प्रमाणस्य लक्षणं वर्तते - **BHU AET–2012**
(A) यथार्थज्ञानम् (B) प्रमाकरणम्
(C) उपमितिकरणम् (D) परामर्शज्ञानम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 11-12

72. न्यायदर्शने प्रथमनिर्दिष्टः पदार्थः कः? **BHU AET–2012**
(A) प्रमेयम् (B) प्रयोजनम्
(C) संशयः (D) प्रमाणम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 03

73. तदभाववति तत्प्रकारकं ज्ञानं कीदृशम्? **UGC 25 J–2012**
(A) प्रमा (B) अप्रमा
(C) स्मृतिः (D) विपर्ययः
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-15

74. अधोलिखितेषु कः यथार्थानुभवः नास्ति? **JNU MET–2014**
(A) प्रत्यक्षज्ञानम् (B) अनुमितिः
(C) उपमानम् (D) शाब्दज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 24

75. सन्निधे लक्षणं किम्? **MH SET–2016**
(A) पदानां विलम्बेन उच्चारणम्
(B) पदानाम् अविलम्बेन उच्चारणम्
(C) पदानाम् अनुच्चारणम्
(D) पदानां वारं वारम् उच्चारणम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-126

76. प्रमाकरणं प्रमाणमिति? **BHU AET–2012**
(A) तार्किकाः (B) वेदान्तिनः
(C) सांख्याः (D) बौद्धाः
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-11,12

77. 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' इति वाक्यमस्ति– **UGC 25 D–2013**
(A) वेदान्तसारस्य (B) सांख्यकारिकायाः
(C) तर्कभाषायाः (D) बुद्धस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 11-12

78. तन्तूनां पटं प्रति किं कारणं भवति– **UGC 25 D–2013**
(A) समवायिकारणम् (B) निमित्तकारणम्
(C) असमवायिकारणम् (D) मिथ्याकारणम्
स्रोत– तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–141

79. अविज्ञाततत्वेऽर्थे कारणोपपत्तितस्तत्वज्ञानार्थम् ऊहः अस्ति– **JNU M-Phil/Ph.D-2015**
(A) तर्कः (B) निर्णयः
(C) वादः (D) जल्पः
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 585

80. ''एकस्मिन् धर्मिणि नानाधर्मावगाहि ज्ञानम्'' इति लक्षणं भवति - **UGC 25 J–2015**
(A) अज्ञानस्य (B) समूहालम्बनज्ञानस्य
(C) संशयस्य (D) शाब्दज्ञानस्य
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-14, 263

81. प्रामाण्य होता है- **UGC 73 S–2013**
(A) तद्वतितत्प्रकारकत्वे सति ज्ञानत्वम्
(B) तद्भाववति तत्प्रकारकत्वे सति ज्ञानम्
(C) अनुभवत्वम्
(D) शाब्दबोधत्वम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 232, 233

69. (A) 70. (B) 71. (B) 72. (D) 73. (B) 74. (C) 75. (B) 76. (A) 77. (C) 78. (A) 79. (A) 80. (C) 81. (C)

82. रजते 'इदं रजतम्' इति ज्ञानं वर्तते - UGC 25 D–2013
(A) तर्कः (B) भ्रमः
(C) सन्देहः (D) प्रमा
स्रोत–तर्कसंग्रह– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 178

83. तद्वतितत्प्रकारकत्व-विशिष्ट-ज्ञानत्व होता है- UGC 73 D–2013
(A) प्रमाणत्वम् (B) प्रमेयत्वम्
(C) प्रामाण्यम् (D) प्रमातृत्वम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-

84. प्रमाणैः कीदृशं ज्ञानं जायते - BHU Sh.ET–2008
(A) ज्ञानसामान्यम् (B) प्रमा
(C) अप्रमा (D) भ्रमः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

85. अनुमिति है - BHU Sh.ET–2011
(A) प्रत्यक्ष (B) अदृश्य
(C) अनुमान (D) उपमान
स्रोत–तर्कसंग्रह– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 207

86. यथार्थ अनुभव को न्याय की शब्दावली में कहा गया है - UP PGT–2013
(A) प्रमाण (B) आदर्श
(C) प्रमा (D) करण
स्रोत–तर्कसंग्रह - राकेश शास्त्री, पेज-178

87. (i) प्रत्यक्ष का लक्षण है- UP PGT–2013,
(ii) केशवमिश्रमते प्रत्यक्षं किम्? RPSC SET–2013-14
(A) असाक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्
(B) साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्।
(C) इन्द्रियजं प्रत्यक्षम्।
(D) यद् दृश्यते तत् प्रत्यक्षम्।
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 51

88. प्रत्यक्षज्ञानकरणम्– KL SET- 2015
(A) शब्दः (B) प्रत्यक्षम्
(C)अनुमानम् (D) उपमानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 67

89. 'यथार्थानुभवः प्रमा' इत्यत्र 'अनुभव' पद-ग्रहणेन कस्य निरासः– UGC 73 Jn–2017, UGC 25 J-2016
(A) स्मृतेः (B) प्रत्यक्षस्य
(C) अनुमानस्य (D) शब्दप्रमाणस्य
स्रोत–तर्कभाषा – बदरीनाथ शुक्ल, पृष्ठ- 16

90. तर्कभाषानुसारम् आत्मनो भोगायतनम्– K SET- 2014
(A) शरीरम् (B) मनः
(C) इन्द्रियम् (D) दुःखम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 283

91. अयं घट इति कीदृग् ज्ञानमस्ति? UP GDC–2013
(A) निर्विकल्पकम् (B) सविकल्पकम्
(C) संशयितम् (D) सतर्कम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 56

92. संसर्गानवगाहि ज्ञान होता है? UGC 73 J-2016
(A) संशयः (B) भ्रमः
(C) निर्विकल्पकम् (D) सविकल्पकम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 67

93. न्यायनये ज्ञानस्य स्वरूपम्– GJ SET- 2007
(A) द्रव्यम् (B) गुणः
(C) कर्म (D) सामान्यम्
स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 168

94. (i) तर्कभाषागता 'प्रमा' किं स्वरूपाऽस्ति
(ii) तर्कभाषायां प्रमा प्रोक्ता – UP GDC–2013, 2012
(A) स्मृतिः (B) संशयः
(C) विपर्ययः (D) यथार्थानुभवः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

95. उद्भूतरूप कारण होता है- UGC 73 D–2014
(A) त्वाचप्रत्यक्षस्य (B) चाक्षुषप्रत्यक्षस्य
(C) उपमितेः (D) रासनप्रत्यक्षस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 200

82. (D)	83. (B)	84. (B)	85. (C)	86. (C)	87. (B)	88. (B)	89. (A)	90. (A)	91. (B)
92. (C)	93. (B)	94. (D)	95. (B)						

96. (i) उपमितिकरणम्.................. GJ SET-2008
(ii) उपमितेः करणम्– K SET-2014
(A) परार्थानुमानम् (B) स्वार्थानुमानम्
(C) शब्दप्रमाणम् (D) उपमानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - राकेश शास्त्री, पेज-241

97. प्रमा इत्युच्यमाने अधोलिखितेषु कस्य निरसनं भवति? UGC 25 D–2014
(A) प्रमितिः (B) अनुमितिः
(C) स्मृतिः (D) उपमितिः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 13

98. (i) तद्वति तत्प्रकारकोऽनुभवः - UGC 25 J–2008
(ii) तद्वति तत्प्रकारकं ज्ञानं भवति - GJ-SET–2016
(A) अयथार्थः (B) यथार्थः
(C) स्मृतिः (D) विपर्ययः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 15

99. निष्प्रकारकं ज्ञानं किम्? UGC 25 J–2008, K-SET–2016
(A) स्मृतिः (B) यथार्थः
(C) निर्विकल्पकम् (D) विपर्ययः
स्रोत–(i) तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-56
(ii) तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–75

100. विशेषणविशेष्यभाव .... का प्रकार है - UGC 25 D–2002
(A) प्रत्यक्ष (B) उपमान
(C) अर्थापत्ति (D) शब्द
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 56

101. नव्यन्यायमतानुसार निर्विकल्पकज्ञान का विषय है - UGC 73 D–1994
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 307

102. (i) षड्विधः सन्निकर्षः कस्मिन् प्रमाणे प्रयुज्यते?
(ii) सन्निकर्षषट्कं प्रस्तावितम् - UGC 73 D–2008, RPSC-SET–2010
(A) प्रत्यक्षप्रमाणप्रसङ्गे (B) अनुमानप्रमाणप्रसङ्गे
(C) अनुपलब्धिप्रमाणप्रसङ्गे (D) आगमप्रमाणप्रसङ्गे
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

103. तर्कभाषा के अनुसार निम्नलिखित में से कौन अलौकिकप्रत्यक्ष का भेद नहीं है - UP PGT–2002
(A) सामान्यलक्षण (B) प्रत्यभिज्ञा
(C) ज्ञानलक्षण (D) योगज
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

104. निर्विकल्पके किं प्रमाणम् ? BHU AET–2010
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) उपमानम् (D) अन्यत् किञ्चित्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 51,54

105. प्रत्यक्षं द्विविधं भवति - BHU AET–2012
(A) सगुणं निर्गुणम् (B) सविकल्पकम् निर्विकल्पकम्
(C) स्वार्थं परार्थम् (D) धर्माधर्मौ
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 51

106. ज्ञानमिदं द्विविधं निर्विकल्पकं सविकल्पकञ्च– K SET- 2013
(A) प्रत्यक्षज्ञानम् (B) अनुमितिज्ञानम्
(C) उपमितिज्ञानम् (D) शाब्दज्ञानम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 60

107. अनुमानप्रमाणविमर्शसन्दर्भे 'लिङ्गपरामर्शः' भवति– SU PH.D-2015
(A) प्रथमं ज्ञानम् (B) तृतीयं ज्ञानम्
(C) द्वितीयं ज्ञानम् (D) चतुर्थज्ञानम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 86

108. इन्द्रियसन्निकर्षजन्यं परार्थज्ञानं कीदृशम् ? BHU Sh.ET–2011
(A) परोक्षम् (B) न ज्ञानयोग्यम्
(C) प्रत्यक्षम् (D) अदृश्यम्
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 60

96. (D) 97. (C) 98. (B) 99. (C) 100. (A) 101. (A) 102. (A) 103. (B) 104. (A) 105. (B) 106. (A) 107. (B) 108. (C)

109. निर्विकल्पकं प्रत्यक्षमस्ति - UGC 73 J–2012

(A) प्रमा (B) अप्रमा

(C) संशय (D) न प्रमा नापि अप्रमा

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 67

110. कौन प्रत्यक्ष कहलाता है - BHU MET–2010

(A) आत्मसन्निकर्षजन्यम् (B) शरीरार्थसन्निकर्षजन्यम्

(C) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यम् (D) परोक्षार्थसन्निकर्षजन्यम्

स्रोत–(i) तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-52

(ii) तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–74

111. इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं किं भवति? AWES TGT–2011, K-SET–2015, GJ-SET–2007, 2013

(A) अनुमान (B) प्रत्यक्ष

(C) उपमान (D) समवेत

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 52

112. प्रत्यक्षप्रमाणस्य कति भेदाः? AWES TGT–2011, 2012

(A) नव (B) पञ्च

(C) द्वौ (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 51

113. न्यायदर्शन के अनुसार लिङ्गत्व का लक्षण है- UP PGT–2013

(A) उपाधित्वं लिङ्गत्वम्

(B) अव्याप्तिबलेनार्थगमकं लिङ्गम्

(C) व्याप्तिबलेनार्थगमकत्वं लिङ्गत्वम्

(D) धूमाग्नोः स्वाभाविकं सम्बन्धं लिङ्गम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 79

114. अनुमान प्रमाण के भेद हैं- UP PGT–2013

(A) उपमान तथा प्रत्यक्ष (B) अर्थापत्ति तथा अभाव

(C) स्वार्थ तथा परार्थ (D) षोढासन्निकर्ष तथा व्याप्ति

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 91

115. ''साध्यव्याप्यहेतुमान् पक्षः'' यह ज्ञान है - UGC 73 D–2014

(A) सादृश्यज्ञानम् (B) परामर्शः

(C) शाब्दबोधः (D) चाक्षुषम्

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानखण्ड)-महानन्द झा, पृष्ठ- 10

116. 'यत्र धूमस्तत्राग्निः' इति साहचर्यनियमः - UGC 25 D–2005, BHU AET–2012

(A) परामर्शः (B) पक्षधर्मता

(C) द्वितीयधूमज्ञानम् (D) व्याप्तिः

स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-79

117. न्यायशास्त्रे साहचर्यनियमशब्देन नियुज्यते - UGC 25 D–2006

(A) व्याप्तिः (B) उपाधिः

(C) सन्निकर्षः (D) अपवर्गः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 79

118. व्याप्तिबलेनार्थगमकं किमुच्यते– UGC 25 J-2016

(A) परामर्शः (B) पक्षः

(C) लिङ्गम् (D) साध्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 79

119. अनुमितिः कस्माद् अनन्तरं जायते? UGC 25 D–2006, GJ-SET–2014

(A) परामृशति (B) व्याप्तिज्ञानात्

(C) पदज्ञानात् (D) सादृश्यज्ञानात्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

120. अनुमानं नाम - UGC 25 D–2013

(A) व्याप्तिः (B) पक्षः

(C) हेतुः (D) लिङ्गपरामर्शः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

121. तर्कभाषायां लिङ्गपरामर्शः अस्ति– GGIC-2015

(A) प्रत्यक्षम् (B)अनुमानम्

(C) उपमानम् (D) शब्दः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

122. (i) पञ्चावयववाक्य का प्रयोग होता है -

(ii) पञ्चावयवाः प्रयोग एव - UGC 25 J–2014, UP PGT–2005

(A) स्वार्थानुमानम् (B) निगमनम्

(C) उदाहरणम् (D) परार्थानुमानम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

109. (A) 110. (C) 111. (B) 112. (C) 113. (C) 114. (C) 115. (B) 116. (D) 117. (A) 118. (C) 119. (A) 120. (D) 121. (B) 122. (D)

123. न्याय-वैशेषिक मत मे व्याप्ति विशिष्ट पक्षताज्ञान है- UGC 25 J–2001

(A) व्यक्ति (B) साध्य
(C) परामर्श (D) अनुमान

स्रोत–तर्कसंग्रह– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 206

124. प्रातिज्ञाहेतूदाहरणोपनयनिगमनानि केन पदेन व्यवह्रियन्ते– K SET-2015

(A) हेत्वाभासाः (B) अवयवाः
(C) कर्माणि (D) पदार्थाः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 188

125. 'तस्मात्तथा' इति वाक्यम्– K SET-2013

(A) उपनयवाक्यम् (B) प्रतिज्ञावाक्यम्
(C) निगमनवाक्यम् (D) उदाहरणवाक्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

126. अतिदेशवाक्यार्थः कतिविधः? MH SET-2016

(A) त्रिविधः (B) द्विविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 234

127. साध्यधर्मविशिष्टधर्मप्रतिपादकवचनं किमस्ति? MH SET-2016

(A) निगमनम् (B) लिङ्गम्
(C) प्रतिज्ञा (D) उदाहरणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 189

128. (i) अनुमिति का करण - UGC 73 D–2006,
(ii) अनुमितेः करणं भवति– J–2011

(A) हेतुज्ञान (B) पक्षधर्मताज्ञान
(C) सपक्षधर्मताज्ञान (D) व्याप्तिज्ञान

स्रोत–तर्कसंग्रह- केदारनाथ त्रिपाठी, पृष्ठ- 39,40

129. परामर्श-नामको ज्ञानविशेषः प्रस्तावितः? UGC 73 J–2008

(A) प्रत्यक्षप्रमाणप्रसङ्गे (B) अनुमानप्रमाणप्रसङ्गे
(C) उपमानप्रमाणप्रसङ्गे (D) शब्दप्रमाणप्रसङ्गे

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

130. अनुमितौ व्यापारो भवति - UGC 73 J–2010, UK SLET–2015

(A) व्याप्तिज्ञानम् (B)पक्षता
(C) परामर्शः (D) व्याप्तिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

131. (i) अनुमानवाक्यस्य अवयवाः सन्ति?
(ii) तर्कभाषा के अनुसार अनुमान के कितने अवयव हैं? UP PGT–2002, K-SET–2014

(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) दो

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

132. परार्थानुमान में प्रतिज्ञावाक्य है - UP PGT–2009

(A) पर्वतो वह्निमान् (B) यो यो धूमवान् स स वह्निमान्
(C) तस्मात्तथा (D) धूमवत्त्वात्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

133. तर्कभाषानुसारेण परार्थानुमाने हेतुः कति रूपोपपन्नः भवति– RPSC ग्रेड I PGT–2014

(A) चतुःरूपोपपन्नः (B) पञ्चरूपोपपन्नः
(C) त्रिरूपोपपन्नः (D) द्विरूपोपपन्नः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

134. तर्कभाषाकृन्मते किम् अनुमानं प्रमाणम् ? BHU AET–2010

(A) व्याप्तिज्ञानम् (B) परामर्शः
(C) पक्षधर्मताज्ञानम् (D) पक्षता

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 78

135. (i) 'पर्वतो वह्निमान्' इति कस्यावयवस्य उदाहरणम्?
(ii) पर्वतो वह्निमान् इति ज्ञानं किम् ? BHU AET–2010, MH-SET–2013

(A) हेतुः (B) प्रतिज्ञा
(C) उदाहरणम् (D) उपनयः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

123. (C) 124. (B) 125. (C) 126. (A) 127. (C) 128. (D) 129. (B) 130. (C) 131. (C) 132. (A)
133. (B) 134. (B) 135. (B)

136. अधोलिखितेषु परार्थानुमानस्य पञ्चावयवेषु कस्य परिगणनं नास्ति– UGC 25 J-2016

(A) प्रतिज्ञायाः (B) हेतोः

(C) संशयस्य (D) निगमनस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-92

137. पञ्चावयवेषु अन्त्यावयवस्य किं नाम? BHU AET–2010

(A) प्रतिज्ञा (B) हेतुः

(C) उपनयः (D) निगमनम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

138. स्वानुमितौ किम् अनुमानं प्रमाणम् BHU AET–2011

(A) स्वार्थानुमानम् (B) परार्थानुमानम्

(C) उभयम् (D) नोभयम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 91

139. 'पर्वतो वह्निमान्' धूमादित्यत्र साध्यं किम्? BHU AET–2011

(A) वह्निमान् (B) वह्निमयत्वं

(C) वह्नित्वं (D) पर्वतः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-10,43

140. पर्वतो वह्निमान् धूमादित्यत्र सपक्षः कः? BHU AET–2011

(A) पर्वतः (B) महानसः

(C) ह्रदः (D) पर्वतत्वम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 108-268

141. 'पर्वतो वह्निमान्' इत्यत्र पक्षतावच्छेदकं किम् ? BHU AET–2011

(A) पर्वतः (B) पर्वतत्वं

(C) वह्निः (D) वह्नित्वं

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–42-43

142. विपक्षो नाम कः ? BHU AET–2011

(A) सन्दिग्धसाध्यवान् (B) निश्चितसाध्याभाववान्

(C) निश्चितसाध्यवान् (D) सन्दिग्धसाध्याभाववान्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 108

143. निश्चितसाध्याभाववान् मन्यते– T SET-2013

(A) पक्षः (B) सपक्षः

(C) विपक्षः (D) प्रमितिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 108

144. प्रमाणेन विषयस्य ज्ञानं प्राप्नोति सः– T SET-2013

(A) प्रमाता (B) प्रमेयः

(C) प्रमितिः (D) प्रमाफलम्

स्रोत–

145. प्रमाता यं विषयं प्रमिणोति सः कथ्यते– T SET-2013

(A) प्रमाणम् (B) प्रमेयम्

(C) हेतुः (D) हेत्वाभासः

स्रोत–

146. तथाचायमिति कः अवयवः? BHU AET–2011, 2012

(A) प्रतिज्ञा (B) हेतुः

(C) उदाहरणम् (D) उपनयः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 188

147. अनुमानस्य लक्षणं वर्तते - BHU AET–2012

(A) इन्द्रियजन्यम् (B) अनुमितिकरणज्ञानम्

(C) सादृश्यज्ञानम् (D) शाब्दज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 173

148. अनुमानप्रमाणं किम्? BHU AET–2012

(A) पक्षधर्मताज्ञानम् (B) व्याप्तिज्ञानम्

(C) हेतुमात्रज्ञानम् (D) अन्यत् किमपि

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 173

149. (i) तर्कभाषायामर्थापत्तिः कुत्रान्तर्भाविता?

(ii) अर्थापत्तेः कस्मिन् प्रमाणेऽन्तर्भावः भवितुमर्हति? UGC 25 J-2016, J–2012

(A) प्रत्यक्षप्रमाणे (B) अनुमानप्रमाणे

(C) उपमानप्रमाणे (D) शब्दप्रमाणे

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 140,141

136. (C) 137. (D) 138. (A) 139. (C) 140. (B) 141. (B) 142. (B) 143. (C) 144. (A) 145. (B) 146. (D) 147. (B) 148. (B) 149. (B)

150. (i) स्वार्थं परार्थं चेति भेदौ भवतः - BHU Sh.ET–2011
(ii) स्वार्थपरार्थौ इति भेदद्वयं कस्य - GJ-SET–2003

(A) आप्तवाक्यस्य (B) प्रत्यक्षस्य
(C) आगमस्य (D) अनुमानस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 91

151. ''पर्वतो वह्निमान् धूमात्'' इत्यत्र कः साध्यः ? BHU Sh.ET–2011

(A) धूमः (B) वह्निः
(C) पर्वतः (D) हेतुः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-10

152. निश्चितसाध्यधर्मः धर्मी - UK SLET–2015

(A) पक्षः (B) विपक्षः
(C) सपक्षः (D) हेतुः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 108

153. सन्दिग्धसाध्यवान्– K SET-2014, GJ SET-2016

(A) सपक्षः (B) पक्षः
(C) विपक्षः (D) सत्प्रतिपक्षः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-108

154. 'धूमवत्वात्'-इति................. GJ SET-2016

(A) निगमनवाक्यम् (B) प्रतिज्ञावाक्यम्
(C) हेतुवाक्यम् (D) उदाहरणवाक्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92,93

155. पञ्चावयवेषु चतुर्थोऽवयवः कः ? BHU AET–2010

(A) हेतुः (B) उदाहरणम्
(C) उपनयः (D) निगमनम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 92

156. साध्याभाववत्पक्ष यह बाधज्ञान प्रतिबन्धक होता है- UGC 73 J–2014

(A) परामर्शस्य (B) व्याप्तिज्ञानस्य
(C) अनुमितेः (D) आहार्यस्य

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)–महानन्द झा, पृष्ठ- 101

157. परामर्शजन्यं ज्ञानं किम् - BHU AET–2012, GJ-SET–2011, K-SET–2014, CCSUM-Ph.D–2016

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमितिः
(C) उपमितिः (D) शाब्दम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 174

158. सपक्षस्योदाहरणं विद्यते - UGC 25 D–2013

(A) महाह्रदः (B) पर्वतः
(C) महानसः (D) आकाशः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पेज-202

159. 'यथा गौस्तथा गवयः' उदाहरण है - UP PGT–2013

(A) उपमानप्रमाण का (B) अनुमानप्रमाण का
(C) प्रत्यक्ष का (D) अर्थापत्ति का

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 119

160. उपमितिः नाम - UGC 25 D–2014, UGC 73 D–1994

(A) संज्ञा-संज्ञि-सम्बन्धज्ञानम्
(B) संज्ञा-ज्ञानम्
(C) संज्ञिज्ञानम्
(D) सादृश्यज्ञानम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 120

161. सादृश्यज्ञानं करणम् - UGC 25 D–2005, 2006

(A) अनुमितेः (B) उपमितेः
(C) शाब्दबोधस्य (D) चाक्षुषप्रत्यक्षस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

162. गोसादृश्यविशिष्टपिण्डज्ञानम्–CCSUM-Ph.D-2016

(A) अनुमानम् (B) प्रत्यक्षम्
(C) उपमानम् (D) शब्दः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 119

163. संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञानस्य कारणम् - UGC 25 D–2005

(A) प्रत्यक्षप्रमाणम् (B) शब्दप्रमाणम्
(C) अनुमानप्रमाणम् (D) उपमानप्रमाणम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 120

150. (D) 151. (B) 152. (C) 153. (B) 154. (C) 155. (C) 156. (C) 157. (B) 158. (C) 159. (A)
160. (A) 161. (B) 162. (C) 163. (D)

164. अतिदेशवाक्यार्थस्मरणं कुत्र व्यापारः - UGC 25 J–2006
(A) प्रत्यक्षे (B) अनुमितौ
(C) उपमितौ (D) शाब्दबोधे
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 119

165. उपमानं प्रमाणं किम् - UGC 25 D–2010, AET–2010
(A) इन्द्रियम् (B) व्याप्तिज्ञानम्
(C) सादृश्यज्ञानम् (D) शक्तिज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 237

166. (i) उपमितिज्ञानं कथं जायते - UGC 25 D–2012,
(ii) उपमितिकरणं किम्– J–2014
(A) व्याप्तिज्ञानात् (B) इन्द्रियसन्निकर्षात्
(C) सादृश्यात् (D) पदज्ञानात्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233,237

167. (i) उपमान प्रमाण का फल है - UGC 25 D–1997
(ii) न्यायमते उपमानप्रमाणस्य किं फलम् - BHU AET–2010
(A) निर्विकल्पकज्ञान (B) शाब्दबोध
(C) शब्दप्रत्यक्ष (D) संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञान
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 120

168. 'उपमान' प्रमाण को मानते हैं - UGC 73 J–1999
(A) वैशेषिक (B) न्याय
(C) योग (D) बौद्ध
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 50,136

169. उपमितेः करणं भवति - UGC 73 D–2012
(A) परामर्शः (B) सन्निकर्षः
(C) पदज्ञानम् (D) सादृश्यधीः
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

170. गौरश्वः पुरुषो हस्तीत्यादिपदसमुदायः प्रमाणं कथं न भवति– UGC 25 Jn–2017
(A) सान्निध्याभावात् (B) योग्यताविरहात्
(C) आकांक्षाविरहात् (D) पदसमूहाभावात्
स्रोत– तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–245

171. उपमितौ कारणं किम् - BHU MET–2011, 2012
(A) पदज्ञानम् (B) पदार्थज्ञानम्
(C) सादृश्यज्ञानम् (D) व्याप्तिज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

172. उपमानं भवति - BHU AET–2012
(A) साक्षात्ज्ञानम् (B) लिङ्गपरामर्शजन्यम्
(C) उपमितिकरणम् (D) आप्तवाक्यम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

173. उपमानप्रमाणस्य किं फलम् - BHU AET–2012
(A) सादृश्यज्ञानम् (B) पदनिष्ठशक्तिज्ञानम्
(C) पदार्थज्ञानम् (D) अन्यत् किमपि
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 119-120

174. सादृश्यज्ञानकारकं ज्ञानं किमस्ति - UGC 25 J–2012
(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमितिः
(C) शाब्दबोधः (D) उपमितिः
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

175. (i) सादृश्यात् .... जायते - BHU AET–2012,
(ii) सादृश्यज्ञानजन्यम् - GJ-SET–2016
(A) प्रत्यक्षम् (B) अर्थापत्तिः
(C) अनुमानम् (D) उपमानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

176. (i) सञ्ज्ञासंज्ञिसम्बन्धप्रतीतिः किमुच्यते?
(ii) संज्ञा-सञ्ज्ञिसम्बन्धज्ञानं न्यायदर्शने किमङ्गीक्रियते?
(iii) संज्ञासंज्ञिसम्बन्धिज्ञानमस्ति?
UGC 73 Jn–2017, MGKV–Ph.D–2016, UGC 25 J-2016
(A) अनुमितिः (B) प्रत्यक्षम्
(C) उपमितिः (D) शब्दः
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-120

177. किं सादृश्यज्ञानाधीनम् - BHU Sh.ET–2011
(A) तात्पर्यम् (B) अनुमितिकरणम्
(C) शब्दप्रमाणम् (D) उपमितिकरणम्
स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 233

164. (C) 165. (C) 166. (C) 167. (D) 168. (B) 169. (D) 170. (C) 171. (C) 172. (C) 173. (A) 174. (D) 175. (D) 176. (C) 177. (D)

178. तर्कभाषा में शब्दप्रमाण का लक्षण है- UP PGT–2013

(A) आप्तवाक्यं शब्दः (B) वेदोक्तवाक्यं शब्दः
(C) शास्त्रोक्तं शब्दः (D) लोकवाक्यं शब्दः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122

179. वाक्यार्थज्ञाने हेतुः अस्ति - UGC 25 D–2014

(A) निगमनम् (B) प्रतिज्ञा
(C) हेतुः (D) सन्निधिः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 245-46

180. न्यायनये वाक्यम् - UGC 25 D–2004

(A) पदवर्णशब्दाः
(B) अभिधालक्षणाव्यञ्जनाः
(C) आकाङ्क्षायोग्यतासन्निधिमतां पदानां समूहः
(D) पदपदार्थयोजना

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122

181. (i) नव्यन्याय में पद का लक्षण है-UGC 73 J–1998
(ii) न्यायदर्शने पदलक्षणं भवति - GJ-SET–2007

(A) सुप्तिङन्तम् (B) शक्तम्
(C) अर्थवत् (D) अर्थः

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 239

182. 'आप्तवाक्यं शब्दः' किस दर्शन से सम्बन्धित है - UP PGT–2004

(A) जैन (B) बौद्ध
(C) मीमांसा (D) न्याय

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122

183. (i) 'आप्तवाक्य' है- UP PGT–2009, GJ-SET–2014
(ii) आप्तवाक्यम्' इति लक्षणम्? KL SET–2015

(A) रूप (B) शब्द
(C) अनुमिति (D) उपमिति

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122

184. पदसमूहो नाम - BHU AET–2011

(A) पदम् (B) पदार्थः
(C) वाक्यम् (D) वाक्यार्थः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122-123

185. कीदृशं वाक्यं शब्दप्रमाणम् - BHU AET–2012

(A) आप्तवाक्यम् (B) अनाप्तवाक्यम्
(C) उभयवाक्यम् (D) स्मृतिवाक्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 122

186. शाब्दबोधे किं करणम् - BHU AET–2012

(A) पदज्ञानम् (B) पदार्थज्ञानम्
(C) पदनिष्ठा-शक्तिज्ञानम् (D) आप्तज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 320

187. न्यायदर्शन के अनुसार कारण का लक्षण है - UP PGT–2013

(A) अन्यथासिद्ध-नियतपूर्वभावित्व
(B) अनन्यथासिद्ध-नियतपूर्वभावित्व
(C) अन्यथासिद्ध-नियतपश्चाद्भावित्व
(D) अनन्यथासिद्धनियतपश्चाद्भावित्व

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 20

188. कारणं तदुच्यते यत् कार्यात् - UGC 25 D–2005

(A) पूर्ववर्ति (B) परवर्ति
(C) नियतपूर्ववर्ति (D) समकालवर्ति

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 20

189. कार्यनियतपूर्ववृत्तित्वम् - UGC 25 J–2008, 2012 BHU AET–2014, UP PGT–2009

(A) कारणत्वम् (B) कार्यत्वम्
(C) करणत्वम् (D) अकारणत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 69

190. वेमादिकं पटस्य अस्ति - UGC 25 J–2009

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्
(C) निमित्तकारणम् (D) किमपि न

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 42-43

191. असमवायिकारणनाशात् कस्य नाशो भवति - UGC 25 J–2011

(A) द्रव्यस्य (B) गुणस्य
(C) कर्मणः (D) न कस्यापि

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 36

178. (A) 179. (D) 180. (C) 181. (B) 182. (D) 183. (B) 184. (C) 185. (A) 186. (A) 187. (B) 188. (C) 189. (A) 190. (C) 191. (A)

192. तर्कभाषानुसारं कारणं त्रिविधम् - UGC 25 D–2012
(A) समवायि-असमवायि-निमित्तभेदात्
(B) समवायि-संयुक्तसमवायि-निमित्तभेदात्
(C) संयोग-संयुक्ततादात्म्य-निमित्तभेदात्
(D) सहकारि-तादात्म्य-समवायिभेदात्।
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

193. पट का समवायिकारण है -UGC 25 J–1998, 2002, UP PGT–2009
(A) तन्तु (B) तन्तुसंयोग
(C) पटसंयोग (D) तन्तुपटसंयोग
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

194. 'मृत्पिण्डः' घटस्य कीदृशं कारणमुच्यते? UGC 25 J-2016
(A) निमित्तकारणम् (B) समवायिकारणम्
(C) असमवायिकारणम् (D) समवाय्यसमवायिकारणम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 33

195. नित्यः सम्बन्धः कः? MH SET-2011
(A) समवायः (B) समवेत-समवायः
(C) संयुक्तसमवेतसमवायः (D) असमवायः
स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 75

196. तन्तुरूपं कारणमस्ति– CCSUM Ph.D-2016
(A) पटस्य (B) पटरूपस्य
(C) तन्तुसंयोगस्य (D) तन्तुरूपपटस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 41

197. तर्कभाषानुसारं शब्दोपलब्धिसाधनमिन्द्रियं किम्? RPSC SET–2013-14
(A) त्वक् (B) रसनम्
(C) श्रोत्रम् (D) चक्षुः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 190

198. (i) घटरूप का असमवायिकारण है -
(ii) घटरूपस्य असमवायिकारणं किं भवति?
UGC 25 J–2000, BHU AET–2010, HAP–2016
(A) दण्डरूप (B) कपालत्व
(C) कुम्भकार (D) कपालरूप
स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 147

199. न्यायमतानुसार असमवायिकारण होता है- UGC 25 D–1999
(A) द्रव्य (B) सामान्य
(C) अभाव (D) गुण
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 44

200. अनुमिति की उत्पत्ति में कारण है- UGC 25 J–1999
(A) परामर्श (B) सन्निकर्ष
(C) सादृश्यज्ञान (D) निगमन
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-78

201. ज्ञान का समवायिकारण है - UGC 25 D–1998
(A) शरीर (B) इन्द्रिय
(C) आत्मा (D) मनस्
स्रोत–तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 47

202. कार्य का अन्तिम कारण है - UGC 25 J–1994
(A) अवान्तरव्यापार (B) करण
(C) कर्ता (D) साधारणकारण
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 58

203. घटं प्रति कस्य अन्यथासिद्धत्वम्- UGC 73 J–2011
(A) दण्डस्य (B) कुलालस्य
(C) चक्रस्य (D) मृत्तिकायाः
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 27

204. घटं प्रति अन्यथासिद्धं भवति - UGC 73 J–2012
(A) दण्डत्वम् (B) दण्डः
(C) कुम्भकारः (D) कपालिका
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 26

205. (i) समवायिकारणं भवति -
(ii) तर्कभाषानुसारं समवायिकारणं किम्भवति–
UGC 25 Jn–2017, UGC 73 J–2013, BHU AET–2010
(A) गुणः (B) द्रव्यम्
(C) कर्म (D) अभावः
स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 44

192. (A) 193. (A) 194. (B) 195. (A) 196. (B) 197. (C) 198. (D) 199. (D) 200. (A) 201. (C) 202. (A) 203. (B) 204. (A) 205. (B)

206. (i) निम्नलिखितेषु पटस्य असमवायिकारणं किम्?
(ii) न्यायदर्शन के अनुसार पट का असमवायिकारण है-
(iii) तर्कभाषानुसारेण असमवायिकारणस्य उदाहरणमस्ति–
UP GDC–2008, BHU AET–2010, 2011, 2012
RPSC ग्रेड-I PGT–2015, K-SET–2014

(A) पटरूप (B) तन्तु
(C) तन्तुसंयोग (D) तुरी

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 39

207. पटस्य निमित्तकारणं भवति -
UP GDC–2012, UP GIC–2015

(A) तन्तवः (B) तुरी
(C) तन्तुसंयोगः (D) तन्तुरूपम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 149

208. घटनिर्माणे कुम्भकारोऽस्ति– CCSUM Ph.D-2016

(A) समवायिकारणम् (B)असमवायिकारणम्
(C)उपादानकारणम् (D)निमित्तकारणम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 188

209. अधस्तनयुग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–
MH SET-2014

(क) अनैकान्तिकः 1. यथार्थानुभव
(ख) अनुमानम् 2. कारणम्
(ग) चतुर्विधः 3. त्रिविधः
(घ) त्रिविधम् 4. द्विविधम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	2	4	1	3
(C)	4	2	1	3
(D)	1	2	3	4

तर्कसंग्रह–रामभजन शर्मा 'वात्स्यायन', पृष्ठ-A=71, B=38, C=59, D=43

210. अधस्तनयुग्मानां वाक्यानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं-विचिनुत– MH SET-2013

(i) साहचर्यनियमः परामर्शः
(ii) आत्मत्वसामान्यवानात्मा
(iii) एकत्वादिव्यवहारहेतुः परिमाणम्
(iv) रसनेन्द्रियग्राह्यो विशेषगुणो वायुः

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्,असत्यम्
(B) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्
(C)असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(D) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 79,175,224,202

211. अधस्तनयुग्मानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–
MH SET–2013

(क) 'भूतले घटाभाव' इति अत्यन्ताभावः
(ख) 'घटः पटः न' इति अन्योन्याभावः
(ग) 'उत्पत्तेः प्राग् घटः अस्ति' इति प्रध्वंसाभावः
(घ) 'उत्पत्यनन्तरं घटः भिन्नः इति प्रागभावः

(A) असत्यम्,सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(C)सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 252,253,251

212. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–
MH SET-2013

(क) भोगायतनम् 1. आकाशम्
(ख) शब्दगुणम् 2. निगमनम्
(ग) शब्दो उतअनित्यः 3. संशयः
(घ) पक्षे साध्योपसंहारः 4. शरीरम्

	क	ख	ग	घ
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	3	4
(C)	4	1	3	2
(D)	3	4	2	1

स्रोत– तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 183,212,264,268

206. (C) 207. (B) 208. (D) 209. (A) 210. (C) 211. (B) 212. (C)

213. घटस्य समवायिकारणं किम् - BHU AET–2010, 2012

(A) पृथिवी (B) कपालम्

(C) कपालिका (D) चक्रम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 44

214. हेतुः कतिविधः - BHU AET–2010, 2012

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः

(C) द्विविधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 93

215. समवाय्यसमवायिकारणाभ्यां भिन्नं कारणं किम् - BHU AET–2010

(A) कार्यम् (B) कारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) अन्यद्वा किञ्चित्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 42

216. कार्यमात्रं प्रति ईश्वरः किं कारणम् - BHU AET–2010

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) उपादानकारणम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 194

217. व्याप्यः कः उच्यते - BHU AET–2010

(A) साध्यम् (B) हेतुः

(C) सपक्षः (D) विपक्षः

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)–महानन्द झा, पृष्ठ- 27

218. पञ्चसु अन्यथासिद्धेषु आवश्यकः कः - BHU AET–2010

(A) द्वितीयः (B) तृतीयः

(C) चतुर्थः (D) पञ्चमः

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 85

219. यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते तत् किम् - BHU AET–2011, K-SET–2013

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) न किमपि

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 33

220. शब्दस्य समवायिकारणं किम् - BHU AET–2011

(A) शब्दः (B) मृदङ्गः

(C) श्रोत्रम् (D) भेरीदण्डसंयोगः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 71

221. गन्धग्राहकम् इन्द्रियं किम् - BHU AET–2012

(A) श्रोत्रम् (B) चक्षुः

(C) रसनम् (D) घ्राणम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 187

222. (i) तन्तुसंयोगः पटस्य किं कारणम्?

(ii) तन्तुसंयोग पट के प्रति कौन सा कारण है -

(iii) पटनिर्माणे तन्तुसंयोगः किंविधं कारणम्?

BHU MET–2009, 2011, 2013, MH-SET–2016, GJ SET–2013

(A) समवायिकारण (B) असमवायिकारण

(C) निमित्तकारण (D) उपादानकारण

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री पृष्ठ - 39

223. कार्येण कारणेन वा सह एकस्मिन्नर्थे समवेतं सत् कारणम्- UK SLET–2015, K-SET–2014

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) त्रिविधमपि कारणम्

स्रोत– तर्कसंग्रह– राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 189

224. पटस्य असमवायिकारणम् अस्ति - UK SLET–2015

(A) तन्तुसंयोगः (B) दण्डः

(C) तन्तवः (D) कुलालसंयोगः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 39

225. तन्तुरूपं 'पटरूपस्य' कीदृक् कारणम् - JNU MET–2014, RPSC SET–2010

(A) समवायि (B) असमवायि

(C) निमित्तम् (D) उपादानम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 41

213. (B) 214. (A) 215. (C) 216. (C) 217. (A) 218. (D) 219. (A) 220. (C) 221. (D) 222. (B) 223. (B) 224. (A) 225. (B)

226. घटः स्वगतरूपादेः UGC 25 J–2005

(A) असमवायिकारणम् (B) समवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) न कारणम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 33

227. गन्धं प्रति पृथिवी भवति - UGC 25 D–2013

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम् (D) उपादानकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 35

228. (i) पटं प्रति तुरीवेमादिकं कीदृशं कारणं भवति -

(ii) तुरी पटस्य कीदृशं कारणमस्ति–
MGKV Ph.D–2016, UGC 25 J–2013

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) स्वरूपकारणम् (D) निमित्तकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– गोविन्दाचार्य, पृष्ठ- 149

229. (i) श्रोत्रेण शब्दसाक्षात्कारे सन्निकर्षः -

(ii) श्रोत्रेन्द्रियेण गृहीते शब्दे शब्दश्रोत्रयोः यः सन्निकर्षः भवति स उच्यते? UGC 25 J–2005, CVVET–2017

(iii) शब्दग्रहणे सन्निकर्षः कः UGC 25 D–2008,

(iv) शब्दसाक्षात्कारे....सन्निकर्षः - K-SET–2014,

(v) शब्द के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है- UGC 25 J–1999

(vi) श्रोत्रेन्द्रियेण शब्दस्य ग्रहणे सन्निकर्षः कः?

(vii) यदा श्रोत्रेण शब्दो गृह्यते तदा अयं सन्निकर्षः?
BHU AET–2010, 2011, 2012, SU Ph. D–2015

(A) संयोगः (B) विशेषणविशेष्यभावः

(C) समवायः (D) संयुक्तसमवायः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 67

230. समवेतसमवायसन्निकर्षेण कस्य प्रत्यक्षं भवति- UGC 25 J–2006

(A) गन्धस्य (B) शब्दस्य

(C) स्पर्शस्य (D) शब्दत्वस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 67

231. (i) द्रव्य के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है-

(ii) द्रव्यप्रत्यक्षे सर्वदा सन्निकर्षः - UGC 73 J–2015, UGC 25 J–2008, D–2012

(A) समवायः (B) तादात्म्यम्

(C) संयोगः (D) संयुक्त-समवायः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 63

232. समीचीनां तालिकां चिनुत - UGC 25 J–2008

(क) संयुक्तसमवेतसमवायः 1. मनस्

(ख) विशेषणता 2. गुणः

(ग) समवायः 3. तमस्

(घ) संयोगः 4. घटरूपत्वम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

तर्कभाषा–श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- क=66, ख=68, ग=67, घ=63

233. केन सन्निकर्षेण शब्दत्वं गृह्यते? BHU AET–2011

(A) संयोगः (B) समवायः

(C) विशेषणता (D) समवेतसमवायः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 67

234. प्रत्यक्षं ज्ञानमस्ति - UGC 25 D–2009

(A) योगार्थसन्निकर्षजम् (B) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजम्

(C) तत्त्वार्थसन्निकर्षजम् (D) पदार्थसन्निकर्षजम्

स्रोत–तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 74

235. 'नीलो घटः' इत्यस्मिन् सम्बन्धः भवति– UP GDC–2012

(A) संयोगसम्बन्धः (B) असमवायसम्बन्धः

(C) संयुक्तसमवायसम्बन्धः (D) समवेतसमवायसम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

226. (B) 227. (A) 228. (D) 229. (C) 230. (D) 231. (C) 232. (A) 233. (D) 234. (B) 235. (C)

236. (i) रूपत्वस्य प्रत्यक्षे सन्निकर्षो भवति -
(ii) घटरूपत्व प्रत्यक्षे कः सन्निकर्षः
UGC 73 J–2010, JNU MET–2014
(A) संयुक्तसमवेतसमवायः (B) समवायः
(C) समवेतसमवायः (D) संयोगः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 66

237. नव्यन्यायमते प्रत्यक्षानुकूलसन्निकर्षः -
UGC 73 D–2011, UP GDC–2008
(A) त्रयः (B) षट्
(C) सप्त (D) नव
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

238. तर्कभाषानुसारेण चक्षुषा घटगतश्यामरूपस्य प्रत्यक्षे सन्निकर्षो भवति - UP GDC–2012
(A) संयोगः (B) समवायः
(C) संयुक्तसमवायः (D) समवेतसमवायः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

239. (i) न्यायदर्शनानुसार चक्षुरिन्द्रिय के द्वारा घटरूप का प्रत्यक्ष किस लौकिक सन्निकर्ष के द्वारा होता है?
(ii) यदा चक्षुरादिना घटगतरूपादिकं गृह्यते तदाऽनयोरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः कः ?
(iii) घटरूपप्रत्यक्षे कः सन्निकर्षः - BHU AET–2010
BHU MET–2016, UGC 73 D–2015
(A) संयोगः (B) संयुक्तसमवायः
(C) समवायः (D) समवेतसमवायः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

240. विशेषणविशेष्यभावसन्निकर्षस्य कुत्रोपयोगः -
BHU AET–2010
(A) द्रव्यप्रत्यक्षे (B) गुणप्रत्यक्षे
(C) कर्मप्रत्यक्षे (D) अभावप्रत्यक्षे
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 68

241. षट्सु सन्निकर्षेषु साक्षात्सम्बन्धः कतिविधः -
BHU AET–2010
(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) एकविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

242. संयुक्तसमवायः सन्निकर्षः कस्य प्रत्यक्षे -
BHU AET–2012
(A) घटस्य (B) घटरूपस्य
(C) रूपनिष्ठरूपत्वस्य (D) घटाभावस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

243. संयोगः सन्निकर्षः कस्य प्रत्यक्षे - BHU AET–2012
(A) द्रव्यस्य (B) गुणस्य
(C) कर्मणः (D) सामान्यस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 63

244. समवेतसमवायः कस्य प्रत्यक्षे उपयुज्यते -
BHU AET–2012
(A) द्रव्यस्य (B) गुणस्य
(C) कर्मणः (D) शब्दत्वस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 67

245. षड्विधसन्निकर्ष का सिद्धान्त किससे सम्बद्ध है -
BHU MET–2009, 2011, 2013
(A) वेदान्त से (B) न्यायवैशेषिक से
(C) योगदर्शन से (D) बौद्धदर्शन से
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 61

246. विशेषणविशेष्यभावसन्निकर्षः कारणं भवति -
UK SLET–2015
(A) श्रोत्रेण शब्दस्य साक्षात्कारे
(B) चक्षुषा रूपत्वसामान्यस्य प्रत्यक्षे
(C) अभावपदार्थस्य प्रत्यक्षे
(D) योग्यतानामकशाब्दबोधकारणस्य ग्रहणे
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 68

236. (A) 237. (B) 238. (C) 239. (B) 240. (D) 241. (A) 242. (B) 243. (A) 244. (D) 245. (B) 246. (C)

247. (i) यदा शब्दसमवेतं शब्दत्वं श्रोत्रेन्द्रियेण गृह्यते तदा कः सन्निकर्षः भवति – BHU AET–2012
(ii) केन सन्निकर्षेण शब्दत्वं गृह्यते–RPSC SET–2013-14
(iii) शब्दत्व के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है? UGC 25 D–1997, J–1998

(A) संयुक्तसमवायेन (B) समवेतसमवायेन
(C) समवायेन (D) संयोगेन

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 67

248. ''गन्धवती पृथ्वी शब्दत्वात्'' यहाँ हेतु में दोष है - UGC 73 S–2013

(A) बाधः (B) व्यभिचारः
(C) सत्प्रतिपक्षः (D) असिद्धः

स्रोत–

249. (i) 'गगनारविन्दं सुरभिः' अत्र कः हेत्वाभासः -
(ii) 'गगनारविन्दं सुरभि अरविन्दत्वात्' इत्यत्र को हेत्वाभासः? BHU RET–2008, DU Ph. D–2016
(iii) 'गगनारविन्दं सुरभिः' हेत्वाभासोऽस्ति।
(iv) 'गगनारविन्दं सुरभिः अरविन्दत्वात् सरोजारविन्दवत्' इति कस्य हेत्वाभासस्योदाहरणम् -
(v) न्यायदर्शन के अनुसार 'गगनारविन्दं सुरभि' किसका उदाहरण है - UGC 25 J–2009, BHU AET–2011, CCSUM Ph.D–2016 BHU MET–2008, 2009, 2011, 2013

(A) आश्रयासिद्धः (B) स्वरूपासिद्धः
(C) व्याप्यत्वासिद्धः (D) विरुद्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 111

250. 'कालात्ययापदिष्ट हेत्वाभास' का दूसरा नाम क्या है? UGC 73 D–2015

(A) असिद्ध (B) सत्प्रतिपक्ष
(C) विरुद्ध (D) बाधित

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ -118

251. 'वह्निरनुष्णः' इति स्थले हेत्वाभासो वर्तते - UGC 25 J–2013

(A) सव्यभिचारः (B) सोपाधिकः
(C) बाधितः (D) आश्रयासिद्धः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानखण्ड)-महानन्द झा, पेज-127

252. इनमें से कौन-सा हेत्वाभास नहीं है- UP PGT–2005

(A) आश्रयासिद्ध (B) बाधित
(C) अनैकान्तिक (D) विपक्ष

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 109,118

253. (i) 'शब्दो नित्यः कृतकत्वात्' में कौन-सा हेत्वाभास है-
(ii) ''शब्दो नित्यः कृतकत्वात्'' उदाहरणमिदं कस्य हेत्वाभासस्य? MH-SET–2016, KL SET–2015, 2016

(A) असिद्ध (B) विरुद्ध
(C) अनैकान्तिक (D) प्रकरणसम

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

254. 'अनुमितिप्रतिबन्धकपथार्थज्ञानविषयत्वम्' इति कस्य लक्षणम् – UGC 25 J-2016

(A) पक्षस्य (B) विपक्षस्य
(C) हेत्वाभासस्य (D) केवलं व्यतिरेकलिङ्गस्य

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानखण्ड)-महानन्द झा, पेज-88

255. आश्रयासिद्धेः किम् असिद्धम् - BHU AET–2010

(A) पक्षः (B) साध्यम्
(C) हेतुः (D) उदाहरणम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 111

256. अनैकान्तिक इत्यनेन कोऽभिधीयते - BHU AET–2011

(A) सव्यभिचारः (B) बाधितः
(C) सत्प्रतिपक्षः (D) असिद्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

257. 'घटोऽनित्यः कार्यत्वात् पटवत्' इत्यनुमाने कः हेत्वाभासः? DU M. Phil -2016

(A) अनैकान्तिकः (B) विरुद्धः
(C) प्रकरणसमः (D) आश्रयासिद्धः

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 592

258. साध्यविपर्ययव्याप्तः हेतुः कः? MH SET-2016

(A) सव्यभिचारः (B) सत्प्रतिपक्षः
(C) विरुद्धः (D) निषिद्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

247. (B) 248. (B) 249. (A) 250. (D) 251. (C) 252. (D) 253. (B) 254. (C) 255. (A) 256. (A) 257. (D) 258. (C)

259. आश्रयासिद्धस्य उदाहरणं किम्– MH SET–2013
(A) शब्दो नित्यः कृतकत्वात्
(B) गगनारविन्दं सुरभि अरविन्दत्वात्
(C) शब्दो गुणः चाक्षुषत्वात्
(D) वह्निरनुष्णः द्रव्यत्वात्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 111

260. नैयायिकानां मते शक्तिः कस्मिन् पदार्थे अन्तर्भवति– KL SET–2016
(A) द्रव्ये (B) गुणे
(C) सामान्ये (D) अभावे
न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, पेज-21-22

261. तर्कभाषानुसारेण 'लिङ्गपरामर्शोऽनुमानम्' इत्यस्यां परिभाषायां किं लिङ्गम्? RPSC SET-2013-14
(A) स्वाभाविकः सम्बन्धः (B) तृतीयं ज्ञानम्
(C)व्याप्तिबलेनार्थगमकम् (D) पञ्चावयववाक्यम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-80

262. 'शब्दो नित्यः शब्दत्वात्' इत्यत्र हेत्वाभासः – BHU AET–2012
(A) साधारणः (B) असाधारणः
(C) विरुद्धः (D) बाधितः
स्रोत–तर्कसंग्रह– शिवशङ्कर गुप्त, पृष्ठ- 54

263. स्वरूपासिद्धे किम् असिद्धम् - BHU AET–2010
(A) पक्षः (B) साध्यम्
(C) हेतुः (D) सपक्षः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 274

264. 'अनैकान्तिकः' इति कस्य हेत्वाभासस्य नाम - BHU AET–2012
(A) असिद्धस्य (B) विरुद्धस्य
(C) सव्यभिचारस्य (D) सत्प्रतिपक्षस्य
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

265. अनैकान्तो नाम भवति– KL SET-2014
(A) कारणभेदः (B) हेतुः
(C) हेत्वाभासः (D) पक्षधर्मः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 115

266. अनुमिति का कारण है? UGC 25 J–1994
(A) हेतुज्ञान (B) पक्षधर्मताज्ञान
(C) सपक्षधर्मताज्ञान (D) व्याप्तिज्ञान
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 105,106

267. तर्कभाषायां प्रकरणसम-हेत्वाभासस्य अपर संज्ञा? UGC 25 Jn–2017
(A) बाधितविषयः (B) सत्प्रतिपक्षः
(C) सव्यभिचारः (D) अनुपसंहारी
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 117

268. पक्षे प्रमाणान्तरावधृतसाध्याभावो हेतुः - UK SLET–2015
(A) कालात्ययापदिष्टः (B) प्रकरणसमः
(C) विरुद्धः (D) स्वप्रतिपत्तिः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 118

269. ''शब्दः अनित्यः चाक्षुषत्वात्'' अत्र कः हेत्वाभासः - JNU MET–2014
(A) विरुद्धः (B) बाधितः
(C) स्वरूपासिद्धः (D) सव्यभिचारः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 111

270. न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां साध्यशून्यो यत्र पक्षस्त्वसौ क उदाहृतः? UGC 25 J-2016
(A) विरुद्धः (B) बाधः
(C) अनैकान्तिकः (D) सत्प्रतिपक्षः
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – महानन्द झा, पृष्ठ- 127

271. (i) न्यायदर्शने हेत्वाभासानां संख्या अस्ति?
(ii) न्यायमते हेत्वाभासाः - BHU MET–2011,
(iii) तर्कभाषानुसारं हेत्वाभासाः कतिविधाः?
(iv) हेत्वाभास कितने हैं? BHU AET–2012, GJ-SET–2014, SU Ph. D–2015 MH SET–2016
(A) द्वौ (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 109

259. (B) 260. (D) 261. (B) 262. (B) 263. (C) 264. (C) 265. (C) 266. (B) 267. (B) 268. (A) 269. (C) 270. (B) 271. (C)

272. तन्तुपटयोः अस्ति सम्बन्धः – UGC 25 D–2009, 2013

(A) समवायिसम्बन्धः (B) असमवायिसम्बन्धः

(C) निमित्तसम्बन्धः (D) न कोऽपि सम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

273. जाति और व्यक्ति का सम्बन्ध है - UGC 25 J–2000

(A) संयोग (B) समवाय

(C) तादात्म्य (D) स्वरूप

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

274. इन दोनों में समवाय सम्बन्ध होता है- UGC 25 D–1999

(A) घट-भूतल (B) जाति-व्यक्ति

(C) घटाभाव-भूतल (D) ज्ञान-विषय

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

275. समवाय इनके बीच होता है- UGC 25 J–1998

(A) गुण-कर्म (B) अवयव-अवयवी

(C) सामान्य विशेष (D) घटाभाव-भूतल

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

276. घटाभाव और भूतल का सम्बन्ध है? UGC 25 J–1994

(A) संयोग (B) समवाय

(C) स्वरूप (D) विशेषण-विशेष्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 68

277. 'पर्वतो वह्निमान्' में साध्यतावच्छेदक सम्बन्ध है - UGC 73 D–1997, BHU AET–2010

(A) असमवायि (B) सम्बन्ध

(C) समवाय (D) संयोग

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-18,22

278. अवयवावयविनोः सम्बन्धो भवति - UGC 73 D–2007, BHU AET–2012

(A) संयोगः (B) समवायः

(C) तादात्म्यम् (D) विशेषणता

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

279. नव्यन्यायमते समवायः - UGC 73 D–2011

(A) द्विप्रकारः (B) नित्यसम्बन्धः

(C) अनित्यसम्बन्धः (D) स्वरूपसम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 27

280. 'नीलोघटः' में गुण-गुणी का कौन-सा सम्बन्ध है - UP GIC–2009

(A) समवायसम्बन्धः (B) संयोगसम्बन्धः

(C) असमवायसम्बन्धः (D) समवेतसमवायसम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 34

281. तौ अयुतसिद्धौ विज्ञातव्यौ, ययोर्मध्ये– DU Ph.D-2016

(A) उभे पराश्रिते एव अवतिष्ठेते

(B) एकं सदैव अपराश्रितम् एव अवतिष्ठते

(C) अविनश्यद् एकम् अपराश्रितम् एव अवतिष्ठते

(D) विनश्यद् एकम् अपराश्रितम् एव अवतिष्ठते

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 27

282. (i) न्यायदर्शनानुसार 'ईश्वर' जगत् का कौन-सा कारण माना जाता है? UGC 73 D-2015, Jn–2017

(ii) नैयायिकसिद्धान्ते ईश्वरः जगतः कीदृशं कारणं स्वीक्रियते? KL SET-2016

(A) निमित्तकारणम् (B) समवायिकारणम्

(C) असमवायिकारणम् (D) समवाय्यसमवायिकारणम्

स्रोत–न्यायदर्शनम् (वात्स्यायनभाष्य)–आचार्य ढुण्ढिराजशास्त्री, पृष्ठ- 479

283. अयुतसिद्धयोः सम्बन्धः कः - BHU AET–2011 RPSC SET–2010

(A) संयोगः (B) समवायः

(C) संयुक्तसमवायः (D) समवेतसमवायः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-27

284. न्यायदर्शने जगत्कर्ता भवति - UGC 73 D–2006

(A) ईश्वरः (B) प्रकृतिः

(C) अदृष्टम् (D) माया

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 194

272. (A) 273. (B) 274. (B) 275. (B) 276. (D) 277. (C) 278. (B) 279. (B) 280. (A) 281. (C) 282. (A) 283. (B) 284. (A)

285. (i) न्यायवैशेषिकदृशा आत्मा कतिविधः?
(ii) आत्मा कतिविधः - BHU AET–2011
UGC 73 Jn–2017

(A) चतुर्विधः (B) त्रिविधः
(C) द्विविधः (D) एकविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 47

286. न्यायमते सुवर्णस्य तैजसत्वं किम्प्रकारकम्?
DU Ph.D-2016

(A) उद्भूतरूपस्पर्शम्
(B) अनुद्भूतरूपमुद्भूतस्पर्शम्
(C) उद्भूतरूपमनुद्भूतस्पर्शम्
(D) उद्भूताभिभूतरूपस्पर्शम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 200

287. साक्षात्कारिप्रमायाः कारणमस्ति– DU Ph.D-2016

(A) प्रमाता (B) प्रमेयम्
(C) इन्द्रियसंयोगादिः (D) उक्तं सर्वमेव

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 60

288. 'साध्यव्यापकत्वे सति साधनाव्यापकः' इति कस्य लक्षणम्? UGC 25 J-2016, K SET-2015

(A) कारणभेदः (B) हेतुः
(C) हेत्वाभासः (D) उपाधिः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-82

289. 'नित्यम् एकम् अनेकानुगतम्' इति लक्षणं भवति–
GJ SET–2004

(A) सामान्यस्य (B) समवायस्य
(C) गुणस्य (D) विशेषस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-244

290. न्यायदर्शन के अनुसार 'आत्मा' का लक्षण है?
UGC 73 D-2015

(A) इन्द्रियाण्येवात्मा (B) धर्माधर्माश्रयोऽध्यक्ष आत्मा
(C) शरीरमेवात्मा (D) मन एवात्मा

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–198

291. न्यायमत में मन का परिमाण है-
UGC 73 D–1999, 2009

(A) अणु (B) अपरिमित
(C) विभु (D) अन्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 217

292. न्यायमते इदं द्रव्यं न भवति - UGC 73 D–2007

(A) मरुत् (B) मनः
(C) तमः (D) कालः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 194-195

293. संयोगसमवायिकारणतावच्छेदकता अस्ति -
UGC 73 D–2014

(A) सत्तायाम् (B) द्रव्यत्वे
(C) गुणवत्त्वे (D) पृथिवीत्वे

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

294. 'गगनकुसुमम्' इत्युदाहरणं तावत् - UGC 73 D–2008

(A) प्रागभावस्य (B) प्रध्वंसाभावस्य
(C) अत्यन्ताभावस्य (D) अन्योन्याभावस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 168

295. नव्यन्यायमते तमः भवति - UGC 73 J–2010

(A) द्रव्यम् (B) अभावः
(C) गुणः (D) विशेषः

स्रोत–तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-310

296. भूतले घटाभावः नव्यन्यायमते कः -BHU AET–2012

(A) प्रागभावः (B) प्रध्वंसाभावः
(C) अत्यन्ताभावः (D) अन्योन्याभावः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 252

297. कोऽभावः सादिरनन्तश्च - BHU AET–2012

(A) प्रध्वंसाभावः (B) प्रागभावः
(C) अन्योन्याऽभावः (D) अत्यन्ताभावः

स्रोत–(i) तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 252
(ii) तर्कसंग्रह - रामभजन शर्मा, पेज–106

285. (C) 286. (D) 287. (C) 288. (D) 289. (A) 290. (B) 291. (A) 292. (C) 293. (B) 294. (C) 295. (B) 296. (C) 297. (A)

298. द्रव्ये गुणकर्मणोः कः सम्बन्धः - BHU AET–2010

(A) संयोगः (B) तादात्म्यम्

(C) संयुक्तसमवायः (D) समवेतसमवायः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 64

299. (i) घटः पटो न इतिहास उदाहरणम् 'घटो न पट' इति प्रतीतिसिद्धिः - UGC 73 D–2012, K-SET–2014

(ii) घटो न पट इति प्रतीतिसिद्धः –

(A) प्रागभावः (B) अन्योन्याभावः

(C) प्रध्वंसाभावः (D) संसर्गाभावः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 253

300. 'तादात्म्य' सम्बन्ध से विशिष्ट प्रतियोगिता वाला अभाव कौन सा है?

UGC 73 D-2015, UGC 25 J-2016

(A) अन्योन्याभाव (B) प्रध्वंसाभाव

(C) प्रागभाव (D) अत्यन्ताभाव

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 253

301. न्यायनये ज्ञानस्य स्वरूपम् अस्ति– GJ SET-2007

(A) गुणः (B) कर्म

(C) द्रव्यम् (D)सामान्यम्

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-303

302. (i) तर्कभाषानुसारम् 'अग्निना सिञ्चेत्' इति न वाक्यम्?

(ii) अग्निना सिञ्चेदिति न प्रमाणं किमर्थम्?

K SET–2014, MH SET–2013

(A) आकांक्षाविरहात् (B) योग्यताविरहात्

(C) सान्निध्याभावात् (D) प्रामाण्याभावात्

स्रोत–तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर, पृष्ठ- 108

303. गौरितिविशिष्टज्ञानं विशेषणज्ञानजन्यं विशिष्टज्ञानत्वात् इत्यनुमानं कस्य साधकम्– KL SET-2016

(A) सविकल्पकप्रत्यक्षस्य (B) योगिप्रत्यक्षस्य

(C) सामान्यलक्षणाप्रत्यासत्तेः (D) निर्विकल्पकप्रत्यक्षस्य

स्रोत–

304. गवादिशब्दानां न्यायनये कुत्र शक्तिः–KL SET-2016

(A) जातौ (B) व्यक्तौ

(C) जातिविशिष्टव्यक्तौ (D) जातिगुणद्रव्यक्रियासु

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड)–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 100

305. अधोलिखितेषु कः अयथार्थानुभवः नास्ति - JNU MET–2014

(A) संशयः (B) विपर्ययः

(C) तर्कः (D) अभावः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 14

306. केवल नेत्र से ग्रहण करने वाला गुण -UP PGT–2004

(A) रूप (B) स्पर्श

(C) गन्ध (D) रस

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-220

307. नैयायिक-वैशेषिकयोः को वादः - BHU AET–2010

(A) असत्कार्यवादः (B) सत्कार्यवादः

(C) विवर्तवादः (D) संघातवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 230

308. नैयायिक-वैशेषिकयोः को वादोऽभिमतः - BHU AET–2012

(A) आरम्भवादः (B) संघातवादः

(C) परिणामवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 191

309. असत्कार्यवादः कस्मिन् शास्त्रे स्वीकृतः - BHU AET–2012

(A) सांख्यशास्त्रे (B) योगशास्त्रे

(C) न्यायशास्त्रे (D) शास्त्रान्तरे

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 230

310. (i) 'पीठरपाक' किसका सिद्धान्त माना जाता है -

(ii) पीठरपाकवादिनः के -

UGC 73 D–2015, BHU AET–2011

(A) नैयायिकाः (B) वेदान्तिनः

(C) मीमांसकाः (D) बौद्धाः

स्रोत–तर्कसंग्रह - राकेश शास्त्री, पेज-152

298. (C) 299. (B) 300. (A) 301. (D) 302. (B) 303. (D) 304. (C) 305. (D) 306. (A) 307. (A) 308. (A) 309. (C) 310. (A)

311. कीदृशः तर्कभाषासम्मतः अपवर्गः UGC 25 D–2012

(A) दुःखस्यात्यान्तिकी निवृत्तिः
(B) दुःखस्यैकान्तिकी निवृत्तिः
(C) ब्रह्मसायुज्यम्
(D) स्वर्गात्मकः

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-562

312. न्यायदर्शन के अनुसार जीवन का लक्ष्य है - UGC 25 D–1996

(A) कैवल्य (B) निःश्रेयस
(C) मोक्ष (D) निर्वाण

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 04

313. न्यायमते अपवर्गस्य किं स्वरूपम् - BHU AET–2012

(A) नित्यसुवाप्तिः (B) दुःखात्यन्तविमोक्षः
(C) अविद्यानिवृत्तिः (D) अन्यत् किमपि

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-562

314. न्यायमतानुसार मोक्ष का स्वरूप क्या है? UGC 73 D-2015

(A) पुरुषार्थशून्यानां गुणानां प्रतिप्रसवः
(B) दुःखात्यन्तोच्छेदः
(C) प्रकृति-पुरुषविवेकः
(D) अज्ञाननिवृत्तिः

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-562-564

315. 'कार्यानुकृतान्वयव्यतिरेकि कारणम्' इत्यस्मिन् कारणलक्षणे नैयायिकैः प्रदर्शितो दोषो अस्ति– DU M.Phil-2016

(A) अतिव्याप्तिः (B) अव्याप्तिः
(C) अनवस्था (D) असम्भवः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 24

316. ज्ञानगुणस्य अनुव्यवसायात्मकं मानसप्रत्यक्षं भवति– DU M.Phil–2016

(A) संयोगसन्निकर्ष द्वारा
(B) विशेषणविशेष्यभावसन्निकर्ष द्वारा
(C) संयुक्तसमवायसन्निकर्ष द्वारा
(D) संयुक्तसमवेतसमवायसन्निकर्ष द्वारा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–325

317. समीचीनं विकल्पं चिनोतु– DU M.Phil–2016

(A) मनः अणु आत्मसंयोगि, रूपाधिलब्धिकरणं नित्यञ्च।
(B) मनः आत्मसंयोगि, अन्तरिन्द्रियं, अनुमानगम्यं, विभु नित्यञ्च।
(C) मनः आत्मसंयोगि, सुखाद्युपलब्धिकारणं संख्याद्यष्टगुणवत्
(D) मनः अन्तरिन्द्रियं अणु संख्याद्याष्टादशगुणवत्, आत्मवियोगि नित्यञ्च।

स्रोत–तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर, पृष्ठ- 190

318. निर्विकल्पकज्ञानमस्ति– DU M Phil–2016

(A) केवलविशेषणतासहितज्ञानम्
(B) संसर्गताशून्यं ज्ञानम्
(C) केवलविशेष्यतासहितज्ञानम्
(D) विशेषणविशेष्यतासहितज्ञानम्

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 67

319. अव्यक्तविषयिणी समापत्तिर्भवति - UP GDC–2012

(A) निर्विचारा (B) निर्वितर्का
(C) सवितर्का (D) उपर्युक्तासु न

स्रोत–

320. मूर्त गुण होता है- UGC 73 J–2005

(A) ज्ञान (B) शब्द
(C) कृति (D) रूप

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-485

321. मनसा ज्ञानं भवति - BHU AET–2012

(A) रूपस्य (B) रसस्य
(C) सुखदुःखयोः (D) शब्दस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 191

322. न्यायवैशेषिकदर्शनानुसारं त्र्यणुके कियत् परिमाणं स्वीक्रियते - UGC 73 Jn–2017

(A) अणुपरिमाणम् (B) परमाणुपरिमाणम्
(C) महत्परिमाणम् (D) दीर्घपरिमाणम्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-226

311. (A) 312. (B) 313. (B) 314. (B) 315. (B) 316. (C) 317. (C) 318. (B) 319. (B) 320. (D) 321. (C) 322. (C)

323. शब्दोऽभिधेयः प्रमेयत्वात् .... हेतुरस्ति? GJ SET–2016

(A) केवलान्वयी (B) केवलव्यतिरेकी
(C) अन्वयव्यतिरेकी (D) व्यतिरेकी

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 101

324. ज्ञाननिवर्त्य होता है- UGC 73 J–2012

(A) दुःखम् (B) धर्मः
(C) जगत् (D) जीवः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-73-77

325. ''सुखसमवायिकारणम्'' है - UGC 73 D–2013

(A) ईश्वरः (B) पृथिवी
(C) मनः (D) आत्मा

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 217

326. अनुपपद्यमानार्थदर्शनात् तदुपपादकीभूतार्थान्तर-कल्पनम्' यह लक्षण है- UP PGT–2013

(A) अभाव का (B) अर्थापत्ति का
(C) शरीर का (D) असमवायिकारण का

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-138

327. शब्दशक्तिः कुत्र न्यायमते - UGC 25 D–2010

(A) जातौ (B) व्यक्तौ
(C) आकृतौ (D) जात्याकृतिविशिष्टव्यक्तौ

स्रोत–काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर, पृष्ठ- 49

328. गुणगुणिनोः कः सम्बन्धः - UGC 25 D–2013

(A) समवायः (B) आधाराधेयः
(C) व्याप्यत्वसम्बन्धः (D) स्वस्वामिसम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

329. गुणगुणिनोः कः सम्बन्धः? MH SET-2013

(A) संयोगः (B) आश्रयासिद्धः
(C) अयुतसिद्धः (D) युतसिद्धः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 29

330. पदार्थे तत्र तद्वत्ते-त्यनेन कारिकावल्यां विश्वनाथेन किमुक्तम्? UGC 73 Jn–2017

(A) आसत्तिः (B) आकांक्षा
(C) योग्यता (D) तात्पर्यज्ञानम्

स्रोत–कारिकावली - लोकमणि दाहाल, पेज–78

331. न्यायमतानुसार जीवात्मा का परिमाण - UGC 25 J–1994

(A) देहपरिमाण (B) विभुपरिमाण
(C) अणुपरिमाण (D) मध्यमपरिमाण

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-175

332. 'पदजन्यपदार्थोपस्थितिः' है? UGC 73 J–2012

(A) शक्तिज्ञानम् (B) शाब्दबोधः
(C) व्यापारः (D) करणम्

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 77-79

333. घटाभाव का प्रतियोगितावच्छेदक होता है- UGC 73 J–1998

(A) घटत्वम् (B) द्रव्यत्वम्
(C) पृथिवीत्वम् (D) पदार्थत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह–अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 124

334. न्यायमत में एक जाति बाधक होता है- UGC 73 J–1999

(A) परत्वम् (B) रूपहानिः
(C) सादृश्यम् (D) अनुवृत्तिप्रत्ययः

न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-38,39

335. न्यायदर्शनस्य सिद्धान्तोऽस्ति - UGC 73 J–2006

(A) प्रधानकारणवादः (B) सत्कार्यवादः
(C) परमाणुकारणवादः (D) ब्रह्मकारणवादः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ-197,198

336. सप्तानां साधर्म्यं भवति - UGC 73 J–2013

(A) प्रमेयत्वम् (B) द्रव्यत्वम्
(C) असमवेतत्वम् (D) निमित्तकारणत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज-297

323. (A) 324. (C) 325. (D) 326. (B) 327. (D) 328. (A) 329. (C) 330. (C) 331. (B) 332. (C) 333. (A) 334. (B) 335. (C) 336. (A)

337. सामान्य रहता है- UP PGT–2004, 2009

(A) द्रव्य, गुण और विशेष में
(B) द्रव्य, गुण और कर्म में
(C) द्रव्य, कर्म और विशेष में
(D) द्रव्य, गुण और समवाय में

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 244

338. सुमेलित कीजिए - UP PGT–2005

(क) असाधारणधर्मवचनम् (i) करणम्
(ख) साधकतमम् (ii) समवायिकारणम्
(ग) अनन्यथासिद्धपश्चाद्भावित्वम् (iii) कार्यत्वम्
(घ) यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते (iv) लक्षणम्

	क	ख	ग	घ
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	i	iii	iv	ii

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 07,17,20,33

339. 'वह्निव्याप्यधूमवान् पर्वतः' इति ज्ञानं किम् - BHU AET–2010

(A) परामर्शः (B) व्याप्तिज्ञानम्
(C) अनुमितिः (D) स्मरणम्

स्रोत– (i) तर्कभाषा - श्रानिवास शास्त्री, पेज-85
(ii) तर्कसंग्रह - राकेश शास्त्री, पेज–206

340. नैयायिकमते पदस्य कुत्र शक्तिः - BHU AET–2010

(A) जातौ (B) व्यक्तौ
(C) जातिविशिष्टव्यक्तौ (D) जात्याकृतिविशिष्टव्यक्तौ

स्रोत–(i) न्यायसिद्धमुक्तावली (शब्द खण्ड)-गजाननशास्त्री, पृष्ठ- 100
(ii) न्यायदर्शनम् (2.2.68)-आचार्य ढुण्ढिराजशास्त्री, पृष्ठ- 291-292

341. घटाभावस्य प्रतियोगि कः - BHU AET–2011

(A) अभावः (B) घटाभावः
(C) घटः (D) कपालम्

स्रोत–तर्कभाषा – सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पृष्ठ- 417

342. पक्षता नाम का - BHU AET–2011

(A) साध्यसंशयः (B) साध्यनिश्चयः
(C) साध्यसिद्धिः (D) साध्यव्याप्तिः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पेज-86

343. इन्द्रियाश्रयः कः मन्यते - BHU AET–2012

(A) आत्मा (B) मनः
(C) शरीरम् (D) हृदयम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 185

344. पदार्थों का उपदेशक ग्रन्थ है - BHU MET–2015

(A) तर्कसंग्रह (B) तर्कभाषा
(C) सांख्यकारिका (D) अर्थसंग्रह

स्रोत–तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 3

345. एकस्मिन् एव घटे 'घटोऽयं' इति धारावाहिकज्ञानानां गृहीतग्राहिणाम् अप्रामाण्यप्रसङ्गात् - UK SLET–2015

(A) 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' इति प्रमाणलक्षणं न सङ्गच्छते
(B) तुरीवेमयोः समवायत्वं न सङ्गच्छते
(C) 'अनधिगतार्थगन्तृ प्रमाणम्' इति प्रमाणलक्षणं न सङ्गच्छते
(D) फलायोगव्यवच्छिन्नं कारणं करणम्' इति करणलक्षणं न सङ्गच्छते

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 161

346. सुमेलित कीजिए - UGC 25 D–2002

(अ) आकाश (1) कर्म
(ब) गमन (2) गुण
(स) अयुतसिद्ध (3) द्रव्य
(द) पृथकत्व (4) समवाय

	अ	ब	स	द
(A)	3	1	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 28,9,120,29

347. सर्वमनित्यं प्रमेयत्वादिति ...... हेत्वाभासस्योदाहरणम्? GJ SET–2016

(A) साधारणस्य (B) असाधारणस्य
(C) अनुपसंहारेः (D) स्वरूपासिद्धेः

स्रोत–तर्कसंग्रह – अनितासेन गुप्ता, पृष्ठ- 97

337. (B) 338. (B) 339. (A) 340. (D) 341. (C) 342. (A) 343. (C) 344. (B) 345. (C) 346. (A) 347. (C)

348. प्रमाणतो अभ्यूपगम्यमानः सामान्यविशेषवानर्थः अस्ति— **JNU M Phil/Ph.D-2014**

(A) संशयः (B) दृष्टान्तः

(C) सिद्धान्तः (D) निर्णयः

स्रोत—तर्कभाषा – बद्रीनाथ शुक्ल, पृष्ठ- 339

349. धूमवत्वं हेतु अस्ति— **CCSUM Ph.D-2016**

(A) केवलव्यतिरेकी

(B) केवलान्वयी

(C) अन्वयव्यतिरेकी

(D) कोऽपि नास्ति

स्रोत—तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 93

350. 'जीवच्छरीरं सात्मकं प्राणादिमत्त्वात्' इत्यत्र 'प्रणादिमत्त्वं कीदृशो हेतुः? **UGC 25 J-2016**

(A) केवलान्वयी

(B) केवलव्यतिरेकी

(C) अन्वय-व्यतिरेकी

(D) असद्धेतुः

स्रोत—तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 97

351. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत— **K SET-2015**

(क) उत्क्षेपणम् 1. द्रव्यम्

(ख) आत्मा 2. कर्म

(ग) परिमाणः 3. सामान्यम्

(घ) परम् 4. गुणः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत—तर्कसंग्रह– अनितासेन गुप्ता-क-29,ख-28,ग-29,घ-30

352. प्रहरे प्रहरेऽसहोच्चारितानि 'गाम् आनय' इत्यादि पदानि न प्रमाणम् /वाक्यम्— **K SET-2013**

(A) सन्निधेः अभावात् (B) योग्यताया अभावात्

(C) आकांक्षाया अभावात् (D) समवायसम्बन्धस्य अभावात्

स्रोत—तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 123

353. नैयायिकमते ज्ञानं..................अस्ति— **GJ SET-2016**

(A) निराकारम् (B)साकारम्

(C) उभयम् (D)अनुभयम्

स्रोत—तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 258

348. (C) 349. (C) 350. (B) 351. (A) 352. (A) 353. (A)

05 वेदान्तसार

1. वेदान्तदर्शनस्य प्रवर्तकः कः - DSSSB TGT–2014
(A) बादरायणः (B) शङ्कराचार्यः
(C) कपिलः (D) पतञ्जलिः
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 11

2. (i) 'वेदान्तसार'-ग्रन्थस्य कर्ता भवति–UP GDC–2014
(ii) वेदान्तसारस्य ग्रन्थकृद् अस्ति–UGC 73 J–2015,
(iii) वेदान्तसारस्य कर्ता कः? Jn–2017, MH-SET–2016
(iv) वेदान्तसार के रचनाकार हैं ? UP PGT–2004,
(v) वेदान्तसारस्य प्रणेता कः? BHU MET–2008, 2013
(vi) वेदान्तसार के लेखक कौन हैं?
(A) कणादः (B) सदानन्दः
(C) सनातनः (D) सत्यानन्दः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xvi

3. शाङ्करवेदान्तस्य प्रमुखं मतम् अस्ति– UP GDC–2014
(A) अद्वैतम् (B) शुद्धाद्वैतम्
(C) द्वैताद्वैतम् (D) विशिष्टाद्वैतम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii

4. (i) वेदान्तसार में वेदान्त के किस मत का निरूपण है–
(ii) वेदान्तसारग्रन्थे कस्य मतस्य निरूपणं विद्यते–
BHU AET–2011, UP PGT–2000
(A) शुद्धाद्वैतवादस्य (B) अद्वैतवादस्य
(C) विशिष्टाद्वैतवादस्य (D) द्वैताद्वैतवादस्य
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii

5. अद्वैतमित्यस्यार्थः कः - DSSSB PGT–2014
(A) भेदः (B) अभेदः
(C) निश्चयः (D) पूर्णत्वम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

6. शङ्कराचार्य का सम्बन्ध किस दर्शन से है -
BHU AET–2011
(A) औलूक्यदर्शन से (B) वेदान्तदर्शन से
(C) सांख्यदर्शन से (D) बौद्धदर्शन से
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- x

7. वेदान्तदर्शनस्य अपरं नामास्ति - UP GIC–2015
(A) पूर्वमीमांसा (B) उलूकदर्शनम्
(C) उत्तरमीमांसा (D) तत्त्वचिन्तनम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii

8. 'पञ्चदशी' से सम्बन्धित दर्शन है– BHU MET–2015
(A) मीमांसादर्शन (B) वेदान्तदर्शन
(C) बौद्धदर्शन (D) सांख्यदर्शन
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 79

9. अद्वैततत्त्वप्रतिपादक उपनिषद्भाष्य है–
UGC 73 S–2013
(A) वल्लभाचार्य (B) निम्बार्काचार्य
(C) शङ्कराचार्य (D) श्रीकण्ठाचार्य
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- ix, x

10. रामानुजाचार्य का ग्रन्थ है - UGC 73 D–2012
(A) आपदेवी (B) मीमांसाकुतूहल
(C) रहस्यत्रय (D) अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 790

11. वेदान्तियों का दर्शन है- UGC 73 D–2011
(A) नास्तिक (B) शून्यवाद
(C) आस्तिक (D) परिणामवाद
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 02

12. (i) अद्वैतवेदान्त के संस्थापक कौन हैं–
(ii) अद्वैतवेदान्तस्य स्थापकः कः–UGC 25 D–1995,
(iii) अद्वैतवेदान्तदर्शनस्य प्रवर्तकः–AWES TGT–2013
UGC 73 D–2010, BHU AET–2012
(A) बादरायणः (B) शङ्कराचार्यः
(C) गौडपादः (D) मधुसूदनसरस्वती
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii

1. (A) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (B) 6. (B) 7. (C) 8. (B) 9. (C) 10. (C) 11. (C) 12. (B)

13. 'वेदान्तपरिभाषा' के रचयिता कौन हैं–
UGC 73 D–2008
(A) धर्मराजाध्वरीन्द्रः (B) सदानन्दः
(C) अप्पयदीक्षित (D) सुरेश्वरः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ xviii

14. अद्वैतवेदान्त के अनुसार वार्तिककार हैं ?
UGC 73 J–2006, 2008, 2012
(A) सुरेश्वराचार्यः (B) पद्मपादाचार्यः
(C) प्रकाशात्मयतिः (D) मधुसूदनसरस्वती
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xiii

15. शाङ्करभाष्य किस दर्शन से सम्बद्ध है ?
BHU MET–2010, 2011
(A) न्यायदर्शन (B) सांख्यदर्शन
(C) वेदान्तदर्शन (D) जैनदर्शन
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xii

16. (i) शङ्कराचार्य किस वेदान्त से सम्बन्धित हैं ?
(ii) शङ्कराचार्य किस दर्शन के प्रणेता हैं ?
BHU MET–2010, BHU AET–2010
(A) सांख्यदर्शन (B) न्यायदर्शन
(C) वैशेषिकदर्शन (D) अद्वैत वेदान्तदर्शन
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- x

17. शारीरकमीमांसा कस्य शास्त्रस्य नाम वर्तते ?
BHU AET–2012
(A) न्यायशास्त्रस्य (B) व्याकरणशास्त्रस्य
(C) वेदान्तशास्त्रस्य (D) योगदर्शनस्य
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - सत्यानन्द सरस्वती, पेज–18

18. वेदान्तसूत्रकारः आसीत् - BHU AET–2012
(A) कपिलः (B) बादरायणः
(C) पतञ्जलिः (D) जैमिनिः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 8

19. वेदान्तसारः किं प्रकारकः ग्रन्थः? MH - SET–2016
(A) प्रकरणग्रन्थः (B) वादग्रन्थः
(C) साधनग्रन्थः (D) आकरग्रन्थः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ -xix

20. उत्तरमीमांसाशास्त्रं वर्तते - BHU AET–2012
(A) योगः (B) न्यायः
(C) वेदान्तः (D) पूर्वमीमांसा
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii

21. शङ्करात्पूर्वम् आचार्यः आसीत् ? BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिः (B) गौडपादः
(C) हर्षः (D) मधुसूदनः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- x

22. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इति सूत्रम् अस्ति–
SU Ph. D–2015
(A) सांख्यदर्शने (B) न्यायदर्शने
(C) वेदान्तदर्शने (D) योगदर्शने
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 8

23. शारीरकसूत्रग्रन्थस्य प्रथमं सूत्रं वर्तते -
BHU AET–2012
(A) अथातो धर्मजिज्ञासा (B) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा
(C) अथ योगानुशासनम् (D)ॐ ब्रह्मणे नमः
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (1/1)-सत्यानन्द सरस्वती, पेज–19

24. 'जन्माद्यस्य यतः' इति ब्रह्मसूत्रग्रन्थस्य सूत्रं वर्तते -
BHU AET–2012
(A) प्रथमम् (B) द्वितीयम्
(C) चतुर्थम् (D) दशमम्
ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्यम् (1.1.2)–स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पृष्ठ-34

25. ब्रह्मसूत्रस्य आरम्भे उक्तम् ? BHU AET–2012
(A) ओम् (B) अथ
(C) इति (D) श्री
स्रोत–ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्यम्–स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पृष्ठ- 19

26. वेदान्त का आधार है -
UP GDC–2008, UGC 25 D–2014, J–2012
(A) गीता (B) महाभारत
(C) उपनिषद् (D) ऋग्वेद
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- viii,7

13. (A) 14. (A) 15. (C) 16. (D) 17. (C) 18. (B) 19. (A) 20. (C) 21. (B) 22. (C)
23. (B) 24. (B) 25. (B) 26. (C)

27. वेदान्त का मूल आधार है- UP GDC–2008

(A) श्रुति (B) स्मृति

(C) तर्क (D) पुराण

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 237

28. वेदान्तो नाम किम्? UGC 73 Jn–2017

(A) रामायणम् (B) उपनिषत्प्रमाणम्

(C) शारीरकसूत्रम् (D) नीतिमञ्जरी

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ-116

29. (i) अनिर्वचनीयख्यातिवादी हैं - UGC 25 D–2013,
(ii) अनिर्वचनीयवादिनः के ? BHU AET–2012, UGC 73 J–2013

(A) वैशेषिकाः (B) मीमांसकाः

(C) बौद्धाः (D) अद्वैतवेदान्तिनः

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 207

30. अद्वैतवादियों की ख्याति है ? UGC 73 D–2012, BHU AET–2012

(A) अनिर्वचनीयख्यातिः (B) अख्यातिः

(C) सत्ख्यातिः (D) अन्यथाख्यातिः

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 207

31. वेदान्तदर्शनस्य द्वितीयम् अभिधानम् - AWES -TGT–2011

(A) अध्यात्मदर्शनम् (B) ब्रह्मसूत्रम्

(C) आध्यात्मिकदर्शनम् (D) ब्रह्मवाददर्शनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – शिवशंकर गुप्त, पृष्ठ- 7

32. जीव और ब्रह्म का सम्बन्ध है– UGC 73 J–2006, 2011

(A) शरीरशरीरिभावः

(B) बिम्बप्रतिबिम्बभावः

(C) अवच्छेद्यावच्छेदकसम्बन्धः

(D) जन्यजनकभावः

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 312

33. विद्वन्मनोरञ्जनी टीका जिस पर है, वह ग्रन्थ है ? BHU MET–2014

(A) अर्थसङ्ग्रह (B) तर्कभाषा

(C) तर्कसङ्ग्रह (D) वेदान्तसार

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xix

34. तदैक्यप्रमेयस्य तत्प्रतिपादकोपनिषत्प्रमाणस्य च बोध्य-बोधकभावः? वेदान्तसारानुसारं लक्षणमिदं कस्यास्ति? UGC 25 Jn. –2017

(A) अधिकारिणः (B) विषयस्य

(C) सम्बन्धस्य (D) प्रयोजनस्य

स्रोत–वेदान्तसार – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 36

35. वेदान्तसारे प्रथमे श्लोके प्रथमः शब्दः कः? MH SET–2011

(A) सच्चिदानन्दम् (B) अवाङ्मनसगोचरम्

(C) अवयवरहितम् (D) अखण्डम्

स्रोत–वेदान्तसार – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 21

36. वेदान्ते 'अथ' शब्दस्य अर्थो भवति– UGC 25 D–2008

(A) मङ्गलः (B) आनन्तर्यः

(C) निरर्थकः (D) अमङ्गलः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 143

37. सदानन्दः वेदान्तसारे कम् आराधयति–MH SET–2011

(A) ईश्वरम् (B) गुरुम्

(C) आत्मानम् (D) परमात्मानम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 6

38. 'वेदान्तसार' के अनुसार निर्विकल्पक समाधि के अङ्ग गिनाए गए हैं - UP GIC–2009

(A) आठ (8) (B) सात (7)

(C) पाँच (5) (D) दश (10)

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 165

39. माया में कितने गुण कल्पित हैं ? BHU MET–2014

(A) 3 (B) 4

(C) 8 (D) 24

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 301

27. (A) 28. (B) 29. (D) 30. (A) 31. (A) 32. (B) 33. (D) 34. (C) 35. (D) 36. (B) 37. (B) 38. (A) 39. (A)

40. मानवानां कति पुरुषार्थाः भवन्ति – BHU AET–2012

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 53

41. 'चैतन्यं' कतिविधं भवति - BHU AET–2012

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्

(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 74

42. 'ज्ञानेन्द्रियाणि' कति भवन्ति ? BHU AET–2012

(A) त्रिविधानि (B) पञ्चविधानि

(C) षड्विधानि (D) सप्तविधानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 65,66

43. 'ऊर्ध्वलोकाः' कति भवन्ति ? BHU AET–2012

(A) पञ्च (5) (B) षट् (6)

(C) सप्त (7) (D) नव (9)

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82

44. (i) 'वायवः' कति भवन्ति ?

(ii) वायुः कतिविधः ? BHU AET–2012, 2014

(A) एकः (B) द्वौ

(C) त्रयः (D) पञ्च

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

45. वेदान्तसारे अधिकारी गुरुः कीदृशः– MH SET–2011

(A) परमकारुणिकः (B) दयालुः

(C) दयार्द्रः (D) आनन्दी

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 34

46. वेदान्तसारस्य प्रथमश्लोके सदानन्दः कमाश्रयते– MH SET–2013

(A) ब्रह्म (B) ईश्वरम्

(C) विष्णुम् (D) आत्मानम्

स्रोत–वेदान्तसार – बदरीनाथ शुक्ल, पृष्ठ- 1

47. सदानन्दस्य गुरोर्नामधेयं किम्– MH SET–2013

(A) वरुणः (B) रामानुजः

(C) अद्वैतानन्दः (D) अद्वयानन्दः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 113

48. वेदान्तसारे आदौ कस्य लक्षणं वर्णितम्– MH SET–2013

(A) कर्मणः (B) शास्तुः

(C) अधिकारिणः (D) ईश्वरस्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 10

49. .... नामोपनिषत्प्रमाणम्– GJ SET–2008

(A) वेदो (B) वेदान्तो

(C) वेदाङ्गम् (D) वेदार्थी

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 7

50. अधोलोकाः कति भवन्ति ? BHU AET–2012

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82

51. (i) अनुबन्ध कितने हैं - BHU MET–2011, 2012

(ii) अनुबन्ध हैं–UGC 25 D–2004, J-2009, D–2009

(iii) अनुबन्धः कतिविधः भवति– J-2014, 2000,

(iv) अनुबन्धाः कति सन्ति–

(v) वेदान्तसार में अनुबन्धों की संख्या–GJ SET–2013

(A) दश (10) (B) नव (9)

(C) चार (4) (D) पाँच (5)

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

52. वेदान्तानुसारं कतिविधः समाधिः ? UGC 25 J–2012

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 157

53. (i) निर्विकल्पकसमाधौ कति विघ्नाः सम्भवन्ति ?

(ii) वेदान्तमते निर्विकल्पकविषये कति विघ्नाः सम्भवन्ति– UGC 25 J–2013, Jn–2017, DSSSB TGT–2014

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) द्वौ (D) पञ्च

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 179

40. (C)	**41. (B)**	**42. (B)**	**43. (C)**	**44. (D)**	**45. (A)**	**46. (D)**	**47. (D)**	**48. (C)**	**49. (B)**
50. (C)	**51. (C)**	**52. (A)**	**53. (B)**						

54. कति कर्मेन्द्रियाणि भवन्ति ? BHU AET–2012

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

55. वेदान्त के अनुसार पदार्थ हैं – UGC 25 D–2003

(A) 4 (B) 6

(C) 2 (D) 5

स्रोत– भारतीयदर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–363

56. महावाक्यानि.........सन्ति । AWES TGT–2013

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) त्रीणि (D) नव

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

57. पञ्चज्ञानेन्द्रियबहिर्भूतः अस्ति–MGKV Ph. D–2016

(A) चक्षुः (B) घ्राणः

(C) रसना (D) उपस्थः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 65,69

58. अनुबन्ध-चतुष्टयस्य निरूपणमस्ति– G-GIC–2015

(A) तर्कभाषायाम् (B) तर्कसंग्रहे

(C) वेदान्तसारे (D) सांख्यकारिकायाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

59. अधोलिखितानाम् अनुबन्धचतुष्टयानां समीचीनं क्रमं चिनुत– G-GIC–2015

(A) अधिकारी, सम्बन्धः, विषयः, प्रयोजनम्

(B) अधिकारी, विषयः, सम्बन्धः, प्रयोजनम्

(C) अधिकारी, प्रयोजनम्, सम्बन्धः, विषयः

(D) अधिकारी, विषयः, प्रयोजनम्, सम्बन्धः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

60. वेदान्त का एक अनुबन्ध है - UGC 25 D–1997

(A) उपनिषद् (B) सम्बन्ध

(C) अज्ञान (D) आत्मन्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

61. वेदान्त का एक अनुबन्ध है - UP PGT–2009, UGC 25 J–1998, 1999

(A) अधिकारी (B) अद्वैत

(C) ब्रह्म (D) ज्ञान

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

62. (i) ''अधिकारिविषयसम्बन्धप्रयोजनानि'' किससे सम्बद्ध है? UP PGT–2009

(ii) 'अधिकारिविषयसम्बन्धप्रयोजनानि' पदेन व्यवक्ष्यन्ते? UGC 25 D–2003, K-SET–2015

(iii) अधिकारी है–

(A) विवर्त (B) बन्ध

(C) अनुबन्ध (D) प्रबन्ध

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 09

63. ''शमदमादिसाधनसम्पत्'' कस्य कृते आवश्यकम् ? BHU AET–2012

(A) अधिकारिणः (B) छात्रस्य

(C) जीवस्य (D) शरीरस्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

64. वेदान्त का प्रयोजन है - UP GDC–2008

(A) वेदार्थावबोध (B) प्रकृतिपुरुषविवेक

(C) स्वस्वरूपानन्दप्राप्ति (D) निर्वाण

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

65. अनुबन्धोऽयम् - UGC 25 J–2004

(A) पञ्चीकरणम् (B) अज्ञानम्

(C) विषयः (D) लक्षणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

66. (i) वेदान्तसारस्य प्रतिपाद्यविषयः कः– UGC 25 J–2006

(ii) अद्वैतवेदान्तस्य विषयः कः ? WB-SET–2010

(iii) What is the विषय of वेदान्त? MH-SET–2013

(A) जीवब्रह्मैक्यम् (B) ईश्वरः

(C) अज्ञानम् (D) शुद्धं चैतन्यम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

54. (C) 55. (C) 56. (A) 57. (D) 58. (C) 59. (B) 60. (B) 61. (A) 62. (C) 63. (A)
64. (C) 65. (C) 66. (A)

67. वेदान्तसारे प्रयोजनं निरूपितम् - UGC 25 D–2013

(A) दुःखनिवृत्तिः

(B) अभ्युदयलाभः

(C) पाण्डित्यसम्पादनम्

(D) अज्ञाननिवृत्तिः स्वस्वरूपानन्दावाप्तिश्च

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

68. साधनचतुष्टय के अन्तर्गत है? UGC 25 D–1998

(A) ईश्वर (B) नित्यानित्यवस्तुविवेक

(C) ब्रह्मज्ञान (D) उपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

69. साधनचतुष्टय में कौन नहीं है ? UP PGT–2003

(A) नित्यानित्यवस्तुविवेक (B) शमदमादिसाधनसम्पत्

(C) आत्मसंयम (D) मुमुक्षुत्व

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

70. (i) 'साधनचतुष्टयसम्पन्नः' किसके लिए है ?

(ii) साधनचतुष्टयसम्पन्नः कः? UP PGT–2000,

(iii) साधनचतुष्टयसम्पन्नेन प्रतिपाद्यते?

BHU AET–2012, UGC 25 J–2001, GJ-SET–2013, CCSUM-Ph.D–2016

(A) सम्बन्ध (B) विषय

(C) अधिकारी (D) प्रयोजन

स्रोत–वेदान्तसार – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 27,28

71. (i) वेदान्त पढ़ने का अधिकारी है ?

(ii) को वेदान्तस्य अधिकारी UP PGT–2004, 2009,

(iii) वेदान्तानुसारम् अधिकारी भवति?

(iv) वेदान्ताधिकारी? UGC 73 J–2011, BHU AET–2012, RPSC-SET–2013-14, UGC 25 D–2014

(A) साधनचतुष्टयसम्पन्नप्रमाता

(B) काम्यनिषिद्ध कर्मों को ही मात्र न करने वाला

(C) वेद-वेदाङ्गों का ही मात्र अध्ययन करने वाला

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 11

72. (i) वेदान्तदर्शनस्य प्रतिपाद्यम् अस्ति- UP GDC–2012

(ii) वेदान्तसारनाम्नः प्रकरणग्रन्थस्य विषयोऽस्ति–

(iii) वेदान्तानां कुत्र तात्पर्यम्? K-SET–2014 DU-M.Phil–2016

(A) प्रकृतिपुरुषयोः ऐक्यसाधनम्

(B) जीवब्रह्मैक्यप्रतिपादनम्

(C) धर्मप्रतिपादनम्

(D) पदार्थनिरूपणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

73. जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयं वेदान्तस्य किं भवति? K-SET–2015

(A) अधिकारी (B) विषयः

(C) सम्बन्धः (D) प्रयोजनम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

74. वेदान्तसारे महाभूतानां किं वर्णितम्– MH-SET–2016

(A) त्रिवृत्करणम् (B) नवमीकरणम्

(C) पञ्चीकरणम् (D) सप्तमीकरणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78

75. अनुबन्धचतुष्टयस्य अवयवः कः नास्ति? HAP–2016

(A) विषयः (B) सम्बन्धः

(C) प्रयोजनम् (D) नित्यानित्यवस्तुविवेकः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

76. अनुबन्ध किसे कहते हैं - UP PGT–2005

(A) नित्यानित्यवस्तुविवेक को

(B) अधिकारिविषयसम्बन्धप्रयोजनानि को

(C) इहामुत्रार्थफलभोगविराग को

(D) उपर्युक्त में से किसी को भी नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

77. अधिकारी का एक साधन है- UGC 25 J–1999

(A) अद्वैतबुद्धि (B) ईश्वर

(C) उपनिषद् (D) नित्यानित्यवस्तुविवेक

स्रोत–वेदान्तसार – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 33

67. (D) 68. (B) 69. (C) 70. (C) 71. (A) 72. (B) 73. (B) 74. (C) 75. (D) 76. (B) 77. (D)

78. अनुबन्धचतुष्टय में क्या नहीं आता ? UP PGT–2013

(A) विषय (B) सम्बन्ध
(C) प्रयोजन (D) पूर्वपक्ष

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

79. वेदान्ते अनुबन्धसंज्ञया किं नाभिहितम्? UGC 73 Jn–2017

(A) अधिकारी (B) प्रयोजनम्
(C) सम्बन्धः (D) विज्ञानम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

80. (i) 'अधिकारी विषयः सम्बन्धः प्रयोजनम्' इति चतुर्णां पारिभाषिकं नामास्ति -
(ii) तत्र .... नामाधिकारिविषयसम्बन्धप्रयोजनानि– UP GDC–2014, GJ-SET–2011, 2014

(A) अर्थचतुष्टयम् (B) अनुबन्धचतुष्टयम्
(C) निबन्धचतुष्टयम् (D) वर्णचतुष्टयम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

81. अनुबन्धचतुष्टये न गण्यते– UGC 25 D–2015

(A) सम्बन्धः (B) विषयः
(C) चैतन्यम् (D) प्रयोजनम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

82. अधोलिखितेषु कः वेदान्तसारानुसारेण अनुबन्धचतुष्टयान्तर्गतं नास्ति - UP GIC–2015

(A) अधिकारी (B) साधनम्
(C) सम्बन्धः (D) प्रयोजनम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 9

83. तितिक्षा कहते हैं - UP PGT–2003

(A) सर्वदा वासनाओं का परित्याग
(B) निषिद्ध विषयों से बाह्य इन्द्रियों का निवर्तन
(C) सभी मौसमों को सहन करने का अभ्यास
(D) मन का संयम

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20,21

84. वेदान्तसारानुसारं तितिक्षायाः किं लक्षणम् अस्ति? UGC 25 J–2016

(A) विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागः
(B) मोक्षेच्छा
(C) शीतोष्णादि-द्वन्द्व-सहिष्णुता
(D) जन्ममरणबन्धनात् मुक्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

85. वेदान्तसारानुसारं तितिक्षायाः अर्थः– GJ-SET-2003, 2016

(A) सहिष्णुता (B) मोक्षेच्छा
(C) क्रियाशक्तिः (D) उपासना

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

86. शमादिषट्कसम्पत्तौ नास्ति– DU-M.Phil–2016

(A) उपरतिः (B) श्रद्धा
(C) समाधानम् (D) वैराग्यम्

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

87. षट्कसम्पत्तिमध्ये कस्य गणना न भवति– GJ SET–2013

(A) शमस्य (B) दमस्य
(C) उपरतेः (D) मुमुक्षुत्वस्य

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 136

88. उपासनाकर्मणः अवान्तरफलमस्ति– DU-M.Phil–2016

(A) पितृलोकप्राप्तिः (B) सत्यलोकप्राप्तिः
(C) देवलोकप्राप्तिः (D) ब्रह्मलोकमुक्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 18

89. अज्ञानस्य समष्टिगतोपाधिः भवति– DU-M. Phil–2016

(A) विशुद्धसत्त्वप्रधानः (B) मलिनसत्त्वप्रधानः
(C) रजः प्रधानः (D) तमः प्रधानः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

90. शमो नाम– K-SET–2014, BHU AET–2012

(A) अन्तरिन्द्रियनिग्रहः (B) बहिरिन्द्रियनिग्रहः
(C) द्वन्द्वसहिष्णुता (D) मोक्षेच्छा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

78. (D) 79. (D) 80. (B) 81. (C) 82. (B) 83. (C) 84. (C) 85. (A) 86. (D) 87. (D) 88. (B) 89. (A) 90. (A)

91. (i) उपासनानां प्रयोजनम्–
(ii) वेदान्तसार के अनुसार उपासना का परम प्रयोजन है?
UPPGT–2010, UK TET–2011
SU Ph.D–2015, KL SET–2015

(A) बुद्धिशुद्धिः (B) चित्तैकाग्र्यम्
(C) पापक्षयः (D) मोक्षः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 17,18

92. ''मोक्षेच्छा'' किसे कहते हैं ?
UPPGT–2005, BHU AET–2012

(A) मुमुक्षुत्वम्
(B) गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु विश्वासः
(C) शीतोष्णादिद्विन्द्वसहिष्णुता
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

93. त्रिवृत्करणं केषां भूतानां प्रतिपादितम्-UGC 25 J–2011

(A) पृथ्वीजलतेजषाम् (B) आकाशवायुतेजसाम्
(C) जलतेजवायूनाम् (D) पृथ्वीजलवायूनाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

94. (i) 'दमो' भवति - BHU AET–2012,
(ii) दमः उच्यते– UGC 25 J–2013

(A) चित्तैकाग्र्यम् (B) अन्तरिन्द्रियनिग्रहः
(C) बहिरिन्द्रियनिग्रहः (D) विक्षेपाभावः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

95. विहितकर्मणां विधिना परित्यागः - UGC 25 D–2005

(A) तितिक्षा (B) उपरतिः
(C) दमः (D) श्रद्धा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

96. 'श्रवणादिव्यतिरिक्तविषयेभ्यो मनसो निग्रहं भवति?
UGC 73 D–2015

(A) तितिक्षा (B) उपरतिः
(C) दमः (D) शमः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

97. 'उपरतिः' इत्यस्य कोऽर्थः ? UGC 25 J–2011

(A) इन्द्रियाणां निग्रहः
(B) मनसो निग्रहः
(C) निगृहीतस्य मनसः श्रवणादौ स्थिरता
(D) निगृहीतानाम् इन्द्रियाणां विषयाकर्षणाभावः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

98. 'गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु विश्वासः' किं कथ्यते?
UGC 25 D–2015

(A) मुमुक्षुत्व (B) उपरतिः
(C) श्रद्धा (D) शमः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

99. साधनचतुष्टय हैं - UGC 25 J–2002

(A) 2 (B) 4
(C) 3 (D) 5

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

100. (i) ...... शीतोष्णादिद्विन्द्वसहिष्णुता– UGC 25 J–2004
(ii) 'सर्दी - गर्मी को सहन करना' कहा जाता है-
GJ-SET–2011

(A) तितिक्षा (B) समाधि
(C) उपासना (D) श्रद्धा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

101. निगृहीतस्य मनसः श्रवणादौ तदनुगुणविषये च समाधिः-
UK SLET–2015

(A) समाधानम् (B) तितिक्षा
(C) श्रद्धा (D) शमः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

102. अधस्तनेषु साधनचतुष्टये अन्तर्भवति -
UGC 25 J–2015

(A) शमदमादिषट्कसम्पत्तिः (B) चन्दनम्
(C) उपक्रमः (D) उपसंहारः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ - 20

91. (B) 92. (A) 93. (A) 94. (C) 95. (B) 96. (D) 97. (D) 98. (C) 99. (B) 100. (A) 101. (A) 102. (A)

103. 'सन्ध्यावन्दन' इत्यादि कैसा कर्म है ? **UP PGT–2009, BHU AET–2012**

(A) नित्यकर्म (B) नैमित्तिककर्म
(C) उपासनाकर्म (D) प्रायश्चित्तकर्म

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

104. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– **K-SET–2015**

(क) शमः 1. लौकिकविषयेभ्यः इन्द्रियाणां निवर्तनम्
(ख) दमः 2. शीतोष्णादिद्वन्द्वसहिष्णुता
(ग) उपरतिः 3. अन्तरिन्द्रियनिग्रहः
(घ) तितिक्षा 4. ब्राह्येन्द्रियनिग्रहः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

105. साधनचतुष्टये न गण्यते– **UGC 73 Jn–2017**

(A) इहामुत्रार्थफलभोगविरागः (B) शमादिषट्कसम्पत्तिः
(C) ब्रह्मजिज्ञासा (D) मुमुक्षुत्व

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

106. ज्योतिष्टोमादि कौन-सा कर्म है ? **UP PGT–2009**

(A) प्रायश्चित्त (B) काम्य
(C) निषिद्ध (D) नित्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

107. (i) काम्यानि कर्माणि कानि? **DU-Ph.D–2016**
(ii) काम्यकर्माणि सन्ति? **K-SET–2014**

(A) सन्ध्यावन्दनादीनि (B) जातेष्ट्यादीनि
(C) ज्योतिष्टोमादीनि (D) शाण्डिल्यविद्यादीनि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

108. वेदान्तसारानुसारेण नित्यादिकर्मणां परमं प्रयोजनम् अस्ति– **SU. Ph.D–2015**

(A) नित्यानित्यवस्तुविवेकः (B) बुद्धिशुद्धिः
(C) पितृलोकप्राप्तिः (D) फलभोगविरक्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 17

109. नैमित्तिकं कर्मेदम् - **UGC 25 J–2004**

(A) ज्योतिष्टोमयज्ञम् (B) ब्रह्महत्या
(C) जातेष्टिः (D) सन्ध्यावन्दनम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

110. 'पापक्षयसाधनानि चान्द्रायणादीनि' कर्म अस्ति - **UGC 25 J–2011**

(A) नित्यकर्म (B) नैमित्तिककर्म
(C) उपासनाकर्म (D) प्रायश्चित्तकर्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

111. काम्यकर्माणि कीदृशानि - **UGC 25 D–2013**

(A) अकरणे पापसाधनानि (B) पापविनाशसाधनानि
(C) निमित्तवशात्कृतानि (D) फलोद्देश्येन विधीयमानानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14,15

112. अनिष्ट साधना कर्म है- **UGC 25 J–2002**

(A) नित्य (B) नैमित्तिक
(C) उपासना (D) निषिद्ध

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

113. 'शाण्डिल्यविद्यादीनि' कर्म है - **UGC 25 J–2003**

(A) प्रायश्चित्त (B) उपासना
(C) नित्य (D) निषिद्ध

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14-15

114. वेदान्तसारानुसारं कर्माणि - **UGC 25 D–2014**

(A) त्रिविधानि (B) पञ्चविधानि
(C) षड्विधानि (D) चतुर्विधानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

115. प्रायश्चित्तकर्माणि भवन्ति - **UGC 25 J–2015**

(A) हननादीनि (B) सन्ध्यावन्दनादीनि
(C) ज्योतिष्टोमादीनि (D) चान्द्रायणादीनि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

103. (A) 104. (A) 105. (C) 106. (B) 107. (C) 108. (B) 109. (C) 110. (D) 111. (D) 112. (D) 113. (B) 114. (C) 115. (D)

116. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– K-SET–2013

(क) काम्यानि — 1. ब्राह्मणहननादीनि
(ख) निषिद्धानि — 2. सन्ध्यावन्दनादीनि
(ग) नित्यानि — 3. जातेष्ट्यादीनि
(घ) नैमित्तिकानि — 4. ज्योतिष्टोमादीनि

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	2	3	1

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

117. अधोलिखितेषु नित्यकर्म भवति - UGC 25 J–2015

(A) ज्योतिष्टोमादि (B) सन्ध्यावन्दनादि
(C) चान्द्रायणादि (D) जातेष्ट्यादि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

118. अद्वैतमतानुसार अविद्या है ? UGC 73 D–2011

(A) अनादिः सान्ता च (B) सादिः अनन्ता च
(C) अनादिः अनन्ता च (D) सादिः सान्ता च

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 239

119. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत– K-SET–2014

(क) निषिद्धानि — 1. अकरणे प्रत्यवायसाधनानि
(ख) नित्यानि — 2. नरकाद्यनिष्टसाधनानि
(ग) नैमित्तिकानि — 3. पापक्षयसाधनानि
(घ) प्रायश्चित्तानि — 4. पुत्रजन्माद्यनुबन्धीनि

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	1	4
(B)	2	1	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	4	2	1	3

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

120. अकरणे प्रत्यवायसाधनानि कर्माणि– K-SET–2013

(A) काम्यानि (B) निषिद्धानि
(C) नित्यानि (D) नैमित्तिकानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

121. वेदान्तानुसारम् अज्ञानमस्ति– K-SET–2013

(A) सत् (B) असत्
(C) सदसत् (D) सदसद्भ्याम् अनिर्वचनीयम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

122. अद्वैतवेदान्त मत में माया है ? UGC 73 D–2009

(A) सद्रूपा (B) असद्रूपा
(C) उभयात्मिका (D) अनिर्वचनीया

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

123. (i) अज्ञान की शक्ति होती है? UP PGT–2004
(ii) वेदान्त के अनुसार अज्ञान की शक्ति है?
(iii) अज्ञान की दो शक्तियाँ वेदान्त में कही गयी हैं?
(iv) अज्ञानस्य शक्तिरस्ति– DU-M.Phil–2016
UP PGT–2013, UGC 25 J–1998, 1999, 2012, D–2007, UP GDC–2014, UGC 73 J–2016

(A) आवरण (B) विक्षेप
(C) आवरण-विक्षेप दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 173

124. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इत्यत्र 'अथ' शब्दः कस्मिन् अर्थे अस्ति– UGC 25 D–2015

(A) हेत्वर्थे (B) अधिकारार्थे
(C) अन्वयार्थे (D) आनन्तर्यार्थे

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - सत्यानन्द सरस्वती, पेज–21

125. (i) आवरण और विक्षेप किसकी शक्तियाँ हैं ?
(ii) आवरणं कस्य शक्तिरस्ति? GJ-SET–2004
(iii) विक्षेपः कस्य शक्तिरस्ति? UP PGT–2005,
(iv) विक्षेपशक्तिः ..... विद्यते UGC 25 D–1998,
(v) 'आवरणविक्षेपौ' कस्य शक्ती मन्येते? J–1998, J–2016, UGC 73 Jn–2017, UK SLET–2015

(A) ब्रह्म (B) ज्ञान
(C) अज्ञान (D) जीव

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

126. वेदान्त के अनुसार माया का क्या अर्थ है ? BHU MET–2010, BHU AET–2012

(A) अज्ञान (B) चैतन्य
(C) ईश्वर (D) जीव

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37,38

116. (A) 117. (B) 118. (A) 119. (B) 120. (C) 121. (D) 122. (D) 123. (C) 124. (D) 125. (C) 126. (A)

127. अज्ञाने किं प्रमाणम् ? BHU AET–2012
(A) अहं मनुष्यम् इति प्रत्यक्षम्
(B) अहं विद्वान् इति प्रत्यक्षम्
(C) अहमज्ञः इति प्रत्यक्षम्
(D) अहं ब्राह्मण इति प्रत्यक्षम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37,38

128. (i) 'समष्टिव्यष्टि-अभिप्रायेण एकमनेकमिति व्यवहारः' इदं लक्षणं कस्य घटते– UGC 25 J–2016, Jn–2017
(ii) 'समष्टिव्यष्ट्यभिप्रायेणैकमनेकमिति' उक्तिरियं वेदान्तसारे कस्य सन्दर्भेऽस्ति?
(A) भ्रमस्य (B) अध्यासस्य
(C) तत्त्वज्ञानस्य (D) अज्ञानस्य
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

129. माया कया शक्त्या ब्रह्माण्डं सृजति ? BHU AET–2012
(A) आवरणशक्त्या (B) विक्षेपशक्त्या
(C) ज्ञानशक्त्या (D) अर्थशक्त्या
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

130. अज्ञानस्य अपरं नाम अस्ति - UGC 73 J–2012
(A) प्रधानम् (B) अविद्या
(C) प्रकृतिः (D) अव्यक्तम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37,38

131. 'जिससे सारा जगत् उत्पन्न होता है' वह परा शक्ति होती है - UGC 73 J–2014
(A) शक्तिः (B) चितिः
(C) माया (D) अव्यक्त
स्रोत–(i) वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56
(ii) वेदान्तसार - राकेशशास्त्री, पेज–175

132. (i) वेदान्तानुसारम् अज्ञानस्य स्वरूपं भवति–
(ii) वेदान्त के अनुसार अज्ञान है- UP GDC–2008
(iii) सदसद्भ्यामनिर्वचनीयं त्रिगुणात्मकं ..... अस्ति– GJ-SET–2007, SU Ph.D–2015
(A) ज्ञान का अभाव (B) ज्ञानविरोधी
(C) सत् (D) असत्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

133. सदसद्भ्यामनिर्वचनीयं किम् ? UGC 25 D–2006, J–2009
(A) ब्रह्म (B) जीवः
(C) ईश्वरः (D) अज्ञानम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

134. अज्ञाने कति गुणाः? UGC 25 D–2006, J–2007
(A) द्वौ (B) त्रयः
(C) चत्वारः (D) पञ्च
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

135. अध्यासं पण्डिताः.......इति मन्यते। UGC 25 D–2008
(A) माया (B) प्रकृतिः
(C) अविद्या (D) ज्ञानम्
स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–239

136. (i) अज्ञानं तु– UGC 25 D–2002, 2010, 2013
(ii) अज्ञानं किं रूपम् - K-SET–2013
(A) भावरूपम् (B) अभावरूपम्
(C) भावाऽभावरूपम् (D) अनुभवरूपम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

137. (i) अज्ञानादिसकलजडसमुच्चयः अस्ति -
(ii) अज्ञानादिसकलजडसमूहः अस्ति– UGC 25 D–2011, 2015, MGKV Ph. D–2016
(A) वस्तु (B) अवस्तु
(C) विवर्तः (D) अध्यारोपः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

138. निम्नांकित में वेदान्तसार के अनुसार 'अवस्तु' क्या है? UGC 73 D–2015
(A) सत् (B) चित्
(C) आनन्दः (D) आकाशम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

139. (i) वेदान्तसारे अज्ञानस्य कतिविधा शक्तिः ?
(ii) अज्ञानं कतिविधं भवति– UGC 25 D–2012, J–2015,
(iii) वेदान्तसारे अज्ञानस्य शक्तिः? HAP–2016, MH SET–2013
(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

127. (C) 128. (D) 129. (B) 130. (B) 131. (C) 132. (B) 133. (D) 134. (B) 135. (A) 136. (A) 137. (B) 138. (D) 139. (A)

140. वेदान्तसारोक्ते अज्ञानलक्षणे 'ज्ञानविरोधि' इति पदस्य अर्थः अस्ति? JNU-M. Phil Ph.D–2014

(A) ज्ञानं विरोधि यस्य तत् (B) ज्ञानस्य विरोधि
(C) ज्ञानस्य अभावः (D) ज्ञाने विरोधि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37-39

141. (i) अद्वैतवेदान्तमतानुसार अज्ञान का स्वरूप -
(ii) अज्ञान का लक्षण है– UGC 25 J–1994, 2001

(A) सत् (B) असत्
(C) सदसत् (D) सदसद्विलक्षण

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 149-152

142. अद्वैतमतानुसार संसारबन्ध का कारण है ? UGC 25 J–1995

(A) अज्ञान (B) विशेषज्ञानाभाव
(C) ममत्वज्ञान (D) जीवज्ञान

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

143. जीव को बन्धन में डालने वाली शक्ति को कहते हैं- UGC 25 D–1997

(A) आवरण (B) विक्षेप
(C) परिणाम (D) विवर्त

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

144. अज्ञान का स्वरूप है - UGC 25 D–1999, 2003

(A) अनिर्वचनीय (B) वस्तु
(C) अभाव (D) सत्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

145. अज्ञान के अस्तित्त्व में प्रमाण है - UGC 25 J–2000

(A) उपमानम् (B) अपरोक्षानुभवः
(C) अनुपलब्धिः (D) अर्थापत्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

146. अज्ञान है - UGC 25 J–2002

(A) नित्य तथा अनित्य (B) व्यष्टि तथा समष्टि
(C) परा और अपरा (D) वस्तु और अवस्तु

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

147. निम्नलिखित में से शब्द की शक्ति नहीं है - UP TET–2014

(A) आवरण (B) अभिधा
(C) लक्षणा (D) व्यञ्जना

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 57

148. वेदान्ते 'शारीरकः' इत्यस्य कोऽर्थः - UGC 73 Jn–2017

(A) माया (B) जीवः
(C) प्रकृतिः (D) महत्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 8

149. अधोलिखितेषु अनिर्वचनीयं भवति– UGC 25 J–2015

(A) जीवस्वरूपम् (B) अज्ञानम्
(C) जगत्स्वरूपम् (D) ईश्वरस्वरूपम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

150. अनादिभावरूप है और ज्ञान से निवृत्त होता है ? UGC 73 S–2013

(A) मनः (B) जगत्
(C) अज्ञानम् (D) मिथ्यात्वम्

संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-62

151. (i) अज्ञानोपहित चैतन्य जगत् का कारण है-
(ii) अज्ञानोपहितं चैतन्यं कीदृशं कारणं भवति? UP PGT–2009, BHU RET–2008, UGC 25 D–1999, Jn–2017

(A) निमित्त (B) उपादान
(C) निमित्त एवं उपादान (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 59

152. कीदृशाद् अज्ञानोपहितचैतन्याद् आकाशः उत्पद्यते? DU-Ph.D–2016

(A) तमः प्रधानविक्षेपशक्तिमतः
(B) सत्त्वप्रधानविक्षेपशक्तिमतः
(C) तमः-प्रधानावरणशक्तिमतः
(D) रजः-प्रधानविक्षेपशक्तिमतः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

140. (B) 141. (D) 142. (A) 143. (A) 144. (A) 145. (D) 146. (B) 147. (A) 148. (B) 149. (B) 150. (C) 151. (C) 152. (A)

153. (i) कत्यवयवात्मकं सूक्ष्मशरीरं वेदान्तसारे उल्लिखितम्
(ii) वेदान्तदर्शन के मत से सूक्ष्मशरीर का निर्माण कितने तत्त्वों से हुआ है- MGKV Ph. D–2016,
(iii) सूक्ष्मशरीर के अवयव हैं - UP GIC–2009,
(iv) लिङ्गशरीरस्य कति अवयवाः सन्ति?
(v) वेदान्तसारे लिङ्गशरीराणि वर्णितानि -
(vi) वेदान्तानुसारं लिङ्गशरीरस्य घटकानि कति?
(vii) वेदान्तानुसारं लिङ्गशरीरस्य अवयवाः सन्ति?
(viii) वेदान्तसारानुसार सूक्ष्मशरीर के अवयवों की संख्या हैं? UGC 25 D–1998, 2005, 2006, 2007, 2012, J–2004, 2010, 2013, S–2013, 2015, Jn–2017 BHU MET–2015, RPSC SET–2010, G J-SET–2014, HAP–2016, JNU MET–2015, CCSUM-Ph.D–2016, K-SET–2015, MGKV Ph. D–2016, SU-Ph.D–2016, MH-SET–2011

(A) षोडशावयवानि (B) सप्तदशावयवानि
(C) एकादशावयवानि (D) द्वादशावयवानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 65

154. (i) मनुष्य किस कोटि में आता है– BHU AET–2012,
(ii) मनुष्य माना जाता है - 2014, BHU MET–2014

(A) स्वेदज (B) अण्डज
(C) जरायुज (D) उद्भिज

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82-83

155. 'अण्डजाः' भवन्ति - BHU AET–2012

(A) मशकाः (B) पक्षिणः
(C) मनुष्याः (D) वृक्षाः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82-83

156. 'वृक्षाः' भवन्ति - BHU AET–2012

(A) उद्भिज्जाः (B) स्वेदजाः
(C) जरायुजाः (D) अण्डजाः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82-83

157. (i) वेदान्तमते कतिविधं शरीरम् - UGC 25 D–2010,
(ii) वेदान्तसारानुसारं शरीराणि- 2014, 2012

(A) चतुर्विधानि (B) पञ्चविधानि
(C) त्रिविधानि (D) षड्विधानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 46

158. स्थूलशरीराणि कतिविधानि वेदान्तमते– UGC-25 D–2012

(A) चतुर्विधानि (B) पञ्चविधानि
(C) त्रिविधानि (D) षड्विधानि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82

159. वेदान्तसारे कयोः कर्मणोः वर्जनं कथितम्? MH-SET–2011

(A) नित्यनैमित्तिकयोः (B) प्रायश्चित्तनित्ययोः
(C) काम्यनिषिद्धयोः (D) प्रायश्चित्तनिषिद्धयोः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 11-12

160. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH-SET–2013

(क) आवरणशक्तिर्नाम इच्छाशक्तिः
(ख) ज्ञानशक्तिर्नाम क्रियाशक्तिः
(ग) आच्छादकशक्तिर्नाम आवरणशक्तिः
(घ) विक्षेपशक्तिर्नाम आवरणशक्तिः

(A) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(B) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(C) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(D) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56,73

161. आवरणशक्तिर्नाम का? MH-SET–2016

(A) विक्षेपशक्तिः (B) ज्ञानशक्तिः
(C) आच्छादकशक्तिः (D) क्रियाशक्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56-57

162. अवस्तु नाम किम्? MH-SET–2016

(A) सर्वं वस्तुनाम अवस्तु
(B) ब्रह्म नाम अवस्तु
(C) जलं नाम अवस्तु
(D) अतोऽन्यदखिलम् (ब्रह्मणः व्यतिरिक्तमखिलम्) अवस्तु

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

163. अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकमस्ति... GJ-SET–2011

(A) भक्तिद्वयम् (B) प्रकारद्वयम्
(C) शक्तिद्वयम् (D) कार्यद्वयम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

153. (B) 154. (C) 155. (B) 156. (A) 157. (C) 158. (A) 159. (C) 160. (C) 161. (C) 162. (D) 163. (C)

164. जरायुजानि– K-SET–2014

(A) मनुष्यपश्वादीनि (B) पक्षिपन्नगादीनि

(C) कक्षवृक्षादीनि (D) यूकमशकादीनि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82-83

165. द्विधा विधाय चैकैकं .... इत्युच्यते– GJ-SET–2008

(A) पञ्चीकरणम् (B) पञ्जीकरणम्

(C) साधारणीकरणम् (D) त्रिवृत्करणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78

166. पञ्चीकरणात् अप्सु कति तन्मात्राणामुपलब्धिः? GJ-SET–2013

(A) तन्मात्रद्वयस्य (B) एकस्य, रसस्यैव

(C) चतुर्णाम् (D) त्रयाणाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

167. ''रज्वां सर्पत्वसम्भावना'' भवति– GJ-SET–2003

(A) श्रवणशक्त्या (B) विक्षेपशक्त्या

(C) अविद्यया (D) आवरणशक्त्या

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

168. कोशत्रयं मिलितमुच्यते– GJ-SET–2003

(A) स्थूलशरीरम् (B) सूक्ष्मशरीरम्

(C) कारणशरीरम् (D) आत्मस्वरूपम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 73

169. पञ्चीकृताद् भूतात् कस्य उत्पत्तिः जायते– GJ-SET–2007

(A) ईश्वरस्य (B) प्राज्ञस्य

(C) भ्वादिलोकस्य (D) ब्रह्मणः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82-83

170. रज्ज्वां सर्पस्याभासं का शक्तिः सम्पादयति– GJ-SET–2014

(A) विक्षेपशक्तिः (B) व्यञ्जनाशक्तिः

(C) लक्षणाशक्तिः (D) आवरणशक्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56

171. (i) वेदान्तसारनिर्दिष्टेषु 'सूक्ष्मशरीरावयवेषु' कस्यैकस्य गणना नास्ति - HE–2015, UGC 25 J–2016

(ii) वेदान्तसारानुसारं लिङ्गशरीरे कस्य गणना न भवति–

(A) आकाशस्य (B) बुद्धेः

(C) मनसः (D) वायुपञ्चकस्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 65

172. कौन 'जरायुज' नहीं है - BHU AET–2010

(A) पशु (B) राक्षस

(C) पिशाच (D) सर्प

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 83

173. 'स्वेदज' कौन है- BHU AET–2010

(A) पक्षी (B) मनुष्य

(C) खटमल (D) मत्स्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 83

174. निम्नांकित में से 'अण्डज' कौन है-BHU AET–2011

(A) मनुष्य (B) सर्प

(C) पिशाच (D) पशु

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 83

175. निम्नांकित में से 'स्वेदज' कौन है–BHU AET–2011

(A) सर्प (B) पक्षी

(C) मच्छर (D) लताएँ

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 83

176. 'पञ्चीकरण' प्रक्रिया से सम्बद्ध प्रकरण है - UGC 73 D–2007

(A) जगत्सृष्टिः (B) ब्रह्मसत्यत्वम्

(C) ज्ञानसाधनानि (D) मोक्षप्रकरणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78-79

177. वेदान्तसार के अनुसार सृष्टिक्रम में पञ्चभूतों की उत्पत्ति का क्रम क्या है - UP PGT–2000

(A) पृथ्वी - जल - वायु - तेजस् - आकाश

(B) आकाश - तेजस् - वायु - जल - पृथ्वी

(C) आकाश - वायु - तेजस् - जल - पृथ्वी

(D) आकाश - जल - वायु - तेजस् - पृथ्वी

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78-79

164. (A) 165. (A) 166. (C) 167. (D) 168. (B) 169. (C) 170. (A) 171. (A) 172. (D) 173. (C) 174. (B) 175. (C) 176. (A) 177. (C)

178. पञ्चीकरणेनोत्पद्यते– CCSUM Ph.D–2016

(A) लोकाः (B) ईश्वरः

(C) ब्रह्म (D) प्राज्ञः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 82

179. (i) 'पञ्चीकरण' का निरूपण करता है -

(ii) 'पञ्चीकरण' प्रक्रिया का उल्लेख किस ग्रन्थ में है-

(iii) पञ्चीकरण प्रक्रिया कुत्र वर्तते– UP PGT–2000,

(iv) पञ्चीकरणप्रक्रियायाः सम्बद्धं प्रकरणम्– 2004

(v) 'पञ्चीकरण' प्रक्रिया प्रदर्शिता वर्तते -

(vi) The Concept of is पञ्चीकरण is propounded in UGC 25 D–1996, J–1998, 2003, UGC 73 J–2005, D–2007, GJ-SET– 2004, WB-SET–2010, UK SLET–2015, H-TET–2004

(A) सांख्यदर्शने (B) न्यायदर्शने

(C) वेदान्तदर्शने (D) बौद्धदर्शने

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 79

180. निम्नलिखित में से एक कर्मेन्द्रिय है - UP PGT–2004, UP GDC–2008, UGC 25 D–1999 J–2000

(A) वाक् (B) श्रोत्र

(C) घ्राण (D) चक्षुः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

181. 'संकल्पविकल्पात्मिकान्तः करणवृत्तिः' किससे सम्बन्धित है - UP PGT–2005, UGC 73 D–2016

(A) मन (B) शरीर

(C) बुद्धि (D) प्रकृति

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

182. (i) वेदान्तानुसार मन का स्वरूप है-

(ii) मन का लक्षण है?

UP PGT–2009, UGC 25 D–1996, 1997

(A) अभिज्ञान (B) संकल्प-विकल्प

(C) अनुसन्धान (D) निश्चय

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

183. किस पञ्चीकृत पदार्थ में शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गन्ध, ये पाँचों, गुण पाये जाते हैं - UP PGT–2009

(A) तेज (B) वायु

(C) जल (D) पृथिवी

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

184. यह कर्मेन्द्रिय है - UGC 25 D–2016

(A) श्रोत्र (B) पाणि

(C) घ्राण (D) चक्षु

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

185. (i) पञ्चीकृतपृथिव्याम्–

(ii) वेदान्तसारानुसारं पृथिव्यां कस्य अभिव्यक्तिः भवति– UGC 25 J–2016, K-SET–2013

(A) केवलं गन्धस्य

(B) रसस्य च गन्धस्य च

(C) रूपस्य च गन्धस्य च

(D) शब्दस्पर्शरूपरसगन्धानाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

186. विवेकः .... जायते– GJ-SET–2016

(A) विज्ञानमयकोशात् (B) प्राणमयकोशात्

(C) मनोमयकोशात् (D) अन्नमयकोशात्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 73

187. (i) बुद्धि ज्ञानेन्द्रियों के साथ मिलकर निर्माण करती है-

(ii) पञ्चज्ञानेन्द्रियाँ एवं बुद्धि के द्वारा निर्मित होती हैं-

(iii) इयं बुद्धिज्ञानेन्द्रियैः सहिता भवति–

(iv) ज्ञानेन्द्रियैः सहिता बुद्धिः कथ्यते?

UP PGT– 2004, 2009, K-SET–2014, SU Ph.D–2015

(A) प्राणमयकोश (B) मनोमयकोश

(C) विज्ञानमयकोश (D) आनन्दमयकोश

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 68

188. अद्वैतवेदान्ते कर्तृत्वाद्यभिमानि उच्यते–UP GDC–2012

(A) मनोमयकोशः (B) आनन्दमयकोशः

(C) प्राणमयकोशः (D) विज्ञानमयकोशः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 68

178. (A) 179. (C) 180. (A) 181. (A) 182. (B) 183. (D) 184. (B) 185. (D) 186. (A) 187. (C) 188. (D)

189. चक्षुरिन्द्रियेण कस्य ज्ञानं भवति - BHU AET–2012
(A) रूपस्य (B) रसस्य
(C) गन्धस्य (D) शब्दस्य
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 87

190. पञ्चीकरणे केषां संयोजनं भवति- BHU AET–2012
(A) पञ्चवायूनाम् (B) पञ्चकर्मेन्द्रियाणाम्
(C) पञ्चमहाभूतानाम् (D) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणाम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78

191. (i) अखिलशरीरवर्ती विष्वग्गतिमान् वायुः भवति -
(ii) अखिलशरीरवर्ती वायुः वर्तते -
UGC 25 D–2005, BHU AET–2012
(A) प्राणः (B) अपानः
(C) व्यानः (D) समानः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

192. मन किस प्रकार की इन्द्रिय है - UP PGT–2009
(A) कर्मेन्द्रिय (B) ज्ञानेन्द्रिय
(C) उभयात्मक (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–(i) वेदान्तसार–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66
(ii) सांख्यकारिका (का0-27)–राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 84

193. विज्ञानमयकोशोऽयम् - UGC 25 J–2005, 2008
(A) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + बुद्धिः
(B) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + मनः
(C) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + प्राणादिपञ्चकम्
(D) पञ्चकर्मेन्द्रियाणि + बुद्धिः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 68

194. शब्दस्पर्शी अभिव्यज्येते - UGC 25 D–2005
(A) पञ्चीकृताकाशे (B) पञ्चीकृतवायौ
(C) पञ्चीकृततेजसि (D) पञ्चीकृतपृथिव्याम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

195. पञ्चीकृते वायौ जलस्य कियान् भागः -
UGC 25 J–2006
(A) 5% (B) 25%
(C) 3% (D) $12\frac{1}{2}\%$
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ - 79

196. व्यानः वायुर्वर्तते - UGC 25 D–2009
(A) हृदि (B) नाभिमण्डले
(C) कण्ठदेशे (D) सर्वशरीरे
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

197. कः कोशः कारणशरीरम् - UGC 25 J–2010
(A) मनोमयकोशः (B) आनन्दमयकोशः
(C) विज्ञानमयकोशः (D) प्राणमयकोशः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 47

198. विज्ञानमयकोशो भवति - UGC 25 J–2012
(A) ज्ञानशक्तिमान् - कर्तृरूपः
(B) इच्छाशक्तिमान् - कर्तृरूपः
(C) क्रियाशक्तिमान् - कार्यरूपः
(D) क्रियात्मकत्वेन - कार्यरूपः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 73

199. पञ्चकोश है - UGC 25 J–2002
(A) पञ्चमहाभूत
(B) पञ्चकर्मेन्द्रियाँ
(C) विज्ञानमयकोश, मनोमयकोश, प्राणमयकोश, अन्नमयकोश, आनन्दमयकोश
(D) पञ्चज्ञानेन्द्रियाँ
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 46

200. पञ्चमहाभूतों में क्या सम्मिलित नहीं है–
BHU AET–2011
(A) नासिका (B) आकाश
(C) वायु (D) तेज
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 79

201. वायु का गुण क्या है - BHU AET–2010
(A) तेज (B) शब्द
(C) स्पर्श (D) रस
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

202. स्पर्श गुण से युक्त कौन है - BHU AET–2011
(A) आकाश (B) वायु
(C) पृथ्वी (D) अग्नि
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

189. (A) 190. (C) 191. (C) 192. (C) 193. (A) 194. (B) 195. (D) 196. (D) 197. (B) 198. (A)
199. (C) 200. (A) 201. (C) 202. (B)

203. प्रलये सर्वप्रथमं लयो भवति - BHU AET–2012

(A) जलस्य (B) पृथिव्याः
(C) वायोः (D) अग्नेः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 119

204. जलस्य लयो भवति - BHU AET–2012

(A) वायौ (B) तेजसि
(C) आकाशे (D) पृथिव्याम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 119

205. (i) वेदान्तसारानुसारम् अग्नेः किम् उत्पद्यते?
(ii) अग्नेः विकृतिः किम्? UGC 25 D–2015, KL-SET–2015

(A) आपः (B) वायुः
(C) पृथिवी (D) आकाशः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

206. आकाशात् कस्य महाभूतस्य उत्पत्तिः भवति - BHU AET–2012

(A) जलस्य (B) वायोः
(C) पृथिव्याः (D) अग्नेः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 62

207. (i) आकाश का गुण क्या है-
(ii) आकाशस्य गुणः वर्तते– BHU AET–2011, 2012

(A) रसः (B) शब्दः
(C) स्पर्शः (D) गन्धः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

208. भूतानां केभ्यः अंशेभ्यः कर्मेन्द्रियाणि उत्पद्यन्ते - UGC 25 J–2006

(A) सात्त्विकेभ्यः (B) राजसेभ्यः
(C) तामसेभ्यः (D) सर्वेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 69

209. भूतानां केभ्यः अंशेभ्यः ज्ञानेन्द्रियाणि उत्पद्यन्ते - UGC 25 D–2006, J–2010

(A) राजसेभ्यः (B) तामसेभ्यः
(C) सात्त्विकेभ्यः (D) सर्वेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

210. अद्वैतवेदान्तमते वायोः उपादानकारणमस्ति– JNU M.Phil/Ph.D–2014

(A) आकाशः (B) अज्ञानोपहितचैतन्यम्
(C) शुद्धचैतन्यम् (D) अग्निः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ - 62

211. 'अध्यास' का अर्थ है- UP PGT–2003, UGC 25 S–2013

(A) स्मृति (B) संशय
(C) भ्रान्ति (D) साक्षात्कार

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

212. (i) 'वस्तुन्यवस्त्वारोपः' से परिभाषित है -
(ii) वस्तुनि अवस्त्वारोपः कः UP PGT–2009, UGC 25 D–2012, K-SET–2013, HAP–2016 WB SET–2010, GJ SET–2013

(A) अपवाद (B) पञ्चीकरण
(C) अध्यारोप (D) जीवन्मुक्ति

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

213. सन्ध्यावन्दनादीनां प्रयोजनं किम्? KL-SET–2016

(A) प्रत्यवायपरिहारः (B) पापक्षयः
(C)स्वर्गादीष्टप्राप्तिः (D) चित्तैकाग्र्यम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-14-15

214. ''परत्रपूर्वदृष्टावभासः'' इसका तात्पर्य एक ही शब्द से विदित होता है- UGC 73 J–2007

(A) अज्ञान (B) मिथ्याज्ञान
(C) अध्यास (D) अभेद

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

215. को नाम अध्यासः - BHU AET–2012

(A) अतस्मिन् तद्बुद्धिः (B) यथार्थज्ञानम्
(C) तर्कज्ञानम् (D) अनुमानम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

216. 'अध्यास' का निरूपण किस ग्रन्थ में है - UGC 73 D–2007, 2011

(A) ब्रह्मसूत्रभाष्ये (B) नैष्कर्मसिद्धौ
(C) गीताभाष्ये (D) केनोपनिषद्भाष्ये

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य- सत्यानन्द सरस्वती, पेज-17

203. (B) 204. (B) 205. (A) 206. (B) 207. (B) 208. (B) 209. (C) 210. (A) 211. (C) 212. (C) 213. (A) 214. (C) 215. (A) 216. (A)

217. अध्यास है- UGC 73 J–2011

(A) स्मृतिरूपः परत्रपूर्वदृष्टावभासः

(B) जगति ब्रह्मणः आरोपः

(C) रजते शुक्त्यारोपः

(D) गगने कुसुमाश्रयारोपः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

218. ''अध्यासो नाम अतस्मिंस्तद्बुद्धिरित्यवोचाम'' इति वचनम् - UGC 73 D–2013

(A) भामतीकारस्य (B) पद्मपादाचार्यस्य

(C) प्रकाशानन्दयतेः (D) शङ्कराचार्यस्य

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य- सत्यानन्द सरस्वती, पेज- 17,36

219. निरुपाधिक-सोपाधिक-भेदात् द्विविधः - UGC 73 D–2013

(A) विधिः (B) ज्ञानम्

(C) जीवः (D) अध्यासः

स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 564

220. (i) अध्यारोपः किं भवति– UGC 25 D–2004,
(ii) अध्यारोपस्य लक्षणम् - J–2009, 2016, D–2012
(iii) अध्यारोपो नाम– RPSC SET–2013-14
(iv) कोऽध्यारोपः – MH-SET–2011, 2016, GJ-SET–2016

(A) वस्तुनि अवस्त्वारोपः (B) अवस्तुनि वस्त्वारोपः

(C) जीवे ब्रह्मण आरोपः (D) न किमपि

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

221. अध्यासः - UGC 25 J–2008

(A) कार्यरूपः (B) स्मृतिरूपः

(C) कारणरूपः (D) नित्यरूपः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36

222. (i) वेदान्तदर्शन में असर्पभूत रज्जु में सर्प के आरोप को कहा जाता है- UP PGT–2013
(ii) रज्जुसर्पारोपः किमुच्यते? GJ-SET–2007

(A) भ्रम (B) अध्यारोप

(C) मायाजन्य (D) आभास

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

223. रज्जोः विवर्त्तरूपं किम्? CCSUM Ph.D–2016

(A) रज्जुरूपसर्पः (B) रज्जुमात्रः

(C) रज्जुभिन्नः (D) वस्तुसर्पः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115,116

224. अवस्तुनि वस्त्वारोपः– GJ-SET–2008

(A) अपवादः (B) अर्थवादः

(C) अध्यारोपः (D) अपवर्गः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 116

225. अध्यारोपः किम् - UK SLET–2012

(A) असत्यज्ञानम् (B) सत्यज्ञानम्

(C) मायाज्ञानम् (D) सदसत्ज्ञानम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36,37

226. लय-विक्षेप-कषाय-रसास्वाद-लक्षणाश्चत्वारो विघ्नाः सम्भवन्ति - UK SLET–2015

(A) अपवादस्य (B) प्राणायामस्य

(C) यमनियमयोः (D) निर्विकल्पकसमाधेः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 179

227. (i) 'सुषुप्तवज्जाग्रति यो न पश्यति' इति कस्य स्वभावोऽस्ति- UP PGT–2005
(ii) 'सुषुप्तवज्जाग्रति यो न पश्यति' स्वभाव वाला कौन होता है- UP GIC–2015

(A) ईश्वर (B) जीवन्मुक्त

(C) मुमुक्षु (D) प्राज्ञ

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 192

228. वेदान्त का परम लक्ष्य क्या है- BHU MET–2010

(A) दुःखज्ञान (B) भौतिकसुख

(C) संसारत्याग (D) मोक्ष

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 143-144

229. वेदान्तशास्त्रानुसारं मोक्षो भवति- BHU AET–2012

(A) प्रमाणज्ञानात् (B) ब्रह्मज्ञानात्

(C) धर्मज्ञानात् (D) दानात्

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ-257

217. (A) 218. (D) 219. (D) 220. (A) 221. (B) 222. (B) 223. (B) 224. (A) 225. (A) 226. (D) 227. (B) 228. (D) 229. (B)

230. अद्वैत वेदान्त मत में मोक्ष है - UGC 73 J–2009
(A) असिद्धः (B) अनवाप्यः
(C) सिद्धः (D) उत्पाद्यः
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 259

231. 'जीवन्मुक्त' इत्यस्य अर्थो विद्यते - UGC 25 J–2005
(A) जीवनात् मुक्तः (B) जीवितः सन्मुक्तः
(C) प्रारब्धकर्मभ्यो मुक्तः (D) शुभवासनानुवृत्तेर्मुक्तः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 205

232. जीवन्मुक्तौ सत्यां कस्य कर्मणः फलम् उपभोक्तव्यमेव- UGC 25 J–2006
(A) सञ्चितस्य (B) क्रियमाणस्य
(C) प्रारब्धस्य (D) सर्वेषाम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 187

233. अद्वैतवेदान्तमते मुक्तिः - UGC 25 D–2007
(A) ब्रह्मज्ञानप्राप्तिः (B) ब्रह्मसादृश्यप्राप्तिः
(C) ब्रह्मसायुज्यम् (D) ब्रह्मनिष्ठः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 185,186

234. (i) जीवन्मुक्तस्य वर्णनं कुत्र अस्ति– UGC 25 D–2009,
(ii) जीवन्मुक्तिः अस्ति- J–2014, RPSC SET–2010
(iii) जीवन्मुक्तिः कस्मिन् दर्शने अस्ति–
(A) जैनदर्शने (B) बौद्धदर्शने
(C) चार्वाकदर्शने (D) वेदान्तदर्शने
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 278

235. अद्वैतमतानुसार जीव कहलाता है- UGC 25 J–1995
(A) सर्वज्ञ (B) किञ्चिदज्ञ
(C) आत्मज्ञ (D) त्रिकालज्ञ
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 31

236. (i) जीवन्मुक्तः कः? HE–2015, RPSC
(ii) क एको जीवन्मुक्तस्य पर्यायः - SET–2013-14
(A) तितिक्षुः (B) युञ्जानः
(C) अखिलबन्धरहितो ब्रह्मनिष्ठः (D) साधकः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 185

237. तत्त्वसाक्षात्कारोपायेष्वन्यतमः - UGC 25 D–2014
(A) उपक्रमः (B) उपसंहारः
(C) अभ्यासः (D) निदिध्यासनम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 152

238. वेदान्तशास्त्रे प्रमेयं किं भवति - UGC 25 D–2014
(A) ईश्वरः (B) जीवः
(C) विराट् (D) तुरीयचैतन्यम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 53

239. अद्वैतवेदान्त मत में जगत् कैसा है- UGC 73 J–2010, UGC 25 J–2014
(A) सत्य (B) मिथ्या
(C) नित्य (D) शुद्ध
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ-ix

240. जगत् की उत्पत्ति का कारण है - UP PGT–2003
(A) अज्ञान (B) ईश्वर
(C) ब्रह्म (D) आत्मा
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 56-57

241. 'अज्ञानकल्पितं द्वैतजगत्' वर्तते– BHU AET–2012
(A) ब्रह्म (B) छलम्
(C) प्रपञ्चः (D) माया
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 176

242. प्रपञ्चस्य कीदृशी सत्ता- BHU AET–2012
(A) पारमार्थिकी (B) व्यावहारिकी
(C) प्रातिभासिकी (D) चतुर्थी काचित्
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–297

243. अद्वैतवेदान्ते प्रपञ्चस्य किं साधितम् - BHU AET–2012
(A) नित्यत्वम् (B) मिथ्यात्वम्
(C) सर्वज्ञत्वम् (D) स्वप्नज्ञानत्वम्
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 176,177

244. प्रधानं जगत् कारणं भवतीति नाङ्गीकुर्वन्ति - UGC 73 J–2013
(A) अद्वैतवेदान्तिनः (B) सांख्याः
(C) योगिनः (D) ईश्वरकृष्णादयः
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 549

230. (C) 231. (B) 232. (A) 233. (D) 234. (D) 235. (B) 236. (C) 237. (D) 238. (D) 239. (B) 240. (A) 241. (C) 242. (B) 243. (B) 244. (A)

245. ''दृश्यत्वहेतुना मिथ्यात्वम्'' की सिद्धि होती है- UGC 73 J–2013

(A) मनसि (B) जगति
(C) ब्रह्मणि (D) मायायाम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 555

246. जगत् को मिथ्या मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) नैयायिक (B) माध्व
(C) शङ्कर (D) रामानुज

स्रोत–भारतीय दर्शन – शोभा निगम, पृष्ठ- 231

247. सदसद्विलक्षण होता है- UGC 73 D–2014

(A) साक्षी (B) अविद्या
(C) आत्मा (D) जगत्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37,38

248. जगत् का निमित्तोपादान है - UGC 73 S–2013

(A) प्राणाः (B) माया
(C) जीवः (D) ब्रह्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 59

249. अद्वैतमत में ब्रह्म है - UGC 73 D–2011

(A) सत्यम् (B)सादि
(C) मिथ्या (D) सान्तम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- ix

250. अद्वैतवेदान्त मत में सत्य है- UGC 73 J–2009, D–2010

(A) जीव एव (B) जगदेव
(C) ब्रह्मैव (D) स्वर्ग एव

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 303

251. ब्रह्मसूत्र के अनुसार शास्त्र की योनि क्या है - UGC 73 D–2010

(A) जगत् (B) ब्रह्म
(C) जीव (D) शून्य

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (1.1.3)–सत्यानन्द सरस्वती, पृष्ठ- 43

252. 'तस्मिन् दृष्टे परावरे' कस्मिन्– K-SET–2013

(A) ब्रह्मणि (B) ज्ञाने
(C) कर्मणि (D) विद्यायाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-185,186

253. अवच्छेदवाद में जगत् का उपादान कारण है- UGC 73 D–2008

(A) ईश्वरः (B) अविद्या
(C) जीवः (D) ब्रह्म

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-97

254. (i) अद्वैतवेदान्त मत में ब्रह्म का होता है -
(ii) अद्वैतमते 'ब्रह्मणो' वर्तते?
UGC 73 D–2009, UGC 25 S–2013

(A) व्यावहारिकत्वम् (B) प्रातिभासिकत्वम्
(C) पारमार्थिकत्वम् (D) मिथ्यात्वम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 303

255. अद्वैतवेदान्तिनामीश्वरो वर्तते– DU-Ph.D–2016

(A) पारमार्थिकसत्ता
(B) व्यावहारिकसत्ता
(C) प्रातिभासिकसत्ता
(D) उक्तेषु न कोऽपि विकल्पः साधु

स्रोत–वेदान्तसार – कृष्णकान्त त्रिपाठी, भू. पृष्ठ- 25

256. अद्वैतवेदान्त में जगत् का -
UGC 25 J–1994, UGC 73 D–2009

(A) सत्यत्वम् (B) मिथ्यात्वम्
(C) पारमार्थिकत्वम् (D) ब्रह्मपरिणामात्मकत्वम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- ix

257. अद्वैतमत के अनुसार ब्रह्म जगत् का कौन-सा कारण है - UGC 73 J–2008

(A) उपादानकारण (B) निमित्तकारण
(C) समवायिकारण (D) उपादान और निमित्तकारण

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 59

258. ब्रह्म को कहा गया है -
UPPGT–2004, BHU AET–2012

(A) सत् (B) चित्
(C) आनन्द (D) सच्चिदानन्द

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

245. (B) 246. (C) 247. (B) 248. (D) 249. (A) 250. (C) 251. (B) 252. (A) 253. (D) 254. (C)
255. (A) 256. (B) 257. (D) 258. (D)

259. वस्तु है- UP PGT–2009, CCSUM - Ph.D–2016
(A) अज्ञानादिजडसमूह (B) ब्रह्म
(C) त्रिगुणात्मक (D) अनिर्वचनीय
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

260. अद्वैतवेदान्त में ब्रह्म स्वीकृत किया जाता है- UGC 73 D–2015
(A) व्यापकम् (B) अव्यापकम्
(C) बहुविधम् (D) त्रिविधम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

261. इस मत में ब्रह्म केवल निमित्त कारण है- UGC 73 J–2006
(A) अद्वैतवेदान्त (B) माध्ववेदान्त
(C) विशिष्टाद्वैतवेदान्त (D) शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्त
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 635

262. सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्मेति लक्षणं कीदृशम् - BHU AET–2012
(A) तटस्थलक्षणम् (B) स्वरूपलक्षणम्
(C) सामान्यलक्षणम् (D) विशेषलक्षणम्
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 251

263. ब्रह्म कीदृशं कारणम् - BHU AET–2012
(A) अभिन्ननिमित्तोपादानम् (B) केवलं निमित्तम्
(C) निमित्तोपादानातिरिक्तम् (D) केवलमुपादानम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 59

264. ब्रह्म जगत् उपादानकारणं निमित्तकारणं वर्तते इति कस्मिन् सूत्रे उक्तम् - BHU AET–2012
(A) तन्तुसमन्वयात् (B) जन्माद्यस्य
(C) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा (D) शास्त्रयोनित्वात्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 5

265. पारमार्थिकतत्त्वम् भवति - BHU AET–2012
(A) अतीतकालाबाध्यत्वम् (B) त्रिकालाबाध्यत्वम्
(C) भविष्यत्कालमात्राबाध्यत्वम् (D) वर्तमानकालमात्राबाध्यत्वम्
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 245

266. (i) अद्वैतवेदान्त मत में जीव और ब्रह्म का है-
(ii) अद्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणोः स्वरूपम् – UGC 25 D–2004, UGC 73 J–2009
(A) अभेदः (B) भेदः
(C) असत्त्वम् (D) अभावः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

267. वेदान्त में अद्वैत शब्द इन दोनों का अभेद अभीष्ट है- UGC 25 J–2009, UGC 73 J–2005
(A) जीव एवं ब्रह्म (B) जीव एवं ईश्वर
(C) जीव एवं अज्ञान (D) जीव एवं पुरुष
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

268. (i) जीवस्य कतिविधाः अवस्थाः भवन्ति -
(ii) वेदान्तसारे जीवेश्वरयोः कति अवस्थाः कथिताः? UGC 25 J–2007, MH SET–2016
(A) त्रिविधा (B) चतुर्विधा
(C) पञ्चविधा (D) षड्विधा
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 46

269. सदानन्दमतेन ब्रह्म इति - UGC 25 D–2008
(A) ज्ञानम् (B) विज्ञानम्
(C) अवस्तु (D) वस्तु
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

270. वेदान्तसारे अनिर्वचनीयं किम् - UGC 25 D–2012
(A) ईश्वरः (B) जीवः
(C) जगत् (D) ब्रह्म
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 250

271. वेदान्तवाक्यानामद्वितीये ब्रह्मणि तात्पर्यस्यावधारणं केन भवति - DSSSB TGT–2014
(A) श्रवणेन (B) मननेन
(C) निदिध्यासनेन (D) स्मरणेन
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 151

259. (B) 260. (A) 261. (B) 262. (B) 263. (A) 264. (B) 265. (B) 266. (A) 267. (A) 268. (A) 269. (D) 270. (D) 271. (A)

272. जन्माद्यस्य यतः 'अस्य जगतो जन्मादियस्माद्भवति तद् ब्रह्म' इत्येतत् ब्रह्मणः कीदृशः लक्षणम् - DSSSB TGT–2014

(A) स्वरूपलक्षणम् (B) तटस्थलक्षणम्
(C) लक्षणं न भवति (D) विशिष्टलक्षणम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 5

273. ब्रह्मलक्षणसूत्र है- UGC 73 D–2014

(A) अथातो धर्मजिज्ञासा (B) शास्त्रयोनित्वात्
(C) जन्माद्यस्य यतः (D) प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दाः

स्रोत–(i) वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 5
(ii) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती, पेज- 34

274. वेदान्तदर्शने नित्यं वस्तु -

(A) जगद् (B) आत्मा
(C) ब्रह्म (D) जीवः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 37

275. अद्वैतानुभवपरक श्रुतिवाक्य है - UGC 73 J–2013

(A) तत्त्वमसि (B) सर्वं खल्विदं ब्रह्म
(C) अहं ब्रह्मास्मि (D) अयमात्मा ब्रह्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 141

276. अद्वैतवेदान्त मत में महावाक्य का अर्थ है- UGC 73 D–2009

(A) जीवब्रह्मभेदपरः (B) जीवमात्रपरः
(C) जीवब्रह्मैक्यपरः (D) जगत्सत्यत्वपरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-122

277. (i) 'तत्त्वमसि' है – UP PGT–2000
(ii) 'तत्त्वमसि' माना जाता है - BHU AET–2011,
(iii) तत्त्वमसि इति किमस्ति? 2010

(A) ब्रह्मवाक्य (B) महावाक्य
(C) आचार्यवाक्य (D) अनुभववाक्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 121

278. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH-SET–2013

(अ) वेदान्तसारे 'अहं ब्रह्मास्मि' इति अनुभववाक्यार्थो वर्तते।
(ब) वेदान्तसारे 'तत्त्वमसि' इत्यखण्डार्थबोधकं वाक्यं विद्यते।
(स) वेदान्तसारे त्रिवृत्करणं विद्यते
(द) वेदान्तसारे ईश्वरवर्णनम् अस्ति

(A) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्
(B) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्
(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्
(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 249,232,71

279. 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' यह महावाक्य किस उपनिषद् से सम्बद्ध है - UP PGT–2002

(A) बृहदारण्यकोपनिषद् (B) छान्दोग्योपनिषद्
(C) श्वेताश्वतरोपनिषद् (D) माण्डूक्योपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 91

280. शब्दः कस्य गुणः? MH-SET–2016

(A) वायोः (B) पृथिव्याः
(C) अपाम् (D) आकाशस्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 80

281. उपनिषद्-महावाक्येषु किं नास्ति– JNU MET–2015, JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) अहं ब्रह्मास्मि (B) तत् त्वम् असि
(C) प्रज्ञानं ब्रह्म (D) सर्वं खल्विदं ब्रह्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

282. (i) 'तत्त्वमसि' महावाक्य किससे सम्बन्धित है -
(ii) 'तत्त्वमसीति' महावाक्यं कुत्रास्ति - JNU MET–2014, UP PGT–2002

(A) छान्दोग्योपनिषद् (B) बृहदारण्यकोपनिषद्
(C) माण्डूक्योपनिषद् (D) कठोपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

272. (B) 273. (C) 274. (C) 275. (C) 276. (C) 277. (B) 278. (A) 279. (B) 280. (D) 281. (D) 282. (A)

283. महावाक्यचतुष्टयं कस्मिन् दर्शने सूचितम् -BHU B.Ed–2014

(A) सांख्य (B) अद्वैत
(C) न्याय (D) मीमांसा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

284. 'अहं ब्रह्मास्मि' का सम्पादन कौन-सा दर्शन करता है- BHU MET–2008, 2011, 2012

(A) योगदर्शन (B) सांख्यदर्शन
(C) वेदान्तदर्शन (D) बौद्धदर्शन

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 141

285. 'अहं ब्रह्मास्मि' को क्या कहा जाता है-BHU MET–2014

(A) अर्थवादवाक्य (B) महावाक्य
(C) निषेधवाक्य (D) विधिवाक्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

286. (i) 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यं कुत्र व्याख्यातम्–
(ii) 'तत्त्वमसि' का प्रतिपादन कौन-सा दर्शन करता है- RPSC SET–2010, BHU MET–2010, BHU AET–2012, WB SET–2010

(A) जैनदर्शन (B) बौद्धदर्शन
(C) न्यायदर्शन (D) अद्वैतवेदान्त

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 121,122

287. 'अहं ब्रह्मास्मि' यह वाक्य है - UGC 73 D–2005

(A) व्यवहृतिवाक्य (B) नीतिवाक्य
(C) अनुभूतिवाक्य (D) उपसंहृतिवाक्य

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 141

288. (i) 'तत्त्वमसि' इति वाक्ये अद्वैतिभिः कीदृशी लक्षणा आश्रियते? UGC 25 J–2013
(ii) 'तत्त्वमसि' इति वाक्यसमन्वये वेदान्ताभिमत लक्षणा वर्तते - RPSC-SET–2013-14
(iii) वेदान्तसारानुसारं 'तत्त्वमसि' इत्यस्मिन् वाक्ये कीदृशी लक्षणा– WB SET–2010,
(iv) 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यार्थबोधे प्रवर्तमानाशक्तिः अस्ति? UP GDC–2008, SU Ph. D–2015
(v) वेदान्तसार के अनुसार तत्त्वमसि महावाक्य से अखण्डार्थ का बोध कराती है?

(A) जहल्लक्षणा (B) जहदजहल्लक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) उपादानलक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 127

289. इनमें से कौन सा सम्बन्धत्रय में नहीं आता - UP PGT–2013

(A) समानाधिकरणम् (B)लक्ष्यलक्षणभावः
(C) विशेष्य-विशेषणभावः (D) प्रत्यक्षप्रत्ययभावः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-122

290. जहदजहल्लक्षणा कहाँ वर्णित है? BHU MET–2016

(A) सांख्यकारिका (B) वेदान्तसार
(C) काव्यप्रकाश (D) ध्वन्यालोक

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 127

291. तत्त्वमसीतिमहावाक्ये चिन्मात्रस्याथवा शुद्धब्रह्मणः अनुभूत्यर्थं कीदृशी लक्षणा स्वीक्रियते? UGC 73 Jn–2017

(A) जहल्लक्षणा (B) भागत्यागलक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) असिद्धलक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 128

292. ऋग्वेदात् उद्धृतं महावाक्यं किम् - DSSSB TGT–2014

(A) प्रज्ञानं ब्रह्म (B) अहं ब्रह्मास्मि
(C) तत्त्वमसि (D) अयमात्मा ब्रह्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

293. 'अहं ब्रह्मास्मि' यहाँ अहम् पद में वृत्ति है - UGC 25 J–1995

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) जहदजहल्लक्षणा

स्रोत–

294. 'तत्त्वमसि' इस वाक्य में तत् पद का अर्थ है- UGC 73 D–2005

(A) ईश्वर (B) ब्रह्म
(C) जीव (D) माया

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 103

295. अद्वैतवेदान्तिभिः 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यादखण्डार्थ-बोधप्रक्रियायां स्वीक्रियते? DU-Ph.D–2016

(A) अभिहितान्वयवादः (B) अन्विताभिधानवादः
(C) तात्पर्यवादः (D) अखण्डार्थवादः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 232

283. (B) 284. (C) 285. (B) 286. (D) 287. (C) 288. (B) 289. (D) 290. (B) 291. (B) 292. (A) 293. (B) 294. (B) 295. (A)

296. 'तत्त्वमसि' वाक्य के अर्थ बोध हेतु स्वीकार की जाती है - UP PGT–2013

(A) जहल्लक्षणा (B) अजहल्लक्षणा
(C) भागलक्षणा (D) व्यञ्जना

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-127

297. 'तत्त्वमसि' इत्यनेन किं वर्ण्यते? MH-SET–2016

(A) अनुभववाक्यार्थः (B) अनुवादवाक्यार्थः
(C) उपदेशवाक्यार्थः (D) विधिवाक्यार्थः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

298. (i) अद्वैतवेदान्त में स्वीकृत प्रमाणों की संख्या है-
(ii) अद्वैत वेदान्त में ज्ञान (प्रमाणों) के स्रोत हैं?
(iii) अद्वैतवादियों के अनुसार प्रमाण हैं?
(iv) अद्वैतवेदान्ते कति प्रमाणानि?
UGC 73 D–2007, 2010, UGC 25 J–2002, DSSSB TGT–2014, UGC 09 D–2013

(A) त्रीणि (B) पञ्च
(C) षट् (D) चत्वारि

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 73

299. अधस्तनेषु वाक्येषु किं महावाक्यं न भवति? K-SET–2014

(A) तत्त्वमसि (B) अहं ब्रह्मास्मि
(C) ईशावास्यमिदं सर्वम् (D) प्रज्ञानं ब्रह्म

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

300. अद्वैतवादियों के अनुमान के कितने अवयव हैं - UGC 73 J–2010, BHU AET–2012

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 75

301. वेदान्त में किसका प्रमाण स्वीकार्य है - BHU MET–2010

(A) रामायण का (B) महाभारत का
(C) भागवत का (D) वेद का

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 7

302. अद्वैतवेदान्ते षष्ठं प्रमाणं किम् - BHU AET–2012

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमानम्
(C) अनुपलब्धिः (D) उपादानम्

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 78

303. अर्थापत्तिनिरूपणे उक्तम् - BHU AET–2012

(A) तत्त्वमसि
(B) सर्वं खल्विदं ब्रह्म
(C) पीनो देवदत्तः दिवा न भुङ्क्ते
(D) यत्र यत्र धूमस्तत्र तत्र वह्निः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 77

304. परिणामवाद सिद्धान्त है- UGC 73 D–2012

(A) नैयायिकों का (B) वेदान्तियों का
(C) मीमांसकों का (D) सांख्यों का

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 81

305. विवर्तवाद के समर्थक नहीं हैं - UGC 73 D–2012

(A) सायणाचार्यः (B) विद्यारण्यः
(C) वाचस्पतिः (D) अप्पयदीक्षितः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 117

306. जगन्मिथ्या सिद्धान्त है - BHU AET–2012, UGC 73 J–2013

(A) द्वैतवेदान्त का (B) न्यायसिद्धान्त का
(C) सांख्यशास्त्र का (D) अद्वैतवेदान्त का

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 49

307. जीवब्रह्मैक्य सिद्धान्त है - UGC 73 S–2013

(A) विशिष्टाद्वैतवेदान्त (B) अद्वैतवेदान्त
(C) माध्ववेदान्त (D) योगशास्त्र

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

308. (i) जगत् ब्रह्म का होता है - UP PGT–2003,
(ii) संसार है ब्रह्म का? UGC 73 S–2013,
(iii) जगत् ब्रह्मणो भवति? UGC 25 J–1998

(A) परिणाम (B) विवर्त
(C) कार्य (D) किमपि न

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 116

296. (C) 297. (C) 298. (C) 299. (C) 300. (A) 301. (D) 302. (C) 303. (C) 304. (D) 305. (A) 306. (D) 307. (B) 308. (B)

309. परिणामवाद और विवर्तवाद में समानतत्त्व है - UGC 73 D–2012

(A) जगत्सत्यत्वम् (B) आत्मसत्यत्वम्

(C) देहात्मैक्यम् (D) व्यक्तिस्वातन्त्र्यम्

स्रोत–भारतीय दर्शन –जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 568

310. 'जगन्मिथ्यात्वं' सिद्धान्तित किया है-UGC 73 D–2012

(A) विजयीन्द्रतीर्थेन (B) वाचस्पतिमिश्रेण

(C) वल्लभाचार्येण (D) मध्वाचार्येण

स्रोत–वेदान्तसार – कृष्णकान्त त्रिपाठी, पृष्ठ- 10-11

311. (i) विवर्तवादमङ्गीकुर्वन्ति?

(ii) विवर्तवादस्य प्रवर्तकाः के सन्ति?

(iii) विवर्तवादः कस्य सिद्धान्तः?

(iv) विवर्तवाद स्वीकार करते हैं - UGC 25 S–2013

(v) विवर्तवादं के दार्शनिकाः स्वीकुर्वन्ति?

(vi) विवर्तवादः दर्शने पुरस्कृतः–

(vii) विवर्तवाद का सिद्धान्त किस दर्शन का है - UGC 73 D–2005, 2006, 2011, 2009, J–2007, GJ-SET–2004, HAP–2014

(A) सांख्याः (B) योगिनः

(C) अद्वैतवेदान्तिनः (D) बौद्धाः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115

312. (i) विवर्त का उदाहरण है -

(ii) विवर्तस्य उदाहरणम् अस्ति UGC 73 D–2011, UGC 25 J–2014

(A) गगनकुसुमम् (B) बन्ध्यासुतः

(C) शुक्तिकारजतम् (D) स्वपुष्पम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-115

313. 'मिथ्यारूप से अन्य वस्तु के रूप में भासित होना' कहलाता है - UP PGT–2004, 2009

(A) परिणामवाद (B) आरम्भवाद

(C) असत्कार्यवाद (D) विवर्तवाद

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 116

314. विवर्त का आशय है- UP PGT–2004

(A) यथार्थ परिवर्तन (B) अयथार्थ परिवर्तन

(C) दोनों प्रकार के परिवर्तन(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 116,117

315. अद्वैत आचार्यों में प्रतिपादित किया हुआ 'ख्यातिवाद' है - UGC 73 J–2007

(A) अनिर्वचनीयख्याति (B) अख्याति

(C) सत्ख्याति (D) अन्यथाख्याति

स्रोत–भारतीयदर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 207

316. परिणामः कः - BHU AET–2012

(A) उपादानविषयकसत्ताककार्यापत्तिः

(B) उपादानसमसत्ताककार्यापत्तिः

(C) उपादानाधिकसत्ताककार्यापत्तिः

(D) उपादानन्यूनसत्ताककार्यापत्तिः

स्रोत–भारतीयदर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-568

317. (i) वेदान्तशास्त्रस्य वादो भवति - BHU AET–2012

(ii) अद्वैतवेदान्तस्य वादोऽस्ति? UGC 73 J–2012

(A) आरम्भवादः (B) विवर्तवादः

(C) सङ्घातवादः (D) ईश्वरवादः

स्रोत–(i) वेदान्तसार–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115-116

(ii) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 317

318. विवर्तो नाम .....? BHU AET–2012

(A) अतात्त्विकपरिवर्तनम् (B) माया

(C) तात्त्विकपरिवर्तनम् (D) स्वप्नः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115-116

319. 'विवर्त' का विचार है- UGC 73 J–2014

(A) प्रशस्तपादभाष्ये (B) तत्त्वकौमुद्याम्

(C) शाङ्करभाष्ये (D) अर्थसंग्रहे

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 316-317

320. (i) विवर्तो नाम किं विद्यते– UGC 25 J–2007

(A) कारणस्य समसत्ताकपरिणामः

(B) कारणस्य कार्यावस्था

(C) कारणात् विषमसत्ताकोत्पत्तिः

(D) कारणगुणादिमका कार्योत्पत्तिः

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 568

309. (B) 310. (B) 311. (C) 312. (C) 313. (D) 314. (B) 315. (A) 316. (B) 317. (B) 318. (A) 319. (C) 320. (C)

321. (i) रज्जु में सर्प भ्रान्ति इसका उदाहरण है–
(ii) रज्जु में सर्प का ज्ञान कहलाता है-
(iii) रज्जु में सर्प का ज्ञान उदाहरण है–
UGC 25 D–1997, 1998, J–2000

(A) परिणाम (B) अपवाद
(C) विक्षेप (D) विवर्त

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 116

322. (i) 'सतत्त्वतोऽन्यथा प्रथा' है– UGC 73 D–1996
(ii) सतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा.....इत्युदीरितः–GJ-SET–2008

(A) विकार (B) विवर्त
(C) संवर्त्त (D) परिणाम

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115

323. विवर्तवाद के प्रवर्त्तक हैं – UGC 73 D–1997

(A) रामानुज (B) शङ्कर
(C) माध्व (D) वल्लभ

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 317

324. (i) 'अतत्त्वतोऽन्यथा प्रथा' इत्यस्ति? GJ-SET–2013,
(ii) 'अतत्त्वतोऽन्यथा' अनेन कारिकया प्रतिपादितम्?
(iii) 'अतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा' नाम भवति-UGC 73 J–2015, CCSUM Ph.D–2016, MGKV Ph. D–2016

(A) विवर्तः (B) विकारः
(C) परिणामः (D) विशेषः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 115

325. (i) 'ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या' यह सिद्धान्त है -
(ii) 'ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या' इति कस्य दर्शनस्य मतम्–
UGC 73 D–2007, J–2005, BHU AET–2012

(A) पूर्वमीमांसायाम् (B) सांख्यदर्शने
(C) वैशेषिकदर्शने (D) अद्वैतवेदान्ते

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 49

326. वेदान्तदर्शने मनसः उत्पत्तिः कथं भवति – UGC 73 Jn–2017

(A) जीवब्रह्मयोगेन (B) जगत्ज्ञानयोगेन
(C) जगदज्ञानयोगेन (D) पञ्चतन्मात्राणां सत्वांशयोगेन

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

327. पञ्चप्राणादिवायूनां कुतः उत्पत्तिः वेदान्तमते- UGC 25 D–2010

(A) तामसाद् भूतांशात् (B) व्यस्ताद् राजसादंशात्
(C) सात्त्विकादंशात् (D) समस्ताद् राजसादंशात्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 72

328. सुषुप्तिकाले कथ्यते - UGC 25 D–2011

(A) ब्रह्मा (B) विराट्
(C) प्राज्ञः (D) विश्वः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 46

329. समष्टिव्यष्टिभिप्रायेण एकमनेकमिति व्यवह्रियते इति वाक्यं विद्यते– CCSUM Ph.D–2016

(A) मोक्षविषये (B) ईश्वरविषये
(C) अध्यारोपविषये (D) अज्ञानविषये

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

330. स्थूलप्रपञ्चोत्पत्तिः केभ्यः सम्भवति- UGC 25 D–2013

(A) ईश्वरादिभ्यः (B) मानवशरीरेभ्यः
(C) पञ्चीकृतपञ्चभूतेभ्यः (D) अपञ्चीकृतपञ्चभूतेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 78

331. विवर्तो .... विद्यते – UGC 25 J–2012

(A) कारणस्य कार्यावस्था
(B) कारणस्य समसत्ताकपरिणामः
(C) कारणगुणात्मकता कार्योत्पत्तिः
(D) अतत्वतोऽन्यथा प्रथा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ-115

332. अज्ञानसमष्ट्युपहितस्य चैतन्यस्य एका का सञ्ज्ञा नास्ति? HE–2015

(A) सर्वेश्वरः (B) प्राज्ञः
(C) अव्यक्तः (D) अन्तर्यामी

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 43

333. व्यष्ट्युपहितचैतन्यमस्ति– CCSUM Ph.D–2016

(A) सर्वज्ञः (B) प्राज्ञः
(C) ब्रह्म (D) ईश्वरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 47

321. (D) 322. (A) 323. (B) 324. (A) 325. (D) 326. (D) 327. (D) 328. (C) 329. (D) 330. (C) 331. (D) 332. (B) 333. (B)

334. अज्ञान की विशुद्धसत्त्वप्रधानसमष्टि से उपहित चैतन्य कहलाता है? UGC 73 D–2015

(A) प्राज्ञः (B) विश्वः
(C) ईश्वरः (D) वैश्वानरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 42

335. वेदान्तसारग्रन्थे 'सूत्रात्मा' इत्यस्य अर्थः अस्ति? JNU M.Phil/Ph.D–2014

(A) हिरण्यगर्भः (B) तैजसः
(C) ईश्वरः (D) वैश्वानरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 74

336. वेदान्तानुसार बुद्धि का स्वरूप है- UGC 25 J–1999

(A) निश्चय (B) अनुसन्धान
(C) अभिमान (D) सङ्कल्प-विकल्प

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

337. वेदान्तानुसारम् अज्ञानोपहितं चैतन्यं स्वप्रधानतया जगतः– K-SET–2013

(A) उपादानकारणम् (B) असमवायिकारणम्
(C) निमित्तकारणम् (D) कारणमेव च

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 59

338. व्यष्ट्युपहितं चैतन्यं किमुच्यते? MH-SET–2011

(A) विश्वम् (B) विराट्
(C) वैश्वानरः (D) धनञ्जयः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 206

339. वेदान्तानुसारेण निश्चयात्मिका अन्तःकरणवृत्तिः का? K-SET–2015

(A) बुद्धिः (B) मनः
(C) चित्तम् (D) अहङ्कारः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 65, 66

340. वेदान्तानुसारेण बुद्धिः .... भवति– K-SET–2013

(A) निश्चयात्मिकान्तः करणवृत्तिः
(B) सङ्कल्पविकल्पात्मिकान्तः करणवृत्तिः
(C) अनुसन्धानात्मिकान्तः करणवृत्तिः
(D) अभिमानात्मिकान्तः करणवृत्तिः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 66

341. अद्वैतवेदान्तियों का व्यवहार में किनका नय है ? UGC 73 J–2010

(A) द्वैतिनाम् (B) भाट्टानाम्
(C) प्राभाकराणाम् (D) विशिष्टाद्वैतिनाम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 191

342. वेदान्त में सत्तात्रैविध्य स्वीकृत किया है- UGC 73 J–2007, D–2012,

(A) अद्वैत (B) माध्व
(C) वल्लभ (D) विशिष्टाद्वैत

स्रोत–भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 296

343. कुछ बहुजीवाज्ञानवादी हैं - UGC 73 S–2013

(A) अद्वैतवेदान्त (B) द्वैतवेदान्त
(C) शुद्धाद्वैतवेदान्त (D) द्वैताद्वैतवेदान्त

स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 550

344. कौन यह मानते हैं कि वेदान्त वाक्य निरर्थक हैं? क्योंकि वे कोई क्रिया नहीं करते– UGC 73 J–2008

(A) सुरेश्वरः (B) श्रीहर्षः
(C) जैमिनिः (D) कणादः

स्रोत–

345. 'अज्ञानोपहितं चैतन्यमात्मा' यह किसका मत है ? BHU RET–2008

(A) वेदान्त का (B) बौद्ध का
(C) भाट्टमीमांसक का (D) चार्वाक का

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 53-54

346. मोक्ष का अधिकार है - UGC 73 D–2004

(A) सभी के लिए (B) ब्राह्मणों के लिए
(C) स्त्रियों के लिए (D) शूद्रों के लिए

स्रोत– वेदान्तसार - राकेशशास्त्री, पेज–28

347. 'ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या' उक्ति है- UGC 73 D–2004

(A) शङ्कराचार्य की (B) रामानुजाचार्य की
(C) वल्लभाचार्य की (D) व्यास की

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 28

334. (C) 335. (A) 336. (A) 337. (C) 338. (A) 339. (A) 340. (A) 341. (B) 342. (A) 343. (A) 344. (D) 345. (A) 346. (A) 347. (A)

348. अद्वैतवेदान्ते कयोः अद्वैतत्वं मतम्–CVVET–2017
(A) प्रकृतिपुरुषयोः (B) जगज्जीवयोः
(C) जीवब्रह्मणोः (D) भगवद्भक्तयोः
स्रोत– वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–30,31

349. ब्रह्म मायया आवृतं सत् अभिधीयते–CVVET–2017
(A) जगद् इति (B) ईश्वर इति
(C) परब्रह्म इति (D) सत् इति
स्रोत– भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–252

350. वेदान्तपरिभाषायाः मङ्गलश्लोको वर्तते - BHU AET–2012
(A) मङ्गलं भगवान् विष्णुः (B) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा
(C) नत्वा सरस्वतीम् (D) यदविद्याविलासेन
स्रोत–वेदान्तपरिभाषा (1/1)–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 01

351. ब्रह्मविद् किं भवति ? BHU AET–2012
(A) धर्मात्मा भवति (B) ब्रह्मैव भवति
(C) सुखी भवति (D) अज्ञानी भवति
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 31

352. स्वप्नस्य सत्ता कीदृशी ? BHU AET–2012
(A) व्यावहारिकी (B) प्रातिभासिकी
(C) पारमार्थिकी (D) अलीकात्मिकी
स्रोत–वेदान्तसार-कृष्णकान्त त्रिपाठी,भू0 पेज-25

353. 'चित्' शब्दस्य कोऽर्थः ? BHU AET–2012
(A) अन्धकारः (B) प्रकाशः
(C) भ्रमः (D) आनन्दः
स्रोत–(i) वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 03
(ii) वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, पेज–112

354. निर्वातदीपदचलं भवित - UGC 25 D–2013
(A) सविकल्पकसमाधिः (B) सगुणब्रह्मस्वरूपम्
(C) समष्टिजीवस्वरूपम् (D) निर्विकल्पकसमाधिः
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–179

355. अद्वैतवेदान्तमते निरस्यते- UGC 73 J–2009
(A) जगन्मिथ्यात्ववादः (B) प्रस्थानत्रयम्
(C) प्रधानकारणवादः (D) प्रमाणषट्कवादः
स्रोत– वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–59

356. प्रमातृत्वादीनामविधिकत्वं सिद्धम् - UGC 73 D–2013
(A) बौद्धदर्शने (B) वैशेषिकदर्शने
(C) अद्वैतवेदान्ते (D) द्वैतवेदान्ते
स्रोत–

357. 'प्रपञ्चो ब्रह्मविवर्त' इति यह अस्वीकार करते हैं - UGC 73 D–2013
(A) वादीन्द्रतीर्थः (B) प्रकाशानन्दयतिः
(C) मधुसूदनसरस्वती (D) सदानन्दयतिः
स्रोत–

358. ''सुषुप्तवज्जाग्रति यो न पश्यति, द्वयं च पश्यन्नपि चाद्वयत्वतः तथा च कुर्वन्नपि निष्क्रियश्च यः, स आत्मविन्नान्य इतीह निश्चयः॥'' – इति पद्यं कस्मिन् ग्रन्थे अस्ति? JNU M.Phil/Ph.D –2015
(A) उपदेशसाहस्री (B) विवेकचूडामणिः
(C) अपरोक्षानुभूतिः (D) सौन्दर्यलहरी
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 192

359. सुषुप्ति- उत्क्रान्ति अधिकरण है - UGC 73 J–2014
(A) जैमिनिसूत्रग्रन्थे (B) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे
(C) भक्तिसूत्रग्रन्थे (D) धर्मसूत्रग्रन्थे
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती, भू. पृष्ठ - 01

360. भागलक्षणा कहाँ वर्णित है- BHU MET–2011, 2012
(A) सांख्यकारिका में (B) वेदान्तसार में
(C) काव्यप्रकाश में (D) ध्वन्यालोक में
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 126

361. सुषुप्त्यां चैतन्यप्रदीप्ताभिरतिसूक्ष्माभिः अज्ञानवृत्तिभिः आनन्दम् अनुभवतः– DU-Ph.D–2016
(A) सूत्रात्महिरण्यगर्भौ (B) विश्ववैश्वानरौ
(C) ईश्वरप्राज्ञौ (D) प्रकृतिपुरुषौ
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 51

362. मनसः अधिष्ठातृदेवता वर्तते– BHU AET–2012
(A) चन्द्रः (B) वायुः
(C) सूर्यः (D) कालः
स्रोत–वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, पेज– 212

348. (C) 349. (B) 350. (D) 351. (B) 352. (B) 353. (B) 354. (D) 355. (C) 356. (C) 357. (A) 358. (A) 359. (B) 360. (B) 361. (C) 362. (A)

363. अखिलबन्धरहितः ब्रह्मनिष्ठः कः? GJ-SET–2013

(A) अधिकारी (B) जीवन्मुक्तिः
(C) प्राज्ञः (D) ईश्वरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 185-186

364. समीचीनम् उत्तरं चिनुत– WB-SET–2010

(क) ज्योतिष्टोमादीनि		**1. नैमित्तिकानि**	
(ख) सन्ध्यावन्दनादीनि		**2. प्रायश्चित्तानि**	
(ग) जात्येष्टादीनि		**3. नित्यानि**	
(घ) चान्द्रायणादीनि		**4. काम्यानि**	

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	2	1	4	3

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 14

365. अद्वैते सुषुप्ते देवता - UGC 25 D–2004

(A) वैश्वानरः (B) ईश्वरः
(C) हिरण्यगर्भः (D) अग्निः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 46

366. अनिर्वचनीयशब्दार्थः कः - UGC 25 J–2010

(A) सद्भिन्नत्वम् (B) असद्भिन्नत्वम्
(C) सदसद्भिन्नत्वम् (D) अन्यद् यत् किञ्चित्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 38

367. 'शोणो धावति' इत्यत्र का लक्षणा? UGC 25 J–2012

(A) भागलक्षणा (B) जहल्लक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) जहदजहल्लक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 127

368. षड्विधलिङ्गैः समुपेतं किम् ? UGC 25 J–2013

(A) श्रवणम् (B) मननम्
(C) निदिध्यासनम् (D) अध्यासः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 151

369. वेदान्तदर्शने कति अध्यायाः विद्यन्ते– KL-SET–2015

(A) अष्ट (B) चत्वारः
(C) सप्त (D) पञ्च

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 29

370. वेदान्तसारग्रन्थे श्रवणान्तर्गतषड्विधलिङ्गेषु कस्य गणना नास्ति? JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) अपूर्वता (B) अपूर्वः
(C) अभ्यासः (D) फलम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 152

371. जहदजहल्लक्षणा स्वीकार करता है- UGC 73 J–1999

(A) अद्वैतवेदान्त (B) वैशेषिक
(C) सांख्य (D) बौद्ध

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 127

372. भजगोविन्दम् सम्प्राप्ते सन्निहिते काले को धातुः न रक्षति ? DSSSB TGT–2014

(A) 'भू' सत्तायाम् (B) 'दृशिर्' प्रेक्षणे
(C) 'डुकृञ्' करणे (D) 'रक्ष' रक्षणे

स्रोत–

373. 'स्थूलोऽहं' यह अनुभव प्रमाणित करता है- UGC 73 D–2014

(A) अद्वैतवादम् (B) स्याद्वादम्
(C) क्षणभङ्गवादम् (D) देहात्मवादम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 96

374. 'द्वैत' मत में प्रपञ्च है- UGC 73 D–2014

(A) असत्य (B) विवर्त
(C) नित्य (D) विष्णुस्वरूप

स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 638

375. विपरीतलक्षणा का दूसरा नाम है? UP PGT–2009

(A) अजहल्लक्षणा (B) जहदजल्लक्षणा
(C) जहल्लक्षणा (D) गौणीलक्षणा

स्रोत– काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–123, 124

376. वेदान्तसारस्य वर्णनानुसारं सम्बन्धत्रये न परिगण्यते- UK SLET–2015

(A) पदयोः समानाधिकरण्यम्
(B) पदार्थयोर्विशेषविशेष्यभावः
(C) प्रत्यगात्मलक्षणयोर्लक्ष्यलक्षणभावः
(D) अन्योऽन्यमिथुनवृत्तिता

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 122

363. (B) 364. (B) 365. (B) 366. (C) 367. (C) 368. (A) 369. (B) 370. (B) 371. (A) 372. (C) 373. (D) 374. (C) 375. (B) 376. (D)

377. रामानुजाचार्य ने किस आचार्य की अपूर्ण इच्छा को पूर्ण किया - BHU AET–2011
(A) यादवप्रकाश (B) सुदर्शनसूरि
(C) यामुनाचार्य (D) वल्लभाचार्य
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 600

378. मायाकृत-लोकसत्ताभासः वर्णितोऽस्ति - UP GIC–2015
(A) तर्कसंग्रहे (B) वेदान्तसारे
(C) त्रिपिटके (D) त्रिषु कुत्रापि न
स्रोत–वेदान्तसार - कृष्णकान्त त्रिपाठी, भू. पृष्ठ- 25

379. अजहल्लक्षणाया उदाहरणं भवति - UGC 25 J–2015
(A) शोणो धावति (B) तत्त्वमसि
(C) गङ्गायां घोषः (D) सोऽयं देवदत्तः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 127

380. अधोलिखितेषु साक्षात्कारोपयोगि भवति - UGC 25 J–2015
(A) उपक्रमः (B) अपूर्वता
(C) निदिध्यासनम् (D) फलम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 152

381. 'जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयं तत्र।' यह पंक्ति किस ग्रन्थ से उद्धृत है– UP PGT–2005
(A) तर्कभाषा (B) सांख्यकारिका
(C) वेदान्तसार (D) प्रशस्तपादभाष्य
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 30

382. अद्वैतमत के अनुसार देह में अहं प्रत्यय है - UGC 73 D–2008
(A) मुख्यः (B) गौणः
(C) मिथ्या (D) अमुख्यः
स्रोत–

383. माध्ववेदान्त में मोक्ष का लक्षण - UGC 73 J–2012
(A) आत्मानुसन्धानः (B) नैजसुखानुभूतिः
(C) स्वस्वरूपानुभूतिः (D) ब्रह्मानुभूतिः
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 638

384. प्रातिभासिकसत्ता वर्तते - UGC 73 D–2013
(A) शुक्तिरजते (B) ब्रह्मणि
(C) मायायाम् (D) व्यवहारे
स्रोत–वेदान्तसार – कृष्णकान्त त्रिपाठी, भू० पृष्ठ- 25

385. मायाविच्छिन्नं चैतन्यं भवति - BHU AET–2012
(A) जीवः (B) परमेश्वरः
(C) माया (D) शरीरम्
स्रोत– भारतीयदर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज–253

386. बाह्येन्द्रियाणां तद्व्यतिरिक्तविषयेभ्यो निवर्तनं किम्– KL SET–2014, 2016
(A) दमः (B) शमः
(C) तितिक्षा (D) समाधिः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 20

387. अद्वैतवेदान्तशास्त्रे का शब्दवृत्तिः न स्वीक्रियते? JNU M.Phil/Ph.D–2015
(A) अभिधा (B) व्यञ्जना
(C) गौणी (D) लक्षणा
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 55-56

388. अनुबन्धो नास्ति– CCSUM Ph.D–2016
(A) अधिकारी (B) विषयः
(C) प्रयोजनम् (D) अज्ञानम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 09

389. 'विवर्तस्तु प्रपञ्चोऽयं ब्रह्मणोऽपरिणामिनः'–यह वचन है? UGC 73 J–2016
(A) सुरेश्वरस्य (B) वाचस्पतिमिश्रस्य
(C) जगदीशस्य (D) विश्वनाथस्य
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 548-549

390. विज्ञानमय-मनोमय-प्राणमयेति कोशत्रयं मिलितं सत् किमुच्यते? RPSC-SET–2013-14
(A) सूक्ष्मशरीरम् (B) स्थूलशरीरम्
(C) कारणशरीरम् (D) अज्ञानशरीरम्
स्रोत–वेदान्तसार – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 66

377. (C) 378. (B) 379. (A) 380. (C) 381. (C) 382. (C) 383. (C) 384. (A) 385. (B) 386. (A) 387. (B) 388. (D) 389. (B) 390. (A)

391. वेदान्तसारस्य प्रज्ञा नाम्नी टीकायाः प्रणेता कः? KL SET–2010

(A) डॉ० मिथिलेशपाण्डेयः

(B) डॉ० श्यामानन्दमिश्रः

(C) डॉ० विजयकर्णः

(D) डॉ० हरीश्वरदीक्षितः

स्रोत–

392. वेदान्तसारस्य सुबोधिनी इति प्रसिद्धायाः व्याख्यायाः प्रणेता कः? KL SET–2016

(A) रामतीर्थयतिः (B) नृसिंहसरस्वती

(C) आपदेवः (D) मिथिलेशपाण्डेयः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 39

393. देवदत्तः कः अस्ति– MH-SET–2011

(A) उद्गिरणकरः (B) उन्मीलनकरः

(C) पोषणकरः (D) जृम्भणकरः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 71

394. वेदान्तस्य मुख्योग्रन्थोऽस्ति? RPSC SET–2010

(A) शाङ्करभाष्यम् (B) ब्रह्मसूत्रम्

(C) वेदान्तसारः (D) तर्कभाषा

स्रोत–वेदान्तसार - राकेशशास्त्री, भू. पृष्ठ- 12

395. 'अहं ब्रह्मास्मि' इति वाक्यं कीदृशम्? RPSC-SET–2010, 2013, 2014

(A) उपदेशवाक्यम् (B) अनुभववाक्यम्

(C) आप्तवाक्यम् (D) पुराणवाक्यम्

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, पृष्ठ- 249

396. 'सत्-चिद्-आनन्द' इति विशेषणं वर्तते? RPSC-SET–2010

(A) इन्द्रस्य (B) वरुणस्य

(C) यमस्य (D) ब्रह्मणः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 3

397. अध्यारोपः कस्मिन् दर्शनग्रन्थे वर्तते? RPSC-SET–2010

(A) वेदान्तसारे (B) तर्कसंग्रहे

(C) तर्कभाषायाम् (D) सांख्यकारिकायाम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 36,37

398. स्वरूपानुपमर्देन रूपान्तराभासो भवति – UGC 73 J–2012

(A) परिणामवादः (B) विवर्तवादः

(C) संघातवादः (D) विषयतावादः

स्रोत– भारतीयदर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–316

391. (*) 392. (B) 393. (D) 394. (B) 395. (B) 396. (D) 397. (A) 398. (B)

06 अर्थसंग्रह

1. (i) अर्थसंग्रहस्य प्रणेता कः?
(ii) अर्थसंग्रहस्य कर्ता कः अस्ति – UGC 73 J–2008, UGC 25 J–2012
(A) लौगाक्षिभास्करः (B) कुमारिलभट्टः
(C) शम्भुभट्टः (D) आपदेवः
स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, भू. पृष्ठ- 23

2. ''अथातो धर्मजिज्ञासा'' किसका सूत्र है- UGC 73 J–2015, BHU MET–2009, 2014
(A) न्यायदर्शन (B) मीमांसादर्शन
(C) वैशेषिकदर्शन (D) सांख्यदर्शन
स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 06

3. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' किस दर्शन का उद्घोष है? H-TET–2015
(A) पूर्वमीमांसा (B) उत्तरमीमांसा
(C) सांख्य (D) न्याय
स्रोत–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-06

4. मीमांसादर्शनानुसारं वेदः कीदृशः भवति - BHU AET–2010
(A) पौरुषेयः (B) अपौरुषेयः
(C) कविनिर्मितः (D) अर्थहीनः
स्रोत–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-58

5. वेदस्य अपौरुषेयतायाः परिपोषकः कः? BHU AET–2011
(A) न्यायः (B) वैशेषिकः
(C) सांख्यः (D) मीमांसा
स्रोत–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ-58

6. मीमांसादर्शनस्य सूत्रकारः कः? BHU AET–2012
(A) स्कन्दस्वामी (B) शङ्कराचार्यः
(C) लौगाक्षिभास्करः (D) जैमिनिः
स्रोत–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, भू0 पृष्ठ-10

7. 'गुरुमतम्' से मीमांसा दर्शन में जिसके मत का उल्लेख होता है वह है - BHU MET–2015
(A) प्रभाकरमिश्र (B) लौगाक्षिभास्कर
(C) कुमारिलभट्ट (D) शालिकनाथ
स्रोत–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, भू0पृष्ठ-17

8. विधि-निषेध सिद्धान्त का प्रतिपादक दर्शन है - BHU MET–2014
(A) मीमांसा (B) पुराण
(C) न्यायशास्त्र (D) सांख्यदर्शन
स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, भू0 पृष्ठ-12-16

9. (i) पूर्वमीमांसा दर्शन के प्रवर्तक हैं? BHU MET–2012
(ii) मीमांसासूत्रस्य प्रवर्तकः कः? UGC 73 D–2008, 2010
(A) स्कन्दस्वामी (B) शङ्कराचार्य
(C) लौगाक्षिभास्कर (D) जैमिनि
स्रोत–

10. पूर्वमीमांसादर्शने कति अध्यायाः सन्ति - BHU AET–2011
(A) 5 (B) 12
(C) 20 (D) 16
स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, भू. पृष्ठ- 12

11. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति जैमिनीयसूत्रे वेदाध्ययनस्य दृष्टार्थत्वं को ब्रूते? UGC 25 JL–2016
(A) 'अथ' शब्दः (B) 'अतः' शब्दः
(C) 'धर्म' शब्दः (D) 'जिज्ञासा' शब्दः
स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 06

12. (i) वेदः अस्ति? UGC 25 D–2012, GJ SET–2016
(ii) अर्थसंग्रहमते वेदभागः कतिविधः –
(iii) मीमांसकमते वेदः कतिधा भवति – BHU AET–2011
(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 20

1. (A) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (D) 6. (D) 7. (A) 8. (A) 9. (D) 10. (B) 11. (B) 12. (D)

13. दर्शपूर्णमास में अङ्गयाग होते हैं- UGC 73 D–2014

(A) पञ्च (B) षट्

(C) नव (D) चत्वारः

स्रोत–श्रौतयज्ञपरिचय – वेणीराम शर्मा गौड, पृष्ठ- 09

14. अमावस्या में प्रधानयाग होते हैं- UGC 73 D–2014

(A) चत्वारः (B) त्रयः

(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–श्रौतयज्ञपरिचय – वेणीराम शर्मा गौड, पृष्ठ- 09

15. (i) विधेः सहकारिप्रमाणानि –

(ii) प्रयोगविधेः सहकारिकारणानि भवन्ति -

UGC 25 D–2014, J–2015, BHU AET–2012

(A) पञ्च (B) षट्

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 202

16. (i) विनियोगविधौ कति प्रमाणानि गणितानि -

(ii) विनियोगविधि के सहकारिभूत प्रमाण हैं?

(iii) विनियोगविधेः सहकारिप्रमाणानि कति भवन्ति?

BHU AET–2010, UGC 73 J–2012, D–2015, HAP–2016,

(A) षट् (B) नव

(C) पञ्च (D) दश

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 90

17. (i) मीमांसा के अनुसार भावना के प्रकार हैं

(ii) अर्थसंग्रहानुसारं भावना कतिधा -

(iii) मीमांसा दर्शन के अनुसार भावना के प्रकार हैं?

(iv) अर्थसंग्रहे कतिविधा भावना स्वीकृता?

UGC 25 S–2013, BHU MET–2014, BHU AET–2011, 2012, RPSC-SET–2010, CVVET–2017

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा

(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 23

18. विनियोक्त्री श्रुति के कितने प्रकार हैं -

BHU MET–2014

(A) तीन (B) चार

(C) पाँच (D) छः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 95

19. (i) अज्ञातार्थज्ञापको वेदभागः कोऽस्ति?

(ii) अर्थसंग्रहे अज्ञातार्थज्ञापको वेदभागः इत्यनेन कस्य निरूपणं कृतम्? HAP– 2016

UGC 73 J–2015, RPSC SET–2013-14

(A) विधिः (B) संहिता

(C) अर्थवादः (D) उपनिषद्

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 60

20. (i) अर्थसंग्रहानुसारं विधिः कतिविधः?

(ii) मीमांसायां विधयः कतिविधो भवन्ति –

(iii) कतिविधः विधिः –

BHU AET–2010, 2012, T-SET–2013, HAP–2016

(A) दशविधः (B) द्वादशविधः

(C) सप्तविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 75

21. मीमांसानुसारेण कर्माणि कानि - BHU AET–2011

(A) 2 (B) 3

(C) 5 (D) 9

स्रोत– भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-290

22. प्रयोजनवदर्थविधान से अर्थवान् होता है?

UGC-73 J– 2016

(A) अर्थवादः (B) निन्दा

(C) निषेधः (D) विधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 40

23. अर्थसंग्रह के अनुसार 'अर्थवाद' के कितने भेद हैं?

UGC-73 D– 2016

(A) पञ्च (B) त्रयः

(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 357

13. (B) 14. (B) 15. (B) 16. (A) 17. (A) 18. (A) 19. (A) 20. (D) 21. (C) 22. (D) 23. (B)

24. अर्थवादस्य स्वरूपम् - GJ-SET-2003

(A) प्रशंसनम् (B) अवधारणम्

(C) मननम् (D) अनुचिन्तनम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 194

25. अर्थसंग्रहानुसारं शाब्दीभावना अपेक्षते? K-SET-2014

(A) अंशत्रयम् (B) अंशद्वयम्

(C) अंशचतुष्टयम् (D) अंशपञ्चकम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 25

26. अर्थसंग्रहानुसारं वैदिकवाक्ये व्यापारविशेषः किंनिष्ठः? RPSC SET-2013-14

(A) पुरुषनिष्ठः (B) स्मृतिनिष्ठः

(C) लिङ्गादिशब्दनिष्ठः (D) आख्यातनिष्ठः

स्रोत– अर्थसंग्रह-सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-21

27. अर्थसंग्रहे 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणे अथ पदोपार्थनं किमर्थम्? UGC-25-J-2016

(A) प्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणार्थम्

(B) भोजनादावतिव्याप्तिवारणार्थम्

(C) अनर्थफलकत्वात् श्येनादावतिव्याप्तिवारणार्थम्

(D) अनृतव्यावृत्यर्थम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 10

28. 'चित्रया यजेत पशुकाम' इत्यत्र चित्रत्वं कुत्र गृह्यते - UGC 73 Jn–2017

(A) काले (B) अग्नौ

(C) द्रव्ये (D) ब्राह्मणम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 159

29. मीमांसानुसारं किं नाम स्थानम्? UGC 73 Jn–2017

(A) क्षेत्रम् (B) उपस्थितिः

(C) अनुपस्थितिः (D) प्राङ्गणम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 127

30. समाख्या -

(A) एकविधा (B) द्विविधा

(C) त्रिविधा (D) चतुर्विधा

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 178

31. प्रधानरूप से स्वर्गादि उत्पत्ति में अवान्तर व्यापार होता है- UGC 73 J–2014

(A) यागध्वंस (B) याज्ञयानम्

(C) अपूर्वम् (D) पुरोडाश

स्रोत–(i) अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ - 15

(ii) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज - 291

32. ''वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः'' यह धर्मलक्षण है - UGC 73 D–2014, J–2015, Jn–2017

(A) कृष्णयज्वनः (B) आपदेवस्य

(C) शबरस्य (D) लौगाक्षिभास्करस्य

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 13-14

33. मीमांसादृष्ट्या व्याप्तेर्विशिष्टाः हेतवः कति? UGC 73 Jn–2017

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–

34. ''पुरुषप्रवृत्त्यनुकूलभावकव्यापारविशेषरूपा'' है - UGC 73 D–2014

(A) आर्थीभावना (B) लिङ्गान्तरभावना

(C) शाब्दीभावना (D) विभावना

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 30

35. (i) अर्थसंग्रहे प्रोक्तं धर्मलक्षणमस्ति -

(ii) मीमांसादर्शन के अनुसार धर्म का लक्षण है- UGC 25 D–1996, UP GDC–2014

(A) चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः

(B) यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससिद्धिः स धर्मः

(C) धारणाद्धर्मः इत्याहुः

(D) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 18

36. 'चोदनालक्षणोऽर्थः'' कस्य लक्षणम् ? K-SET–2015

(A) ब्रह्मणः (B) जगतः

(C) चैतन्यस्य (D) धर्मस्य

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 18

24. (A) 25. (A) 26. (C) 27. (C) 28. (C) 29. (B) 30. (B) 31. (C) 32. (D) 33. (A) 34. (C) 35. (A) 36. (D)

37. पूर्वमीमांसामते धर्मः कः? UGC 25 D–2012

(A) सदाचारः (B) यागादिः
(C) अपवर्गः (D) अभ्युदयप्राप्तिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 13

38. कीदृशो भवति प्रयोगविधिः? UGC 25 D–2012

(A) अङ्गप्रधाननिबन्धबोधकः
(B) कर्मस्वरूपमात्रबोधकः
(C) प्रयोगप्राशुभावबोधकः
(D) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधकः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 194

39. (i) ''प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः'' - जिसका लक्षण है, वह है - UGC 25 S–2013, BHU MET–2015
(ii) प्रयोगप्राशुभावबोधको भवति- BHU AET–2012

(A) उत्पत्तिविधिः (B) विशिष्टविधिः
(C) गुणविधिः (D) प्रयोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 194

40. अङ्गानां क्रमबोधको विधिः वर्तते- UGC 25 J–2013

(A) विनियोगविधिः (B) नियमविधिः
(C) परिसंख्याविधिः (D) प्रयोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 194

41. अर्थसंग्रहमनुसृत्य यागो नाम - UGC 25 S–2013

(A) देवतोद्देशेन द्रव्यत्यागः
(B) देवतोद्देशेन द्रव्यस्य प्रक्षेपः
(C) स्वस्वत्वनिवृत्तिपूर्वकं परस्वत्वापादनम्
(D) मन्त्रपठनम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 53

42. ''यागादिरेव धर्मः'' जिस ग्रन्थ में उल्लिखित है, वह है – BHU MET–2014

(A) मनुस्मृति (B) अर्थसंग्रह
(C) गौतमधर्मसूत्र (D) पराशरस्मृति

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 10

43. (i) अर्थसंग्रहानुसारं कर्मस्वरूपमात्रावबोधको विधिः?
(ii) कर्मस्वरूपमात्रबोधक कौन है? BHU MET–2009,
(iii) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः कः? 2011,
(iv) कस्तावत् कर्मस्वरूपमात्रावबोधकः –
T-SET–2014, HAP–2016, BHU AET–2012

(A) उत्पत्तिविधिः (B) विनियोगविधिः
(C) प्रयोगविधिः (D) अधिकारविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 76

44. शेषशेषिभावबोधक कौन है- BHU MET–2013

(A) उत्पत्तिविधि (B) विनियोगविधि
(C) प्रयोगविधि (D) अधिकारविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 82

45. अङ्गस्य प्रधानस्य च सम्बन्धज्ञापको विधिः कथ्यते- UP GDC–2012

(A) विनियोगविधिः (B) अधिकारविधिः
(C) उत्पत्तिविधिः (D) प्रयोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 82

46. धर्मस्यादुष्टलक्षणम् - BHU AET–2012

(A) वेदप्रतिपाद्यः धर्मः
(B) अर्थवद्धर्मः
(C) वेदप्रतिपाद्यत्वे सति प्रयोजनत्वे
(D) सति अर्थवद्धर्मः

स्रोत–अर्थसंग्रह – दयाशङ्कर शास्त्री, पृष्ठ- 06

47. उत्पत्तिविधिः क उच्यते? UGC 25 J– 2016

(A) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिः
(B) प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः
(C) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिः
(D) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 76

48. प्रयोजनवशेन क्रमनिर्णयः को भवति – UGC 73 Jn–2017

(A) पाठक्रमः (B) अर्थक्रमः
(C) नियमक्रमः (D) विधिनिर्णयः

स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 123

37. (B) 38. (C) 39. (D) 40. (D) 41. (A) 42. (B) 43. (A) 44. (B) 45. (A) 46. (C) 47. (D) 48. (B)

49. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु योग्यं विचिनुत– MH SET–2016

(क) व्रीहीनवहन्ति	1. परिसंख्याविधिः
(ख) पञ्चपञ्चनखा भक्ष्याः	2. नियमविधिः
(ग) अग्निर्हिमस्य भेषजम्	3.विशिष्टविधिः
(घ) सोमेन यजेत	4. अनुवादः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 14-15-17

50. अधस्तनेषु सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– कर्मजन्यफलस्वाम्यं नाम– MH SET–2016

(i) कर्माजन्यफलभोक्तृत्वम् (ii) कर्मजन्याफलभोक्तृत्वम्

(iii) कर्मजन्यफलभोक्तृत्वम् (iv) कर्मजन्यफलाभोक्तृत्वम्

(A) असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(B) सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

(C)असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(D) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 135

51. (i) कस्तावद्विधिः फलसाम्यबोधकः -
(ii) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधकः विधिः कः?
(iii) कर्मजन्यफलस्वाम्यं बोधयति –
BHU AET–2012, HAP–2016, UGC 73 Jn–2017

(A) अधिकारविधिः (B) प्रयोगविधिः

(C) नियमविधिः (D) विनियोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 135

52. श्रुति का लक्षण है- BHU AET–2015

(A) निरपेक्षो रवः (B) विधात्री

(C) विनियोक्त्री (D) विभक्तिरूपा

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 60

53. ''तत्र चान्यत्र च प्राप्तौ'' इति कस्य लक्षणं भवति - UGC 25 J–2015

(A) अपूर्वविधेः (B) नियमविधेः

(C) अधिकारविधेः (D) परिसंख्याविधेः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 148

54. ''विरोधे गुणवादः स्यात्'' इति लक्षणम् - UGC 25 J–2015

(A) नामधेयस्य (B) गुणविधेः

(C) अर्थवादस्य (D) मन्त्रस्य

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 198

55. 'आदित्यो यूपः' इत्यत्र किंविधोऽर्थवादः? UGC 25 J– 2016

(A) भूतार्थवादः (B) अनुवादः

(C) निषेधशेषः (D) गुणवादः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 198

56. 'अग्निर्हिमस्य भेषजम्' इत्यत्र को अर्थवादः– DU-M.Phil–2016

(A) गुणवादः (B) भूतार्थवादः

(C) विधिशेषार्थवादः (D) अनुवादः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 198

57. भावनायाः अंशत्रये साधनस्य स्वरूपं किम्? K-SET– 2015

(A) किं भावयेत् (B) केन भावयेत्

(C) कथं भावयेत् (D) किमर्थं भावयेत्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 32

58. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH-SET– 2013

(क) प्रधानविधिः	1. दध्ना जुहोति
(ख) विशिष्टविधिः	2. यजेत स्वर्गकामः
(ग) गुणविधिः	3. अग्निहोत्रं जुहुयात्
(घ) अधिकारविधिः	4. सोमेन यजेत

	क	ख	ग	घ
(A)	3	1	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 14-15

49. (B) 50. (C) 51. (A) 52. (A) 53. (D) 54. (C) 55. (D) 56. (D) 57. (B) 58. (B)

59. अर्थसंग्रहे प्रदत्तेषु प्रमाणेषु........................ न परिगणितः? GJ-SET-2016

(A) अर्थः (B) ध्यानम्
(C) स्थानम् (D) पाठः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-112

60. अर्थवादस्य त्रिषु भेदेषु कः न गण्यते – UGC 73 Jn–2017

(A) गुणवादः (B) अनुवादः
(C) भूतार्थवादः (D) अपवादः

स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 194

61. ''पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यम्'' को पूर्ण करने वाला शब्द है- UGC 25 J–2012, BHU MET–2015

(A) विधिः (B) मन्त्रः
(C) निषेधः (D) अर्थवादः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 169

62. पुराकल्पार्थवाद का उदाहरण है - UGC 73 D–2014

(A) अग्निर्वा अकामयत
(B) शोभतेऽस्य मुखं च एवं वेद
(C) तमशपदधिया धियात्वा वध्यासुः
(D) असत्रं वा एतद् यदच्छन्दोमम्

स्रोत– अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–354

63. गुणविधेः उदाहरणमस्ति? UGC 25 D–2014, S–2013

(A) सोमेन यजेत (B) राजा राजसूयेन
(C) दध्ना जुहोति (D) दर्शपूर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 42

64. परिसंख्या विधेरुदाहरणं किम् ? UGC 25 D–2012

(A) यजेत स्वर्गकामः (B) व्रीहीन् आवहन्ति
(C) दध्ना जुहोति (D) पञ्च पञ्चनखा भक्ष्याः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 15

65. (i) अर्थसंग्रहे विशिष्टविधेः उदाहरणमस्ति -
(ii) विशिष्टविधेरुदाहरणं किं विद्यते? UGC 25 J–2014, BHU AET–2010

(A) दध्ना जुहोति
(B) अग्निहोत्रं जुहुयात्स्वर्गकामः
(C) सोमेन यजेत
(D) राजा राजसूयेन स्वराज्यकामो यजेत

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 42

66. 'दध्ना जुहोति' एक विधि है, जिसे कहते हैं – BHU MET–2014

(A) उत्पत्तिविधि (B) प्रयोगविधि
(C) गुणविधि (D) विशिष्टविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 42

67. ''न कलञ्जं भक्षयेत'' - BHU MET–2014

(A) विधिवाक्य है। (B) निवर्तक वाक्य है।
(C) अर्थवाद वाक्य है। (D) सामान्य वाक्य है।

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 169

68. ''विरोधे गुणवादः स्यादनुवादोऽवधारिते।
भूतार्थवादस्तद्धानादर्थवादस्त्रिधा मतः॥''
पद्यमिदं कुत्र सोदाहरणं व्याख्यातम् ? BHU AET–2011

(A) मीमांसापरिभाषायाम् (B) न्यायप्रकाशे
(C) अर्थसंग्रहे (D) ऋग्वेदभाष्यभूमिकायाम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 198

69. अपूर्वविधेरुदाहरणं किं विद्यते ? BHU AET–2010

(A) पयसा जुहोति (B) अग्निहोत्रं जुहोति
(C) अग्निज्योतिः (D) यदग्नये च

स्रोत–अर्थसंग्रह – दयाशङ्कर शास्त्री, भू. पृष्ठ- 25

70. 'अग्निहोत्रं जुहोति' किस विधि का उदाहरण है? UGC 73 D–2015

(A) अपूर्वविधि (B) गुणविधि
(C) नियमविधि (D) परिसंख्याविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह – दयाशङ्कर शास्त्री, भू0पृष्ठ-25

71. शाब्दीभावनायाः साध्यं किम्भवति–UGC 25 Jn–2017

(A) लिङ्गादिज्ञानम् (B) अर्थवादज्ञाप्यप्राशस्त्यम्
(C) स्वर्गादिफलम् (D)आर्थीभावना

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 28

72. 'व्रीहीन् प्रोक्षति' यहाँ पर प्रोक्षण व्रीहि का अङ्ग होता है? UGC 73-J– 2016

(A) तृतीयाश्रुत्या (B) द्वितीयाश्रुत्या
(C) आख्यातश्रुत्या (D) धातुपदश्रवणेन

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-64

59. (B) 60. (D) 61. (C) 62. (A) 63. (C) 64. (D) 65. (C) 66. (C) 67. (B) 68. (C)
69. (B) 70. (A) 71. (D) 72. (B)

73. 'व्रीहीन् अवहन्ति' यहाँ पर विधि होती है? UGC 73-J–2016

(A) नियमविधि (B) अपूर्वविधि
(C) परिसंख्याविधि (D) गुणविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 144

74. समानाभिद्यानश्रुतौ 'संख्यायाः' कथं भावनाङ्गत्वम्? DU-M. phil–2016

(A) कर्मपरिच्छेदद्वारा
(B) अभिधानश्रुतिद्वारा
(C) कर्तृपरिच्छेदद्वारा
(D) संख्या भावनायाः अङ्गं न भवति

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 67

75. 'यस्य पर्णमयी जुहूर्भवति' इति विधिवाक्ये पर्णतायाः विकृतियागेऽन्वय कृते को दोषः? DU-M phil–2016

(A) वाक्यभेददोषः (B) अर्थभङ्गदोषः
(C) कल्पनागौरवदोषः (D) पुनरुक्तिदोषः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 80

76. 'सोमेन यजेत' इत्यस्य वाक्यस्य कः अर्थः? JNU-M.Phil Ph-D–2014

(A) सोमवान् यागं कुर्यात्
(B) सोमवान् यागेन इष्टं भावयेत्
(C) सोमवता यागेनेष्टं भावयेत्
(D) यागेन सोमं भावयेत्

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 42

77. 'सोमेन यजेत' इत्यत्र - BHU AET–2012

(A) अधिकारविधिः (B) विनियोगविधिः
(C) गुणविशिष्टविधिः (D) उत्पत्तिविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 42

78. 'व्रीहीनवहन्ति' उदाहरण है - BHU AET–2012

(A) परिसंख्याविधेः (B) प्रयोगविधेः
(C) नियमविधेः (D) विनियोगविधेः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू0 पृष्ठ- 15

79. ''अग्निष्टोमेन स्वर्गकामो यजेत'' अस्ति- BHU MET–2015

(A) विधिवाक्य (B) मन्त्रवाक्य
(C) प्रेरणावाक्य (D) श्रौतयागवचन

स्रोत–अर्थसंग्रह – दयाशङ्कर शास्त्री, पृष्ठ- 25

80. 'यागात् स्वर्गो भवति' इत्यत्र 'भू' धातोः कः अर्थः? UGC 25 J–2015

(A) सत्ता (B) यागः
(C) स्वर्गः (D) उत्पत्तिः

स्रोत–

81. (i) शाब्दीभावनायाः साध्यांशेकिमन्वेति?
(ii) ''शाब्दीभावना'' निरूपिता भवति - UGC 25 D–2013, MH SET–2016

(A) आख्याततत्वांशेन (B) लिङ्गत्वांशेन
(C) ज्ञापकांशेन (D) सामान्यांशेन

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 21

82. अर्थसंग्रहानुसारम् आख्यातेन किमुच्यते ? UGC 25 J–2014

(A) कर्ता (B) भावना
(C) कर्म (D) करण

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 29,69

83. न्यायप्रकाशमते भावनालक्षणं किम् ? BHU AET–2011

(A) इष्टप्राप्तिः
(B) जात्यादिविशेषणविशिष्टः
(C) भवितुर्भवनानुकूलो भावकव्यापारविशेषः
(D) तद्धर्मावच्छिन्नव्यावृत्तत्वम्

स्रोत–अर्थसंग्रह-सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-19

84. भावना इत्यस्य पारिभाषिकोऽर्थः कः ? BHU AET–2010

(A) प्रवर्तना (B) वर्जना
(C) गर्जना (D) नन्दना

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 19

73. (A) 74. (B) 75. (D) 76. (C) 77. (C) 78. (C) 79. (A) 80. (D) 81. (B) 82. (B) 83. (C) 84. (A)

85. (i) भावना तावत् - BHU AET–2010, 2012
(ii) भावनायाः कति आकांक्षाः भवन्ति ?
(A) पञ्च (B) सप्त
(C) नव (D) तिस्रः
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 25

86. भावना केन लकारेण जायते ? BHU AET–2010
(A) लिट्लकारेण (B) लट्लकारेण
(C) लिङ्लकारेण (D) लङ्लकारेण
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 16-18

87. शाब्दीभावनायां कति अंशानामपेक्षा भवति ? BHU AET–2012
(A) 3 (B) 4
(C) 8 (D) 10
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 25

88. लक्षणावृत्तेः प्रयोगः न भवति - UK SLET–2015
(A) अथातो धर्मजिज्ञासा इत्यत्र 'जिज्ञासा' पदस्य विचारे
(B) 'सोमेन यजेत' इत्यत्र सोमपदस्य व्याख्याप्रसङ्गे
(C) अर्थवादवाक्येषु प्राशस्त्यनिन्दितत्वरूपयोः अर्थयोः प्रतिपादने
(D) आर्थीभावनायाः अंशत्रयापेक्षायाम्
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 8,42,194,29

89. भावना - BHU AET–2012
(A) चतुर्विधा (B) त्रिविधा
(C) द्विविधा (D) एकविधा
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 19

90. आर्थीभावनायाः साधनाकांक्षायां कारणत्वेन किं अन्वेति– JNU-M.phil/Ph. D– 2014
(A) स्वर्गः (B) यागादिः
(C) प्रयाजादिः (D) लिङ्गादिः
स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 38

91. शाब्दीभावना तावत् - BHU AET–2012
(A) अर्थनिष्ठा (B) शब्दनिष्ठा
(C) साध्यनिष्ठा (D) साधननिष्ठा
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-21

92. शाब्दीभावना को स्वीकारते हैं - UGC 73 J–1998
(A) सांख्य (B) न्याय
(C) मीमांसा (D) चार्वाक
स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ-25

93. शाब्दीभावना भवति– DU-Ph.D– 2016, DU M. Phil–2016
(A) पुरुषप्रवृत्यवच्छिन्नप्रत्ययवाच्या
(B) आख्यातत्वावच्छिन्नप्रत्ययवाच्या
(C) लिङ्त्वावच्छिन्नप्रत्ययवाच्या
(D) धात्वर्थच्छिन्नप्रत्ययवाच्या
स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ- 27

94. 'रामः पठति' इत्यस्मिन् वाक्ये भावना अस्ति– JNU M.Phil/Ph.D–2015
(A) राम (B) सु
(C) पठ् (D) ति
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -46

95. 'भवितुर्भवनानुकूलोभावयितुर्व्यापारविशेषः' किं भवति - UGC 73 J–2015
(A) विनियोगः (B) भावना
(C) प्रयोगः (D) विधिः
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -25

96. अर्थसंग्रहानुसारं 'शाब्दीभावना' इत्यनेन कः अभिप्रायः? UGC-25 D– 2015
(A) अपौरुषेयवाक्यम्
(B) समभिव्यवहारः
(C) पुरुषप्रवृत्यनुकूलोभावयितुर्व्यापारविशेषः
(D) प्रयोजनेच्छाजनितक्रियाविषयव्यापारः
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -27

97. अर्थवादस्य लक्षणं किम् ? UGC 25 J–2014
(A) स्तुतिनिन्दान्यतरपरं वाक्यम् ।
(B) समभिव्यवहारो वाक्यम्
(C) अपौरुषेयं वाक्यम्
(D) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधकं वाक्यम् ।
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -190

85. (D) 86. (C) 87. (A) 88. (D) 89. (C) 90. (B) 91. (B) 92. (C) 93. (C) 94. (D) 95. (B) 96. (C) 97. (A)

98. अर्थवाद का साक्षात् सम्बन्ध किससे है ? BHU MET–2009, 2013
(A) मन्त्र (B) विधि
(C) भाष्य (D) भाषाविज्ञान
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -192

99. अर्थवादस्य विधिना सह वर्तते - BHU AET–2012
(A) पार्थक्यम् (B) विधेयता
(C) एकवाक्यता (D) बहुवाक्यता
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ 193

100. अर्थवादो विधिम् - BHU AET–2012
(A) निन्दति (B) स्तौति
(C) विश्लेषयति (D) A+B दोनों
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ 192

101. परिसंख्याविधेः दोषाः के ? UGC 25 D–2013
(A) श्रुतहानिः, अश्रुतप्रकल्पनम्, प्राप्तबाधः।
(B) श्रुतहानिः, प्राप्तबाधः, वाक्यभेदः
(C) अप्रामाण्यस्वीकारः, प्रामाण्यपरित्यागः
(D) वचनबलाद् विकल्पः, एकार्थत्वाद् विकल्पः।
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -149

102. (i) परिसंख्यायाः कुत्र तात्पर्यम् ?
(ii) परिसंख्याविधि का क्या प्रयोजन है ?
BHU MET–2009, 2011, 2013, BHU AET–2012
(A) निषेध (B) निन्दा
(C) प्रशंसा (D) संशय
स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-148

103. परिसंख्याविधिः कियद्दोषदुष्टः ? BHU AET–2011
(A) 3 (B) 5
(C) 8 (D) 11
स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ -151

104. विनियोगविधेः किं प्रयोजनम् ? BHU AET–2010
(A) योगासनम् (B) विमानम्
(C) नामकरणम् (D) अङ्गप्रधानसम्बन्धविधानम्
स्रोत– अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -61

105. विनियोगविधेरन्तिमं प्रमाणं किम्? BHU AET–2010
(A) लिङ्गम् (B) समाख्या
(C) वाक्यम् (D) श्रुतिः
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ-64

106. विनियोगविधिः भवति - UGC 73 J–2015
(A) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिः
(B) प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः
(C) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः
(D) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिः
स्रोत– अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ-61

107. 'सविकल्पकं प्रत्यक्षं न भवति' यहाँ सौगतमीमांसकों में भेद है - UGC 73 D–2014
(A) नास्ति (B) अस्ति
(C) प्रमाणसत्त्वात् (D) प्रमाणाभावात्
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–84

108. मीमांसकों के अनुसार किससे प्रामाण्य ग्रहण होता है? UGC 25 D–1996
(A) अनुव्यवसाय से (B) विषयता से
(C) संवित्ति से (D) ज्ञातता से
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री,पृष्ठ-160

109. तत्प्रख्यन्यायः कुत्र उपयुज्यते - UGC 25 S–2013
(A) निषेधनिर्णये (B) नियमविधिनिर्णये
(C) नामधेयनिर्णये (D) अर्थवादनिर्णये
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -157

110. हविर्यागेषु प्रकृतियागः - BHU AET–2012
(A) सौर्यः (B) चयनः
(C) श्येनयागः (D) पौर्णमासः
स्रोत–श्रौतयज्ञ परिचय - वेणीराम शर्मा गौड, पृष्ठ-10

111. मीमांसानुसारं कः विधिः न भवति ? BHU AET–2012
(A) उत्पत्तिविधिः (B) समग्रविधिः
(C) विनियोगविधिः (D) प्रयोगविधिः
स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ - 56

98. (B) 99. (C) 100. (D) 101. (A) 102. (A) 103. (A) 104. (D) 105. (B) 106. (A) 107. (D)
108. (D) 109. (C) 110. (D) 111. (B)

112. 'तस्य व्रतम् इत्युपक्रमो विकल्पप्रशक्तिश्च' इत्येतद् वाक्यं प्रस्तौति - UK SLET–2015

(A) वाक्यभेदस्य दोषद्वयम्

(B) अर्थवादवाक्यानां भेदद्वयम्

(C) नञर्थेन प्रत्ययार्थान्वये बाधकद्वयम्

(D) मुख्यक्रमस्य अंशद्वयम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -174

113. केन युक्तेन इन्द्रियाणि अर्थसंग्रहसमर्थानि भवन्ति? C-TET–2014

(A) शरीरेण (B) वाचा

(C) कर्मणा (D) मनसा

स्रोत–

114. वेदस्तावत् - BHU AET–2012

(A) पौरुषेयः (B) अपौरुषेयः

(C) सर्वज्ञकृतः (D) ईश्वरकृतः

स्रोत–अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पृष्ठ -47

115. इष्टप्राप्ति तथा अनिष्ट परिहार का साधन वेद है- H-TET–2014

(A) अलौकिक उपाय (B) लौकिक उपाय

(C) पूर्वोक्त दोनों सही (D) पूर्वोक्त दोनों गलत

स्रोत–अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, भू0पृष्ठ-14

116. इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोः यः ग्रन्थः वेदयति सः - AWES TGT–2009

(A) वेदः (B) भृगुसंहिता

(C) मनुस्मृतिः (D) वेदाङ्गज्योतिषम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, भू0पृष्ठ-14

117. निम्नलिखित में से मीमांसको ने विधि स्वीकार नहीं की है- UGC 73 J–2015

(A) उत्पत्तिविधि (B) विनियोगविधि

(C) प्रयोगविधि (D) उपयोगविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, पृष्ठ-48

118. उचितमुत्तरं चिनुत - UGC 73 J–2015

स्थापना (क) अपौरुषेयं वाक्यं वेदः

तर्क (ख) स च पञ्चविधः

(A) (क) - इति सत्यं कथनमस्ति।
(ख) इति असत्यं कथनमस्ति।

(B) (क) इति असत्यं कथनमस्ति।
(ख) इति सत्यं कथनमस्ति।

(C) क, ख - इति उभे सत्ये स्तः।

(D) क, ख - इति उभे असत्ये स्तः।

स्रोत–अर्थसंग्रह - दयाशङ्कर शास्त्री, पृष्ठ-23

119. अर्थसंग्रहानुसारं विधिश्चतुर्विधः– उत्पत्तिविधिः, विनियोगविधिः, अधिकारविधिः ...च। UGC 25-D– 2015

(A) नियमविधिः (B) प्रयोगविधिः

(C) यज्ञविधिः (D) परिसंख्याविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-49

120. 'वैश्वदेवेन यजेत' इत्यत्र अग्निहोत्रशब्दस्य नामधेयत्वापादको हेतुरस्ति– DU-Ph. D– 2016

(A) मत्वर्थलक्षणाभयम् (B) वाक्यभेदभयम्

(C) तद्-व्यपदेशः (D) तत्प्रख्यशास्त्रम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ -166

121. ''सा च त्रिविधा–विधात्री अभिधात्री विनियोक्त्री च'' इत्यत्र 'सा' का? UGC 25-D– 2015

(A) वैदिकी समाख्या (B) श्रुतिः

(C) लौकिकी समाख्या (D) शब्दशक्तिः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-60

122. 'अग्निहोत्रं जुहोति' अत्र 'अग्निहोत्र' शब्दस्य कर्मनामधेयत्वं कस्मान्निमित्तात् UGC 25-J– 2016

(A) तत्प्रख्यशास्त्रात् (B) मत्वर्थलक्षणाभयात्

(C) वाक्यभेदात् (D) तद्व्यपदेशात्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-159

112. (C) 113. (D) 114. (B) 115. (A) 116. (A) 117. (D) 118. (C) 119. (B) 120. (D) 121. (B) 122. (A)

123. क्रिया का विनियोजक होता है? UGC 73-J– 2016

(A) मन्त्रः (B) प्रमाणम्

(C) प्रकरणम् (D) वाक्यम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-92

124. अङ्गाङ्गिभावबोधक कौन है? BHU MET– 2016

(A) उत्पत्तिविधि

(B) विनियोगविधि

(C) अधिकारविधि

(D) प्रयोगविधि

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-54

125. नित्यसन्ध्योपासनादौ पुरुषविशेषणत्वेन श्रूयते– DU M-Phil– 2016

(A) शुचिविहितकालजीवित्वम् (B) फलकामना

(C) निमित्तानिश्चयः (D) कोऽपि न

स्रोत–

126. 'अर्थसंग्रहे वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणे 'वेदप्रतिपाद्यः' इति पदं किमर्थं गृहीतम्? UGC 25 Jn–2017

(A) द्यूतक्रीडादावतिव्याप्तिवारणाय

(B) स्वर्गादिप्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणाय

(C) श्येनयागादावतिव्याप्तिवारणाय

(D) भोजनादावतिव्याप्तिवारणाय

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ-10

123. (C) **124.** (B) **125.** (A) **126.** (D)

07 चार्वाक/बौद्ध/जैन एवं अन्य दर्शन

1. (i) आस्तिकदर्शनानां संख्या - BHU B.Ed–2012, 2014, 2015,
(ii) आस्तिक दर्शन कितने हैं ?
(iii) अस्तिकदर्शनानि........ सन्ति। DSSSB TGT–2014,
(iv) आस्तिकदर्शनानि कति? UK SLET–2015
(v) आस्तिकदर्शनानां संख्या वर्तते –
(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) चत्वारि

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

2. आस्तिक भारतीय दर्शन का लक्ष्य है- UGC 73 D–2005
(A) भुक्ति (B) मुक्ति
(C) व्यवहृति (D) संसृति

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-03

3. आस्तिक दर्शन है- UGC 73 D–2007, 2012
(A) चार्वाक दर्शन (B) जैन दर्शन
(C) बौद्ध दर्शन (D) वेदान्त दर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

4. वैदिक दर्शन है- UGC 73 J–2014
(A) न्याय (B) जैन
(C) चार्वाक (D) बौद्ध

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

5. कौन-सा दर्शन वैदिक दर्शन नहीं है - BHU AET–2011
(A) बौद्ध दर्शन (B) मीमांसा दर्शन
(C) वैशेषिक दर्शन (D) वेदान्त दर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

6. कौन-सा दर्शन वैदिक है- BHU AET–2011
(A) चार्वाक दर्शन (B) जैन दर्शन
(C) बौद्ध दर्शन (D) मीमांसा दर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

7. भारतीय आस्तिक दर्शन है- UGC 73 S–2013
(A) त्रयोदश (B) चतुर्दश
(C) द्वादश (D) षट्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

8. बृहस्पति किस दर्शन के आचार्य हैं - BHU MET–2008
(A) वैदिक दर्शन के (B) लोकायत के
(C) वेदान्त के (D) सांख्य के

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-80

9. चार्वाक दर्शन का आचार्य कौन है? BHU MET–2016
(A) चारुदत्त (B) बृहस्पति
(C) कुमारिल (D) चान्द्रायण

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-80

10. लोकायत किसको कहा गया है? BHU MET–2016
(A) मीमांसा (B) चार्वाक
(C) बौद्ध (D) जैन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-80

11. कौन-सा दर्शन वेद को प्रमाण नहीं मानता - BHU MET–2010
(A) चार्वाकदर्शन (B) सांख्यदर्शन
(C) वेदान्तदर्शन (D) न्यायदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-80

12. (i) 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' यह उक्ति किससे सम्बन्धित है -
(ii) 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' इति कस्य सिद्धान्तोऽस्ति– BHU MET–2010, UGC 73 S–2013
(A) जैन (B) बौद्ध
(C) वेदान्त (D) चार्वाक

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-95

1. (A) 2. (B) 3. (D) 4. (A) 5. (A) 6. (D) 7. (D) 8. (B) 9. (B) 10. (B) 11. (A) 12. (D)

13. 'यावज्जीवेत् सुखं जीवेदृणं कृत्वा घृतं पिबेत्' किस दर्शन का मूलाधार है? H TET–2015

(A) जैन (B) बौद्ध

(C) चार्वाक (D) मीमांसा

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-94,95

14. चार्वाक मत में यह एक प्रमाण है - UGC 73 J–2006 D–2013

(A) अनुमान (B) प्रत्यक्ष

(C) उपमान (D) अर्थापत्ति

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81

15. एकमेव प्रमाणं स्वीकरोति ? BHU AET–2012

(A) न्यायः (B) योगः

(C) वेदान्तः (D) चार्वाकः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81

16. ईश्वरः नाङ्गीकृतः कुत्र ? BHU AET–2012, UGC 73 J–2012

(A) न्याये (B) वेदान्ते

(C) चार्वाकदर्शने (D) योगे

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-90

17. अनुभूति ही प्रमाण है - किसका मत है? UGC 73 J–2008

(A) चार्वाकमतम् (B) बौद्धमतम्

(C) अद्वैतमतम् (D) द्वैतमतम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81

18. (i) प्रत्यक्षमात्रप्रमाणवादिनः के –

(ii) केवल प्रत्यक्ष को प्रमाण मानने वाले कौन हैं? UGC 73 D–2008, 2013, BHU Sh. ET–2013

(iii) प्रत्यक्षमेवैकं प्रमाणम्-

(iv) प्रत्यक्षप्रमाणम् एव एकशरणाः के -

(A) सांख्याः (B) चार्वाकाः (लोकायतिकाः)

(C) बौद्धाः (D) जैनाः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81

19. भूतचैतन्यवाद के पुरस्कर्ता हैं- UGC 73 J–2009 D–2013

(A) मीमांसकाः (B) जैनाः

(C) नैयायिकाः (D) चार्वाकाः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-85,86

20. पृथिवी, आपः, तेजः वायुश्चेतीमानि चत्वारि एव तत्त्वानि स्वीकरोति– DU- Mphil–2016

(A) लोकायतमतम् (B)आर्हतमतम्

(C) वैभाषिकबौद्धमतम् (D) काणादमतम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-86

21. 'त्रयो वेदस्य कर्त्तारो भाण्डधूर्तनिशाचराः' इयमुक्तिर्भवति- UGC 73 D–2009

(A) नैयायिकानाम् (B) मीमांसकानाम्

(C) चार्वाकाणाम् (D) वैशेषिकाणाम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–21

22. न्यायदर्शनस्य मूलम् – CVVET–2017

(A)गौतमप्रणीतं न्यायसूत्रम् (B) न्यायकुसुमाञ्जलिः

(C) न्यायलीलावती (D) न्यायभाष्यम्

स्रोत- तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज भू018

23. वैशेषिकदर्शनस्य नामान्तरं किम्? CVVET–2017

(A) श्रमणदर्शनम् (B) शाङ्करदर्शनम्

(C) सौन्दर्यदर्शनम् (D) औलूक्यदर्शनम्

स्रोत- तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज भू017

24. चार्वाकों का दर्शन है- UGC 73 J–2011

(A) आस्तिकम् (B) नास्तिकम्

(C) आत्मवादी (D) शून्यवादी

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-06

25. निम्नलिखित में नास्तिक है - UGC 73 D–2012, BHU AET–2011

(A) न्यायदर्शनम् (B) सांख्यदर्शनम्

(C) मीमांसादर्शनम् (D) लोकायतदर्शनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-80

13. (C) 14. (B) 15. (D) 16. (C) 17. (A) 18. (B) 19. (D) 20. (A) 21. (C) 22. (A) 23. (D) 24. (B) 25. (D)

26. देहात्मवाद कौन मानता है- UGC 73 D–1998
(A) बौद्ध (B) जैन
(C) चार्वाक (D) नैयायिक
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-88

27. (i) अनुमान को प्रमाण नहीं मानता है -
(ii) अनुमानप्रमाणं नास्तीतिवादिनः सन्ति?
UGC 73 D–1999, J–2014
(A) बौद्ध (B) चार्वाक
(C) जैन (D) शङ्कर
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-82

28. नास्तिकशिरोमणिः कः- BHU AET–2011, 2012
(A) बौद्धः (B) जैनः
(C) चार्वाकः (D)गाणपत्यः
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-07

29. 'राजा भवतीश्वरः' यह मत है - UGC 73 D–2014
(A) चार्वाकस्य (B) पुराणस्य
(C) जैनस्य (D) अर्थशास्त्रस्य
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज–08

30. ''भूतेभ्यः चैतन्यमुपजायते'' ऐसा कहते हैं-
UGC 73 D–2014
(A) जैनाः (B) बौद्धाः
(C) चार्वाकाः (D) सांख्याः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-09

31. चार्वाकमते प्रमाणम् - BHU AET–2012
(A) त्रिविधम् (B) द्विविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) एकविधम्
स्रोत–(i) भारतीय दर्शन-उमेश मिश्र, पेज-87
(ii) भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81

32. 'मरणमेव मोक्षः' इति वदन्ति - UGC 73 J–2013
(A) बौद्धाः (B) चार्वाकाः
(C) जैनाः (D) वैयाकरणाः
स्रोत–भारतीय दर्शन-उमेश मिश्र, पेज-86

33. पृथिव्यादि चार को ही भूत मानते हैं -
UGC 73 S–2013
(A) चार्वाकाः (B) वैशेषिकाः
(C) बौद्धाः (D) पौराणिकाः
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-86

34. स्वर्ग एवं ईश्वरादि को नहीं मानते हैं -
UGC 73 S–2013
(A) पौराणिकाः (B) वैशेषिकाः
(C) चार्वाकाः (D) मीमांसकाः
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-85

35. चार्वाक-संशयवादों में साम्य है- UGC 73 J–2014
(A) अतीतविषयनिषेधे (B) अनागतविषयनिषेधे
(C) अतीतानागतविषयनिषेधे (D) अनुमानप्रामाण्ये
स्रोत–चार्वाक दर्शन - आनन्द झा, पेज–70

36. (i) अपोह रूपमीति स्वीकुर्वन्ति?
(ii) 'अपोह' को शब्दार्थ मानने वाले मतवादी हैं -
(iii) अपोहसिद्धिवादिनः सन्ति?
(iv) 'संकेतग्रहे अपोहः शब्दार्थ' इति मतमस्ति?
UP GIC–2009, UP GDC–2012
UGC 73 J –2013, 2014
(A) मीमांसक (B) बौद्ध
(C) नैयायिक (D) वेदान्ती
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-51,52

37. बौद्धमते चित्तचैत्तात्मकः स्कन्धः कतिविधः?
K SET– 2013
(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः
(C) पञ्चविधः (D) द्विविधः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-75

38. बौद्धदर्शनस्य मान्यसिद्धान्तोऽस्ति - UP GDC–2012
(A) स्याद्वादः (B) प्रतीत्यसमुत्पादवादः
(C) मायावादः (D) आत्मवादः
स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-110

26. (C) 27. (B) 28. (C) 29. (A) 30. (C) 31. (D) 32. (B) 33. (A) 34. (C) 35. (C)
36. (B) 37. (C) 38. (B)

39. किस दर्शन के सिद्धान्त चार आर्य सत्य पर आधारित हैं? UGC-09-D–2010

(A) सांख्य (B) वेदान्त
(C) बौद्धमत (D) जैनमत

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-107

40. 'हीनयान' किससे सम्बद्ध है - BHU MET–2008, 2009, 2011, 2012, 2013

(A) बौद्धदर्शन (B) वेदान्त
(C) न्याय (D) चार्वाक

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-136

41. दिङ्नाग किस दर्शन के प्रतिष्ठापक हैं - BHU MET–2010

(A) वैशेषिक (B) बौद्धन्याय
(C) अद्वैत (D) सांख्य

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-129

42. 'त्रिपिटक' किससे सम्बद्ध है - BHU MET–2010

(A) जैनदर्शन (B) बौद्धदर्शन
(C) चार्वाकदर्शन (D) योगदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-105

43. (i) योगाचार किस दर्शन का भेद है?
(ii) योगाचारः सिद्धान्तोऽयं वर्तते?
BHU MET–2010, UGC 73 Jn-2017

(A) जैन (B) चार्वाक
(C) बौद्ध (D) न्याय

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-129

44. (i) शून्यवाद किस दर्शन से सम्बद्ध है?
(ii) शून्यवादी कौन हैं -
(iii) शून्यवादक्षणभङ्गवादौ...........दर्शने भवतः?
(iv) शून्यवादसिद्धान्तः कुत्र वर्तते?
(v) शून्यवादमङ्गीकुर्वन्ति- UGC 73 J–2005, 2012 D–2007, 2011, S–2013, BHU Sh.ET–2013, BHU MET–2016

(A) सांख्य (B) बौद्ध
(C) जैन (D) नैयायिक

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-126

45. 'सर्वं शून्यम्' इति केन बौद्धसम्प्रदायेन स्वीकृतम्? UGC-25-D–2015

(A) माध्यमिकेन (B) सौत्रान्तिकेन
(C) योगाचारेण (D) वैभाषिकेन

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर 'ऋषि', पेज-54

46. क्षणभङ्गवाद का सिद्धान्त है - UGC 73 J–2005, 2006, 2012

(A) जैनदर्शन (B) बौद्धदर्शन
(C) न्यायदर्शन (D) वैशेषिकदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-121

47. बुद्धितत्त्व का विमर्श है - UGC 73 D–2005

(A) जैन दर्शन (B) बौद्ध दर्शन
(C) चार्वाक दर्शन (D) आगम

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज- 61

48. (i) नागार्जुन प्रवर्तक हैं - UGC 73 J–2007, 2012
(ii) नागार्जुनः कस्य प्रवर्तकोऽस्ति –

(A) शून्यवाद (B) स्याद्वाद
(C) अद्वैतवाद (D) द्वैतवाद

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-126,127

49. अधोलिखितेषु बौद्धदर्शनाभिमतमार्यसत्यं नास्ति- UGC 73 Jn–2017

(A) दुःखम् (B) स्वीकरणम्
(C) समुदयः (D) मार्गः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-108,110,117

50. 'आत्मदीपो भव' का दर्शन किसने दिया– H-TET–2015

(A) बुद्ध ने (B) कपिल ने
(C) विवेकानन्द ने (D) इन सभी ने

स्रोत–भारतीय दर्शन -हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-125

51. अवैदिक दर्शनों में से एक है- UGC 73 D–2008

(A) क्षणिकवादः (B) विवर्तवादः
(C) परिणामवादः (D) सत्कार्यवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-121

39. (C)	40. (A)	41. (B)	42. (B)	43. (C)	44. (B)	45. (A)	46. (B)	47. (B)	48. (A)
49. (B)	50. (A)	51. (A)							

52. बौद्धमत के अनुसार प्रत्यक्ष का विषय है- UGC 73 J–2009

(A) सामान्यलक्षणम् (B) स्वलक्षणम्

(C) नाम (D) जातिः

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-91

53. 'विज्ञान सन्तान आत्मा' यह मत है- UGC 73 D–2009

(A) मीमांसकानाम् (B) अद्वैतवेदान्तिनाम्

(C) नैयायिकानाम् (D) बौद्धानाम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-103

54. ''द्वादशायतनानि'' का किसने निरूपण किया है- UGC 73 D–2010

(A) सांख्यैः (B) जैमिनीयैः

(C) पाशुपतैः (D) बौद्धैः

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-112-113

55. बौद्धदर्शन में सम्प्रदाय हैं - UGC 73 J–2013

(A) षट् (B) त्रयः

(C) चत्वारः (D) पञ्च

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-125

56. घटादिकं सर्वं विज्ञानरूपमिति स्वीकुर्वन्ति - UGC 73 J–2013

(A) जैनाः (B) वैशेषिकाः

(C) वेदान्तिनाः (D) बौद्धाः

स्रोत–वेदान्तसार -सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-134

57. सर्वास्तिवादी वर्तते– DU-M.phil–2016

(A) शून्यवादी (B) विज्ञानवादी

(C) वैभाषिक (D) सौत्रान्तिक

स्रोत– (i) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-134

(ii) भारतीय दर्शन - श्रीकान्त पाण्डेय, पेज–137

58. पुञ्ज से पुञ्ज की उत्पत्ति मानते हैं-UGC 73 J–2013

(A) चार्वाकाः (B) बौद्धाः

(C) जैनाः (D) वैशेषिकाः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-134

59. अधोलिखितेषु केन सह कस्य सम्बन्धः उचितां तालिकां चिनुत - UGC 73 Jn–2017

क- सर्वं शून्यम् 1. योगाचारबौद्धाः

ख- बाह्यार्थशून्यत्वम् 2. वैभाषिकबौद्धाः

ग- बाह्यार्थानुमेयत्वम् 3. माध्यमिकबौद्धाः

घ- बाह्यार्थप्रत्यक्षम् 4. सौत्रान्तिकबौद्धाः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	1	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	1	3	4	2
(D)	4	1	2	3

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-125-126

60. वैभाषिक कहलाते हैं - UGC 73 D–2013

(A) बौद्धाः (B) सांख्याः

(C) मीमांसकाः (D) जैनाः

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा , पेज-126,134

61. शून्यवादिनः इन्द्रियप्रत्यक्षं जगत् मन्यन्ते - UGC 73 D–2013

(A) सत्यमिति (B) नसत्यमिति

(C) सत्यासत्योभयमिति (D) अनिर्वचनीयमिति

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-127

62. 'यत्र यदध्यासस्तस्यैव विपरीतधर्मत्वकल्पनामाचक्षतेः' इति मतम् – UGC 73 D–2013

(A) अख्यातिवादिनाम् (B) शून्यवादिनाम्

(C) आत्मख्यातिवादिनाम् (D) अन्यथाख्यातिवादिनाम्

स्रोत– ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज–7,9

63. दो प्रमाण स्वीकार करते हैं - UGC 73 S–2013

(A) पूर्वमीमांसकाः (B) बौद्धाः

(C) योगिनः (D) जैनाः

स्रोत–भारतीय दर्शन - श्रीकान्त पाण्डेय, पेज– 157

64. 'आलय विज्ञान' को स्वीकार करते हैं - UGC 73 S–2013

(A) वेदान्तिनः (B) बौद्धाः

(C) लौकिकाः (D) पाश्चात्यविज्ञानिनः

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद, सिन्हा पेज-130

52. (B) 53. (D) 54. (D) 55. (C) 56. (D) 57. (C) 58. (B) 59. (A) 60. (A) 61. (D) 62. (B) 63. (B) 64. (B)

65. हीनयान- महायान में वैषम्य है - UGC 73 J–2014

(A) भगवद्विषये (B) जीवस्वरूपविषये

(C) जगद्विषये (D) मोक्षविषये

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-141

66. प्रमाणप्रमेयादिव्यवहारस्यापारमार्थिक स्वीकार करते हैं- UGC 73 J–2014

(A) शून्यवादिनः (B) अद्वैतिनः

(C) क्षणभङ्गवादिनः (D) विज्ञानवादिनः

स्रोत–

67. बौद्धदर्शन में आयतन हैं - UGC 73 J–2014, BHU AET–2011

(A) 12 (B) 13

(C) 15 (D) 18

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-112-113

68. बौद्धदर्शनप्रमाणमीमांसायाः प्रत्यक्षभेदाः सन्ति– JNU MET–2015

(A) निर्विकल्पकः सविकल्पकश्च

(B) प्रत्यक्षं परोक्षं च

(C) इन्द्रियमानसस्वसंवेदनयोगिप्रत्यक्षाणि

(D) प्रत्यक्षं परोक्षमपरोक्षं च

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-156-157

69. नागार्जुनः कस्य दर्शनस्य आचार्यः? BHU Sh.ET–2013

(A) जैनदर्शनस्य (B) बौद्धदर्शनस्य

(C) वैष्णवदर्शनस्य (D) वेदान्तदर्शनस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-126

70. एषु किं दर्शनं प्राकृतभाषायां लिखितम् - BHU Sh.ET–2008

(A) बौद्धम् (B) चार्वाक

(C) जैनम् (D) शैवम्

स्रोत–भारतीयदर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज– 144

71. अधस्तनेषु पर्यायेषु समीचीनं विचिनुत–बाह्यायार्थशून्यत्वं के प्रतिपादयन्ति? MH-SET–2013

(A) योगाचाराः (B) माध्यमिकाः

(C) सौत्रान्तिकाः (D) वैभाषिकाः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-32

72. अधस्तनेषु विरूपं विचिनुत– MH-SET–2013

(A) रत्नत्रयम् (B) स्याद्वादः

(C) चेतनालक्षणो जीवः (D) भावनाचतुष्टयम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-148,154,159

73. 'नैरात्मवाद' मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) बौद्ध (B) जैन

(C) नैयायिक (D) मीमांसक

स्रोत–भारतीयदर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-55

74. विज्ञानवाद को मानते हैं-UGC 73 J–1998 D–1999

(A) वेदान्तिनः (B) मीमांसकाः

(C) योगाचाराः (D) बौद्धाः

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-90, 91

75. जगत् को सत्य मानता है- UGC 73 J–1999

(A) शून्यवाद (B) अद्वैतवाद

(C) विज्ञानवाद (D) विशिष्टाद्वैतवाद

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज– 322, 323

76. बौद्धदर्शने कारणकार्यसिद्धान्तस्य का संज्ञाऽस्ति- UP GDC–2014

(A) सत्कार्यवादः (B) असत्कार्यवादः

(C) प्रतीत्यसमुत्पादवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज-79

77. महासांघिकादि बौद्धपरिषद् की शाखायें हैं - UGC 73 D–2013

(A) नव (B) द्वादश

(C) तिस्रः (D) चत्वारि

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज–145

78. शब्दप्रमाण को स्वीकार नहीं करते हैं - UGC 73 D–2014

(A) बौद्धाः (B) गौतमीयाः

(C) सांख्याः (D) पौराणिकाः

स्रोत–सर्वदर्शन संग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-88

79. बौद्धदर्शन के अन्तर्गत माध्यमिक दर्शन के प्रतिपादक थे? UP TGT- S.S–2001

(A) नागार्जुन (B) अश्वघोष

(C) उपगुप्त (D) धर्मकीर्ति

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-70

65. (D)	66. (A)	67. (A)	68. (C)	69. (B)	70. (C)	71. (A)	72. (D)	73. (A)	74. (C)
75. (D)	76. (C)	77. (A)	78. (A)	79. (A)					

80. कस्य मतेन निर्विकल्पकमेव प्रत्यक्षं भवति ?
JNU MET–2014

(A) जैनदर्शनम् (B) न्यायः
(C) सांख्यः (D) बौद्धमतम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-84,85

81. बौद्धदर्शनस्य प्रसिद्धः सिद्धान्तः अस्ति -
JNU MET–2014

(A) प्रतीत्यसमुत्पादः (B) विवर्तवादः
(C) बिम्बप्रतिबिम्बवादः (D) आभासवादः

स्रोत–बौद्धदर्शन-मीमांसा - बलदेव उपाध्याय, पेज- 60

82. बुद्ध के उपदेशों की भाषा थी - BHU AET–2011

(A) मागधी या पाली (B) संस्कृत
(C) बौद्ध संस्कृत (D) अर्धमागधी प्राकृत

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-105

83. बौद्धों के मुख्य दार्शनिक प्रस्थानों की संख्या है-
BHU AET–2011

(A) चार (B) पाँच
(C) तीन (D) दो

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 32

84. (i) शून्यतासिद्धान्त के मुख्य प्रतिष्ठापक आचार्य हैं-
(ii) शून्यवादस्य प्रवर्तकः - BHU AET–2011,
(iii) शून्यवादस्य प्रवर्तकः कः अस्ति?
(iv) शून्यवादस्य प्रवक्ता कः अस्ति?
CVVET-2015, UGC 73 D–2004, 2009

(A) नागार्जुनः (B) वसुबन्धुः
(C) असङ्गः (D) नागसेनः

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-126

85. नागार्जुन जगत् को मानते हैं - BHU AET–2011

(A) निःस्वभाववाद और शून्य
(B) शाश्वत और सस्वभाव
(C) उच्छेद और असत्स्वभाव
(D) नित्य और अनुत्पन्न

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-126, 127

86. बौद्धमत के प्रमाण का मान्य लक्षण है-
BHU AET–2011

(A) प्रमाकरणं प्रमाणम् (B) अविसंवादिज्ञानं प्रमाणम्
(C) अनुमितिकरणं प्रमाणम् (D) अज्ञातार्थज्ञापकं प्रमाणम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-120

87. कार्यकारणसिद्धान्तः बौद्धदर्शने कथ्यते?
DU M.phil– 2016

(A) प्रतीत्यसमुत्पादः (B) द्वादशनिदानम्
(C) मध्यमप्रतिपदा (D) उक्ताः सर्वे विकल्पाः समीचीनाः

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज– 49-50

88. (i) बौद्धदर्शनेन कति प्रमाणानि स्वीकृतानि?
(ii) बौद्ध आचार्य प्रमाणों की संख्या मानते हैं -
BHU AET–2011, JNU MET–2015

(A) छः (B) पाँच
(C) चार (D) दो

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-88

89. वसुबन्धु की कृति है - BHU AET–2011

(A) विंशतिका (B) महायान
(C) मध्यान्तविभंग (D) पञ्चभूमि

स्रोत–भारतीय दर्शन-उमेश मिश्र, पेज-164

90. बौद्धदर्शने भावनाचतुष्टये किं नोपदिष्टम्?
UGC-25-JL– 2016

(A) सर्वं क्षणिकं क्षणिकम् (B) स्वलक्षणं स्वलक्षणम्
(C) सामान्यं सामान्यम् (D) शून्यं शून्यम्

स्रोत–सर्वदर्शन संग्रह - उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज-31

91. बौद्ध निकायों की संख्या है - BHU AET–2011

(A) 28 (B) 18
(C) 05 (D) 14

स्रोत–भारतीय दर्शन-उमेश मिश्र, पेज-143

92. स्कन्धों की संख्या है - BHU AET–2011

(A) तीन (B) चार
(C) छः (D) पाँच

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज-152

80. (D) 81. (A) 82. (A) 83. (A) 84. (A) 85. (A) 86. (B) 87. (D) 88. (D) 89. (A) 90. (C) 91. (C) 92. (D)

93. बुद्ध के अनुसार दुःखों का मुख्य कारण है- BHU AET–2011

(A) भव (B) जाति
(C) तृष्णा (D) अविद्या

स्रोत–(i) भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-53, 54
(ii) भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज–107

94. निर्विकल्पकं ज्ञानमिति - BHU AET–2012

(A) बौद्धाः (B) तार्किकाः
(C) सांख्याः (D) शाब्दिकाः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-85

95. क्षणिकविज्ञानवादी तावत् - BHU AET–2012

(A) वैभाषिकः (B) माध्यमिकः
(C) योगाचारः (D) सौत्रान्तिकः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-121,130-131

96. भगवान् बुद्ध किस धर्म के संस्थापक हैं - BHU AET–2010, 2011

(A) जैनधर्म (B) बौद्धधर्म
(C) यहूदीधर्म (D) साँईधर्म

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-104-105

97. 'बुद्धिरात्मा' से सम्बन्धित है ? BHU MET–2015

(A) चार्वाक (B) बौद्ध
(C) वेदान्त (D) मीमांसा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–103

98. बौद्धदर्शनस्य कियन्तो भेदाः सन्ति? GJ SET–2013

(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) चत्वारः (D) सप्त

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-125

99. सौत्रान्तिकसम्प्रदायः सम्बद्ध अस्ति - UP GIC–2015

(A) बौद्धदर्शनेन (B) जैनदर्शनेन
(C) चार्वाकदर्शनेन (D) योगदर्शनेन

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज-149

100. एषा बौद्धस्य शाखा नास्ति - AWES TGT–2010

(A) धर्मयान (B) हीनयान
(C) महायान (D) कोऽपि युक्तो न वर्तते

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-138

101. क्षणिकविज्ञानवादिनः के - BHU AET–2011

(A) बौद्धाः (B) जैनाः
(C) नैयायिकाः (D) मीमांसकाः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-121

102. जैनदर्शन के अनुसार आत्मा का परिमाण होता है- UP GDC–2012

(A) अणु (B) परममहत्
(C) मध्यमम् (D) ह्रस्व

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज– 97

103. (i) सप्तभङ्गीनय किसमें है-BHU MET–2010, 2016
(ii) सप्तभङ्गीनय किससे सम्बद्ध है?
(iii) सप्तभङ्गीनय को कौन मानते हैं?
(iv) सप्तभङ्गीन्यायः कैः अङ्गीकृतः?
UGC 73 J–1999, K-SET–2013, CVVET–2015

(A) बौद्धदर्शन (B) जैनदर्शन
(C) सांख्यदर्शन (D) न्यायदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-149

104. नास्तिकदर्शन है-BHU MET–2010, UGC 73 D–2005

(A) जैनदर्शन (B) योगदर्शन
(C) न्यायदर्शन (D) वेदान्तदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

105. (i) जैनदर्शनस्य मूलप्रवर्तकः - BHU MET–2010
(ii) जैनदर्शन के प्रणेता हैं- AWES-TGT–2010, 2011

(A) ऋषभदेव (महावीर स्वामी)
(B) पतञ्जलि
(C) जैमिनि
(D) बुद्ध

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

106. 'नवतत्त्वानि तन्मते' किसका मत है ? UGC 73 J–2010

(A) बौद्धमते (B) जैनमते
(C) सांख्यमते (D) जैमिनिमते

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-162

93. (D) 94. (A) 95. (C) 96. (B) 97. (B) 98. (C) 99. (A) 100. (A) 101. (A) 102. (C) 103. (B) 104. (A) 105. (A) 106. (B)

107. 'तीन रत्न' द्वारा मुक्ति होती है, किस धर्म के अनुसार– UGC 09-J– 2009

(A) बौद्धधर्म (B) जैनधर्म
(C) न्याय (D) सांख्य

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-159

108. अधस्तनेषु पर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– जैनमतेन आर्हत्स्वरूपं किम्? MH SET– 2013

(A) सर्वज्ञो जितरागादिदोषः त्रैलोक्यपूजितः
(B) भुवनानामुपादानं कर्ता जीवनियामकः
(C) स्वतन्त्रो भवान् निर्दोषोऽशेषसद्गुणः
(D) सर्वज्ञः सर्वकर्तृत्वात् साधनाङ्गफलैः सह यो यज्जानाति कुरुते सः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज-103

109. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET– 2013

(क) स वा एष पुरुषोऽन्नरसमयः 1. अपरचार्वाकः
(ख) आत्मा वै जायते पुत्रः 2. अतिप्राकृतः
(ग) अन्योऽन्तर आत्ममनोमयः 3.चार्वाकः
(घ) ब्रूयुः ते ह प्राणः प्रजापतिं पितरमेत्यब्रूयुः 4. अन्यचार्वाकः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	2	4
(B)	1	4	3	2
(C)	3	2	4	1
(D)	4	1	2	3

स्रोत–वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, पेज–216

110. (i) 'स्याद्वादः' कस्य दर्शनस्य सिद्धान्तोऽस्ति ?
(ii) स्याद्वादस्य प्रतिपादनं कृतम् - BHU MET–2011,
(iii) 'स्याद्वाद' सिद्धान्त है - 2012,
(iv) स्याद्वाद .... का अभिमत है?
(v) स्याद्वादम् अङ्गीकुर्वन्ति?
UGC 73 J–1991, 2005, 2011, 2012 D–1999, 2006, UP GIC–2012, UP GDC–2014

(A) बौद्धदर्शन (B) चार्वाकदर्शन
(C) जैनदर्शन (D) माध्वदर्शन

स्रोत–जैनदर्शनसार – नरेन्द्र कुमार शर्मा, पेज-(xvii)

111. जैन और बौद्धों में समानतत्त्व होता है- UGC 73 D–2012

(A) जगन्मिथ्यात्वम् (B) ईश्वरास्तित्वाभावः
(C) प्रत्यक्षप्रामाण्यम् (D) सत्तात्रैविध्यम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

112. अनेकान्तवाद दर्शन का सिद्धान्त है - UGC 73 J–1998, 2014

(A) जैन (B) बौद्ध
(C) चार्वाक (D) सांख्य

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-146

113. जैन में अस्तिकाय की संख्या है - UGC 73 D–1994

(A) चार (B) पाँच
(C) तीन (D) दो

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-39

114. जैनदर्शनं कं सिद्धान्तं न मन्यते– UGC-25-J– 2016

(A) कर्मवासनासिद्धान्तम्
(B) कर्मफलस्य क्रमजन्यतासिद्धान्तम्
(C) कर्मफलनाशसिद्धान्तम्
(D) आत्मनो नित्यतासिद्धान्तम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-152

115. (i) 'प्रतीत्यसमुत्पाद' के समर्थक हैं -
(ii) प्रतीत्यसमुत्पादवादः अनेन दर्शनशास्त्रेण सम्बद्धः– UGC 73 D–1994, CVVET–2015

(A) जैन (B) बौद्ध
(C) चार्वाक (D) मीमांसक

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-111

116. सप्तभङ्गीनय में 'स्यात्' शब्द द्योतक होता है- UGC 73 D–2014

(A) सादृश्यस्य (B) विरोधस्य
(C) भेदस्य (D) अनेकान्तस्य

स्रोत–जैनदर्शनसार - नरेन्द्र कुमार शर्मा, पेज–265

117. जैनों का रामायण कहलाता है - BHU AET–2011

(A) पद्मपुराण (B) आदिपुराण
(C) उत्तरपुराण (D) हरिवंशपुराण

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–235

107. (B) 108. (A) 109. (C) 110. (C) 111. (B) 112. (A) 113. (B) 114. (C) 115. (B) 116. (D) 117. (A)

118. जैनदर्शन का दूसरा नाम है- BHU AET–2011

(A) श्रमणदर्शन (B) सुगतदर्शन
(C) सांख्यदर्शन (D) औलूक्यदर्शन

स्रोत– भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज–13

119. जैनों का एक सम्प्रदाय है - BHU AET–2011

(A) पीताम्बर (B) दिगम्बर
(C) राधास्वामी (D) माध्यमिक

स्रोत– भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज – 99

120. जैनदर्शनानुसारं द्रव्येषु क्रियाशीलतां सञ्चारयति– DU-M.phil–2016

(A) स्कन्धः (B) कालः
(C) धर्मः (D) अधर्मः

स्रोत– (i) जैनदर्शनसार - नरेन्द्र कुमार शर्मा, पेज–xiv
(ii) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–70

121. जैनों का एक ग्रन्थ है - BHU AET–2011

(A) षट्खण्डागम (B) बाइबिल
(C) कुरान (D) श्रीमद्भागवत

स्रोत– भारतीय दर्शन - नन्दकिशोर देवराज, पेज– 107

122. दिगम्बर आगमग्रन्थों की मुख्य भाषा है - BHU AET–2011

(A) मागधी (B) अर्धमागधी
(C) शौरसेनी (D) महाराष्ट्री

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र–कपिलदेव द्विवेदी, पेज-438

123. णमोकार मन्त्र में किसको नमस्कार किया गया है - BHU AET–2011

(A) गणेशजी (B) शिव जी
(C) पञ्चपरमेष्ठी (D) भरतचक्रवर्ती

स्रोत– गूगल सर्च

124. महावीर भगवान् का प्रथम उपदेश हुआ - BHU AET–2011

(A) कैलाशपर्वत पर (B) राजगृह में
(C) वाराणसी में (D) सम्मेदशिखर

स्रोत– गूगल सर्च

125. कौन-सा द्रव्य अस्तिकाय नहीं है- BHU AET–2011

(A) कालद्रव्य (B) जीवद्रव्य
(C) आकाशद्रव्य (D) धर्मद्रव्य

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-154

126. जैनदर्शनानुसारं 'सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चरित्राणि................'। UGC 25 D–2015

(A) जीवः (B) मोक्षमार्गः
(C) मनः पर्यायः (D) मोक्षः

स्रोत–भारतीय दर्शन-जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-233

127. भगवान् महावीर की माता का नाम है- BHU AET–2011

(A) मरुदेवी (B) त्रिशलादेवी
(C) वामादेवी (D) इन्द्राणी

स्रोत–भारतीय दर्शन-शोभा निगम, पेज-77

128. 'दृष्टवदानुश्रविकः' इत्यत्र आनुश्रविकपदस्यार्थः..... GJ-SET–2016

(A) पौराणिकः (B) नास्तिकः
(C) वैदिकः (D) बौद्धः

स्रोत–सांख्यकारिका- राकेश शास्त्री, पेज-5

129. भगवान् महावीर की निर्वाण भूमि है- BHU AET–2011

(A) पावापुरी (B) सम्मेदशिखर
(C) कैलाश पर्वत (D) गिरनार

स्रोत–भारतीय दर्शन-शोभा निगम, पेज-79

130. जैन आगमों की मूलभाषा है - BHU AET–2011

(A) पालि (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) अपभ्रंश

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-144

131. (i) जैनदर्शन में कितने तीर्थंकर हुये–
(ii) वर्धमानमहावीरः जैनतीर्थङ्करेषु कतमः– CVVET-2015 UGC 09 J–2008

(A) अष्टादशः (B) त्रयोदशः
(C) षोडशः (D) चतुर्विंशः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

118. (A) 119. (B) 120. (C) 121. (A) 122. (B) 123. (B) 124. (B) 125. (A) 126. (B) 127. (B) 128. (C) 129. (A) 130. (B) 131. (D)

132. पाँच व्रतों में नाम नहीं आता - BHU AET–2011

(A) अहिंसा (B) अपरिग्रह

(C) ब्रह्मचर्य (D) क्षमा

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-99

133. भङ्गीन्यायो जैनमतेन कतिविधम्? GJ-SET–2013

(A) पञ्चविधः (B) सप्तविधः

(C) अष्टविधः (D) नवविधः

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-34

134. जैनदर्शन के अनुसार जीव है - BHU AET–2011

(A) आकाश प्रमाण (B) अणु प्रमाण

(C) लोक प्रमाण (D) देह प्रमाण

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज-97

135. जैनदर्शने द्रव्यस्य भेदानां संख्या अस्ति- UP GIC–2015

(A) 9 (B) 5

(C) 7 (D) 3

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–67-69

136. 'अर्हत्' इत्यस्य प्रतिपादकं दर्शनमस्ति - UP GIC–2012

(A) चार्वाकदर्शनम् (B) बौद्धदर्शनम्

(C) जैनदर्शनम् (D) वेदान्तदर्शनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-29

137. 'अनुत्तम' का क्या अर्थ है ? BHU MET–2013

(A) जो अच्छा नहीं है

(B) उत्तमता का अभाव

(C) जिससे उत्कृष्ट कोई और न हो

(D) व्यर्थ

स्रोत– शिशुपालवध (1/27)-तारिणीश झा, पेज– 60

138. कालानवच्छिन्न प्रणववाच्य होता है - UGC 73 D–2014

(A) धर्मः (B) वेदः

(C) ईश्वरः (D) प्रकृतिः

पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.26,27)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-92,93

139. विपर्यय है - UGC 73 J–2008

(A) पदार्थविशेषः (B) रसविशेषः

(C) अभावविशेषः (D) अयथार्थविशेषः

स्रोत–तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-14

140. ''औलूक्यदर्शनम्' इति संज्ञया प्रसिद्धं दर्शनमस्ति - UP GDC–2012

(A) सांख्यदर्शनम् (B) योगदर्शनम्

(C) वैशेषिकदर्शनम् (D) मीमांसादर्शनम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-336

141. (i) वैशेषिक सूत्रों के रचयिता कौन हैं -
(ii) वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं? BHU MET–2008, 2016

(A) गौतम (B) कणाद

(C) पतञ्जलि (D) बादरायण

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-203

142. (i) अधस्तनेषु पर्यायेषु समीचीनं विचिनुत –
(ii) चतुर्णां बौद्धानामेषामुक्तिः प्रकीर्तिता। MH SET–2013

(A) दुःखोच्छेदसम्भवा

(B) रागादिज्ञानसन्तानवासनोच्छेदसम्भवा

(C) कर्मबन्धनसरूपा

(D) अज्ञानोच्छेदसम्भवा

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज– 89

143. परमाणुसिद्धान्तः कस्मिन् दर्शने प्रतिपाद्यते– KL SET–2014

(A) मीमांसायाम् (B) न्याये

(C) वैशेषिके (D) द्वैते

स्रोत– भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज– 197

144. नैयायिकमते मोक्षः नाम कः? KL SET–2015

(A) आत्यन्तिकदुःखध्वंसः

(B) स्वकर्तव्यत्वप्रकारकबोधानुकूलो व्यापारः

(C) शब्दप्रकृतिरपभ्रंशः

(D) ज्ञानविषयताऽवच्छेदकत्वमेवेष्टसाधनत्वम्

स्रोत–(i) भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज– 187
(ii) तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज– 532

132. (D) 133. (B) 134. (D) 135. (C) 136. (C) 137. (C) 138. (C) 139. (D) 140. (C) 141. (B) 142. (B) 143. (C) 144. (A)

145. नैयायिकमतानुसारेण 'चैत्रः पचति' इति वाक्यस्य कीदृशः शाब्दबोधः? RPSC SET–2015

(A) विक्लित्यप्रतिकूलव्यापारानुकूल
(B) विक्लित्यनुकूलव्यापारानुकूल
(C) क्रियान्तराऽऽकाङ्क्षोत्यपकताऽवच्छेक
(D) प्रत्ययार्थसमानाधिकरण

स्रोत–कारिकावली - लोकमणि दाहाल, पेज–81-83

146. स्पर्शी पदार्थ है- BHU Sh.ET–2011

(A) जल (B) अग्नि
(C) आकाश (D) वायु

स्रोत–भारतीय दर्शन -उमेश मिश्र, पेज-230

147. पीलुपाकवादिनः के ? BHU AET–2011, UGC 25 D–2007

(A) नैयायिकाः (B) वैशेषिकाः
(C) वेदान्तिनः (D) मीमांसकाः

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-238

148. कौन यह मानते हैं कि वेदान्त वाक्य निरर्थक हैं ? क्योंकि वे कोई क्रिया नहीं करते -UGC 73 J–2008

(A) सुरेश्वरः (B) श्रीहर्षः
(C) जैमिनिः (D) कणादः

स्रोत–

149. परमाणुसिद्धान्तस्य प्रवर्तकः दर्शनकारोऽस्ति - UGC 73 D–2013

(A) बृहस्पतिः (B) कपिलः
(C) जैमिनिः (D) कणादः

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-223,224

150. किं नाम प्रमेयम् ? BHU AET–2012

(A) प्रमायाः विषयः (B) प्रमाता
(C) प्रमायाः करणम् (D) विशेषणम्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–175

151. नव्यन्याय के प्रवर्त्तक हैं - UGC 73 D–1996,2012

(A) उदयनः (B) गङ्गेशः
(C) वाचस्पतिः (D) गौतमः

स्रोत–(i) तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज भू0- 24
(ii) भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-174

152. ''अनुमान प्रमाण के द्वारा ईश्वर की सिद्धि होती है''- यह मत है - UGC 73 D–2012

(A) बौद्धानाम् (B) जैनानाम्
(C) चार्वाकाणाम् (D) नैयायिकानाम्

स्रोत–न्यायदर्शन (वात्स्यायन भाष्य) ढुण्ढिराजशास्त्री, पेज-478

153. ''आख्यातार्थ कृति है'' इसे कहते हैं- UGC 73 J–2013

(A) शाब्दिकाः (B) न्यायनयज्ञाः
(C) पूर्वमीमांसकाः (D) वेदान्तिनः

स्रोत–षट् दर्शनम् - नन्दलाल दशोरा, पेज– 265

154. ईश्वरात्मनि सुखं नास्ति - UGC 73 J–2013

(A) धर्माभावात् (B) सामग्र्याभावात्
(C) रूपाभावात् (D) मनः संयोगात्

स्रोत–

155. 'व्यवहारादपि शक्तिग्रहो भवति' इति स्वीकुर्वन्ति - UGC 73 J–2013

(A) पूर्वमीमांसकाः (B) नैयायिकाः
(C) वेदान्तिनः (D) सांख्याः

स्रोत–साहित्यदर्पण – राजेन्द्र मिश्र, पेज-149

156. 'अनुमान प्रमाणगम्य ईश्वर' यह मानते हैं- UGC 73 D–2013

(A) न्यायनयज्ञाः (B) प्रत्यक्षप्रमाणवादिनः
(C) कर्मकाण्डिनः (D) तान्त्रिकाः

स्रोत–न्यायदर्शन (वात्स्यायनभाष्य)-ढुण्ढिराज शास्त्री, पेज–278

157. तम को द्रव्य नहीं मानते हैं - UGC 73 –2013

(A) पूर्वमीमांसकाः (B) वेदान्तिनः
(C) नैयायिकाः (D) योगिनः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज– 195

158. 'वेदः पौरुषेयः' ऐसा कहते हैं - UGC 73 S–2013

(A) वेदान्तिनः (B) नैयायिकाः
(C) मीमांसकाः (D) पौराणिकाः

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास-बलदेव उपाध्याय, भू. पेज–59

145. (B) 146. (D) 147. (B) 148. (C) 149. (D) 150. (A) 151. (B) 152. (D) 153. (C) 154. (A) 155. (B) 156. (A) 157. (C) 158. (D)

159. वेद को पौरुषेयत्व कौन मानता है? BHU AET–2010

(A) वेदान्तिनः (B) मीमांसकाः
(C) चार्वाकाः (D) नैयायिकाः

स्रोत– (i) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज– 10
(ii) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - बलदेव उपाध्याय, भू. पेज–59

160. 'प्रामाण्यमनुव्यवसायेन गृह्यते' इति कस्य मतम् - UGC 25 J–2007

(A) नैयायिकस्य (B) वेदान्तिनः
(C) प्रभाकरमीमांसकस्य (D) मुरारिमिश्रस्य

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज - 168-170

161. ज्ञानस्य प्रत्यक्षत्वं को न स्वीकरोति-UGC 25 J–2011

(A) नैयायिकः (B) प्रभाकरमीमांसकः
(C) भाट्टमीमांसकः (D) मुरारिमिश्रः

स्रोत– तर्कभाषा, श्री निवास शास्त्री, पेज-170

162. न्यायमते पदार्थत्वं किमस्ति - UGC 25 J–2011

(A) जातिः (B) अखण्डोपाधिः
(C) सखण्डोपाधिः (D) पदार्थान्तरम्

स्रोत–तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-04

163. संसर्गमर्यादावाद को मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) गदाधर (B) रघुनाथ
(C) जयदेव (D) मथुरानाथ

स्रोत–

164. संसर्गानवगाहि ज्ञान है- UGC 73 D–2014

(A) अज्ञानम् (B) निर्विकल्पकम्
(C) सविकल्पकम् (D) शाब्दबोधः

स्रोत–तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 67,68

165. असत्कार्यवादस्य अभिप्रायः अस्ति- JNU MET–2014

(A) कार्यं सत् कारणे (B) कार्यम् असत् कारणे
(C) असत् कार्यम् (D) असत् कारणम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-191

166. न्यायदर्शने स्वीकृतः प्रमुखसिद्धान्तः कः? GJ SET–2013

(A) सत्कार्यवादः (B) असत्कार्यवादः
(C) देहात्मवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-191,192

167. न्यायदर्शने अध्यायाः कति ? BHU AET–2010

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) त्रयः

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-179

168. न्यायदर्शनस्य प्रथमं सूत्रं किम् - BHU AET–2010

(A) दुःखजन्म......... (B) प्रमाणप्रमेय ....
(C) स द्विविध .... (D) आप्तवाक्यम् ....

स्रोत– (i) सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 385
(ii) तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-03

169. निम्नाङ्कित में से कौन दार्शनिक ईश्वर को अलौकिक रूप में स्वीकार करते हैं? UGC-73-D– 2015

(A) चार्वाक (B) बौद्ध/जैन
(C) सांख्य/मीमांसक (D) न्याय/वैशेषिक

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-192-195-196

170. प्रामाण्य - अप्रामाण्यं कस्य दर्शनस्य विषयः? AWES TGT–2010

(A) सांख्यदर्शनस्य (B) न्यायदर्शनस्य
(C) योगदर्शनस्य (D) वेदान्तदर्शनस्य

स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवासशास्त्री, पेज-169

171. कुमारिलभट्ट इनमें से क्या थे - UP GIC–2009, BHU MET–2000

(A) व्यञ्जनावादी (B) सांख्यमतानुयायी
(C) मीमांसक (D) नैयायिक

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-191

172. (i) 'अथातो धर्मजिज्ञासा' किस दर्शन का सूत्र है?
(ii) 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति सूत्रं कुत्र अस्ति-
(iii) 'अथातो धर्मजिज्ञासा' किसका सूत्र है?
BHU MET–2008, 2013, UGC 73 D–2006

(A) उत्तरमीमांसा का (B) न्यायदर्शन का
(C) पूर्वमीमांसा का (D) जैनदर्शन का

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-191

173. प्रभाकर थे एक- BHU MET–2014

(A) नैयायिक (B) मीमांसक
(C) जैनदार्शनिक (D) वेदान्ती

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-192

159. (C) 160. (A) 161. (A) 162. (A) 163. (A) 164. (B) 165. (C) 166. (B) 167. (B) 168. (B) 169. (D) 170. (B) 171. (C) 172. (C) 173. (B)

174. मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्द है–BHU MET–2014

(A) अनित्य (B) नित्य

(C) क्षणिक (D) विकार

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-198

175. अधस्तनेषु पर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इति सूत्रं कस्य प्रहरणाय निर्मितमिति शङ्कराचार्यमतम्– MH SET–2013

(A) अविद्याहेतोः (B) मायाहेतोः

(C) अनर्थहेतोः (D) जगद्हेतोः

स्रोत–

176. अधस्तनवाक्यानां सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(A) शङ्कराचार्यैः अथशब्दः मङ्गलार्थः प्रतिपादितः

(B) शङ्कराचार्यैः अथशब्दः अधिकारार्थः स्वीकृतः

(C) शङ्कराचार्यैः अथशब्दः आनन्तर्यार्थः दत्तः

(D) शङ्कराचार्यैः अथशब्दः प्रश्नार्थः अङ्गीकृतः

(A) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(C) सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(D) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-हनुमानदास जी षट्शास्त्री, पेज–20

177. अधोलिखितेषु किं अवैदिकदर्शनं न? K SET–2014

(A) जैनम् (B) बौद्धम्

(C) चार्वाकम् (D) पूर्वमीमांसा

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-191

178. पूर्वमीमांसाशास्त्रं वर्तते - BHU AET–2012

(A) ज्ञानकाण्डप्रधानम् (B) कर्मकाण्डप्रधानम्

(C) कामशास्त्रम् (D) धर्मशास्त्रम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-240

179. मीमांसासूत्रकार हैं- UGC 73 J–2005

(A) व्यास (B) गौतम

(C) जैमिनि (D) कपिल

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-241

180. श्रुतिप्रमाणस्य प्राथम्यं प्रतिपादितम् अस्ति - UGC 73 D–2004

(A) वैशेषिकदर्शन (B) जैनदर्शन

(C) मीमांसादर्शन (D) न्यायदर्शन

स्रोत– भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–191

181. (i) अभिहितान्वयवादिनः के?

(ii) अभिहितान्वयवाद के प्रवर्तक हैं?

(iii) अभिहितान्वयवादः कस्य अभिमतः -

BHU AET–2011, UGC 73 D–1992, 1997, 2009

(A) वेदान्तिनः (B) नैयायिकाः

(C) प्राभाकराः (D) भाट्टाः

स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-212

182. 'द्वादशी' यह किसका दूसरा नाम है ? UGC 73 J–2008

(A) गौतमनयस्य (B) पातञ्जलिनयस्य

(C) बादरायणनयस्य (D) जैमिनिनयस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-241

183. जैमिनिसूत्र में कितने अध्याय हैं - UGC 73 2008

(A) द्वादश (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) अष्टादश

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र,पेज-241

184. (i) मीमांसादर्शन में अध्याय हैं -

(ii) मीमांसादर्शने कति अध्यायाः सन्ति?

UGC 73 D–1992 J–2009

(A) दश (B) चत्वारः

(C) द्वादश (D) पञ्च

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज 241

185. (i) अन्विताभिधानवाद के पुरस्कर्ता हैं -

(ii) अन्विताभिधानवाद के प्रवर्तक हैं?

(iii) अन्विताभिधानवाद कौन मानता है?

UGC 73 D–1992, 1999, J–2009

(A) कुमारिलभट्टः (B) गौतमः

(C) मुरारिमिश्रः (D) प्रभाकरः

स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-212

174. (B) 175. (C) 176. (A) 177. (D) 178. (B) 179. (C) 180. (C) 181. (D) 182. (D) 183. (A) 184. (C) 185. (D)

186. (i) अभाव पदार्थ स्वीकार नहीं करते -
(ii) अभाव को अतिरिक्त पदार्थ नहीं मानते -
UGC 73 J–1998, 2011

(A) भाट्टाः (B) प्राचीननैयायिकाः
(C) नव्यनैयायिकाः (D) प्राभाकराः

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-209

187. (i) प्रभाकारों के अनुसार प्रमाण हैं-
(ii) प्रभाकर के मत में प्रमाण हैं?
UGC 73 J–1991 D–2011

(A) द्वे (B) त्रीणि
(C) चत्वारि (D) पञ्च

स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-210

188. (i) मीमांसा में लिङ्ग होता है-
(ii) मीमांसायां लिङ्गं भवति - UGC 73 J–2012

(A) चतुर्विधम् (B) द्विविधम्
(C) षड्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–अर्थसंग्रह- सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-76

189. ज्योतिष्टोम में पशुयाग होते हैं- UGC 73 J–2012

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) चत्वारः (D) त्रयः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज- 121

190. पूर्वमीमांसा में भावना है - UGC 73 D–2012

(A) संस्कारविशेषः (B) व्यापारविशेषः
(C) चिन्ताविशेषः (D) प्रतिज्ञाविशेषः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-19

191. ''पूजितविचारो मीमांसाशब्दः'' इति वचनं भवति -
UGC 73 D–2013

(A) वाचस्पतिमिश्रस्य (B) सायणाचार्यस्य
(C) नीलकण्ठभट्टस्य (D) माधवाचार्यस्य

स्रोत–

192. वेदों का प्रामाण्य स्वतः एव सिद्ध है -
UGC 73 S–2013

(A) अनवस्थानात् (B) आनन्त्यात्
(C) बुद्धिदोषाभावात् (D) प्रत्यभिज्ञाविरोधात्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-675

193. ''वेदेन प्रयोजनमुदिश्य विधीयमानोऽर्थः धर्मः'' यह धर्म लक्षण है - UGC 73 J–2014

(A) जैमिनिन्यायभाष्ये (B) अर्थसंग्रहे
(C) मीमांसान्यायप्रकाशे (D) कणादमते

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (नवम खण्ड) पेज-419

194. जैमिनि .... के आचार्य हैं ? BHU MET–2011

(A) पूर्वमीमांसा (B) न्याय
(C) वेदान्त (D) जैनदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पेज- 240-241

195. ज्ञाततापदार्थः केन स्वीकृतः - UGC 25 J–2011

(A) नैयायिकेन (B) वैशेषिकेण
(C) भट्टमीमांसकेन (D) प्रभाकरमीमांसकेन

स्रोत–(1) भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-286
(2) तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री, पेज-162

196. कः जीवनमुक्तिं न स्वीकरोति - UGC 25 J–2011

(A) नैयायिकः (B) मीमांसकः
(C) सांख्यः (D) अद्वैतवेदान्ती

स्रोत– भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-219

197. (i) सादृश्य को स्वतन्त्र पदार्थ मानते हैं -
(ii) सादृश्य को अतिरिक्त पदार्थ मानते हैं?
UGC 25 J–1995, UGC 73 D–1994, 1996
1992, J–1998, 1999

(A) प्रभाकरमीमांसा (B) भट्टमीमांसा
(C) वेदान्त (D) न्यायवैशेषिक

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-287

198. कुमारिलभट्ट के अनुसार धर्म है-UGC 73 J–1991

(A) पूजा (B) शास्त्रविहित कर्म
(C) यज्ञ (D) भक्ति

स्रोत–भारतीय दर्शन-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-289

199. कुमारिल मत में प्रामाण्य ग्राहक प्रमाण है -
UGC 73 J–1991

(A) प्रत्यक्ष (B) अनुमान
(C) शब्द (D) अर्थापत्ति

स्रोत–तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-131

186. (D) 187. (D) 188. (B) 189. (D) 190. (B) 191. (A) 192. (A) 193. (C) 194. (A) 195. (C)
196. (B) 197. (A) 198. (B) 199. (B)

200. (i) भाट्टमत में प्रमाणों की संख्या कितनी है?
(ii) भाट्टमते प्रमाणानि तावत्– UGC 73 D–1992
BHU AET–2012

(A) छः (B) आठ
(C) पाँच (D) सात

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-210

201. 'अभाव' को प्रमाण स्वीकार करते हैं-

(A) प्रभाकर (B) भाट्टमत
(C) वेदान्ती (D) नैयायिक

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-210

202. ''स्वतः प्रामाण्यवाद'' स्वीकारते हैं-UGC 73 D–1994

(A) मीमांसक (B) पौराणिक
(C) वेदान्ती (D) नैयायिक

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-208

203. किस 'प्रामाण्यवाद' को माध्व मानते हैं -
UGC 73 D–1994

(A) स्वतः (B) परतः
(C) दोनों (D) कोई नहीं

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-321

204. भाट्टमीमांसकाः वदन्ति - UK SLET–2015

(A) 'वेदाः ईश्वरकृताः' इति
(B) 'तमः पदार्थः नास्ति'
(C) वस्तुनः प्रत्यक्षे कृते सति 'ज्ञातता' उत्पद्यते
(D) अभावः इन्द्रियगोचरः भवति ।

स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज– 161-162

205. शक्ति को अतिरिक्त पदार्थ मानते हैं -
UGC 73 D–1996

(A) भाट्ट (B) प्रभाकर
(C) माध्व (D) शङ्कर

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-209

206. 'त्रिपुटी प्रत्यक्ष' को कौन मानता है -
UGC 73 D–1996

(A) कमलाकर (B) प्रभाकर
(C) माध्व (D) जयतीर्थ

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-212

207. प्रभाकर कौन ख्याति मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) अख्याति (B) ख्याति
(C) सत्ख्याति (D) असत्ख्याति

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-209

208. ज्ञान को अनुमेय मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) मीमांसक (B) वेदान्ती
(C) नैयायिक (D) वैयाकरण

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-201

209. अन्धकार को द्रव्य मानते हैं - UGC 73 D–1997

(A) प्रभाकर मीमांसक (B) नैयायिक
(C) भाट्ट मीमांसक (D) वेदान्ती

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज-246

210. 'कुमारिल भट्ट' मानते हैं - UGC 73 J–1999

(A) असत्ख्याति (B) विपरीतख्याति
(C) अन्यथाख्याति (D) अनिर्वचनीयख्याति

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-204

211. तम को अतिरिक्त पदार्थ मानते हैं-UGC 73 D–1999

(A) माध्व (B) प्रभाकर
(C) बौद्ध (D) भाट्ट

स्रोत–तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-170

212. उत्पादव्ययध्रौव्यात्मक होता है? UGC 73 D–2013

(A) वस्तुतत्वम् (B) द्रव्यम्
(C) जीवः (D) धर्मः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 93

213. स्वतः प्रामाण्यं प्रामाण्याचेति - BHU AET–2012

(A) सांख्याः (B) नैयायिकाः
(C) बौद्धाः (D) मीमांसकाः

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज- 208

214. प्रामाण्यं मीमांसादृष्ट्या - BHU AET–2012

(A) परतः (B) स्वतः
(C) उभयात्मकम् (D) अनुभयात्मकम्

स्रोत– (i) भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-208
(ii) भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-193

200. (A) 201. (B) 202. (A) 203. (A) 204. (C) 205. (B) 206. (B) 207. (A) 208. (A) 209. (C)
210. (B) 211. (D) 212. (A) 213. (D) 214. (B)

215. भाट्टमीमांसादर्शने कियन्तः गुणाः सन्ति– JNU M.phil/Ph.D– 2014

(A) एकोनविंशतिः (B) एकविंशतिः
(C) चतुर्विंशतिः (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत– भारतीय दर्शन - नन्द किशोर देवराज, पेज– 470

216. बौद्धाः..............भावनया परमपुरुषार्थं साधयन्ति? GJ SET– 2016

(A) द्विविधया (B) त्रिविधया
(C) चतुर्विधया (D) पञ्चविधया

स्रोत– सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज– 31

217. जैनमते जीवः.............. GJ SET– 2016

(A) अबोधात्मकः (B) बोधात्मकः
(C) संबोधात्मकः (D) निर्बोधात्मकः

स्रोत– जैनदर्शनसार - नरेन्द्र कुमार शर्मा, पेज– 17

218. मीमांसासूत्रमिति ग्रन्थे नवमाध्यायस्य विषयः कः? JNU Mphil/Ph.D– 2014

(A) सामान्यातिदेशः (B) बाधः
(C) विशेषातिदेशः (D) ऊहः

स्रोत– अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज– 05

219. ब्रह्म और जीव का भेद है - UGC 73 J–2005

(A) अद्वैतवेदान्त (B) माध्ववेदान्त
(C) चार्वाकदर्शन (D) बौद्धदर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-321

220. अनिर्वचनीयख्याति स्वीकृत है - UGC 73 J–2005, 2011

(A) नैयायिक (B) सांख्य
(C) माध्ववेदान्त (D) वैशेषिक

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज- 240

221. (i) माध्वाचार्यस्य मतमस्ति -
(ii) मध्वाचार्य किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं - BHU AET–2010, 2012, UGC (H) J–2007, UGC 73 Jn -2017

(A) विशिष्टाद्वैतम् (B) द्वैतम्
(C) अद्वैतम् (D) द्वैताद्वैतम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पेज - 426

222. माध्वमते वेदान्तानां कुत्र तात्पर्यम्? UGC 73 D–2008

(A) अद्वितीये ब्रह्मणि (B) सप्रपञ्चे ब्रह्मणि
(C) सोपाधिके ब्रह्मणि (D) श्रीमन्नारायणस्य सर्वोत्तमत्वे

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-253

223. (i) माध्ववेदान्त के अनुसार जीव और परमात्मा का सम्बन्ध क्या है- UGC 73 D–2008

(A) सेव्यसेवकभावः (B) शेषशेषिभावः
(C) शरीरशरीरिभावः (D) जन्यजनकभावः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-223-24

224. (i) मध्वाचार्येणमते जीवब्रह्मणोः
(ii) 'द्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणोः किं प्राप्यते? UGC 73 D–1994, J–2010

(A) अभेदः (B) भेदः
(C) भेदाभेदः (D) अभावः

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-321

225. मध्वाचार्य के मत में आगमों का है - UGC 73 J–2009

(A) आनर्थक्यम् (B) नानार्थत्वम्
(C) अपौरुषेयत्वम् (D) अच्छेद्यत्वम्

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-321

226. (i) मध्वाचार्य के मत में नारायण हैं -
(ii) मध्वाचार्यमते नारायणः? UGC 73 D–1996, 2010 J–2009

(A) अधमः (B) मध्यमः
(C) उत्तमः (D) सर्वोत्तमः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-253

227. (i) मध्वाचार्य के मत में प्रमाण हैं -
(ii) मध्ववेदान्तानुसारेण कति प्रमाणानि वर्तन्ते?
(iii) द्वैतमते कति प्रमाणानि सन्ति? UGC 73 D–1992, 1994, 2009, 2012, J–2006, 2011

(A) सप्त (B) षट्
(C) पञ्च (D) त्रीणि

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-321

215. (B) 216. (C) 217. (B) 218. (D) 219. (B) 220. (C) 221. (B) 222. (D) 223. (A) 224. (B) 225. (C) 226. (D) 227. (D)

228. 'त्रैतवाद' के समर्थक हैं? UGC 73 D– 2015

(A) शङ्कराचार्य (B) रामानुजाचार्य

(C) मध्वाचार्य (D) महर्षिदयानन्द

स्रोत–

229. मध्वाचार्य के मत में स्वतन्त्र तत्त्व है- UGC 73 J–2010

(A) शिवः (B) विष्णुः

(C) ब्रह्मा (D) शक्तिः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-212-213

230. मध्वाचार्य के मत में सत्य है- UGC 73 D–2010

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्

(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-633

231. माध्ववेदान्त में दो प्रमुख तत्त्व हैं- UGC 73 D–2011

(A) ब्रह्मजीवौ (B) ब्रह्ममुख्यवायू

(C) जगत्जीवौ (D) स्वतन्त्रम् अस्वतन्त्रम्

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-634

232. माध्वमत के अनुसार 'अहं ब्रह्मास्मि' ऐसा श्रुति कहती हैं- UGC 73 J–2012

(A) पर ब्रह्मणोरैक्यम्

(B) ब्रह्मानुभवत्वम्

(C) शरीरशरीरिभावत्वम्

(D) परब्रह्मणः अध्येत्वं सर्वज्ञत्वं च

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम खण्ड), पेज-363

233. माध्ववेदान्त साहित्य के अन्तर्गत कथालक्षण के रचयिता हैं - UGC 73 J–2012

(A) वादिराजयतिः (B) व्यासराजः

(C) आनन्दतीर्थः (D) विजयीन्द्रतीर्थः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)-बलदेव उपाध्याय, पेज-355

234. द्वैतवेदान्तानुसारेण नैजसुखानुभूतिर्भवति - UGC 73 D–2012

(A) ध्यानावस्थायाम् (B) मोक्षावस्थायाम्

(C)कर्मोपासनावस्थायाम् (D) व्यावहारिकदशायाम्

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज-357

235. (i) मध्वदर्शन के लिये दूसरा कौन सा नाम प्रचलित है?

(ii) मध्वदर्शनस्य अपरनाम किम् अस्ति?

UGC 73 D– 2015, Jn- 2017

(A) पूर्णप्रज्ञदर्शन (B) रामानुजदर्शन

(C) भेदाभेददर्शन (D) चैतन्यदर्शन

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-355

236. 'अविद्या मिथ्याज्ञाननिन्दा एव' कहा है - UGC 73 D–2012

(A) रामानुजाचार्येण (B) वीरराघवाचार्येण

(C) आनन्दतीर्थेन (D) सायणाचार्येण

स्रोत–

237. शिल्परचनाकार का प्रदर्शन करने वाले वेदान्ती है - UGC 73 D–2012

(A) श्रीनिवासदासेन (B) पद्मपादाचार्येण

(C) वेदान्तदेशिकेन (D) मध्वाचार्येण

स्रोत–

238. माध्वमत के अनुसार सदागमैक विज्ञेय है - UGC 73 J–2013

(A) हिरण्यगर्भः (B) नारायणः

(C) पवमानः (D) अग्निः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज– 250

239. माध्ववेदान्तस्य भेदपञ्चके नान्तर्भवति - UGC 73 J–2013

(A) जीवेश्वरभेदः (B) जीव-जीवभेदः

(C) गुणरूपभेदः (D) जडेश्वरभेदः

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज– 636

240. माध्वमत में प्रत्यक्ष होता है- UGC 73 J–2013

(A) पञ्चविधम् (B) द्विविधम्

(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–

241. माध्वमत के अनुसार मोक्ष प्राप्त नहीं होता है- UGC 73 J–2013

(A) ज्ञानेन विना (B) भक्त्या विना

(C) वैराग्येण विना (D) विष्णुप्रसादेन विना

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-233

228. (C) 229. (B) 230. (A) 231. (D) 232. (D) 233. (C) 234. (B) 235. (A) 236. (C) 237. (D) 238. (B) 239. (C) 240. (B) 241. (D)

242. मध्वदर्शन के अनुसार ईश्वर सेवा कितने प्रकार की होती है? UGC 73 D– 2015

(A) एकधा (B) नवधा

(C) त्रिधा (D) चतुर्धा

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि, पेज-225

243. माध्वमत के अनुसार 'सर्वे एकीभवन्ति' 'एकीभाव' का अर्थ है- UGC 73 J–2013

(A) स्वरूपैक्यम् (B) आत्मैक्यम्

(C) मतैक्यम् (D) ब्रह्मैक्यम्

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-357-358

244. माध्वमत के अनुसार श्रुतिस्मृतियों का महातात्पर्य है- UGC 73 D–2013

(A) ज्ञानोपदेशे (B) विष्णोः गुणोत्कर्षे

(C) जगत्सत्यत्वे (D) भेदनिरूपणे

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम-खण्ड), पेज–363

245. माध्वमत के अनुसार जीव होते हैं - UGC 73 D–2013

(A) ईश्वरसमानाः (B) ब्रह्मोपाधिभूताः

(C) नीचोच्चभावं गताः (D) ईश्वराभिन्नाः

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम-खण्ड), पेज–357

246. ब्रह्ममीमांसाविवरणव्याजेन प्रस्थानान्तरमास्थिषत - UGC 73 D–2013

(A) शबरस्वामी (B) वाचस्पतिमिश्रः

(C) आनन्दतीर्थः (D) प्रशस्तपादः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-211

247. दुरागमों से ज्ञेय नहीं है - UGC 73 J–2014

(A) शिवः (B) नारायणः

(C) स्वर्गलोकः (D) आत्मा

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-250

248. माध्वमते मोक्ष प्राप्त होता है - UGC 73 J–2014

(A) ज्ञानेन (B) भक्त्या

(C) वैराग्येण (D) विष्णुप्रसादेन

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-233

249. पञ्चप्रकार भेद प्रपञ्च अनादि ही है-UGC 73 J–2014

(A) विशिष्टाद्वैतिनः (B) शुद्धाद्वैतिनः

(C) द्वैतिनः (D) अद्वैतिनः

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-370

250. ''देह से विशेषरूप से मुक्त होने का नाम मुक्ति है'' यह वचन है - UGC 73 J–2014

(A) जयतीर्थस्य (B) राघवेन्द्रयतेः

(C) आनन्दतीर्थस्य (D) वादिराजयतेः

स्रोत–

251. मध्वदर्शन के अनुसार तीन प्रकार की सेवा कौन सी है? UGC 73 D– 2015

(A) नामस्मरणम्-स्वरूपदर्शनम् - लोकोपकारश्च त्रिविधा सेवा

(B) सा च सेवा अङ्कन- नामकरण- भजनभेदात् त्रिविधा

(C) पादसेवनम् - अर्चनम् - समर्पणमिति त्रिधा सेवा

(D) भजनम्-अर्चनम् - एकान्तसेवनम् - इत्येताः सेवाप्रकाराः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-225

252. माध्वाचार्य ने प्रचार किया - UGC 73 J–1991

(A) विवर्तत्व (B) विष्णुसर्वोत्तमत्व

(C) विष्णुमिथ्यात्व (D) जगन्मिथ्यात्व

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', पेज - 253

253. मध्वदर्शन के अनुसार 'भजन' कितने प्रकार का होता है? UGC 73 D– 2015

(A) अष्टविधम् (B) पञ्चविधम्

(C) दशविधम् (D) द्वादशविधम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-227

254. माध्ववेदान्त के प्रमुख भाष्यकार हैं -UGC 73 J–1991

(A) व्यासतीर्थ (B) जयतीर्थ

(C) रघूत्तमतीर्थ (D) वासुदेव

स्रोत–भारतीय दर्शन- जगदीश चन्द्र मिश्र, पेज-639

255. बाल्यकाल में माधवाचार्य का नाम था - UGC 73 J–1991

(A) वासुदेव (B) पूर्णप्रज्ञ

(C) जयतीर्थ (D) आनन्दतीर्थ

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-355

242. (C) 243. (C) 244. (B) 245. (C) 246. (C) 247. (B) 248. (D) 249. (C) 250. (C) 251. (B) 252. (B) 253. (C) 254. (B) 255. (A)

256. 'भेदस्तु पदार्थस्वरूपमेव' उक्ति है-UGC 73 D–1992
(A) माध्व (B) वल्लभ
(C) मनु (D) शङ्कर
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-102

257. माध्वमतानुसार वेद है - UGC 73 D–1994
(A) अपौरुषेय (B) पौरुषेय
(C) ऋषिप्रणीत (D) कोई नहीं
स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–321

258. माध्वमतानुसार सृष्टि है - UGC 73 D–1996
(A) प्रकृति (B) जगत् - परिणाम
(C) प्रकृतिपरिणाम (D) पुरुषपरिणाम
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-363

259. माध्वविरचित ब्रह्मसूत्रभाष्य की संख्या है- UGC 73 D–1997
(A) चार (B) तीन
(C) पाँच (D) दो
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-355

260. विष्णु के सर्वोत्तमत्व के प्रतिपादक हैं - UGC 73 J–1998
(A) शङ्करः (B) गौतमः
(C) कपिलः (D) माधवः
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय -शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-102

261. 'माध्वमत' के अनुसार जगत् का उपादान कारण है - UGC 73 J–1999
(A) ब्रह्म (B) पुरुष
(C) परमाणु (D) प्रकृति
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-637

262. परब्रह्म श्रीकृष्ण के द्वैतस्वरूप के प्रतिपादक कौन हैं? BHU AET–2010
(A) रामानुजाचार्य (B) रामभद्राचार्य
(C) शङ्कराचार्य (D) मध्वाचार्य
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-100

263. माध्वदर्शन में पदार्थों की संख्या कितनी है - BHU AET–2011
(A) चार (B) पाँच
(C) आठ (D) दश
स्रोत– भारतीय दर्शन - जगदीश चन्द्र मिश्र, पेज– 633

264. नारायण की सर्वोत्तमता स्वीकृत है- UGC 73 J–2005
(A) माध्ववेदान्त (B) अद्वैतवेदान्त
(C) वल्लभवेदान्त (D) विशिष्टाद्वैतवेदान्त
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-253

265. द्वैतमत में मोक्षसाधन होता है- UGC 73 D–2006
(A) भक्तिः (B) अनिर्वचनीय
(C) कर्म (D) कर्मसमुचितज्ञानम्
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-357

266. द्वैतवेदान्त में विश्व है - UGC 73 J–2010 D–2010
(A) असत्यम् (B) सत्यम्
(C) अनिर्वचनीयम् (D) शून्यम्
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-638

267. (i) अद्वैतवेदान्त में जीव और ब्रह्म का है-
(ii) अद्वैतवेदान्तमतानुसार ब्रह्म और जीव का सम्बन्ध कैसा है? UGC 25 J–1994, UGC 73 J - 2009
(A) अभेद (B) भेद
(C) असत्वम् (D) अभाव
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-551

268. माधवाचार्य-विरचितसर्वदर्शनसंग्रहे कति दार्शनिकसम्प्रदायाः सन्ति? JNU MET– 2015
(A) 6 (B) 8
(C) 12 (D) 16
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि', भू. पेज–45-55

269. तं केचित् अन्यत्रान्यधर्माध्यास इति वदन्ति-अत्र केचिद् इति पदेन विवक्षिताः के? KL SET– 2016
(A) नैयायिकाः (B) माध्यमिकाः
(C) प्राभाकराः (D) सौत्रान्तिकाः
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-स्वामीसत्यानन्द सरस्वती, पेज– 56

256. (A) 257. (A) 258. (C) 259. (A) 260. (D) 261. (A) 262. (D) 263. (D) 264. (A) 265. (A) 266. (B) 267. (A) 268. (D) 269. (A)

270. परब्राह्मणः अहेयत्वप्रतिपादकः शब्दोऽस्ति - UGC 73 D–2012

(A) अयम् (B) अहम्
(C) तत् (D) असौ

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–142-143

271. मध्वाचार्य के मत में तत्त्वमसि वाक्य है - UGC 73 D–2009

(A) जीवब्रह्मैक्यपरम् (B) ब्रह्मपरम्
(C) जगन्मिथ्यात्वपरम् (D) जीवब्रह्मभेदपरम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-325

272. द्वैतमत में जगत् होता है- UGC 73 D–2006

(A) मिथ्या (B) अनिर्वचनीय
(C) सत्यम् (D) असत्यम्

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–638

273. इस वेदान्त में वायुजीवोत्तमत्व का निरूपण है - UGC 73 J–2007

(A) द्वैतवेदान्त (B) शुद्धाद्वैतवेदान्त
(C) भेदाभेदवेदान्त (D) विशिष्टाद्वैतवेदान्त

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–632

274. जीव और ब्रह्म में अत्यन्त भेदक तत्त्व के प्रतिपादक हैं- UGC 73 D–2007

(A) चैतन्यमहाप्रभुपादाः (B) वल्लभाचार्याः
(C) माध्वाचार्याः (D) निम्बार्काचार्याः

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-633

275. माध्व दर्शन के अनुसार भाव होता है- UGC 73 J–2015

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) सप्तविधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम-खण्ड), पेज–357

276. आनन्दतीर्थस्य ग्रन्थोऽस्ति - UGC 73 J–2015

(A) तत्वविवेकः (B) चौरपञ्चाशिका
(C) औचित्यविचारचर्चा (D) अर्थसंग्रह

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-803

277. (i) माधवाचार्य का दूसरा नाम है? BHU AET–2012,
(ii) मध्वाचार्य एव अभूत् - UGC 73 D–2015

(A) गौडपादः (B) विद्यारण्यः
(C) माघः (D) मधुसूदनः

स्रोत–भारतीय दर्शन- वाचस्पति गैरोला, पेज-11

278. (i) आदिशङ्कराचार्य किस दर्शन के प्रवर्तक थे -
(ii) आदिशङ्कराचार्यः कस्य दर्शनस्य प्रवर्तकः आसीत्? BHU B.Ed–2012, 2015

(A) सांख्य (B) मीमांसा
(C) योग (D) अद्वैतवेदान्त

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-295

279. (i) 'पीनो देवदत्तो दिवा न भुङ्क्ते' उपयुक्त उदाहरण किसका है - BHU MET–2009, 2011, 2013
(ii) 'पीनो देवदत्तः दिवा न भुङ्क्ते' इति प्रयोगः कस्मिन् प्रमाणे क्रियते? BHU AET–2012

(A) अनुमान (B) अर्थापत्ति
(C) अनुपलब्धि (D) ऐतिह्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-198-199

280. प्रस्थानत्रयी मे किसकी गणना नहीं होती ? BHU MET–2010, 2012

(A) गीता (B) ब्रह्मसूत्र
(C) रामायण (D) उपनिषद्

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-212

281. निम्नाङ्कित में से कौन प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित है? BHU MET–2016

(A) धर्मसूत्र (B) रामायण
(C) रघुवंश (D) ब्रह्मसूत्र

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-212

282. प्राणी कर्म के द्वारा क्या सञ्चय करता है- UGC 73 J–2005

(A) अपूर्वम् (B) धर्मम्
(C) पापम् (D) अर्थम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-291

270. (B) 271. (D) 272. (C) 273. (A) 274. (C) 275. (A) 276. (A) 277. (B) 278. (D) 279. (B) 280. (C) 281. (D) 282. (A)

283.'उपनिषद्- भगवद्गीता- ब्रह्मसूत्रम्' इत्येतेषां त्रयी केन नाम्ना प्रसिद्धा – RPSC-SET–2016

(A) वेदत्रयी (B) गुणत्रयी
(C) शास्त्रत्रयी (D) प्रस्थानत्रयी

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-212

284. (i) ''अथातो ब्रह्मजिज्ञासा'' इस 'अथ' शब्द का बोध होता है-
(ii) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा-अत्र 'अथ' शब्दस्य कोऽर्थः UGC 73 J–2012, D–2006, KL SET–2016

(A) मङ्गलार्थ (B) अधिकारार्थ
(C) आनन्तर्यार्थ (D) प्रश्नार्थ

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-247

285. अनुपलब्धिः प्रमाणं भवति - BHU AET–2012

(A) न्याये (B) सांख्ये
(C) योगे (D) वेदान्ते

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा- पेज-284

286. 'शारीरकभाष्यम्' इति नाम्ना प्रसिद्धं भाष्यं कं ग्रन्थं अधिकृत्य वर्तते– UGC 25 J–2016

(A) चरकसंहिताम् (B) भावप्रकाशम्
(C) ब्रह्मसूत्रम् (D) माण्डूक्योपनिषद्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, भू0 पेज-12

287. मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्द है–BHU MET– 2014

(A) अनित्य (B) नित्य
(C) क्षणिक (D) विकार

स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज– 198

288. अवच्छेदवाद में जगत् का उपादान कारण है- UGC 73 D–2008

(A) ईश्वरः (B) अविद्या
(C) जीवः (D) ब्रह्म

स्रोत– संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम खण्ड), पेज–97

289. परब्रह्म में भेदाभाव तत्त्व के प्रतिपादक हैं - UGC 73 J–2011

(A) भास्कराचार्याः (B) मध्वाचार्याः
(C) वल्लभाचार्याः (D) शङ्कराचार्याः

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीश चन्द्र मिश्र, पेज–543

290. 'ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः' इत्युक्तिः कस्य आचार्यस्य अस्ति– JNU MET–2015

(A) शङ्कराचार्यस्य (B) अभिनवगुप्तस्य
(C) माधवाचार्यस्य (D) मध्वाचार्यस्य

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती पेज भू0-15

291. 'ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः' इति पद्यांशः अस्ति– JNU Mphil/Ph.D– 2015

(A) ब्रह्मनामावल्याम् (B) वाक्यवृत्तौ
(C) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये (D) उपदेशसाहस्र्याम्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती, पेज-17

292. वेदान्तसम्प्रदायेषु भास्कराचार्यस्य सिद्धान्तः अस्ति– JNU Mphil/Ph.D– 2015

(A) भेदाभेदवादः (B) द्वैताद्वैतवादः
(C) स्वरूपाद्वैतवादः (D) शुद्धाद्वैतवादः

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-296

293. (i) शङ्कराचार्याणां ब्रह्मसूत्रभाष्यस्य अपरं नामधेयं किम्?
(ii) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यस्य अपरं नाम किम् GJ SET-2013, MH SET–2013

(A) श्रीभाष्यम् (B) शारीरकमीमांसाभाष्यम्
(C) अणुभाष्यम् (D) जीवभाष्यम्

स्रोत–ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्यम्-स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, भू0 पेज-12

294. ''ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या'' इति अभिप्रायः कस्मिन् दर्शनग्रन्थे प्रदर्शिताः– RPSC SET–2010

(A) वेदान्तदर्शने (B) वेदान्तसारे
(C) तर्कभाषायाम् (D) तर्कसंग्रहे

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-296

295. ब्रह्मसूत्रस्य चतुःसूत्री-परिगणितं सूत्रं नास्ति– RPSC SET–2013-14

(A) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा (B) जन्माद्यस्य यतः
(C) शास्त्रयोनित्वात् (D) नैकस्मिन्नसंभवात्

स्रोत-संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (दशम खण्ड), पेज-53

283. (D) 284. (C) 285. (D) 286. (C) 287. (B) 288. (C) 289. (D) 290. (A) 291. (C) 292. (A) 293. (B) 294. (B) 295. (D)

296. समाधेः भवन्ति विघ्नाः - UGC 73 J–2012
(A) चत्वारः (B) अष्ट
(C) त्रयोदश (D) पञ्चदश
स्रोत–वेदान्सार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-179

297. वेदान्ते सत्तात्रैविध्यम् अङ्गीकृतम्- UGC 73 D–2012
(A) अद्वैत (B) माध्व
(C) वल्लभ (D) विशिष्टाद्वैत
स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज– 296

298. जगन्मिथ्यात्वं सिद्धान्तितमनेन - UGC 73 D–2012
(A) विजयीन्द्रतीर्थः (B) वाचस्पतिमिश्रेण
(C) वल्लभाचार्येण (D) मध्वाचार्येण
स्रोत– भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज– 296

299. स्वयंज्योति होती है- UGC 73 D–2012
(A) जगत् (B) मिथ्या
(C) ब्रह्म (D) अध्यासः
स्रोत– वेदान्तदर्शन (1.3.40) - गीताप्रेस, पेज–107-108

300. जगत् का कारण होता है - UGC 73 D–2012
(A) माया (B) प्रधानम्
(C) बुद्धि (D) अन्तःकरणम्
स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-300

301. ब्रह्मवाप्ति होती है- UGC 73 D–2012
(A) समाप्तिः (B) मरणम्
(C) मोक्षः (D) जननम्
स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा,पेज-314

302. पञ्चमिथ्यात्वविचारोऽस्ति - UGC 73 J–2013
(A) वेदान्तपरिभाषाग्रन्थे (B) सिद्धान्तबिन्दुग्रन्थे
(C) अद्वैतसिद्धिग्रन्थे (D) शाङ्करभाष्ये
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-282

303. 'प्रपञ्च यदि विद्येत्' -इति श्रुतिवाक्यं निरूपयति - UGC 73 D–2013
(A) प्रपञ्चमिथ्यात्वम्
(B) प्रपञ्चस्य अनादिनित्यत्वम्
(C) प्रपञ्चस्य प्रातिभासिकत्वम्
(D) प्रपञ्चस्य परमात्मभिन्नत्वम्
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–228-229

304. वस्तुस्वरूपस्य भेदत्वे न घटते - UGC 73 D–2013
(A) प्रतियोगिसापेक्षत्वम् (B) इन्द्रियसापेक्षत्वम्
(C) शास्त्रसापेक्षत्वम् (D) स्वतन्त्रनिरपेक्षत्वम्
स्रोत–

305. सदसद्विलक्षण होता है - UGC 73 S–2013
(A) जीवः (B) अज्ञानम्
(C) मनः (D) ब्रह्मः
स्रोत–वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, पेज- 152

306. नवकृत्वोपदेश की श्रुति है - UGC 73 S–2013
(A) अतत्त्वमसि (B) अहं ब्रह्मास्मि
(C) सोऽहमस्मि (D) अयमात्मा ब्रह्म
स्रोत– सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–235

307. अद्वैतत्व प्रतिपादक उपनिषद् भाष्य है - UGC 73 S–2013
(A) वल्लभाचार्यस्य (B) निम्बार्काचार्यस्य
(C) शङ्कराचार्यस्य (D) श्रीकण्ठाचार्यस्य
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-212

308. अविद्यापदार्थ होता है- UGC 73 J–2014
(A) विद्याया अभावः (B) विद्या प्राग्भावः
(C) विद्याविरोधी (D) विद्याभेदः
स्रोत–

309. तन्मात्रा कितने हैं - BHU AET–2011
(A) चार (B) पाँच
(C) नौ (D) दश
स्रोत– भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज–289

310. केवलं शब्दादिगुणत्रयं कुत्र अभिव्यज्यते - UGC 25 D–2007
(A) पञ्चीकृतवायौ (B) पञ्चीकृताप्सु
(C) पञ्चीकृततेजसि (D) पञ्चीकृतपृथिव्याम्
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-80

311. निम्बार्क मतानुसार एकादशी प्रमाण है- UGC 73 D–1996
(A) 50 घटी (B) 53 घटी
(C) 58 घटी (D) 60 घटी
स्रोत–

**296. (A) 297. (A) 298. (B) 299. (C) 300. (A) 301. (C) 302. (C) 303. (B) 304. (A) 305. (B)
306. (A) 307. (C) 308. (C) 309. (B) 310. (C) 311. (B)**

312. अध्यासवाद के प्रतिपादक हैं - UGC 73 J–1999

(A) रामानुज (B) माध्व
(C) शङ्कर (D) श्रीपतिपण्डित

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-239

313. शुद्धाद्वैतवाद दर्शन के प्रवर्तक हैं– UP PGT (H)–2010

(A) शंकराचार्य (B) मध्वाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) विष्णुस्वामी

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-326

314. श्रीमद्वल्लभाचार्य ने जिस कृष्ण-भक्ति को प्रतिष्ठित किया उसका दार्शनिक आधार है - UP PGT (H)–2009

(A) अद्वैत दर्शन (B) द्वैत दर्शन
(C) शुद्धाद्वैत दर्शन (D) द्वैताद्वैत दर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-326-327

315. इनमें से कौन वैष्णव भक्ति के आचार्य नहीं हैं - UGC (H) D 2007 J–2013

(A) शंकराचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) माध्वाचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

316. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए - UGC (H) J–2012

(क) वल्लभाचार्य (i) विशिष्टाद्वैतवाद
(ख) निम्बार्काचार्य (ii) अद्वैतवाद
(ग) रामानुजाचार्य (iii) द्वैतवाद
(घ) मध्वाचार्य (iv) द्वैताद्वैत
(v) शुद्धाद्वैतवाद

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	v	iv	i	iii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	ii	i	iv	v

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

317. वल्लभाचार्य किस सम्प्रदाय के संस्थापक थे - UGC (H) D–2008

(A) अद्वैत (B) द्वैताद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

318. रामानुजाचार्य ने किस दर्शन का प्रतिपादन किया - MP PSC–1990, BHU AET–2010

(A) अद्वैतवाद (B) शुद्धाद्वैतवाद
(C) विशिष्टाद्वैतवाद (D) द्वैतवाद

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

319. विद्यारण्ययतिः कस्मिन् शतके आसीत् - DSSSB PGT–2014

(A) एकादशे (B) द्वादशे
(C) त्रयोदशे (D) चतुर्दशे

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–815

320. 555 सूत्र हैं - UGC 73 D–2014

(A) भक्तिसूत्रग्रन्थे (B) रससूत्रग्रन्थे
(C) न्यायसूत्रग्रन्थे (D) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य-सत्यानन्द सरस्वती, भू0 पेज-6

321. आदि शङ्कराचार्य के द्वारा स्थापित चार मठ कहाँ स्थित है - UP PCS–2006

(A) शृंगेरी, द्वारका, जोशीमठ, प्रयाग
(B) द्वारका, जोशीमठ, प्रयाग, काँची
(C) जोशीमठ, द्वारका, पुरी, शृंगेरी
(D) पुरी, शृंगेरी, द्वारका, वाराणसी

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-237

322. जीवेश्वराभेदो नागमस्य तात्पर्यमिति कहते हैं - UGC 73 D–2014

(A) सुरेश्वराचार्यः (B) भास्कराचार्यः
(C) आनन्दतीर्थः (D) भारतीतीर्थः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–231

323. इन्द्रियाणि कति भवन्ति - C–TET–2014

(A) पञ्च (B) त्रीणि
(C) षट् (D) चत्वारि

स्रोत– वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–66

312. (C) 313. (C) 314. (C) 315. (A) 316. (A) 317. (C) 318. (C) 319. (D) 320. (D) 321. (C) 322. (C) 323. (A)

324. (i) वल्लभाचार्य द्वारा रचित ग्रन्थ का नाम है -
(ii) वल्लभाचार्य ने ब्रह्मसूत्र पर कौन-सा भाष्य लिखा है-
UP TGT (H)–2013

(A) सिद्धान्तसंग्रह (B) महाभाष्य
(C) श्रीभाष्य (D) अणुभाष्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-326

325. (i) 'विशिष्टाद्वैतवाद' के प्रतिपादक कौन थे -
(ii) विशिष्टाद्वैतस्य प्रवर्तक आसीत्?
(iii) 'विशिष्टाद्वैत' इति दार्शनिकसिद्धान्तस्य प्रतिष्ठापकोऽस्ति? UP TGT (H)–2010, UGC 73 Jn - 2017, BHU Sh.ET-2008, BHU AET-2011, 2012

(A) रामानुजाचार्य (B) रामानन्द
(C) मध्वाचार्य (D) निम्बार्काचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-295

326. अर्थापत्तिप्रमाणम् - BHU AET–2012

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-259

327. अद्वैत दर्शन का प्रतिपादन सर्वप्रथम किसमें मिलता है? MP PSC–1997

(A) वेदों में (B) उपनिषदों में
(C) धर्मसूत्रों में (D) स्मृतियों में

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-238

328. वल्लभाचार्य का सम्बन्ध किस दर्शन से है?
BHU AET–2010

(A) बौद्ध दर्शन (B) मीमांसा दर्शन
(C) चार्वाक दर्शन (D) वैशेषिक दर्शन

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-228

329. ब्रह्मसूत्र की विष्णुपरक व्याख्या करने वाले आचार्य हैं - BHU AET–2010

(A) याज्ञवल्क्य (B) वसिष्ठ
(C) निम्बार्क (D) रामानुज

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-322

330. रामानुजाचार्य ने प्रतिपादन किया है -
BHU AET–2010

(A) अद्वैतवाद का (B) द्वैतवाद का
(C) अद्वैतविशिष्ट ब्रह्म का (D) मायावाद का

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-295

331. रामानुजाचार्य किस सम्प्रदाय के हैं ?
BHU AET–2010

(A) श्रीसम्प्रदाय (B) ब्रह्मसम्प्रदाय
(C) रुद्रसम्प्रदाय (D) सनकसम्प्रदाय

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

332. मध्वाचार्य किस सम्प्रदाय के हैं? BHU AET–2010

(A) श्रीसम्प्रदाय (B) ब्रह्मसम्प्रदाय
(C) रुद्रसम्प्रदाय (D) सनकसम्प्रदाय

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

333. वल्लभाचार्य किस सम्प्रदाय के हैं ?
BHU AET–2010

(A) श्रीसम्प्रदाय (B) ब्रह्मसम्प्रदाय
(C) रुद्रसम्प्रदाय (D) सनकसम्प्रदाय

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-326

334. निम्बार्काचार्य किस सम्प्रदाय के हैं ?
BHU AET–2010

(A) श्रीसम्प्रदाय (B) ब्रह्मसम्प्रदाय
(C) रुद्रसम्प्रदाय (D) सनकसम्प्रदाय

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-323

335. आचार्य निम्बार्क का दर्शन किस नाम से प्रसिद्ध है?
BHU AET–2010, 2011

(A) अद्वैत (B) द्वैत
(C) विशिष्टाद्वैत (D) द्वैताद्वैत

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-323

336. निम्बार्क का सनकसम्प्रदाय किस मत से सम्बद्ध है?
BHU AET–2010, 2011

(A) शाक्त (B) शैव
(C) वैष्णव (D) तीनों में कोई नहीं

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-323

324. (D) 325. (A) 326. (A) 327. (B) 328. (D) 329. (D) 330. (C) 331. (A) 332. (B) 333. (C) 334. (D) 335. (D) 336. (C)

337. श्रीराधा की उपासना भक्ति की परम्परा के प्रतिष्ठापक कौन हैं? BHU AET–2010

(A) निम्बार्क (B) वल्लभ
(C) रामभद्र (D) शंकराचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-324

338. भागवत की सगुणभक्ति परम्परा के संस्थापक कौन हैं? BHU AET–2010

(A) निम्बार्क (B) वल्लभ
(C) रामभद्र (D) रामानुजाचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज - 613

339. पुष्टिमार्ग अथवा रुद्रसम्प्रदाय के संस्थापक कौन थे? BHU AET–2010

(A) वल्लभाचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) शंकराचार्य (D) मध्वाचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-326.

340. पुष्टिसम्प्रदायः कस्य भवति– CVVET–2015

(A) वल्लभस्य (B) निम्बार्कस्य
(C) श्रीकण्ठस्य (D) चैतन्यस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-326

341. गौडीय वैष्णवसम्प्रदाय के संस्थापक कौन हैं? BHU AET–2010

(A) चैतन्यमहाप्रभु (B) वल्लभाचार्य
(C) रामानुजाचार्य (D) मध्वाचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-330

342. निम्बार्काचार्यः..............मतस्य प्रवर्तकः अस्ति? KL SET– 2015

(A) विशिष्टाद्वैतस्य (B) सांख्यदर्शनम्
(C) शुद्धाद्वैतस्य (D) द्वैताद्वैतस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-323

343. वल्लभ किस सम्प्रदाय के हैं? BHU AET–2011

(A) द्वैताद्वैत (B) विशिष्टाद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) कोई नहीं

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज - 326

344. वल्लभाचार्य के मत में परब्रह्म कौन हैं? BHU AET–2011

(A) शिव (B) रुद्र
(C) मनु (D) श्रीकृष्ण

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-327

345. वल्लभाचार्य किसके अवतार माने जाते हैं? BHU AET–2011

(A) अग्नि (B) वायु
(C) रुद्र (D) विष्णु

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-326

346. चैतन्य ने किस वाद की स्थापना की? BHU AET–2011

(A) अद्वैतवाद (B) विशिष्टाद्वैत
(C) अचिन्त्यभेदाभेदवाद (D) तीनों में से कोई नहीं

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-330

347. रामानुज के श्रीसम्प्रदाय में किसकी उपासना होती है? UP PGT (H)–2013

(A) शङ्कर (B) ब्रह्मा
(C) विष्णु (D) लक्ष्मी

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

348. चैतन्य महाप्रभु किस दर्शन से सम्बद्ध हैं? BHU AET–2011

(A) सांख्य (B) वेदान्त
(C) योग (D) चार्वाक

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-330

349. अद्वैत में जीव ही होता है - UGC 73 J–2012

(A) माया (B) अनित्यम्
(C) ब्रह्म (D) मोक्षः

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज - 550

350. मुक्तावलीस्थमङ्गलपद्ये को देवः स्तुतः? BHU AET–2010

(A) विष्णुः (B) शिवः
(C) ब्रह्मा (D) गणेशः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर,पेज–1

337. (A) 338. (D) 339. (A) 340. (A) 341. (A) 342. (D) 343. (C) 344. (D) 345. (A) 346. (C) 347. (C) 348. (B) 349. (C) 350. (B)

351. शाङ्करभाष्यस्य पञ्चपादिकाकारः ? UGC 73 J–2014

(A) पद्मपादाचार्यः (B) चित्सुखाचार्यः
(C) आनन्दगिरिः (D) रघुनाथशिरोमणिः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-645

352. अणुभाष्यकारो भवति - UGC 73 D–2014

(A) वात्स्यायनः (B) पार्थसारथिमिश्रः
(C) मध्वाचार्यः (D) प्रह्लादाचार्यः

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज–355

353. ''सर्वं खल्विदं ब्रह्म'' उक्ति मतवाद कस्य - BHU Sh.ET–2008

(A) वेदान्तस्य (B) सांख्यस्य
(C) मीमांसायाः (D) जैनस्य

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-91

354. 'जीवाजीवाख्ये द्वे तत्त्वे स्तः' इति कस्य दर्शनस्य मतम्– BHU RET–2008

(A) बौद्ध (B) जैन
(C) सांख्य (D) वेदान्त

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–67

355. आगम के साथ किसका सम्बन्ध है-BHU Sh.ET–2011

(A) अर्थापत्ति का (B) अनुमान का
(C) उपमान का (D) शब्द का

स्रोत–(i) सांख्यकारिका (का0-4) - राकेश शास्त्री, पेज–13
(ii) भारतीयदर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–651

356. जातिबाधक होता है- UGC 73 J–2005

(A) स्वरूप (B) असम्बन्ध
(C) समवाय (D) संयोग

न्यायदर्शनम् (वात्स्यायन भाष्य)-आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री, पेज–288

357. प्रत्यय स्वरूप का विचार किया जाता है- UGC 73 D–2005

(A) पूर्वमीमांसा (B) न्याय
(C) आगम (D) बौद्धदर्शन

स्रोत–भारतीयदर्शन - नन्द किशोर देवराज, पेज– 317

358. ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण है - UGC 73 J–2007

(A) अनुपलब्धि (B) प्रत्यक्ष
(C) अनुमान (D) उपमान

न्यायदर्शनम् (वात्स्यायन भाष्य)-आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री, पेज–478

359. चैतन्यं कतिविधं भवति - BHU AET–2012

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–भारतीय दर्शन -उमेश मिश्र, पेज-418

360. किन दो दर्शनों में प्रमाण के विषय में कोई भी विप्रतिपत्ति नहीं है - UGC 73 D–2008

(A) न्यायवैशेषिकयोः (B) बौद्धजैनयोः
(C) अद्वैतचार्वाकयोः (D) जैनसांख्ययोः

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय-शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-82

361. मिथ्याज्ञान का आत्मा पर आरोप होने पर होता है? UGC 73-D– 2015

(A) ज्ञानाध्यास (B) अर्थाभ्यास
(C) अनिर्वचनीय (D) उपसंहार

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-683

362. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(A) विज्ञानमात्रं क्षणिकमित्येके 1. योगाचारबौद्धाः
(B) शून्यमित्यपरे 2. नैयायिकाः
(C) अस्ति देहादिव्यतिरिक्तिः संसारी कर्ता भोक्तेत्यपरे 3.माध्यमिकबौद्धाः
(D) भोक्तैव केवलं न कर्तेत्येके 4. सांख्याः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	2	4
(B)	3	1	4	2
(C)	2	3	1	4
(D)	4	2	3	1

स्रोत–

351. (A) 352. (C) 353. (A) 354. (B) 355. (D) 356. (B) 357. (B) 358. (C) 359. (B) 360. (A) 361. (A) 362. (A)

363. अधस्तनेषु पर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– ''तेषामप्येकदेशत्वे पिण्डः स्यादणुकमात्रकः'' एतदुक्त्या निषिध्यते– **MH SET–2013**

(A) परमाणूनां निरवयवत्वम् (B) अणूनां बहुत्वम्
(C) परमाणूनामस्तित्वम् (D) अणूनामस्तित्वाभावः

स्रोत–

364. ''सर्वज्ञो जितरागादिदोषत्रैलोक्यपूजितः.............''इति अर्हत्स्वरूपमुक्तम्? **MH SET–2013**

(A) प्रमेयकमलमार्तण्डे (B) तत्त्वार्थसूत्रे
(C) आप्तनिश्चयालङ्कारे (D) वीतरागस्तुल्याम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-103

365. 'ब्राह्यदर्शनम्' इति कस्य दर्शनस्य नामान्तरम्– **CVVET–2015**

(A) जैनदर्शनस्य (B) बौद्धदर्शनस्य
(C) चार्वाकदर्शनस्य (D) त्रिकदर्शनस्य

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-31

366. 'शब्दनित्यत्ववादिनः' के– **CVVET–2015**

(A) नैयायिकाः (B) वैभाषिकाः
(C) वैयाकरणाः (D) मीमांसकाः

स्रोत– भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज– 198

367. प्रथमान्तमुख्यविशेष्य-शाब्दबोधवादिनः के? **CVVET–2015**

(A) नैरुक्तिकाः (B) नैयायिकाः
(C) मीमांसकाः (D) वैयाकरणाः

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–77

368. शैवदर्शन के अनुसार पदार्थों की संख्या है? **UGC 73 D–2015**

(A) 5 (B) 7
(C) 3 (D) 10

स्रोत–भारतीयदर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–669

369. शैवदर्शन के अनुसार 'रौखतन्त्र' का आविर्भाव शिव के किस मुख से हुआ? **UGC 73 D–2015**

(A) तत्पुरुषमुखात् (B) अघोरमुखात्
(C) ईशानमुखात् (D) वामदेवमुखात्

स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश - चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-114

370. शैवदर्शन मे 'पशु' कितने प्रकार का है? **UGC 73 D–2015**

(A) अनेकविधः (B) त्रिविधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–भारतीयदर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–670

371. निम्नलिखित में से कौन ब्रह्मसम्प्रदाय का प्रवर्तक है? **UGC(H) D–2015**

(A) विष्णुस्वामी (B) निम्बार्काचार्य
(C) हित हरिवंश (D) मध्वाचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-292

372. निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके सिद्धान्तकारों के साथ सुमेलित कीजिये– **UGC (H) D–2015**

सूची I	सूची II
(क) द्वैत	(i) रामानुजाचार्य
(ख) द्वैताद्वैत	(ii) वल्लभाचार्य
(ग) शुद्धाद्वैत	(iii) निम्बार्काचार्य
(घ) विशिष्टाद्वैत	(iv) मध्वाचार्य

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	1	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	3	1
(D)	1	3	2	4

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-295

373. कश्मीरशैवदर्शने शिवस्य पञ्चशक्तयः सन्ति– **JNU Mphil/Ph.D–2014**

(A) कला-काल-विद्या-राग-निपतयः
(B) सृष्टि-स्थिति-संहृति-विलय-अनुग्रहाः
(C) चित्-आनन्द-इच्छा-ज्ञान-क्रिया
(D) शिव-शक्ति-सदाशिव-ईश्वर-सद्विधाः

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-339

374. प्रत्यभिज्ञाशास्त्रे शिवस्य पञ्कार्याणि सन्ति– **JNU Mphil/Ph.D–2014**

(A) सृष्टि - स्थिति - संहार - विलय - अनुग्रहरूपाणि
(B) इच्छा - ज्ञान - क्रिया - राग - विद्यारूपाणि
(C) ज्ञान - स्मृति - कला - नियति - अपोहरूपाणि
(D) पञ्चकञ्चुकानि

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-336

363. (*) 364. (C) 365. (D) 366. (D) 367. (B) 368. (C) 369. (B) 370. (B) 371. (D) 372. (B) 373. (C) 374. (A)

375. अनधिगतार्थगन्तृप्रमाणमिति...........स्वीक्रियते– GJ SET–2016

(A) मीमांसकैः (B) नैयायिकैः
(C) बौद्धैः (D) चार्वाकैः

स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–45

376. मानकेन्द्रितोवादः अस्ति - UGC 73 J–2012

(A) ईश्वरास्तित्ववादः (B) अनीश्वरवादः
(C) उपयोगितावादः (D) अस्तित्त्ववादः

स्रोत–पाश्चात्त्य दर्शन के सम्प्रदाय-शोभा निगम, पेज-173-174

377. जे0 एस0 मिल् प्रवर्तक हैं - UGC 73 J–2012

(A) उपयोगितावादस्य (B) मानववादस्य
(C) प्रत्ययवादस्य (D) अनीश्वरवादस्य

स्रोत–पाश्चात्त्य दर्शन के सम्प्रदाय- शोभा निगम, पेज-225

378. अस्तित्ववादिनः न स्वीकुर्वन्ति - UGC 73 J–2012

(A) विश्वसत्ताम् (B) व्यक्तिस्वतन्त्रसत्ताम्
(C) सुखास्तित्त्वम् (D) आत्मास्तित्त्वम्

स्रोत–पाश्चात्त्य दर्शन के सम्प्रदाय- शोभा निगम, पेज- 181

379. ईश्वरात्मनि गुणाः सन्ति - UGC 73 J–2012

(A) नव (B) दश
(C) चतुर्दश (D) अष्टौ

स्रोत–

380. उपयोगितावादस्य प्रवर्तकोऽस्ति - UGC 73 D–2013

(A) जे0एस0 मिल (B) नीत्से
(C) जास्पर्स (D) मार्शल

स्रोत–

381. परिणामवादविवर्तवादयोः समानतत्त्वम् अस्ति - UGC 73 D–2013

(A) जगत्सत्यत्वम् (B) आत्मसत्यत्वम्
(C) देहात्मैक्यम् (D) व्यक्तिस्वातन्त्र्यम्

स्रोत– भारतीयदर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–568

382. प्रतिपत्ति है - UGC 73 J–2013

(A) द्विविधा (B) चतुर्विधा
(C) नवविधा (D) त्रिविधा

स्रोत–

383. प्रकर्षेणणाऽङ्गोपदेशः यत्र भवति सा-UGC 73 J–2013

(A) विधात्री (B) विकृतिः
(C) प्रतिकृतिः (D) प्रकृतिः

स्रोत–

384. ''व्याप्तिविशिष्टहेतवः'' सन्ति - UGC 73 J–2013

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-93

385. द्वीन्द्रियग्राह्यं भवति - UGC 73 J–2013

(A) रूपम् (B) अहङ्कार
(C) संख्या (D) इन्द्रिय

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (गुणनिरुपणप्रकरण)-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–164-165

386. शब्दमयी देवतेति सिद्धान्त है - UGC 73 J–2013

(A) पूर्वमीमांसायाः (B) बौद्धस्य
(C) जैनस्य (D) पुराणस्य

स्रोत–षट् दर्शन- नन्दलाल दशोरा, पेज-439

387. 'अलोकनिरपेक्षं चक्षुः' कारण है - UGC 73 D–2013

(A) घट-प्रत्यक्षे (B) तमः-प्रत्यक्षे
(C) रस-प्रत्यक्षे (D) अभाव-प्रत्यक्षे

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–60

388. बाधना लक्षण है - UGC 73 D–2013

(A) सुखम् (B) दुःखम्
(C) फलम् (D) प्रयोजनम्

स्रोत–षट् दर्शन - नन्दलाल दशोरा, पेज-82

389. प्रवृत्तिदोषोत्पन्न का अर्थ है - UGC 73 D–2013

(A) फलम् (B) वादः
(C) प्रतिज्ञा (D) उदाहरणम्

स्रोत–षट् दर्शन - नन्दलाल दशोरा, पेज-82

390. तद्विवेकेन च वस्तुस्वरूपाधारणं आहुः - UGC 73 D–2013

(A) विद्याम् (B) अज्ञानम्
(C) प्रकृतिम् (D) मुक्तिम्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य-सत्यानन्द सरस्वती, पेज–14

375. (A) 376. (D) 377. (B) 378. (D) 379. (D) 380. (A) 381. (B) 382. (A) 383. (*) 384. (A)
385. (C) 386. (A) 387. (B) 388. (B) 389. (A) 390. (A)

391. अथ शब्दो न मङ्गलार्थकः वाक्यार्थे - UGC 73 D–2013

(A) समन्वयाभावात् (B) अन्यर्थकत्वात्

(C) त्यर्थत्वात् (D) सिद्धसाधनवत्त्वात्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज–21

392. शब्दाभिव्यक्तिविषये वादाः भवन्ति - UGC 73 D–2013

(A) त्रयोदशः (B) त्रयः

(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–

393. ''ऐकाश्रम्यन्त्वाचार्याः'' इत्युक्तिरस्ति - UGC 73 D–2013

(A) मनोः (B) गौतमस्य

(C) विष्णोः (D) आपदेवस्य

स्रोत–गौतमधर्मसूत्र - प्रमोदवर्धन कौण्डिन्न्यायन, पेज-79

394. प्रामाण्यं स्वतो ग्राह्यं नास्ति - UGC 73 D–2013

(A) संशयानुपपत्तितः (B) सप्रवर्तकत्वात्

(C) विसंवादिप्रवर्तकत्वात् (D) ज्ञानवृत्तित्वात्

स्रोत–

395. कर्तृत्वेन कार्यत्वेन कार्यकारणभाव एव - UGC 73 D–2013

(A) अनुकूलस्तर्कः (B) उपाधिः

(C) गौरवम् (D) व्यतिरेकव्यभिचारः

स्रोत–

396. अन्योन्नजनन मिथुन वृत्तियाँ हैं - UGC 73 D–2013

(A) गुणाः (B) धर्मादयः

(C) व्यक्तादयः (D) भावाः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.12)- राकेश शास्त्री, पेज-42

397. फलदीपेश्वरः भवति - UGC 73 D–2013

(A) वपुष्मान् (B) मेधातिथिः

(C) ज्योतिष्मान् (D) द्युतिमान्

स्रोत–

398. योनिमुद्रायें होती हैं - UGC 73 D–2013

(A) अष्टौ (B) नव

(C) पञ्च (D) तिस्रः

स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश- चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-263

399. परस्पर आकांक्षा है - UGC 73 S–2013

(A) प्रमाणम् (B) प्रकरणम्

(C) स्थानम् (D) निरूपणम्

स्रोत–अर्थसंग्रह-सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-86

400. व्यापकद्रव्य होता है- UGC 73 S–2013

(A) परमाणुः (B) मनः

(C) आकाशः (D) वायुः

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-207

401. विभिन्न दर्शन के तत्त्वों का प्रमुख उद्देश्य है - UGC 73 S–2013

(A) दुःखनाशः (B) मोक्षप्राप्तिः

(C) संसारबन्धनाशः (D) परमात्मसत्कारः

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-3

402. पुष्कर पलाशवत् निर्लेप होता है- UGC 73 S–2013

(A) प्राणः (B) पुरुषः

(C) प्रधानम् (D) आकाशः

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-344

403. अव्याप्यवृत्ति विशेष गुण होता है-UGC 73 S–2013

(A) संस्कारः (B) गन्धः

(C) शब्दः (D) परिमाणम्

स्रोत–तर्कभाषा- गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-436

404. कर्म का सिद्धान्त है? UP PCS – 1997

(A) न्याय से (B) मीमांसा से

(C) वेदान्त से (D) वैशेषिक से

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-348

405. ''मनः भूतत्त्ववत् मूर्तत्त्वात्'' यहाँ मूर्तत्त्व हेतु में दोष है- UGC 73 S–2013

(A) बाधः (B) विरोधः

(C) अव्याप्तिः (D) आश्रयासिद्धिः

स्रोत–

391. (A) 392. (*) 393. (B) 394. (D) 395. (*) 396. (A) 397. (*) 398. (B) 399. (B) 400. (C) 401. (B) 402. (B) 403. (C) 404. (B) 405. (A)

406. धर्माधर्मादि भाव होते हैं - UGC 73 S–2013

(A) पुरुषे (B) मूलप्रधाने

(C) महत्तत्त्वे (D) मनसि

स्रोत–सांख्यकारिका (का023)- राकेश शास्त्री, पेज-73

407. महामोह होते हैं - UGC 73 S–2013

(A) दश (B) नव

(C) एकादश (D) द्वादश

स्रोत–सांख्यकारिका (का048) - राकेश शास्त्री, पेज-135

408. ''षड्गुरू'' यह उपाधि होती है - UGC 73 S–2013

(A) वैदिकस्य (B) जैनस्य

(C) नैयायिकस्य (D) शून्यवादिनः

स्रोत–

409. प्रधानकारणवाद का निरास है - UGC 73 S–2013

(A) महाभाष्ये (B) शाबरभाष्ये

(C) व्यासभाष्ये (D) शांकरभाष्ये

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शन - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, भू .पेज-37

410. अनादिभावरूप है और ज्ञान से निवृत्त होता है - UGC 73 S–2013

(A) मनः (B) जगत्

(C) अज्ञानम् (D) मिथ्यात्वम्

स्रोत–भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा, पेज-283

411. पुनरुत्पत्ति .... होती है - UGC 73 J–2014

(A) दोषः (B) लिङ्गम्

(C) प्रेत्यभावः (D) प्रयोजनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-187

412. भावों से अधिवासित होकर संसरण करता है - UGC 73 J–2014

(A) प्रकृतिः (B) पुरुषः

(C) लिङ्गम् (D) अहङ्कारः

स्रोत–सांख्यकारिका (का0-52)-राकेश शास्त्री, पेज-149

413. धर्म से गमन होता है- UGC 73 J–2014

(A) ऊर्ध्वम् (B) अधः

(C) परितः (D) तिर्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का.44) - राकेश शास्त्री, पेज-127

414. भोजवृत्तिरस्ति? UGC 73 D–2014

(A) सांख्यसूत्राणाम् (B) योगसूत्राणाम्

(C) धर्मसूत्राणाम् (D) गौतमसूत्राणाम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-319

415. 'अश्वसंज्ञपन' का तात्पर्य है - UGC 73 J–2014

(A) स्नपनम्

(B) मार्जनम्

(C) प्राणसञ्जागरणम्

(D) प्राणवियोगजननानुकलोव्यापारः

स्रोत–

416. ''हीगेल'' पाश्चात्त्य पण्डित का वाद है- UGC 73 J–2014

(A) भौतिकवादः (B) प्रत्ययवादः

(C) मानवतावादः (D) संशयवादः

स्रोत–पाश्चात्त्य दर्शन- शोभा निगम- पेज-62-63

417. ''याथातथ्यतोऽर्थान् त्यदधात् शाश्वतीभ्यः समाम्यः'' इस श्रुति से साधित होता है- UGC 73 J–2014

(A) वर्णनित्यत्वम् (B) जगत्सत्यत्वम्

(C) परमात्मनित्यत्वम् (D) विष्णोः सर्वगतत्वम्

स्रोत–

418. परब्रह्मणः स्वगतभेदवर्जितत्वं प्रतिपादितं परब्रह्म - UGC 73 J–2014

(A) नेह नानास्ति किञ्चन (B) वाचा विरूपनित्यया

(C) प्रपञ्चो यदि विद्येत (D) अनेजदेकं मनसो जवीयः

स्रोत–

419. शिवाद्वैत निरूपण करने वाली श्रुति उदाहृत की जाती है - UGC 73 J–2014

(A) सर्वं खल्विदं ब्रह्म (B) अयमात्मा ब्रह्म

(C) मुत्तिकेत्येव सत्यम् (D) अहं ब्रह्मास्मि

स्रोत–

420. ''तमः प्रकाशवद् विरुद्धस्वभावयोः'' यह कथन है- UGC 73 J–2014

(A) समन्वयाधिकरणे (B) जिज्ञासाधिकरणे

(C) आकाशाधिकरणे (D) स्मृत्याधिकरणे

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती, पेज - 02

406. (C) 407. (A) 408. (A) 409. (A) 410. (D) 411. (C) 412. (C) 413. (A) 414. (B) 415. (D) 416. (B) 417. (B) 418. (A) 419. (C) 420. (B)

421. द्रव्यत्व अवच्छेदक होता है- UGC 73 J–2014
(A) निमित्तकारणत्वस्य (B) समवायिकारणत्वस्य
(C) असाधारणकारणत्वस्य (D) असमवायिकारणत्वस्य
स्रोत–

422. द्रव्यादिसप्तान्यतमत्त्वं भवति- UGC 73 J–2014
(A) द्रव्यादिभेदसप्तकभावत्वम्
(B) द्रव्यादिसप्तभिन्नभिन्नत्वम्
(C) द्रव्यादिसप्तकत्वाभावात्वम्
(D) द्रव्यादिसप्ताभिन्नत्वाभावत्वम्
न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)–गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-58

423. सदागतिमत्त्वाभावात् से तम नहीं होता है - UGC 73 J–2014
(A) वायुः (B) मनः
(C) आकाशः (D) जलम्
स्रोत–

424. उस ज्ञान विषयक ज्ञान का ग्रहण होता है - UGC 73 J–2014
(A) प्रामाण्यम् (B) अप्रमाण्यम्
(C) बुद्धित्वम् (D) संशयत्वम्
स्रोत–तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-155

425. ''सर्वनयात्मकं सम्यगर्थनिर्णयः'' लक्षणं भवति - UGC 73 J–2014
(A) प्रमाणम् (B) प्रमेयम्
(C) प्रमितिः (D) प्रमाता
स्रोत–

426. उपाधि सम्बन्ध से कल्पित आत्मा में है - UGC 73 J–2014
(A) सुखित्वम् (B) जीवत्वम्
(C) मिथ्यात्वम् (D) जगद्योनित्वम्
स्रोत–

427. उसने ही निर्माण किया - UGC 73 J–2014
(A) सकलं प्रपञ्चम् (B) सर्वजीवजालम्
(C) चतुर्दशभुवनम् (D) पातालादिभुवनम्
स्रोत–

428. पदार्थस्य किं लक्षणम् - UGC 25 J–2007
(A) सत्तावत्वम् (B) भावत्वम्
(C) धेयत्वम् (D) प्रमेयत्वम्
स्रोत–तर्कसंग्रह- अनितासेना गुप्ता, पेज-27

429. सामान्य पदार्थः नास्तीति कस्य मतम् - UGC 25 J–2007
(A) वेदान्तस्य (B) नैयायिकस्य
(C) मीमांसकस्य (D) वैयाकरणस्य
स्रोत–

430. विभुत्वं किमस्ति - UGC 25 J–2007
(A) अपरिच्छिन्नपरिमाणवत्वम्
(B) परिमाणरहित्वम्
(C) सर्वमूर्तद्रव्यसंयोगित्वम्
(D) प्रत्यक्षायोग्यद्रव्यत्वम्
स्रोत–तर्कसंग्रह- कृष्णवल्लभाचार्य,पेज-37

431. अव्याप्यवृत्तित्वं किमस्ति - UGC 25 J–2007
(A) सावच्छिन्नवृत्तिकत्वम् (B) निरवच्छिन्नवृत्तिकत्वम्
(C) एकमात्रवृत्तित्वम् (D) अनेकवृत्तित्वम्
स्रोत–

432. अहङ्कार कतिविधो भवति - UGC 25 D–2007
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-208

433. वैराग्यात् किं भवति - UGC 25 D–2007
(A) प्रकृतिलयः (B) बुद्धिलयः
(C) अहङ्कारलयः (D) भूतलयः
स्रोत–सांख्यकारिका- सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-267

434. पारिमाण्डल्यं नाम किम् - UGC 25 D–2007
(A) परमाणुः (B) अणुपरिमाणम्
(C) ब्राह्मण्डम् (D) त्रसरेणुः
स्रोत–तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-225

421. (B) 422. (A) 423. (A) 424. (A) 425. (A) 426. (B) 427. (C) 428. (D) 429. (*) 430. (C)
431. (B) 432. (C) 433. (A) 434. (B)

435. समीचीनां तालिकां चिनुत - UGC 25 D–2008

(क) आत्मा **(i) गुणः**
(ख) शब्दः **(ii) अभावः**
(ग) तमस् **(iii) द्रव्यम्**
(घ) परत्वम् **(iv) जातिः**

	क	ख	ग	घ
(A)	III	II	I	IV
(B)	I	III	II	IV
(C)	III	I	II	IV
(D)	I	II	III	IV

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज-28,29,58

436. शब्दो न प्रमाणमिति कस्य मतम् - UGC 25 J–2010

(A) सांख्यस्य (B) योगस्य
(C) न्यायस्य (D) बौद्धस्य

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पेज-136

437. कारणैकार्थपत्यासत्या को जनकः - UGC 25 J–2011

(A) घटं प्रति कपालः
(B) घटं प्रति दण्डः
(C) घटरूपं प्रति कपालरूपम्
(D) घटं प्रति कपालम्

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पेज-42

438. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत - UGC 25 J–2011

क- प्रभाकरः **1. अन्यथाख्यातिः**
ख- शङ्करः **2. अख्यातिः**
ग- कुमारिलः **3. अनिर्वचनीयख्यातिः**
घ- गौतमः **4. विपरीतख्यातिः**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	2	1

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पेज-202-208

439. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत - UGC 25 J–2011

क- आरम्भवादः **1. सांख्यानाम्**
ख- परिणामवादः **2. नैयायिकानाम्**
ग- विवर्तवादः **3. अद्वैतवेदान्तिनाम्**
घ- विज्ञानवादः **4. बौद्धानाम्**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	3	2	1	4
(B)	2	1	3	4
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–भारतीय दर्शन–बलदेव उपाध्याय, पेज-134, 258, 371

440. अधोनिर्दिष्टेषु किम् असत्यमस्ति - UGC 25 J–2011

(A) जीवन्मुक्तिरेव विदेहमुक्तिः
(B) इच्छाशक्तिमान् करणरूपः मनोमयकोशः
(C) वस्तुनि अवस्तुन आरोपः अध्यारोपः
(D) सांख्यमते दशेन्द्रियाणि भवन्ति

स्रोत–सांख्यकारिका (का025)–सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-208

441. 'पर्वतो वह्निमान् प्रमेयत्वात्' इत्यत्र दोषो वर्तते - UGC 25 J–2013

(A) साध्याभाववद्वृत्तिः (B) दृष्टान्तरहित्वम्
(C) साध्याभावव्याप्तिः (D) आश्रयासिद्धित्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज-96

442. तस्मादिन्द्रियम् ------ UGC 25 S–2013

(A) प्रत्यक्षप्रमाणम् (B) अनुमितिकरणम्
(C) उपमानम् (D) शब्दप्रमाणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन, गुप्ता, पेज-74

443. 'आर्यसमाज' के प्रवर्तक हैं - UGC 73 D–1992

(A) मनु (B) दयानन्दसरस्वती
(C) रामकृष्णपरमहंस (D) राजाराममोहनराय

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18

444. 'यमल' शब्द का अर्थ होता है - UGC 73 D–1996

(A) जोड़ा (B) स्त्री, पुरुष
(C) एक काल में पैदा (D) कोई नहीं

स्रोत–शब्दकोश- वामन शिवराम आप्टे, पेज-830

435. (C) 436. (D) 437. (C) 438. (B) 439. (B) 440. (D) 441. (A) 442. (A) 443. (B) 444. (B)

445. अनुपलब्धि का विषय क्या है - UGC 73 D–1999

(A) अभाव (B) अर्थापत्ति
(C) सादृश्यज्ञान (D) विभ्रम

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-284

446. भारतीयशिक्षादार्शनिकेषु कस्य प्रभावः – DSSSB PGT–2014

(A) पाश्चात्यशिक्षायाः (B) आश्रमव्यवस्थायाः
(C) पुरुषार्थचतुष्टयस्य (D) आधुनिकतायाः

स्रोत–

447. सामान्य पदार्थ को स्वीकार नहीं करते हैं - UGC 73 D–2014

(A) बौद्ध (B) नैयायिक
(C) वैशेषिक (D) मीमांसक

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 49-50

448. न्यासापहारी होता है- UGC 73 D–2014

(A) षण्ढः (B) अनपत्यः
(C) वातवृषणः (D) छिन्नहस्तः

स्रोत–

449. सही विकल्प चुनिए - UGC 73 D–2014

(A) प्रत्यक्षमेकं प्रमाणम् - जैनानाम्
(B) आलयविज्ञानम् - योगदर्शने
(C) निर्विकल्पकज्ञानं प्रमाणम् - बौद्धे
(D) सत्यप्रपञ्चः इति - अद्वैतवेदान्ते

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-85

450. सही विकल्प चुनिये - UGC 73 D–2014

(A) भारतीया-संस्कृतिः - नवीनाऽस्ति
(B) संस्कृतिः - संस्कृताश्रिता
(C) भारतीया-संस्कृतिः - धर्ममूला नास्ति
(D) भारतीया-संस्कृतिः - वेदानुगा नास्ति

स्रोत–

451. अधस्तनयुग्मानां तालिकां चिनुत - UK SLET–2015

क- तर्कसंग्रहः	**1. वेदान्तदर्शनम्**
ख- वेदान्तसारकारः	**2. अन्नम्भट्टः**
ग- विवर्तवादः	**3. सांख्यकारिका**
घ- प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टम्	**4. सदानन्दः**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	2	3	4	1
(B)	2	4	1	3
(C)	3	1	4	2
(D)	4	2	3	1

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–537,639,773,794

452. शब्दनित्यताधिकरण है - UGC 73 D–2013

(A) प्रथमम् (B) द्वितीयम्
(C) चतुर्थम् (D) पञ्चमम्

स्रोत–

453. 'जगद्व्यापारवर्जम्' इस सूत्र से बोध होता है - UGC 73 S–2013

(A) जीवेश्वरभेदतत्त्वम् (B) जीवनमुक्तिलक्षणम्
(C) जडेश्वरभेदतत्त्वम् (D) ब्रह्मणः तटस्थलक्षणम्

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य-सत्यानन्द सरस्वती, पेज-879

454. अग्निदिव्य में मण्डल है - UGC 73 S–2013

(A) एकादश (B) नव
(C) पञ्च (D) चत्वारि

स्रोत– याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–255

455. अनीश्वर होता है - UGC 73 D–2014

(A) ईश्वराभावः (B) ईश्वरभेदः
(C) ईश्वरसदृशः (D) अल्पेश्वरः

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–124

456. ज्ञाननिवर्त्यत्वं भवति - UGC 73 D–2014

(A) मिथ्यात्वम् (B) सत्यत्वम्
(C) बाधः (D) उपाधिः

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-283

457. अशेषसाधनाश्रयाश्रितसाध्य-सामानाधिकरण्यं भवति- UGC 73 D–2014

(A) व्याप्तिः (B) अनुमितिः
(C) मिथ्यात्वम् (D) सत्त्वम्

स्रोत–

445. (A) 446. (B) 447. (A) 448. (B) 449. (C) 450. (B) 451. (B) 452. (A) 453. (A) 454. (B) 455. (A) 456. (A) 457. (A)

458. 'प्राज्ञमतविरुद्धवाद' यह अर्थ होता है- UGC 73 D–2014

(A) प्रज्ञावादस्य (B) प्रज्ञानस्य

(C) शक्तिवादस्य (D) संघातवादस्य

स्रोत–

459. ब्रह्मसर्वज्ञ सर्वशक्तिसम्पन्न ज्ञात होता है- UGC 73 D–2014

(A) उपमानात् (B) अर्थापत्या

(C) अनुमानात् (D) उपलब्ध्या

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती,पेज-281

460. ''अनादिनिधनं ब्रह्म'' भवति– UGC 73 D–2014

(A) शब्दतत्त्वम् (B) अर्थतत्त्वम्

(C) वाक्यतत्त्वम् (D) काव्यतत्त्वम्

स्रोत–वाक्यपदीयम् (1/1) - शिवशंकर अवस्थी, पेज-1

461. अभावस्य ज्ञानं केन प्रमाणेन भवति - JNU MET–2014

(A) प्रत्यक्षेण (B) अनुमानेन

(C) उपमानेन (D) अर्थापत्या

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-220

462. भूतत्व-मूर्त्तत्वयोः का जातिः - JNU MET–2014

(A) भूतत्वम् (B) मूर्त्तत्वम्

(C) द्रव्यत्वम् (D) नैकाऽपि

स्रोत–

463. आत्म-नानात्वं कस्य अभिमतम् - JNU MET–2014

(A) बौद्धस्य (B) वेदान्तस्य

(C) वैशेषिकस्य (D) वैयाकरणस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-209

464. काश्मीरशैवदर्शने कति तत्त्वानि सन्ति - JNU MET–2014

(A) 33 (B) 36

(C) 25 (D) 15

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा,पेज-339

465. सात तत्त्वों में कौन-सा नहीं है - BHU AET–2011

(A) बन्ध (B) संवर

(C) निर्जरा (D) पुद्‌गल

स्रोत–भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-162

466. चैतन्य का दर्शन किस नाम से प्रसिद्ध है - BHU AET–2010

(A) अचिन्त्यभेदाभेदवाद (B) भेद-भाव

(C) अभेदभाव (D) द्वैतवाद

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-330

467. उपरमस्वत्वाद का प्रतिपादन किसने किया है ? UGC 73 J–2008

(A) विज्ञानेश्वरेण (B) नन्दपण्डितेन

(C) जीमूतवाहनेन (D) कमलाकरेण

स्रोत–

468. किन दो दर्शनों में ईश्वर के अतिरिक्त अन्य सब समान है - UGC 73 J–2008

(A) जैनबौद्धयोः (B) सांख्ययोगयोः

(C) न्यायवैशेषिकयोः (D) सांख्यचार्वाकयोः

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-270

469. 'परत्र पूर्वदृष्टावभासः' - यह लक्षण है - UGC 73 J–2012

(A) अज्ञानस्य (B) मिथ्याज्ञानस्य

(C) अध्यासस्य (D) अविद्यायाः

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य- सत्यानन्द सरस्वती- पेज-04

470. सांख्यवक्ता कपिलः कस्य पुत्रः ? BHU AET–2012

(A) ईश्वरकृष्णस्य (B) बृहस्पतेः

(C) कर्दमस्य (D) अत्रेः

स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम- पेज-128

471. ऋषभदेव किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं- UGC 73 J–2013

(A) चार्वाकस्य (B) जैनस्य

(C) स्मार्तस्य (D) श्रौतस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-29

458. (A) 459. (C) 460. (A) 461. (A) 462. (*) 463. (C) 464. (B) 465. (D) 466. (A) 467. (C) 468. (B) 469. (C) 470. (C) 471. (B)

472. श्रीअरविन्द आश्रम स्थित है- UP PCS–2007
(A) तमिलनाडु में (B) कर्नाटक में
(C) रामेश्वरम् में (D) पाण्डिचेरी में
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-332

473. आदिशङ्कराचार्य जो बाद में शङ्कराचार्य बने उनका जन्म हुआ था - UP PCS–1999
(A) कश्मीर में (B) केरल में
(C) आन्ध्रप्रदेश में (D) पश्चिम बंगाल में
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-237

474. किस सन्त ने अद्वैतवाद का प्रतिपादन किया - Chh PSC–2012
(A) शङ्कराचार्य (B) रामानन्द
(C) कबीर (D) चैतन्य
स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-295

475. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही कालानुक्रम है- J PSC–2010
(A) शङ्कराचार्य - रामानुज - चैतन्य
(B) रामानुज - शङ्कराचार्य - चैतन्य
(C) रामानुज - चैतन्य - शङ्कराचार्य
(D) शङ्कराचार्य - चैतन्य- रामानुज
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-237,295,330

476. महावीर का जन्म कहाँ हुआ था - BHU AET–2011
(A) नागपुर में (B) कुण्डलपुर में
(C) जबलपुर में (D) जगदलपुर में
स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-77

477. भगवान् बुद्ध का दूसरा नाम क्या था - BHU AET–2010
(A) तथागत (B) हर्ष
(C) सुयोधन (D) महावीर
स्रोत–भारतीय दर्शन- शोभा निगम, पेज-127

478. गौतमबुद्ध की पत्नी का नाम क्या था - BHU AET–2010, 2011
(A) तारा (B) यशोधरा
(C) यामिनी (D) मोधा
स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज 104

479. गौतमबुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई थी - BHU AET–2010, 2011
(A) गया (B) पटना
(C) वाराणसी (D) अयोध्या
स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-135

480. जैनधर्म के आचार्य कौन थे - BHU AET–2010, 2011
(A) बुद्ध (B) महावीर
(C) ईश्वरकृष्ण (D) जैमिनि
स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

481. महावीर का जन्मस्थान कहाँ है - BHU AET–2010
(A) पाटलिपुत्र (B) वैशाली
(C) गया (D) वाराणसी
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीश चन्द्र मिश्र, पेज– 203

482. रामानुजाचार्य का जन्म कब हुआ था - BHU AET–2010
(A) 1017 ई0 (B) 1018 ई0
(C) 1028 ई0 (D) 1040 ई0
स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-406

483. मध्वाचार्य की अपर संज्ञा क्या है - BHU AET–2010
(A) पूर्णप्रज्ञ (B) ब्रह्म
(C) भागवत (D) जयतीर्थ
स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-426

484. श्री रामानुजाचार्य के पिता का क्या नाम था - BHU AET–2010
(A) ब्रह्मभट्ट (B) केशवभट्ट
(C) रामभट्ट (D) भूतनाथ
स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-406

485. श्री मध्वाचार्य के पिता का नाम क्या था - BHU AET–2010
(A) ब्रह्मभट्ट (B) रामभट्ट
(C) केशवभट्ट (D) श्री मध्वदेव
स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-426

472. (D) 473. (B) 474. (A) 475. (A) 476. (B) 477. (A) 478. (B) 479. (A) 480. (B) 481. (B) 482. (A) 483. (A) 484. (B) 485. (D)

486. शुद्धाद्वैतवादी आचार्य कौन हैं - BHU AET–2010

(A) निम्बार्काचार्य (B) वल्लभाचार्य
(C) रामभद्र (D) शङ्कर

स्रोत–भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पेज-451

487. भगवान् बुद्ध का मौलिक नाम क्या है- BHU AET–2011

(A) शुद्धोधन (B) गौतम
(C) राहुल (D) महावीर

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज-100

488. भगवान् बुद्ध किस वंश में अवतरित हुए - BHU AET–2011

(A) ब्राह्मण वंश में (B) क्षत्रिय वंश में
(C) वैश्यवंश में (D) शूद्र वंश में

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–250

489. महावीर का पितृप्रदत्त नाम क्या था - BHU AET–2011

(A) वर्धमान (B) पार्श्वनाथ
(C) सिद्धार्थ (D) प्रियव्रत

स्रोत–भारतीय दर्शन - शोभा निगम, पेज -77

490. महावीर के पिता का क्या नाम था - BHU AET–2011

(A) वर्धमान (B) पार्श्वनाथ
(C) सिद्धार्थ (D) प्रियव्रत

स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज– 203

491. जैनधर्म के अन्तिम तीर्थङ्कर कौन थे - BHU AET–2011

(A) आदिनाथ (B) पार्श्वनाथ
(C) महावीर (D) सिद्धार्थ

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-143

492. आचार्य निम्बार्क का मौलिक नाम क्या था - BHU AET–2011

(A) विजयानन्द (B) नियमानन्द
(C) ज्ञानानन्द (D) कृष्णानन्द

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज- 323

493. निम्बार्काचार्य क्या थे - BHU AET–2011

(A) द्रविडब्राह्मण (B) तैलङ्गब्राह्मण
(C) तमिलब्राह्मण (D) कान्यकुब्जब्राह्मण

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-420

494. चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी कौन थे - BHU AET–2011

(A) रूपगोस्वामी (B) शङ्कर
(C) मण्डन (D) रामानुज

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-330

495. आचार्य माध्व की दूसरी संज्ञा क्या है - BHU AET–2011

(A) आनन्दतीर्थ (B) तीर्थंकर
(C) आनन्दकन्द (D) जयतीर्थ

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-426

496. आचार्य माध्व किसके आचार्य माने जाते हैं- BHU AET–2011

(A) अग्नि (B) वरुण
(C) वायु (D) इन्द्र

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-426

497. आचार्य माध्व के सम्प्रदाय का क्या नाम है - BHU AET–2011

(A) योगसम्प्रदाय (B) ब्रह्मसम्प्रदाय
(C) ज्ञानसम्प्रदाय (D) वल्लभसम्प्रदाय

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-319

498. शंकराचार्याणां माता का - DSSSB PGT–2014

(A) आर्याम्बा (B) पूर्णाम्बा
(C) उमाम्बा (D) शारदाम्बा

स्रोत–

499. (i) शङ्कराचार्यभगवत्पादाः कुत्र जन्म प्राप्तवन्तः –
(ii) शङ्कराचार्यस्य जन्मस्थानं वर्तते –
DSSSB TGT–2014, UGC 73 J–2012

(A) मधुरायाम् (B) काञ्चीपुर्याम्
(C) कालड्याम् (D) अयोध्यायाम्

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज– 237

486. (B) 487. (B) 488. (B) 489. (A) 490. (C) 491. (C) 492. (B) 493. (B) 494. (A) 495. (A) 496. (C) 497. (B) 498. (A) 499. (C)

500. भामती प्रस्थान के प्रथमोपदेष्टा हैं - UGC 73 J–2006

(A) श्रीहर्ष (B) पद्मपादाचार्य

(C) वाचस्पति मिश्र (D) सदानन्द

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-274

501. सदानन्द के गुरु का नाम - UGC 25 D–2008

(A) आत्मानन्दः (B) सदानन्दः

(C) रामानन्दः (D) अद्वयानन्दः

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव- पेज-06

502. शंकराचार्य ने शरीर त्याग कहाँ किया - BHU AET–2010

(A) वाराणसी (B) मिथिला

(C) केदारनाथ (D) उज्जैन

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज -237

503. शंकराचार्य द्वारा प्रवर्तित सम्प्रदाय कौन-सा है- BHU AET–2010

(A) दशनामी (B) पञ्चनामी

(C) सप्तनामी (D) एकनामी

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-274

504. शंकराचार्य के परवर्ती आचार्य कौन हैं- BHU AET–2010

(A) आत्रेय (B) जैमिनि

(C) काश्यप (D) वाचस्पतिमिश्र

स्रोत– भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज– 274

505. शंकराचार्य किस वाद के समर्थक हैं - BHU AET–2011

(A) मायावाद (B) अनीश्वरवाद

(C) विज्ञानवाद (D) तीनों

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-327

506. शंकराचार्य के गुरु का नाम क्या था - BHU AET–2011

(A) गोविन्दभगवद्पाद (B) सुरेश्वराचार्य

(C) मण्डनमिश्र (D) वाचस्पतिमिश्र

स्रोत–भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र, पेज-349

507. शङ्कराचार्य के 'गुरूणां गुरुः' हैं? UP PGT–2011

(A) गोविन्दपाद (B) गौड़पाद

(C) बादरायण (D) वाचस्पति मिश्र

स्रोत–वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, पेज-25

508. 'अप्रमातृत्व' है– UGC 73 D–2016

(A) प्रपञ्चत्वम् (B) जीवत्वम्

(C) जडत्वम् (D) तुच्छत्वम्

स्रोत–

509. जन्म, औषधि, मन्त्र, तप और समाधि से उत्पन्न होती है? UGC 73 J–2016

(A) अन्तरायाः (B) सिद्धयः

(C) कैवल्यहेतवः (D) क्लेशाः

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शन - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज– 491

510. अभिनवगुप्तः अनेन दर्शनेन सम्बद्धः–CVVET–2015

(A) द्वैताद्वैतेन (B) माध्यमिकेन

(C) प्रत्यभिज्ञादर्शनेन (D) योगाचारेण

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-212-213

511. ख्यातिपञ्चके सिद्धान्तानां दर्शनानाञ्च सम्यक् मेलनं कुरुत– JNU Mphil/Ph.D–2014

सिद्धान्तः	**दर्शनानि**
(A) आत्मख्यातिः	1. वेदान्तदर्शनम्
(B) असत्ख्यातिः	2. माध्यमिकबौद्धदर्शनम्
(C) अख्यातिः	3. न्यायदर्शनम्
(D) अनिर्वचनीयख्यातिः	4. विज्ञानवादीबौद्धदर्शनम्
(E) अन्यथाख्यातिः	5. प्राभाकरमीमांसादर्शनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-200-206

512. भारतीयदर्शन के समर्थकों में दो मूलभूत विभाजन है? UGC 09–2013

(A) वेदान्त और बौद्ध (B) अद्वैत और द्वैत

(C) आस्तिक एवं नास्तिक (D) कट्टरवादी एवं अशास्त्रीय

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, भू0 पेज– 10

513. ब्रह्मसूत्रस्य प्रथमसूत्रे कयोः स्पष्टीकरणं कृतम्? MH SET–2016

(A) आत्मब्रह्मणोः (B) विद्याविद्ययोः

(C) इहपरयोः (D) मायाविद्ययोः

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - सत्यानन्द सरस्वती, पेज-102

500. (C) 501. (D) 502. (C) 503. (A) 504. (D) 505. (A) 506. (A) 507. (B) 508. (C) 509. (B) 510. (C) 511. (B) 512. (C) 513. (A)

514. अधस्तनवर्गयोः समीचीनं युग्मपर्यायं विचिनुत– MH SET–2013

(क) चार्वाकः (i) प्रज्ञानघन एवानन्दमयः

(ख) बौद्धः (ii) स वा एष पुरुषोऽन्नरसमयः

(ग) भाट्टः (iii) आत्मा वै जायते पुत्रः

(घ) अतिप्राकृतः (iv) अन्योऽन्तर आत्मा विज्ञानमयः

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	3	2	1	4
(C)	2	4	1	3
(D)	1	3	4	2

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–93, 96, 103, 106

515. 'शास्त्रयोनित्वात्' इत्यस्मिन् सूत्रे 'योनिः' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थः? UGC 25 Jn–2017

(A) जन्म (B) कारणम्

(C) कार्यम् (D) व्याख्या

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - सत्यानन्द सरस्वती, पेज-43

516. हेमचन्द्रसूरिः कस्य दर्शनस्य आचार्योऽस्ति? UGC 25 Jn–2017

(A) बौद्धदर्शनस्य (B) जैनदर्शनस्य

(C) चार्वाकदर्शनस्य (D) सांख्यदर्शन

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-103

517. 'तज्ज्ञानं पञ्चविधं मतिश्रुतावधिमनःपर्यायकेवलभेदेन' उक्तिरियं केन दर्शनेन सम्बद्धा अस्ति-UGC 25 Jn–2017

(A) आर्हतदर्शनेन (B) बौद्धदर्शनेन

(C) रामानुजदर्शनेन (D) न्यायदर्शनेन

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि, पेज-119

518. 'तत्र पृथिव्यादीनि भूतानि चत्वारि तत्त्वानि इति कस्य मान्यता अस्ति - UGC 73 Jn–2017

(A) चार्वाकदर्शनस्य (B) न्यायदर्शनस्य

(C) मीमांसादर्शनस्य (D) वेदान्तदर्शनस्य

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि, पेज-4

519. मध्वदर्शनानुसारं मोक्षपदार्थोऽस्ति-UGC 73 Jn–2017

(A) कर्मकृतस्य देहस्वरूपस्यावरणाभावे जीवस्य सततोर्ध्वगमनम्

(B) जगत्कर्तृत्व-लक्ष्मीपतित्व-श्री-वत्सप्राप्तिरहितं दुःखामिश्रितं पूर्णं सुखम्।

(C) अशेषविशेषगुणोच्छेदः।

(D) स्वर्गादिप्राप्तिः।

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-232-233

520. माध्वाः कं पदार्थं न स्वीकुर्वन्ति -UGC 73 Jn–2017

(A) गुणपदार्थम् (B) विशेषपदार्थम्

(C) अभावपदार्थम् (D) समवायपदार्थम्

स्रोत–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज– 83

521. 'सर्वमनेकान्तमिति प्रतिज्ञाव्याघातः द्वितीये विवक्षितार्थासिद्धिः'– अनेक कस्य मतस्य साधनं भवति– UGC 73 Jn–2017

(A) अनेकान्तवादस्य (B) सप्तभङ्गिनयस्य

(C) एकान्तवादस्य (D) आर्हतदर्शनस्य

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-158

522. अधोलिखितेषु केन सह कस्य सम्बन्धः? उचितां तालिकां चिनुत– UGC 73 Jn–2017

(क) चार्वाकाः 1. प्रत्यक्षानुमानप्रमाणवादिनः

(ख) वैशेषिकाः 2. प्रत्यक्षप्रमाणवादिनः

(ग) सांख्याः 3. प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दप्रमाणवादिनः

(घ) नैय्यायिकाः 4. प्रत्यक्षानुमानशब्दप्रमाणवादिनः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	1	3	2	4
(C)	2	1	4	3
(D)	1	4	3	2

स्रोत–भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज-81,204,263

514. (C) 515. (B) 516. (B) 517. (A) 518. (A) 519. (B) 520. (D) 521. (A) 522. (C)

523. अधोलिखितेषु केन सह कस्य सम्बन्धः? उचितां तालिकां चिनुत– UGC 73 Jn–2017

(क) सत्कार्यवादः 1. न्यायवैशेषिकाणाम्

(ख) परमाणुवादः 2. बौद्धानाम्

(ग) विवर्तवादः 3. सांख्यानाम्

(घ) विज्ञानवादः 4. अद्वैतवेदान्तिनाम्

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	1	4
(B)	3	4	1	2
(C)	3	1	4	2
(D)	3	1	2	4

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-142,174,238,90

524. न्यायदर्शनस्य मूलम् – CVVET–2017

(A)गौतमप्रणीतं न्यायसूत्रम् (B) न्यायकुसुमाञ्जलिः

(C) न्यायलीलावती (D) न्यायभाष्यम्

स्रोत- तर्कभाषाः – श्रीनिवास शास्त्री, पेज – भू018

525. वैशेषिकदर्शनस्य नामान्तरं किम्? CVVET–2017

(A) श्रमणदर्शनम् (B) शाङ्करदर्शनम्

(C) सौन्दर्यदर्शनम् (D) औलूक्यदर्शनम्

स्रोत- तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज – भू017

526. अधोलिखितेषु बौद्धदर्शनाभिमतमार्यसत्यं नास्ति- UGC 73 Jn–2017

(A) दुःखम् (B) स्वीकरणम्

(C) समुदयः (D) मार्गः

स्रोत– सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–76

527. 'यथावस्थितगेयविषयीकारित्वं प्रमाणं' लक्षण है? UGC 73 J–2012

(A) प्रमाणचन्द्रिकायाम् (B) प्रमाणरक्षणे

(C) प्रमाणपद्धत्याम् (D) वेदान्तपरिभाषायाम्

स्रोत–

528. 'प्रमाणविषयनिरूपणार्थं ब्रह्मतर्कमुद्राहृतम्' यह उक्ति है? UGC 73 J–2012

(A) मायावादखण्डने (B) विष्णुतत्त्वविनिर्णये

(C) तत्त्वसंख्याने (D) उपाधिखण्डने

स्रोत– भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–619

529. 'भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः' – यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है? BHU MET–2016

(A) गीता (B) ब्रह्मसूत्र

(C) जैमिनीय न्यायमाला (D) सर्वदर्शनसंग्रह

स्रोत– सर्वदर्शन संग्रह - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–03

530. प्रमाणसिद्धभिन्नत्व होता है– UGC 73 J–2016

(A) सत्यत्वम् (B) अज्ञानत्वम्

(C) विभुत्वम् (D) मिथ्यात्वम्

स्रोत–

531. शाङ्करदर्शन ने पाँच अर्थवादों मे से एक है? UGC 73 D–2015

(A) प्रवेश (B) तुल्य

(C) गमन (D) आरोहण

स्रोत– सर्वदर्शन संग्रह-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–658,659

523. (C) 524. (A) 525. (D) 526. (B) 527. (A) 528. (B) 529. (C) 530. (*) 531. (A)

08 दार्शनिक ग्रन्थ-ग्रन्थकार

1. (i) 'भामती' के रचयिता हैं - UGC 25 J–1994
(ii) भामतीकार हैं?
(iii) 'भामती' केन विरचिता -
UGC 73 D-2012, Jn - 2017, BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिमिश्र (B) पद्मपाद
(C) सदानन्द (D) शङ्कर
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 30

2. सांख्यदर्शन से सम्बद्ध लेखक हैं?
BHU MET–2016
(A) प्रभाकर (B) शालिकनाथ
(C) वाचस्पति (D) मुरारि
स्रोत–सांख्यकारिका – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 36

3. (i) वेदान्तसार के रचनाकार हैं - UP PGT–2004,
(ii) वेदान्तसारग्रन्थस्य कर्ता वर्तते? BHU MET–2014,
(iii) वेदान्तसार के प्रणेता कौन हैं? 2009
UGC 25 J–2003, 2014 D–2009
(A) शङ्कर (B) भास्कर
(C) सदानन्द (D) दयानन्द
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 39

4. (i) शङ्कराचार्य ने ब्रह्मसूत्र पर कौन सा भाष्य लिखा है?
(ii) शङ्कराचार्यप्रणीतं भाष्यमस्ति? UGC 73 J–1999,
UGC 25 S–2013, BHU AET–2011
(A) शारीरकसूत्रम् (B) मीमांसासूत्रम्
(C) धर्मसूत्रम् (D) सांख्यसूत्रम्
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, पृष्ठ- 07

5. आचार्य शङ्कर किस ग्रन्थ के रचयिता हैं?
BHU MET–2008
(A) वाल्मीकिरामायणम् (B) महाभारतम्
(C) ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (D) शिशुपालवधम्
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 27

6. आचार्य शङ्कर ने किस पर भाष्य लिखा है ?
BHU MET–2009, 2013, UGC 73 J–2013
(A) सांख्यकारिका (B) ब्रह्मसूत्र
(C) तर्कसंग्रह (D) महाभारत
स्रोत–भारतीयदर्शन - उमेश मिश्र, पेज–349

7. अद्वैतवेदान्त में वार्तिककार हैं -
UGC 73 J–2006, 2012
(A) सुरेश्वराचार्यः (B) पद्मपादाचार्यः
(C) प्रकाशात्मयतिः (D) मधुसूदन सरस्वती
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- (xiii)

8. (i) शाङ्करभाष्य के पञ्चपादिका के कर्त्ता हैं -
(ii) पञ्चपादिकाकारः कः अस्ति?
UGC 73 J–2006, 2014
(A) पद्मपादः (B) विद्यारण्यः
(C) श्रीशङ्करः (D) सुरेश्वरः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 51

9. 'अद्वैतसिद्धि' के रचयिता हैं - UGC 73 J–2011
(A) प्रकाशात्मयति (B) मधुसूदन सरस्वती
(C) अप्पयदीक्षित (D) श्रीहर्ष
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- (xvii)

10. 'रामानुजाचार्य' का ग्रन्थ है - UGC 73 D–2011
(A) आपदेवी (B) मीमांसाकुतूहलम्
(C) तन्त्ररहस्यम् (D) अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 10

11. 'प्रस्थानत्रयी' के भाष्यकर्ता हैं - UGC 73 J–2012
(A) वल्लभाचार्यः (B) मण्डनमिश्रः
(C) मधुसूदनः (D) शङ्कराचार्यः
स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- (x)

1. (A) 2. (C) 3. (C) 4. (A) 5. (C) 6. (B) 7. (A) 8. (A) 9. (B) 10. (C) 11. (D)

12. 'मनीषापञ्चक' यह ग्रन्थ है- UGC 73 J–2013
(A) मण्डनाचार्यस्य (B) वाचस्पतिमिश्रस्य
(C) श्रीशङ्कराचार्यस्य (D) गोविन्दपादाचार्यस्य
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 27-28

13. गोविन्दानन्दविरचित व्याख्या है- UGC 73 D–2013
(A) रत्नप्रभा (B) भाष्यभावप्रकाशिका
(C) बह्मविद्याभरणम् (D) न्यायनिर्णयः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-33

14. 'प्रपञ्चसार' ग्रन्थ के रचयिता हैं- UGC 73 S–2013
(A) रामानुजाचार्यः (B) शङ्कराचार्यः
(C) सुरेश्वराचार्यः (D) भास्कराचार्यः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 820

15. 'उपदेशसाहस्री' के ग्रन्थकार हैं - UGC 73 J–2014
(A) मध्वाचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) गिरिधराचार्य (D) शङ्कराचार्य
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 27

16. 'विष्णुतत्त्वनिर्णय' के रचयिता/लेखक हैं - UGC 73 D–1997, BHU AET–2010
(A) जयतीर्थः (B) व्यासतीर्थः
(C) आनन्दतीर्थः(मध्वाचार्यः) (D) राजतीर्थः
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 319

17. 'अणुभाष्य' के कर्त्ता हैं - UGC 73 J–1998
(A) जयतीर्थः (B) राघवेन्द्रतीर्थः
(C) व्यासराजः (D) वल्लभाचार्यः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-423

18. 'माध्व' के टीकाकार हैं - UGC 73 D–1999
(A) रामतीर्थः (B) जयतीर्थः
(C) व्यासराजः (D) पार्थसारथिः
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 319

19. 'माध्व' का ग्रन्थ है - UGC 73 D–1999
(A) तत्त्वोद्योत (B) तत्त्वप्रकाशिकाटीका
(C) तत्त्वचिन्तामणि (D) तत्त्वसंख्यानटीका
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 319

20. 'वेदान्तसूत्रग्रन्थस्य' भाष्यकारः आसीत् - BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) पतञ्जलिः
(C) शङ्कराचार्यः (D) कपिलः
स्रोत–सांख्यकारिका - राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 14

21. पतञ्जलिः कस्य दर्शनस्य प्रणेता– CVVET–2017
(A) योगस्य (B) वेदान्तस्य
(C) बौद्धस्य (D) वैशेषिकस्य
स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, भू0 पेज–158

22. सूची I का मिलान सूची II से कीजिए और दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए- UP TGT (H)–2005

(क) शुद्धाद्वैतवाद 1. वल्लभाचार्य
(ख) अद्वैतवाद 2. शङ्कराचार्य
(ग) विशिष्टाद्वैतवाद 3. रामानुजाचार्य
(घ) द्वैतवाद 4. मध्वाचार्य

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	1	2	3

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- VIII

23. वल्लभाचार्य ने ब्रह्मसूत्र पर कौन-सा भाष्य लिखा ? BHU AET–2011
(A) अणुभाष्य (B) परमाणुभाष्य
(C) श्रीभाष्य (D) सुबोधिनी
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 326

24. चैतन्य ने किस ग्रन्थ की रचना की ? BHU AET–2011
(A) सुबोधिनी (B) सुवर्णसूत्र
(C) प्रमेयरत्नार्णव (D) तीनों में से कोई नहीं
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 330

12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (D) 16. (C) 17. (D) 18. (B) 19. (A) 20. (C) 21. (A) 22. (C) 23. (A) 24. (D)

25. रामानुजाचार्य के श्रीभाष्य पर उनके किस शिष्य ने श्रुतप्रकाशिका टीका लिखी? BHU AET–2011

(A) सुदर्शनसूरि (B) वेङ्कटनाथ
(C) वाचस्पति मिश्र (D) वेदान्तरसिक

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 295

26. आचार्य माध्व की प्रमुख कृति कौन-सी है ? BHU AET–2011

(A) ब्रह्मसूत्रभाष्य (B) तत्त्वप्रकाशिका
(C) न्यायसुधा (D) न्यायामृत

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 319

27. (i) ब्रह्मसूत्र के लेखक कौन हैं? MP PSC–1997
(ii) ब्रह्मसूत्रस्य रचयिता कोऽस्ति? UGC 25 J–2016
(iii) ब्रह्मसूत्र को किसने बनाया है? BHU MET–2016

(A) शङ्कराचार्य (B) कपिल
(C) बादरायण (D) गौडपाद

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 11,12

28. 'सर्वदर्शनसंग्रह' के कर्ता हैं - UGC 73 J–2010

(A) हरिभद्रसूरिः (B) सायणाचार्यः
(C) माधवाचार्यः (D) शङ्कराचार्यः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-355

29. उपनिषद् भगवद्गीता ब्रह्मसूत्रं चेत्येतेषां त्रयाणां केन शब्देन व्यवहारः - DSSSB PGT–2014, DSSSB TGT–2014

(A) दीपत्रयम् (B) मार्गत्रयम्
(C) प्रस्थानत्रयम् (D) रत्नत्रयम्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- (ix)

30. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित नहीं है - UP PCS–1997

(A) भागवत (B) भगवद्गीता
(C) ब्रह्मसूत्र (D) उपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- (ix)

31. आनन्दतीर्थ द्वारा लिखित ग्रन्थ है- UGC 73 J–2015

(A) तत्त्वविवेकः (B) चौरपञ्चाशिका
(C) औचित्यविचारचर्चा (D) अर्थसंग्रहः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-355

32. ब्रह्मसूत्र के भाष्यकार हैं - BHU AET–2010

(A) मध्वाचार्य (B) शङ्करमिश्र
(C) श्रीकण्ठ (D) वाचस्पतिमिश्र

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 12

33. पञ्चमिथ्यात्व का विचार है - UGC 73 J–2013

(A) वेदान्तपरिभाषा ग्रन्थ में
(B) सिद्धान्तबिन्दु ग्रन्थ में
(C) अद्वैतसिद्धि ग्रन्थ में
(D) शाङ्करभाष्य में

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 282

**34. ''विवेकिनो विरक्तस्य शमादिगुणशालिनः।
मुमुक्षोरेव हि ब्रह्मजिज्ञासा योग्यता मता॥''
यह अधिकारी प्रशासक श्लोक है-UGC 73 D–2013**

(A) आत्मबोधे (B) विवेकचूडामणौ
(C) शाङ्करभाष्ये (D) शतश्लोक्याम्

स्रोत–विवेकचूडामणि – गीताप्रेस, पृष्ठ- 10

35. यं ग्रन्थमधिकृत्य शङ्कराचार्येण भाष्यं न रचितम् - UGC 25 J–2013

(A) ब्रह्मसूत्रम् (B) श्रीमद्भागवतम्
(C) ईशावास्योपनिषद् (D) श्रीमद्भगवद्गीता

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- xII

36. (i) जैमिनीयन्यायमाला ग्रन्थस्य कर्त्ता/प्रणेता/रचयिता कः? BHU MET–2009, 2013,
(ii) 'जैमनीयन्यायमाला' किसने लिखी है ? UGC 73 D–2015

(A) जैमिनि (B) माधव
(C) सायण (D) भर्तृहरि

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-815,739

37. 'अर्थसंग्रहकौमुदी' के रचयिता हैं-BHU MET–2014

(A) पट्टाभिरामशास्त्री (B) वाचस्पतिमिश्र
(C) पं0 चिन्नस्वामी (D) रामेश्वर मिश्र

स्रोत–अर्थसंग्रह – वाचस्पति उपाध्याय, भू0 पृष्ठ- 32

25. (A) 26. (A) 27. (C) 28. (C) 29. (C) 30. (A) 31. (A) 32. (A) 33. (C) 34. (B) 35. (B) 36. (B) 37. (D)

38. (i) मीमांसादर्शन के लेखक हैं -
(ii) 'मीमांसासूत्र' के कर्त्ता/प्रणेता हैं -
(iii) मीमांसासूत्र के रचयिता हैं?
UGC 73 J–2006, 2015, D-1992
(A) जैमिनिः (B) बादरायणः
(C) गौतमः (D) कपिलः

स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 310

39. 'मीमांसासूत्र' के भाष्यकार हैं - UGC 73 J–2006
(A) शङ्कराचार्यः (B) वात्स्यायनः
(C) रामानन्दाचार्यः (D) शबरस्वामी

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 5

40. 'टुप्टीका' व्याख्या है - UGC 73 J–2011
(A) जैमिनिसूत्रोपरि (B) शाबरभाष्योपरि
(C) तन्त्रवार्तिकोपरि (D) श्लोकवार्तिकोपरि

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 7

41. 'शास्त्रदीपिका' के रचयिता हैं-UGC 73 J–2009, 2014
(A) पार्थसारथिमिश्रः (B) रामचन्द्रदीक्षितः
(C) मण्डनमिश्रः (D) माधवाचार्यः

स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 16

42. 'द्वादशलक्षणी' यह प्रसिद्ध शास्त्र है -
UGC 73 J–2014
(A) पूर्वमीमांसा का (B) उत्तरमीमांसा का
(C) धर्मशास्त्रम् का (D) जैनदर्शनम् का

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पृष्ठ- 4

43. जैमिनिसूत्रवृत्तियों के रचयिता हैं-UGC 73 J–2014
(A) उपवर्षः (B) भर्तृमित्रः
(C) भट्टभास्करः (D) मुरारिमिश्रः

स्रोत–(i) वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 16
(ii) सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-804,768

44. 'प्रकरणपञ्चिका' के रचयिता हैं -
UGC 73 D–1992, 2007
(A) भवनाथः (B) मथुरानाथः
(C) कुमारिलः (D) शालिकनाथः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-781

45. 'किरणावली' के लेखक हैं - UGC 73 D–1996
(A) केशवमिश्र (B) कृष्णवल्लभाचार्य
(C) विश्वनाथ पञ्चानन (D) अन्नम्भट्ट

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-271

46. 'ऋजुविमला' के रचयिता हैं - UGC 73 D–1997
(A) शालिकनाथ (B) जगदीश
(C) जयतीर्थ (D) रघुनाथ

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-765

47. 'बृहती' के रचनाकार हैं - UGC 73 J–1998
(A) कुमारिल (B) शालिकनाथ
(C) वाचस्पति (D) प्रभाकर

स्रोत– (i) सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-783
(ii) अर्थसंग्रह-सत्यप्रकाश, शर्मा,भू0 पेज-9

48. (i) 'टुप्टीका' के रचयिता हैं-
(ii) टुप्टीका ग्रन्थ के लेखक हैं -
UGC 73 J–1999, D–2015
(A) प्रभाकर (B) रामानुज
(C) वाचस्पति (D) कुमारिल

स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 311

49. 'जैमिनिसूत्र' के भाष्यकार हैं - UGC 73 D–1999
(A) उव्वटः (B) शबरः
(C) जैमिनिः (D) कुमारिलः

स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 311

50. (i) मीमांसान्यायप्रकाशस्य रचयिता कः ?
(ii) केन प्रणीतः मीमांसान्यायप्रकाशः?
BHU AET–2011, 2012
(A) कृष्णयज्वा (B) लौगाक्षिभास्करः
(C) कुमारिलभट्टः (D) आपदेवः

स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 9

51. 'द्वादशलक्षणी' कस्य ग्रन्थस्य नाम - BHU AET–2011
(A) प्रातिशाख्यस्य (B) योगदर्शनस्य
(C) बौद्धदर्शनस्य (D) जैमिनिदर्शनस्य

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 241

38. (A) 39. (D) 40. (B) 41. (A) 42. (A) 43. (A) 44. (D) 45. (B) 46. (A) 47. (D)
48. (D) 49. (B) 50. (D) 51. (D)

52. शङ्करकृत 'ब्रह्मसूत्र' का भाष्य है? UGC 73 J– 1999
(A) अणुभाष्य (B) शारीरकभाष्य
(C) पूर्णप्रज्ञभाष्य (D) विज्ञानामृतभाष्य
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - सत्यानन्द सरस्वती, भू0 पेज-12

53. 'विवरण-प्रस्थान' के संस्थापक हैं? UGC 73 D–2006
(A) अप्पयदीक्षित (B) प्रकाशात्मयति
(C) वाचस्पतिमिश्र (D) विद्यारण्य
स्रोत–संस्कृत-परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पृष्ठ- 112

54. 'विधिविवेक' के रचयिता कौन हैं? UGC 73 D– 2015
(A) शालिकनाथ मिश्र (B) वाचस्पति मिश्र
(C) प्रभाकर (D) मण्डन मिश्र
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 792

55. शास्त्रदीपिकाकारः - BHU AET–2012
(A) कुमारिलभट्टः (B) शबरस्वामी
(C) पार्थसारथिमिश्रः (D) प्रभाकरमिश्रः
स्रोत–वेदान्तसार – राकेश शास्त्री, भू. पृष्ठ- 16

56. 'प्रत्यभिज्ञाहृदय' कृति है - UGC 73 J–1991
(A) क्षेमराज (B) अभिनवगुप्त
(C) माहेश्वर (D) सोमानन्द
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 782

57. 'श्लोकवार्तिक' के रचयिता हैं-UGC 73 D–1994, 2006
(A) कुमारिलभट्ट (B) प्रभाकर
(C) जयतीर्थ (D) अभिनवगुप्त
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 242

58. शबरस्वामी का भाष्य जिस पर उपलब्ध होता है, वह है - BHU MET–2015
(A) चार्वाकदर्शन (B) पूर्वमीमांसादर्शन
(C) बौद्धदर्शन (D) जैनदर्शन
स्रोत–अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पृष्ठ- 5

59. शाबरभाष्य किस दर्शन से सम्बन्धित है ? UGC 73 J–2015
(A) वेदान्त (B) चार्वाक
(C) मीमांसा (D) सांख्य
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 488

60. 'अर्थालोक' टीका से सम्बन्धित है-BHU MET–2015
(A) तर्कसंग्रह (B) तर्कभाषा
(C) सर्वदर्शनसंग्रह (D) अर्थसंग्रह
स्रोत–अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र, भू0 पृष्ठ- 14

61. रघुनाथ शिरोमणि ने किस ग्रन्थ की रचना की? UGC 73 D– 2015
(A) दीधिति (B) न्यायभूषण
(C) न्यायलीलावती (D) न्यायकन्दली
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 815

62. (i) 'सांख्यकारिका' के रचयिता/लेखक कौन हैं ?
(ii) सांख्यकारिकायाः कर्ता वर्तते?
UP PGT–2000, BHU AET–2010, 2011 UGC 25 D–1997, J–2014, UGC 73 D–1996
(A) कपिल (B) वाचस्पति मिश्र
(C) गौडपाद (D) ईश्वरकृष्ण
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 276

63. (i) 'ईश्वरकृष्ण' किस ग्रन्थ के लेखक हैं?
(ii) ईश्वरकृष्णस्य का कृतिः वर्तते?
BHU MET–2008, UGC 73 J–2008
(A) वेदान्तसार के (B) तर्कसंग्रह के
(C) सांख्यकारिका के (D) तर्कभाषा के
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 276

64. (i) 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' केन-विरचिता?
(ii) 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' के प्रणेता/रचयिता कौन हैं?
BHU MET–2011, 2012, BHU AET–2010, UGC 73 D–1996, 1997
(A) वाचस्पतिमिश्र (B) केशवमिश्र
(C) आद्याप्रसादमिश्र (D) कपिल
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 278

65. 'सांख्यकारिका' के प्राचीनतम टीकाकार हैं - UGC 73 S–2013
(A) गौडपादः (B) ईश्वरकृष्णः
(C) विद्यारण्यमुनिः (D) परमानन्दमुनिः
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 277

52. (B) 53. (B) 54. (D) 55. (C) 56. (B) 57. (A) 58. (B) 59. (C) 60. (D) 61. (A) 62. (D) 63. (C) 64. (A) 65. (A)

66. (i) 'वैशारदीव्याख्या' के रचयिता हैं- UGC 73 D–2013
(ii) तत्त्ववैशारदीटीकायाः रचयिता कः? BHU AET–2010
(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) ईश्वरकृष्णः
(C) जगदीशभट्टाचार्यः (D) व्यासः

स्रोत–भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 291

67. 'योगसूत्राणां' रचयिता कः ? BHU AET–2010
(A) व्यासः (B) पतञ्जलिः
(C) कात्यायनः (D) पाणिनिः

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 318

68. 'योगवार्तिकस्य' रचयिता कः ? BHU AET–2010
(A) पतञ्जलिः (B) व्यासः
(C) वात्स्यायनः (D) विज्ञानभिक्षुः

स्रोत–वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, भू0 पेज - 6

69. पूर्णप्रज्ञदर्शनस्य प्रवर्त्तकस्य किं नामधेयम् - UGC 73 Jn–2017
(A) आनन्दतीर्थः (B) अक्षपादः
(C) कणभक्षाक्षिचरणः (D) उत्पलाचार्यः

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 426

70. 'योगसूत्रभाष्यस्य' रचयिता कः ? BHU AET–2010
(A) पतञ्जलिः (B) व्यासः
(C) वात्स्यायनः (D) वाचस्पतिमिश्रः

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 318

71. 'योगदर्शन' के प्रतिपादक कौन हैं ? UP PCS–2002, 2007
(A) पतञ्जलि (B) योगी गोरखनाथ
(C) स्वामीरामदेव (D) शङ्कराचार्य

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 318

72. 'न्यायदर्शन' के प्रणेता/प्रवर्तक हैं - UP PGT–2002, RPCS–2008, BHU AET- 2011
(A) कपिल (B) गौतम
(C) शङ्कर (D) पतञ्जलि

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 179

73. (i) 'न्यायसूत्र' के रचयिता/लेखक हैं -
(ii) न्यायसूत्र को किसने बनाया? BHU MET–2008, 2009, 2012, 2013, UGC 25 D–1996
(A) कपिल (B) गौतम
(C) कणाद (D) जैमिनि

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 179

74. 'वीतरागस्तुतिः' इति दर्शनग्रन्थः केन लिखितः? UGC 73 Jn–2017
(A) प्रभाचन्द्रेण (B) हेमचन्द्रेण
(C) जयन्तभट्टेन (D) अनन्तचन्द्रेण

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 824

75. (i) 'न्यायबोधिनी' टीका के लेखक हैं -
(ii) 'न्यायबोधिनीकारः कः - BHU MET–2014, BHU AET–2011
(A) आचार्य शङ्कर (B) वाचस्पतिमिश्र
(C) रामानुजाचार्य (D) गोवर्धनमिश्र

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 776

76. (i) 'न्यायमञ्जरी' रचित है -
(ii) न्यायमञ्जरीकारः कः - UGC 73 D–2005, BHU AET–2011
(A) उदयनेन (B) शिवादित्येन
(C) गङ्गेशेन (D) जयन्तभट्टेन

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 776

77. 'नव्यन्याय' का ग्रन्थ है - UGC 73 D–2005
(A) व्युत्पत्तिवाद (B) न्यायभाष्यम्
(C) न्यायवार्तिकम् (D) न्यायसारः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-9)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-144

78. 'नव्यन्याय' का आकर ग्रन्थ है - UGC 73 J–2011
(A) तर्कसंग्रह (B) तत्त्वचिन्तामणि
(C) तर्ककौमुदी (D) तर्कताण्डवम्

स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 181

79. 'जयन्तभट्ट' कृत ग्रन्थ है - UGC 73 D–2011
(A) तत्त्वचिन्तामणिः (B) पदार्थधर्मसंग्रहः
(C) न्यायमञ्जरी (D) न्यायवार्तिकम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 807

**66. (A) 67. (B) 68. (D) 69. (A) 70. (B) 71. (A) 72. (B) 73. (B) 74. (B) 75. (D)
76. (D) 77. (A) 78. (B) 79. (C)**

80. 'न्यायरत्नमाला' के रचयिता हैं -
UGC 73 J–2013, Jn - 2017
(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) पार्थसारथिमिश्रः
(C) मुरारिमिश्रः (D) भवनाथमिश्रः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 811

81. पार्थसारथिमिश्र की व्याख्याकृति है–UGC 73 D– 2015
(A) तन्त्रवार्तिक (B) न्यायपरायण
(C) न्यायरत्नमाला (D) लघुन्यायसुधा
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 811

82. प्रत्यक्षतत्त्वचिन्तामणिकार हैं - UGC 73 J–2013
(A) वर्द्धमानोपाध्यायः (B) गङ्गेशोपाध्याय
(C) यज्ञपत्युपाध्यायः (D) पशुपतिनाथोपाध्याय
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पृष्ठ- 64

83. परीक्षित्तुरामवर्मणः न्यायशास्त्रग्रन्थः कः? KL SET–2016
(A) न्यायरत्नमाला (B) व्युत्पत्तिवादसिद्धान्तमाला
(C) सुबोधिनी (D) हेत्वाभासोदाहरणकाव्यम्
स्रोत–

84. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–
RPSC SET–2010
(क) सांख्यकारिका 1. अन्नम्भट्टः
(ख) वेदान्तसारः 2. केशवमिश्रः
(ग) तर्कभाषा 3. सदानन्दः
(घ) तर्कसंग्रहः 4. ईश्वरकृष्णः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	1	4
(B)	1	2	4	3
(C)	1	3	4	2
(D)	4	3	2	1

सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 794,797,772,773

85. 'न्यायसिद्धान्तमुक्तावली' के रचयिता हैं -
UGC 25 D–2013, UK SLET–2012, BHU AET–2011
(A) उदयनाचार्यः (B) विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्यः
(C) दिनकरभट्टः (D) गदाधरभट्टाचार्यः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

86. 'न्यायविवरण' के रचयिता का नाम है-
UGC 73 S–2013
(A) मध्वाचार्यः (B) जयन्तभट्टः
(C) उदयनाचार्यः (D) रघुनाथशिरोमणिः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)–बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-355

87. (i) 'न्यायसूत्रभाष्य' के रचयिता हैं -
(ii) न्यायदर्शनभाष्यस्य रचनाकारः कः?
UGC 73 J–2014, BHU AET–2011
(A) पार्थसारथिमिश्रः (B) प्रशस्तपादः
(C) मण्डनमिश्रः (D) वात्स्यायनः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 20

88. 'तत्त्वचिन्तामणि' के कर्त्ता/रचयिता हैं -
UGC 73 D–1994, 2006, 2009
(A) रघुनाथः (B) मथुरानाथः
(C) उदयनः (D) गङ्गेशः
स्रोत–भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, पृष्ठ- 181

89. 'तत्त्वचिन्तामणि' के टीकाकार हैं- UGC 73 J–2007
(A) शालिकनाथः (B) वाचस्पतिः
(C) मथुरानाथः (D) शङ्कराचार्यः
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-9) पेज-139, 140

90. 'न्यायसिद्धान्तदीप' के रचयिता हैं -UGC 73 J–1991
(A) शशधर (B) विद्याधर
(C) गदाधर (D) मथुरानाथ
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 26

91. 'न्यायामृत' के रचयिता/रचनाकार हैं -
UGC 73 J–1991, D–1992, 1997
(A) जयतीर्थ (B) व्यासतीर्थ
(C) वादिराज (D) भावबोधाचार्य
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 402

92. 'तत्त्वप्रकाशिका' कृति है - UGC 73 D–1992
(A) जयतीर्थ की (B) व्यासतीर्थ की
(C) शालिकनाथ की (D) माध्व की
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 402

80. (B) 81. (C) 82. (B) 83. (B) 84. (D) 85. (B) 86. (A) 87. (D) 88. (D) 89. (C) 90. (A) 91. (B) 92. (A)

93. 'बच्चा झा' द्वारा लिखित है - UGC 73 D–1997
(A) न्यायामृतम् (B) न्यायभाष्यः
(C) न्यायरत्नमाला भाष्य (D) गूढार्थतत्त्वालोकः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 767

94. 'तर्कामृत' के रचयिता हैं - UGC 73 J–1998
(A) गणेश (B) यज्ञपति
(C) रघुनाथ (D) जगदीश
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 773

95. मथुरानाथकृत चिन्तामणि टीका का नाम है - UGC 73 J–1998, 1999
(A) दीधिति (B) शिखामणिः
(C) रहस्यम् (D) प्रकाशः
स्रोत–तर्कसंग्रह – शिवशंकर गुप्त, भू. पृष्ठ- 7

96. 'तर्कताण्डव' के कर्त्ता हैं - UGC 73 J–1998, 1999
(A) जयतीर्थ (B) राघवेन्द्रतीर्थ
(C) व्यासतीर्थ (D) वादिराज
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 772

97. व्युत्पत्तिवाद के कर्त्ता हैं - UGC 73 D–1999
(A) जगदीश (B) मथुरानाथ
(C) गदाधर (D) जयदेव
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-9), पृष्ठ-143,144

98. वात्स्यायनेन न्यायशास्त्रीयः को ग्रन्थो विरचितः BHU AET–2012
(A) न्यायसूत्रम् (B) न्यायभाष्यम्
(C) न्यायवार्तिकम् (D) न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 20

99. केशवमिश्रविरचितः न्यायशास्त्रीयः प्रकरणग्रन्थः कः? BHU AET–2012
(A) तर्कभाषा (B) तर्ककौमुदी
(C) तर्कसंग्रहः (D) तर्कामृतम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

100. 'न्यायकुसुमाञ्जलिः' केन संग्रथितः? BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिमिश्रेण (B) उदयनाचार्येण
(C) उद्योतकरेण (D) भासर्वज्ञेन
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 23

101. उदयनाचार्यरचितायाः तात्पर्यटीकाव्याख्यायाः किं नामधेयम् ? BHU AET–2012
(A) तात्पर्यपरिशुद्धिः (B) किरणावली
(C) न्यायकुसुमाञ्जलिः (D) उपस्कारः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 23

102. गङ्गेशोपाध्यायरचितस्य न्यायशास्त्रीयग्रन्थस्य किं नाम? BHU AET–2012
(A) आत्मतत्त्वविवेकः (B) तत्त्वचिन्तामणिः
(C) मानमेयोदयः (D) श्लोकवार्तिकम्
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 769

103. 'न्यायवार्तिक'-ग्रन्थकारः कः ? BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) उदयनाचार्यः
(C) उद्योतकरः (D) गौतमः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 22

104. कारिकावल्याः मुक्तावली टीका केन रचिता? BHUAET–2010
(A) रघुनाथेन (B) वैद्यनाथेन
(C) भवनाथेन (D) विश्वनाथेन
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

105. वाचस्पतिमिश्रेण कृतायाः न्यायवार्तिकटीकायाः किं नाम? BHU AET–2010
(A) न्यायकुसुमाञ्जलिः (B) तत्त्ववैशारदी
(C) तात्पर्यटीका (D) भामती
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 22

106. न्यायसूत्रस्य साक्षाद् व्याख्यानं किम् ? BHU AET–2010
(A) न्यायभाष्यम् (B) तात्पर्यटीका
(C) न्यायवार्तिकम् (D) न्यायपरिशुद्धिः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 20

107. आत्मबोधस्तोत्रकर्ता कः - UGC 73 D–2014
(A) जयन्तभट्टः (B) जगन्नाथपण्डितः
(C) रामानुजाचार्यः (D) शङ्कराचार्यः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 763

93. (D) 94. (D) 95. (C) 96. (C) 97. (C) 98. (B) 99. (A) 100. (B) 101. (A) 102. (B) 103. (C) 104. (D) 105. (C) 106. (A) 107. (D)

108. 'न्यायदर्शन' को प्रचारित किया था-UP PCS–2005
(A) चार्वाक ने (B) गौतम ने
(C) कपिल ने (D) जैमिनि ने
स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 174

109. 'न्यायमुक्तावल्याः' रचयिता अस्ति-UGC 73 J–2014
(A) जयन्तभट्टः (B) उदयनाचार्यः
(C) वाचस्पतिमिश्रः (D) विश्वनाथः
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 28

110. दीधितिकार हैं - UGC 73 J–1999, 2012 S–2013
(A) रघुनाथशिरोमणिः (B) मथुरानाथः
(C) जगदीशभट्टाचार्यः (D) गङ्गेशोपाध्यायः
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पृष्ठ- 64

111. 'तत्त्वसंग्रह' के रचयिता हैं - BHU AET–2011
(A) शान्तिदेव (B) आर्यदेव
(C) शान्तरक्षित (D) कमलशील
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 771

112. 'न्यायलीलावती' के लेखक कौन हैं ? BHU AET–2010
(A) शङ्कराचार्य (B) उदयनाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) महावीर
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 777

113. न्यायसूत्रवृत्ति के रचयिता हैं - BHU MET–2015
(A) विश्वनाथ (B) गौतम
(C) कणाद (D) भर्तृमित्र
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 778

114. न्यायसुधा के रचयिता हैं - BHU MET–2015
(A) कपिल (B) ईश्वरकृष्ण
(C) सदानन्द योगी (D) सोमेश्वरभट्ट
स्रोत–(i) अर्थसंग्रह – सत्यप्रकाश शर्मा, पृष्ठ- 08
(ii) सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–778

115. नव्यन्याय के टीकाकार हैं - UGC 73 D–2010
(A) शङ्कराचार्यः (B) शालिकनाथः
(C) मथुरानाथः (D) विज्ञानभिक्षुः
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 175

116. 'शक्तिवाद' के प्रणेता हैं - UGC 73 D–1997
(A) वाचस्पति (B) बच्चा झा
(C) गदाधर (D) अनन्त
स्रोत–भारतीय दर्शन – जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 382

117. 'आरम्भवाद' का समर्थन करते हैं-UGC 73 J–1999
(A) रामानुजीय (B) माध्व
(C) अद्वैत (D) नैयायिक
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पृष्ठ- 25

118. महर्षिकणाद-विरचितं सूत्रं किम् ? BHU AET–2012
(A) न्यायसूत्रम् (B) सांख्यसूत्रम्
(C) योगसूत्रम् (D) वैशेषिकसूत्रम्
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 18

119. प्रशस्तपादरचितस्य वैशेषिकग्रन्थस्य किरणावली टीका केन कृता ? BHU AET–2012
(A) वाचस्पतिमिश्रेण (B) शङ्करमिश्रेण
(C) उदयनाचार्येण (D) शिवादित्यमिश्रेण
स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, भू. पृष्ठ- 23

120. सप्तपदार्थीग्रन्थस्य रचयिता कः ? BHU AET–2012
(A) शिवादित्यमिश्रः (B) रघुनाथशिरोमणिः
(C) गदाधरभट्टाचार्यः (D) जगदीशतर्कालङ्कारः
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 797

121. वैशेषिकसूत्रस्य 'उपस्कार' टीका केन संग्रथिता ? BHU AET–2011, 2012
(A) शङ्करमिश्रेण (B) अन्नम्भट्टेन
(C) पद्मनाभमिश्रेण (D) केशवमिश्रेण
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 765

122. प्रशस्तपादेन को ग्रन्थो विरचितः ? BHU AET–2010
(A) पदार्थधर्मसंग्रहः (B) कणादरहस्यम्
(C) न्यायकन्दली (D) न्यायमञ्जरी
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 779

**108. (B) 109. (D) 110. (A) 111. (C) 112. (C) 113. (A) 114. (D) 115. (C) 116. (C) 117. (D)
118. (D) 119. (C) 120. (A) 121. (A) 122. (A)**

123. वैशेषिकदर्शनस्य भाष्यं केन विरचितम् ? BHU AET–2010

(A) प्रशस्तपादः (B) वात्स्यायनः
(C) पतञ्जलिः (D) कणादः

स्रोत–तर्कसंग्रह – शिवशंकर गुप्त, भू. पृष्ठ- 8

124. 'पदार्थधर्मसंग्रह' जिसका भाष्य है, वह है - BHU MET–2015

(A) सांख्यसूत्र (B) वैशेषिकसूत्र
(C) मीमांसासूत्र (D) वेदान्तसूत्र

स्रोत–तर्कसंग्रह – शिवशंकर गुप्त, भू. पृष्ठ- 8

125. 'शारदातिलक' ग्रन्थ है - UGC 73 S–2013

(A) दर्शनस्य (B) चार्वाकस्य
(C) बौद्धस्य (D) आगमस्य

स्रोत–आगमरहस्य (खण्ड-1)–सुधाकर मालवीय, भू. पृष्ठ- 24

126. 'प्रमाणवार्तिक' के लेखक हैं - UGC 73 J–1991

(A) धर्मकीर्ति (B) दिङ्नाग
(C) उमास्वामी (D) जयतीर्थ

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 782

127. 'नागार्जुन' की रचना है - BHU AET–2011

(A) मध्यमार्थसंग्रह (B) माध्यमकावतार
(C) विग्रहव्यावर्तनी (D) इष्टोपदेश

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 809

128. नागार्जुन की रचनायें हैं - BHU AET–2011

(A) शून्यता सप्ततिवृत्ति, सुहृदल्लेख
(B) चतुःशतक, चतुशतकवृत्ति
(C) अभिधर्मामृत, अभिधर्मकोश
(D) बुद्धानुस्मृतिशास्त्र, निर्वाणशतक

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 800

129. 'क्षणभङ्गसिद्धि' के रचयिता हैं - BHU AET–2011

(A) धर्मकीर्ति (B) शुभगुप्त
(C) रत्नकीर्ति (D) ज्ञानश्रीमित्र

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–380, 384

130. 'तर्कशास्त्र' के प्रणेता हैं - MP PSC–1992

(A) शङ्कराचार्य (B) नागसेन
(C) नागार्जुन (D) दिङ्नाग

स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-12), पेज–379

131. 'स्याद्वादमञ्जरी' ग्रन्थ है - UGC 73 J–2013

(A) जैनसिद्धान्तस्य (B) मीमांसासिद्धान्तस्य
(C) वैशेषिकसिद्धान्तस्य (D) सौगतसिद्धान्तस्य

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 801

132. मल्लिशेषेण के द्वारा विरचित सुप्रसिद्ध ग्रन्थ है - UGC 73 D–2013

(A) स्याद्वादमञ्जरी (B) गोमदृसारः
(C) त्रिलोकसारः (D) त्रिषष्टिशलाका पुरुषचरितम्

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 801

133. 'स्याद्वाद' का प्रतिपादक दर्शन है-UGC 73 J–1991

(A) बौद्ध (B) जैन
(C) न्याय (D) चार्वाक

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 32

134. समीचीनां तालिकां चिनुत - UGC 25 D–2008

(अ) विश्वनाथः 1. अर्थसंग्रहः
(ब) अन्नम्भट्टः 2. सांख्यकारिका
(स) ईश्वरकृष्णः 3. तर्कसंग्रहः
(द) लौगाक्षिभास्करः 4. कारिकावली

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	2	1

स्रोत–(i) भारतीय दर्शन-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 222,253,313
(ii) तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, भू0 पेज-28

135. 'सिद्धान्तलेशसंग्रह' के रचयिता हैं- UGC 73 D–2008 J–2013

(A) मधुसूदनसरस्वती (B) प्रकाशात्मयतिः
(C) अप्पयदीक्षितः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 799

123. (A) 124. (B) 125. (D) 126. (A) 127. (B) 128. (A) 129. (B) 130. (D) 131. (A) 132. (A) 133. (B) 134. (A) 135. (C)

136. 'हरिभद्रसूरि' कृत दर्शनग्रन्थ है - UGC 73 D-2010
(A) षड्दर्शनसमुच्चयः (B) सर्वदर्शनसंग्रहः
(C) मानमेयोदयः (D) दर्शनमाला
स्रोत-संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पृष्ठ- 90

137. 'गीतार्थसंग्रह' के रचयिता का नाम है- UGC 73 D-2011
(A) यामुनाचार्यः (B) पद्मनाभतीर्थः
(C) जयतीर्थमुनिः (D) राघवेन्द्रयतिः
स्रोत-सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 767

138. व्यासराज विरचित प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमानखण्डन की टिप्पणी का नाम है - UGC 73 J-2012
(A) पदार्थमञ्जरी (B) मन्दारमञ्जरी
(C) टीका (D) वाक्यार्थदीपिका
स्रोत-भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- 639, 640

139. 'युक्तिमल्लिका' के रचयिता हैं - UGC 73 J-2014
(A) वादीन्द्रनाथः (B) सत्यनाथतीर्थः
(C) वेदशतीर्थः (D) वादिराजतीर्थः
स्रोत-सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 789

140. 'जन्मस्वत्ववाद' का प्रतिपादन किसने किया ? UGC 73 J-2009
(A) विज्ञानेश्वरेण (B) नन्दपण्डितेन
(C) जीमूतवाहनेन (D) कमलाकरेण
स्रोत-

141. 'पुराणन्यायमीमांसाधर्मशास्त्राङ्गमिश्रिताः' के रचयिता हैं - UGC 73 D-1994
(A) जैमिनि (B) भारद्वाज
(C) याज्ञवल्क्य (D) पराशर
स्रोत-याज्ञवल्क्यस्मृति (1/3) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 3

142. (i) 'गीता रहस्य' पुस्तक के लेखक का नाम है?
(ii) 'श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य' के लेखक हैं - UK LWR-2011, UP TGT SS-2010
(A) अरविन्द घोष (B) बालगङ्गाधर तिलक
(C) गोपालकृष्णगोखले (D) मोहनदास करमचन्द गाँधी
स्रोत-भारतीय दर्शन की रूपरेखा-हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पृष्ठ- 66

143. 'दशप्रकरणग्रन्थो' अस्ति - UGC 73 D-2014
(A) आनन्दतीर्थस्य (B) व्यासाचार्यस्य
(C) जयतीर्थस्य (D) सुधीन्द्राचार्यस्य
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10)-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-379

144. सत्यार्थप्रकाशस्य प्रणेता कः ? BHU AET-2011
(A) सायणः (B) महीधरः
(C) दयानन्दः (D) सत्यव्रतसामञ्जरी
स्रोत-सत्यार्थप्रकाश - दयानन्द सरस्वती, पृष्ठ-3

145. 'तत्त्वार्थसूत्र' किस भाषा में रचित है -BHU AET-2011
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश
स्रोत-भारतीय दर्शन - श्रीकान्त पाण्डेय, पेज-83

146. 'सर्वार्थसिद्धि' किस ग्रन्थ की टीका है - BHU AET-2011
(A) तत्त्वार्थसूत्र (B) सन्मतिसूत्र
(C) परीक्षामुख (D) समयसार
स्रोत-जैनदर्शनसार - नरेन्द्र कुमार शर्मा, भू० पेज-viii

147. नियमसार के लेखक हैं - BHU AET-2011
(A) कुन्दकुन्द (B) अमृतचन्द्र
(C) समन्तमन्द्र (D) पूज्यपाद
स्रोत-जैनदर्शनसार - नरेन्द्र कुमार शर्मा, भू० पेज-viii

148. श्रीभाष्य के लेखक कौन हैं - BHU AET-2010
(A) निम्बार्काचार्य (B) मध्वाचार्य
(C) रुद्राचार्य (D) रामानुजाचार्य
स्रोत-भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 295

149. निम्बार्काचार्य की कृति का क्या नाम है - BHU AET-2011
(A) वेदान्तसार (B) वेदान्तपारिजातसौरभ
(C) कौस्तुभप्रभा (D) वेदान्तकौस्तुभ
स्रोत-भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, पृष्ठ- 420

150. 'माण्डूक्यकारिका' किसकी रचना है-UP PGT-2011
(A) धर्मकीर्ति (B) गौडपाद
(C) प्रशस्तपाद (D) कुमारदास
स्रोत-वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, भू० पृष्ठ- 24

136. (A) 137. (A) 138. (B) 139. (D) 140. (A) 141. (C) 142. (B) 143. (A) 144. (C) 145. (C)
146. (A) 147. (A) 148. (D) 149. (B) 150. (B)

151. 'तर्कसंग्रह-दीपिका' के लेखक कौन हैं?

BHU MET–2016

(A) गौतम (B) कणाद

(C) अन्नम्भट्ट (D) केशवमिश्र

स्रोत–तर्कसंग्रह – आद्याप्रसाद मिश्र, पृष्ठ- 16

152. तर्कसंग्रह-पदकृत्य का लेखक कौन है?

BHU MET–2016

(A) अन्नम्भट्ट (B) चन्द्रजसिंह

(C) अमरसिंह (D) रामभट्ट

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (v)

153. तर्कसंग्रह पर विमला टीका के रचयिता कौन हैं?

BHU MET–2016

(A) गोविन्द वैजापुरकर (B) हरिहर दीक्षित

(C) चन्द्रदेव (D) अमरसिंह

स्रोत–

154. तर्कसंग्रह-विरला किसकी कृति है? BHU MET–2016

(A) ढुण्ढिराज शास्त्री (B) हरिहर दीक्षित

(C) चन्द्रदेव (D) अमरसिंह

स्रोत–तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, भू. पृष्ठ- (v)

155. सुमेलित कीजिये– UGC 09 D–2005

सूची-I	सूची-II
(क) सांख्य	1. पार्श्वनाथ
(ख) बौद्धवाद	2. आदिशङ्कर
(ग) जैनवाद	3. कपिल
(घ) वेदान्त	4. नागार्जुन
	5. कणाद

	क	ख	ग	घ
(A)	3	4	1	2
(B)	1	3	4	2
(C)	2	5	4	3
(D)	4	2	3	1

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 139,74,29,237

156. परस्परं सम्यक् मेलनीयाः– JNU MET–2015

आचार्यः	ग्रन्थाः
(क) वात्स्यायनः	(i) तत्त्वचिन्तामणिः
(ख) वाचस्पतिमिश्रः	(ii) न्यायवार्तिक-तात्पर्यटीका
(ग) उदयनाचार्यः	(iii) न्यायवार्तिकम्
(घ) गङ्गेशोपाध्यायः	(iv) परिशुद्धिः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	4	1
(B)	2	1	3	4
(C)	1	2	3	4
(D)	2	3	1	4

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 818,804,805

157. सुमेलित कीजिए– UGC 09 D –2008

सूची-A	सूची-B
(A) सांख्य	1. स्वामी महावीर
(B) वेदान्त	2. गौतम बुद्ध
(C) बौद्ध	3. कपिल
(D) जैन	4. शङ्कराचार्य
	5. कणाद

	क	ख	ग	घ
(A)	1	4	3	2
(B)	4	1	2	5
(C)	3	4	2	1
(D)	5	2	1	3

स्रोत–भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, पृष्ठ- 139,237,70,29

158. स्थितप्रज्ञस्य लक्षणं गीतायाः कस्मिन्नध्याये कृतमस्ति?

G.GIC–2015

(A) तृतीये (B) द्वितीये

(C) चतुर्थे (D) पञ्चमे

स्रोत–गीता (2/54,55) – गीताप्रेस

159. शङ्कराचार्यकृत ब्रह्मसूत्रस्यापरं नाम किम्?

UGC 73 J–2010

(A) शारीरिकसूत्रम् (B) मीमांसासूत्रम्

(C) धर्मसूत्रम् (D) शारीरकसूत्रम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–07

151. (C) 152. (B) 153. (*) 154. (A) 155. (A) 156. (A) 157. (C) 158. (B) 159. (D)

160. 'भाषा-परिच्छेदः' इति नव्यन्यायग्रन्थस्य रचयिता कः?

UGC 73 Jn -2017

(A) अन्नम्भट्टः

(B) वरदराजः

(C) केशवमिश्रः

(D) विश्वनाथ-न्यायपञ्चानन-भट्टाचार्यः

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 785

161. पक्षधरमिश्रविरचितो नव्यन्यायग्रन्थः कः–

UGC 73 Jn -2017

(A) किरणावलीप्रकाशः (B) न्यायकुसुमाञ्जलिः

(C) तत्त्वचिन्तामण्यालोकः (D) न्यायलीलावती

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-810

162. पर्यन्तप्रश्नाः परस्परं सम्यक् मेलनीयाः–JNU MET –2015

आचार्यः	ग्रन्थाः
क- जैमिनिः	1. बृहती
ख- शबरस्वामी	2. श्लोकवार्तिकम्
ग- कुमारिलभट्टः	3. मीमांसासूत्रभाष्यम्
घ- प्रभाकरमिश्रः	4. मीमांसासूत्रम्

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	3	4

स्रोत–अर्थसंग्रह- सत्यप्रकाश शर्मा, भू0 पेज-5,6,7,9

160. (D) 161. (C) 162. (A)

09 गीता

1. (i) ''भगवद्गीता'' किस ग्रन्थ का भाग है ?
(ii) 'गीता' इति कस्य ग्रन्थस्य अंशभूता -
BHU B.Ed –2005, 2013, UGC 73 D–2008

(A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य
(C) भागवतपुराणस्य (D) कूर्मपुराणस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-150

2. (i) श्रीमद्भगवद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति–
(ii) श्रीमद्भगवद्गीता में कितने अध्याय हैं –
BHU B.Ed–2008, 2012, 2014, UGC 73 J–1998, D–2004, BHU AET–2012, BHU MET–2011, BHU Sh.ET–2013, UP PGT–2000, H-TET–2015

(A) दश (B) द्वादश
(C) पञ्चदश (D) अष्टादश

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-150

3. (i) गीता महाभारत के किस पर्व में वर्णित है ?
(ii) भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि विद्यते–
(iii) लोके अतिप्रसिद्धा 'श्रीमद्भगवद्गीता' महाभारतस्य कस्मिन् पर्वण्युपनिबद्धा–
(iv) ''श्रीमद्भगवद्गीता' कस्य पर्वणः खण्डः ?
UGC 25 J–2012, 2016, UP PGT–2004, 2005, 2009, MGKV Ph.D–2016, AWES TGT–2011, UGC 73 J–2015, GGIC–2013

(A) आदिपर्व में (B) अनुशासनपर्व में
(C) भीष्मपर्व मे (D) शान्तिपर्व में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-150

4. श्रीमद्भागवतस्य पदरत्नावलीटीका केन प्रणीता?
UGC 73 Jn–2017

(A) वीरराघवाचार्येण (B) वल्लभाचार्येण
(C) शुकदेवाचार्येण (D) विजयध्वजेन

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 145

5. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का नाम है-
UP GIC–2009

(A) विभूतियोग (B) सांख्ययोग
(C) अक्षरब्रह्मयोग (D) ज्ञानविज्ञानयोग

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2) – गीताप्रेस

6. आत्मनः स्वरूपं भगवद्गीतायाः कस्मिन् अध्याये वर्णितम् ?
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) प्रथमाध्याये (B) तृतीयाध्याये
(C) द्वितीयाध्याये (D) चतुर्थाध्याये

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/20-25) – गीताप्रेस

7. 'सांख्ययोग' इति कस्याध्यायस्य नाम -
DSSSB PGT–2014

(A) द्वितीयस्य (B) तृतीयस्य
(C) चतुर्थस्य (D) पञ्चमस्य

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2) – गीताप्रेस

8. 'भगवद्गीतायाः' तृतीयाध्यायस्य नाम किम्-
UGC 25 D–2014

(A) ज्ञानयोग (B) कर्मयोग
(C) सांख्ययोग (D) भक्तियोग

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-3) – गीताप्रेस

9. श्रीमद्भगवद्गीता के एकादश अध्याय का नाम है–
UP PGT–2005

(A) विश्वदर्शनयोग (B) सांख्ययोग
(C) गुणत्रयविभागयोग (D) पुरुषोत्तमयोग

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-11) – गीताप्रेस

10. गीता के अनुसार 'कर्मयोगी' को कर्म क्यों करना चाहिए-
UP GIC–2009, UP PGT–2003, 2004, 2010

(A) यश के लिए (B) सुख के लिये
(C) लोकसंग्रह के लिए (D) धनसंग्रह के लिए

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (3/20) – गीताप्रेस

1. (B)	2. (D)	3. (C)	4. (D)	5. (B)	6. (C)	7. (A)	8. (B)	9. (A)	10. (C)

11. गीतानुसारेण ''स्थितधीः .... उच्यते'' इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयतु - RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) ऋषिः (B) साधुः
(C) पण्डितः (D) मुनिः

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/56) – गीताप्रेस

12. ''नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः'' पंक्तिरियं कमुद्दिश्य उदीरितः - RPSC ग्रेड - II (TGT)–2014

(A) कर्म (B) ज्ञानम्
(C) आत्मानम् (D) अर्जुनम्

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/23) – गीताप्रेस

13. 'प्रस्थानत्रयी' में किसकी गणना होती है? BHU AET–2012, BHU MET–2008

(A) शकुन्तला की (B) मेघदूत की
(C) गीता की (D) वैशेषिकदर्शन की

स्रोत–वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पृष्ठ- ix

14. 'श्रीमद्भगवद्गीता' में अर्जुन को कौन उपदेश देता है ? BHU AET–2008

(A) द्रोणाचार्य (B) भीष्म
(C) कृष्ण (D) धृतराष्ट्र

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/2)– गीताप्रेस

15. 'स्थितप्रज्ञस्य का भाषा' इति कः कम् अपृच्छत् - RPSC ग्रेड - II (TGT)–2010

(A) धृतराष्ट्रः सञ्जयम् अपृच्छत्
(B) अर्जुनः कृष्णम् अपृच्छत्
(C) कृष्णः अर्जुनम् अपृच्छत्
(D) युधिष्ठिरः कृष्णम् अपृच्छत्

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/54) – गीताप्रेस

16. क्रोधाद् भवति - RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) अनुरागः (B) सन्तोषः
(C) सम्मोहः (D) स्नेहः

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/63) – गीताप्रेस

17. (i) 'योगः कर्मसु कौशलम्' यह वाक्य है -
(ii) 'योगः कर्मसु कौशलम्' यह उक्ति किसकी है?
(iii) ''योगः कर्मसु कौशलम्''-पक्त्यंशः कस्मादुद्धतः?
(iv) ''योगः कर्मसु कौशलम्'' - योग का लक्षण है?
(v) ''योगः कर्मसु कौशलम्'' - यह उक्ति है?
UGC 73 D - 1992 –2006, AWES TGT 2009, 2011, UP PGT-2013

(A) भगवद्गीता में (B) शिवगीता में
(C) हरिवंशपुराण में (D) सूतसंहिता में

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/50) – गीताप्रेस

18. 'कर्मफलभोक्ता' कः - BHU AET–2012

(A) ब्रह्म (B) जीवः
(C) शरीरम् (D) ईश्वरः

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–478

19. 'भगवद्गीतायां' कः शिष्यः वर्तते- BHU AET–2012

(A) दुर्योधनः (B) अर्जुनः
(C) कृष्णः (D) सञ्जयः

स्रोत– (i) गीता – स्वामी प्रभुपाद, भू. पृष्ठ- 4
(ii) गीता (2/7) गीताप्रेस

20. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार निष्कामकर्म का अर्थ है- UP GDC–2008, UP PGT–2000, 2003, 2004

(A) निरुद्देश्य कर्म करना
(B) सकाम कर्म करना
(C) अनासक्त होकर कर्म करना
(D) कर्म संन्यास

स्रोत–गीता (3/19) – स्वामी प्रभुपाद, पृष्ठ- 125

21. गीता का स्वधर्म सिद्धान्त है - UP PGT–2003

(A) वर्णव्यवस्था का सिद्धान्त (B) कर्मसिद्धान्त
(C) आत्मसिद्धान्त (D) इनमें से कोई नहीं

श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-3/19-25), (4/16-21), (2/47) – गीताप्रेस

22. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार मनुष्य का अधिकार है- UP PGT–2004

(A) ज्ञान पर (B) कर्म करने पर
(C) फल पर (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47) – गीताप्रेस

11. (D) 12. (C) 13. (C) 14. (C) 15. (B) 16. (C) 17. (A) 18. (B) 19. (B) 20. (C) 21. (B) 22. (B)

23. ''नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः'' गीता का यह सिद्धान्त किस दर्शन से सम्बन्ध रखता है? **UP PGT–2005**
(A) बौद्धदर्शन से (B) जैनदर्शन से
(C) सांख्यदर्शन से (D) वेदान्तदर्शन से
स्रोत–(i) श्रीमद्भगवद्गीता (2/16) – गीताप्रेस
(ii) सांख्यकारिका - राकेश शास्त्री, पेज–32

24. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार आत्मा किससे श्रेष्ठ है? **UP PGT–2005**
(A) मन से (B) बुद्धि से
(C) कर्मेन्द्रियों से (D) ज्ञानेन्द्रियों से
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (3/42) – गीताप्रेस

25. ''भक्ति से भगवान् की आराधना ही परम धर्म है'' यह वाक्य सम्बन्धित है - **UGC 73 J–2014**
(A) गीताभाष्ये (B) गीतातात्पर्ये
(C) महाभारते (D) रामायणे
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-12/6-7)

26. 'भगवद्गीता' के द्वितीय अध्याय में योग का लक्षण है- **UP GDC–2008**
(A) समाधि
(B) कार्य में कुशलता
(C) चित्तवृत्तिनिरोध
(D) आत्मा या परमात्मा का मिलन
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/50) – गीताप्रेस

27. ज्ञान और कर्म से युक्त है - **UGC 73 D–1996**
(A) भागवत (B) रामायण
(C) महाभारत (D) गीता
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता - (अध्याय 4) गीताप्रेस

28. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' श्लोकांश का आशय है- **UP TET–2014**
(A) तुम कर्म करके अधिकारी बनो।
(B) तुम्हारा अधिकारों से कोई लेना देना नहीं है।
(C) तुम्हारे अधिकार ही तुम्हारे कर्म हैं।
(D) तुम्हारा अधिकार (केवल) कर्म करने में ही है।
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47) – गीताप्रेस

29. ''योगः कर्मसु कौशलम्'' अस्य श्लोकांशस्य प्रवक्ता- **AWES TGT–2010**
(A) भवभूतिः (B) मम्मटः
(C) जानकीदासः (D) श्रीकृष्णः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/50) – गीताप्रेस

30. ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' – इति केनोक्तम् **AWES TGT–2013**
(A) नारदः (B) भगवान् विष्णुः
(C) पाराशरः (D) श्रीकृष्णः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47) – गीताप्रेस

31. ''स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते'' स्थितप्रज्ञः कः - **DSSSB PGT–2014**
(A) ये परानुपदिशति (B) यो विपत्तावपि हसति
(C) य आत्मन्येवात्मना तुष्टः (D) यः सततमधीते
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/55) – गीताप्रेस

32. भगवद्गीतानुसारेण स्थितप्रज्ञः कः उच्यते? **RPSC PGT–2014**
(A) कर्मयोगी (B) निष्कामकर्मयोगी
(C) बुद्धिमान् (D) ज्ञानयोगी
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/55) – गीताप्रेस

33. एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि ......। पूरयत **K-SET–2014**
(A) सचिवोत्तम (B) रिपुमर्दन
(C) मधूसूदन (D) कमलापते
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (1/35)

34. कः पौण्ड्रं दध्मौ महाशंखम्– **K-SET–2014**
(A) धनञ्जयः (B) युधिष्ठिरः
(C) सहदेवः (D) वृकोदरः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (1/15)

35. 'कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितं' इति वचनं कस्य? **K-SET–2014**
(A) सञ्जयस्य (B) पार्थस्य
(C) कृष्णस्य (D) भीमस्य
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/2)

23. (C) 24. (B) 25. (B) 26. (B) 27. (D) 28. (D) 29. (D) 30. (D) 31. (C) 32. (B) 33. (C) 34. (D) 35. (C)

36. व्यवसायात्मिका बुद्धिः कुत्र न विधीयते KL SET–2016

(A) मोक्षे (B) कर्मणि
(C) लोके (D) समाधौ

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/44)

37. दूरेण ह्यवरं कर्म-कस्मात् – KL SET–2016

(A) कर्मयोगात् (B) ध्यानयोगात्
(C) बुद्धियोगात् (D) भक्तियोगात्

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/49)

38. कृष्णेन वर्णितः ऊर्ध्वमूलत्वादिलक्षणः अश्वत्थो वृक्षः केन शस्त्रेण छेदनीयो भवन्ति ? DSSSB PGT–2014

(A) अयोनिर्मितेन (B) वैराग्यरूपेण
(C) करवालेन (D) विषयवैमुख्यरूपेण

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (15/2-4)

39. ''अन्तवन्त इमे देहाः'' का तात्पर्य है कि - UP PGT–2013

(A) ये शरीर नाशवान् है।
(B) आत्मा अजर-अमर है ।
(C) आत्मा नश्वर है।
(D) शरीर का अन्त हो चुका है।

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/18)

40. 'श्रीमद्भगवद्गीता' में माया का कौन-सा गुण नहीं है? UP PGT–2013

(A) दैवी (B) दुरत्यया
(C) गुणमयी (D) असती

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (7/14)

41. गीता में मूल प्रकृति के प्रकार हैं - UP PGT–2013

(A) आठ (B) दो
(C) पाँच (D) दश

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (7/4)

42. श्रीमद्भगवद्गीता में भीम के शंख का नाम है - UP PGT–2013

(A) पाञ्चजन्य (B) पौण्ड्र
(C) देवदत्त (D) दिव्य

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (1/15)

43. ''तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं'' यह निम्न में से किस ग्रन्थ में कहा गया है? UP PCS–1992

(A) अष्टाध्यायी में (B) महाभाष्य में
(C) गीता में (D) महाभारत में

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47)

44. (i) 'गुडाकेशः' कः अस्ति - AWES TGT–2013
(ii) गुडाकेश कौन कहा जाता है? UP PGT–2011

(A) अर्जुनः (B) एकलव्यः
(C) ध्रुवः (D) प्रह्लादः

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/9)

45. ''योगस्थः कुरु कर्माणि'' श्लोकांशे वर्णितम् - UP GIC–2012

(A) तत्त्वम् (B) सत्यम्
(C) संसारभुक्तम् (D) अनासक्ततया कर्म

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/48)

46. सम्मोहस्य कारणं किम् ? UP GIC–2015

(A) क्रोधः (B) तृष्णा
(C) भयम् (D) धनम्

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/63)

47. भगवद्गीतायां भक्तियोगः CVVET–2015

(A) दशमः (B) द्वादशः
(C) एकादशः (D) षोडशः

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-12)

48. (i) 'समत्वं योग उच्यते पंक्त्यंशः' कस्मादुद्धृता ?
(ii) 'समत्वं योग उच्यते' किस ग्रन्थ से सम्बन्धित है?
AWES TGT –2009, UP PGT–2004, UGC 73 D–2010

(A) रामायणात् (B) श्रीमद्भगवद्गीतायाः
(C) विदुरनीतेः (D) योगसूत्रात्

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/48)

49. श्रीमद्भगवद्गीतायाः 'विश्वरूपदर्शनयोगः' अस्ति– UGC 25 D– 2015

(A) दशमेऽध्याये (B) एकादशेऽध्याये
(C) प्रथमाध्याये (D) त्रयोदशाध्याये

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-11)

36. (D)	37. (C)	38. (B)	39. (A)	40. (D)	41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (A)	45. (D)
46. (A)	47. (B)	48. (B)	49. (B)						

50. श्रीमद्भगवद्गीतायाम् अर्जुनं प्रति .... उपदेशः वर्तते - BHU B.Ed–2015
(A) श्रीकृष्णस्य (B) युधिष्ठिरस्य
(C) भीष्मस्य (D) विदुरस्य
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2)

51. ''नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥''
प्रस्तुत श्लोक किस ग्रन्थ से लिया गया है? UP TET–2013
(A) श्रीमद्भगवद्गीता (B) नीतिशतकम्
(C) भामिनीविलासः (D) कुमारसम्भवम्
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/23)

52. ''मा कर्मफलहेतुर्भूः'' उक्ति है - UGC 73 J–1999
(A) भगवद्गीता (B) रामायण
(C) शिवगीता (D) अग्निपुराण
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47)

53. 'सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज' - इति कस्य ग्रन्थस्य पद्यम् - BHU Sh. ET–2013
(A) कुमारसम्भवस्य (B) भगवद्गीतायाः
(C) रघुवंशस्य (D) मनुस्मृतेः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (18/66)

54. (i) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' यह उक्ति किस ग्रन्थ की है-
(ii) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' इयं सूक्तिः कुत्र मिलति?
(iii) कर्मण्येवाधिकारस्ते ..... यह पंक्ति किस ग्रन्थ की है? BHU MET–2008, 2010, 2012, UGC 73 J–2006, 2007, D–2004
(A) गीता की (B) भागवत की
(C) वेदान्त की (D) ईशोपनिषद् की
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/47)

55. 'ज्ञानाग्निः सर्वकर्माणि भस्मसात् कुरुते तथा' इति कुत्र उक्तम् ? BHU AET–2012
(A) कठोपनिषदि (B) गीतायाम्
(C) वेदान्तसूत्रग्रन्थे (D) मुण्डकोपनिषदि
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (4/37)

56. ''यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः'' श्लोकांश श्रीमद्भगवद्गीता के किस अध्याय से सम्बद्ध है - UP PGT–2005
(A) द्वितीय (B) पञ्चम
(C) षोडश (D) अष्टादश
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (18/78)

57. ''स्वधर्मे निधनं श्रेयः'' इत्युक्तिः कतमेऽध्याये वर्तते? UGC 25 D–2013
(A) द्वितीये (B) तृतीये
(C) पञ्चमे (D) चतुर्थे
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (3/35)

58. (i) ''सर्वधर्मान् परित्यज्य'' यह कहाँ की उक्ति है?
(ii) ''सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं ....'' यह उक्ति कहाँ की है? UGC 73 D–1992, 1997
(A) गीता की (B) मनुस्मृति की
(C) रामायण की (D) पुराण की
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (18/66)

59. ''मामेकं शरणं व्रज'' सूक्ति है - UGC 73 J–1991
(A) मनुस्मृति की (B) भागवत की
(C) महाभारत की (D) गीता की
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (18/66)

60. ''योगक्षेमं वहाम्यहम्'' पंक्तिः वर्तते- AWES TGT–2013
(A) योगवासिष्ठौ (B) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्
(C) भृगुसंहितायाम् (D) रावणसंहितायाम्
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (9/22)

61. ''योगक्षेमं वहाम्यहम्'' इति वाक्यं कस्मिन् अध्याये वर्तते? DSSSB PGT–2014
(A) नवमे (B) दशमे
(C) एकादशे (D) द्वादशे
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (9/22)

62. ''न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते'' कस्मिन् अध्याये वर्तते ? DSSSB PGT–2014
(A) सप्तमे (B) षष्ठे
(C) पञ्चमे (D) चतुर्थे
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (4/38)

50. (A)	51. (A)	52. (A)	53. (B)	54. (A)	55. (B)	56. (D)	57. (B)	58. (A)	59. (D)
60. (B)	61. (A)	62. (D)							

63. ''नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः'' पंक्ति ली गई है - UP PGT–2013
(A) तर्कभाषा से (B) वेदान्तसार से
(C) श्रीमद्भगवद्गीता से (D) सांख्यकारिका से
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/16)

64. (i) ''वेदानां सामवेदोऽस्मि''-इस श्लोक वाला ग्रन्थ है
(ii) वेदानां सामवेदोऽस्मि'' यह वाक्य है - UK SLET–2015, BHU MET–2015
(A) गीता में (B) महाभारत में
(C) रामायण में (D) वेद में
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (10/22)

65. 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः' इति सूक्तिः अस्ति - UP GIC–2012
(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाः (B) सांख्यकारिकायाः
(C) तर्कभाषायाः (D) स्याद्वादमञ्जर्याः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/27)

66. ''सांख्ययोगौ पृथग्बालाः प्रवदन्ति न पण्डिताः'' इत्युक्तिः वर्तते - UGC 73 D–2012, 2013
(A) सांख्यकारिकायाम् (B) मीमांसापरिभाषायाम्
(C) भामतीटीकायाम् (D) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (5/4)

67. 'बुद्धिनाशात्प्रणश्यति' किस ग्रन्थ का सन्दर्भ है– UP PGT–2011
(A) वेद (B) वायुपुराण
(C) गीता (D) कादम्बरी
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/63)

68. 'श्रीमद्भगवद्गीता' इति ग्रन्थस्य उपरि कस्य टीका (व्याख्या) नास्ति– JNU MET–2015
(A) महात्मा गाँधी (B) बालगङ्गाधरतिलक
(C) विनोबाभावे (D) जवाहरलाल नेहरू
स्रोत–(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–159
(ii) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (तृतीयखण्ड), पेज–480

69. 'स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः' यह वचन किस ग्रन्थ का है– UP PGT–2011
(A) गीता (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) नीतिशतकम् (D)वेदान्तसारः
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (3/35)

70. भगवद्गीता को अध्यायों के अन्त मे किस शास्त्र के नाम से जाना जाता है। UP PGT–2011
(A) आगमशास्त्र (B) औषधशास्त्र
(C) तन्त्रशास्त्र (D) योगशास्त्र
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (1/47)

71. स्थितप्रज्ञस्य लक्षणं गीतायाः कस्मिन्नध्याये कृतमस्ति- GGIC–2015
(A) तृतीये (B) द्वितीये
(C) चतुर्थे (D) पञ्चमे
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/54,55)

72. भागवतटीकायाः टीका अतीव प्रसिद्धाऽस्ति - KL SET–2015
(A) कासाञ्जन टीका (B) श्रीधरीटीका
(C) शुकपक्षीया टीका (D) भागवतचन्द्र चन्द्रिका टीका
स्रोत– पुराणविमर्श - बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ - 571

73. नलोपाख्यानं महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि वर्तते- CVVET–2017
(A) अरण्यपर्वणि (B) भीष्मपर्वणि
(C) महाप्रस्थानिकपर्वणि (D) शान्तिपर्वणि
स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज 157

74. राजधर्मानुशासनं महाभारते कस्मिन् पर्वणि अस्ति - CVVET–2017
(A) भीष्मपर्वणि (B) अनुशासनपर्वणि
(C) शान्तिपर्वणि (D) हरिवंशपर्वणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज 151

75. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण अव्यवसायिनां बुद्धयः कीदृश्यः भवन्ति- RPSC–ग्रेड-I PGT-2015
(A) बहुशाखाः (B) अनन्ताः
(C) बहुशाखाः अनन्ताश्च (D) एका
स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (2/41)

63. (C)	64. (A)	65. (A)	66. (D)	67. (C)	68. (D)	69. (A)	70. (D)	71. (B)	72. (B)
73. (A)	74. (C)	75. (C)							

10 स्मृति

1. मनु किस ग्रन्थ के लेखक हैं ? BHU AET–2011
(A) पराशरस्मृति (B) याज्ञवल्क्यस्मृति
(C) आपस्तम्बधर्मसूत्र (D) मनुस्मृति
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 05

2. मनुस्मृति के लेखक कौन माने जाते हैं ? BHU AET–2011
(A) यम (B) मार्कण्डेय
(C) पराशर (D) मनु
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 05

3. सर्वप्राचीन स्मृति कौन है ? BHU AET–2011
(A) पराशरस्मृति (B) व्यासस्मृति
(C) मनुस्मृति (D) याज्ञवल्क्यस्मृति
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास -उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-607

4. मनु किस शास्त्र के आचार्य हैं ? BHU AET–2011
(A) धर्मशास्त्र (B) दर्शनशास्त्र
(C) पुराणशास्त्र (D) अर्थशास्त्र
स्रोत–मनुस्मृति – शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, भू. पृष्ठ- 08

5. (i) स्मृतिशब्देन किं बोध्यते - BHU AET–2010
(ii) स्मृति का क्या अर्थ है ?
(A) वेद (B) धर्मशास्त्र
(C) पुराण (D) साहित्य
स्रोत–मनुस्मृति (2/10) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 63,64

6. मनुस्मृति की रचना किस वंश के शासनकाल में हुई- MP PSC–1996
(A) मौर्य (B) शुंग
(C) सातवाहन (D) पल्लव
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-वाचस्पति गैरोला, पेज-638

7. (i) मनुस्मृति में कितने अध्याय हैं-
(ii) मनुस्मृतौ कति अध्यायाः सन्ति – BHU MET–2010, BHU AET–2011, MP वर्ग - I (PGT)–2012, UGC 73 D–1997
(A) 10 (B) 12
(C) 8 (D) 6
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 07

8. मनुस्मृति मुख्यतया सम्बन्धित है ? UP PCS–2007
(A) समाजव्यवस्था से (B) कानून से
(C) अर्थव्यवस्था से (D) राज्यकार्यपद्धति से
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-वाचस्पति गैरोला, पेज-632

9. सृष्टि का वर्णन मनुस्मृति के किस अध्याय में है ? BHU AET–2011
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) चतुर्थ (D) सप्तम
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 08

10. मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय में वर्णित है ? BHU AET–2011
(A) सृष्टिक्रम (B) वर्णधर्म
(C) राजधर्म (D) संन्यासधर्म
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 08

11. (i) मनुस्मृति की टीकायें हैं? UGC 73 D–2012
(ii) मनुस्मृतेः टीकाः सन्ति? J–2013
(A) चतस्रः (B) तिस्रः
(C) नव (D) एकादश
स्रोत–मनुस्मृति – शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, भू. पृष्ठ-14

12. मनुस्मृते के टीकाकार हैं ? UGC 73 J–1999
(A) कुल्लूक (B) काशीनाथ
(C) कमलाकर (D) जीमूतवाहन
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 1

1. (D) 2. (D) 3. (C) 4. (A) 5. (B) 6. (C) 7. (B) 8. (A) 9. (A) 10. (B) 11. (D) 12. (A)

13. निम्नाङ्कित में कौन मनुस्मृति के टीकाकार नहीं हैं ? BHU AET–2011
(A) मेधातिथि (B) गोविन्दराज
(C) नारद (D) रुचिदत्त
स्रोत–मनुस्मृति-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन पेज- भू-15,16,18

14. का आसीत् स्वायम्भुवस्य मनोः धर्मपत्नी ? BHU AET–2011
(A) शताङ्कुरा (B) शतप्रज्ञा
(C) शतरूपा (D) शतङ्कारा
स्रोत–रामचरितमानस (खण्ड-1)-विजयानन्द त्रिपाठी, पेज-383

15. (i) आश्रमाः कति भवन्ति - BHU AET–2011,
(ii) आश्रमाः कति........ सन्ति - AWES TGT–2010,
(iii) आश्रमाः कति – BHU B.Ed–2015
(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–मनुस्मृति (6/87)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-444

16. वर्तमानकाल मे किसका मन्वन्तर है? UGC 73 J–2016
(A) स्वायम्भुवस्य (B) चाक्षुषस्य
(C) वैवस्वतस्य (D) सावर्णे
स्रोत–दुर्गासप्तशती – गीताप्रेस, पृष्ठ- 16

17. 'तृणानि भूमिरुदकं वाक्चतुर्थी च सूनृता'-इत्यनेन कः यज्ञः परामृश्यते– DU-M. Phil– 2016
(A) ब्रह्मयज्ञः (B) नृयज्ञः
(C) देवयज्ञः (D) पितृयज्ञः
मनुस्मृति (3/101)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 228

18. विद्याध्ययनकालस्यान्ते ब्रह्मचर्याश्रमे एष सम्पन्नो भवति– DU-M. Phil– 2016
(A) उपनयनम् (B) विवाहः
(C) कर्णवेधः (D) समावर्तनम्
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 30

19. एकं ब्राह्मं अहः– K SET–2014
(A) दैविकयुगसहस्रम् (B) मनुष्ययुगचतुष्कम्
(C) दैविकयुगशतम् (D) मनुष्ययुगशतम्
स्रोत–मनुस्मृति (1/72) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 37

20. ''आचारः परमो धर्मः श्रुत्युक्तः स्मार्त एव च''-इतीदं कस्यां स्मृतौ विद्यते? K SET–2015
(A) मनुस्मृतौ (B) हारीतस्मृतौ
(C) याज्ञवल्क्यस्मृतौ (D) भारद्वाजस्मृतौ
स्रोत–मनुस्मृति (1/108) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 51

21. याज्ञवल्क्यस्मृतेः आचाराध्यायः कति प्रकरणेषु विभक्तः अस्ति? RPSC PGT–2014
(A) द्वाद्वश (B) त्रयोदश
(C) पञ्चदश (D) एकादश
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू0 पृष्ठ- 16

22. (i) याज्ञवल्क्यस्मृति में कितने अध्याय हैं?
(ii) याज्ञवल्क्यस्मृतौ कति अध्यायाः सन्ति? BHU AET–2011, GJ SET -2013
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू. पृष्ठ- 16

23. अच्छे पठन के गुण बताए गये हैं– UP TET–2016
(A) मनुस्मृति में (B) याज्ञवल्क्यशिक्षा में
(C) अर्थशास्त्र में (D) निरुक्त में
स्रोत–याज्ञवल्क्यशिक्षा (श्लोक-83) - नरेश झा,पेज-146

24. चार उपायों में एक है– UGC 73 J-1998
(A) दण्डः (B) यागम्
(C) योगः (D) कर्म
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 153

25. याज्ञवल्क्य कहाँ के निवासी थे ? BHU AET–2010
(A) मिथिला (B) वाराणसी
(C) दक्षिणभारत (D) महाराष्ट्र
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू0 पेज–31

26. याज्ञवल्क्य के शिष्य का नाम क्या था ? BHU AET–2010
(A) काश्यप (B) मनु
(C) गौतम (D) जनक
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू0 पेज–13

13. (C) 14. (C) 15. (B) 16. (C) 17. (B) 18. (D) 19. (A) 20. (A) 21. (B) 22. (C)
23. (B) 24. (A) 25. (A) 26. (D)

27. आश्रमव्यवस्थायां कः आश्रमः श्रेष्ठोऽस्ति ?

RPSC ग्रेड II (TGT)–2014

(A) ब्रह्मचर्याश्रमः (B) गृहस्थाश्रमः
(C) वानप्रस्थाश्रमः (D) संन्यासाश्रमः

स्रोत–मनुस्मृति (6/89)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 445

28. भारतीयसंस्कृत्यां वेदाध्ययनं कस्मिन्नाश्रमे उत्तम् ?

RPSC ग्रेड II (TGT)–2014

(A) ब्रह्मचर्याश्रमः (B) गृहस्थाश्रमः
(C) वानप्रस्थाश्रमः (D) संन्यासाश्रमः

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 68

29. षोडशसंस्कारे न परिगणितः-**RPSC ग्रेड II (TGT)–2014**

(A) उपनयनसंस्कारः (B) मार्जनसंस्कारः
(C) विवाहसंस्कारः (D) अन्त्येष्टिसंस्कारः

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 11

30. पञ्चमहायज्ञेषु परिगणितोऽस्ति-**RPSC ग्रेड II (TGT)–2014**

(A) अश्वमेधयज्ञः (B) राजसूययज्ञः
(C) देवयज्ञः (D) ज्ञानयज्ञः

स्रोत–मनुस्मृति (3/70)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 219

31. (i) कति संस्काराः सन्ति ? **AWES TGT–2010, 2013,**
(ii) सामान्यतः संस्काराः मन्यन्ते-**BHU B.Ed–2012, 2015,**
(iii) भारतीय संस्कृति में कितने संस्कार हैं?
(iv) संस्कारों की संख्या है - **BHU RET–2008,**
UGC 73 D–1996, 1997, 1999, 2012,
RPSC ग्रेड II (TGT)–2010, BHU AET–2013

(A) पञ्च (B) दश
(C) द्वादश (D) षोडश

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 11

32. धर्म, अर्थ, काम .... च चत्वारः पुरुषार्थाः -

BHU B.Ed–2012

(A) संन्यास (B) मोक्ष
(C) भेद (D) मोह

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 53

33. पुरा भारते आश्रमव्यवस्थासु किं विभक्तमासीत् ?

RPSC ग्रेड II (TGT)–2010

(A) वनम् (B) मानवजीवनम्
(C) धनम् (D) पशूनां जीवनम्

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 67

34. ब्रह्मचर्याश्रमस्य मुख्योद्देश्यम् आसीत् ?

RPSC ग्रेड II (TGT)–2010

(A) विद्यार्जनम् (B) धनार्जनम्
(C) यशार्जनम् (D) बलार्जनम्

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 68

35. धर्मार्थकाममोक्षाः कथ्यन्ते-**RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**

(A) गुणाः (B) पुरुषार्थाः
(C) ग्रामाः (D) नृपाः

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 53

36. (i) भारतीयसंस्कृत्यौ वर्णव्यवस्थायाः कः आधारोऽस्ति?
(ii) वर्णव्यवस्थायाः आधारः आसीत् -

RPSC ग्रेड II (TGT)– 2010, 2014

(A) जाति (B) पराक्रम
(C) कर्म-गुण (D) रूप

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 90

37. शिशोः जन्मात् पूर्वं कति संस्काराः भवन्ति?

MP. वर्ग-I (PGT)–2012

(A) तीन (3) (B) चार (4)
(C) पाँच (5) (D) छः (6)

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 20

38. अश्मारोहणविधिः भवति - **MP वर्ग- I (PGT)–2012**

(A) केवलं विवाहे (B) केवलं उपनयने
(C) उपनयने विवाहे च (D) विवाहे निष्क्रमणे च

स्रोत–भारतीय संस्कृति - वीरेन्द्र कुमार सिंह, पेज– 41

39. ''तेषां त्रयाणां शुश्रूषा परमं तप उच्यते''
यहाँ मनु के अनुसार 'त्रयाणां' पद से किनका ग्रहण होता है? **UGC 73 J–2016**

(A) गार्हपत्याहवनीयदक्षिणाग्नीनाम्
(B) देवपित्रतिथीनाम्
(C) मातृपित्राचार्याणाम्
(D) ब्रह्मचारिवानप्रस्थिसंन्यासिनाम्

मनुस्मृति (2/229)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 188

27. (B)	28. (A)	29. (B)	30. (C)	31. (D)	32. (B)	33. (B)	34. (A)	35. (B)	36. (C)
37. (A)	38. (A)	39. (C)							

40. मनु ने सूर्यचन्द्रग्रहण में द्विजों को कितने काल तक वेदाध्ययन करने से मना किया है? UGC 73 J–2016

(A) एकरात्रम् (B) त्रिरात्रम्
(C) पञ्चरात्रम् (D) द्विरात्रम्

स्रोत–मनुस्मृति (4.110)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–320

41. ''गर्भिणी तु द्विमासादिस्तथा प्रव्रजितो मुनिः। ब्राह्मणा लिङ्गिनश्चैव न दाप्यास्तारिकं तरे॥'' यहाँ 'लिङ्गिनः' पद का क्या अर्थ है? UGC 73 J–2016

(A) कुशीलवाः (B) पोषितः
(C) ब्रह्मचारिणः (D) स्वर्णकाराः

मनुस्मृति (8/407)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 631

42. मनुस्मृति की उक्ति के अनुसार ''अद्भिः खानि च संस्पृशेत्'' इसमें 'खानि' पद का क्या अर्थ है? UGC 73 J–2016

(A) खनिजद्रव्याणि (B) इन्द्रियाणि सछिद्राणि
(C) नभः (D) कृच्छाणि

मनुस्मृति (2/53)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 133

43. मनु के मतानुसार प्रनष्टाधिगत द्रव्य का कौन सा भाग राजा को ग्रहण करना चाहिए? UGC 73 J–2016

(A) पञ्चमम् (B) षष्ठम्
(C) अष्टमम् (D) एकादशम्

मनुस्मृति (8/33-35)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 522

44. समावर्तनसंस्कारविधौ स्नातकानां प्रकाराः भवन्ति - MP वर्ग- I (PGT)–2012

(A) चत्वारः (B) त्रयः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय, पृष्ठ- 189

45. ''सीमन्तोन्नयनम्'' अत्र ''सीमन्त'' पदस्य अर्थोऽस्ति- MP वर्ग- I (PGT)–2012

(A) केशाः (B) धनम्
(C) बलम् (D) वस्त्रम्

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 18

46. (i) याज्ञवल्क्यस्मृतौ धर्मस्य स्रोतांसि सन्ति -
(ii) याज्ञवल्क्यस्मृति में धर्म के मूल आधार हैं- UGC 73 D–2005, UK SLET–2015

(A) चत्वारि (B) त्रीणि
(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/7) – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 04

47. कन्यकाच्छलात् विवाहोऽस्ति - UGC 73 D–2005

(A) प्राजापत्यः (B) गान्धर्वः
(C) पैशाचः (D) ब्रह्म

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/61)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 25

48. गर्भशुद्धि के लिये संस्कार विहित है- UGC 73 D–2006

(A) गर्भाधान (B) सीमन्तोन्नयनम्
(C) पुंसवन (D) विवाह

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू0 पृष्ठ- 18,19

49. नारियों के पुनर्विवाह के प्रतिपादक हैं - UGC 73 D–2006

(A) मनु (B) याज्ञवल्क्य
(C) नारद (D) वसिष्ठ

स्रोत–मनुस्मृति (9/176) शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-685

50. (i) गौतम ने कितने संस्कार प्रतिपादित किये हैं?
(ii) गौतमेन कति संस्काराः कथिताः – UGC 73 J–2007, 2009, BHU AET–2013

(A) 13 (B) 40
(C) 05 (D) 23

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू0 पृष्ठ- 17

51. 'प्रायश्चित्त' अध्याय है - UGC 73 J–2005

(A) मनुस्मृतौ (B) विष्णुस्मृतौ
(C) बृहस्पतिस्मृतौ (D) याज्ञवल्क्यस्मृतौ

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – गङ्गासागरराय, भू0 पृष्ठ- 02

52. संस्कार के कितने उद्देश्य हैं ? UGC 73 D–2007

(A) द्विविधम् (B) चतुर्विधम्
(C) नव (D) षट्

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ-53

40. (B) 41. (C) 42. (B) 43. (B) 44. (B) 45. (A) 46. (A) 47. (C) 48. (B) 49. (A)
50. (B) 51. (D) 52. (B)

53. मनु के अनुसार किस प्रकार का पात्र यतिपात्र नहीं माना जाता है? UGC 73 J–2016

(A)अलाबुपात्रम् (B) ताम्रपात्रम्

(C) मृत्पात्रम् (D) दारुपात्रम्

स्रोत–मनुस्मृति (6.54)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–434

54. स्त्रीधने स्त्रियोऽधिकारोऽस्ति। भर्ता .... तद् गृहीत्वाऽपि तां न परिशोधयत्? GJ-SET–2016

(A) वाणिज्ये विनिवेश्य (B) धर्मकार्ये विनियोज्य

(C) भगिन्यै अर्पयित्वा (D) द्युतक्रीडायां विनाश्य

स्रोत–

55. विवाहों में श्रेष्ठ है - UGC 73 D–2011

(A) प्राजापत्यः (B) राक्षसः

(C) आसुरः (D) ब्राह्मः

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ- 43

56. (i) सुराओं में मुख्य है -

(ii) सुरासु मुख्या भवति-UGC 73 D–2011, J–2012

(A) गौड़ी (B) पैष्टी

(C) माध्वी (D) द्राक्षी

मनुस्मृति (11/94)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 802

57. विश्वामित्र के मत में श्राद्ध है-UGC 73 J–2012, 2013

(A) एकादशविधम् (B) सप्तविधम्

(C) नवविधम् (D) द्वादशविधम्

स्रोत–निर्णयसिन्धु – व्रजरत्न भट्टाचार्य, पृष्ठ- 628-29

58. वर्णव्यवस्था में ...... एक जाति है- UGC 73 J–2012

(A) ब्राह्मणः (B) क्षत्रियः

(C) वैश्यः (D) शूद्रः

मनुस्मृति (10.4)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 733

59. कामसमुत्थानि व्यसनानि कति - UGC 73 J–2012, UK SLET–2015

(A) दश (B) अष्ट

(C) पञ्च (D) एकादश

स्रोत–मनुस्मृति (7/45) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 166

60. मद्यमात्र में सुरा शब्द का प्रयोग है- UGC 73 J–2013

(A) पारिभाषिकः (B) गौणः

(C) रूढः (D) योगरूढः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 528

61. वैश्यस्य गोदानं विधीयते - UGC 73 D–2012

(A) अष्टमे वर्षे (B) नवमे वर्षे

(C) चतुर्विंशति वर्षे (D) षोडशे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 29

62. क्षत्रियस्य मरणाशौचं भवति - UGC 73 D–2012

(A) दशदिनानि (B) एकादशदिनानि

(C) चतुर्दशदिनानि (D) द्वादशदिनानि

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3/22)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 416, 417

63. राज्यस्याङ्गानि सन्ति - UGC 73 D–2012

(A) नव (B) दश

(C) सप्त (D) एकादश

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1.353)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 156

64. याज्ञवल्क्यमत में जनन अथवा मरण में वैश्य का अशौच होता है- UGC 73 J–2013

(A) द्वादशाहनि (B) एकादशाहनि

(C) पञ्चदशाहनि (D) नवदिनानि

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति(3.22) – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 417

65. याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार द्वादश प्रकार के पुत्रों में कौन परिगणित नहीं है– UGC 73 J–2016

(A) दत्तकः (B) क्रीतः

(C) सहोढजः (D) संसृष्टी

याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) - गङ्गासागर राय, भू. पृष्ठ- 24

66. (i) आश्रमाणां योनिरस्ति? UGC 73 J–2013,

(ii) आश्रमों की योनि होती है- 2014

(A) ब्रह्मचारी (B) गृहस्थः

(C) वानप्रस्थः (D) संन्यासः

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेन्द्र कुमार सिंह, पृष्ठ-75

53. (B)	54. (B)	55. (D)	56. (B)	57. (D)	58. (D)	59. (A)	60. (C)	61. (C)	62. (D)
63. (C)	64. (C)	65. (D)	66. (B)						

67. याज्ञवल्क्यस्मृति में धर्मशास्त्रकारों के नाम हैं - UGC 73 J–2013

(A) एकविंशतिः (B) विंशतिः

(C) अष्टादश (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू0 पृष्ठ- 28

68. माता-पिता के द्वारा उत्सृष्ट पुत्र होता है- UGC 73 D–2013

(A) कानीनः (B) अपविद्धः

(C) कृत्रिमः (D) पौनर्भवः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2.132)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 287,288

69. त्रयोदश संस्कारों का वर्णन है- UGC 73 D–2013

(A) व्यासस्मृतौ (B) विष्णुस्मृतौ

(C) मनुस्मृतौ (D) याज्ञवल्क्यस्मृतौ

स्रोत–भारतीय संस्कृति – दीपक कुमार, पृष्ठ 109

70. ''यं पुरुषं निःश्रेयसेन संयुक्तिः सः'' - उच्यते- UGC 73 D–2013

(A) धर्मः (B) अर्थः

(C) कामः (D) इन्द्रियविशेषः

स्रोत–

71. दायादों में परिगणित नहीं होता है-UGC 73 D–2013

(A) पितामहधनम्

(B) पितृधनम्

(C) मित्रसकाशाद्यल्लब्धम्

(D) पितृद्रव्यविनिमयेन विद्यया लब्धं धनम्

याज्ञवल्क्यस्मृति (2.118)- उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 273-75

72. स्त्री-शूद्रादि के द्वारा ज्ञातव्य मन्त्र है-UGC 73 D–2013

(A) षडक्षरः (B) त्र्यक्षरः

(C) पञ्चाक्षरः (D) द्वादशाक्षरः

स्रोत–

73. अज्ञानकृत ब्रह्मवधव्रत का अङ्ग होता है- UGC 73 S–2013

(A) सुवर्णदानम् (B) धेनुदानम्

(C) आपद्ग्रस्तब्राह्मत्राणम् (D) तुलादानम्

स्रोत–

74. याज्ञवल्क्यस्मृति में संस्कारों का निरूपण किया गया है- UGC 73 J–2014

(A) दश (B) पञ्चदश

(C) त्रयोदश (D) द्वादश

स्रोत–हिन्दू-संस्कार - राजबली पाण्डेय, पेज - 24

75. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं रिक्ते स्थाने कः शब्दः उपयुक्तः दर्शने प्रत्यये दाने .... विधीयते? UGC 25 J–2016

(A) व्यवहारः (B) प्रातिभाव्यम्

(C) ऋणादानम् (D) वाक्पारुष्यम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/53)- उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-211

76. मनुः ब्राह्मणेभ्यः किं कार्यं न अकल्पयत्? RPSC SET–2013-14

(A) अध्ययन अध्यापनम् (B) यजनं याजनम्

(C) प्रजानां रक्षणम् (D) दानप्रतिग्रहम्

स्रोत–मनुस्मृति (1/88)- शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 106

77. मनुस्मृत्यनुसारं गुरुगतां विद्यां कोऽधिगच्छति? RPSC-SET–2013-14

(A) शुश्रूषुः (B) पिपासुः

(C) बुभुक्षुः (D) धनेच्छुः

स्रोत–मनुस्मृति (2/218) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 134

78. मनुस्मृत्यनुसारं ब्रह्मा ऋग्वेदं कस्माद् दुदोह– RPSC SET–2013-14

(A) अग्नेः (B) वायोः

(C) रवेः (D) चन्द्रात्

मनुस्मृति (1/23)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 85-86

79. वृकोदरशब्दे 'वृक' इति शब्दस्य .... अर्थः। GJ SET–2016

(A) अग्निविशेषः (B) वृक्षविशेषः

(C) हस्ती (D) वृषभः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/35) – रामसेवक दुबे, पृष्ठ- 123

67. (B) 68. (B) 69. (C) 70. (A) 71. (C) 72. (C) 73. (B) 74. (D) 75. (B) 76. (C) 77. (A) 78. (A) 79. (D)

80. **मनोरभिप्रायेण यज्ञीयः देशः कः? K SET–2015**
(A) ब्राह्मणः संचारदेशः (B) कृष्णसारमृग-संचारप्रदेशः
(C) गोसंचारप्रदेशः (D) जनसंचारप्रदेशः
स्रोत–मनुस्मृति (2/23) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 69

81. **वेदव्रतानि भवन्ति - UGC 73 J–2014**
(A) चत्वारि (B) पञ्च
(C) षट् (D) सप्त
स्रोत–

82. **(i) क्रोधजन्य व्यसन होते हैं -**
(ii) मनुना क्रोधजानि व्यसनानि कियन्ति अभिहितानि- UGC 25 D–2013, J–2015 UGC 73 J–2014
(A) पञ्च (B) अष्टौ
(C) षट् (D) एकादश
स्रोत–मनुस्मृति (7/45)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 166

83. **वृद्धिश्राद्ध है - UGC 73 J–2014**
(A) नैमित्तिकम् (B) नित्यम्
(C) काम्यम् (D)साम्वत्सरिकम्
स्रोत–निर्णयसिन्धु – व्रजरत्न भट्टाचार्य, पृष्ठ- 845

84. **नदी शिवालय तीर्थ सूर्यादि के निकट जप होता है- UGC 73 J–2014**
(A) निष्फलः (B) सहस्रफलदः
(C) सर्वफलदः (D) अनिष्टफलदः
स्रोत–

85. **निष्क्रमणसंस्कारः कर्तव्यः - UGC 25 J–2012**
(A) प्रथमे मासि (B) द्वितीये मासि
(C) तृतीये मासि (D) चतुर्थे मासि
स्रोत–मनुस्मृति (2/34) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 73

86. **मृगया गण्यते - UGC 25 J–2012**
(A) कामजगणे (B) क्रोधजगणे
(C) लोभजगणे (D) मोहजगणे
स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

87. **विवादेषु उपदर्शितो व्यवहारो वर्तते-UGC 25 J–2012**
(A) एकपाद् (B) द्विपाद्
(C) त्रिपात् (D) चतुष्पाद्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/8) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 171

88. **स्मृत्योर्विरोधे कः बलवान् ? UGC 25 J–2012, K SET–2013**
(A) व्यवहारः (B) न्यायः
(C) राजा (D) न्यायाधीशः
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 179

89. **उपनयनसंस्कारे राज्ञः दण्डो भवति - UGC 25 D–2012**
(A) केशान्तिकः (B) ललाटसम्मितः
(C) नासिकान्तिकः (D) कर्णान्तिकः
स्रोत–मनुस्मृति (2/46) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 78

90. **अर्थदूषणं वर्तते - UGC 25 D–2012**
(A) कामजगणे (B) क्रोधजगणे
(C) लोभजगणे (D) मोहजगणे
स्रोत–मनुस्मृति (7/48) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

91. **'अङ्गुलिमूले' किं तीर्थं भवति ? UGC 25 J–2013**
(A) ब्राह्मतीर्थम् (B) प्रजापतितीर्थम्
(C) दैवतीर्थम् (D) पितृतीर्थम्
स्रोत–मनुस्मृति (2/59) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 83

92. **ब्राह्म तीर्थ कहाँ होता है? UGC 73 D–2015**
(A) अङ्गुष्ठप्रदेशिन्योर्मध्ये (B) अङ्गुष्ठमूलस्याधोभागे
(C) करतलमध्ये (D) कनिष्ठाङ्गुलिमूले
स्रोत–मनुस्मृति (2/59) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 83

93. **धर्म के विषय में कौन-सा प्रमाण सर्वमान्य है? UGC 73 D–2015**
(A) श्रुतिप्रमाणम् (B) स्मृतिप्रमाणम्
(C) आत्मतुष्टिप्रमाणम् (D) ज्ञानमाचारप्रमाणम्
स्रोत–मनुस्मृति (2/13) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 65

94. **मनुना राजा स्वराष्ट्रे कीदृशोऽभिप्रेतः ? UGC 25 J–2013**
(A) भृशदण्डः (B) अजिह्मः
(C) क्षमान्वितः (D) न्यायवृत्तः
स्रोत–मनुस्मृति (7/32) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 160

80. (B)	81. (A)	82. (B)	83. (A)	84. (*)	85. (D)	86. (A)	87. (D)	88. (B)	89. (B)
90. (B)	91. (B)	92. (B)	93. (A)	94. (D)					

95. केशान्तसंस्कारस्य काल उक्तः क्षत्रियार्थम् - UGC 25 S–2013

(A) द्वादशे वर्षे (B) षोडशे वर्षे
(C) द्वाविंशे वर्षे (D) चतुर्विंशे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (2/65) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 85

96. याज्ञवल्क्यदिशा मानुषं प्रमाणं कतिविधम् ? UGC 25 S–2013

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/22) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 180

97. दिवास्वप्नः गण्यते - UGC 25 S–2013

(A) लोभजगणे (B) मोहजगणे
(C) क्रोधजगणे (D) कामजगणे

स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

98. मनुना चूडाकर्मणः कालः उक्तः - UGC 25 D–2013

(A) पञ्चमे वर्षे (B) चतुर्थे वर्षे
(C) द्वितीये वर्षे (D) प्रथमे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (2/35) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

99. स्मृत्यपेतकारिणः सभ्याः कति गुणेन दमेन दण्ड्याः? UGC 25 D–2013

(A) पञ्चगुणेन (B) चतुर्गुणेन
(C) त्रिगुणेन (D) द्विगुणेन

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/4) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 163

100. (i) मनुना अन्नप्राशनस्य काल उक्तः -
(ii) अन्नप्राशनसंस्कारः कस्मिन् मासे विधीयते–
(iii) अन्नप्राशनं कदा क्रियते– UGC 25 J–2014
BHU AET–2012, 2013

(A) द्वितीये मासे (B) चतुर्थे मासे
(C) षष्ठे मासे (D) अष्टमे मासे

स्रोत–मनुस्मृति (2/34) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 73

101. याज्ञवल्क्यदिशा वस्त्रस्य वृद्धिरुक्ता-UGC 25 J–2014

(A) द्विगुणा (B) त्रिगुणा
(C) चतुर्गुणा (D) पञ्चगुणा

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/39) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 196

102. राजा निधिं लब्ध्वा ततः कियन्तं गृह्णीयात् ? UGC 25 J–2014

(A) अर्धम् (B) षष्ठांशम्
(C) दशांशम् (D) सर्वम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/34)-गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 192,193

103. 'ईर्ष्या' गण्यते - UGC 25 J–2014

(A) कामजगणे (B) लोभजगणे
(C) क्रोधजगणे (D) मोहजगणे

स्रोत–मनुस्मृति (7/48) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

104. विश्वरूप के द्वारा किस ग्रन्थ की व्याख्या की गयी है? UGC 73 J–2016

(A) ऋग्वेदस्य (B) याज्ञवल्क्यस्मृतेः
(C) अर्थशास्त्रस्य (D) शुक्रनीतेः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू.पृष्ठ- 22

105. याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार पैशाच विवाह किस प्रकार होता है? UGC 73 J–2016

(A) द्रविणादानात् (B) कन्याकाछलात्
(C) मिथः समयात् (D) युद्धहरणात्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/61)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 25

106. मिताक्षरा के अनुसार 'नाराशंसी' के पद का क्या अर्थ है? UGC 73 J–2016

(A) प्रश्नोत्तररूपवेदवाक्यम् (B) धर्मशास्त्रम्
(C) रुद्रदैवत्यमन्त्राः (D) महाभारतम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/45) उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 17

107. ''श्रुताध्ययनसम्पन्ना धर्मज्ञाः सत्यवादिनः।
राज्ञा सभासदः कार्या रिपौ मित्रे च ये समाः॥''
इत्ययं श्लोकः कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति–
RPSC SET–2013-14

(A) मनुस्मृतौ (B) याज्ञवल्क्यस्मृतौ
(C) पाराशरस्मृतौ (D) बौधायनस्मृतौ

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/2) – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 164

95. (C) 96. (C) 97. (D) 98. (D) 99. (D) 100. (C) 101. (C) 102. (A) 103. (C) 104. (B) 105. (B) 106. (C) 107. (B)

108. सुरापणे सुरां पीत्वा बहु ऋणी पिता मृतः, तस्य सुराऋणप्रसङ्गे पुत्रेण .... कर्तव्यमिति याज्ञवल्क्य उपदिशति– GJ SET–2016

(A) एकसम्वत्सरे ऋणः परिशोधनीयः
(B) शक्त्यनुरूपं परिशोधनीयः
(C) असमर्थश्चेत् दातुं न बाध्यः
(D) समर्थोऽपि न दास्यति

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति

109. गोयुग्म लेकर विवाह होता है- UGC 73 D–1992

(A) दैवविवाह (B) आर्षविवाह
(C) ब्रह्मविवाह (D) गान्धर्वविवाह

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 261

110. राजा कौन होता है- UGC 73 D–1994

(A) क्षत्रिय (B) गुणवान्
(C) अभिषिक्त (D) महापुरुष

स्रोत–मनुस्मृति (7/2) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 148

111. 'धर्म' का एक लक्षण है - UGC 73 D–1999

(A) स्वस्य च प्रियमात्मनः (B) स्थिरसुखम्
(C) स्वेच्छाचारः (D) कोई नहीं

स्रोत–मनुस्मृति (2/12) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 65

112. कः एकः कामजव्यसने न गणितः ? HE–2015

(A) मृगया (B) परिवादः
(C) दिवास्वप्नः (D) असूया

स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

113. याज्ञवल्क्यमत से दण्डभेद हैं - UGC 73 D–2014

(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) षट् (D) अष्टौ

याज्ञवल्क्यस्मृति- (1/367)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 162

114. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रथा चतुष्टय वेदोत्तर काल में प्रचलित हुई - I.A.S.–1994

(A) धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
(B) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र
(C) ब्रह्मचर्य, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थ, संन्यास
(D) इन्द्र, सूर्य, रुद्र, मरुत्

स्रोत–

115. मिथ्याभियोगी कति गुणं धनं दद्यात् – UGC 25 D–2012, 2013

(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम् (D) पञ्चगुणम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/11) - गंगासागर राय, पेज-173

116. चूडाकरणं कदा क्रियते ? BHU AET–2012

(A) चतुर्थवर्षे (B) पञ्चमवर्षे
(C) दशमे मासे (D) सम्वत्सरे

स्रोत–मनुस्मृति (2/35) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

117. ''अग्निदानाच्च ये लोका ये च स्त्रीबालघातिनाम् स तान् सर्वानवाप्नोति'' इति याज्ञवल्क्यवचनं येन सम्बद्धं तत्– UGC 25 J–2016

(A) वाक्पारुष्यम् (B) दण्डपारुष्यम्
(C) मिथ्यासाक्ष्यम् (D) सुरापानम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/74)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 227

118. वह व्यवस्थाकार जिसने सम्पत्ति के विभाजन की प्रथम बार व्याख्या की? UGC 06 D–2004

(A) विष्णु (B) बृहस्पति
(C) मनु (D) याज्ञवल्क्य

स्रोत–मनुस्मृति

119. शाकविक्रेतुः .... लाभो भवेत् – GJ SET–2016

(A) दश पञ्च वा प्रतिशतम् (B) विंशति प्रतिशतम्
(C) पञ्चाशत् प्रतिशतम् (D) त्रिंशत् प्रतिशतम्

स्रोत–

120. (i) इदमस्ति क्रोधजं व्यसनम् - UK SLET–2015
(ii) किं क्रोधजं व्यसनम् – BHU AET–2011

(A) परिवादः (B) मदः
(C) पैशुन्यम् (D) तौर्यत्रिकम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/48) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

121. मनुस्मृत्यनुसारं सर्वव्यसनमूलं किम् ? UGC 25 D–2014, BHU AET–2011

(A) कामः (B) क्रोधः
(C) लोभः (D) मोहः

स्रोत–मनुस्मृति (7/49) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 168

108. (*) 109. (B) 110. (C) 111. (A) 112. (D) 113. (B) 114. (C) 115. (A) 116. (D) 117. (C) 118. (C) 119. (*) 120. (C) 121. (C)

122. (i) मनुमते साक्षाद्धर्मस्य लक्षणं कतिविधम् ?
(ii) धर्मस्य लक्षणं किम् ? UGC 25 D–2014
(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्
स्रोत–मनुस्मृति (2/12) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 65

123. श्रुतिनामर्थानुगामिग्रन्थाः उच्यन्ते - RPSC ग्रेड II (TGT)–2014
(A) पुराणानि (B) कालिदासस्य नाटकानि
(C) भासस्य नाटकानि (D) स्मृतयः
स्रोत–मनुस्मृति (2/10) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 63

124. आठवें वर्ष में उपनयन विहित है- UGC 73 D–2006
(A) अन्य (B) ब्राह्मण
(C) क्षत्रिय (D) वैश्य
स्रोत–मनुस्मृति (2/36) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

125. व्यवहार के पाद होते हैं - UGC 73 D–2006, 2008
(A) चार (B) तीन
(C) पाँच (D) छः
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – गङ्गासागर राय, पृष्ठ भू. - 04

126. ब्राह्मणों का मरणाशौच कितने दिन का होता है ? UGC 73 J–2007, 2014
(A) दस (B) नव
(C) पन्द्रह (D) तीस
स्रोत–निर्णयसिन्धु – व्रजरत्न भट्टाचार्य, पृष्ठ- 867

127. (i) धन लेकर किया जाने वाला विवाह है ?
(ii) शुल्कमादाय यो विवाहः क्रियते सः कः? UGC 25 D–2013, UGC 73 J–2013
(A) आसुरः (B) दैवः
(C) प्राजापत्यः (D) पैशाचः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 261

128. (i) सुरा कतिविधा? UGC 73 J–2009
(ii) मनुमत में सुरा कितने प्रकार की है। BHU AET–2011
(A) पञ्चविधा (B) त्रिविधा
(C) नवविधा (D) षड्विधा
स्रोत–मनुस्मृति (11/94)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पृष्ठ- 802

129. ''ज्येष्ठं वा श्रेष्ठभागेन सर्वे वा स्युः समांशिनः'' – याज्ञवल्क्यस्मृतेः कस्य प्रकरणस्य श्लोकार्द्धोऽयम्? UGC 73 J–2016
(A) राजधर्मप्रकरणस्य (B) गृहस्थधर्मप्रकरणस्य
(C) दायविभागप्रकरणस्य (D) ऋणादानप्रकरणस्य
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/114) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 255

130. ''अमावास्या गुरुं हन्ति शिष्यं हन्ति चतुर्दशी।
ब्रह्माऽष्टकापौर्णमास्यौ तस्मात्ताः परिवर्जयेत्॥''
मनु के अनुसार यहाँ तिथियों का परिवर्जन किस निमित्त से है– UGC 73 J–2016
(A) मन्त्रजापनिमित्तिकम् (B) यज्ञानुष्ठाननिमित्तकम्
(C) दक्षिणादाननिमित्तकम् (D) वेदाध्ययनाध्यापननिमित्तकम्
स्रोत–मनुस्मृति (4/114)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पृष्ठ-321

131. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं सभासदलक्षणं किम्? K SET–2015
(A) व्यवहारज्ञानवत्वम्
(B) धनाधिकारसम्पन्नत्वम्
(C) श्रुताध्ययनसम्पन्नत्वे सति धर्मज्ञत्वम्
(D) शारीरबलवत्वम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/2) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 162

132. 'असपिण्ड द्विजं प्रेतं विप्रो निर्हृत्य बन्धुवत्' विशुद्ध होता है–
(A) त्रिरात्रेण (B) नवरात्रेण
(C) पञ्चरात्रेण (D) दशरात्रेण
स्रोत–मनुस्मृति (5/101)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पृष्ठ-397

133. ''धर्मं जिज्ञासमानानां प्रमाणं परमं श्रुतिः''– कस्य स्मृतौ वर्तते– K-SET–2013
(A) याज्ञवल्क्यस्य (B) पराशरस्य
(C) मनोः (D) आपस्तम्बस्य
स्रोत–मनुस्मृति (2/13)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पृष्ठ- 120

134. मनुस्मृत्युनुसारेण सरस्वतीदृषद्वत्योर्देवनद्योर्मध्ये देशोऽस्ति? T-SET–2014
(A) आर्यावर्तः (B) कुरुक्षेत्रम्
(C) मध्यप्रदेशः (D) ब्रह्मावर्तः
स्रोत–मनुस्मृति (2/17) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 67

122. (D) 123. (D) 124. (B) 125. (A) 126. (A) 127. (A) 128. (B) 129. (C) 130. (D) 131. (C) 132. (A) 133. (C) 134. (D)

135. मनुस्मृत्यनुसारेण कः परमो धर्मः? T-SET–2014, GJ SET -2013

(A) अहिंसा (B) सत्यम्
(C) आचारः (D) परोपकारः

स्रोत–मनुस्मृति (1/108) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 51

136. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण सभासदः भवन्ति– T-SET–2014

(A) सत्यवादिनः (B) ब्रह्मचारिणः
(C) शिल्पिनः (D) धनवन्तः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/2) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 162

137. स्मार्त्तधर्मः कतिविधः - UGC 73 J–2009

(A) पञ्चविधः (B) षड्विधः
(C) नवविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 01

138. जातकर्म कब करना चाहिये - UGC 73 D–2009

(A) जन्मनः प्राक् (B) प्राङ्नाभिवर्धनात्
(C) अशौचापगमात् प्राक् (D) अशौचापगमात् परम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/29) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 71

139. ब्रह्मचारी के कितने प्रकार हैं ? UGC 73 D–2010, 2012

(A) चतुर्विधः (B) द्विविधः
(C) पञ्चविधः (D) नवविधः

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू. - 32

140. 'आर्त्तवीः' का अर्थ होता है ? UGC 73 D–2010

(A) अत्रिगोत्रोत्पन्ना (B) परिणीता
(C) ऋतुसंख्याः (D) व्यभिचारिणी

स्रोत–

141. 'उद्वाह' शब्द का अर्थ है ? UGC 73 J–2011

(A) वरस्य विवाहः (B) कन्यायाः विवाहः
(C) विधवायाः विवाहः (D) बालविवाहः

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू. – 31

142. कर्त्रशौच होता है- UGC 73 J–2012

(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्
(C) द्विविधम् (D) षड्विधम्

स्रोत–

143. ब्राह्मणपुरुष शूद्रा स्त्री से पैदा होता है-UGC 73 D–2014

(A) पारशवः (B) रथकारः
(C) पुल्कसः (D) सूतः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/91)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-40-41

144. मनु के किस शिष्य ने वर्तमान मनुस्मृति का आख्यान किया है ? BHU AET–2011

(A) भृगु (B) वसिष्ठ
(C) प्रचेता (D) नारद

स्रोत–मनुस्मृति (1/59,60)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ– 33

145. ब्रह्मचारीधर्म मनुस्मृति के किस अध्याय में वर्णित है? BHU AET–2011

(A) द्वितीय (B) तृतीय
(C) चतुर्थ (D) द्वादश

स्रोत–मनुस्मृति – शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ - 50

146. एकाग्रचित मनु से वर्णादि धर्मों की जिज्ञासा किन लोगों ने की ? BHU AET–2011

(A) मनुष्यों ने (B) महर्षियों ने
(C) देवताओं ने (D) राक्षसों ने

स्रोत–मनुस्मृति (1-4) गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 06

147. मारीचि आदि प्रजापतियों की संख्या कितनी है ? BHU AET–2011

(A) सात (B) आठ
(C) नौ (D) दश

स्रोत–मनुस्मृति (1-35) गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ 24,25

148. किस युग में धर्म चारों पादों से युक्त रहता है ? BHU AET–2011

(A) द्वापर (B) त्रेता
(C) सत्ययुग (D) कलियुग

स्रोत–मनुस्मृति (1/81) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 40

149. कृषि कार्य किस वर्ण का धर्म है? BHU AET–2011

(A) ब्राह्मण का (B) वैश्य का
(C) शूद्र का (D) किसी अन्य का

स्रोत–मनुस्मृति (1/90) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 45

135. (C) 136. (A) 137. (B) 138. (B) 139. (B) 140. (*) 141. (B) 142. (*) 143. (A) 144. (A) 145. (A) 146. (B) 147. (D) 148. (C) 149. (B)

150. मानवों में सर्वश्रेष्ठ कौन हैं ? BHU AET–2011

(A) क्षत्रिय (B) वैश्य
(C) ब्राह्मण (D) शूद्र

स्रोत–मनुस्मृति (1/94, 95, 96)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 47

151. सभी तपों का मूल क्या है ? BHU AET–2011

(A) विद्या (B) क्षमा
(C) धैर्य (D) आचार

स्रोत–मनुस्मृति (1/110) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 51

152. (i) मनुप्रोक्त धर्म का मूल क्या है?
(ii) धर्म का मूल क्या है? BHU AET–2010, 2011

(A) वेद (B) स्मृति
(C) पुराण (D) सदाचार

स्रोत–मनुस्मृति (2/6) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 59

153. मनोः उक्ति – त्रिवर्ग इति तु स्थितिः?
यहाँ 'त्रिवर्ग' पद का क्या अर्थ है? UGC 25 J–2016

(A) धर्मार्थकामाः (B) अर्थकाममोक्षाः
(C) ब्रह्मचर्यगृहस्थवानप्रस्थाः (D) ब्राह्मणक्षत्रियवैश्याः

स्रोत–मनुस्मृति (2/224) -शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-186

154. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण व्यवहारान् कः पश्यति– K SET–2014

(A) न्यायाधीशः (B) व्यवहारविद्
(C) नृपः (D) मन्त्री

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/1) – गङ्गासागर राय, पृष्ठ- 161

155. दायविभागप्रकरणमस्ति– K SET–2013

(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) मनुस्मृतौ
(C) याज्ञवल्क्यस्मृतौ (D) चाणक्यनीतौ

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – गङ्गासागर राय, पृष्ठ भू॰- 11,6

156. मनुस्मृत्यनुसारं क्षत्रियः अर्हति– K SET–2013

(A) बैल्वपालाशौ (B) वाटखादिरौ
(C) पैलवौदुम्बरौ (D) आश्वत्थाम्रकौ

स्रोत–मनुस्मृति (2/45) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 78

157. मनुस्मृत्यनुसारं सनातनः अव्यक्तः सर्वप्रथमं किम् असृजत्? K-SET–2014

(A) अपः (B) तेजः
(C) वायुम् (D) पृथिवीम्

स्रोत–मनुस्मृति (1/8) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 10

158. गर्भ के दोषो का निराकरण किससे होता है ? BHU AET–2011

(A) चूडाकरण से (B) स्वाध्याय से
(C) महायज्ञों से (D) गृहयज्ञों से

स्रोत–मनुस्मृति (2.27) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-70,71

159. पहले अथवा तीसरे वर्ष में कौन-सा संस्कार किया जाना चाहिए ? BHU AET–2011

(A) चूडाकरण (B) उपनयन
(C) वेदारम्भ (D) निष्क्रमण

स्रोत–मनुस्मृति (2/35) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

160. बलार्थी क्षत्रियवटु का उपनयन किस वर्ष में किया जाना चाहिए ? BHU AET–2011

(A) पाँचवें (B) छठवें
(C) सातवें (D) आठवें

स्रोत–मनुस्मृति (2/37) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

161. कपास से निर्मित यज्ञोपवीत किस वर्ण के ब्रह्मचारी के लिए है ? BHU AET–2011

(A) क्षत्रिय (B) वैश्य
(C) ब्राह्मण (D) तीनों का

स्रोत–मनुस्मृति (2/44) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 77

162. पूर्वाभिमुख होकर भोजन करने से क्या प्राप्त होती है? BHU AET–2011

(A) विद्या (B) आयु
(C) लक्ष्मी (D) यश

स्रोत–मनुस्मृति (2/52) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 80

163. मनु ने अपने किस शिष्य को धर्मोपदेश के लिए अधिकृत किया ? BHU AET–2011

(A) आरुणि (B) वल्लभ
(C) मरीचि (D) भृगु

स्रोत–मनुस्मृति (1/59) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 33

150. (C) 151. (D) 152. (A) 153. (A) 154. (C) 155. (C) 156. (B) 157. (A) 158. (A) 159. (A) 160. (B) 161. (C) 162. (B) 163. (D)

164. प्रथमो मनुः कथ्यते - BHU AET–2010
(A) वैवस्वतः (B) उत्तमजः
(C) चाक्षुषः (D) स्वायम्भुवः
स्रोत–मनुस्मृति (1/61) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 33

165. मनु सृष्टि के उत्पादक किसे मानते हैं ? BHU AET–2011
(A) जल को (B) परमात्मा को
(C) शिव को (D) किसी को भी नहीं
स्रोत–मनुस्मृति (1/8) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 11

166. मनु के अनुसार ब्राह्मण का सर्वोत्तम तप क्या है ? BHU AET–2011
(A) यज्ञ (B) पूजा
(C) वेदाभ्यास (D) कृषिकार्य
स्रोत–मनुस्मृति (2/166)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-119-120

167. जनक याज्ञवल्क्य के क्या थे ? BHU AET–2011
(A) गुरू (B) भ्राता
(C) शिष्य (D) पिता
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ भू.- 33

168. याज्ञवल्क्य के विचारों का आधार कौन-सी स्मृति है– BHU AET–2011
(A) नारदस्मृति (B) पराशरस्मृति
(C) विष्णुस्मृति (D) मनुस्मृति
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–325,337,340,344

169. कलियुग में किसकी प्रधानता है? BHU AET–2010
(A) दान की (B) यक्ष की
(C) सत्य की (D) तपस्या की
स्रोत–मनुस्मृति (1/86) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 44

170. यज्ञ करना किसका धर्म नहीं है ? BHU AET–2010
(A) ब्राह्मण (B) क्षत्रिय
(C) वैश्य (D) शूद्र
स्रोत–मनुस्मृति (1/88-91)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-45, 46

171. ब्राह्मणों में सर्वश्रेष्ठ कौन है ? BHU AET–2010
(A) ब्रह्मविद् (B) विद्वान्
(C) कृतबुद्धि (D) कर्ता
स्रोत–मनुस्मृति (1/97) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 47

172. कलियुगे का स्मृतिः विहिता – CVVET–2017
(A) नारदस्मृतिः (B) मनुस्मृतिः
(C) पराशरस्मृतिः (D) याज्ञवल्क्यस्मृतिः
स्रोत–

173. धर्म जिज्ञासुओं के लिए प्रमाण क्या है ? BHU AET–2010
(A) श्रुति (B) पुराण
(C) दर्शन (D) ज्योतिष
स्रोत–मनुस्मृति (2/13) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 65

174. व्रात्य किसे कहते हैं ? BHU AET–2010
(A) समय पर उपनीत को
(B) निर्धारित समय पर उपनयन नहीं करने वाले को
(C) दोनों को
(D) दोनों में से किसी को भी नहीं
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू.- 26

175. ब्राह्मण का केशान्त संस्कार किस वर्ष में करना चाहिए? BHU AET–2011
(A) सोलहवें वर्ष में (B) अठारहवें वर्ष में
(C) बाइसवें वर्ष में (D) चौबीसवें वर्ष में
स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू.- 29

176. किस प्रकार का जप सर्वोत्तम फलदायी होता है ? BHU AET–2010
(A) उपांशु (B) उच्चरित
(C) मानस (D) तीनों में से कोई नहीं
स्रोत–मनुस्मृति (2/85) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 92

177. क्षत्रिय की श्रेष्ठता किससे है ? BHU AET–2010
(A) बल से (B) ज्ञान से
(C) धन से (D) जन्म से
स्रोत–मनुस्मृति (2.37) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

178. गुरु की निन्दा से ब्रह्मचारी कौन सी योनि प्राप्त करता है ? BHU AET–2010
(A) खर (B) कुत्ता
(C) कृमि (D) कीट
स्रोत–मनुस्मृति (2/201)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-129, 130

164. (D) 165. (B) 166. (C) 167. (C) 168. (A) 169. (A) 170. (D) 171. (B) 172. (C) 173. (A) 174. (B) 175. (A) 176. (C) 177. (A) 178. (B)

179. मनु किस शास्त्र से सम्बद्ध हैं ? BHU AET–2010

(A) अर्थशास्त्र (B) साहित्यशास्त्र
(C) पुराणशास्त्र (D) धर्मशास्त्र

स्रोत–मनुस्मृति (2/10)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 63, भू0-5

180. अभिवादनशील व्यक्ति क्या प्राप्त करता है ? BHU AET–2010

(A) आयु (B) धन
(C) बुद्धि (D) मृत्यु

स्रोत–मनुस्मृति (2/121)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-104

181. धर्म के दशलक्षण किसके मत से हैं ? BHU AET–2010

(A) मनु (B) याज्ञवल्क्य
(C) पराशर (D) नारद

स्रोत–मनुस्मृति (6/92)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-446

182. चूडाकर्म किस वर्ष में होता है ? UGC 73 J–2015

(A) चतुर्थे वर्षे (B) तृतीये वर्षे
(C) षष्ठे वर्षे (D) द्वितीये वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (2/35) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

183. (i) ब्राह्मणस्योपनयनं कदा भवति? BHU AET–2011
(ii) ब्राह्मण का उपनयन गर्भ से किस वर्ष में करना चाहिए?
(iii) ब्राह्मणानामुपनयनकालः – UGC 73 J–2015
CVVET–2015

(A) गर्भाष्टमे वर्षे (B) गर्भैकादशे वर्षे
(C) गर्भद्वादशे वर्षे (D) गर्भनवमे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (2/36) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 74

184. अधस्तनेषु युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत? MH SET–2013

(क) लेख्यम् **1. दिव्यम्**
(ख) तुलाविधि **2. साक्षिणः**
(ग) त्र्यवराः **3. पुत्रिकासुतः**
(घ) औरससमः **4. साक्षिमत्**

	क	ख	ग	घ
(A)	2	4	1	3
(B)	4	1	2	3
(C)	1	3	2	4
(D)	3	2	4	1

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-236, 242, 224, 285

185. विप्र ब्रह्मचारी की मेखला कैसी होनी चाहिए ? UGC 73 J–2015

(A) मौञ्जी (B) मौर्वी
(C) शणतान्तवी (D) कार्पासी

स्रोत–मनुस्मृति (2/42) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 76

186. राजा का परम कर्त्तव्य क्या है ? UGC 73 J–2015

(A) धर्मसंरक्षणम् (B) राज्यविस्तारः
(C) अर्थसंग्रहः (D) प्रजारक्षणम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/144) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-488

187. मनुस्मृति के अनुसार राजा किस कारण से सभी प्राणियों को अभिभूत करता है ? UGC 73 J–2015

(A) देवांशेभ्यो निर्मितत्वात् (B) पौरुषवत्वात्
(C) शक्तिशालित्वात् (D) नीतिवत्वात्

स्रोत–मनुस्मृति (7/5) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 149

188. मनुस्मृति में स्त्रियों की तुलना किससे की गयी है? UGC 73 J–2015

(A) श्रियः (B) दुर्गायाः
(C) पार्वत्याः (D) सरस्वत्याः

स्रोत–मनुस्मृति (9/26)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-642

189. आठ प्रकार के विवाहों का उचित क्रम क्या है ? UGC 73 J–2015

(A) आर्षः, दैवः, ब्राह्मः, प्राजापत्यः, गान्धर्वः, आसुरः, पैशाचः, राक्षसः
(B) ब्राह्मः, प्राजापत्यः, आर्षः, दैवः, पैशाचः, आसुरः, राक्षसः, गान्धर्वः
(C) ब्राह्मः, दैवः, आर्षः, प्राजापत्यः, आसुरः, गान्धर्वः, राक्षसः, पैशाचः
(D) दैवः, आर्षः, ब्राह्मः, प्राजापत्यः, पैशाचः, राक्षसः, गान्धर्वः, आसुरः

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- भू031

190. प्राचीनकाले 'शिक्षायां कस्य प्रभावः' सर्वाधिकः आसीत् ? DSSSB PGT–2014

(A) धनस्य (B) राज्ञः
(C) गुरोः (D) संस्कारस्य

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति-वीरेन्द्र कुमार सिंह, पेज–128

179. (D) 180. (A) 181. (A) 182. (B) 183. (A) 184. (B) 185. (A) 186. (D) 187. (A) 188. (A) 189. (C) 190. (C)

191. श्राद्धं कतिविधम् ? **BHU AET–2010**

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्

(C) दशविधम् (D) द्वादशविधम्

स्रोत–निर्णयसिन्धु - व्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-629

192. कति पाकयज्ञाः ? **BHU AET–2010**

(A) दश (B) पञ्च

(C) चत्वारः (D) त्रयः

स्रोत–मनुस्मृति (2/86) -गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-92

193. कति उपायाः ? **BHU AET–2010**

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/346)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-153

194. कति वर्णाः ? **BHU AET–2010**

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) सप्त (D) पञ्च

स्रोत–मनुस्मृति (1/31)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ- 88

195. ब्राह्मणस्याशौचं कति दिनात्मकम्? **BHU AET–2010**

(A) दश (B) द्वादश

(C) पञ्चदश (D) त्रिंशत्

स्रोत–निर्णयसिन्धु - व्रजरत्न भट्टाचार्य, पेज-866

196. कति महायज्ञाः? **BHU AET–2010**

(A) त्रयः (B) सप्त

(C) पञ्च (D) दश

स्रोत–मनुस्मृति (3/69)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-218

197. (i) मनुस्मृति में विवाह के कितने प्रकार बताए गये हैं?

(ii) प्राचीन साहित्य में वर्णित विवाहों के प्रकार होते हैं?

(iii) कति विवाहाः सन्तिः? **BHU AET–2010,**

(iv) विवाहः कतिविधः? UGC 73 D–1994, 1996, 1999, 2007, J–2006, 2015, MP PSC–1996

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) अष्ट (D) दश

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू0-31

198. किं पापं ब्रह्महत्यातुल्यम् ? **BHU AET–2010**

(A) कौटसाक्ष्यं (B) राजगामिपैशुनम्

(C) निक्षेपस्यापहरणम् (D) वेदनिन्दा

स्रोत–मनुस्मृति (11/55)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-788

199. मनुसंहितानुसारं कामजव्यसनं कतिविधं भवति? **UGC 25 J–2016**

(A) दशविधम् (B) अष्टविधम्

(C) पञ्चविधम् (D) त्रिविधम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/45) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 166

200. किं कामजं व्यसनम् ? **BHU AET–2010**

(A) दिवास्वप्नम् (B) अर्थदूषणम्

(C) असूया (D) साहसम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

201. मनुमते पुत्रः कतिविधः ? **BHU AET–2010**

(A) दशविधः (B) द्वादशविधः

(C) त्रयोदशविधः (D) पञ्चदशविधः

स्रोत–मनुस्मृति (9/158)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-680

202. मनुमते किमुत्तमं दुर्गम् ? **BHU AET–2010**

(A) महीदुर्गम् (B) जलदुर्गम्

(C) गिरिदुर्गम् (D) नृदुर्गम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/71) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 177

203. (i) कति विद्यास्थानानि ? **BHU AET–2010**

(ii) याज्ञवल्क्यमतानुसारेण विद्यानां कति स्थानानि सन्ति? **RPSC ग्रेड-I PGT-2015**

(A) सप्त (B) दश

(C) द्वादश (D) चतुर्दश

स्रोत–काव्यमीमांसा (द्वितीय अध्याय) – गङ्गासागर राय पृष्ठ- 7

204. शूद्रः ब्राह्मण्यां कमुत्पादयति ? **BHU AET–2010**

(A) निषादम् (B) वैदेहकम्

(C) चाण्डालम् (D) सूतम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला,पेज-284

191. (D) 192. (C) 193. (C) 194. (B) 195. (A) 196. (C) 197. (C) 198. (B) 199. (A) 200. (A) 201. (B) 202. (C) 203. (D) 204. (C)

205. किं नाम देवतीर्थम् ? BHU AET–2010

(A) कनिष्ठामूलम् (B) तर्जनीमूलम्
(C) अङ्गुष्ठमूलम् (D) अङ्गुल्यग्रम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/59) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 83

206. राजधर्मे कति गुणाः सन्ति ? BHU AET–2010

(A) त्रयः (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्टौ

स्रोत–मनुस्मृति (7/160)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-211

207. कस्मिन् वर्षे विद्यारम्भः कार्यः ? BHU AET–2010

(A) तृतीये (B) चतुर्थे
(C) पञ्चमे (D) षष्ठे

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ भू0-24

208. क्षत्रियायां शूद्रादुत्पादितः कः ? BHU AET–2010

(A) उग्रः (B) चाण्डालः
(C) निषादः (D) क्षत्ता

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज-284

209. भिक्षुकः कतिविधः? BHU AET–2010

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–

210. नववर्षीयायाः कन्यायाः कीदृशी संज्ञा ? BHU AET–2010, 2013

(A) गौरी (B) कन्या
(C) रोहिणी (D) वृषली

स्रोत–सत्यार्थप्रकाश - स्वामीदयानन्द सरस्वती, पेज–72

211. केशान्तसंस्कारः कस्मिन् वर्षे भवति ? BHU AET–2010

(A) पञ्चमे (B) द्वादशे
(C) पञ्चदशे (D) षोडशे

स्रोत–मनुस्मृति (2/65) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 85

212. संन्यासिनां कृते कदा श्राद्धं विधीयते ? BHU AET–2011

(A) अष्टम्याम् (B) प्रतिपदि
(C) द्वादश्याम् (D) अमावस्यायाम्

स्रोत–निर्णयसिन्धु-व्रजरत्न भट्टाचार्य, पेज–796

213. क्षत्रियस्योपनयनं कदा भवति ? BHU AET–2011

(A) गर्भाष्टमे वर्षे (B) गर्भादैकादशे वर्षे
(C) गर्भाद् द्वादशे वर्षे (D) गर्भाद् दशमे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति – गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ- 25

214. क्षत्रियस्य मरणाशौचं कियत् ? BHU A ET–2011

(A) दशाहम् (B) द्वादशाहम्
(C) पञ्चदशाहम् (D) मासमेकम्

स्रोत–निर्णयसिन्धु - व्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज–866

215. विज्ञानेश्वर ने कितने स्मार्तधर्म बताये हैं ? UGC 73 J–2008

(A) षट् (B) पञ्च
(C) चत्वारः (D) नव

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-01

216. कः पितृयज्ञः ? BHU AET–2011

(A) देवपूजनम् (B) अतिथिपूजनम्
(C) श्राद्धम् (D) वेदाध्ययनम्

स्रोत–मनुस्मृति (3/70)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ 219

217. मनुना कतिविधं दुर्गं कथितम् ? BHU AET–2011

(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्
(C) षड्विधम् (D) अष्टविधम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/70)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 176,177

218. खटवाङ्गकपालधारणपूर्वकं प्रायश्चित्तम् अस्ति– UGC 73 D–2014

(A) ब्रह्मघातकस्य (B) सुरापस्य
(C) गुरुतुल्यस्य (D) स्तेनस्य

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3/243)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-514-518

219. व्यवहारपदानि कति संख्यकानि ? BHU AET–2011

(A) द्वादश (B) पञ्चदश
(C) अष्टादश (D) विंशति

स्रोत–मनुस्मृति (8/4-7)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज-514

220. दण्डस्य कति स्थानानि ? BHU AET–2011

(A) पञ्च (B) त्रीणि
(C) अष्टौ (D) दश

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2.211) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-344

205. (D) 206. (B) 207. (C) 208. (D) 209. (C) 210. (C) 211. (D) 212. (C) 213. (B) 214. (B) 215. (A) 216. (C) 217. (C) 218. (A) 219. (C) 220. (B)

221. नारी संदूषणानि कति संख्यकानि? BHU AET–2011

(A) चत्वारि (B) षट्

(C) सप्त (D) पञ्च

स्रोत–मनुस्मृति (9/13)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-638

222. कः पुत्रः दायादबान्धवेषु नान्तर्भवति? BHU AET–2011

(A) दत्तकः (B) कानीनः

(C) औरसः (D) कृत्रिमः

स्रोत–मनुस्मृति (9/158)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-680

223. (i) स्त्रीधन कितने प्रकार का है ? BHU AET–2011

(ii) स्त्रीधनं कतिविधं मनुना प्रतिपादितम् ?

UGC 73 D–2008, 2009

(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्

(C) षड्विधम् (D) त्रिविधम्

स्रोत–(i) याज्ञवल्क्यस्मृति – गङ्गासागर राय, पृष्ठ भू.- 20

(ii) मनुस्मृति (9.194)

224. किं धनमविभाज्यम् ? BHU AET–2011

(A) पितृधनम् (B) मातृधनम्

(C) विद्याधनम् (D) पितामहधनम्

याज्ञवल्क्यस्मृति (2/117,119,120)–गङ्गासागर राय, पृष्ठ-258-261

225. किं महापातकं भवति ? BHU AET–2011

(A) गोवधः (B) शूद्रहत्या

(C) सुरापानम् (D) क्षत्रियसुवर्णहरणम्

स्रोत–मनुस्मृति (11/54)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-788

226. कानि राज्याङ्गानि ? BHU AET–2011

(A) त्रीणि (B) पञ्च

(C) षट् (D) सप्त

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/353)-उमेशचन्द्र पाण्डेय,पेज-156

227. मनुसंहितानुसारं सचिवानां संख्या भवेत्–

UGC 25 J–2016

(A) 3-4 (B) 5-6

(C) 7-8 (D) 9-10

स्रोत–मनुस्मृति (7/54)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-170

228. ''अबन्ध्यं यश्च बध्नाति बद्धं यश्च प्रमुञ्चति।

अप्राप्तयव्यवहारं च स दाप्यो दममुत्तमम्॥''

याज्ञवल्क्यस्मृतौ अयं श्लोकः कस्मिन् प्रकरणे दृश्यते?

MH SET–2013

(A) दण्डपारुष्यप्रकरणे (B) साहसप्रकरणे

(C) वेतनदानप्रकरणे (D) स्तेयप्रकरणे

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/243)–गङ्गासागर राय, पृष्ठ-333,335

229. 'अगृहीते समं दाप्यो भृत्यै रक्ष्य उपस्करः।'

याज्ञवल्क्यस्मृतौ कस्मिन् प्रकरणे इदं वाक्यं दृश्यते?

MH SET–2013

(A) दायविभागप्रकरणे (B) क्रीतानुशयप्रकरणे

(C) वेतनदानप्रकरणे (D) द्यूतसमाह्वयप्रकरणे

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/193)–गङ्गासागर राय, पृष्ठ-314

230. क्षत्रियात् शूद्रायां कः जायते ? BHU AET–2011

(A) पारशवः (B) उग्रः

(C) अम्बष्ठः (D) करणः

स्रोत–कौटिलीय-अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज-284

231. ब्राह्मणस्य विशिष्टं कर्म किम् ? BHU AET–2011

(A) याजनं (B) वेदाभ्यासः

(C) प्रतिग्रहः (D) दानम्

स्रोत–मनुस्मृति (10.80)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–757

232. सुरापानसमं पापं किम् ? BHU AET–2011, 2013

(A) निक्षेपापहरणम् (B) वेदनिन्दा

(C) राजगामिपैशुनम् (D) समुत्कर्षार्थमनृतम्

स्रोत–मनुस्मृति (11/56)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–789

233. सप्ताङ्गेषु कः प्रथमः ? BHU AET–2011

(A) अमात्यः (B) स्वामी

(C) कोशः (D) राष्ट्रम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/353)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-156

221. (B) 222. (B) 223. (C) 224. (C) 225. (C) 226. (D) 227. (C) 228. (B) 229. (C) 230. (B)
231. (B) 232. (B) 233. (B)

234. (i) बच्चे का नामकरण जन्म से कौन-से दिन होता है?
(ii) मनुमतानुसारं नामकरणं कदा विधीयते ?
(iii) मनुस्मृत्यनुसारं निम्नलिखितेषु जन्मतः कस्मिन् दिने जातकस्य नामकरणं विधेयम्?
(iv) नामकरणं भवति-
BHU AET–2011, UGC 73 D–2014, 2015, Jn-2017

(A) एकादशदिवसे (B) द्वादशदिवसे
(C) षष्ठदिवसे (D) मासात् परम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/30) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 72

235. क्षत्रियस्य कः धर्म्यः विवाहः ? BHU AET–2013

(A) ब्राह्मः (B) आर्षः
(C) प्राजापत्यः (D) गान्धर्वः

स्रोत–मनुस्मृति (3/26)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–204

236. अध्यापनेन कः यज्ञः सम्पद्यते ? BHU AET–2013

(A) पितृयज्ञः (B) देवयज्ञः
(C) ब्रह्मयज्ञः (D) नृयज्ञः

स्रोत–मनुस्मृति (3.70)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–219

237. मनुष्यः कस्मिन् आश्रमे सङ्गं परित्यजेत् ? BHU AET–2013

(A) संन्यासाश्रमे (B) गृहस्थाश्रमे
(C) ब्रह्मचर्याश्रमे (D) वानप्रस्थाश्रमे

स्रोत–मनुस्मृति (6.33)

238. कामजं व्यसनं किम् ? BHU AET–2013

(A) पैशुन्यः (B) ईर्ष्या
(C) परिवादः (D) पारुष्यम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ- 167

239. क्षत्रियाद् ब्राह्मणकन्यायां कः जायते ? BHU AET–2013

(A) उग्रः (B) अम्बष्ठः
(C) पारशवः (D) सूतः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज-284

240. वैश्यस्य विशिष्टं कर्म किम् ? BHU AET–2013

(A) शस्त्रधारणम् (B) प्रतिग्रहम्
(C) वार्ता (D) अध्यापनम्

स्रोत–मनुस्मृति (10.80)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–756

241. सीमन्तोन्नयनं कस्मिन् मासे क्रियते ? BHU AET–2013

(A) चतुर्थे (B) पञ्चमे
(C) सप्तमे (D) अष्टमे

स्रोत–मनुस्मृति -गिरिधर गोपाल शर्मा, भू.पृष्ठ-18,19

242. द्रविणदानं कस्मिन् विवाहे क्रियते ? BHU AET–2013

(A) गान्धर्वे (B) आसुरे
(C) राक्षसे (D) आर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (3/31)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-206

243. पत्नी कीदृशी न भवेत् ? BHU AET–2013

(A) संयता (B) दक्षा
(C) आलस्यरहिता (D) व्ययशीला

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1.43)

244. श्रुतार्थस्योत्तरं कुत्र लेख्यम् ? UGC 73 J–2012

(A) नृपसन्निधौ (B) पूर्वावेदकसन्निधौ
(C) सभासदसन्निधौ (D) ब्राह्मणसन्निधौ

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/7) - गंगासागर राय,पेज-167

245. कर्णवेधः कदा प्रशस्यते ? BHU AET–2013

(A) चतुर्थे मासि (B) पञ्चमे मासि
(C) नवमे मासि (D) दशमे मासि

स्रोत–मनुस्मृति - गिरिधर गोपाल शर्मा, भू.पृष्ठ-24

246. वैश्यस्य कः मुख्यः विवाहः ? BHU AET–2013

(A) आसुरः (B) आर्षः
(C) राक्षसः (D) गान्धर्वः

मनुस्मृति (3/24) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-204

247. निम्नलिखित में से कौन मध्यकालीन भारत के यशस्वी विधिवेत्ता थे - UP PCS–1995

(A) विज्ञानेश्वर (B) हेमाद्रि
(C) राजशेखर (D) जीमूतवाहन

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू.पेज-23

234. (B) 235. (D) 236. (C) 237. (A) 238. (C) 239. (D) 240. (C) 241. (A) 242. (B) 243. (D) 244. (B) 245. (D) 246. (A) 247. (A)

248. किस प्रकार के विवाह में वधू को शुल्क दिया जाता था? MP PSC–2003

(A) गान्धर्वः (B) आसुरः
(C) राक्षसः (D) पैशाचः

स्रोत–मनुस्मृति (3/31)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-206

249. वैदिककाले कस्मात् संस्कारात् परं शिक्षायाः प्रारम्भः? DSSSB TGT–2014

(A) गर्भाधानसंस्कारात् (B) कर्णवेधसंस्कारात्
(C) नामकरणसंस्कारात् (D) उपनयनसंस्कारात्

स्रोत–मनुस्मृति - गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पेज-24,25

250. याज्ञवल्क्यस्य कति भार्याः सन्ति- BHU AET–2011

(A) 2 (B) 5
(C) 4 (D) 3

स्रोत–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज-427

251. स्मृतिशब्दः कस्य बोधकोऽस्ति ? BHU AET–2010

(A) व्याकरणस्य (B) अर्थशास्त्रस्य
(C) निरुक्तस्य (D) धर्मशास्त्रस्य

स्रोत–मनुस्मृति (2/10) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-63

252. मनुसंहितायां कस्य दुर्गस्य समाश्रयणं बहुधा प्रशंसितम्? UGC 25 J–2015

(A) धन्वदुर्गस्य (B) अब्दुर्गस्य
(C) महीदुर्गस्य (D) गिरिदुर्गस्य

स्रोत–मनुस्मृति (7/71) -गिरिधर गोपाल शर्मा,पृष्ठ-177

253. स्त्रीधन शब्द यौगिक है– UGC 73 J–2012

(A) जीमूतवाहनमते (B) शूलपाणिमते
(C) विज्ञानेश्वरमते (D) गौतममते

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/143) - गङ्गासागर राय,पेज-284

254. ''श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः'' इति मनुसंहितायां कस्मिन्नध्याये उपलभ्यते? UGC 25 J–2015

(A) प्रथमाध्याये (B) द्वितीयाध्याये
(C) तृतीयाध्याये (D) सप्तमाध्याये

स्रोत–मनुस्मृति (2/10) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ - 63

255. अभियोगे साक्ष्ये च दोषत्वेन न गण्यते - UGC 25 J–2015

(A) धनविकृतिः (B) कर्मविकृतिः
(C) मनोविकृतिः (D) वाग्विकृतिः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/15) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-175

256. साक्षिगुणान्यतमो नास्ति - UGC 25 J–2015

(A) तपस्विता (B) सत्यवादिता
(C) कूटसाक्षिता (D) धनान्विता

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/68,69)-गङ्गासागर राय, पृष्ठ-215

257. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं रिक्तस्थानं पूरयत–
स्मृत्योर्विरोधे न्यायस्तु बलवान् व्यवहारतः।
अर्थशास्त्रात्तु बलवद् .... इति स्थितिः॥
UGC 25 D–2015, Jn-2017

(A) धर्मशास्त्रम् (B) राजादेशः
(C) नृपस्येच्छा (D) नीतिशास्त्रम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-179

258. याज्ञवल्क्यानुसारेण सम्बन्धे ऋणे मासि-मासि वृद्धिः भवति– UGC 25 D–2015

(A) पञ्चाशद्भागः (B) अशीतिभागः
(C) त्रिंशद्भागः (D) विंशोभागः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/37) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-199

259. स्मृतिग्रन्थे तात्पर्यम् अस्ति - AWES TGT–2011

(A) स्मरणकारयितुः ग्रन्थाः (B) स्मरिताः ग्रन्थाः
(C) धर्मशास्त्रम् (D) स्मरणीयास्य ग्रन्थे

स्रोत–मनुस्मृति (2/10) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-63

260. मनस् पावनतया साधना अस्ति- AWES TGT–2011

(A) तीर्थयात्रा (B) सत्याचरणम्
(C) प्रतिशुद्धि (D) गुरुनयन

स्रोत–

261. शिशुः निष्क्रमणं कस्मिन् मासे - UK SLET–2012

(A) तृतीयमासे (B) द्वितीयमासे
(C) चतुर्थमासे (D) षष्ठमासे

स्रोत–मनुस्मृति - गिरिधर गोपाल शर्मा, भू. पृष्ठ-21

248. (B) 249. (D) 250. (A) 251. (D) 252. (D) 253. (C) 254. (B) 255. (A) 256. (C) 257. (A) 258. (B) 259. (C) 260. (*) 261. (C)

262. हस्ते ब्रह्मतीर्थं कुत्र भवति - UK SLET–2012
(A) अङ्गुष्ठमूले (B) कनिष्ठामूले
(C) कराग्रे (D) हस्तमूले
स्रोत–मनुस्मृति (2/59) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ – 83

263. (i) मनुस्मृतेः सप्तमे अध्याये किं वर्णितम् -
(ii) मनुस्मृतेः सप्तमोध्यायस्य प्रधानविषयः कः? UK SLET–2012, GJ SET- 2013
(A) देवधर्मः (B) राजधर्मः
(C) मनुधर्मः (D) सृष्टिप्रक्रिया
स्रोत–मनुस्मृति (7/1) - गिरिधिर गोपाल शर्मा, पेज–147, 148

264. आपद्यर्थे कं रक्षेत् - UK SLET–2012
(A) मित्रम् (B) गृहम्
(C) धनम् (D) राष्ट्रम्
स्रोत–

265. विवादस्थलेषु कः साक्षी - UK SLET–2012
(A) उपस्थितजनः (B) मित्राणि
(C) परिवारजनः (D) राजा
स्रोत–

266. ज्येष्ठपुत्र का मुण्डन किस मास में शुभ नहीं है ? UGC 73 J–2015
(A) पितुः जन्ममासे (B) मातुर्जन्ममासे
(C) आषाढमासे (D) ज्येष्ठमासे
स्रोत–

267. मनुस्मृति के अनुसार धर्म का लक्षण नहीं है - UGC 73 J–2015
(A) धृतिः (B) अक्रोधः
(C) विद्या (D) यज्ञः
मनुस्मृति (6/92)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-446

268. मनृस्मृति के अनुसार 'अध्यापनम् अध्ययनं यजनं याजनं दानं प्रतिग्रहं च' ये किसके कर्म हैं ? UGC 73 J–2015
(A) ब्राह्मणानाम् (B) क्षत्रियाणाम्
(C) वैश्यानाम् (D) शूद्राणाम्
स्रोत–मनुस्मृति (1/88) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-45

269. मनुस्मृति के अनुसार क्षत्रिय का कर्त्तव्य कर्म नहीं है- UGC 73 J–2015
(A) इज्या (B) अध्ययनम्
(C) दानम् (D) कृषिकार्यम्
स्रोत–मनुस्मृति (1/89) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-45

270. मनुसंहितानुसारं एषु किं ब्राह्मणस्य कर्म न भवति– UGC 25 J–2016
(A) अध्यापनम् (B) प्रजारक्षणम्
(C) यजनम् (D) याजनम्
स्रोत–मनुस्मृति (1/88) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-45

271. आत्रेयी इस शब्द का क्या अर्थ है? UGC 73 J–2010
(A) पतिता (B) व्यभिचारिणी
(C) विवाहिता (D) रजस्वला
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय,पेज-526

272. मनुसंहितातः रिक्तं स्थानं पूरयत– UGC 25 D–2015
नृपतौ कोशराष्ट्रे च .... सन्धिविपर्ययौ–
(A) अमात्ये (B) दूते
(C) सेनापतौ (D) मन्त्रिणि
स्रोत–मनुस्मृति (7/65) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-175

273. ''तमसा बहुरूपेण वेष्टिताः कर्महेतुना।
अन्तःसंज्ञा भवन्त्येते सुखदुःख समन्विताः॥''
इति मनुवचनं केन सम्बद्धम्– UGC 25 D–2015
(A) अण्डजेन प्राणिना (B) उद्भिजा
(C) स्वेदजेन प्राणिना (D) जरायुजेन प्राणिना
स्रोत–मनुस्मृति (1/49) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-29

274. मानव जाति का 'आदि पुरुष' किसे कहा गया है? H-TET–2015
(A) वशिष्ठ को (B) कपिल को
(C) मनु को (D) विष्णु को
स्रोत–मनुस्मृति - गिरिधर गोपाल शर्मा,पेज भू0-5

275. राजाधिकारिषु एकः रत्नी नास्ति– DU Ph. D–2016
(A) पुरोहितः (B) सेनानी
(C) पालागलः (D) धनाधिपः
स्रोत–वैदिक साहित्य और संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–289

262. (A) 263. (B) 264. (C) 265. (A) 266. (D) 267. (D) 268. (A) 269. (D) 270. (B) 271. (D)
272. (B) 273. (B) 274. (C) 275. (D)

276. मनुस्मृत्या 'षष्ठांशवृत्ति' उच्यते– DU Ph. D–2016

(A) कृषकः (B) धर्मगुरुः

(C) अमात्यः (D) राजा

स्रोत–मनुस्मृति (7/130) गिरिधर गोपाल शर्मा ,पेज-198

277. 'एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।

स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः॥'

इत्युक्तम्– DU Ph. D–2016

(A) रामायणे (B) मनुस्मृतौ

(C) भगवद्गीतायाम् (D) याज्ञवल्क्यस्मृतौ

स्रोत–मनुस्मृति (2.20)-गिरिधिर गोपाल शर्मा, पेज–68

278. ''ऊष्मणश्चोपजायन्ते यच्चाऽन्यत् किञ्चिदीदृशम्।''– MH SET–2013

(A) अण्डजवर्णनप्रकरणे (B) जरायुजवर्णनप्रकरणे

(C) स्वेदजवर्णनप्रकरणे (D) उद्भिज्जवर्णनप्रकरणे

स्रोत–मनुस्मृति (1/45) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-27

279. पैतृक धन से ज्येष्ठ पुत्र कितना अतिरिक्त भाग ग्रहण करने का अधिकारी है? UGC 73 D–2015

(A) 30 भाग (B) 20 भाग

(C) 10 भाग (D) 5 भाग

मनुस्मृति (9/112)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-666

280. यदि छोटे भाई के द्वारा बड़े भाई की पत्नी से नियोग द्वारा पुत्र उत्पन्न किया जाता है तो उस पुत्र का कितना दाय भाग होगा– UGC 73 D–2015

(A) पितृव्यानां समानभागः

(B) उत्पादयितुः पितुः अन्यपुत्राणां समानभागः

(C) पितृव्यानां सर्वेषां पुत्राणां समानभागः

(D) सर्वसम्पत्यानिर्धारितो भागः

मनुस्मृति (9/120)- शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-669

281. पुत्रहीन व्यक्ति के धन का निम्नलिखित में से कौन अधिकारी होता है? UGC 73 D–2015

(A) ज्येष्ठभ्राता (B) सर्वेभ्रातरः

(C) दौहित्रः (D) भगिनीपुत्रः

मनुस्मृति (9/132)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-673

282. स्त्री की बुढ़ापे में रक्षा कौन करता है? UGC 73 D–2015

(A) पिता (B) पुत्रः

(C) पतिः (D) भ्राता

स्रोत–मनुस्मृति (9/3)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-635

283. इच्छा से वर-कन्या का एकान्त में संयोग होना कौन सा विवाह कहलाता है? UGC 73 D–2015

(A) गान्धर्वः (B) आसुरः

(C) राक्षसः (D) पैशाचः

स्रोत–मनुस्मृति (3/32)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-206

284. राजा के शरीर में, मनुस्मृति के अनुसार कितने देवताओं का अंश होता है? UGC 73 D–2015

(A) त्रयाणाम् (B) अष्टानाम्

(C) चतुर्णाम् (D) पञ्चानाम्

स्रोत–मनुस्मृति (7/4) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-149

285. ''तपो विद्या च विप्रस्य निःश्रेयस्करं परम्।''

तपसा किल्विषं हन्ति विद्ययाऽमृतमश्नुते॥''

इस पद्य में 'किल्बिषम्' पद का क्या अर्थ है? UGC 73 D–2015

(A) रोगम् (B) अधर्मम्

(C) पापम् (D) दुर्भाग्यम्

स्रोत–मनुस्मृति (12/104)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-882

286. ब्राह्मणो मनुस्मृत्यनुसारं केन सिद्धिं प्राप्नोति GJ SET–2013

(A) जपेन (B) अध्ययनेन

(C) अध्यापनेन (D) देवपूजनेन

स्रोत–मनुस्मृति (2/87) - गिरिधर गोपाल शर्मा,पेज-92,93

287. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण मानुषं प्रमाणं कतिविधिम्- GJ SET–2013

(A) चतुर्विधम् (B)द्विविधम्

(C) त्रिविधम् (D) सप्तविधम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/22) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-180

276. (D) 277. (B) 278. (C) 279. (B) 280. (C) 281. (C) 282. (B) 283. (A) 284. (B) 285. (C) 286. (A) 287. (C)

288. ''वानप्रस्थयतिब्रह्मचारिणां रिक्थभागिनः। क्रमेणाचार्यसच्छिष्यधर्मभ्रात्रेकतीर्थिनः॥'' इति याज्ञवल्क्यस्मृतौ कस्मिन् प्रकरणे वर्णितम्? MH-SET-2016

(A) स्वामिपालविवादप्रकरणे (B) सीमाविवादप्रकरणे
(C) दायविभागप्रकरणे (D) दत्ताप्रदानिकप्रकरणे

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/137) -उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-297

289. कस्मिन् युगे चतुष्पात् सकलो धर्म आसीत्। MH-SET-2016

(A) कलियुगे (B) कृतयुगे
(C) द्वापरयुगे (D) त्रेतायुगे

मनुस्मृति (1/81)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन,पेज-104

290. 'विद्वद्भिः सेवितः सद्भिर्नित्यमद्वेषरागिभिः हृदयेनाभ्यनुज्ञातः।' कस्य लक्षणम् इदम् ? MH-SET-2016

(A) अनुरागस्य (B) द्वेषस्य
(C) धर्मस्य (D) मोहस्य

स्रोत–

291. याज्ञवल्क्यमते गृहीतवेतनः कर्म त्यजन् - UGC 25 Jn–2017

(A) चतुर्गुणमावहेत् (B) त्रिगुणमावहेत्
(C) पञ्चगुणमावहेत् (D) द्विगुणमावहेत्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/193)-उमेशचन्द्र पाण्डेय,पेज-334

292. मनुसंहितानुसारं एषु कस्य क्रोधजव्यसने गणनं न भवति- UGC 25 Jn–2017

(A) दिवास्वप्नस्य (B) वाक्पारुष्यस्य
(C) साहसस्य (D) दण्डपारुष्यस्य

स्रोत–मनुस्मृति (7/48) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-167

293. मनुसंहितातः रिक्तं स्थानं पूरयत - ''वेदः स्मृतिः .... स्वस्य च प्रियमात्मनः। एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ॥'' UGC 25 Jn–2017

(A) उपकारः (B) अपकारः
(C) सदाचारः (D) परम्परा

स्रोत–मनुस्मृति (2/12) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-65

294. 'ब्राह्मणस्वर्णहारी तु राज्ञे मुसलमर्पयेत्' - इत्यत्र मिताक्षरामते स्वर्णशब्दस्य कोऽर्थः? UGC 25 Jn–2017

(A) जातिवाचकः (B) परिमाणवाचकः
(C) धात्वन्तरवाचकः (D) जातिपरिमाणोभयवाचकः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3/257)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-534,536

295. प्राजापत्यं तीर्थं किं भवति - UGC 25 Jn–2017

(A) अङ्गुष्ठस्य मूलम् (B) अनामिकायाः मूलम्
(C) कनिष्ठायाः मूलम् (D) मध्यमायाः मूलम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/59) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-83

296. अग्निदिव्ये कति मण्डलानि भवन्ति? UGC 73 Jn–2017

(A) चत्वारि (B) पञ्च
(C) नव (D) एकादश

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/106)-उमेशचन्द्र पाण्डेय,पृष्ठ-255

297. अभावे ज्ञातृचिह्नानां सीम्नः प्रवर्तिता कः भवति- UGC 73 Jn–2017

(A) गृहस्थः (B) राजा
(C) गोपालकः (D) वृद्धः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/153)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ-310

298. परीवाद है UGC 73 S–2013

(A) व्यवहारदर्शनम् (B) बहिष्करणम्
(C) साक्ष्यम् (D) दोषकीर्तनम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/200) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-129

299. विवाहेषु अधमोऽस्ति - UGC 73 Jn–2012

(A) राक्षसः (B) पैशाचः
(C) गान्धर्वः (D) आसुरः

स्रोत–मनुस्मृति (3/34)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-207

300. गौतमस्य मते कति विवाहाः धर्म्याः सन्ति - UGC 73 D–2009

(A) अष्टौ (B) चत्वारः
(C) सप्त (D) त्रयः

स्रोत–गौतमधर्मसूत्र - प्रमोदवर्धन कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-85

288. (C) 289. (B) 290. (C) 291. (D) 292. (A) 293. (C) 294. (A) 295. (C) 296. (C) 297. (B) 298. (D) 299. (B) 300. (A)

301. (i) नास्तिको भवति - GJ SET-2016
(ii) नास्तिक कौन है? BHU AET-2010
(A) ईश्वरभक्तः (B) याजकः
(C) वेदनिन्दकः (D) शूद्रः
स्रोत–मनुस्मृति (2/11) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-64

302. कायवाङ्मनोनिग्रह भेद है - UGC 73 D–2014
(A) संवरस्य (B) गुप्तेः
(C) समिते (D) प्रदेशबन्धस्य
स्रोत–

303. बलयुक्ता राजानोऽपि नष्टा भवन्ति - UGC 73 J–2012
(A) विनयरहिता (B) करियुक्ता
(C) तुरगयुक्ता (D) शस्त्रयुक्ता
मनुस्मृति (7/40)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पृष्ठ-458,59

304. विद्यार्थी छोड़ें – UGC 73 D–2013
(A) निद्राम् (B) सुखम्
(C) भोजनम् (D) भिक्षायाचनम्
स्रोत–

305. कृतयुगस्य कालावधिः उक्तिः - UGC 25 J–2012
(A) 1000 वर्षात्मकः (B) 2000 वर्षात्मकः
(C) 3000 वर्षात्मकः (D) 4000 वर्षात्मकः
स्रोत–मनुस्मृति (1/69) -गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-35,36

306. मनुस्मृत्यानुसारं पितृणां रात्रिर्भवति -UGC 25 J–2013
(A) कृष्णपक्षः (B) शुक्लपक्षः
(C) शरदृतुः (D) संवत्सरः
स्रोत–मनुस्मृति (1/66) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-34,35

307. फलनिर्मितानां पात्राणां शुद्धिः कथं भवति? HE–2015
(A) गोमूत्रेण (B) गोमयेन
(C) गोबालेन (D) गोदुग्धेन
स्रोत–

308. प्राजापत्यत्सत्यलोकः .... योजनेन संयुत है - UGC 73 D–2014
(A) कोटित्रयेण (B) कोटिनवेन
(C) कोटिषट्केन (D) एकेन
स्रोत–

309. वेद की एक शाखा का अध्ययन करने से .... कहलाते हैं - UGC 73 D–2014
(A) उपाध्यायाः (B) ऋत्विक्
(C) गुरु (D) ब्रह्म
स्रोत–मनुस्मृति (2/141) -गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-112

310. सतयुग कितने दिव्यवर्षो का होता है? BHU-AET-2011
(A) एक हजार (B) दो हजार
(C) तीन हजार (D) चार हजार
स्रोत–मनुस्मृति (1/69) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-35

311. पूर्वसमुद्र से पश्चिम समुद्र का क्षेत्र कहलाता है? BHU-AET-2011
(A) आर्यावर्त (B) ब्रह्मावर्त
(C) मध्यदेश (D) कोई नहीं
स्रोत–मनुस्मृति (2/22) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पृष्ठ-68

312. अभियोगस्यापह्नवे कियद् धनं राज्ञे दद्यात् - UGC 25 J–2013
(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम् (D) अभियोगसमम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/11) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-177

313. विद्वान् निधिं लब्ध्वा ततः कियन्तं गृह्णीयात्? UGC 25 S–2013
(A) सर्वम् (B) दशांशम्
(C) षष्ठांशम् (D) अर्धम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/34) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-192,193

314. पितृधन विभाग का कालद्वय यह मत है - UGC 73 D–2012
(A) विज्ञानेश्वरस्य (B) जीमूतवाहनस्य
(C) नारदस्य (D) मेधातिथेः
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/121) - गङ्गासागर राय, पृष्ठ-262

315. मिताक्षरानुसारं सुराशब्दप्रयोगः कीदृशो अस्ति– UGC 73 Jn–2017
(A) पारिभाषिकः (B) यौगरुढः
(C) पानमात्रम् (D) गौणः
स्रोत– याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–528

301. (C) 302. (B) 303. (A) 304. (A) 305. (D) 306. (B) 307. (C) 308. (C) 309. (A) 310. (D)
311. (A) 312. (D) 313. (A) 314. (A) 315. (D)

316. मनुमते धर्मप्रमाणानि सन्ति? UGC 73 J–2011, 2012

(A) 4 (B) 5

(C) 9 (D) 11

स्रोत– मनुस्मृति (2/12-13)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–65

317. ''धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः'' – यह उक्ति कहाँ से उद्धृत है? H TET–2015

(A) रामायण (B) रघुवंश

(C) मनुस्मृति (D) महाभारत

स्रोत– मनुस्मृति (8/15)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–517

318. द्वादशाहोपवास से व्रत होता है? UGC 73 D–2014

(A) चान्द्रायणम् (B) पराक्रम

(C) सौम्यकृच्छ्रम् (D) अतिकृच्छ्रम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3.320) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–631

319. अपुत्र का स्वर्गवास होने पर उसके दाय को कौन प्राप्त करता है? UGC 73 D–2005

(A) पिता (B) पत्नी

(C) मित्रम् (D) माता

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/135,136)-गंगासागर राय, पेज–273

316. (A) 317. (C) 318. (D) 319. (B)

11 धर्मशास्त्र

1. धर्मशास्त्र के मुख्य प्रवर्तक कौन हैं ? UGC 73 D–2007

(A) याज्ञवल्क्य (B) मनु
(C) वशिष्ठ (D) नीलकण्ठ

स्रोत–मनुस्मृति-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज भू0-05

2. धर्म का लक्षण है ? UGC 73 D–2004

(A) सदाचार (B) भक्ति
(C) राग (D) निन्दा

स्रोत–मनुस्मृति (2/12)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज- 65

3. धर्मशास्त्र किस कोटि में आता है? UGC 73 J–2015

(A) स्मृतिः (B) वेदान्तः
(C) श्रुतिः (D) आचारः

स्रोत–मनुस्मृति (2/10)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज -63

4. धर्मे मूलप्रमाणं किम् – UGC 73 J–2007

(A) वेदः (B) चार्वाकदर्शनम्
(C) लोकाचारः (D) एतेषु किमपि न

स्रोत–मनुस्मृति (2/12)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-65

5. (i) आश्रम हैं - UGC 73 D–2004, 2008, 2009, 2010
(ii) आश्रमाः कति सन्ति?

(A) 3 (B) 5
(C) 4 (D) 6

स्रोत–प्राचीन भारतीय संस्कृति-वीरेन्द्र कुमार सिंह, पेज-66

6. धर्मशास्त्र के अनुसार अशौच नहीं लगता - UGC 73 J–2006

(A) पुरुषत्रयानन्तरे (B) पञ्चपुरुषानन्तरे
(C) सप्तपुरुषानन्तरे (D) दशपुरुषानन्तरे

स्रोत–निर्णयसिन्धु-श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-868

7. यह मुद्रा पूजा में प्रयुक्त होती है - UGC 73 D–2006

(A) मृगीमुद्रा (B) हंसीमुद्रा
(C) सूकरीमुद्रा (D) धेनुमुद्रा

आगमरहस्यम् (प्रथम खण्ड (26/33)-सुधाकर मालवीय, पेज-714

8. मालामन्त्र में अक्षर संख्या होती है-UGC 73 D–2006

(A) द्वात्रिंशत्यधिका (B) षोडशाधिका
(C) चतुर्विंशत्यधिका (D) दशाधिका

स्रोत–मन्त्ररहस्य-नारायणदत्त – श्रीमाली, पेज-151

9. प्रमुख दश अवतार हैं - UGC 73 D–2007

(A) शिवस्य (B) ब्रह्मणः
(C) विष्णोः (D) गणेशस्य

स्रोत–पुराण-विमर्श-आचार्य बलदेव उपाध्याय, पेज-175

10. पञ्च महायज्ञों का अनुष्ठान कर्तव्य है - UGC 73 D–2007

(A) ब्रह्मचारिणः (B) गृहस्थस्य
(C) वानप्रस्थस्य (D) संन्यासिनः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-317

11. कितने महापातक हैं - UGC 73 J–1991, 2008

(A) पञ्च (B) चत्वारि
(C) त्रीणि (D) षट्

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-122

12. धर्मशास्त्र में 'सुवर्ण' शब्द का अर्थ है - UGC 73 J–2010

(A) षोडशमाषपरिमितः (B) त्रसरेणुपरिमितः
(C) माषपरिमितः (D) भिक्षापरिमितः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-536

13. (i) धर्मशास्त्र मे दाय के कितने प्रकार हैं -
(ii) दाय भेदोऽस्ति– UGC 73 J–2011 D–2012

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः
(C) द्विविधः (D) षड्विधः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति-गंगासागर राय, भू0 पेज-12

14. धर्मशास्त्र में नरकों की संख्या है - UGC 73 D–2011

(A) अष्टादश (B) नव
(C) एकविंशतिः (D) पञ्च

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-500

1. (B)	2. (A)	3. (A)	4. (A)	5. (C)	6. (A)	7. (D)	8. (A)	9. (C)	10. (B)
11. (A)	12. (A)	13. (C)	14. (C)						

15. श्राद्ध के लिए प्रशस्तकाल है- UGC 73 D–2011
(A) प्रातः (B) अपराह्नः
(C) मध्याह्नः (D) अरुणोदयः
स्रोत–निर्णयसिन्धु - श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-633,636

16. प्राजापत्यतीर्थमस्ति - UGC 73 J–2013
(A) अङ्गुष्ठस्य मूलम् (B) मध्यमायाः मूलम्
(C) अनामिकायाः मूलम् (D) कनिष्ठायाः मूलम्
स्रोत–मनुस्मृति (2/59)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज भू0-83

17. काम्यश्राद्ध में वैश्वदेव हैं - UGC 73 D–2012
(A) धुरिरौचनौ (B) सत्यवसू
(C) पुरूरवाद्रवौ (D) काम्यकामौ
स्रोत–निर्णयसिन्धु -श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-627

18. ''एकाश्रव्यं त्वाचार्याः'' यह उक्ति है - UGC 73 D–2012
(A) मनोः (B) गौतमस्य
(C) बोधायनस्य (D) विज्ञानेश्वरस्य
स्रोत–गौतम धर्मसूत्र (1.3.35)-प्रमोदवर्धन कौण्डिन्यायन, पेज-79

19. जपयज्ञविक्रियाः निष्फलाः भवन्ति- UGC 73 D–2013
(A) स्नानविहीनस्य (B) भक्तिशून्यस्य
(C) अदीक्षितस्य (D) अज्ञानिनः
स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश-चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-37

20. फलवान् वृक्षों को काटने पर प्रायश्चित्त होता है- UGC 73 D–2013
(A) ऋक्शतजप्यम् (B) द्वादशवार्षिकं व्रतम्
(C) नववार्षिकं व्रतम् (D) काष्ठदानम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3/276)- उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-574

21. अष्टका श्राद्ध है - UGC 73 D–2013
(A) काम्यम् (B) नैमित्तिकम्
(C) प्रत्यहम् (D) नित्यम्
स्रोत–श्रौतयज्ञ परिचय- वेणीराम शर्मा गौड, पेज-04,05

22. जनन और मरण अशौच के मध्य गुरु है - UGC 73 D–2013
(A) जननम् (B) मरणम्
(C) शवानुगम् (D) गर्भस्रवम्
स्रोत–निर्णयसिन्धु-श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-915

23. राजगामिपैशुनं .... होता है- UGC 73 J–2014
(A) ब्रह्महत्यासमम् (B)गोवधसमम्
(C) मिथ्यासमम् (D)सत्यसमम्
स्रोत–मनुस्मृति (11/55) -शिवराज आचार्य कौडिन्न्यायन, पेज-788

24. धर्मशास्त्र शब्द का क्या अर्थ होता है- UGC 73 J–1991
(A) स्मृति (B) तन्त्र
(C) सूत्र (D) आगम
स्रोत–मनुस्मृति (02/10)- गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-63

25. श्राद्ध करने का प्रथम अधिकारी होता है - UGC 73 J–1991
(A) क्रीतपुत्र (B) औरसपुत्र
(C) क्षेत्रजपुत्र (D) दत्तकपुत्र
निर्णयसिन्धु (चतुर्थ परिच्छेद-श्राद्ध प्रकरण)-श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-638

26. 'नान्दीश्राद्ध' होता है- UGC 73 D–1992
(A) श्राद्ध में (B) शुभकर्म में
(C) अशुभकर्म में (D) यज्ञ में
स्रोत–यज्ञमीमांसा - श्रीवेणीराम शर्मा गौड, पेज-369

27. 'अशौच' की परमावधि है - UGC 73 D–1992
(A) 15 दिन (B) 10 दिन
(C) 20 दिन (D) 1 माह
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3/18) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-407

28. धर्मशास्त्रानुसारं विवाहस्य कति प्रकाराः मन्यन्ते ? BHU AET–2012
(A) चत्वारः (B) षट्
(C) अष्ट (D) दश
मुहूर्तचिन्तामणि (विवाह प्रकरण)-विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज-303

29. धर्मशास्त्रीय-व्यवहारस्य को विषयः ? UGC 25 D–2014
(A) स्मृत्याचारनिन्दा
(B) स्मृत्याचार-विरुद्ध-परपीडा
(C) स्मृत्याचारप्रयुक्ता रुग्णता
(D) स्मृत्याचारप्रयुक्ता निर्धनता
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/5) - गङ्गासागर राय, पेज–164

15. (C)	16. (D)	17. (A)	18. (B)	19. (C)	20. (A)	21. (D)	22. (B)	23. (A)	24. (A)
25. (B)	26. (B)	27. (B)	28. (C)	29. (B)					

30. वैश्यस्याशौचं कियद्दिनात्मकम् - BHU AET–2010

(A) दश (B) द्वादश

(C) पञ्चदश (D) त्रिंशत्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (3.22)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-416-417

31. हरिशयनं कस्यां तिथौ भवति ? BHU AET–2013

(A) पञ्चम्याम् (B) अमावस्यायाम्

(C) नवम्याम् (D) एकादश्याम्

स्रोत–निर्णयसिन्धु - श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज–171

32. दूर्वाष्टमी कस्मिन् मासे भवति ? BHU AET–2011

(A) कार्त्तिके (B) भाद्रे

(C) माघे (D) श्रावणे

स्रोत– गरुणपुराण - गीताप्रेस, पेज– 30

33. संन्यासः कतिविधः ? BHU AET–2011

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

निर्णयसिन्धु-(पञ्चम परिच्छेद)-श्रीव्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज–1060, 1062

34. त्रेतायुग में किसकी प्रधानता है ? BHU AET–2011

(A) तप (B) यज्ञ

(C) दान (D) ज्ञान

स्रोत–मनुस्मृति (1/86)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज– 44

35. दान लेने का किसको अधिकार है-BHU AET–2011

(A) ब्राह्मण को (B) क्षत्रिय को

(C) वैश्य को (D) शूद्र को

स्रोत–श्रीमद्भागवत महापुराण (7/11/14) पेज-876

36. धर्मविरुद्धनिर्णये कतिपयफलभागिनो भवन्ति - UK SLET–2012

(A) चत्वारः (B) त्रयः

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–

37. विद्याः कति विधाः सन्ति ? DSSSB TGT–2014, DSSSB PGT–2014

(A) चतुर्दश (B) षोडश

(C) पञ्चदश (D) दश

स्रोत– काव्यमीमांसा - गङ्गासागर राय, पेज– 7

38. कर्णाटकप्रान्ते अयं धर्मः प्रचुरप्रचारं गतः– CVVET–2015

(A) वैष्णवधर्मः (B) वीरशैवधर्मः

(C) शाक्तधर्मः (D) वैखानसधर्मः

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-7), पेज–604,608

39. पिता के अभाव में कन्यादान कौन करता है? UGC 73 J–2016

(A) भ्राता (B) सकुल्यः

(C) जननी (D) पितामहः

याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय 1/63)-उमेशचन्द्र पाण्डेय-पेज-26

40. पारस्कर के अनुसार सीमन्तोन्नयन संस्कार गर्भाधान के पश्चात् किस मास में होता है? UGC 73 J–2016

(A) प्रथमे (B) चतुर्थे

(C) षष्ठे (D) तृतीये

स्रोत–पारस्करगृह्यसूत्र - जगदीशचन्द्र मिश्र, भू0 पेज–17

41. गौतमानुसारं गुरूणां श्रेष्ठ को भवति - UGC 73 Jn–2017

(A) माता (B) पिता

(C) आचार्यः (D) पितृव्यः

स्रोत–गौतम धर्मसूत्र-प्रमोदवर्धन कौण्डिन्न्यायन, पेज–60

42. गौतममतानुसारं कतिविधाः विवाहाः धर्म्याः - UGC 73 Jn–2017

(A) चतुर्विधाः (B) पञ्चविधाः

(C) अष्टविधाः (D) त्रिविधाः

स्रोत–भारतीय संस्कृति- दीपक कुमार- पेज-71

43. यज्ञस्य नाम अस्ति- RPSC ग्रेड II (TGT)–2010

(A) आर्यावर्तः (B) आरुणिः

(C) अग्निहोत्रम् (D) आसन्दः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

44. दत्तकचन्द्रिका न्यायालय द्वारा मानित है - UGC 73 D–2005

(A) बङ्गदेशे (B) मिथिलायाम्

(C) महाराष्ट्रे (D) दक्षिणभारते

स्रोत–

30. (C)	**31. (D)**	**32. (B)**	**33. (C)**	**34. (D)**	**35. (A)**	**36. (*)**	**37. (A)**	**38. (B)**	**39. (D)**
40. (C)	**41. (C)**	**42. (C)**	**43. (C)**	**44. (A)**					

45. नारदसंहिता में वर्णित प्रमुख विषय है - UGC 73 J–2012

(A) शिल्पविचारः (B) विष्णोः दशावतारः
(C) विष्णुपूजाविधानम् (D) नारायणपारम्यम्

स्रोत–

46. भर्तृस्नेहविषयतया स्त्रियः कुलम् अस्ति - UGC 73 J–2012

(A) दीप्तम् (B) नष्टम्
(C) दग्धम् (D) जलप्लावितम्

मनुस्मृति (9/26) शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन-पेज-642

47. भारतवर्षमस्ति - UGC 73 J–2012

(A) शाकद्वीपे (B) जम्बूद्वीपे
(C) क्रौञ्चद्वीपे (D) पुष्करद्वीपे

स्रोत–संस्कार प्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-11

48. पञ्चमहापातकों में अन्तर्भाव होता है? UGC 73 D–2012

(A) संकरीलक्षमणम् (B) संसर्ग
(C) जातिभ्रंशकरम् (D) रजतहरणम्

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी- पेज-122

49. प्रयोजको भवति- UGC 73 J–2013

(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) त्रिविधः (D) द्विविधः

स्रोत–

50. साङ्कर्य संज्ञित दोष होते हैं– UGC 73 D–2013

(A) द्वादश (B) एकादश
(C) त्रयोदश (D) पञ्चदश

स्रोत–

51. तारं मेषं विषं सर्गि इति षडक्षरः - UGC 73 D–2013

(A) विष्णवे (B) वायवे
(C) ब्राह्मणे (D) शिवाय

स्रोत–

52. जातिमात्र ब्राह्मणी वध में देय होता है - UGC 73 S–2013

(A) अश्वः (B) मेषः
(C) वत्सः (D) नीलवृषः

स्रोत–

53. सप्तर्षियों में अवर हैं - UGC 73 S–2013

(A) राजर्षिः (B) महर्षिः
(C) देवर्षिः (D) ब्रह्मर्षिः

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी-पेज-122

54. शान्तिवश्यादि कर्म होता है - UGC 73 S–2013

(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) अष्ट

स्रोत–

55. कालीतारादि शक्तियाँ होती हैं - UGC 73 S–2013

(A) पञ्च (B) दश
(C) षट् (D) अष्टादश

स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम)-सुधाकर मालवीय, पेज-124

56. दशदल पद्म होता है- UGC 73 S–2013

(A) नाभौ (B) कण्ठे
(C) करे (D) शिरसि

स्रोत–

57. पुष्कराधिपति है- UGC 73 J–2014

(A) दृश्यः (B) ज्योतिष्मान्
(C) सवनः (D) द्युतिमान्

स्रोत–

58. प्रवृत्त का प्रवर्तक होता है- UGC 73 J–2014

(A) अनुमन्ता (B) आज्ञापयिता
(C) उपदेष्टा (D) स्वार्थान्धः

स्रोत–

59. कल्पादि में प्रवचन निमित्त श्रुति सम्भव होती है, यह वेदों का- UGC 73 J–2014

(A) पौरुषेयत्वम् (B) अपौरुषेयत्वम्
(C) प्रामाण्यम् (D) अप्रामाण्यम्

स्रोत–

45. (A)	46. (A)	47. (B)	48. (B)	49. (C)	50. (B)	51. (D)	52. (A)	53. (D)	54. (A)
55. (B)	56. (C)	57. (C)	58. (A)	59. (B)					

60. गोविन्दार्पण विधि से किया जाने वाला मोक्ष हेतु है- UGC 73 J–2014

(A) अध्ययनम् (B) यागः
(C) प्रायश्चित्त (D) उपवासः

स्रोत–

61. पूजन में श्रेष्ठ मुद्राएँ होती है - UGC 73 J–2014

(A) पञ्चाशत् (B) नव
(C) षोडश (D) पञ्चपञ्चाशत्

स्रोत–आगम-रहस्यम् षड्विंशः पटले - सुधाकर मालवीय

62. जिससे सारा जगत् उत्पन्न होता है, वह परा होती है- UGC 73 J–2014

(A) शक्तिः (B) चितिः
(C) माया (D) उत्यक्ता

स्रोत–भारतीय दर्शन- जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज- 559

63. शाक्तेयी सर्वसिद्धिदात्री होती है? UGC 73 J–2014

(A) क्षोभिणीमुद्रा (B) द्राविणीमुद्रा
(C) शंखमुद्रा (D) योनिमुद्रा

स्रोत–

64. 'भक्ति प्रतिपादित है- UGC 73 D–1994

(A) शाण्डिल्यभक्तिसूत्र (B) भागवत
(C) महाभारत (D) देवीभागवत

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (9वाँ खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज-85

65. प्रह्लादगीता के वक्ता हैं - UGC 73 D–1994

(A) व्यास (B) प्रह्लाद
(C) अंगिरा ऋषि (D) अत्रि ऋषि

स्रोत–भागवतपुराण (सप्तम स्कन्ध) नवमाध्याय

66. 'अग्नीनादधीत्' यहाँ संस्कार है - UGC 73 D–2014

(A) विकृतिः (B) आटितः
(C) उत्पत्तिः (D) संस्कृतिः

स्रोत–अर्थसंग्रह-सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-50

67. चौसठ हजार प्रकार के प्राणी होते हैं - UGC 73 D–2014

(A) अण्डजाः (B) योनिजाः
(C) उद्भिजाः (D) मनुष्याः

स्रोत–

68. स्वप्न पदार्थ दर्शन में दोष है - UGC 73 D–2014

(A) निद्रा (B) कामला
(C) पित्त (D) ज्वरः

स्रोत–षट्दर्शनम्- नन्दलाल दशोरा, पेज-231

69. यवन आक्रमण का उल्लेख .... में हुआ है। MPPSC - 2003

(A) ऋग्वेद (B) अर्थशास्त्र
(C) मनुस्मृति (D) गार्गी संहिता

स्रोत–

70. निम्नलिखित चार ग्रन्थों में से कौन-सा विश्वकोषीय ग्रन्थ है? IAS–1993

(A) अमरकोश (B) सिद्धान्तशिरोमणि
(C) बृहत्संहिता (D) अष्टांगहृदय

स्रोत–

71. धर्मशास्त्रे कति व्यवहारपदानि निर्दिष्टानि? CVVET–2017

(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) द्वात्रिंशत् (D) अष्टादश

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति - गङ्गासागर राय, भू0 पेज–4

60. (B) 61. (D) 62. (C) 63. (D) 64. (A) 65. (B) 66. (C) 67. (B) 68. (A) 69. (D) 70. (*) 71. (D)

12 आगम

1. शाक्तमते मकारः भवति ? UGC 73 J–2011
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-683

2. अर्धमागधीभाषायाः प्राचीनतमं रूपं प्राप्यते - UP GDC–2012
(A) दिगम्बरजैनागमेषु (B) श्वेताम्बरजैनागमेषु
(C) वसुदेवहिणीकायाम् (D) कल्पग्रन्थेषु
स्रोत–भारतीय दर्शन- जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-206

3. (i) शैवागम कितने तत्त्वों को स्वीकार करता है?
(ii) सृष्टिकार्ये शैवागमैः अभिमतानि तत्त्वानि– BHU RET–2008, UGC 73 J–2008
(A) 7 (B) 9
(C) 23 (D) 36
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-680

4. किसमें शिव स्वरूप का विचार किया जाता है-
(A) मीमांसा (B) आगम
(C) पुराण (D) दर्शन
स्रोत–(i) आगमरहस्यम् (भाग-1-2/9)- सुधाकर मालवीय , पेज-32
(ii) तन्त्रागमीय ज्ञानकोश-चन्द्रशेखर शिवाचार्य, भू.पेज–(iii)

5. आगम की दृष्टि से मुक्ति का स्वरूप है - UGC 73 D–2004 J–2006, 2007
(A) प्रपत्तिः (B) कर्मानुबन्धक्षयः
(C) सर्वतन्त्रस्वतन्त्रता (D) दुःखत्रयस्यात्यन्तिकक्षयः
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-11), पेज–206

6. आगम हैं - UGC 73 J–2005 D–2009
(A) अपौरुषेयाः (B) पौरुषेयाः
(C) नास्तिकः (D) निगमः
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–444

7. शक्ति के स्वरूप पर विचार किया जाता है ? UGC 73 J–2005 D–2007
(A) आगम (B) सांख्य
(C) वेदान्त (D) बौद्धदर्शन
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास भाग (2), पेज–320

8. इसमें अनुष्ठान एवं पुरश्चरणों का विवेचन होता है- UGC 73 D–2007
(A) कल्प (B) पुराण
(C) आगम (D) उपनिषद्
स्रोत– आगमरहस्यम् (भाग-1)-सुधाकर मालवीय, पेज–302

9. वैष्णवागमों को किस शब्द से व्यवहृत किया जाता है? UGC 73 J–2008
(A) तन्त्र (B) आगम
(C) संहिता (D) शास्त्र
संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-2), पेज–501, 502, 503

10. किस मत में पञ्चमकारों से परतत्त्व की आराधना की जाती है ? UGC 73 D–2008
(A) शैव (B) शाक्त
(C) वैष्णव (D) सौर
स्रोत–भारतीय दर्शन - जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज–683

11. (i) पशुपतमत का निरूपण किया गया है -
(ii) पशुपति विवेकस्य विचारः कृतः - UGC 73 J–2009 D–2012
(A) शैवागमे (B) जैनागमे
(C) शक्त्यागमे (D) वैष्णवागमे
स्रोत–आगमरहस्यम् (भाग-2)-सुधाकर मालवीय, पेज–677,701

12. 'प्रत्यभिज्ञा' स्वरूप निरूपित किया गया है- UGC 73 J–2009
(A) वैष्णवागमे (B) शैवागमे
(C) शक्त्यागमे (D) जैनागमे
स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-335

1. (D) 2. (A) 3. (D) 4. (B) 5. (B) 6. (A) 7. (A) 8. (C) 9. (A) 10. (B)
11. (A) 12. (B)

13. तन्त्रशास्त्र का विषय है - UGC 73 D–2009

(A) सम्मोहनम् (B) दर्शनम्

(C) सेवनम् (D) अवलोकनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय, पेज-447

14. आगम साहित्य किस पद्धति में विभक्त है ? UGC 73 D–2008

(A) ज्ञान-कर्म-भक्त-योगभेदेन

(B) संज्ञा-सन्धि-परिभाषा-कारणभेदेन

(C) आचार-व्यवहार-प्रायश्चित्तभेदेन

(D) ज्ञान-क्रिया-चर्या-योगभेदेन

स्रोत–आगमरहस्य (भाग-1)-सुधाकर मालवीय, भू.पेज- 21

15. मारणमोहन वशीकरण स्तम्भन और उच्चाटन विषय है - UGC 73 D–2009

(A) शैवतन्त्रस्य (B) शक्त्यागमस्य

(C) वैष्णवागमस्य (D) जैनागमस्य

स्रोत–अग्निपुराण (अध्याय-125) तारिणीश झा, पेज-454

16. शैवागमों की संख्या होती है ? UGC 73 J–2010, D–2010

(A) 10 (B) 28

(C) 64 (D) 107

स्रोत–भारतीय दर्शन- चन्द्रधर शर्मा, पेज-335

17. 'संहिता' शब्द के द्वारा व्यवह्रियमाण आगम कौन हैं? UGC 73 J–2010

(A) शैवागमाः (B) शाक्तागमाः

(C) बौद्धागमाः (D) वैष्णवागमाः

स्रोत–भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय, पेज-449

18. आगम में तात्त्विक अंशो का विचार करें - UGC 73 J–2010

(A) क्रियापादे (B) योगपादे

(C) ज्ञानपादे (D) चर्यापादे

स्रोत–आगमरहस्यम् (भाग-1)-सुधाकर मालवीय, पेज–15-16

19. शाक्तागम की संख्या है - UGC 73 D–2010

(A) 64 (B) 107

(C) 28 (D) 222

स्रोत–भारतीय दर्शन-बलदेव उपाध्याय, पेज-477

20. मोक्ष प्राप्ति के लिये वामाचार का प्रतिपादन करते हैं? UGC 73 D–2010

(A) वैष्णवागमाः (B) शाक्तागमाः

(C) शैवागमाः (D) वैखानसागमाः

स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश-चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-240

21. आगम के अनुसार आलयाराधन अन्तर्भूत होता है? UGC 73 D–2010

(A) परार्थपूजायाम् (B) आत्मार्थपूजायाम्

(C) लोकार्थपूजायाम् (D) मानसिकपूजायाम्

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-1)-बलदेव उपाध्याय, पेज–55

22. ''कलौ आगम सम्भव'' मिलता है- UGC 73 J–2011

(A) महानिर्वाणतन्त्रे (B) वेदे

(C) मनुस्मृतौ (D) कुलार्णवतन्त्रे

स्रोत–पुराणविमर्श- बलदेव उपाध्याय, पेज-450

23. श्मशान, भवन, काञ्चन और चन्दन में सर्वथा भेदभाव शून्य होते हैं - UGC 73 D–2011

(A) कौलाः (B) संन्यासिनः

(C) गृहस्थाः (D) चाण्डालाः

स्रोत–

24. पञ्चमकार स्वीकार करते हैं - UGC 73 D–2011

(A) दार्शनिकाः (B) स्वेच्छाचारिणः

(C) नास्तिकाः (D) कौलाचारिणः

स्रोत–भारतीय दर्शन-जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-682-683

25. आगमों का उपदेश दिया जाता है - UGC 73 D–2011

(A) शङ्करेण (B) निम्बार्केण

(C) भारद्वाजेन (D) वैशम्पायनेन

स्रोत–भारतीय दर्शन- जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज-661

26. शैवागमों में इस आगम का अन्तर्भाव नहीं होता है - UGC 73 J–2012 D–2012

(A) कारणागमः (B) वैखानसागमः

(C) अभेदागमः (D) पाशुपतागमः

स्रोत–भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय, पेज-449

13. (A) 14. (D) 15. (B) 16. (B) 17. (D) 18. (C) 19. (A) 20. (D) 21. (A) 22. (D) 23. (A) 24. (D) 25. (A) 26. (B)

27. 'संहिता' शब्द का प्रयोग होता है - UGC 73 J–2012
(A) शैवागमेषु (B) वैष्णवागमेषु
(C) शाक्तागमेषु (D) जैनागमेषु
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–449

28. 'आगमाभिधेयः' शब्द है - UGC 73 J–2012
(A) तन्त्रम् (B) पुराणम्
(C) धर्मशास्त्रम् (D) श्रौतसूत्रम्
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-11)-बलदेव उपाध्याय, भू0पेज–16

29. शाक्तानां भावाः सन्ति - UGC 73 J–2012
(A) त्रयः (B) सप्त
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय, पेज-439

30. यह वैष्णवागमों में अन्तर्भूत होता है- UGC 73 J–2012, 2015
(A) सौरतन्त्रम् (B) पञ्चरात्रम्
(C) गाणपत्यतन्त्रम् (D) अभेदागमः
स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय-शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-144

31. शैवागम हैं - UGC 73 J–2013
(A) अष्टादश (B) पञ्चदश
(C) षोडश (D) दश
स्रोत–भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय, पेज-446

32. श्रीकण्ठीयसंहिता भवति - UGC 73 J–2013
(A) वेदस्य (B) वेदाङ्गस्य
(C) आगमस्य (D) पुराणस्य
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, भू0 पेज-22

33. जयद्रथयामल ग्रन्थ में श्लोक हैं - UGC 73 J–2013
(A) 24 सहस्र (B) 10 सहस्र
(C) 14 सहस्र (D) 15 सहस्र
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, भू0 पेज-24

34. पञ्चरात्रम् आगम है - UGC 73 D–2012
(A) वैष्णवागमः (B) बौद्धागमः
(C) शैवागमः (D) जैनागमः
स्रोत–संस्कृत पम्परागत विषय-शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-144

35. शैवागमों में उपासना विषय का विचार किया गया है- UGC 73 D–2012
(A) क्रियापादे (B) ज्ञानपादे
(C) योगपादे (D) चर्यापादे
स्रोत–भारतीय दर्शन -बलदेव उपाध्याय, पेज-481

36. तन्त्रसार में मुद्राओं की संख्या है- UGC 73 D–2012
(A) दश (B) एकादश
(C) षोडश (D) सप्तदश
स्रोत–तंत्रागमीय ज्ञानकोश-चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज–263

37. "पाशबद्धो भवेज्जीवः" इस वाक्य का उद्धरणग्रन्थ है- UGC 73 D–2012
(A) तत्त्वसारः (B) क्रियासारः
(C) अभेदागमः (D) पाशुपतागमः
स्रोत–

38. शिल्पविद्या की प्रस्तुति .... है - UGC 73 D–2012
(A) वैखानसागमे (B) जयसंहितायाम्
(C) पाशुपतागमे (D) अभेदागमे
स्रोत–वैखानस आगम : एक अध्यन-शीतलाप्रसाद पाण्डेय, पेज–110

39. अष्टकाः भवन्ति- UGC 73 D–2012
(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) नव (D) दश
स्रोत–निर्णयसिन्धु-व्रजरत्नभट्टाचार्य, पेज-359

40. वसिष्ठसंहितादि शुभागम हैं - UGC 73 J–2013
(A) पञ्चदश (B) पञ्च
(C) सप्तदश (D) नव
आगम-रहस्यम् (शाक्तागम भाग-1) सुधाकर मालवीय, भू0पेज-23

41. शिवपूजा के विधान में रङ्गवल्यादिकथन प्रस्तुत होता है- UGC 73 D–2013
(A) पाशुपतागमे (B) कारणागमे
(C) सूक्ष्मागमे (D) चन्द्रज्ञानागमे
स्रोत–

27. (B)	28. (A)	29. (A)	30. (B)	31. (A)	32. (C)	33. (A)	34. (A)	35. (A)	36. (A)
37. (A)	38. (A)	39. (A)	40. (B)	41. (B)					

42. कारणागम में पटल होते हैं - UGC 73 D–2013

(A) सप्त (B) दश

(C) नव (D) पञ्च

स्रोत–

43. पति-पशु–पाश इन तीन तत्त्वों का विशद विचार किया गया है- UGC 73 D–2013

(A) चन्द्रज्ञानागमे प्रथमे पटले

(B) कामिकागमे प्रथमे पटले

(C) मुकुटागमे प्रथमे पटले

(D) कारणागमे प्रथमे पटले

स्रोत–

44. भूतवस्तुविषय का प्रामाण्य होता है- UGC 73 D–2006

(A) वस्तुतन्त्रम् (B) पुरुषतन्त्रम्

(C) चोदनातन्त्रम् (D) परतन्त्रम्

स्रोत–

45. यह जगत् गणसंज्ञक है तथा इसका जो गणपति है, वह स्वयं पति है - UGC 73 D–2013

(A) दुर्गा (B) विनायकः

(C) शिवः (D) विष्णुः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (1/271) उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-126

46. आगम के अनुसार मुख्यसाधन का मार्ग होता है - UGC 73 J–2014

(A) ज्ञानमार्गः (B) षट्स्थलमार्गः

(C) भक्तिमार्गः (D) कर्ममार्गः

स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम)-सुधाकर मालवीय, पेज-699

47. दिगम्बर जैन आगमों की भाषा है-UGC 25 D–2002

(A) शौरसेनी (B) द्रविड़

(C) मराठी (D) संस्कृत

स्रोत–भाषाविज्ञान-कर्णसिंह, पेज-118

48. अभिचारों की संख्या है - UGC 73 D–1991, 1994, 1996, 1999, J–1991

(A) पाँच (B) छः

(C) आठ (D) चार

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-149

49. 'पाश' कितने प्रकार के हैं - UGC 73 D–1992, 1996, J-1991, J–2006

(A) चार (B) पाँच

(C) आठ (D) तीन

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-145

50. शिवदृष्टि है - UGC 73 D–1996

(A) सोमानन्द की (B) उत्पलदेव की

(C) अभिनवगुप्त की (D) क्षेमेन्द्र की

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-795

51. मूर्ति निर्माण है - UGC 73 D–1996

(A) प्रत्यभिज्ञा में (B) कौल में

(C) शाक्त में (D) वैखानस में

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-146

52. पति, पशु और पाश हैं -UGC 73 D–1997 J–1999

(A) वैष्णव (B) शाक्त

(C) शैव (D) वैखानस

स्रोत–संस्कृत परम्परागत विषय- शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज-144

53. वैष्णव मन्दिर निर्मित होते हैं- UGC 73 D–1997

(A) शाक्त (B) वैष्णव

(C) वैखानस (D) पञ्चरात्र

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-11), पेज–63

54. 'वतुलागम' का सम्बन्ध है - UGC 73 J–1998

(A) शैवमतेन (B) भागवतमतेन

(C) पाञ्चरात्रमतेन (D) वैखानसमतेन

स्रोत–

55. प्रपत्तिपदार्थव्यवच्छेदक है - UGC 73 J–1998

(A) शैवमत (B) वैष्णवमत

(C) गाणपत्यमत (D) शाक्तमत

स्रोत–

56. आगम का एक पाद होता है - UGC 73 J–1999

(A) कैवल्यपाद (B) चर्यापाद

(C) साधनपाद (D) स्मृतिपाद

स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-277

42. (B)	43. (A)	44. (A)	45. (B)	46. (B)	47. (A)	48. (B)	49. (A)	50. (A)	51. (D)
52. (C)	53. (C)	54. (C)	55. (A)	56. (B)					

57. 'पाशबद्धो भवेज्जीवः' किसका कथन है- UGC 73 D–1999
(A) क्षेमेन्द्र (B) अभिनवगुप्त
(C) अश्वघोष (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–

58. ''पञ्चधा गुणिता पत्नी शम्भोः'' यह पद्य भाग है- UGC 73 D–2014
(A) आगमरहस्ये (B) प्रपञ्चसारे
(C) शारदायाम् (D) ईश्वरसंहितायाम्
स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, पेज-21

59. शूलपाणि का प्रदेश है- UGC 73 D–2014
(A) पूर्वबङ्गः (B) बिहारः
(C) आसामः (D) महाराष्ट्रः
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति-उमेशचन्द्र पाण्डेय, भू0 पेज-24

60. आगम के अनुसार ''यमल'' शब्द का अर्थ होता है- UGC 73 D–2004, 2006
(A) सुख-दुःख (B) माया-जीव
(C) भुक्ति-मुक्ति (D) स्त्री-पुरुष
स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश-चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-261

61. शिववक्त्रेभ्यः आगतोऽस्ति - UGC-73 S–2013
(A) वेदः (B) पुराणम्
(C) आगमः (D) इतिहासम्
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1) सुधाकर मालवीय, भू0 पेज-20

62. ''पाशुपतसूत्रम्'' सम्बद्धग्रन्थ है - BHU MET–2015
(A) शैवागम (B) वैष्णवागम
(C) शाक्तागम (D) कौलाचार
स्रोत–आगमरहस्यम् (भाग-2) सुधाकर मालवीय-पेज-728

63. कादिविद्या है - UGC 73 J–2015, Jn-2017
(A) पाञ्चरात्रागमस्य (B) शैवागमस्य
(C) त्रैपुरागमस्य (D) वैखानसागमस्य
स्रोत–आगमरहस्य (भाग-2)-सुधाकर मालवीय, पेज–9

64. कामिकागमोक्त दशमधातु है - UGC 73 J–2015
(A) प्राणः (B) जीवः
(C) पराशक्तिः (D) मज्जा
स्रोत–

65. दीप्तादि पञ्चसंहिताओं की उत्पत्ति हुई - UGC 73 J–2015
(A) सद्योजातमुखात् (B) वामदेवमुखात्
(C) अघोरवाक्यात् (D) पुंवाक्यात्
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–275

66. पञ्चकृत्यों में नहीं परिगणित है - UGC 73 J–2015
(A) सृष्टिः (B) स्थितिः
(C) अनुग्रहः (D) अध्ययनम्
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–283

67. 'मुद्रा' शब्द किस दर्शन का शब्द है ? UGC 73 J–2015
(A) आगमदर्शनस्य (B) सांख्यदर्शनस्य
(C) अवतारवादस्य (D) विशिष्टाद्वैतस्य
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, भू0पेज-44

68. 'नरेश्वर परीक्षा' नामक आगमग्रन्थ के रचयिता हैं? UGC 73 D–2015
(A) भोजराजः (B) श्रीकण्ठः
(C) रामकण्ठः (D) सद्योज्योतिः
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-11)-बलदेव उपाध्याय, पेज–153

69. त्राणं च कुरुते यस्मात् तन्त्रमित्यभिधीयते, इत्युक्तमस्ति? UGC 73 J–2011
(A) रुद्रटाचार्येण (B) मनुना
(C) शङ्कराचार्येण (D) कुमारिलभट्टेन
स्रोत–भारतीय दर्शन-बलदेव उपाध्याय, पेज-432

70. सूक्ष्मागम के अनुसार 'निराभारी' का अर्थ है - UGC 73 J–2014
(A) ईश्वरः (B) जङ्गमः
(C) प्रपञ्चः (D) मुक्तिः
स्रोत–

71. प्रकृत्यण्डे तत्वानि उक्तानि सन्ति शैवागमे - UGC 73 Jn–2017
(A) विंशतिः (B) एकोनविंशतिः
(C) सप्तविंशतिः (D) त्रयोविंशतिः
स्रोत–तन्त्रसार (द्वितीय खण्ड) - परमहंस मिश्र, पेज-257

57. (B)	58. (A)	59. (A)	60. (C)	61. (C)	62. (A)	63. (B)	64. (*)	65. (B)	66. (D)
67. (A)	68. (C)	69. (*)	70. (*)	71. (C)					

72. शारदातिलकानुसारेण 'हंसः इत्यत्र 'हं' भवति - UGC 73 Jn–2017
(A) शक्तिः (B) पुरुषः
(C) प्रकृतिः (D) योगिनी
स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, पेज-520

73. आगमरहस्यस्य कस्मिन् पटले मोक्षविचारोऽस्ति - UGC 73 Jn–2017
(A) चतुर्थे (B) नवमे
(C) षोडशे (D) अष्टचत्वारिंशत्पटले
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1)-सुधाकर मालवीय, भू0 पेज-28

74. पार्थिवाण्डाधिष्ठातृरूपेणोच्यते- UGC 73 Jn–2017
(A) ब्रह्मा (B) विष्णुः
(C) रुद्रः (D) शक्तिः
स्रोत–आगमरहस्यम्- (भाग-2) सुधाकर मालवीय, पेज-764

75. 'नवमी विद्या' कुत्र प्राप्यते - UGC 73 Jn–2017
(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) शैवागमे (D) शिवपुराणे
स्रोत–

76. आगमानुसारं कः पतिप्रमाता न उच्यते - UGC 73 Jn–2017
(A) अकलः (B) मन्त्रमहेश्वरः
(C) मन्त्रेश्वरः (D) मन्त्रः
स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश- चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-146

77. 'अहम्' इत्यस्य श्रद्धा, असीमा, परिपूर्णा च अवस्था का उच्यते - UGC 73 Jn–2017
(A) परावस्था (B) विच्छिन्नता
(C) विमर्शात्मकता (D) अनभिव्यक्तता
स्रोत–शैवदर्शन एवं स्पन्दशास्त्र - श्यामाकान्त द्विवेदी, पेज–73

78. शुद्धविद्या किमुच्यते - UGC 73 Jn–2017
(A) मन्त्रेश्वरः (B) भेदाभेदमयीदृष्टिः
(C) अभेददृष्टिः (D) भेददृष्टिः
स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश- चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-145

79. विषवेग होता है? UGC 73 D–2014
(A) सप्त (B) नव
(C) दश (D) एकादश
स्रोत–तन्त्रागमीय ज्ञानकोश- चन्द्रशेखर शिवाचार्य, पेज-272

80. 'बिन्दुः शिवात्मकः' यह है - UGC 73 D–2014
(A) योगिनीहृदये (B) शारदायाम्
(C) प्रयोगसारे (D) सौभाग्यसुभगे
आगमरहस्यम् (शाक्तागम भाग-1, 1/51) सुधाकर मालवीय, पेज-8,9

81. गरदः इसका अर्थ है- UGC 73 D–2014
(A) अगारदाही (B) विषदाता
(C) सोमविक्रेता (D) गृहकर्ता
स्रोत–संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश-उमाप्रसाद पाण्डेय, पेज-285

82. महामुद्रा त्रिखण्डेति प्रकीर्तिता अस्ति-UGC 73 D–2014
(A) संक्षोभिणी (B) आवाहनी
(C) आकर्षणी (D) पुटकारा
स्रोत–

83. 'मातृका द्विविधा प्रोक्ता परा च अपरा तथा' यह है- UGC 73 D–2014
(A) उपनिषदि (B) गीतायाम्
(C) देवीसूक्ते (D) आगमरहस्ये
स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम)-सुधाकर मालवीय, पेज-237

84. ''संसारसागरे मग्नाम् यस्तारयति देहिनः'' वह होता है? UGC 73 D–2014
(A) ब्रह्मज्ञानी (B) गुरुः
(C) गृहस्थः (D) अर्चकः
स्रोत–आगमरहस्यम् (शाक्तागम 4/22) सुधाकर मालवीय, पेज-79

85. महाकालसंहिता का प्रतिपाद्य है? UGC 73 D–2007
(A) सृष्टिवादः (B) कर्मवादः
(C) पशुपतिविवेकः (D) अभिचाराणि
स्रोत– आगमरहस्यम् (शैवागम भाग-2)-सुधाकर मालवीय, पृष्ठ-289

86. 'सूना' इत्यस्यार्थो भवति– UGC 73 D–2012
(A) श्मशानम् (B) पशुवधस्थानम्
(C) विवादस्थानम् (D) युद्धस्थलम्
स्रोत– संस्कृत हिन्दी शब्दकोष-वामनशिवराम आप्टे, पेज–1120

72. (A)	73. (A)	74. (A)	75. (C)	76. (A)	77. (*)	78. (A)	79. (A)	80. (B)	81. (B)
82. (B)	83. (D)	84. (B)	85. (B)	86. (B)					

13 पुराण

1. (i) विष्णुपुराण में पुराण के कितने लक्षण हैं -
(ii) पुराणस्य सामान्यलक्षणानि कति -
(iii) पुराण के कितने लक्षण हैं-
UGC 73 D–2006, J–2015, UK SLET–2012
(A) 14 (B) 05
(C) 11 (D) 18
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

2. 'प्रतिसर्ग' लक्षण है- UP PGT–2004
(A) धर्ममार्ग का (B) काव्य का
(C) पुराण का (D) नीतिकाव्य का
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

3. (i) सर्ग,प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुचरित संकेतक है-BHU B.Ed–2011, UP PCS–2015
(ii) सर्गश्च प्रतिसर्गश्च वंशो मन्वन्तराणि च .... इति कस्य लक्षणम् -
(A) नाटकस्य (B) महाकाव्यस्य
(C) गद्यकाव्यस्य (D) पुराणस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

4. (i) पञ्चलक्षणम् अस्ति - MP वर्ग-I PGT–2012
(ii) पञ्चलक्षणम् इति कस्य कृते उक्तम्?
RPSC SET–2010
(A) महाभारतम् (B) पुराणम्
(C) रामायणम् (D) गीता
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

5. निम्नलिखित में सही है - UGC 73 J–2009, 2010
(A) पुराणं सप्तलक्षणम् (B) पुराणं पञ्चलक्षणम्
(C) पुराणं दशलक्षणम् (D) पुराणमष्टादशलक्षणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

6. पुराणों का स्वरूप है - UGC 73 J–2011
(A) उपदेशप्रधानम् (B) इतिहासप्रधानम्
(C) विनोदप्रधानम् (D) युद्धप्रधानम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 173

7. पुराणशब्दस्य अर्थः - AWES TGT 2011–2012
(A) पौराणिकः (B) प्राचीनः
(C) प्राचीनः यः नवीनः अस्ति (D) निरर्थकं वस्तु
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

8. उपदेशप्रधानं भवति - UGC 73 J–2013
(A) वेदः (B) पुराणम्
(C) कर्मकाण्डम् (D) सांख्यदर्शनम्
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 11

9. पुराण लक्षणों में नहीं आता है - UGC 73 J–2013
(A) सर्गः (B) वंशानुचरितम्
(C) विधिः (D) प्रतिसर्गः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

10. (i) 'सर्गश्च प्रतिसर्गश्च .... पुराणं पञ्चलक्षणम्' इस श्लोक में 'प्रतिसर्गः' शब्द का क्या अर्थ है?
(i) 'सर्गश्च प्रतिसर्गश्च' - यहाँ 'प्रतिसर्ग' का अर्थ है-
UGC 73 J–2014, 2016
(A) उत्पत्तिः (B) स्थितिः
(C) प्रलयः (D) देवभूमिः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

11. पुराणपञ्चलक्षणे नास्ति - UGC 25 J–2013
(A) वंशः (B) उत्सर्गः
(C) सर्गः (D) प्रतिसर्गः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

12. 'पुराणं पञ्चलक्षणम्' में एक है - UGC 73 J–1998
(A) वंशः (B) देशः
(C) कालः (D) ज्ञानम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

1. (B) 2. (C) 3. (D) 4. (B) 5. (B) 6. (B) 7. (B) 8. (B) 9. (C) 10. (C) 11. (B) 12. (A)

13. 'पुरा नवं भवति' इति पुराणशब्दनिर्वचनं कः कृतवान्? HE–2015

(A) गार्ग्यः (B) मधुसूदनसरस्वती

(C) व्यासः (D) यास्कः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 174

14. यास्क के मतानुसार 'पुराण' शब्द की व्युत्पत्ति है? UGC 73 D–2015

(A) पुरा नवं भवति (B) पुरा परम्परां वष्टि

(C) पुरा भवम् (D) पुरा एतद् अभूत्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 174

15. पुराणों के विषय में यह कथन असत्य है? UGC 73 J–2016

(A) पुराणेषु चतुर्विधसृष्टिविद्याया एव वर्णनमस्ति

(B) पुराणं पञ्चलक्षणमस्ति

(C) पुराणेषु सृष्टिविद्यायाः वैशद्येन वर्णनमस्ति

(D) भागवतपुराणे पुराणस्य दशलक्षणानि वर्णितानि

स्रोत–(i) पुराण-विमर्श-बलदेव उपाध्याय, पेज–125, 274, 128

(ii) श्रीमद्भागवत् (3.10), पेज–278

16. पुराणों में ऐतिहासिक सूचनायें .... में मिलती है - MP PSC–2003

(A) सर्ग (B) प्रतिसर्ग

(C) वंश (D) वंशानुचरित

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 175

17. पुराणलक्षणस्य घटकम् अस्ति - UK SLET–2015

(A) वंशानुचरितम् (B) आयुः

(C) उन्नतिः (D) तात्पर्यम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

18. ''सर्गश्च प्रतिसर्गश्च वंशो मन्वन्तराणि च'' इत्याद्युक्ति केन सम्बद्धा - UGC 25 J–2015

(A) वेदलक्षणेन (B) ज्योतिषलक्षणेन

(C) महाकाव्यलक्षणेन (D) पुराणलक्षणेन

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 94

19. (i) पुराणमिदमष्टादशमहापुराणेष्वन्यतमं न भवति -
(ii) पुराणमिदमष्टादशमहापुराणेषु न गण्यते - UGC 25 D–2012, 2014

(A) नृसिंहपुराणम् (B) विष्णुपुराणम्

(C) ब्रह्मपुराणम् (D) कूर्मपुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

20. उपपुराण है - UGC 73 J–2009

(A) शिवपुराणम् (B) वायुपुराणम्

(C) कालिकापुराणम् (D) गरुडपुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

21. अठारह पुराणों में नहीं है-UGC 73 D–2012 J–2013

(A) केदारखण्डपुराणम् (B) भविष्यपुराणम्

(C) अग्निपुराणम् (D) वायुपुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

22. अष्टादश महापुराणों में किसकी गणना नहीं होती? UGC 73 D–2015

(A) ऐन्द्रपुराणम् (B) वायुपुराणम्

(C) अग्निपुराणम् (D) ब्रह्मपुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

23. शैव पुराण हैं - UGC 73 J–2013

(A) एकादश (B) द्वादश

(C) दश (D) नव

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13)-बलदेव उपाध्याय, भू.पेज–22

24. तामस पुराण है - UGC 73 D–2013

(A) ब्रह्मपुराणम् (B) नारदीयपुराणम्

(C) वामनपुराणम् (D) मत्स्यपुराणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

25. सात्त्विक पुराण है - UGC 73 D–2013

(A) भविष्यपुराणम् (B) शिवपुराणम्

(C) श्रीमद्भागवतपुराणम् (D) लिङ्गपुराणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

13. (D) 14. (A) 15. (A) 16. (D) 17. (A) 18. (D) 19. (A) 20. (C) 21. (A) 22. (A)
23. (C) 24. (D) 25. (C)

26. पुराण दशसाहस्त्र है - UGC 73 S–2013
(A) अग्निपुराण (B) नारदपुराण
(C) वामनपुराण (D) मत्स्यपुराण
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 187

27. उपपुराण में अन्तर्भाव है - UGC 73 S–2013
(A) श्रीमद्भागवतपुराण (B) कल्किपुराण
(C) लिङ्गपुराण (D) स्कन्दपुराण
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 176

28. गरुडपुराण है- UGC 73 J–2014
(A) राजसं पुराणम् (B) सात्त्विकं पुराणम्
(C) तामसं पुराणम् (D) इतिहासात्मकपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

29. राजस पुराण है - UGC 73 J–2014
(A) भविष्यपुराणम् (B) मत्स्यपुराणम्
(C) नारदीयपुराणम् (D) वराहपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

30. तीन 'ब्र' के अन्तर्गत नहीं है - UGC 73 J–2014
(A) ब्रह्माण्डपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्
(C) ब्रह्मवैवर्त्तपुराणम् (D) वामनपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 176

31. महापुराणेषु न गण्यते - UGC 25 S–2013
(A) पद्मपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्
(C) साम्बपुराणम् (D) स्कन्दपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 176

32. खिलभागत्वेनाभिधीयते - UGC 25 S–2013
(A) नारदपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्
(C) कूर्मपुराणम् (D) हरिवंशपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 159

33. महापुराणेषु न गण्यते - UGC 25 J–2014
(A) कालिकापुराणम् (B) स्कन्दपुराणम्
(C) विष्णुपुराणम् (D) अग्निपुराणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

34. राजसपुराण है - UGC 73 D–2014
(A) मार्कण्डेयपुराणम् (B) गरुडपुराणम्
(C) अग्निपुराणम् (D) नारदीयपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

35. ''मद्वयं भद्वयम्'' इत्यादि श्लोक में 'मद्वयम्' से दो पुराणों को ग्रहण किया जाता है-
UGC 73 D–2005 J–2007, 2008, 2012
(A) महापुराण मनुस्मृति
(B) मार्कण्डेयपुराण और आदिपुराण
(C) मत्स्यपुराण और मार्कण्डेयपुराण
(D) मत्स्यपुराण और महापुराण
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

36. देवीभागवत ग्रन्थ है - BHU MET–2015
(A) स्मृतिग्रन्थ (B) पुराणग्रन्थ
(C) उपनिषद्ग्रन्थ (D) महापुराणग्रन्थ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 183

37. उपपुराणम् अस्ति - UK SLET–2015
(A) भागवत (B) मत्स्य
(C) अग्नि (D) औशनस्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

38. महापुराण नहीं है - UGC 73 J–2015
(A) मार्कण्डेयपुराणम् (B) पद्मपुराणम्
(C) नारदीयपुराणम् (D) कूर्मपुराणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

39. महापुराणेषु न गण्यते– UGC 25 J–2016
(A) एकाम्रपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्
(C) लिङ्गपुराणम् (D) पद्मपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 176

40. महापुराण है - UGC 73 J–2015
(A) वराहपुराण (B) कपिलपुराण
(C) नारसिंहपुराण (D) मारीचपुराण
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

26. (C)	27. (B)	28. (B)	29. (A)	30. (D)	31. (C)	32. (D)	33. (A)	34. (A)	35. (C)
36. (B)	37. (D)	38. (C)	39. (A)	40. (A)					

41. सूर्यस्य रथः .... परिमितो भवति - **UGC 73 J–2014**

(A) पञ्चयोजन (B) नवसहस्रयोजन
(C) सप्तयोजन (D) एकयोजन

स्रोत–भागवतमहापुराण (5.21.15) – गीताप्रेस, पृष्ठ- 670

42. 'पञ्चविंशतिसहस्राणि'' कहा जाता है- **UGC 73 D–2013**

(A) मायवीयम् (B) नारदीयम्
(C) मार्कण्डेयम् (D) गारुडीयम्

स्रोत–पुराण-विमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 150

43. 'आदिब्राह्म' नाम से भी प्रसिद्ध पुराण कौन सा है? **UGC 73 D–2015**

(A) ब्रह्मपुराणम् (B) ब्रह्मवैवर्तपुराणम्
(C) ब्रह्माण्डपुराणम् (D) अग्निपुराणम्

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 140

44. 'मद्वयं भद्वयं चैव ब्रत्रयं वचतुष्टयम्' इति .... वर्तते? **GJ SET–2016**

(A) देवीभागवतपुराणे (B) ब्रह्माण्डपुराणे
(C) मत्स्यपुराणे (D) लिङ्गपुराणे

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 75

45. (i) पुराणों की संख्या कितनी है - **UP PCS–2009**
(ii) महापुराणों की संख्या है - **UK TET–2001**
(iii) प्रमुखपुराणानां परम्परागतः कति संख्या विद्यते?
AWES TGT–2010, UGC 73 J–1991, 2006, 2008, 2011, 2012, D–2004, 2009, 2010 K-SET–2014, MP PSC–1991, BHU MET–2015, BHU B.Ed–2015, CVVET–2015, UP TET–2016

(A) 16 (B) 17
(C) 18 (D) 20

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 75

46. अग्निपुराणानुसारेण राज्ञः उपायेषु दानस्य भेदाः भवन्ति- **UGC 73 J–2012**

(A) पञ्च (B) नव
(C) चत्वारः (D) त्रयः

अग्निपुराण (अध्याय-241)–तारिणीश झा, पृष्ठ- 739,740

47. पुराणानुसारेण ब्रह्माण्डे भुवनानि भवन्ति - **UGC 73 D–2012**

(A) अष्टादश (B) चतुर्दश
(C) त्रीणि (D) एकादश

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 343

48. मत्स्यपुराण में दुर्ग की संख्या हैं - **UGC 73 D–2012**

(A) पञ्च (B) नव
(C) षट् (D) एकादश

स्रोत–(i) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13), पेज–478
(ii) मत्स्यपुराण - कालीचरण गौड, पेज–780

49. वायुपुराण में महाद्वीप हैं - **UGC 73 D–2012**

(A) पञ्च (B) नव
(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–वायुपुराण (अध्याय-34) – शिवजीत सिंह, पृष्ठ- 237

50. (i) पद्मपुराण के प्रथम सृष्टिखण्ड में अध्यायों की संख्या है - **UGC 73 S–2013 D–2014**
(ii) पद्मपुराणस्य सृष्टिखण्डे कति अध्यायाः -

(A) 85 (B) 24
(C) 26 (D) 82

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 141

51. पद्मपुराण में अवतारों की संख्या है- **UGC 73 S–2013**

(A) द्वादश (B) नव
(C) दश (D) एकादश

स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 175

52. उपपुराणों की संख्या - **UGC 73 J–1991**

(A) पन्द्रह (B) अठारह
(C) बीस (D) उन्नीस

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

53. देवीभागवत में स्कन्ध हैं - **UGC 73 D–1994 RPSC-SET–2010**

(A) तेरह (B) बारह
(C) अठारह (D) बीस

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 183

41. (B) 42. (B) 43. (A) 44. (A) 45. (C) 46. (A) 47. (B) 48. (C) 49. (C) 50. (D) 51. (C) 52. (B) 53. (B)

54. भागवत के दशमस्कन्ध के पूर्वार्ध में अध्याय संख्या है- UGC 73 D–1999
(A) 51 (B) 59
(C) 49 (D) 47
स्रोत–भागवतमहापुराण (10-49) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 444

55. 'अवन्तिखण्ड' है - UGC 73 J–2005
(A) श्रीमद्भागवत (B) ब्रह्मवैवर्तपुराण
(C) स्कन्दपुराण (D) पद्मपुराण
संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 187

56. 'शिवपुराण' में मुख्य रूप से वर्णन है - UGC 73 J–2009
(A) रामस्य (B) विष्णोः
(C) देव्याः (D) शिवस्य
संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 182

57. (i) देवीमाहात्म्यम् अस्मिन् पुराणे वर्णितमस्ति
(ii) प्रसिद्ध दुर्गासप्तशती किस पुराण में है?
(iii) दुर्गासप्तशती अंश विशेष है-
UGC 73 D–2011, K-SET-2013, J-2016
(A) देवीभागवतस्य (B) मार्कण्डेयपुराणस्य
(C) रामायणस्य (D) शिवपुराणस्य
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 184

58. नृसिंहावतारस्य वर्णनम् अस्ति - UGC 73 J–2012
(A) श्रीमद्भागवते (B) अग्निपुराणे
(C) वायुपुराणे (D) कालिकापुराणे
स्रोत–(i) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13), पेज–226
(ii) श्रीमद्भागवत्, प्रथमखण्ड, पेज–847

59. कृष्णोद्धव संवाद है- UGC 73 J–2013
(A) भागवतप्रथमस्कन्धे (B) भागवतपञ्चमस्कन्धे
(C) भागवतनवमस्कन्धे (D) भागवतएकादशस्कन्धे
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 183

60. (i) पद्मपुराण के .... जगन्नाथवर्णन है-
(ii) पद्मपुराणस्य कस्मिन् खण्डे जगन्नाथानुवर्णनमस्ति - UGC 73 J–2013, Jn-2017
(A) तृतीयस्वर्गखण्डे (B) चतुर्थपातालखण्डे
(C) द्वितीयभूमिखण्डे (D) प्रथमसृष्टिखण्डे
स्रोत–पुराण-विमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 629

61. वायुपुराण में माहात्म्य वर्णित है - UGC 73 S–2013, D–2014
(A) विष्णोः (B) वायोः
(C) सूर्यस्य (D) शिवस्य
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 182

62. (i) कस्मिन् पुराणे काव्यशास्त्रसम्बन्धिविषयाः वर्तन्ते-
(ii) कस्मिन् पुराणे विविधशास्त्रसम्बन्धिनो विषयाः वर्तन्ते- UGC 25 J–2012, 2013, D–2014
(A) ब्रह्मपुराणे (B) ब्रह्माण्डपुराणे
(C) नारदपुराणे (D) अग्निपुराणे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

63. मौर्यवंशराज्ञां चरितं कस्मिन् पुराणे वर्णितम् - UGC 25 J–2012
(A) वायुपुराणे (B) वराहपुराणे
(C) वामनपुराणे (D) विष्णुपुराणे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

64. अठारह पुराणों में किसकी गणना नहीं होती? UGC 73 J–2016
(A) भागवतपुराणस्य (B) नारदपुराणस्य
(C) विष्णुपुराणस्य (D) लक्ष्मीपुराणस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

65. रेवाखण्डं कस्य पुराणस्य भागः - CVVET–2017
(A) शिवमहापुराणस्य (B) स्कन्दपुराणस्य
(C) विष्णुपुराणस्य (D) वायुपुराणस्य
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 187

66. ललितासंग्रहनामस्तोत्रं कुत्र वर्तते - UGC 25 S–2013
(A) श्रीमद्भागवते (B) रामायणे
(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) अग्निपुराणे
स्रोत–ललितासहस्रनामस्तोत्रम् - देवेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, पेज–79

67. तीर्थानां सविस्तारं वर्णनमुपलभ्यते- UGC 25 D–2013
(A) मत्स्यपुराणे (B) वायुपुराणे
(C) स्कन्दपुराणे (D) शिवपुराणे
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13), पेज-278

54. (C) 55. (C) 56. (D) 57. (B) 58. (A) 59. (D) 60. (B) 61. (D) 62. (D) 63. (D) 64. (D) 65. (B) 66. (C) 67. (C)

68. ब्रह्मवैवर्तपुराणं निबद्धं वर्तते - UGC 25 J–2014
(A) खण्डेषु (B) पर्वसु
(C) काण्डेषु (D) स्कन्धेषु
संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 185

69. शक्तिपूजा वर्णित है - UGC 73 J–1991
(A) देवीभागवत में (B) रामायण में
(C) नारदपुराण में (D) भागवत में
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13), पेज-250-251

70. कस्मिन् पुराणे 'काशीखण्डः' समुपलभ्यते? UGC 25 D–2015
(A) लिङ्गपुराणे (B) शिवपुराणे
(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) स्कन्दपुराणे
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 186

71. अधस्तनवर्गयोः युग्मपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत– MH SET–2013

(क) पुराणं पुरातनवृत्तान्तकथन-रूपमाख्यानम्	**1. यास्कः**
(ख) पुरा नवं भवति	**2. राजशेखरः**
(ग) पुराणमित्येव न साधु सर्वम्	**3. कालिदासः**
(घ) वेदाख्यानोपनिबन्धप्रायं पुराणम्	**4. सायणः**

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	4	3	1
(D)	3	4	2	1

स्रोत–(क-ख) पुराण-विमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 3,6
(ग) कालिदासग्रन्थावली – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पृष्ठ- 570
(घ) हिन्दी काव्यमीमांसा – गङ्गासागर राय, पेज-6

72. अलङ्कार सामग्री मिलती है - UGC 73 J–1991, K SET–2015
(A) महापुराण में (B) अग्निपुराण में
(C) रामायण में (D) आगम में
संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 578

73. रामानुज सम्प्रदाय की सामग्री प्राप्त है - UGC 73 D–1994
(A) वामनपुराण में (B) ब्रह्मपुराण में
(C) विष्णुपुराण में (D) वराहपुराण में
स्रोत–पुराणविमर्श- बलदेव उपाध्याय, पेज-143

74. (i) गरुडपुराण के अनुसार दूर्वाष्टमी होती है-
(ii) गरुडपुराणोक्तदिशा दूर्वाष्टमी भवति - UGC 73 D–2014, Jn-2017
(A) मार्गशीर्षशुक्लाष्टमी (B) भाद्रशुक्लाष्टमी
(C) आषाढशुक्लाष्टमी (D) पौषशुक्लाष्टमी
स्रोत–गरुडपुराण – गीताप्रेस, पृष्ठ- 230

75. (i) 'आश्रमो वैष्णवो ब्राह्मो हराश्रम' इति तीन आश्रम का विधान है-
(ii) 'आश्रमो वैष्णवो ब्राह्मो हराश्रम इति त्रयः' इति त्रयाणामाश्रमाणां विधानमस्ति- UGC 73 D–2014, Jn -2017
(A) लिङ्गपुराणे (B) ब्रह्मपुराणे
(C) कूर्मपुराणे (D) वामनपुराणे
स्रोत–कूर्मपुराण (पूर्वार्द्ध श्लोक)– शिवजीत सिंह, पृष्ठ- 22

76. भारतस्य महिमा कस्मिन् पुराणे अस्ति - AWES TGT–2011, 2012
(A) श्रीमद्भागवतपुराणे (B) देवलपुराणे
(C) विष्णुपुराणे (D) अग्निपुराणे
अग्निपुराण (अध्याय-118)–तारिणीश झा/घनश्याम त्रिपाठी, पृष्ठ- 430

77. भ्रमरगीतम् अत्र मिलति - UGC 73 D–2004
(A) रामायणे (B) विष्णुपुराणे
(C) श्रीमद्भागवते (D) देवीभागवते
स्रोत–भागवतमहापुराण (10.47) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 421

78. श्रीमद्भागवतपुराणस्य सुबोधिनी टीका लिखिता- UGC 73 D–2004
(A) निम्बार्काचार्येण (B) रामानुजाचार्येण
(C) माध्वाचार्येण (D) वल्लभाचार्येण
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पेज-421

68. (A) 69. (A) 70. (D) 71. (B) 72. (B) 73. (C) 74. (B) 75. (C) 76. (D) 77. (C) 78. (D)

79. श्रीकृष्णचरित मिलता है-
UGC 73 J–2007, 2008, UGC 25 D–2012
(A) शिवपुराण (B) ब्रह्मवैवर्तपुराण
(C) अग्निपुराण (D) श्रीमद्भागवतपुराण
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

80. (i) श्रीमद्भागवत पुराण में स्कन्ध हैं - RPSC SET- 2010
(ii) श्रीमद्भागवते कति स्कन्धाः - UGC 73 D–1992, 2005, 2008, 2011, J–2007, HE–2015
(A) नव (B) दश
(C) ग्यारह (D) बारह
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

81. (i) रासपञ्चाध्यायी है -
(ii) रासपञ्चाध्यायी कस्मिन् पुराणे विद्यते?
(iii) श्रीकृष्णस्य गोपीभिः सह महारासप्रकरणं कस्मिन् पुराणे विद्यते UGC 73 D–2006, 2011, UGC 25 D–2013 J–2014, 2016, CVVET–2017
(A) महाभारत (B) अग्निपुराण
(C) श्रीमद्भागवत (D) श्रीमद्रामायण
स्रोत–पुराण-विमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 149

82. श्रीकृष्णचरितं .... दशमस्कन्धे अस्ति -
UGC 73 J–2009 D–2009
(A) महाभारते (B) रामायणे
(C) श्रीमद्भागवते (D) विष्णुपुराणे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

83. भागवतपुराण को माना जाता है? UGC 73 J–2016
(A) क्षेत्रीयपुराणम् (B) उपपुराणम्
(C) महापुराणम् (D) इतिहासपुराणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

84. श्रीमद्भागवतं निबद्धं वर्तते - UGC 25 S–2013
(A) पर्वसु (B) स्कन्धेषु
(C) काण्डेषु (D) खण्डेषु
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

85. श्रीमद्भागवते श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठपुत्रस्य किं नाम -
UGC 25 J–2014
(A) साम्बः (B) प्रद्युम्नः
(C) सङ्कर्षणः (D) अनिरुद्धः
भागवतमहापुराण (10.90.35) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 706

86. भक्ति से युक्त है - UGC 73 D–1996
(A) रामायण (B) महाभारत
(C) भागवत (D) मनुस्मृति
स्रोत–पुराण-विमर्श-बलदेव उपाध्याय, पेज-145

87. अवधूत के 24 गुरुओं का वर्णन कहाँ है -
UGC 73 J–1999
(A) महाभारत (B) भागवत दशमस्कन्ध
(C) रामायण (D) भागवत एकादशस्कन्ध
भागवतमहापुराण (11/7,8,9) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 752-769

88. भ्रमरगीतकाव्य का मूलस्रोत है-
UP PGT (H) 2008, 2009
(A) श्रीमद्भागवत का पञ्चम स्कन्ध
(B) श्रीमद्भागवत का तृतीय स्कन्ध
(C) श्रीमद्भागवत का सप्तम स्कन्ध
(D) श्रीमद्भागवत का दशम स्कन्ध
स्रोत–भागवत-महापुराण (10.47) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 421

89. वल्लभाचार्यकृता सुबोधिनी टीका– CVVET–2005
(A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य
(C) भागवतस्य (D) कठोपनिषदः
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-10), पृष्ठ-421

90. वकारादिपुराणानि कति– MH SET–2013
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) द्वे
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 176

91. अम्बरीषोपाख्यानम् अस्ति - UK SLET–2015
(A) वराहपुराणे (B) वामनपुराणे
(C) भागवतपुराणे (D) भविष्यपुराणे
स्रोत–भागवत-महापुराण (9/4) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 20

79. (D) 80. (D) 81. (C) 82. (C) 83. (C) 84. (B) 85. (B) 86. (C) 87. (D) 88. (D) 89. (C) 90. (B) 91. (C)

92. श्रीमद्भागवतस्य विभाजनम् इत्थं रूपेण - AWES TGT–2011

(A) स्कन्धेषु अध्यायेषु च (B) अंशेषु अध्यायेषु च

(C) खण्डेषु उपखण्डेषु अध्यायेषु च (D) पर्वषु

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ-182

93. निगमकल्पतरोर्गलितं फलं किम् - BHU AET–2012

(A) वाल्मीकिरामायणम् (B) भागवतम्

(C) पद्मपुराणम् (D) विष्णुपुराणम्

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 182

(ii) श्रीमद्भागवत (प्रथम खण्ड) 1.6.80

94. श्रीमद्भागवतं किमस्ति - BHU AET–2012

(A) महापुराणम् (B) उपपुराणम्

(C) उपोपपुराणम् (D) केवलं पुराणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

95. श्रीमद्भागवतमहापुराणस्य मङ्गलपद्यं कीदृशमस्ति - BHU AET–2011

(A) आशीर्वादात्मकम् (B) नमस्कारात्मकम्

(C) ध्यानात्मकम् (D) विज्ञानात्मकम्

स्रोत–भागवत-महापुराण (1.1) – गीताप्रेस, पृष्ठ-33

96. श्रीमद्भागवतं कस्य कल्पतरोर्गलितं फलम् - BHU AET–2011

(A) बिवुधकल्पतरोः (B) विविधकल्पतरोः

(C) निगमकल्पतरोः (D) सुगमकल्पतरोः

स्रोत–(i) भागवत-महापुराण (1.6.80) खण्ड-1–गीताप्रेस, पेज-77

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 182

97. श्रीमद्भागवतस्य प्रथमे स्कन्धे कति सन्त्यध्यायाः - BHU AET–2011

(A) सप्तदश (B) अष्टादश

(C) एकोनविंशतिः (D) विंशतिः

स्रोत–भागवत-महापुराण (1.19) खण्ड-1–गीताप्रेस, पृष्ठ- 180

98. श्रीमद्भागवते श्रीकृष्णलीला वर्तते - UK SLET–2012

(A) अष्टमस्कन्धे (B) दशमस्कन्धे

(C) द्वादशस्कन्धे (D) नवमस्कन्धे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ-97

99. प्रह्लादचरितम् भागवतस्य– CVVET–2015

(A) दशमस्कन्धे (B) षष्ठस्कन्धे

(C) चतुर्थस्कन्धे (D) सप्तमस्कन्धे

संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 183

100. 'विद्यावतां भागवते परीक्षा' अनया सुभाषितवल्या सम्बद्धग्रन्थः - AWES TGT–2011

(A) भगवद्गीता (B) ब्रह्मवैवर्तपुराण

(C) मार्कण्डेयपुराण (D) भागवतपुराण

संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 182

101. हरिवंश है - UGC 73 D–1994

(A) पुराण (B) काव्य

(C) इतिहास (D) खिल

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 159

102. (i) भगवान् विष्णु के अवतार होते हैं -

(ii) भगवतः विष्णोः कति अवताराः बभूवुः –

(iii) पुराणसाहित्यानुसारेण विष्णोर्मुख्याः अवताराः सन्ति?

(iv) भगवद्विष्णोः मुख्याः अवताराः कति सन्ति–

UGC 73 J–2006, 2008, 2010, 2012, D–2004

(A) दश (B) पञ्चदश

(C) अष्टौ (D) अष्टाविंशति

स्रोत–पुराण-विमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 175

103. कः पञ्चमो वेदः - BHU AET–2012

(A) वाल्मीकिरामायणम् (B) इतिहासपुराणम्

(C) भगवद्गीता (D) छान्दोग्योपनिषद्

स्रोत–पुराणविमर्श– बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 10,11

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 173

104. शुक्रः कः - BHU AET–2012

(A) शुकः (B) शक्रः

(C) दैत्यगुरुः (D) देवगुरुः

स्रोत–भागवत-महापुराण (7.5.1) खण्ड 1–गीताप्रेस, पृष्ठ- 828

105. प्रह्लादः कस्य पितामहः - BHU AET–2012

(A) बाणस्य (B) विरोचनस्य

(C) बलेः (D) रावणस्य

स्रोत–भागवतमहापुराण (8.15) खण्ड-1–गीताप्रेस, पृष्ठ- 974

92. (A) 93. (B) 94. (A) 95. (B) 96. (C) 97. (C) 98. (B) 99. (D) 100. (D) 101. (D) 102. (A) 103. (B) 104. (C) 105. (C)

106. गङ्गा भूमौ केनानीता - BHU AET–2012
(A) अंशुमता (B) भगीरथेन
(C) सगरेण (D) दिलीपेन
वाल्मीकिरामायण (1/42,43) खण्ड-1-गीताप्रेस, पृष्ठ-114

107. ''अष्टादश .... परपीडनम्'' इति केन कथितम् - UK TET–2011
(A) वेदव्यासेन (B) कालिदासेन
(C) भवभूतिना (D) भासेन
संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 190

108. भूमौ पतन्ती गङ्गा केन शिरसि धृता - BHU AET–2012
(A) हिमालयेन (B) शिवेन
(C) ब्रह्मणा (D) भगीरथेन
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (1/43) खण्ड-1-गीताप्रेस, पृष्ठ- 114

109. देवयानी कस्य सुता - BHU AET–2012
(A) देवगुरोः (B) शुक्रस्य
(C) भृगोः (D) कश्यपस्य
स्रोत–भागवत-महापुराण (9.18.4) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 86

110. कस्य पुत्र आसीत् भगवत्भक्तोऽम्बरीषः - BHU AET–2011
(A) नभगस्य (B) नाभागस्य
(C) यज्ञसेनस्य (D) वृषेणस्य
स्रोत–भागवत-महापुराण (9.4.13) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 20

111. शर्मिष्ठायाः पितुः किं नाम आसीत्-BHU AET–2011
(A) वृषपर्वा (B) प्रसेनजित्
(C) द्युमत्सेनः (D) उशना
स्रोत–भागवत-महापुराण (9.18.6) खण्ड-2–गीताप्रेस, पृष्ठ- 86

112. कृष्णजन्म कस्यां तिथौ भवति - BHU AET–2011
(A) तृतीयायां (B) अष्टम्यां
(C) एकादश्यां (D) पौर्णमास्याम्
भविष्य-महापुराण (अध्याय-55) खण्ड-3–बाबूराम उपाध्याय, पृष्ठ- 194

113. नरकाः कतिविधाः - BHU AET–2011
(A) एकादशविधाः (B) पञ्चदशविधाः
(C) एकविंशतिविधाः (D) पञ्चविंशतिविधाः
भागवत-महापुराण (5.26.7)–खण्ड-1 गीताप्रेस, पृष्ठ- 687

114. पौराणिक-भूगोलानुसारेण कति समुद्राः - UK SLET–2012
(A) सप्त (B) नव
(C) अष्ट (D) पञ्च
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 323

115. इदं पुराणं न – K-SET–2013
(A) वराहपुराणम् (B) वामनपुराणम्
(C) कूर्मपुराणम् (D) मकरपुराणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 96

116. पुराणानुसारेण मन्वन्तराणि कति संख्यानि? GJ SET–2013
(A) द्वादश (B) चतुर्दश
(C) षोडश (D) अष्टादश
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-13)-बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-8

117. अधोलिखितेषु तामसपुराणं किम्– K-SET–2013
(A) पद्मपुराणम् (B) लिङ्गपुराणम्
(C) ब्रह्माण्डपुराणम् (D) मार्कण्डेयपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

118. कुचलोपाख्यानं कस्मिन् पुराणे विद्यते– K-SET–2015
(A) स्कन्दपुराणे (B) भविष्यपुराणे
(C) भागवतपुराणे (D) वायुपुराणे
स्रोत–श्रीमद्भागवत दशमस्कन्ध, पेज–620, 622

119. प्रेतकल्पवत् पुराणं किम्? K-SET–2015
(A) विष्णुपुराणम् (B) गरुडपुराणम्
(C) नारदपुराणम् (D) पद्मपुराणम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 188

106. (B) 107. (A) 108. (B) 109. (B) 110. (B) 111. (A) 112. (B) 113. (C) 114. (A) 115. (D) 116. (B) 117. (B) 118. (C) 119. (B)

120. अधोनिर्दिष्टेषु राजसपुराणं किम्? K-SET–2014
(A) शिवपुराणम् (B) पद्मपुराणम्
(C) ब्रह्माण्डपुराणम् (D) स्कन्दपुराणम्
संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 177

121. पुराणे लक्षणे एतत् न अन्तर्भवति– K-SET–2014
(A) सर्गः (B) प्रतिसर्गः
(C) वंशः (D) जन्मान्तराणि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 174

122. आन्ध्रप्रदेशीयराज्ञां वंशावली कस्मिन् पुराणे वर्णिता– RPSC SET–2013-14
(A) मत्स्यपुराणे (B) मार्कण्डेयपुराणे
(C) वामनपुराणे (D) विष्णुपुराणे
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पृष्ठ- 97

123. मत्स्यपुराणोक्तेषु दिव्यावतारेषु को न गण्यते - UGC 73 Jn -2017
(A) नारायणः (B) नरसिंहः
(C) वामनः (D) बुद्धः
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 173

124. पुराणलक्षणे संस्था वर्तते - UGC 73 Jn -2017
(A) सर्गः (B) प्रतिसर्गः
(C) वंशः (D) मन्वन्तराणि
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 126

125. 'वनजौ वनजौ खर्वः'- अत्र प्रथम वनजशब्देन कौ गृह्येते - UGC 73 Jn -2017
(A) मत्स्यकच्छपौ (B) कच्छपवामनौ
(C) श्रीरामश्रीकृष्णौ (D) श्रीकृष्णबुद्धौ
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 175

126. वामनपुराणदिशा भागवतस्य पुराणस्य वैशिष्ट्येषु को विद्यते– UGC 73 Jn -2017
(A) रावणवधः (B) बकासुरवधः
(C) कंसवधः (D) वृत्रवधः
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 676

127. ब्रह्मखण्डस्य ब्रह्मारण्यखण्ड-ब्रह्मोत्तर-खण्डरूपेण विभागद्वयं कस्मिन् पुराणे वर्तते - UGC 73 Jn -2017
(A) ब्रह्मपुराणे (B) ब्रह्माण्डपुराणे
(C) स्कन्दपुराणे (D) मार्कण्डेयपुराणे
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ-154-157

128. शाकद्वीपेश्वरोऽस्ति - UGC 73 D -2013
(A) मेधातिथिः (B) द्युतिमान्
(C) हव्यः (D) वपुष्मान्
स्रोत–श्रीमद्भागवत् (5.1.33), पेज–580-581

129. वसिष्ठस्य प्रपौत्रोस्ति - UGC 73 S -2013
(A) शुकदेवः (B) पराशरः
(C) व्यासः (D) शांशपायनः
स्रोत–पुराणविमर्श – बलदेव उपाध्याय, पृष्ठ- 62-63

130. 'ब्रह्मबन्धू' इत्यस्यार्थोऽस्ति - UGC 73 J -2012
(A) जातिमात्रब्राह्माणी (B) व्यभिचारिणी
(C) विधवा (D) रजस्वला
स्रोत–भागवतमहापुराण (1.7) खण्ड-1– गीताप्रेस, पृष्ठ- 112

131. द्वादशस्कन्धसंवलितं महापुराणं किम्? CVVET -2017
(A) भविष्यपुराणम् (B) वायुपुराणम्
(C) भागवतपुराणम् (D) विष्णुपुराणम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पेज-97

132. उपपुराणेषु अन्तर्गतमस्ति - CVVET -2017
(A) मार्कण्डेयपुराणम् (B) नारदपुराणम्
(C) गणेशपुराणम् (D) ब्रह्माण्डपुराणम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-177

120. (C) 121. (D) 122. (A) 123. (D) 124. (B) 125. (A) 126. (D) 127. (C) 128. (A) 129. (C) 130. (A) 131. (C) 132. (C)

14 कौटिलीय – अर्थशास्त्र

1. कौटिल्य लेखक थे? BPSC–2007
(A) राजतरंगिणी के (B) कादम्बरी के
(C) अर्थशास्त्र के (D) अष्टाध्यायी के

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, भू. पृष्ठ- 19

2. कौटिल्यस्य अपरनाम किम्? RPSC SET–2013-14
(A) चन्द्रगुप्तः (B) समुद्रगुप्तः
(C) चाणक्यः (D) वाल्मीकिः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, भू. पृष्ठ- 65

3. कौटिल्य का अर्थशास्त्र कितने अधिकरणों में विभाजित है ? BPSC–2007
(A) 11 (B) 12
(C) 14 (D) 15

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 07

4. अर्थशास्त्रस्य प्रथमाधिकरणं वर्तते- UGC 25 S–2013
(A) विनयाधिकारिकम् (B) योगवृत्तम्
(C) धर्मवृत्तम् (D) षाड्गुण्यम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 02

5. अर्थशास्त्रस्य द्वितीयाधिकरणं वर्तते? UGC 25 J–2012
(A) विनयाधिकारिकम् (B) धर्मस्थीयम्
(C) अध्यक्षप्रचारः (D) कण्टकशोधनम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 03

6. अर्थशास्त्रस्य तृतीयाधिकरणं वर्तते-UGC 25 J–2012
(A) विनयाधिकारिकम् (B) अध्यक्षप्रचारः
(C) योगवृत्तम् (D) धर्मस्थीयम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 03

7. अर्थशास्त्रस्य चतुर्थाधिकरणं वर्तते - UGC 25 J–2014
(A) कण्टकशोधनम् (B) षाड्गुण्यम्
(C) धर्मस्थीयम् (D) विनयाधिकारिकम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 04

8. कौटिल्य नाम्ना व्यवहृयते-RPSC ग्रेड II (TGT)–2010
(A) चन्द्रगुप्तः (B) नन्दराजः
(C) चणकः (D) चाणक्यः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, भू. पृष्ठ- 65

9. अर्थशास्त्रे विद्यासमुद्देशः कुत्र वर्तते? K-SET–2014
(A) विनयाधिकारिके (B) योगवृत्ते
(C) षाड्गुण्ये (D) धर्मस्थीये

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-08,09

10. दुर्गविनिवेशः कुत्र उपदिष्टः - UGC 25D- 2012
(A) विनयाधिकारिके (B) धर्मस्थीये
(C) अध्यक्षप्रचारे (D) कण्टकशोधने

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-02-03

11. इन्द्रियजयः अर्थशास्त्रे कुत्र उपदिष्टः? K-SET–2013
(A) विनयाधिकारिके (B) योगवृत्ते
(C) धर्मस्थीये (D) अध्यक्षप्रचारे

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला,पृष्ठ-02

12. कौटिल्यार्थशास्त्रानुसारेण आन्वीक्षकी विद्या अस्ति– K-SET–2014
(A) सांख्यं योगो लोकायतं च (B) धर्मीधर्मौ
(C) अर्थानर्थौ (D) सुशासनम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 8

13. कौटिल्यार्थशास्त्रानुसारेण कीदृशो दण्डः सर्वाधिकः प्रजामुद्वेजयति? K-SET–2014
(A) यथार्हदण्डः (B) मृदुदण्डः
(C) पाषाणदण्डः (D) तीक्ष्णदण्डः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.3)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 12

14. अमात्यपरीक्षोपायेषु नास्ति - UGC 25 D–2014
(A) धर्मोपधा (B) अर्थोपधा
(C) कामोपधा (D) मोक्षोपधा

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.5.9)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 25-26

1. (C)	2. (C)	3. (D)	4. (A)	5. (C)	6. (D)	7. (A)	8. (D)	9. (A)	10. (C)
11. (A)	12. (A)	13. (D)	14. (D)						

15. कति आढको भवेद् द्रोणः – MH SET–2016
(A) चतुराढकाः (B) द्वौ आढकौ
(C) पञ्चाढकाः (D) षट् आढकाः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (2.35.19)-वाचस्पति गैरोला, पेज–178

16. दायभाग में श्रेष्ठ भाग का अधिकारी पुत्र होता है - UGC 73 J–2006
(A) कनिष्ठ (B) दत्तक
(C) मध्यम (D) ज्येष्ठ
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (3.62.6)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 279

17. पुत्रों में कौन श्रेष्ठ होता है ? UGC 73 J–2007
(A) दत्तक (B) कृत्रिम
(C) अपविद्ध (D) औरस
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (4.63.7)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 282

18. अमात्योत्पत्तिः कुत्र उपदिष्टा ? UGC 25 J–2012
(A) कण्टकशोधने (B) धर्मस्थीये
(C) षाड्गुण्ये (D) विनयाधिकारिके
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 02

19. दण्डनीतेः अपरं नाम किम्? RPSC SET–2013-14
(A) आयुर्वेदः (B) तर्कशास्त्रम्
(C) जैमिनीयमीमांसाशास्त्रम् (D) कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पृष्ठ- 610

20. अमात्यानां शौचाशौचज्ञानार्थं कौटिल्येन उपधासु या न निर्दिष्टा ? UGC 25 J–2013
(A) कामोपधा (B) अर्थोपधा
(C) मोक्षोपधा (D) धर्मोपधा
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.5.9)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 25,26

21. मन्त्रिपरिषदं द्वादशामात्यान्कुर्वीत् इति कस्य मान्यता? UGC 25 J–2013
(A) बार्हस्पत्यानाम् (B) कौटिल्यस्य
(C) औशनसाम् (D) मानवानाम्
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.10.14)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-47

22. समयाचारिकं कुत्रोपदिष्टमर्थशास्त्रे? UGC 25 S–2013
(A) धर्मस्थीये (B) कण्टकशोधने
(C) अध्यक्षप्रचारे (D) योगवृत्ते
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (5.93.5)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-428

23. कौटिल्येन यो गूढपुरुषेषु न निर्दिष्टः - UGC 25 D–2013
(A) कार्मिकः (B) कापटिकः
(C) तापसः (D) रसदः
कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.6.10)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-29-32

24. सन्धिकर्म कुत्रोपदिष्टम् ? UGC 25 J–2014
(A) धर्मस्थीये (B) अध्यक्षप्रचारे
(C) योगवृत्ते (D) षाड्गुण्ये
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 05

25. कः एकः संस्थागुप्तचरो नास्ति ? HE–2015
(A) कापटिकः (B) तीक्ष्णः
(C) गृहपतिः (D) उदास्थितः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.6.10)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-29,32

26. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में किस पहलू पर प्रकाश डाला गया है ? BPSC–2002
(A) आर्थिक जीवन (B) राजनीतिक नीतियाँ
(C) धार्मिक जीवन (D) सामाजिक जीवन
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला, भू. पृष्ठ- 63

27. अमात्यपरीक्षायाः कतिविधः उपायः ? UGC 25 D–2014
(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.5.9)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 25,26

28. अधोलिखितेषु को गूढपुरुषो न भवति ? UGC 25 D–2014
(A) मन्त्री (B) सत्री
(C) तीक्ष्णः (D) रसदः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.6.10)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ-29

15. (A)	16. (D)	17. (D)	18. (D)	19. (D)	20. (C)	21. (D)	22. (D)	23. (A)	24. (D)
25. (B)	26. (B)	27. (C)	28. (A)						

29. (i) कौटिल्यानुसारं विद्याः सन्ति?
(ii) अर्थशास्त्रकारमते विद्या कति विधा ? UGC 25 J–2015, K-SET–2013
(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 08

30. अर्थशास्त्रतः रिक्तं स्थानं पूरयत - UGC 25 J–2015
''कृषिपाशुपाल्ये वाणिज्या च ....।''
(A) वार्ता (B) आन्वीक्षकी
(C) त्रयी (D) दण्डनीतिः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.3)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 12

31. अर्थशास्त्रे आन्वीक्षकीत्रयीवार्तानां योगक्षेमसाधनो भवति– UGC 25 D–2015
(A) साम (B) दाम
(C) भेद (D) दण्ड
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.3)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 12

32. कौटिल्यानुसारं त्रयी के संवरणमात्रं मन्यन्ते? UGC 25 J–2016
(A) मानसाः (B) मानवाः
(C) बार्हस्पत्याः (D) औशनसाः
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला,पृष्ठ- 08

33. कौटिल्यानुसारं मानवाः कां विद्यां पृथक् न मन्यन्ते? UGC 25 J–2016
(A) आन्वीक्षकीम् (B) त्रयीम्
(C) वार्ताम् (D) दण्डनीतिम्
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 08

34. कौटिल्येन विधेः चत्वारः चरणाः स्वीकृताः– DU Ph. D–2016
(A) धर्मः, व्यवहारः, चरित्रं, राजशासनश्च
(B) धर्मः, व्यवहारः, चरित्रं, वणिङ्मण्डलश्च
(C) धर्मः, व्यवहारः, संयमः, राजशासनश्च
(D) धर्मः, कोशः, व्यवहारः, राजशासनश्च
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (3.57.1)-वाचस्पति गैरोला, पेज-259

35. अर्थशास्त्रात् किं बलवत्– MH SET–2013
(A) न्यायशास्त्रम् (B) वेदान्तशास्त्रम्
(C) मीमांसाशास्त्रम् (D) धर्मशास्त्रम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21)–उमेशचन्द्र पाण्डेय, पृष्ठ- 183

36. अक्षपटलाध्यक्षस्य कार्यमासीत्? DU Ph. D–2016
(A) आयव्ययविवरणस्य रक्षणम् (B) द्यूतकरसंग्रहणम्
(C) द्यूतक्रीडायां माध्यस्थं (D) आयव्ययवितरणम्
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् (2.7.33)-वाचस्पति गैरोला, पेज - 103

37 नीतिविषयकग्रन्थस्य कर्ता– K-SET–2014
(A) सोमदेवसूरिः (B) शुक्राचार्यः
(C) मम्मटः (D) आनन्दवर्धनः
स्रोत–शुक्रनीतिः (भाग-1)–जगदीशचन्द्र मिश्र, पृष्ठ- भू0,03

38. कौटिल्येन सेनायाः श्रेण्यः कतिधा उल्लिखिताः– K-SET–2014
(A) अष्ट (B) सप्त
(C) नव (D) चतस्रः
कौटिलीय अर्थशास्त्र (9.137-139.2) – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 599

39. अधोलिखितेषु क्रमः कुत्र पालितः? K-SET–2014
(A) सन्धिः, यानम्, आसनम्, संश्रयः
(B) यानम्, सन्धिः, विग्रहः, संश्रयः
(C) सन्धिः, विग्रहः, यानं, आसनम्
(D) आसनं, सन्धिः, विग्रहः, यानम्
कौटिलीय अर्थशास्त्र (7.98-99.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 453

40. अर्थशास्त्रानुसारम् अधस्तनेषु किं वाक्पारुष्यं न भवति– K-SET–2013
(A) अश्लीलम् (B) निष्ठुरम्
(C) तीव्रम् (D) स्निग्धम्
स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज-331

29. (C) 30. (A) 31. (D) 32. (C) 33. (A) 34. (A) 35. (D) 36. (A) 37. (B) 38. (B)
39. (C) 40. (D)

41. अधोलिखितेषु चाणक्यमते कः दूतः न भवति– K-SET–2013

(A) निसृष्टार्थः (B) परिमितार्थः
(C) शासनहरः (D) अभिसारिका

कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.11.15) – वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 49

42. अर्थशास्त्रे उद्धृतं 'पितृपैतामहानमात्यान् कुर्वीत' इति मतं कस्य? UGC 25 J–2016

(A) कौणपदन्तस्य (B) वातव्याधेः
(C) बाहुदन्तीपुत्रस्य (D) कौटिल्यस्य

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.3.7)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 21

43. अर्थशास्त्रे उद्धृतं 'सहाध्यायिनोऽमात्यान्कुर्वीत' इति मतं कस्य? UGC 25 J–2016

(A) विशालाक्षस्य (B) भारद्वाजस्य
(C) पराशरस्य (D) पिशुनस्य

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.3.7)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 20

44. अमात्यानां शौचाशौचज्ञानं कथं ज्ञातव्यमिति कौटिल्यः अभिप्रैति? K-SET–2015

(A) उपधाभिः (B) विद्याभिः
(C) शक्तिभिः (D) बुद्धिभिः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.5.9)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 25-28

45. ''त्रय्या हि रक्षितो लोकः प्रसीदति न सीदति''– इति कस्याभिप्रायः? K-SET–2015

(A) भारद्वाजस्य (B) याज्ञवल्क्यस्य
(C) बोधायनस्य (D) कौटिल्यस्य

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.2)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 11

46. कौटिल्यानुसारं कः मन्त्रं श्रोतुं न अर्हति–K-SET–2013

(A) अश्रुतशास्त्रार्थः (B) अश्रोत्रियः
(C) राजनीतौ अकुशलः (D) धर्महीनः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.10.14)-वाचस्पति गैरोला, पेज–48

47. कौटिलीयार्थशास्त्रे 'अर्थ' शब्दस्य कोऽर्थः? GJ SET–2013

(A) धनम् (B) धान्यम्
(C) हिरण्यम् (D) मनुष्यवती भूमिः

कौटिलीय अर्थशास्त्र (15.180.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 765

48. अर्थशास्त्रानुसारेण वार्ता शब्दस्यार्थः कः -GJ SET–2013

(A) इतिवृत्तं (B) संवादः
(C) कृषिः, पशुपालनं, वाणिज्यम् (D) आन्वीक्षकी

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.3)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 12

49. कौटिल्यार्थशास्त्रोल्लेखानुसारं एषु कः कोपात् विननाश इति उल्लिखितः? UGC 25 Jn - 2017

(A) अजबिन्दुः (B) रावणः
(C) करालः (D) जनमेजयः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.3.5)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 16

50. कौटिलीयार्थशास्त्रे सर्वविद्यानां प्रदीपः सर्वकर्मणाम् उपायः सर्वधर्माणां च आश्रयः का विद्या प्रोक्ता? UGC 25 Jn - 2017

(A) आन्वीक्षकी (B) त्रयी
(C) वार्ता (D) दण्डनीतिः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.1)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 09

51. कौटिलीयार्थशास्त्रे एतत् वैश्यस्य स्वधर्मो न भवति- UGC 25 Jn - 2017

(A) याजनम् (B) दानम्
(C) अध्ययनम् (D) यजनम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र (1.1.2)–वाचस्पति गैरोला, पृष्ठ- 10

41. (D) 42. (A) 43. (B) 44. (A) 45. (D) 46. (A) 47. (D) 48. (C) 49. (D) 50. (A) 51. (A)

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची

1. **अग्निपुराण-** तारिणीश झा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग–2007
2. **अर्थसंग्रह-** दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2008
3. **अर्थसंग्रह-** वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, दिल्ली–2014
4. **अर्थसंग्रह-** कामेश्वरनाथ मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
5. **अर्थसंग्रह-** राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर-चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी-2009
6. **अर्थसंग्रह-**सत्यप्रकाश शर्मा- साहित्य भण्डार, मेरठ-2010
7. **अलंकार एवं छन्द-** समीर आचार्य-प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर-1996
8. **आगमरहस्य-** सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी-2013
9. **अभिज्ञानशाकुन्तलम् -** कपिलदेव द्विवेदी- रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद-2014
10. **औचित्य विचार चर्चा-** व्रजमोहन झा- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2013
11. **उत्तररामचरितम्-** कपिलदेव द्विवेदी- रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद-2015
12. **उत्तररामचरितम्-** राम अवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2012
13. **उत्तररामचरितम् -** शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर-2011
14. **ऋक्सूक्तसंग्रह-**हरिदत्त शास्त्री- साहित्य भण्डार, मेरठ
15. **ऋतुसंहार-**सीताराम चतुर्वेदी
16. **कर्णभारम्-**रामजी मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2012
17. **कविर्जयति वाल्मीकिः-** आनन्दकुमार श्रीवास्तव, उत्तरप्रदेश-संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2000
18. **कादम्बरीकथामुख-**जयंशकर लाल त्रिपाठी- चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी–2000
19. **कादम्बरीकथामुख-** तारिणीश झा- रामनारायण लाल अरुण कुमार, इलाहाबाद–2014
20. **कादम्बरीकथामुख-** राजेन्द्र मिश्र- अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2015
21. **कादम्बरीकथामुख-** समीर शर्मा-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2008
22. **कादम्बरी महाश्वेतावृत्तान्त-**प्रद्युम्न पाण्डेय- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2015
23. **कादम्बरी महाश्वेतावृत्तान्त-** राजदेव मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
24. **काव्यप्रकाश-** आचार्य विश्वेश्वर-ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी-2014-2016
25. **काव्यमीमांसा-** कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी-2009
26. **काव्यमीमांसा-** गंगासागर राय- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2013
27. **काव्यप्रकाश-** पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-1986
28. **काव्यप्रकाश-** सीताराम दोतोलिया-हंसा प्रकाशन, जयपुर-2016
29. **काव्यप्रकाश-** श्रीनिवास शास्त्री- साहित्य भण्डार, मेरठ-1960
30. **काव्यालंकार-** देवेन्द्रनाथ शर्मा-बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना, वि0सं0 2042
31. **काव्यालंकारसूत्र-** हरगोविन्द मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2016
32. **कारिकावली-** लोकमणि दाहाल-चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी-2012

33. **कालिदास ग्रन्थावली-** ब्रह्मानन्दशास्त्री-चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी-2014
34. **किरातार्जुनीयम् -** राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद–2003-2013
35. **किरातार्जुनीयम् -** रामसेवक दुबे- शारदापुस्तक भण्डार, इलाहाबाद-2010
36. **किरातार्जुनीयम् -** श्रीनिवास शास्त्री-भारतीय विद्याप्रकाशन, वाराणसी-2013
37. **कुमारसम्भव-** राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर-संस्कृतभवन, वाराणसी-सं-2057,
38. **कुमारसम्भव-** वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली-2005
39. **कुमारसम्भव-** सुधाकर मालवीय-चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 2014
40. **कुर्मपुराण-** शिवजीत सिंह - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2009
41. **कुवलयानन्द-** भोलाशंकर व्यास - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2013
42. **कौटिलीय अर्थशास्त्र-** वाचस्पति गैरोला- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2013
43. **गरुडपुराण-** गीताप्रेस, गोरखपुर-वि0सं0 2073
44. **गीतगोविन्द-** रामचन्द्र वर्मा शास्त्री- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली-2008
45. **गीता-** श्री प्रभुपाद- भक्तिवेदान्त बुकट्रस्ट, मुम्बई-1990
46. **गौतमधर्मसूत्र-** प्रमोदवर्धन कौण्डिन्न्यायन-चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी 2015
47. **चन्द्रालोक-** कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2012
48. **चाणक्यनीति-** पी0एम0 पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली-2014
49. **चार्वाक दर्शन-** आनन्द झा, उत्तरप्रदेश- हिन्दी संस्थान, लखनऊ–2005, 2013
50. **छन्दोऽलङ्कारसौरभम्-** राजेन्द्रमिश्र- अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2011
51. **छन्दोऽलङ्कार मज्जूषा-** लक्ष्मीकान्त दीक्षित, नारायण पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद-2003
52. **छन्दःप्रवेशिका-**ज्ञानेन्द्रसापकोटा-प्रमा-प्रकाशन, वाराणसी–2014
53. **जातकमाला-** जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी–2006
54. **जैनदर्शनसार-** नरेन्द्रकुमार शर्मा-हंसा प्रकाशन, जयपुर-2008, 2011
55. **तर्कसंग्रह-** राकेश शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली-2011
56. **तर्कसंग्रह-** आद्याप्रसाद मिश्र-अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2005-2013
57. **तर्कसंग्रह-** दयानन्द भार्गव
58. **तर्कसंग्रह-** कृष्णवल्लभाचार्य-व्यास प्रकाशन, वाराणसी
59. **तर्कसंग्रह-** केदारनाथ त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली-2004
60. **तर्कसंग्रह-** गोविन्दाचार्य- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2012
61. **तर्कसंग्रह-** राकेश शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली-2011
62. **तर्कसंग्रह-** रामभजन शर्मा वात्स्यायन-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2013
63. **तर्कसंग्रह-** शिवशंकर गुप्त-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2012
64. **तर्कभाषा-** आचार्य विश्वेश्वर-चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी -2017
65. **तर्कभाषा-** गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी–2013, 2015
66. **तर्कभाषा-** बद्रीनाथ शुक्ल- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली-2010
67. **तर्कभाषा-** सुरेन्द्रदेव शास्त्री चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2015
68. **तन्त्रागमीय ज्ञानकोश-**चन्द्रशेखर शिवाचार्य-शैवभारती शोध प्रतिष्ठानम्, वाराणसी-2008

69. **तन्त्रसार-** परमहंस मिश्र- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2017
70. **दशरूपक-** केशवराव मुसलगाँवकर- चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी सं0- 2016
71. **दशरूपक-** बैजनाथ पाण्डेय-मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी-2004
72. **दशरूपक-** रमाशंकर त्रिपाठी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2011
73. **दशरूपक-** लोकमणि दाहाल- चौखम्बा अमर भारती, वाराणसी--1987
74. **दशरूपक-**श्रीनिवास शास्त्री- साहित्य भण्डार, मेरठ-2015
75. **दशकुमारचरितम् -** विश्वनाथ झा- मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी- 2015
76. **दुर्गासप्तशती-** गीताप्रेस, गोरखपुर, सं0-2073
77. **धर्मसिन्धु-** रविदत्त शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली-2015
78. **ध्वन्यालोक-** आचार्य विश्वेश्वर-ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी-2010
79. **ध्वन्यालोक-**चण्डिका प्रसाद शुक्ल- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी - 2014
80. **नलचम्पू-** धुरन्धर पाण्डेय- भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी-2011
81. **नलचम्पू-** धुरन्धर पाण्डेय- भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी-2011
82. **नाट्यशास्त्र -** बाबूलाल शुक्ल शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत-संस्थान, वाराणसी-सं0 2065
83. **नाट्यशास्त्र-** ब्रजमोहन चतुर्वेदी-विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली-2014
84. **नाट्यशास्त्र-** थानेशचन्द्र उप्रेती- परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली-2012
85. **नित्यकर्म पूजाप्रकाश-** लाल बिहारी मिश्र- गीताप्रेस, गोरखपुर सं0 2073
86. **निर्णयसिन्धु-** व्रजरत्न भट्टाचार्य- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2014
87. **नीतिशतकम् -** गोपाल शर्मा-हंसा प्रकाशन, जयपुर-2012
88. **नीतिशतकम् -** तारिणीश झा- रामनारायण लाल एण्ड कम्पनी, इलाहाबाद-2013
89. **नीतिशतकम् -** राकेश शास्त्री- परिमल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
90. **नीतिशतकम् -** राजेश्वर प्रसाद मिश्र- अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2012
91. **नैषधीयचरितम् -** देवर्षि सनाढ्य शास्त्री-चौखम्बा कृष्णदास-अकादमी, वाराणसी-2010
92. **नैषधीयचरितम्-**देवनारायण मिश्र- साहित्य भण्डार, मेरठ
93. **नैषधीयचरितम् -** बद्रीनाथ मालवीय- रामनारायण लाल अरुण कुमार, इलाहाबाद–2016
94. **नैषधीयचरितम् -** सुरेन्द्रदेव शास्त्री- चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी-1999
95. **न्यायदर्शन-** ढुण्ढिराज शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी सं.- 2071
96. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-** (सम्पूर्ण खण्ड)- गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
97. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-** महानन्द झा- चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी-सं-2066
98. **पातञ्जलयोगदर्शन -** सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2012
99. **प्रतिमानाटक-** धरानन्द शास्त्री**-** मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली- 2003
100. **प्राचीन भारतीय संस्कृति -** वीरेन्द्र कुमार सिंह-अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2011
101. **प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-1)-** परमेश्वरी लाल गुप्त–2014
102. **प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-2)-** परमेश्वरी लाल गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2013
103 **प्राचीन भारतीय इतिहास-** सौरभ चौबे, यूनिवर्सल बुक, इलाहाबाद-2016
104. **बुद्धचरितम् -** रामचन्द्र दास शास्त्री- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2014

105. **बृहज्जातकम् -** केदारदत्त जोशी-मोतीलाल- बनारसीदास, वाराणसी- 2016
106. **बृहद्धातुकुसुमाकर-** हरेकान्त मिश्र- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली- 2014
107. **बौद्धदर्शन-मीमांसा-** बलदेव उपाध्याय-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2014
108. **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् -** स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी-2013
109. **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् -** हनुमानदास जी षट्शास्त्री- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2010
110. **भर्तृहरिशतकम् -** स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती-सुबोध पब्लिकेशन्स, दिल्ली-2014
111. **भविष्यमहापुराण-** बाबूराम उपाध्याय- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग-2003
112. **भागवत महापुराण-**गीताप्रेस, गोरखपुर- सं0 -2068
113. **भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास-** राजवंश सहाय 'हीरा'- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2007
114. **भारतीय दर्शन-** उमेश मिश्र- उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ- 2003
115. **भारतीय दर्शन-** चन्द्रधर शर्मा- मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली-2013
116. **भारतीय दर्शन-** जगदीशचन्द्र मिश्र - चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी- 2015
117. **भारतीय दर्शन-** बलदेव उपाध्याय- शारदा मन्दिर, वाराणसी-2011
118. **भारतीय दर्शन-** नन्दकिशोर देवराज- उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ - 1992-1999
119. **भारतीय दर्शन-** वाचस्पति गैरोला- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-2009
120. **भारतीय दर्शन-** शिवशंकर गुप्त-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी- 1999
121. **भारतीय दर्शन-** शोभा निगम - मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली- 2011
122. **भारतीय दर्शन की रूपरेखा-** हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली-1995, 2012
123. **भारतीय दर्शन-** श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ–2012
124. **भारतीयशास्त्र एवं शास्त्रकार-**गिरिजाशंकर शास्त्री / मृदुला त्रिपाठी-चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी सं-2072
125. **भारतीय संगीत का इतिहास-** शरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2010
126. **भारतीय संस्कृति-**दीपक कुमार- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
127. **भासनाटकचक्रम्-** रामचन्द्र मिश्र / बलदेव उपाध्याय- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2002
128. **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-** कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2012
129. **भाषाविज्ञान-** कर्णसिंह-साहित्य भण्डार, मेरठ-2015
130. **मत्स्यपुराण-** कालीचरण गौड़- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2015
131. **मन्त्ररहस्य-** नारायण दत्त श्रीमाली-पुस्तक महल, दिल्ली
132. **महाभारत-** गीताप्रेस, गोरखपुर- सं0 -2070
133. **मालविकाग्निमित्रम् -** रमाशंकर पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 2014
134. **मुद्राराक्षस-** परमेश्वरदीन पाण्डेय-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी-2014
135. **मुद्राराक्षस-**पुष्पा गुप्ता- ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली-2003
136. **मनुस्मृति-** गिरिधर गोपाल शर्मा- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली-2014
137. **मनुस्मृति-** शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014
138. **मुहूर्तचिन्तामणि -** विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
139. **मृच्छकटिकम् -** जगदीशचन्द्र मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी -2015
140. **मृच्छकटिकम् -** जयशंकर लाल त्रिपाठी - चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी-2013

141. **मृच्छकटिकम् -** रमाशंकर त्रिपाठी- मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी-2014
142. **मृच्छकटिकम् -** श्रीनिवास शास्त्री- साहित्य भण्डार, मेरठ - 2010
143. **मेघदूतम् -** आर.बी.शास्त्री-हंसा प्रकाशन, जयपुर- 2012
144. **मेघदूतम् -** तारिणीश झा-रामनारायण लाल एण्ड कम्पनी, इलाहाबाद-2011
145. **मेघदूतम् -** थानेशचन्द्र उप्रेती- परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली-2014
146. **मेघदूतम्-** दयाशंकर शास्त्री- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
147. **मेघदूतम्-** विजेन्द्र कुमार शर्मा- साहित्य भण्डार, मेरठ-2014, 2016
148. **मेघदूतम् -** शेषराज शर्मा 'रेग्मी'- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 2007
149. **याज्ञवल्क्यस्मृति-** उमेशचन्द्र मिश्र- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी सं. 2070
150. **याज्ञवल्क्यस्मृति-** गंगासागर राय- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, दिल्ली-2015
151. **वक्रोक्तिजीवितम् -**परमेश्वरदीन पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2014
152. **वक्रोक्तिजीवितम् -** राधेश्याम मिश्र- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी- सं0 2068
153. **वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम् -** सर्वज्ञभूषण - संस्कृतगङ्गा प्रकाशन, इलाहाबाद-2015
154. **वाक्यपदीयम् -** सूर्यनारायण शुक्ल-चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी-2016
155. **वायुपुराण-** शिवजीत सिंह- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी - 2013
156. **वाल्मीकीय रामायण-** गीताप्रेस, गोरखपुर- सं0 2067
157. **वासवदत्ता-** जमुनापाठक- चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी- 2010
158. **विदुरनीति-** गुञ्जेश्वर चौधरी-चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी 2012
159. **विदुरनीति-** जगदीश्वरानन्द-सरस्वती सुबोध पब्लिकेशन्स, दिल्ली-2014
160. **विवेकचूडामणि-** गीताप्रेस, गोरखपुर सं0- 2069,2073
161. **वृत्तरत्नाकर-** धरानन्दशास्त्री-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली–1993
162. **वेणीसंहार-** गंगासागर राय
163. **वेणीसंहार-** परमेश्वरदीन पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 2014
164. **वेदान्तसार-** आद्याप्रसाद मिश्र- अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद- 2011,2015
165. **वेदान्तसार-** कृष्णकान्त त्रिपाठी- साहित्यभण्डार, मेरठ-2009
166. **वेदान्तसार-** बद्रीनाथ शुक्ल- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली-2012
167. **वेदान्तसार-** राकेश शास्त्री-परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2017
168. **वेदान्तसार-** सन्तनारायण श्रीवास्तव -सुदर्शन प्रकाशन, गाजियाबाद-2005
169. **वेदान्तदर्शन -** गीताप्रेस, गोरखपुर- सं0 2070
170. **वेदान्त परिभाषा-**गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 2015
171. **वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-** कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी- 2010
172. **वैदिक साहित्य का इतिहास-**पारसनाथ द्विवेदी-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 2014
173. **वैदिक साहित्य और संस्कृति**-बलदेव उपाध्याय-शारदा संस्थान, वाराणसी-2015
174. **वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-**वाचस्पति गैरोला- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली-2016
175. **वैराग्यशतकम् -** स्वामी विदेहात्मानन्द-रामकृष्णमठ, नागपुर सं0 - 3000
176. **रघुवंशम् -** कृष्णमणि त्रिपाठी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2012

177. **रघुवंशम् -** बलवान सिंह यादव- चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी सं0- 2067

178. **रघुवंशम् -** हरगोविन्द मिश्र- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी-सं0 2072

179. **रत्नावली-** तारिणीश झा- रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद-2013

180. **रत्नावली-** श्रीकृष्ण त्रिपाठी-चौखम्बा संस्कृतभवन, वाराणसी सं0- 2065

181. **रसगंगाधर-** मदनमोहन झा- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 2013

182. **ललितासहस्रनामस्तोत्रम् -**देवेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, दुर्गा पुस्तक भण्डार, इलाहाबाद

183. **लूसेन्ट सामान्यज्ञान-** सुनील कुमार सिंह-लूसेन्ट पब्लिकेशन्स,पटना 2012

184. **शिवदृष्टि -** राधेश्याम चतुर्वेदी - वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी-2013

185. **शिवराजविजयम् -** देवनारायण मिश्र- साहित्य भण्डार, मेरठ- 2014, 2016

186. **शिवराजविजयम् -** रमाशंकर मिश्र- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2014

187. **शिशुपालवधम् -** जनार्दन गंगाधर रटाटे- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-2015

188. **शिशुपालवधम् -** तारिणीश झा- रामनारायण लाल अरुण कुमार, इलाहाबाद-2015

189. **शिशुपालवधम् -** देवनारायण मिश्र- साहित्य भण्डार, मेरठ-2012

190. **शिशुपालवधम् -** शिवदत्त दाधीच-चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी-2012

191. **शिशुपालवधम् -** हरगोविन्द मिश्र- चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी-2015

192. **शुकनासोपदेश-** तारिणीश झा- रामनारायण लाल- अरुण कुमार, इलाहाबाद-2014

193. **शुकनासोपदेश-**राजेश्वर प्रसाद मिश्र-अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद-2007

194. **शुक्रनीति-** जगदीशचन्द्र मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 2012

195. **शैवदर्शन एवं स्पन्दशास्त्र-** श्यामाकान्त द्विवेदी

196. **श्रीमद्भगवद्गीता-** गीताप्रेस, गोरखपुर सं0 -2073

197. **श्रौतयज्ञपरिचय-**वेणीरामशर्मा गौड- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 1999

198. **षट्दर्शन-** नन्दलाल-दशोरा-रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार- 2011

199. **सत्यार्थ प्रकाश-** दयानन्द सरस्वती-आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली 2003

200. **सत्यार्थप्रकाश-** श्री घूडमल प्रहलादकुमार-आर्य धर्मार्थ न्यास, हिण्डौन राजस्थान-2015

201. **संस्कृत परम्परागत विषय-** शत्रुघ्न त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 2014

202. **संस्कार प्रकाश-** गीताप्रेस, गोरखपुर सं0 - 2072

203. **संस्कृत शिक्षण-** उदयशंकर झा-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी-2011

204. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सभी खण्ड)-** बलदेव उपाध्याय-उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ सं0 -2056

205. **संस्कृत साहित्य का इतिहास-** उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'- चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी 2014

206. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-** कपिलदेव द्विवेदी- रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद- 2016, 2017

207. **संस्कृत साहित्य का इतिहास-** राकेश कुमार जैन- रचना प्रकाशन, जयपुर-2012

208. **संस्कृत साहित्य का इतिहास-** वाचस्पति गैरोला- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी-2014

209. **संस्कृत हिन्दी कोश-**वामन शिवराम आप्टे- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 2012

210. **सर्वदर्शनसंग्रह-** उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- 2012

डिजिटल भारत में डिजिटल संस्कृत

प्रिय संस्कृत मित्रों,

आज पूरी दुनिया में डिजिटलीकरण का दौर चल रहा है, जिसमें भारत भी बढ़-चढ़ कर भूमिका निभा रहा है, मा०प्रधानमन्त्री जी का सपना है कि भारत पूर्णत: डिजिटल भारत हो उसी प्रकार संस्कृतगङ्गा का सपना है कि संस्कृत भी डिजिटलीकरण में पीछे न रहे तो आइये हम सब मिलकर संस्कृत को डिजिटलसंस्कृत बनाने का सङ्कल्प लें-

हमारे डिजिटल उपक्रम-



संस्कृतगङ्गा Online Classes

- ↳ **TGT, PGT, UGC की कक्षायें घर में बैठकर करें।**
- ↳ **संस्कृत प्रतियोगी परीक्षा सम्बन्धी समाधान (समय निर्धारित)**
- ↳ **सम्पर्क करें - 7800138404**



www.sanskritganga.org

- ↳ **यहाँ आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।**
- ↳ **हमारे प्रकाशन की समस्त पुस्तकें आर्डर कर सकते हैं।**
- ↳ **संस्कृतगङ्गा के विषय में जानकारी प्राप्त करें।**



Sanskrit Ganga Channel

- ↳ **हमारे YouTube चैनल को Subscribe करें ताकि आपको मिल सके संस्कृत के विशेष वीडियो**
- ↳ **TGT, PGT, UGC संस्कृत से सम्बन्धित महत्वपूर्ण वीडियो**
- ↳ **महत्वपूर्ण सूक्तियों की व्याख्या**
- ↳ **अन्य शैक्षिक प्रेरणात्मक ऑडियो, वीडियो आदि।**